

ACT & STATUTES



2012

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
HALDWANI - 263 139 (NAINITAL)
UTTARAKHAND (INDIA)

अधिनियम

(THE ACT)

अनुक्रमणिका

अध्याय	धारा	विषय	पृष्ठ सं०
1	1	संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ	6
	2	परिभाषाएँ	6—7
2	3	विश्वविद्यालय की स्थापना एवं निगमन	7—8
	4	विश्वविद्यालय के उद्देश्य	8
	5	विश्वविद्यालय की शक्तियाँ	8—11
	6	शक्तियों का प्रादेशिक प्रयोग	11
	7	विश्वविद्यालय का सभी वर्गों एवं पंथों के लिए खुला होना	11
3	8	निरीक्षण तथा जाँच	11—13
4	9	विश्वविद्यालय के अधिकारी	13
	10	कुलाधिपति	13—14
	11	कुलपति	14—15
	12	निदेशक	15
	13	कुलसचिव	15
	14	वित्त अधिकारी	15
	15	अन्य प्राधिकारी	15—16
5	16	विश्वविद्यालय के प्राधिकारी	16
	17	कार्य परिषद	16
	18	विद्या परिषद	16—17
	19	योजना बोर्ड	17
	20	अध्ययन केन्द्र	17
	21	वित्त समिति	17
	22	अन्य प्राधिकारी	17
6	23	विश्वविद्यालय निधि की स्थापना	17
	24—26	निधि का गठन	18
	27	उद्देश्य जिनके लिए विश्वविद्यालय निधि के लिए उपयोग किया जायेगा	18—19
	28	व्यय सीमा से अधिक न होना	19
	29	व्यय अनुमोदन पर किया जाना	19
7	30	पनिनियम, अध्यादेश और विनियम	19—20
	31	परिनियम कैसे बनाये जायेंगे	20—21
	32	अध्यादेश	21—22
	33	विनियम	22

8	34	वार्षिक प्रतिवेदन	22
	35	लेखा और लेखा परीक्षा	23
	36	अधिभार	23
9	37	कर्मचारियों की सेवा शर्तें	23—24
	38	माध्यस्थता अभिकरण	24
	39	भविष्य एवं पेंशन निधियाँ	24
10	40	विश्वविद्यालय प्राधिकारियों और निकायों के गठन के बारे में विवाद	24—25
	41	आकस्मिक रिक्तियों का भरा जाना	25
	42	रिक्तियों के कारण विश्वविद्यालय प्राधिकारियों या निकायों की कार्यवाहियों का अधिमान्य न होना	25
	43	सद्भावनापूर्वक की गयी कार्यवाही के लिए संरक्षण	25
	44	विश्वविद्यालय के कर्मचारीवृन्द	25—26
11	45	कठिनाईयों को दूर करने की शक्ति	26
	46	संक्रमणकालीन उपबन्ध	26—27
	47	परिनियमों, अध्यादेशों एवं विनियमों का राजपत्र में प्रकाशित किया जाना	27
—	—	अनुसूची	27—29
—	—	अंग्रेजी अनुवाद	30—52

सरकारी गजट, उत्तरांचल
उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित
असाधारण
विधायी परिशिष्ट
भाग-1, खण्ड (क)
(उत्तरांचल अधिनियम)
देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई0
कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्
उत्तरांचल शासन
विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग
संख्या-608/विधायी एवं संसदीय कार्य/2005
देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तरांचल का अधिनियम संख्या 23, सन् 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय नाम से ज्ञात विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु अधिनियम

भारत गणराज्य के छप्पनवें वर्ष में उत्तरांचल विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमत हो:-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :-

- 1 (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 है।
- (2) यह उस तारीख को प्रवृत्त होगा जो राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे।

परिभाषाएं :-

- 2 इस अधिनियम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—
 - (क) “विद्या परिषद्” और “कार्य परिषद्” से विश्वविद्यालय की क्रमशः विद्या परिषद् और कार्य परिषद् अभिप्रेत हैं;
 - (ख) “मान्यता बोर्ड” से विश्वविद्यालय का मान्यता बोर्ड अभिप्रेत है;
 - (ग) “महाविद्यालय” से विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित या अनुरक्षित या ऐसे विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार प्राप्त महाविद्यालय या अन्य शैक्षणिक संस्था अभिप्रेत है;
 - (घ) “दूर शिक्षा पद्धति” से संचार के किसी माध्यम से यथा प्रसारण, दूर दृश्य प्रसारण, पत्राचार पाठ्यक्रम, सेमीनार, सम्पर्क कार्यक्रम अथवा ऐसे किसी दो या अधिक साधनों के संयोजन द्वारा शिक्षा देने की प्रणाली अभिप्रेत है;
 - (ङ.) “वित्त समिति” से विश्वविद्यालय की वित्त समिति अभिप्रेत है;
 - (च) “अन्य पिछड़े वर्गों” से समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) अधिनियम, 1994 (उत्तरांचल राज्य में यथा प्रवृत्त) की अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट नागरिकों के पिछड़े वर्ग अभिप्रेत हैं;
 - (छ) “योजना बोर्ड” से विश्वविद्यालय का योजना बोर्ड अभिप्रेत है;
 - (ज) “विहित” से परिनियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है;
 - (झ) “विद्यालय” से विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र अभिप्रेत हैं;

- (अ) “परिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों” से विश्वविद्यालय के क्रमशः परिनियम, अध्यादेश और विनियम अभिप्रेत हैं;
- (ट) “विद्यार्थी” से विश्वविद्यालय का विद्यार्थी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत ऐसा कोई व्यक्ति भी है जिसने विश्वविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु अपना नामांकन कराया है;
- (ठ) “अध्ययन केन्द्र” से विद्यार्थियों को सलाह देने या परामर्श देने या उनके द्वारा अपेक्षित अन्य सहायता देने के प्रयोजन से विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित, अनुरक्षित या मान्यता प्राप्त केन्द्र अभिप्रेत है;
- (ड) “क्षेत्रीय केन्द्र” से प्रदेश में स्थापित अध्ययन क्षेत्रों के कार्यों में समन्वय/निरीक्षण तथा अन्य कार्यों में सम्पादन के लिये विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित या अनुरक्षित क्षेत्रीय केन्द्र अभिप्रेत हैं;
- (ढ) “शिक्षक” से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो विश्वविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में अध्ययन के लिये विद्यार्थी का मार्गदर्शन करने या उसकी सहायता करने के लिये विश्वविद्यालय में शिक्षण देने के लिये नियोजित हो और इसके अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य या निदेशक भी हैं;
- (त) “विश्वविद्यालय” से धारा 3 के अधीन स्थापित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अभिप्रेत है;
- (थ) “कर्मचारी” से विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त कोई कर्मचारी अभिप्रेत है जिसमें शिक्षक तथा विश्वविद्यालय का अन्य शैक्षणिक कर्मचारीवृन्द भी सम्मिलित है;
- (द) “कुलाधिपति तथा कुलपति” से विश्वविद्यालय के क्रमशः कुलाधिपति तथा कुलपति अभिप्रेत हैं।

अध्याय - 2

विश्वविद्यालय एवं उसके उद्देश्य

विश्वविद्यालय की स्थापना एवं निगमन :-

3. (1) “उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय” के नाम से एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी।
- (2) विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में होगा तथा वह राज्य में

ऐसे अन्य स्थानों पर, जिन्हें वह उचित समझे, महाविद्यालय या अध्ययन केन्द्र स्थापित या अनुरक्षित कर सकेगा।

- (3) कुलपति, कार्य परिषद एवं विद्या परिषद् के सदस्यों की हैसियत से विश्वविद्यालय में तत्समय में पदधारक, उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय के नाम से एक निगमित निकाय का गठन करेंगे।
- (4) विश्वविद्यालय का शाश्वत उत्तराधिकार होगा तथा एक सामान्य मुद्रा (सील) होगी तथा वह उक्त नाम से वाद लायेगा एवं उस पर वाद लाया जायेगा।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य :-

- 4 विश्वविद्यालय, दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से जिसमें किसी संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग भी है, अधिसंख्यक जनसमुदाय में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में अभिवृद्धि करेगा और अपने क्रियाकलापों को संचालित करने में अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट उद्देश्यों का सम्यक् ध्यान रखेगा।

विश्वविद्यालय की शक्तियां :-

- 5 विश्वविद्यालय की निम्नलिखित शक्तियाँ होंगी, अर्थात्—
 - (I) ज्ञान प्रौद्योगिकी वृत्तियों एवं व्यवसायों की ऐसी शाखाओं में जैसी विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय, शिक्षण हेतु व्यवस्था करना तथा अनुसंधान और प्रायोजित अनुसंधान की व्यवस्था करना;
 - (II) उपाधियों, उपाधि-पत्रों, प्रमाण-पत्रों अथवा किसी अन्य प्रयोजन हेतु शिक्षण पाठ्यक्रमों को योजित एवं विहित करना;
 - (III) परिनियमों एवं अध्यादेशों द्वारा अधिकथित रीति के अनुसार, परीक्षाओं का आयोजन तथा ऐसे व्यक्तियों को, जिन्होंने किसी शिक्षण पाठ्यक्रम का अध्ययन किया है या अनुसंधान किया है, उपाधियाँ, उपाधि-पत्रों अथवा अन्य शैक्षणिक विशिष्टतायें या मान्यतायें प्रदान करना;
 - (IV) विहित रीति के अनुसार, मानद उपाधियाँ अथवा अन्य विशिष्टतायें प्रदान करना;
 - (V) विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम के सम्बन्ध में दूर शिक्षा का प्रायोजन करने की रीति का निर्धारण करना;
 - (VI) शिक्षण देने के लिये या शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के लिये या

ऐसे अन्य शैक्षणिक क्रियाकलापों का संचालन करने के लिये जिनके अन्तर्गत पाठ्यक्रमों के लिये मार्गदर्शन, उनकी रूपरेखा तैयार करना और उनका प्रस्तुतिकरण भी है, और छात्रों द्वारा किये गये कार्य के मूल्यांकन के लिये, आचार्य, उपाचार्य, प्राध्यापक से सम्बन्धित पद और अन्य शैक्षणिक पद संस्थित करना और ऐसे आचार्य, उपाचार्य, प्राध्यापक और अन्य शैक्षणिक पदों पर व्यक्तियों को नियुक्त करना;

- (VII) अन्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं, वृत्तिक निकायों और संगठनों के साथ ऐसे प्रयोजनों के लिये, जो विश्वविद्यालय आवश्यक समझे, सहयोग करना और उनका सहयोग प्राप्त करना;
- (VIII) अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार और योग्यता की मान्यता के लिये ऐसे अन्य पारितोषिक संस्थित करना और देना, जो विश्वविद्यालय ठीक समझे;
- (IX) ऐसे क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित करना और बनाये रखना जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर अवधारित किये जायें;
- (X) विहित रीति से अध्ययन केन्द्र स्थापित करना और बनाये रखना या मान्यता देना;
- (XI) शैक्षणिक सामग्री जिसके अन्तर्गत फिल्में, कैसेट, टेप, विडियोकैसेट और अन्य सॉफ्टवेयर हैं, तैयार करने के लिये व्यवस्था करना;
- (XII) शिक्षकों, पाठ्यलेखकों, मूल्यांककों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारीवृन्द के लिये पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, कार्यशालायें, विचार गोष्ठियाँ और अन्य कार्यक्रम आयोजित करना और उनका संचालन करना;
- (XIII) अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थाओं या उच्चतर शिक्षा के अन्य संस्थानों में परीक्षाओं या अध्ययन की अवधियों को, चाहे पूर्णतः या भागतः, विश्वविद्यालय में परीक्षाओं या अध्ययन की अवधियों के समतुल्य रूप में मान्यता देना और किसी भी समय ऐसी मान्यता को वापस लेना;
- (XIV) शैक्षिक प्रौद्योगिकी और सम्बन्धित विषयों में, अनुसंधान, प्रायोजित अनुसंधान तथा विकास के लिए व्यवस्था करना;
- (XV) प्रशासकीय, लिपिक वर्गीय तथा अन्य आवश्यक पदों का सृजन करना तथा उन पर नियुक्तियाँ करना;
- (XVI) विश्वविद्यालय के प्रयोजन हेतु सदान, दान और उपहार ग्रहण

करना तथा न्यासीय और राजकीय सम्पत्ति सहित किसी भी चल या अचल सम्पत्ति का उपार्जन, धारण, अनुरक्षण तथा निस्तारण करना;

(XVII) विश्वविद्यालय के प्रयोजनों हेतु राज्य सरकार के अनुमोदन से विश्वविद्यालय की सम्पत्ति की प्रतिभूति पर या अन्यथा, ऋण पर धन प्राप्त करना;

(XVIII) संविदायें करना, उनको कार्यान्वित, परिवर्तित अथवा निरस्त करना;

(XIX) अध्यादेशों द्वारा अधिकथित फीस और अन्य प्रभारों की मांग एवं प्राप्ति करना;

(XX) छात्रों और सभी प्रवर्गों के कर्मचारियों के बीच अनुशासन की व्यवस्था करना, नियंत्रण करना और उसे बनाये रखना और ऐसे कर्मचारियों की सेवा शर्तों को जिनके अन्तर्गत उनकी आचरण संहिता भी हैं, अधिकथित करना;

(XXI) संविदा पर या अन्यथा अभ्यागत आचार्यों, प्रतिष्ठित आचार्यों, परामर्शियों, अध्येताओं, विद्वानों, कलाकारों, पाठ्यक्रम लेखकों और ऐसे अन्य व्यक्तियों के जो विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अभिवृद्धि में योगदान कर सकें, नियुक्त करना;

(XXII) अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थाओं या संगठनों में कार्यरत व्यक्तियों को विश्वविद्यालय के शिक्षकों के रूप में ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर जो अध्यादेश द्वारा अधिकथित की जाय, मान्यता लेना;

(XXIII) विश्वविद्यालय के अध्ययन पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रवेश के लिये शर्तें विनिर्दिष्ट करना जिनके अन्तर्गत परीक्षा, मूल्यांकन और परीक्षण की कोई अन्य रीति है;

(XXIV) कर्मचारियों के साधारण स्वास्थ्य और कल्याण की अभिवृद्धि के लिये प्रबन्ध करना;

(XXV) परिनियमों में विहित रीति से किसी महाविद्यालय या किसी क्षेत्रीय केन्द्र को स्वायत्त प्रास्थिति प्रदान करना;

(XXVI) ऐसे सभी कार्य करना जो विश्वविद्यालय को ऐसी सभी या किन्हीं शक्तियों के, जो आवश्यक हैं, प्रयोग से आनुषंगिक हों और विश्वविद्यालयों के सभी या किन्हीं उद्देश्यों के संप्रवर्तन में

सहायक हों।

शक्तियों को प्रादेशिक प्रयोग :-

- 6 तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में किसी बात के होते हुए भी, विश्वविद्यालय को अपनी शक्तियों के प्रयोग में, अधिकारिता सम्पूर्ण उत्तरांचल में होगी।

विश्वविद्यालय का सभी वर्गों और पन्थों के लिये खुला होना :-

- 7 (1) विश्वविद्यालय, वर्गों और पन्थों का विचार किये बिना, सभी व्यक्तियों के लिये, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, खुला होगा और विश्वविद्यालय के लिये ऐसे किसी व्यक्ति को विश्वविद्यालय के शिक्षक के रूप में नियुक्त किये जाने या उसमें कोई अन्य पद धारण करने या विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में प्रवेश प्राप्त करने या उसमें उपाधि प्राप्त करने या उसके किसी विशेषाधिकार का उपयोग करने या प्रयोग का हकदार बनाने के लिये कोई भी धार्मिक विश्वास या मान्यता का मानदण्ड अपनाना, उस पर अधिरोपित करना विधिपूर्ण नहीं होगा।
- (2) उपधारा 1 की कोई बात विश्वविद्यालय को स्त्रियों का समाज के कमजोर वर्गों के व्यक्तियों, विशिष्टतः अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को नियुक्ति या प्रवेश के लिये विशेष उपबन्ध करने से निवारित करने वाली नहीं समझी जायेगी।

अध्याय -3

निरीक्षण तथा जाँच

निरीक्षण तथा जाँच :-

- 8 (1) उपधारा (3) और उपधारा (4) के अधीन रहते हुए कुलाधिपति को किसी ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा जैसा वह निर्देश दें, विश्वविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित किसी महाविद्यालय या अध्ययन केन्द्र जिसके अन्तर्गत उनके भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कर्मशाला और उपस्कर भी हैं, और विश्वविद्यालय या ऐसे महाविद्यालय या अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित या ली गयी परीक्षाओं, शिक्षण और अन्य कार्य का भी निरीक्षण करने या विश्वविद्यालय या ऐसे महाविद्यालय या ऐसे

केन्द्रों के प्रशासन और वित्त से सम्बन्धित किसी विषय के संबंध में उसी रीति से जांच कराने का अधिकार होगा।

- (2) कुलाधिपति प्रत्येक मामले में निरीक्षण या जांच कराने के अपने आशय की सूचना विश्वविद्यालय को देगा तथा विश्वविद्यालय को ऐसी सूचना की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर अथवा कुलाधिपति द्वारा निर्धारित समय में, ऐसी जांच में, यदि आवश्यक समझे तो सम्मिलित होने का अधिकार होगा।
- (3) विश्वविद्यालय द्वारा किये गये अभ्यावेदन पर, यदि कोई है, विचार करने के पश्चात् कुलाधिपति ऐसे निरीक्षण या जांच करावेंगे जैसी कि उपधारा (2) में निर्दिष्ट है।
- (4) कुलाधिपति द्वारा नियुक्त व्यक्ति के द्वारा यदि कोई निरीक्षण या जांच की जानी है तो विश्वविद्यालय को एक प्रतिनिधि नियुक्त करने का अधिकार होगा, जिसे ऐसे निरीक्षण या जांच में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने तथा सुने जाने का अधिकार होगा।
- (5) कुलाधिपति ऐसे निरीक्षण या जांच के परिणाम में अपने विचार और उस पर कार्यवाही किये जाने के संदर्भ में, जो वह कहना चाहें और कुलपति को सम्बोधित कर सकेंगे। कुलाधिपति द्वारा सम्बोधित पत्र को कुलपति इस निरीक्षण अथवा जांच के परिणाम को तुरन्त कार्य परिषद् को संसूचित करेंगे और कुलाधिपति के विचार तथा परामर्श पर की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में बतावेंगे।
- (6) कार्य परिषद्, कुलपति के माध्यम से कुलाधिपति को निरीक्षण या जांच के परिणामस्वरूप की गयी या किये जाने के लिए प्रस्तावित कार्यवाही के बारे में सूचित करेंगे।
- (7) यदि विश्वविद्यालय के प्राधिकारी युक्तियुक्त समय में कुलाधिपति के समाधानप्रद रूप में कार्यवाही नहीं करते हैं तो कुलाधिपति विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी भी प्रत्यावेदन व स्पष्टीकरण पर विचार करने के पश्चात् ऐसे निदेश जो वह उचित समझते हैं, जारी कर सकते हैं और विश्वविद्यालय के प्राधिकारी उन निदेशों को मागने के लिये बाध्य होंगे।
- (8) इस धारा के पूर्वगामी उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, कुलाधिपति, लिखित आदेश द्वारा विश्वविद्यालय की ऐसी कार्यवाहियों को निष्प्रभावी कर सकता है, जो कि अधिनियम, परिनियमों या अध्यादेशों के संगत न हों :

परन्तु ऐसा आदेश करने से पूर्व वह विश्वविद्यालय से यह कारण दर्शित करने के लिए कहेगा कि इस प्रकार का आदेश क्यों न किया जाय और यदि समुचित समय के अन्तर्गत कोई युक्तियुक्त कारण बताया जाता है तो वह उस पर विचार करेगा।

- (9) कुलाधिपति की ऐसी अन्य शक्तियां होंगी जो परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जायें।

अध्याय -4

विश्वविद्यालय के अधिकारी

विश्वविद्यालय के अधिकारी :-

9. विश्वविद्यालय के निम्न अधिकारी होंगे :-

- (क) कुलाधिपति;
- (ख) कुलपति;
- (ग) निदेशक;
- (घ) कुलसचिव;
- (ङ.) वित्त अधिकारी
- (च) परीक्षा नियंत्रक; और
- (छ) ऐसे अन्य अधिकारी जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारी घोषित किये जायें।

कुलाधिपति :-

10. (1) राज्यपाल, विश्वविद्यालय का कुलाधिपति होगा। वह अपने पद के आधार पर विश्वविद्यालय का प्रधान होगा और जब वह उपस्थित हो तो विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का सभापतित्व करेगा।
- (2) सम्मानिक उपाधि प्रदान करने की प्रत्येक प्रस्थापना कुलाधिपति की पुष्टि के अधीन होगी।
- (3) कुलपति का यह कर्तव्य होगा कि विश्वविद्यालय के प्रशासन कार्य से सम्बन्धित ऐसी जानकारी या अभिलेख, जिन्हें कुलाधिपति मांगे, प्रस्तुत करे।

- (4) कुलाधिपति को ऐसी अन्य शक्तियां होंगी जो उसे इस अधिनियम या परिनियमों द्वारा या उनके अधीन प्रदान की जायें।

कुलपति :-

11. (1) कुलपति, विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक वैतनिक अधिकारी होगा और कुलाधिपति द्वारा उस रीति से, उस अवधि के लिये और उन उपलब्धियों और अन्य सेवा शर्तों पर, जैसी कि विहित की जायें, नियुक्त किया जायेगा:

परन्तु विश्वविद्यालय का प्रथम कुलपति राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जायेगा और वह तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा।

- (2) कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान शैक्षणिक व कार्यपालक अधिकारी होगा और विश्वविद्यालय के कार्यकलापों पर पर्यवेक्षण और नियंत्रण रखेगा और विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकारियों के विनिश्चयों को कार्यान्वित करेगा।

- (3) यदि कुलपति के मतानुसार किसी विषय पर तत्काल कार्यवाही आवश्यक हो तो वह इस अधिनियम द्वारा या इसके अधीन विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी या प्राधिकारी को प्रदत्त किसी शक्ति का प्रयोग कर सकता है तथा ऐसे विषय पर स्वयं द्वारा कृत कार्यवाही को ऐसे अधिकारी या प्राधिकारी को संसूचित करेगा :

परन्तु यह कि यदि संबंधित प्राधिकारी के मतानुसार ऐसी कार्यवाही नहीं की जानी चाहिये थी तो वह विषय को कुलाधिपति को निर्देशित कर सकता है जिसका उस विषय पर विनिश्चय अन्तिम होगा :

परन्तु यह और कि विश्वविद्यालय की सेवा में किसी व्यक्ति को, जो इस उपधारा के अधीन कुलपति द्वारा की गयी कार्यवाही से व्यथित हो, ऐसी कार्यवाही के संबंध में विनिश्चय से संसूचित किये जाने के नब्बे दिनों के भीतर कार्य परिषद् को अपील करने का अधिकार होगा और तदुपरि कार्य परिषद्, कुलपति द्वारा की गयी कार्यवाही को पुष्ट या उपान्तरित कर सकेगी या उसे उलट सकती है।

- (4) यदि कुलपति यह समझते हैं कि किसी प्राधिकारी का विनिश्चय इस अधिनियम, परिनियमों या अध्यादेशों के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त

प्राधिकारी की शक्तियों के परे है या यह है कि किया गया कोई विनिश्चय विश्वविद्यालय के हित में नहीं है तो वह संबंधित प्राधिकारी को ऐसे विनिश्चय के साठ दिन के भीतर अपने विनिश्चय का पुनर्विलोकन करने के लिये कह सकेगा और यदि प्राधिकारी अपने विनिश्चय का पूर्णतः या भागतः पुनर्विलोकन करने से इन्कार करता है या साठ दिन की उक्त अवधि के भीतर उसके द्वारा कोई विनिश्चय नहीं किया जाता है तो मामला कुलाधिपति को निर्दिष्ट किया जायेगा जिसका विनिश्चय अंतिम होगा:

परन्तु संबंधित प्राधिकारी का विनिश्चय, यथास्थिति, प्राधिकारी या कुलाधिपति द्वारा इस उपधारा के अधीन ऐसे विनिश्चय के पुनर्विलोकन की अवधि के दौरान निलम्बित रहेगा।

- (5) कुलपति ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कृत्यों का पालन करेगा जो परिनियमों या अध्यादेश द्वारा विहित किये जायें।

निदेशक :-

- 12 प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति, ऐसी रीति से और ऐसी उपलब्धियों और सेवा की अन्य शर्तों पर, जैसी कि परिनियमों द्वारा विहित की जायें, की जायेगी।

कुलसचिव :-

13. (1) कुलसचिव की नियुक्ति ऐसी रीति से और ऐसी उपलब्धियों और सेवा की अन्य शर्तों पर की जायेगी और वह ऐसी शक्तियों का प्रयोग तथा ऐसे कृत्यों का पालन करेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।
- (2) कुलसचिव को विश्वविद्यालय की ओर से करार करने और अभिलेखों को अभिप्रमाणित करने का अधिकार होगा।

वित्त अधिकारी :-

14. वित्त अधिकारी की नियुक्ति ऐसी रीति से और ऐसी उपलब्धियों और सेवा की अन्य शर्तों पर की जायेगी और वह ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगा, जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

अन्य प्राधिकारी :-

- 15 विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों की नियुक्ति की रीति, उनकी

उपलब्धियां, शक्तियां और कर्तव्य ऐसे होंगे, जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

अध्याय-5

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी :-

16. विश्वविद्यालय के निम्नलिखित प्राधिकारी होंगे:-

- (क) कार्य परिषद्
- (ख) विद्या परिषद्
- (ग) योजना बोर्ड
- (घ) अध्ययन केन्द्र
- (ङ.) वित्त समिति; और
- (च) ऐसे अन्य प्राधिकारी जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकारी होने के लिये घोषित किये जायें।

कार्य परिषद् :-

- 17 (1) कार्य परिषद्, विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यपालक निकाय होगा।
- (2) कार्य परिषद् का गठन, उसके सदस्यों की पदावधि और उसकी शक्तियां एवं कृत्य ऐसे होंगे, जो विहित किये जायें।

विद्या परिषद् :-

- 18 (1) विद्या परिषद्, विश्वविद्यालय की प्रधान शैक्षणिक निकाय होगी और इस अधिनियम, परिनियमों और अध्यादेशों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, विश्वविद्यालय के भीतर विद्या, शिक्षा, शिक्षण, मूल्यांकन और परीक्षा के स्तरमानों का नियन्त्रण और साधारण विनियमन करेगी और उनको बनाये रखने के लिये उत्तरदायी होगी और ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कृत्यों का पालन करेगी जो परिनियमों द्वारा उसको प्रदत्त या उस पर अधिरोपित किये जायें।

- (2) विद्या परिषद् का गठन, उसके सदस्यों की पदावधि और उसकी शक्तियां एवं कृत्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

योजना बोर्ड :-

- 19 (1) विश्वविद्यालय का एक योजना बोर्ड गठित किया जायेगा जो विश्वविद्यालय का प्रधान योजना निकाय होगा और वह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में उपदर्शित आधारों पर विश्वविद्यालय के विकास को निर्देशित करने के लिये भी उत्तरदायी होगा।
- (2) योजना बोर्ड का गठन, उसके सदस्यों की पदावधि और उनकी शक्तियां एवं कृत्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

अध्ययन केन्द्र :-

- 20 (1) अध्ययन केन्द्र इतनी संख्या में होंगे जितनी विश्वविद्यालय समय-समय पर अवधारित करे।
- (2) अध्ययन केन्द्रों का गठन, शक्तियां और कार्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

वित्त समिति :-

- 21 वित्त समिति का गठन, शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

अन्य प्राधिकारी :-

- 22 अन्य प्राधिकारियों का जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकारी घोषित किये जायें, गठन, उनकी शक्तियां और कृत्य ऐसे होंगे जो परिनियमों द्वारा विहित किये जायें।

अध्याय -6

विश्वविद्यालय निधि

विश्वविद्यालय निधि की स्थापना :-

- 23 विश्वविद्यालय द्वारा निधि के नाम से ज्ञात एक निधि स्थापित की जायेगी।

निधि का गठन :-

24 विश्वविद्यालय निधि निम्नांकित तरीकों से प्राप्त धन से निर्मित होगी:-

- (क) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार अथवा किसी निगमित निकाय द्वारा प्रदत्त ऋण, अंशदान अथवा अनुदान;
- (ख) न्यास, वसीयत, दान, विन्यास तथा अन्य अनुदान, यदि कोई हो;
- (ग) विश्वविद्यालय की सभी स्रोतों से आय जिसमें फीस तथा प्रभार से आय भी सम्मिलित हैं;
- (घ) विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त अन्य सभी राशि।

25 विश्वविद्यालय निधि को, कार्य परिषद् के विवेक पर, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) में यथा परिभाषित किसी अनुसूचित बैंक में रखा जायेगा अथवा भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) द्वारा प्राधिकृत प्रतिभूतियों में विनिहित किया जायेगा।

26 इस धारा की कोई बात, किसी न्यास के प्रशासन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा या उसकी ओर से निष्पादित न्यास की घोषणा द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार की गयी या उस पर अधिरोपित किसी बाध्यता पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं डालेगी।

उद्देश्य जिनके लिए विश्वविद्यालय निधि का उपयोग किया जायेगा :-

27 विश्वविद्यालय निधि निम्नलिखित उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रयुक्त की जायेगी:-

- (क) इस अधिनियम व परिनियमों तथा अध्यादेश तथा विनियमों के प्रयोजनों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये ऋणों का भुगतान करने के लिए;
- (ख) विश्वविद्यालयों की उसके विभागों, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों तथा छात्रावासों की सम्पत्ति बनाये रखने के लिए;
- (ग) विश्वविद्यालय निधि की सम्परीक्षा की लागत का भुगतान करने के लिए;
- (घ) किसी वाद या कार्यवाही जिसका विश्वविद्यालय एक पक्षकार है, के व्यय के लिए;
- (ङ) विश्वविद्यालय उसके विभागों, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीवृन्द के वेतन व भत्तों

का भुगतान तथा इस अधिनियम, परिनियमों, अध्यादेशों व उसके अधीन बनाये गये विनियमों के प्रयोजनों को अग्रसर करने व अन्य लाभाशों का भुगतान करने के लिए;

- (च) इस अधिनियम, परिनियमों, अध्यादेशों व विनियमों के किसी उपबन्ध के अनुसरण में प्राधिकारियों के सदस्यों के यात्रा भत्तों व अन्य भत्तों का भुगतान करने के लिए;
- (छ) विद्यार्थियों को अध्येतावृत्तियों, छात्रवृत्तियों तथा अन्य पुरस्कारों का भुगतान करने के लिए;
- (ज) इस अधिनियम और परिनियमों, अध्यादेशों व उसके अधीन बनाये गये विनियमों के उपबन्धों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा आगत अन्य खर्चों का भुगतान करने के लिए;
- (झ) ऐसे अन्य खर्चों का भुगतान जिनका उल्लेख पूर्ववर्ती खण्डों में नहीं किया गया परन्तु जिन्हें विश्वविद्यालय के प्रयोजनों के लिए खर्च किया जाना कार्य परिषद् आवश्यक समझती हो।

व्यय सीमा से अधिक न होना :-

- 28 कार्य परिषद् द्वारा निर्धारित किसी वर्ष में आवर्ती एवं अनावर्ती व्यय की सीमा से अधिक व्यय विश्वविद्यालय द्वारा नहीं किया जायेगा।

व्यय अनुमोदन पर किया जाना:-

- 29 कार्य परिषद् की पूर्वानुमति के बिना बजट में उपबन्धित के सिवाय कोई व्यय विश्वविद्यालय द्वारा नहीं किया जायेगा।

अध्याय -7

परिनियम, अध्यादेश और विनियम

परिनियम :-

- 30 इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन रहते हुए परिनियमों में विश्वविद्यालय से संबंधित किसी विषय के लिये उपबन्ध किया जा सकेगा, जो विशिष्टतः उसमें निम्नलिखित उपबन्ध किये जायेंगे:-
- (क) कुलपति की नियुक्ति की रीति, उसकी नियुक्ति की अवधि, उपलब्धियां और सेवा की अन्य शर्तें तथा शक्तियां और कृत्य जिनका उसके द्वारा प्रयोग और पालन किया जायेगा;

- (ख) निदेशकों, कुलसचिव, वित्त अधिकारी तथा अन्य अधिकारियों की नियुक्ति की रीति, उपलब्धियां और उनकी सेवा की शर्तें, शक्तियां तथा कृत्य, जिनका उक्त ऐसे अधिकारियों में से प्रत्येक के द्वारा प्रयोग और पालन किया जा सकेगा;
- (ग) कार्य परिषद और विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारियों का गठन, ऐसे प्राधिकारियों के सदस्यों की पदावधियां व शक्तियां तथा कृत्य, जिनका प्रयोग और पालन ऐसे अधिकारियों द्वारा किया जा सकेगा;
- (घ) अध्यापकों तथा विश्वविद्यालयों के अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति, उनकी उपलब्धियां तथा उनकी सेवा की अन्य शर्तें;
- (ङ.) विश्वविद्यालय के अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों की सेवा में ज्येष्ठता को शासित करने वाले सिद्धान्त;
- (च) विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी या प्राधिकारी की कार्यवाही के विरुद्ध विश्वविद्यालय के किसी अध्यापक, कर्मचारी या छात्र द्वारा किसी अपील या पुनर्विलोकन के लिये किसी आवेदन के संबंध में प्रक्रिया, जिसके अन्तर्गत वह समय है, जिसके भीतर ऐसी अपील या पुनर्विलोकन के लिये आवेदन किया जायेगा;
- (छ) विश्वविद्यालय के अध्यापकों, कर्मचारियों या छात्रों और विश्वविद्यालय के मध्य विवादों के निपटारे के लिये प्रक्रिया;
- (ज) अन्य सभी विषय जो अधिनियम के अधीन परिनियमों द्वारा उपबंधित किये जाने हैं या किये जायें;
- (झ) प्रतिपादन व्यवस्था में दूरस्थ शिक्षा परिषद् के सिद्धान्तों का अनुपालन किया जायेगा।

परिनियम कैसे बनाये जायेंगे :-

- 31 (1) विश्वविद्यालय के प्रथम परिनियम राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर बनाये जायेंगे।
- (2) कार्य परिषद् नये और अतिरिक्त परिनियम समय-समय पर बना सकेगी, या उपधारा (1) में निर्दिष्ट परिनियमों का संशोधन या निरसन कर सकेगी:

परन्तु कार्य परिषद् विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी की प्रास्थिति शक्तियों या गठन को प्रभावित करने वाला कोई परिनियम

तब तक नहीं बनायेगी, उसका संशोधन नहीं करेगी या उसका निरसन नहीं करेगी जब तक ऐसे प्राधिकारी को प्रस्थापित परिवर्तनों पर अपनी राय विहित रूप में अभिव्यक्त करने का युक्तियुक्त अवसर न दिया गया हो और इस प्रकार अभिव्यक्त किसी राय पर कार्य परिषद् द्वारा विचार न किया गया हो।

- (3) प्रत्येक नया परिनियम या किसी परिनियम में परिवर्धन या किसी परिनियम में संशोधन या निरसन कुलाधिपति को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जायेगा जो उस पर अपनी अनुमति दे सकेगा या अपनी अनुमति विधायित कर सकेगा या उस पर अग्रतर विचार करने के लिये कार्य परिषद् को भेज सकेगा।
- (4) कोई नया परिनियम या किसी विद्यमान परिनियम का संशोधन या निरसन करने वाला कोई परिनियम तब तक विधिमान्य नहीं होगा, जब तक कुलाधिपति द्वारा उसकी अनुमति न दे दी गयी हो।
- (5) पूर्ववर्ती उपधाराओं में किसी बात के होते हुए भी कुलाधिपति इस अधिनियम के प्रारम्भ से तीन वर्ष की अवधि के दौरान नये या अतिरिक्त परिनियम बना सकेगा या उपधारा (1) में निर्दिष्ट परिनियमों का संशोधन या निरसन कर सकेगा।
- (6) पूर्ववर्ती उपधाराओं में किसी बात के होते हुए भी कुलाधिपति अपने द्वारा विनिर्दिष्ट किसी विषय के संबंध में कार्य परिषद् को निर्देश दे सकेगा कि परिनियम में उपबन्ध किया जाय और यदि कार्य परिषद् ऐसे निर्देश की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर ऐसे निर्देश को कार्यान्वित करने में असमर्थ है तो कुलाधिपति, कार्य परिषद् द्वारा ऐसे निर्देश का पालन करने में अपनी असमर्थता के लिये संसूचित किये गये कारणों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् परिनियम बना सकेगा या उनका यथोचित रूप में संशोधन कर सकेगा।

अध्यादेश :—

- 32 (1) इस अधिनियम और परिनियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, अध्यादेशों में किसी ऐसे विषय के लिए उपबन्ध किये जा सकेंगे, जिनके लिए इस अधिनियम या परिनियमों द्वारा, अध्यादेशों द्वारा उपबन्ध किया जाना हो या किये जायें;
- (2) उपधारा (1) के उपबन्धों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना अध्यादेशों में निम्नलिखित विषयों के लिए उपबन्ध किये

जायेंगे, अर्थात्:-

(क) छात्रों का प्रवेश, पाठ्यक्रम और उनके लिए फीस, उपाधियों, डिप्लोमा, प्रमाण-पत्रों और अन्य पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित अर्हताओं, अध्येतावृत्तियों, पारितोषकों और वैसी ही अन्य बातों की मंजूरी के लिए शर्तें;

(ख) परीक्षाओं का संचालन जिनके अन्तर्गत परीक्षकों के निबन्धन और उनकी नियुक्ति भी है, और

- (3) प्रथम अध्यादेश राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से कुलपति द्वारा बनाये जायेंगे, और इस प्रकार बनाये गये अध्यादेश ऐसी रीति से जैसी परिनियमों द्वारा विहित की जायें, कार्य परिषद् द्वारा किसी भी समय संशोधित, निरसित या परिवर्तित किये जा सकेंगे।

विनियम :-

- 33 विश्वविद्यालय के प्राधिकारी स्वयं अपने और अपने द्वारा नियुक्त की गयी समितियों, यदि कोई हों, के कार्य संचालन के लिए और जिसका इस अधिनियम, परिनियमों या अध्यादेशों द्वारा उपबन्ध नहीं किया गया है, ऐसी रीति से जैसी परिनियमों द्वारा विहित की जायें, ऐसे विनियम बना सकेंगे, जो इस अधिनियम, परिनियमों और अध्यादेशों से संगत हैं।

अध्याय - 8

वार्षिक प्रतिवेदन तथा लेखा

वार्षिक प्रतिवेदन :-

- 34 (1) विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन कार्य परिषद् के निदेशों के अधीन तैयार किया जायेगा जिसके अन्तर्गत अन्य विषयों के साथ, विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में किये गये उपाय होंगे।
- (2) इस प्रकार तैयार किया गया वार्षिक प्रतिवेदन कुलपति को ऐसे दिनांक को या उसके पूर्व प्रस्तुत किया जायेगा जो परिनियमों द्वारा विहित किया जाय।
- (3) उपधारा (1) के अधीन तैयार किये गये वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति राज्य सरकार को भी प्रस्तुत की जायेगी, जो उसे यथाशक्य शीघ्र राज्य विधान सभा के समक्ष रखवायेगी।

लेखा और लेखा परीक्षा :-

- 35 (1) विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे और तुलन-पत्र, कार्य परिषद के निर्देशों के अधीन तैयार किये जायेंगे और निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तरांचल या ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा, जिन्हें कुलाधिपति इस निमित्त प्राधिकृत करें, प्रत्येक वर्ष में कम से कम एक बार और पन्द्रह मास से अनधिक के अन्तरालों पर, उनकी लेखा परीक्षा की जायेगी।
- (2) वार्षिक लेखा और तुलन-पत्र की एक प्रति उस पर लेखा परीक्षा के प्रतिवेदन के सम्प्रेक्षणों के साथ कुलाधिपति को, कार्य परिषद, यदि कोई हो, के साथ प्रत्येक वर्ष 30 सितम्बर से पूर्व प्रस्तुत की जायेगी। वार्षिक लेखा की एक प्रति लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के साथ राज्य सरकार को भी प्रस्तुत की जायेगी जो उसे यथाशक्य शीघ्र राज्य विधान सभा के समक्ष रखवाएगी।
- (3) वार्षिक लेखा पर कुलाधिपति द्वारा किए गए सम्प्रेक्षण कार्य परिषद के ध्यान में लाए जायेंगे।

अधिभार :-

- 36 (1) धारा 9 के खण्ड (ख), (ग), (घ), (ङ) तथा (च) में विनिर्दिष्ट कोई अधिकारी विश्वविद्यालय के किसी धन या सम्पत्ति की हानि, दुर्यय या दुरुपयोजन के लिये अधिभार का देनदार होगा, यदि ऐसी हानि, दुर्यय या दुरुपयोजन उसकी उपेक्षा या अवचार के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप हो।
- (2) अधिभार की प्रक्रिया और ऐसी हानि, दुर्यय या दुरुपयोजन में अन्तर्निहित धनराशि की वसूली की रीति ऐसी होगी जैसी परिनियमों द्वारा विहित की जाये।

अध्याय - 9

कर्मचारियों की सेवा शर्तें

कर्मचारियों की सेवा शर्तें :-

- 37 (1) इस अधिनियम द्वारा उसके अधीन अन्यथा उपबंधित के सिवाय, विश्वविद्यालय का कर्मचारी जिसके अन्तर्गत अध्यापक भी हैं, लिखित संविदा के आधार पर नियुक्त किया जा सकेगा तथा ऐसी

संविदा, इस अधिनियम, परिनियमों एवं अध्यादेशों से असंगत नहीं होगी।

- (2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट संविदा विश्वविद्यालय में प्रस्तुत की जानी होगी तथा उसकी एक प्रति संबंधित कर्मचारी को दी जाएगी।

माध्यस्थम अधिकरण :-

- 38 (1) विश्वविद्यालय और किसी कर्मचारी या अध्यापक के बीच धरा-36 में निर्दिष्ट नियोजन की किसी संविदा से पैदा होने वाला कोई विवाद, किसी भी पक्ष के अनुरोध पर माध्यस्थम अधिकरण को निर्दिष्ट किया जायेगा, जिसमें कार्य परिषद् द्वारा नाम निर्दिष्ट एक सदस्य, संबंधित कर्मचारी या अध्यापक द्वारा नाम निर्दिष्ट एक सदस्य और कुलाधिपति द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाने वाला अधिनिर्णायक होगा।
- (2) ऐसा प्रत्येक निर्देश माध्यस्थम और सुलह अधिनियम, 1996 के अर्थान्तर्गत इस धारा के निबंधनों पर माध्यस्थम के लिए निवेदन समझा जायेगा।

भविष्य एवं पेंशन निधियां :-

- 39 (1) विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों एवं अध्यापकों के फायदे कि लिये ऐसी रीति से और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जैसी परिनियमों द्वारा विहित की जाय, ऐसी भविष्य एवं पेंशन निधियों का गठन करेगा या ऐसी बीमा स्कीमों की व्यवस्था करेगा, जैसी वह उचित समझे।
- (2) जहाँ ऐसी किसी भविष्य या पेंशन निधि का इस प्रकार गठन किया गया हो, वहाँ राज्य सरकार यह घोषित कर सकेगी कि भविष्य निधि अधिनियम, 1925 के उपबन्ध ऐसी निधि पर इस प्रकार लागू होंगे मानो वह सरकारी भविष्य निधि हो।

अध्याय-10

प्रकीर्ण

विश्वविद्यालय प्राधिकारियों और निकायों के गठन के बारे में विवाद :-

- 40 यदि यह प्रश्न उठता है कि क्या कोई व्यक्ति विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी या अन्य निकाय के सदस्य के रूप में सम्यक् रूप से निर्वाचित या नियुक्त किया गया हो या उसका सदस्य होने का हकदार हैं, तो यह विषय कुलाधिपति को निर्दिष्ट किया जायेगा, जिसका उस पर विनिश्चय अन्तिम होगा।

आकस्मिक रिक्तियों का भरा जाना :-

- 41 विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी या अन्य निकाय के पदेन सदस्यों से भिन्न सदस्यों में सभी आकस्मिक रिक्तियां यथाशीघ्र सुविधानुसार ऐसे व्यक्ति या निकाय द्वारा भरी जायेंगी, जिसने उस सदस्य को, जिसका स्थान रिक्त हुआ है, नियुक्त, निर्वाचित या सहयोजित किया था और आकस्मिक रिक्ति में नियुक्त, निर्वाचित या सहयोजित व्यक्ति ऐसे प्राधिकारी या निकाय का सदस्य उस अवशिष्ट अवधि के लिये होगा, जिसके दौरान वह व्यक्ति जिसका स्थान वह भरता है, सदस्य रहता।

रिक्तियों के कारण विश्वविद्यालय प्राधिकारियों या निकायों की कार्यवाही का अविधिमान्य न होना :-

- 42 विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी या किसी अन्य निकाय का कोई कार्य या कार्यवाही उसके सदस्यों में कोई रिक्ति या रिक्तियां होने के कारण अविधिमान्य नहीं होगी।

सद्भावपूर्वक की गई कार्यवाही के लिये संरक्षण :-

- 43 कोई विवाद या अन्य विधिक कार्यवाही, किसी ऐसी बात के बारे में जो इस अधिनियम या परिनियमों या अध्यादेश के उपबन्धों में से किसी अनुसरण में सद्भावपूर्वक की गयी है या की जाने के लिये तात्पर्यरित है, विश्वविद्यालय के किसी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध नहीं होगी।

विश्वविद्यालय के कर्मचारीवृन्द :-

- 44 (1) विश्वविद्यालय उतनी संख्या में कर्मचारियों, जिसके अन्तर्गत शैक्षणिक कर्मचारीवृन्द भी हैं, जितनी राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर स्वीकृत की जाये, को नियुक्त करेगा। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों

की सेवा के निबन्धन और शर्तें ऐसी होंगी जैसी परिनियमों द्वारा विहित की जायें।

- (2) विश्वविद्यालय के विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों को देय वेतन तथा भत्ते ऐसे होंगे जैसे राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किये जायें।

अध्याय-11

विविध एवं संक्रमणकालीन उपबंध

कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति :-

- 45 (1) यदि इस अधिनियम के उपबन्धों को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती हो तो राज्य सरकार अधिसूचित आदेश द्वारा ऐसे उपबन्ध कर सकेगी, जो इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो और जो उस कठिनाई को दूर करने के लिये उसे आवश्यक या समीचीन प्रतीत हों।
- (2) उपधारा (1) के अधीन कोई आदेश इस अधिनियम के प्रारम्भ से दो वर्ष के अवसान के पश्चात् नहीं किया जायेगा।

संक्रमणकालीन उपबन्ध :-

- 46 (1) इस अधिनियम एवं परिनियमों में किसी बात के होते हुए भी—
- (क) प्रथम कुलपति, प्रथम कुलसचिव तथा प्रथम वित्त अधिकारी राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये जायेंगे और उनकी सेवा शर्तें परिनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से शासित होंगी:
- परन्तु प्रथम कुलपति परिनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से दूसरी अवधि के लिये नियुक्ति का पात्र होगा।
- (ख) प्रथम कार्य परिषद् में पन्द्रह से अनाधिक सदस्य होंगे जो कुलाधिपति द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेंगे और तीन वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेंगे।
- (ग) प्रथम योजना बोर्ड में दस से अनधिक सदस्य होंगे जो कुलाधिपति द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेंगे और वे तीन वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेंगे।

- (2) योजना बोर्ड, इस अधिनियम द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों और कृत्यों के अतिरिक्त विद्या परिषद् की शक्तियों का प्रयोग तब तक करेगा जब तक कि इस अधिनियम और परिनियमों के उपबन्धों के अधीन विद्या परिषद् का गठन नहीं किया जाता और उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, योजना बोर्ड ऐसे सदस्य को सहयोजित कर सकेगा, जो वह विनिश्चित करें।

परिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का राजपत्र में प्रकाशित किया जाना :—

- 47 (1) इस अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक परिनियम, अध्यादेश या विनियम राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।
- (2) इस अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक परिनियम, अध्यादेश या विनियम, उसके बनाये जाने के पश्चात्, यथाशक्य शीघ्र राज्य विधान सभा के समक्ष रखा जायेगा और उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तरांचल राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 23 क की उपधारा (1) के उपबन्ध उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे किसी उत्तरांचल अधिनियम के अधीन बनाये गये नियमों के सम्बन्ध में लागू होते हैं, यदि राज्य विधान सभा, यथास्थिति, परिनियमों, अध्यादेशों या विनियमों में कोई उपान्तरण करने के लिए सहमत होती है या उन्हें अनुमोदित करने के लिए सहमत नहीं होती है तो ऐसा कोई उपान्तरण या निःप्रभाव परिनियमों, अध्यादेशों या विनियमों के अधीन पहले की गयी किसी बात की विधि मान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

अनुसूची

(धारा-4 देखिये)

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

- 1 विश्वविद्यालय राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए जो राज्य की समृद्ध परम्पराओं पर आधारित हो राज्य की जनता की संस्कृति और उसके मानवीय संसाधनों की उन्नति और अभिवृद्धि के लिए शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और विस्तारण के माध्यम से, प्रयास करेगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए वह—
- (क) नियोजन की आवश्यकताओं से सम्बन्धित तथा देश की अर्थव्यवस्था के, उसके प्राकृतिक और मानवीय साधनों के आधार पर, निर्माण

के लिए आवश्यक उपाधि, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें विविध प्रकार का बनायेगा;

- (ख) जनता के बड़े भागों और विशिष्टतया सुविधारहित समूह को, जैसे कि वे समूह जो दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं, जिनके अन्तर्गत श्रमजीवी जनता, घरेलू महिलायें और ऐसे वयस्क हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने व अर्जित करने की इच्छा रखते हैं, उच्चतर शिक्षा तक उनकी पहुँच के लिये उपबन्ध करेगा;
- (ग) शीघ्रता से विकसित और परिवर्तित होने वाले समाज में ज्ञान के अर्जन का संवर्धन करेगा और मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में नव-परिवर्तन, अनुसंधान, शोध के संदर्भ में ज्ञान, प्रशिक्षण और कुशलता बढ़ाने के लिये लगातार अवसर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास करेगा;
- (घ) ज्ञान के नये क्षेत्रों में विद्या की अभिवृद्धि करने और उसे विशिष्टतया प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विद्या के तरीकों और गति, पाठ्यक्रमों के मिश्रण, नामांकन की पात्रता, प्रवेश की आयु, परीक्षाओं के संचालन और कार्यक्रमों के प्रवर्तन के सम्बन्ध में सुनिश्चय और निर्बाध विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की नई प्रणाली के लिए उपबन्ध करेगा;
- (ङ) औपचारिक पद्धति की अनुपूरक अनौपचारिक पद्धति का उपबन्ध करके और विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पाठों और अन्य सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग करके गुणवत्ता के अन्तरण को और शिक्षण कर्मचारीवृन्द के विनिमय को प्रोत्साहित करके शैक्षणिक पद्धति के सुधार में सहयोग देगा;
- (च) देश की विभिन्न कलाओं, शिल्पों और कुशलताओं में, उनकी गुणवत्ता में सुधार करके जनता के लिये उनकी उपलब्धता में वृद्धि करके शिक्षा और प्रशिक्षण के लिये उपबन्ध करेगा;
- (छ) ऐसे कार्यकलापों या संस्थाओं के लिये अपेक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिये उपबन्ध या प्रबन्ध करेगा;
- (ज) अध्ययन के यथोचित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिये उपबन्ध करेगा और अनुसंधान को बढ़ावा देगा;
- (झ) अपने छात्रों के लिये परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपबन्ध

करेगा; और

- (ज) अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व मानव व्यक्तित्व के समन्वित विकास में वृद्धि करेगा।
- 2 विश्वविद्यालय दूर और अनुवर्ती शिक्षा के विविध माध्यमों से उक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिये प्रयास करेगा और उच्चतर शिक्षा के विद्यमान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के सहयोग से कृत्य करेगा और नवीनतम ज्ञान का और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी का ऐसी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिये जो समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप हो, पूर्ण उपयोग करेगा।

आज्ञा से,
यू०सी० ध्यानी,
सचिव।



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई0

कार्तिक 09, 1927 शक संवत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 808/विधायी एवं संसदीय कार्य/2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विधि

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 को अनुमति प्रदान की और वह उत्तरांचल का अधिनियम संख्या 23, सन् 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय नाम से ज्ञात विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु

अधिनियम

भारत गणराज्य के छप्पनवें वर्ष में उत्तरांचल विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियम हो -

अध्याय-1

प्रारम्भिक

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005 है। शक्ति नाम और प्रारंभ

(2) यह उस तारीख को प्रवृत्त होगा जो राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे।



IGNOU

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY

मदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068, भारत
MAIDAN GARHI, NEW DELHI-110068, INDIA
फोन PHONE : (O) 91-11-29535923-32, 29533340 (D)
टेलीफैक्स TELEFAX: 91-11-29536668
ई-मेल E-mail : basuswaraj@hotmail.com
वेबसाइट WEBSITE : www.ignou.ac.in/www.dec.ac.in

35(A)

दूरस्थ शिक्षा परिषद
DISTANCE EDUCATION COUNCIL

प्रो० स्वराज बसु
निदेशक
Prof. Swaraj Basu
Director

7838

F.No. DEC/OU/Recog/2008
Date: 8.04.2008

Sub: Recognition by the Distance Education Council to State Open Universities (SOUs) -reg.

Dear Prof. Hasan,

This has reference to the meeting of Vice-Chancellors of State Open Universities held on 22.08.2007 and 29.02.2008-1.03.2008 in which request was made by the Vice Chancellors of SOUs to the Chairman, DEC for consideration of regular approval to be given to the SOUs. The Chairman, DEC has considered the representations and accorded recognition to your university for offering programmes/courses approved by the statutory bodies/authorities of your university for a period of five years w.e.f. the date of issue of this letter.

Further, we would also like to inform that, it is the responsibility of the university to follow the norms prescribed by the concerned regulatory bodies or seek their recognition for professional/technical programmes as per the requirements. Getting approval of concerned statutory apex body for relevant programmes will be the sole responsibility of the university.

With regards,

Yours sincerely
Swaraj Basu
(Swaraj Basu)

Prof. S S Hasan
Vice Chancellor
Uttaranchal Open University
Near Sourabh Mount View,
Bhotia Tracow,
Haldwani-263141,
Nainital

File
S.S. Hasan
15/04/08

Ph : 23236351, 23232701, 23237721, 23234116
23235733, 23232317, 23236735, 23239437

www.ugc.ac.in

No. F. 9-16/2011(CPP-I/PU)

The Registrar

Uttarakhand Open University,

Unchapul, Haldwani - 263 139



Speed Post

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली- 110 002
UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADURSHAH ZAFAR MARGH
NEW DELHI- 110 002

September - 2011

5 OCT 2011

**Subject: -Establishment of Uttarakhand Open University. Haldwani (Nainital).
Uttarakhand.**

Sir,

With reference to your Letter No. UOU/RI/273/2011 dated 26.07.2011 on the above subject, I am directed to say that Uttarakhand Open University, Haldwani (Nainital), Uttarakhand has been established by an Act (No. 23 of 2005) of State Legislature of Uttarakhand as a State University and is empowered to award degrees as specified by the UGC under section 22 of the UGC Act 1956 through its main campus in regular mode with the approval of statutory bodies/councils, wherever required.

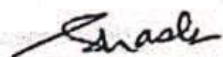
University is not allowed to start any off-campus centre beyond the territorial jurisdiction of the State as per Hon'ble Supreme Court Judgement in Prof. Yash Pal vs State of Chhattisgarh case Private franchise is not permitted.

The University may note and adhere to the following: -

- i) To ensure that no off campus centre(s)/study centre and the centres operating through franchises is opened by the University outside the territorial jurisdiction of the State in view of the judgement of Hon'ble Supreme Court of India in case of Prof. Yashpal vs. Government of Chhattisgarh.
- ii) In case the university has already started any off-campus/study centre and the centre operating through franchises outside the State, it must be closed immediately.
- iii) No distance education programmes shall be started without the prior approval of Distance Education Council as it is the regulatory body for distance education programmes.

I am enclosing a copy of UGC 12(B) Rules. The detailed information in the prescribed format (attached) may please be sent to this office for considering the proposal to declare University fit to receive Central assistance under Section 12B of UGC Act, 1956 early.

Yours faithfully,


(Shashi Bala Arora)
Under Secretary

Encl: As above.

शैक्षणिक कैलेंडर
(The Academic Calendar)
2018-19

प्रवेश (Admission)

	ग्रीष्मकालीन सत्र 2018-19 (Summer session)	शीतकालीन सत्र 2019 (Winter session)
आरम्भ की तिथि (Date of start)	15 जून (15 June)	01 जनवरी (01 January)
अंतिम तिथि (Last date)	31 जुलाई (31 July)	14 फरवरी (14 February)
विलम्ब शुल्क रु.250/- के साथ (With late fee of Rs. 250/-)	14 अगस्त (14 August)	28 फरवरी (28 February)

परीक्षा (Examination)

वार्षिक परीक्षा (Annual Examination)

ग्रीष्मकालीन सत्र (Summer Session) 2018-19

जून (June)

शीतकालीन सत्र (Winter Session) 2019

दिसम्बर (December)

सेमेस्टर परीक्षा (Semester Examination)

ग्रीष्मकालीन सत्र (Summer Session) 2018-19

दिसम्बर (December)

शीतकालीन सत्र (Winter Session) 2019

जून (June)

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि (Last date of submission of assignments)

ग्रीष्मकालीन सत्र (Summer Session)

सेमेस्टर 2018-19 (Semester 2018-19)

वार्षिक 2018-19 (Annual 2018-19)

15 नवम्बर (15 November) 2018

15 अप्रैल (15 April) 2019

शीतकालीन सत्र (Winter Session)

सेमेस्टर 2019 (Semester 2019)

वार्षिक 2019 (Annual 2019)

15 मई (15 May) 2019

15 अक्टूबर (15 October) 2019

परियोजना कार्य जमा करने की अंतिम तिथि (Last date of submission of Project report)

ग्रीष्मकालीन सत्र (Summer Session)

सेमेस्टर 2018-19 (Semester 2018-19)

वार्षिक 2018-19 (Annual 2018-19)

15 नवम्बर (15 November) 2018

15 अप्रैल (15 April) 2019

शीतकालीन सत्र (Winter Session)

सेमेस्टर 2019 (Semester 2019)

वार्षिक 2019 (Annual 2019)

15 मई (15 May) 2019

15 अक्टूबर (15 October) 2019

दिनांक 28 सितम्बर, 2017 (वृहस्पतिवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में मध्याह्न 12.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न विद्या परिषद की 12वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया :

1. प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2. प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार, प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग, गुरु बाम्बेश्वर साइंस एण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा।	सदस्य
3. प्रोफेसर बी०एम० कुमार, मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर।	सदस्य
4. प्रोफेसर मधुसूदन कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
5. प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य
6. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य
7. प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान, विद्याशाखा, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य
8. डॉ० वीरेंद्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य



2. स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग में खाद्य एवं पोषण में प्रमाण-पत्र (Certificate Programme in Food and Nutrition) पाठ्यक्रम आरम्भ करने के संबंध में विचार।

उत्तराखण्ड के दूरस्थ क्षेत्रों में पोषण जागरूकता लाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में संचालित गृहविज्ञान विभाग के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम आरम्भ किये जाने के प्रस्ताव पर चर्चा की गयी। कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि यह पाठ्यक्रम आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा इस तरह के कार्य करने वाले कई अन्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कुलपति जी ने कहा कि वर्तमान जीवनशैली के परिदृश्य में पौष्टिक भोजन व स्वस्थ जीवन के संबंध में जानकारी के अभाव में कई तरह की बीमारियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इस संबंध में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत दिनांक 04 सितम्बर, 2017 को एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था जिसमें बाह्य विशेषज्ञों द्वारा पौष्टिक भोजन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 12.21.03- विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018-19 से संचालित होने वाले सभी कार्यक्रमों की मान्यता के संबंध में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (यूजीसी) द्वारा निर्धारित ऑनलाइन आवेदन संबंधी प्रक्रिया के अनुपालन में आवश्यक अनुमोदन संबंधी प्रकरण पर विचार।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि वर्ष 2018-19 से संचालित किये जाने वाले कार्यक्रमों- स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं पीजी डिप्लोमा की मान्यता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को निर्धारित ऑनलाइन आवेदन पत्र पर प्रेषित किये जाने की प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण कर ली गयी है जिसे अन्तिम तिथि से पूर्व यूजीसी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा। प्रस्ताव पर प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार ने सुझाव दिया कि सभी कार्यक्रमों के पीपीआर की अच्छी तरह से जाँच कर ली जाय तथा वे ही कार्यक्रम रखे जाय जिन्हें वास्तव में संचालित किया जा सकता है ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कोई कठिनाई उत्पन्न न हो। इस पर कुलसचिव ने अवगत कराया कि विद्याशाखावार सभी पीपीआर एवं कार्यक्रमों की जाँच कर ली गयी है तथा कुलपतिजी के समक्ष समस्त कार्यक्रमों की पीपीआर प्रस्तुत की गई। सम्यक विचारोपरान्त विद्या परिषद द्वारा समस्त कार्यक्रमों के पीपीआर एवं SILM पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 12.21.04- विश्वविद्यालय में संचालित समस्त प्रमाण-पत्र/ डिप्लोमा/ पीजी डिप्लोमा/ स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का नामकरण यूजीसी के दिशानिर्देशानुसार किये जाने के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव से विद्या परिषद अवगत हुई तदुपरान्त पारित किया गया कि विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों का नामकरण यूजीसी के दिशानिर्देशानुसार ही किया जाय।

प्रस्ताव संख्या 12.21.05- Research for Resurgence Foundation (RRF) नागपुर के साथ किये गये एमओयू की स्वीकृति की सूचना के संबंध में।

प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा संज्ञान लेते हुए संस्तुति की गयी।

 14

प्रस्ताव संख्या 12.21.06- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) को शैक्षणिक सत्र 2018-19 से नवीन विषयों की मान्यता हेतु भेजे जाने वाले आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से भेजे जाने वाले शपथ-पत्र (Affidavit) के संबंध में।

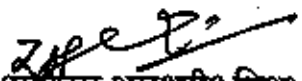
प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित किये जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु सत्र 2018-19 एवं इसके आगे की मान्यता के लिए प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदन पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में एक शपथ-पत्र कुलसचिव के द्वारा प्रस्तुत किया जाना है। प्रस्ताव का विद्या परिषद द्वारा अवलोकन कर प्रस्तुत किये जाने वाले शपथ-पत्र को भेजे जाने के लिए अनुमति प्रदान की गयी।

कार्यसूची में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श एवं संस्तुतियों के उपरांत कुलपति जी द्वारा बाह्य सदस्यों को विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह दिनांक 14 नवम्बर, 2017 में व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया।

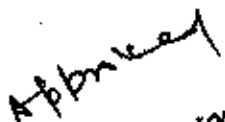
प्रोफेसर दुर्गेश पंत द्वारा बाह्य सदस्यों को अवगत कराया गया कि Commonwealth of Learning (COL) द्वारा अभी हाल ही में पूरे भारत में संचालित 27 मुक्त विश्वविद्यालयों का एक सर्वे किया गया जिसमें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए विशेष उल्लेख है तथा विश्वविद्यालय का retention ratio 33 प्रतिशत है जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। बाह्य सदस्यों द्वारा इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के लिए बधाई का पात्र है।

तत्पश्चात विद्या परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर आर०सी० मिश्र, कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों विशेषकर बाह्य सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।


(प्रोफेसर आर०सी० मिश्र)

कुलसचिव/ सदस्य सचिव, विद्या परिषद
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनीतास)


18/10/17
प्रो० नागेश्वर राव
कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)

दिनांक 28 सितम्बर, 2017 (वृहस्पतिवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में मध्याह्न 12.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न विद्या परिषद की 12वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया :

1. प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2. प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार, प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग, गुरु बाम्बेश्वर साइंस एण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा।	सदस्य
3. प्रोफेसर बी०एम० कुमार, मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर।	सदस्य
4. प्रोफेसर मधुसूदन कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
5. प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य
6. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य
7. प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान, विद्याशाखा, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य
8. डॉ० वीरेंद्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी।	सदस्य



2. स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग में खाद्य एवं पोषण में प्रमाण-पत्र (Certificate Programme in Food and Nutrition) पाठ्यक्रम आरम्भ करने के संबंध में विचार।

उत्तराखण्ड के दूरस्थ क्षेत्रों में पोषण जागरूकता लाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में संचालित गृहविज्ञान विभाग के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम आरम्भ किये जाने के प्रस्ताव पर चर्चा की गयी। कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि यह पाठ्यक्रम आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा इस तरह के कार्य करने वाले कई अन्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कुलपति जी ने कहा कि वर्तमान जीवनशैली के परिदृश्य में पौष्टिक भोजन व स्वस्थ जीवन के संबंध में जानकारी के अभाव में कई तरह की बीमारियाँ उत्पन्न हो रही हैं। इस संबंध में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत दिनांक 04 सितम्बर, 2017 को एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था जिसमें बाह्य विशेषज्ञों द्वारा पौष्टिक भोजन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी। विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 12.21.03- विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018-19 से संचालित होने वाले सभी कार्यक्रमों की मान्यता के संबंध में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (यूजीसी) द्वारा निर्धारित ऑनलाइन आवेदन संबंधी प्रक्रिया के अनुपालन में आवश्यक अनुमोदन संबंधी प्रकरण पर विचार।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि वर्ष 2018-19 से संचालित किये जाने वाले कार्यक्रमों- स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं पी0जी0 डिप्लोमा की मान्यता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को निर्धारित ऑनलाइन आवेदन पत्र पर प्रेषित किये जाने की प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण कर ली गयी है जिसे अन्तिम तिथि से पूर्व यू0जी0सी0 की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा। प्रस्ताव पर प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार ने सुझाव दिया कि सभी कार्यक्रमों के पी0पी0आर0 की अच्छी तरह से जाँच कर ली जाय तथा वे ही कार्यक्रम रखे जाय जिन्हें वास्तव में संचालित किया जा सकता है ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कोई कठिनाई उत्पन्न न हो। इस पर कुलसचिव ने अवगत कराया कि विद्याशाखावार सभी पी0पी0आर0 एवं कार्यक्रमों की जाँच कर ली गयी है तथा कुलपतिजी के समक्ष समस्त कार्यक्रमों की पी0पी0आर0 प्रस्तुत की गई। सम्यक विचारोपरान्त विद्या परिषद द्वारा समस्त कार्यक्रमों के पी0पी0आर0 एवं SILM पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 12.21.04- विश्वविद्यालय में संचालित समस्त प्रमाण-पत्र/ डिप्लोमा/ पी0जी0डिप्लोमा/ स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का नामकरण यू0सी0सी0 के दिशा-निर्देशानुसार किये जाने के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव से विद्या परिषद अवगत हुई तदुपरान्त पारित किया गया कि विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों का नामकरण यू0जी0सी0 के दिशा-निर्देशानुसार ही किया जाय।

प्रस्ताव संख्या 12.21.05- Research for Resurgence Foundation (RRF) नागपुर के साथ किये गये एम0ओ0यू0 की स्वीकृति की सूचना के संबंध में।

प्रस्ताव पर विद्या परिषद द्वारा संज्ञान लेते हुए संस्तुति की गयी।

 14

प्रस्ताव संख्या 12.21.06- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) को शैक्षणिक सत्र 2018-19 से नवीन विषयों की मान्यता हेतु भेजे जाने वाले आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से भेजे जाने वाले शपथ-पत्र (Affidavit) के संबंध में।

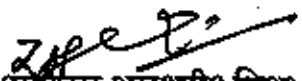
प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित किये जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु सत्र 2018-19 एवं इसके आगे की मान्यता के लिए प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदन पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में एक शपथ-पत्र कुलसचिव के द्वारा प्रस्तुत किया जाना है। प्रस्ताव का विद्या परिषद द्वारा अवलोकन कर प्रस्तुत किये जाने वाले शपथ-पत्र को भेजे जाने के लिए अनुमति प्रदान की गयी।

कार्यसूची में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श एवं संस्तुतियों के उपरांत कुलपति जी द्वारा बाह्य सदस्यों को विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह दिनांक 14 नवम्बर, 2017 में व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया।

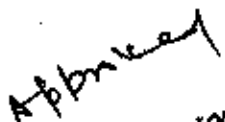
प्रोफेसर दुर्गेश पंत द्वारा बाह्य सदस्यों को अवगत कराया गया कि Commonwealth of Learning (COL) द्वारा अभी हाल ही में पूरे भारत में संचालित 27 मुक्त विश्वविद्यालयों का एक सर्वे किया गया जिसमें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए विशेष उल्लेख है तथा विश्वविद्यालय का retention ratio 33 प्रतिशत है जो एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। बाह्य सदस्यों द्वारा इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के लिए बधाई का पात्र है।

तत्पश्चात विद्या परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर आर०सी० मिश्र, कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों विशेषकर बाह्य सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।


(प्रोफेसर आर०सी० मिश्र)

कुलसचिव/ सदस्य सचिव, विद्या परिषद
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनीतास)


18/10/17
प्रो० नागेश्वर राव
कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)

Format For providing details of teaching staff (faculty) engaged for ODL programmes
on full time and dedicated basis

Academic Staff

S. No.	Name of the permanent academic staff	Designation	Name of ODL programme	Appointment letter reference number and date	Working at (Headquarter/ Regional Centre/ Study Centre)
1-	Prof. R.C. Mishra	Professor	Management	UOU/PF/2011/11945 date 09-08-2011	Headquarter
2-	Prof. H.P. Shukla	Professor	English	UOU/PF/2011/11946 date 09-08-2011	Headquarter
3-	Prof. Durgesh Pant	Professor	Computer Science	UOU/PF/2011/11947 date 09-08-2011	Headquarter
4-	Prof. Govind Singh	Professor	Journalism & Mass Communicatin	UOU/PF/2011/11950 date 09-08-2011	Headquarter
5-	Prof. Girija Prasad Pandey	Professor	History	UOU/PF/2011/11949 date 09-08-2011	Headquarter
6-	Dr. Gagan Singh	Assistant Professor	Commerce	UOU/PF/2011/11952 date 10-08-2011	Headquarter
7-	Dr. Manjari Agarwal	Assistant Professor	Management	UOU/PF/2011/11951 date 10-08-2011	Headquarter
8-	Dr. Sumit Prasad	Assistant Professor	Management	UOU/R3/2014/327/4019 date 18-07-2014	Headquarter
9-	Dr. Tewari Jatashankar Ramprasad	Assistant Professor	Hotel Management	UOU/PF/2011/11974 date 10-08-2011	Headquarter
10-	Dr. Akhilesh Singh	Assistant Professor	Tourism	UOU/R3/2013-14/appointment/640/ 8849 date 13-08-2015	Headquarter
11-	Dr. Bhanu Prakash Joshi	Assistant Professor	Yoga	UOU/R/2012/Recruitment/270/1345 Date 26-04-2012	Headquarter
12-	Dr. Hemant Kandpal	Assistant Professor	Ayurveda	UOU/PF/2011/11955 date 10-08-2011	Headquarter
13-	Dr. Suchitra Awasthi	Assistant Professor	English	UOU/PF/2011-12/12388 date 14-09-2011	Headquarter
14-	Dr. Shashank Shukla	Assistant Professor	Hindi	UOU/PF/2011/11956 date 10-08-2011	Headquarter
15-	Dr. Devesh Kumar Mishra	Assistant Professor	Sanskrit	UOU/PF/2011/11953 date 10-08-2011	Headquarter
16-	Dr. Nandan Kumar Tiwari	Assistant Professor	Jyotish	UOU/R3/2016/Add/241(7)/315/3449 date 03-12-2016	Headquarter
17-	Dr. Jeetendra Pande	Assistant Professor	Computer Science	UOU/R/2012/Recruitment/270/1346 Date 26-04-2012	Headquarter
18-	Sh. Bhupen Singh	Assistant Professor	Journalism & Mass Communication	UOU/R3/2013-14/8848/appointment/ 639 date 13-08-2015	Headquarter
19-	Dr. M.M. Joshi	Assistant Professor	History	UOU/PF/2011/11958 date 10-08-2011	Headquarter

20-	Dr. Surya Bhan Singh	Assistant Professor	Political Science	UOU/PF/2011/11954 date 10-08-2011	Headquarter
21-	Dr. Deepak Paliwal	Assistant Professor	Sociology	UOU/PF/2011/11960 date 10-08-2011	Headquarter
22-	Dr. Neerja Singh	Assistant Professor	MSW	UOU/R3/2014/325/4017 date 18-07-2014	Headquarter
23-	Dr. (Mrs.) Seeta	Assistant Professor	Psychology	UOU/R3/2016/Add/241(7)/316/3454 date 03-12-2016	Headquarter
24-	Dr. Virendra Kumar	Assistant Professor	Agriculture	UOU/PF/2011/11959 date 10-08-2011	Headquarter
25-	Dr. H.C. Joshi	Assistant Professor	Forestry	UOU/PF/2011/11957 date 10-08-2011	Headquarter
26-	Ms. Shalini Chaudhary	Assistant Professor	Economics	UOU/R3/2016/Add/241(7)/318/3451 date 03-12-2016	Headquarter
27-	Dr. Kamal Devlal	Assistant Professor	Physics	UOU/R3/2014/326/4018 date 18-07-2014	Headquarter
28-	Sh. Mohd. Akram	Assistant Professor	Geography	UOU/R3/2016/Add/241(7)/319/3452 date 03-12-2016	Headquarter
29-	Dr. Shalini Singh	Assistant Professor	Chemistry	UOU/R3/2016/Add/241(7)/317/3453 date 03-12-2016	Headquarter
30-	Dr. Dinesh Kumar	Assistant Professor	Education	UOU/PF/2011/11976 date 10-08-2011	Headquarter
31-	Dr. Praveen Kumar Tiwari	Assistant Professor	Education	UOU/R/2012/Recruitment/270/2597 Date 08-08-2012	Headquarter
32-	Ms. Mamta Kumari	Assistant Professor	Education	UOU/R3/2014/323/4015 date 18-07-2014	Headquarter
33-	Dr. Kalpana Patni Lakhera	Assistant Professor	Education	UOU/R3/2017/Add/241(7)/625 Date 19-12-2017	Headquarter



सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL Government of Uttarakhand

e-Stamp

Certificate No. : IN-UK63775949016572Q
Certificate Issued Date : 26-Apr-2018 02:35 PM
Account Reference : NONACC (SV)/ UK1217204/ HALDWANI/ UK-NT
Unique Doc. Reference : SUBIN-UKUK121720428587786190744Q
Purchased by : REGISTRAR UOU
Description of Document : Article Miscellaneous
Property Description : NA
Consideration Price (Rs.) : 0
(Zero)
First Party : REGISTRAR UOU
Second Party : NA
Stamp Duty Paid By : REGISTRAR UOU
Stamp Duty Amount(Rs.) : 100
(One Hundred only)



Please write or type below this line.

AFFIDAVIT

I, Professor R.C. Mishra, Registrar of Uttarakhand Open University, Teenpani bypass, near T.P.Nagar, Haldwani, Distt. Nainital do hereby solemnly affirm and declare as under:

1. That the university namely Uttarakhand Open University wish to apply for the recognition of programmes to be offered under Open and Distance Learning mode with effect from July, 2018.
2. That, I have fully understood the clauses, terms and conditions as stipulated in the University Grants Commission (Open and Distance Learning) Regulations, 2017 along with two amendments thereon notified on 11.10.2017 and 06.02.2018.

Statutory Alert:

1. The authenticity of this Stamp Certificate should be verified at www.sholestamp.com. Any discrepancy in the details on this Certificate and as available on the website renders it invalid.
2. The onus of checking the legitimacy is on the users of the certificate.
3. In case of any discrepancy please inform the Competent Authority.

(Signature)
रजिस्ट्रार, मुक्त विश्वविद्यालय

हल्द्वानी (नैनीताल)

3. That the university is eligible in all respects to apply to UGC to offer education through open and distance learning mode per UGC (ODL) Regulations, 2017 and its amendments as mentioned in para 2 above.

4. That the university has submitted the proposal ONLINE through the designated portal and is also submitting duly certified three hard copies of the same proposal along with all the annexures, within the specified period, to UGC.

5. That the university is eligible in all respects to apply for offering education through open and distance learning mode as per UGC (ODL) Regulations, 2017 and its amendments as mentioned in para 2 above.

6. That, it is also declared that academic and instructional facilities at its regional Centers and learning Support Centers (Study Centers) meet all the conditions of UGC (ODL) Regulations, 2017, its amendments as mentioned in para 2 above and guidelines issued from time to time, and are commensurate with the number of academic programmes and learners strength thereto. It is also declared that these are as per the other applicable Regulations of UGC.

7. That the university has been offering education through open and distance learning mode with the approval of UGC/erstwhile DEC and has not violated any of the terms and conditions as stipulated in the approval/recognition letter no F. No 11-3/2016(DEC-I)/390 Dated July 2016 And norms issued by the relevant concerned statutory bodies from time to time.

8. That the university shall scrupulously abide by UGC (ODL) Regulations, 2017 and its amendments as mentioned in para 2 above while imparting education through open and distance learning mode after getting the approval of UGC.

9. That all the information given by the university in the proposal submitted to UGC is complete, true and correct.

10. That I am fully aware of the consequences, if the University fails to abide by UGC (ODL) Regulations, 2017 and its amendments as mentioned in para 2 above.

11. That I am fully aware that in case any information, documentary evidence submitted/produced by the University is found to be false or fake at a later stage, the recognition of University shall be withdrawn along with other punitive measures mentioned in UGC (ODL) Regulations, 2017 and its amendments as mentioned in para 2 above. I am also fully aware that it is the sole responsibility of the university for the career consequences of students, if any, arising out of the same.

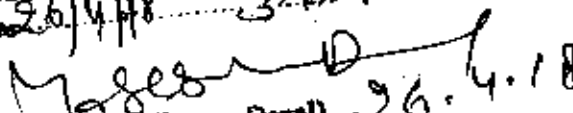
Verification:

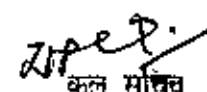
I, the above named deponent do hereby verify on/...../..... at Haldwani that the contents mentioned above are correct and true statements.


DEPONENT
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वानी (मैनीकाल)

Identified by

Identified that Draft/
the Deponent Identified by.....
Reviewed & Verified the Contents of
the Affidavit at.....
Date: 26/4/18 3:49 PM


(Yogesh Kumar Dermal)
Notary 17-18


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वानी (मैनीकाल)
DEPONENT

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR) - B.A.

कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन- स्नातक

स्नातक- राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, शिक्षाशास्त्र, पर्यटन, गृह विज्ञान, संगीत, गणित, भूगोल।

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programme's mission & objectives)- इस स्नातक कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है, "शिक्षा आपके द्वार" इसके लिए विश्वविद्यालय अपने विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाता है, जहाँ पर शिक्षार्थी अपने आर्थिक, भौगोलिक परिस्थितियों और पारिवारिक दायित्वों के कारण संस्थागत(Regular) शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं और उन लोगों को शिक्षा से जोड़ता है, जो सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, शिक्षा, पर्यटन और कला के क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल का विकास करते हुए इन क्षेत्रों में अपना योगदान देना चाहते हैं।

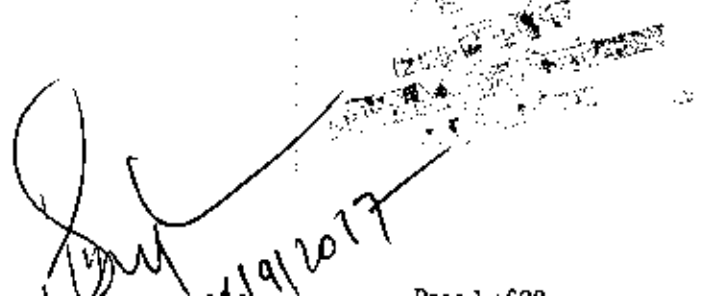
कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the program with HEI's Mission and Goals)- इस स्नातक कार्यक्रम की प्रासंगिकता है यह कि शिक्षार्थी शिक्षा, समाज, भाषा, कला, पर्यटन, अर्थशास्त्र, गणित, भूगोल, ज्योतिष और कर्मकाण्ड के संबंध में विस्तार से जान पाता है तथा वह इन विषयों के विभिन्न आयामों का ज्ञान प्राप्त करके विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता प्राप्त करता है तथा शिक्षार्थी स्नातकोत्तर (Post-Graduation) में प्रवेश के लिए योग्य हो जाता है।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners)- इस स्नातक कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा न केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो किसी व्यवसाय या नौकरी में रहते हुए संस्थागत(Regular) शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते और अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते। साथ ही राज्य के बाहर के वे शिक्षार्थी भी हैं, जो दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपने ज्ञान एवं कौशल का विकास करना चाहते हैं।

मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी स्नातक होने के उपरान्त विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। स्नातकोत्तर करने के लिए योग्य हो जाता है। स्नातक होने के उपरान्त शिक्षार्थी कला, भाषा, भूगोल, पर्यटन और गणित विषय के सैद्धान्तिक पक्षों के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। तथा एक कुशल सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासक, अर्थशास्त्री, पर्यटन गाईड और पर्यावरणविद् के तौर पर समाज में अपनी सेवाएँ दे सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- स्नातक स्तर पर तीन वर्षीय कार्यक्रम को पाठ्यक्रमों, खण्डों, इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 6 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं, अतः स्नातक पर प्रत्येक वर्ष में 6 प्रश्न-पत्रों में 36 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। तीन वर्ष के इस स्नातक कार्यक्रम में कुल 108 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम दो और अधिकतम पाँच इकाईयाँ हैं। स्नातक कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि तीन वर्ष और अधिकतम छः वर्ष है। स्नातक कार्यक्रम के लिए सहायक अकादमिक, सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। स्नातक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन और ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

स्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों (राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, शिक्षाशास्त्र, पर्यटन, गृह विज्ञान, संगीत, गणित, भूगोल) के पाठ्यक्रम रिपोर्ट के अंतर्गत संलग्न किये गये हैं।



प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation) - स्नातक स्तर पर वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रिया है। स्नातक स्तर में प्रवेश के लिए 10+2 उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातक स्तर पर संयुक्त शुल्क लिया जाता है। राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े-वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए शुल्क माफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न बैंक-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन के लिए अकादमिक-सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य (Assignment) और वार्षिक परीक्षा (Annual Exams) के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

शुल्क (Fee)

Programme	Year/ Sem	Programme Fee	Project/ Workshop	Exam Fee	Practical Fee	Vova- Voce Fee	Identity Card Fee	Student Welfare Fund	Degree Fee	Total
Bachelor of Art	I	2000	-	1050	-	-	50	100		3200
	II	2000	-	1050	-	-	-	-		3050
	III	2000	-	900	-	-	-	-	300	3200
Bachelor of Art with Music	I	2000	-	900	500	-	50	100		3550
	II	2000	-	900	500	-	-	-		3400
	III	2000	-	900	500	-	-	-	300	3700
Bachelor of Art with Geography	I	3000	1000	1050	500	500	50	100		6200
	II	3000	1000	1050	500	500	-	-		6050
	III	3000	1000	900	500	500	-	-	300	6200
Bachelor of Art with Mathematics	I	5700	-	1200	-	-	50	100		7050
	II	5700	-	1200	-	-	-	-		6900
	III	5700	-	1050	-	-	-	-	300	7050
Bachelor of Arts with Mathematics & Geography	I	5700	1000	1050	500	500	50	100		8900
	II	5700	1000	1050	500	500	-	-		8750
	III	5700	1000	1050	500	500	-	-	300	9050
Bachelor of Art with Home Science	I	2000	-	1050	500	500	50	100		4200
	II	2000	-	1050	500	500	-	-		4050
	III	2000	-	1050	500	500	-	-	300	4350

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the laboratory support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए प्रयोगशाला और पुस्तकालय की व्यवस्था है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के अध्ययन-केन्द्रों में भी प्रयोगशाला और पुस्तकालय की उपलब्धता है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the programme and the provisions)- स्नातक कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु जिसमें लेखन, सम्पादन और मुद्रण आता है, प्रत्येक इकाई में लगभग 8 हजार रुपये की धनराशि प्रयोग में लाई जाती है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम (Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।

(Signature)

मुख्य अधिकारी

मुख्य अधिकारी
(Signature)

पाठ्यक्रम (Syllabus)

बी०ए० प्रथम वर्ष (राजनीति विज्ञान)	बी०ए० प्रथम वर्ष (राजनीति विज्ञान)
प्रथम प्रश्न-पत्र- राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त (BAPS- 181) खण्ड-1 राजनीतिक सिद्धान्त 1. राजनीति विज्ञान: अर्थ, परिभाषा (परम्परागत व आधुनिक), क्षेत्र एवं प्रकृति 2. राजनीति विज्ञान, ध्वनीतिक सिद्धान्त, राजनीतिक दर्शन 3. राजनीति विज्ञान का अन्य समाज विज्ञानों (दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र मनोविज्ञान, भूगोल) के साथ सम्बन्ध खण्ड-2 राजनीति विज्ञान अध्ययन के उपागम 4. प्रमुख परम्परागत उपागम - दार्शनिक उपागम - ऐतिहासिक उपागम - कानूनी उपागम - संस्थागत उपागम 5. प्रमुख आधुनिक उपागम - समाज शास्त्रीय उपागम - अवधारणावादी उपागम, तार-व्यवहारवाद - मार्क्सवादी उपागम खण्ड-3 राज्य एवं उसके कार्यक्षेत्र 7. राज्य- अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं तत्व 8. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त- दैवीय सिद्धान्त, सामाजिक समझौता सिद्धान्त 9. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त- विकासवादी सिद्धान्त, मार्क्सवादी सिद्धान्त 10. राज्य के कार्य के सिद्धान्त- उदारवादी, समाजवादी एवं मार्क्सवादी, 11. राज्य के कार्य के सिद्धान्त- फासीवाद, गांधीवाद खण्ड-4 सम्प्रभुता, ऑस्टिन का सम्प्रभुता का सिद्धान्त, बहुलवादी सिद्धान्त 12. सम्प्रभुता की संकल्पना 13. ऑस्टिन का सम्प्रभुता का सिद्धान्त 14. बहुलवादी सिद्धान्त खण्ड-5 आधारभूत अवधारणाएं 15. स्वतन्त्रता, समानता और अधिकार 16. शक्ति, सत्ता, प्रभाव 17. कानून, न्याय, जून वेल्स के विशेष संदर्भ में 18. लोकतंत्र की विविध अवधारणाएं	द्वितीय प्रश्न-पत्र- आधुनिक सरकारों- सिद्धान्त एवं व्यवहार (BAPS- 192) खण्ड-1 संविधान, शासन के रूप 1. संविधान, संवैधानिक सरकार, संविधानवाद- पाकालय एवं मार्क्सवाद 2. संवैधानिक एवं अधिपत्यक शासन प्रणाली 3. एकात्मक एवं संघात्मक शासन प्रणाली खण्ड-2 ब्रिटिश संविधान 4. संविधान की मूलभूत विशेषताएं 5. ब्रिटिश संसद 6. कार्यपालिका, न्यायपालिका 7. दल प्रणाली खण्ड-3 संयुक्त राज्य अमेरिका 8. संविधान की मूलभूत विशेषताएं 9. संघीय कार्यपालिका 10. विधायिका (कांग्रेस) 11. न्यायपालिका 12. अमेरिकी दल प्रणाली खण्ड-4 स्विट्जरलैण्ड का संविधान 13. संविधान की मूलभूत विशेषताएं 14. स्थिर संघीय व्यवस्था 15. संघीय शासन- संघीय सभा, संघीय परिषद, 16. स्विट्जरलैण्ड में प्रत्यक्ष लोकतन्त्र खण्ड-5 चीन का संविधान 17. संविधान की मूलभूत विशेषताएं 18. राष्ट्रीय जनवादी कांग्रेस 19. कार्यपालिका, न्यायपालिका 20. चीन का साम्यवादी दल खण्ड-6 रूस का संविधान 21. वर्तमान रूस के संविधान की विशेषताएं 22. व्यवस्थापिका, कार्यपालिका 23. साम्यवादी दल
बी०ए० द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)	बी०ए० द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)
प्रथम प्रश्न-पत्र- प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक (BAPS- 201) खण्ड-1 ग्रीक राजनीतिक चिन्तन 1. ग्रीक राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएं 2. प्लेटो 3. अरस्तू खण्ड-2 प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन 4. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएं 5. मनु 6. कौटिल्य खण्ड-3 चम्पकास्त्रीन राजनीतिक विचारों की पृष्ठभूमि 7. चर्च व राज्य के मध्य विवाद, परिषदीय आन्दोलन 8. डॉ० आंगेस्टाइन, मार्सीसियो ऑफ पकुआ, टामस एक्विनास खण्ड-4 आधुनिक राजनीतिक चिन्तक 9. मैकिावेली 10. जॉन होब्स खण्ड-5 सामाजिक समझौतावादी राजनीतिक विचारक 11. होब्स 12. लॉक 13. क्यू 14. माटेस्वू खण्ड-6 आदर्शवादी एवं उपयोगितावादी विचारक 15. होगस, ग्रीन, 16. जेम्स मैन्थ, जे. एस. मिल खण्ड-7 सामाजिक परिवर्तनवादी विचारक	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत का संविधान (BAPS- 202) खण्ड-1 संविधान 1. संविधान का विकास 2. संविधान निर्माण, संविधान के स्रोत 3. संविधान का दर्शन 4. भारतीय संविधान का स्वरूप खण्ड-2 नगरिकता, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व और संविधान संशोधन प्रक्रिया 5. नागरिकता 6. मूल अधिकार और मूल कर्तव्य 7. राज्य के नीति-निर्देशक तत्व 8. संविधान संशोधन प्रक्रिया खण्ड-3 संघ का शासन 9. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति 10. प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद 11. संसद 12. न्यायपालिका: सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय 13. संघ-राज्य संबंध खण्ड-4 राज्यों का शासन 14. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद 15. राज्य विधान मण्डल 16. जम्मू कश्मीर राज्य, विशेष क्षेत्रों का प्रशासन खण्ड-5 स्थानीय स्व-शासन 16. स्थानीय स्व-शासन संरचना, विकास

17. कबल मार्क्स, 18. महात्मा गांधी 19. गाजोसेतुंग Sg Bk 8/5	17. 73वीं, 74वां संविधान संशोधन 18. पंचायती राज संस्थाएं- गठन, कार्य एवं शक्तियां 19. नगरीय स्वशासन- पटन, कार्य एवं शक्तियां खण्ड-6 संवैधानिक संस्थाएं 20. संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग 21. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, निर्वाचन आयोग 23. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग 24. भाषा, राजभाषा आयोग Sg Bk 8/5
बीएए 8 सुवीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत (BAPS- 301) खण्ड-1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति 1. परिभाषा, क्षेत्र व प्रकृति, स्वायत्त विषय 2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के उद्देश्य- शास्त्रीय एवं आधुनिक 3. राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय शक्ति के तत्त्व, 4. शक्ति सन्तुलन, सामूहिक सुरक्षा 5. राष्ट्रीय हित खण्ड-2 द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् विश्व राजनीति 6. शीत युद्ध का उदय व अन्त 7. नव शीत युद्ध, शस्त्रीकरण की होड़ 8. नाभिकीय प्रसार एवं नियन्त्रण के तथ्य 9. भूमण्डलीकरण खण्ड-3 विश्व राजनीति का क्षेत्रीयकरण 10. यूरोपीय संघ 11. अफिरान 12. एफेक, दाम्पट खण्ड-4 भारत की विदेश नीति-1 13. भारत की विदेश नीति, विदेश नीति के निर्धारक तत्व 14. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन एवं उसकी प्रासंगिकता 15. भारत की दक्षेस नीति, अफिरान एवं पूर्व की ओर देखो नीति खण्ड-5 भारत की विदेश नीति-2 16. भारत व अफिरान 17. भारत व रूस 18. भारत व चीन 19. भारत व पश्चिम एशिया Sg Bk 8/8	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत में लोक प्रशासन (BAPS- 302) खण्ड-1 भारतीय प्रशासन 1. भारतीय प्रशासन का विकास 2. भारतीय प्रशासन की विशेषताएं 3. भारतीय प्रशासन सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व संवैधानिक पर्यावरण 4. भारतीय संविधान की विशेषताएं खण्ड-2 संघीय शासन-1 5. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति 6. प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद् 7. संसद- लोक सभा और राज्य सभा 8. मन्त्रिपरिषद् सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय खण्ड-3 संघीय शासन-2 9. राजनीति और प्रशासन में समन्वय 10. केन्द्र-राज्य सम्बन्ध खण्ड-3 राज्य शासन 11. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मन्त्रिपरिषद् 12. राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव खण्ड-4 लोक सेवाएं और अखिल भारतीय सेवाएं 13. लोक सेवाएं- अर्थ, कार्य आधुनिक प्रवृत्तियां, विशेषताएं 14. अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द्रीय सेवाएं, भर्ती, प्रसिद्धि 15. भारत में प्रशासनिक सुधार 16. जन शिकायत निवारण, सोकपाल, लोकसेवा में तटस्थता 17. प्रशासन में भ्रष्टाचार खण्ड-5 वितीय प्रशासन एवं सभितियां 18. भारत में वितीय प्रबन्ध व बजट निर्माण प्रक्रिया 19. सार्वजनिक व्यय पर नियंत्रण- विधायी, कार्यकारी, न्यायिक 20. लोक लेखा समिति, अनुमन सभिति, लोक उपक्रमों पर सभिति विभागीय सभितियां, नियंत्रक महालेखा परोक्षक 21. लेखांकन, लेखा परोक्षण खण्ड-6 स्थानीय स्वशासन 22. पंचायती राज, 73 वीं संवैधानिक संशोधन 23. नगरीय स्थानीय सरकार 74 वीं संवैधानिक संशोधन 24. स्वतन्त्रता पश्चात् जिला प्रशासन, विलाधिकारी Sg Bk 8/8
बीएए 9 प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- लोक प्रशासन के सिद्धान्त (BAPA- 101) खण्ड- 1 लोक प्रशासन के सिद्धान्त 1. लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, पहलु 2. लोक प्रशासन के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण 3. लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन 4. लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन 5. लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध खण्ड- 2 विकास प्रशासन व तुलनात्मक लोक प्रशासन 6. विकास प्रशासन अर्थ, विशेषताएं, क्षेत्र 7. विकसित और विकासशील देशों में विकास प्रशासन 8. तुलनात्मक लोक प्रशासन अर्थ, क्षेत्र एवं अध्ययन के दृष्टिकोण 9. लोक प्रशासन एवं लोक नीति खण्ड- 3 लोक प्रशासन में संगठन 10. संगठन-महत्व, अर्थ, औपचारिक संगठन, अनौपचारिक संगठन 11. संगठन की विधाधाराएं- शास्त्रीय, मानव संबंध विषयक, व्यवस्था विधाधारा 12. संगठन के सिद्धान्त- पद सोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आवेस की एकता 13. समन्वय, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण केन्द्रीकरण, विवेन्द्रीकरण	द्वितीय प्रश्न- पत्र- भारत में लोक प्रशासन (BAPA- 102) खण्ड- 1 भारतीय प्रशासन 1. भारतीय प्रशासन का विकास 2. भारतीय प्रशासन की विशेषताएं 3. भारतीय प्रशासन सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व संवैधानिक पर्यावरण 4. भारतीय संविधान की विशेषताएं खण्ड- 2 संघीय शासन-1 5. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति 6. प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद् 7. संसद- लोक सभा और राज्य सभा 8. मन्त्रिपरिषद् सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय खण्ड- 3 संघीय शासन-2 9. राजनीति और प्रशासन में समन्वय 10. केन्द्र-राज्य सम्बन्ध खण्ड- 4 राज्य शासन 11. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मन्त्रिपरिषद् 12. राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव

खण्ड-4 लोक प्रशासन में संगठन

14. मुख्य कार्यपालिका
15. सूच तथा स्टाफ
16. भर्ती, प्रशिक्षण एवं प्रोत्ति

खण्ड-5 लोक प्रशासन पर नियंत्रण, प्रबन्ध और नेतृत्व

17. लोक प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी नियंत्रण, कार्यकारी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण
18. प्रबन्ध, अर्थ, प्रकृति, सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ
19. नेतृत्व, नीति निर्माण तथा निर्णय करना

खण्ड-6 नियोजन, नीकराशही और लोकसेवा

20. नियोजन: अर्थ, प्रकार, नियोजन, प्रक्रिया, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद
21. नीकराशही - अर्थ, नीकराशही के प्रकार, गुण, दोष, मैक्स वेबर की नीकराशही
22. लोकसेवा का अर्थ, कार्य, भारत में आखिल भारतीय सेवाएं, भारतीय प्रशासनिक सेवा

खण्ड-5 लोक सेवाएं और आखिल भारतीय सेवाएं

13. लोक सेवाएं: अर्थ, कार्य आधुनिक प्रवृत्तियाँ, विशेषताएं
14. आखिल भारतीय सेवाएं, केन्द्रीय सेवाएं, भर्ती, प्रशिक्षण
15. नन शिक्षापर निवारण, लोकपाल, लोकसेवा में कटस्थता
16. प्रशासन में प्रशिक्षण

खण्ड-6 विधायी प्रशासन एवं समितियाँ

17. भारत में विधायी प्रबन्ध घ घबट निर्माण प्रक्रिया
18. सार्वजनिक व्यव पर नियंत्रण: विधायी, कार्यकारी, न्यायिक
19. लेखापरीक्षण, लेखा परीक्षण

खण्ड-7 स्थानीय स्वशासन

20. पंचायती राज, 73 वीं संवैधानिक संशोधन
21. नगरीय स्थानीय सरकार, 74 वीं संवैधानिक संशोधन
22. स्वतन्त्रता पश्चात् शिला प्रशासन, जिलाधिकारी

बी0ए0 द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रथम प्रश्न-पत्र- प्रबन्ध के सिद्धान्त

(BAPA-201)

खण्ड-1 प्रबन्ध का अर्थ और प्रकृति

1. प्रबन्ध- अर्थ, प्रकृति, कार्य
2. सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ
3. प्रबन्ध और लोक प्रशासन

खण्ड-2 नेतृत्व और नीति निर्माण

4. नेतृत्व: आवश्यकता, अर्थ, प्रकृति, नेतृत्व के गुण, नेतृत्व का विकास
5. नीति निर्माण: महत्व, अर्थ, नीति और प्रशासन
6. नीति का निर्माण, भारत में नीति निर्माण

खण्ड-3 निर्णयन

7. निर्णय करना: महत्व, अर्थ, प्रकृति, निर्णय करने का आधार
8. निर्णय करने की समस्याएं, नीति निर्माण एवं हार्बर्ट साइमन

खण्ड-4 नियोजन

9. नियोजन क्यों? नियोजन- अर्थ, नियोजन के प्रकार, नियोजन की प्रक्रिया
10. योजना का निर्माण- योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद
11. भारत में नियोजन की प्रशासकीय समस्याएं
12. योजना का प्रशासनिक पक्ष- परिवर्तन की कुरखेला, जन सहयोग

खण्ड-5 लोक संघ

13. लोक सम्बन्ध- आवश्यकता, अर्थ तथा प्रकृति
14. लोक सम्बन्ध के अवसर तथा प्रवृत्तियाँ- प्रचार, व्यक्तिगत सम्पर्क सीधा पत्राचार

खण्ड-6 समन्वय, प्रत्यायोजन, संचार और पर्यवेक्षण

15. समन्वय
16. प्रत्यायोजन
17. संचार
18. पर्यवेक्षण

द्वितीय प्रश्न-पत्र- सामाजिक कल्याण प्रशासन

(BAPA-202)

खण्ड-1 सामाजिक प्रशासन- परिचय

1. सामाजिक प्रशासन का विकास
2. सामाजिक प्रशासन - अर्थ, विशेषता और महत्व
3. सामाजिक कल्याणकारी राज्य और प्रशासन

खण्ड-2 सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय

4. सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय
5. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय - संरचना, कार्य, भूमिका
6. महिला एवं शिशु कल्याण विभाग: संरचना, कार्य, भूमिका
7. भारतीय संविधान में समाज कल्याण संबंधी उपबन्ध: महिलाओं और अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में

खण्ड-3 समाज कल्याण संबंधी संवैधानिक संस्थाएं

8. मानव अधिकार और मानव अधिकार आयोग
9. राष्ट्रीय महिला आयोग
10. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
11. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
12. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

खण्ड-4 राज्य, जिला और स्थानीय स्तर पर समाज कल्याण प्रशासन

13. राज्य और जिला स्तर पर सामाजिक कल्याण प्रशासन
14. सामाजिक कल्याण विभाग- संरचना, कार्य और भूमिका
15. स्थानीय स्तर पर सामाजिक कल्याण प्रशासन

खण्ड-5 समाज कल्याण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका

16. गैर-सरकारी संगठन की विशेषताएं
17. स्वयं सहायता समूह, नागरिक समाज, नागरिक चार्टर, स्वैच्छिक समूह
18. गैर-सरकारी संगठनों की समाज कल्याण में भूमिका

बी0ए0 तृतीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रथम प्रश्न-पत्र- लोकनीति

(BAPA-301)

खण्ड-1 लोकनीति का परिचय

1. लोकनीति: अर्थ और प्रकृति
2. नीति चक्र: नीति निर्माण की भाषाएं
3. लोकनीति निर्माण का माहौल
4. लोकनीति के अध्ययन का महत्व: आधुनिक परिदृश्य

खण्ड-2 नीति निर्माण: संरचना और प्रक्रिया-1

5. नीति निर्माण में राजनीतिक कार्यपालिका की भूमिका
6. नीति निर्माण में अधिकारी शब्द की भूमिका
7. नीति निर्माण में विद्यमान मंडल की भूमिका

खण्ड-3 नीति निर्माण: संरचना और प्रक्रिया-2

8. नीति निर्माण में न्यायपालिका की भूमिका
9. विभिन्न अंगों के बीच अन्तःक्रिया
10. भारत में नीति निर्माण प्रक्रिया: बहुधा मजदूरी प्रथा का उन्मूलन- अधिनियम 1976

खण्ड-4 लोकनीति निर्माण: मुख्य निर्वाक

11. द्वि संसद एवं नीति निर्माण
12. राजनीतिक दल एवं नीति निर्माण
13. जन संचार माध्यम
14. सामाजिक आन्दोलन
15. अन्तर्राष्ट्रीय एनेमिस्ट्स

द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रशासनिक चिंतक

(BAPA-302)

खण्ड-1 कौटिल्य, बुद्धो विल्सन

1. कौटिल्य
2. बुद्धो विल्सन

खण्ड-2 फेयोले, विन्सलो टेलर, वेबर, कार्ल पावर्स

3. हेनरी फेयोले
4. फ्रेडरिक विन्सलो टेलर
5. मैक्स वेबर
6. कार्ल पावर्स

खण्ड-3 लुथर गुलिक, लिण्डल उर्विक, मेरी पावर्स फालेट

7. लुथर गुलिक
8. लिण्डल उर्विक
9. मेरी पावर्स फालेट

खण्ड-4 मेयो, चेस्टर आई बर्नोइड, हरबर्ट ए0 साइमन

10. जॉर्ज एल्टन मेयो
11. चेस्टर आई बर्नोइड
12. हरबर्ट ए0 साइमन

खण्ड-5 अब्राहम वास्तो, डगलस मैकगोवर, क्रिस अर्गिरेस, फ्रेडरिक हर्जबर्ग

13. अब्राहम वास्तो
14. डगलस मैकगोवर

कुल संकेत
उत्तरदाता का नाम लिखिए
दिनांक

खण्ड-5 नीति निष्पादन 16. नीति निष्पादन में सरकारी एजेन्सियों की भूमिका 17. नीति निष्पादन में गैर-सरकारी एजेन्सियों की भूमिका 18. नीति निष्पादन की समस्याएं खण्ड-6 नीतिगत हस्तक्षेप: वृक्ष अध्ययन 19. भूमिसुधार 20. गरीबी: उन्मुक्त कार्यक्रम 21. पंचायती राज 22. नीति प्रभाव एवं मूल्यांकन	15. किस ऑफिस, फ्रेडरिक हर्बर्ग खण्ड-6 रैसिस लिफ्ट, एफ0 डब्ल्यू0 रिस, आर0 के0 पर्टन 16. रैसिस लिफ्ट 17. एफ0 डब्ल्यू0 रिस 18. आर0 के0 पर्टन

बी0ए0 प्रथम वर्ष (समाजशास्त्र)

प्रथम प्रश्न-पत्र- समाजशास्त्र: एक परिचय (BASO -101) खण्ड-1 समाजशास्त्र: एक परिचय इकाई-1- समाजशास्त्र का अर्थ परिभाषा एवं प्रकृति इकाई-2 क्षेत्र एवं विषय-वस्तु इकाई-3, एक वैज्ञानिक विषय के रूप में समाजशास्त्र का उद्भव इकाई-4 समाजशास्त्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञान खण्ड-2 आधारभूत समाजशास्त्रीय अवधारणाएं इकाई-5, समाज: अवधारणा, प्रकार एवं विशेषताएं इकाई-6 समुदाय: अर्थ एवं विशेषताएं इकाई-7 भूमिका एवं प्रतिष्ठा: अर्थ एवं प्रकार इकाई-8 संस्कृति: अर्थ, परिभाषा प्रकार विशेषताएं एवं रीतिरिवाज इकाई-9 मानव प्रतियोगिता एवं रीतिरिवाज खण्ड-3 सामाजिक संरचना एवं सामाजिक स्तरीकरण इकाई-10 सामाजिक संरचना इकाई-11 सामाजिक स्तरीकरण-अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार इकाई-12 सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त इकाई-13 वर्ग-अर्थ प्रकार एवं निर्धारक खण्ड-4 सामाजिक समूह एवं संस्थाएं इकाई-14 सामाजिक समूह: अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएं इकाई-15 सामाजिक समूह: श्रमिक व इकाई-16 समिति इकाई-17 संस्थाएं: विवाह, परिवार एवं धर्म खण्ड-5 सामाजिक प्रक्रियाएँ इकाई-18 सामाजिक प्रक्रियाएँ: अर्थ एवं प्रकार इकाई-19 सामाजिक संयोग प्रक्रियाएँ: सहयोग, अनुकूलन, संयोजन एवं समावेश इकाई-20 विघटनकारी प्रक्रियाएँ: प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष इकाई-21 समाजीकरण: परिभाषा, प्रकार एवं अधिकरण	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत में समाज: संरचना एवं परिवर्तन (BASO-102) खण्ड-1 भारतीय समाज: एक परिचय इकाई-1 - भारतीय समाज की विशेषताएँ इकाई-2- भारतीय समाज के आधार: वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, धर्म एवं कर्म इकाई-3 - युक्तार्थ एवं संस्कार इकाई-4 - भारत में विविधता में एकता खण्ड-2 भारतीय समाज की आधारभूत संस्थाएँ इकाई-5 - विवाह इकाई-6- परिवार इकाई-7- नातेदार इकाई-8- जाति खण्ड-3 भारतीय समाज में कमजोर वर्ग इकाई-9 महिला इकाई-10 अनुसूचित जाति इकाई-11- अनुसूचित जनजातियाँ इकाई-12 - अन्य पिछड़े वर्ग इकाई-13 - एस0 सी0, एस0 टी0 एवं ओ0 सी0 हेतु वैधानिक एवं संवैधानिक सुरक्षा उपाय खण्ड-4 भारतीय समाज की संरचना एवं संघटक इकाई-14 - जनजातीय समाज इकाई-15 - ग्रामीण समाज इकाई-16 - नगरीय समाज

बी0ए0 द्वितीय वर्ष (समाजशास्त्र)

प्रथम प्रश्न-पत्र- सामाजिक नियंत्रण और परिवर्तन (BASO -201) खण्ड-1 इकाई-1. सामाजिक नियंत्रण: अवधारणा, महत्व तथा प्रकार इकाई-2. परिवार इकाई-3. जनजातियाँ तथा लोकचर इकाई-4 धर्म एवं नैतिकता खण्ड-2 इकाई-5 सामाजिक परिवर्तन एवं प्रकार इकाई-6 उद्भ्रान्त प्रगति एवं अवधि इकाई-7 सामाजिक परिवर्तन के जनसंख्यात्मक कारक इकाई-8 सामाजिक परिवर्तन के प्रौद्योगिकीय कारक इकाई-9 सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक एवं सांस्कृतिक कारक खण्ड-3 इकाई-10 प्रक्षोभक इकाई-11 आधुनिकीकरण इकाई-12 औद्योगिकीकरण खण्ड-4 इकाई-13 नगरीकरण इकाई-14 धर्मनिरपेक्षीकरण इकाई-15 सार्वभौमिकरण	द्वितीय प्रश्न-पत्र- सामाजिक अनुसंधान विधि (BASO -202) इकाई-1 सामाजिक अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य व प्रकृति इकाई-2 'सामाजिक शोध के चरण इकाई-3 अनुसंधान के प्रकार : विशुद्ध, व्यावहारिक तथा क्रियात्मक इकाई-4 शोध प्रकार इकाई-5, सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अंतर इकाई-6 उपकल्पना : अर्थ, आवश्यकता एवं स्रोत इकाई-7 निर्वर्तन इकाई-8 सूचनाओं के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत इकाई-9 अवलोकन इकाई-10 अनुसूची इकाई-11 प्रश्नावली इकाई-12 वैयक्तिक अभ्युत्थ इकाई-13 साक्षात्कार इकाई-14 तथ्यों के वर्गीकरण व 'सारणीयन इकाई-15 सांख्यिकी इकाई-16 केन्द्रीय प्रवृत्तियों का मापन

बी0ए0 तृतीय वर्ष (समाजशास्त्र)

प्रथम प्रश्न-पत्र- सामाजिक विचारक	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारतीय सामाजिक समस्याएँ

कुल अंक

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

रूढ़ी (दिल्ली)

(BASQ-301)	(BASQ-302)
खण्ड 1- इकाई 1. सामाजिक नियंत्रण: अवधारणा, महत्व तथा प्रकार इकाई 2. परिवार इकाई 3. जनधर्मिता तथा लोकाचार इकाई 4. धर्म एवं नैतिकता खण्ड 2 इकाई 5. सामाजिक परिवर्तन एवं प्रकार इकाई 6. खडिखखर प्रादि एवं ज्ञाति इकाई 7. सामाजिक परिवर्तन के जनसंख्यात्मक कारक इकाई 8. सामाजिक परिवर्तन के प्रौद्योगिकीय कारक इकाई 9. सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक एवं सांस्कृतिक कारक खण्ड 3 इकाई 10. पश्चिमीकरण इकाई 11. आधुनिकीकरण इकाई 12. औद्योगीकरण खण्ड - 4 इकाई 13. नगरीकरण इकाई 14. धर्मनिरपेक्षीकरण इकाई 15. सार्वभौमिकरण	इकाई - 1 सामाजिक समस्याएँ इकाई - 2. सामाजिकता इकाई - 3. सेवावाद इकाई - 4. प्रदूषण इकाई - 5. गरीबी इकाई - 6. बेरोजगारी इकाई - 7. भ्रष्टाचार इकाई - 8. सामाजिक विघटन इकाई - 9. अपराध और सपेक्षित अपराध इकाई - 10. नाश अपराध इकाई - 11. मध्यान इकाई - 12. भिक्षावृत्ति इकाई - 13. वेश्यावृत्ति इकाई - 14. आत्महत्या

बीएचए प्रथम वर्ष (अर्थशास्त्र)

(BAEC-101)	(BAEC-102)
प्रथम प्रश्न-पत्र- अर्थशास्त्र खण्ड-1 परिचय इकाई-1 अर्थशास्त्र का स्वरूप इकाई-2 अर्थशास्त्र तथा समाजिक अर्थशास्त्र इकाई-3 आर्थिक स्थितिकी तथा प्राथमिकी एवं सामान्य संतुलन विवेचन इकाई-4 कल्याणकारी अर्थशास्त्र खण्ड-2 उपभोक्ता व्यवहार- इकाई-5 गणनात्मक तुल्यगुण विवेचन इकाई-6 मूल्य का नियम इकाई-7 मूल्य एवं पूर्ति की सोच इकाई-8 उपभोक्ता बचत खण्ड-3 उपभोक्ता व्यवहार- इकाई-9 अनुपयोगिता बचत विवेचन इकाई-10 आय प्रभाव, प्रतिस्थापन तथा किमत प्रभाव एवं अनुपयोगिता का अनुपयोगिता इकाई-11 उद्घाटित अधिमान विवेचन खण्ड-4 उत्पादन तथा लागत सिद्धान्त इकाई-12 लागत एवं आय का वक्र इकाई-13 उत्पादन फलन और परिवर्तनशील अनुपातों का नियम इकाई-14 समोत्पाद वक्र, साधनों का न्यूनतम लागत संयोग एवं पैमाने के प्रतिफल खण्ड-5 बाजार संरचना एवं कीमत निर्धारण इकाई-15 पूर्ण प्रतियोगिता इकाई-16 एकाधिकार प्रतियोगिता इकाई-17 एकाधिकारालयक प्रतियोगिता इकाई-18 अल्पाधिकार प्रतियोगिता खण्ड-6 वितरण का सिद्धान्त इकाई-19 वितरण का सिद्धान्त एवं सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त इकाई-20 लेभान का सिद्धान्त इकाई-21 व्याज का सिद्धान्त इकाई-22 मजदूरी का सिद्धान्त इकाई-23 लाभ का सिद्धान्त	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारतीय अर्थव्यवस्था खण्ड-1 भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना इकाई-1 भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ इकाई-2 राष्ट्रीय आय और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-3 जनसंख्या मानवीय संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-4 अर्थ-संरचनाएँ प्राकृतिक संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था खण्ड-2 भारत में आर्थिक विकास की समस्याएँ इकाई-5 गरीबी इकाई-6 बेरोजगारी इकाई-7 आर्थिक असमानता इकाई-8 मुद्रा स्थिति एवं ऋण सुरक्षा खण्ड-3 आर्थिक नियोजन इकाई-9 आर्थिक नियोजन की प्रासंगिकता एवं योजना निर्माण प्रक्रिया इकाई-10 आर्थिक नियोजन की उपलब्धियाँ (पारदर्शी योजनाएँ योजना तक) इकाई-11 केन्द्र-उत्पन्न सम्बन्ध इकाई-12 योजना का वित्तीयन खण्ड-4 कृषि और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-13 भारत में कृषि की प्रकृति महत्व एवं नवीन व्यूह रचना इकाई-14 भारत में कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ इकाई-15 कृषि साधन एवं कृषि विपणन खण्ड-5 औद्योगिक संरचनाएँ वित्तीय एवं मुद्रा बाजार और लोक वित्त संरचना इकाई-16 औद्योगिक नीति एवं उद्योगीकरण इकाई-17 औद्योगिक संरचना एवं उपलब्धियाँ इकाई-18 लघु उद्योग इकाई-19 भारतीय वित्तीय एवं मुद्रा बाजार और लोक वित्त संरचना खण्ड-6 भूमण्डलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-20 भूमण्डलीकरण एवं भारतीय कृषि इकाई-21 विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन इकाई-22 उद्योगीकरण के दौर सार्वजनिक क्षेत्र इकाई-23 विश्व व्यापार संगठन एवं भारत

बीएचए द्वितीय वर्ष (अर्थशास्त्र)

(BAEC-201)	(BAEC-202)
प्रथम प्रश्न-पत्र- अर्थशास्त्र खण्ड-1 परिचय इकाई-1 अर्थशास्त्र की प्रकृति, उद्देश्य और विकास इकाई-2 राष्ट्रीय आय अवधारणा एवं संरचना इकाई-3 राष्ट्रीय आय माप एवं लेखांकन खण्ड-2 अर्थशास्त्र सिद्धान्त इकाई-4 क्लासिकल सिद्धान्त इकाई-5 फेनसीयन सिद्धान्त	द्वितीय प्रश्न-पत्र- उन्नत अर्थशास्त्र की अर्थव्यवस्था खण्ड-1 अर्थव्यवस्था की संरचना इकाई-1 उन्नत अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ इकाई-2 मानवीय संसाधन एवं जनसंख्या इकाई-3 प्राकृतिक संसाधन इकाई-4 अर्थ संरचना खण्ड-2 उन्नत अर्थशास्त्र का नियोजन इकाई-5 आर्थिक नियोजन के उद्देश्य एवं एग्रीमेंट

इकाई-6 उपभोग फलन एवं सिद्धान्त इकाई-7 निवेश फलन एवं गुणक के सिद्धान्त इकाई-8 स्वराज एवं विदेशी व्यापार गुणक खण्ड-3 मुद्रा, व्यापार और कीमत इकाई-9 मुद्रा की प्रकृति, कार्य और पूर्ति इकाई-10 व्यापार के सिद्धान्त इकाई-11 कीमत का मुद्रा और कीमत का सिद्धान्त इकाई-12 मुद्रा की मांग का केन्सीयर सिद्धान्त खण्ड-4 स्फीति, समष्टि आर्थिक नीतियाँ एवं बैंकिंग इकाई-13 मुद्रा स्थिति एवं बेरोजगारी इकाई-14 केन्द्रीय बैंक के मौद्रिक नीति के यंत्र इकाई-15 एजक्यूटिव नीति के यंत्र इकाई-16 साख निर्माण एवं नियन्त्रण खण्ड-5 आर्थिक विकास एवं व्यापार चक्र इकाई-17 आर्थिक विकास का प्रतिष्ठित सिद्धान्त इकाई-18 आर्थिक विकास का हेण्ड-टोमर प्रारूप इकाई-19 व्यापार चक्र का मौद्रिक सिद्धान्त इकाई-20 व्यापार चक्र का गुणक त्वरक सिद्धान्त	इकाई-6 निर्यात के साठ वर्ष एवं म्याकडॉन पंचवर्षीय योजना इकाई-7 गरीबी और बेरोजगारी इकाई-8 क्षेत्रीय असमानता एवं जनजातीय विकास खण्ड-3 कृषि क्षेत्र इकाई-9 उत्तराखण्ड के कृषि आगत, उत्पादन और कृषि उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ इकाई-10 भूमि सुधार एवं नवीन कृषि की रणनीतियाँ इकाई-11 पशुपालन, मछली एवं शेत कान्ति इकाई-12 ग्रामीण एवं कृषि वित्त खण्ड-4 उत्तराखण्ड का औद्योगिक विकास इकाई-13 औद्योगिक संरचना इकाई-14 लघु, ग्रामीणों का विकास एवं प्रमुख समस्याएँ इकाई-15 औद्योगिक नीति इकाई-16 औद्योगिक विकास हेतु सहयोगी संस्थान खण्ड-5 सेवा क्षेत्र इकाई-17 सामाजिक क्षेत्र इकाई-18 बैंकिंग एवं वित्त क्षेत्र इकाई-19 लोक शिक्षा संरचना एवं क्षेत्रीय व्यापार इकाई-20 पर्यटन उद्योग एवं पर्यावरण
प्रथम प्रश्न-पत्र- आर्थिक गणितीय विधियाँ एवं प्रारम्भिक सांख्यिकी (BAEC-301) खण्ड 1- आर्थिक गणितीय विधियाँ इकाई-1 समुच्चय सम्बन्ध एवं फलन इकाई-2 अवकलन एवं आर्थिक सिद्धान्त में इसका प्रयोग इकाई-3 अन्वयकलन एवं आर्थिक सिद्धान्त में इसका प्रयोग इकाई-4 अनुकूलतम संगीकरण एवं आव्यूह (मैट्रिक्स) का परिचय इकाई-5 सांख्यिक एवं आगत निर्गत सारणी विश्लेषण खण्ड 2- आँकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण इकाई-6 आँकड़ों के संकलन की विधियाँ इकाई-7 आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ इकाई-8 केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप इकाई-9 अपविक्षण की माप खण्ड 3-द्विचर आँकड़ें, सहसम्बन्ध एवं प्रतीपगमन इकाई-10 विषमता तथा प्रवृत्तिमान इकाई-11 द्विचर आँकड़ों का विश्लेषण इकाई-12 सहसम्बन्ध विश्लेषण इकाई-13 प्रतीपगमन विश्लेषण खण्ड 4- सूचकांक, कालश्रेणी तथा प्रायिकता इकाई-14 अन्तराणव एवं वाह्यगणन इकाई-15 सूचकांक इकाई-16 काल श्रेणी विश्लेषण इकाई-17 प्रारम्भिक प्रायिकता एवं प्रायिकता यंत्रन विश्लेषण खण्ड 5-अन्तःमृत्सु सांख्यिकीय विश्लेषण एवं सांख्यिकीय सर्वेक्षण संस्थान इकाई-18 द्विचर प्रमेय इकाई-19 आँकड़ों का टी-टेस्टएफ-टेस्ट परीक्षण इकाई-20 अन्तःमृत्सु सांख्यिकीय विश्लेषण इकाई-21 राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एवं राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मुद्रा बैंकिंग, लोक वित्त एवं अन्तराष्ट्रीय अर्थशास्त्र (BAEC-302) खण्ड 1- प्रस्तावना इकाई-1 मुद्रा की कार्यवाही, परिभाषा एवं कार्य इकाई-2 मुद्रा का स्वीकरण इकाई-3 मौद्रिकमान, स्वर्णमान एवं पत्र मुद्रामान खण्ड 2- मुद्रा का मूल्य, सिद्धान्त और स्थिति इकाई-4 मुद्रा के मूल्य निर्धारण के परम्परागत सिद्धान्त (फिशर व कैमिज आदि) इकाई-5 मुद्रा के मूल्य निर्धारण के आधुनिक सिद्धान्त (स्विडमैन) इकाई-6 मुद्रा स्थिति, अवस्थिति, विस्फीति, संस्फीति एवं स्थितिबद्ध गतिरोध खण्ड 3- वाणिज्यिक बैंकिंग इकाई-7 वाणिज्यिक बैंकिंग अर्थ, कार्य एवं विकास इकाई-8 वाणिज्यिक बैंकों की साख-धुनन की प्रक्रिया इकाई-9 बैंकों का राष्ट्रीयकरण एवं पश्चात् प्रगति का मूल्यांकन इकाई-10 आर्थिक सुधार काल में वाणिज्यिक बैंकों में हुए सुधार एवं नवीन नीतियाँ खण्ड 4- केन्द्रीय बैंकिंग इकाई-11 केन्द्रीय बैंक कार्य एवं सिद्धान्त (रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया) इकाई-12 साख-नियन्त्रण परिणामात्मक एवं गुणात्मक विधियाँ इकाई-13 मुद्रा-पूर्ति अवधारणा, अवयव एवं निर्धारक तत्व खण्ड 5- राजस्व की प्रकृति क्षेत्र एवं सिद्धान्त इकाई-14 राजस्व का आशय विषय वस्तु एवं निजी वस्तुओं और सार्वजनिक वस्तुओं इकाई-15 अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त इकाई-16 सार्वजनिक आद-व्यय इकाई-17 बजट एवं निर्माण प्रक्रिया खण्ड 6- अन्तराष्ट्रीय अर्थशास्त्र इकाई-18 अन्तराष्ट्रीय व्यापार एवं वलासिकाल सिद्धान्त इकाई-19 अन्तराष्ट्रीय व्यापार के आधुनिक सिद्धान्त इकाई-20 व्यापार की शर्तें और मुक्त व्यापार, संरक्षण एवं भुगतान संतुलन इकाई-21 विदेशी विनिमय एवं नियन्त्रण
प्रथम प्रश्न-पत्र- प्राचीन भारत का इतिहास (BAHI-101) खण्ड-1: इक्ष्वा संख्याता इकाई-1: इक्ष्वा संख्याता, विस्तार, क्षेत्र तथा कालक्रम इकाई-2: इक्ष्वा संख्याता की उत्पत्ति, विकास, मिश्रता तथा विशेषताएँ इकाई-3: इक्ष्वा संख्याता के महत्त्वपूर्ण नगर एवं कस्बे, धार्मिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन, विदेशी व्यापार एवं सम्पर्क इकाई-4: इक्ष्वा संख्याता की भाषा, लिपि, एवं पतन खण्ड-2: वैदिकयुगीन भारत इकाई-1: अर्थ जाति एवं आर्यों का मूलनिवास स्थान इकाई-2: भारत में आर्यों का आगमन, आर्यों का विस्तार एवं वैदिक साहित्य इकाई-3: वैदिक युग में धार्मिक विश्वास एवं धार्मिक अनुष्ठान इकाई-4: वैदिकयुगीन सामाजिक तथा आर्थिक जीवन	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मध्यकालीन भारत का इतिहास (BAHI-102) खण्ड-1: इस्लाम का आगमन इकाई-1: इस्लाम का आगमन तथा भारतीय संस्कृति में इस्लाम का प्रभाव इकाई-2: अरब आक्रमण के समय भारत की स्थिति तथा अरबों के आक्रमणों का प्रभाव इकाई-3: महमूद गजनवी एवं मोहम्मद गोरी के आक्रमणों का प्रभाव इकाई-4: तुर्क आक्रमण की पूर्व संघर्ष में भारत की राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक दशा खण्ड-2: सल्तनतकालीन इतिहास -1206 ई० से 1526 ई० इकाई-1: गुलाम वंश: कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, खिजा तथा कसमना इकाई-2: जलाउद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, बहामनी विजयनगर, एवं सैनिक उपलब्धियाँ इकाई-3: तुगलक वंश, मोहम्मद बिन तुगलक की नीतियाँ, फिरोजशाह तुगलक के सुधार एवं धार्मिक नीति इकाई-4: अकालोत लोदी, सिफन्दर लोदी, इब्राहिम लोदी एवं सामाजिक स्थिति

शास्त्रिनी

शास्त्रिनी

उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
सहस्रनाम
2023

खण्ड-3: इतिहास क्षेत्र तथा महत्व
 इकाई 1- इतिहास की परिभाषा क्षेत्र तथा महत्व
 इकाई 2- प्राचीन भारतीय इतिहास के क्षेत्र
 इकाई 3- प्राचीन भारत में वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ तथा श्रुति व्यवस्था
 इकाई 4- संस्कार तथा उनके प्रकार एवं महत्व, विवाह तथा उनके प्रकार एवं महत्व
खण्ड-4: छठी शताब्दी ई० पूर्व से तृतीय शती ई० पूर्व तक भारत
 इकाई 1- महावीर स्वामी: दार्शनिक विचारधारा, चिरन, जैन साहित्य एवं स्थापत्य कला
 इकाई 2- महात्मा बुद्ध: बौद्ध धर्म, बौद्ध धर्म का विस्तार, बौद्ध धर्म दर्शन- महायान, हिनयान, भारतीय संस्कृति को बौद्ध धर्म की देन, पत्तन के कारण
 इकाई 3- गौरव साम्राज्य: चन्द्रगुप्त मौर्य बिन्दुसार तथा अशोक
 इकाई 4- मौर्यकालीन भारत का सामाजिक तथा आर्थिक जीवन, मौर्यकालीन कला, मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण
खण्ड-5: प्राचीन भारत: गुप्त साम्राज्य
 इकाई 1- गुप्त साम्राज्य: चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त चन्द्रगुप्त द्वितीय तथा उनकी सफलताएं
 इकाई 2- गुप्तकाल में व्यापार तथा वाणिज्य
 इकाई 3- गुप्तकालीन एवं हर्षकालीन सांस्कृतिक जीवन
 इकाई 4- प्राचीन भारत में महिलाओं की स्थिति तथा उनके अधिकार
खण्ड-6: संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली
 इकाई 1- सप्त सैन्य, दशरथ युव, भारतवर्ष, पंचजन, हरपृषिषा, दिलान तथा मंजन, बोगबर्कोई, माहदेवी, सभा-समिति, यज्ञ, श्रुति, स्मृति
 इकाई 2- कर्म का सिद्धान्त, वेदंग, वेदोत, भ्रमांग, दण्डनीति, निष्कण, तपस्या, सन्देशवाद, भौतिकवाद, आनीविक, आर्तिक्काद, प्रमाणवाद
 इकाई 3- धर्मविषय, स्तूप, चैत्य, नीति शास्त्र, धर्मसूत्र, तथिल संगम, पाली, प्राकृत, लौकिक संस्कृत, धवन, बोधिसत्व, तीर्थंकर, समिलाह्य, इन्द्रदण्ड
 इकाई 4- विधि, प्रणय, सीता, श्री- धन, प्रतिलोभ विवाह, अनुलोम विवाह, वर्ष शंकर, मोत्र तथा प्रवर, राजतन्त्र गणराज्य संस्थान्याय अग्रहार ब्रह्मादेय दशमार्ग

खण्ड-3: सलतनतकालीन: सभ्यता, संस्कृति एवं अधिन्ययस्था
 इकाई 1- बहमनी तथा विजयनगर साम्राज्य
 इकाई 2- सलतनतकालीन अधिन्ययस्था एवं समाज
 इकाई 3- दिल्ली सलतनत का प्रशासन, स्थानत्व एवं साहित्य
 इकाई 4- सलतनतकालीन राजस्व व्यवस्था
खण्ड-4: मुगलकालीन- भारत
 इकाई 1- मुगल राज्य व्यवस्था: बाघर, हुमायूँ तथा शेरशाह
 इकाई 2- अकबर: उसकी धार्मिक एवं राजपूत नीति तथा जहांगीर
 इकाई 3- शाहजहाँ, औरंगजेब: धार्मिक तथा दक्षिणी नीति
 इकाई 4- मुगलों के राजत्व का सिद्धान्त
खण्ड-5: मुगलकालीन भारत
 इकाई 1- मुगल प्रशासन का स्वरूप, विश्व व्यवस्था, मनसबदारी व्यवस्था
 इकाई 2- मुगलकाल की जागीरदारी प्रथा, भू-राजस्व व्यवस्था
 इकाई 3- मुगल स्थापत्य कला तथा चित्रकला
 इकाई 4- मराठों के उत्थान के कारण तथा पेशवाओं के अंतर्गत मराठा प्रशासन
खण्ड-6: संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली
 इकाई 1- इका, छिलाफ्त, हुमा, जवन, अमरम, गडिया, जकात, खम्भ, खयन, मटव-ए-पास, हरय, परगना, तुर्कान-बहलानी, जिम्मी, बारीयत, परदा, जलेम, छिदमती, राहना ए-मंडी
 इकाई 2- उर्दू, तज्जु, तुमरी, गजल, कब्बाली, खयाल, कैयक, खडी बोली, सती, मोद प्रवा, दस, चुनपरख, सेआद, सिलसिला
 इकाई 3- मनसब, मुगल, तुर्क, मंगोल, मेहपूब, गुम्बद, तल्लर, खालसा-धूपी, काजी, सुलहकुल, इबादतखाना, दहसाला प्रणाली, सयूपात
 इकाई 4- खागीर, मस्जिद, सूफी, सगुण, निर्गुण, स्वातन, पीर नबर, तीर्थ-कर नायंकर एवं आग्या, एरोखो, अहदी, दाखली, क्राछाना, मरम-जल-बाहरीन

Handwritten signature

प्रथम प्रश्न-पत्र- आधुनिक भारत का इतिहास (BAHI- 201)

खण्ड-1 आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन परंपरा
 इकाई 1- आधुनिक भारतीय इतिहास की प्रोत सामग्री
 इकाई 2- भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का औपनिवेशिक भव
 इकाई 3- स्वातंत्र्यपूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन-आर.सी.दत्त एवं दादा भाई नौरोजी
 इकाई 4- भारतीय इतिहास लेखन में असुनातन वृत्तियां-परम्परावादी, सम्प्रदायवादी, राष्ट्रवादी तथा भावसंवादी
खण्ड-2 यूरोपीय प्रतिस्पर्धा एवं ब्रिटिश उन्मत्ता
 इकाई 1- भारत में यूरोपीयों का आगमन
 इकाई 2- ऑगल-प्रेसीसी स्पर्धा और कर्नाटक युद्ध
 इकाई 3- बंगाल में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना और हैष शासन
 इकाई 4- अंग्रेज और मैसूर का राज्य
खण्ड-3 औपनिवेशिक विस्तार
 इकाई 1- अंग्रेज और मराठे
 इकाई 2- बर्मा के साथ अंग्रेजों के सम्बन्ध
 इकाई 3- सिक्खों के साथ अंग्रेजों के सम्बन्ध
 इकाई 4- सिन्ध की विजय
खण्ड-4 आधुनिक भारत का इतिहास: भारतीय प्रतिक्रिया एवं प्रत्युत्तर
 इकाई 1- 1857 का विद्रोह: 1857 के पूर्व के विद्रोह, 1857 का विद्रोह: कारण, प्रमुख नेता, घटनाएँ एवं प्रसार, प्रकृति, असफलता के कारण एवं परिणाम
 इकाई 2- औपनिवेशिक राज्य के उपकरण: सेना, पुलिस एवं कानून
 इकाई 3- लोकप्रिय प्रतिरोध: चंभल विद्रोह (1857), नील विद्रोह (1860) डेनकन दौरे (1875)
 इकाई 4- आधुनिक भारत में धर्म तथा समाज सुधार आंदोलन
खण्ड-5 आधुनिक भारत का इतिहास: आर्थिक पराभव
 इकाई 1- भू-राजस्व व्यवस्था एवं वन नीति
 इकाई 2- वाणिज्यीकरण, ऋणस्वतवा एवं अकाल
 इकाई 3- प्राचीन समाज: परिवर्तन एवं विस्तार
 इकाई 4- व्यापार एवं राजकीय नीति, अन्त-औद्योगीकरण, धन का पलायन, महिला प्रश्न
खण्ड-6 आधुनिक भारत का इतिहास: नवीन भारत का उद्भव
 इकाई 1- शिवा: परेड एवं आधुनिक
 इकाई 2- दलित आन्दोलन और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, द्रविड आंदोलन
 इकाई 3- आधुनिक उद्योगों की संवृद्धि
 इकाई 4- प्रेस एवं समाचार पत्र
खण्ड-7 संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली
 इकाई 1- चौध, सारदेशमुखी, महापण्डु धर्म, अष्ट-प्रधान, सेना कर्त, पेशवा, कन्नपति, हिन्दू-पाद-पादशाही,

द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (BAHI- 202)

खण्ड-1 भारत में राष्ट्रवाद का उद्भव: कारण, प्रकृति एवं विकास
 इकाई 1- भारतीय राष्ट्रवाद का जन्म: कारण एवं कोट्रिंस के प्रथम अधिवेशन में बताये गये उद्देश्य
 इकाई 2- प्रारंभिक दिनों में कांग्रेस की मांगें तथा वेदर राष्ट्रीयता का मूल्यांकन
 इकाई 3- उपवादी आन्दोलन के उद्भव के कारण
 इकाई 4- बंगाल में उपराष्ट्रवाद और बंगाल का विभाजन
खण्ड-2 भारत में राष्ट्रवाद का विकास: आर्थिक धरण
 इकाई 1- कान्तिकारी आन्दोलन
 इकाई 2- विदेशों में क्रांतिकारी कार्य और कान्तिकारी आन्दोलन का मूल्यांकन
 इकाई 3- समप्रदायिकता का उद्भव तथा विकास
 इकाई 4- लखन समझौता एवं मूल्यांकन, होमरूल लीग आन्दोलन
खण्ड-3 राष्ट्रवाद का गांधी युग: एक
 इकाई 1- गांधी जी का प्रारंभिक जननीतिक जीवन
 इकाई 2- असाहयोग आन्दोलन: कारण, कार्यक्रम रोलेट एक्ट एवं उसका विरोध अलियावाला भाग हत्याकाण्ड, चोरोचोख काण्ड और आन्दोलन की समाप्ति
 इकाई 3- साधन कमीशन, सर्वोच्च समेलन और नेहरू रिपोर्ट
 इकाई 4- सशिय अवज्ञा आंदोलन
खण्ड-4 राष्ट्रवाद का गांधी युग: दो
 इकाई 1- 1935 का भारत सरकार अधिनियम
 इकाई 2- भारत छोड़ो आन्दोलन
 इकाई 3- देशी एक्को में राष्ट्रीय आन्दोलन
 इकाई 4- वेबल योजना और शिमला समेलन
खण्ड-5 राष्ट्रीय आन्दोलन का अन्तिम धरण
 इकाई 1- 1945-47 के जन-आन्दोलन
 इकाई 2- 1945-47 के बीच राजनीतिक गतिविधियां
 इकाई 3- राष्ट्रीय आन्दोलन और समाजवादी विचारधारा
 इकाई 4- देश का विभाजन और स्वतन्त्र भारत की चुनौतियां
खण्ड-6 राष्ट्रवाद एवं सामाजिक वर्ग
 इकाई 1- भू-स्वामी, पेशेवर और मध्य वर्ग
 इकाई 2- किसान एवं श्रमिक वर्ग
 इकाई 3- जनजातियां एवं जनजातीय विद्रोह
 इकाई 4- भारत में बरित आंदोलन
खण्ड-7 संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली

Handwritten notes and signatures at the bottom right corner.

मसला-संघ, देशमुख इकाई 2- उपनिवेशवाद, मुक्त व्यापार, कारखाना, देश शासन, साम्राज्यवाद, राष्ट्रवाद, वाणिज्यवाद इकाई 3- महाजनी, ब्लैकबोल, दस्तक, भूस्वामी, रैयत, बिलारे, ठगी प्रथा, गौद प्रथा, निम्नजन्म विद्वान्त इकाई 4- पुनर्जागरण, अन्धविश्वास, धिक्कोसोपिस्ट, शुद्धि आन्दोलन, देवदासी, बुद्धि हिल्लेच, सिविल सेवा, गवर्नर जनरल	इकाई 1- वीरसराय, गदर परसेन्सदा, उदारवादी, गरमजन्मी, स्वराज्य, पुनर्जागरण, अग्रगामी नीति, हण्टर कर्मीशाना इकाई 2- स्वदेशी, मिहिलिस्ट, अनुशीलन समिति, चरमपन्थी इकाई 3- असहयोग, सविनय अवज्ञा, रामछत्र, सूची, स्वायत्तमान, राष्ट्रीय एकता इकाई 4- साम्प्रदायिकता, संविधान, विभाजन, रेडक्लिफ रेखा, गभतन्त्र, प्रजातन्त्र

बी.ए. मूवीय वर्ष (इतिहास)

प्रथम प्रश्न-पत्र- आधुनिक विश्व का इतिहास (BAHI-301)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- उत्तराखण्ड का इतिहास (BAHI-302)
खण्ड-1 विश्व: इतिहास लेखन परंपरा इकाई 1- इसाई धर्म एवं इतिहास चिंतन इकाई 2- रोम के सिरोर प्रदेश में इतिहास दर्शन की निश्चयात्मक अभिगम इकाई 3- इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या (मार्क्सवादी सिद्धान्त) इकाई 4- बीसवीं शताब्दी का इतिहास लेखन-स्पेक्टर और टायनवी के संदर्भ में खण्ड-2 यूरोप: आधुनिकता की ओर इकाई 1- सामन्तवाद का पतन इकाई 2- पुनर्जागरण इकाई 3- धर्म सुधार इकाई 4- प्रबोधन का युग खण्ड-3 विश्व: राष्ट्र राज्यों का उद्भव, प्रारंभिक औपनिवेशीकरण और राजनीतिक सुधार इकाई 1- निरंकुश राष्ट्रीय राज्यों का उद्भव इकाई 2- भौगोलिक खोजें, प्रारंभिक औपनिवेशिक साम्राज्य, वाणिज्यिक क्रान्ति इकाई 3- इंग्लैंड में संसदीय संस्थाओं का विकास इकाई 4- औद्योगिक क्रांति और उसका प्रभाव खण्ड-4 विश्व: क्रांति का युग, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद इकाई 1- अमेरिकी क्रांति इकाई 2- फ्रांस की क्रांति और नेपोलियन का युग इकाई 3- यूरोप में राष्ट्रवाद: जर्मनी और इटली का एकीकरण इकाई 4- चीन और जापान: चीन और जापान में यूरोपीय साम्राज्यवाद, अफ्रीका का विभाजन और प्रथम विश्वयुद्ध, रूसी क्रांति खण्ड-5 एशिया और अफ्रीका में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद विरोधी आन्दोलन इकाई 1- चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया में उपनिवेशवाद, जापान: आधुनिक राज्य से साम्राज्यवादी शक्ति की ओर इकाई 2- दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलन इकाई 3- चीनी क्रांति, दक्षिण-पूर्व एशिया में साम्राज्यवाद विरोधी आन्दोलन इकाई 4- दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आन्दोलन, अरब राष्ट्रवाद खण्ड-6 विश्व: फासीवाद, द्वितीय विश्वयुद्ध, वि-औपनिवेशीकरण, शीतयुद्ध इकाई 1- विश्वव्यापी मंदी और आर्थिक संकट इकाई 2- इटली में फासीवाद, जर्मनी में नाजीवाद और जापान में सैन्यवाद इकाई 3- द्वितीय विश्व युद्ध इकाई 4- वि-औपनिवेशीकरण और शीतयुद्ध खण्ड-7 संकल्पनाएँ, विचार तथा जटिलताएँ इकाई 1- ब्लैक डेथ, दासवाद, मानवतावाद, प्रचुर स्वेच्छाचारिता, दैवी अधिकार, धर्म की सर्वाधिकारिता इकाई 2- मध्यकाल, राष्ट्रीय राज्य, पुनर्जागरण, धर्म सुधार, डार्विनवाद, पवित्र रोमन साम्राज्य इकाई 3- नारी अधिकारवाद, संसदीय लोकतन्त्र, महाद्वीपीय व्यवस्था, नाजीवाद, फासीवाद, साम्राज्यवाद इकाई 4- राष्ट्रमंडल, समाजवाद, रंगभेद, शीतयुद्ध	खण्ड-1 उत्तराखण्ड में इतिहास लेखन परंपरा इकाई 1- उत्तराखण्ड के इतिहास के स्रोत: पुरातात्विक इकाई 2- उत्तराखण्ड के इतिहास के स्रोत: साहित्यिक इकाई 3- उत्तराखण्ड के इतिहास के स्रोत: मौखिक परंपरा इकाई 4- उत्तराखण्ड का भूगोल एवं पर्यावरण खण्ड-2 उत्तराखण्ड: प्रागैतिहासिक इकाई 1- उत्तराखण्ड में पषाण युग, रौंदाश्रय एवं शैल चित्रण इकाई 2- ताम्रमानवाकृति इकाई 3- महाभूमि संस्कृति, कप मार्क्स एवं उर्ध्वगर्भ इकाई 4- उत्तराखण्ड एवं पौराणिक आख्यान खण्ड-3 उत्तराखण्ड: ऐतिहासिक - एक इकाई 1- कुण्डिद मुद्रा इकाई 2- गौतम-वर्मन राजवंश इकाई 3- कार्तिकेयपुर राजवंश इकाई 4- पंचार कालीन गद्दवाल खण्ड-4 उत्तराखण्ड: ऐतिहासिक - दो इकाई 1- चन्दकाशीन कुषाई इकाई 2- गोरखा कालीन उत्तराखण्ड इकाई 3- ब्रिटिश कालीन उत्तराखण्ड इकाई 4- सराई-भाबर का इतिहास खण्ड-5 मध्यकालीन उत्तराखण्ड इकाई 1- मध्यकालीन उत्तराखण्ड में राजत्व की वैधता के स्रोत इकाई 2- मध्यकालीन उत्तराखण्ड में राज्य निर्माण की प्रक्रिया का स्वरूप इकाई 3- उत्तराखण्ड में कृषिकरण, सैन्य व्यवस्था, व्यापार, कर-प्रणाली, सामाजिक वर्ग इकाई 4- मध्यकालीन उत्तराखण्ड का मुगल सत्ता से संबंध खण्ड-6 उत्तराखण्ड: जागृति, स्वतंत्रता एवं स्वातंत्र्योत्तर आंदोलन इकाई 1- उत्तराखण्ड में आधुनिक प्रेस एवं समाचार पत्र इकाई 2- उत्तराखण्ड स्वतंत्रता संग्राम में योगदान इकाई 3- स्वतंत्रता पूर्व उत्तराखण्ड में महिलाओं की प्रस्थिति इकाई 4- स्वातंत्र्योत्तर उत्तराखण्ड: लोकप्रिय आन्दोलन खण्ड-7 उत्तराखण्ड: तकनीकी विकास एवं सांस्कृतिक परिदृश्य इकाई 1- उत्तराखण्ड के प्रमुख धार्मिक स्थल इकाई 2- उत्तराखण्ड का हस्तशिल्प इकाई 3- उत्तराखण्ड की स्थापत्य कला इकाई 4- उत्तराखण्ड के लोक नृत्य, लोक कला एवं संगीत

बी.ए. प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान)

प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोविज्ञान की मूलभूत प्रक्रियाएँ (BAPSY-101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मनोविकृत विज्ञान (BAPSY-102)
खण्ड 1. मनोविज्ञान: परिचय इकाई 1. मनोविज्ञान: परिभाषा, लक्ष्य एवं शाखाएँ इकाई 2. मनोविज्ञान की विधियाँ: अवलोकन एवं प्रयोगात्मक इकाई 3. चिकित्सा चयन: केन्द्रीय एवं स्वचालित, मस्तिष्क की संरचना एवं कार्य, मस्तिष्क के स्वतन्त्र एवं सामूहिक क्रिया सिद्धान्त खण्ड 2. संवेदन एवं प्रत्यक्षीकरण इकाई 4. प्रत्यक्षीकरण का स्वरूप, प्रत्यक्षीकरण का दृष्टिकोण: गैस्टाल्टवादी एवं व्यवहारवादी इकाई 5. प्रत्यक्षीकरण संगठन, प्रत्यक्षीकरण के निर्धारक इकाई 6. सांवेदिक प्रक्रिया: औद्य एवं कान की संरचना और कार्य खण्ड 3. सीखना, स्मृति एवं विस्मरण	खण्ड 1. मनोविकृत विज्ञान एवं मन इकाई 1. असामान्य मनोविज्ञान एवं ऐतिहासिक इकाई 2. सामान्य और असामान्य मनोविज्ञान में अन्तर, असामान्यता की विशेषताएँ इकाई 3. मन का प्रत्यय, मन का आकाशवाणी और गद्यप्रत्यय खण्ड 2. असामान्य व्यवहार का अध्ययन इकाई 4. मनोविश्लेषणात्मक एवं व्यवहारवादी इकाई 5. प्रत्यक्ष विधि एवं व्यक्ति इतिहास विधि इकाई 6. स्वतन्त्र विश्लेषण खण्ड 3. मनोविकृत विज्ञान एवं मानसिक मनोरचनाएँ इकाई 7. दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उ.प्र.)

इकाई 7. साक्षात्: स्वरूप और सिद्धान्त, प्रवास और मूल एवम् मूल का सिद्धांत इकाई 8. कलात्मिक एवं प्रवर्तन अनुकूलन व अधिगम का स्थानान्तरण इकाई 9. स्मरण और विस्मरण: स्वरूप, प्रक्रिया, भूलने के कारण, स्मृति का दिकोणीय तंत्र - संवेदी, लघु कालिका स्मृति, दीर्घकालिका खण्ड 4. चिन्तन एवं समस्या समाधान इकाई 10. चिन्तन: स्वरूप एवं प्रक्रिया इकाई 11. सुननात्मक चिन्तन तथा समानात्मक चिन्तन इकाई 12. समस्या समाधान उपागम तथा समस्या समाधान के चरण खण्ड 5. अभिप्रेरण एवं संवेग इकाई 13. अभिप्रेरण: स्वरूप, प्रकार- जन्मजात एवं अर्जित प्रेरक, आवश्यकता, प्रणोदन एवं प्रोत्साहन, अभिप्रेरण के सिद्धान्त इकाई 14. संवेग: स्वरूप, शारीरिक परिवर्तन, सिद्धान्त- जैम्स लॉन्गे, फैरन- वार्ड एवं क्रियाशीलता इकाई 15. संवेग में स्वतः संघटित स्नायुमंडल की भूमिका खण्ड 6. बुद्धि एवं व्यक्तित्व इकाई 16. बुद्धि: परिभाषा, स्वरूप एवं सिद्धांत इकाई 17. बुद्धि का मापन, बुद्धि परीक्षणों का उपयोग इकाई 18. व्यक्तित्व: स्वरूप, प्रकार एवं निर्धारक, व्यक्तित्व के मूलगुण और व्यक्तित्व का मापन	इकाई 8. मनोरचनाओं की परिभाषा एवं स्वरूप इकाई 9. मनोरचनाओं की विशेषताएं, अन्तर्दृष्टि के प्रकार व निदान खण्ड 4. मानसिक रोग इकाई 10. मानसिक रोग का स्वरूप, मनोविकृत एवं मनोसाधु विकृति में अंतर इकाई 11. चिंता, हिस्टीरिया तथा भय इकाई 12. मनोविरलता, उत्साह विषाद मनोविकृति एवं पैनोइडिया खण्ड 5. मनोचिकित्सा इकाई 13. मनोचिकित्सा की प्रकृति एवं महत्व इकाई 14. निदेशात्मक एवं अनिदेशात्मक मनोचिकित्सा इकाई 15. मनोचिकित्सा: सामूहिक चिकित्सा एवं व्यवहार चिकित्सा खण्ड 6. मानसिक दुर्बलता इकाई 16. मानसिक दुर्बलता तथा इसके कारण इकाई 17. मानसिक दुर्बलता की रोकथाम और उपचार इकाई 18. मानसिक दुर्बलता के प्रकार और पुनर्वास
प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोवैज्ञानिक साक्षर्यता एवं मापन (BAPSY-201) खण्ड 1. परिचय इकाई 1. सांख्यिकी: अर्थ एवं उपयोग, सांख्यिकी के प्रकार, मनोवैज्ञानिक मापन में सांख्यिकी की सार्थकता (महत्व) इकाई 2. आवृत्ति वितरण: द्वितीय आवृत्ति वितरण, समूह प्रदर्शकों का आलेखीय प्रस्तुतीकरण- आवृत्ति बहुभुज, स्तम्भचित्र, स्तम्भचित्र, तिर्यक इकाई 3. केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप: माप के प्रकार - मध्यमान, मध्यांक एवं बहुलांक की विशेषताएं एवं गणना खण्ड 2. विचलनशीलता के माप इकाई 4. विचलनशीलता का संप्रत्यय, प्रसार, मध्यमान विचलन, चतुर्थक विचलन, प्रामाणिक विचलन एवं प्रसरण, विचरण गुणांक इकाई 5. प्रसामान्य वितरण: प्रसामान्यता का संप्रत्यय, प्रसामान्य स्तम्भचित्र वक्र की विशेषताएं, विषमता एवं कुतुहल, प्रसामान्य सांख्यिकता वक्र के अनुप्रयोग इकाई 6. सह-सम्बन्ध: सह-सम्बन्ध का संप्रत्यय, पीरसन गुणन आधुन सहसम्बन्ध-स्पीयरमैन कोरि-अन्तर सहसम्बन्ध खण्ड 3. प्रविदर्शन प्रविधि इकाई 7. यादृच्छिक निदर्शन, प्रविदर्शन वितरण, मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं आर (r) की प्रामाणिक बुद्धि, सार्थकता के स्तर, स्वतंत्रता के अंश, टाईप-बन बुद्धि एवं टाईप-टू बुद्धि इकाई 8. प्राचल एवं अप्राचल सांख्यिकी-अर्थ, स्वरूप, अभिप्रेरण एवं प्रकार, टी. परीक्षण एवं कर्न-बर्न परीक्षण खण्ड 4. विश्वसनीयता, वैधता एवं परीक्षण का मानकीकरण इकाई 9. विश्वसनीयता का अर्थ एवं प्रकार, परीक्षण विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियां इकाई 10. वैधता: अर्थ एवं प्रकार, परीक्षण वैधता ज्ञान कारने की विधियां इकाई 11. परीक्षण मानकीकरण: अर्थ, सार्थकता एवं विशेषताएं, मानक अंक के प्रकार एवं उपयोगिता खण्ड 5. परीक्षण निर्माण इकाई 12. मनोवैज्ञानिक परीक्षण का अर्थ, विशेषताएं एवं उपयोगिताएं, परीक्षण निर्माण के सामान्य चरण इकाई 13. पद या एकांक का अर्थ, विशेषताएं एवं प्रकार, एकांक लेखन के सामान्य दिशा निर्देश, निबन्धात्मक तथा वस्तुनिष्ठ परीक्षण की तुलना इकाई 14. पद विरलेषण: पदों का कठिनाई स्तर एवम् पद विभेदन शक्ति, पद के कठिनाई स्तर एवं विभेदन शक्ति में सम्बन्ध	द्वितीय प्रश्न-पत्र- सामाजिक मनोविज्ञान (BAPSY-202) खण्ड 1. सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय इकाई 1 सामाजिक मनोविज्ञान: स्वरूप, कार्यक्षेत्र, उपयोगिता सामाजिक व्यवहार के नियम अनुकरण, मुद्राएं एवं सहानुभूति इकाई 2. प्रयुक्त विज्ञान के रूप में सामाजिक मनोविज्ञान इकाई 3. सामाजिक मनोविज्ञान की विधियां: अवलोकन, सर्वे, व्यक्ति इतिहास, समाजभूमि एवं खण्ड 2. अभिवृत्ति, पूर्वाग्रह, विभेद एवं साम्प्रदायिकता इकाई 4. अभिवृत्ति का अर्थ और विशेषताएं, अभिवृत्ति का निर्माण एवं परिवर्तन इकाई 5. पूर्वाग्रह का अर्थ एवं विशेषताएं, पूर्वाग्रह के प्रकार इकाई 6. पूर्वाग्रह के कारण, पूर्वाग्रह के प्रभाव पूर्वाग्रह एवं विभेदन में भेद इकाई 7. पूर्वाग्रह एवं विभेद को कम करने की विधियां, भारत में साम्प्रदायिकता खण्ड 3. संस्कृति एवं व्यक्तित्व इकाई 8. संस्कृति एवं व्यक्तित्व का अर्थ एवं संस्कृति के प्रकार इकाई 9. संस्कृति तथा व्यक्तित्व में सम्बन्ध, व्यक्तित्व के सांस्कृतिक निर्धारक, व्यक्तित्व के अध्ययन के उपगम इकाई 10. व्यक्तित्व निर्माण, स्व का मनो-विश्लेषणात्मक सिद्धान्त, सामाजिक निर्भरता और स्वतंत्रता खण्ड 4. सामाजिक प्रभाव प्रक्रम इकाई 11. सामाजिक प्रभाव स्वरूप, अवस्था एवं प्रकार अन्तर्व्यक्तिगत आकर्षण के सिद्धांत इकाई 12. प्रामाजिक व्यवहार, प्ररोपकारी व्यवहार, प्ररोपकारी व्यवहार सिद्धान्त इकाई 13. आज्ञाप्रकृति तथा हिंसा, आज्ञाप्रकृति के सिद्धांत हिंसा के कारण खण्ड 5. स्वास्थ्य, कानून, एवं कार्य स्थिति में सामाजिक मनोविज्ञान का प्रभाव इकाई 14. तनाव: कारण एवं प्रभाव, खराब स्वास्थ्य के कारण, व्यक्तिगत चरित्र तथा स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना इकाई 15. समाज मनोविज्ञान तथा न्याय तंत्र: परीक्षा शुरू होने पूर्व, मीडिया कवरेज का प्रभाव, प्रत्यक्षदर्शी, परीक्षण के मुख्य साक्ष्य इकाई 16. क्रीड़ा का समाज मनोविज्ञान, राजनीति मनोविज्ञान, शिक्षा का समाज मनोविज्ञान, माताशाल एवं परिवहन मनोविज्ञान, व्यवसाय में समाज मनोविज्ञान की भूमिका
प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोविज्ञान के सिद्धान्त एवं प्रणाली (BAPSY-301) खण्ड 1. मनोविज्ञान का ऐतिहासिक परिचय इकाई 1 मनोविज्ञान में प्लेटो, अरस्तू एवं डेकार्टे का योगदान इकाई 2. त्रिदिश अनुभववादी एवं साहचर्यवादियों का मनोविज्ञान में योगदान इकाई 3. शरीर-क्रिया विज्ञानिकों का मनोविज्ञान में योगदान खण्ड 2. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का परिचय इकाई 4. वेबर, फेर्नर तथा गाट्टन का मनोविज्ञान में योगदान, मनोभौतिकी एवम् इसकी विधियां इकाई 5. विलहेल्म वुंट एवं टिचनर का मनोविज्ञान में योगदान	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयुक्त मनोविज्ञान (BAPSY-302) खण्ड 1. व्यावहारिक मनोविज्ञान का परिचय इकाई 1. व्यावहारिक मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र इकाई 2. व्यावहारिक मनोविज्ञान की शाखायें इकाई 3. व्यावहारिक मनोविज्ञान के उपक्षेत्र खण्ड 2. निर्देशन एवं परामर्श इकाई 4. निर्देशन का अर्थ, प्रकृति, आवश्यकता एवं प्रकार इकाई 5. माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर पर शैक्षिक व व्यावसायिक निर्देशन

30-12

30-12

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नया दिल्ली

इकाई 6. विलियम जेम्स एवं ड्विगेंहोस का मनोविज्ञान में योगदान खण्ड 3. मनोविज्ञान के सम्प्रदाय इकाई 7. मनोविश्लेषण: नव-ज्ञानवाद (एडलर, युंग, हीर्नी), व्यवहारवाद (पेवलोव एवं स्कीनर) इकाई 8. मानवतावादी एवं अस्तित्वादी मनोविज्ञान इकाई 9. मनोविरलेषण एवं नव-विरलेषण खण्ड 4. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान इकाई 10. चरनात्मक अवधान एवं दीर्घकृत अवधान, उत्तेजन एवं सूचना संसाधन, चरनात्मक अवधान के सिद्धान्त इकाई 11. प्रत्यक्षण का स्वरूप, एवं सिद्धान्त, प्रत्यक्षणात्मक सीखना इकाई 12. पैटर्न प्रत्यभिज्ञान: पैटर्न प्रत्यभिज्ञान के सिद्धान्त, आधारीक-ऊपरी तथा ऊपरी निचली उपगम, प्रत्यक्षणात्मक स्थिरता खण्ड 5. उद्योग में मनोविज्ञान इकाई 13. उद्योग में मनोविज्ञान: उत्पादन में कठिनाईयाँ, श्रमिक विरलेषण, कार्य दशा, पदोन्नति के अवसर, उद्योग में मानवीय संबंध, श्रम कल्याण, हड़ताल एवं तालाबंदी इकाई 14. औद्योगिक मनोबल: परिभाषा, पहलू, आवश्यकता एवं औद्योगिक मनोबल का प्रभाव, मनोबल को मापने की विधि, कार्य-संबंध इकाई 15. विज्ञापन: अर्थ एवं महत्व, विज्ञापन एवं स्मृति, विज्ञापन एवं अवधान, विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक पहलू	इकाई 6. परामर्श का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र इकाई 7. परामर्श के क्षेत्र: व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं कैरियर, परामर्श की विधियाँ: प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष खण्ड 3. औद्योगिक मनोविज्ञान इकाई 8. औद्योगिक मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, समय एवं गति अध्ययन, वैज्ञानिक प्रबंध इकाई 9. औद्योगिक मनोबल एवं निष्पादन मूल्यांकन इकाई 10. प्रेरणा एवं कार्य संतुष्टि इकाई 11. एकरसता ऊब एवं औद्योगिक दुर्घटनाएँ खण्ड 4. स्वास्थ्य मनोविज्ञान एवं व्याधि (रोग) इकाई 12. स्वास्थ्य मनोविज्ञान का अर्थ प्रकृति एवं क्षेत्र इकाई 13. पीडा: परिभाषा, प्रकार तथा सिद्धान्त इकाई 14. रोग (प्रतिबल) एवं समायोजन रणनीति इकाई 15. हृदय संबंधी रोग, कैसर, एवं आईवी/एड्स के कारण एवं निवारण खण्ड 5. सकारात्मक मनोविज्ञान इकाई 16. सकारात्मक मनोविज्ञान: प्रस्तावना, अर्थ, क्षेत्र एवं सकारात्मक संबंधों की भूमिका इकाई 17. पैसा, आनंद एवं कल्याण इकाई 18. आशावाद, सहानुभूति, आभार एवं क्षमा

बी.ए. प्रथम वर्ष (हिन्दी)

प्रथम प्रश्न-पत्र- गद्य साहित्य -I (BAHL-101) खण्ड 1 - कथा साहित्य का विकास इकाई 1 - हिन्दी गद्य का उद्भव व विकास इकाई 2 - हिन्दी कहानी का उद्भव व विकास इकाई 3 - हिन्दी उपन्यास का उद्भव व विकास खण्ड 2 - कथा साहित्य का सांस्थिक विवेचन इकाई 4 - कहानी का स्वरूप, भेद व तत्व इकाई 5 - उपन्यास का स्वरूप, भेद व तत्व इकाई 6 - उपन्यास व कहानी में अंतर खण्ड 3 - हिन्दी कहानी (स्वतंत्रता पूर्व कहानी) इकाई 7 - 'उमने कहा था': पाठ एवं विवेचन इकाई 8 - 'ठकने कहा था': विरलेषण और मूल्यांकन इकाई 9 - 'बड़े भाईसाहब': पाठ एवं विवेचन इकाई 10 - 'बड़े भाईसाहब': पाठ एवं मूल्यांकन इकाई 11 - 'अपना-अपना भाग्य': पाठ एवं विवेचन इकाई 12 - 'अपना-अपना भाग्य': पाठ एवं मूल्यांकन खण्ड 4 - हिन्दी कहानी (स्वतंत्रता पश्चात् कहानी) इकाई 13 - 'मलबे का मालिक': पाठ एवं विवेचन इकाई 14 - 'मलबे का मालिक': विरलेषण और मूल्यांकन इकाई 15 - स्त्री सुनोपिनी: पाठ एवं विवेचन इकाई 16 - स्त्री सुनोपिनी: पाठ एवं मूल्यांकन इकाई 17 - सुहागिनी: पाठ एवं विवेचन इकाई 18 - सुहागिनी: विरलेषण और मूल्यांकन खण्ड 5 - हिन्दी उपन्यास इकाई 19 - जैनेन्द्र कुमार: परिचय एवं कृतित्व इकाई 20 - त्यागपत्र: पाठ एवं व्याख्या इकाई 21 - त्यागपत्र: संरचना व शिल्प	द्वितीय प्रश्न-पत्र- गद्य साहित्य II एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी (BAHL-102) खण्ड 1 - हिन्दी नाटक इकाई 1 - हिन्दी नाट्य साहित्य का विकास एवं स्वरूप विवेचन इकाई 2 - जयशंकर प्रसाद: परिचय एवं कृतित्व इकाई 3 - चन्द्रशेखर: कभावस्तु, परिवेश तथा उद्देश्य इकाई 4 - चन्द्रशेखर में चरित्र चित्रण इकाई 5 - भाषा - शैली और रोमंचात्मक प्रत्युक्ति खण्ड 2 - निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ इकाई 6 - हिन्दी निबंध साहित्य का स्वरूप व सांस्थिक विवेचन इकाई 7 - अन्य गद्य विधाओं का स्वरूप व सांस्थिक विवेचन -1 इकाई 8 - अन्य गद्य विधाओं का स्वरूप व सांस्थिक विवेचन -2 खण्ड 3 - हिन्दी निबंध: पाठ एवं आलोचना इकाई 9 - कल्याण: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 10 - पंडित की पंचायत: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 11 - उतसाखण्ड में संत मठ और संत साहित्य: परिचय, पाठ एवं आलोचना खण्ड 4 - अन्य गद्य विधाएँ: पाठ एवं आलोचना इकाई 12 - आत्मकथा-अपनी छाँव: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 13 - जीवनी- निपुण: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 14 - संस्मरण-पत्र के साथी: परिचय, पाठ एवं आलोचना खण्ड 5 - प्रयोजनमूलक हिन्दी इकाई 15 - प्रयोजनमूलक हिन्दी इकाई 16 - पत्राचार: कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र इकाई 17 - भाषा कम्प्यूटिंग (कम्प्यूटर और हिन्दी) इकाई 18 - ई-पत्रकारिता इकाई 19 - पत्रकारिता का इतिहास इकाई 20 - संपादन कला इकाई 21 - मीडिया/समाचार लेखन इकाई 22 - अनुवाद

बी.ए. द्वितीय वर्ष (हिन्दी)

प्रथम प्रश्न-पत्र- गद्य साहित्य I (BAHL-201) खण्ड 1 गद्य साहित्य का सांस्थिक विवेचन इकाई 1 गद्य साहित्य की सैद्धान्तिकी इकाई 2 गद्य साहित्य का सांस्थिक एवं अंतर्सम्बन्ध इकाई 3 महाकाव्य एवं खण्डकाव्य की सैद्धान्तिकी इकाई 4 आधुनिक गद्य का रचना रूप खण्ड 2 आधुनिकता एवं मध्यकालीन कविता इकाई 5 हिन्दी साहित्य का आदिकाल: उद्भव एवं विकास इकाई 6 भक्तिमतालीन कविता का उद्भव इकाई 7 ऐतिहासिक: परिचय एवं आलोचना खण्ड 2 महाकाव्य एवं खण्डकाव्य इकाई 8 प्रियप्रवास: पाठ एवं विवेचन	द्वितीय प्रश्न-पत्र- गद्य साहित्य II एवं लोक साहित्य (BAHL-202) खण्ड 1 - स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी कविता: विभिन्न प्रवृत्तियाँ इकाई 1 - हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल: गद्य इकाई 2 अग्नेय: पाठ एवं आलोचना इकाई 3 मुक्तिबोध: पाठ एवं आलोचना इकाई 4 रामेश्वर: पाठ एवं आलोचना इकाई 5 श्रीकान्त वर्मा: पाठ एवं आलोचना इकाई 6 केदारनाथ सिंह: पाठ एवं आलोचना खण्ड 2 - कुमाउनी लोकसाहित्य का परिचय इकाई 7 कुमाउनी लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप इकाई 8 कुमाउनी लोक गीत: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य इकाई 9 कुमाउनी लोक गद्यांश: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

कुमाउनी लोक साहित्य
इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 9 साकेत: पाठ एवं विवेचन इकाई 10 कुल्लूख एवं परिवर्तन: पाठ एवं विवेचन खण्ड 4 संजी कविता इकाई 11 सरोजसुमित्र एवं असाधकवीणा: पाठ एवं विवेचन खण्ड 3 युक्तक काव्य इकाई 12 गीत, सूर, पद्माकर और धनानंद के पद इकाई 13 कबीर, रहीम एवं बिहारी के दोहे	इकाई 10 कुमाऊँरी लोक कथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य इकाई 11 कुमाऊँरी लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियाँ खण्ड 3 - गढ़वाली लोक साहित्य का परिचय इकाई 12 गढ़वाली लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप इकाई 13 गढ़वाली लोक गीत: स्वरूप एवं साहित्य इकाई 14 गढ़वाली लोक गाथाएँ: स्वरूप एवं साहित्य इकाई 15 गढ़वाली लोक कथाएँ: स्वरूप एवं साहित्य इकाई 16 गढ़वाली लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियाँ इकाई 17 गढ़वाली लोक साहित्य का वर्तमान स्वरूप एवं समस्याएँ
बी.ए. तृतीय वर्ष (हिन्दी)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्यशास्त्र (BAHL-301) खण्ड 1 - हिन्दी भाषा एवं लिपि इकाई 1 हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास इकाई 2 हिंदी: उपाध्याय एवं मोलियाँ इकाई 3 भारतीय संविधान एवं हिंदी इकाई 4 देवनागरी लिपि: उद्भव एवं विकास खण्ड 2 - हिन्दी भाषाविज्ञान इकाई 5 ध्वनि विज्ञान-1 (स्वन विज्ञान) इकाई 6 ध्वनि विज्ञान-2 (स्वनि प्रक्रिया) इकाई 7 रूप विज्ञान इकाई 8 वाक्य संरचना इकाई 9 अर्थविज्ञान इकाई 10 अन्य व्याकरणिक इकाईयाँ इकाई 11 हिंदी की शब्द-संपदा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- हिन्दी भाषा: उद्भव एवं विकास (BAHL-302) खण्ड 1 हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल इकाई 1 इतिहास एवं साहित्येतिहास का सम्बन्ध इकाई 2 हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा इकाई 3 हिन्दी साहित्य के आदिकाल का उद्भव एवं विकास इकाई 4 हिन्दी साहित्य के आदिकाल का स्वरूप एवं प्रक्रिया खण्ड 2 - हिंदी साहित्य का इतिहास: मध्यकाल इकाई 5 भक्तिकालीन कविता का उद्भव इकाई 6 भक्तिकालीन कविता: प्रक्रिया एवं विकास इकाई 7 भक्तिकालीन कविता: विविध शाखाएँ इकाई 8 रीतिकाव्य: परिचय एवं आलोचना खण्ड 3 - हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिककाल इकाई 9 हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास इकाई 10 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल: पद्य इकाई 11 आधुनिक हिन्दी कविता: भारतेन्दु युग इकाई 12 हिन्दी कविता का द्विवेदी युग: परिचय एवं आलोचना इकाई 13 स्वतन्त्रोत्तर काल और हिन्दी कविता का विकास इकाई 14 नई कविता संदर्भ एवं प्रकृति खण्ड 4 - काव्यशास्त्र इकाई 15 काव्य का लक्षण एवं स्वरूप इकाई 16 काव्य की प्रेरणा एवं काव्य-हेतु इकाई 17 अलंकार सम्प्रदाय इकाई 18 ध्वनि सम्प्रदाय इकाई 19 रीति सम्प्रदाय इकाई 20 पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की परम्परा

बी.ए. प्रथम वर्ष (अंग्रेजी)	
Paper I English Usage (BAEL 101) Block One Unit 1 Use of Articles Unit 2 Concord Block Two Unit 3 Simple Present and Present Continuous Tense Unit 4 Present Perfect and Present Perfect Continuous Tense Unit 5 Past Tense Unit 6 Conditional Tenses Unit 7 Simple Future and Future Continuous Tense Unit 8 Future Perfect and Perfect Continuous Tense Block Three Unit 9 Modals Unit 10 Types of Sentences Block Four Unit 11 Relative Clauses Unit 12 Adverbial Clauses Unit 13 Prepositional Phrases Unit 14 Participial Phrases Block Five Unit 15 Direct and Indirect Speeches Unit 16 Active and Passive Voice	Paper II Advanced Reading and Writing Skills (BAEL 102) Block One Unit 1 Sound Patterns Unit 2 Simile and Metaphor Unit 3 Irony, Paradox, Antithesis Unit 4 Allegory, Symbol, Imagery Block Two Unit 5 Use of Phrasal Verbs Unit 6 Appropriateness Unit 7 Politeness Unit 8 Requests, Offers, Invitations and Refusals Block Three Unit 9 Basics of Essay Writing Unit 10 Essay Writing and Varieties of Essays Unit 11 Narrative Composition Unit 12 Argumentative Composition Unit 13 Descriptive Composition Block Four Unit 14 Introduction to Official and Business Writing Unit 15 Writing of Summaries and Expansion of Ideas Unit 16 Note Taking and Reports Unit 17 Minutes, Memoranda and Agendas

Unit 17 Linking Words and Phrases Unit 18 Punctuation	Units 18 Job Application and Resume Unit 19 Correspondences
बी.ए. द्वितीय वर्ष (अंग्रेजी)	
PAPER I Introducing Literature (BAEL 201) BLOCK 1: English Literature: History & Movements 1 Unit 1: The Beginning of English Literature Unit 2: Literature after Chaucer: From the End of the Middle Ages to Renaissance Unit 3: Literature of the Seventeenth and the Eighteenth Centuries BLOCK 2: English Literature: History & Movements 2 Unit 4: The Romantic and the Victorian Ages Unit 5: 20th Century British Literature and Some Major Modern Movements Unit 6: Some World Literary Movements and Trends BLOCK 3: Critical Terms and Concepts In Drama Unit 7: The Language of Poetry Unit 8: Forms of Poetry BLOCK 4: Introduction to Drama Unit 9: Introduction to Drama Unit 10: Elements of Drama BLOCK 5: General Terms & Concepts In Literature Unit 11: What is Literature? Unit 12: Reading Literature Unit 13: Prose, Novel and Rhetoric	PAPER II Prose And Fiction (BAEL 202) BLOCK 1: Non-Fictional Prose Unit 1: Sir Francis Bacon "Of Adversity" "Of Death" Unit 2: Charles Lamb "Dream Children" Unit 3: Mahatma Gandhi "What is True Civilization" "Education" Unit 4: Pt. Jawahar Lal Nehru "Some Famous Writers" "The Quest of Man" BLOCK 2: Stories from India Unit 5: Ruskin Bond "Time Stops at Sharoli" Unit 6: Rabindra Nath Tagore "The Runaway" Unit 7: Premchand "Divided Hearts" BLOCK 3: Stories from the West Unit 8: D.H. Lawrence "The Prussian Officer" Unit 9: Leo Tolstoy "How Much Land Does A Man Need?" Unit 10: O. Henry "The Retrieved Reformer", "The Cop and the Anthem" BLOCK 4: Novel Unit 11: R.K. Narayan and 'The Indian Novel in English' Unit 12: R.K. Narayan: The Painter of Signs
बी.ए. तृतीय वर्ष (अंग्रेजी)	
PAPER I Drama (BAEL 301) BLOCK 1 Introduction To Drama And Theatrical Context Unit 1 Drama and Its Origin Unit 2 Anatomy of Theatre and Drama Unit 3 Analysis of Drama BLOCK 2 Shakespeare: Macbeth Units 4, 5 & 6 <i>Macbeth</i> BLOCK 3 Girish Karand: Tughlaq Unit 7, 8 & 9 <i>Tughlaq</i>	PAPER II Poetry (BAEL 302) BLOCK 1 Indian Poetry Unit 1 Sri Aurobindo: "Who" "A Dream of Surreal Science" Unit 2 Sarojini Naidu: "Indian Weavers" "The Bazaars of Hyderabad" Unit 3 Nissim Ezekiel: "Night of the Scorpion" "Poet, Lover, Birdwatcher" Unit 4 Kamla Das: "My Grandmother's House" "The Sunshine Cat" BLOCK 2 Pre-Romantic Poetry Unit 5 Shakespeare: Sonnet nos. 65- "Since brass, nor stone, nor earth, nor boundless sea" & Sonnet 116- "Let Not the Marriage of True Minds" Unit 6 John Donne: "A Valediction: Forbidding Mourning" "The Canonization" Unit 7 John Milton: "How Soon Hath Time" "When I Consider How My Light is Spent" Unit 8 Alexander Pope: From <i>Essay on Man</i> , Epistle I BLOCK 3 Romantic Poetry Unit 9 William Wordsworth: "The World is too Much With Us" "The Solitary Reaper" Unit 10 Shelley: "Ode to the West Wind" "The Cloud" Unit 11 Keats: "La Belle Dame Sans Merci: A Ballad" "Ode to a Nightingale" BLOCK 4 Victorian Poetry Unit 12 Alfred, Lord Tennyson: "Ulysses" "Break Break Break" Unit 13 Robert Browning: "Porphyria's Lover" "My Last Duchess" Unit 14 Matthew Arnold: "Dover Beach" "The Forsaken Merman" BLOCK 5 Modern & American Poetry Unit 15 W. B. Yeats: "The Second Coming" "Byzantium" Unit 16 T.S. Eliot: "The Hollow Men" "The Journey of the Magi" Unit 17 Emily Dickinson: "Success is Counted Sweetest" "Because I Could Not Stop for Death"
बी.ए. प्रथम वर्ष (संस्कृत)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- नाटक, अलंकार एवं छन्द (BASL-101) प्रथम खण्ड - अभिज्ञानशाकुन्तलम् इकाई 1: नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, कालिदास का जीवन वृत्त एवं उनकी काव्य प्रविष्टि इकाई 2: अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कथावस्तु, पात्रों का चरित्र चित्रण, ग्रन्थ का नाट्य, शास्त्रीय वैशिष्ट्य, पारिभाषिक शब्दावली	द्वितीय प्रश्न-पत्र- नीति का व्याकरण एवं अनुवाद (BASL-102) प्रथम खण्ड - नीतिसारकम् इकाई 1: संस्कृत नीति साहित्य का परिचय इकाई 2: भर्तृहरि का जीवन वृत्त एवं नीति साहित्य को योगदान इकाई 3: नीतिसारकम् श्लोक संख्या 1 से 20 तक

संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग

इकाई 3: अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रथम अंक, मूलपाठ, अर्थ व्याख्या इकाई 4: अभिज्ञानशाकुन्तलम् द्वितीय एवं तृतीय अंक मूलपाठ, अर्थ व्याख्या इकाई 5: अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अंक मूलपाठ, अर्थ व्याख्या इकाई 6: अभिज्ञानशाकुन्तलम् पंचम अंक, मूलपाठ, अर्थ व्याख्या द्वितीय खण्ड - अलंकार, चन्द्रालोक पंचम पद्यखण्ड इकाई 7: अलंकारों का सामान्य परिचय इकाई 8: अनुप्रास, उल्लेख, समक (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 9: अपहृति, व्यतिरेक, विभावना (लक्षण एवं उदाहरण) तृतीय खण्ड - अलंकार एवं छन्द इकाई 10: उपमा, रूपक एवं उपेक्षा: विशेषाति (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 11: अतिशयोक्ति, निदर्शनात्प्राप्त्योगिता, अर्धापेक्षि, (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 12: स्मृति, श्रुति, सन्देह, वृत्तान्त, अर्थातिरिक्त्य (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 13: छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण	इकाई 4: नीतिशतकम् श्लोक संख्या 21 से 40 तक इकाई 5: नीतिशतकम् श्लोक संख्या 41 से 60 तक द्वितीय खण्ड - सधुसिद्धान्त कोमुदी, संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण इकाई 6: संज्ञा प्रकरण इकाई 7: स्वर सन्धि इकाई 8: प्रकृतिभाव विधायक सूत्र, उदाहरण एवं व्याख्या इकाई 9: सन्धि प्रकरण के अन्तर्गत संज्ञा सूत्रों की व्याख्या तृतीय खण्ड - अनुवाद- सामान्य नियम लकार विभक्ति, कारक एवं वाक्य इकाई 10: सामान्य नियम - शब्दरूप इकाई 11: लकार विभक्ति - धातु रूप इकाई 12: कारक एवं वाक्य इकाई 13: लघु गद्यांशों के अनुवाद पंचतन्त्र के गद्यांश संस्कृत से हिन्दी व हिन्दी से संस्कृत चतुर्थ खण्ड - हितोपदेश इकाई 14: नीति कथाओं का विवरण एवं महत्व इकाई 15: हितोपदेश की कथाओं का सारांश इकाई 16: शिवग्रीव हिरण्यकथान्तर्गत वृद्धप्राज्ञ तुल्य विषय कथा मृग शृगाल कथा इकाई 17: शिवग्रीव हिरण्यकथान्तर्गत बरहृव विडाल कथा एवं मूक परित्रायक कथा
प्रथम प्रश्न-पत्र- चर, गद्य एवं व्याकरण (BASL-201) खण्ड एक - पद्य काव्य, किरातावर्नीयम् - प्रथम सर्ग इकाई 1: भाषा, परिचय, समय, महाकाव्य के रूप में किरातावर्नीयम् का मूल्यांकन इकाई 2: किरातावर्नीयम्, श्लोक संख्या 1 से 15 तक इकाई 3: किरातावर्नीयम्, श्लोक संख्या 16 से 30 तक इकाई 4: श्लोक संख्या 31 से 46 तक इकाई 5: प्रथम सर्ग की महत्वपूर्ण सूक्तियों की व्याख्या खण्ड दो - पद्य काव्य सुभाषसम्भवम् - प्रथम सर्ग इकाई 1: कालिदास का परिचय, समय एवं महाकाव्य के रूप में कुमारसम्भवम् का मूल्यांकन इकाई 2: श्लोक संख्या 1 से 15 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) इकाई 3: श्लोक संख्या 16 से 30 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) इकाई 4: श्लोक संख्या 31 से 45 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) इकाई 5: श्लोक संख्या 46 से 60 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) खण्ड तीन - कादम्बरी (शुक्रनामोपदेश मात्र) इकाई 1: गद्य काव्य परम्पर, गद्य की कादम्बरी का विहंगमलोकन, शुक्रनामोपदेश का परिचय इकाई 2: गद्य भाग - एवं समतिकापस्य 179-192 में दोहों का सुस्वरूप तक व्याख्या इकाई 3: अनुवर्णित परिचयप्रमाण से चिन्तित विम्वरति तक (व्याख्या) इकाई 4: एवंविधयापि सर्वजनस्योपहास्यतामुपयान्ति तक (व्याख्या) इकाई 5: आत्मविद्वानां स्वभक्तं आनगां तक (व्याख्या) खण्ड चार - लघुसिद्धान्तकोमुदी संज्ञा प्रकरण, आद्य सन्धि इकाई 1: लघुसिद्धान्तकोमुदी संज्ञा प्रकरण, आरम्भ से मुखनासिकप्रवचनोऽनुनासिक तक की व्याख्या इकाई 2: तुल्यार्थप्रत्ययसंज्ञां से सुसिद्ध पदम् तक इकाई 3: इकोवर्णयि से अलोऽन्त्यस्य तक इकाई 4: एषोऽन्यथावा: से पूर्वाऽसिद्धम् मन्त्रक तक इकाई 5: वृद्धिरादैश् से एङ्गदानादति तक इकाई 6: सर्वत्र विधाया गो: से कस्यक: मन्त्र तक	द्वितीय प्रश्न-पत्र- संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं भारतीय संस्कृति (BASL-202) खण्ड एक - संस्कृत साहित्य का इतिहास इकाई 1 - आदिकवि- परिचय, समय, रामायण का मूल्यांकन इकाई 2 - व्यास-परिचय, समय, महाभारत का परिचय इकाई 3 - कालिदास - परिचय - कृतित्व इकाई 4 - कालिदास की काव्यकला, शब्दकला एवं उपमा कालिदासम् इकाई 5 - महाकवि पाण्डु का जीवन परिचय, समय एवं कृतियों का महत्व खण्ड दो - संस्कृत साहित्य का इतिहास इकाई 1 - भाषा - व्यक्तित्व एवं कृतियों का विस्तृत परिचय इकाई 2 - श्रीहर्ष - व्यक्तित्व एवं कृतियों का विस्तृत परिचय इकाई 3 - जयदेव - व्यक्तित्व एवं कृतियों का विस्तृत परिचय इकाई 4 - भवभूति का जीवन परिचय एवं कृतियों इकाई 5 - शूद्रक का जीवन परिचय एवं मृच्छकटिकम् की नाटकीय विशेषता खण्ड तीन - संस्कृत साहित्य का इतिहास इकाई 1 - विशाखदत्त के मुद्राराक्षस का ऐतिहासिक एवं साहित्यिक परिचय इकाई 2 - भर्तृहरि - जीवन परिचय एवं शतकवय का विस्तृत विवेचन इकाई 3 - पदो राज नाम्नाय का विस्तृत परिचय एवं साहित्य में योगदान इकाई 4 - गद्यकवि नाग की कादम्बरी का विस्तृत परिचय इकाई 5 - सुबन्धु एवं उनकी कृति वासपदला का परिचय इकाई 6 - दण्डी काल निर्धारण, दशकुमार चरित एवं लक्षण-ग्रन्थ का विस्तृत विवेचन खण्ड चार - भारतीय संस्कृति इकाई 1 - संस्कृति के विविध पक्ष एवम् विशेषताएं इकाई 2 - पौच महायज्ञों के स्वरूप, अर्थ एवं पुरुषार्थ चतुष्टय इकाई 3 - वर्णोत्पत्ति, आश्रम व्यवस्था की विस्तृत अवधारणा इकाई 4 - संस्कार का अर्थ परिभाषा एवं सोलह संस्कारों का निरूपण
प्रथम प्रश्न-पत्र- काव्य, दर्शन एवं व्याकरण (BASL-301) खण्ड एक - शिवराजविजय इकाई 1 - अर्जुनकथन व्यास का परिचय तथा संस्कृत गद्य साहित्य में शिवराजविजय इकाई 2 - प्रथम प्रश्न-पत्र- विज्ञानाया उपविशस्व तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 3 - तस्मिन् पुन्यमादे: शूनामकत्वम् तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 4 - अध ममुनि विराम तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 5: उवाक्यं विविध स्वकुटीरं प्रविशेत् तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) खण्ड दो- नीचपदप्रवर्द्धिता द्वितीय एवं तृतीय अध्याय इकाई 1 - श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय एवं महत्व इकाई 2 - श्लोक सं. 1 से 24 तक मूल अन्वय, अर्थ, व्याख्या	द्वितीय प्रश्न-पत्र- चर एवं उपनिषद् (BASL-302) खण्ड एक - वैदिक सूक्त इकाई 1 - अग्नि 1/1 एवं विश्व सूक्त 1/154 मूल, व्याख्या इकाई 2 - अथसूक्त 10/341 (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 3 - शिवसंकल्पसूक्त एवं सूर्य सूक्त 1/115 (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 4 - इन्द्र सूक्त 2/12 (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 5 - सूक्तों में पठित देवताओं के महत्व की विवेचना संक्षिप्त वैदिक व्याकरण खण्ड दो- कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) इकाई 1 - उपनिषद् - प्रादुर्भाव, शिभाएँ, कठोपनिषद् का विहंगमलोकन इकाई 2 - प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली मन्त्र संख्या 1 से 15 तक

सूक्त संहिता
संस्कृत विभाग

इकाई 3 - श्लोक सं० 25 से 49 तक मूल अन्वय, अर्थ, व्याख्या	(मूल, अर्थ, अन्वय, व्याख्या, व्याकरणादि)
इकाई 4 - श्लोक सं० 50 से 73 तक मूल अन्वय, अर्थ, व्याख्या	इकाई 3 - प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली मन्त्र संख्या 16 से 29 तक
इकाई 5 - तृतीय अध्याय श्लोक सं० 1 से 20 तक मूल अन्वय, अर्थ, व्याख्या	(मूल, अर्थ, अन्वय, व्याख्या, व्याकरणादि)
इकाई 6 - तृतीय अध्याय श्लोक सं० 21 से 43 तक मूल अन्वय, अर्थ, व्याख्या	इकाई 4 - प्रथम अध्याय, द्वितीय वल्ली सम्पूर्ण (मूल, अर्थ, अन्वय, व्याख्या, व्याकरणादि)
खण्ड तीन - व्याकरण - हल् एवं विसर्ग सन्धि	इकाई 5 - प्रथम अध्याय, तृतीय वल्ली सम्पूर्ण (मूल, अर्थ, अन्वय, व्याख्या, व्याकरणादि)
इकाई 1 - मूल - स्तोत्रानुसूचि से शारंगधर तक व्याख्या एवं प्रक्रिया अंश	खण्ड तीन - वैदिक साहित्य का इतिहास
इकाई 2 - मोक्षसूत्र से नरक तक व्याख्या एवं प्रक्रिया अंश	इकाई 1 - वैदिक छंदिदाएं, भाष्यकार वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर
इकाई 3 - नरक सूत्र से पद्मानाभ तक व्याख्या एवं प्रक्रिया अंश	इकाई 2 - ऋग्वेद - परिचय, समय, आख्यान तथा ऋग्वेद कालीन धर्म, संस्कृति एवं समाज
इकाई 4 - विसर्ग सन्धि सम्पूर्ण व्याख्या एवं प्रक्रिया अंश	इकाई 3 - ऋग्वेद - शाखाएं, भेद, वर्ण्य विषय, धर्म एवं मन्त्र संकाज
इकाई 5 - शब्द रूप एवं धातु रूप - लट्, लोट्, सित्, लृट् लङ्, लकारों में	इकाई 4 - सामवेद - अर्थ, स्वरूप, शाखाएं, वर्ण्य विषय
खण्ड चार - तर्क संग्रह	इकाई 5 - अथर्ववेद - अर्थ, स्वरूप, शाखाएं एवं वर्ण्य विषय
इकाई 1 - न्याय दर्शन का संक्षिप्त परिचय अन्वय एवं अंश कर्तृत्व	खण्ड चार - वेदाङ्ग उपनिषद् एवं आरण्यक
इकाई 2 - तर्कसंग्रह मंगलाचरण से शब्द लक्षण वर्णन तक	इकाई 1 - वेदों का परिचय एवं वर्ण्य विषय
इकाई 3 - मुद्रिलक्षण से पक्षधर्मता लक्षण तक	इकाई 2 - आरण्यक - अर्थ, परिचय एवं वर्ण्य विषय
इकाई 4 - अनुमानद्विविध से नाथिलक्षण पर्यन्त	इकाई 3 - उपनिषद् - अर्थ, रचनाकाल, संख्या एवं प्रमुख उपनिषदों का परिचय
इकाई 5 - उपमान खण्ड से लेकर अभाव वर्णन पर्यन्त	इकाई 4 - उपनिषदों के प्रमुख प्रतिपाद्य

बी.ए. प्रथम वर्ष (उर्दू)	
प्रथम प्रश्न-पत्र - उर्दू नख (BAUL-101) खण्ड 1 - उर्दू की कहानी इकाई 1 - उर्दू जवान व अदब का इतिहास जमाना इकाई 2 - उर्दू अदब का सुनहरा दौर इकाई 3 - उर्दू अदब का अहर्निश जमाना खण्ड 2 - उर्दू क़व्वाइद इकाई 4 - ख़ग़से की बराबत इकाई 5 - मोअज्जि, मुजक़क़, काहिद, जमा, मुतानाद, मुतापदिक़ात इकाई 6 - मुतावेर और क़ावत इकाई 7 - उर्दू की शेअर इतिहासावा खण्ड 3 - इनसाईया इकाई 8 - इनसाईया की तरीक़ इकाई 9 - मोहम्मद आज़ाद: 'सच और मुद का ख़म नामा' इकाई 10 - अब्दुल हलीम शार: 'देखत की ख़िन्दगी' खण्ड 4 - मज़मून इकाई 11 - सर सय्यद अहमद: 'औरतों के हुकूम' इकाई 12 - शिबली नोमानी: 'सर सय्यद पर ख़ूब और उर्दू लिटिचर' इकाई 13 - अब्दुल हक़: 'हली'	द्वितीय प्रश्न-पत्र - उर्दू शाफ़री (BAUL-102) खण्ड 1 - राज़ल इकाई 1 - उर्दू राज़ल और उस की ख़ुसूसियात इकाई 2 - फ़ानी बदायूनी इकाई 3 - आख़ लखनवी खण्ड 2 - राज़ल इकाई 4 - पीतना हसरत मोहानी इकाई 5 - फ़िराक़ गोख़पुरी इकाई 6 - नासिर काज़मी खण्ड 3 - नज़म इकाई 7 - नज़म की शरीफ़: 'बुनयादी ख़ुसूसियात' इन्विदा और मुख़तसर तरीक़ इकाई 8 - अख़्तर रीझवी: 'ओ देस से आने वाले बला' इकाई 9 - असगर अल हक़ मजाज़: 'आयात' खण्ड 4 - नज़म इकाई 10 - अली सरदार ख़ाफ़ी: 'हाथी का वपना' इकाई 11 - फ़ैज़ अहमद फ़ैज़: 'सुबह आजादी' अगस्त (1947) इकाई 12 - अख़्तर अली इनाम: 'ऐक़ लइका'
बी.ए. द्वितीय वर्ष (उर्दू)	
प्रथम प्रश्न-पत्र - उर्दू नख (BAUL-201) खण्ड 1 - इमाम इकाई 1 - उर्दू इमाम: फन और दिवायत इकाई 2 - अनार कली: इन्दिवाय अली शाह इकाई 3 - आपण बाजार: हबीब रानवीर खण्ड 2 - अफ़साना इकाई 4 - अली अज्जाम हुसैनी: 'मेला पूनवी' इकाई 5 - एरेंद सिंह बेदी: 'लान बरती' इकाई 6 - सजाबत हसन मनो: 'रोबा देक़ सिंह' खण्ड 3 - ख़ुतूत निगारी इकाई 7 - ख़ुतूत निगारी की दिवायत इकाई 8 - ग़ालिब के ख़ुतूत इकाई 9 - अनुस कलाम आज़ाद: 'ग़ुबार-ए-खाबिर' खण्ड 4 - तन्ज़ीमिया इकाई 10 - उर्दू में तन्ज़ीमिया की दिवायत इकाई 11 - ताज़ि अहमद सिद्दीकी: 'शेख़ पीर'	द्वितीय प्रश्न-पत्र - उर्दू शाफ़री (BAUL-202) खण्ड 1 - राज़ल इकाई 1 - असगर ग़ोडवी इकाई 2 - ख़गाना चनोबी इकाई 3 - शाह अज़ीमाबादी खण्ड 2 - राज़ल इकाई 4 - ख़वाबा हिर अली आतिश इकाई 5 - मोमिन ख़ाँ मोमिन इकाई 6 - अख़्तर ख़ाँ ग़ालिब खण्ड 3 - नज़म इकाई 7 - साहिब लुथियानवी: 'खून फिर खून है' इकाई 8 - मख़दूम मुहियुद्दीन: 'चापागर' इकाई 9 - कैफ़ी आज़मी: 'मकात'
बी.ए. तृतीय वर्ष (उर्दू)	
प्रथम प्रश्न-पत्र - उर्दू नख (BAUL-301) खण्ड 1 - नावेल इकाई 1 - नवीर अहमद: 'दीवानु-मुह' इकाई 2 - मिर्ज़ा हादी रसाला: 'उमदाय जान-ए-अदा'	द्वितीय प्रश्न-पत्र - उर्दू शाफ़री (BAUL-302) खण्ड 1 - राज़ल इकाई 1 - मीर तक़ी मीर इकाई 2 - ख़वाजा मीर एवं

मुद्रित
मुद्रित
मुद्रित

इकाई 3 प्रेम चन्द : मैदान-ए-आमल खण्ड 2 - सखानिह इकाई 4 हली : थादगारे तासिब इकाई 5 स्वालिहा आबिब हुसैन : थादगारे हली इकाई 6 जोश महीहावादी : बाबों की सारात खण्ड 3 - महारत-ए-अबान इकाई 7 इल्म-ए-न्याय (तसवीह, इस्तिआरा, मन्जान मुसलस, किनया) इकाई 8 मुहाबरे और वस्तुल अमसाल इकाई 9 मलमून नवीसी खण्ड 4 - अयलाशियात इकाई 10 अवलाशियात और उस की कितमें इकाई 11 उई सहाफत का आगाबो इतिहास इकाई 12 सहाफत के अवला	इकाई 3 सिराव औरिगावादी इकाई 4 बली औरिगावादी खण्ड 2 - शतल इकाई 5 किरार मुहशवादी इकाई 6 मजरुह सुलतानपुरी इकाई 7 अनौज सखनवी खण्ड 3 - नज़्म इकाई 8 अस्तलामा इरुबाल : सम्ब की लीह-ए-मुएकत इकाई 9 असलाफ हुसैन हली : बहसिब-ए-नज़्म निगार इकाई 10 नजीर अकबरवादी : इस नामा

Mohd Asif Hussain
16-9-77

बी.ए. प्रथम वर्ष (व्योक्तिय)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- जहाज्ड एवं काल (BAJY-101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- अन्यकुण्डली निर्माण (BAJY-102)
प्रथम खण्ड - खगोल इकाई 1: आकाशगंग एवं निहारिका इकाई 2: सौर परिवार इकाई 3: ग्रह - उपग्रह इकाई 4: तारे एवं तारापुंज इकाई 5: क्षुद्र एवं बेगमन ग्रह इकाई 6: धूमकेतु एवं उल्का द्वितीय खण्ड - काल इकाई 1: तुरमादि अमूर्त काल इकाई 2: प्रगादि मूर्त काल इकाई 3: सप्ताह, पक्ष, मास, अधिमास एवं खयमास इकाई 4: ऋतु, अयन, गोल एवं वर्ष इकाई 5: युग, महायुग, मनु एवं कल्प तृतीय खण्ड - धन्वाङ्ग परिचय इकाई 1: विधिक्रम एवं सैद्धान्तिक स्वरूप इकाई 2: नक्षत्र क्रम एवं अंशात्मक विभाजन इकाई 3: योग क्रम एवं सैद्धान्तिक स्वरूप इकाई 4: कण एवं सैद्धान्तिक स्वरूप इकाई 5: ग्रह कक्षा - प्राच्य एवं पारश्चात्य चतुर्थ खण्ड - सूर्योदय साधन इकाई 1: अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर इकाई 2: कान्ति एवं वर ज्ञान इकाई 3: मध्यमान्तर, वेलान्तर एवं सप्तान्तर इकाई 4: सूर्योदय, सूर्यास्त एवं दिनमान इकाई 5: मानक (स्टैण्डर्ड) समय ज्ञान इकाई 6: लोकल (स्थानीय) समय ज्ञान	प्रथम खण्ड - ग्रहस्पष्टीकरण इकाई 1: ईष्टकाल इकाई 2: पक्षिस्थ ग्रह - ग्रहपति इकाई 3: चालन - चालन फल इकाई 4: कालसंस्कार विधि एवं ग्रहस्पष्ट द्वितीय खण्ड - चन्द्रस्पष्टीकरण इकाई 1: गत एवं अन्य नक्षत्र ज्ञान इकाई 2: भूवात भूभोग साधन इकाई 3: जन्माक्षर निर्णय इकाई 4: चन्द्रस्पष्टविधि एवं चन्द्रगति साधन तृतीय खण्ड - लग्न साधन इकाई 1: पक्षमा एवं चरखण्ड साधन इकाई 2: लंकोदय मान एवं स्तोदय साधन इकाई 3: अक्षान्श इकाई 4: लग्नानयन एवं जन्मांग धक्र निर्माण विधि इकाई 5: साम्यात्मिक काल से लग्नानयन चतुर्थ खण्ड - इन्द्रज भाव साधन इकाई 1: नतीन्त काल ज्ञान इकाई 2: दशम लग्न साधन इकाई 3: यष्टांश ज्ञानविधि इकाई 4: सन्धि भाव साधन इकाई 5: चलित धक्र निर्माण पंचम खण्ड - दश साधन इकाई 1: नक्षत्र से दशानिर्णय इकाई 2: विशोचरी दशा - अन्तर्दशा साधन इकाई 3: योगिनी दशा एवं अन्तर साधन

16-9-2017

बी.ए. द्वितीय वर्ष (व्योक्तिय)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- जातक शास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त (BAJY-201)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मुहूर्त विचार (BAJY-202)
प्रथम खण्ड - जातक स्थान इकाई 1: जातक शास्त्र का परिचय इकाई 2: राशि शील इकाई 3: भाव विचार इकाई 4: कारक विमर्श द्वितीय खण्ड - ग्रहभाव विचार इकाई 1: विविध परिप्रेक्ष्य में ग्रहों का शुभाशुभात्त इकाई 2: प्रह्वल इकाई 3: भावफल इकाई 4: दुष्टि विचार इकाई 5: ग्रहद्वीपी तृतीय खण्ड - फलादेश निर्णय इकाई 1: धन्वाङ्ग फल इकाई 2: भावस्थ ग्रहफल इकाई 3: भावैश फल	प्रथम खण्ड - मुहूर्त स्थान इकाई 1: मुहूर्त परिचय इकाई 2: पक्ष, मास, ऋतु, अयन एवं गोल विचार इकाई 3: तिथि वर विवेचन इकाई 4: नक्षत्र विचार इकाई 5: योग, कण एवं भद्रा निर्णय द्वितीय खण्ड - संस्कार मुहूर्त इकाई 1: संस्कार परिचय इकाई 2: फेडर संस्कार इकाई 3: गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुंसवन, नामकरण इकाई 4: अलपूजन, कणविष, अन्नप्राशन, बृहकर्म इकाई 5: अक्षाम्भ, विद्याम्भ, उपनयन तृतीय खण्ड - धात्रा मुहूर्त इकाई 1: विधि मन्त्र शुद्धि इकाई 2: वर शुद्धि लग्न शुद्धि

कुल सचिव
सहायक कुल सचिव
सहायक कुल सचिव

इकाई 4 : द्विप्रादि योगफल इकाई 5 : दृष्टि फल प्रारम्भ खण्ड - दशा फल विचार इकाई 1 : विशेषतरी दशा फल इकाई 2 : अष्टोत्तरी दशाफल इकाई 3 : योगिनी दशाफल इकाई 4 : अन्वर्द्धा फल इकाई 5 : प्रत्यक्षादशा फल इकाई 6 : सुक्ष्म दशाफल	इकाई 3 : घात विचार इकाई 4 : घाता में शकुन विचार इकाई 5 : घाता में कृत्याकृत्य विचार प्रारम्भ खण्ड - गृहप्रवेश मुहूर्त इकाई 1 : शिलाव्याघ्र विधि इकाई 2 : गृहारम्भ इकाई 3 : इष्टस्थापन इकाई 4 : शीर्ष गृहप्रवेश इकाई 5 : शकुन विचार
बी.ए. तृतीय वर्ष (ज्योतिष)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- वर्ष फल विचार (BAJY-301) प्रथम खण्ड - वर्षफल निर्णय इकाई 1 : वर्षप्रवेश साधन इकाई 2 : भावस्पष्ट एवं चरित चक्र इकाई 3 : ग्रहस्पष्ट एवं मुन्या इकाई 4 : लग्न स्पष्ट इकाई 5 : वर्षोप निर्णय इकाई 6 : मुद्रा दशा साधन द्वितीय खण्ड - वर्षफल विचार इकाई 1 : शोढा योग इकाई 2 : दुन्या फल इकाई 3 : सप्तम विचार इकाई 4 : अरिष्ट एवं अरिष्ट योग विचार इकाई 5 : दशा फल में विशेष तृतीय खण्ड - भावफल इकाई 1 : 1-3 भावफल इकाई 2 : 4-6 भावफल इकाई 3 : 7-9 भावफल इकाई 4 : 10-12 भावफल इकाई 5 : पंचदशी मल निर्णय इकाई 6 : दशा फल इकाई 7 : दशा फल में विशेष प्रारम्भ खण्ड - प्रश्न विचार इकाई 1 : प्रश्न प्रयोगन इकाई 2 : प्रश्न विधि इकाई 3 : प्रश्न लग्न सिद्धान्त इकाई 4 : प्रश्नाक्षर सिद्धान्त इकाई 5 : स्वर सिद्धान्त	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मेलापक एवं विवाह मुहूर्त विचार (BAJY-302) प्रथम खण्ड - मेलापक इकाई 1 : मेलापक का उद्देश्य इकाई 2 : मेलापक विधि इकाई 3 : अष्टकूट विचार इकाई 4 : अष्टकूट दोष परिहार इकाई 5 : वैधव्य एवं विधुर योग विचार इकाई 6 : वैधव्य एवं विधुर योग परिहार द्वितीय खण्ड - विवाह मुहूर्त इकाई 1 : विवाह प्रयोगन इकाई 2 : विवाह में काल निर्णय इकाई 3 : घर एवं कन्या वर्ण इकाई 4 : विचल मुद्रि इकाई 5 : विवाह मुहूर्त इकाई 6 : विवाह मुहूर्त में दस दोष तृतीय खण्ड - विवाहमन इकाई 1 : वपुप्रवेश मुहूर्त इकाई 2 : शिल्पगृह निवास में विशेष इकाई 3 : विवाहमन मुहूर्त इकाई 4 : विवाहमन में शुक्र विचार

बी.ए. प्रथम वर्ष (कर्मकाण्ड)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त ज्ञान (BAKK-101) प्रथम खण्ड - कर्मकाण्ड : आरम्भिक परिचय इकाई 1 : कर्मकाण्ड का उद्देश्य इकाई 2 : आरम्भिकालीन (नित्यकर्मविधि) इकाई 3 : पंचमहायज्ञ इकाई 4 : वेदों का संक्षिप्त परिचय इकाई 5 : पुराणों का परिचय द्वितीय खण्ड - पंचांग परिचय एवं मुहूर्त ज्ञान इकाई 1 : तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं मन्त्र विचार इकाई 2 : पंचांग का शुभाशुभ फल विचार इकाई 3 : जातकर्म, नामकरण एवं अन्नप्राशन मुहूर्त इकाई 4 : कर्मविधि, चूड़ाकरण, उपनयन एवं दीक्षा मुहूर्त तृतीय खण्ड - विविध मुहूर्त इकाई 1 : वास्तु शान्ति, स्तुतिकर्त स्नान, एवं अक्षरारम्भ मुहूर्त इकाई 2 : वस्त्राभरण एवं विवाह मुहूर्त इकाई 3 : गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त इकाई 4 : वाता दिक्शुभ विचार इकाई 5 : चन्द्रवास, शिववास एवं अभिवास विचार	द्वितीय प्रश्न-पत्र- नित्यकर्म, वैधव्य एवं कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप (BAKK-102) प्रथम खण्ड - नित्यकर्म एवं वैधव्य पूजन परिचय इकाई 1 : नित्यकर्म इकाई 2 : पूजन क्रम विधि इकाई 3 : गणपति - गौरी एवं शोढशमातृका पूजन इकाई 4 : पंचदेव पूजन विधि इकाई 5 : श्री महासक्ती पूजन द्वितीय खण्ड - कथा एवं जप प्रकरण इकाई 1 : सत्यनारायण प्रह कथा इकाई 2 : महाभक्त्युज्जय जप इकाई 3 : श्रीनारायण मन्त्र पुस्तकारण इकाई 4 : सन्तान गोपाल मन्त्र इकाई 5 : श्रीमद्भगवद्गीता का 15 वीं अध्याय तृतीय खण्ड - विविध देवताओं की आरती एवं स्तुति इकाई 1 : गणेश जी की आरती इकाई 2 : श्री दुर्गा जी की आरती एवं स्तुति इकाई 3 : श्री लक्ष्मी जी की आरती एवं स्तुति इकाई 4 : श्री सत्यनारायण जी की आरती एवं स्तुति

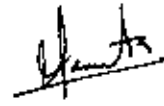
16/9/2017

16/9/2017

		चतुर्थ खण्ड - कर्मकाण्ड प्रक्रियाओं की वैज्ञानिकता इकाई 1: पूजन में मांगलिक इश्यों की वैज्ञानिकता इकाई 2: संस्कारों की वैज्ञानिक अवधारणा इकाई 3: व्रत एवं पर्वों की वैज्ञानिकता इकाई 4: उपनयन एवं विवाह की वैज्ञानिकता	
प्रथम प्रश्न-पत्र- शान्ति एवं संस्कार विधान (BAKK-201) इकाई - 1 संस्कार विधान (क) इकाई 1: संस्कार विमर्श इकाई 2: जातकर्म एवं नामकरण इकाई 3: अन्नप्राशन इकाई 4: चूड़ाकरण संस्कार इकाई - 2 संस्कार विधान (ख) इकाई 1: अक्षराम्भ संस्कार इकाई 2: उपनयन आवश्यकता एवं महत्व इकाई 3: उपनयन विधान इकाई 4: वेदप्रस्थ एवं समावर्तन इकाई - 3 विवाह प्रकरण इकाई 1: विवाह - अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं प्रयोजन इकाई 2: विवाह भूतर्क में शुभाशुभ विवेक इकाई 3: वधूपवेश एवं द्विगमन इकाई - 4 शान्ति विधान इकाई 1: मूल शान्ति विधान इकाई 2: नवग्रह शान्ति इकाई 3: चमल, वन एवं ज्वररोगोत्पत्ति शान्ति		द्वितीय प्रश्न-पत्र- पूजन एवं देवस्थापन विधान (BAKK-202) प्रथम खण्ड - प्राथमिक पूजन इकाई 1: पूजन प्रयोजन महत्व एवं प्रकार इकाई 2: स्वस्तिपाठन एवं संकल्प इकाई 3: गणेशाचिका पूजन इकाई 4: श्री गणपत्यर्चनशोभम् द्वितीय खण्ड - कलश स्थापन एवं पूजन इकाई 1: कलशदि स्वरूप विवेचन इकाई 2: कलश स्थापन विधि इकाई 3: गुण्याहवापन एवं अभिषेक तृतीय खण्ड - मातृका पूजन एवं नान्दी श्राद्ध प्रयोग इकाई 1: पौष्टकमातृका एवं सप्तभुतमातृका का आवाहन पूजन इकाई 2: नान्दी श्राद्ध परिचय एवं प्रयोग विधि चतुर्थ खण्ड - नवग्रह मण्डल पूजन इकाई 1: नवग्रह मण्डल निर्माण इकाई 2: नवग्रह स्थापन इकाई 3: अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता एवं पंचस्तोत्रपाल आवाहन एवं पूजन इकाई 4: वास्तोत्पत्ति, क्षेत्रपाल एवं दश दिक्पाल का आवाहन एवं पूजन इकाई 5: अमंक्यातु रुद्र स्थापन, पूजन एवं नवग्रह स्तोत्र पाठ	
प्रथम प्रश्न-पत्र- स्तोत्र पाठ एवं होम विधि (BAKK-301) प्रथम खण्ड - सूक्त पाठ इकाई 1: पुष्प सूक्त इकाई 2: श्री सूक्त इकाई 3: रुद्र सूक्त इकाई 4: शिवसंकल्प सूक्त द्वितीय खण्ड - स्तोत्र पाठ इकाई 1: आदित्य इन्द्र स्तोत्र इकाई 2: अन्नपूर्णा स्तोत्र इकाई 3: देव्याष्टाश क्षमापन स्तोत्र इकाई 4: शिवपंचाक्षर एवं कण्ठस्थ स्तोत्र तृतीय खण्ड - नवरात्र विधान इकाई 1: नवरात्र परिचय एवं महत्व इकाई 2: दुर्गासप्तशती पाठ विधि इकाई 3: शतचण्डी एवं खड्गचण्डी पाठ विधान इकाई 4: श्रीदुर्गाष्टोत्तराशी हवन विधान चतुर्थ खण्ड - हवन विधि इकाई 1: मंत्र भू संस्कार इकाई 2: अग्नि स्थापन इकाई 3: कुसुमकण्डिका इकाई 4: हवन इकाई 5: बलिविधान एवं पूर्णाहुति		द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रायोगिक परीक्षा (BAKK-302)	

प्रथम प्रश्न-पत्र- शिक्षा एवं समाज (BAED-101) इकाई 1- शिक्षा: अर्थ, कार्य एवं क्षेत्र इकाई 2- शिक्षा एक प्रणाली, प्रक्रिया एवं अनुशासन के रूप में इकाई 3 - शिक्षा के उद्देश्य- वैयक्तिक उद्देश्य, सामाजिक उद्देश्य एवं प्रजातांत्रिक उद्देश्य इकाई 4 - शिक्षा सन्तुष्टी संवैधानिक प्रावधान इकाई 5- शिक्षात्मक: समान वर सभी रूप इकाई 6 - शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन इकाई 7- शिक्षा के साधन: औपचारिक, अनौपचारिक एवं निरौपचारिक		द्वितीय प्रश्न-पत्र- निर्देशन एवं परामर्श (BAED-102) इकाई 1- निर्देशन का अर्थ, कार्यक्षेत्र एवं महत्व इकाई 2- निर्देशनके दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आधार इकाई 3 - भारत में निर्देशन सेवाओं का इतिहास इकाई 4 - निर्देशन सेवाएं प्रदान करने में सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थानों की भूमिका इकाई 5- शैक्षिक निर्देशन- अर्थ एवं महत्व इकाई 6 - व्यावसायिक निर्देशन- अर्थ एवं महत्व इकाई 7-आंकड़ों का शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन हेतु आंकड़ों का संकलन - योग्यता, अभिरुचि	

कुल संयोजक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

इकाई 8- दर्शन का अर्थ और भारतीय दर्शन, अध्यापक के लिए शिक्षा का महत्व इकाई 9 - आदर्शवाद और शिक्षा: उद्देश्य, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, अनुशासन व अध्यापक की भूमिका इकाई 10- प्रकृतिवाद और शिक्षा: उद्देश्य, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, अनुशासन, अध्यापक की भूमिका इकाई 11 - प्रयोजनवाद और शिक्षा: उद्देश्य, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, अनुशासन, अध्यापक की भूमिका इकाई 12- क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय एकता में शिक्षा की भूमिका इकाई 13- शिक्षा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एकता में संवर्धन इकाई 14- शिक्षा द्वारा मानव संसाधन विकास, शिक्षा और रोजगार इकाई 15 - पाठ्यक्रम की परिभाषा व पाठ्यक्रम निर्माण सिद्धान्त इकाई 15 - पाठ्यक्रम के प्रकार, बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम, जीवन केन्द्रित पाठ्यक्रम इकाई 16- पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सहाय्यी क्रियाएँ: इनकी सार्थकता और व्यवस्था इकाई 17 - स्वतन्त्रता और अनुशासन में सम्बन्ध, मानव जीवन व सामाजिक व्यवस्था में इसकी महत्व इकाई 18- विद्यालय के अन्दर व बाहर अनुशासन की आवश्यकता और महत्व इकाई 19 - स्व-अनुशासन का अर्थ, महत्व एवं प्राप्ति इकाई 20 - मूल्यों का अर्थ, मानवीय मूल्यों के प्रकार तथा मानव जीवन में मूल्यों का महत्व इकाई 21 - मानवीय मूल्यों के स्रोत, प्राप्ति की प्रक्रिया, मूल्यों की प्राप्ति हेतु विधियाँ, मूल्यों के विकास में परिवार एवं विद्यालयकी भूमिका	एवं नधि इकाई 8- परामर्श का अर्थ, आवश्यकता, प्रक्रिया और परामर्श के प्रकार इकाई 9 - परामर्शदाता के गुण, भूमिका तथा उत्तरदायित्व इकाई 10- आंकड़ों का संकलन तथा महत्व इकाई 11 - मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान इकाई 12- कुसामायोजन के कारण एवं लक्षण इकाई 13- समायोजन सुविधा तथा उनकी विशेषताएँ, कुपटा और हट्ट की समस्या एवं उनका समाधान 
बी.ए. द्वितीय वर्ष (शिक्षाशास्त्र) प्रथम प्रश्न-पत्र- शिक्षा एवं मानव विकास (BAED-201) इकाई 1- मनोविज्ञान: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में इसका अर्थ, शिक्षा के साथ सम्बन्ध तथा मनोविज्ञान और शिक्षा मनोविज्ञान में अन्तर इकाई 2- शिक्षा मनोविज्ञान : अर्थ तथा क्षेत्र, शैक्षिक मनोविज्ञान के प्रमुख संप्रदाय इकाई 3- शिक्षा में मनोविज्ञान की विधियाँ इकाई 4 - मानव वृद्धि एवं विकास इकाई 5- मानव विकास की अवस्थाएँ इकाई 6 - शैक्षणिकता में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास इकाई 7- शास्त्रावस्था में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास इकाई 8- किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास इकाई 9- सीखना इकाई 10- सीखने के सिद्धांत इकाई 11- अधिप्रेरणा इकाई 12- वैयक्तिक विभिन्नता इकाई 13- बुद्धि: इसका अर्थ, परिभाषाएँ, IQ के स्तरों में बुद्धि मापन इकाई 14- बुद्धि के सिद्धांत इकाई 15- बुद्धि परीक्षण इकाई 16- सुबनत्नकता इकाई 17- व्यक्तित्व: अवधारणा विकास एवं निर्धारक तत्व इकाई 18- व्यक्तित्व के सिद्धांत इकाई 19- व्यक्तित्व मापन की प्रविधियाँ इकाई 20- वर्णनात्मक सांख्यिकी: केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापक इकाई 21- विचलनशीलता का मापक: परास, चतुर्धाक विचलन व प्रमाप विचलन इकाई 22- सहसंबंध: अर्थ, प्रकार एवं क्रम अंतर सहसंबंध गुणांक का परिचय	द्वितीय प्रश्न-पत्र- शिक्षा के नूतन आयाम (BAED-202) इकाई 1- विशेष शिक्षा: संप्रत्यय, कार्य क्षेत्र एवं सिद्धान्त इकाई 2- विशेष शिक्षा के उद्देश्य, विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व इकाई 3- विशिष्ट शिक्षा सेवाओं के प्रकार व विशिष्ट शिक्षा की सीमाएँ इकाई 4- शिक्षा में समावेशन की अवधारणा तथा शिक्षा में समावेशन के अवयव इकाई 5- समावेशित शिक्षा के लाभ, समावेशित शिक्षा में मुद्दे इकाई 6- मुक्त व दूबर्ती शिक्षा: अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता, और मुख्य विशेषताएँ इकाई 7- दूबर्ती शिक्षार्थी: प्रकृति, विशेषताएँ तथा प्रकार इकाई 8- दूबर्ती शिक्षा में अध्ययन सामग्री- अर्थ, प्रकार व महत्व इकाई 9- दूबर्ती शिक्षा में मूल्यांकन तकनीकी इकाई 10- मुक्त एवं दूबर्ती शिक्षा में परामर्श का संप्रत्यय, आवश्यकता व महत्व इकाई 11- प्रौढ़ शिक्षा: अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य और इसका महत्व इकाई 12- जीवन पर्यन्त अधिगम: अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य और इसका महत्व इकाई 13- सतत शिक्षा: अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य व महत्व इकाई 14- पर्यावरण शिक्षा: अर्थ, प्रकृति तथा उद्देश्य इकाई 15- पर्यावरण संरक्षण के प्रकार व इनका मानव जीवन पर प्रभाव इकाई 16- पर्यावरण संरक्षण की विधियाँ व कार्यक्रम इकाई 17- जनसंख्या शिक्षा: इसका संप्रत्यय, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व इकाई 18- जनसंख्या नियंत्रण हेतु शैक्षिक कार्यक्रम 
बी.ए. तृतीय वर्ष (शिक्षाशास्त्र) प्रथम प्रश्न-पत्र- शिक्षा एवं भारतीय विरासत (BAED-301) इकाई 1- प्राचीन कालीन वैदिक शिक्षा प्रणाली इकाई 2- प्राचीन कालीन बौद्ध शिक्षा प्रणाली इकाई 3- मध्यकालीन मुस्लिम शिक्षा प्रणाली इकाई 4- सन् 1833 का आइज़ा पत्र इकाई 5- मैकाले का विवरण पत्र और वैदिक प्रस्ताव 1835 इकाई 6- ब्रुड का घोषणा पत्र-1854 इकाई 7- भारतीय शिक्षा आयोग (हन्दर कमीशन) इकाई 8- भारतीय विश्वविद्यालय आयोग 1902-1904 इकाई 9- कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग (सैडलर कमीशन) इकाई 10- वर्धा शिक्षा योजना अथवा बेसिक शिक्षा - 1937 इकाई 11- विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग 1948-49 इकाई 12- माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुरालिधर कमीशन) 1952-53 इकाई 13- राष्ट्रीय शिक्षा आयोग 1964-66 (कोटारी कमीशन) इकाई 14- राष्ट्रीय उच्च आयोग इकाई 15- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 इकाई 16- संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (1992)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- शैक्षिक प्रशासन एवं नियोजन (BAED-302) इकाई 1- शैक्षिक नियोजन : अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता और सार्थकता इकाई 2- शैक्षिक नियोजन की विधियाँ, तकनीक एवं प्रकार संरचना इकाई 3- शैक्षिक नियोजन की तकनीक एवं विधि : अल्प-कालीन एवं दीर्घकालीन नियोजन के लाभ एवं हानियाँ इकाई 4- शैक्षिक प्रशासन: अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता एवं सार्थकता इकाई 5- भारतीय शैक्षिक प्रशासन: आधारभूत संरचना, दोष्यताएँ व सुनीतियाँ इकाई 6- भारतीय शैक्षिक प्रशासन एवं नियोजन से सम्बंधित महत्वपूर्ण संस्थाओं के कार्य इकाई 7- भारत में प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा की प्रशासनिक संरचना इकाई 8- माध्यमिक शिक्षा के प्रशासन की संरचना: केन्द्र, राज्य एवं जिला स्तर पर इकाई 9- भारत में उच्च शिक्षा का प्रशासनिक संगठन (क) केन्द्रीय स्तर पर (ख) राज्य स्तर पर (ग) जिला स्तर पर इकाई 10- शिक्षा पर्यवेक्षण : अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता और सार्थकता इकाई 11- शैक्षिक पर्यवेक्षण के प्रकार एवं इसकी भूमिका इकाई 12- शैक्षिक निरीक्षण बनाम शैक्षिक पर्यवेक्षण इकाई 13- केन्द्रीय और विकेंद्रीकृत शैक्षिक नियोजन इकाई 14- शैक्षिक नियोजन की प्रक्रिया: केन्द्र, राज्य, जिला एवं संस्था स्तर पर 

बी.ए. प्रथम वर्ष (पैपर्स)

Paper I Introduction to Tourism & Travel Management (BATM 101) Block 1 Tourism: Definition, Meaning and Scope Unit 1 Tourism: Concepts and Definitions, Unit 2 Recreation-Leisure-Tourism: Interrelationship and Interdependence Unit 3 Basic Components of Tourism Unit 4 Elements of Tourism Unit 5 Understanding Basic Terminologies of Tourism: Traveller, Visitor, Tourist, Excursionist, Resource, Attraction, Product, Market, Industry and Destination Block 2 Types and Motivational Factors of Tourism Unit 6 Forms and Types of Tourism Unit 7 Emerging Types of Tourism Unit 8 Travel and Tourism Motivators Unit 9 Push and Pull Forces in Tourism Unit 10 Superstructure and Infrastructure Block 3 Tourism Organizations and Travel Formalities Unit 11 Tourism Organizations: Department of Tourism, Ministry of Tourism, STDC, PATA, IATO, TAAI, WTO Unit 12 Hotel and Airlines Organization: FHRAI, IATA, ICAO, ITDC, YHAI, HAI Unit 13 Travel Formalities and Regulations Block 4 Tourism Policy, Planning and Impacts Unit 14 Carrying Capacity and Socio-cultural Impacts of Tourism Unit 15 Economic and Environmental Impacts of Tourism Unit 16 Tourism Policy and Planning	Paper I Tourism Products of India Management (BATM 102) Block - 1 An Introduction of Tourism Resources & Natural Tourism Resources of India Unit 1 Tourism Product: Concept, Features, Types, Differences between Product and Services Unit 2 Wildlife Tourism: National Parks and Wildlife Sanctuaries Unit 3 Lakes of India Unit 4 Beaches of India Unit 5 Hill Stations of India Block - 2 Cultural Tourism Resources of India Unit 6 Handicrafts and Dance Forms of India Unit 7 Fairs and Festivals of India Unit 8 Museums of India Block-3 Adventure Tourism Resources of India Unit 9 Air Based Adventure Sports: Meaning, Features, Types of Adventure Sports. Unit 10 Water Based Adventure Sports: Meaning, Features, Types of Water Based Adventure Sports Unit 11 Land Based Adventure Sports: Meaning, Features, Types of Land Based Adventure Sports Block - 4 World Heritage Sites of India Unit 12 World Heritage Sites of North India Unit 13 World Heritage Sites of South India Unit 14 World Heritage Sites of Eastern India Unit 15 World Heritage Sites of Western India
PAPER I Travel Agency & Tour Operations (BATM 201) Block - 1 An Introduction of Tour and Travel Operation Business Unit 1 Travel and Tour Operations Trade: Origin, Development and Changing Scenario especially due to CRS & ICT Unit 2 Meaning and Definitions of Travel Agency and Tour Operators Unit 3 Types of Tour Operators and Travel Agents and Differentiation Between Them, Unit 4 Functions of a Travel Agency (Ticketing, Tour Packaging, Accommodation Booking, Documentation, Marketing etc.) Block - 2 Functions and Contribution of Travel Agencies in Tourism Development Unit 5 Linkages of a Large Sized Travel Agency. Unit 6 Role and Contributions of Travel Agents & Tour Operators in the Growth and Development of Tourism Industry in India Unit 7 Departmentalization of a Travel Agency and Organizational Structure of a Standard Travel Agency Unit 8 Sources of Income of a Travel Agency. Unit - 3 Tour Packaging, Costing and Itinerary Preparation Unit 9 Tour Packaging: Concept, Significance, Types and Steps Involved in formulation of Standard Tour Package Unit 10 Factors Affecting the Tour Cost and Procedures for Cost Determination, Pricing Strategies and Calculation of Tour Price - Unit 11 Itinerary: Meaning, Features, Components and Types Block - 4 Travel Formalities, Recognition and Travel Organizations Unit 12 Setting up a Travel Agency, Fiscal & Non-Fiscal Incentives Provided by the Government. Unit 13 Travel Documentation, Baggage Regulations Airport and Aircraft procedures, Unit 14 Procedures for approval from the Ministry of Tourism, Govt. of India.	PAPER II Hotel Management (BATM 202) Block 1 Hospitality Industry: Meaning, Nature and Typologies Unit 1 Hotels & Hotelizing: Origin of the concept, Growth & Development. Unit 2 Hospitality: Meaning, Nature, Purpose and Importance Unit 3 Types of Accommodation Unit 4 Emerging Types of Accommodation: Resort Properties, Heritage Hotels, Motels, Time Sharing Establishments and Ecotels. Block 2 Classification and Functions of Various Departments of Hotel Unit 5 Functions and Responsibilities of Front Office, Food & Beverages (F&B) Departments, Unit 6 Functions and Responsibilities of Housekeeping, Food Production Departments. Unit 7 Functions and Responsibilities of Engineering and Maintenance, Accounts, Human Resource, Safety & Security, Sales and Marketing Departments. Unit 8 Classification of Hotel on the Basis of Location, Size, Clientele and Range of Service etc. Unit 9 Types of Hotel Rooms. Block - 3 Hotel Organizations Unit 10 FHRAI: Introduction, Objectives, Roles and Functions. Unit 11 HAI & YHAI: Introduction, Objectives, Roles and Functions. Unit 12 Multinational Hotel Chains and their Impacts on Indian Hotelizing Business Unit 13 Role and Contribution of I.T.D.C. Block - 4 Star Categorization and Other Catering Outlets Unit 14 Star Classification - Criteria and Procedure Adopted in India Unit 15 Public Sector in Hotel Business: Role, Contribution and Performance Unit 16 Other Catering Outlets: Bars, Restaurants, Fast Food Centres & Inflight Catering

Unit 15 Procedures for Approval from the IATA. Unit 16 Travel Agency and Tour Operator Organizations: IATA, IATO & TAAI	
बी.ए. तृतीय वर्ष (पर्यटन)	
PAPER I Tourism Resources of Uttarakhand (BATH 301)	PAPER II Transport Management (BATH 302)
Block - 1 Introduction and Religious Resources Unit 1 Geographical Features of Uttarakhand Unit 2 Char Dham, PanchKedars and PanchBadris of Uttarakhand Unit 3 Important Religious Tourist Attractions at Rishikesh and Haridwar Block - 2 Natural Tourism Resources Unit 4 National Parks and Wildlife Sanctuaries of Uttarakhand Unit 5 Adventure Tourism Resources of Uttarakhand Unit 6 Important Lakes of Uttarakhand Unit 7 Popular Hill Stations of Uttarakhand Block - 3 Man-Made Resources Unit 8 Fairs of Uttarakhand Unit 9 Festivals of Uttarakhand Unit 10 Handicrafts Unit 11 Cuisines Unit 12 Yoga Tourism At Uttarakhand Unit 13 Museums of Uttarakhand Unit 14 Famous Dance Forms of Uttarakhand Block - 4 Organizational and Planning Perspectives Unit 15 Historical Places and other Monuments of Uttarakhand Unit 16 Tourism Policy of Uttarakhand Unit 17 'Guthwal' and 'Kumaon' Mandal Vikas Nigam - Role and Contribution in Promotion of Tourism in Uttarakhand	Block - 1 Introduction to Transport System Unit 1 Transportation: Concept, History, Landmarks in the Development of Transport Sector Unit 2 Transport System: Characteristics and Factors Affecting Selection of Transport Unit 3 Types and Modes of Tourist Transport Block- 2 Air Transport System Unit 4 Air Transport: Past, Present and Future Unit 5 Private Airlines Operating in India: Role and Contribution in Development of Tourism industry. Unit 6 Public Sector Airlines Operating in India Unit 7 Role and Importance of IATA and ICAO in Development of Air Transport Industry Unit 8 Role and Functions of DOCA Unit 9 Role and Functions of Airport Authority of India. Block - 3 Railway System Unit 10 Introduction to Rail Transport System: Past, Present and Future Unit 11 Major railway systems of world-Ambak, Euro Rail and British Rail. Unit 12 Indrail Pass & Luxurious Tourist Trains of India Unit 13 Toy Trains Running in India Unit 14 Malapattinirvana Express Block - 4 Water and Road Transport Systems in India Unit 15 Surface Transport System: Growth and Development, National Highways and State Highways. Role of Regional Transport authority, Rent-a-car schemes, State & Interstate bus network-, All India permits and International driving license. Unit 16 Water Transport System: Concept, Growth and Historical Past, Features and Significance of different modes of transport in Tourism Industry. Unit 17 Cruise Ships, Ferries, Hovercraft, River and Canal Boats, Fly Cruise, Future Prospects.

बी.ए. प्रथम वर्ष (गृह विज्ञान)	
Family Resource Management (HSC-101)	Human Development (HSC-102)
Block I Home Management Process Unit 1 Home Management Unit 2. Motivating Factors For Management Unit 3. Resources Unit 4. Time And Energy Resources Unit 5. Decision Block II Money Management Unit 6. Financial Management Unit 7. Budget Unit 8. Saving Unit 9. Taxation Block III: Consumerism And Consumer Protection Unit 10. Consumer Unit 11. Consumer Protection Block III: Housework: Care And Usage Unit 12. Care Of Household Unit 13. Introduction To Household Equipments Unit 14. Material Used For Household Equipments	Block I: Human Developmental Psychology Unit 1: Concept Of Human Development Unit 2: Psychology Of Behaviours Block II: Prenatal Development Unit 3: Growth And Development Unit 4: Fitness For Motherhood Unit 5: Prenatal Development Block III Infancy Unit 6: Physical And Motor Development Unit 7: Cognitive Development Unit 8: Language Development Unit 9: Social Development Unit 10: Emotional Development Block III Early Childhood Years Unit 11: Physical And Motor Development Unit 12: Cognitive And Language Development Unit 13: Social And Emotional Development
बी.ए. प्रथम वर्ष (गृह विज्ञान) Practical HSC 103 (Practical HSC 101 and HSC 102)	

Practical 1: Preparation of educative play materials for preschool children. Practical 2: Preparing budget for low, high and middle-income group family. Practical 3: To find out problem of ten families of urban and rural areas, managing their home related issues with special reference to time, money, energy by the use of surrounding resources and setting the goals. Write a detail report on the above. Practical 4: Use of waste material for making decorative and utility material. Practical 5: Paper cutting for decorating a house for special occasions.	Practical 1: Survey of play school/ nursery school and get attached to a child, get involve with the child and record his/her daily activities. Write a report on his/her overall development. Practical 2: Development of appropriate play material for cognitive development infant and preschoolers. Practical 3: Curriculum planning for a child in a play school. Practical 4: Preparation of play material by use of indigenous materials.
बी.ए. द्वितीय वर्ष (गृह विज्ञान) Foods And Nutrition (HS-201) Block I: Basic Concepts Of Foods And Nutrition Unit 1: Food & Nutrition Unit 2: Basic Food Group Unit 3: Meal Planning Unit 4: Energy Value And Calorimetry Block II: Nutrients And Its Deficiency Disorders Unit 5: Macro Nutrients Unit 6: Micronutrients Unit 7: Nutrient Deficiency Disorders Block III: Composition Of Different Food Stuffs Unit 8: Composition Of Cereal And Pulses Unit 9: Composition Of Various Food Stuff Unit 10: Improving Nutritional Quality Of Foods Unit 11: Cooking Methods Block IV: Ensuring Food Quality Unit 12: Food Adulteration Unit 13: Food Hygiene And Sanitation	Extension Education (HS-202) Block I: Extension Education: Introduction Unit 1: Concept Of Extension Education Unit 2: Historical Development In Extension Education Process Unit 3: Role Of Homescience In Extension Education Unit 4: Communication Block II: Extension Teaching Tools Unit 5: Extension Teaching Methods Unit 6: Audio Visual Aids Block III: Role Of Community And Rural Program Unit 7: Rural Development Programmes Unit 8: Development Of Community Block IV- Program Planning Process Unit 9: Program Planning Unit 10: Programme Development Processes And Leadership Unit 11: Evaluation Of Extension Programmes Unit 12: Concept Of Five Year Plan
बी.ए. द्वितीय वर्ष (गृह विज्ञान) Practical Practical HSC 203 (HSC 201 and HSC 202) Practical 1: To detect common adulterant present in food stuffs Practical 2: Do meal planning for various age groups. Practical 3: Prepare balanced diet for various age groups. Practical 4: Prepare few recipes using traditional cooking methods for children, adult and old age person. Practical 5: Prepare few nutritious recipes using modern cooking methods for children, adult and old age person. Practical 6: Give method demonstration of some nutritious recipe for infant and preschoolers. Practical 7: Prepare one recipe using food enrichment techniques.	Practical 1: Prepare at least five teaching aids, atleast one should be selected from each projected (poster, chart, flashcard, puppet, flannel graph, model, graph, map) and non-projected aids (transparencies, slide with power point presentation). Practical 2: Prepare a radio talk in regard to women development programs. Practical 3: Prepare one poster/chart on environmental/ personal hygiene and health. Practical 4: Development of proforma for conducting village and household survey. Practical 5: Development of survey schedules for obtaining demographic information on village and profile of household.
बी.ए. तृतीय वर्ष (गृह विज्ञान) Community Nutrition (HS-301) Block I: Assessment Of Nutritional Status Unit 1: Introduction To Community Nutrition Unit 2: Direct Nutritional Status Unit 3: Indirect Nutritional Status Block II: Community Nutrition Programmes Unit 4: National Community Nutrition Programmes Unit 5: International Community Nutrition Programmes Unit 6: Nutritional Problem In India Unit 7: Food Consumption Pattern And Pds Unit 8: Factor Affecting Food Choices Block III: Nutrition And Care Unit 9: Assessment Of Nutritional Knowledge Unit 10: Nutrition And Child Care Unit 11: Nutrition And Mother Care Unit 12: Nutrition And Old	Clothing And Textile (HS-302) Block I: Introduction To Fibre Unit 1: Types Of Textile Fibres Unit 2: Natural Fibres Unit 3: Manmade Fibres Block II: Introduction To Yarn And Fabric Construction Unit 4: Yarn Classification And Properties And Spinning Process Unit 5: Methods Of Fabric Construction Block III: Dyeing And Printing Unit 6: Dyes And Their Classification (Natural And Synthetic Dyes) Unit 7: Techniques Of Dyeing Unit 8: Different Techniques Of Printing Block IV: Fundamentals Of Garment Construction Unit 9: Sewing Equipment And Tools Unit 10: Garment Construction Block V: Selection Of Clothes Care And Maintenance Of Textiles Unit 11: Clothing For Different Age Group Unit 12: Buying Factors For Ready-Made Garments Unit 13: Laundering Equipment

Unit 14 Stain Removal And Care Of Textile	
बी.ए. तृतीय वर्ष (गृह विज्ञान) Practical	
Practical HSC 303 (HSC 301 and HSC 302)	
Practical 1: Visit to ICDS and PHC/MCH to observe supplementary feeding and prophylactic programmes Practical 2: Assess the growth-monitoring chart of a child and interpretation of growth chart. Practical 3: Prepare a Performa for clinical signs and symptoms of various diseases. Practical 4: Prepare various performas for evaluating dietary history among women in a rural community. Practical 5: Prepare a report on factors affecting child growth including: weaning practices, immunization practices and sanitary practices Practical 6: Assess the nutritional status of women/ children, registered in nearby nganwadi Centre. Practical 7: Generate awareness/ impart nutrition education, among pregnant and lactating women regarding current government scheme/ programmes.	Practical 1: Introduction of sewing machine and its functions, recognizing the parts and their function, basic operation, practice machining - straight, curve, spiral, reverse and corners. Practical 2: Seams: Plain seam and finishing; Enclosed seams-Run's fell, French seams; Edge finishing - shaped facing; Pocket - Patch pocket and variations; Placket - Even hem. Practical 3: Drafting, stitching and decoration of following: Petticoat, Apron, Baby frock Practical 4: Hand Stitches: Functional: Temporary and permanent, basting, hemming, running, back stitch, slipstitch, stem chain, buttonhole, herringbone, French knot Practical 5: Removal of stains from samples and garments. Practical 6: Prepare one article with decorative dyeing: Tie and dye/ Batik Practical 7: Prepare one article with printing: Block printing; Screen / stencil printing Practical 8: Identification of fibers with different test.

बी.ए. प्रथम वर्ष संगीत (गायन)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत परिचय (BAMV-101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMV-102)
प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शब्दावली इकाई 1 - संगीत एक परिचय इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास इकाई 3 - परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, सप्तक, ताल, लय, आवर्तन, ताली, छाली, विभाग व देका) द्वितीय खण्ड - छयाल, तानपुरी का ज्ञान एवं जीवन परिचय इकाई 1 - छयाल की उत्पत्ति, विकास एवं मणों का संक्षिप्त परिचय; तानपुरी की संरचना एवं मिलाने की विधि इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० बी०एस० भातखण्डे, पं० बी० सी० पटुस्कर व सदाशिव-अद्वैत) का जीवन परिचय इकाई 3 - संगीतज्ञों (पं० ओमकारनाथ ठाकुर, डॉ० फैयाज खॉं व पं० भीमसेन जोशी) का जीवन परिचय तृतीय खण्ड - स्वरलिपि पद्धति, ताललिपि पद्धति एवं गायन शैलियाँ इकाई 1 - भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय, राग यमन परिचय एवं छयाल (विलम्बित व मध्यमलय) बन्दियों को लिपिबद्ध करना, राग भैरव व मिलावट का परिचय एवं मध्यमलय छयाल को लिपिबद्ध करना, पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुवपद सुन संहिता इकाई 2 - भातखण्डे ताललिपि पद्धति का परिचय तथा पाठ्यक्रम की तालों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना इकाई 3 - गायन शैलियों (ध्रुवपद, धमाक, तुमरी, टप्पा, दादरा व होरी) का संक्षिप्त परिचय राग - यमन, भैरव व मिलावट ताल - तीनताल, एकताल व छप्ताताल	प्रथम खण्ड - प्रदर्शन - 1 (धमर) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार इकाई 2 - विलम्बित (आलाप व तान सहित) इकाई 3 - मध्यमलय छयाल (आलाप व तान सहित) द्वितीय खण्ड - प्रदर्शन - 2 (भैरव एवं विलावल), ध्रुवपद) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार इकाई 2 - मध्यमलय छयाल (आलाप व तान सहित) इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक में ध्रुवपद सुन संहिता तृतीय खण्ड - पदन्त एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पदन्त इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पदन्त इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा
बी.ए. द्वितीय वर्ष संगीत (गायन)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत शास्त्र (BAMV-201)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMV-202)
प्रथम खण्ड भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली व गायन शैलियाँ इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक इकाई 2 - नट, ग्राम, मूर्च्छना, जाति गायन, निबन्ध गान, अनिबन्ध गान, शुद्धराग, कामलदास राग, संकीर्ण राग, पूर्वांगवादि राग, अष्टांगवादि राग, परमेश प्रवेशक राग, संधि प्रकारा राग इकाई 3 - तराना, रिश्त, गजल, कच्चासी, सदाशिव, चतुर्दश, सराग गीत, लक्षण गीत, कजरी एवं बैती की अध्ययन; ध्रुवपद की उत्पत्ति, विकास व धारण द्वितीय खण्ड स्वरलिपि पद्धति, राग पहचानना, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन इकाई 1 - विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखण्डे पद्धति से तुलना; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से रंग पहचानना इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० तानसेन, डॉ० अमीर खुसरो, इंदू खॉं, हस्मू खॉं, पं० एम० एन० जयनरथ, बड़े गुलाम अली खॉं व गिरिजा देवी) का जीवन परिचय इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध तृतीय खण्ड स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में छयाल (विलम्बित व मध्यमलय - तानों सहित) को लिपिबद्ध करना इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुव, दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनकी लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना राग - विहाग, बागेश्वरी, वृन्दावनी सारंग, देश व सुद्ध कल्याण ताल - बी०एस० प्रथम वर्ष की तालों तथा छप्ताताल, धमाक, रुपक, कहरवा व शरा	प्रथम खण्ड - प्रदर्शन - 1 (विहाग एवं बागेश्वरी) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार इकाई 2 - विलम्बित छयाल (आलाप व तानों सहित) इकाई 3 - मध्यमलय छयाल (आलाप व तानों सहित) द्वितीय खण्ड - प्रदर्शन - 2 (वृन्दावनी सारंग, देश व सुद्ध कल्याण), ध्रुवपद) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार इकाई 2 - मध्यमलय छयाल (आलाप व तानों सहित) इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक में ध्रुवपद (दुगुन, चौगुन) सहित तृतीय खण्ड - पदन्त एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पदन्त इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन) में पदन्त इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा
बी.ए. तृतीय वर्ष संगीत (गायन)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत विज्ञान (BAMV-301)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMV-302)

कुल संख्या
सुन संहिता
नोट्स (अंशक)

प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत का इतिहास, श्रुति एवं स्वर का विस्तारपूर्वक वर्णन व सांस्कृतिक शब्दों की व्याख्या
 इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल के उपरान्त से आधुनिक काल तक
 इकाई 2 - भारतीय संगीत में षाट पद्धति
 इकाई 3 - श्रुति एवं स्वर की व्याख्या प्राचीन, मध्यकालीन व वर्तमान विद्वानों के अनुसार : दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय
 इकाई 4 - गान संगीत, देशी संगीत, नाटक, नाचक, वागीयकार, पंडित, कलावंत, गीत, गान्धर्व, गान, अविरभाव, विरेभाव, काकु व ताना
द्वितीय खण्ड - राग विस्तार, जीवन परिचय एवं नियम लेखन
 इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना
 इकाई 2 - संगीतज्ञों (अम्बुल कर्ण खों, अमीर खों, डी० बी० पल्लुकर, अल्लारिवा खों, विनायक धव पदार्थन, कृष्णराव शंकर पंडित व नारायण राव व्यास) का जीवन परिचय
 इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध
तृतीय खण्ड - स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना
 इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में छयाल (विलम्बित व मध्यम, तानों सहित) वन्दियों को लिपिबद्ध करना
 इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुपद व धमार (दुगुन व चौगुन) लयकारी सहित लिपिबद्ध करना
 इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों व रागों पर परिचय एवं उनके लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना
 राग - मिथा मल्लहार, मालकौंस, मुल्तानी, ठोड़ी, देवारी, वसन्त, परज व शंकरा
 ताल - आठवारताल, दोषधंदी, छमर, मूलताल व हीररा

प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (मिथी मल्लहार, ठोड़ी एवं देवारी)
 इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार
 इकाई 2 - विलम्बित छयाल (आलाप व तानों सहित)
 इकाई 3 - मध्यम छयाल (आलाप व तानों सहित)
द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (मालकौंस, मुल्तानी, वसन्त, परज व शंकरा, ध्रुपद)
 इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार
 इकाई 2 - मध्यम छयाल (आलाप व तानों सहित)
 इकाई 3 - उपरोक्त रागों में से किसी दो में ध्रुपद व धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन) लयकारी सहित एवं तयना
तृतीय खण्ड प्रदर्शन एवं मौखिक परीक्षा
 इकाई 1 - तालों की पहचान
 इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) में पढ़ना
 इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा

Dargah

वी.ए. प्रथम वर्ष संगीत (स्वरवाच)

प्रथम प्रश्न-पत्र - संगीत परिचय

प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शब्दावली

इकाई 1 - संगीत एक परिचय
 इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास
 इकाई 3 - परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, सङ्क, ताल, लय, आभर्तन, ताली, छाली, विभाग व ठेका)
द्वितीय खण्ड - भारतीय शास्त्रीय संगीत का धर्माधार एवं जीवन परिचय
 इकाई 1 - स्वर वाच, ताल वाच एवं अपने धर्म का ज्ञान (संस्कृत एवं मिलने की श्रुति)
 इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० बी० पल्लुकर, पं० बी० डी० पल्लुकर व मदारंग-आदरं) का जीवन परिचय
 इकाई 3 - संगीतज्ञों (३० अलीअकबर खों, ३० ज्ञानेश खों व पं० शिवकुमार शर्मा) का जीवन परिचय
तृतीय खण्ड - स्वरलिपि पद्धति, ताललिपि पद्धति एवं तन्त्र धारा शब्दावली
 इकाई 1 - भारतीय स्वरलिपि पद्धति का परिचय : राग यमन परिचय एवं गत (पञ्चीतखानी व खाखानी, ठोड़ी सहित) को लिपिबद्ध करना ; राग पेल व बिलावल का परिचय एवं खाखानी गत (ठोड़ी सहित) को लिपिबद्ध करना
 इकाई 2 - भारतीय ताललिपि पद्धति का परिचय तथा पाठ्यक्रम की तालों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना
 इकाई 3 - परिभाषा (मीड, मखीट, कलतन, जोड़, आलाप, मञ्जीतखानी गत, खाखानी गत व ठोड़े)
 राग - यमन, पेल व बिलावल ताल - मीनताल, एकताल व चारताल

(BAMI-101)

द्वितीय प्रश्न-पत्र - प्रयोगात्मक

प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (यमन)

इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार
 इकाई 2 - मञ्जीतखानी गत (आलाप व ठोड़े सहित)
 इकाई 3 - खाखानी गत (आलाप व ठोड़े सहित)
द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (पेल एवं बिलावल)
 इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार
 इकाई 2 - खाखानी गत (आलाप व ठोड़े सहित)
 तृतीय खण्ड प्रदर्शन एवं मौखिक परीक्षा
 इकाई 1 - तालों की पहचान
 इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पढ़ना
 इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा

(BAMI-102)

Dargah

वी.ए. द्वितीय वर्ष संगीत (स्वरवाच)

प्रथम प्रश्न-पत्र - संगीत शास्त्र

प्रथम खण्ड भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली, स्वर वाच एवं पदाने

इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक
 इकाई 2 - नाद, श्रुति, मूर्च्छन, जति गायन, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्धराग, छायाराग राग, संकीर्ण राग, पूर्णरागवादि राग, अरागवादि राग, पारेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग
 इकाई 3 - स्वर वाच की विकास यात्रा व स्वर वाच के पदानों का संक्षिप्त परिचय
द्वितीय खण्ड स्वरलिपि पद्धति, राग पहचानना, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन
 इकाई 1 - विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भारतीय पद्धति से तुलना ; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना
 इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० मानदेन, अमीर खों, ३० अलाउद्दीन खों, ३० इमदाद खान, पं० निखिल बैनर्जी व पं० पविशंकर) का जीवन परिचय
 इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध
तृतीय खण्ड स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना
 इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में मञ्जीतखानी गत (ठोड़ी सहित) को लिपिबद्ध करना
 इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में खाखानी गत (ठोड़ी सहित) को लिपिबद्ध करना
 इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनके लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना
 राग - विहाग, मञ्जीत, वृन्दावनी सारा, देश व शुद्ध कल्याण
 ताल - बी०ए० प्रथम वर्ष की तालें तथा छपताल, धमार, कपक, कहरवा व देवरा

(BAMI-201)

द्वितीय प्रश्न-पत्र - प्रयोगात्मक

प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (विहाग एवं मञ्जीत)

इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार
 इकाई 2 - मञ्जीतखानी गत (आलाप व ठोड़े सहित)
 इकाई 3 - खाखानी गत (आलाप व ठोड़े सहित)
द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (वृन्दावनी सारा, देश व शुद्ध कल्याण), हुत राग
 इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार
 इकाई 2 - खाखानी गत (आलाप व ठोड़े सहित)
 इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक में हुत राग (वृन्दावनी के अतिरिक्त किसी और ताल में)
तृतीय खण्ड प्रदर्शन एवं मौखिक परीक्षा
 इकाई 1 - तालों की पहचान
 इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन) में पढ़ना
 इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा

(BAMI-202)

Dargah

वी.ए. तृतीय वर्ष संगीत (स्वरवाच)

प्रथम प्रश्न-पत्र - संगीत विज्ञान

प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत का इतिहास, श्रुति एवं स्वर का विस्तारपूर्वक वर्णन व सांस्कृतिक शब्दों की व्याख्या

(BAMI-301)

द्वितीय प्रश्न-पत्र - प्रयोगात्मक

प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (मिथी मल्लहार, ठोड़ी एवं देवारी)

इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार

(BAMI-302)

इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल के उपरान्त से आधुनिक काल तक इकाई 2 - भारतीय संगीत में शास्त्रीय पद्धति इकाई 3 - श्रुति एवं स्वर की व्याख्या प्राचीन, मध्यकालीन व वर्तमान विद्वानों के अनुसार : दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय। इकाई 4 - मार्ग संगीत, देशी संगीत, नायक, गायक, बाणेश्वर, पंडित, कलाधर, गीत, गन्धर्व, गान, अविस्मर, तिरोभाव, कान्कु व ठाना द्वितीय खण्ड - राग विस्तार, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन इकाई 1 - स्वर बाध में तन्त्रकारी व भावना शैली : पाठ्यक्रम के छात्रों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से छात्र पहचानना इकाई 2 - संगीतज्ञों (उ० विलायत खाँ, उ० इलियास खाँ, पं० हरिप्रसाद चौरसिया, शाहन रानी व उ० अमरक अली खाँ) का जीवन परिचय इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध तृतीय खण्ड - स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना इकाई 1 - पाठ्यक्रम के छात्रों में मसीतखानी गत (छोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना इकाई 2 - पाठ्यक्रम के छात्रों में रजाखानी गत (छोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना इकाई 3 - पाठ्यक्रम की शालों का परिचय एवं उनकी लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना राग - मिर्चा मलहार, मालकौंस, मुल्तानी, तोड़ी, हरचारी, वसन्त, परज व शकरी ताल - आडाचरताल, दीपचंदी, झुमरा, सूलाताल व तीवरा	इकाई 2 - मसीतखानी गत (आलाप व छोड़े सहित) इकाई 3 - रजाखानी गत (आलाप व छोड़े सहित) द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (मालकौंस, मुल्तानी, वसन्त, परज व शकरी), झुम गत) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार इकाई 2 - रजाखानी गत (आलाप व छोड़े सहित) इकाई 3 - पाठ्यक्रम के छात्रों में से किन्हीं दो में हुड गत (तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में) तृतीय खण्ड पढना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढना इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) में पढना इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा
प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत परिचय (BAMT-101) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत व भारतीय संगीत सम्बाधली इकाई 1 - संगीत एक परिचय इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास इकाई 3 - परिभाषा (स्वर, ध्रुति, आलाप, राग, सप्तक, ताल, लय, आशर्तन, ताली, खाली, विभाग व टेक) द्वितीय खण्ड - तबले का संक्षिप्त इतिहास एवं जीवन परिचय इकाई 1 - तबले की उत्पत्ति, विकास, संरचना, वर्ण एवं धारणों का संक्षिप्त परिचय इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० बी०एम० भास्करदे, पं० बी० डी० पल्लुकार व सदाशिव-अवधारी) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीतज्ञों (उ० अरुणदास शिरकाव, पं० अनोखेताल व उ० अरुणदास खाँ) का जीवन परिचय। तृतीय खण्ड - ताललिपि पद्धति एवं ताल बाध सम्बाधली इकाई 1 - भास्करदे ताललिपि पद्धति का परिचय : तीनताल, एकताल, चारताल, फहरा व दादा को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना इकाई 2 - परिभाषा (कायदा, पेशकार, दुकड़ा, मुछड़ा, पलटा, तिहाई व रेला) उदाहरण सहित इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों में तबले/पेशकार की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना ताल - तीनताल, एकताल, चारताल, कहरवा व दादा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMT-102) प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 इकाई 1 - तीनताल में सोलो वादन सोलो - उठान/मुछड़ा, एक पेशकार (तीन पलटों सहित), एक कायदा (तीन पलटों सहित), एक रेला (तीन पलटों सहित), दो सादे दुकड़े, एक थक्करदार दुकड़ा एवं तिहाई। इकाई 2 - एकताल में दुकड़े, मुछड़े, परज/गत/चक्करदार व तिहाई इकाई 3 - चारताल में 1 दुकड़ा एवं 1 तिहाई इकाई 4 - सुगम संगीत के साथ बजने वाली तालों (कहरवा एवं दादर) का ज्ञान द्वितीय खण्ड पढना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढना इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पढना इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा
प्रथम प्रश्न-पत्र- ताल शास्त्र (BAMT-201) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली व तबले के धारण इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक इकाई 2 - लय, लयकारी, परज, गत, चक्करदार, नीरुस्वर की परिभाषा उदाहरण सहित इकाई 3 - देशी, अडापडा, लखनऊ, बनारस, पंजाब व फर्रुखाबाद धारणों का विस्तृत अध्ययन द्वितीय खण्ड - ताल के प्राण, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन इकाई 1 - ताल के दस प्राण (काल, मार्ग, क्रिया, अंग, ग्रह, जाति, कला, सङ्ग, यक्षि व प्रसार) का संक्षिप्त अध्ययन इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० अयोध्या प्रसाद, उ० हबीबुद्दीन खाँ, पं० स्वप्न चौधरी, पं० कण्ठे महाराज, उ० मसीर खाँ, उ० जाकिर हुसैन व पं० गामा महाराज) का जीवन परिचय इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध तृतीय खण्ड - ताललिपि पद्धति एवं ताललिपि में लिखना इकाई 1 - दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना इकाई 2 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं ताल समूह द्वारा ताल पहचानना : पाठ्यक्रम की तालों के ठेके, लयकारी (दुगुन, तिगुन एवं चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना इकाई 3 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना नोट्स प्रथम वर्ष की तालें तथा आडाचरताल, झुमरा, एज्जाल, सूलाताल व घमरा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMT-202) प्रथम खण्ड प्रदर्शन इकाई 1 - पाठ्यक्रम की तालों में से किन्हीं दो तालों में सोलो वादन सोलो - उठान/मुछड़ा, एक पेशकार (तीन पलटों सहित), दो कायदे (तीन पलटों सहित), एक रेला (तीन पलटों सहित), गत, दो सादे दुकड़े, एक थक्करदार दुकड़ा व एक तिहाई इकाई 2 - सोलो वादन हेतु प्रत्येक तालों के अतिरिक्त अन्य सभी तालों में दुकड़े, मुछड़े, परज/गत/चक्करदार, तिहाई इकाई 3 - गायन, वादन (तब व सुधिर वाद्य) के साथ संगत का प्राथमिक ज्ञान द्वितीय खण्ड पढना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढना इकाई 2 - तालों के ठेकों की पढना दुगुन व चौगुन सहित इकाई 3 - तबले के बोलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढना इकाई 4 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा
प्रथम प्रश्न-पत्र- ताल विज्ञान (BAMT-301) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत का इतिहास, भारतीय अवनद्ध बाध एवं तबला वादन इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल के उपरान्त से आधुनिक काल तक इकाई 2 - प्राचीन व मध्य काल में प्रयुक्त होने वाले भारतीय अवनद्ध बाध : तबले की उत्पत्ति एवं विकास इकाई 3 - तबला वादन (एकल वादन एवं संगीत) द्वितीय खण्ड - मार्ग, देशी व दक्षिण भारतीय संगीत, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन इकाई 1 - मार्ग एवं देशी संगीत : दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMT-302) प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 इकाई 1 - पाठ्यक्रम की तालों में से किन्हीं दो तालों में सोलो वादन सोलो - उठान/मुछड़ा, एक पेशकार (तीन पलटों सहित), दो कायदे (तीन पलटों सहित), एक रेला (तीन पलटों सहित), गत, दो सादे दुकड़े, चक्करदार, तिहाई इकाई 2 - सोलो वादन हेतु प्रत्येक तालों के अतिरिक्त अन्य सभी तालों में दुकड़े, मुछड़े, परज/गत/चक्करदार व तिहाई

मुख्य निदेशक
मुख्य निदेशक
मुख्य निदेशक

इकाई 2 - संगीतज्ञ (30 आविर्द हुसैन, 30 रोड डाऊड, 30 आकास हुसैन, 30 अमीर हुसैन छौं, 30 गुर्दी महमूद, 30 सलीफ अहमद छौं व 30 बीर मिश्र) का जीवन परिचय
इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध
तृतीय छण्ड - शाल रचना एवं तालसिन्धि में लिखना
इकाई 1 - ताल रचना के सिद्धान्त एवं समान मात्राओं की विभिन्न तालों का ओचित्य
इकाई 2 - पादयक्रम की तालों का परिचय एवं बोल समूह छण्ड ताल पहचानना ; पादयक्रम की तालों के टेकों को हुगुन, तिगुन, चौगुन और आठ में लिखना
इकाई 3 - तमले की रचनाओं (पादयक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना
ताल - यथमसवारी, आवासरताल, अस्त, रूपक, सितकावा व झुमरा

इकाई 3 - गायन, वादन (तनु व सुर्षि धाध) के साथ संगत का प्रारम्भिक ज्ञान
द्वितीय छण्ड - पद्यन एवं मौखिक परीक्षा
इकाई 1 - शालों की पद्यना
इकाई 2 - तालों के टेके की तबकायादुगुन, तिगुन व चौगुन सहित पद्यना
इकाई 3 - तमले के बोलों व रचनाओं (पादयक्रमानुसार) की पद्यना
इकाई 4 - पादयक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा

Dwivedi

बी.ए. प्रथम वर्ष (गणित)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- विविक्त गणित (MT-01)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- कलन एवं अवकल समीकरण (MT-02)	तृतीय प्रश्न-पत्र- निर्देशांक ज्यामिति एवं मांशेतीय प्रमाणन समस्याएँ (MT-03)
इकाई 1. समुच्चय सिद्धांत इकाई 2. सम्मिश्र, वास्तव एवं फलन इकाई 3. बीजगणितीय संरचना इकाई 4. गुणन प्रविधि इकाई 5. वर्णमालाई भाषाई एवं व्याकरण इकाई 6. परिमित अवस्था ओटोमेटा एवं परिमित अवस्था मशीन इकाई 7. ब्रह्मीय बीजगणित इकाई 8. ब्रह्मीय व्यंजन एवं फलन इकाई 9. विविक्त संख्याक फलन एवं फलन इकाई 10. पुनरुक्ति सम्बन्ध इकाई 11. ग्राफ, ग्राफों में सम्बन्धता एवं ग्राफों पर सन्निकाई इकाई 12. ग्राफ चक्रमण इकाई 13. समतलीय ग्राफ इकाई 14. वृक्ष इकाई 15. डिग्रिग्राफ	इकाई 1. श्रेणी इकाई 2. व्यापकीकृत माध्यमान प्रमेय एवं धातु श्रेणी इकाई 3. ब्रह्म के चाप कय अवकलन व पदिक समीकरण इकाई 4. धकता इकाई 5. आंशिक अवकलन इकाई 6. उच्चतम व निम्नतम इकाई 7. अन्तस्प्रविधि इकाई 8. वक्र अनुसंधान इकाई 9. अन्वयतोष इकाई 10. समतल वक्रों का क्षेत्रफल इकाई 11. समतल वक्रों की लम्बाई इकाई 12. परिक्रमण वक्रों के आयतन एवं पृष्ठ इकाई 13. द्वि समाकल इकाई 14. त्रि समाकल एवं दिरिक्लेट समकल इकाई 15. गामा तथा बीटा फलन इकाई 16. अवकल समीकरण	इकाई 1. X-Y में व्यापक दिशादी फालीय समीकरण का उसके मानक रूप से स्थानान्तरण इकाई 2. पोला इकाई 3. ध्रुव एवं ध्रुवीय समतल इकाई 4. शंकु इकाई 5. वेलन इकाई 6. शांकवज इकाई 7. एक पृथीय अतिफलतयध की जनक रेखाई इकाई 8. विविक्त में दिशात का व्यापक समीकरण व उसके मानकपूर्ण में स्थानान्तरण इकाई 9. रेखिक प्रोग्रामन समस्याई इकाई 10. आधारित हल, अवमुख समुच्चय एवं रेखिक प्रोग्रामन समस्या का मूल प्रमेय इकाई 11. डिप्लेक्स कलन विधि इकाई 12. डेटा इकाई 13. डेटा द्वारा रेखिक प्रोग्रामन समस्याओं का हल प्राप्त करना इकाई 14. नियतन एवं परिवहन समस्याई

बी.ए. द्वितीय वर्ष (गणित)

प्रथम प्रश्न-पत्र- वस्तुविक विश्लेषण एवं दूरिक समाष्टि (MT-04)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- अवकलन समीकरण (MT-05)	तृतीय प्रश्न-पत्र- संख्यात्मक विश्लेषण एवं सदिश कलन (MT-06)
इकाई 1. वास्तविक संख्या विभाग इकाई 2. वास्तविक संख्याओं के सांख्यिकी गुणधर्म इकाई 3. वास्तविक अनुक्रम इकाई 4. वास्तविक अनुक्रम इकाई 5. सांतत्य इकाई 6. अवकलन इकाई 7. दिष्टर फलन का लिए सीमा एवं सांतत्य इकाई 8. रिमान समाकालन इकाई 9. रिमान समाकालन इकाई 10. फलनों के अनुक्रमों का एकसमान अभिसरण -1 इकाई 11. फलनों के अनुक्रमों का एकसमान अभिसरण -2 इकाई 12. दूरिक सन्निकाई इकाई 13. विवृत्त एवं संवृत समुच्चय इकाई 14. उपसमिष्टियाँ, गुणन समिष्टियाँ, संवृत प्रतिविश्रण एवं अभिसरण इकाई 15. संवृत समुच्चय, संवृत तथा संवृत दूरिक सन्निकाई	इकाई 1. प्रथम घात एवं प्रथम कोटि के अवकल समीकरण -1 इकाई 2. प्रथम घात एवं प्रथम कोटि के अवकल समीकरण -2 इकाई 3. प्रथम घात एवं प्रथम कोटि के अवकल समीकरण -3 इकाई 4. प्रथम कोटि परन्तु उच्च घात के अवकल समीकरण -1 इकाई 5. प्रथम कोटि परन्तु उच्च घात के अवकल समीकरण -2 इकाई 6. अवचर गुणांक युक्त रेखिक अवकल समीकरण इकाई 7. समघात रेखिक अवकल समीकरण इकाई 8. गुणपत् अवकल समीकरण इकाई 9. n th कोटि के यथातथ अवकल समीकरण अस्तित्व एवं अद्वितीयता प्रमेय इकाई 10. द्वितीय कोटि के रेखिक अवकल समीकरण -1 इकाई 11. द्वितीय कोटि के रेखिक अवकल समीकरण -2 इकाई 12. द्वितीय कोटि के रेखिक अवकल समीकरण -3 इकाई 13. आंशिक अवकल समीकरण -1 इकाई 14. आंशिक अवकल समीकरण -2 इकाई 15. आंशिक अवकल समीकरण -3	इकाई 1. परिमित अंतर इकाई 2. परिमित अंतर इकाई 3. सामान अंतराल द्वारा अंतर्वेशन इकाई 4. केंद्रीय अंतर अंतर्वेशन इकाई 5. प्रतिलोम अंतर्वेशन इकाई 6. संख्यात्मक अवकलन इकाई 7. संख्यात्मक अवकलन इकाई 8. बीजीय तथा अविजीय समीकरणों के संख्यात्मक हल इकाई 9. रेखीय बीजीय समीकरण इकाई 10. साधारण अवकल समीकरणों के संख्यात्मक हल इकाई 11. सदिश कलन इकाई 12. अवकल संकारक इकाई 13. अवकल संकारक के अनुप्रयोग इकाई 14. रेखा, प्रष्ट एवं आयतन समाकल

बी.ए. तृतीय वर्ष (गणित)

प्रथम प्रश्न-पत्र- बीजगणित (MT-07)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- समिश्र विश्लेषण (MT-08)	तृतीय प्रश्न-पत्र- यांत्रिकी (MT-09)
इकाई 1. समूह, उपसमूह इकाई 2. क्रमधर्म, समूह, बाकीय समूह इकाई 3. साहकुलक, लैंग्रेम प्रमेय इकाई 4. समूह समाकारिता इकाई 5. प्रसमान्य उपसमूह इकाई 6. विभाज्य समूह एवं समाकारिता की मूलभूत प्रमेय इकाई 7. बेलन इकाई 8. पूर्णाकीय प्रान्त एवं छेत्र	इकाई 1. समिश्र तल, विस्तृत समिश्र तल एवं विविध प्रश्नेय इकाई 2. समिश्र संख्याओं के सन्निकाई गुण इकाई 3. समिश्रचर का फलन - सीमा, सांतत्य एवं अन्कलनीयता इकाई 4. विश्लेषिक फलन इकाई 5. फलनों की श्रेणी का एकसमान अभिसरण एवं धातु श्रेणी इकाई 6. अनुक्रम प्रतिविश्रण इकाई 7. द्विरेखिक रूपांतरण एवं इनके गुण इकाई 8. विशेष प्रतिविश्रण	इकाई 1. स्थिति विज्ञान की मूल संकल्पनाएं इकाई 2. सततरीय बलों के संतुलन के प्रतिबन्ध इकाई 3. घर्षण बल इकाई 4. कल्पित कार्य इकाई 5. कैटनरी इकाई 6. धैर्य एवं त्वरण इकाई 7. सरल आवक गति इकाई 8. बुक का विषय तथा प्रत्यक्ष डेरिवेट

Dwivedi

रवीन्द्र

इकाई 9. बलस समाकोरित एवं अन्तःस्थापन इकाई 10. पूर्णक्रीय प्रान्त एवं विभाग क्षेत्र एवं अन्तःस्थापन इकाई 11. गुणवत्तावादी एवं विभाग बलस इकाई 12. छवि संयोज, उपसमय की वीर्या, उद्धारण एवं इनके गुणवत्ता इकाई 13. सदियों का एकता संयोज, एकता स्वतंत्रता एवं अन्तःस्थापन इकाई 14. सदिय संयोज क आचार, विमा एवं इनके उद्धारण, परिमित विमीय सदिय संयोजों के गुणवत्ता, एकता विस्तर एवं इनके अन्तःस्थापन इकाई 15. उपसमयों का योग, उपसमयों का अनुलोप योग एवं एक उपसमय, विभाग उपसमय एवं इनकी विमा	इकाई 9. समिन्न समाकलन इकाई 10. कोणी समाकलन प्रमेय के अनुप्रयोग इकाई 11. विशिष्ट कलनों का चात श्रेणी के रूप में प्रसार इकाई 12. विविध बिंदु इकाई 13. अवरोध प्रमेय एवं इनके अनुप्रयोग इकाई 14. परिक्षा समाकलन इकाई 15. विशिष्ट संयोज	इकाई 9. प्रविष्टी माध्यम में सरल रेखीय गति इकाई 10. कार्य एवं ऊर्जा इकाई 11. प्रतिबिम्ब गति इकाई 12. केंद्रीय बल इकाई 13. स्थायिकता, संकेन्द्र कला में समय व केपलर नियम इकाई 14. जडत्व आघूर्ण इकाई 15. जडत्व आघूर्ण

Swachh

बी.ए. प्रथम वर्ष (भूगोल)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- Fundamentals Of Physical Geography (GET-101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- Geography Of India (GET-102)	तृतीय प्रश्न-पत्र- PRACTICAL (GET-103)
Block-1 Fundamental Concepts Of Lithosphere Unit-1 Nature & Scope Of Physical Geography Unit-2 Origin Of The Earth & Earth Interior Unit-3 Epigenetic & Orogenetic (Isostasy, Volcanism & Seismicity) Unit-4 Erosion, Weathering & Evolution Of Landforms Block-2 Atmosphere Unit-5 Composition And Structure Of Atmosphere Unit-6 Insolation & Heat Budget (Vertical & Horizontal Temperature Distribution) Unit-7 Atmospheric Pressure, Winds, Humidity & Rainfall Unit-8 Climate & Its Classification- Koppen & Thornthwaite Block-3 Hydrosphere Unit-9 Surface Configuration Of Ocean Bottoms Unit-10 Oceanic Temperature & Salinity Unit-11 Circulation Of Ocean Water, Currents & Tides Unit-12 Ocean Deposits & Corals Reefs Block-4 Biosphere Unit-13 Elements Of Biosphere, Habitat & Plant-Animal Association Unit-14 Ecology & Ecosystem Unit-15 Bio-Diversity & Its Depletion Unit-16 Conservation Of Biotic Resources	Block-1 Physical Aspects Unit-1 Geology & Structure Unit-2 Physiographic Regions Unit-3 Drainage Systems Unit-4 Climate, Soils & Natural Vegetation Block-2 Resources Unit-5 Forest Resources Unit-6 Water Resources & River Valley Projects Unit-7 Mineral & Power Resources Block-3 Population Unit-8 Population Growth, Distribution & Density Unit-9 Population Composition Unit-10 Literacy, Trends Of Urbanization Unit-11 Movement Of Population Block-4 Indian Economy Unit-12 Agriculture - Spatial Pattern Of Agriculture Unit-13 Industries - Spatial Pattern Region & Ind Complexes Unit-14 Tourism In India: Past And Present Block-5 Transport And Trade Unit-15 Development Of Transport Net-Work Unit-16 Special Pattern Of Major Transport Net-Work Unit-17 Foreign Trade	Block-1 Scale and Maps Unit-1 Scale: Plain, Comparative, Diagonal Scale Unit-2 Elements and types of maps Unit-3 Enlargement and reduction of maps Block-2 Representation of Physical Data Unit-4 Methods of showing relief Unit-5 Profiles and their relevance in landform mapping and analysis Unit-6 Representation of Weather data Block-3 Weather maps and Indian Toposheets Unit-7 Weather instruments Unit-8 Interpretation of Indian weather maps Unit-9 Classification of topographical maps Unit-10 Interpretation of S.O.I. topo-sheets (53G/16, 53L/1, 73D/15, 53F/13) of India

Abdullah Khan

बी.ए. द्वितीय वर्ष (भूगोल)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- Human Geography (GET-201)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- GEOGRAPHY OF ASIA (GET-202)	तृतीय प्रश्न-पत्र- PRACTICAL (GET-203)
Block-1 Concept And Nature Unit-1 Nature, Scope And Elements Of Human Geography Unit-2 Man And Environment Relationship- Determinism, Possibilism, Neo Determinism, Probabilism Unit-3 Basic Principles And Approaches In Human Geography Block-2 Human Habitation Unit-4 Population: Growth, Distribution & Density Unit-5 Population Migration- National & International, Causes & Consequences Unit-6 Settlement: Rural & Urban: Types & Patterns Block-3 Economy Unit-7 Evolution Of Human Economy Unit-8 Types Of Human Activities: Primary,	Block-1 Physical Aspects Unit-1 Introduction, Structure and Relief Unit-2 Drainage and Climate Unit-3 Natural Vegetation and soil Block-2 Resources Unit-4 Power Resources Unit-5 Mineral Resources Unit-6 Forest Resources Block-3 Population and Settlement Unit-7 Population: Growth, Distribution & Density Unit-8 Movement of Population Unit-9 Settlement Types and Pattern Block-4 Economy Unit-10 Agriculture Unit-11 Industries Unit-12 Trade	Block-1 Methods of Representing Socio-Economic data Unit-1 Quantitative and qualitative techniques Unit-2 Dots, proportional circles and spheres Methods Unit-3 Isopleths, Choropleth & Flow charts Block-2 Statistical Methods Unit-4 Measurement of Central tendency: Mean, Median & Mode Unit-5 Standard Deviation, Measures of variability Unit-6 Regression & Correlation Block-3 Surveying Unit-7 Principles of Surveying Unit-8 Plane Table surveying Unit-9 Prismatic Compass Survey

Abdullah Khan

Abdullah Khan

Secondary,
Unit-9 Types Of Human Activities: Territory
& Quaternary
Block-4 Society And Culture
Unit-10 Evolution Of Man
Unit-11 Cultural Diffusion, Cultural Realms
Unit-12 World Human Races-Classification
Block-5 Human Tribes
Unit-13 Habitat, Economy And Society Of world
Tribes: Khirgese, Eskimo, Bush, Pigmy
Unit-14 Habitat, Economy And Society Of Indian
Tribes: Bheel, Santal, Toda, Gaddis
Unit-15 Habitat, Economy And Society Of
Uttarakhand Tribes: Bhotia, Tharu, Baksa, Gujjar

Unit-13 Transport, Port, Harbour
Block-5 Regional Study
Unit-14 Iraq and Iran
Unit-15 Pakistan and Sri Lanka
Unit-16 Indonesia and Myanmar
Unit-17 China and Japan

Unit-10 Indian Pattern Clinometer

Mohd Afroz

बी.ए. तृतीय वर्ष (भूगोल)

प्रथम प्रश्न-पत्र- Geographical Thought And
Evolution

(GET-301)

Block-1 History Of Geographical Thought In
Ancient Period
Unit-1 Contributions Of Greek & Romans
Unit-2 Dark Period
Unit-3 Contributions Of Arab Geographers
Block-2 History Of Geographical Thought In
Modern Period
Unit-4 Contributions Of France & German
Unit-5 Contributions Of American & British
Unit-6 Contributions Of Russians
Block-3 Modern Approaches
Unit-7 Quantitative Revolution And Challenges
Unit-8 Contributions Of Blache, Carl Saver, Ratzel
, Mackinder, Huntington, Davis
Unit-9 Qualitative Paradigm; Behavioral
Revolution: Perception And Cognition,
Mental Maps; Marxism; Postmodernism
Unit-10 Post Structuralism And Post Colonialism
Block-4 Dichotomy In Geography
Unit-11 Human Vs. Physical
Unit-12 Systematic Vs. Regional
Unit-13 Applied Vs. Quantitative
Unit-14 Ancient Indian Geography And Scientific
Outlook
Unit-15 Modern Indian Geography
Unit-16 Indian Geography: Problems, Perspectives
And Prospects

द्वितीय प्रश्न-पत्र- Economic Geography

(GET-302)

Block 1 Nature, Scope And Approaches
Unit1 Meaning And Scope
Unit2 Economy: Definition, Classification, Local And
Spatial Organization
Unit3 Geographical Bases Of Economic Activities:
Systematic And Spatial
Unit4 sectors Of Economy: An Introduction
Block 2 Primary Activities
Unit5 Primary Activities: Concept, Classification And
Importance,
Unit6 World View Of Primary Activities- Problems And
Trend Of Management With Reference Of Forestry,
Fishing And Livestock Farming.
Unit7 Critical Appreciation Of Agricultural Systems:
Intensive Agriculture (Rice), Extensive
Agriculture(Wheat), Plantation Farming(Tea) And Mixed
Farming (New Europe).
Unit8 Land Use And Agricultural Models: Von Thunen
And Whittlesey
Block3 Secondary Activities
Unit-9 Secondary Activities: Concept, Classification And
Importance
Unit10 factors Of Industrial Location; Industrial Location
And Economic Growth Models: Weber, Locis And
Gunnar Myrdal.
Unit11 Industries - Their Resource Base, Distribution,
Potentials Of Growth And Problems With Reference To
Iron And Steel (Uk, Japan, And India), Cotton Textile (Usa
And India), Petrochemicals (Usa And India) And Food
Processing (India).
Unit 12 Industrial Association, Integration, Infrastructure
And Problems
Block-4 Tertiary Activities
Unit-13 Tertiary Activities And Service: Concept,
Classification And Importance
Unit-14 Trade: As An Engine And Hindrance To Growth,
Determinants, Trade Strategies- Import Substitution And
Export Promotion,
Unit-15 International Trade: Ricardian Theory,
International Trade With Reference To Gatt And Wto.
Unit-16 Transport: Concept Of Distance, Accessibility
And Connectivity Relative Cost Advantage Of Different
Modes Of Transport.

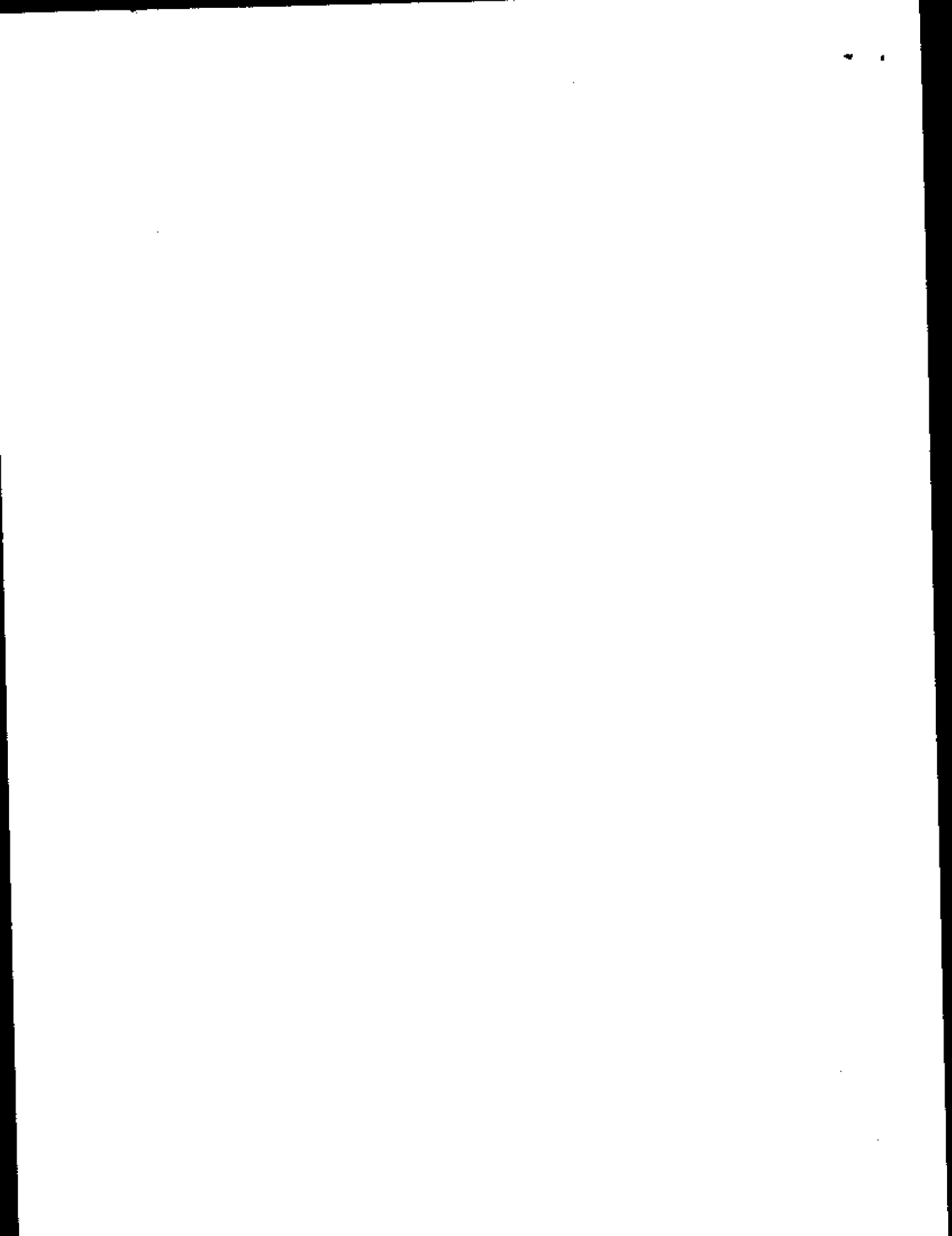
तृतीय प्रश्न-पत्र- Practical Geography

(GET-303)

Block-1map Projections
Unit-1definition & Principles Of Map
Projection
Unit-2the Earth: Shape, Size, Areas And Great
Circles-Coordinate System.
Unit-3classification And Choice Of Map
Projections
Unit-4construction Merits & Limitations Of
Conical With 2 Standard Parallel, Borneo,
Mercator, Cylindrical, Equal Area, Zenithal,
Polar, Gnomonic, Stereographic,
Conventional, Molwede, Sinusoidal &
International
Block-2technology And its Application In
Geography
Unit-5 Aerial Photography: Definition And
Interpretation
Unit-6 Remote Sensing: Sensors, Products And
Their Uses.
Unit-7 Gis: Principles And Application
Block-3 Field Work
Unit-8 Geographical Study Of A Region /
Village

Mohd Afroz

[Signature]



PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR) - B.A. Single Subject

कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन- स्नातक एकल विषय

स्नातक एकल विषय - राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, संगीत, गणित, भूगोल।

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programme's mission & objectives)- स्नातक एकल विषय कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है, "विषय संयोजन के लिए अवसर देना" इसके लिए विश्वविद्यालय अपने विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाता है, जहाँ पर शिक्षार्थी अपने आर्थिक, भौगोलिक परिस्थितियों और पारिवारिक दायित्वों के कारण संस्थागत (Regular) शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं और उन लोगों को शिक्षा से जोड़ता है, जो सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, शिक्षा, और कला के क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल का विकास करते हुए इन क्षेत्रों में अपना योगदान देना चाहते हैं।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the program with HEI's Mission and Goals)- स्नातक एकल विषय कार्यक्रम की प्रासंगिकता यह है कि शिक्षार्थी शिक्षा, समाज, भाषा, कला, पर्यटन, अर्थशास्त्र, गणित, भूगोल, ज्योतिष और कर्मकाण्ड के संबंध में विस्तार से जान पाता है तथा स्नातक में बी०एड० आदि के लिए विषय संयोजन कर पाता है।

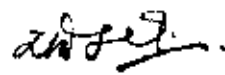
लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners)- स्नातक एकल विषय कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वे व्यक्ति हैं जो राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम द्वारा ना केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो बी०एड० आदि के लिए विषय संयोजन चाहते हैं।

मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी एकल विषय में स्नातक होने के उपरान्त विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। एकल विषय में स्नातक होने के उपरान्त शिक्षार्थी कला, भाषा, भूगोल, पर्यटन और गणित विषय के सैद्धान्तिक पक्षों के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। तथा एक कुशल सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासक, अर्थशास्त्री, और पर्यावरणविद् के तौर पर समाज में अपनी सेवाएं दे सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- स्नातक एकल विषय के तीन वर्षीय कार्यक्रम को पाठ्यक्रमों, खण्डों, इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 6 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं, अतः स्नातक एकल विषय में प्रत्येक वर्ष में 2 प्रश्न-पत्रों में 12 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। इस प्रकार तीन वर्ष में कुल 36 श्रेयांक अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम दो और अधिकतम पांच इकाईयां हैं। स्नातक कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि तीन वर्ष है। स्नातक कार्यक्रम के लिए सहायक अकादमिक, सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। स्नातक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाइन और ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

स्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों (राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, मनोविज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, शिक्षाशास्त्र, गृह विज्ञान, संगीत, गणित, भूगोल) के पाठ्यक्रम रिपोर्ट के अंतिम भाग में संलग्न किये गये हैं।

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation) - स्नातक एकल विषय में वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) एकल विषय में प्रवेश की प्रक्रिया है। प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातक एकल विषय के लिए स्नातक स्तर पर लिए जाने वाले शुल्क का एक-तिहाई शुल्क


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
श्रीवास्तव, देहरादून

लिया जाता है, जिसका विवरण निचे दिया गया है। राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े-वर्ग के शिक्षार्थियों के लिए शुल्क माफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन के लिए अकादमिक-सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य (Assignment) और वार्षिक परीक्षा (Annual Exams) के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

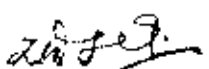
स्नातक एकल विषय शुल्क (Fee)

Programme	Year/ Sem	Programme Fee	Project/ Workshop	Exam Fee	Practical Fee	Vova- Voce Fee	Identity Card Fee	Student Welfare Fund	Degree Fee	Total
Bachelor of Art	I	2000	-	1050	-	-	50	100		1067
	II	2000	-	1050	-	-	-	-		1017
	III	2000	-	900	-	-	-	-	300	1067
Bachelor of Art with Music	I	2000	-	900	500	-	50	100		1184
	II	2000	-	900	500	-	-	-		1134
	III	2000	-	900	500	-	-	-	300	1234
Bachelor of Art with Geography	I	3000	1000	1050	500	500	50	100		2067
	II	3000	1000	1050	500	500	-	-		2017
	III	3000	1000	900	500	500	-	-	300	2067
Bachelor of Art with Mathematics	I	5700	-	1200	-	-	50	100		2350
	II	5700	-	1200	-	-	-	-		2300
	III	5700	-	1050	-	-	-	-	300	2350
Bachelor of Arts with Mathematics & Geography	I	5700	1000	1050	500	500	50	100		2967
	II	5700	1000	1050	500	500	-	-		2917
	III	5700	1000	1050	500	500	-	-	300	3017
Bachelor of Art with Home Science	I	2000	-	1050	500	500	50	100		1400
	II	2000	-	1050	500	500	-	-		1350
	III	2000	-	1050	500	500	-	-	300	1450

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the laboratory support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए प्रयोगशाला और पुस्तकालय की व्यवस्था है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के अध्ययन-केन्द्रों में भी प्रयोगशाला और पुस्तकालय की उपलब्धता है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the programme and the provisions)- स्नातक कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु जिसमें लेखन, सम्पादन और मुद्रण आता है, प्रत्येक इकाई में लगभग 8 हजार रुपये की धनराशि प्रयोग में लाई जाती है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम (Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।

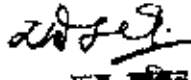

 मुख्यालय
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 देहरादून

पाठ्यक्रम (Syllabus)

प्रथम प्रश्न-पत्र- राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त	द्वितीय प्रश्न-पत्र- आधुनिक सरकार- सिद्धान्त एवं व्यवहार
(BAPS- 101) खण्ड-1 राजनीतिक सिद्धान्त 1. राजनीति विज्ञान: अर्थ, परिभाषा (परम्परागत व आधुनिक), क्षेत्र एवं प्रकृति 2. राजनीति विज्ञान, राजनीतिक सिद्धान्त, राजनीतिक दर्शन 3. राजनीति विज्ञान का अन्य समाज विज्ञानों (दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल) के साथ सम्बन्ध खण्ड-2 राजनीति विज्ञान अध्ययन के उपपान 4. प्रमुख राष्ट्रपरागत उपपान दार्शनिक उपपान ऐतिहासिक उपपान कानूनी उपपान संस्थागत उपपान 5. प्रमुख आधुनिक उपपान समाज शास्त्रीय उपपान न्यायवादवादी उपपान, उत्तर-न्यायवादवादी माक्सवादी उपपान 6. राजनीति विज्ञान की प्रकृति- राजनीति विज्ञान- कला या विज्ञान खण्ड-3 राज्य एवं उसके कार्यक्षेत्र 7. राज्य- अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं तत्व 8. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त- दैवीय सिद्धान्त, सामाजिक समझौता सिद्धान्त 9. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त- विकासवादी सिद्धान्त, माक्सवादी सिद्धान्त 10. राज्य के कार्य के सिद्धान्त- अर्थशास्त्री, समाजवादी एवं माक्सवादी 11. राज्य के कार्य के सिद्धान्त- फंसीयवाद, मार्धीवाद खण्ड-4 सम्प्रभुता, औस्टिन का सम्प्रभुता का सिद्धान्त, बहुलवादी सिद्धान्त 12. सम्प्रभुता की धारणा 13. औस्टिन का सम्प्रभुता का सिद्धान्त 14. बहुलवादी सिद्धान्त खण्ड-5 आधारभूत अवधारणाएँ 15. स्वतन्त्रता, समानता और अधिकार 16. शक्ति, सत्ता, प्रभाव 17. कानून, न्याय, जॉन रॉल्स के विशेष संदर्भ में 18. लोकतंत्र की विविध अवधारणाएँ	(BAPS- 102) खण्ड-1 संविधान, शासन के रूप 1. संविधान, संवैधानिक सरकार, संविधानवाद- पश्चात्त्य एवं माक्सवाद 2. संसदात्मक एवं अध्यक्षीयक शासन प्रणाली 3. एकतन्त्र एवं संघात्मक शासन प्रणाली खण्ड-2 ब्रिटिश संविधान 4. संविधान की मूलभूत विशेषताएँ 5. ब्रिटिश संसद 6. कार्यपालिका, न्यायपालिका 7. दल प्रणाली खण्ड-3 संयुक्त राज्य अमेरिका 8. संविधान की मूलभूत विशेषताएँ 9. संघीय कार्यपालिका 10. विधायिका (कांग्रेस) 11. न्यायपालिका 12. अमेरिकी वल प्रणाली खण्ड-4 स्विट्जरलैण्ड का संविधान 13. संविधान की मूलभूत विशेषताएँ 14. स्विस् संघीय व्यवस्था 15. संघीय शासन- संघीय सभा, संघीय परिषद 16. स्विट्जरलैण्ड में प्रशिक्ष लोकात्मक खण्ड-5 चीन का संविधान 17. संविधान की मूलभूत विशेषताएँ 18. राष्ट्रीय जनवादी कांग्रेस 19. कार्यपालिका, न्यायपालिका 20. चीन का साम्यवादी दल खण्ड-6 रुस का संविधान 21. वर्तमान रुस के संविधान की विशेषताएँ 22. व्यवस्थापिका, कार्यपालिका 23. साम्यवादी दल
प्रथम प्रश्न-पत्र- प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत का संविधान
(BAPS- 201) खण्ड-1 ग्रीक राजनीतिक चिन्तन 1. ग्रीक राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएँ 2. प्लेटो 3. अरस्तू खण्ड-2 प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन 4. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएँ 5. मनु 6. कौटिल्य खण्ड-3 मध्यकालीन राजनीतिक विचारों की पृष्ठभूमि 7. चर्च व राज्य के मध्य विवाद, परिषदीय आन्दोलन 8. सेंट ऑगस्टाइन, मार्सीलियो ऑफ पदुआ, थॉमस एक्विनास खण्ड-4 आधुनिक राजनीतिक चिन्तक 9. मिकियावेली 10. जॉन मेल्स खण्ड-5 सामाजिक समझौतावादी राजनीतिक विचारक 11. होब्स 12. लॉक 13. रूसो 14. मरिक्व खण्ड-6 आबसवादी एवं उपयोगितावादी विचारक 15. ह्यूम्स, प्रीन 16. जेम्स मैन्थाम, जे. एस. मिल खण्ड-7 सामाजिक परिचर्चावादी विचारक	(BAPS- 202) खण्ड-1 संविधान 1. संविधान का विकास 2. संविधान निर्माण, संविधान के स्रोत 3. संविधान का दर्शन 4. भारतीय संविधान का स्वरूप खण्ड-2 गणिकता, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व और संविधान संशोधन प्रक्रिया 5. गणिकता 6. मूल अधिकार और मूल कर्तव्य 7. राज्य के नीति-निर्देशक तत्व 8. संविधान संशोधन प्रक्रिया खण्ड-3 संघ का शासन 9. राष्ट्रपति, उपा राष्ट्रपति 10. प्रधानमंत्री, मंत्रिमण्डल 11. संसद 12. न्यायपालिका: सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय 13. क्षेत्र-राज्य संबंध खण्ड-4 राज्यों का शासन 14. राष्ट्रपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिमण्डल 15. राज्य विधान मण्डल 16. जम्मू कश्मीर राज्य, विशेष क्षेत्रों का प्रशासन खण्ड-5 स्थानीय स्व-शासन 16. स्थानीय स्व-शासन संकल्पना, विकास

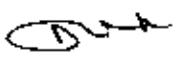
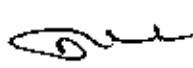

 कुल-सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हल्द्वानी (मैनीसाल)

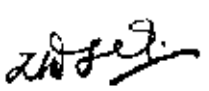
17. काल मानक 18. महत्वा गोदी 19. याओवेरुग	17. 73वीं, 74वीं संविधान संशोधन 18. पंचायती राज संस्थाएं- गठन, कार्य एवं शक्तियां 19. नगरीय स्वशासन- गठन, कार्य एवं शक्तियां खण्ड-6 संवैधानिक संस्थाएं 20. संप्रदाय सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग 21. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, निर्वाचन आयोग 23. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग 24. भाषा, राष्ट्रभाषा आयोग
बी0ए0 तृतीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत (BAPS- 301)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत में लोक प्रशासन (BAPS- 302)
खण्ड-1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति 1. परिभाषा, क्षेत्र व प्रकृति, स्वयत्त विषय 2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के उपक्रम- ज्ञासीय एवं आधुनिक 3. राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, 4. शक्ति सन्तुलन, सामूहिक सुरक्षा 5. राष्ट्रीय स्थिति खण्ड-2 द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् विश्व राजनीति 6. शीत युद्ध का उदय व अन्त 7. नव शीत युद्ध, शस्त्रीकरण की होड़ 8. नाभिकीय प्रसार एवं नियन्त्रण के उपग्र 9. भूमण्डलीकरण खण्ड-3 विश्व राजनीति का क्षेत्रीयकरण 10. यूरोपीय संघ 11. आसियान 12. एपेक, नास्टा खण्ड-4 भारत की विदेश नीति-1 13. भारत की विदेश नीति, विदेश नीति के निर्धारक तत्व 14. गुटनिष्ठ अग्रदोहन एवं उसकी प्रसंगिकता 15. भारत की दक्षेस नीति, आसियान एवं पूर्व की ओर देखो नीति खण्ड-5 भारत की विदेश नीति-2 16. भारत व अफ्रीका 17. भारत व रूस 18. भारत व चीन 19. भारत व पश्चिम एशिया	खण्ड-1 भारतीय प्रशासन 1. भारतीय प्रशासन का विकास 2. भारतीय प्रशासन की विशेषताएं 3. भारतीय प्रशासन सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व संवैधानिक पर्यावरण 4. भारतीय संविधान की विशेषताएं खण्ड-2 संघीय शासन-1 5. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति 6. प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद 7. संसद- लोक सभा और राज्य सभा 8. मन्त्रिमंडलीय सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय खण्ड-3 संघीय शासन-2 9. राजनीति और प्रशासन में सम्बन्ध 10. केन्द्र-राज्य सम्बन्ध खण्ड-3 राज्य शासन 11. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मन्त्रिपरिषद 12. राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव खण्ड-4 लोक सेवाएं और अखिल भारतीय सेवाएं 13. लोक सेवाएं- अर्थ, कार्य आधुनिक प्रवृत्तियां, विशेषताएं 14. अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द्रीय सेवाएं, भारी, प्रशिक्षण 15. भारत में प्रशासनिक सुधार 16. जन शिक्षायात निवाण, लोकपाल, लोकश्रेया में रुढस्था 17. प्रशासन में भ्रष्टाचार खण्ड-5 वितीय प्रशासन एवं समितिना 18. भारत में वित्तीय प्रक्रम व बजट निर्माण प्रक्रिया 19. सर्वजनिक व्यय पर नियन्त्रण- विधायी, कार्यकारी, न्यायिक 20. लोक लेखा समिति, अनुमान समिति, लोक उपक्रमों पर समिति विभागीय समितियां, निर्वचक - यहसेखा परीक्षण 21. लेखाकन, लेखा परीक्षण खण्ड-6 स्थानीय स्वशासन 22. पंचायती राज, 73 वीं संवैधानिक संशोधन 23. नगरीय स्थानीय सरकार 74 वीं संवैधानिक संशोधन 24. स्वतन्त्रता पञ्चमि गिला प्रशासन, जिलाधिकारी
बी0ए0 प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- लोक प्रशासन के सिद्धान्त (BAPA- 101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत में लोक प्रशासन (BAPA- 102)
खण्ड- 1 लोक प्रशासन के सिद्धान्त 1. लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, महत्व 2. लोक प्रशासन के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण 3. लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन 4. लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन 5. लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध खण्ड- 2 विकास प्रशासन व तुलनात्मक लोक प्रशासन 6. विकास प्रशासन अर्थ, विशेषताएं, क्षेत्र 7. विकसित और विकासशील देशों में विकास प्रशासन 8. तुलनात्मक लोक प्रशासन अर्थ, क्षेत्र एवं अध्ययन के दृष्टिकोण 9. लोक प्रशासन एवं लोक नीति खण्ड- 3 लोक प्रशासन में संगठन 10. संगठन-महत्व, अर्थ, औपचारिक संगठन, असौपचारिक संगठन 11. संगठन की विचारधाराएं- शासीय, मानव संबंध विषयक, व्यवस्था विचारधारा 12. संगठन के सिद्धान्त- पद सौपन, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की प्रकृति 13. सम्बन्ध, श्रमशोहन, पर्यवेक्षण केन्द्रीकरण, विवेकीकरण	खण्ड- 1 भारतीय प्रशासन 1. भारतीय प्रशासन का विकास 2. भारतीय प्रशासन की विशेषताएं 3. भारतीय प्रशासन सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व संवैधानिक पर्यावरण 4. भारतीय संविधान की विशेषताएं खण्ड- 2 संघीय शासन-1 5. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति 6. प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद 7. संसद- लोक सभा और राज्य सभा 8. मन्त्रिमंडलीय सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय खण्ड- 3 संघीय शासन-2 9. राजनीति और प्रशासन में सम्बन्ध 10. केन्द्र-राज्य सम्बन्ध खण्ड- 4 राज्य शासन 11. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मन्त्रिपरिषद 12. राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (निजीताला)

खण्ड-4 लोक प्रशासन में संगठन 14. मुख्य कार्यपालिका 15. सूत्र तथा स्टाफ 16. भर्ती, प्रशिक्षण एवं प्रमोशन खण्ड-5 लोक प्रशासन पर नियंत्रण, प्रबन्ध और नेतृत्व 17. लोक प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी नियंत्रण, कार्यकारी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण 18. प्रबन्ध: अर्थ, प्रकृति, सहभाग प्रबन्ध, अर्थ प्रबन्ध की कसौटियाँ 19. नेतृत्व, नीति निर्धारक तथा निर्णय करना खण्ड-6 नियोजन, नौकरशाही और लोकसेवा 20. नियोजन: अर्थ, प्रकार, नियोजन, प्रक्रिया, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद 21. नौकरशाही-अर्थ, नौकरशाही के प्रकार, गुण, दोष, मैक्स वेबर की नौकरशाही 22. लोकसेवा का अर्थ, कार्य, भारत में आखिल भारतीय सेवाएं, भारतीय प्रशासनिक सेवा	खण्ड-5 लोक सेवाएं और आखिल भारतीय सेवाएं 13. लोक सेवाएं- अर्थ, कार्य आधुनिक प्रवृत्तियाँ, विशेषताएं 14. आखिल भारतीय सेवाएं, केन्द्रीय सेवाएं, भर्ती, प्रशिक्षण 15. जन शिकायत निवारण, लोकपाल, लोकसेवा में तटस्थता 16. प्रशासन में भ्रष्टाचार खण्ड-6 वित्तीय प्रशासन एवं समिति 17. भारत में वित्तीय प्रबन्ध व बजट निर्माण प्रक्रिया 18. सार्वजनिक व्यय पर नियंत्रण- विधायी, कार्यकारी, न्यायिक 19. लेखांकन, लेखा परीक्षण खण्ड-7 स्थानीय स्वशासन 20. पंचायती राज, 73 वीं संवैधानिक संशोधन 21. न्यायीय स्थानीय सरकार, 74 वीं संवैधानिक संशोधन 22. स्वतन्त्रता पञ्चान्न जिला प्रशासन, जिलाधिकारी
चौथे द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन) (BAPA- 201) प्रथम प्रश्न-पत्र- प्रबन्ध के सिद्धान्त खण्ड-1 प्रबन्ध का अर्थ और प्रकृति 1. प्रबन्ध- अर्थ, प्रकृति, कार्य 2. सहभाग प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ 3. प्रबन्ध और लोक प्रशासन खण्ड-2 नेतृत्व और नीति निर्माण 4. नेतृत्व: आवश्यकता, अर्थ, प्रकृति, नेतृत्व के गुण, नेतृत्व का विकास 5. नीति निर्धारण: महत्व, अर्थ, नीति और प्रशासन 6. नीति का निर्माण, भारत में नीति निर्माण खण्ड-3 निर्णय 7. निर्णय करना: महत्व, अर्थ, प्रकृति, निर्णय करने का आधार 8. निर्णय करने की समस्याएँ, नीति निर्धारण एवं हार्बर्ट साइमन खण्ड-4 नियोजन 9. नियोजन क्यों? नियोजन-अर्थ, नियोजन के प्रकार, नियोजन की प्रक्रिया 10. योजना का निर्धारण- योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद 11. भारत में नियोजन की प्रशासकीय समस्याएँ 12. योजना का प्रशासनिक ढांचा- परिवर्तन की रूपरेखा, जन सहयोग खण्ड-5 लोक संबंध 13. लोक सम्बन्ध- आवश्यकता, अर्थ तथा प्रकृति 14. लोक सम्बन्ध के उपकरण तथा प्रविधियाँ- प्रचार, व्यक्तिगत सम्पर्क सीधा पत्राचार खण्ड-6 सम्बन्ध, प्रस्थापन, संघार और पर्यवेक्षण 15. सम्बन्ध 16. प्रस्थापन 16. संघार 18. पर्यवेक्षण	(BAPA- 202) द्वितीय प्रश्न-पत्र- सामाजिक कल्याण प्रशासन खण्ड-1 सामाजिक प्रशासन- परिचय 1. सामाजिक प्रशासन का विकास 2. सामाजिक प्रशासन- अर्थ, विशेषता और महत्व 3. सामाजिक कल्याणकारी राज्य और प्रशासन खण्ड-2 सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय 4. सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय 5. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय- संरचना, कार्य, भूमिका 6. महिला एवं शिशु कल्याण विभाग: संरचना, कार्य, भूमिका 7. भारतीय सचिवालय में समाज कल्याण संबंधी उपग्रन्थ: महिलाओं और अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में खण्ड-3 समाज कल्याण संबंधी संवैधानिक संरक्षण 8. मानव अधिकार और मानव अधिकार आयोग 9. राष्ट्रीय महिला आयोग 10. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग 11. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग 12. राष्ट्रीय शिक्षा आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग खण्ड-4 राज्य, जिला और स्थानीय स्तर पर समाज कल्याण प्रशासन 13. राज्य और जिला स्तर पर सामाजिक कल्याण प्रशासन 14. सामाजिक कल्याण विभाग- संरचना, कार्य और भूमिका 15. स्थानीय स्तर पर सामाजिक कल्याण प्रशासन खण्ड-5 समाज कल्याण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका 16. गैर-सरकारी संगठन की विशेषताएँ 17. स्वयं सहायता समूह, नागरिक प्रयास, नागरिक हार्ड, स्वेचिक समूह 18. गैर-सरकारी संगठनों की समाज कल्याण में भूमिका
चौथे तृतीय वर्ष (लोक प्रशासन) (BAPA- 301) प्रथम प्रश्न-पत्र- लोकनीति खण्ड-1 लोकनीति का परिचय 1. लोकनीति: अर्थ और प्रकृति 2. नीति चक्र: नीति निर्माण की भाषाएँ 3. लोकनीति निर्माण का माहौल 4. लोकनीति के अध्ययन का महत्व: आधुनिक पौरुष खण्ड-2 नीति निर्माण: संरचना और प्रक्रिया-1 5. नीति निर्माण में राजनीतिक कार्यपालिका की भूमिका 6. नीति निर्माण में अधिकारी तन्त्र की भूमिका 7. नीति निर्माण में विधायी संसद की भूमिका खण्ड-3 नीति निर्माण: संरचना और प्रक्रिया-2 8. नीति निर्माण में न्यायपालिका की भूमिका 9. विभिन्न अंगों के बीच अन्तःक्रिया 10. भारत में नीति निर्माण प्रक्रिया: बहुआयामी प्रक्रिया का उन्मूलन- अधिनियम 1976 खण्ड-4 लोकनीति निर्माण: मुख्य निर्धारक 11. हित समूह एवं नीति निर्माण 12. राजनीतिक दल एवं नीति निर्माण 13. जन संघर्ष माध्यम 14. सामाजिक आन्दोलन 15. अन्तर्राष्ट्रीय एवम् अन्तरांग	(BAPA- 302) द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रशासनिक चिंतक खण्ड-1 कौटिल्य, बुद्धो विल्सन 1. कौटिल्य 2. बुद्धो विल्सन खण्ड-2 फेल्डर, चिन्सलो टेलर, मेयर, कार्ल मार्क्स 3. हेनरी फेल्डर 4. फ्रेडरिक चिन्सलो टेलर 5. मैक्स वेबर 6. कार्ल मार्क्स खण्ड-3 लुथर गुलिक, लिण्डल उर्विक, मेरी पार्कर फालेट 7. लुथर गुलिक 8. लिण्डल उर्विक 9. मेरी पार्कर फालेट खण्ड-4 मेयो, सेस्टर आई बर्नार्ड, हर्बर्ट ए० साइमन 10. लॉर्ड एल्टन मेयो 11. सेस्टर आई बर्नार्ड 12. हर्बर्ट ए० साइमन खण्ड-5 अल्फ्रेड मास्लो, डगलस मैकग्रेगर, क्रिस् अर्नोल्ड, फ्रेडरिक हर्जबर्ग 13. अल्फ्रेड मास्लो 14. डगलस मैकग्रेगर


 मुकुट सिंह
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (भैरौताल)

खण्ड-5 नीति निष्पादन 16. नीति निष्पादन में सरकारी एजेंसियों की भूमिका 17. नीति निष्पादन में गैर-सरकारी एजेंसियों की भूमिका 18. नीति निष्पादन की समस्याएं खण्ड-6 नीतिगत इस्तेमाल: वृत्त अपभ्रंश 19. प्रसिद्धि 20. गरीबी: उन्मुक्त कार्यक्रम 21. पंचायती राज 22. नीति प्रभाव एवं मूल्यांकन	15. क्रिस अग्रीसिस, फ्रेडरिक हर्बेन खण्ड-6 रैसिम लिक्ट, एफ0 डब्ल्यू0 रिम, आर0 कै0 मर्टन 16. रैसिम लिक्ट 17. एफ0 डब्ल्यू0 रिम 18. आर0 कै0 मर्टन 
बी0ए0 प्रथम वर्ष (समाजशास्त्र)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- समाजशास्त्र: एक परिचय (BASO-101) खण्ड-1 समाजशास्त्र: एक परिचय इकाई 1- समाजशास्त्र का अर्थ परिभाषा एवं प्रकृति इकाई 2 क्षेत्र एवं विषय-वस्तु इकाई 3. एक वैज्ञानिक विषय के रूप में समाजशास्त्र का उद्भव इकाई 4 समाजशास्त्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञान खण्ड-2 आधारभूत समाजशास्त्रीय अवधारणाएं इकाई 5. समाज: अवधारणा, प्रकार एवं विशेषताएं इकाई 6 समुदाय: अर्थ एवं विशेषताएं इकाई 7 भूमिका एवं प्रतीक्षा: अर्थ एवं प्रकार इकाई 8 संस्कृति: अर्थ, परिभाषा प्रकार विशेषताएं एवं रीतिरिवाज इकाई-9 मानदण्ड प्रतिमान एवं रीतिरिवाज खण्ड-3 सामाजिक संरचना एवं सामाजिक स्तरीकरण इकाई-10 सामाजिक संरचना इकाई-11 सामाजिक स्तरीकरण-अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार इकाई-12 सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त इकाई-13 वर्ग-अर्थ प्रकार एवं निर्धारक खण्ड-4 सामाजिक समूह एवं संस्थाएं इकाई-14 सामाजिक समूह: अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएं इकाई-15 सामाजिक समूह: प्राथमिक व इकाई-16 संस्थिति इकाई-17 संस्थाएं: विवाह, परिवार एवं धर्म खण्ड-5 सामाजिक प्रक्रियाएँ इकाई-18 सामाजिक प्रक्रियाएँ: अर्थ एवं प्रकार इकाई-19 सामाजिक सहयोगी प्रक्रियाएँ: सहयोग, अनुकूलन, संयोजन एवं समावेश इकाई-20 विध्वंसकारी प्रक्रियाएँ: प्रतिक्रियाशीलता एवं संघर्ष इकाई-21 समाजीकरण: परिभाषा, प्रकार एवं अधिकरण 	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारत में समाज: संरचना एवं परिवर्तन (BASO-102) खण्ड-1 भारतीय समाज: एक परिचय इकाई 1 - भारतीय समाज की विशेषताएँ इकाई 2- भारतीय समाज के आधार: वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, धर्म एवं कर्मइकाई 3 - पुरुषार्थ एवं संस्कार इकाई 4 - भारत में विविधता में एकता खण्ड-2 भारतीय समाज की आधारभूत संस्थाएं इकाई 5 - विवाह इकाई 6- परिवार इकाई 7- नातेदारि इकाई 8- जाति खण्ड-3 भारतीय समाज में काम और वर्ग इकाई 9 महिला इकाई 10 अनुसूचित जाति इकाई 11- अनुसूचित जनजातियाँ इकाई 12 - अन्य पिछड़े वर्ग इकाई 13 - एस0 सी0, एस0 टी0 एवं ओ0 बी0 सी0 हेतु वैधानिक एवं संविधानिक सुरक्षा उपाय खण्ड-4 भारतीय समाज की संरचना एवं संघटन इकाई 14 - जनजातीय समाज इकाई 15 - ग्रामीण समाज इकाई 16 - नगरीय समाज 
बी0ए0 द्वितीय वर्ष (समाजशास्त्र)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- सामाजिक नियंत्रण और परिवर्तन (BASO-201) खण्ड-1 इकाई 1. सामाजिक नियंत्रण: अवधारणा, महत्व तथा प्रकार इकाई 2. परिवार इकाई 3. जनप्रतिष्ठा तथा लोकाचम इकाई 4. धर्म एवं नैतिकता खण्ड-2 इकाई 5 सामाजिक परिवर्तन एवं प्रकार इकाई 6. उद्दिष्टपूर्ण प्रगति एवं क्रान्ति इकाई 7 सामाजिक परिवर्तन के जनसंख्यात्मक कारक इकाई 8 सामाजिक परिवर्तन के प्रौद्योगिकीय कारक इकाई 9 सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक एवं सांस्कृतिक कारक खण्ड-3 इकाई 10 पद्धिमीकरण इकाई 11 आधुनिकीकरण इकाई 12 औद्योगिकीकरण खण्ड-4 इकाई 13 क्रांतीकरण इकाई 14 धर्मनिरपेक्षीकरण इकाई 15 सार्वभौमिकरण 	द्वितीय प्रश्न-पत्र- सामाजिक अनुसंधान विधि (BASO-202) इकाई-1 सामाजिक अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य व प्रकृति इकाई-2 सामाजिक शोध के चरण इकाई-3 अनुसंधान के प्रकार : विशुद्ध, व्यावहारिक तथा क्रियात्मक इकाई-4 शोध प्रारूप इकाई-5. सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अंतर इकाई-6 उपकायना : अर्थ, आवश्यकता एवं खोत इकाई-7 निर्देशन इकाई-8 सूचनाओं के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत इकाई-9 अवलोकन इकाई-10 अनुसूची इकाई-11 प्रश्नावली इकाई-12 वैयक्तिक अध्ययन इकाई-13 साक्षात्कार इकाई-14 तथ्यों के वर्गीकरण व सारणीयन इकाई-15 सांख्यिकी इकाई-16 केन्द्रीय प्रवृत्तियों का मापन 
बी0ए0 तृतीय वर्ष (समाजशास्त्र)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- सामाजिक विचारधारा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारतीय सामाजिक समस्याएं


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार (Uttarakhand)

(BASO-301) खण्ड-1- इकाई-1. सामाजिक नियंत्रण: अक्षयधारा, महत्त्व तथा प्रकार इकाई-2. परिवार इकाई-3. जनप्रतिभा तथा लोकशासन इकाई-4. धर्म एवं नैतिकता खण्ड-2 इकाई-5. सामाजिक परिवर्तन एवं प्रकार इकाई-6. उद्दिष्टासंग प्रगति एवं कार्य इकाई-7. सामाजिक परिवर्तन के जनसंख्यात्मक कारक इकाई-8. सामाजिक परिवर्तन के प्रौद्योगिकीय कारक इकाई-9. सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक एवं संस्कृतिक कारक खण्ड-3 इकाई-10. पश्चिमीकरण इकाई-11. आधुनिकीकरण इकाई-12. औद्योगिकीकरण खण्ड-4 इकाई-13. शहरीकरण इकाई-14. पर्यावरणीय परिवर्तन इकाई-15. सार्वभौमिकीकरण	(BASO-302) इकाई-1 सामाजिक संघर्ष इकाई-2. सामाजिक संघर्ष इकाई-3. लोकशासन इकाई-4. प्रत्यक्ष इकाई-5. शहरी इकाई-6. शहरीकरण इकाई-7. शहरीकरण इकाई-8. सामाजिक विचार इकाई-9. अपराध और अपराधों का अर्थ इकाई-10. अपराध और अपराध इकाई-11. अपराध इकाई-12. अपराध इकाई-13. अपराध इकाई-14. अपराध
(BAEC-101) प्रथम प्रश्न-पत्र- समाधि अर्थशास्त्र खण्ड-1 परिचय इकाई-1 अर्थशास्त्र का स्वरूप इकाई-2 समाधि परक तथा समाधि परक अर्थशास्त्र इकाई-3 आर्थिक स्थिति तथा प्राथमिकी एवं सामान्य संतुलन विश्लेषण इकाई-4 अर्थशास्त्र का अर्थशास्त्र खण्ड-2 उपभोक्ता व्यवहार इकाई-5 गणनात्मक विश्लेषण इकाई-6 मांग का नियम इकाई-7 मांग एवं पूर्ति की लोच इकाई-8 उपभोक्ता बचत खण्ड-3 उपभोक्ता व्यवहार इकाई-9 उपभोक्ता बचत विश्लेषण इकाई-10 आर्थिक प्रभाव, प्रतिस्पर्धा तथा कीमत प्रभाव एवं अर्थशास्त्र का अर्थशास्त्र इकाई-11 उत्पादन अर्थशास्त्र खण्ड-4 उत्पादन तथा लागत सिद्धान्त इकाई-12 लागत एवं लागत इकाई-13 उत्पादन फलन और परिवर्तनशील अनुपातों का नियम इकाई-14 समतुल्य वक्र, साधनों का न्यूनतम लागत समीक्षा एवं पैमाने के प्रतिफल खण्ड-5 बाजार संरचना एवं कीमत निर्धारण इकाई-15 पूर्ण प्रतियोगिता इकाई-16 एकाधिकार प्रतियोगिता इकाई-17 एकाधिकार प्रतियोगिता इकाई-18 अल्पाधिकार प्रतियोगिता खण्ड-6 वितरण का सिद्धान्त इकाई-19 वितरण का सिद्धान्त एवं सामान्य उत्पादकता सिद्धान्त इकाई-20 वितरण का सिद्धान्त इकाई-21 वितरण का सिद्धान्त इकाई-22 वितरण का सिद्धान्त इकाई-23 वितरण का सिद्धान्त	(BAEC-102) द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारतीय अर्थव्यवस्था खण्ड-1 भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना इकाई-1 भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं इकाई-2 राष्ट्रीय आय और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-3 जनसंख्या मानवीय संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-4 अर्थ-संरचना प्राकृतिक संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था खण्ड-2 भारत में आर्थिक विकास की समस्याएं इकाई-5 शहरी इकाई-6 शहरीकरण इकाई-7 आर्थिक असमानता इकाई-8 मुद्रा स्थिति एवं बाह्य मुद्रा खण्ड-3 आर्थिक नियोजन इकाई-9 आर्थिक नियोजन की प्रासंगिकता एवं योजना निर्माण प्रक्रिया इकाई-10 आर्थिक नियोजन की उपलब्धियां (आंतरिक पैचवर्थीय योजना तक) इकाई-11 केंद्र-राज्य सम्बन्ध इकाई-12 योजना का विवरण खण्ड-4 कृषि और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-13 भारत में कृषि की प्रकृति महत्त्व एवं नवीन वस्तु रचना इकाई-14 भारत में कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता की प्रवृत्तियां इकाई-15 कृषि साधन एवं कृषि विपणन खण्ड-5 औद्योगिक संरचना एवं वितीय एवं भुगतान और लोक वित्त संरचना इकाई-16 औद्योगिक नीति एवं उद्योगीकरण इकाई-17 औद्योगिक संरचना एवं उपलब्धियां इकाई-18 लघु उद्योग इकाई-19 भारतीय वित्तीय एवं मुद्रा बाजार और लोक वित्त संरचना खण्ड-6 भूगर्भसंशोधन एवं भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई-20 भूगर्भसंशोधन एवं भारतीय कृषि इकाई-21 विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन इकाई-22 उद्योगीकरण के दौर सार्वजनिक क्षेत्र इकाई-23 विश्व व्यापार संगठन एवं भारत
(BAEC-201) प्रथम प्रश्न-पत्र- समाधि अर्थव्यवस्था खण्ड-1 परिचय इकाई-1 समाधि अर्थव्यवस्था की प्रकृति, जटिल और विकास इकाई-2 राष्ट्रीय आय अवधारणा एवं संरचना इकाई-3 राष्ट्रीय आय माप एवं संशोधन खण्ड-2 समाधि आर्थिक सिद्धान्त इकाई-4 वित्तसिद्धांत इकाई-5 वित्तसिद्धांत	(BAEC-202) द्वितीय प्रश्न-पत्र- उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था खण्ड-1 अर्थव्यवस्था की संरचना इकाई-1 उत्तराखण्ड अर्थव्यवस्था की विशेषताएं इकाई-2 मानवीय संसाधन एवं जनसंख्या इकाई-3 प्राकृतिक संसाधन इकाई-4 अर्थ संरचना खण्ड-2 उत्तराखण्ड का नियोजन इकाई-5 आर्थिक नियोजन के उद्देश्य एवं रणनीतियां

मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

इकाई-6 उपभोग फलन एवं सिद्धान्त इकाई-7 निवेश फलन एवं गुणक के सिद्धान्त इकाई-8 त्वरण एवं विवेकित व्यापार गुणक खण्ड-3 मुद्रा, व्यापार और कीमत इकाई-9 मुद्रा की प्रकृति, कार्य और पूर्ति इकाई-10 व्यापार के सिद्धान्त इकाई-11 कीमत का मुद्रा और कीमत का सिद्धान्त इकाई-12 मुद्रा की माँग का केन्द्रीय सिद्धान्त खण्ड-4 स्थिति, समष्टि आर्थिक नीतियाँ एवं बैंकिंग इकाई-13 मुद्रा स्थिति एवं केन्द्रीयता इकाई-14 केन्द्रीय बैंक के मौद्रिक नीति के यंत्र इकाई-15 राजकोषीय नीति के यंत्र इकाई-16 साख निर्माण एवं नियन्त्रण खण्ड-5 आर्थिक विकास एवं व्यापार चक्र इकाई-17 आर्थिक विकास का प्रतिष्ठित सिद्धान्त इकाई-18 आर्थिक विकास का पैराड-डोमर प्राप्ति इकाई-19 व्यापार चक्र का मौद्रिक सिद्धान्त इकाई-20 व्यापार चक्र का गुणक चक्र सिद्धान्त	इकाई-6 निवोधन के साठ वर्ष एवं ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना इकाई-7 परीची और सेरोजारी इकाई-8 क्षेत्रीय असमानता एवं जनजातीय विकास खण्ड-3 कृषि क्षेत्र इकाई-9 उत्तराखण्ड के कृषि आगत, उत्पादन और कृषि उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ इकाई-10 भूमि सुधार एवं नवीन कृषि की रणनीतियाँ इकाई-11 पशुपालन, मत्स्य एवं शेत ज्ञानि इकाई-12 प्राचीन एवं कृषि विज्ञान खण्ड-4 उत्तराखण्ड का औद्योगिक विकास इकाई-13 औद्योगिक संरचना इकाई-14 लघु, ग्रामोद्योग का विकास एवं प्रमुख समस्याएँ इकाई-15 औद्योगिक नीति इकाई-16 औद्योगिक विकास हेतु सहयोगी संस्थाएँ खण्ड-5 सेवा क्षेत्र इकाई-17 सामाजिक क्षेत्र इकाई-18 बैंकिंग एवं वित्त क्षेत्र इकाई-19 लोक वित्त संरचना एवं क्षेत्रीय व्यापार इकाई-20 पर्यटन उद्योग एवं पर्यावरण
चौथे पाठ्य वर्ष (अर्थशास्त्र)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- आर्थिक गणितीय विधियाँ एवं प्रारम्भिक सांख्यिकी (BAEC-301) खण्ड 1- आर्थिक गणितीय विधियाँ इकाई-1 समुच्चय सम्बन्ध एवं फलन इकाई-2 अवकलन एवं आर्थिक सिद्धान्त में इसका प्रयोग इकाई-3 समाकलन एवं आर्थिक सिद्धान्त में इसका प्रयोग इकाई-4 अनुकूलतम समीकरण एवं आणविक (मैट्रिक्स) का परिचय इकाई-5 सारणीक एवं आणविक निर्गत सारणी विवेचन खण्ड 2- आँकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण इकाई-6 आँकड़ों के संकलन की विधियाँ इकाई-7 आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ इकाई-8 केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप इकाई-9 अपविक्षण की माप खण्ड 3-विचारा आँकड़े, महसाम्बन्ध एवं प्रतीपगमन इकाई-10 विषयता तथा प्रवृत्तित्व इकाई-11 विचारा आँकड़ों का विश्लेषण इकाई-12 सहसम्बन्ध विश्लेषण इकाई-13 प्रतीपगमन विश्लेषण खण्ड 4- सूचकांक, कालक्रमणी तथा प्राधिकता इकाई-14 अन्तरागणन एवं बाह्यगणन इकाई-15 सूचकांक इकाई-16 काल श्रेणी विश्लेषण इकाई-17 प्राथमिक प्राधिकता एवं प्राधिकता घटन विश्लेषण खण्ड 5-जन्म-मृत्यु सांख्यिकीय विश्लेषण एवं सांख्यिकी सर्वेक्षण संस्थाएँ इकाई-18 द्विपद प्रमेय इकाई-19 आँकड़ों का टी-टेस्टएफ-टेस्ट परीक्षण इकाई-20 जन्म-मृत्यु सांख्यिकीय विश्लेषण इकाई-21 राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एवं राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मुद्रा बैंकिंग, लोक वित्त एवं अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र (BAEC-302) खण्ड 1- प्रस्तावना इकाई-1 मुद्रा की रूपरेखा, परिभाषा एवं कार्य इकाई-2 मुद्रा का वर्गीकरण इकाई-3 मौद्रिकभार, स्वर्णमान एवं पत्र मुद्रापान खण्ड 2- मुद्रा का मूल्य, सिद्धान्त और स्थिति इकाई-4 मुद्रा के मूल्य निर्धारण के परम्परागत सिद्धान्त (फिशर व कैमिन्स आदि) इकाई-5 मुद्रा के मूल्य निर्धारण के आधुनिक सिद्धान्त (प्रीडमिन) इकाई-6 मुद्रा स्थिति, अक्षमस्थिति, विस्फीति, संस्फीति एवं स्फीतिबद्ध गतिरोध खण्ड 3- वाणिज्यिक बैंकिंग इकाई-7 वाणिज्यिक बैंकिंग अर्थ, कार्य एवं विकास इकाई-8 वाणिज्यिक बैंकों की साख-मुजान की प्रक्रिया इकाई-9 बैंकों का राष्ट्रीयकरण एवं पक्षतु प्राप्ति का मूल्यांकन इकाई-10 आर्थिक सुधार काल में वाणिज्यिक बैंकों में हुए सुधार एवं नवीन नीतियाँ खण्ड 4- केन्द्रीय बैंकिंग इकाई-11 केन्द्रीय बैंक कार्य एवं सिद्धान्त (सिबर्व बैंक ऑफ इण्डिया) इकाई-12 साख-नियन्त्रण परिमाणमत्तक एवं गुणमत्तक विधियाँ इकाई-13 मुद्रा-पूर्ति अवधारणा, अवयव एवं निर्धारक तत्व खण्ड 5- राजस्व की प्रकृति क्षेत्र एवं सिद्धान्त इकाई-14 राजस्व का आशय विषय वस्तु एवं निजी वस्तुएँ और सार्वजनिक वस्तुएँ इकाई-15 अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त इकाई-16 सार्वजनिक आय-व्यय इकाई-17 बजट एवं निर्माण प्रक्रिया खण्ड 6- अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र इकाई-18 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वसास्मिक्त सिद्धान्त इकाई-19 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधुनिक सिद्धान्त इकाई-20 व्यापार की शर्तें और मुक्त व्यापार-संरक्षण एवं भुगतान संतुलन इकाई-21 विदेशी विनिमय एवं स्थित्यन्त्र
पाँचवें पाठ्य वर्ष (इतिहास)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- प्राचीन भारत का इतिहास (BAHI-101) खण्ड 1- इक्ष्वा संख्या इकाई 1- इक्ष्वा संख्या, विस्तार, क्षेत्र तथा कालक्रम इकाई 2- इक्ष्वा संख्या की उत्पत्ति, विकास, निरुद्धता तथा विवेचनाएँ इकाई 3- इक्ष्वा संख्या के महत्वपूर्ण नगर एवं कस्बे, धार्मिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन, विदेशी व्यापार एवं सम्पर्क इकाई 4- इक्ष्वा संख्या की भाषा, लिपि, एवं पतन खण्ड 2- वेदयुगीन भारत इकाई 1- आर्य जाति एवं आर्यों का मूलनिवास स्थान इकाई 2- भारत में आर्यों का आगमन, आर्यों का विस्तार एवं वैदिक साहित्य। इकाई 3- वैदिक युग में धार्मिक विचार एवं धार्मिक अनुष्ठान इकाई 4- वैदिकयुगीन सामाजिक तथा आर्थिक जीवन	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मध्यकालीन भारत का इतिहास (BAHI-102) खण्ड 1- इस्लाम का आगमन इकाई 1- इस्लाम का आगमन तथा भारतीय संस्कृति में इस्लाम का प्रभाव इकाई 2- अरब आक्रमण के समय भारत की स्थिति तथा अरबों के आक्रमणों का प्रभाव इकाई 3- प्रह्लद गजनी एवं मोहम्मद गौरी के आक्रमणों का प्रभाव इकाई 4- तुर्क आक्रमण की पूर्व संस्था में भारत की राजनैतिक, धार्मिक, आर्थिक दशा खण्ड 2- सल्तनतकालीन इतिहास -1206 ई० से 1526 ई० इकाई 1- गुलाम बंश: कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रनिया तथा बलबन। इकाई 2- गलाउद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, बानार नियन्त्रण नीति, एवं सैनिक उपलब्धियाँ। इकाई 3- तुगलक बंश, मोहम्मद बिन तुगलक की नीतियाँ, क्रिजबहाल तुगलक के सुधार एवं धार्मिक नीति। इकाई 4- बहलोला लोदी, सिकन्दर लोदी, इब्राहिम लोदी एवं सामाजिक स्थिति।


 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हल्द्वानी (मैत्रीताल)

खण्ड-3: इतिहास क्षेत्र तथा महत्व इकाई 1- इतिहास की परिभाषा क्षेत्र तथा महत्व इकाई 2- प्राचीन भारतीय इतिहास के क्षेत्र इकाई 3- प्राचीन भारत में वर्ण व्यवस्था, आर्य व्यवस्था, पुरुषार्थ तथा जति व्यवस्था इकाई 4- संस्कार तथा उनके प्रकार एवं महत्व, विवाह तथा उनके प्रकार एवं महत्व खण्ड-4: छठी शताब्दी ई.पू. से तृतीय शती ई.पू. तक भारत इकाई 1- महावीर स्वामी: दार्शनिक विचारधारा, चिन्तन, जैन साहित्य एवं स्थापत्य कला इकाई 2- महात्मा बुद्ध: बौद्ध धर्म, बौद्ध धर्म का विस्तार, बौद्ध धर्म दर्शन-महायान, हीनयान, भारतीय संस्कृति को बौद्ध धर्म की देन, पतन के कारण इकाई 3- मौर्य साम्राज्य: चन्द्रगुप्त मौर्य विन्दुसार तथा अशोक इकाई 4- मौर्यकालीन भारत का सामाजिक तथा आर्थिक जीवन, मौर्यकालीन कला, मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण खण्ड-5: प्राचीन भारत: गुप्त साम्राज्य इकाई 1- गुप्त साम्राज्य: चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त चन्द्रगुप्त द्वितीय तथा उनकी सफलताएं इकाई 2- गुप्तकाल में व्यापार तथा वाणिज्य इकाई 3- गुप्तकालीन एवं हर्षकालीन सांस्कृतिक जीवन इकाई 4- प्राचीन भारत में महिलाओं की स्थिति तथा उनके अधिकार खण्ड-6: संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली इकाई 1- सप्त सैन्य, दशराज युद्ध, भारतवर्ष, वंशज, हरषपिया, दिलचन तथा मकन, बोगनकोई, भाटदेवी, सभा-समिति, ब्या, धृति, स्मृति इकाई 2- कर्म का सिद्धान्त, वेदांग, वेदांत, ससांग, धर्मद्विती, निबोग, तपस्या, सन्देहवाद, भौतिकवाद, आन्वीक्षिक, आस्तिकवाद, प्रामाण्यवाद इकाई 3- धर्मविजय, स्तूप, चैत्य, नीति शास्त्र, धर्मसूत्र, तपिरा संगम, पाली, प्राकृत, लौकिक संस्कृत, यवन, बोधिसत्व, तीर्थंकर, तमिसारुप, हलदण्ड इकाई 4- शिष्टि, प्रभय, सीता, खी- धन, प्रतिलोम विवाह, अनुलोम विवाह, वर्ण शंकर, गोत्र तथा प्रवर, राजतन्त्र गणराज्य मत्स्य-नाग, अग्रहार ब्रह्मराज्य दशमार्ग	खण्ड-3: सहस्रतन्त्रकालीन: सम्राज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था इकाई 1- बहमनी तथा विजयनगर साम्राज्य इकाई 2- सहस्रतन्त्रकालीन अर्थव्यवस्था एवं समाज इकाई 3- दिल्ली सल्तनत का प्रशासन, स्थापत्य एवं साहित्य इकाई 4- सहस्रतन्त्रकालीन राजस्व व्यवस्था खण्ड-4: मुगलकालीन- भारत इकाई 1- मुगल राज्य व्यवस्था: बाबर, हुमायूँ तथा शेरशाह इकाई 2- अकबर उसकी धार्मिक एवं राजपूत नीति तथा जहांगीर इकाई 3- शाहजहाँ, औरंगजेब: धार्मिक तथा दक्षिणी नीति इकाई 4- मुगलों के राज्य का सिद्धान्त खण्ड-5: मुगलकालीन भारत इकाई 1- मुगल प्रशासन का ऋष, विश्व व्यवस्था, मनसबदारी व्यवस्था इकाई 2- मुगलकाल की नज़ादारी प्रथा, भू-राजस्व व्यवस्था इकाई 3- मुगल विधि व्यवस्था कला तथा चित्रकला इकाई 4- सराफे के उद्भव के कारण तथा पेशवाओं के अन्तर्गत मराठा प्रशासन खण्ड-6: संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली इकाई 1- इला, खिलकत, इनाम, जतन, अमाम, जकिया, शकात, खाम, खालक, मदद-ए-मास, हरम, परान, तुर्कान, बहलमानी, जिम्मी, शरियत, फादा, जनेष, विद्वत्प्रती, शाहना ए-मिडी इकाई 2- उर्दू, ताला, हुमरी, ताल, कम्बाली, खयाल, कभक, खडी बोली, सारी, गोट प्रथा, दास, गुलाबस्त, दोआब, चित्तिल्ला इकाई 3- मनसब, मुल्क, तुर्क, मंगोल, मेहराब, गुल्म, दस्तूर, खालता-पूरी, काशी, मुलहकतुल इकाई 4- जागीर, मस्जिद, सूफी, संगुण, निर्गुण, सनातन, पिर, नगर, तीर्थ-का, नाचकर एवं आगम, रावरोजो, अहदी, दमदली, कारखाना, मन्थ-उल-बाहरीन
संक्षिप्त इतिहास क्षेत्र (इतिहास) प्रथम प्रश्न-पत्र: आधुनिक भारत का इतिहास (BAHI- 201) खण्ड-1 आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन परंपरा इकाई 1- आधुनिक भारतीय इतिहास की छोट सीमा इकाई 2- भारतीय इतिहास एवं इतिहास लेखन का औपनिवेशिक मत इकाई 3- स्वतंत्रतापूर्व भारत में राष्ट्रवादी इतिहास लेखन-आर.सी.दत्त एवं दादा भाई नौरोजी इकाई 4- भारतीय इतिहास लेखन में अभुनग्नन वृत्तियां-परम्परावादी, सम्प्रदायवादी, राष्ट्रवादी तथा मार्क्सवादी खण्ड-2 यूरोपीय प्रतिस्पर्धा एवं ब्रिटिश उच्चता इकाई 1- भारत में यूरोपीयों का आगमन इकाई 2- ओल-फोर्सीसी स्पर्धा और फर्नाटिक युद्ध इकाई 3- बंगाल में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना और देश शासन इकाई 4- अंग्रेज और मैसूर का राज्य खण्ड-3 औपनिवेशिक विस्तार इकाई 1- अंग्रेज और मराठे इकाई 2- बर्मा के साथ अंग्रेजों के सम्बन्ध इकाई 3- सिक्की के साथ अंग्रेजों के सम्बन्ध इकाई 4- हिन्द की विजय खण्ड-4 आधुनिक भारत का इतिहास: भारतीय प्रतिक्रिया एवं प्रत्युत्तर इकाई 1- 1857 का विद्रोह, 1857 के पूर्व के विद्रोह, 1857 का विद्रोह: कारण, प्रमुख नेता, घटनाएँ एवं प्रसार, प्रकृति, असफलता के कारण एवं परिणाम इकाई 2- औपनिवेशिक राज्य के उपकरण: सेना पुलिस एवं कानून इकाई 3- लोकप्रिय प्रतिक्रिया: संघाल विद्रोह (1857), नील विद्रोह (1860) डेक्कन दंगे (1875) इकाई 4- आधुनिक भारत में धर्म तथा समाज सुधार आंदोलन खण्ड-5 आधुनिक भारत का इतिहास: आर्थिक परिवर्तन इकाई 1- म-व्यवस्था एवं क नीति इकाई 2- वाणिज्यीकरण, ऋणश्रुतता एवं अकाल इकाई 3- ग्रामीण संपर्क: परिवर्तन एवं निरंतरता इकाई 4- व्यापार एवं राजकोषीय नीति, अन्व-औद्योगीकरण, धन का पलायन, महिला प्रश्न खण्ड-6 आधुनिक भारत का इतिहास: नवीन भारत का उद्भव इकाई 1- शिक्षा: घरेलू एवं आधुनिक इकाई 2- दलित आन्दोलन और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, द्रविड़ आंदोलन इकाई 3- आधुनिक उद्योगों की संवर्द्ध इकाई 4- प्रेस एवं समाचार पत्र खण्ड-7 संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली इकाई 1- चौथ, सट्टेशामुखी, महाराष्ट्र धर्म, अह-प्रधान, सेना कर्ते, पेशवा, क्षत्रपति, विन्दु-पत्र-पादशाही,	द्वितीय प्रश्न-पत्र: भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (BAHI- 202) खण्ड-1 भारत में राष्ट्रवाद का उद्भव: कारण, प्रकृति एवं विकास इकाई 1- भारतीय राष्ट्रवाद का जन्म: कारण एवं ब्रिटिश के प्रथम अधिभेशन में बताये गये उद्देश्य इकाई 2- प्राथमिक दिनों में कांग्रेस की माँगें तथा उदात्त राष्ट्रियता का मूल्यांकन इकाई 3- छात्रादो आन्दोलन के उद्भव के कारण इकाई 4- बंगाल में राष्ट्रवाद और बंगाल का विभाजन खण्ड-2 भारत में राष्ट्रवाद का विकास: आर्थिक चरण इकाई 1- ज्ञानिकारी आन्दोलन इकाई 2- विदेशों में क्रांतिकारी कार्य और क्रांतिकारी आन्दोलन का मूल्यांकन इकाई 3- सम्प्रदायिकता का उद्भव तथा विकास इकाई 4- लखनऊ सम्मेलन एवं मूल्यांकन, हैमरुल लीग आन्दोलन खण्ड-3 राष्ट्रवाद का गौधी युग: एक इकाई 1- गांधी जी का प्रथम राजनीतिक जीवन इकाई 2- असहयोग आन्दोलन: कारण, कार्यक्रम रोलेट एक्ट एवं उसका विरोध इकाई 3- सुदमर् कमीशन, सर्वदलीय सम्मेलन और नेहरू रिपोर्ट इकाई 4- सविनय अवज्ञा आंदोलन खण्ड-4 राष्ट्रवाद का गौधी युग: दो इकाई 1- 1935 का भारत सरकार अधिनियम इकाई 2- भारत छोड़ो आन्दोलन इकाई 3- देशी राखों में राष्ट्रीय आन्दोलन इकाई 4- वेबल योजना और शिमला सम्मेलन खण्ड-5 राष्ट्रीय आन्दोलन का अन्तिम चरण इकाई 1- 1945-47 के जन-आन्दोलन इकाई 2- 1945-47 के बीच राजनीतिक गतिविधियां इकाई 3- राष्ट्रीय आन्दोलन और समस्रवादी विचारधारा इकाई 4- देश का विभाजन और स्वतन्त्र भारत की चुनौतियां खण्ड-6 राष्ट्रवाद एवं सामाजिक वर्ग इकाई 1- भू-स्वामी, पेसेडर और मध्य वर्ग इकाई 2- किसान एवं श्रमिक वर्ग इकाई 3- अन्धकारिता एवं जनजातीय विद्रोह इकाई 4- भारत में दलित आंदोलन खण्ड-7 संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वानी (मिमीताल)

मराठा-संघ, देशमुख इकाई 2- उपनिवेशवाद, मुक्त व्यापार, कारखाना, ट्रेड शासन, साम्राज्यवाद, राष्ट्रवाद, साम्यवाद इकाई 3- महाजनी, ब्लैकहोल, बस्कर, भूस्वामी, रेत, निलहे, ठागी प्रथा, गोंद प्रथा, निर्यातन सिद्धान्त इकाई 4- पुनर्जागरण, अन्धविश्वास, थियोसोफिस्ट, बुद्धि आन्दोलन, देवदासी, बुद्ध विप्लव, सिधित सेवा, गवर्नर जनरल	इकाई 1- वैयक्तिक, गंदर परतन्त्रता, उदारवादी, गरमपन्थी, स्वराज्य, धन कॉन्फेक्शन, अग्रगामी नीति, इण्डर कमीशन इकाई 2- स्वदेशी, निहिश्लिस्ट, अनुशीलन समिति, आपपन्थी इकाई 3- असहयोग, सविनय अवज्ञा, रामराज्य, सूची, स्वावलम्बन, राष्ट्रीय एकता इकाई 4- सामाजिकिकता, संविधान, विभाजन, रेडक्लिफ रेखा, गणतन्त्र, प्रजातन्त्र
बीएएच नृतीय वर्ष (इतिहास)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- आधुनिक विश्व का इतिहास (BAHI-304)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- उत्तराखण्ड का इतिहास (BAHI-302)
खण्ड-1 विषय: इतिहास लेखन परंपरा इकाई 1- इसाई धर्म एवं इतिहास चिंतन इकाई 2- रॉले के विशेष संदर्भ में इतिहास दर्शन की निम्नप्राप्तक अभिगम इकाई 3- इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या (मर्लसवादी सिद्धान्त) इकाई 4- बीसवीं शताब्दी का इतिहास लेखन-स्पीलर और टायनबी के संदर्भ में खण्ड-2 यूरोप: आधुनिकता की ओर इकाई 1- सामन्तवाद का पतन इकाई 2- पुनर्जागरण इकाई 3- धर्म सुधार इकाई 4- प्रबोधन का युग खण्ड-3 विषय: राष्ट्र राज्य का उदय, प्रारंभिक औपनिवेशीकरण और राजनैतिक सुधार इकाई 1- किंगडम राष्ट्रीय राज्यों का उदय इकाई 2- भौगोलिक खोजें, प्रारंभिक औपनिवेशिक साम्राज्य, साम्यिक क्रांति इकाई 3- इस्लाम में संसदीय संस्थाओं का विकास इकाई 4- औद्योगिक क्रांति और उसका प्रभाव खण्ड-4 विषय: क्रांति का युग, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद इकाई 1- अमेरिकी क्रांति इकाई 2- फ्रान्स की क्रांति और नेपोलियन का युग इकाई 3- यूरोप में राष्ट्रवाद: जर्मनी और इटली का एकीकरण इकाई 4- चीन और जापान: चीन और जापान में यूरोपीय साम्राज्यवाद, अफ्रीका का विभाजन और प्रथम विश्वयुद्ध, रूसी क्रांति खण्ड-5 एशिया और अफ्रीका में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद विरोधी आन्दोलन इकाई 1- चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया में उपनिवेशवाद, जापान: आधुनिक युद्ध से साम्राज्यवादी शक्ति की ओर इकाई 2- दक्षिण अफ्रीका में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन इकाई 3- चीनी क्रांति, दक्षिण पूर्व एशिया में साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन इकाई 4- दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन, अरब राष्ट्रवाद खण्ड-6 विषय: फासीवाद, द्वितीय विश्वयुद्ध, वि-ओपनिवेशीकरण, शीतयुद्ध इकाई 1- विश्वज्वाली पंथी और आर्थिक संकट इकाई 2- इटली में फासीवाद, जर्मनी में नाजीवाद और जापान में सैन्यवाद इकाई 3- द्वितीय विश्व युद्ध इकाई 4- वि-ओपनिवेशीकरण और शीतयुद्ध खण्ड-7 संकल्पनाएं, विचार तथा शब्दावली इकाई 1- स्लैव श्रेष्ठ, सामंतवाद, मनबन्धन, प्रभु स्वच्छाचारिता, देवी अधिकार, चर्च की पर्याप्तता इकाई 2- मध्यकाल, राष्ट्रीय राज्य, पुनर्जागरण, धर्म सुधार, हार्विनवाद, पवित्र रोमन साम्राज्य इकाई 3- नारी अधिकारवाद, संसदीय लोकतन्त्र, महाद्वितीय व्यवस्था, नाजीवाद, फासीवाद, साम्राज्यवाद इकाई 4- राष्ट्रमंडल, समानवाद, रंगभेद, शीतयुद्ध	खण्ड-1 उत्तराखण्ड में इतिहास लेखन परंपरा इकाई 1- उत्तराखण्ड के इतिहास के स्रोत: पुरातात्विक इकाई 2- उत्तराखण्ड के इतिहास के स्रोत: साहित्यिक इकाई 3- उत्तराखण्ड के इतिहास के स्रोत: मौखिक परंपरा इकाई 4- उत्तराखण्ड का भूगोल एवं पर्यावरण खण्ड-2 उत्तराखण्ड: प्रागैतिहासिक इकाई 1- उत्तराखण्ड में पौषम युग, शैलछत्र एवं शैल चित्रण इकाई 2- ताम्रयुग कला इकाई 3- महाभूमि संस्कृति, कप भाकर एवं ठकीर्ण इकाई 4- उत्तराखण्ड एवं पौराणिक आख्यान खण्ड-3 उत्तराखण्ड: ऐतिहासिक - एक इकाई 1- कुपिन्द मुद्रा इकाई 2- पौरव-वर्मन राजवंश इकाई 3- कार्तिकपुर राजवंश इकाई 4- पंवार कालीन राजवंश खण्ड-4 उत्तराखण्ड: ऐतिहासिक - दो इकाई 1- चन्द्रकालीन कुमाऊँ इकाई 2- पौरवा कालीन उत्तराखण्ड इकाई 3- ब्रिटिश कालीन उत्तराखण्ड इकाई 4- तराई-भावा का इतिहास खण्ड-5 भूमिकालीन उत्तराखण्ड इकाई 1- भूमिकालीन उत्तराखण्ड में राजत्व की वैधता के स्रोत इकाई 2- भूमिकालीन उत्तराखण्ड में राज्य निर्माण की प्रक्रिया का स्वरूप इकाई 3- उत्तराखण्ड में कृषि, सैन्य व्यवस्था, व्यापार, कार-प्रणाली, सामाजिक वर्ग इकाई 4- भूमिकालीन उत्तराखण्ड का मुगल सत्ता से संबंध खण्ड-6 उत्तराखण्ड: जागृति, स्वतंत्रता एवं स्वातंत्र्योत्तर आंदोलन इकाई 1- उत्तराखण्ड में आधुनिक प्रेस एवं समाचार पत्र इकाई 2- उत्तराखण्ड स्वतंत्रता संग्राम में योगदान इकाई 3- स्वतंत्रता पूर्व उत्तराखण्ड में महिलाओं की प्रतिभा इकाई 4- स्वातंत्र्योत्तर उत्तराखण्ड: लोकप्रिय आन्दोलन खण्ड-7 उत्तराखण्ड: तकनीकी विकास एवं सांस्कृतिक परितूर्य इकाई 1- उत्तराखण्ड के प्रमुख धार्मिक स्थल इकाई 2- उत्तराखण्ड का हस्तशिल्प इकाई 3- उत्तराखण्ड की स्थापना कला इकाई 4- उत्तराखण्ड के लोक नृत्य, लोक कला एवं संगीत

बी.ए. प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोविज्ञान की मूलभूत प्रक्रियाएँ (BAPSY-101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मनोविकृत विज्ञान (BAPSY-102)
खण्ड 1 . मनोविज्ञान: परिचय इकाई 1 . मनोविज्ञान: परिभाषा, लक्ष्य एवं शाखाएँ इकाई 2 . मनोविज्ञान की विधियाँ: अवलोकन एवं प्रयोगात्मक इकाई 3 . ऐतिहासिक दृष्टि: केन्द्रीय एवं ह्यथलिस, परितारक की संरचना एवं कार्य, मस्तिष्क के स्थानीकृत एवं सामूहिक क्रिया सिद्धान्त खण्ड 2 . संवेदना एवं प्रत्यक्षीकरण इकाई 4 . प्रत्यक्षीकरण का स्वरूप, प्रत्यक्षीकरण का दृष्टिकोण: गेस्टाल्टवादी एवं व्यवहारवादी इकाई 5 . प्रत्यक्षतात्मक संगठन, प्रत्यक्षीकरण के विधायक इकाई 6 . सांवेदिक प्रक्रिया: ऑड एवं कम की संरचना और कार्य खण्ड 3 . सीखना, स्मृति एवं विस्मरण	खण्ड 1 . मनोविकृत विज्ञान एवं मन इकाई 1 . असामान्य मनोविज्ञान एवं ऐतिहासिक इकाई 2 . सामान्य और असामान्य मनोविज्ञान में अंतर, असामान्यता की विशेषताएँ इकाई 3 . मन का प्रत्यक्ष, मन का आकाशात्मक और गायामक खण्ड 2 . असामान्य व्यवहार का अध्ययन इकाई 4 . मनोविश्लेषणात्मक एवं व्यवहारवादी इकाई 5 . प्रत्यक्ष विधि एवं व्यक्तित्व इतिहास विधि इकाई 6 . स्वप्न विश्लेषण खण्ड 3 . मनोविकृत विज्ञान एवं मानसिक मनोरचनाएँ इकाई 7 . दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ


मुक्त लखन
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार (उत्तराखण्ड)

इकाई 7. मोरक्का: स्वरूप और सिद्धान्त, प्रयास और भूल एवम सृष्टि का सिद्धान्त इकाई 8. सत्यासिद्धि एवं प्रवर्तन अनुकूलन में अधिगम का स्थानान्तरण इकाई 9. स्मरण और विस्मरण: स्वरूप, प्रक्रिया, भूलने के कारण, स्मृति का प्रिकोणीय तंत्र - संवेदी, लघु कालिक स्मृति, दीर्घकालिक खण्ड 4. चिन्तन एवं समझ का समन्वय इकाई 10. चिन्तन - स्वरूप एवं प्रक्रिया इकाई 11. सूत्रनात्मक चिन्तन तथा समानान्तर चिन्तन इकाई 12. समझ का समन्वय अन्वय तथा समझ का समन्वय के चरण खण्ड 5. अभिप्रेरण एवं संवेग इकाई 13. अभिप्रेरण: स्वरूप, प्रकार - जन्मजात एवं अर्जित प्रेरक, आवण्यकता, प्रणोदन एवं प्रोत्साहन, अभिप्रेरण के सिद्धान्त इकाई 14. संवेग: स्वरूप, शारीरिक परिवर्तन, सिद्धान्त - बेन्स लांबे, कैमन - हार्ड एवं फ्रिडलैंड इकाई 15. संवेग में स्वतःसंचालित स्नायुमंडल की भूमिका खण्ड 6. बुद्धि एवं व्यक्तित्व इकाई 16. बुद्धि: परिभाषा, स्वरूप एवं सिद्धान्त इकाई 17. बुद्धि का मापन, बुद्धि परीक्षणों का उपयोग इकाई 18. व्यक्तित्व: स्वरूप, प्रकार एवं निर्धारक, व्यक्तित्व के शैलियाँ और व्यक्तित्व का मापन	इकाई 8. मनोरचनाओं की परिभाषा एवं स्वरूप इकाई 9. मनोरचनाओं की विशेषताएं, अन्तर्दृष्टि के प्रकार व निदान खण्ड 4. मानसिक रोग इकाई 10. मानसिक रोग का स्वरूप, मनोवैज्ञानिक एवं मनोसाधु विज्ञान में अंतर इकाई 11. भित्ति, हिस्टीरिया तथा भय इकाई 12. मनोविद्विष्टता, अस्वाह विषाद मनोवैज्ञानिक एवं पैरानोइडिया खण्ड 5. मनोचिकित्सा इकाई 13. मनोचिकित्सा की प्रकृति एवं महत्व इकाई 14. निदेशात्मक एवं अनिदेशात्मक मनोचिकित्सा इकाई 15. मनोचिकित्सा: सामूहिक चिकित्सा एवं व्यवहार चिकित्सा खण्ड 6. मानसिक दुर्बलता इकाई 16. मानसिक दुर्बलता तथा इसके कारण इकाई 17. मानसिक दुर्बलता की रोकथाम और उपचार इकाई 18. मानसिक दुर्बलता के प्रकार और पुनर्वास
बी.ए. द्वितीय वर्ष (मनोविज्ञान) प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी एवं मापन (BAPSY-201) खण्ड 1. परिचय इकाई 1. सांख्यिकी: अर्थ एवं उपयोग, सांख्यिकी के प्रकार, मनोवैज्ञानिक मपन में सांख्यिकी की सार्थकता (महत्व) इकाई 2. आवृत्ति वितरण: द्वितीय आवृत्ति वितरण, समूह प्रदत्तों का आलोच्य प्रस्तुतीकरण, आवृत्ति बहुभुज, स्तम्भचित्र, स्तम्भ चित्र, तोरण इकाई 3. केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप: माप के प्रकार - मध्यमान, मध्यक एवं बहुलता की विशेषताएं एवं गणना खण्ड 2. विचलनशीलता के माप इकाई 4. विचलनशीलता का संश्लेष, प्रसार, मध्यमान विचलन, चतुर्थक विचलन, प्रामाणिक विचलन एवं प्रसार, विचरण गुणांक इकाई 5. प्रसामान्य वितरण: प्रसामान्यता का संश्लेष, प्रसामान्य सम्भाव्य वक्र की विशेषताएं, विकसिता एवं कुतुहलता, प्रसामान्य सम्भाव्यता वक्र के अनुप्रयोग इकाई 6. सह-सम्बन्ध - सह-सम्बन्ध का संश्लेष, रीयसैन गुणन आधुनिक सहसम्बन्ध, स्पीयरमैन कोटि, अन्तर सहसम्बन्ध खण्ड 3. प्रतिदर्शन प्रविधि इकाई 7. सांख्यिक निदर्शन, प्रतिदर्शन वितरण, मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं आर (t) की प्रामाणिक बुद्धि, सार्थकता के स्तर, स्वतंत्रता के अंश, टाई-यन बुद्धि एवं टाई-यन बुद्धि इकाई 8. प्राचल एवं अचल सांख्यिकी-अर्थ, स्वरूप, अभिप्रेरण एवं प्रकार, टी. परीक्षण एवं कॉई-जर्न परीक्षण खण्ड 4. विश्वसनीयता, वैधता एवं परीक्षण का मानकीकरण इकाई 9. विश्वसनीयता का अर्थ एवं प्रकार, परीक्षण विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियाँ इकाई 10. वैधता: अर्थ एवं प्रकार, परीक्षण वैधता ज्ञात करने की विधियाँ इकाई 11. परीक्षण मानकीकरण: अर्थ, सार्थकता एवं विशेषताएं, मानक अंक के प्रकार एवं उपयोगिता खण्ड 5. परीक्षण निर्माण इकाई 12. मनोवैज्ञानिक परीक्षण का अर्थ, विशेषताएं एवम उपयोगिता, परीक्षण निर्माण के साधन्य मरण इकाई 13. पद या एकांश का अर्थ, विशेषताएं एवं प्रकार, एकांश लेखन के सामान्य दिशा निर्देश, निबन्धनात्मक तथा बहुमुनिष्ठ परीक्षण की कुलना इकाई 14. पद विश्लेषण: पदों का फट्टनाई स्तर एक पद विभेदन शक्ति, पद के कठिनाई स्तर एवं विभेदन शक्ति में सम्बन्ध	द्वितीय प्रश्न-पत्र- सामाजिक मनोविज्ञान (BAPSY-202) खण्ड 1. सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय इकाई 1 सामाजिक मनोविज्ञान: स्वरूप, कार्यक्षेत्र, उपयोगिता सामाजिक व्यवहार के सिद्ध अनुकरण, प्रभाव एवं सहजभूति इकाई 2. प्रयुक्त विज्ञान के रूप में सामाजिक मनोविज्ञान इकाई 3. सामाजिक मनोविज्ञान की विधियाँ: अवलोकन, सर्वे, व्यक्ति इतिहास, समावर्तिता एवम खण्ड 2. अभिवृत्ति, पूर्वाग्रह, विवेक एवं सामाजिकता इकाई 4. अभिवृत्ति का अर्थ और विशेषताएं, अभिवृत्ति का निर्माण एवं परिवर्तन इकाई 5. पूर्वाग्रह का अर्थ एवं विशेषताएं, पूर्वाग्रह के प्रकार इकाई 6. पूर्वाग्रह के कारण, पूर्वाग्रह के प्रभाव पूर्वाग्रह एवं विवेक में भेद इकाई 7. पूर्वाग्रह एवं विवेक को कम करने की विधियाँ, भारत में सामाजिकता खण्ड 3. संस्कृति एवं व्यक्तित्व इकाई 8. संस्कृति एवं व्यक्तित्व का अर्थ एवं संस्कृति के प्रकार इकाई 9. संस्कृति तथा व्यक्तित्व में सम्बन्ध, व्यक्तित्व के सांस्कृतिक निर्धारक, व्यक्तित्व के अध्ययन के उपपन्न इकाई 10. व्यक्तित्व निर्माण, स्व का मनो-विश्लेषणात्मक सिद्धान्त, सामाजिक निर्भरता और स्वतंत्रता खण्ड 4. सामाजिक प्रभाव प्रक्रम इकाई 11. सामाजिक प्रभाव स्वरूप, अवयव एवं प्रकार अन्तर्व्यक्तिक आकर्षण के सिद्धान्त इकाई 12. सामाजिक व्यवहार, परीक्षणी व्यवहार, परीक्षणी व्यवहार सिद्धान्त इकाई 13. आक्रामकता तथा हिंसा, आक्रामकता के सिद्धान्त हिंसा के कारण खण्ड 5. स्वास्थ्य, क्षमता, एवं कार्य क्षमता में सामाजिक मनोविज्ञान का प्रभाव इकाई 14. उदाव: कारण एवं प्रभाव, स्वास्थ्य स्वास्थ्य के कारण, व्यक्तिगत चरित्र तथा स्वास्थ्य, स्वास्थ्य जीवन शैली को प्रोत्साहित करना इकाई 15. समाज मनोविज्ञान तथा न्याय तंत्र: परीक्षा शुरू होने पूर्व, मोडिया कवरेज का प्रभाव, प्रत्यक्षदर्शी, परीक्षण के मुख्य साधन इकाई 16. ज़िंझा का समाज मनोविज्ञान, राजनीति मनोविज्ञान, शिक्षा का समाज मनोविज्ञान, यशदायक एवं परिवहन मनोविज्ञान, व्यवसाय में समाज मनोविज्ञान की भूमिका
बी.ए. तृतीय वर्ष (मनोविज्ञान) प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोवैज्ञान के सिद्धान्त एवं प्रणाली (BAPSY-301) खण्ड 1. मनोविज्ञान का ऐतिहासिक परिचय इकाई 1. मनोविज्ञान में प्लेटो, अरस्तू एवं डेकार्टे का योगदान इकाई 2. ब्रिटिश अनुभववादी एवं साहचर्यवादियों का मनोविज्ञान में योगदान इकाई 3. शरीर-क्रिया विज्ञानियों का मनोविज्ञान में योगदान खण्ड 2. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का प्रारंभ इकाई 4. वेबर, फेकर्न तथा गाल्टन का मनोविज्ञान में योगदान, मनोभौतिकी एवम इसकी विधियाँ इकाई 5. विलहेल्म वुन्ट एवं टिचनर का मनोविज्ञान में योगदान	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयुक्त मनोविज्ञान (BAPSY-302) खण्ड 1. व्यावहारिक मनोविज्ञान का परिचय इकाई 1. व्यावहारिक मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र इकाई 2. व्यावहारिक मनोविज्ञान की शाखायें इकाई 3. व्यावहारिक मनोविज्ञान के उपरले क्षेत्र खण्ड 2. निर्देशन एवं परामर्श इकाई 4. निर्देशन का अर्थ, प्रकृति, आवश्यकता एवं प्रकार इकाई 5. साध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर पर शैक्षिक व व्यावसायिक निर्देशन

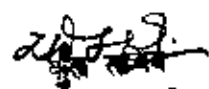
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (मेरीताल)

इकाई 6. विलियम जेम्स एवं इकिंगहॉम का मनोविज्ञान में योगदान खण्ड 3. मनोविज्ञान के सम्प्रदाय इकाई 7. मनोविश्लेषण; नव-क्रायेडवाद (एडरार, युंग, जॉर्जी), व्यवहारवाद (पैब्लोव एवं स्किनर) इकाई 8. मानवतावादी एवं अभिव्यक्तिवादी मनोविज्ञान इकाई 9. मनोविवलेख एवं नव-विरलेखन खण्ड 4. संज्ञाशास्त्रिक मनोविज्ञान इकाई 10. चयनात्मक अवधान एवं दीर्घकाल अवधान, उत्तेजन एवं सूचना संसाधन, चयनात्मक अवधान के सिद्धान्त इकाई 11. प्रत्यक्षण का स्वरूप, एवं सिद्धान्त, प्रत्यक्षणात्मक सीखना इकाई 12. पैटर्न प्रत्यक्षिण; पैटर्न प्रत्यक्षिण के सिद्धान्त, आपाहीक-ऊपरी तथा ऊपरी निचली उपाग्रम, प्रत्यक्षणानुसंगक स्थिरता खण्ड 5. उद्योग में मनोविज्ञान इकाई 13. उद्योग में मनोविज्ञान: उत्पादन में कठिनाईएँ, श्रमिक विरलेखन, कार्य-यश, पदोन्नति के अवसर, उद्योग में मानवीय संबंध, श्रम कल्याण, इडुताल एवं तालाबंदी इकाई 14. औद्योगिक मनोबल: परिभाषा, पहलू, आवश्यकता एक औद्योगिक मनोबल का प्रभाव, मनोबल को मापने की विधियाँ, कार्य-संयोग इकाई 15. विज्ञापन: अर्थ एवं महत्व, विज्ञापन एवं स्मृति, विज्ञापन एवं अवधान, विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक पहलू	इकाई 6. परामर्श का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र इकाई 7. परामर्श के क्षेत्र: व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं कैरियर, परामर्श की विधियाँ: प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष खण्ड 3. औद्योगिक मनोविज्ञान इकाई 9. औद्योगिक मनोविज्ञान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र, समय एवं गति अध्ययन, वैज्ञानिक प्रत्यक्ष इकाई 9. औद्योगिक मनोबल एवं निष्पादन मूल्यांकन इकाई 10. प्रेरणा एवं कार्य प्रेरुति इकाई 11. एकसता कम एवं औद्योगिक दुर्घटनाएँ खण्ड 4. स्वास्थ्य मनोविज्ञान एवं व्याधि (रोग) इकाई 12. स्वास्थ्य मनोविज्ञान का अर्थ प्रकृति एवं क्षेत्र इकाई 13. पीडा: परिभाषा, प्रकार तथा सिद्धान्त इकाई 14. तनाव (प्रतिनाल) एवं सामायोजन रणनीति इकाई 15. हृदय संवहनी रोग, कैंसर, एच आईवी/एड्स के कारण एवं निवारण खण्ड 5. सकारात्मक मनोविज्ञान इकाई 16. सकारात्मक मनोविज्ञान: प्रस्तावना, अर्थ, क्षेत्र एवम् सकारात्मक संवेगों की भूमिका इकाई 17. पैसा, आनन्द एवं कल्याण इकाई 18. आशावाद, सहनशक्ति, आधार एवं क्षमता
प्रथम प्रश्न-पत्र- गद्य साहित्य-I (BAHL-101) खण्ड 1 – कथन साहित्य का विकास इकाई 1 – हिन्दी गद्य का उद्भव व विकास इकाई 2 – हिन्दी कहानी का उद्भव व विकास इकाई 3 – हिन्दी उपन्यास का उद्भव व विकास खण्ड 2 – कथा साहित्य का ताल्पिक विवेचन इकाई 4 – कहानी का स्वरूप, भेद व तत्व इकाई 5 – उपन्यास का स्वरूप, भेद व तत्व इकाई 6 – उपन्यास व कहानी में अंतर खण्ड 3 – हिन्दी कहानी (स्वतंत्रता पूर्व कहानी) इकाई 7 – 'उसने कहा था': पाठ एवं विवेचन इकाई 8 – 'उसने कहा था': विरलेखन और मूल्यांकन इकाई 9 – 'बड़े भाईसाहब': पाठ एवं विवेचन इकाई 10 – 'बड़े भाईसाहब': पाठ एवं मूल्यांकन इकाई 11 – 'अपना-अपना भाग्य': पाठ एवं विवेचन इकाई 12 – 'अपना-अपना भाग्य': पाठ एवं मूल्यांकन खण्ड 4 – हिन्दी कहानी (स्वतंत्रता पश्चात् कहानी) इकाई 13 – 'मलंग का मालिक': पाठ एवं विवेचन इकाई 14 – 'मलंग का मालिक': विरलेखन और मूल्यांकन इकाई 15 – स्त्री सुशोभिनी: पाठ एवं विवेचन इकाई 16 – स्त्री सुशोभिनी: पाठ एवं मूल्यांकन इकाई 17 – सुहागिनी: पाठ एवं विवेचन इकाई 18 – सुहागिनी: विरलेखन और मूल्यांकन खण्ड 5 – हिन्दी उपन्यास इकाई 19 – जेनेन्, कुमार: परिचय एवं कृति इकाई 20 – त्यागपत्र: पाठ एवं व्याख्या इकाई 21 – त्यागपत्र: संरचना व शिल्प	द्वितीय प्रश्न-पत्र- गद्य साहित्य II एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी (BAHL-102) खण्ड 1 – हिन्दी नाट्य इकाई 1 – हिन्दी नाट्य साहित्य का विकास एवं स्वरूप विवेचन इकाई 2 – जनशंकर प्रसाद: परिचय एवं कृति इकाई 3 – चन्द्रगुप्त: कथावस्तु, परिवेश तथा उद्देश्य इकाई 4 – चन्द्रगुप्त में चरित्र चित्रण इकाई 5 – भाषा – शैली और रंगमंचीय प्रस्तुति खण्ड 2 – निबंध एवं अन्य गद्य विधियाँ इकाई 6 – हिन्दी निबंध साहित्य का स्वरूप व ताल्पिक विवेचन इकाई 7 – अन्य गद्य विधाओं का स्वरूप व ताल्पिक विवेचन-I इकाई 8 – अन्य गद्य विधाओं का स्वरूप व ताल्पिक विवेचन-II खण्ड 3 – हिन्दी निबंध: पाठ एवं आलोचना इकाई 9 – कल्ला: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 10 – पंडितों की पंचायत: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 11 – उत्तराखण्ड में संत मत और संत साहित्य: परिचय, पाठ एवं आलोचना खण्ड 4 – अन्य गद्य विधियाँ: पाठ एवं आलोचना इकाई 12 – आत्मकथा-अपनी छबि: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 13 – जीवनी- निराशा: परिचय, पाठ एवं आलोचना इकाई 14 – संस्मरण-पत्र के साथी: परिचय, पाठ एवं आलोचना खण्ड 5 – प्रयोजनमूलक हिन्दी इकाई 15 – प्रयोजनमूलक हिन्दी इकाई 16 – पत्राचार: कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र इकाई 17 – भाषा-कम्प्यूटर/कम्प्यूटर और हिन्दी इकाई 18 – ई-पत्रकारिता इकाई 19 – पत्रकारिता का इतिहास इकाई 20 – संपादन कला इकाई 21 – मीडिया/समाचार लेखन इकाई 22 – अनुवाद
प्रथम प्रश्न-पत्र- पद्य साहित्य I (BAHL-201) खण्ड 1 – पद्य साहित्य का ताल्पिक विवेचन इकाई 1 – पद्य साहित्य की सैद्धान्तिकी इकाई 2 – पद्य साहित्य का वर्गीकरण एवं अंतरसम्बन्ध इकाई 3 – महाकाव्य एवं खण्डकाव्य की सैद्धान्तिकी इकाई 4 – आधुनिक पद्य का उत्पत्ती रूप खंड 2 आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता इकाई 5 हिन्दी साहित्य का आदिकाल: उद्भव एवं विकास इकाई 6 भक्तिकालीन कविता का उदय इकाई 7 रीतिकाल: परिचय एवं आलोचना खण्ड 2 महाकाव्य एवं खण्डकाव्य इकाई 8 त्रिपुराचार: पाठ एवं विवेचन	द्वितीय प्रश्न-पत्र- पद्य साहित्य II एवं लोक साहित्य (BAHL-202) खण्ड 1 – स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता: विभिन्न प्रवृत्तियाँ इकाई 1 – हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल: पद्य इकाई 2 – अश्वेय: पाठ एवं आलोचना इकाई 3 – मुक्तिबोध: पाठ एवं आलोचना इकाई 4 – रामशेर: पाठ एवं आलोचना इकाई 5 – श्रीकान्त वर्मा: पाठ एवं आलोचना इकाई 6 – कैदराज सिंह: पाठ एवं आलोचना खण्ड 2 – कुमाउनी लोकसाहित्य का परिचय इकाई 7 – कुमाउनी लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप इकाई 8 – कुमाउनी लोक गीत: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य इकाई 9 – कुमाउनी लोक गायण: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

मुक्त विश्वविद्यालय
रुह्यानी (मिमीताल)

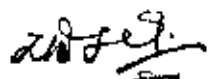
इकाई 9 साकेत: पाठ एवं विवेचन इकाई 10 कुक्षेत्र एवं परिवर्तन: पाठ एवं विवेचन खण्ड 4 लंबी कविता इकाई 11 सौख्यमूर्ति एवं असाध्यबीम: पाठ एवं विवेचन खण्ड 3 युक्तक काव्य इकाई 12 मीरा, सूर, पद्माकर और घनानंद के गद्य इकाई 13 कबीर, रहीम एवं मिहारी के दोहे	इकाई 10 कुमाउरी लोक कथाएं: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य इकाई 11 कुमाउरी लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियां खण्ड 3 - गढ़वाली लोक साहित्य का परिचय इकाई 12 गढ़वाली लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप इकाई 13 गढ़वाली लोक गीत: स्वरूप एवं साहित्य इकाई 14 गढ़वाली लोक गाथाएं: स्वरूप एवं साहित्य इकाई 15 गढ़वाली लोक कथाएं: स्वरूप एवं साहित्य इकाई 16 गढ़वाली लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियां इकाई 17 गढ़वाली लोक साहित्य का वर्तमान स्वरूप एवं समकाल
बी.ए. तृतीय वर्ष (हिन्दी)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्यशास्त्र (BAHL-301)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- हिन्दी भाषा: उद्भव एवं विकास (BAHL-302)
खण्ड 1 - हिन्दी भाषा एवं लिपि इकाई 1 हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास इकाई 2 हिन्दी: व्युत्पत्ति एवं बोलियाँ इकाई 3 भारतीय संविधान एवं हिन्दी इकाई 4 देवनागरी लिपि: उद्भव एवं विकास खण्ड 2 - हिन्दी भाषाविज्ञान इकाई 5 ध्वनि विज्ञान-1 (स्वन विज्ञान) इकाई 6 ध्वनि विज्ञान-2 (स्वनिम प्रक्रिया) इकाई 7 रूप विज्ञान इकाई 8 वाक्य संरचना इकाई 9 अर्थविज्ञान इकाई 10 अन्य व्याकरणिक इकाईयाँ इकाई 11 हिन्दी की शब्द-संपदा	खण्ड 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल इकाई 1 इतिहास एवं साहित्येतिहास का सम्बन्ध इकाई 2 हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्या इकाई 3 हिन्दी साहित्य के आदिकाल का उद्भव एवं विकास इकाई 4 हिन्दी साहित्य के आदिकाल का स्वरूप एवं प्रक्रिया खण्ड 2 - हिन्दी साहित्य का इतिहास: मध्यकाल इकाई 5 भक्तिकालीन कविता का उद्भव इकाई 6 भक्तिकालीन कविता: प्रक्रिया एवं विकास इकाई 7 भक्तिकालीन कविता: विविध शाखाएँ इकाई 8 रीतिकाल: परिचय एवं आलोचना खण्ड 3 - हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिककाल इकाई 9 हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास इकाई 10 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल: एका इकाई 11 आधुनिक हिन्दी कविता: भारतेन्दु युग इकाई 12 हिन्दी कविता का द्वितीय युग: परिचय एवं आलोचना इकाई 13 स्वातंत्र्योत्तर काल और हिन्दी कविता का विकास इकाई 14 नई कविता संदर्भ एवं प्रकृति खण्ड 4 - काव्यशास्त्र इकाई 15 काव्य का साक्ष्य एवं स्वरूप इकाई 16 काव्य की प्रेरणा एवं काव्य-रस इकाई 17 अलंकार संप्रदाय इकाई 18 ध्वनि सम्प्रदाय इकाई 19 रीति सम्प्रदाय इकाई 20 पञ्चाक्षर साहित्यशास्त्र की परम्परा

बी.ए. प्रथम वर्ष (अंग्रेजी)	
Paper I English Usage (BAEL 101)	Paper II Advanced Reading and Writing Skills (BAEL 102)
Block One Unit 1 Use of Articles Unit 2 Concord Block Two Unit 3 Simple Present and Present Continuous Tense Unit 4 Present Perfect and Present Perfect Continuous Tense Unit 5 Past Tense Unit 6 Conditional Tenses Unit 7 Simple Future and Future Continuous Tense Unit 8 Future Perfect and Future Perfect Continuous Tense Block Three Unit 9 Modals Unit 10 Types of Sentences Block Four Unit 11 Relative Clauses Unit 12 Adverbial Clauses Unit 13 Prepositional Phrases Unit 14 Participial Phrases Block Five Unit 15 Direct and Indirect Speeches Unit 16 Active and Passive Voice	Block One Unit 1 Sound Patterns Unit 2 Simile and Metaphor Unit 3 Irony, Paradox, Antithesis Unit 4 Allegory, Symbol, Imagery Block Two Unit 5 Use of Phrasal Verbs Unit 6 Appropriateness Unit 7 Politeness Unit 8 Requests, Offers, Invitations and Refusals Block Three Unit 9 Basics of Essay Writing Unit 10 Essay Writing and Varieties of Essays Unit 11 Narrative Composition Unit 12 Argumentative Composition Unit 13 Descriptive Composition Block Four Unit 14 Introduction to Official and Business Writing Unit 15 Writing of Summaries and Expansion of Ideas Unit 16 Note Taking and Reports Unit 17 Minutes, Memorandum and Agenda


 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वानी (भिमताल)

Unit 17 Linking Words and Phrases Unit 18 Punctuation	Units 18 Job Application and Resume Unit 19 Correspondences
बी.ए. द्वितीय वर्ष (अंग्रेजी)	
PAPER I Introducing Literature (BAEL 201) BLOCK 1: English Literature: History & Movements 1 Unit 1: The Beginnings of English Literature Unit 2: Literature after Chaucer: From the End of the Middle Ages to Renaissance Unit 3: Literature of the Seventeenth and the Eighteenth Centuries BLOCK 2: English Literature: History & Movements 2 Unit 4: The Romantic and the Victorian Ages Unit 5: 20th Century British Literature and Some Major Modern Movements Unit 6: Some World Literary Movements and Trends BLOCK 3: Critical Terms and Concepts in Drama Unit 7: The Language of Poetry Unit 8: Forms of Poetry BLOCK 4: Introduction to Drama Unit 9: Introduction to Drama Unit 10: Elements of Drama BLOCK 5: General Terms & Concepts in Literature Unit 11: What is Literature? Unit 12: Reading Literature Unit 13: Prose, Novel and Rhetoric	PAPER II Prose And Fiction (BAEL 202) BLOCK 1: Non-Fictional Prose Unit 1: St. Francis Bacon "Of Adversity" "Of Death" Unit 2: Charles Lamb "Dream Children" Unit 3: Mahatma Gandhi "What is True Civilization" "Education" Unit 4: Pt. Jawahar Lal Nehru "Some Famous Writers" "The Quest of Man" BLOCK 2: Stories from India Unit 5: Ruskin Bond "Time Stops at Shamli" Unit 6: Rabindra Nath Tagore "The Runaway" Unit 7: Premchand "Divided House" BLOCK 3: Stories from the West Unit 8: D.H. Lawrence "The Prussian Officer" Unit 9: Leo Tolstoy "How Much Land Does A Man Need?" Unit 10: O. Henry "The Retrieved Reformer", "The Cop and the Anthem" BLOCK 4: Novel Unit 11: R.K. Narayan and The Indian Novel in English Unit 12: R.K. Narayan: The Painter of Sign
बी.ए. तृतीय वर्ष (अंग्रेजी)	
PAPER I Drama (BAEL 301) BLOCK 1 Introduction To Drama And Theatrical Context Unit 1 Drama and its Origin Unit 2 Anatomy of Theatre and Drama Unit 3 Analysis of Drama BLOCK 2 Shakespeare: Macbeth Units 4,5&6 Macbeth BLOCK 3 Girish Karand: Tughlaq Unit 7,8&9 Tughlaq	PAPER II Poetry (BAEL 302) BLOCK 1 Indian Poetry Unit 1 Sri Aurobindo: "Who" "A Dream of Surreal Science" Unit 2 Sarojini Naidu: "Indian Weavers" "The Bazaars of Hyderabad" Unit 3 Nissim Ezekiel: "Night of the Scorpion" "Poet, Lover, Birdwatcher" Unit 4 Kamala Das: "My Grandmother's House" "The Sunshine Cat" BLOCK 2 Pre-Romantic Poetry Unit 5 Shakespeare: Sonnet nos. 65- "Since brass, nor stone, nor earth, nor boundless sea" & Sonnet 116- "Let Not the Marriage of True Minds" Unit 6 John Donne: "A Valediction: Forbidding Mourning" "The Canonization" Unit 7 John Milton: "How Soon Hath Time" "When I Consider How My Light is Spent" Unit 8 Alexander Pope: From <i>Essay on Man</i> , Epistle 1 BLOCK 3 Romantic Poetry Unit 9 William Wordsworth: "The World is too Much With Us" "The Solitary Reaper" Unit 10 Shelley: "Ode to the West Wind" "The Cloud" Unit 11 Keats: "La Belle Dame Sans Merci: A Ballad" "Ode to a Nightingale" BLOCK 4 Victorian Poetry Unit 12 Alfred, Lord Tennyson: "Ulysses" "Break Break Break" Unit 13 Robert Browning: "Porphyria's Lover" "My Last Duchess" Unit 14 Matthew Arnold: "Dover Beach" "The Forsaken Merman" BLOCK 5 Modern & American Poetry Unit 15 W. B. Yeats: "The Second Coming" "Byzantium" Unit 16 T.S. Eliot: "The Hollow Men" "The Journey of the Magi" Unit 17 Emily Dickinson: "Success is Counted Sweetest" "Because I Could Not Stop for Death"

बी.ए. प्रथम वर्ष (संस्कृत)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- नाटक, अलंकार एवं छन्द (BASL-101) प्रथम खण्ड - अधिज्ञानशकुन्तलम् इकाई 1: नन्द्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, कालिदास का जीवन वृत्त एवं उनकी काव्य प्रतिभा इकाई 2: अभिज्ञानशकुन्तलम् - कथावस्तु, पात्रों का चरित्र चित्रण, ग्रन्थ का नाट्य, भारतीय वैशाल्य, पारिभाषिक शब्दावली	द्वितीय प्रश्न-पत्र- नीति का व्याकरण एवं अनुवाद (BASL-102) प्रथम खण्ड - नीतिशास्त्रकम् इकाई 1: संस्कृत नीति साहित्य का परिचय इकाई 2: भर्तृहरि का जीवन वृ एवं नीति साहित्य का योगदान इकाई 3: नीतिशास्त्रकम् श्लोक संग्रह 1 से 20 तक


मुख्य अधिकारी
मुक्त विश्वविद्यालय
राजस्थान (विश्वविद्यालय)

इकाई 3: अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रथम अंक, मूलपाठ, अर्थ व्याख्या इकाई 4: अभिज्ञानशाकुन्तलम् द्वितीय एवं तृतीय अंक मूलपाठ, अर्थ व्याख्या इकाई 5: अभिज्ञानशाकुन्तलम् चतुर्थ अंक मूलपाठ, अर्थ व्याख्या इकाई 6: अभिज्ञानशाकुन्तलम् पंचम अंक, मूलपाठ, अर्थ व्याख्या द्वितीय खण्ड - अलंकार, चन्द्रालोक पद्य भण्ड इकाई 7: अलंकारों का सामान्य परिचय इकाई 8: अनुप्रास, उल्लेख, यमक, लक्षण एवं उदाहरण इकाई 9: अपाह्ति, व्यंग्य, विमर्शना (लक्षण एवं उदाहरण) तृतीय खण्ड - अलंकार एवं छन्द इकाई 10: उपमा, रूपक एवं छन्दोः विशेषता (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 11: अतिशयोक्ति, निदर्शनात्त्वयोगिता, अर्थापत्ति, (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 12: स्मृति, प्राप्ति, सन्देह, दुष्टान्त, अर्थान्तरव्यास (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 13: छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण	इकाई 4: नीतिशतकम् श्लोक संख्या 21 से 40 तक इकाई 5: नीतिशतकम् श्लोक संख्या 41 से 60 तक द्वितीय खण्ड - लघुसिद्धान्त कोमुदी, संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण इकाई 6: संज्ञा प्रकरण इकाई 7: स्वर सन्धि इकाई 8: प्रकृतिमात्र विधायक सूत्र, उदाहरण एवं व्याख्या इकाई 9: सन्धि प्रकरण के अन्तर्गत संज्ञा सूत्रों की व्याख्या तृतीय खण्ड - अनुवाद - सामान्य विषय लकार विभक्ति, कारक एवं वाक्य इकाई 10: सामान्य विषय - शब्दरूप इकाई 11: लकार विभक्ति - यातु रूप इकाई 12: कर्कक एवं वाच्य इकाई 13: लघु गद्यांशों के अनुवाद पंचतन्त्र के गद्यांश संस्कृत से हिन्दी व हिन्दी से संस्कृत चतुर्थ खण्ड - हितापदेश इकाई 14: नीति कथाओं का विकास एवं महत्त्व इकाई 15: हितापदेश की कथाओं का सारांश इकाई 16: चित्राग्रिब शिष्यकथासंग्रह बृहन्न्यास सूक्त विप्र कथा मृग शृगाल कथा इकाई 17: चित्राग्रिब शिष्यकथासंग्रह जराइल बिटाल कथा एवं मूषक परीवाकिक कथा
बी.ए. द्वितीय वर्ष (संस्कृत)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- पद्य, गद्य एवं व्याकरण (BASL-201) खण्ड एक - पद्य काव्य, किराताजुनीयम् - प्रथम सर्ग इकाई 1. भार्गव - परिचय, समय, महाकाव्य के रूप में किराताजुनीयम् का मूल्यांकन इकाई 2. किराताजुनीयम्, श्लोक संख्या 1 से 15 तक इकाई 3. किराताजुनीयम्, श्लोक संख्या 16 से 30 तक इकाई 4. श्लोक संख्या 31 से 46 तक इकाई 5. प्रथम सर्ग की महत्वपूर्ण सूक्तियों की व्याख्या खण्ड दो - पद्य काव्य, कुमारसम्भवम् - प्रथम सर्ग इकाई 1. कालिदास का परिचय, समय एवं महाकाव्य के रूप में कुमारसम्भवम् का मूल्यांकन इकाई 2. श्लोक संख्या 1 से 15 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) इकाई 3. श्लोक संख्या 16 से 30 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) इकाई 4. श्लोक संख्या 31 से 45 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) इकाई 5. श्लोक संख्या 46 से 60 तक (मूल, अन्वय, अर्थ - व्याख्या) खण्ड तीन - कादम्बरी (शुक्रनाल्लोपदेश मात्र) इकाई 1. पद्य काव्य परम्परा, हाण की कादम्बरी का विरामलोचन, सुकनासविदेश का परिचय इकाई 2. गद्य भाग - एवं समीक्षात्मक 179-192 मेरुदेश में सुकृष्णराम तक व्याख्या इकाई 3. अनुवर्णन विवरणग्रन्थ से चित्रित विषयवस्तु तक (व्याख्या) इकाई 4. एवं विषयार्थ सर्वजनस्योपहस्यतामुपयान्ति तक (व्याख्या) इकाई 5. आत्मविष्टम्भनं स्वधन आनगम तक (व्याख्या) खण्ड चार - लघुसिद्धान्तकोमुदी (संज्ञा प्रकरण, अर्थ सन्धि) इकाई 1. लघुसिद्धान्तकोमुदी संज्ञा प्रकरण, शास्त्र से मुद्रानासिकावचनोऽनुनासिक; तक की व्याख्या इकाई 2. कुलपस्यप्रयत्नसर्वगम् से सुमिडन्त परम् तक इकाई 3. श्लोकविधि से अस्तीत्यस्य तक इकाई 4. एवं उपवचनाय; से पूर्वशाऽसिद्धम् सूत्रक इकाई 5. बुद्धिदायक से एकः पदान्तादिति तक इकाई 6. अर्थ विभागा गोः से शब्दार्थकः सूत्र तक	द्वितीय प्रश्न-पत्र- संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं भारतीय संस्कृति (BASL-202) खण्ड एक - संस्कृत साहित्य का इतिहास इकाई 1 - आदिकवि - परिचय, समय, रामायण का मूल्यांकन इकाई 2 - व्यास-परिचय, समय, महाभारत का परिचय इकाई 3 - कालिदास - परिचय - कृतित्व इकाई 4 - कालिदास की काव्यकला, नट्यकला एवं उपमा कालिदासस्य इकाई 5 - महाकवि प्राच का जीवन परिचय, समय एवं कृतियों का महत्त्व खण्ड दो - संस्कृत साहित्य का इतिहास इकाई 1 - भारवि - व्यक्तित्व एवं कृतियों का विस्तृत परिचय इकाई 2 - श्रीहर्ष - व्यक्तित्व एवं कृतियों का विस्तृत परिचय इकाई 3 - जयदेव - व्यक्तित्व एवं कृतियों का विस्तृत परिचय इकाई 4 - भक्तिकवि का जीवन परिचय एवं कृतियों इकाई 5 - तुलसीदास का जीवन परिचय एवं मृच्छकटिकम् की नाटकीय विशेषता खण्ड तीन - संस्कृत साहित्य का इतिहास इकाई 1 - विशाखदत्त के मुद्ररक्षस का ऐतिहासिक एवं साहित्यिक परिचय इकाई 2 - भर्तृहरि- जीवन परिचय एवं शतकप्रय का विस्तृत विवेचन इकाई 3 - मं० राज आनन्द का विस्तृत परिचय एवं साहित्यिक योगदान इकाई 4 - गद्यकवि हास की कादम्बरी का विस्तृत परिचय इकाई 5 - सुभद्रा एवं उनकी कृति वासवदत्ता का परिचय इकाई 6 - दण्डी काल निर्माण, दशकुमार चरित एवं लक्षण ग्रन्थ का विस्तृत विवेचन खण्ड चार - भारतीय संस्कृति इकाई 1 - संस्कृति के विविध पक्ष एवं विशेषताएं इकाई 2 - वैदिक महायज्ञों के स्वरूप, अर्थ एवं शुक्रार्थ वस्तुपुन इकाई 3 - वर्णान्तरि, आश्रम व्यवस्था की विस्तृत अवधारणा इकाई 4 - संस्कार का अर्थ परिभाषा एवं सोलह संस्कारों का निरूपण
बी.ए. तृतीय वर्ष (संस्कृत)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- काव्य, दर्शन एवं व्याकरण (BASL-301) खण्ड एक - शिवराजविजय इकाई 1 - अम्बिकादत्त व्यास का परिचय तथा संस्कृत गद्य साहित्य में शिवराजविजय इकाई 2 - प्रथम निःस्वास - विष्णोर्मिया उपविशन्व तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 3 - तस्मिन् प्रथमः तृणामवतस्थे तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 4 - अथ समुद्रि विराजत तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 5 - तदाकार्ये विविध स्वकृतीं प्रविशेत् तक (मूल, अर्थ, व्याख्या) खण्ड दो - (श्रीमद्भगवद्गीता) द्वितीय एवं तृतीय अध्याय इकाई 1 - श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय एवं महत्त्व इकाई 2 - श्लोक सं० 1 से 24 तक मूल अन्वय, अर्थ, व्याख्या	द्वितीय प्रश्न-पत्र- वेद एवं उपनिषद् (BASL-302) खण्ड एक - वैदिक सूक्त इकाई 1 - ओषि 1/1 एवं विष्णु सूक्त 1/154 मूल, व्याख्या इकाई 2 - अथ सूक्त 10/34/1 (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 3 - शिवसंस्कृतसूक्त एवं सूक्त 1/115 (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 4 - इन्द्र सूक्त 2/12 (मूल, अर्थ, व्याख्या) इकाई 5 - सूक्तों में पठित देवताओं के महत्त्व की विवेचना संक्षिप्त वैदिक व्याकरण खण्ड दो - कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) इकाई 1 - उपनिषद् - प्रादुर्भाव, शिक्षाएं, कठोपनिषद् का विरामलोचन इकाई 2 - प्रथम अध्याय, प्रथम वल्ली सन् संख्या 1 से 15 तक


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

इकाई 3 श्रेष्ठ चन्द : मैदान-ए-अमल खण्ड 2 - सवाबिह इकाई 4 हाकी : यादगरे गालिब इकाई 5 स्वर्णसिंहा आबिद हुसैन : यादगरे हल्ली इकाई 6 जोश मलीहायादी : मर्हो की वारात खण्ड 3 - सहाल-ए-जवान इकाई 7 इल्म-ए-क्यान् (तराबीह, इस्तिअरा, मलाल मुरखल, किनाया) इकाई 8 मुहावरे और अजुल अमसाला इकाई 9 कबूल नवीली खण्ड 4 - अवलादीयात इकाई 10 अवलाधियात और उस की किसमें इकाई 11 उर्दू सहासल का आगाहो इर्किता इकाई 12 सहासल के अजरा	इकाई 3 सिरान औरगावदी इकाई 4 वली औरगावदी खण्ड 2 - राजल इकाई 5 गिरा मुस्तावादी इकाई 6 मनकर सुलदानपुरी इकाई 7 अजीज सखनवी खण्ड 3 - नज़म इकाई 8 अल्लामा इकबाल : सय्यद की रीढ़-ए-मुकत इकाई 9 अलताफ हुसैन हल्ली : बहसियत-ए-नज़म गिरा इकाई 10 नजीर अकबरवादी : हंस नामा

बी.ए. प्रथम वर्ष (उपेक्षित)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- अष्टाष्टक एवं काल (BAJY-101) प्रथम खण्ड - खगोल इकाई 1: आक्वानागा एवं निहारिका इकाई 2: सौर परिवार इकाई 3: ग्रह - उपग्रह इकाई 4: तारे एवं तारापुंज इकाई 5: क्षुद्र एवं वायन ग्रह इकाई 6: भूचक्रेतु एवं टक्का द्वितीय खण्ड - काल इकाई 1: बुद्धादि अमूर्त काल इकाई 2: प्रागादि पूर्व काल इकाई 3: सप्ताह, पक्ष, मास, अधिमास एवं क्षयमास इकाई 4: ऋतु, अयन, शीत एवं गर्म इकाई 5: सूर्य, महामुन, मनु एवं कल्प तृतीय खण्ड - पञ्चाङ्गादि परिचय इकाई 1: तिथिक्रम एवं सैद्धान्तिक स्वरूप इकाई 2: नक्षत्र जन एवं अंशात्मक विभाजन इकाई 3: योग क्रम एवं सैद्धान्तिक स्वरूप इकाई 4: करण एवं सैद्धान्तिक स्वरूप इकाई 5: ग्रह कक्षा - प्राच्य एवं पारबाल्य चतुर्थ खण्ड - सूर्योदय साधन इकाई 1: अक्षांश, देशांश एवं देशान्तर इकाई 2: क्षान्ति एवं चर ज्ञान इकाई 3: मध्यमान, वेलांतर एवं सम्यकाल इकाई 4: सूर्योदय, सूर्यास्त एवं दिनमात्र इकाई 5: मानक (स्टैण्डर्ड) समय ज्ञान इकाई 6: लोकल (स्थानीय) समय ज्ञान	द्वितीय प्रश्न-पत्र- जन्मकुण्डली निर्माण (BAJY-102) प्रथम खण्ड - प्रत्यक्षीकरण इकाई 1: ईष्टकाल इकाई 2: पंचिख्य ग्रह - प्रहाराति इकाई 3: चालन - चालन फल इकाई 4: फलसंस्कार विधि एवं ग्रहस्थिति द्वितीय खण्ड - चन्द्रमण्डीकरण इकाई 1: गत एवं जन्म नक्षत्र ज्ञान इकाई 2: भस्मा भोग साधन इकाई 3: जन्माधार निर्णय इकाई 4: चन्द्रमण्डीविधि एवं चन्द्रराशि साधन तृतीय खण्ड - लग्न साधन इकाई 1: पलभ एवं चरखण्ड साधन इकाई 2: लंकोदय भात एवं स्वोदय साधन इकाई 3: अयनांश इकाई 4: लग्नोत्पन्न एवं जन्मांग चक्र निर्माण विधि इकाई 5: साम्प्रतिक कार से लग्नान्तर चतुर्थ खण्ड - हावरा भाव साधन इकाई 1: नतोन्नत काल ज्ञान इकाई 2: दक्षम लग्न साधन इकाई 3: षष्ठांश ज्ञानविधि इकाई 4: कलानि भाव साधन इकाई 5: चलित चक्र निर्माण पंचम खण्ड - दशा साधन इकाई 1: नक्षत्र से दशानिर्णय इकाई 2: विशाखा दशम - अन्तर्दश साधन इकाई 3: योगिनी दशा एवं अन्तर साधन
बी.ए. द्वितीय वर्ष (उपेक्षित)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- जातक शास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त (BAJY-201) प्रथम खण्ड - जातक स्थान्य इकाई 1: जातक शास्त्र का परिचय इकाई 2: राशि शील इकाई 3: भाव विचार इकाई 4: कारक निर्माण द्वितीय खण्ड - ग्रहभाव विचार इकाई 1: विविध परिप्रेक्ष्य में ग्रहों का शुभाशुभत्व इकाई 2: ग्रहफल इकाई 3: भावफल इकाई 4: बुद्धि विचार इकाई 5: ग्रहमैत्री तृतीय खण्ड - फलादेश निर्णय इकाई 1: पञ्चाङ्गादि फल इकाई 2: भावस्थ ग्रहफल इकाई 3: भावश फल	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मुहूर्त विचार (BAJY-202) प्रथम खण्ड - मुहूर्त स्थान्य इकाई 1: मुहूर्त परिचय इकाई 2: षष्ठ, मास, ऋतु, अयन एवं गोल विचार इकाई 3: तिथि वार विवेचन इकाई 4: नक्षत्र विचार इकाई 5: योग, करण एवं भद्रा निर्णय द्वितीय खण्ड - संस्कार मुहूर्त इकाई 1: संस्कार परिचय इकाई 2: पोड्या संस्कार इकाई 3: गर्भाधान, सौम्योत्पन्न, पुंसवन, नामकरण इकाई 4: कलपूजन, कर्णशेष, अन्नप्राशन, चूड़कर्म इकाई 5: अक्षराब्ध, विद्यारम्भ, उपनयन तृतीय खण्ड - शाश्वत मुहूर्त इकाई 1: तिथि नक्षत्र शुद्धि इकाई 2: वर मुहूर्त लग्न शुद्धि

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विश्वीताल)

इकाई 4 : द्विप्रादि योगफल इकाई 5 : द्वि फल चतुर्थ खण्ड - दशा फल विचार इकाई 1 : विशोदरी दशा फल इकाई 2 : अष्टोदरी दशाफल इकाई 3 : योगिनी दशाफल इकाई 4 : अन्तर्दशा फल इकाई 5 : प्रत्यन्तर्दशा फल इकाई 6 : सुख दशाफल	इकाई 3 : दश विचार इकाई 4 : दश में शकुन विचार इकाई 5 : दश में कृत्यकृत्य विचार चतुर्थ खण्ड - गृहात्मक एवं गृहप्रवेश मुहूर्त इकाई 1 : शिक्षात्मक विधि इकाई 2 : गृहात्मक इकाई 3 : द्वास्थायन इकाई 4 : जीर्ण गृहप्रवेश इकाई 5 : शकुन विचार
बी.ए. तृतीय वर्ष (ज्योतिष)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- वर्ष फल विचार (BAJY-101) प्रथम खण्ड - वर्ष कुण्डली निर्माण इकाई 1 : वर्षप्रवेश सामान इकाई 2 : भावस्थान एवं स्थिति चक्र इकाई 3 : ग्रहस्थान एवं पुंथा इकाई 4 : लघु स्थान इकाई 5 : वर्ष निर्णय इकाई 6 : मुद्रा दशा सामान द्वितीय खण्ड - वर्षफल विचार इकाई 1 : मोक्ष योग इकाई 2 : सुख फल इकाई 3 : सफल विचार इकाई 4 : अरिष्ट एवं अरिष्ट भंग विचार इकाई 5 : दशा फल में विशेष तृतीय खण्ड - भावफल इकाई 1 : 1-3 भावफल इकाई 2 : 4-6 भावफल इकाई 3 : 7-9 भावफल इकाई 4 : 10-12 भावफल इकाई 5 : पंचवर्गीय फल निर्णय इकाई 6 : दशा फल इकाई 7 : दशा फल में विशेष चतुर्थ खण्ड - प्रश्न विचार इकाई 1 : प्रश्न प्रयोजन इकाई 2 : प्रश्न विधि इकाई 3 : प्रश्न लघु सिद्धांत इकाई 4 : प्रश्नाकार सिद्धांत इकाई 5 : स्वर सिद्धांत	द्वितीय प्रश्न-पत्र- मेलापक एवं विवाह मुहूर्त विचार (BAJY-102) प्रथम खण्ड - मेलापक इकाई 1 : मेलापक का उद्देश्य इकाई 2 : मेलापक विधि इकाई 3 : अष्टकूट विचार इकाई 4 : अष्टकूट दोष परिहार इकाई 5 : वैधर्म्य एवं विधु योग विचार इकाई 6 : वैधर्म्य एवं विधु योग परिहार द्वितीय खण्ड - विवाह मुहूर्त इकाई 1 : विवाह प्रयोजन इकाई 2 : विवाह में कल निर्णय इकाई 3 : वर एवं कन्या वरण इकाई 4 : विवाह शुद्धि इकाई 5 : विवाह मुहूर्त इकाई 6 : विवाह मुहूर्त में दस दोष तृतीय खण्ड - विवाह निर्णय इकाई 1 : कथप्रवेश मुहूर्त इकाई 2 : विवाह निवास में विशेष इकाई 3 : विवाह निर्णय इकाई 4 : विवाह निर्णय में शुक्र विचार

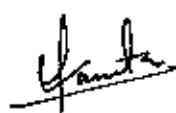
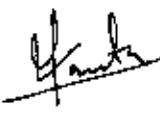
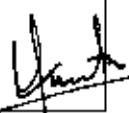
बी.ए. प्रथम वर्ष (कर्मकाण्ड)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त ज्ञान (BAKK-101) प्रथम खण्ड - कर्मकाण्ड : आरम्भिक परिचय इकाई 1 : कर्मकाण्ड का उद्गम स्रोत इकाई 2 : प्रातःकालीन (नित्यकर्मविधि) इकाई 3 : पंचमहायज्ञ इकाई 4 : वेदों का साक्षर परिचय इकाई 5 : पुण्यों का परिचय द्वितीय खण्ड - चर्यांग परिचय एवं मुहूर्त ज्ञान इकाई 1 : तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं करण विचार इकाई 2 : पैचांग का शुभाशुभ फल विचार इकाई 3 : श्राद्धकर्म, नामकरण एवं अन्नप्रदान मुहूर्त इकाई 4 : कर्मविधि, चतुष्टय, उपवन एवं दीक्षा मुहूर्त तृतीय खण्ड - विविध मुहूर्त इकाई 1 : वस्तु शान्ति, स्तुति स्नान, एवं अक्षराम्भ मुहूर्त इकाई 2 : वस्त्राग एवं विवाह मुहूर्त इकाई 3 : गृहाग्न एवं गृहप्रवेश मुहूर्त इकाई 4 : वासा दिवस विचार इकाई 5 : चन्द्रवास, शिववास एवं अमिवास विचार	द्वितीय प्रश्न-पत्र- नित्यकर्म, देवपूजन एवं कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप (BAKK-102) प्रथम खण्ड - नित्यकर्म एवं देव पूजन परिचय इकाई 1 : नित्यकर्म इकाई 2 : पूजन क्रम विधि इकाई 3 : गणपति - गौरी एवं चोडशोत्सव पूजन इकाई 4 : पंचदेव पूजन विधि इकाई 5 : श्री महालक्ष्मी पूजन द्वितीय खण्ड - कथा एवं जप प्रवर्तन इकाई 1 : सत्यमहात्म्य श्रवण कथा इकाई 2 : महामृत्युञ्जय जप इकाई 3 : श्रीनवार्ण मन्त्र पुरचरण इकाई 4 : सन्तान गोपाल मन्त्र इकाई 5 : श्रीमद्भगवद्गीता का 15 वां अध्याय तृतीय खण्ड - विविध देवताओं की आरती एवं स्तुति इकाई 1 : परमेश जी की आरती इकाई 2 : श्री दुर्गा जी की आरती एवं स्तुति इकाई 3 : श्री लक्ष्मी जी की आरती एवं स्तुति इकाई 4 : श्री सरस्वतीदेवी जी की आरती एवं स्तुति


 कृष्ण सक्सेना
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (भैमीताल)

चतुर्थ खण्ड - कार्यकाण्ड प्रक्रियाओं की वैज्ञानिकता इकाई 1: पूजन में मांगलिक श्रुतियों की वैज्ञानिकता इकाई 2: संस्कारों की वैज्ञानिक अवधारणा इकाई 3: व्रत एवं एवों की वैज्ञानिकता इकाई 4: उपनयन एवं विवाह की वैज्ञानिकता		
जी.ए. द्वितीय वर्ष (कार्यकाण्ड)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- शान्ति एवं संस्कार विधान (BAKK-201) प्रश्नोक्त - 1 संस्कार विधान (क) इकाई 1: संस्कार विधान इकाई 2: जातकर्म एवं नामस्मरण इकाई 3: अन्नप्रदान इकाई 4: पुद्गाकरण संस्कार प्रश्नोक्त - 2 संस्कार विधान (ख) इकाई 1: अक्षताभ संस्कार इकाई 2: उपनयन आवश्यकता एवं महत्व इकाई 3: उपनयन विधान इकाई 4: वेदारम्भ एवं समावर्तन प्रश्नोक्त - 3 विवाह प्रकरण इकाई 1: विवाह - अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं प्रयोजन इकाई 2: विवाह मुहूर्त में शुभाशुभ विवेक इकाई 3: वधूपवेश एवं शिरागमन प्रश्नोक्त - 4 शान्ति विधान इकाई 1: मूल शान्ति विधान इकाई 2: नवग्रह शान्ति इकाई 3: थपल, जन्म एवं ज्वरादि रोगरूपति शान्ति	द्वितीय प्रश्न-पत्र- पूजन एवं वेद्यस्थापन विधान (BAKK-202) प्रथम खण्ड - प्रारम्भिक पूजन इकाई 1: पूजन प्रयोजन महत्व एवं प्रकार इकाई 2: स्वर्णितवाचन एवं संकल्प इकाई 3: गणेशपूजा पूजन इकाई 4: श्री गणपत्यर्चनार्थम् द्वितीय खण्ड - कलश स्थापन एवं पूजन इकाई 1: कलशादि स्वरूप विवेचन इकाई 2: कलश स्थापन विधि इकाई 3: पुण्याहवाचन एवं अभिषेक तृतीय खण्ड - नवग्रह पूजन एवं नान्दी श्राद्ध प्रयोग इकाई 1: षोडशमातृका एवं सप्तधृतमातृका का आवाहन पूजन इकाई 2: नान्दी श्राद्ध परिचय एवं प्रयोग विधि चतुर्थ खण्ड - नवग्रह मण्डल पूजन इकाई 1: नवग्रह मण्डल निर्माण इकाई 2: नवग्रह स्थापन इकाई 3: अग्निदेवता, प्रत्यभिदेवता एवं पंचलोकपाल आवाहन एवं पूजन इकाई 4: वाचोत्पत्ति, क्षेत्रपाल एवं द्वा द्विपाल का आवाहन एवं पूजन इकाई 5: असंख्यात् रुद्र स्थापन, पूजन एवं नवग्रह स्तोत्र पाठ	
जी.ए. तृतीय वर्ष (कार्यकाण्ड)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- स्तोत्र पाठ एवं होम विधि (BAKK-301) प्रथम खण्ड - सूक्त पाठ इकाई 1: पुरुष सूक्त इकाई 2: श्री सूक्त इकाई 3: रुद्र सूक्त इकाई 4: शिवमंत्ररूप सूक्त द्वितीय खण्ड - स्तोत्र पाठ इकाई 1: आदित्य हृदय स्तोत्र इकाई 2: अन्नपूर्णा स्तोत्र इकाई 3: देव्याष्टाशय स्तोत्र इकाई 4: सिकर्षणाक्षर एवं रुद्राष्टक स्तोत्र तृतीय खण्ड - नवरात्र विधान इकाई 1: नवरात्र परिचय एवं महत्व इकाई 2: दुर्गासप्तशती पाठ विधि इकाई 3: शतचण्डी एवं सप्तचण्डी पाठ विधान इकाई 4: श्रीदुर्गाशप्तशती हवन विधान चतुर्थ खण्ड - हवन विधि इकाई 1: पंच भू संस्कार इकाई 2: अग्नि स्थापन इकाई 3: कुरकण्डिका इकाई 4: हवन इकाई 5: अग्निविधान एवं पूर्णाहुति	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रायोगिक परीक्षा (BAKK-302)	

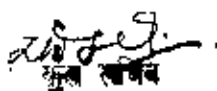
जी.ए. प्रथम वर्ष (शिक्षाशास्त्र)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- शिक्षा एवं समाज (BAED-101) इकाई 1: शिक्षा: अर्थ, कार्य एवं क्षेत्र इकाई 2: शिक्षा एक प्रगल्भी, प्रक्रिया एवं अनुशासन के रूप में इकाई 3: शिक्षा के उद्देश्य- वैयक्तिक उद्देश्य, सामाजिक उद्देश्य एवं प्रजातांत्रिक उद्देश्य इकाई 4: शिक्षा सामंती संवैधानिक प्रावधान इकाई 5: विद्यालय: समाज का लघु रूप इकाई 6: शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन इकाई 7: शिक्षा के साधन: औपचारिक, अनीपचारिक एवं निरीपचारिक	द्वितीय प्रश्न-पत्र- निर्देशन एवं परामर्श (BAED-102) इकाई 1: निर्देशन का अर्थ, कार्यक्षेत्र एवं महत्व इकाई 2: निर्देशनकेन्द्रात्मिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आधार इकाई 3: भात में निर्देशन केन्द्रों का इतिहास इकाई 4: निर्देशन केन्द्र प्रदान करने में सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थानों की भूमिका इकाई 5: शैक्षिक निर्देशन- अर्थ एवं महत्व इकाई 6: व्यावसायिक निर्देशन- अर्थ एवं महत्व इकाई 7: आँकड़ों का शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन हेतु आँकड़ों का संकलन - योग्यता, अभिरुचि

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विनीतपुर)

इकाई 8- दर्शन का अर्थ और भारतीय दर्शन, अध्यापक के रूप में शिक्षा का महत्व इकाई 9 - आदर्शवाद और शिक्षा: उद्देश्य, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, अनुशासन व अध्यापक की भूमिका इकाई 10- प्रकृतिवाद और शिक्षा: उद्देश्य, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, अनुशासन, अध्यापक की भूमिका इकाई 11 - प्रयोजनवाद और शिक्षा: उद्देश्य, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, अनुशासन, अध्यापक की भूमिका इकाई 12- क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय एकता में शिक्षा की भूमिका इकाई 13- शिक्षा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एकता में संघर्ष इकाई 14- शिक्षा द्वारा मानव संसाधन विकास, शिक्षा और रोजगार इकाई 15 - पाठ्यक्रम की परिभाषा व पाठ्यक्रम निर्माण सिद्धान्त इकाई 15 - पाठ्यक्रम के प्रकार, साल केन्द्रित पाठ्यक्रम, जीवन केन्द्रित पाठ्यक्रम इकाई 16- पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सहाय्यी क्रियाएँ: इनकी सार्थकता और व्यवस्था इकाई 17 - स्वतन्त्रता और अनुशासन में सम्बन्ध, मानव जीवन व सामाजिक व्यवस्था में इसका महत्व इकाई 18- विद्यालय के अन्दर व बाहर अनुशासन की आवश्यकता और महत्व इकाई 19 - स्व-अनुशासन का अर्थ, महत्व एवं प्राप्ति इकाई 20 - मूल्यों का अर्थ, मानवीय मूल्यों के प्रकार तथा मानव जीवन में मूल्यों का महत्व इकाई 21 - मानवीय मूल्यों के स्रोत, प्राप्ति की प्रक्रिया मूल्यों की प्राप्ति हेतु विधियाँ, मूल्यों के विकास में परिवार एवं विद्यालय की भूमिका	एवं रुचि इकाई 8- परामर्श का अर्थ, आवश्यकता, प्रक्रिया और परामर्श के प्रकार इकाई 9 - परामर्शदाता के गुण, भूमिका तथा उत्तरदायित्व इकाई 10- आंकड़ों का संकलन तथा महत्व इकाई 11 - मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान इकाई 12- कुसम्पादनों के कारण एवं रक्षण इकाई 13- सामाजिक मुक्तियों तथा उनकी विशेषताएँ, कुष्ठ और दूध की समस्या एवं उनका समाधान 
बी.ए. द्वितीय वर्ष (शिक्षाशास्त्र) प्रथम प्रश्न-पत्र- शिक्षा एवं मानव विकास (BAED-201) इकाई 1- मनोविज्ञान: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में इसका अर्थ, शिक्षा के साथ सम्बन्ध तथा मनोविज्ञान और शिक्षा मनोविज्ञान में अन्तर इकाई 2- शिक्षा मनोविज्ञान : अर्थ तथा क्षेत्र, शैक्षिक मनोविज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय इकाई 3- शिक्षा में मनोविज्ञान की विधियाँ इकाई 4- मानव बुद्धि एवं विकास इकाई 5- मानव विकास की अवस्थाएँ इकाई 6 - शैक्षणिकता में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास इकाई 7- बाल्यावस्था में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास इकाई 8- किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास इकाई 9- सीखना इकाई 10- सीखने के सिद्धांत इकाई 11- अभिप्रेरणा इकाई 12- वैयक्तिक विभिन्नता इकाई 13- बुद्धि: इसका अर्थ, परिभाषाएँ, IQ के सन्दर्भ में बुद्धि मापन इकाई 14- बुद्धि के सिद्धांत इकाई 15- बुद्धि परीक्षण इकाई 16- सुचनात्मकता इकाई 17- व्यक्तित्व: अवधारणा विकास एवं निर्धारक तत्व इकाई 18- व्यक्तित्व के सिद्धांत इकाई 19- व्यक्तित्व मापन की प्रक्रियाएँ इकाई 20- वर्णनत्मक सांख्यिकी: केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापक इकाई 21- विचलनशीलता का मापक: परास, चतुर्भाजिक विचलन व प्रमाप विचलन इकाई 22- सहसंबंध: अर्थ, प्रकार एवं क्रम अंतर सहसंबंध गुणांक का परिचय	द्वितीय प्रश्न-पत्र- शिक्षा के नूतन आयाम (BAED-202) इकाई 1- विशेष शिक्षा: संप्रत्यय, कार्य क्षेत्र एवं सिद्धांत इकाई 2- विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य, विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व इकाई 3- विशिष्ट शिक्षा सेवाओं के प्रकार व विशिष्ट शिक्षा की सीमाएँ इकाई 4- शिक्षा में समावेशन की अवधारणा तथा शिक्षा में समावेशन के अवयव इकाई 5- समावेशित शिक्षा के लाभ, समावेशित शिक्षा में मुद्दे इकाई 6- मुक्त व दूरदर्शी शिक्षा: अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता, और मुख्य विशेषताएँ इकाई 7- दूरदर्शी शिक्षाएँ: प्रकृति, विशेषताएँ तथा प्रकार इकाई 8- दूरदर्शी शिक्षा में अध्ययन सामग्री- अर्थ, प्रकार व महत्व इकाई 9- दूरदर्शी शिक्षा में मूल्यांकन तकनीकी इकाई 10- मुक्त एवं दूरदर्शी शिक्षा में परामर्श का संप्रत्यय, आवश्यकता व महत्व इकाई 11- प्रौढ़ शिक्षा: अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य और इसका महत्व इकाई 12- जीवन पर्यन्त अधिगम: अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य और इसका महत्व इकाई 13- सतत शिक्षा: अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य व महत्व इकाई 14- पर्यावरण शिक्षा: अर्थ, प्रकृति तथा उद्देश्य इकाई 15- पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार व इनका मानव जीवन पर प्रभाव इकाई 16- पर्यावरण संरक्षण की विधियाँ व कार्यक्रम इकाई 17- जनसंख्या शिक्षा: इसका संप्रत्यय, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व इकाई 18- जनसंख्या नियंत्रण हेतु शैक्षिक कार्यक्रम 
बी.ए. तृतीय वर्ष (शिक्षाशास्त्र) प्रथम प्रश्न-पत्र- शिक्षा एवं भारतीय विरासत (BAED-301) इकाई 1- प्राचीन कालीन वैदिक शिक्षा प्रणाली इकाई 2- प्राचीन कालीन बौद्ध शिक्षा प्रणाली इकाई 3- मध्यकालीन मुस्लिम शिक्षा प्रणाली इकाई 4- सन् 1833 का अध्यापन इकाई 5- मैकाले का विवरण पत्र और वैदिक प्रस्ताव 1835 इकाई 6- बुड का घोषणा पत्र-1854 इकाई 7- भारतीय शिक्षा आयोग (कमिशन) इकाई 8- भारतीय विश्वविद्यालय आयोग 1902-1904 इकाई 9- कलाकला विश्वविद्यालय आयोग (कैडलर कमीशन) इकाई 10- वर्धा शिक्षा योजना अथवा बेसिक शिक्षा - 1937 इकाई 11- विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग 1948-49 इकाई 12- माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुदास्लिफ कमीशन) 1952-53 इकाई 13- राष्ट्रीय शिक्षा आयोग 1964-66 (कोडारी कमीशन) इकाई 14- राष्ट्रीय ज्ञान आयोग इकाई 15- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 इकाई 16- संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 (1992)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- शैक्षिक प्रशासन एवं नियोजन (BAED-302) इकाई 1- शैक्षिक नियोजन : अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता और सार्थकता इकाई 2- शैक्षिक नियोजन की विधियाँ, तकनीक एवं प्रकार संरचना इकाई 3- शैक्षिक नियोजन की तकनीक एवं विधि : अल्प-कालीन एवं दीर्घकालीन नियोजन के लाभ एवं हानियाँ इकाई 4- शैक्षिक प्रशासन: अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता एवं सार्थकता इकाई 5- भारतीय शैक्षिक प्रशासन: आधारभूत संरचना, योग्यताएँ व चुनौतियाँ इकाई 6- भारतीय शैक्षिक प्रशासन एवं नियोजन से सम्बंधित महत्वपूर्ण संस्थाओं के कार्य इकाई 7- भारत में प्राथमिक और प्रारंभिक शिक्षा की प्रशासनिक संरचना इकाई 8- माध्यमिक शिक्षा के प्रशासन की संरचना: केन्द्र, राज्य एवं जिला स्तर पर इकाई 9- भारत में उच्च शिक्षा का प्रशासनिक संगठन (क) केन्द्रीय स्तर पर (ख) राज्य स्तर पर (ग) जिला स्तर पर इकाई 10- शिक्षा पर्यवेक्षण : अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता और सार्थकता इकाई 11- शैक्षिक पर्यवेक्षण के प्रकार एवं इसकी भूमिका इकाई 12- शैक्षिक निरीक्षण बनाम शैक्षिक पर्यवेक्षण इकाई 13- केन्द्रीकृत और विकेंद्रीकृत शैक्षिक नियोजन इकाई 14- शैक्षिक नियोजन की प्रक्रिया: केन्द्र, राज्य, जिला एवं संस्था स्तर पर 


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनीतन)

बी.ए. प्रथम वर्ष (गृह विज्ञान)	
Family Resource Management (HSC-101) Block I Home Management Process Unit 1: Home Management Unit2: Motivating Factors For Management Unit3: Resources Unit4: Time And Energy Resources Unit5: Decision Block II Money Management Unit 6: Financial Management Unit 7: Budget Unit 8: Saving Unit 9: Taxation Block III: Consumerism And Consumer Protection Unit 10: Consumer Unit 11: Consumer Protection Block IIII: Household: Care And Usage Unit 12: Care Of Household Unit 13: Introduction To Household Equipments Unit 14: Material Used For Household Equipments	Human Development (HSC-102) Block I: Human Developmental Psychology Unit 1: Concept Of Human Development Unit2: Psychology Of Behaviours Block II: Prenatal Development Unit3: Growth And Development Unit 4: Fitness For Motherhood Unit 5: Prenatal Development Block III Infancy Unit6: Physical And Motor Development Unit 7: Cognitive Development Unit8: Language Development Unit9: Social Development Unit 10: Emotional Development Block III Early Childhood Years Unit 11: Physical And Motor Development Unit 12: Cognitive And Language Development Unit 13: Social And Emotional Development
बी.ए. प्रथम वर्ष (गृह विज्ञान) Practical HSC 103 (Practical HSC 101 and HSC 102)	
Practical 1: Preparation of educative play materials for preschool children. Practical 2: Preparing budget for low, high and middle-income group family. Practical 3: To find out problem of ten families of urban and rural areas, managing their home related issues with special reference to time, money, energy by the use of surrounding resources and setting the goals. Write a detail report on the above. Practical 4: Use of waste material for making decorative and utility material. Practical 5: Paper cutting for decorating a house for special occasions.	Practical 1: Survey of play school/ nursery school and get attached to a child, get involve with the child and record his/her daily activities. Write a report on his/her overall development. Practical 2: Development of appropriate play material for cognitive development infain and preschoolers. Practical 3: Curriculum planning for a child in a play school. Practical 4: Preparation of play material by use of indigenous materials.
बी.ए. द्वितीय वर्ष (गृह विज्ञान)	
Foods And Nutrition (HS-201) Block I: Basic Concepts Of Foods And Nutrition Unit 1: Food & Nutrition Unit2: Basic Food Group Unit3: Meal Planning Unit4: Energy Value And Calorimetry Block II: Nutrients And Its Defecency Disorders Unit 5: Macro Nutrients Unit 6: Micronutrients Unit7: Nutrient Deficiency Disorders Block III: Composition Of Different Food Stuff Unit 8: Composition Of Cereal And Pulses Unit 9: Composition Of Various Food Stuff Unit 10: Improving Nutritional Quality Of Foods Unit 11: Cooking Methods Block IV: Ensuring Food Quality Unit12: Food Adulteration Unit 13: Food Hygiene And Sanitation	Extension Education (HS-202) Block I: Extension Education: Introduction Unit 1: Concept Of Extension Education Unit 2: Historical Development In Extension Education Process Unit 3: Role Of Homescience In Extension Education Unit 4: Communication Block II: Extension Teaching Tools Unit 5: Extension Teaching Methods Unit 6: Audio Visual Aids Block III: Role Of Community And Rural Program Unit 7: Rural Development Programmes Unit 8: Development Of Community Block IV- Program Planning Process Unit 9: Programme Planning Unit 10: Programme Development Processes And Leadership Unit 11: Evaluation Of Extension Programmes Unit 12: Concept Of Five Year Plan
बी.ए. द्वितीय वर्ष (गृह विज्ञान) Practical Practical HSC 203 (HSC 201 and HSC 202)	
Practical 1: To detect common adulterant present in food stuffs Practical 2: Do meal planning for various age groups. Practical 3: Prepare balanced diet for various age groups. Practical 4: Prepare few recipes using traditional cooking methods for children, adult and old age person.	Practical 1: Prepare at least five teaching aids, atleast one should be selected from each projected (poster, chart, flashcard, puppet, funnel graph, model, graph, map) and non-projected aids (transparencies, slide with power point presentation). Practical 2: Prepare a radio talk in regard to women development programs.


 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हल्द्वानी (श्रीमतीताल)

Practical 5: Prepare few nutritious recipes using modern cooking methods for children, adult and old age person. Practical 6: Give method demonstration of some nutritious recipe for infant and preschoolers. Practical 7: Prepare one recipe using food enrichment techniques.	Practical 3: Prepare one poster/chart on environmental/ personal hygiene and sanitation. Practical 4: Development of proforma for conducting village and household survey. Practical 5: Development of survey schedules for obtaining demographic information on village and profile of household.
बी.ए. तृतीय वर्ष (गृह विज्ञान)	
Community Nutrition (HS-301) Block I: Assessment Of Nutritional Status Unit 1: Introduction To Community Nutrition Unit 2: Direct Nutritional Status Unit 3: Indirect Nutritional Status Block II: Community Nutrition Programmes Unit 4: National Community Nutrition Programmes Unit 5: International Community Nutrition Programmes Unit 6: Nutritional Problem In India Unit 7: Food Consumption Pattern And Pds Unit 8: Factor Affecting Food Choices Block III: Nutrition And Care Unit 9: Assessment Of Nutritional Knowledge Unit 10: Nutrition And Child Care Unit 11: Nutrition And Mother Care Unit 12: Nutrition And Old	Clothing And Textile (HS-302) Block I: Introduction To Fibre Unit1. Types Of Textile Fibres Unit2. Natural Fibres Unit3. Manmade Fibres Block II: Introduction To Yarn And Fabric Construction Unit4. Yarn Classification And Properties And Spinning Process Unit5. Methods Of Fabric Construction Block III: Dyeing And Printing Unit 6 Dyes And Their Classification (Natural And Synthetic Dyes) Unit 7 Techniques Of Dyeing Unit 8 Different Techniques Of Printing Block IV: Fundamentals Of Garment Construction Unit 9 Sewing Equipment And Tools Unit 10 Garment Construction Block V: Selection Of Clothes Care And Maintenance Of Textiles Unit 11. Clothing For Different Age Group Unit 12 Buying Factors For Ready-Made Garments - Unit 13 Laundering Equipment Unit 14 Stain Removal And Care Of Textile
बी.ए. तृतीय वर्ष (गृह विज्ञान) Practical	
Practical HSC 303 (HSC 301 and HSC 302)	
Practical 1: Visit to ICDS and PHC/MCH to observe supplementary feeding and prophylactic programmes Practical 2: Assess the growth-monitoring chart of a child and interpretation of growth chart. Practical 3: Prepare a Proforma for clinical signs and symptoms of various diseases. Practical 4: Prepare various proforma for evaluating dietary history among women in a rural community. Practical 5: Prepare a report on factors affecting child growth including: weaning practices, immunization practices and sanitary practices Practical 6: Assess the nutritional status of women- children, registered in nearby anganwadi Centre. Practical 7: Generate awareness in infant nutrition education, among pregnant and lactating women regarding current government scheme/ programmes.	Practical 1: Introduction of sewing machine and its functions, recognizing the parts and their function, basic operation, practice machining - straight, curve, spiral, reverse and corners. Practical 2: Seams: Plain seam and finishing: Enclosed seams-Run's fell, French seams; Edge finishing - shaped facing; Pocket - Patch pocket and variations; Placket - Even hem. Practical 3: Drafting, stitching and decoration of following: Petticoat, Apron, Baby frock Practical 4: Hand Stitches: Functional: Temporary and permanent, basting, hemming, running, back stitch, slipstitch, stem chain, buttonhole, herringbone, French knot Practical 5: Removal of stains from samples and garments. Practical 6: Prepare one article with decorative dyeing: Tie and dye/ Batik Practical 7: Prepare one article with printing: Block printing: Screen / stencil printing Practical 8: Identification of fibers with different test.

बी.ए. प्रथम वर्ष संगीत (गायन)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत परिचय (BAMY-101) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शब्दावली इकाई 1 - संगीत एक परिचय इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास इकाई 3 - परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, साक, ताल, लय, आवर्तन, काली, खाली, विभागा व ठेका) द्वितीय खण्ड - खयाल, तानपुरे का ज्ञान एवं जीवन परिचय इकाई 1 - खयाल की उत्पत्ति, विकास एवं धाराओं का संक्षिप्त परिचय; तानपुरे की संरचना एवं मिलाने की विधि इकाई 2 - धारीका (पं. बी०एन० भण्डारणे, पं. वी० डी० फुल्कर व सदाशिव-अदारींग) का जीवन परिचय इकाई 3 - धारीका (पं. ओम्पकानाथ ठाकुर, उ० फैयाज खाँ व पं. भीमसेन जोशी) का जीवन परिचय तृतीय खण्ड - स्वरलिपि पद्धति, ताललिपि पद्धति एवं गायन सैधियाँ इकाई 1 - भानुप्रभे स्वरलिपि पद्धति का परिचय, राग यमन परिचय एवं खयाल (विलम्बित व मध्यलय) धनिराओं को लिपिबद्ध करना, राग भैरव व बिलावल का परिचय एवं मध्यलय खयाल को लिपिबद्ध करना, पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुवपद द्युन सहित	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMY-102) प्रथम खण्ड- प्रदर्शन - 1 (यमन) इकाई 1 - परिचय एवं स्वा विस्तार इकाई 2 - विलम्बित (आलाप व तान सहित) इकाई 3 - मध्यलय खयाल (आलाप व तान सहित) द्वितीय खण्ड- प्रदर्शन - 2 (भैरव एवं बिलावल), ध्रुवपद इकाई 1 - परिचय एवं स्वा विस्तार इकाई 2 - मध्यलय खयाल (आलाप व तान सहित) इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक में ध्रुवपद द्युन सहित तृतीय खण्ड- पठन एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पद्धति इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (द्युन व भीमन) में पढ़ना इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनीमाल)

इकाई 2 - भारतीय ताललिपि पद्धति का परिचय तथा पाठ्यक्रम की तालों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना। इकाई 3 - गायन शैलियों (ध्रुपद, धमार, तुमरी, दप्पा, दहदा व होरी) का संक्षिप्त परिचय। राग - यमन, धैरव व बिलावल ताल - गीतताल, एकताल व चारताल	
बी.ए. द्वितीय वर्ष संगीत (गायन) प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत शास्त्र (BAMV-201) प्रथम खण्ड भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली व गायन शैलियाँ इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक। इकाई 2 - नाद, गाय, मूर्च्छना, कालि धामन, निबद्ध गाय, अनिबद्ध गाय, शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांगवादि राग, उदात्तवादि राग, वक्षेय प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग। इकाई 3 - तरांग, श्रित, गमक, कम्पली, सादरा, चतुर्ग, स्वरग गीत, लक्ष्मी गीत, कजरी एवं चैती का अध्ययन; ध्रुपद की उत्पत्ति, विकास व धारणे द्वितीय खण्ड स्वरलिपि पद्धति, राग पद्धताना, जीवन परिचय एवं नियन्त्र लेखन इकाई 1 - विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं मातृखण्ड पद्धति से तुलना; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना। इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० तानसेन, श्री अमरि खुसरो, हनु खॉ, हनु खॉ, १० एस० एस० रातनकर, बड़े गुलाम अली खॉ व गिरिजा देवी) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर विचार। तृतीय खण्ड स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में छाया (विस्तारित व मध्यम) तालों सहित) को लिपिबद्ध करना। इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुपद, दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनकी लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना। राग - बिहाग, बागेश्री, बृजवन्ती सारंग, देश व शुद्ध कल्याण ताल - बीरगु प्रथम वर्ष की तालें तथा कृपताल, धमार, रमक, कहरवा व दहदा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMV-202) प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (विहाग एवं बागेश्री) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - विस्तारित छाया (आलाप व तानों सहित)। इकाई 3 - मध्यम छाया (आलाप व तानों सहित)। द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (बृजवन्ती सारंग, देश व शुद्ध कल्याण), ध्रुपद इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - मध्यम छाया (आलाप व तानों सहित)। इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक में ध्रुपद (दुगुन, चौगुन) सहित। तृतीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढ़ना। इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन) में पढ़ना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।
बी.ए. तृतीय वर्ष संगीत (गायन) प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत विज्ञान (BAMV-301) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत का इतिहास, श्रुति एवं स्वर का विस्तारपूर्वक वर्णन व सांस्कृतिक शब्दों की व्याख्या। इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल के उपरान्त से आधुनिक काल तक। इकाई 2 - भारतीय संगीत में यष्ट पद्धति। इकाई 3 - श्रुति एवं स्वर की व्याख्या प्राचीन, मध्यकालीन व वर्तमान विद्वानों के अनुसार; दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय। इकाई 4 - मार्ग संगीत, देशी संगीत, नरक, गणक, बागेश्री, पंडित, कलावन्त, गीत, गान्धर्व, गान, अवरिभाव, शिरोभाष, काफ़ू व तान। द्वितीय खण्ड - राग विस्तार, जीवन परिचय एवं नियन्त्र लेखन इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना। इकाई 2 - संगीतज्ञों (अब्दुल करीम खॉ, अमरि खॉ, डी० पी० पलुस्कर, अल्लादिता खॉ, विनायक राव पटवर्धन, कृष्णराव शंकर पंडित व नारायण राव व्यास) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर विचार। तृतीय खण्ड स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में छाया (विस्तारित व मध्यम) तालों सहित) स्वरियों को लिपिबद्ध करना। इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुपद व धमार (दुगुन व चौगुन) लयकारी सहित लिपिबद्ध करना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनकी लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना। राग - सियाँ मल्हार, मातङ्गी, मुल्तानी, तोड़ी, दरबारी, यमन, धैरव व शंकरा ताल - आठायताल, दीपचंदी, झुमरा, सूलतान व तीवरा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMV-302) प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (सियाँ मल्हार, तोड़ी एवं दरबारी) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - विस्तारित छाया (आलाप व तानों सहित)। इकाई 3 - मध्यम छाया (आलाप व तानों सहित)। द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (यालकौस, मुल्तानी, यमन, धैरव व शंकरा) ध्रुपद। इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - मध्यम छाया (आलाप व तानों सहित)। इकाई 3 - उपरोक्त रागों में से किसी दो में ध्रुपद व धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन) लयकारी सहित एवं तान। तृतीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढ़ना। इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन व चौगुन) में पढ़ना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।
बी.ए. प्रथम वर्ष संगीत (स्वरबोध) प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत परिचय (BAMI-101) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शब्दावली इकाई 1 - संगीत एक परिचय। इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास। इकाई 3 - परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, सप्तक, ताल, लय, आधारित, ताली, खाली, विभाग व ठेका)। द्वितीय खण्ड - भारतीय गायकों का वर्गीकरण एवं जीवन परिचय इकाई 1 - स्वर धारा, ताल वाद्य एवं अपने वाद्य का ज्ञान (संरचना एवं मिलाव की विधि)। इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० श्री० भातखण्डे, पं० श्री० डी० पलुस्कर व सहाय-अद्वैत) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीतज्ञों (श्री० अलीअकबर खॉ, श्री० इनामत खॉ व पं० शिबकुमार शर्मा) का जीवन परिचय। तृतीय खण्ड स्वरलिपि पद्धति, ताललिपि पद्धति एवं तान वाद्य सम्बन्धी इकाई 1 - भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय; ताललिपि पद्धति एवं तान वाद्य सम्बन्धी को लिपिबद्ध करना; राग धैरव व बिलावल का परिचय एवं रजाखानी गत (तोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना। इकाई 2 - भातखण्डे ताललिपि पद्धति का परिचय तथा पाठ्यक्रम की तालों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMI-102) प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 (यमन) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - मसीखानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। इकाई 3 - रजाखानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। द्वितीय खण्ड प्रदर्शन - 2 (धैरव एवं बिलावल) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - रजाखानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। तृतीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढ़ना। इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पढ़ना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।

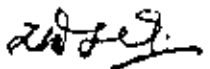
(हस्ताक्षर)
मुकुल खन्ना

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मिमीताल)

इकाई 3 - परिभाषा (बँहड़, घसीट, कुन्तन, जोड़, आलाप, मसीतखानी गत, ख़ाख़ानी गत व तोड़े)। राग - यमन, धैरज व बिलावल ताल - रीतताल, एकताल व छत्रताल	
बी.ए. द्वितीय वर्ष संगीत (स्वरावाह) प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत शास्त्र (BAMI-201) प्रथम खण्ड भारतीय संगीत का इतिहास, स्रष्टावली, स्वर वाद्य एवं धरातल इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक। इकाई 2 - नाद, गान, मूर्च्छना, जाति गान, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्धगान, छायालग्न राग, संकीर्ण राग, पूरोगानादि राग, उत्तानगवादि राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग। इकाई 3 - स्वर वाद्य की विकास यात्रा व स्वर वाद्य के धरातल का संक्षिप्त परिचय। द्वितीय खण्ड स्वरलिपि पद्धति, राग पहचानना, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन। इकाई 1 - विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखण्डे पद्धति से तुलना; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना। इकाई 2 - संगीतज्ञ (५०) नामों, अर्थात् खुसरो, ३० अल्लाउद्दीन खॉं, ३० इमदद खान, ५० निखिल बैरवा व ५० रविवरकर) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध। तृतीय खण्ड स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना। इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी गत (तोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना। इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में ख़ाख़ानी गत (तोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनको लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना। राग - बिहाग, बागेश्री, वृन्दावनी सारंग, देश व शुद्ध करुणाग। ताल - बीरभो प्रथम वर्ष की तालें तथा छपताल, यमाक, कपक, कहरवा व दादरा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMI-202) प्रथम खण्ड प्रदर्शन -1 (विहाग एवं बागेश्री) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - मसीतखानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। इकाई 3 - ख़ाख़ानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। द्वितीय खण्ड प्रदर्शन -2 (कुन्तानी सारंग, देश व शुद्ध करुणाग), हुत गत। इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - ख़ाख़ानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी एक में हुत गत (तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में)। तृतीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा। इकाई 1 - तालों की पढ़ना। इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन) में पढ़ना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।
बी.ए. तृतीय वर्ष संगीत (स्वरावाह) प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत विज्ञान (BAMI-301) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत का इतिहास, श्रुति एवं स्वर का विस्तारपूर्वक धर्षण व सांस्कृतिक दृष्टिकोण की व्याख्या। इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल के उपरान्त से आधुनिक काल तक। इकाई 2 - भारतीय संगीत में वाद्य पद्धति। इकाई 3 - श्रुति एवं स्वर की व्याख्या प्राचीन, मध्यकालीन व वर्तमान विद्वानों के अनुसार : दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय। इकाई 4 - माग धंशति, देशी संघति, नामक, रागक, वागेयकार, पंडित, कलावंत, गीत, गन्धर्व, गान, अविरभाव, विरोभाव, काकु व तान। द्वितीय खण्ड - राग विस्तार, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन। इकाई 1 - स्वर वाद्य में सप्तकारी व गायन शैली; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना। इकाई 2 - संगीतज्ञ (३०) विस्तार खॉं, ३० इलियास खॉं, ५० हरिप्रसाद चौरसिया, शान्त रमी व ३० अपजद अली खॉं) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध। तृतीय खण्ड - स्वरलिपि व ताललिपि में लिखना। इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी गत (तोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना। इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में ख़ाख़ानी गत (तोड़ों सहित) को लिपिबद्ध करना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनको लयकारी (दुगुन, त्रिगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना। राग - मिथी बलहर, मलकौंस, मुल्तानी, तोड़ी, वरखारी, वसन्त, परज व शंकरा। ताल - आडाखारताल, बीपचंदी, हुमरा, मुल्तान व बीपचर	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMI-302) प्रथम खण्ड प्रदर्शन -1 (मिथी बलहर, तोड़ी एवं वरखारी) इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - मसीतखानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। इकाई 3 - ख़ाख़ानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। द्वितीय खण्ड प्रदर्शन -2 (मलकौंस, मुल्तानी, वसन्त, परज व शंकरा), हुत गत। इकाई 1 - परिचय एवं स्वर विस्तार। इकाई 2 - वरखानी गत (आलाप व तोड़े सहित)। इकाई 3 - पाठ्यक्रम के रागों में से किसी दो में हुत गत (तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में)। तृतीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा। इकाई 1 - तालों की पढ़ना। इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, त्रिगुन व चौगुन) में पढ़ना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।
बी.ए. प्रथम वर्ष संगीत (महालय) प्रथम प्रश्न-पत्र- संगीत परिचय (BAMT-101) प्रथम खण्ड - भारतीय संगीत व भारतीय संगीत शास्त्रावली। इकाई 1 - संगीत एक परिचय। इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास। इकाई 3 - परिभाषा (स्वर, श्रुति, आलाप, राग, स्मरक, ताल, राग, आवर्तन, ठासी, खाली, विभाग व ठेका)। द्वितीय खण्ड - तबले का संक्षिप्त इतिहास एवं जीवन परिचय। इकाई 1 - तबले की उत्पत्ति, विकास, संरचना, वर्ण एवं धरातल का संक्षिप्त परिचय। इकाई 2 - संगीतज्ञ (५० बी.ए.एन. भातखण्डे, ५० बी.ए.ए. पल्लव व संधर्ष-अदार्ण) का जीवन परिचय। इकाई 3 - संगीतज्ञ (३० अरुण ज्ञान शिरका, ५० अर्जुनलाल व ३० अल्लारख़ा खॉं) का जीवन परिचय। तृतीय खण्ड - ताललिपि पद्धति एवं ताल वाद्य स्रष्टावली। इकाई 1 - भातखण्डे ताललिपि पद्धति का परिचय; तीनताल, एकताल, चारताल, कहरवा व दादरा को लयकारी (दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना। इकाई 2 - परिभाषा; कायदा, पेशकार, टुबड़ा, पुखड़ा, पलरा, तिटई व रेला। उदाहरण सहित। इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों में तबले, पञ्जाब की रत्नाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना। ताल - तीनताल, एकताल, चारताल, कहरवा व दादरा	द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMT-102) प्रथम खण्ड प्रदर्शन - 1 इकाई 1 - तीनताल में सोलो वादन। सोरो - उदाहरण/पुखड़ा, एक पेशकार (तीन पलटों सहित), एक कायदा (तीन पलटों सहित), एक रेल (तीन पलटों सहित), दो साथे टुबड़े, एक चक्करदार टुबड़ा एवं तिटई। इकाई 2 - एकताल में टुबड़े, मुखड़े, पन/गत/चक्करदार व तिटई। इकाई 3 - चारताल में टुबड़ा एवं तिटई। इकाई 4 - सुगम संगीत के साथ बजने वाली तालें (कहरवा एवं दादरा) का ज्ञान। द्वितीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा। इकाई 1 - तालों की पढ़ना। इकाई 2 - तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन व चौगुन) में पढ़ना। इकाई 3 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।

मुक्त विश्वविद्यालय
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (मैत्रीताल)

बी.ए. द्वितीय वर्ष संगीत(तबला)			
प्रथम प्रश्न-पत्र- ताल शास्त्र (BAMT-201)		द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMT-202)	
प्रथम खण्ड भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली व तबले के घराने इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक इकाई 2 - राग, रागकारि, परन, गत, चक्रवर्त, नौहक्क की परिभाषा उदाहरण सहित इकाई 3 - वैदली, अलसडा, सज्जनऊ, मनारख, पंजाब में कस्बावासी घरानों का विस्तृत अध्ययन द्वितीय खण्ड ताल के प्राण, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन इकाई 1 - ताल के दस प्राण (काहा, भारी, क्रिया, अंग, ग्रह, जाति, कला, लय, यति व प्रस्ताव) का संक्षिप्त अध्ययन इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं० अयोध्या प्रसाद, डॉ० हर्षाबुद्धी जी, पं० स्वप्न चौधरी, पं० कण्ठ महाराज, डॉ० यसीत जी, डॉ० आशिर हुसैन व पं० ग्रामा महाराज) का जीवन परिचय इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध तृतीय खण्ड ताललिपि पद्धति एवं ताललिपि में लिखना इकाई 1 - दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलना इकाई 2 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं बील समूह द्वारा ताल पहचानना : पाठ्यक्रम की तालों के ठेके, लक्ष्मी (दुगुन, तिगुन एवं चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना इकाई 3 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना चौथा प्रश्न वर्ष की तालें तथा आडावाताल, झफ्फाल, एकतारा, सूरताल व धमक		प्रथम खण्ड प्रदर्शन इकाई 1 - पाठ्यक्रम की तालों में से किसी दो तालों में सोलो वादन सोलो - डडान/मुखड़ा, एक पेक्कर (तीन पलटों सहित), दो कायदे (तीन पलटों सहित), एक रेला (तीन पलटों सहित), गत, दो सादे टुकड़े, एक चक्रवर्त टुकड़ा व एक तिहाई इकाई 2 - सोलो वादन हेतु प्रयुक्त तालों के अतिरिक्त अन्य सभी तालों में टुकड़े, मुखड़े, परनगत/चक्रवर्त, तिहाई इकाई 3 - गायन, वादन (रत्न व सुखि वाद्य) के साथ संगत का प्रारम्भिक ज्ञान द्वितीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढ़ना इकाई 2 - तालों के ठेकों की पढ़ना दुगुन व चौगुन सहित इकाई 3 - तबले के बीलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढ़ना इकाई 4 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा	
बी.ए. तृतीय वर्ष संगीत(तबला)			
प्रथम प्रश्न-पत्र- ताल विज्ञान (BAMT-301)		द्वितीय प्रश्न-पत्र- प्रयोगात्मक (BAMT-302)	
प्रथम खण्ड भारतीय संगीत का इतिहास, भारतीय अवनन्द वाद्य एवं तबला वादन इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - मध्यकाल के उपरान्त से आधुनिक काल तक इकाई 2 - प्राचीन व मध्य काल में प्रयुक्त होने वाले भारतीय अवनन्द वाद्य : तबले की उत्पत्ति एवं विकास इकाई 3 - तबला वादन (एकल वादन एवं संगत) द्वितीय खण्ड - मार्ग, देशी व दक्षिण भारतीय संगीत, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन इकाई 1 - मार्ग एवं देशी संगीत : दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त परिचय इकाई 2 - संगीतज्ञों (डॉ० आशिर हुसैन, डॉ० रोख डरड, डॉ० आकाश हुसैन, डॉ० अमीर हुसैन जी, पं० फुर्दी महाराज, डॉ० लतीफ अहमद जी व पं० बीर मिश्र) का जीवन परिचय इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध तृतीय खण्ड - ताल इकना एवं ताललिपि में लिखना इकाई 1 - ताल रचना के सिद्धान्त एवं समान मात्राओं की विभिन्न तालों का औचित्य इकाई 2 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं बील समूह द्वारा ताल पहचानना : पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को दुगुन, तिगुन, चौगुन और आठ में लिखना इकाई 3 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना ताल - प्रथमसवारी, आडावाताल, असात, रूपक, मिलावाडा व झुमरा		प्रथम खण्ड प्रदर्शन - इकाई 1 - पाठ्यक्रम की तालों में से किसी दो तालों में सोलो वादन सोलो - डडान/मुखड़ा, एक पेक्कर (तीन पलटों सहित), दो कायदे (तीन पलटों सहित), एक रेला (तीन पलटों सहित), गत, दो सादे टुकड़े, चक्रवर्त, तिहाई इकाई 2 - सोलो वादन हेतु प्रयुक्त तालों के अतिरिक्त अन्य सभी तालों में टुकड़े, मुखड़े, परनगत/चक्रवर्त व तिहाई इकाई 3 - गायन, वादन (रत्न व सुखि वाद्य) के साथ संगत का प्रारम्भिक ज्ञान द्वितीय खण्ड पढ़ना एवं मौखिक परीक्षा इकाई 1 - तालों की पढ़ना इकाई 2 - तालों के ठेके की रचनाओं (दुगुन, तिगुन व चौगुन) सहित पढ़ना इकाई 3 - तबले के बीलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढ़ना इकाई 4 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा	
बी.ए. प्रथम वर्ष गणित			
प्रथम प्रश्न-पत्र- विविध गणित (MT-01)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- कलन एवं अवकल समीकरण (MT-02)	तृतीय प्रश्न-पत्र- विवेकपूर्ण व्याप्ति अथ गणितीय प्रमाणन समस्याएँ (MT-03)	
इकाई 1. संयुक्त सिद्धांत इकाई 2. संख्या, जालक एवं कलन इकाई 3. औचगणितीय संरचना इकाई 4. गणन विधियाँ इकाई 5. वर्गमालाएँ, मापार्थ एवं व्याकरण इकाई 6. परिमित अवस्था औतोमता एवं परिमित अवस्था मशीन इकाई 7. मूल्य औचगणित इकाई 8. मूल्य व्ययक एवं फलन इकाई 9. विविध संख्यात्मक फलन एवं फलन इकाई 10. पुनरुक्ति सम्बन्ध इकाई 11. प्राक, प्राप्ति में सम्बद्धता एवं प्राप्ति फ संक्रियाएँ इकाई 12. प्राक संक्रिया इकाई 13. समकलीय प्राक इकाई 14. वृद्ध इकाई 15. विष्टप्राक	इकाई 1. श्रेणी इकाई 2. व्यापकीकृत मध्यमान प्रमेय एवं घात श्रेणी इकाई 3. वक्र के चाप का अवकलन व एटिक समीकरण इकाई 4. वक्रता इकाई 5. आंशिक अवकलन इकाई 6. उच्चतम व निम्नतम इकाई 7. अवकलन विधि इकाई 8. वक्र अनुवर्षण इकाई 9. अन्तर्कालीय इकाई 10. समतल वक्रों का क्षेत्रफल इकाई 11. समतल वक्रों की लम्बाई इकाई 12. परिक्रमण ठेकों के आवयतन एवं पृष्ठ इकाई 13. द्वि समाकल इकाई 14. नि समाकल एवं दिरेक्लेट समकल इकाई 15. गामा तथा बीटा फलन इकाई 16. अवकल समीकरण	इकाई 1. X-Y में व्यापक द्विघाती कातीय समीकरण का उसके मानक रूप से समानयन इकाई 2. गोल इकाई 3. ध्रुव एवं ध्रुवीय समतल इकाई 4. शंकु इकाई 5. सेलन इकाई 6. शांकव इकाई 7. एक पृष्ठीय अतिपरकलनय की जनक रेखाएँ इकाई 8. विविध में द्विघात का व्यापक समीकरण व उसके मानक रूपों में समानयन इकाई 9. वैश्विक प्रोग्रामन समस्याएँ इकाई 10. आधारों हल, अन्तर्मुख समुच्चय एवं वैश्विक प्रोग्रामन समस्या का मूल प्रमेय इकाई 11. सिम्लेस कलन विधि इकाई 12. डेटता इकाई 13. डेट द्वारा वैश्विक प्रोग्रामन समस्याओं का हल ज्ञात करना इकाई 14. नियतन एवं परिवहन समस्याएँ	
बी.ए. द्वितीय वर्ष गणित			
प्रथम प्रश्न-पत्र- यज्ञविक विवेकपूर्ण अथ दूरिक समीक्षा (MT-04)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- अवकलन समीकरण (MT-05)	तृतीय प्रश्न-पत्र- संख्यात्मक विवेकपूर्ण अथ संवित कलन (MT-06)	

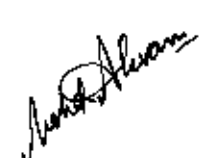

 कुल सचिव
 उच्चतम मुक्त विश्वविद्यालय
 हल्द्वानी (नैनीताल)

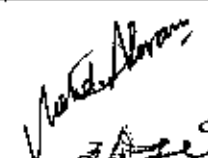
इकाई 1.भारतीय संख्या निकाश इकाई 2.भारतीय संख्याओं के सांख्यिकी गुणधर्म इकाई 3.भारतीय अनुक्रम इकाई 4.भारतीय अनुक्रम इकाई 5.संख्या इकाई 6.अवकल इकाई 7.द्विचर फलन का लिए (टीप) एवं सांतत्व इकाई 8.टीपान समाकालन इकाई 9.टीपान समाकालन इकाई 10.फलनों के अनुक्रमों का एकसमान अभिसरण -१ इकाई 11.फलनों के अनुक्रमों का एकसमान अभिसरण-२ इकाई 12.द्विचर समिष्टियाँ इकाई 13.विशुद्ध एवं संयुक्त समुच्चय इकाई 14.उपसमिष्टियाँ, गुणन समिष्टियाँ, संतत प्रतिविचरण एवं अभिसरण इकाई 15.सहत समुच्चय, फलन तथा संयुक्त द्विचर समिष्टियाँ	इकाई 1.प्रथम घात एवं प्रथम कोटि के अवकल समीकरण -१ इकाई 2.प्रथम घात एवं प्रथम कोटि के अवकल समीकरण -२ इकाई 3.प्रथम घात एवं प्रथम कोटि के अवकल समीकरण -३ इकाई 4.प्रथम कोटि परन्तु उच्च घात के अवकल समीकरण -१ इकाई 5.प्रथम कोटि परन्तु उच्च घात के अवकल समीकरण -२ इकाई 6.अपघात गुणांक युक्त द्विचर अवकल समीकरण इकाई 7.समघात द्विचर अवकल समीकरण इकाई 8.युगपत् अवकल समीकरण इकाई 9. द्विचर कोटि के मध्यस्थ अवकल समीकरण असंघटित एवं अद्वितीयता प्रमेय इकाई 10.द्वितीय कोटि के द्विचर अवकल समीकरण-१ इकाई 11.द्वितीय कोटि के द्विचर अवकल समीकरण-२ इकाई 12.द्वितीय कोटि के द्विचर अवकल समीकरण-३ इकाई 13.आंशिक अवकल समीकरण-१ इकाई 14.आंशिक अवकल समीकरण-२ इकाई 15.आंशिक अवकल समीकरण-३	इकाई 1.परिचित अंतर इकाई 2.परिचित अंतर इकाई 3.सामान अंतराल द्वारा अंतर्वेशन इकाई 4.केंद्रीय अंतर अंतर्वेशन इकाई 5.प्रतिशत अंतर्वेशन इकाई 6.संख्यात्मक अवकलन इकाई 7.संख्यात्मक अवकलन इकाई 8.बीबीय तथा अडिजीय समीकरणों के संख्यात्मक हल इकाई 9.रेखीय बीजीय समीकरण इकाई 10.साधारण अवकल समीकरणों के संख्यात्मक हल इकाई 11.सदिश कालन इकाई 12.अवकल संकारक इकाई 13.अवकल संकारक के अनुप्रयोग इकाई 14.रेखा,प्रश्न एवं आकलन समाकल

बी.ए. तृतीय वर्ष (राशित)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- सांख्यिकी (MT-07)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- समिष्टि विभेदक (MT-08)	तृतीय प्रश्न-पत्र- यांत्रिकी (MT-09)
इकाई 1.समूह, उपसमूह इकाई 2.क्रमचय,समूह,चक्रीय समूह इकाई 3.सहकुलक,लेखन प्रमेय इकाई 4.समूह समाकारिता इकाई 5.प्रसामान्य उपसमूह इकाई 6.विभाग समूह एवं समाकारिता की मूलभूत प्रमेय इकाई 7.कलस इकाई 8.पूर्णचक्रीय प्रान्त एवं क्षेत्र इकाई 9.क्षेत्र समाकारिता एवं अन्तःस्थापन इकाई 10.पूर्णचक्रीय प्रान्त एवं विभाग क्षेत्र एवं अभाज्य क्षेत्र इकाई 11.गुणजावलिखी एवं विभाग कलस इकाई 12.सदिश समष्टि,उपसमष्टि की परिभाषा,उदाहरण एवं इनके गुणधर्म इकाई 13.सदियों का एकघात संचय,एकघाती स्वतंत्रता एवं अश्रीत इकाई 14.सदिश समष्टि का आधार,विभा एवं इनके उदाहरण,परिचित विधीय सदिश समष्टियों के गुणधर्म,एकघाती विलुप्ति एवं इनके जनित उपसमष्टि इकाई 15.दो उपसमष्टियों का योग, उपसमष्टियों का अनुवोम योग एवं पूरक उपसमष्टि,विभाग उपसमष्टि एवं इनकी विभा	इकाई 1.समिष्टि तल, विलुप्त समिष्टि तल एवं त्रिविम प्रक्षेप इकाई 2.समिष्टि संख्याओं के सांख्यिकी गुण इकाई 3.समिष्टि का फलन-सीमा, सांतत्व एवं अन्तःस्थान इकाई 4.सिन्थेटिक फलन इकाई 5.फलनों की श्रेणी का एकसमान अभिसरण एवं घात श्रेणी इकाई 6.अनुकोण प्रतिविचरण इकाई 7.द्विचर कर्मांतरण एवं इनके गुण इकाई 8.विशेष प्रतिविचरण इकाई 9.समिष्टि समाकलन इकाई 10.कोणी समाकलन प्रमेय के अनुप्रयोग इकाई 11.सिन्थेटिक फलनों का घात श्रेणी के रूप में प्रसार इकाई 12.विचित्र बिंदु इकाई 13.अवरोध प्रमेय एवं इनके अनुप्रयोग इकाई 14.परिच्छेद समाकलन इकाई 15.विश्लेषित संततत्व	इकाई 1.स्थिति विज्ञान की मूल संकल्पनाएं इकाई 2.समतलीय बलों के संतुलन के प्रतिबन्ध इकाई 3.पर्यव घल इकाई 4.कल्पित कार्य इकाई 5.कैटरी इकाई 6.वेग एवं त्वरण इकाई 7.सरल आवर्त गति इकाई 8.हुक का नियम तथा प्रत्यास्य डोली इकाई 9.प्रतिरोधी माध्यम में सरल रेखीय गति इकाई 10.कार्य एवं ऊर्जा इकाई 11.प्रतिबन्धित गति इकाई 12.कैटरी बल इकाई 13.स्ताब्धिका, स्केन्ड काल में समय व केपलर नियम इकाई 14.बलत्व आधुनिक इकाई 15.बलत्व आधुनिक

बी.ए. प्रथम वर्ष (भूगोल)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- Fundamentals Of Physical Geography (GET-101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- Geography Of India (GET-102)	तृतीय प्रश्न-पत्र- PRACTICAL (GET-103)
Block-1 Fundamental Concepts Of Lithosphere Unit-1 Nature & Scope Of Physical Geography Unit-2 Origin Of The Earth & Earth Interior Unit-3 Tectonics & Orogenesis (Isostasy, Volcanism & Seismicity) Unit-4 Erosion, Weathering & Evolution Of Landforms Block-2 Atmosphere Unit-5 Composition And Structure Of Atmosphere Unit-6 Insolation & Heat Budget (Vertical & Horizontal Temperature Distribution) Unit-7 Atmospheric Pressure, Winds, Humidity & Rainfall Unit-8 Climate & Its Classification- Koppen & Thornthwait Block-3 Hydrosphere Unit-9 Surface Configuration Of Ocean Bottoms Unit-10 Oceanic Temperature & Salinity Unit-11 Circulation Of Ocean Water, Currents &	Block-1 Physical Aspects Unit-1 Geology & Structure Unit-2 Physiographic Regions Unit-3 Drainage Systems Unit-4 Climate, Soils & Natural Vegetation Block-2 Resources Unit-5 Forest Resources Unit-6 Water Resources & River Valley Projects Unit-7 Mineral & Power Resources Block-3 Population Unit-8 Population Growth, Distribution & Density Unit-9 Population Composition Unit-10 Literacy, Trends Of Urbanization Unit-11 Movement Of Population Block-4 Indian Economy Unit-12 Agriculture - Spatial Pattern Of Agriculture Unit-13 Industries - Spatial Pattern Region & Ind Complexes Unit 14 Tourism In India - Past And Present Block-5 Transport And Trade	Block-1 Scale and Maps Unit-1 Scale: Plain, Comparative, Diagonal Scale Unit-2 Elements and types of maps Unit-3 Enlargement and reduction of maps Block-2 Representation of Physical Data Unit-4 Methods of showing relief Unit-5 Profiles and their relevance in landform mapping and analysis Unit-6 Representation of Weather data Block-3 Weather maps and Indian Toposheets Unit-7 Weather instruments Unit-8 Interpretation of Indian weather maps Unit-9 Classification of topographical maps Unit-10 Interpretation of S.O. topo-sheets (S.O.16, S.O.17, S.O.18, S.O.19) of India

मुक्त सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (निसीताल)

Tides Unit-12 Ocean Deposits & Corals Reefs Block-4 Biosphere Unit-13 Elements Of Biosphere, Habitat & Plant-Animal Association Unit-14 Ecology & Ecosystem Unit-15 Bio-Diversity & its Depletion Unit-16 Conservation Of Basic Resources	Unit-15 Development Of Transport Net-Work Unit-16 Special Pattern Of Major Transport Net-Work Unit-17 Foreign Trade	
बी.ए. द्वितीय वर्ष (पूरील)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- Human Geography (GET-201) Block-1 Concept And Nature Unit-1 Nature, Scope And Elements Of Human Geography Unit-2 Man And Environment Relationship- Determinism, Possibilism, Neo Determinism, Probabilism Unit-3 Basic Principles And Approaches In Human Geography Block-2 Human Habitation Unit-4 Population: Growth, Distribution & Density Unit-5 Population Migration- National & International, Causes & Consequences Unit-6 Settlement: Rural & Urban; Types & Patterns Block-3 Economy Unit-7 Evolution Of Human Economy Unit-8 Types Of Human Activities: Primary, Secondary, Unit-9 Types Of Human Activities: Territory & Quinary Block-4 Society And Culture Unit-10 Evolution Of Man Unit-11 Cultural Diffusion, Cultural Realms Unit-12 World Human Races-Classification Block-5 Human Tribes Unit-13 Habitat, Economy And Society Of world Tribes: Khirgese, Eskimo, Bush, Pigny Unit-14 Habitat, Economy And Society Of Indian Tribes: Bheel, Santhal, Toda, Gaddis Unit-15 Habitat, Economy And Society Of Uttarakhand Tribes: Bhoria, Tharu, Baksa, Gujjar	द्वितीय प्रश्न-पत्र- GEOGRAPHY OF ASIA (GET-202) Block-1 Physical Aspects Unit-1 Introduction, Structure and Relief Unit-2 Drainage and Climate Unit-3 Natural Vegetation and soil Block-2 Resources Unit-4 Power Resources Unit-5 Mineral Resources Unit-6 Forest Resources Block-3 Population and Settlement Unit-7 Population: Growth, Distribution & Density Unit-8 Movement of Population Unit-9 Settlement Types and Pattern Block-4 Economy Unit-10 Agriculture Unit-11 Industries Unit-12 Trade Unit-13 Transport, Port, Harbour Block-5 Regional Study Unit-14 Iraq and Iran Unit-15 Pakistan and Sri Lanka Unit-16 Indonesia and Myanmar Unit-17 China and Japan	तृतीय प्रश्न-पत्र- PRACTICAL (GET-203) Block-1 Methods of Representing Socio-Economic data Unit-1 Quantitative and qualitative techniques Unit-2 Dots, proportional circles and spheres Methods Unit-3 Isopleths, Choropleth & Flow charts Block-2 Statistical Methods Unit-4 Measurement of Central tendency: Mean, Median & Mode, Unit-5 Standard Deviation . Measures of variability Unit-6 Regression & Correlation Block-3 Surveying Unit-7 Principles of Surveying Unit-8 Plane Table surveying Unit-9 Prismatic Compass Survey Unit-10 Indian Pattern Clinometer 
बी.ए. तृतीय वर्ष (पूरील)		
प्रथम प्रश्न-पत्र- Geographical Thought And Evolution (GET-301) Block-1 History Of Geographical Thought In Ancient Period Unit-1 Contributions Of Greek & Romans Unit-2 Dark Period Unit-3 Contributions Of Arab Geographers Block-2 History Of Geographical Thought In Modern Period Unit-4 Contributions Of France & German Unit-5 Contributions Of American & British Unit-6 Contributions Of Russians Block-3 Modern Approaches, Unit-7 Quantitative Revolution And Challenges Unit-8 Contributions Of Blache, Carl Saver, Ratzel, Mackinder, Huntington, Davis Unit-9 Qualitative Paradigm; Behavioral Revolution: Perception And Cognition, Mental Maps; Marxism; Postmodernism	द्वितीय प्रश्न-पत्र- Economic Geography (GET-302) Block 1 Nature, Scope And Approaches Unit1 Meaning And Scope Unit2 Economy: Definition, Classification, Local And Spatial Organization Unit3 Geographical Bases Of Economic Activities: Systematic And Spatial Unit4 sectors Of Economy: An Introduction Block 2 Primary Activities Unit5 Primary Activities: Concept, Classification And Importance, Unit6 World View Of Primary Activities- Problems And Trend Of Management With Reference Of Forestry, Fishing And Livestock Farming, Unit7 Critical Appreciation Of Agricultural Systems: Intensive Agriculture (Rice), Extensive Agriculture (Wheat), Plantation Farming (Tea) And Mixed Farming (New Europe). Unit8 Land Use And Agricultural Models: Von Thunen	तृतीय प्रश्न-पत्र- Practical Geography (GET-303) Block-1 map Projections Unit-1 definition & Principles Of Map Projection Unit-2 the Earth Shape, Size, Areas And Great Circles-Coordinate System Unit-3 classification And Choice Of Map Projections Unit-4 construction Merits & Limitations Of Conical With 2 Standard Parallel, Borneo, Mercator, Cylindrical, Equal Area, Zenithal, Polar, Gnomonic, Stereographic, Conventional, Molwede, Sinusoidal & International Block-2 technology And Its Application In Geography Unit-5 Aerial Photography, Definition And Interpretation Unit-6 Remote Sensing: Sensors, Products And



 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (भेरीताल)

Unit-10 Post Structuralism And Post Colonialism. Block-4 Dichotomy In Geography Unit-11 Human Vs. Physical Unit-12 Systematic Vs. Regional Unit-13 Applied Vs. Quantitative Unit-14 Ancient Indian Geography And Scientific Outlook Unit-15 Modern Indian Geography Unit-16 Indian Geography: Problems, Perspectives And Prospects	And Whierlsey Block3 Secondary Activities Unit-9 Secondary Activities: Concept, Classification And Importance Unit10 Factors Of Industrial Location; Industrial Location And Economic Growth Models: Weber, Lochs And Guimer Myrdal. Unit11 Industries - Their Resource Base, Distribution, Potentials Of Growth And Problems With Reference To Iron And Steel (Uk, Japan, And India), Cotton Textile (Usa And India), Petrochemicals (Usa And India) And Food Processing (India). Unit 12 Industrial Association, Integration, Infrastructure And Problems Block-4 Tertiary Activities Unit-13 Tertiary Activities And Service: Concept, Classification And Importance Unit-14 Trade: As An Engine And Hindrance To Growth. Determinants, Trade Strategies- Import Substitution And Export Promotion. Unit-15 International Trade: Ricardian Theory, International Trade With Reference To Gatt And Wto. Unit-16 Transport: Concept Of Distance, Accessibility And Connectivity Relative Cost Advantage Of Different Modes Of Transport.	Their Uses. Unit-7 Gis: Principles And Application Block-3 Field Work Unit-8 Geographical Study Of A Region / Village

adse
मुख्य सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मिनीताल)

बी0ए0 (योग)

1. उद्देश्य - बी0ए0 (योग) पाठ्यक्रम का उद्देश्य योग की शिक्षा तथा चिकित्सा में बेहतर सम्भावनाओं को देखते हुए शिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना है तथा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ परम्परागत शिक्षा व्यवस्था का प्रायः अभाव है।
2. प्रासंगिकता एवं उपयोगिता - वर्तमान में कुछ आसनों एवं प्राणायामों को ही योग मान बैठने की संकुचित दृष्टि वास्तविक योग के स्वरूप तथा अष्टांग योग की समग्रता को भुला बैठी है। योग का अष्टांग स्वरूप जीवन के किसी एक मात्र आयाम के लिए न होकर मानव मात्र की सम्पूर्ण जीवन यात्रा के परिमार्जन एवं उत्थान के लिए होता है। यह तथ्य सर्वमान्य है कि प्राचीन परम्परागत भारतीय जीवन पद्धति की प्रकृति व्यक्तिगत स्वार्थ के संकुचित धरातल पर अवस्थित न होकर सर्वजनहित एवं सर्वजन सुख की लोककल्याणकारी मनोभूमि पर प्रतिष्ठित है। भारतीय जीवन पद्धति न केवल नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर अपितु साहित्य, कला, संगीत, स्थापत्य, विज्ञान, धर्म, दर्शन एवं सामाजिक ताने-बाने तक के भीतर लोककल्याण-जनकल्याण का मार्ग खोज निकालती है। इसी लोकमंगलकारी जीवन दृष्टि का प्रतिफलन हम समग्र योग की विचारधारा के मूल में देखते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय से अलग मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से योग विषय के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार माध्यमों के साथ-साथ प्रतिवर्ष 10 दिवसीय अनिवार्य कार्यशालाओं के माध्यम योग के क्रियात्मक व सैद्धान्तिक पक्षों को ज्ञान विद्यार्थी को दिया जायेगा। इस कार्यक्रम प्रासंगिकता दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी में योग एवं विविध पूरक चिकित्सा पद्धतियों में दक्षता उत्पन्न करना व परम्परा से परिचित कराना भी है।
3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति - योग विषय का यह पाठ्यक्रम उन छात्रों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो योग विज्ञान के दार्शनिक एवं चिकित्सकीय पक्ष को जानना चाहते हैं किन्तु पारिवारिक, आर्थिक, या किसी अन्य कारणों से योग विषय की उच्च शिक्षा से वंचित हैं। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों का समूह अधिकतर ऐसा होता है कि योग के प्रयोगात्मक पक्ष का उन्हें ज्ञान तो होता है परन्तु कोई डिग्री इत्यादि न होने के कारण इन्हे रोजगार नहीं मिलता है। इस कार्यक्रम में ऐसे शिक्षार्थी भी प्रवेश लेंगे जो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा न केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो किसी व्यवसाय या नौकरी में रहते हुए संस्थागत शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते और अधिक आयु हो जाने के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रहे हैं।
4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य - मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा योग विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों का

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हस्तरानी (नैनीताल)

समूह अधिकतर ऐसा होता है कि योग के प्रयोगात्मक पक्ष का उन्हें ज्ञान तो होता है परन्तु कोई डिग्री इत्यादि न होने के कारण इन्हे रोजगार नहीं मिलता है। कई विद्यार्थी योग विज्ञान के दार्शनिक एवं चिकित्सकीय पक्ष को जानना चाहते हैं किन्तु पारिवारिक, आर्थिक, या किसी अन्य पारिवारिक कारणों से परम्परागत विश्वविद्यालयों में योग विषय की उच्च शिक्षा से वंचित रहे हैं। अतः दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा दी जा सकती है।

5. निर्देशात्मक रूपरेखा – बी0ए0 (योग) पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि 3 वर्ष तथा अधिकतम 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 108 श्रेयांक (36 श्रेयांक प्रति वर्ष) का होगा।

क्रम.	प्रश्नपत्र	श्रेयांक	अंक	न्यूनतम समयावधि	अधिकतम समयावधि	माध्यम
बी0ए0 (योग) प्रथम वर्ष						
1.	योग परिचय BY 101	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्व अध्ययन सामग्री वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री, कार्यशालाएँ
2.	मानव शरीर विज्ञान BY 102	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्राकृतिक चिकित्सा परिचय BY 103	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	हठयोग BY 104	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
5.	पंच महाभूत BY 105	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
6.	क्रियात्मक BY 106	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
बी0ए0 (योग) द्वितीय वर्ष						
1.	पातंजल योग सूत्र BY 201	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	सामान्य जड़ी बूटियां परिचय एवं उपयोग BY 202	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	योग एवं आयुर्वेद BY 203	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	स्वस्थवृत्त आहार एवं पोषण BY 204	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
5.	सामान्य मनोविज्ञान	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

24/8/23
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

	BY 205					
6.	क्रियात्मक BY 206	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष

1	जल एवं पृथ्वी तत्व चिकित्सा BY 301	06	100	03	06	स्व अध्ययन सामग्री वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री, कार्यशालायें
2	शारीरिक रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा BY 302	06	100	03	06	"
3	मनोरोगों की वैकल्पिक चिकित्सा BY 303	06	100	03	06	"
4	पूरक चिकित्सा पद्धतियां - 1 BY 304	06	100	03	06	"
5	पूरक चिकित्सा पद्धतियां - 2 BY 305	06	100	03	06	"
6	क्रियात्मक BY 306	06	100	03	06	"

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

क. प्रवेश योग्यता	-	10+2
पाठ्यक्रम अवधि	-	3 वर्ष से 6 वर्ष तक
पाठ्यक्रम माध्यम	-	हिन्दी
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	108 (36 प्रति वर्ष)
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	प्रवेश शुल्क	कार्यशाला शुल्क	परीक्षा शुल्क	प्रयो0 परीक्षा शुल्क	पहचान पत्र / विद्यार्थी कल्याण कोष	कुल
प्रथम वर्ष	6500/-	1000/-	750/-	500/-	150/-	8900/-
द्वितीय वर्ष	6500/-	1000/-	900/-	500/-	--	8900/-
तृतीय वर्ष	6500/-	1000/-	900/-	500/-	300/-	9200/-
कुल	19500/-	3000/-	2550/-	1500/-	450/-	27000/-




उपसंचालक मुख्य विश्वविद्यालय
बलराम (मिर्जापुर)

ख. वितरण - योग विषय का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर योग विषय के शिक्षक तथा प्रयोगात्मक कक्षाओं योग प्रशिक्षक महिला एवं पुरुष अलग-अलग उपलब्ध हों तथा योगाभ्यास, षट्कर्मों, प्राकृतिक चिकित्सा तथा विविध वैकल्पिक चिकित्सा हेतु उचित स्थान उपलब्ध हो तथा निर्धारित प्रयोगशाला भी उपलब्ध हो। विषय के सैद्धान्तिक पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को गहनता से समझ सकने में सक्षम हो सकेंगे। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिवर्ष सभी शिक्षार्थियों को 10 दिवसीय योग कार्यशाला में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करना होगा। विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन समय-समय पर किया जायेगा।

ग. मूल्यांकन - शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की समुचित प्रणालियाँ सत्रीय कार्य एवं सैद्धान्तिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा। 10 दिवसीय कार्यशाला अनिवार्य रूप से की जायेगी तथा कार्यशाला के अन्त में ही विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा भी कराई जायेगी तथा वाहय एवं आन्तरिक परीक्षकों के द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा।

7. पुस्तकालय सहायता तथा प्रयोगशाला - बी0ए0 (योग) पाठ्यक्रम केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर योग विषय के शिक्षक / प्रशिक्षक, योग तथा विविध पूरक चिकित्सा की निर्धारित प्रयोगशाला तथा विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को योग विषय के सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक पक्षों का ज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्था होगी जहाँ विद्यार्थियों को योग विषय के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया जा सकेगा।

8. पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत -

अ) इकाई लेखन	-	274 × 6000 = ₹0 1644000/-
ब) इकाई संपादन	-	274 × 3000 = ₹0 822000/-
स) कुल	-	2,466,000/-

9. गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम - प्रस्तुत पाठ्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और 2 वर्ष में कम से कम एक बार अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा योग की विधा से जुड़े वाहय विषय-विशेषज्ञों से पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सलाह ली जायेगी तथा विशेषज्ञों के निर्देशानुसार आवश्यक परिवर्तन किया जायेगा। योग विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

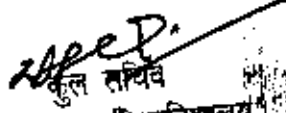
➤ विद्यार्थी योग विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मिनीताल)

- योग चिकित्सा के साथ- साथ विविध वैकल्पिक चिकित्सा के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य की प्राप्ति में जनमानस की मदद कर सकेंगे।
- विद्यार्थी योग विषय के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों में योग शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- विविध चिकित्सालयों में योग प्रशिक्षक / योग चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- वर्तमान समय में योग विषय की अपनी एक अन्तर्राष्ट्रीय पहचान है। विद्यार्थी योग विषय का सम्यक अध्ययन कर भारत देश की इस विधा को विश्व में प्रचारित कर अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।




 कुल तयिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार (विनीताल)

बी0ए0 (योग) प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र - प्रथम (BY-101)
योग परिचय (Introduction of Yoga)

अंक - 100

ब्लॉक-प्रथम योग: स्वरूप, इतिहास एवं प्रकार

इकाई-1 योग का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, महत्व

इकाई-2 योग का संक्षिप्त इतिहास

इकाई-3 योग के प्रकार-ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग

इकाई-4 अष्टांग योग

ब्लॉक-द्वितीय योग ग्रन्थों का परिचय

इकाई-5 योग सूत्र

इकाई-6 भगवद्गीता

इकाई-7 हठयोग प्रदीपिका

इकाई-8 घेरण्ड संहिता

ब्लॉक-तृतीय भारतीय योगियों का परिचय

इकाई-9 महर्षि पतंजलि, गोरक्षनाथ,

इकाई-10 महर्षि दयानन्द, स्वामी विवेकानन्द,

इकाई-11 श्री अरविन्द, स्वामी कुवल्यानन्द

ब्लॉक-चतुर्थ योगदर्शन तत्त्वमीमांसा

इकाई-12 ईश्वर

इकाई-13 पुरुष, प्रकृति

इकाई-14 कैवल्य, कैवल्य प्राप्ति के उपाय

ब्लॉक-पंचम योग मनोविज्ञान

इकाई-15 चित्त, चित्तभूमि

इकाई-16 चित्तवृत्ति

इकाई-17 चित्तवृत्ति निरोध के उपाय

इकाई-18 चित्तविक्षेप

इकाई-19 चित्तप्रसादन

इकाई-20 पंचक्लेश

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इल्हासी (मिनीताल)

ब्लॉक-प्रथम मानव शरीर संगठन

इकाई-1 शरीर संगठन

इकाई-2 कोशिका व ऊतक की रचना व क्रिया

इकाई-3 अस्थि व पेशी तंत्र की रचना व कार्य

ब्लॉक-द्वितीय परिसंचरण एवं पाचन तंत्र

इकाई-4 रक्त परिसंचरण तंत्र

इकाई-5 हृदय की रचना व क्रिया का वर्णन

इकाई-6 पाचन तंत्र की रचना व क्रिया का परिचय

ब्लॉक-तृतीय श्वसन एवं उत्सर्जन तंत्र

इकाई-7 बाह्य श्वसन तंत्र-संरचना तथा कार्य

इकाई-8 आन्तरिक श्वसन तंत्र-संरचना तथा कार्य

इकाई-9 वृक्क की संरचना तथा कार्य

ब्लॉक-चतुर्थ तंत्रिका तंत्र

इकाई-10 मस्तिष्क की संरचना एवं कार्य

इकाई-11 मेरुरज्जु की संरचना एवं कार्य

इकाई-12 नेत्र, कर्ण एवं नासिका की संरचना एवं कार्य

इकाई-13 जिह्वा एवं त्वचा की संरचना एवं कार्य

ब्लॉक-पंचम अन्तः स्रावी ग्रन्थियाँ एवं प्रतिरक्षा तंत्र

इकाई-14 पीयूष ग्रन्थि, एड्रिनल ग्रन्थि की संरचना एवं कार्य

इकाई-15 थायराइड ग्रन्थि, पैराथायराइड एवं यौन ग्रन्थियों की संरचना एवं कार्य

इकाई-16 प्रतिरक्षा तंत्र के विभिन्न अंगों की संरचना

इकाई-17 प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्य

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वार (विभागाध्यक्ष)

बी0ए0 (योग) प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र - तृतीय (BY-103)
प्राकृतिक चिकित्सा परिचय
Introduction of Naturopathy

अंक - 100

ब्लॉक-प्रथम प्राकृतिक चिकित्सा अर्थ एवं परिचय

इकाई-1 प्राकृतिक जीवन की अवधारणा

इकाई-2 प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ एवं परिभाषा एवं इतिहास

इकाई-3 प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त

ब्लॉक-द्वितीय प्राचीन चिकित्सा का इतिहास

इकाई-4 प्राकृतिक चिकित्सा का प्रादुर्भाव व विकास

इकाई-5 प्राकृतिक चिकित्सा के प्रमुख विशेषज्ञ- विनसेंज-प्रिस्मिज, फादर सेबस्टियन नीप, लूई-कूने, एडोल्फ जस्ट, हेनरी- लिण्डल्हार, जे0 एच0 केलॉग

इकाई-6 प्राकृतिक चिकित्सा के प्रमुख विशेषज्ञ- डॉ0 जानकी शरण शर्मा, डॉ0 कुलरंजन मुखर्जी, डॉ0 के लक्ष्मण शर्मा, डॉ0 बालेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ0 महावीर प्रसाद पोथार, डॉ0 शरण-प्रसाद, डॉ0 बिट्टलदास मोदी, डॉ0 एस0 जे0 सिंग, डॉ0 हीरा लाल, डॉ0 बी0 वेंकेटराव व डॉ0 श्रीमती विजय लक्ष्मी, डॉ0 एस0 स्वामीनाथन

इकाई-7 महात्मा गांधी तथा प्राकृतिक चिकित्सा

ब्लॉक-तृतीय स्वास्थ्य एवं रोग

इकाई-8 स्वास्थ्य एवं रोग की अवधारणा

इकाई-9 विजातीय द्रव्य सिद्धान्त

इकाई-10 शारीरिक मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य

इकाई-11 निदान की विधियां

इकाई-12 प्राकृतिक चिकित्सा में तीव्र व जटिल रोगों की अवधारणा

ब्लॉक-चतुर्थ प्राण उर्जा व प्रतिरोधक क्षमता

इकाई-13 प्राण उर्जा व प्रतिरोधक क्षमता की अवधारणा

इकाई-14 प्राण उर्जा एवं प्रतिरोधक क्षमता का संबंध

इकाई-15 प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय

ब्लॉक-पंचम प्राकृतिक चिकित्सा व अन्य चिकित्सा पद्धतियां

इकाई-16 प्राकृतिक चिकित्सा व आधुनिक चिकित्सा पद्धति

इकाई-17 प्राकृतिक चिकित्सा व योग

इकाई-18 प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेद

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (नैनीताल)

बी0ए0 (योग) प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र - चतुर्थ (BY-104)
हठयोग (Hathyoga)

अंक-100

ब्लॉक-प्रथम हठयोग: परिभाषा व उपयोगिता

इकाई-1 हठयोग का अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य

इकाई-2 सप्तसाधन

इकाई-3 हठयोग सिद्धि के लक्षण, हठयोग की उपयोगिता

ब्लॉक-द्वितीय षट्कर्म

इकाई-4 षट्कर्म का अर्थ एवं परिभाषा, षट्कर्मों का वर्गीकरण

इकाई-5 षट्कर्मों का उद्देश्य, षट्कर्मों का फल

इकाई-6 हठप्रदीपिका के अनुसार षट्कर्म

ब्लॉक-तृतीय आसन

इकाई-7 आसन - अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, आसनों का वर्गीकरण, आसनों का सिद्धान्त, आसनों की उपयोगिता

इकाई-8 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित 5 आसनों की विधि सावधानियां व लाभ- स्वस्तिकासन, गोमुखासन, वीरासन, कूर्मासन, कुक्कुटासन

इकाई-9 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित 5 आसनों की विधि सावधानियां व लाभ- उत्तानकूर्मासन, धनुरासन, मत्स्येन्द्रासन, पश्चिमोत्तानासन, मयूरासन

इकाई-10 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित 5 आसनों की विधि सावधानियां व लाभ- शवासन, सिद्धासन, पद्मासन, सिंहासन, भद्रासन

ब्लॉक-चतुर्थ प्राणायाम

इकाई-11 प्राणायाम - अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, प्राणायामों का वर्गीकरण

इकाई-12 प्राणायाम के सिद्धान्त, प्राणायाम की उपयोगिता

इकाई-13 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित प्राणायामों की विधि व लाभ- नाडी शोधन, सूर्यभेदी, उज्जायी, सीत्कारी व शीतली

प्राणायाम

इकाई-14 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित प्राणायामों की विधि व लाभ- भस्त्रिका, भ्रामरी, मूर्च्छा व प्लावनी प्राणायाम

ब्लॉक-पंचम मुद्रा

इकाई-15 मुद्रा व बन्ध - अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य

इकाई-16 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित मुद्राओं की विधि, सावधानियां व लाभ- मूलबन्ध, जालन्धर बन्ध, उड्डियानबन्ध, महाबन्ध

इकाई-17 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित मुद्राओं की विधि, सावधानियां व लाभ- महामुद्रा, महावेध, खेचरी मुद्रा

इकाई-18 हठयोग प्रदीपिका में वर्णित मुद्राओं की विधि, सावधानियां व लाभ- विपरीतकर्णी, वज्रोली, शक्तिचालनी

ब्लॉक-षष्ठ नाडियां, चक्र, कुण्डलिनी

इकाई-19 प्रमुख नाडियों का परिचय

इकाई-20 चक्र

इकाई-21 कुण्डलिनी का स्वरूप एवं जागरण के उपाय का सामान्य परिचय

मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड प्रज्ञा सिंघविज्ञानसभ
श्री गुरुदेव

बी0ए0 (योग) प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र - पंचम (BY-105)
पंच महाभूत (Five Elements)

100 अंक

ब्लॉक-प्रथम जल तत्व परिचय

- इकाई-1 जल तत्व का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
इकाई-2 जल चिकित्सा में प्रयुक्त विविध पद्धतियाँ एवं सेंक
इकाई-3 जल चिकित्सा की विविध विधियाँ
इकाई-4 विविध रोगों में जल चिकित्सा के प्रयोग

ब्लॉक-द्वितीय अग्नि तत्व परिचय

- इकाई-5 अग्नि तत्व का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
इकाई-6 अग्नि तत्व चिकित्सा की प्रमुख विधियाँ
इकाई-7 विविध रोगों में अग्नि चिकित्सा के प्रयोग

ब्लॉक-तृतीय पृथ्वी तत्व परिचय

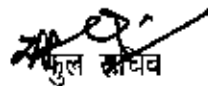
- इकाई-8 पृथ्वी तत्व का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
इकाई-9 पृथ्वी तत्व चिकित्सा की विधियाँ
इकाई-10 विविध रोगों में पृथ्वी तत्व चिकित्सा के प्रयोग

ब्लॉक-चतुर्थ वायु तत्व परिचय

- इकाई-11 वायु तत्व का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
इकाई-12 प्राण की अवधारणा, प्राणायाम का अर्थ, परिभाषा व महत्व
इकाई-13 विविध प्राणायामों की विधि लाभ व सावधानियाँ
इकाई-14 विविध रोगों में वायु तत्व चिकित्सा के प्रयोग

ब्लॉक-पंचम आकाश तत्व परिचय

- इकाई-15 आकाश तत्व का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
इकाई-16 उपवास का अर्थ परिभाषाएँ व महत्व
इकाई-17 उपवास के विविध प्रकार एवं सावधानियाँ
इकाई-18 विभिन्न रोगों में आकाश तत्व चिकित्सा के प्रयोग

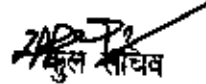


मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (निजीताला)

बी0ए0 (योग) प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र - षष्ठ (BY-106)
क्रियात्मक

100 अंक

इकाई-1	10 अंक
षट्कर्म - जलनेति, रक्तेति, गजकरणी, वातक्रम कपालभाति	
इकाई-2	30 अंक
आसन - उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन, सर्वांगासन, हलासन, मत्स्यासन, कर्णपीडासन, चक्रासन, नौकासन, भुजंगासन, शलभासन, पश्चिमोत्तानासन, सिंहासन, गोमुखासन, वक्रासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन, उष्ट्रासन, मण्डूकासन, कूर्मासन, बद्धपद्मासन, उत्थित पद्मासन, सुप्तवज्रासन, शशांकासन, कागासन, ताडासन, गरुडासन, उर्ध्वहस्तोत्तानासन, त्रिकोणासन, वातायनासन, पद्मासन, सिद्धासन, वज्रासन, स्वस्तिकासन, शवासन, मकरासन, बालासन, दण्डासन, सूर्य नमस्कार ।	
इकाई-3	10 अंक
प्राणायाम - दीर्घ श्वास-प्रश्वास, नाडीशोधन, सूर्यभेद, उज्जायी, शीतली, सीत्कारी	
इकाई-4	05 अंक
मुद्रा-बंध - शान्भवी, तडागी, काकी, उड्डियान बन्ध, मूलबंध, जालंधर बंध	
इकाई-5	25 अंक
प्राकृतिक चिकित्सा - जल चिकित्सा के विविध प्रयोग	
इकाई-6	20 अंक
मौखिकी	



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
उत्तराखण्ड (देहरादून)

ब्लॉक-प्रथम योग परिचय

इकाई-1 योग का अर्थ एवं परिभाषा

इकाई-2 चित्त का स्वरूप एवं चित्त भूमियाँ

इकाई-3 चित्तवृत्तियाँ

ब्लॉक-द्वितीय क्लेश निवृत्ति एवं निरोधोपाय

इकाई-4 पंच क्लेश एवं क्रिया योग

इकाई-5 योगान्तराय एवं चित्त प्रसादन

इकाई-6 अभ्यास और वैराग्य

ब्लॉक-तृतीय अष्टांग योग-1

इकाई-7 यमों का स्वरूप एवं उपयोगिता

इकाई-8 नियमों का स्वरूप एवं उपयोगिता

इकाई-9 आसन का स्वरूप एवं उपयोगिता

ब्लॉक-चतुर्थ अष्टांग योग-2

इकाई-10 प्राणायाम का स्वरूप, प्रकार एवं उपयोगिता

इकाई-11 प्रत्याहार का स्वरूप एवं उपयोगिता

इकाई-12 धारणा एवं ध्यान का स्वरूप एवं उपयोगिता

ब्लॉक-पंचम अष्टांग योग-3

इकाई-13 समाधि का स्वरूप, भेद एवं उपयोगिता

इकाई-14 विभूतियों का वर्णन

इकाई-15 चतुर्व्यूहवाद-हेय, हेयहेतु, हान एवं हानोपाय

ब्लॉक-षष्ठ योग तत्त्व निरूपण

इकाई-16 ईश्वर की अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई-17 प्रकृति एवं पुरुष की अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई-18 कैवल्य की अवधारणा एवं कैवल्य प्राप्ति के उपाय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (उत्तराखण्ड)

बी0ए0 (योग) द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र- द्वितीय (BY-202)

सामान्य जड़ी-बूटियाँ: परिचय एवं उपयोग

(Common Herbs: Introduction and Utility)

100 अंक

ब्लॉक-प्रथम रसोई में प्रयुक्त होने वाले द्रव्यों का परिचय एवं उपयोग

इकाई-1 लौंग, सौंठ, काली मिर्च, अजवायन, मेथी, सौंफ

इकाई-2 जीरा, धनिया, इलायची (छोटी एवं बड़ी), हल्दी

इकाई-3 तेज पत्ता, दाल चीनी, जायफल, जावित्री, केसर

ब्लॉक-द्वितीय सब्जियों के रूप में प्रयुक्त होने वाले द्रव्यों का परिचय एवं उपयोग

इकाई-4 पालक, मेथी, धनिया, बधुआ, अदरक

इकाई-5 प्याज, लहसुन, सरसों, चौलाई, नींबू

इकाई-6 मूली, गाजर, शलजम, जिमीकन्द, खीरा, टमाटर

ब्लॉक-तृतीय औषधीय पौधों का परिचय एवं उपयोग

इकाई-7 तुलसी, घृतकुमारी, ब्राह्मी, गिलोय

इकाई-8 गेहूँ जवारे, जौ जवारे, गैदा, चिरायता

इकाई-9 अश्वगन्धा, शतावर, वासा, पत्थरचट्टा

ब्लॉक-चतुर्थ औषधीय वृक्षों का परिचय एवं उपयोग

इकाई-10 हरड़, बहेड़ा, आवला, अशोक

इकाई-11 बिल्व, अमलतास, मौलश्री, नीम

इकाई-12 आम, अमरूद, पपीता, जामुन

ब्लॉक-पंचम सामान्य व्याधियों में जड़ी-बूटियों का प्रयोग

इकाई-13 ज्वर, प्रतिश्याय, प्रमेह, चर्मरोग

इकाई-14 अस्थि संधिगत व्याधियां

ब्लॉक-षष्ठ संस्थानगत व्याधियों में जड़ी-बूटियों का प्रयोग

इकाई-15 पाचन संस्थान संबंधी व्याधियां

इकाई-16 श्वसन संस्थान संबंधी व्याधियां

इकाई-17 तंत्रिका संस्थान संबंधी व्याधियां

इकाई-18 हृदय एवं उत्सर्जन तंत्र संबंधी व्याधियां

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सहयोगी शिक्षक

ब्लॉक-प्रथम योग एवं आयुर्वेद का सम्बन्ध

- इकाई-1 योग की अवधारणा एवं महत्व
इकाई-2 योग एवं आयुर्वेद का उद्देश्य
इकाई-3 योग एवं आयुर्वेद में सम्बन्ध

ब्लॉक-द्वितीय अष्टांग योग एवं अष्टांग आयुर्वेद

- इकाई-4 अष्टांग योग परिचय
इकाई-5 अष्टांग आयुर्वेद परिचय
इकाई-6 अष्टांग योग एवं अष्टांग आयुर्वेद-सारूप्य विवेचन

ब्लॉक-तृतीय शोधन क्रियाएं

- इकाई-7 यौगिक षट्कर्म परिचय
इकाई-8 आयुर्वेदोक्त पंचकर्म परिचय
इकाई-9 षट्कर्म एवं पंचकर्म- सारूप्य विवेचन

ब्लॉक-चतुर्थ सद्वृत्त एवं आचार-रसायन

- इकाई-10 सद्वृत्त की अवधारणा एवं महत्व
इकाई-11 आचार-रसायन की उपादेयता
इकाई-12 योग में वर्णित यम-नियमों तथा आयुर्वेदोक्त सद्वृत्त में सामंजस्य

ब्लॉक-पंचम यौगिक एवं आयुर्वेदिक आहार

- इकाई-13 योगाभ्यास हेतु उचित आहार
इकाई-14 आयुर्वेदोक्त पथ्याहार
इकाई-15 योग शास्त्रोक्त एवं आयुर्वेदोक्त आहार में सामंजस्य
इकाई-16 आयुर्वेद एवं योग द्वारा निषिद्ध आहार विवेचन

ब्लॉक-षष्ठ वर्तमान काल में योग एवं आयुर्वेद की उपादेयता

- इकाई-17 योग एवं आयुर्वेदिक पद्धतियों का वैज्ञानिक महत्व
इकाई-18 स्वास्थ्य संरक्षण में योग एवं आयुर्वेद की भूमिका
इकाई-19 अधुनातन विभिन्न संक्रामक व्याधियों में योग एवं आयुर्वेद का विशिष्ट योगदान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (वि.सं. 2013)

बी0ए0 (योग) द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र - चतुर्थ (BY-204)
स्वस्थवृत्त, आहार एवं पोषण (Hygiene, Diet & Nutrition)

100 - अंक

ब्लॉक-प्रथम स्वस्थवृत्त

इकाई-1 स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वस्थ के लक्षण, स्वस्थवृत्त का प्रयोजन

इकाई-2 दिनचर्या की अवधारणा, वैज्ञानिक आधार, आवश्यकता एवं महत्व

इकाई-3 दिनचर्या का विस्तृत वर्णन

ब्लॉक-द्वितीय संध्याचर्या एवं रात्रिचर्या

इकाई-4 संध्याचर्या करणीय एवं कर्म

इकाई-5 रात्रिचर्या का विस्तृत वर्णन

ब्लॉक-तृतीय ऋतुचर्या

इकाई-6 ऋतु विभाजन-षडऋतुएँ एवं उनकी चर्या

इकाई-7 आदान एवं विसर्ग काल में शारीरिक बलाबल की स्थिति

इकाई-8 ऋतुसंधि, यम-दंष्टा हंसोदक एवं ऋतु हरीतकी

ब्लॉक-चतुर्थ सद्वृत्त

इकाई-9 सद्वृत्त की अवधारणा एवं महत्व

इकाई-10 विभिन्न करणीय एवं अकरणीय कर्म

इकाई-11 आचार रसायन- अवधारणा, महत्व एवं लाभ

ब्लॉक-पंचम आहार

इकाई-12 आहार की परिभाषा, आहार का महत्व एवं आवश्यकता

इकाई-13 आहार के कार्य

इकाई-14 आहार के स्रोत

इकाई-15 संतुलित आहार-परिभाषा, महत्व घटक

ब्लॉक-षष्ठ पोषण

इकाई-16 पोषण की अवधारणा एवं आहार का पाचन

इकाई-17 आहार के विभिन्न घटकों की पोषण विधि

इकाई-18 पोषण द्वारा शरीर निर्माण

इकाई-19 पोषण का स्वास्थ्य सम्बन्धी महत्व


मुख्य कार्य
उपसहसंचालक मुख्य विनियोजक
स्वास्थ्य विभाग

बी0ए0 (योग) द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र - पंचम (BY-205)
सामान्य मनोविज्ञान (General Psychology)

100 अंक

ब्लॉक-प्रथम सामान्य मनोविज्ञान-अवधारणा एवं विकास

- इकाई-1 मनोविज्ञान-अवधारणा-पश्चात्त्य दृष्टिकोण-आत्मा, मन, चेतना तथा व्यवहार का विज्ञान
इकाई-2 मनोविज्ञान-अध्ययन की विधियाँ
इकाई-3 मनोविज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय व्यवहारवाद, गेस्टाल्टवाद, मनोविश्लेषणवाद

ब्लॉक-द्वितीय मनोविज्ञान का क्षेत्रविस्तार

- इकाई-4 मानव जीवन का विकासक्रम- शैशवावस्था, बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था में शारीरिक विकास
इकाई-5 बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था में मानसिक विकास
इकाई-6 बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था में संवेगात्मक तथा नैतिक विकास

ब्लॉक-तृतीय बुद्धि का प्रत्यय-सिद्धान्त तथा मापन

- इकाई-7 बुद्धि की परिभाषाएँ, बुद्धि के प्रकार
इकाई-8 बुद्धि के प्रमुख सिद्धान्त
इकाई-9 बुद्धि का मापन- बुद्धि के विभिन्न परीक्षण

ब्लॉक-चतुर्थ व्यक्तित्व-प्रत्यय, सिद्धान्त तथा मापन

- इकाई-10 व्यक्तित्व-प्रत्यय, परिभाषाएँ, विभिन्न सिद्धान्त
इकाई-11 व्यक्तित्व के मापन की वैयक्तिक तथा वस्तुनिष्ठ विधियाँ
इकाई-12 व्यक्तित्व के मापन की प्रक्षेपी विधियाँ

ब्लॉक-पंचम स्मृति, चिंतन तथा समायोजन

- इकाई-13 स्मृति-परिभाषा, प्रकार, स्मृति के उन्नयन की विधियाँ
इकाई-14 चिंतन-परिभाषा, प्रकार, महत्व
इकाई-15 समायोजन-परिभाषा, समायोजन का महत्व, कुसमायोजन के कारण एवं निवारण

ब्लॉक-छठ मानसिक स्वास्थ्य

- इकाई-16 मानसिक स्वास्थ्य-प्रत्यय, परिभाषा, महत्व
इकाई-17 मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय तथा विधियाँ
इकाई-18 मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक, शारीरिक स्वास्थ्य तथा मानसिक स्वास्थ्य का सम्बन्ध

मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वारी (नैनीताल)

बी0ए0 (योग) द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र - षष्ठ (BY-206)
क्रियात्मक (Practical)

100 अंक

इकाई-1	15 अंक
सूत्रेति, दण्डधौति, वस्त्रधौति, नौलि तथा प्रथम खण्ड में वर्णित अभ्यास	
इकाई-2	40 अंक
आसन - सुप्तपवनमुक्तासन, जानुसिरासन, कन्धरासन, आकर्णधनुरासन, तोलांगुलासन, योगमुद्रा या योगासन, कुक्कुटासन, गर्भासन, मत्स्येन्द्रासन, उत्तान कूर्मासन, उत्तान मण्डूकासन, उग्रासन (भूमनासन), गोरक्षासन, भद्रासन, मार्जारिआसन, व्याघ्रासन, पादांगुष्ठासन, उदराकर्षासन, मयूरासन, कटिचक्रासन, पार्श्वचक्रासन, कोणासन, अश्वत्थासन, हस्तपादांगुष्ठासन, उत्कटासन, पादहस्तासन, शीर्षासन, वृक्षासन, पादांगुष्ठनासास्पर्शासन, नटराजासन तथा प्रथम खण्ड में वर्णित समस्त अभ्यास	
इकाई-3	10 अंक
प्राणायाम - भस्त्रिका, भ्रामरी तथा बाह्य, आभ्यन्तर एवं स्तम्भवृत्ति के साथ प्रथम खण्ड में वर्णित समस्त अभ्यास	
इकाई-4	05 अंक
मुद्रा-बंध - महामुद्रा, महाबंध, महावेध, विपरीतकरणी शक्तिचालनी तथा प्रथम खण्ड में वर्णित समस्त अभ्यास	
इकाई-5	10 अंक
सामान्य जड़ी बूटियों की पहचान एवं उपयोग	
इकाई-6	20 अंक
मौखिकी	


अंतराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैनेटाल)

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष
पश्न पत्र- प्रथम (BY-301)
जल एवं पृथ्वी तत्व चिकित्सा
(Water and Earth Element Therapy)

100-अंक

ब्लाक प्रथम - जल तत्व परिचय

- इकाई 1 जल तत्व परिचय, जल चिकित्सा की अवधारणा, महत्व एवं सावधानियाँ
इकाई 2 जल चिकित्सा में प्रयुक्त विविध स्नान
इकाई 3 जल चिकित्सा में प्रयुक्त विभिन्न पट्टियों एवं लपेट
इकाई 4 जल के आन्तरिक प्रयोग की विभिन्न विधियाँ

ब्लाक तृतीय - प्रमुख संस्थानों में जल चिकित्सा के प्रयोग

- इकाई 5 पाचन तंत्र एवं श्वसन तंत्र के रोगों की जल चिकित्सा
इकाई 6 उत्सर्जन तंत्र एवं त्वचीय तंत्र के रोगों की जल चिकित्सा
इकाई 7 तंत्रिका तंत्र एवं मानसिक रोगों की जल चिकित्सा
इकाई 8 हृदय रोगों में प्रयुक्त जल के प्रयोग

ब्लाक तृतीय - पृथ्वी तत्व परिचय

- इकाई 9 पृथ्वी तत्व की अवधारणा एवं पृथ्वी चिकित्सा परिचय
इकाई 10 मिट्टी के प्रकार, गुण सिद्धान्त तथा महत्व
इकाई 11 मिट्टी पट्टियों के प्रकार लाभ एवं सावधानियाँ

ब्लाक चतुर्थ - प्रमुख संस्थानों में पृथ्वी चिकित्सा के प्रयोग

- इकाई 12 पाचन तंत्र एवं उत्सर्जन तंत्र सम्बन्धित रोगों की पृथ्वी चिकित्सा
इकाई 13 अस्थि तंत्र एवं त्वचीय तंत्र सम्बन्धित रोगों की पृथ्वी चिकित्सा
इकाई 14 रक्त परिसंचरण तंत्र एवं पेशीय तंत्र सम्बन्धित रोगों की पृथ्वी चिकित्सा
इकाई 15 तंत्रिका तंत्र एवं मानसिक रोगों सम्बन्धित रोगों की पृथ्वी चिकित्सा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुद्धी (संशोधन)

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र- द्वितीय (B.Y-302)
शारीरिक रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

(Alternative Therapies of Physical Diseases)

100-अंक

ब्लाक प्रथम - रोग की अवधारणा

इकाई 1 रोग का अर्थ, परिभाषा एवं कारण, रोगों का वर्गीकरण

इकाई 2 रोगी तथा निरोगी व्यक्ति के लक्षण

इकाई 3 शारीरिक रोग की अवधारणा, कारण एवं वर्गीकरण

ब्लाक द्वितीय - पाचन संस्थान के रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 4 कब्ज एवं अजीर्ण - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 5 अम्लपित्त - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 6 मोटापा - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 7 बवासीर - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 8 अतिसार एवं मुँह के छाले - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

ब्लाक तृतीय - अस्थि रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 9 ओस्टियोपोरोसिस - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 10 सरवाइकल स्पान्डिलाइटिस - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 11 अर्थराइटिस - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 12 स्लिप डिस्क - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

ब्लाक चतुर्थ - परिसंचरण संस्थान के रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 13 निम्न रक्तचाप - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 14 उच्चरक्तचाप - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 15 हृदय रोगों के कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

ब्लाक पंचम - श्वसन संस्थान के रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 16 सामान्य जुकाम एवं खोंसी - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 17 अस्थमा - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

इकाई 18 साइनोसाइटिस - कारण, लक्षण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (वि. नैपाल)

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र - तृतीय (B.Y-303)
मनोरोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

(Alternative Therapies of Mental Diseases)

100 अंक

ब्लॉक प्रथम - मनोरोगों की अवधारणा

इकाई 1 असामान्य मनोविज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई 2 मनोरोगों का अर्थ एवं सामान्य एवं असामान्य व्यवहार की विशेषताएँ

इकाई 3 मनोरोगों के प्रकार, कारण, असामान्य व्यवहारों का नैदानिक वर्गीकरण

ब्लॉक द्वितीय - तनाव एवं चिन्ता विकृतियाँ

इकाई 4 तनाव : अर्थ, लक्षण, कारण तनाव प्रबंधन

इकाई 5 दुर्भीति(फेबिया) : अर्थ, लक्षण, कारण, प्रकार एवं उपचार

इकाई 6 सामान्यीकृत चिन्ता विकृति (GAD) : कारण, लक्षण एवं उपचार

इकाई 7 मनोग्रस्ति बाध्यता विकृति : कारण, लक्षण एवं उपचार

ब्लॉक तृतीय - मनोदशाधिकृति एवं व्यक्तित्व विकृति

इकाई 8 विषाद या अवसाद: अर्थ, लक्षण, प्रकार, कारण एवं उपचार

इकाई 9 द्विध्रुवीय विकृति या उन्माद विषाद विकृति : लक्षण, प्रकार, कारण एवं उपचार

इकाई 10 व्यक्तित्व विकृति : अर्थ, लक्षण, प्रकार, कारण, व्यक्तित्व परिष्कार की विधियाँ

इकाई 11 समाज विरोधी व्यक्तित्व : अर्थ, लक्षण, कारण एवं उपचार

ब्लॉक चतुर्थ - मानसिक दुर्बलता एवं अधिगम असमर्थता

इकाई 12 मानसिक दुर्बलता : अर्थ, स्वरूप, प्रकार, कारण एवं उपचार

इकाई 13 अधिगम असमर्थता : अर्थ, स्वरूप, प्रकार, कारण एवं उपचार

ब्लॉक पंचम - मनश्चिकित्सा एवं मानसिक स्वास्थ्य

इकाई 14 मनश्चिकित्सा का अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकार

इकाई 15 मनश्चिकित्सा की विधि एवं प्रक्रिया, मनश्चिकित्सा के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 16 मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ, मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताएँ, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 17 मानसिक स्वास्थ्य का महत्व, मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत करने के उपाय, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का संबंध

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वानी (पिपिताला)

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र- चतुर्थ (B.Y-304)
पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ -1

(Methods of Complimentary Therapy -1)

ब्लॉक प्रथम - पूरक चिकित्सा पद्धति

- इकाई 1 पूरक चिकित्सा का उद्भव एवं विकास
इकाई 2 पूरक चिकित्सा की अवधारणा एवं आवश्यकता
इकाई 3 विभिन्न प्रकार की पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ तथा उनकी सीमाएँ

ब्लॉक द्वितीय - एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति

- इकाई 4 एक्यूप्रेशर का अर्थ, परिभाषा, एक्यूप्रेशर का इतिहास
इकाई 5 एक्यूप्रेशर के सिद्धान्त, एक्यूप्रेशर की विधि व विभिन्न उपकरण
इकाई 6 एक्यूप्रेशर द्वारा उपचार व सावधानियाँ

ब्लॉक तृतीय - एक्यूपंकचर चिकित्सा पद्धति

- इकाई 7 एक्यूपंकचर का अर्थ, एक्यूपंकचर का इतिहास
इकाई 8 एक्यूपंकचर के सिद्धान्त व विधियाँ
इकाई 9 एक्यूपंकचर चिकित्सा के लाभ, सावधानियाँ व सीमाएँ

ब्लॉक चतुर्थ - चुम्बक चिकित्सा

- इकाई 10 चुम्बक चिकित्सा की अवधारणा, इतिहास
इकाई 11 चुम्बक के प्रकार तथा विभिन्न उपकरण
इकाई 12 चुम्बक चिकित्सा के सिद्धान्त सीमाएँ तथा सावधानियाँ
इकाई 13 चुम्बक चिकित्सा द्वारा विभिन्न रोगों का उपचार
इकाई 14 चुम्बक चिकित्सा की सीमा तथा सावधानियाँ

ब्लॉक पंचम - रेकी चिकित्सा

- इकाई 15 रेकी चिकित्सा का इतिहास, अवधारणा
इकाई 16 रेकी चिकित्सा के नियम तथा विधि
इकाई 17 रेकी चिकित्सा में सहायक साधनाएँ
इकाई 18 रेकी चिकित्सा द्वारा उपचार
इकाई 19 रेकी चिकित्सा के लाभ, व्यवहारिक सुझाव व सीमाएँ

ब्लॉक छठ - प्राणिक हीलिंग (प्राण चिकित्सा)

- इकाई 20 प्राण चिकित्सा का अर्थ एवं सिद्धान्त, प्राण का स्वरूप, प्राण के स्रोत, प्राण चिकित्सा की विधि एवं सावधानियाँ
इकाई 21 प्राण चिकित्सा के अनुसार चक्र या ऊर्जा केन्द्र
इकाई 22 प्राणिक चिकित्सा के विविध रोगों में प्रयोग

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विजिताला)

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र- पंचम (B.Y-305)
पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ -2

(Methods of Complimentary Therapies -2)

100-अंक

ब्लॉक प्रथम - प्रार्थना चिकित्सा

इकाई 1 प्रार्थना की अवधारणा

इकाई 2 प्रार्थना की विभिन्न विधियाँ या पद्धतियाँ

इकाई 3 प्रार्थना का महत्व व लाभ

ब्लॉक द्वितीय - मंत्र एवं यज्ञ चिकित्सा

इकाई 4 मंत्र चिकित्सा की अवधारणा एवं मंत्र चिकित्सा की विधियाँ

इकाई 5 यज्ञ चिकित्सा की अवधारणा एवं विधियाँ

इकाई 6 विभिन्न मंत्रों द्वारा आरोग्य प्राप्ति

ब्लॉक तृतीय - संगीत चिकित्सा, पिरामिड चिकित्सा एवं स्वाध्याय चिकित्सा

इकाई 7 संगीत चिकित्सा की अवधारणा एवं उपयोगिता

इकाई 8 पिरामिड चिकित्सा की अवधारणा एवं उपयोगिता

इकाई 9 स्वाध्याय चिकित्सा का अर्थ प्रक्रिया एवं महत्व

ब्लॉक चतुर्थ - मूत्र चिकित्सा

इकाई 10 मूत्र चिकित्सा का अर्थ, इतिहास लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई 11 स्वमूत्र प्रयोग की विभिन्न विधियाँ एवं रोगों में प्रयोग

इकाई 12 गोमूत्र प्रयोग की विभिन्न विधियाँ, एवं रोगों में प्रयोग

ब्लॉक पंचम - फिजियोथेरेपी

इकाई 13 फिजियोथेरेपी का अर्थ इतिहास एवं उपयोगिता

इकाई 14 फिजियोथेरेपी के भाग - इलेक्ट्रोथेरेपी तथा एक्सरसाईज थेरेपी

इकाई 15 रोगों में फिजियोथेरेपी के अनुप्रयोग-1

इकाई 16 रोगों में फिजियोथेरेपी के अनुप्रयोग-2

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वानी (उत्तराखण्ड)

बी0ए0 (योग) तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र- षष्ठ (BY-306)

क्रियात्मक

100 अंक

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के क्रियात्मक अभ्यासों सहित

इकाई प्रथम - मंत्र - गायत्री एवं स्वस्ति मंत्र

5 अंक

इकाई द्वितीय - षट्कर्म - आसन एवं प्राणायाम एवं मुद्रा बन्ध

40 अंक

षट्कर्म - शीतक्रम व्युत्क्रम कपालभौति वस्त्रधौति, कुँजल क्रिया, भ्रमर नौलि । आसन - मुक्तासन (सुखासन), स्वस्तिकासन, सर्पासन, पूर्ण धनुरासन, वीरासन, भद्रासन संकट आसन, हनुमानासन, शीर्षासन, गुप्तपद्मासन, राजकपलासन, बद्धपद्मासन, पूर्णमत्स्थेन्द्र आसन, सूर्यनमस्कार, प्रज्ञा योग व्यायाम । प्राणायाम, उदरीय श्वासन, वक्षीय श्वासन, चन्द्रभेदी, अनुलोम विलोम, उद्गीत प्राणायाम । मुद्रा व बन्ध खेचरीमुद्रा, योनिमुद्रा, विपरीतकर्णी अश्विनीमुद्रा, ज्ञानमुद्रा, चिनमुद्रा, प्राणमुद्रा तथा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के - षट्कर्म - आसन एवं प्राणायाम एवं मुद्रा बन्ध

इकाई तृतीय - जल चिकित्सा के अनुप्रयोग (कटि स्नान, भाप, स्नान इत्यादि)

20 अंक

इकाई चतुर्थ - मिट्टी चिकित्सा के अनुप्रयोग (मिट्टी स्नान, मिट्टी पट्टी इत्यादि)

20 अंक

इकाई प्रथम - मौखिकी

15 अंक

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उ.प्र.)

Title of Programme: Bachelor of Business Administration

I. Programme's Mission & Objectives

This programme aims;

- To equip learners for using analytic and reflective techniques to identify and analyze problem, develop viable alternatives and make effective decisions.
- To acquaint them with appropriate quantitative and qualitative techniques in solving business problems.
- To inculcate the skills for preparing and delivering effective business presentations using a variety of appropriate technologies.

II. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The programme aims at explaining the business environment in which the public and private sectors operate. It helps learners to develop decision making ability in real time business situations. It also focuses on developing operational and analytical skills in learners to tackle business problems in different sectors.

The program helps learners to understand different business environments in which various organizations operate. The case studies discussed provides an exposure to the learners to real time business situations and challenges faced by the business leaders.

The successful completion of the course leads the management graduates to get basic knowledge of various fields such as general managerial principles, processes and concepts. These are building blocks for working in different type of organizations in diverse business conditions. A wide range of opportunities open in front of the learners once the course is completed. Thus, the Programme has been fulfilling the University's objective to provide professional education to the distant learners of Uttarakhand.

III. Nature of prospective target group of learners:

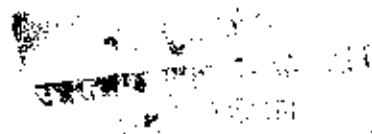
The programme shall also be useful for the professionals who want to advance and improve in their current job profile. Further, the programme is also for young aspirants who wish to enhance their professional skills with a sound management qualification.

Accordingly, the target learners of the programme are;

- Intermediate pass learners
- Graduates through conventional programmes of study
- Government Employees
- Businessmen
- Budding Entrepreneurs
- Professionals working in various private sectors

IV. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

The programme has been designed strictly in accordance with the norms and standards specified for management education. The programme provides conceptual understanding of business administration, managerial skills, research skills, information technology, industrial and global trends, thereby equipping the learners with tools and techniques to lead and manage in today's ever-changing business environment. Adequate attention is also being paid to the application of knowledge, self awareness among learners and development of problem solving, and decision making skills. The appropriateness of the BBA programme offered in the ODL mode is ensured in terms of curriculum design, eligibility criteria, admission procedures, duration, evaluation, project work etc. are Because of its inherent



flexibility in terms of entry, method, pace and place of learning, methods of evaluation, the BBA Programme in ODL Mode is suitable for the Early- and mid-career professionals working in Uttarakhand. The Programme offered by the School is useful and geared to fulfill identified gaps in the corporate and business world.

The learning upshots of this qualification are described in four areas:

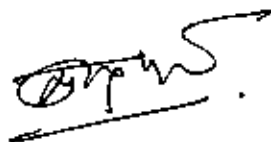
- Knowledge and understanding
- Cognitive skills
- Practical and professional skills
- Key skills

V. Instructional Design :

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. In distance learning, instructional design has its own relevance. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable chunks to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage. Further, various theories and models are referred for designing effective instructional events, some are specified as under;

- Learning objectives
- Self Check Exercises with Answers
- More Reinforcing activities
- Small chunks of learning through learning modules.
- Statement of Objectives
- Indepth learning
- Hint Answers
- Reference Texts
- Real World Contexts
- Real World Examples
- Self Appraisal Exercises
- School's Blog for enhanced learning

The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:



कुल रखिव
समग्रालयक मुल विमलिक -
समग्रालयक विमलिक



VI. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Admission

Admission to BBA programme is allowed to the learners who have qualified their Intermediate Level Education (10+2) from a recognized board of education.

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam (Annual /Sem)	Year/ Sem	Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card r	Learner Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
10 + 2	3	6	English	SEMESTER	I	8000	-	750	-	-	50	100	-	8900
					II	-	-	750	-	-	-	-	-	750
					III	8000	-	600	-	-	-	-	-	8600
					IV	-	-	750	-	-	-	-	-	750
					V	8000	-	750	-	-	-	-	-	8750
					VI	-	-	600	-	-	-	-	300	900

Curriculum Transaction

कुल अधिकारी
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 ऋषिकेश (उ.प्र.)

BBA programme consist of 26 courses and 02 foundation courses in all .Each course comprises of six credits. The total credits of the programme are 156.

BBA First Year

First Semester

- BBA 101 Principles of Management
- BBA 102 Business Mathematics
- BBA 103 Financial Accounting
- BBA 104 Computers in Management
- BBA 105 Introduction to Psychology

Second Semester

- BBA 201 Indian System of Business and Banking
- BBA 202 Microeconomic and Banking Foundation of Business
- BBA 203 Company Accounts
- BBA 204 Business Communication
- FES (B)10 Environmental Studies (Foundation Course)

BBA Second Year

Third Semester

- BBA 301 Organizational Behaviour
- BBA 302 Business Statistics
- BBA 303 Basic Costing
- BBA 304 Macroeconomic Management

Fourth Semester

- BBA 401 Business Values and Ethics
- BBA 402 Indian Business Environment
- BBA403 Business Laws
- BBA 404 Business Research Methods
- FHVA (B)10 Human Values and Ethics (Foundation Course)

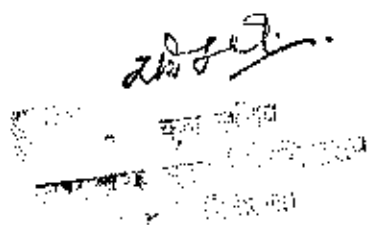
BBA Third Year

Fifth Semester

- BBA 501 Marketing Management
- BBA 502 Financial Management
- BBA 503 Production Management
- BBA 504 Personnel Management
- BBA 505 Disaster Management

Sixth Semester

- BBA 601 Taxation Laws
- BBA 602 Fundamentals of International Business
- BBA 603 Consumer Protection
- BBA 604 Introduction to Information Technology



Evaluation

Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the Coordinator of the Study Centre to which the learner is assigned or attached with. The components of evaluation for each course include the following:

- a. Assignments 20 % weightage
- b. End-term examination 80 % weightage

VII. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

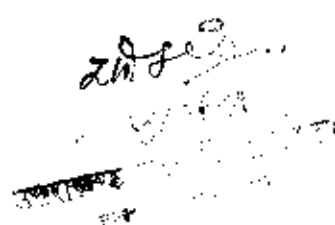
A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centres should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.

VIII. Cost estimate of the programme and the provisions:

Cost Estimation		
Particulars	Details	Amount (in Rs.)
INSTRUCTIONAL SERVICES		-
Development of In-house SLM	Payment to course writers	1955000
	Payment to Editors	1173000
	Total Cost	3128000

IX. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :

The Department reviews its programme time to time through its expert committee and Board of Studies' meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and practitioners who design, review and update the course curriculum and the study material accordingly.



BBA Syllabus (New)

Course Name: Principles and Practices of Management

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to acquaint the student with the fundamentals of management concepts and its application in organizations.

BLOCK I Introduction to Management

Unit I Nature and scope of Management

Unit II Management Process and Coordination

Unit III Evolution of Management Thoughts

Unit IV Management and Society

Unit V Planning

Unit VI Objectives (including MBO)

BLOCK II Organisation and Staffing

Unit VII Organisation

Unit VIII Staffing

Unit IX Managerial Decision Making

Unit X Responsibility, Delegation and Authority

BLOCK III Leadership and Direction

Unit XI Leadership

Unit XII Direction

Unit XIII Motivation

Unit XIV Communication

Block IV Controlling

Unit XV Controlling

Unit XVI Budgeting

Unit XVII Managing Work Life Balance

Unit XVIII Management Challenges and Globalization

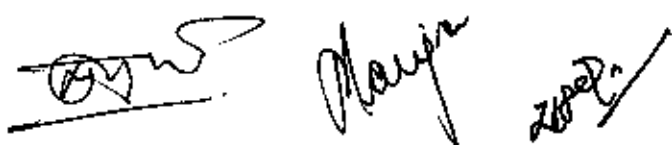
Suggested Readings-

1. Principles of Management (McGraw Hill) - Koontz & O'Donnel
2. Essentials of Management (Prentice Hall of India) - Joseph I. Massie
3. The Practice of Management (Allied Publishers) - Peter F. Drucker
4. Management (Prentice Hall of India) - Stoner, James AF
5. Organizational Behaviour (McGraw Hill - 10th Ed) - Fred Luthans
6. Human Behaviour at Work (Tata McGraw Hill-7th Ed)- Keith Davis
7. Psychological Dimensions of Organizational Behaviour- Staw BM
8. Human Relations & Organizational Behaviour - R.S. Dwivedi
9. Management-Global Perspective -Heinz Weirich, Harold Koontz
10. Principles of Management 3rd Edition P.C.Tripathi, P.N.Reddy
11. Essentials of Management-Harold Koontz, Heinz Weirich 7th Edition
12. Principles of Management-T. Ramaswamy

Course Name: Business Economics

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to provide students the knowledge of economic concepts and its application in the corporate world.



कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, देहरादून

BLOCK I Fundamental of Business Economics

- Unit I Introduction to Economics**
- Unit II Central Problems of an Economy**
- Unit III Introduction to Managerial Economics**
- Unit IV Basics of Micro Economics**

BLOCK II Demand and Supply Analysis

- Unit V Demand Analysis**
- Unit VI Demand Estimation and Forecasting**
- Unit VII Utility Analysis**
- Unit VIII Supply Analysis**
- Unit IX Production Analysis**
- Unit X Cost Analysis**

BLOCK III Pricing and Market Structure

- Unit XI Pricing**
- Unit XII Market Structure**
- Unit XIII Basics of Macro Economics**
- Unit XIV Money and Money Supply**
- Unit XV Theory of Employment and Unemployment**

BLOCK IV Macro Economic Framework

- Unit XVI Consumption and Investment Function**
- Unit XVII Business Cycles and Theories**
- Unit XVIII Inflation**
- Unit XIX Fiscal and Monetary Policy**
- Unit XX Budget and Fiscal Deficits**

Suggested Readings:

1. Business Economics: Ahuja, M. L.
2. Principles of Economics: Jain, K. P.
3. Business Economics: Mishra & Puri.
4. Modern Micro Economics: Koutsoyianni, A.

Course Name: Financial Accounting

Course Credits: 6

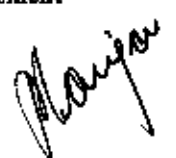
Course Objective: The objective of this course is to provide students the knowledge of financial accounting tools and there application in various decision making situations.

BLOCK I Conceptual Framework of Financial Accounting

- Unit I Introduction to Accounting**
- Unit II Accounting Principles and Standards**
- Unit III Double Entry System and Accounting Equation**
- Unit IV Journalizing, Posting and Balancing**
- Unit V Subsidiary Books-I**
- Unit VI Subsidiary Books-II**

BLOCK II Financial Statements

- Unit VII Trial Balance**
- Unit VIII Financial Statements**
- Unit IX Final Accounts (with Adjustment Entries)**
- Unit X Rectification of Errors**
- Unit XI Bank Reconciliation Statement**



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

BLOCK III Valuation of Stocks and Depreciation

- Unit XII Valuation of Stocks
- Unit XIII Depreciation-Importance and Techniques
- Unit XIV Reserves and Provisions
- Unit XV Accounting of Insurance Claims
- Unit XVI Bills of Exchange

BLOCK IV Accounts of Non-Profit Making Organisations

- Unit XVII Accounts of Non-profit making organisations
- Unit XVIII Corporate Reporting
- Unit XIX Use of Computers in Accounting

Suggested Readings:

1. BS Raman, Financial Accounting
2. Grewal and Gupta, Advanced Accounting
3. Radhaswamy and R.L. Gupta, Advanced Accounting
4. S.Kr. Paul, Advanced Accounting
5. P.C. Tulasian, Pearson Editions, Introduction to Accounting
6. Jain & Narang, Financial Accounting

Course Name: Fundamentals of Computer

Course Credits: 6

Course Objective: To develop in students an appreciation of detailed working of Computers, different Software and Hardware systems available in the industry and it's utility to the business.

BLOCK I Introduction to Computer

- Unit I Introduction to Computer
- Unit II The Computer System Hardware
- Unit III Computer Memory
- Unit IV Input-Output Units
- Unit V Operating System

BLOCK II Classification of Softwares and Internet

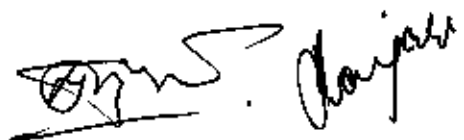
- Unit VI System Softwares
- Unit VII Application Softwares
- Unit VIII Data Communication and Network
- Unit IX Internet and Internet Services

BLOCK III Office Automation

- Unit X MS Word
- Unit XI MS Excel
- Unit XII MS Power Point
- Unit XIV Introduction to Accounting Packages

BLOCK IV Information Systems

- Unit XV Data Representation
- Unit XVI Information Systems



कुल मन्त्रि
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

Unit XVII Fundamentals of Database and MS Access
Unit XVIII Multimedia
Unit XIX Computing Environment

Suggested Readings-

1. David, Van Over : Foundations of Business Systems.
2. Jain, Satish : Computer fundamentals.
3. Laudon & Laudon : Working Information System.
4. Mansfield, Ron : Working in Microsoft Office.
5. Malhotra : Computer in Management.
6. Raja Raman, V. : Computer Fundamentals.
7. Sinha, P.K. : Computer Fundamentals.
8. Taxali : PC Software made easy.
9. Waswani, Kakar : Fundamentals of computer Science.
10. Zxivier, C. : Introduction to Computers.

Course Name: Business Statistics

Course Credits: 6

Course Objective: Basic aim of this course is to enable students to grasp the fundamentals of Statistics for interpreting business data.

Block I Introduction to Statistics

Unit I Introduction to Statistics
Unit II Collection of Data
Unit III Presentation Data in Tables and Charts
Unit IV Measures of Central Tendency
Unit V Measures of Variation
Unit VI Skewness, Moments and Kurtosis

Block II Correlation and Regression Analysis

Unit VII Correlation Analysis
Unit VIII Regression Analysis
Unit IX Index Numbers: Concepts and Applications
Unit X Business Forecasting and Time Series Analysis

Block III Probability and Sampling

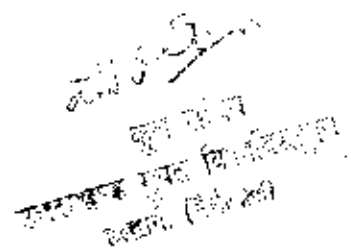
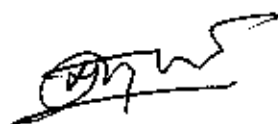
Unit XI Probability
Unit XII Probability Distributions
Unit XIII Sampling and Sampling Distributions
Unit XIV Tests of Hypothesis
Unit XV Small Sampling Theory

Block IV Statistical for Decision Making

Unit XVI Chi-Square Test and Goodness of Fit
Unit XVII Analysis of Variance
Unit XVIII Non-Parametric Test
Unit XIX Statistical Applications in Quality and Productivity Management
Unit XX Statistical Decision Theory

Suggested Readings-

1. S P GUPTA: Statistical Methods- Sultan Chand, Delhi



Handwritten signature and a circular stamp with text in Hindi.

2. Dr. B N GUPTA: Statistics (Sahitya Bhavan), Agra.
3. C B GUPTA: Statistics, Himalaya Publications.
4. Dr. Asthana: Elements of Statistics, Chaitanya.
5. Dr. Sancheti & Kapoor : Statistics Theory, Methods and Application.
6. Chikkodi & B.G. Satya Prasad: Business Statistics, Himalaya Publications.
7. J.S. Chandan, Business Statistics.
8. Agarwal, Business Statistics.
9. Sharma, Business Statistics, Pearson

Course Name- Business Communication

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to cultivate effective communication skills oral as well as written in the students.

BLOCK I Introducing Business Communication

- Unit I Introduction to Business Communication**
- Unit II Meaning and Nature of Business Communication**
- Unit III Importance and Purpose of Communication**
- Unit IV Dimensions and Channels of Communication**
- Unit V Barriers and Breakdowns in Communication**

BLOCK II Oral and Non Verbal Communication

- Unit VI Oral Communication**
- Unit VII Effective Listening**
- Unit VIII Presentation and Speeches**
- Unit IX Group Communication and Interviews**

BLOCK III Written Communication

- Unit X Written Communication**
- Unit XI English for Effective Communication**
- Unit XII Business Correspondences**
- Unit XIII Intra Organizational Communication**
- Unit XIV External Communication**
- Unit XV Technology based Communication**

BLOCK IV Other Aspects of Communication

- Unit XVI Report Writing**
- Unit XVII Effective Advertisements**
- Unit XVIII Legal Aspects of Business Communication**
- Unit XIX Cross-cultural Communication**

Suggested Readings-

1. R.C. Sharma & Krishna Mohan: Business Communication & Report Writing, TMH, New Delhi.
2. Raman. S & Swami. R: Business Communication – A Practical Approach, Professional Publications, Madras.
3. Ramesh & Pattanashetti: Effective Business English & Correspondence.
4. Majumdar: Commercial Correspondence.
5. Urmila Rai: Commercial Correspondence.
6. Pink and Thomsan: English Grammar, Composition and Correspondence.
7. P N Reddy and Appannah: Essentials of Business Communication.

Course Name: Values & Ethics in Business

Course Credits: 4

Course Objective: This paper aims at providing the students the understanding of ethical issues related to business.

Block I Business Ethics

Unit I Business Ethics

Unit II Importance of Business Ethics

Unit III Ethics & Moral Decision Making

Block II Ethical Issues and Dilemmas

Unit IV Ethical Issues and Dilemmas in Organizations

Unit V Ethical Issues related with Advertisements, Finance, Investment and Technology

Unit VI Values, Work Ethics and Work Culture

Unit VII Ethical Theories

Block III Indian Ethos for Management

Unit VIII Indian Ethos for Management

Unit IX Karma Yoga and Role of Gita in Management

Unit X Spirituality and Humanism-Principles and Values

Unit XI Organisation Culture-Building and Maintenance

Block IV Corporate Governance

Unit XII Corporate Governance and Audit Committee

Unit XIII Corporate Social Responsibility

Unit XIV Promoting Value-Based Governance in Organizations

Suggested Readings-

1. Buchholz and Rosenthal, Business Ethics, Prentice Hall
2. David Stewart, Business Ethics, McGraw Hill
3. Stoner, Freeman, Gilbert, Management
4. Corporate Governance and Business Ethics – AIMA; Excel Books
5. S.A. Sherletar, Ethics in Management, Himalaya Publishers

Course Name Marketing Management

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this paper is to help students to understand the concept of marketing and its applications and also to expose the students to the latest trends in marketing.

BLOCK I Foundations of Marketing

Unit I Fundamentals of Marketing

Unit II Approaches to Marketing

Unit III Marketing Environment

Unit IV Marketing Planning

Unit V Market Segmentation, Targeting and Positioning

BLOCK II Product and Pricing Decisions

Unit VI Consumer Behaviour

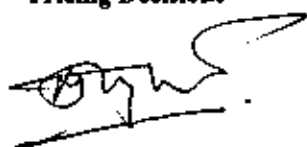
Unit VII Organisational Buying Behaviour

Unit VIII Marketing Research

Unit IX Product Decisions

Unit X Brand Decisions

Unit XI Pricing Decisions



BLOCK III Delivering and Communicating Values to Customers

- Unit XII Distribution Decisions**
- Unit XIII Communication Decisions**
- Unit XIV Retailing, Wholesaling and Logistics**
- Unit XV Advertising Management and Sales Promotion**
- Unit XVI Direct Marketing**
- Unit XVII Personal Selling and Sales Management**

BLOCK IV Contemporary Issues in Marketing

- Unit XVIII Marketing of Services**
- Unit XIX International Marketing**
- Unit XX Online Marketing**
- Unit XXI Latest Concepts in Marketing**

Suggested Readings-

1. J.C. Gandhi - Marketing Management
2. William M. Pride and O.C. Ferrell - Marketing.
3. Stanton W.J. et al Michael & Walker, Fundamentals of Management.
4. Armstrong & Kotler, Marketing : An Introduction, Pearson.
5. P N Reddy & Appanniah, Essentials of Marketing Management.
6. R.S. Davar, Marketing Management, Progressive Corporation.
7. Joel R. Evans and Barry Berman, Marketing, Biztantra publications.
8. Neelamegham, Marketing in India

Course Name Human Resource Management

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims at providing the students various human resource management interventions that may be required when dealing with the work environment, people, and problems.

BLOCK I Human Resource Management-An Overview

- Unit I Introduction and Scope of Human Resource Management**
- Unit II Managing Human Resources –The Evolution**
- Unit III Powers and Responsibilities of Personnel Manager**
- Unit IV Opportunities and Challenges of Human Resource Management in India**
- Unit V Impact of Globalisation on HR Practices**

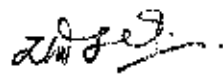
BLOCK II Selection of Human Resources

- Unit VI Job analysis: Job Description, Job Specification**
- Unit VII Human Resource Planning**
- Unit VIII Recruitment – Sources & methods**
- Unit IX Selection – criteria and process**

BLOCK III Managing Human Resources

- Unit X Placement and Induction**
- Unit XI Performance Management and Appraisal**
- Unit XII Training and Development**
- Unit XIII Management Development – Nature & purpose**
- Unit XIV Managing Job Satisfaction –Enrichment, Enlargement, Promotion and Transfer**

BLOCK IV Human Resource Development



Unit XV Introduction to HRD
Unit XVI Career Planning-Succession Planning.
Unit XVII Compensation Management
Unit XVIII Industrial Relations
Unit XIX HRM Policies and Practices in India

Suggested Readings-

1. Diwedi, R.S. Personnel Management, Oxford & IBH Publishing Co. 1992.
2. Dessler Gary, Human Resource Management, Prentice Hall Inc. Englewood Cliffs, 1994.
3. Aswathappa, K., Human Resource & Personnel Management, Tata Mc Graw Hill, New Delhi, 1999.

Course Name Financial Management

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to acquaint the students of management with the basic knowledge of finance function in a corporate enterprise.

BLOCK I Fundamentals of Financial Management

Unit I Financial Management: An Introduction
Unit II Financial Decision Making
Unit III Time Value of money
Unit IV Financial Planning

BLOCK II Investment and Financing Decisions

Unit V Investment Decisions
Unit VI Financing Decisions
Unit VII Cost of Capital
Unit VIII Leverages
Unit IX Capital Structure
Unit X Capital Structure: Planning and Designing

BLOCK III Working Capital Management

Unit XI Working Capital Management
Unit XII Cash Management
Unit XIII Receivables Management
Unit XIV Inventory Management

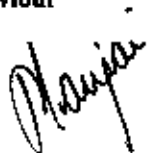
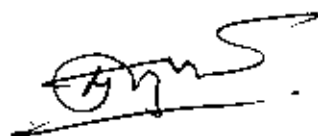
BLOCK IV Dividend Decisions

Unit XV Dividend Decisions
Unit XVI Valuation of Securities
Unit XVII Emerging Issues in Financial Management

Suggested Readings-

1. Pandey I.M., Financial Management, Vikas Publishing House, New Delhi.
2. Khan and Jain, Financial Management, Tata McGraw Hill, New Delhi.
3. Kishore, R. Financial Management, Taxman's Publishing House, New Delhi.

Course Name Organizational Behaviour



20/05/2020
Dr. R. K. J.
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
हरिद्वार (Uttarakhand)

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to provide students the knowledge of organizational behaviour and its practical application in the organization.

BLOCK I Behaviour in an Organisation

- Unit I** Organizational Behaviour - Definition and Importance
- Unit II** Different models of OB
- Unit III** Introduction to Human Behaviour and Individual Differences
- Unit IV** Values, Attitude and Job Satisfaction
- Unit V** Personality and Emotions

BLOCK II Individual and Group Behaviour

- Unit VI** Perception Process
- Unit VII** Learning
- Unit VIII** Motivation: Basic Concepts
- Unit IX** Motivation: From Concepts to Applications
- Unit X** Foundations of Group and Interpersonal Behaviour
- Unit XI** Understanding Work Teams
- Unit XII** Group Dynamics

BLOCK III Leadership

- Unit XIII** Leadership: Functions and Importance
- Unit XIV** Contemporary Issues in Leadership
- Unit XV** Power and Politics
- Unit XVI** Conflict and Negotiation
- Unit XVII** Group Dynamics

BLOCK IV Organisation System

- Unit XVIII** Organizational Design
- Unit XIX** Organizational Climate
- Unit XX** Organizational Culture
- Unit XXI** Management of Organisational Change
- Unit XXII** Organizational Development

Suggested Readings:

1. Luthans, Fred, Organizational Behaviour McGraw Hill, 1998.
2. Robbins, Stephan, Organizational Behaviour Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
3. Sekran, Uma, Organizational behaviour Tata McGraw Hill, New Delhi, 1994.
4. Chandan, Jit S, Organizational Behaviour Vikas Punishing House, New Delhi, 1994.
5. Davis, Keith, Human Behaviour at work McGraw Hill Inc.
6. Feldman & Arnold, Managing individual and Group Behaviour in Organization, McGraw Hill Inc.
7. Wegner, John A and Hullen Beck, John R, Management of Organizational Behaviour, Prentice Hall Inc, Englewood Cliffs, 1992

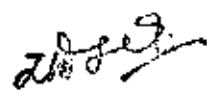
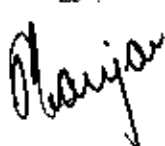
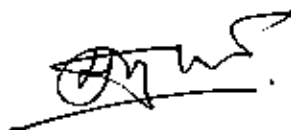
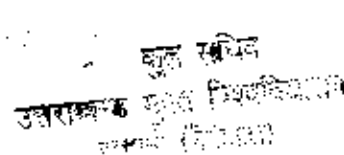
Course Name Research Methodology

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to have a general understanding of Research Methodology and Statistics as applicable to Business Management and its use and relevance in areas of Management Research.

BLOCK I RESEARCH METHODOLOGY: AN INTRODUCTION

- Unit I** Basics of Research Methodology

उत्तराखण्ड साहित्य अकादमी
पुस्तक सचिव
पुस्तक प्रकाशनालय
देहरादून

- Unit II Research Process
- Unit III Problem Formulation and Statement of Research objectives
- Unit IV Research Designs
- Unit V Hypothesis- Formulation and Testing

BLOCK II DATA COLLECTION AND PROCESSING

- Unit VI Sources of Data-Primary and Secondary Sources
 - Unit VII Methods of Data Collection
 - Unit VIII Sampling Fundamentals
 - Unit IX Sampling: Types and Errors
 - Unit X Processing and Analysis of Data
- BLOCK III Data Analysis**

- Unit XI Descriptive Data Analysis-I
- Unit XII Descriptive Data Analysis-II
- Unit XIII Inferential Data Analysis-I
- Unit XIV Inferential Data Analysis-II

BLOCK IV Report Writing and Presentation

- Unit XV Intricacies of Report Writing
- Unit XVI Presentation of Report
- Unit XVII Use of Statistical Softwares

Suggested Readings-

1. C.R. Kothari, Research Methodology – Methods and Techniques, Wiley International Ltd., New Delhi
2. William J. Goode & Paul K. Hatt, Methods in Social Research McGraw- Hill, New Delhi
3. C.A. Moser & G. Kalton, Survey Methods in Social Investigation
4. P.L. Bhandar Kar & T.S. Wilkinson, Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Delhi
5. V.P. Michael, Research Methodology in Management, Himalaya Publishing House, Delhi
6. V.P. Michael, Communication and Research for Management, Himalaya Publishing, Delhi
7. S.R. Bajpal, Methods of Social Survey and Research, Kitab Ghar, Kanpur
8. M.H. Gopal, An Introduction to Research Procedure in Social Sciences, Asian Publishing House, Bombay.

Course Name: Business Mathematics

Course Credits: 6

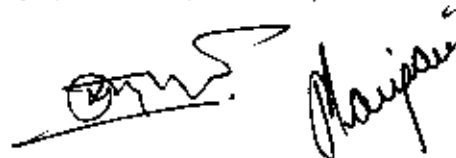
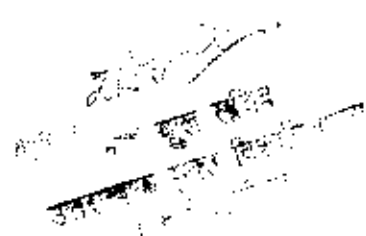
Course Objective: - This course aims at providing the students the basic mathematics necessary for making the analytical evaluation of business situations and develop solutions to it.

BLOCK I Theory of Sets and Geometry

- Unit I Sets: An Introduction
- Unit II Workings with Sets
- Unit III Application of set Theory
- Unit IV Introduction to Coordinate Geometry, Straight lines and Circles

BLOCK II Indices and Logarithms

- Unit V Functions
- Unit VI Limits and Continuity
- Unit VII Indices and Logarithms
- Unit VIII Progressions and their business applications
- Unit IX Permutation, Combination and Binomial Theorem

Block III Matrices and Differentiation

- Unit X** Matrix Algebra, Multiplication, Transpose and Differentiation
Unit XI Business Applications of Matrices
Unit XII Differentiation
Unit XIII Application of Differentiation in Business Decisions

BLOCK IV Integration and Probability

- Unit XIV** Integration
Unit XV Techniques of Integration - Substitution, Integration By Parts
Unit XVI Basic Concepts of Probability
Unit XVII Conditional Probability and Bayes' Theorem
Unit XVIII Linear Equations (with two and three variables) and Quadratic Equations

Suggested Readings-

1. Business Mathematics - D.C.Sancheti, A.M.Malhotra, and V.K.Kapoor, Sultan Chand & Sons, New Delhi.
2. Business Mathematics - Qazi Zameerudin, V.K.Khanna and S.K.Bhambri, Vikas Publishing House, Pvt. Ltd., New Delhi.
3. A text Book of Business Mathematics - Dr. R.Jaya Prakash Reddy and Y. Mallikarjuna Reddy, Ashish Publishing House, New Delhi.

Course Name : Company Law

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of the course is to provide basic knowledge and equip students with company law.

Block I Company and its Formation

- Unit I** Company-Meaning, Nature and Kinds
Unit II Formation and incorporation of Company
Unit III Promoters

Block II Memorandum and Articles of Association and Prospectus

- Unit IV** Memorandum of Association
Unit V Articles of Association
Unit VI Prospectus
Unit VII Statutory Books

Block-III Issue of Shares and Debentures

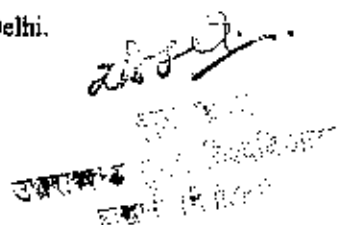
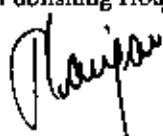
- Unit VIII** Share and Share Capital
Unit IX Share Certificate and Share Warrant and Demat Account
Unit X Transfer and Transmission of Shares
Unit XI Debentures and Borrowing Powers
Unit XII Membership of Company

Block-IV Management and Winding Up of Company

- Unit XIII** Director
Unit XIV Managerial Remuneration
Unit XV Meetings, Agenda, Resolutions and Minutes
Unit XVI Company Secretary
Unit XVII Winding Up and Dissolution of Companies

Suggested Readings:

1. Avtar Singh, Indian Company Law, Eastern Book Company, Lucknow.
2. N. D. Kapoor, Elements of Company Law, Sultan Chand & Sons, New Delhi.
3. M.C. Kuchhal, Company Law, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., Delhi.



4. P.C. Tulsian, Business and Corporate Laws, Tat McGraw Hill, New Delhi.

Course Name Production and Operations Management

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to provide an understanding of operational issues in production.

BLOCK I Production/Operations Management

Unit I Introduction of Production and Operations Management

Unit II Manufacturing System

Unit III Product Design

Unit IV Plant Location

Unit V Layout Planning

BLOCK II Production Planning and Control

Unit VI Productivity and Production Order

Unit VII Productivity and Work Study, Method Study, Work Measurement

Unit VIII Production Planning Techniques

Routing and Scheduling

Unit IX Production Control

Unit X PERT and CPM

Block III Materials Management and Inventory Control

Unit XI Materials Management

Unit XII Materials Planning and Control

Unit XIII Materials Handling

Unit XIV Inventory Control

Unit XV Enterprise Resource Planning

BLOCK IV Quality Assurance and Production Management

Unit XVI Demand Forecasting

Forecasting as a planning tool, Forecasting types and methods, Exponential smoothing, Measurement of errors, Monitoring and Controlling forecasting models, Box- Jenkins Method

Unit XVII Quality Control

Unit XVIII Linear Programming and Game Theory

Unit XVII Break Even Analysis

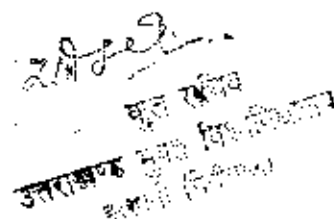
Unit XIX Plant Maintenance

Suggested Readings-

1. Buffa E.D.: Modern Production Management, New York. John Wiley 1987.
2. Chary S.N. : Production and Operations Management New Delhi, Tata McGraw Hill,
3. Moore F.G. and Hendrick T.E. Production Operations Management, Homewood Illinois, Richard D Irwin, 1982
4. R.Paneer Selvam, Production and Operations Management, Prentice Hall of India, 2002.
5. Thomas E Morton, Production and operations management, Vikas Publishing House, First Indian reprint 2003.
6. Mahapatra P B, Computer Aided Production Management, Prentice Hall of India, 2001.
7. Martand T Telsang, Production Management, S Chand and Company, First edition 2005

Course Name: Business Environment

Course Credits: 6



Handwritten signature and official stamp of the institution.

Course Objective: This course aims at providing the students the knowledge of basic framework and intricacies of Indian business environment.

BLOCK I Determinants of Business Environment

- Unit I Business Environment—An Overview
- Unit II Economic Environment
- Unit III Political and Legal Environment
- Unit IV Natural and Technological Environment
- Unit V Demographic Environment

BLOCK II Economic Policy

- Unit VI Industrial Policy
- Unit VII Monetary Policy
- Unit VIII Fiscal Policy
- Unit IX Foreign Trade Policy
- Unit X Development Planning
- Unit XI Small Scale Industries

BLOCK III Legal Framework

- Unit XII Company Law
- Unit XIII Industries (Development and Regulation) Act, 1951
- Unit XIV Competition Act
- Unit XV FEMA
- Unit XVI Consumer Protection
- Unit XVII Industrial Financial Institutions

BLOCK IV Indian Financial System

- Unit XVIII Indian Financial System
- Unit XIX Money Market and Capital Market
- Unit XX Stock Exchanges and its Regulation

Suggested Readings:

1. Sundaram & Black, International Business Environment – Text & Cases, PHI, N.Delhi.
2. F.Chernilum, Business Environment, Himalaya Publishing house, New Delhi
3. Shaw, Business Ethics, Thomson Learning, Bombay.
4. Biswanath Ghosh, Economic Environment & Business, Vikas Publishing House, New Delhi.
5. N.K.Sengupta, Government and Business, Vikas Publishing House, New Delhi.
6. K. Aswathappa, Business Environment for Strategic Management, Himalaya Publishing House, New Delhi
7. Govt. of India, Economic Survey (latest year).

Course Name Cost and Management Accounting

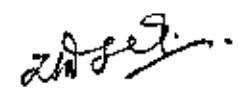
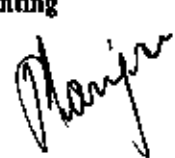
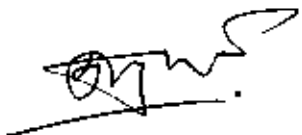
Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to provide students the knowledge of cost and management accounting tools and there application in various decision making situations.

BLOCK I Introduction to Management Accounting

- Unit I Nature of Management Accounting
- Unit II Financial Statement Analysis
- Unit III Ratio Analysis
- Unit IV Funds Flow Analysis
- Unit V Cash Flow Analysis

BLOCK II Introduction to Cost Accounting



कुल शिक्षा
संस्कृत विभाग
(संस्कृत)

- Unit VI Cost Concepts
- Unit VII Element of Cost
- Unit VIII Costing Methods
- Unit IX Marginal Costing and Cost-Volume-Profit Analysis
- Unit X Standard Costing and Variance Analysis

BLOCK III Budgeting and Budgetary Control

- Unit XI Budgeting and Budgetary Control
- Unit XII Inflation Accounting
- Unit XIII Activity based Costing
- Unit XIV Managerial Reporting

BLOCK IV Decision Making

- Unit XV Responsibility Accounting and Divisional Performance Measurement
- Unit XVI Neo Concepts for Decision Making
- Unit XVII Value Chain Analysis, Target Costing & Life Cycle Costing
- Unit XVIII Contemporary Issues in Management Accounting

Suggested Readings:

1. Horngren et al- Introduction to Management Accounting (Pearson, 12th edition), 2002
2. Khan and Jain- Management Accounting (Tata McGraw-Hill, 2000) 3rd ed.
3. Pandey I M- Management Accounting (Vikas, 3rd edition), 2004.
4. Bhattacharyya S K and Dearden J- Accounting for Management (Vikas), 1987, 8th ed.
5. Sahaf M A- Management Accounting: Principles and Practice (Vikas), 2000.

Course Name- Business Laws

Course Credits: 6

Course Objective: The aim of this course is to provide the students the understanding of the legal framework in which the business has to operate.

BLOCK I The Indian Contract Act, 1872

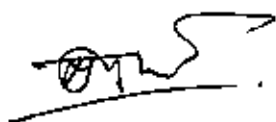
- Unit I Meaning and Essentials of Contract
- Unit II Offer and Acceptance
- Unit III Capacities of Parties, Consideration and Free Consent
- Unit IV Void Agreements and Contingent Contracts
- Unit V Performance of Contract and Discharge of Contract
- Unit VI Quasi-Contracts, Indemnity and Guarantee, Bailment and Pledge

BLOCK II THE SALE OF GOODS ACT, 1930

- Unit VII Contract of Sale of Goods
- Unit VIII Conditions and Warranties
- Unit IX Transfer of Property
- Unit X Remedial Measures
- Unit XI Consumer Protection Act, 1986
- Unit XII Laws relating to Patents, Trademarks and Copyrights

BLOCK III INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932

- Unit XIII Partnership-Meaning and Essentials
Elements of Partnership, Partner, Firm, Firm Name




2/10/20
कुल सचिव
महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय
मुंबई (१५)

- Unit XIV Partnership and HUF
- Unit XV Registration, Duration and Types of Partnerships
- Unit XVI Position of Minor as a Partner and Property of the Firm
- Unit XVII Mutual Rights and Duties, Rational Partner and Third Parties

BLOCK IV THE NEGOTIABLE INSTRUMENTS ACT, 1881

- Unit XVIII Negotiable Instruments
- Unit XIX Parties to Negotiable Instruments
- Unit XX Presentment and Negotiation of Negotiable Instruments
- Unit XXI Dishonor and Discharge
- Unit XXII Banker and Customer

Suggested Readings-

1. N.D. Kapoor Commercial Law
2. Avtar Singh Company Law
3. M.G. Shukla Mercantile Law

Course Name-Business Policy and Strategic Management

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of the course is to provide the students the conceptual understanding of strategy and its application in various decision making situations.

BLOCK I Introduction to Business Policy & Strategic Management

- Unit I Strategic Management - An Introduction
- Unit II Evolution of Business Policy and Strategic Management
- Unit III Defining Strategy
- Unit IV Strategic Decision Making
- Unit V Establishment of Strategic Intent

BLOCK II Strategy Formulation

- Unit VI Environmental Appraisal
- Unit VII Organisational Appraisal
- Unit VIII Corporate Level Strategies-I
- Unit IX Corporate Level Strategies-II
- Unit X Business Level Strategies

BLOCK III Strategic Choice and Implementation

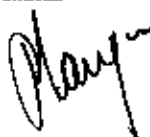
- Unit XI Strategic Analysis
- Unit XII Strategic Choice
- Unit XIII Strategy Implementation
- Unit XIV Structural Implementation
- Unit XV Behavioral Implementation
- Unit XVI Functional and Operational Implementation

BLOCK IV Strategic Evaluation and Control

- Unit XVII Strategy Evaluation
- Unit XVIII Strategic Control
- Unit XIX Emerging Issues in Strategic Management

Suggested Readings

1. Business Policy, 2nd Ed. - Azhar Kazmi

RECEIVED
10/10/2023
10/10/2023
10/10/2023

2. Management Policy and Strategic Management (Concepts, Skills and Practices) – R.M.Shrivastava
3. Business Policy and Strategic Management - P.Subba Rao
4. Strategy & Business Landscape - Pankaj Ghemawat
5. Strategic Planning Formulation of Corporate Strategy – Ramaswamy

Course Name: Entrepreneurship Development

Course Credits: 4

Course Objective: The objective of the course is to impart knowledge to the learners about entrepreneurship and its importance in socio-economic development of the nation and to create interest among them for starting their own business.

BLOCK I Foundations of Entrepreneurship Development

Unit I Entrepreneurship: Definition and Concepts

Unit II Entrepreneurial Values and Attitudes

Unit III Innovation and Entrepreneurship

BLOCK II Entrepreneurial Motivation

Unit- IV Entrepreneurial Motivation

Unit-V Women Entrepreneurship and Intrapreneurship

Unit VI Creating Entrepreneurial Venture

Unit VII Business Planning Process

BLOCK III Entrepreneurial Business and Management

Unit VIII Marketing and Operations Management

Unit IX Financial Management

Unit X Sources of Finance

Unit XI Human Resource Management for new ventures

BLOCK IV Franchising and Entrepreneurial Buy-Ins

Unit- XII Franchising and Entrepreneurial Buy-Ins

Unit XIII Institutional Support for new ventures

Unit XIV Entrepreneurship and Government including the legal issues

Suggested Readings:

1. Poornima Charantimath, Entrepreneurship Development-Small Business Enterprise, Pearson Education, 2007
2. Robert D Hisrich, Michael P Peters, Dean A Shepherd, Entrepreneurship, 6th Edition, The McGraw-Hill Companies, 2007
3. Dr. Mathew J. Manimala, Entrepreneurship theory at crossroads, Biztantra, 2007.
4. Vasant Desai, Entrepreneurial Development and Management, Himalaya Publishing House, 2007.
5. Maddhurima Lall, Shikha Sahai, Entrepreneurship, Excel Books, 2006
6. Kurakto, Entrepreneurship-Principles and practices, 7th Edition, 2007, Thomson publication

Course Name Income Tax

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims to provide basic knowledge and equip students with application of principles and provisions in Income-tax Act, 1961.

Block-1 Income Tax Concept and Income From Salary

- Unit-1 Introduction and Basic Concepts
- Unit-2 Residential Status and Incidence of Tax
- Unit-3 Exempted Incomes
- Unit-4 Income from Salary

Block-2 Income From House Property and Income From Business or Profession

- Unit-5 Income from House Property
- Unit-6 Depreciation
- Unit-7 Income from Business or Profession
- Unit-8 Income from Capital Gains
- Unit-9 Income from Other Sources

Block-3 Deductions From Gross Total Income and Aggregation of Income

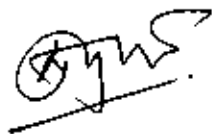
- Unit-10 Deductions from Gross Total Income
- Unit-11 Set-off and Carry Forward,
- Unit-12 Clubbing and Aggregation of Income
- Unit-13 Assessment of Individuals
- Unit-14 Assessment of Firms

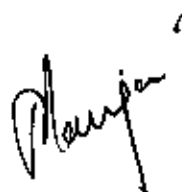
Block-4 Authorities and Assessment Procedures and Tax Planning

- Unit-15 Authorities and Assessment Procedures
- Unit-16 Deduction of Tax at Source
- Unit-17 Penalties, Offences and Prosecutions
- Unit-18 Advance Payment of Tax

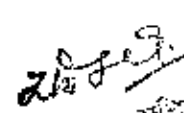
Suggested Readings:

1. Lal, B.B., (2009), *Income Tax and Central Sales tax Law and Practice*, 30th edition, Pearson Education.
2. Vinod K. Singhania and Monica Singhania, *Students' Guide to Income Tax*, Taxmann Publications Pvt. Ltd., New Delhi.
3. Mahesh Chandra, S.P. Goyal and D.C. Shukla, *Income Tax Law and Practice*, Pragati Prakashan, Delhi.
4. Dinkar Pagare, *Law and Practice of Income Tax*, Sultan Chand and sons, New Delhi.









कुल सचिव
उपनिवेशक मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (दिल्ली-110007)

Bachelor of Business Administration (BBA) (Old Syllabus)

Course Name- PRINCIPLES OF MANAGEMENT
Course Code- BBA 101

Course Objective- The objective of this course is to acquaint the student with the fundamentals of management concepts and its application in organizations.

Course Contents-

Concept and Nature of Management:- Significance of Management; Meaning of Management; Changes in Management Concepts; Nature of Management; Management a Science or an Art or a Profession; Functions of Management; Managerial Hierarchy; Management skills; Social Responsibilities and Ethics. Management Thought:- Approaches to Management - Max Weber's Bureaucracy; F.W.Taylor's Scientific Management; Henry Fayol's Process and Operational Management; Human Relations Approach; Behavioral Approach; System Approach and Contingency Approach. Planning and Decision Making:- Concept, Nature and Elements of Planning; Kinds of Plans; Levels of Planning; Various Stages (steps) in Planning; Decision Making and Process of Rational Decision Making; Concept of Organizational Structure; Bases of Organizing; Delegation and Decentralization of Authority. Leading Management Control:- Meaning and Significance of Leadership; Leadership Styles; Essentials of Successful Leadership; COMMUNICATIONS:- Importance and Process of Communication; Barriers to Communications and Overcoming these Barriers; Principles of Effective Communication. MOTIVATION:- Definition, Motives and Motivation, Models of Motivation-Maslow's Need Hierarchy Model, M.C.Greger's Participation Model, Herzberg's Model Varoom's Model, Alderfer's and Mc Clelland's Models. CONTROLLING:- Definition and Elements of Control Process; Kinds of Control System; Pre-Requisites of Effective Control System; An Overview of Budgetary And Non-Budgetary Control Devices.

Suggested Readings-

1. Principles of Management (McGraw Hill) - Koontz & O'Donnel
2. Essentials of Management (Prentice Hall of India) - Joseph I, Massie
3. The Practice of Management (Allied Publishers) - Peter F Drucker
4. Tasks, Management, Responsibility & Practice - Peter F Drucker
5. Management (Prentice Hall of India) - Stoner, James AF
6. Organizational Behaviour (McGraw Hill - 10th Ed) - Fred Luthans
7. Human Behaviour at Work (Tata McGraw Hill-7th Ed)- Keith Davis
8. Organizational Behaviour - Robins SP
9. Psychological Dimensions of Organizational Behaviour- Staw BM
10. Human Relations & Organizational Behaviour - R.S. Dwivedi
11. Management-global perspective -Heinz Weirich, Harold Koontz
12. Principles of Management 3rd Edition P.C.Tripathi, P.N.Reddy
13. Essentials of Management-Harold Koontz, Heinz Weirich 7th Edition
14. Principles of Management-T. Ramaswamy

Course Name- BUSINESS MATHEMATICS
Course Code- BBA 102

Course Objective- This course aims at providing the students the basic mathematics necessary for making the analytical evaluation of business situations and develop solutions to it.

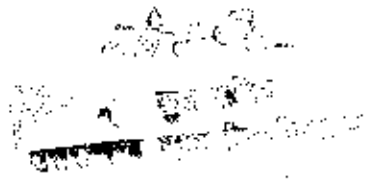
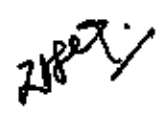
Course Contents-

Theory of Sets: Meaning, elements; types, presentation and equality of sets. Union, intersection, compliment & difference of sets, Venn diagrams. Cartesian product of two sets. Applications of Set theory. Indices & Logarithms, Arithmetic, Geometric and Harmonic progressions and their business applications; Sum of squares and cubes of first natural numbers. Permutations, combinations and Binomial Theorem (positive index). Matrices - Types, properties, addition, multiplication, transpose and inverse of matrix. Properties of determinants, solution of simultaneous Linear Equations. Differentiation of Standard Algebraic Functions; Business Applications of Matrices and Differentiation.

Suggested Readings-

1. Business Mathematics - D.C.Sancheti, A.M.Malhotra, and V.K.Kapoor, Sultan Chand & Sons, New Delhi.
2. Business Mathematics - Qazi Zameerudin, V.K.Khanna and S.K.Bhambri, Vikas
3. Publishing House, Pvt. Ltd., New Delhi.
4. A text Book of Business Mathematics - Dr. R.Jaya Prakash Reddy and Y.
5. Mallikarjuna Reddy, Ashish Publishing House, New Delhi.

Course Name- FINANCIAL ACCOUNTING
Course Code- BBA 103



Course Objective- The objective of this course is to acquaint students with the accounting concepts, tools and Techniques influencing business organizations

Course Contents-

Accounting - Meaning, Nature, Functions and Significance. Types of Accounting, Accounting Equation, Concepts & Conventions. Review of Accounting cycle: Recording, Posting and Accounting Process, Journal, Ledger, and Trial Balance; Preparation of Trial Balance; Bank Reconciliation Statement, Preparation of Final Accounts of Sole Trader. Depreciation Accounting: Concepts and Methods (Straight Line and Written Down Methods only); Receipt and Payments Accounts; Income and Expenditure Accounts.

Suggested Readings-

2. BS Raman, Financial Accounting
3. Grewal and Gupta, Advanced Accounting
4. Radhaswamy and R.L. Gupta, Advanced Accounting
5. S.Kr. Paul, Advanced Accounting
6. P.C. Tulasian, Pearson Editions, Introduction to Accounting
7. Jain & Narang, Financial Accounting

Course Name- COMPUTERS IN MANAGEMENT

Course Code- BBA 104

Course Objective- Objective: To develop in students an appreciation of detailed working of Computers, different Software and Hardware systems available in the industry and it's utility to the business.

Course Contents-

Introduction to Computers: Classification, Evolution, Computer System Organization (Hardware, Software & User), Capabilities, Characteristics & Limitations of Computer System, Operating System - Types & Features, Multiprogramming, Multi User system. Number System & Programming Languages: Binary Number System, Computer Languages and its types, Generation of Computer Languages. Character Codes (ASCII, EBCDIC, ISCII) Data Processing Cycle, Business Information and Automation, Classification of Information, Characteristics of Information. Impact of Computers on Society, Computer Applications in Offices, Communication, Education, Medical field, Banks.

Suggested Readings-

1. David, Van Over : Foundations of Business Systems.
2. Jain , Satish : Computer fundamentals.
3. Laudon & Laudon : Working Information System.
4. Mansfield, Ron : Working in Microsoft Office.
5. Malhatra : Computer in Management.
6. Raja Raman, V. : Computer Fundamentals.
7. Sinha, P.K. : Computer Fundamentals.
8. Taxali : PC Software made easy.
9. Waswani, Kakar : Fundamentals of computer Science.
10. Zxivier, C. : Introduction to Computers.

Course Name- INTRODUCTION TO PSYCHOLOGY

Course Code- BBA 105

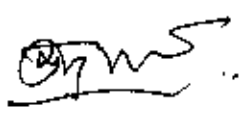
Course Objective- The objective of this course is to provide the students the knowledge of Psychology and its application in organizational context.

Course Contents-

Nature of Psychology: Approaches to Psychology, Scope of Contemporary Psychology, Research Methods in Psychology, Measurement in Psychology, Perceptions: Concept, Process, Absolute Threshold, Differential, Subliminal Perception. Dynamics of Perception: Perceptual Selection, Organization and Interpretation. Learning and Memory: Classical conditioning, Operant Conditioning, Concept of reinforcement, Cognitive learning, Short-term memory, Long-term memory, Improving memory. Personality and its assessment: Shaping of personality-Trait Approach, Social approach, Psychoanalytic approach, Phenomenological approach, Personality assessment. Emotion: Theories of Emotions, Optimal level of arousal, Stress Frustration, Reaction of Frustration, Anxiety, Defence Mechanism, Stress, Attitude formation and change.

Suggested Readings-

1. Atkinson, R.L., Atkinson, R.L., Hilgard E.R., Introduction to Psychology, New York, Harcourt Brace, Joanovich.
2. Smith R.R., Sarason I.G., Sarason B.R., Psychology. The frontiers of Behaviour, New York, Harper & Row, Publishers.
3. Mc Connell, J.V. Understanding Human Behaviour, New York, Halt Rinehart and Winston.



4. Hutersall, D. Psychology, London, Charles & Merrill.
5. Clifford T. Morgan & Others: Introduction to Psychology.
6. Robert A. Barons; Psychology, Prentice Hall of India, Ltd., India, New Delhi.

Course Name- INDIAN SYSTEM OF BUSINESS AND BANKING
Course Code- BBA 201

Course Objective- The objective of this course is to familiarise the students with regard to structure, organization and working of business and financial system in India.

Course Contents-

Introduction: Concept of Business and Business Organization Forms of Business Organization, Sole Proprietorship, Partnership, Joint Hindu Family, Cooperative Societies, Joint Stock Companies and Multinational Corporations. Distribution and Insurance System: Distribution Channel, Life Insurance Corporation of India and General Insurance Corporation of India. Indian Banking System: Reserve Bank of India and Commercial Banking System. Industrial Financing Institutions, Export-Import Bank of India.

Course Name- MICROECONOMIC AND BANKING FOUNDATIONS OF MANAGEMENT
Course Code- BBA 202

Course Objective- This course aims at providing the students the knowledge of microeconomic concepts and their applications in various decision making situations.

Course Contents-

Nature and scope of economics; functional areas of microeconomics; demand, supply and competitive equilibrium; law of demand; elasticity of demand and supply; consumer's equilibrium – utility and indifference curve approaches. Short and long run production function; laws of return; optimal input combination; cost classification; cost curves and their interrelationships; plant size and economics of scale; location of industries; growth of a business firm-motives and methods; optimum size of the firm. Basic characteristics of perfect competition; monopoly, monopolistic competition and oligopoly; measurement of market concentration and monopoly power; diversification; vertical integration and merger of firms; aspects of non-price competition. Characteristics of various factors of production; mobility and productivity of factors; determination of rent, interest and wages; alternative theories of profit; marginal productivity theory of distribution.

Suggested Readings-

1. P.A. Samuelson, Economics
2. Dominic Salvatore, Theory and Problem of Managerial Economics, McGraw Hill, NY.
3. R.R. Barthwal, Industrial Economics-An Introductory Textbook, Wiley Eastern, N. Delhi
4. P.L. Mehta, Managerial Economics, S. Chand, N. Delhi

Course Name- COMPANY ACCOUNTS
Course Code- BBA 203

Course Objective- This course aims at providing the students the knowledge of theories and practices of keeping account in the company.

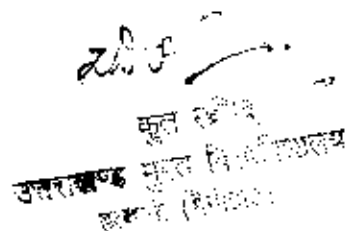
Course Contents-

Accounting for share capital transaction. Issue of shares at par, at premium and at discount. Forfeiture of shares. Re-issue of forfeited shares; Redemption of preference shares. Debentures; Issue of debentures, provision for redemption of debentures and redemption of debentures. Preparation of final accounts of companies having regard to the provisions of companies Act., 1956 in general and Schedule VI to the Companies Act in particular. Underwriting Commission and Underwriting Agreement, Accounting treatment and determination of the liability of underwriters. Simple problems of amalgamation, Absorption and External Reconstruction.

Suggested Readings-

1. Advanced Accounting Vol II: R.L. Gupta, S. Chand & Sons, New Delhi
2. Advanced Accounting by T.S. Grewal and M.C. Shukla, S. Chand & Sons, N. Delhi
3. Advanced Accounting by S.P. Jain & K.L. Narang, Kalyani Publishers, N. Delhi
4. Company Accounts by J.R. Monga
5. Company Accounts by R.L. Gupta





Course Name- BUSINESS COMMUNICATION
Course Code- BBA 204

Course Objective- The object of this subject is to cultivate effective communication skills oral as well as written in the students.

Course Contents-

Introducing the Concept: Meaning, Nature and scope of communication, Process of Communication, Characteristics of Business Communication, Importance of Effective B.C. Objectives of B.C. Types/Pattern of B.C.; Media/Channels of B.C. Principles of B.C.; Barriers to B.C. Written Communication-I (a) Business Letter Writing, (b) Business Report Writing, Importance, Need, Types, Techniques, Language, Structure, Planning and Drafting. Written Communication-II; (a) Preparing Official Communication, Circular, Notification, Amendment, Press Communiqué, DO letter, Telegram. (b) Writing proposals, Agenda and Minutes of meeting. Dictating: Importance of Dictation, Suggestions for better dictation, Giving Instructions and Demonstration, Clear Instructions on Individual Jobs, Suggestions for Cutting correspondence costs. Oral Communication; Communicating with one: Interviewing- Art of effective interviewing, Types of Interviewing, Techniques of Interviewing, Qualities of Interviewer and Interviewee, Planning of Interviewing, Process of Interviewing. Communicating within groups: Presentational speaking-preparation of speech, Presentation of Speech, Guidelines for Effective Speech making. Communicating within groups: Discussion and Conference Participating and leading in conferences, Planning and Procedure of problem-solving conferences. Importance of Body language in interview, Speech and conference Audiovisual Communication: Role of Audio-Visual Communication, Channels of Audio-Visual Communication, Importance of Body language in non-verbal communication, Graphic Communication, Types of Graphical display, Merits and Demerits of Graphical Display. Role of Public Relation in Business Communication, Objective of P.R., Tools of P.R., Interaction between P.R. and Journalism. Role of Advertisement in Business Communication, Characteristics of Effective Advertisement, Art of Effective Advertisement, Structure of Advertisement Copy, Types of Advertisement copy.

Suggested Readings-

1. R.C. Sharma & Krishna Mohan: Business Communication & Report Writing, TMH, New Delhi.
2. Raman. S & Swami. R: Business Communication – A Practical Approach, Professional Publications, Madras.
3. Ramesh & Pattanashetti: Effective Business English & Correspondence.
4. Majumdar: Commercial Correspondence.
5. Urmila Rai: Commercial Correspondence.
6. Pink and Thomsan: English Grammar, Composition and Correspondence.
7. P N Reddy and Appanniah: Essentials of Business Communication.

Course Name- ORGANIZATIONAL BEHAVIOUR
Course Code- BBA 301

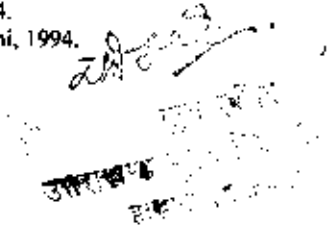
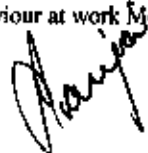
Course Objective- This course gives the students an understanding of organizational behaviour which would help them understand group dynamics and

Course Contents-

Introduction:- The field of Organizational Behaviour Reasons to study O.B. Foundations and Background of OB, Approaches to OB, Contributing discipline to OB Field. Individual Behaviour: Individual differences – Abilities, intelligence; personality- Meaning, development of personality, personality traits, major determinants. Perception- Nature, importance, perceptual selectivity, perceptual Organization, social perception; Attitudes- Nature, dimensions, importance; Job Satisfaction – importance, sources & consequences. Motivation and Learning:- Motivation – Meaning; motives, process content theories and process theories of motivation, relationship between motivation and performance learning – Meaning, types; Theories of learning, Reinforcement, Law of effect, punishment. Group Behaviour:- Group – Concept, nature, classification; stages of group development, Group dynamics; Group Behaviour; Group structure, task & processes; Group cohesiveness; Dynamics of informal groups; Group decision – making.

Suggested Readings-

1. Luthans, Fred, Organizational Behaviour McGraw Hill, 1998.
2. Robbins, Stephan, Organizational Behaviour Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
3. Sekran, Uma, Organizational behaviour Tata McGraw Hill, New Delhi, 1994.
4. Chandan, Jit S, Organizational Behaviour Vikas Publishing House, New Delhi, 1994.
5. Davis, Keith, Human Behaviour at work McGraw Hill Inc.



6. Feldman & Arnold, Managing individual and Group Behaviour in Organization, McGraw Hill Inc.
7. Wegner, John A and Hullen Beck, John R, Management of Organizational Behaviour, Prentice Hall Inc, Englewood Cliffs, 1992.

Course Name- BUSINESS STATISTICS

Course Code- BBA 302

Course Objective- Basic aim of this course is to enable students to grasp the fundamentals of Statistics for interpreting business data.

Course Contents-

Data Classification, Tabulation and Presentation: Meaning, objectives and types of classification, formation of frequency, Role of tabulation, types of tables, significance of diagram and graphs. Measures of Central Tendency and Dispersion: Meaning, and objectives of measures of Central Tendency, different measure viz. Arithmetic mean, Median, Mode, Geometric Mean and Harmonic Mean, characteristics, applications and limitations of these measures. Measures of variation viz. Range, Quartile Deviation Mean Deviation, Standard Deviation, Co-efficient of Variation and Skewness. Correlation and Regression: Meaning of Correlation, types of Correlation: Positive and Negative Correlation, Simple, Partial and Multiple Correlation, Methods of studying Correlation; Scatter diagram, graphic and direct method. Properties of Correlation Co-efficient, Rank Correlation, Co-efficient of Determination, Lines of Regression, Co-efficient of Regression, Standard Error of Estimate.

Index Numbers and Time Series: Index Number and their uses in business. Construction of simple and weighed price, quantity and value index numbers Test for an ideal index numbers, Components of Time Series viz. Secular Trend, Cyclical, Seasonal and Irregular Variations, methods of Estimating Secular Trend. Seasonal Indices and its use in Business Forecasting and Limitations, Calculating Growth Rate in Time Series.

Suggested Readings-

1. S P GUPTA: Statistical Methods- Sultan Chand, Delhi
2. Dr. B N GUPTA: Statistics (Sahitya Bhavan), Agra.
3. C B GUPTA: Statistics, Himalaya Publications.
4. ELLAHANCE : Statistical Methods
5. Dr. Asthana: Elements of Statistics, Chaitanya.
6. Dr. Sancheti & Kapoor : Statistics Theory, Methods and Application.
7. Chikkodi & B.G. Satya Prasad: Business Statistics, Himalaya Publications.
8. J.S. Chandan, Business Statistics.
9. Agarwal, Business Statistics.
10. Sharma, Business Statistics, Pearson.

Course Name- BASIC COSTING

Course Code- BBA 303

Course Objective- The basic objective of this course is to provide the students the elements of cost accounting and there applications in various situations.

Course Contents-

Introduction: Objectives, Elements of cost, Cost Sheet, Importance of Cost Accounting, Types of Costing, Installation of Costing System, Difference between Cost Accounting and Financial Accounting. Material and Labour Cost Control: Meaning and objectives of Material control, Material Purchase Procedure, Fixation of Inventory levels – Reorder level, EOQ, Minimum level, Maximum level, Danger level and Methods of Valuing Material Issues – FIFO, LIFO, HIFO, NIFO. Labour and Cost Control; its importance, Methods of Time Keeping and Time Booking. Treatment and Control of Labour Turnover, Idle Time, Overtime, Systems of Wage Payment – Time Wage System, Piece Wage System and Balance or Debt Method. Overheads – Classification, Allocation and Apportionment of Overheads. Absorption of Overheads, Under – Absorption and Over Absorption. Methods of Costing – Job, Batch, Contract and Process Costing excluding Evaluation of work in progress.

Suggested Readings-

1. Advance Cost Accounting, Jain & Narang, Kalyani Publishers, New Delhi.
2. Cost Accounting, S.N. Mittal
3. Cost Accounting, B.K. Bhar
4. Principles and Practice of Cost Accounting – N.K. Prasad.

Course Name- MACROECONOMIC MANAGEMENT

Course Code- BBA 304

Course Objective- The objective of this course is to provide the students the knowledge of macro environment and its influence in business.

Course Contents-

Nature and scope of macroeconomics; functional areas of macroeconomic management; circular flow of income; national income accounting – alternative concepts and measures of national income and their interrelationship; stock and flow variables; aggregate demand; supply and macroeconomic equilibrium; nature of a trade cycle, causes of booms and recessions. Macro analysis of consumer behaviour; cyclical and secular consumption income relationship; absolute, relative and permanent income hypotheses; other factors affecting aggregate consumption; simple Keynesian model of income determination; multiplier analysis Functional areas of fiscal management; nature of fiscal policy fiscal deficits; fiscal policy in relation to growth and price stability; basic issues in fiscal deficit management; nature and management of public debt; business taxes – types, rationale and incidence.

Functional areas of monetary management; money supply measures; money creation process and money multiplier; instruments of monetary control; promotional and regulatory role of central banking and monetary policy; inflation management.

Suggested Readings-

1. Edward Shapiro, Macroeconomic Analysis, Galgotia, New Delhi
2. S.B. Gupta, Monetary Economics: Theory, policy and Institution's, S.Chand,
3. M.C. Vaish, Macroeconomic Theory, Vikas, New Delhi
4. H.L. Bhatia, Public Finance, Vikas, New Delhi

Course Name- BUSINESS VALUES AND ETHICS

Course Code- BBA 401

Course Objective- This paper aims at providing the students the understanding of ethical issues related to business.

Course Contents-

Meaning and Nature of Values; Values in context of Business; Mission Statement and Role of Corporate Values in shaping it; influence of Individual Values on Morality of Managers; Indian Values and Changing Value systems of India. Ethics; Evolution of Ethics and their relation to values, norms, morals. Nature of Ethics and Relevance to Business; Virtue theory; Utilitarianism and its Applications to Business; Rights; Justice; Profit Maximization vis-à-vis Ethics. Contemporary Issues: Workplace Spirituality; Indian Ethos for Business; Vedanta and Managers. Corporate Social Responsibility: Public Policy of a Corporation and its role in a market society; the nature of an ethical corporation; concept of Total Ethical Management. Ethical Responsibilities of Business towards customers; Ethical Issues in Marketing; Issues relating to Product Safety, Product Quality, Pricing and Promotion. Ethical Responsibility of Business towards employees; whistleblowing; the changing workplace; employees discrimination; harassment of female workforce; rights and obligations of employees and employers.

Suggested Readings-

1. Buchholz and Rosenthal, Business Ethics, Prentice Hall
2. David Stewart, Business Ethics, McGraw Hill
3. Stoner, Freeman, Gilbert, Management
4. Corporate Governance and Business Ethics – AIMA; Excel Books
5. S.A. Sherletar, Ethics in Management, Himalaya Publishers

Course Name- INDIAN BUSINESS ENVIRONMENT

Course Code- BBA 402

Course Objective- This course aims at providing the students the knowledge of basic framework and intricacies of Indian business environment.

Course Contents-

Nature, components and determinants of business environment; basic nature of Indian economic system; relation size and growth of public and private corporate sector; social responsibility of business; broad features of India's new economic policy. Trend and pattern of industrial growth; review of industrial policy developments; industrial licensing policy; liberalization of the private sector; trends and issues in corporate management; growth and problems of the small scale sector; public sector reforms and privatization the problem of industrial sickness; MRTP Act, SICA and Industrial Disputes Act. Development banks for corporate Sector (IDBI, IFCI, ICICI)- trends pattern and policy; regulation of stock exchanges and the role of SEBI; banking sector reforms; challenges facing public sector banks; growth and changing structure of non bank financial institutions; problem of non performing assets in Indian Banks. Trend and pattern of India's foreign trade and balance of payments; latest EXIM policy-main features; policy towards foreign direct investment; globalization trends in Indian economy; role of MNCs; India's policy commitments to multilateral institutions- IMF, World Bank and WTO.

Suggested Readings-

1. Sundaram & Black, International Business Environment – Text & Cases, PHI, N.Delhi.
2. F.Chernilum, Business Environment, Himalaya Publishing house, New Delhi
3. Shaw, Business Ethics, Thomson Learning, Bombay.
4. Biswanath Ghosh, Economic Environment & Business, Vikas Publishing House, New Delhi.
5. N.K.Sengupta, Government and Business, Vikas Publishing House, New Delhi.
6. K. Aswathappa, Business Environment for Strategic Management, Himalaya Publishing House, New Delhi
7. Govt. of India, Economic Survey (latest year).

Course Name- BUSINESS LAWS

Course Code- BBA 403

Course Objective- The aim of this course is to provide the students the understanding of the legal framework in which the business has to operate.

Course Contents-

The Indian Contract Act, 1872. Essentials of a valid contract Void Agreements. Performance of Contracts. Breach of contract and its remedies. Quasi-contracts. The sale of Goods Act, 1930: Formation of contract; Conditions and warranties. Transfer of property. Performance of contract: Rights of an unpaid seller. The Negotiable Instruments Act, 1881: Nature and types, Negotiation and Assignment. Holder-in-Due Course, Dishonour and Discharge of a Negotiable Instrument. The Companies Act, 1956. Nature and types of Companies, Formation, Memorandum and Articles of Association, Prospectus. Allotment of Shares. Shares and Share capital, Membership, Borrowing powers, Management and meetings, winding up.

Suggested Readings-

1. N.D. Kapoor Commercial Law
2. Avtar Singh Company Law
3. M.G. Sukla Mercantile Law

Course Name- BUSINESS RESEARCH METHODS

Course Code- BBA 404

Course Objective- The objective of this course is to have a general understanding of Research Methodology and Statistics as applicable to Business Management and its use and relevance in areas of Management Research

Course Contents-

Decisional Research: Definition and Scope; Role of Decision maker and research; Identification of problems; decision steps and research objectives, uncertainty and decision research, Research Design: Descriptive, Exploratory, Descriptive, Diagnostic and Experimental. Data Collection: Secondary and Primary Data sources; Techniques of Data Collection; Sampling: Procedure, Probability and Non-probability sampling; Sampling errors; Tabulation of Data; Attitude Scales and measurement of attitude. Data Analysis: Interpretation and presentation; basic consideration in choice of analysis and statistical techniques; hypothesis testing; tests of significance; chi-square analysis. Report Writing: Substance of Research Based Reports, Formats of reports, Report writing Technique and Final Presentation of the report.

Suggested Readings-

1. C.R. Kothari, Research Methodology – Methods and Techniques, Wiley International Ltd., New Delhi
2. William J. Goode & Paul K. Hatt, Methods in Social Research McGraw- Hill, New Delhi
3. C.A. Moser & G. Kalton, Survey Methods in Social Investigation
4. P.L. Bhandar Kar & T.S. Wilkinson, Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Delhi
5. V.P. Michael, Research Methodology in Management, Himalaya Publishing House, Delhi
6. V.P. Michael, Communication and Research for Management, Himalaya Publishing, Delhi
7. S.R. Bajpal, Methods of Social Survey and Research, Kitab Ghar, Kanpur
8. M.H. Gopal, An Introduction to Research Procedure in Social Sciences, Asian Publishing House, Bombay

Course Name- MARKETING MANAGEMENT

Course Code- BBA 501

Course Objective- The objective of this paper is to help students to understand the concept of marketing and its applications and also to expose the students to the latest trends in marketing.

कुल सचिव
उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय
लखनऊ

Course Contents-

Introduction to Marketing; Core concepts of marketing; Orientation towards market place; Difference between Marketing and Selling; Marketing Process; Marketing Environment.

Determinants of consumer behaviour; Consumer's Purchase decision process; Market Segmentation and Target Marketing; Marketing Research; Marketing Information System; Planning of Marketing Mix. Product decisions; Branding and Packaging decision; Product Life Cycle; Pricing strategy. Selecting and Managing Marketing channels; Retailing, Wholesaling and Physical Distribution; Communication and Promotion mix; Designing Effective Advertising Program; Sales Promotion.

Suggested Readings-

1. J.C. Gandhi - Marketing Management
2. William M. Pride and O.C. Ferrell - Marketing.
3. Stanton W.J. et al Michael & Walker, Fundamentals of Management.
4. Armstrong & Kotler, Marketing : An Introduction, Pearson.
5. P N Reddy & Appanniah, Essentials of Marketing Management.
6. R.S. Davar, Marketing Management, Progressive Corporation.
7. Joel R. Evans and Barry Berman, Marketing, Biztantra publications.
8. Neelamegham, Marketing in India.

Course Name- FINANCIAL MANAGEMENT

Course Code- BBA 502

Course Objective- The objective of this course is to acquaint the students of management with the basic knowledge of finance function in a corporate enterprise.

Course Contents-

Evolution, Scope and function of Finance Managers, Objectives of the firm; Profit Vs Wealth Maximization. Investment Decisions; Brief Introduction of Cost of Capital; Methods of Capital Budgeting; ARR, PBP, NPV and IRR, Capital Rationing, (Simple problems on Capital Budgeting Methods) Financing Decision; Financial Leverage; Capital Structure Theories: NI, NOI and Traditional approach; EPS-EBIT Analysis; Brief discussion on sources of long term finances. Dividend decision and Management of Working Capital; Determinants of Dividend Policy; Walter's Dividend Model; Working Capital of Concept and Operating Cycle Method, Brief discussion on Management of Cash, Receivable and Inventory. (Simple problem on operating cycle and Inventory Management).

Suggested Readings-

1. Pandey I.M., Financial Management, Vikas Publishing House, New Delhi.
2. Khan and Jain, Financial Management, Tata McGraw Hill, New Delhi.
3. Kishore, R. Financial Management, Taxman's Publishing House, New Delhi.

Course Name- PRODUCTION MANAGEMENT

Course Code- BBA 503

Course Objective- The objective of this course is to provide an understanding of Operational issues in production.

Course Contents-

Production/Operations Management: Introduction, Major decisions; objectives and activities; Difference between products and services (from POM view point). Characteristics of a production system. Types of production systems: Production to order and production to stock; Plant Location: Factors affecting locations & evaluating different locations; Plant Layout: Meaning, objectives, characteristics and types; Plant layout and materials handling. Production Planning and Control: Meaning, objectives, advantages and elements, PPC and production systems, Aggregate planning and Master production Schedules, Sequencing and assignment problems. Motion and Time Study. Inventory Control: Objectives, advantages and techniques (EOQ Model and ABC Analysis). Quality Control: Meaning and importance; Inspection, quality control charts for variables & attributes and Acceptance Sampling; Maintenance; Meaning; importance and types.

Suggested Readings-

1. Buffa E.D.: Modern Production Management, New York. John Wiley 1987.
2. Chary S.N. : Production and Operations Management New Delhi, Tata McGraw Hill,
3. Moore P.G. and Hendrick T.E. Production Operations Management, Homewood (Illinois, Richard D Irwin, 1982
4. R.Paneer Selvam, Production and Operations Management, Prentice Hall of India, 2002.
5. Thomas E Morton, Production and operations management, Vikas Publishing House, First Indian reprint 2003.
6. Mahapatra P B, Computer Aided Production Management, Prentice Hall of India, 2001.
7. Martand T Telsang, Production Management, S Chand and Company, First edition 2005

अधीक्षक
मुख्य शिक्षक
प्रमुख शिक्षक

Course Name- PERSONNEL MANAGEMENT
Course Code- BBA 504

Course Objective: The course aims at providing the students various human resource management interventions that may be required when dealing with the work environment, people, and problems.

Course Contents-

Personnel Management: Definition, Nature, Objectives Changing Scope of Personnel Management. Challenges to modern personnel management, Personnel Management environment in India, Role of Personnel Management in Organization, Personnel functions, personnel policies.

Procurement: Job analysis, job description, job specification, Human Resource Planning – Significance & Process, Recruitment – Sources & methods, Selection – criteria and process, induction training.

Development: Concepts of Training and Development, Need for and benefits of training, Assessing training needs, training techniques, Management Development – Nature & purpose, Approaches for developing managers – Job Rotation, Coaching, Junior Board & Case method, Role playing, Management Games, Career planning, Managing promotions & transfers.

Compensation: Objectives, Compensation, Factors influencing compensation, components of pay structure, Methods of pay fixation, Incentives-financial, Incentives for the employees, managers, Organization wide Incentive plans, employee benefits & services, performance appraisal-techniques, problems and issues.

Suggested Readings-

1. Diwedi, R.S. Personnel Management, Oxford & IBH Publishing Co. 1992.
2. Dessler Gary, Human Resource Management, Prentice Hall Inc. Englewood Cliffs, 1994.
3. Aswathappa, K., Human Resource & Personnel Management, Tata Mc Graw Hill, New Delhi, 1999.

Course Name- DISASTER MANAGEMENT
Course Code- BBA 505

Course Objective: This course aims at providing the students the fundamentals regarding disaster management and mitigation.

Course Contents-

Introduction to disaster management- Dimensions of Natural and Anthropogenic Disasters, principles/components of Disaster Management, Overview of Disaster Manger's tasks, Natural Disaster and Mitigation Efforts, Managing activities during earthquakes, floods, draught, cyclones, avalanches, technological, landslides tornadoes heat waves and global warming, forest fires, oil fires, accidents in coal mines. Socio-economic costs of natural disasters, social risk management, social protection, role of cooperation and coordination, Role of states, NGOs and local agencies, Risk assessment and Disaster response, Formulation of disaster Risk reduction plans, implementation and monitoring, Insurance and Risk Management, Institution awareness and safety programmes. Psychological and social dimensions in disaster, trauma and stress, emotional intelligence, electronic warning systems, recent trends in disaster information provider, Geo-informatics in disaster studies, remote sensing and GIS technology, laser scanning. Disaster management in India, Disaster preparedness, Disaster Mitigation, Forecasting and warning of disasters, Assessing risk vulnerability, Rehabilitation of victims, managing refugee camps and relief workers, Role of armed forces/other agencies in disaster management, role of media in disaster management.

Suggested Readings-

1. Gosh, G.K., Disaster Management; A.P.H. Publishing Corporation
2. Singh, R.B., Disaster Management, Rawat Publications
3. Ahmad, Ayaz, Disaster Management: Through the New Millenium; Anmol Publications
4. Kumar, Arvind, Disaster Management- Recent Approaches; Anmol Publications.
5. Dhunna, Mukesh Disaster Management; Vayu Education of India, New Delhi.

Course Name- TAXATION LAWS
Course Code- BBA 601

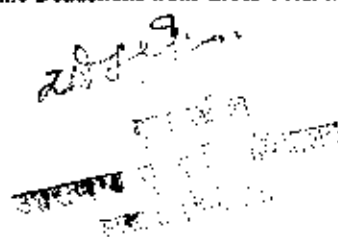
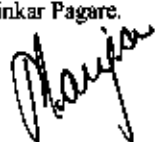
Course Objective- The course aims to provide the student the understanding of the tax laws governing the tax system and its application.

Course Contents-

Basic concepts of Income Tax, Residential Status and Tax incidence, Income Exempted from Tax Income from salaries, Income from House property and Income from Profits & Gains of Business and profession Income from capital Gains, Income from other sources; Set off and carry forward of Losses; Clubbing of Income Deductions from Gross Total Income, Assessment of Individuals, HUF and Firms

Suggested Readings-

1. Law and Practice of Income Tax – Dinkar Pagare.



2. Students Guide to Income Tax – Dr. Vinod Singhania.
3. Indirect Taxes – Mr. V.S. Datey.
4. Bare Acts of Income – tax and Central Excise.

Course Name- FUNDAMENTALS OF INTERNATIONAL BUSINESS
Course Code- BBA 602

Course Objective- This course aims to provide the students the fundamental aspects of business in the global perspective.

Course Contents-

Nature and main fields of International Business; Domestic versus International Business; major risks and challenges of IB; International business environment – components and determinants; the process of internationalisation of business; concept of globalisation; balance of payments accounting; basic nature of foreign exchange market, Nature of multinational enterprise and foreign direct investment; basic motives and determinants of foreign direct investment; methods & forms of international business entry; strategic orientation of MNCs; basics of MNE strategy formulation and implementation
 International trade theory – the theory of absolute advantage; theory of comparative advantage; factor endowment theory and international product life-cycle theory; tariff and non-tariff barriers to international trade; international logistic decisions; major trade documents; main intermediaries in international trade, Assessing international markets; designing products for foreign markets; branding decisions; promotional decisions; pricing decision; basic methods of international payment.
 Regulation of international business – a overview of the role of WTO, IMF, UNCTAD and World Bank

Suggested Readings-

1. Alan M. Rugman and Richard D. Hodgetts, International Business: A Strategic Management Approach, McGraw Hill
2. V.K. Bhalla and S. Shiva Ramu, International Business: Environment and Management, Anmol Publications
3. J.H. Dunning, The Globalisation of Business: Routledge, London
4. Onkvisit and Shaw, International Marketing

Course Name- CONSUMER PROTECTION
Course Code- BBA 603

Course Objective- This course aims at providing the students the understanding of the idea and the framework for safeguarding the rights of consumer.

Course Contents-

Concept of consumer, Types of consumers; need for consumer protection; methods of consumer protection – legal and voluntary; consumer buying motives; doctrines of caveat emptor and caveat venditor; Concept of consumer's sovereignty, Measures for consumer protection in India; basic provisions of the consumer Protection Act., 1986; consumer rights; Organizational set up – National and State Consumer Protection Councils; District Forum, State Commission and National Commission; their functions, powers and jurisdiction, Grounds of filing complaint; procedure of filing a complaint; relief available, Consumer protection measures under the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act., 1969; concept and remedy against unfair trade practices and restrictive trade practices; consumers; roles and rights under the MRTP Act, Recent developments in consumer protection movement in India; role of voluntary consumer Organizations product testing; growing consumer awareness – role of the media and Government; formation and registration of a voluntary consumer Organization; business self-regulation; Advertising Standards Council of India

Suggested Readings-

1. Aaker and Day(eds.), Consumerism: Search for the Consumer Interest
2. Gulshan, Consumer Protection and Satisfaction: Legal and Managerial Dimensions
3. Aggarwal, Consumer Protection in India
4. Y.S. Verma and C. Sharma, Consumerism in India, Anamika Prakashan, Delhi

Course Name- INTRODUCTION TO INFORMATION TECHNOLOGY
Course Code- BBA 604

Course Objective- The objective of this course is to provide the understanding of various tools and techniques of information technology that are useful in business.

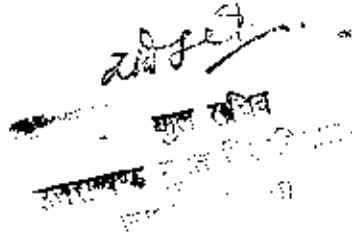
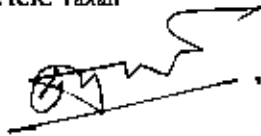
Course Contents-

Introduction to Networks: User of a Network, Categories of Networks, Topologies, Network Media & Hardware, Network Software. Word Processor: Advantage, Entering Text, Editing Text, Formatting Text, Mail Merge Electronic Spreadsheets: Advantages, Application Areas, Creating a Worksheet, Functions, Types of Graphs, Creating Graphs, Formatting Cells,

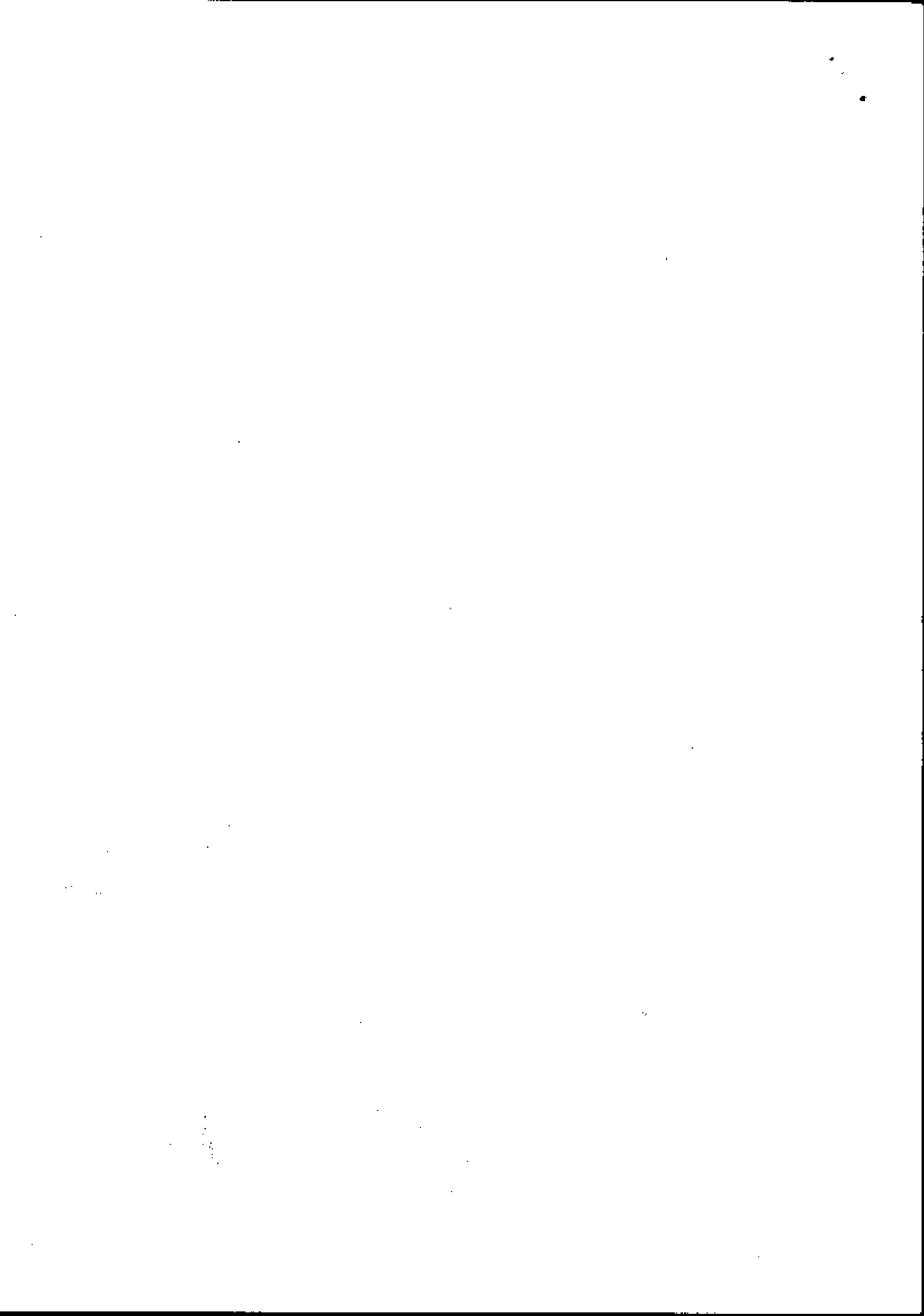
Macros. Introduction to Internet: Background & History, Working, Major Features, Accessing the Internet, Major Application Areas, Introduction to Multimedia.

Suggested Readings-

1. Teach yourself Internet Techmedia
2. MS-Office Leon & Leon
3. MS-Office R.K. Taxali



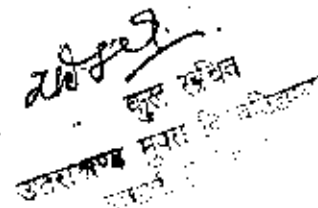
Handwritten signature and an official stamp. The stamp contains text in Hindi, including 'मुख्य अधिकारी' (Chief Officer) and 'सूचना प्रौद्योगिकी विभाग' (Information Technology Department).



Programme Project Report (PPR)

Bachelor of Commerce

- (a) **Programme's mission & objectives :** The main objective of this programme is to impart business, trade and commercial knowledge to aspiring learner for a better understanding of the organisations in different markets. The program focuses on providing adequate knowledge regarding trade practices, laws followed at individual and organizational level. In addition, this program enables students for acquiring entrepreneurial skills to become self competent to earn their livelihood. The courses are designed in such a way that they help in meet the growing demand for qualified professionals in the respective field of commerce. Therefore, the programmes also aims to blend theoretical knowledge with practical skills in business so as to prepare the youth to attain holistic approach and to occupy the managerial positions in Accounting, Finance, International Business and Tourism, besides general management.
- (b) **Relevance of the program with HELs Mission and Goals:** The basic objective of the open and distance education is to provide an opportunity to students for acquiring new knowledge and skills that are needed to function in the society. On the successful completion of this programme graduates will enable to acquire knowledge in different aspects of trade and commerce practices and train learners for acquiring good communication, interpersonal and entrepreneurial skills. The degree can prepare the learner for positions in accounting, marketing or other specialist fields. This programme will also help in creating professional competence to take up independent positions in the areas of Accounting, Auditing & Finance in different industry sectors.
- (c) **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join B.Com. program is required to have a 10+2 from a recognized board/university. Those who are interested in Banks, Industrial houses, Educational Institutes and Public Accounting firms etc. can join this programme. It also serves as a basis for further higher studies and research in the field such as M.Com and MBA etc.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** Uttarakhand Open University has been contributing to the development and training of qualified human resource capital



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुभ ऋषि

for the state. The salient features of this programme are to prepare human resource to cater to the growing needs of teaching community in the field of business education and to promote quality research and consultancy in the area of business studies and develop entrepreneurial ability in learners. The course is designed and prepared with the help of learned academia in the field of Commerce. By pursuing this programme, a learner will attain conceptual knowledge and analytic skills that may help in areas of employment at various levels. Today, many MNC's are setting up their branch offices in India due to Liberalization and Globalization of Indian Economy. Hence there are many employment opportunities for the learners of the state.

- (e) **Instructional Design :** Open and Distance learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Instructional Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counseling and audio/video material in addition to SILM. The University follows the Credit System for its programmes.

The Master of Commerce is of 108 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a six-credit course involves 180 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course.

The minimum duration of the programme is 3 years and maximum is 6 years. There are 12 courses, spread across 3 years accumulating 108 credits (Details attached in Appendix I).

One professor, one associate professor, assistant professor and one academic consultant are required for the smooth operation of programme.

The University follows strong students support services by way of providing them Contact classes and special counselling sessions shall take place in week-ends/holidays at regional as well as study centres of the university. The printed materials will comprise of printed course modules/blocks, and printed assignments. Course-specific essential audio and video programmes shall also be developed. These video programmes in DVD format shall be provided to the students along with printed material by postal despatch/ by hand from the learning centres.

- (f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Candidate who has passed 10 + 2 from a recognized board/university is eligible for admission to the B.Com. Programme. Direct admission to B.Com. programme will be offered to the interested students. This programme has been designed with an annual approach in mind. The total numbers of courses in this B.Com programme are 18 and the total number of credits is 108.

Fee structure: Rs. 2000 per annum

Evaluation for each course covers following aspects:

- Self assessment: Self assessment shall take place in each unit with the help of self assessment questions and activities.
- Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 20%.
- Term-end examination with a weightage of 80%.

To fulfill the requirements for acquiring the B. Com., a student may clear all the courses in a minimum of 3 years and a maximum of 6 years. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme.

- (g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are not required for this programme. However, the learners will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. Uttarakhand Open University has its own a library at Headquarters, Haldwani, and Dehradun campus which can be utilized by the learners. Further, library resources are also available at Study Centres which can also be utilized by the students. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program will also be available through the e-repository of the University. The University also has a subscription of National Digital Library to provide the learners' with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** It is proposed to develop the course material with the help of subject experts and academicians across the country.

Therefore the cost of writing and editing the course is as follows

S. No.	Item		Total

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
20/05/2021
20/05/2021
20/05/2021

			Cost(Rs.)
	Writing of the Units (Rs. 5000 per unit and Typing Charges Rs. 20 per page)	$324 \times 5000 + (5400 \times 20)$ $1620000 + 108000$	17,28,000 (Appr.)
	Editing of the Units	324×3000	8,10,000 (Appr.)
	Printing Charges		
		Total	

- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program structure is developed under the guidance of the Expert Committee and Board of Studies of the School followed by Academic Council and Executive Council. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus will be reviewed and revised according to the requirements of the target groups and also as per the needs of the state. The Programme and SILM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

On the successful completion of the programme, learners should be able to:

1. identify, analyse and solve problems in different decision contexts.
2. demonstrate an understanding of the principles of accounting, finance, economics and business law etc.
3. develop disciplinary skills and perspectives relevant to global commerce.
4. acquire specific knowledge and skills relevant to their major study areas.

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]
 20/09/2020
 प्रमुख शिक्षक
 उच्च शिक्षा विभाग
 महाराष्ट्र सरकार

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES & COMMERCE
 (DEPARTMENT OF COMMERCE)
BACHELOR OF COMMERCE (B. Com.)

S.N.	NAME OF COURSE	COURSE CODE	CREDIT/ MARKS
First Year			
1	Organization & Management	BCM-01	6/100
2	Financial Accounting	BCM-02	6/100
3	Business Economics	BCM-03	6/100
4	Indian Economy	BCM-04	6/100
5	Company Law	BCM-05	6/100
6	Business Statistics & Mathematics	BCM-06	6/100
7	Foundation Course		NA/100
8	Foundation Course		NA/100
Second Year			
9	Business Environment	BCM-07	6/100
10	Human Resource Management	BCM-08	6/100
11	Cost Accounting	BCM-09	6/100
12	Advanced Accounting	BCM-10	6/100
13	Mercantile Law	BCM-11	6/100
14	Public Finance	BCM-12	6/100
15	Foundation Course		NA/100
16	Foundation Course		NA/100
Third Year			
17	Principles of Marketing	BCM-13	6/100
18	Auditing	BCM-14	6/100
19	Accounting for Managerial Decisions	BCM-15	6/100
20	Income Tax	BCM-16	6/100
21	E-Commerce	BCM-17	6/100
22	Indian Financial System	BCM-18	6/100

8

Handwritten signature
 [Stamp: UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES & COMMERCE, DEPARTMENT OF COMMERCE, BACHELOR OF COMMERCE (B. Com.)]
 [Date: 10/10/2023]

Course Objective: The course aims at providing fundamental knowledge and exposure to the concepts, theories and practices in the field of management.

Block-1 Concept of Management and Planning

- Unit-1 Nature of Management
- Unit-2 Principles, Functions and Theories of Management
- Unit-3 Planning-Its Nature and Process
- Unit-4 Components of Planning

Block-2 Organization and Delegation of Authority

- Unit-5 Organization-Concept, Process and Types
- Unit-6 Organization Structures
- Unit-7 Delegation of Authority & Decentralization

Block-3 Decision Making and Communication

- Unit-8 Decision Making
- Unit-9 Staffing & Direction
- Unit-10 Co-ordination
- Unit-11 Communication

Block-4 Leadership, Controlling and Supervision

- Unit-12 Leadership
- Unit-13 Motivation
- Unit-14 Supervision
- Unit-15 Controlling and Controlling Techniques
- Unit-16 Management of Organizational Change and Development

Suggested Readings

1. Tulsian, P. C., (2009) Business Organisation & Management, 2nd edition, Pearson Education.
2. Basu, C., (2010) Business Organisation and Management, 1st Edition, McGraw Hill Education.
3. Prasad, L.M., Principles & Practice of Management, Sultan Chand & Sons.
4. Gupta, C.B. (2008), Management Concepts and Practices, Sultan Chand and Sons, New Delhi.

Course Objective: The primary objective of the course is to familiarize the students with the basic accounting principles and techniques of preparing and presenting the accounts for the uses of accounting information.



20/08/2023
 1. कुल सचिव
 उपरान्त मुद्रण विभाग/विभाग
 तारीख: 20/08/2023

Block-1 Introduction

- Unit-1 Meaning, Objects, Scope and Functions
- Unit-2 Accounting Concepts, conventions and Standards
- Unit-3 Accounting Equation and Double Entry System
- Unit-4 Journal and Cash Book
- Unit-5 Other Subsidiary Books

Block-2 Ledger, Bills of Exchange Etc.

- Unit-6 Ledger
- Unit-7 Bank Reconciliation Statement
- Unit-8 Bills of Exchange
- Unit-9 Depreciation

Block-3 Trial Balance and Adjustment Entries

- Unit-10 Trial Balance
- Unit-11 Rectification of Errors
- Unit-12 Adjustment Entries
- Unit-13 Capital and Revenue Transactions, Reserve & Provisions

Block-4 Final Accounts

- Unit-14 Final Accounts-Income Statement
- Unit-15 Final Accounts-Balance Sheet
- Unit-16 Single Entry System
- Unit-17 Accounts of Non-Trading Institutions
- Unit-18 Uses of Computer in Accounting

Suggested Readings

1. Tulsian, P.C., (2009) Financial Accountancy, 2nd edition, Pearson Education.
2. Maheshwari, S.N. and Maheshwari, S. K., (2009) An Introduction to Accountancy, Eighth Edition, Vikas Publishing House.
3. Bhattacharyya, Asish K., ((2010)) Essentials of Financial Accounting, Prentice Hall of India.
4. Grewal, T. S. Introduction to Accountancy, S. Chand.

BCM-03 BUSINESS ECONOMICS

20/09/20
20/09/20
20/09/20
20/09/20
20/09/20

20/09/20

Course Objective: The objective of this course is to provide the basic understanding of the concepts and issues in business economics and their applications in business decisions.

Block-1 Concept of Economics and Demand Analysis

- Unit-1 Meaning, Nature and Subject Matter of Economics
- Unit-2 Types, Approaches, Methodology and Basic Problems of Economics
- Unit-3 Demand Analysis
- Unit-4 Elasticity of Demand
- Unit-5 Indifference Curves Analysis

Block-2 Theory of Production and Cost and Marginal Utility Theory

- Unit-6 Production Function: Total, Average and Marginal Product and Curves
- Unit-7 Law of Variable Proportions and Returns to Scale
- Unit-8 Theory of Cost
- Unit-9 Supply and Elasticity of Supply
- Unit-10 Marginal Utility Theory

Block-3 Forms of Market Structure and Pricing Strategies and Practices

- Unit-11 Pricing Strategies and Practices
- Unit-12 Forms of Market Structure and Equilibrium
- Unit-13 Perfect Competition and Monopoly
- Unit-14 Monopolistic Competition and Oligopoly

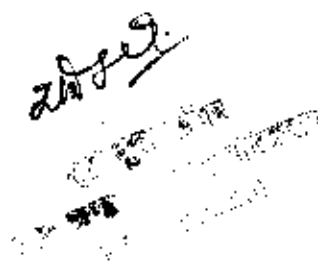
Block-4 Rent, Interest, Profit and Theories of Wages

- Unit-15 Rent- Concept, Ricardian and Modern Theories
- Unit-16 Interest- Concept and Theories of Interest
- Unit-17 Theories of Wages
- Unit-18 Profit- Nature, Concept and Theories of Profit

Suggested Readings:

1. Dwivedi, D.N. (2008) Managerial Economics, 7th edition, Vikas Publishing House.
2. Peterson, L. and Jain (2006) Managerial Economics, 4th edition, Pearson Education.
3. Colander, D, C (2008) Economics, McGraw Hill Education.
4. Mishra, S. K. and Puri, V. K., (2003), Modern Macro-Economics Theory, Himalaya Publishing House.

BCM-04 INDIAN ECONOMY



Course Objective: Objective of this course is to acquaint the students with the basic aspects of Indian Economy and its impact on business.

Block-1 Indian Economy and New Economic Reforms

- Unit-1 Nature and Classifications of Economies
- Unit-2 Basic Characteristics and Composition
- Unit-3 Indian economy Through Various Stages
- Unit-4 Planning in India
- Unit-5 New Economic Reforms

Block-2 Macro Economic Concepts

- Unit-6 Inflation
- Unit-7 Unemployment in India
- Unit-8 Human Resource and Economic Development
- Unit-9 National Income
- Unit-10 Poverty, Poverty Line and Poverty and Poverty Alleviation Measures

Block-3 Industries and Entrepreneurship

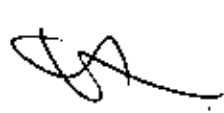
- Unit-11 Small, Micro and Medium Business
- Unit-12 Large Scale Industries
- Unit-13 Forms of Business
- Unit-14 Entrepreneurship
- Unit-15 Industrial Labour-Problems, Policies and Reforms

Block-4 Economic Resources and Economy of Uttarakhand

- Unit-16 Agriculture and Indian Economy
- Unit-17 Rural Credit
- Unit-18 Infrastructure in Indian Economy
- Unit-19 Forest and Mineral Resources
- Unit-20 Economy of Uttarakhand and Tourism

Suggested Readings:

1. Datt, and Sundhram, R., (2009), Indian Economy, 61st edition, Sultan Chand & Sons.
2. Prakash, B. A., (2009), The Indian Economy since 1991 – Economic Reforms & Performances, 1st edition, Pearson Education.
3. Dhingra, I C., (2009), Indian Economy, Sultan Chand & Sons.
4. Mishra, S.K., and Puri, V.K., (2007), Problems of Indian Economy, Himalaya Publishing House




कुल संनिय
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

Course Objective: The objective of the course is to provide basic knowledge and equip students with company law.

Block-1 Company and its Formation

- Unit-1 Company-Nature and Types
- Unit-2 Formation of Company
- Unit-3 Promoters

Block-2 Memorandum and Articles of Association and Prospectus

- Unit-4 Memorandum of Association
- Unit-5 Articles of Association
- Unit-6 Prospectus
- Unit-7 Statutory Books

Block-3 Issue of Shares and Debentures and Company Secretary

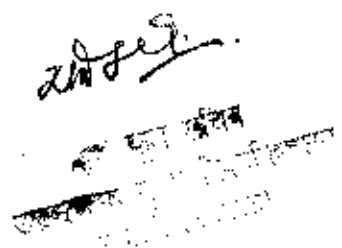
- Unit-8 Share
- Unit-9 Share Certificate and Share Warrant and Demat Account
- Unit-10 Share Transfer and Transmission of Shares
- Unit-11 Debentures and Borrowing Powers
- Unit-12 Membership of Company

Block-4 Management and Winding Up of Company

- Unit-13 Director
- Unit-14 Managerial Remuneration
- Unit-15 Meetings, agenda, Resolutions and Minutes
- Unit-16 Company Secretary
- Unit-17 Winding Up

Suggested Readings:

1. Avtar Singh, Indian Company Law, Eastern Book Company, Lucknow.
2. N. D. Kapoor, Elements of Company Law, Sultan Chand & Sons, New Delhi.
3. M.C. Kuchhal, Company Law, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., Delhi.
4. P.C. Tulsian, Business and Corporate Laws, Tat McGraw Hill, New Delhi.



Course Objective: This course aims at equipping students with basic exposure to statistical tools coupled with the basic mathematical applications with particular emphasis on business applications.

Block-1 Statistics and Measure of Central Tendency

- Unit-1 Statistics-An introduction
- Unit-2 Types and Collection of Data
- Unit-3 Frequency Distribution, Charts and Graphs
- Unit-4 Arithmetic Mean and Median
- Unit-5 Mode and Other Measures of Location

Block-2 Measures of Variation and Time Series Analysis

- Unit-6 Dispersion and Their Measures
- Unit-7 Skewness, Moments, Kurtosis and Measures
- Unit-8 Correlation Analysis
- Unit-9 Regression Analysis
- Unit-10 Index Numbers
- Unit-11 Time Series Analysis

Block-3 Probability and Theoretical Distribution

- Unit-12 Probability Theory
- Unit-13 Combination and Permutation
- Unit-14 Binomial, Poisson and Normal Distribution

Block-4 Statistical System in India

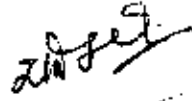
- Unit-15 Vital Statistics
- Unit-16 Statistical Systems in India
- Unit-17 Official Statistics in India

Suggested Readings:

1. Trivedi, (2010), Business Mathematics, 1st edition, Pearson Education.
2. S. P. Gupta, (2010), Statistical Methods, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
3. S.C. Srivastava, Sangya Srivastava (2003), Fundamentals of Statistics, Anmol Publications Pvt. Ltd.
4. D. N. Elhance, Veena Elhance & B. M. Aggarwal, Fundamentals of Statistics, Kitab Mahal
5. Khan, Shadab, (2008) A Text Book of Business Mathematics, Anmol Publications.

BCM-07

BUSINESS ENVIRONMENT


कुल पंडित
उपकुल पंडित
प्रकाश (विश्वविद्यालय)



Course Objective: The basic objective of this course is to familiarize the students with the nature and dimensions (basic level) of evolving business environment in India, which influences managerial decisions.

Block-1 Business Environment: Nature and Scope

- Unit-1 Business Environment-Meaning and Types
- Unit-2 Economic System
- Unit-3 Business and Society
- Unit-4 Natural and Technological Environment
- Unit-5 Regional Imbalances and Social Injustice

Block-2 Monetary, Fiscal and Industrial Policy and Planning in India

- Unit-6 Monetary Policy
- Unit-7 Fiscal Policy
- Unit-8 Industrial Policy and Licensing
- Unit-9 Industrial Sickness
- Unit-10 Planning in India

Block-3 Economic Policy and World Trading System

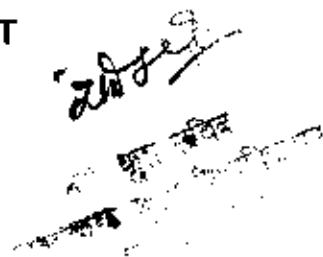
- Unit-11 New Economic Policy
- Unit-12 International Trading Environment
- Unit-13 World Trade Organization and India
- Unit-14 World Bank and International Monetary Fund

Block-4 Foreign Trade, Investment and Balance of Payments

- Unit-15 Foreign Investment and Its Regulation
- Unit-16 Foreign Trade and Economic Growth
- Unit-17 Export-Import Policy of India
- Unit-18 Balance of Payments

Suggested Readings:

1. Shaikh, Saleem, (2010), Business Environment, 2nd edition, Pearson Education.
2. Cherunilam, Francis, (2007), Business Environment - Text and Cases, Himalaya Publishing House.
3. Gupta C. B., (2008), Business Environment, 4th edition, Sultan Chand.
4. Bedi, Suresh, (2004), Business Environment Excel Book.



Course Objective: The objective of the course is to familiarize students with the different aspects of managing Human Resources in the organization through the phases of acquisition, development and retention.

Block-1 Human Resource Management and Planning

- Unit-1 Human Resource Management- An Introduction
- Unit-2 Human Resource Policies and Strategies
- Unit-3 Job Analysis and Job Design
- Unit-4 Human Resource Planning

Block-2 Recruitment, Training and Performance Appraisal

- Unit-5 Recruitment, Selection and Induction
- Unit-6 Training and Development
- Unit-7 Performance Appraisal
- Unit-8 Career Planning and Development

Block-3 Remuneration, Promotion and Motivation

- Unit-9 Wages and Salary Administration
- Unit-10 Compensation and Benefits
- Unit-11 Promotion and Transfer
- Unit-12 Employee Motivation
- Unit-13 Participation in Management

Block-4 Human Resource Information System and Collective Bargaining

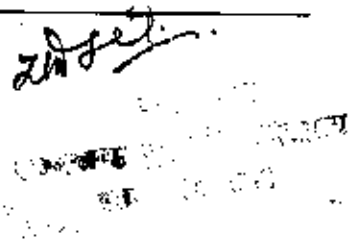
- Unit-14 Human Resource Information System
- Unit-15 Discipline and Grievance Handling
- Unit-16 Trade Union and Labour
- Unit-17 Collective Bargaining
- Unit-18 Emerging Trends and Issues in HRP

Suggested Readings:

1. Aswathappa, K., (2010), Human Resource Management, McGraw Hill Education.
2. Dural, Praveen, (2010), Human Resource Management, Pearson Education.
3. Jyothi, P. and Venkatesh, D.N, (2006), Human Resource Management, Oxford Higher Education.

BCM-09 COST ACCOUNTING

Course Objective: The primary objective of the course is to familiarize the students with the basic cost concepts, allocation and control of various costs and methods of costing.



Block-1 Cost Accounting and Cost Classification

- Unit-1 Cost Accounting-Introduction and Basic Concepts
- Unit-2 Classification of Costs and Cost Sheet
- Unit-3 Material Costing
- Unit-4 Labour Costing
- Unit-5 Overheads Distribution: Classification, Allocation, Apportionment & Absorption

Block-2 Costing Techniques

- Unit-6 Output Costing
- Unit-7 Job and Contract Costing
- Unit-8 Process Costing
- Unit-9 Operating Costing

Block-3 Control Accounts and Reconciliation of Cost

- Unit-10 Cost Control Accounts
- Unit-11 Reconciliation of Cost and Financial Accounts
- Unit-12 Integrated Accounts
- Unit-13 Cost Reduction and Cost Control

Block-4 Uniform Costing & Cost Auditor

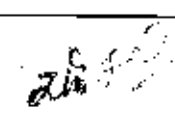
- Unit-14 Uniform Costing
- Unit-15 Activity Based Costing
- Unit-16 Cost Accounting Record Rules
- Unit-17 Cost Audit

Suggested Readings:

1. Maheshwari, S. N. and Mittal, S. N. (2009), Cost Accounting – Theory and Problems, 22nd Revised Edition, Shri Mahavir Book Depot.
2. Rajasekaran, (2010), Cost Accounting, 1st edition, Pearson Education.
3. Arora, M.N., (2009), Cost Accounting, Vikas Publishing House.
4. Lal, Jawahar and Srivastava, Seema, (2008), Cost Accounting, 4th Edition, McGraw Hill Education.
5. Jain and Narang, (2008), Cost Accounting, Kalyani Publishers.

BCM-10 ADVANCED ACCOUNTING

Course Objective: To familiarize students with the advanced accounting tools and specialized accounting procedures.



Block-1 Special Business Accounting-I

- Unit-1 Royalty Accounts
- Unit-2 Hire Purchase Lease and Installment Purchase System
- Unit-3 Joint Ventures and Consignment
- Unit-4 Voyage and Package

Block-2 Special Business Accounting-II

- Unit-5 Branch Accounting
- Unit-6 Departmental Accounting
- Unit-7 Insurance Claims
- Unit-8 Insolvency

Block-3 Partnership Accounts

- Unit-9 Partnership Accounts-Past Adjustments & Guarantees
- Unit-10 Partnership Accounts-Admission
- Unit-11 Partnership Accounts- Retirement & Death
- Unit-12 Partnership Accounts-Dissolution and Piecemeal Distribution of Cash

Block-4 Company Accounts

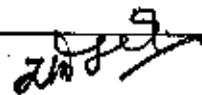
- Unit-13 Share & Debentures
- Unit-14 Final Accounts
- Unit-15 Amalgamation, Absorption and Reconstruction
- Unit-16 Valuation of Shares and Goodwill
- Unit-17 Liquidation of Company

Suggested Readings:

1. Corporate Accounting by S.N. Maheshwari and S.K. Maheshwari, 4th Edition, Vikas Publishing House.
2. Higher Accounting by S.P. Jain and K.L. Narang, Kalyani Publishers.
3. Advanced Accounts by R.L. Gupta, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
4. Advanced Accounting by Ashok Sehgal and Deepak Sehgal, Taxmann Publications.
5. Advanced Accounts by Shukla Grewal and Gupta, S. Chand Publishers.

BCM-11 MERCANTILE LAW

Course Objective: The objective of the course is to impart basic knowledge of the Important business laws.



कुल सचिव
मुक्त विश्वविद्यालय
राजस्थान (मिनीटाक)

Block-1 Contract Act

- Unit-1 Contract-Meaning, Characteristics and Kinds
- Unit-2 Essentials of Valid Contract
- Unit-3 Offers and Acceptance
- Unit-4 Consideration & Free Consent
- Unit-5 Void Agreements and Contingent Contracts

Block-2 Discharge of Contract and Special Contracts

- Unit-6 Discharge of Contract- Modes of Discharge Including Breach and its Remedies
- Unit-7 Quasi and Contingent Contracts
- Unit-8 Indemnity and Guarantee
- Unit-9 Bailment and Pledge
- Unit-10 Contract of Agency

Block-3 Law of Sale of Goods and Consumer Protection

- Unit-11 Contract of Sale-Meaning & Condition and Warranties
- Unit-12 Performance of Contract of Sale, Transfer of ownership & Unpaid Seller
- Unit-13 Consumer Protection Act, 1986

Block-4 Negotiable Instrument and Indian Partnership Act

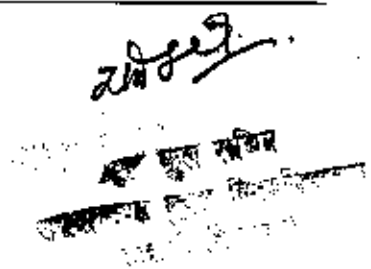
- Unit-14 Negotiable Instrument-Types, Holder and Holder -in -Due Course
- Unit-15 Negotiation, Endorsement and Crossing of Cheques
- Unit-16 Indian Partnership Act, 1932: Nature of Partnership, Rights and Duties of Partners
- Unit-17 Registration and Dissolution of a Firm
- Unit-18 Limited Liability Partnership

Suggested Readings:

1. Kuchhal, M. C., (2006), Business Law, Vikas Publishing House, New Delhi.
2. Singh, Avtar, (2006), Company Law, Eastern Book Co. Lucknow, Bharat Law House, Delhi.
3. Kapoor, N. D., (2006), Elements of Mercantile Law, Sultan Chand & Sons, New Delhi.
4. A. Ramaiyya, Guide to the Companies Act, 16th edition, Lexis Nexis Butterworths.

BCM-12 PUBLIC FINANCE

Course Objectives: The course aims to understand taxation policy, management of public expenditure, public debt and budgetary techniques and practices.

Block-1 Introduction

- Unit-1 Nature and Scope of Public Finance (Only conceptual understanding of Scope, Public Goods, Private Goods, Merit Goods etc. and Law of Maximum Advantages)
- Unit-2 Public Expenditure (Meaning, Importance, Canon's Effects and Theories)
- Unit-3 Public Revenue (Meaning, Sources, Classification and Canon of Tax, Ability to Pay, Incidence and Shifting Effects of Tax Burden)
- Unit-4 Major Taxes in India: Value Added and Concept of GST

Block-2 Public Debt and Budget

- Unit-5 Public Debt (Meaning, Types, Theories, Sources, Economic Effects and Redemption)
- Unit-6 Budget (Meaning, Types, Revenue & Capital Budget, Revenue & Capital Expenditure)
- Unit-7 Deficit (Concept, Revenue Deficit, Fiscal Deficit, Monetized Deficit, Primary Deficit, Surplus, Balance Budget and Budgetary Control)
- Unit-8 Latest Budget of the Union of India: Critical Appraisal of the Latest Budget

Block-3 Federal Finance and National Income

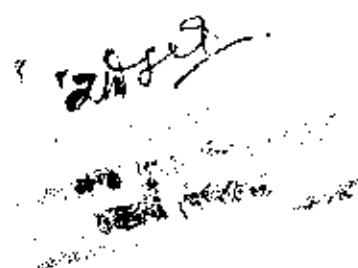
- Unit-9 Federal Finance (Concept, Principles of Federalism, Role of Finance Commission, Local Finance)
- Unit-10 Recommendations of the Latest Finance Commission
- Unit-11 Planning, Objectives, Strategies, Financial Aspects of the Plan and Financing of the Plan with Reference to the Latest Five Year Plan
- Unit-12 National Income Concepts and Poverty (GDP, GNP, Per Capita Income, Poverty and Poverty Alleviation)

Block-4 Fiscal Policy, Macroeconomic Environment

- Unit-13 Basic Concepts (Fiscal Function, Fiscal Policy, Public Sector and Concept of Equity)
- Unit-14 Fiscal Reforms in India
- Unit-15 Fiscal Trends in India
- Unit-16 Growth and Economic Stability

Suggested Readings:

1. Houghton, E. W. (Ed.) (1988), Public Finance, Penguin, Baltimore.
2. Jha, R. (1998), Modern Public Economics, Routledge, London.
3. Mithani, D. M. (1998), Modern Public Finance, Himalaya Publishing House, Mumbai.
4. Musgrave, R. A. and P. B. Musgrave (1976), Public Finance in Theory and Practice, McGraw Hill, Kogakusha, Tokyo.

Course Objective: The objective of the course is to facilitate understanding of the conceptual framework of and identifies the essential elements for effective marketing practice.

Block-1 Marketing Organisation and Marketing Research

- Unit-1 Marketing- An Introduction, Concept, Mix
- Unit-2 Marketing-Process and Functions
- Unit-3 Marketing Environment
- Unit-4 Marketing Organization
- Unit-5 Marketing Information System and Marketing Research

Block-2 Consumer Behaviour and Product Life Cycle

- Unit-6 Consumer Behaviour
- Unit-7 Market Segmentation
- Unit-8 Positioning
- Unit-9 Product- An Introduction and Classification
- Unit-10 Product Life Cycle and Competitive Strategies

Block-3 Product Mix Strategies and Price Strategies

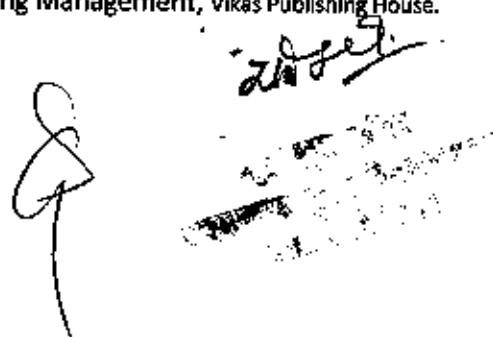
- Unit-11 Product Line and Product Mix Strategies
- Unit-12 Branding, Packaging and Labelling
- Unit-13 Price-Planning, Policies and Strategies
- Unit-14 Distribution Channel Planning

Block-4 Sales Promotion Programme and Advertisement

- Unit-15 Sales Promotion Programme
- Unit-16 Advertising
- Unit-17 Personal Selling Decision and Publicity
- Unit-18 International Marketing

Suggested Readings:

1. Kotler, Armstrong, Agnihotri and Haque, (2010), Principles of Marketing- A South Asian Perspective, 13th edition, Pearson Education.
2. Ramaswamy and Namkumar, S., (2009), Marketing Management Global Perspective: Indian Context, McMillan, Delhi.
3. Saxena, Rajan, (2008), Marketing Management, 3rd edition, McGraw Hill Education.
4. Kumar, Arun and Meenakshi, N., (2009), Marketing Management, Vikas Publishing House.



BCM-14 AUDITING

Course Objective: The objective of the course is to provide basic knowledge of auditing concepts and equip them with of auditing practices.

Block-1 Introduction of Auditing and Audit Programme

- Unit-1 Auditing- An Introduction
- Unit-2 Classification of Audit
- Unit-3 Audit Programme Techniques,
- Unit-4 Preparation and Procedure of Audit
- Unit-5 Internal Control, Check and Audit

Block-2 Vouching, Verification and Appointment and Removal of Auditor

- Unit-6 Vouching
- Unit-7 Verification and Valuation of Assets
- Unit-8 Depreciation, Provisions and Reserves
- Unit-9 Appointment and Removal of Auditor

Block-3 Company Audit and Audit Reports

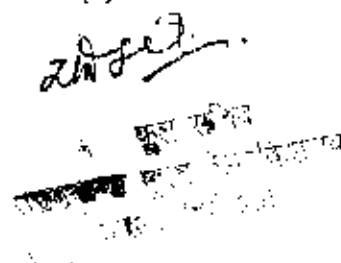
- Unit-10 Company Audit
- Unit-11 Audit of Banking Companies
- Unit-12 Special Audit
- Unit-13 Audit Reports

Block-4 Divisible Profits and Dividends, and Investigation of Accounts

- Unit-14 Divisible Profits and Dividends
- Unit-15 Liabilities of An Auditor
- Unit-16 Cost and Management Audit
- Unit-17 Investigation of Accounts
- Unit-18 Professional Conduct and Ethics

Suggested Readings:

1. Aruna Jha, Student guide to Auditing, Taxman Allied Service (P) Ltd.
2. Ravinder Kumar & Virender Sharma, Fundamentals of Practical Auditing,
3. Kamal Gupta & Ashok Arora, Fundamentals of Auditing, Tata McGraw Hill.
4. K.C. Shekhar, Auditing, Vikas Publishing House (P) Ltd.
5. S. D. Sharma, Auditing Principles and Practice, Taxmann Allied Services (P) Ltd.
6. B. K. Mehta (Hindi), Auditing, Sahitya Bhawan Publishers and Distributors (P) Ltd.



Handwritten signature and official stamp of the institution.

7. A.K. Singh, Elements of Auditing, Brijwasi Book Distributor and Publisher Delhi.

BCM-15 ACCOUNTING FOR MANAGERIAL DECISIONS

Course Objective: The objective of the course is to familiarize the students with the basic management accounting concepts and their applications in managerial decision making.

Block-1 Introduction

- Unit-1 Management Accounting-Concept, Nature, Objectives and Functions
Unit-2 Financial Statements
Unit-3 Analysis and Comparison of Financial Statements
Unit-4 Ratio Analysis

Block-2 Funds and Cash Flow Statement and Marginal Costing

- Unit-5 Funds Flow Statement
Unit-6 Cash Flow Statement
Unit-7 Marginal Costing and Application of Marginal Costing Techniques
Unit-8 Differential Cost-analysis and Decision Making

Block-3 Budgetary Control and Standard Costing and Performance Budgeting

- Unit-9 Budgeting and Budgetary Control
Unit-10 Standard Costing
Unit-11 Cash Budget
Unit-12 Performance Budgeting
Unit-13 Capital Budgeting

Block-4 Capital Structure and Responsibility Accounting

- Unit-14 Working Capital Management
Unit-15 Capital Structure
Unit-16 Leverages-Operating and Financial
Unit-17 Responsibility Accounting
Unit-18 Management Information System

Suggested Readings:

1. Bhattacharya, (2010), Management Accounting, 1st edition, Pearson Education.
2. Maheshwari, S.N., (2009), Principles of Management Accounting, Sultan Chand & Sons.
3. Khan, M.Y. and Jain, P.K., (2009), Management Accounting, 5th Edition, McGraw Hill Education.
4. Pandey, I.M., (2008), Management Accounting, 3rd Edition, Vikas Publishing House, Delhi.



Handwritten signature
मुल खनिव
उपराज्य मुल नियमिनालय
लखनऊ, विनवाला

Course Objective: The course aims to provide basic knowledge and equip students with application of principles and provisions in Income-tax Act, 1961.

Block-1 Income Tax Concept and Income From Salary

- Unit-1 Introduction and Basic Concepts
- Unit-2 Residential Status and Incidence of Tax
- Unit-3 Exempted Incomes
- Unit-4 Income from Salary

Block-2 Income From House Property and Income From Business or Profession

- Unit-5 Income from House Property
- Unit-6 Depreciation
- Unit-7 Income from Business or Profession
- Unit-8 Income from Capital Gains
- Unit-9 Income from Other Sources

Block-3 Deductions From Gross Total Income and Aggregation of Income

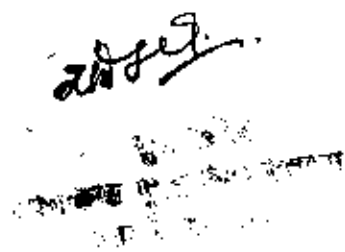
- Unit-10 Deductions from Gross Total Income
- Unit-11 Set-off and Carry Forward,
- Unit-12 Clubbing and Aggregation of Income
- Unit-13 Assessment of Individuals
- Unit-14 Assessment of Firms

Block-4 Authorities and Assessment Procedures and Tax Planning

- Unit-15 Authorities and Assessment Procedures
- Unit-16 Deduction of Tax at Source
- Unit-17 Penalties, Offences and Prosecutions
- Unit-18 Advance Payment of Tax

Suggested Readings:

1. Lal, B.B., (2009), Income Tax and Central Sales tax Law and Practice, 30th edition, Pearson Education.
2. Vinod K. Singhanla and Monica Singhanla, *Students' Guide to Income Tax*, Taxmann Publications Pvt. Ltd., New Delhi.
3. Mahesh Chandra, S.P. Goyal and D.C. Shukla, *Income Tax Law and Practice*, Pragati Prakashan, Delhi.



4. Dinkar Pagare, *Law and Practice of Income Tax*, Sultan Chand and sons, New Delhi.

BCM-17

E-COMMERCE

Course Objective: To acquaint students with the emerging technology concepts of e-commerce, e-marketing and cyber laws.

Block-1 Internet and Technology for Online Business

- Unit-1 History of E-Commerce
- Unit-2 Internet and Introductory Issues
- Unit-3 Concepts, Dimension and Performance of E-Commerce
- Unit-4 Planning Online Business
- Unit-5 Technology for Online Business

Block-2 E-Commerce and Security for E-Commerce

- Unit-6 Developing An E-Commerce Strategy
- Unit-7 Business Models for E-Commerce
- Unit-8 Websites Designing and Performance
- Unit-9 Security for E-Commerce

Block-3 Electronic Payment Systems and Mobile Commerce

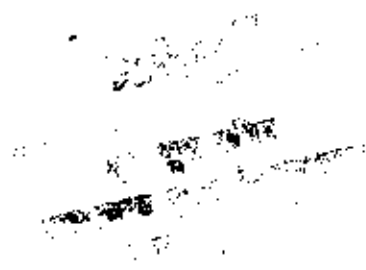
- Unit-10 Electronic Payment Systems
- Unit-11 E-Commerce Marketing Concepts
- Unit-12 Electronic Service Delivery and Mobile Commerce
- Unit-13 Enabling Technologies of the World Wide Web

Block-4 E-Supply Chain Management and Legal and Ethical Issue

- Unit-14 E-Customer Relationship Management (e-CRM) & E-Supply Chain Management (e-SCM)
- Unit-15 Legal and Ethical Issue
- Unit-16 Cyber Crime and Internet Security Concepts
- Unit-17 IT ACT 2000 and UNICITRAL Law, Electronic Commerce Act

Suggested Readings:

1. E-Business : Kalakota and Robinson.
2. E-Commerce : Diwan and Sharma.
3. Internet Marketing, E-Commerce and Cyber Laws : Thakur and Narayan.
4. Technology Management: Peter Drucker.
5. E-Commerce: Bajaj and Nag.



BCM-18 INDIAN FINANCIAL SYSTEM

Course Objective: To provide the student an overview of financial markets and institutions in India and to familiarize them with Important fee and fund based financial services in India.

Block-1 Financial Markets and Indian Banking System

- Unit-1 Financial Market: Introduction and Overview
- Unit-2 Money Market and Capital Market
- Unit-3 The Indian Banking System
- Unit-4 Recent Reforms in Banking Sector In India
- Unit-5 Nationalization of Banks in India

Block-2 Stock Exchange, SEBI and Unit Trust of India

- Unit-6 Role of Securities and Exchange Board of India
- Unit-7 Unit Trust of India and
- Unit-8 Mutual Fund
- Unit-9 Stock Exchange

Block-3 IRDA and Legal Framework for Insurance

- Unit-10 IRDA and Insurance Business in India
- Unit-11 Principles and Practices of General Insurance
- Unit-12 Life Insurance Corporation
- Unit-13 Fundamentals of Risk and Insurance

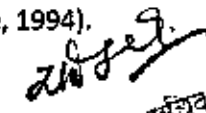
Block-4 RBI and Non-Banking Financial Institutions

- Unit-14 Commercial Banking
- Unit-15 Development Banking
- Unit-16 Non-Banking Financial Institutions
- Unit-17 The Reserve Bank of India
- Unit-18 Interest Rate Structure

Suggested Readings:

1. Bhole, L.M., "Financial Markets", and Institutions Tata McGraw-Hill Publishing
2. Company, 1982).
3. Khan, M.Y., "Indian Financial System – Theory and Practice", (New Delhi: Vikas
4. Publishing House, 1980).
5. Dhanekar, "Pricing of Securities", (New Delhi: Bharat Publishing House, 1994).




कुल सचिव
जयप्रकाश मुक्त विश्वविद्यालय
वाराणसी, (उत्तरप्रदेश)

Programme Project Report (PPR)
(Bachelor of Computer Applications)

- a. **Programme's mission & objectives:** The objectives of the Programme shall be to provide sound academic base from which an advanced career in Computer Application can be developed. The Course aims at inculcating essential skills as demanded by the global software industry through interactive learning process. This also includes team-building skills, audio-visual presentations and personality development programmes. The programme enhances analytical and communication skill besides inculcating the virtues of self-study. The Curriculum has been designed to cater to the ever changing demands of information technology along with necessary inputs from the industry.
- b. **Relevance of the program with HRIS Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. Bachelor of Computer Applications (BCA) is a three-year (six semesters) professional Bachelor's Degree in computer science which is inclined more toward application development and thus has more emphasis on latest programming language and tools to develop better and faster applications. Conceptual grounding in computer usage as well as its practical business application will be provided making candidates suitable for IT sector entry level jobs.
- c. **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join BCA program must have completed 10+2 with science stream with mathematics as a subject 10+2 level. In case the candidate do not have mathematics subject, a bridge course on mathematics is mandatory. The candidate with one year diploma in Computer Science/IT or three years polytechnic diploma with 10+2 in relevant stream are eligible for lateral entry in the 3 semester of the program provided the all academic requirements defined by the University are fulfilled.
- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programmes. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. Most hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put and successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for difficult subject along with other support material is provided to the learners through post study center. The study material can also be downloaded through the Universities' e-repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:
 - self-instructional printed material
 - audio / video cassettes and CDs
 - audio-video programmes transmitted through Hella Haldwani FM Radio and Edusat, and at study centre.
 - face-to-face counselling at study centres by academic counselors
 - reference library at study centre
 - web based academic support assignments
 - practical
- e. **Instructional Designs:** Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible syllabus.

customer at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio-video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The BCA programme is of 96 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put and successfully complete a course (details attached in appendix I).

- f. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Direct admission to BCA program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies, the second year is more focused on core courses providing conceptual framework and the third year provides the specialization and the project work. The total numbers of courses in this BCA programme are 16 along with 6 laboratory courses & 1 project and the total number of credits is 96. Evaluation for each course covers two aspects:
 - Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
 - Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfill the requirements for acquiring the BCA, a student may clear all the courses in a minimum of three years and a maximum of 6 years. In case the student is unable to pass all the courses of the BCA programme in 6 years, the can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which s/he is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate. The 60% marks of the practical exam are for practical questions and remaining 40% for viva-voce. A student needs to obtain a minimum of 40% in each section of the term-end practical examination for successful completion of that particular section. In case a student does not secure the minimum passing marks in a section, s/he needs to appear for the term-end practical examination again for that section only.

- g. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also have a subscription of National Digital Library to provide the learners with the ability to online access to information and knowledge of various courses of the programme.
- h. **Cost estimate of the programme and the provisions:** It is proposed to develop the courses of the BCA Programme using OER resources available under open licenses at OER repositories like NPTEL, NROER, CEC Repository, etc. Therefore, the cost associated with the development and editing of the courses is not required. However, there are miscellaneous expenses associated with the revision and maintenance of the programme.

S. No.	Item	Per unit Cost (Writing & Editing)	Total Cost(Rs.)
I	Expert Committee, BOS Meetings and other Misc. expenses.		1,00,000/-
	Total		1,00,000/-

Hence, Rs. 1,00,000/- is required for the development, implementation and maintenance of the programme.

- i. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School (top up in the model curriculum) of the programme recommended by AICTE. The program structure and outcomes by

approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT Industry every five years. BCA programme has been designed to prepare graduates for attaining the following program outcomes:

- an ability to apply knowledge of mathematics, computer science and management to practice
- an ability to identify, critically analyze, formulate and develop computer applications
- an ability to select modern computing tools and techniques and use them with dexterity
- an ability to design a computing system to meet desired needs within realistic constraints such as safety, security and applicability
- an ability to devise and conduct experiments, interpret data and provide well informed conclusions
- an ability to understand the context of system solutions in a contemporary, global, economical, environmental, and societal context for sustainable development
- an ability to function professionally with ethical responsibility as an individual as well as in multidisciplinary teams with positive attitude
- an ability to communicate effectively

Handwritten signature

Appendix I

Title of Programme: Bachelor of Computer Applications

Programme Code: BCA17

Programme Model: Semester

Admission Cycle: Entrance Examination **Tuition**

Eligibility: 10+2/Candidate not having mathematics at 10+2 will have to pass one qualifying mathematics paper during the course of the programme)

Lateral Entry (BCA Third Semester): Diploma in Computer Applications/IT (DCA/ DIT) diploma (Polytechnic) to the relevant stream

Durability:

Min: 3 Years

Max: 6 Years

SLM Availability: Medium English

Total Credit: 98

Programme Fee:

Semester	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	6500	450	NA	500	NA	7450
Second	6500	450	NA	500	NA	7450
Third	6500	450	NA	500	NA	7450
Fourth	6500	450	NA	500	NA	7450
Fifth	6500	450	NA	500	NA	7450
Sixth	6500	300	1000	NA	NA	7800

Objective of the Programme: The basic objective of this programme is to open up windows of opportunities to the learners who are interested to take up Computer applications as their career. The curriculum of BCA includes foundation courses along with the trend-setters for the advanced learning. The objective is to create a workforce of qualified and knowledgeable of Computing & IT professionals who could pursue the programme taking leverage of the open and distance learning paradigm.

Programme Structure:

First Semester					
S.No	Paper	Paper Code	Theory	Marks	Credits
1	Computer Fundamentals and Introduction to Digital Logic	BCA-01	80	20	5
2	Introduction to Computer Programming using C	BCA-02	80	20	5
3	Basic of OS and PC Software	BCA-03	80	20	5
4	Practical	BCA-P1		100	1

Second Semester					
S.No	Paper	Paper Code	Theory	Marks	Credits
1	Computer Based Accounting and Financial Management	BCA-04	80	20	5
2	Discrete Mathematics	BCA-05	80	20	5
3	Data Structure through C Language	BCA-06	80	20	5
4	Practical	BCA-P2		100	1

Third Semester					
S.No	Paper	Paper Code	Theory	Marks	Credits
				Assign	Total

Handwritten signature

Handwritten signature

1	Object-Oriented Programming through C++	BCA-08	80	20	100	5	15
2	Database Management System	BCA-09	80	20	100	5	15
3	Operating System	BCA-10	80	20	100	5	15
4	Practical	BCA-P3			100	1	6

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counsellin g Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Computer Organization	BCA-11	80	20	100	4	12
2	System Analysis and Design	BCA-12	80	20	100	4	12
3	Programming in JAVA	BCA-13	80	20	100	4	12
4	Practical	BCA-P4			100	2	12

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counsellin g Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Data Communication and Computer Networks	BCA-14	80	20	100	5	15
2	Software Engineering	BCA-15	80	20	100	5	15
Optional-1 (Any one course of the following to be chosen)							
3	Advanced Computer Architecture	BCA-16	80	20	100	5	15
4	Interactive Computer Graphics	BCA-17	80	20	100	5	15
5	e-Commerce	BCA-18	80	20	100	5	15

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counsellin g Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Web Technology	BCA-19	80	20	100	5	15
2	Project	BCA-24			200	8	24
Optional-2 (Any one course of the following to be chosen)							
3	System Programming	BCA-20	80	20	100	5	15
4	Artificial Intelligence	BCA-21	80	20	100	5	15
5	Data Warehousing and Data Mining	BCA-22	80	20	100	5	15
6	Microprocessor and Assembly Language Programming	BCA-23	80	20	100	5	15

Syllabus
1st Semester
Computer Fundamentals and Introduction to Digital Logic
BCA-01

Unit 1: Introduction of Computer

Block diagram, Evolution, Generations, Classification and its Application.

Unit 2: Number Systems

Decimal, Binary, Hexadecimal and Octal. It's Conversion: Decimal to Binary/Hexadecimal/Octal and vice versa. Addition/ Subtraction on Binary Numbers. Complement: 1's and 0's complement. Fixed Point representation and Floating point representation. BCD, ASCII, EBCDIC, Gray code.

Unit 3: Logic Gates

Logic Gates, Truth Tables, De-Morgan's theorem, Conversion of the logic gates.

Unit 4: Combinational and Sequential Circuit

Boolean operators, Rules (postulates and basic theorems) of Boolean algebra, dual and complement of Boolean expression, representation of Boolean expression in Canonical form, Boolean expression and their simplification by algebraic method and Karnaugh Map. Don't care condition. Multiplexer, Demultiplexer, Encoder, Decoder, Half-Adder, Full-Adder, Sequential circuit, Flip-Flop and its different types like RS, JK, Registers, Shift register, parallel/serial in, parallel/serial out; Different types counter like Asynchronous and Synchronous. Multiplexer, Demultiplexer, Encoder, Decoder, Half-Adder, Full-Adder.

Unit 5: Basic Computer Organization

Central Processing Unit (CPU), CU, ALU, Instruction format, Instruction execution, Primary Memory- RAM and its types, ROM and its types, Secondary Memory, Secondary Storage Device: Magnetic Tape, Magnetic Disk, Optical disk, Magnetic-Optical Disk, Various input and output devices, Bus/Address, Data, Control)

Suggested Readings:

1. Rajaraman, V. "Fundamentals of Computers" Prentice Hall of India, New Delhi.
2. M. Morris Mano, "Digital Logic and Computer Design".

Prabhu Dabanti

Dr.

28/11/2021

1st Semester
Introduction to Computer Programming using C
BCA-02

Unit 1: Introduction to Programming

Basic definition of Pseudo Code, algorithm, flowchart, program, Elementary data types, variables, constants and identifiers, Integer, character, floating point and string constants, Variable declarations, Syntax and semantics, Reserved word initialization of variable during declarations, Symbolic Constants.

Unit 2: Operators and Expressions

Expression in C, Different types of operators: Arithmetic, Relational and Logical, Assignment, Conditional, Increment and decrement, Bitwise, Comma and other operator (sizeof, period etc), Precedence and associativity of operators, type casting.

Unit 3: Decision and Control Structures

Various input/output functions like scanf, getch, getchar, printf, putchar, Conditional Statement- if, if-else, nested if-else switch, Other Statement -break, continue, goto, Concept of Loops: while, do-while, for, nested loops.

Unit 4: Storage Class

Automatic, External, Static, Register, Scope and lifetime of variables, Macro, Preprocessor directive.

Unit 5: Functions

Function: function declaration, function definition, function call (call by value, Call by reference), Formal and Actual parameter, Recursive function.

Unit 6: Structures and Unions

Structure declaration, definitions, array of structure, pointers to structures, Union definition, declaration, use, enumerated data types, defining your own types (typedef)

Unit 7: Arrays and Pointers

Array, 1-Dimensional array, 2-Dimensional array and its declaration, String, Pointers - Declaration, Passing pointer to a Function, Pointer and 1-Dimensional Arrays, Dynamic Memory Allocation.

Unit 8: File Handling

Opening, closing, reading and writing of files, Seeking forward and backward, Examples of file handling programs.

Suggested Readings:

1. Balagurusamy, E: Programming in ANSI C, Tata McGraw-Hill publication
2. Gottfried Byron S: Programming with C, Tata McGraw-Hill publication

1st Semester
Basic of OS and PC Software
BCA-03

UNIT 1:

UNIT 2:

UNIT 3:

UNIT 4:

UNIT 5:

UNIT 6-8:

Introduction to OS

Definition and functions of an Operating System, Types of OS (Single User, Multi user, Single tasking, Multitasking, Real time, Network OS, Distributed OS)

MS DOS Operating System

Introduction to DOS, System files of DOS, concept of Booting, Files and Directory Structure, Concept of Paths, Internal and External commands, Batch File.

MS Windows Operating System

Introduction to Windows, Components of Windows, Customizing the Desktop, Files and Folders

LINUX Operating System

Introduction to LINUX, login into LINUX, Structure of File System, Concepts of Path

LINUX Commands

Directory handling Commands (mkdir, cd, rmkdir, ls, pwd), File handling commands (cat, cp, rm, mv, more, lp), Utility commands (date, cal, echo, time, who, passwd), file permissions

Text editor vs. three modes of vi editor, adding and replacing text, saving text and quitting.

Microsoft Word

Starting Word, different Bars, Document View, Text Area, Exiting Word
 Creating new Document, Editing text, Saving a Document, Closing a Document, Opening an Existing Document

Working with Paragraph, Copy & Paste and Cut & Paste methods, Spell Check, Find & Replace.

Bullets and Numbering, Undo and Redo, Header & Footer, Page-Setup.

Creating Table, Modifying a Table, Merging of Cells, Split Cells.

Microsoft Excel

Starting MS-Excel, different Bars, Rows, Column and Cell, Exiting MS-Excel.
 Creating a New Workbook, Working with Cells, Working with Fonts, Merging of Cells, Inserting a Row and Column, Deleting a Row and Column, Saving a Workbook, Closing a Workbook.

Different Operations used in Excel, Working with Calculation and Functions, 5 Working with Chart.

Microsoft PowerPoint

Starting MS-PowerPoint, different Bars, Different Types of Views and Exiting MS-PowerPoint
 Creating a New Presentation, Working with Slides, Applying Design templates, Applying Custom Animations, Applying Slide Transitions, Saving a Presentation, Printing a Presentation, Closing a Presentation and Opening an Existing Presentation.

Ballu Dattoli

[Signature]

Suggested Readings:

1. Andrew S. Taborbaum, Albert S. Woodhull, "Operating System Design and Implementation", prentice-Hall India Publication.
2. Word 2002 from A to Z by Stephen L. Nelson, FireWall Media
3. Microsoft XP Plain & Simple, by Brevin & resources Online

2nd Semester

Computer Based Accounting and Financial Management

BCA-04

Unit 1 :

Fundamentals of Accounting

Meaning of Accounting, its scope, Objectives and limitations; Meaning and application of double entry system, Books of Accounts, Ledgers - Debitors ledger, Creditors ledger and General ledger; Cash Book and Bank Reconciliation Statement.

Unit 2 :

Financial Statements

Meaning and Components of Financial statements, Preparation of Financial Statements, Trading Account, Profit and loss Account, Meaning and Purpose of Balance Sheet, Steps for preparation of Balance Sheet, Marshalling of Balance Sheet, Format of Balance Sheet

Unit 3 :

Accounting Ratio and Cash Flow Statement

Ratio Analysis, Objectives of Ratio Analysis, Classification of Accounting Ratios, Advantages of Ratio Analysis, Analysis of Financial Statement through Ratios, Cash Flow Statement, Meaning of Cash Flow Statement, Importance of Cash Flow Statement, Cash Flow Statement as per as 3, Illustration Preparation of Cash Flow Statement

Unit 4 :

Cost Concepts and Cost Sheet

Meaning of Cost, Classification of Cost, Various Cost Concepts, Cost Centre, Types of Cost Centres, Cost Unit, Elements of Costs, Cost Sheet

Unit 5 :

Budgetary Control and Marginal Costing

Meaning of Budget, Purpose of Budget, Budgetary Control: Meaning and Essentials, Merits of budgetary Control system, Steps in preparation of budgets, Classification of budgets, Standard cost and standard costing, Variance analysis, Marginal cost and marginal costing, Advantages of marginal costing, Managerial Application of marginal costing, Break Even Analysis

Unit 6 :

Capital and Working Capital

Meaning of capital, cost of capital, shares, debentures, capitalisation and capital structure; Meaning of working capital, its components and estimation.

Suggested Readings:

1. Financial Accounting, Atish Bharucharya, prentice-Hall India Publication.
2. Financial Accounting, S.N. Maheshwari, Vikas Publication House Pvt. Ltd., New Delhi
3. Theory and Practice of Accounting By T. R. Datta, R. A. Jaiswal, R. Bhatnagar and B. K. Kalia

Baldev Datt

Unit-1 : Sets

Sub – the Empty Set, Finite and Infinite Set, Equal and Equivalent set, Subsets, Power set, Universal set, Venn Diagram, Complement of a set, set operations.

Unit-2 : Relations

Cartesian products, Relation - equivalence relation - partition - partial order relation

Unit-3 : Functions

Definition, Inverse functions - Composition of functions - Properties of functions – Binary operation

Unit-4 : Mathematical Logic-1

Statements, logical connectives, truth tables

Unit-5 : Mathematical Logic-2

Tautologies, contradictions, logical equivalence, Applications to everyday reasoning

Unit-6 : Counting Principles

The Pigeonhole principle - counting

Unit-7 : Permutation and Combination

Definition of Permutation and combination, Simple application of permutation and combination

Unit-8 : Basic Algebraic Structure

Definition and basic properties of semi groups and groups.

Unit-9 : Rings

Definition and basic properties of rings.

Unit-10 : Integral Domains and Fields

Definition and basic properties of integral domains and fields.

Unit-11 : Linear Algebra-1

Types of matrices - Matrix operations - canonical forms

Unit-12 : Linear Algebra-2

Inverse of a matrix - Rank and nullity.

Unit-13 : Linear Algebra-3

Methods of solution to linear systems (Cramer's Rule, Gaussian Elimination Scheme).

Suggested Readings:

1. Elements of Discrete mathematics: C.I. Lien, Mc Graw Hill
2. Discrete Mathematical Structure with Application to Computer Science: Tremblay J.P. Mc Graw Hill

Unit 1 : Introduction to Data Structure

Basic concept of data, data type, Elementary structure, Arrays: Types, memory representation, address translation functions for one & two dimensional arrays and diffusion examples.

Unit 2 : Algorithms

(Complexity, time-Space, Algorithmic Notation.

Unit 3 : Linked List

Introduction to Linked List, representation of single linked list.

Unit 4 : Operations on Linked List

Insertion into a linked list, deletion into a linked list, searching and traversal of elements and their comparative studies with implementations using array structure.

Unit 5 : Stacks

Definitions, representation using array and linked list structures, applications of stack.

Unit 6 : Queues

Definitions, representation using array, linked representation of queues, application of queue.

Unit 7 : Searching

Linear and binary search algorithms, performance and complexity using big 'O' notation

Unit 8 : Sorting

Sorting algorithms (Complexity, advantages and disadvantage, implementation), bubble sort, insertion sort, selection sort, quick sort.

Unit 9 : Trees

Definition and implementation : Binary Tree, Tree traversal algorithms (inorder, preorder, postorder), postfix, prefix notations

Unit 10 : Binary Search Tree

Searching in Binary Search Tree, insertion and deletion in Binary Search Trees

Unit 11 : B-Tree

Searching, Insertion and Deletion in a B-Tree.

Unit 12 : Graph

Introduction to Graphs, Depth First search and Breadth first search technique.

Suggested Readings:

1. Rajni Jhaski, Data structure using C, Umesh Publication
2. Horowitz, Fundamentals of data structure, Galgotia Publications

Adarsh Dey

Dr.

Dr. J. K. Jha

3rd Semester
Course BCA-46
Object-Oriented Programming through C++

Unit 1 : Introduction to Object Oriented Programming

Basic concept of OOP, Comparison of Procedural Programming and OOP, Benefits of OOP, C++ compilation, Abstraction, Encapsulation, Inheritance, Polymorphism, Difference between C and C++.

Unit 2 : Elements of C++ Language

Tokens and Identifiers, Character set and symbols, Keywords, C++ identifiers, Variables and Constants, Integer, character and symbolic constants, Dynamic initialization of variables, Reference variables, Basic data types in C++, Streams in C++.

Unit 3 : Operators and Manipulators

Operators, Types of operators in C++, Precedence and associativity of operators, Manipulators

Unit 4 : Decision and Control Structures

If statement, If-else statement, switch statement, Loop, while, do-while, for, Jump statements: break, continue, go to.

Unit 5 : Array, Pointer and Structure

Arrays, pointers, structures, unions.

Unit 6 : Functions

main() function, components of function: primitive, function call, definition, parameter, passing arguments; types of function, inline function, function overloading.

Unit 7 : Introduction to Classes and Objects

Classes in C++, class declaration, declaring objects, Defining Member functions, inline member function, Array of objects, Objects as function argument, Static data member and member function, Friend function and friend class.

Unit 8: Constructors and Destructors

Constructors, Instantiation of objects, Default constructor, Parameterized constructor, Copy constructor and its use, Destructors, Constraints on constructors and destructors, Dynamic initialization of objects.

Unit 9: Operator Overloading

Overloading unary operators: Operator keyword, arguments and return value; overloading unary and binary operators: arithmetic operators, manipulation of strings using operators; Type conversions.

Unit 10: Inheritance

Derived class and base class: Defining a derived class, Accessing the base class member, Inheritance: multilevel, multiple, hierarchical, hybrid, Virtual base class, Abstract class

Unit 11: Virtual Functions and Polymorphism

Virtual functions, pure virtual functions, Polymorphism, Categorization of polymorphism techniques: Compile time polymorphism, Run time polymorphism

Unit 12: File Handling

File classes, Opening and Closing a file, File modes, Manipulation of file pointers, Functions for I/O operations.

Suggested readings:

1. E. Balagurusamy: Object oriented programming with C++
2. K. R. Venugopal: Mastering C++
3. Bjarne Stroustrup: The C++ programming language.

Dr. Raju Dabur
Dr. Jyoti
Dr. Anurag

Database Management Systems

3rd Semester
Course BCA-09

Unit 1: File Structure

What is data and information, Concept of field, key field, Records and its types, fixed length records and variable length records, files, operation on files, Primary file organization.

Unit 2: Database System

Traditional file approach vs. Database approach, Database Management System (DBMS), merits and demerits of DBMS, Database architecture, Data independence, Types of DBMS, Database Administrator

Unit 3: Data Models

Conceptual model, logical model, physical model, ER model as a tool for conceptual design: entities, attributes and relationships, weak and strong entities, conversion of ER model into relational schema, ER modeling symbols.

Unit 4: The Relational Model

Relational data model concepts, integrity constraints, Entity integrity, Referential integrity, Domain Constraints.

Unit 5: Keys

Concept of keys, Composite key, Candidate key, Primary key, Alternate key, Foreign key, Defining primary and Foreign keys in database.

Unit 6: Relational Database Design

Database design, Decomposition, Universal Relation, Functional dependencies, Prime and Non-prime attribute

Unit 7: Normalization

Normalization, First Normal form(1NF), Second Normal form(2NF), Third Normal form(3NF), Boyce-Codd Normal form(BCNF), Fourth Normal form(4NF), Fifth Normal form(5NF)

Unit 8: Introduction to SQL

Structured Query Language(SQL), Characteristics of SQL, SQL data types, Types of SQL commands DDL, DML, SQL commands: Select, From, Where, Group by, Having, Order by, Tables, Views and Indexes, Queries, Sub Queries, Insert, Update and Delete operations, Constraints considers (NOT NULL, UNIQUE, Check Primary key, Foreign key)

Unit 9: Database recovery and Security

Concept of database recovery, Backup of database, Types of database failure, Types of database recovery, Audit of database security.

Suggested readings:

1. "Database Systems: Concepts, Design and Applications", by S.K. Singh, Pearson Edition
2. "Introduction to Database Management Systems", by Abul Kalam, Pearson Edition
3. "Fundamentals of Database Systems", by Elmasri Navathe, Sonparjula & Gupta, Pearson Education publications.

3rd Semester
Course code BCA-10
Operating System

Unit 1: Introduction to Operating System

What is an operating system, batch system, multi-programmed system, time-sharing system, personal computer operating system, privileged systems, distributed systems, real-time systems.

Unit 2: Processes

Process (process models, process hierarchies, process states), Threads (what is thread and its use, design issues of thread).

Unit 3: Interprocess Communication

What is interprocess communication, race conditions, critical sections, mutual exclusion, solution to race condition, disabling interrupt, Peterson's solution, sleep & wake up (The Producer-Consumer Problem) and Semaphores.

Unit 4: Scheduling

Basic concepts, primitive and non-primitive scheduling, scheduling algorithms, types of scheduling - batch, interactive and real-time, goals of scheduling algorithms, first come first serve, shortest job first and round robin scheduling.

Unit 5: Deadlocks

What is deadlock, principles of deadlock (deadlock conditions & modeling), deadlock detection, recovery & prevention, deadlock avoidance (Banker's algorithm)

Unit 6: Memory Management

Multiprogramming (with fixed partitions, relocation and protection), What is swapping and its basic concepts, Virtual Memory Basic Concepts, Paging, Page Tables, Page replacement algorithms: - Optimal, Not Recently Used, First In First Out, Least Recently Used.

Unit 7: File System

What is file, file naming, file types(directory, regular, device), sequential access and random access files, file attributes, operations on file, hierarchical directory structure, path name(relative and absolute), operation on directories, File System Implementation Techniques.

Unit 8: I/O Management

Basic principles I/O Hardware, I/O Devices, Device controllers, DMA, Principles of I/O Software, its goals, Interrupt Handlers, Device Drivers, Device Independent I/O Software(its functions)

Unit 9: Security and Protection

Security threats and goals, Authentication, Protection and Access control, Formal model of protection, Cryptography.

Unit 10: Multiprocessor Systems

Multiprocessor Interconnections, types of Multiprocessor Operating Systems, Multiprocessor OS Functions and Requirements, Multiprocessor Synchronization.

Unit 11: Distributed Operating Systems

Algorithms and Distributed Processing, Coping with Failure, Models of Distributed systems, Remote procedure calls, distributed Shared Memory, Distributed File Systems.

Suggested Readings:

Operating System

Dr

Signature

1. Operating System Concepts: S. Galvin, AWT.
2. Modern Operating Systems: A.S. Tanenbaum, PHI

Semester-4

BCA-11

COMPUTER ORGANIZATION

Unit 1: Digital Components

Flip-Flops, Counter, Register, Half adder-Full Adder, Half subtractor-Full subtractor, Coder-Decoder, Multiplexer, De-multiplexer, Magnitude Comparator

Different

Unit 2: Instruction Set and Addressing modes
Instruction Format, Instruction Types, Instruction Execution, Assembly language notation, Different Addressing Modes (R0R5)

Unit 3: Input-Output Organization

Different I/O techniques (Programmed I/O, Interrupt-Driven I/O, Direct Memory Access), I/O Processors.

Unit 4: Internal Memory

Memory Hierarchy, Semiconductor RAM memories, Internal organization of Memory Chips, Read Only Memories

Unit 5: Cache and Virtual Memory

Locality of reference, Cache Memory, Mapping functions, Virtual Memory, Paging.

Unit 6: External Memory

Magnetic Disk, RAID, Optical memory, Magnetic tape

Unit 7: Pipelining

Introduction to Pipelining and Basics of Parallel Processing

Unit 8: CISC and RISC

CISC (Complex Instruction Set Computers), RISC (Reduced Instruction Set Computers)

Suggested Readings:

1. Computer System Architecture- M. Morris Mano (PHI publication)
2. Computer Organisation and architecture- Pal Choudhary
3. Structured computer organization- Tanenbaum

Semester 4

Course code: BCA-12

System Analysis and Design

Unit 1: Basic Concept of Systems

The System: Definition and Concepts; Elements of a System: Input, Output Processor, Control, Feedback, Environment, Boundaries and Interface; Characteristics of a System: Types of systems - Physical and Abstract Systems, Open and Closed Systems, Man-made Systems; Information and its categories

Unit 2: Information System and System Analysis

Information systems : TPS, OAS, MIS, DSS, ESS; System Analyst: Role and need of system analyst, System Analyst as an agent of change.

Unit 3: System Development Life Cycle

Introduction to SDLC, Various phases: study, analysis, design, development, testing, implementation, maintenance; System documentation: Types of documentation and their importance.

Unit 4: System Planning and Information Gathering

Initial Investigations, Identification of user needs, Project Identification and Selection: Needs of Information Gathering, Determination of requirements, Information gathering tools: interviews, group contribution, questionnaire, presentations and site visits.

Unit 5: Feasibility Study

Definition, Importance of feasibility study, Types of feasibility study, System selection plan and proposal, Prototyping, Cost-Benefit Analysis: Tools and Techniques.

Unit 6: Tools for System Analysis

Data Flow Diagram (DFD), Logical and Physical DFDs, Developing DFD, System Flowcharts and Structured charts, Structured English, Decision trees and Decision tables.

Unit 7: System Design

Module specifications, Module Coupling and cohesion, Top-down and bottom-up design, Logical and Physical design, Structured design.

Unit 8: Input and Output

Input design: Input data, Input media and devices; Output design, Form Design: Classification of forms, Requirements of form design.

Unit 9: System Implementation and Maintenance

Need of System Testing, Types of System Testing, Quality Assurance; System Conversion, Conversion methods, procedures and controls; System evaluation and performance; Maintenance activities and issues.

Unit 10: System Security and Audit

System Security, Security threats, Risk Analysis, Control measures, System Audit, Disaster Recovery Planning

Suggested Readings:

1. Elmasri, Awerst: System Analysis and Design
2. Perry Edwards: System Analysis & Design (Prentice Hall)

Pal Choudhary

Dr. [Signature]

2023/10/10

Semester 4
BCA-11
Programming in JAVA

Unit - 1 Introduction to JAVA

An overview of JAVA, Object-oriented programming features, JAVA Applets and Applications, Difference between Java Script and JAVA.

Unit - 2 Programming Basic

Java Tokens & Keywords, Constants, Data types: The JAVA class libraries, Declaring a variable, The scope and lifetime of variable, Various Operators, Decision Making and Control Statements : if statement, if-else, else-if, switch statement, do, for, while, do-while statements

Unit - 3 OOP in Java

Class fundamentals : Declaring class, Accessing class members, Declaring objects, Passing Arguments to Methods, Returning Multiple Values from methods, Modifiers, Constructors, copy constructor, Recursive class, Inheritance : the super class, Multilevel Inheritance, Final and abstract keyword, Static Members

Unit - 4 Arrays, Strings and Vectors

Declaring Arrays, Creating Arrays, Initializing Arrays, System Arraycopy(), Multi-Dimensional Arrays, Strings: using arrays, string methods, StringBuffer class, Vectors

Unit - 5 Packages and Interfaces

Packages: Declaring a package, Understanding classpath, Importing Packages

Interfaces: Defining an interface, Implementing interfaces, Applying interfaces, Variable in interfaces

Unit - 6 Exception Handling

Exception handling fundamentals, Exception types, Uncaught exceptions, Using try and catch JAVA's built-in exceptions, User defined exception subclasses

Unit - 7 File Handling

IO Basics: Streams, The stream classes, The predefined streams, Reading console input, Writing console output, Reading and writing files

Unit - 8 Introduction to Applets

Applets and the World Wide Web, The Applet Class, Applets and HTML, The Life Cycle of an Applet, Responding to Events, Using Window Components, Adding Audio and Animation

Semester 4th
BCA-14

Unit - 9 AWT and Swing

AWT Basics, AWT Components, Containers, Event Handling, Application and Menus, Swings: Introduction, Swing Components, Event Handling, Display text and image in a window, Layout manager

Unit - 10 Introduction to JDBC

JDBC: Basic steps to JDBC, API, JDBC Drivers, Connection Management, JDBC Design considerations, Two Tier and Three Tier client server model, Resultset, Prepared statement and callable statement, Creating and executing SQL statements (SELECT, INSERT, UPDATE, DELETE) and ResultSetMetaData Object.

Suggested Readings:

1. Margaret Levine Young, "The Complete Reference Internet", TMH
2. Naughton, Schindler, "The Complete Reference JAVA2", TMH
3. Rajagurusamy K., "Programming in JAVA", TMH
4. Dustin B. Callaway, "Inside Services", Addison Wesley
5. Mark Winters, "Java Enterprise Edition", OVE
6. Steven Holzner, "Java2 Black book", dreamtech

DATA COMMUNICATION AND COMPUTER NETWORKS

Unit 1 : Basics of Computer Network

Computer Networks: Definition, Goals, Structure, Broadcast and Point-To-Point Networks; Network Topology and their various types; Types of Network: LAN, MAN, WAN; Server Based LANs & Peer-to-Peer LANs; Communications Types: Synchronous, Asynchronous; Modes of Communication: Simplex, Half Duplex, Full Duplex; Protocols and Standards

Unit 2 : Network Models

Design Issues of the Layer, Protocol Hierarchy, ISO-OSI Reference Model : Functions of each Layer, Various Terminology used in Computer Network, Connection-Oriented & Connectionless Services, Internet (TCP/IP) Reference Model, Comparison of ISO-OSI and TCP/IP Model

Unit 3 : Transmission Media

Handwritten signature and date: 22/08/2021

Transmission Media, Guided Media (Wired) : Coaxial Cable, Physical Structure, Standards, BNC Connector, Applications, Twisted Pair : Physical Structure, UTP vs STP, Connectors, Applications, Fiber Optic Cable: Physical Structure, Propagation Modes (Single Mode & Multimode), Fiber Sizes, Connectors, Applications, Advantages & Disadvantages, Unguided Media(Wireless): Electromagnetic Spectrum for Wireless Communication, Propagation Methods, (Ground, Sky, Line-of-Sight), Wireless Transmission: Radio Waves, Infrared, Micro-wave, Wireless LANs (IEEE 802.11), Architecture, MAC Sub Layer, Frame Format, Frame Types: Bluetooth, Architecture (Personal, Scatternet, Bluetooth, Layers), Applications

Unit 4 : Network Connectivity Devices

Categories of Connectivity Devices, Passive and Active Hubs, Repeaters, Bridges, Switches (2-Layer Switch, 3-Layer Switch(Router), Gateways, Network Security Devices (Firewalls, Proxy Servers)

Unit 5 : Components of LAN

Network Interface Card (NIC), Network Adapters, Components of NIC, Functions of NIC, Types of NIC, Ethernet : Basic Features, Types of Ethernet, Different Flavors Format: IEEE 802.3, IEEE 802.4, IEEE 802.5

Unit 6 : Internet Basics

Internet Growth, Architecture, Accessing, Internet Service Provider(ISP), Internet Addressing System: IP Address, DNS, URL, World Wide Web WWW, Web Servers, Web Browsers, Search Engine, Concept of Internet & Extranet.

Suggested Readings:

1. Tanenbaum, Andrew, Computer Networks, PHI
2. Forouzan Behrouz A., Tan Megraw Hill
3. Norton Peter, Complete Guide To Networking

Semester 5th
BCA-15
SOFTWARE ENGINEERING

Unit 1 : Introduction to Software Engineering

Definition of Software Engineering, Need for Software Engineering, Software Characteristics, Software Qualities

Unit 2 : Requirement Analysis

Definition of System Analysis, Requirement Analysis, System Analyst, Knowledge and Qualities of System Analyst, Role of a System Analyst, Feasibility Study and Types, Fact Gathering, User Transaction Requirement, User Design Requirements, SRS (System Requirement Specification)

Unit 3 : System Development Methodologies

System Development Phases, Need for a Software Life Cycle Model, Software Development Models: Waterfall Model, Spiral Model, Prototyping Model

Unit 4 : Analysis and Design Tools

Entity-Relationship Diagrams, Decision Tree and Decision Table, Data Flow Diagrams (DFD), Data Dictionary : Elements of DFD, Advantage of DFD, Pseudo code, Input And Output Design

Unit 5 : Structured System Design

Modules: Concepts and Types of Modules, Structured Chart, Qualities of Good Design: Coupling, Types of Coupling, Cohesion, Types of Cohesion

Unit 6 : Software Testing

Definition, Testing Strategies, Types of Testing, Black-Box Testing, White-Box Testing, Stress Testing, Storage Testing, Performance Testing

Suggested Readings:

1. Pressman, Roger S., "Software Engineering: A Practitioner's Approach, Ed. Boston: McGraw Hill, 2001
2. Jaliev, Pankaj, "Software Engineering Ed.2", New Delhi: Remax, 2002
3. Schauer's Series, "Software Engineering", TMH
4. Ghezzi, Carlo and Others, "Fundamentals of Software Engineering", PHI
5. Alexia, Leon and Matthews Leon, "Fundamentals of Software Engineering", Vikas

6. Sommerville, Ian, "Software Engineering", A.W.L. 2000

Semester 5th
BCA-17

INTERACTIVE COMPUTER GRAPHICS

Unit 1 : Introduction to Computer Graphics

Definition, Application areas of Computer graphics, Graphical user interface, Cathod ray tubes, Random scan displays, Raster scan displays, Color CRT monitors, Flat panel displays (Plasma Panels, Liquid crystal displays, Electroluminescent displays), Graphics software (GKS, PHIGS), Color Models (RGB, CMYK, HSV, Looking tables etc.)

Unit 2 : Raster Graphics Algorithms

Points and Lines, Line drawing algorithms (DDA, Bresenham's algo), Circle and Ellipse drawing algorithms, Filling (Scan-converting Polygon filling, Inside outside tests boundary fill and area fill algo)

Unit 3 : Transformations and Projections

2-D transformations (Rotation, Reflection, shearing, scaling), Homogeneous coordinate representation, Translation, 3-D transformations, Projection classification, Parallel projections, Perspective projections (One point, Two point)

Unit 4 : Two Dimensional Clipping

Point Clipping, Line Clipping, Text Clipping

Unit 5 : Animation

Animation Basics, Computer Animation, Principles of Animation, Types of Animation, Animation Software and Hardware, Common Terms in Animation, Design of Animation sequence, Morphing, Application of Computer Animation, Future of Animation

Suggested Readings:

1. Donald Heam and M. Pauline Baker, "Computer Graphics", PHI
2. Steven Harrington, "Computer Graphics: A Programming Approach", TMH
3. Pradyumn A. K, "Computer Graphics", PPM Ed 2
4. Foley James D, "Computer Graphics", AW Ed 2
5. Newman and Sproul, "Principles of Interactive Computer Graphics", McGraw Hill

As per Dr. Jyoti

6. Rogers, "Procedural Elements of Computer Graphics", McGraw Hill
7. Rogers and Adams, "Mathematical Elements of Computer Graphics", McGraw Hill

6th Semester
BCA-19
Web Technology

Unit 1: Basics of Internet and Web

The basics of Internet, World Wide Web, Web page, Home page, Web site, Static, Dynamic and Active web page, Overview of Protocols - Simple Mail Transfer Protocol, Copper, Telnet, Email, FTP, Simple Network Management Protocol, Hyper Text Transfer Protocol, Client server computing concepts.

Unit 2: Web Client and Web Server

Web Browser, Browsers e.g., Netscape navigator, Internet Explorer, Mozilla Firefox, Click-Size Scripting Languages- VB Script and Java Script, Active X control and Plug-ins, Web Server Architecture, Image maps, CGI, API web database connectivity-DBC,ODBC

Unit 3: Introduction to HTML

Introduction to HTML, Essential Tags, Tags and Attributes, Text Styles and Text Arrangements, Text Effects, Exposure to Various Tags (DIV, MARQUEE, ABBR, DFN, HR, LISTING, COMMENT, IMG), Color and Background of Web Pages, Lists and their Types, Attributes of Image Tag, Hypertext, Hypertext and Hypertexting, Links, Anchors and URLs, Links to External Documents, Different Section of a Page and Graphics, Form and e-Mailing, Creating Table, Frame, Form and Style Sheet

Unit 4: DHTML

Dynamic HTML, Document Object Model, Features of DHTML, CSS (Cascading Style Sheet) and JSS (JavaScript assisted Style Sheet), Layers of Netscape, The ID Attribute, DHTML

Unit 5: Java Script

Dr.

Objects, Methods, Events and Functions, Tags, Operators, Data Types, Literals and Type Casting in JavaScript, Programming Construct, Array and Dialog Boxes, Relating JavaScript to DHTML, Dynamically Changing Text Style, Content

Unit 6: Introduction to PHP

Server Side Programming, Introduction to PHP, Basic Programming Concepts of PHP, Variables, Data Types, Constants, Scope of Variables, Type Casting, Operators, Operators Precedence, References, Arrays, Control Structures: Branching, If statement, Switch statement; Looping: for Loop, while Loop, do while Loop, for each Loop; Functions: User Defined Functions, Built-in Function, Functions for Variables; Script Controlling Functions: Array Functions, Date and Time Functions, Mathematical Functions, String Functions, PHP Server Variables; Working with form, Uploading files to Web Server using PHP

Suggested Readings:

1. Burdman, "Collaborative Web Development", Addison Wesley
2. Sharma & Sharma, "Developing E-Commerce Sites", Addison Wesley
3. Ivan Baynes, "Web Technologies Part II", BPB Publications.

Semester BCA-26 System Programming

Unit I : Language Processors

Introduction to language processor, Interpreters, language processing activities, Program execution, Fundamentals of language processing, phase and pass of language processor, Compiler: Front end, Lexical analysis, Syntax analysis, semantic analysis, memory allocation, code generation, symbol table, Fundamentals of Language Specification : Programming language grammar, Terminal symbols, alphabet and strings, production, derivation, reduction and parse tree, classification of grammar : Type 0, Type 1, Type 2 & Type 3 Grammar, Ambiguity in Grammar specification, Eliminating ambiguity, Language processor development tool : LEX, YACC

Unit II : Scanning & Parsing

Introduction to Scanning, Finite state automata, Regular expression, Parsing, parse tree, Top Down parsing, predictions and backtracking, Top Down parsing without backtracking, Recursive descent parser, LL(1) parser, Bottom up Parsing, Simple precedence grammar, Operator precedence grammars, LALR parsing.

Unit III: Assemblers

Elements of Assembly language programming, statement format, Assembly language statements, Advantages of Assembly Language, Design specification of an assembler, Pass structure of Assembler, Design of A two pass assembler, Pass 1 of the Assembler, Intermediate code forms, Mnemonic field, Pass II of the Assembler, Architecture of Intel 8086, Design of Assembler

Unit IV : Compilers and Interpreters

Aspects of Compilation, Data type, Memory allocation, static and dynamic memory allocation, Accessing nonlocal variables, symbol table requirements, recursion, Compilation of expressions, Intermediate code for expression : Prefix strings, Triples and quadruples, expression tree, compilation of control structure, function and procedure call, Parameter passing mechanisms, code optimization, elimination of common subexpressions, Frequency reduction, Local and global optimization, Interpreters.

Unit V : Linkers

Translated, linked and load address, Relocation and linking concepts, Object module, Design of linker, Linking for Overlays.

Suggested Readings:

1. Robert Ehrlich, *MIPS Assembly Language Programming*, Prentice Hall, 2003.
2. Compilers principles, techniques & Tools, Alfred V. Aho, Monica S. Lam, Ravi Sethi, Jeffrey D. Ullman

Robert Ehrlich
Prentice Hall
2003

Uttarakhand Open University

School of Education

Department of Teacher Education

Programme Project Report (PPR)

for

Bachelor of Education Programme through Open and Distance learning system

{B.Ed. (ODL)}

Programme Code: BED 17

a. Programmes Mission & Objectives: Bachelor of Education through Open and Distance learning system {B.Ed. (ODL)} is an undergraduate professional degree programme. This programme seeks to introduce students to various aspects of Educational Studies. It further intends to enable students to critically examine the education in various perspectives. It enables students to critically understand the policies and practices of education. It also acquaints the students with the historical and social aspects of education. It focuses on education from a psychological perspective; exploring human development and education in a variety of social and cultural environments. It considers historical and contemporary discussions concerning education and studies education's role in economic and social change. Finally, it focuses on the training of prospective teachers.

Mission:

To develop in students the skills and competencies necessary to play the multifaceted role of the teacher in the new millennium

Objectives:

On the basis of the NCTE curriculum framework for Two Year B.Ed. programme (2014), the objectives of this programme are as follows:




OFFICE OF THE
DEAN, SCHOOL OF EDUCATION
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
DEHRADUN

- To enable student-teachers to engage with studies on Indian society and education, acquire conceptual tools of sociological analysis and hands-on experience of engaging with diverse communities, children and schools.
- To develop a conceptual understanding about issues of diversity, inequality and marginalization in Indian society and the implications for education, with analyses of significant policy debates in Indian education.
- To focus on aspects of social and emotional development; self and identity, and cognition and learning.
- To address the theoretical foundations of school knowledge from historical, philosophical and sociological perspectives, with critical analysis of curricular aims and contexts, and the relationship between curriculum, policy and learning.
- To develop an understanding of the cultures, policies and practices that needs to be addressed in order to create an inclusive school.
- To develop an understanding of the curriculum, linking school knowledge with community life in students.
- To reconstruct concepts from subject knowledge through appropriate pedagogic processes that communicates meaningfully with children.
- To lead the development of a broad repertoire of perspectives, professional capacities, teacher dispositions, sensibilities and skills.
- To equip Student teachers to cater the diverse needs of learners in schools.
- To provide opportunities to teach in government and private schools with systematic supervisory support and feedback from faculty.
- To focus on developing the professional and personal self of a teacher will be designed to integrate theoretical and practical components, transacted through focused workshops with specific inputs on art, music, drama and yoga.
- To offer opportunities to self-reflect, study issues of identity, interpersonal relations, while viewing schools as sites for social change; developing social sensitivity and the capacity to listen and empathise.

b. Relevance of the program with HEL's Mission and Goals: Students with Bachelor of Education are able to apply for a diverse range of jobs in most fields open to teacher education graduates. The programme is equally beneficial from carrier's point of in the field of teaching, research, policy analysis, social work, counselling professions and public services in the case of Uttrakhand State. Educational processes are important in almost all settings and teacher education graduates have a valuable role in most of the organizations.

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

- Curriculum transaction through SILMs, Audio Lectures, Video lectures, Contact programmes, Workshops, Blogs, E-resources, Learning Management System etc.
- Evaluation through Term-end examination, Assignments, Practical and Internship.

Fee Structure

Year	Admission Fee	Exam Fee	Total
I Semester	Rs. 10000	Rs. 750	Rs. 10750
II Semester	Rs. 10000	Rs. 900	Rs. 10900
III Semester	Rs. 10000	Rs. 1300	Rs. 11300
IV Semester	Rs. 10000	Rs. 1050	Rs. 11050
Total	Rs. 40000	Rs. 4000	Rs. 44000

- g. Requirement of the laboratory support and Library Resources: Limited laboratory support is required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

- h. Cost estimate of the programme and the provisions

S.No.	Items	Cost per Unit	No. of Units	Total Cost
1.	Unit Writing	Rs. 6000	Units 371	2226000
2.	Unit Editing	Rs. 3000	Units 371	1113000
	Total			3339000

- i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The Self Instructional Learning Materials and LMS (Learning Management System) shall be revised and modified through Expert Committee and Board of Studies as per the requirement in order to incorporate the contemporary issues in the curriculum. The expected programme outcomes are the skills and competencies in the students necessary to play the multifaceted role of the teacher in the new millennium. The effectiveness of the programme shall be monitored by the number of students' enrolled in the programme.

Signature

Signature

Signature

Annexure I

Uttarakhand Open University School of Education Department of Teacher Education

Name of the Programme: B. Ed.
Programme Code: BED 17

Semester wise distribution of courses and detailed Syllabi

Semester I (16 Credits)
Semester Code: BED I

Course / Paper	Credit	Total Marks	Internal Marks	External Marks
BED I- PE 1: Childhood and Growing Up	4	100	30	70
BED I- PE 2: Contemporary India and Education	4	100	30	70
BED I- CPS 1: Language across the Curriculum	2	50	15	35
BED I- CPS 2: Understanding Disciplines and Subjects	2	50	15	35
BED I- CPS 3: Assessment for Learning	4	100	30	70
Engagement with the field: Tasks and Assignments for the above courses.				
Total	16	400	120	280

Semester II (16 Credits)
Semester Code: BED II

Course / Paper	Credit	Total Marks	Internal Marks	External Marks
BED II- PE 3: Knowledge and Curriculum	4	100	30	70
BED II- PE 4: Learning and Teaching	4	100	30	70
Optional Course: <i>Any Two relevant Pedagogy Papers of the following:</i>				
BED II- CPS 4: Pedagogy of Hindi (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 5: Pedagogy of English (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 6: Pedagogy of Sanskrit (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 7: Pedagogy of Physical Science (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 8: Pedagogy of Biological Science (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 9: Pedagogy of Mathematics (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 10: Pedagogy of Social Science (Part I)	2	50	15	35
BED II- CPS 11: Statistics for Assessment of Learning	2	50	15	35
BED II- EPC 1: Critical Understanding and uses of ICT	2	50	15	35
<i>Engagement with the field: Tasks and Assignments for the above courses.</i>				
Total	16	400	120	280

Signature
Date: 22/11/2023
Page: 6 of 6

Semester III (16 Credits)

Semester Code: BED III

Course / Paper	Credit	Total Marks	Internal Marks	External Marks*
Optional Course:				
BED III- CPS 12: Pedagogy of Hindi (Part II)	2	50	15	35
Any Two relevant Pedagogy Papers of the following:				
BED III- CPS 13: Pedagogy of English (Part II)	2	50	15	35
BED III- CPS 14: Pedagogy of Sanskrit (Part II)	2	50	15	35
BED III- CPS 15: Pedagogy of Physical Science (Part II)	2	50	15	35
BED III- CPS 16: Pedagogy of Biological Science (Part II)	2	50	15	35
BED III- CPS 17: Pedagogy of Mathematics (Part II)	2	50	15	35
BED III- CPS 18: Pedagogy of Social Science (Part II)	2	50	15	35
BED III- CPS 19: School Internship	12	300	300	-
<i>Engagement with the field: Tasks and Assignments for the above courses.</i>				
<i>*Note:- Assessment of practice teaching by the board of external examiners.</i>				
Total	16	400	330	70

Praveen
20/8/23

Semester IV (16 Credits)

Semester Code: BED IV

Course / Paper	Credit	Total Marks	Internal Marks	External Marks
BED IV- PE 5: Gender School and Society	2	50	15	35
BED IV- PE 6: Creating an Inclusive School	2	50	15	35
BED IV- PE 7: Yoga Education	2	50	15	35
Optional Course: BED IV- CPS 20: Guidance and Counseling	4	100	30	70
Any One of the following: BED IV- CPS 21: Peace Education	4	100	30	70
BED IV- EPC 2: Drama and Art in Education	2	50	25	25
BED IV- EPC 3: Understanding the Self	2	50	15	35
BED IV- EPC 4: Reading and Reflecting on Texts	2	50	50	-
<i>Engagement with the field: Tasks and Assignments for the above courses.</i>				
<i>Total</i>	16	400	165	235
Grand Total	64	1600	735	865

honor

20/10/23

गणेश प्रसाद
प्रिन्सिपल
एन.डी.ए.ए.ए.
एन.डी.ए.ए.

Programme Project Report (PPR) B.Ed.SpLEd.(HI)

Programme's mission and objectives:

The B.Ed.SpLEd.(HI) programme aims to develop Special Education teachers/Educators for children with disabilities for various settings (including Inclusive, Special, Open School and Home Based Education). The B.Ed.SpLEd.(HI) programme will prepare human resources to enable them to acquire knowledge and develop competencies and skills to impart education and training effectively to children with disability as well as all other children and this being teachers for all children. After completing the B.Ed.SpLEd.(HI) programme the students will:

- Acquire knowledge & skills about human development, contemporary Indian education, and pedagogy of various school subjects and assessment for learning.
- Acquire knowledge & skills about nature and educational needs of children with disabilities as well as of few select specific disabilities.
- Develop conceptual understanding of education provisions and skills for working with children with various disabilities in Special and inclusive settings.
- Enhance knowledge and skills for professional development.

Relevance of the programme with HEI's mission and goal: The main mission and goal of HEI are as follows:

- Prepare the next generation of teachers and leaders;
- Advance the use of information and technology for teaching and learning;
- Advance the science and practice of psychology to prepare counselors and educators who help people to live full and healthy lives;
- Develop tools and prepare educators to assist people with disabilities to reach their academic and social potential;
- Prepare administrators to effectively manage learning systems and environments;
- Shape public policy to improve education for all;
- Prepare the next generation of post-secondary educators, researchers, advisers, administrators, leaders and scholars;
- Advance the body of knowledge in all disciplines and professions within the college.

To achieve these mission and goals B.Ed.SpLEd.(HI) programme is very relevant for our society.

Nature of prospective target group of learners: The annual turnover of professional manpower trained through the regular institutions is unable to meet the demand of trained manpower in the area of special education and rehabilitation. According to the requirement of the students, the SILM is provided to them. University develops curriculum based audio-video resources.

Siddhant

6/6

20/01/2020
कुल शिक्षा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनोदगढ़)

Appropriateness of programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence:

The B.Ed.Spl.Ed.(HI) programme aims to prepare teachers who are able to continuously assess and improve their professional practice as teachers by critically reflecting on it, who can understand that teaching is embedded in the social context of the learners and who can engage with content and subject matter that they will be teaching. The students-teachers will also be familiarized with how children learn so that they can develop and use teaching strategies that are responsive to the learning needs of all the learners in diverse and plural settings of secondary and senior secondary classrooms.

Instructional design: B.Ed. of Uttarakhand Open University (Specialized Education) Program is a total of 80 credits. The duration of the programme shall be of 05 semesters (2 ½ years). However, students shall be permitted to complete the programme within a maximum period of five years. :

Semester I

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A1	Human Growth and Development	4	60/40
A2	Contemporary India and Education	4	60/40
B7	Introduction to Sensory Disabilities	2	30/20
B8	Introduction to Neuro Developmental Disabilities	2	30/20
B9	Introduction to Locomotor and Multiple Disabilities	2	30/20
E1	Cross Disability and	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester II

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A3	Learning Teaching and Assessment	4	60/40
B6	Inclusive Education	2	30/20

Siddhant

GA

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (भैरौताल)

A4 (I,II,III)	Pedagogy of Teaching (Science, Mathematics, Social Studies)	4	60/40
C12	Assessment and Identification of Needs	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester III

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A5	Pedagogy of Teaching	4	60/40
C13	Curriculum Design Adaptation and Evaluation	4	60/40
C14	Intervention and Teaching Strategies	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	4	100 Project/Training
Marks Theory/ Assignment		16	400

Siddhant

21/05/21
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विशालाबाद)

Semester IV

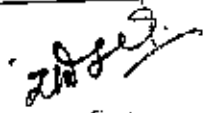
Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B10	Skill Based Optional Course	2	30/20
C15	Technology and Disability	4	60/40
C16	Psycho Social and family Issues	2	30/20
F1	Main disability special school Related area C	4	100Project/ Training
D17	Reading and Reflecting on texts	2	30/20
D18	Drama and Art in Education	2	30/20
Marks Theory/ Assignment		16	400

Semester V

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B11	Skill Based Optional Course (Disability specialization)	2	30/20
D19	Basic Research & Basic Statistics	2	30/20
F1	Field Engagement/Internship- Main disability special school (Related to areaC)	4	60/40
F2	Field Engagement/Internship- Other disability special school (Related to area B)	4	60/40
F3	Field Engagement/Internship-	4	60/40

Siddhant




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हस्ताक्षर (विश्वविद्यालय)

	Inclusive Education (Related to area B & C)		
Marks Theory/ Assignment		16	400

Procedure for admission curriculum transaction and evaluation: B.A. / B.Sc. / B.Com or an equivalent degree at graduate level depending on the requirements for the particular course with Minimum 50% in the qualifying degree examination. Admission shall be made through entrance test merit list.

In B.Ed.Spl.Ed.(HI) programme three parties are involved in the evaluation for various question papers:

1. Self-evaluation practice (no surcharge in the examination)
2. Assignment work (40% surcharge in the assignment work examination)
3. Seasonal Examination (60% surcharge in the examination)

Consultation and interaction of each paper / papers, at least 80% in the teaching counseling program and allowing at least 90% presence in training / workshop / teaching practice / internship and submission of the examinations, only allowed the learner to join the session exam Will go.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

There are well-equipped library with adequate number of prescribed textbooks and reference books in Special Education,

Cost Estimate:

The estimated amount would be 6 lacs for the development of B.Ed.Spl.Ed.(HI) programme .

Quality assurance mechanism and expected programme out come :

This programme is of 80 credits. Department of special education review the course time to time and again by organizing the expert committee and Board of Studies meeting. Department of special education also follows the norms and standards established for subject by the UGC and RCI.

Bpd Siddhant

[Signature]

[Signature]

कुल रखिय
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (मेरठिया)

Programme Project Report (PPR) B.Ed.Spl.Ed.(LD)

Programme's mission and objectives:

The B.Ed.Spl.Ed. (LD) programme aims to develop Special Education teachers/Educators for children with disabilities for various settings (including Inclusive, Special, Open School and Home Based Education). The B.Ed. (Special Education) programme will prepare human resources to enable them to acquire knowledge and develop competencies and skills to impart education and training effectively to children with disability as well as all other children and this being teachers for all children. After completing the B.Ed.Spl.Ed. (LD) programme the students will:

- Acquire knowledge & skills about human development, contemporary Indian education, and pedagogy of various school subjects and assessment for learning.
- Acquire knowledge & skills about nature and educational needs of children with disabilities as well as of few select specific disabilities.
- Develop conceptual understanding of education provisions and skills for working with children with various disabilities in Special and inclusive settings.
- Enhance knowledge and skills for professional development.

Relevance of the programme with HEI's mission and goal: The main mission and goal of HEI are as follows:

- Prepare the next generation of teachers and leaders;
- Advance the use of information and technology for teaching and learning;
- Advance the science and practice of psychology to prepare counselors and educators who help people to live full and healthy lives;
- Develop tools and prepare educators to assist people with disabilities to reach their academic and social potential;
- Prepare administrators to effectively manage learning systems and environments;
- Shape public policy to improve education for all;
- Prepare the next generation of post-secondary educators, researchers, advisers, administrators, leaders and scholars;
- Advance the body of knowledge in all disciplines and professions within the college.

To achieve these mission and goals B.Ed.Spl.Ed. (LD) programme is very relevant for our society.

Nature of prospective target group of learners: The annual turnover of professional manpower trained through the regular institutions is unable to meet the demand of trained manpower in the area of special education and rehabilitation. According to the requirement of the students, the SILM is provided to them. University develops curriculum based audio-video resources.

Signature

Signature

Signature
मुख्य शिक्षक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विभागाध्यक्ष)

Appropriateness of programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence:

The B.Ed.Spl.Ed. (VI) programme aims to prepare teachers who are able to continuously assess and improve their professional practice as teachers by critically reflecting on it, who can understand that teaching is embedded in the social context of the learners and who can engage with content and subject matter that they will be teaching. The students-teachers will also be familiarized with how children learn so that they can develop and use teaching strategies that are responsive to the learning needs of all the learners in diverse and plural settings of secondary and senior secondary classrooms.

Instructional design: B.Ed. (LD) of Uttarakhand Open University (Specialized Education) Program is a total of 80 credits. The duration of the programme shall be of 05 semesters (2 ½ years). However, students shall be permitted to complete the programme within a maximum period of five years. :

Semester I

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A1	Human Growth and Development	4	60/40
A2	Contemporary India and Education	4	60/40
B7	Introduction to Sensory Disabilities	2	30/20
B8	Introduction to Neuro Developmental Disabilities	2	30/20
B9	Introduction to Locomotor and Multiple Disabilities	2	30/20
E1	Cross Disability and	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester II

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A3	Learning Teaching and Assessment	4	60/40

Siddhant

all

21/09/21
कुल संयोजक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूड़की (उ.प्र.)

B6	Inclusive Education	2	30/20
A4 (I,II,III)	Pedagogy of Teaching (Science, Mathematics, Social Studies)	4	60/40
C12	Assessment and Identification of Needs	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester III

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A5	Pedagogy of Teaching	4	60/40
C13	Curriculum Design Adaptation and Evaluation	4	60/40
C14	Intervention and Teaching Strategies	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	4	100 Project/Training
Marks Theory/ Assignment		16	400

Siddhant

pol

adset
7/10/2024
[Signature]

Semester IV

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B10	Skill Based Optional Course	2	30/20
C15	Technology and Disability	4	60/40
C16	Psycho Social and family Issues	2	30/20
F1	Main disability special school Related area C	4	100Project/ Training
D17	Reading and Reflecting on texts	2	30/20
D18	Drama and Art in Education	2	30/20
Marks Theory/ Assignment		16	400

Semester V

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B11	Skill Based Optional Course (Disability specialization)	2	30/20
D19	Basic Research & Basic Statistics	2	30/20
F1	Field Engagement/Internship- Main disability special school (Related to areaC)	4	60/40
F2	Field Engagement/Internship- Other disability special school (Related to area B)	4	60/40
F3	Field Engagement/Internship-	4	60/40

S. L. M. H.

60/40

S. L. M. H.
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनीतगढ़)

	Inclusive Education (Related to area B & C)		
Marks Theory/ Assignment		16	400

Procedure for admission curriculum transaction and evaluation: B.A. / B.Sc. / B.Com or an equivalent degree at graduate level depending on the requirements for the particular course with Minimum 50% in the qualifying degree examination. Admission shall be made through entrance test merit list.

In B.Ed. special education (LD) program three parties are involved in the evaluation for various question papers:

1. Self-evaluation practice (no surcharge in the examination)
2. Assignment work (40% surcharge in the assignment work examination)
3. Seasonal Examination (60% surcharge in the examination)

Consultation and interaction of each paper / papers, at least 80% in the teaching counseling program and allowing at least 90% presence in training / workshop / teaching practice / internship and submission of the examinations, only allowed the learner to join the session exam Will go.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

There are well-equipped library with adequate number of prescribed textbooks and reference books in Special Education,

Cost Estimate:

The estimated amount would be 18 lacs for the development of B.Ed.Spl.Ed.(LD) programme .

Quality assurance mechanism and expected programme out come :

This programme is of 80 credits. Department of special education review the course time to time and again by organizing the expert committee and Board of Studies meeting. Department of special education also follows the norms and standards established for subject by the UGC and RCI.

[Signature]

Siddharth

[Signature]

[Signature]
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

Programme Project Report (PPR) B.Ed.Spl.Ed.(MR)

Programme's mission and objectives:

The B.Ed.Spl.Ed.(MR) programme aims to develop Special Education teachers/Educators for children with disabilities for various settings (including Inclusive, Special, Open School and Home Based Education). The B.Ed. (Special Education) programme will prepare human resources to enable them to acquire knowledge and develop competencies and skills to impart education and training effectively to children with disability as well as all other children and this being teachers for all children. After completing the B.Ed. (MR) programme the students will:

- Acquire knowledge & skills about human development, contemporary Indian education, and pedagogy of various school subjects and assessment for learning.
- Acquire knowledge & skills about nature and educational needs of children with disabilities as well as of few select specific disabilities.
- Develop conceptual understanding of education provisions and skills for working with children with various disabilities in Special and inclusive settings.
- Enhance knowledge and skills for professional development.

Relevance of the programme with HEI's mission and goal: The main mission and goal of HEI are as follows:

- Prepare the next generation of teachers and leaders;
- Advance the use of information and technology for teaching and learning;
- Advance the science and practice of psychology to prepare counselors and educators who help people to live full and healthy lives;
- Develop tools and prepare educators to assist people with disabilities to reach their academic and social potential;
- Prepare administrators to effectively manage learning systems and environments;
- Shape public policy to improve education for all;
- Prepare the next generation of post-secondary educators, researchers, advisers, administrators, leaders and scholars;
- Advance the body of knowledge in all disciplines and professions within the college.

To achieve these mission and goals B.Ed.Spl.Ed. (MR & Inclusive Education) programme is very relevant for our society.

Nature of prospective target group of learners: The annual turnover of professional manpower trained through the regular institutions is unable to meet the demand of trained manpower in the area of special education and rehabilitation. According to the requirement of the students, the SILM is provided to them. University develops curriculum based audio-video resources.

02/02
Siddharth

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विश्वविद्यालय)

Appropriateeness of programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence:

The B.Ed.Spl.Ed. (MR) programme aims to prepare teachers who are able to continuously assess and improve their professional practice as teachers by critically reflecting on it, who can understand that teaching is embedded in the social context of the learners and who can engage with content and subject matter that they will be teaching. The students-teachers will also be familiarized with how children learn so that they can develop and use teaching strategies that are responsive to the learning needs of all the learners in diverse and plural settings of secondary and senior secondary classrooms.

Instructional design: B.Ed. of Uttarakhand Open University (Specialized Education) Program is a total of 80 credits. The duration of the programme shall be of 05 semesters (2 ½ years). However, students shall be permitted to complete the programme within a maximum period of five years. :

Semester I

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A1	Human Growth and Development	4	60/40
A2	Contemporary India and Education	4	60/40
B7	Introduction to Sensory Disabilities	2	30/20
B8	Introduction to Neuro Developmental Disabilities	2	30/20
B9	Introduction to Locomotor and Multiple Disabilities	2	30/20
E1	Cross Disability and	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester II

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A3	Learning Teaching and Assessment	4	60/40
B6	Inclusive Education	2	30/20

Copy Siddhant

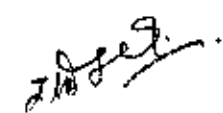
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (वि.वि.प.)

A4 (I,II,III)	Pedagogy of Teaching (Science, Mathematics, Social Studies)	4	60/40
C12	Assessment and Identification of Needs	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester III

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A5	Pedagogy of Teaching	4	60/40
C13	Curriculum Design Adaptation and Evaluation	4	60/40
C14	Intervention and Teaching Strategies	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	4	100 Project/Training
Marks Theory/ Assignment		16	400


 Siddhant


 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार (उ.प्र.)

Semester IV

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B10	Skill Based Optional Course	2	30/20
C15	Technology and Disability	4	60/40
C16	Psycho Social and family Issues	2	30/20
F1	Main disability special school Related area C	4	100Project/ Training
D17	Reading and Reflecting on texts	2	30/20
D18	Drama and Art in Education	2	30/20
Marks Theory/ Assignment		16	400

Semester V

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B11	Skill Based Optional Course (Disability specialization)	2	30/20
D19	Basic Research & Basic Statistics	2	30/20
F1	Field Engagement/Internship- Main disability special school (Related to areaC)	4	60/40
F2	Field Engagement/Internship- Other disability special school (Related to area B)	4	60/40
F3	Field Engagement/Internship-	4	60/40

Signature

Signature
[Stamp]

	Inclusive Education (Related to area B & C)		
Marks Theory/ Assignment		16	400

Procedure for admission curriculum transaction and evaluation: B.A. / B.Sc. / B.Com or an equivalent degree at graduate level depending on the requirements for the particular course with Minimum 50% in the qualifying degree examination. Admission shall be made through entrance test merit list.

In B.Ed. (special education) program three parties are involved in the evaluation for various question papers:

1. Self-evaluation practice (no surcharge in the examination)
2. Assignment work (40% surcharge in the assignment work examination)
3. Seasonal Examination (60% surcharge in the examination)

Consultation and interaction of each paper / papers, at least 80% in the teaching counseling program and allowing at least 90% presence in training / workshop / teaching practice / internship and submission of the examinations, only allowed the learner to join the session exam Will go.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

There are well-equipped library with adequate number of prescribed textbooks and reference books in Special Education,

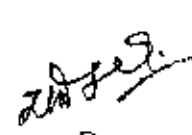
Cost Estimate:

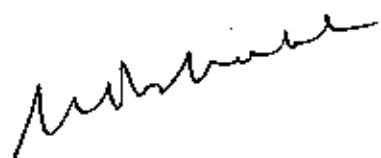
The estimated amount would be 18 lacs for the development of B.Ed.Spl.Ed.(MR) programme .

Quality assurance mechanism and expected programme outcome :

This programme is of 80 credits. Department of special education review the course time to time and again by organizing the expert committee and Board of Studies meeting. Department of special education also follows the norms and standards established for subject by the UGC and RCI.

B/ed . Siddhant


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विनीतान)



Programme Project Report (PPR) B.Ed.Spl.Ed.(VI)

Programme's mission and objectives:

The B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme aims to develop Special Education teachers/Educators for children with disabilities for various settings (including Inclusive, Special, Open School and Home Based Education). The B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme will prepare human resources to enable them to acquire knowledge and develop competencies and skills to impart education and training effectively to children with disability as well as all other children and this being teachers for all children. After completing the B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme the students will:

- Acquire knowledge & skills about human development, contemporary Indian education, and pedagogy of various school subjects and assessment for learning.
- Acquire knowledge & skills about nature and educational needs of children with disabilities as well as of few select specific disabilities.
- Develop conceptual understanding of education provisions and skills for working with children with various disabilities in Special and inclusive settings.
- Enhance knowledge and skills for professional development.

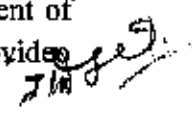
Relevance of the programme with HEI's mission and goal: The main mission and goal of HEI are as follows:

- Prepare the next generation of teachers and leaders;
- Advance the use of information and technology for teaching and learning;
- Advance the science and practice of psychology to prepare counselors and educators who help people to live full and healthy lives;
- Develop tools and prepare educators to assist people with disabilities to reach their academic and social potential;
- Prepare administrators to effectively manage learning systems and environments;
- Shape public policy to improve education for all;
- Prepare the next generation of post-secondary educators, researchers, advisers, administrators, leaders and scholars;
- Advance the body of knowledge in all disciplines and professions within the college.

To achieve these mission and goals B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme is very relevant for our society.

Nature of prospective target group of learners: The annual turnover of professional manpower trained through the regular institutions is unable to meet the demand of trained manpower in the area of special education and rehabilitation. According to the requirement of the students, the SILM is provided to them. University develops curriculum based audio-video resources.

 Siddhant


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (देवीराय)

Appropriateness of programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence:

The B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme aims to prepare teachers who are able to continuously assess and improve their professional practice as teachers by critically reflecting on it, who can understand that teaching is embedded in the social context of the learners and who can engage with content and subject matter that they will be teaching. The students-teachers will also be familiarized with how children learn so that they can develop and use teaching strategies that are responsive to the learning needs of all the learners in diverse and plural settings of secondary and senior secondary classrooms.

Instructional design: B.Ed. of Uttarakhand Open University (Specialized Education) Program is a total of 80 credits. The duration of the programme shall be of 05 semesters (2 ½ years). However, students shall be permitted to complete the programme within a maximum period of five years. :

Semester I

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A1	Human Growth and Development	4	60/40
A2	Contemporary India and Education	4	60/40
B7	Introduction to Sensory Disabilities	2	30/20
B8	Introduction to Neuro Developmental Disabilities	2	30/20
B9	Introduction to Locomotor and Multiple Disabilities	2	30/20
E1	Cross Disability and	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester II

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A3	Learning Teaching and Assessment	4	60/40
B6	Inclusive Education	2	30/20

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature
 कुल रक्षित
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरिद्वार (उ.प्र.)

A4 (I,II,III)	Pedagogy of Teaching (Science, Mathematics, Social Studies)	4	60/40
C12	Assessment and Identification of Needs	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	2	50 Project/Training
Total Credits/Marks		16	400

Semester III

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
A5	Pedagogy of Teaching	4	60/40
C13	Curriculum Design Adaptation and Evaluation	4	60/40
C14	Intervention and Teaching Strategies	4	60/40
E2	Disability Specialization (Part of area C)	4	100 Project/Training
Marks Theory/ Assignment		16	400

Siddhant

pal

20/09/21
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विश्वविद्यालय)

Semester IV

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B10	Skill Based Optional Course	2	30/20
C15	Technology and Disability	4	60/40
C16	Psycho Social and family Issues	2	30/20
F1	Main disability special school Related area C	4	100Project/ Training
D17	Reading and Reflecting on texts	2	30/20
D18	Drama and Art in Education	2	30/20
Marks Theory/ Assignment		16	400

Semester V

Course code Paper Code	Paper Title	Credit	Marks Theory/ Assignment
B11	Skill Based Optional Course (Disability specialization)	2	30/20
D19	Basic Research & Basic Statistics	2	30/20
F1	Field Engagement/Internship- Main disability special school (Related to areaC)	4	60/40
F2	Field Engagement/Internship- Other disability special school (Related to area B)	4	60/40
F3	Field Engagement/Internship-	4	60/40

Signature
Siddhant

Signature

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (भारत)

	Inclusive Education (Related to area B & C)		
Marks Theory/ Assignment		16	400

Procedure for admission curriculum transaction and evaluation: B.A. / B.Sc. / B.Com or an equivalent degree at graduate level depending on the requirements for the particular course with Minimum 50% in the qualifying degree examination. Admission shall be made through entrance test merit list.

In B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme three parties are involved in the evaluation for various question papers:

1. Self-evaluation practice (no surcharge in the examination)
2. Assignment work (40% surcharge in the assignment work examination)
3. Seasonal Examination (60% surcharge in the examination)

Consultation and interaction of each paper / papers, at least 80% in the teaching counseling program and allowing at least 90% presence in training / workshop / teaching practice / internship and submission of the examinations, only allowed the learner to join the session exam Will go.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

There are well-equipped library with adequate number of prescribed textbooks and reference books in Special Education,

Cost Estimate:

The estimated amount would be 6 lacs for the development of B.Ed.Spl.Ed.(VI) programme .

Quality assurance mechanism and expected programme outcome :

This programme is of 80 credits. Department of special education review the course time to time and again by organizing the expert committee and Board of Studies meeting. Department of special education also follows the norms and standards established for subject by the UGC and RCI.

[Signature]

Siddharth

[Signature]

20/09/20

कुल खनिज
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विशाला)

Title of Programme: Bachelor of Hotel Management

I. Programme's Mission & Objectives: This programme aims;

- To equip learners with an in-depth understanding of the required theoretical, conceptual, intra-personal and inter-personal skills necessary for a career in hotel, restaurant and hospitality.
- To inculcate a sense of social purpose and ethics that will permeate their decision making.
- To encourage and help in development of entrepreneurial and leadership capabilities.
- To nurture standards of professional excellence based on integrity, honesty, and fairness.

II. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals: The programme has been sculpted to address the changes that are taking place in corporate world and society at large. The programme intends to meet the growing demand of entrepreneurs, business leaders and effective managers who can face the challenges resulting from cut-throat competition. The programme shall contribute in disseminating hospitality knowledge and management skills through distance learning with introduction of flexible and innovative methods of education to ensure 'independent learning'. The programme intends to enhance professional and managerial competence of the aspirants, refine their managerial skills, and capabilities so that they can secure self-employment, and other employment opportunities with the motto of appropriate service to the state, nation and entire humanity.

Nature of prospective target group of learners: The programme shall also be useful for the professionals who want to advance and improve in their current job profile. Further, the programme is also for young aspirants who wish to enhance their professional skills with a sound management qualification.

Accordingly, the target learners of the programme are;

- Any learner passed 10+2/Intermediate
- Government Employees working in hospitality sector
- Early- and mid-career professionals working in hotel, restaurant, cruise liners, and various catering establishments without any formal education in Hotel Management

III. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: The programme has been designed to ensure norms and standards for hotel management education. The programme provides conceptual understanding of hotel administration, managerial skills, research skills, Information Technology, industrial and global trends, thus, equipping learners with tools and techniques to lead and manage in today's ever-changing hospitality environment. Adequate attention is also paid to the application of knowledge, self awareness among students and development of problem solving, and decision making skills.

The learning upshots of this qualification are described in four areas:

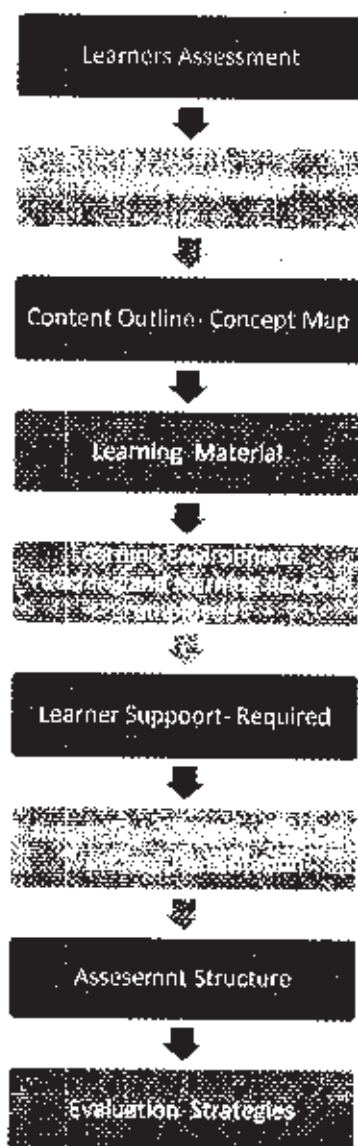
- Knowledge and understanding
- Cognitive skills
- Practical and professional skills
- Key skills

IV. Instructional Design : Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable chunks to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage.

20/02/2020
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून, उत्तराखण्ड

20/02/2020

The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:



The following quality criteria are considered while formulating instructional design for ensuring the success of adult education:

- Quality design, development, and production of instructional materials
- Application and use of delivery technologies
- Presentation of learning materials
- Effective Learner Support Services
- Convergence of Technologies
- Design, develop and validation of the concepts through project work

V. Procedure for Admissions, Curriculum Transaction and Evaluation:

Admission: Any candidate having passed the Intermediate (10+2) examination in any discipline, from a recognized Examination Board, shall be eligible to apply for the course. The other terms and conditions shall be applicable as per University norms.

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam Annual/Sem)	Year/ Sem	Fee Break-up								
	Min	Max				Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
10+2/Intermediate any stream	4	8	English	SEMESTER	I	8000	-	600	1500	-	50	100	-	10250
					II	8000	-	600	1500	-	-	-	-	10100
					III	8000	-	-	2000	-	-	-	-	10000
					IV	8000	-	600	1500	-	-	-	-	10100
					V	8000	-	600	500	-	-	-	-	9100
					VI	8000	1500	450	500	-	-	-	-	10450
					VI I	8000	-	600	500	-	-	-	-	9100
					VI II	8000	-	-	2000	-	-	-	300	10300
					Grand Total									

Curriculum Transaction: The BHM programme consists of Discipline Specific Core Course, Discipline Specific Elective, Ability Enhancement Compulsory Courses and Skill Enhancement Elective Courses. The entire programme will be of 160 credits. They are as under:

1. Discipline Specific Core Course (Six Credit Each)

- DSC-101: Food Production Foundation -I
- DSC-102: Food & Beverage Service Foundation -I
- DSC-103: Accommodation & Front Office Foundation -I
- DSC-201: Food Production Foundation -II
- DSC-202: Food & Beverage Service Foundation -II
- DSC-203: Accommodation & Front Office Foundation -II
- DSC-301: Food Production Operations - Industry Exposure -I
- DSC-302: Food & Beverage Service Operations - Industry Exposure -I
- DSC-303: Accommodation & Front Office Operations - Industry Exposure -I
- DSC-401: Introduction to Indian Cookery
- DSC-402: Food & Beverage Service Operations-II
- DSC-403: Accommodation & Front Office Operations -II

2. Discipline Specific Elective (Six Credit Each)

- DSE-502 A: Regional Cuisines of India -I
- DSE-602 B: Regional Cuisines of India -II
- DSE-502 C: Food & Beverage Service Management -I
- DSE-602 D: Food & Beverage Service Management -II
- DSE-502 E: Accommodation Management -I
- DSE-602 F: Accommodation Management -II
- DSE-503: Researching for Hospitality & Tourism Management
- DSE-603: Project Work
- DSE-504: Hospitality Laws
- DSE-604: Hospitality Marketing
- DSE-702: Human Resource Management

Handwritten signature and stamp:
 [Signature]
 [Stamp: Director, BHM, Mumbai]
 [Signature]

- l. DSE-802: Human Resource Practices (Industry Exposure)
- m. DSE-703: Safety, Security and Travel Documentation
- n. DSE-803: Safety, Security and Travel Documentation Facilitation Management Practices (Industry Exposure)

To be selected in 7th and 8th semester:

- a. DSE-704 A: Event Management
- b. DSE-804 A: Practices in Event Management (Industry Exposure)
- c. DSE-704 B: Food Service Management
- d. DSE-804 B: Practices in Food Service Management (Industry Exposure)
- e. DSE-704 C: Accommodation Management
- f. DSE-804 C: Practices in Accommodation Management (Industry Exposure)
- g. DSE-704 D: Bakery Management
- h. DSE-804 D: Practices in Bakery Management (Industry Exposure)
- i. DSE-704 E: Front Office Management
- j. DSE-804 E: Practices in Front Office Management (Industry Exposure)
- k. DSE-704 F: Foreign Cuisines (Italian/ Chinese/ Mexican/ Thai/Others)
- l. DSE-804 F: Practices in Foreign Cuisines (Industry Exposure)

In semester VII&VIII candidate may choose any one from the above list. Group size for DSE Options may be about 15-20 Students per group

3. Ability Enhancement Compulsory Courses (Two Credit Each)

- a. AECC-I – 104: Environmental Studies
- b. AECC-II – 204: English/MIL Communication

4. Skill Enhancement Elective Courses (Two Credit Each)

- a. SEC-I – 304: Personality Skills for Hospitality – Learning from Industry
- b. SEC-II – 404: Accounting Skills for Hospitality
- c. SEC-III – 501: Foreign Language Skills –I (French)
- d. SEC-IV – 601: Foreign Language Skills –II (French)
- e. SEC-V – 701 A: Skills enhancement for Media & Journalism in Hospitality
- f. SEC-V – 701 B: Application of Computers in Hospitality & Tourism
- g. SEC-V – 701 C: Web Applications in Hospitality & Tourism
- h. SEC-VI – 801 A: Writing Skills for Hospitality (Writing of Industrial Reports)
- i. SEC-VI – 801 B: Hospitality Operation Software Skills
- j. SEC-VI – 801 C: Trade Presentation Skills

BHM First Year

First Semester

- **Theory Papers:**
 - Food Production Foundation -I
 - Food & Beverage Service Foundation-I
 - Accommodation & Front Office Foundation –I
 - Environmental Studies
- **Practical Papers:**
 - Food Production Foundation –I
 - Food & Beverage Service Foundation –I
 - Accommodation & Front Office Foundation –I

Second Semester

20/09/2023
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार (उ.प्र.)

Sharma

- **Theory Papers:**
 - Food Production Foundation -II
 - Food & Beverage Service Foundation-II
 - Accommodation & Front Office Foundation -II
 - English/MIL Communication
- **Practical Papers:**
 - Food Production Foundation -II
 - Food & Beverage Service Foundation -II
 - Accommodation & Front Office Foundation -II

BHM Second Year

Third Semester

- **Industrial Training:**
 - Food Production Operations – Industry Exposure -I
 - Food & Beverage Service Operations -Industry Exposure -I
 - Accommodation and Front Office Operations- Industry Exposure -I
 - Personality Skills for Hospitality - Learning from Industry

Fourth Semester

- **Theory Papers:**
 - Introduction to Indian Cookery
 - Food & Beverage Service Operations -II
 - Accommodation & Front Office Operations -II
 - Accounting Skills for Hospitality
- **Practical Papers:**
 - Introduction to Indian Cookery
 - Food & Beverage Service Operations -II
 - Accommodation & Front Office Operations -II

BHM Third Year

Fifth Semester

- **Theory Papers:**
 - Foreign Language Skills -I (French)
 - Regional Cuisines of India -I/ Food & Beverage Service Management -I/ Accommodation Management-I
 - Researching for Hospitality & Tourism Management
 - Hospitality Laws
- **Practical Papers:**
 - Regional Cuisines of India -I/ Food & Beverage Service Management -I/ Accommodation Management-I

Sixth Semester

- **Theory Papers:**
 - Foreign Language Skills -II (French)
 - Regional Cuisines of India -II/ Food & Beverage Service Management -II/ Accommodation Management-II
 - Researching for Hospitality & Tourism Management
 - Hospitality Marketing
- **Practical Papers:**



- o Regional Cuisines of India -II/ Food & Beverage Service Management -II/ Accommodation Management-II
- o Project Work Management

BHM Fourth Year

Seventh Semester

- **Theory Papers:**

- o Skill enhancement for Media & Journalism in Hospitality/ Application of Computers in Hospitality & Tourism/ Web Applications in Hospitality & Tourism
- o Human Resource Management
- o Safety, Security and Travel Documentation
- o Event Management/ Food Service Management/ Accommodation Management/ Bakery Management/ Front office Management/ Foreign Cuisine

- **Practical Papers:**

- Event Management/ Food Service Management/ Accommodation Management/ Bakery Management/ Front office Management/ Foreign Cuisine

Eighth Semester

- **Industrial Training:**

- o Writing Skills for Hospitality (Writing of Industrial Reports)/ Hospitality Operation Software Skills/ Trade Presentation Skills
- o Human Resource Practices (Industry Exposure)
- o Safety, Security and Travel Documentation Facilitation Management Practices (Industry Exposure)
- o Event Management/ Food Service Management/ Accommodation Management/ Bakery Management/ Front office Management/ Foreign Cuisine

Evaluation: Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the Coordinator of the Study Centre to which the student is assigned or attached with. The components of evaluation for each course include the following:

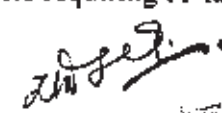
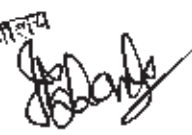
- a. Assignments 20 % weightage
- b. End-term examination 80 % weightage

The project work is assessed using the following components:

- Proposal
- Report
- Conduct of work
- Analysis
- The final report presentation also includes comprehensive *viva-voce*

VI. Requirement of the Laboratory Support and Library Resources: It is essential for every study center to have Training Kitchen, Training Restaurant, Front Office area and a Model Room to train learner in area of Food Production, Food and Beverage Service, and Accommodation Operations.

A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centre should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.


 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 ऋषिकेश (नगरपालिका)


VII. Cost Estimate of the Programme and the Provisions:

COST ESTIMATION		
PARTICULARS	DETAILS	AMOUNT (IN RS.)
Instructional services		
Development of in-house SLM	Payment to course writers	840000
	Payment to Editors	420000
	Total Cost	1260000

VIII. Quality Assurance Mechanism and Expected Programme Outcomes: The Department reviews its programme time to time through its expert committee, Board of Studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and practitioners who design, review and update the course curriculum and the study material accordingly.

adsej.
पुस्तक
उपस्थानक पुस्तक
आवक (पुस्तक)

Adarsh

SYLLABUS BACHELOR OF HOTEL MANAGEMENT

BHM First Year

FIRST SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-101T
 - BHM-102T
 - BHM-103T
 - BHM-104T
- Practical Papers:
 - BHM-101P
 - BHM-102P
 - BHM-103P
 - BHM-104P

SECOND SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-201T
 - BHM-202T
 - BHM-203T
 - BHM-204T
- Practical Papers:
 - BHM-201P
 - BHM-202P
 - BHM-203P
 - BHM-204P

THIRD SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-301T
 - BHM-302T
 - BHM-303T
 - BHM-304T
- Practical Papers:
 - BHM-301P
 - BHM-302P
 - BHM-303P
 - BHM-304P

FOURTH SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-401T
 - BHM-402T
 - BHM-403T
 - BHM-404T
- Practical Papers:
 - BHM-401P
 - BHM-402P
 - BHM-403P
 - BHM-404P

FIFTH SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-501T
 - BHM-502T
 - BHM-503T
 - BHM-504T
- Practical Papers:
 - BHM-501P
 - BHM-502P
 - BHM-503P
 - BHM-504P

SIXTH SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-601T
 - BHM-602T
 - BHM-603T
 - BHM-604T
- Practical Papers:
 - BHM-601P
 - BHM-602P
 - BHM-603P
 - BHM-604P

BHM Fourth Year

- Theory Papers:
 - BHM-701T
 - BHM-702T
 - BHM-703T
 - BHM-704T
- Practical Papers:
 - BHM-701P
 - BHM-702P
 - BHM-703P
 - BHM-704P

SEVENTH SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-801T
 - BHM-802T
 - BHM-803T
 - BHM-804T
- Practical Papers:
 - BHM-801P
 - BHM-802P
 - BHM-803P
 - BHM-804P

EIGHTH SEMESTER

- Theory Papers:
 - BHM-901T
 - BHM-902T
 - BHM-903T
 - BHM-904T
- Practical Papers:
 - BHM-901P
 - BHM-902P
 - BHM-903P
 - BHM-904P

Industrial Training

- Industrial Training:
 - BHM-901T
 - BHM-902T
 - BHM-903T
 - BHM-904T

BHM Third Year

- Theory Papers:
 - BHM-301T
 - BHM-302T
 - BHM-303T
 - BHM-304T
- Practical Papers:
 - BHM-301P
 - BHM-302P
 - BHM-303P
 - BHM-304P

BHM Second Year

- Theory Papers:
 - BHM-201T
 - BHM-202T
 - BHM-203T
 - BHM-204T
- Practical Papers:
 - BHM-201P
 - BHM-202P
 - BHM-203P
 - BHM-204P

BHM First Year

- Theory Papers:
 - BHM-101T
 - BHM-102T
 - BHM-103T
 - BHM-104T
- Practical Papers:
 - BHM-101P
 - BHM-102P
 - BHM-103P
 - BHM-104P

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

- o Dardineer
- o Dices
- o Cubes
- o Maceroline
- o Pappine
- o Shredding
- o Mire-pois
- Blanching of Tomatoes and Capsicum.
- Cooking vegetables:
 - o Boiling (potatoes, peas)
 - o Frying (Aubergine, Noodles)
 - o Steaming (Cabbage)
 - o Braising (Potatoes)
 - o Braising (Onions, cabbage)
- Simple Vegetable and Meat Cookery
- Identification of types of rice varieties & pulses.
- Simple preparation of Boiled rice (Draining & Absorption) method
- Fried rice.
- Simple dal preparation
- When produce like making chapatis, parathas, phulkas, Kullabs & puris,
- Simple Breakfast Preparations.
- Preparation of Puri, Bhaji, Aloo Paratha, Chola Bhatura,
- Preparation of Continental Breakfast

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Suggested Readings:

- Accompaniments & Garnishes from waiter: Communicate: Fuller J. Barrie & Jenkins
- Food Production Operations: Parvinder S. Hah, Oxford University Press
- A Baker's Book: M. J. Leno & W. K. H. Bude: Publisher: Butterworth-Heinemann
- Modern Cookery (Vol- I) By Philip E. Toargan, Publisher: Oxford Longman

Semester - II BHM-2027: Food & Beverage Service Foundation-4I

Course Contents:

- Unit - 1 Non-Alcoholic Beverages & Mocktails: Introduction, Types (Iced, Coffee, Juices, Aerated Beverages, Shakes) Descriptions with detailed inputs, their origin, varieties, popular brands, presentation and service tools and techniques, Mocktails - Introduction, Types, Brief Descriptions, Preparation and Service Techniques
- Unit - 2 Coffee Shop & Breakfast Services: Introduction, Coffee Shop, Layout, Structure, Specialist: Concepts, Types & classifications, Breakfast services in Hotels, Preparation for Breakfast Services, Mise-en-place and table-scene arrangement and setting up of tables/trays.
- Functions performed while on Breakfast service: Method and procedure of taking a guest order, encouraging trends in Breakfast Services and related features
- Unit - 3 Food and Beverage Services in Restaurants: - Introduction, Concept of Restaurant, Types of Restaurants, their salient features, Set up of Restaurants and their Layouts, Restaurant Teams Organizational Structure, Modern Staffing in various hotels, Method and procedure of receiving guests, taking guest orders, Service equipment used and its maintenance, Continuation with housekeeping for on linen exchange, Physical inventory monthly of crockery, cutlery, linen etc. Equipment, furniture and fixtures used in the restaurant and their use and maintenance, Theme and Specialty Restaurants, Celebrating Restaurants
- Unit - 4 Room Service in Room Dining: Introduction, Concept of Room Service, In Room Dining, Their Salient features, Understanding Guest experiences in Room Service, Room Service Equipments, Set up of Trays & Trolleys, Upkeep and Storage, Service Tools, Cleanups, Presentation of Bills, Room Service Bins & Doors, Mini Bar Management in Guest Rooms, Guest Interaction - Have and Have not's.

BHM-2027: Food & Beverage Service Foundation-II

- Understanding Non-Alcoholic Beverages, Types & Service Techniques
- Guest Interactions while on Food Service - Do's & Don'ts
- Understanding Mocktails, Their Presentation and Services | At least two types of Mocktails
- Breakfast Services: Types, Breakfast Layouts, Menu Know ledge, Table Services, Distance & Acknowledging guests.
- Familiarization with Food Service in Restaurants (Receiving Guests, Table Layouts, Complimenting them, Presentation of Bills, Dealing with in house/residential guests)
- Restaurant Services: Their salient features, Table Layouts, Presenting Menus, perceptions while dealing with guests, Commitments with guests, Food Pickup Procedures, Cleanups and Dishwashing Procedures
- Room Service Practical, Taking of Orders, Delivery of Food Services, Identifying Room Service Equipment
- Importance of Menu Knowledge for Order-taking (RSOT functions/procedures), Food Pickup Procedure, Room service

Layout Knowledge, Laying of trays for various orders, Patter Elevator Operations, Cleaners Procedure in Dishwashing area, Room services, Inventions and store requisition

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner

Suggested Reading:

- Food & Beverage Service: Deema R. Lilligee & John A. Cousins, Publisher: ELBS
- Professional Food & Beverage Service Management - Brian Vargese
- The Restaurant (From Concept to Operation)

Semester - II BHM-2027: Accommodation & Front Office Foundation-4I

Course Contents:

- Unit - 1 Cleaning Science: Cleaning Agents, Characteristics of a good cleaning agent, pH scale, Types of cleaning agent, cleaning products (Domestic and Industrial), Cleaning Equipment: Types of Equipment, Operating Principles, Characteristics of Good equipment (Mechanical/Manual), Storage, Upkeep, and Maintenance of equipment, Care and Cleaning of Different Surfaces: Metal, Glass, Leather, Resin, Ceramic, Wood, Wall and floor covering, Stain Removal.
- Unit - 2 Housekeeping Procedures: Cleaning Schedules, Cleaning Methods, Briefing, Debriefing, Processing for Days work, Keys & Their Classification, Inventory of Housekeeping items, Indexing from Stores, Housekeeping control desk: Importance, Role, Communication, check list, key control, Handling Lost and Found, Furnishings and registers used in the Control Desk, Paging systems and methods, Handling of Guest Requests, General operations of control desk.
- Unit - 3 Basic Front Office Operations: Front desk operations & functions, Equipment used at front office, Room Rack, Mail Message, and Key Rack, Reservation Racks, Information Rack, Infolo Trays, Accurate Posting Machine, Voucher Rack, Cash Register Support Devices, Telecommunication Equipments, rooms and plans, Basis of Room charging, Tariff fixation, Introduction to the guest cycle, Reservation: Concept, importance, types, channels and systems, Procedure of taking reservation, Overbooking, amendments and cancellations, Group Reservation: Sources, issues in handling groups, Procedure for guest check in, and baggage handling.
- Unit - 4 The Guest Room: Servicing: Cleaning of Guest Room & Bathrooms: Daily cleaning of Occupied Departure Vacant Under Maintenance/VIP rooms (Systematic Procedures), Special Cleaning: Weekly Cleaning (Spring Cleaning, Evening service: Turn Down Service, System & procedures involved, Furnish and Furnish, Replenishment of Guest supplies and amenities, Use of Mops Cart & Caddy.

BHM-2027: Accommodation & Front Office Foundation-4I

- Identification and familiarisation with cleaning equipments and agents.
 - Cleaning of different surfaces e.g. windows, blinshops, picture frames under bells, on carpet, metal surfaces, tiles, marble and granite tops
 - Develop an understanding about basic housekeeping procedures like Briefing, De Briefing, dealing with Lost & Found, Key Control, Rooms & Registers at Control desk of Housekeeping Identification and familiarisation with front desk equipments and Performs: Skill in handle front desk operations (e.g. guest reservations, guest arrival (PIT) and guests including baggage handling skills to handle to telephones at the reception-receive & record messages
 - Skills to handle guest departure (fits and groups)
 - Presentation and study of countries: capitals, currencies, airlines and flag chart
 - Role play:
 - o At the porch, Guest during in Roomman opening the door and saluting guest: Calling bell boy
 - o At the Front Desk: Guest arriving: greeting & offering welcome drink and guest interactions.
 - o Servicing of guestrooms, placing, replacing guest supplies and amenity items
- Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner
- Suggested Readings:
- Hotel Housekeeping - John C. Branson & Margaret Lamm (ELBS).
 - Hotel Front Office Operations and Management: Anshakar R. Tewari, Oxford University Press.
 - Hotel Housekeeping Operations & Management: Kaphubalan, Oxford University Press.

SEMESTER - III

INDUSTRIAL EXPOSURE (SEMESTER - III)

Duration of Exposure: 20-22 weeks

Leave Certificate: 1 weekly off and festivals and national holidays given by the hotel. 10 days medical leave supported by a medical certificate. Leave taken must be made up by doing double shifts or working on weekly off. Attendance in the training would be calculated on the basis of Certificate issued by Training Manager/ HR Manager. Concerned Officer of the unit trained in Industrial Exposure will require an input of 100-120 working days (20 weeks x 16 days = 120 days). Students who are unable to complete a minimum of 60 days of industrial training would be disallowed from appearing in the term and examinations. Students who complete more than 60 days of industrial exposure but are unable to complete minimum 90 days due to medical reasons may make good during the vacations. Such students will be treated as 'absent' in industrial training and results. The training in III semester necessarily needs to be in an approved hotel equivalent to three star of above/ Heritage or other such good property. Prior written approval needs to be taken from the programme coordinator/ Convenor/ H.O.D for Industrial exposure from parent institute.

III Semester Training Schedule:

Housekeeping: 4-6 weeks; Front Office: 4-6 weeks; Food and Beverage Service: 4-6 weeks; Food Production: 4-6 weeks; others (In the areas of Interest) Floating weeks may be availed Total weeks: 20-22 weeks. The units imparting industrial exposure shall conduct formal induction sessions and emphasis on personality skills while acquiring the learning with skills at track 20 may

Handwritten signature

Please be noted that for this assignment the number of credits assigned is 20. Being practical oriented the number of hours required per week comes as 40 hours per week.

Academic Credits for training shall be based on following

Log books and attendance. Appraisal, Report and presentation, as applicable. All trainees must ensure that the log books and appraisals are signed by the departmental/ sectional heads as soon as training in a particular department or section is completed. Trainees are also advised to make a report in all four departments in III semester on completion of training in that respective department. A PowerPoint presentation (based on the report) should be made. It should be made for duration of 10 minutes. Marks will be awarded on this jointly by a panel of one internal and one external examiner. The presentation should express the student's experiences in the department and what has he learned/observed. (Refer to HBAR in Question Sheet for more details)

The Training Report will be submitted in the form specified as under:

- The typing should be done on both sides of the paper (instead of single side printing)
- The final report should be 12 with Times New Roman font.
- The Training Report may be typed in 1.5 line spacing.
- The paper should be A4 size.

Two copies must be submitted for the purpose of evaluation, may be handed in paper, and submitted in the approved authority.

Students have to submit the following on completion of industrial training in the final semester of the institute.

- Logbook.
- Appraisal.
- A copy of the training certificate.
- 12 Report in all four Departments.
- Power Point presentation on a CD, based on the training report.
- Attendance sheet.
- Leave card.

For distribution of marks refer to details on Course structure/ Credit Distribution During the tenure of Industrial Exposure, apart from carrying out the assigned jobs, The learners are suggested to make the following observations in the departments of interest:

Semester - III

BHM -302P: Food Production Operations - Industry Exposure-I

Practical: 6 Credits

WHAT TO OBSERVE

Food Production

- Area & layout of the Kitchen
- Study of Standard Recipes
- Inventory, Receiving & Storing
- Preparation of various marinades and seasonings
- All cases of meat and poultry items (Mutton, poultry, beef, fish etc.)
- Daily procedure of handover from shift to shift
- Recipes and methods of preparation of all soups
- Quantities of preparation, weekly preparation and time scheduling
- Stock preparation and cooking time involved
- Costing of all gravies
- Temperature and proper usage of all equipment
- Time preparations for all room service and a la cart orders
- Cleaning and proper upkeep of hot range
- Cleanliness and proper upkeep of the kitchen area and all equipment
- Yield of fresh juice from sweet lime : oranges
- Storage of different mise-en-place (Raw, Semi-Processed)
- Bulk preparations
- Finishing of buffet dishes
- Recipes of at least 10 last minute dishes
- Mise-en-place for: A la Carte Kitchen & Banquet Kitchen
- Reheating/ Leftover Cooking

Semester - III

BHM -302P: Food and Beverage Service Operations - Industry Exposure -I

Practical: 6 Credits

Food & Beverage Service

BANQUETS

- What is banquetting - the need to have banquet facilities, scope, purpose, menus and price structures
- Types of banquet layout
- Types of banquet equipment, furniture and fixtures
- Types of menus and promotional material maintained
- Types of functions and services
- To study staffing i.e. number of service personnel required for various functions.
- Safety practices built into departmental working
- Cost control by reducing wastage, spillage and pilferage

- To study different promotional ideas carried out to maximize business
- Types of chafing dish used- their different makes sizes
- For stock maintenance (glassware, cutlery, crockery etc)
- Store room - stacking and functioning

RESTAURANTS

- Taking orders, placing orders, service and clearing
- Taking handover from the previous shift
- Caring covers, preparation of mise-en-place and arrangement and setting up of stations
- Per stocks maintained at each table station
- Functions performed while holding a station
- Method and procedure of taking a guest order
- Service of wines, champagne and especially food items
- Service equipment used and its maintenance
- Coordination with housekeeping for soil linen exchange
- Physical inventory monthly of crockery, cutlery, linen etc.
- Equipment, furniture and fixtures used in the restaurant and their use and maintenance
- Method of holding napkins
- Not proprietary sauces, cutlery, crockery and the timely pickup

BAR

- Bar setup, Mise-en-place preparation, Storage facilities inside the bar. Decorative arrangement to liquor bottles
- Types of glasses used in bar service and types of drinks served in each glass
- Liability with F & B controls for daily inventory
- Spillage and breakage procedures
- Handling of empty bottles
- Requisitioning procedures
- Recipes of different cocktails and mixed drinks
- Provision of different types of garnish with different drinks
- Pro, dry, days and handling of customers during the same
- Handling of complimentary drinks
- Bar cleaning and clearing
- Guest relations and managing of drunken guests
- Inter bar transfer and service accessories maintained, and preparation of the same before the bar opens
- Types of gravies and service accessories maintained, and preparation of the same before the bar opens
- To know the different brands of imported and local alcoholic and non-alcoholic beverages
- Bar saltness
- Bar saltness
- KOTHOFF control
- Coordination with kitchen for warm racks
- Using draught beer machine
- Non-alcoholic drink made by the bar tender

ROOM SERVICE/ROOM DINING

- Maintaining Room Service Equipment
- Importance of Menu Knowledge for Order-taking (RSOT functions/procedures)
- Room Pickup Procedure
- Room Service Layout Knowledge
- Laying of trays for various rooms
- Room Elevator Operations
- Clearance Procedures in Dishwashing area
- Room service inventories and store requisitions
- Floor Plan of the guest floors
- Serving Food and Beverages in rooms
- Operating dispensing Bar

Semester - III

BHM -302P: Accommodation and Front Office Operations-Industry Exposure-I

Practical: 6 Credits

WHAT TO OBSERVE

ACCOMMODATION OPERATIONS

ROOMS

- Number of rooms cleaned in a shift
- Time taken in making bed
- Thoroughly observe the cleaning equipments and accessories / any other cleaning supplies used
- Observe all guest supplies kept in guestroom bathroom. Understand the procedure for procurement and replenishment of guest supplies.
- Study the systematic approach to cleaning a room and bathroom and the various checks made of all guest facilities e.g. telephone, channel music, A/C, T.V etc
- Study the Housekeeping cart and all items stocked in it. Note your ideas on its usefulness and efficiency
- Observe how workday linen work are kept speedily clean and polished
- Observe procedure for handling soiled linen & Procurement of fresh linen

Handwritten signature and date: 20/07/2021

Function Administration & Organisation-Budgeting Procedure, Menu, Function contracts, Seating Arrangements, Other Catering Operations: Off- Premises Catering, Hospital Catering, Institutional Catering, Airline & Railway catering, Home Delivery, Take-away, Afternoon & High Tea: Introduction, Menu, Cakes & Service

Unit - 3 F & B Control: Overview: Introduction, Objectives of F & B Control, Problems in F & B Control, Methodology of F & B Control, Personnel Management in F & B Control, Cost & Sales Concepts: Definition of Cost, Elements of Cost, Classification of Cost, Sale defined, Ways of expressing sales concepts, Cost Volume Profit Relationships (Break-even analysis).

Unit - 4 Budgetary Control: Introduction, Objectives, Kinds of Budget, Budgetary Control Process, Stages in the preparation of Budgets, Budgeting for F & B Operations: Food & Beverage Control: Budgeting Control, Receiving Control, Storing and Issuing Control, Menu Management: Introduction, Types of Menu Planning: Considerations & Constraints, Menu Costing and Pricing, Menu Merchandising, Menu Engineering, Menu Falsification, Menu as a In-Store Marketing Tool.

BHM -402P: Food & Beverage Service Operations-III:

- Restaurant Set ups of different types & services
- Service of Afternoon & High tea
- Buffet Lay-out, theme Buffets set up
- Theme Parties
- Role Play & Situation handling in Restaurant
- Discussion Service

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Books Recommended

- Financial & Cost control techniques in hotel & Catering Industry - Dr J.M S. Negi
- Food & Beverage Control by: Richard Kops and Bernard Davy
- Food & Beverage Cost Control: Lea R. Dapson, Wiley Publishers.

Semester - IV BHM -403T: Accommodation & Front Office Operations-II

Course Contents:

Unit - 1 Cleaning of Public Areas: Cleaning of Public Areas: Cleaning Process, Cleaning and upkeep of Public areas, Lobby, Clerk room/ Restaurant bar/ Banquet Halls/Administration offices/ Lifts and Elevators: Staircase back area/ Front area/ Corridor). Test Control: Types of Tests, Control procedures, Safeguarding Assets, Cautions for safety and security in Housekeeping operations, Concept of Safeguarding assets.

Unit - 2 Special Provisions for Guests, Safety, Security and Physic Aid: Guest room features for differently abled persons and modifications, Public Areas: Wash - rooms, restaurants, main entrance etc. added features and modifications, Situation Handling/Service Design for typical Market Segment (Safety, security & Comfort), Airlines (new guest) rooms, single body guests, Children, The Concept and Importance: Safety: Accidents, Fires (Cause, Procedure, Accident report form), Security: Security of Guest/ Staff: Public areas/Room/ Back office areas, Fire Aid: Concept and Emergency Procedures (Fire Attack, Fire, Burns, Fainting, Fractures, Scalds, Artificial respiration)

Unit - 3 The Guest Stay with Hotel: Registration: concept, systems and its procedure, Registration form and C Form, No Show, Running of Guests, Message Handling: Dealing with Guest Requests and Complaints, Travel Desk and Concierge: Communicating with guests.

Unit - 4 The Guest Departure and Post Departure Services at Front Desk: The guest accounting, the guest folgers, city ledger, tips and advances, front office cash sheet, paid out, back net receipts, over and short, settlement of bills, credit card handling, handling vouchers of rooms rate, food sales, laundry, other guest services, miscellaneous charges, credit security measures, cash and credit control, express check out, early and late check out, group departures, post departure services.

BHM -403P: Accommodation & Front Office Operations-III:

1. Identification and familiarisation with cleaning of Public Areas in Hotels.
2. Develop an understanding about requirements of different guests, with children, business travellers, single women traveller, differently abled travellers and acquaint the learners with procedures like expression about sharing of hotel services and facilities to guests, employees as brand ambassadors of hotels, managing guest interactions effectively.
3. Handling guest Check - In, Registration, Facilitation during stay at hotel, Billing, Related Performance's
4. Skill to handle guest accounting and departure (this and groups)
5. Role play: In ref to the theory syllabus

Note: For focused reports of accommodation the practical hours may be split up as: First Two for Front Office and next Two for Housekeeping.

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner

Suggested Readings:

- Hotel Housekeeping Operations & Management - Rajshankar R. Tewari, Oxford University Press.
- Hotel Front Office Operations & Management - Jashankar R. Tewari, Oxford University Press.

Semester - IV BHM -404T: Accounting Skills for Hospitality

Course Contents:

Unit - 1 Accounting: Business Transactions and Basic Terminology, Need to Study Accounting, Accounting Functions, Purpose of Accounting Records, Accounting Principles - Concepts and Conventions.

Unit - 2 Account Records: Principles of Double Entry System, Journal Entries, Ledger, Subsidiary Books - Cash, Sales & Purchase books, Bank Reconciliation statement.

Unit - 3 Financial Statements: Basic Financial Statements, Trial Balance, Preparation of Final Accounts, Basic Adjustments to Final Accounts, Methods of Presenting Final Accounts Practical Problem.

Unit - 4 Depreciation: Reversal and Provisions - Meaning, Basic Methods, Computer Application-Preparation of Records and Financial Statements

Books Recommended:

- Hospitality Management Accounting, Michael M Calman
- Hotel Accountancy & Finance - S.P. Jain & K.L. Narang, Kalyani Publisher Ludhiana
- Hotel Accounting, Ernest B. Horwath & Luc Roth
- Accounting for Management, S.K Bhattacharya, Vikas Publishing House
- Hospitality Financial Accounting By Jerry Weygandt, Publisher Wiley & sons
- Accounting in Hotel & Catering Industry - Richard Kops- International Textbook Company
- Comprehensive Accountancy, S.A. Siddiqui
- A complete Course in Accounting Volume - I, N.D. Kapoor
- Double Entry Book- Keeping, R. Chawla & C. Jansin
- Introduction to Accountancy, T.S. Grewal

Semester - V BHM -501T: Foreign Language Skills -I (French)

Objective: this module is designed to give a basic knowledge of the French language of common use.

Course Content:

Unit - 1: Pronunciation - The Alphabet - The Accents, 'Famille de parlers'; The numbers, Cardinal - Ordinal, Time; Weights & Measures; change of gender

Unit - 2: Conjugation of regular verbs in present tense; Days of the week; Months of the year; Date; The articles, Common

Expressions in French, Name of vegetables and fruits

Unit - 3: Name of the countries and their Nationalities; Adjectives, Commonly used Prepositions.

Unit - 4: Self Introduction, 'Vocabulary' describing family; Describe your family, Negative, Interrogation, Conjugation of

irregular verbs in present tense; Demonstrative Adjectives, Possessive adjectives, Simple infinitive

(Oral)

Role-playing of different situations

Understanding questions

Conversation

Poique composition

Suggested Readings:

- Larousse compact Dictionary: French-English/English-French
- Le nouveau sans frontiers, part 1 & 2
- Conjugaison - Le Robert & Nathan
- Leçons French Grammar
- Grammar Collection 'Le Nouvel Enseignement de la langue' level beginner
- 'Practical French' by A. Talbot
- A View Service I
- French for Hotel and Tourism Industry by S. Bhattacharya
- Knowledge I by Manjini Khandekar and Rongra Jaktake
- Basic French Course for The Hotel Industry by Catherine Lobo & Sonali Bhatnagar

Semester - V BHM -502AT: Regional Cuisines of India-I

Course Contents:

Unit - 1 Cuisines of Kashmir, Himachal & Uttarakhand: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine, Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Unit - 2 Cuisines of Punjab, Haryana & Delhi: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine, Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Unit - 3 Cuisines of Rajasthan & Gujarat: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine, Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Unit - 4 Cuisines of Maharashtra & Goa: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine, Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Handwritten signature and notes in the top right corner.

BHM -502AP: Regional Cuisine of India -I

- Two Menu about 3-5 dishes per menu per state

Note: For focused inputs Regional Themed Lunches/Feasts may be organised as a part of activity based learning.

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Suggested Readings:

- Quantity Food Production Op. and Indian Cuisine - Parvinder S Badi, Oxford University Press
- A Taste of India By Madhur Jaffrey - Adventure & Soul
- Food of Rajasthan, The Great Chutneys, 35 Ashtak Dahiya, University Press, MDU
- Indian Gastronomy - Manoj Gill, DK Publishers
- Food of Mysore, The Great Desserts - Dr. Ashish Dubey, University Press, MDU
- Punjabi Cuisine - Manjit Gill

Semester - V BHM -502CT: Food & Beverage Service Management-I

Course Contents:

- Unit - 1 Bar - Introduction, Importance, and Types, Organization, Structure, Layout, Equipments used and BOT & Bar Menu.
- Unit - 2 Alcoholic Beverages: Wines - Introduction, Classification, Brief Description, about manufacturing process, storage and its service. Major Indian and International Brands, glasses and equipment, Storage and service of wine
- Unit - 3 Beers: Introduction, Ingredients Used, Production, Types and Brands, Indian and International Services, health, and and drought Beers Other fermented & Brewed Beverages: Sake, Cider, Perry, Alcoholic Free Wines.
- Unit - 4 Spirits: Introduction to Spirits (Whisky, Brandy, Rum, Vodka, Gin & Tonics), Spirits: Types, Production, Brands Indian and International & Service, Other Alcoholic Beverages: Liqueurs & Tobacco: Types, Production, Brands & Service Indian and International.

BHM -502CT: Food & Beverage Service Management-II

- Service of Alcoholic Beverages: Wines, Spirits
- Opening & closing of wine works (Champagne, Red & White wines)
- Service of Spirits & Liqueurs
- Bar setup and operations
- Cocktail Mixology Preparation, presentation and service
- Service of Cigars & cigarettes
- Conclusion Briefing: De-Briefing for F & B outlets
- Service of Beer, Sake and other fermented & Brewed Beverages
- Service of Sparkling, Aromatized, Fortified, Still Wines.
- Set up a table with Prepared Menu with wines

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner

Book recommended

- Food & Beverage Service - Dennis R. Lilliecrop & John A. Cousins, Publisher: ELBS
- Food & Beverage Service Management - Brian Varghese
- Food & Beverage Service: Training Manual - Sudhir Andrews, Tan Mc Graw Hill, Food & Beverage Service Lilliecrop & Cousins, ELBS
- Introduction F & B Service - Brown, Heppner & Duggan
- Menu Planning - James Kivela, Hospitality Press
- Mixology Restaurant Service - John Fuller, Hutchinson
- Professional Food & Beverage Service Management - Brian Varghese
- The Restaurant (Print Concept to Operation)
- The Wastler Handbook By Graham Howen, Publisher: Global Books & Subscription Services New Delhi.

Semester - V BHM -502ET: Accommodation Management-I

Course Contents:

- Unit - 1 Housekeeping Supervisor: Importance of inspection, Check-list for inspection, Typical areas usually assigned where special attention is required, Self-supervision techniques for cleaning staff, Degree of discretion/ delegation to cleaning staff, staffing matrix, duty rosters, staff appraisal.
- Unit - 2 Planning Trends in Housekeeping: Planning Guest rooms, Bathrooms, Suites, Lounges, Indiscrepancy, and planning for the provision of Leisure facilities for the guest, Boutique hotel concept, Planning and Organizing in the House Keeping Area
- Inventory list, Frequency schedules, Performance standards, Productivity Standards, Inventory Levels, Standard Operating Procedures & Manuals, Job Allocation, Manpower Planning, Planning duty roster.
- Unit - 3 Budgeting Budget and budgetary controls. The budget process, Planning capital budget.
- Planning operation budget, Operating budget - controlling expenses - income statement, purchasing systems - methods of buying, Stock records - issuing and control
- Unit - 4 Front Office Accounting and Night Auditing: Introduction to Accounting Fundamentals, Guest and non guest accounts, Accounting system, Non automated, semi automated and fully automated, Night Auditing: Introduction, Objective and job description of Night Auditor Night Audit process, Preparing night audit reports

BHM -502EP: Accommodation Management-I

- Preparing checkrooms and public area checklists
 - Preparing Duty Rosters, Understanding Shift Matrix.
 - Planning layout of Guest Rooms, Boutique hotels, PowerPoint's on solved features in respect to accommodation of Hotels.
 - Understanding Hotel Accommodation Budgets
 - Preparing for Interviews of Applicants as Supervisors and Facing Supervisor Interviews
- Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Book recommended

- Hotel Front Office Operations and Management- Jaiashanker R Tewari-OUP.
- Hotel and Catering Studies - Ursula Jones
- Hotel Hotel and Hospital Housekeeping - Juan C Branson & Margaret Lemons (Eds) BS
- Hotel House Keeping - Sudhir Andrews Publisher: Tan Mc Graw Hill.
- Hotel Craft - Valerie Pugh
- House Keeping Management by Dr. D.K. Agarwal
- House Keeping Management for Hotels, Rosemary Huxel, Heinemann
- Housekeeping management - Margaret M. Lejars & Aleta Nelsbake
- Hotel Housekeeping Operations & Management - Raghunathan, Oxford University Press
- In House Management by A.K. Bhattacharya
- Key of House Keeping by Dr. Lal
- Commercial Housekeeping & Maintenance - Stanley Thomas

Semester - V

BHM -504T: Researching for Hospitality & Tourism Management

Course Contents:

- Unit-1 Introduction to research methodology: Meaning, definition, characteristics and types of research, Methodology of research, Formulation of research problem, Research Design: Meaning, characteristics of research design, steps in research design, Concept of Hypothesis
- Unit-2 Sampling Design and Data Collection: Meaning of sampling, aims in selection a sample, Types of sample design, Data collection - Meaning, types of data, methods of collecting primary data-observation, interview and questionnaire, Sources of secondary data.
- Unit-3 Processing and Analysis of data: Editing, Coding, Classification and tabulation, Graphical presentation of Data-Bar chart, pie-chart and curves Interpretation of Data meaning, methods of data analysis
- Unit-4 Report Writing: Meaning, Types and steps involved in writing report, layout of the research report, mechanics of writing a research report, challenges of a good writing

Suggested Readings:

- o Kumar Ranjit, Research Methodology: A Step by Step Guide for Beginners & Stage Publication, 2014.
- o Kothari C.R., Research Methodology, New Age International, 2011.
- o Shajahan S., Research Methods for Management, 2004.
- o Thandigam N., Research Methodology, Himalaya Publishing
- o C. Rajendran Kumar : Research Methodology, APH Publishing
- o J. R. Brent Ritchie, Charles R. Goeldner : Travel, Tourism, and Hospitality Research: A Handbook for Managers and Researchers, Wiley Publishers Publishers Ltd, UK

Semester - V

BHM -504T: Hospitality Law

Course Contents:

- Unit - 1 Introduction to Indian Hospitality & Related Laws in India: Introduction, Legal Perspectives, Key Issues, The legal requirements (Food and at the time of doing Hotel Business)
- Unit - 2 Laws Related to Hotel Operations in India: Using Hotel Business in India, Business Contracts, Hotel Licenses and Regulations, Hotel Finance
- Unit - 3 Laws Related to Employees, Guests, and Public Health & Safety: Introduction and Overview of Labour Laws, Hospitality Laws, Public Health and Environmental Laws
- Unit - 4 Laws Related to Food & Beverage Services: Food Legislation and Liquor Licensing

Suggested Readings:

- Hotel Law by Amitabh Devendra , Oxford University Press
- Hotel & Tourism Laws by Jagdish Naji
- Related Guidelines & Reports from Ministry of Tourism, Govt of India

Semester - VI

BHM-504T: Foreign Language Skills - II (French)

Unit-1 : Use of pronoun -s and -s; Preceding and introducing other persons, Conversation basic: Introducing each other, Short Guest Interventions.

Unit-2 : Present content Pass: purpose, Conversation basic: In the restaurant (how to place order, billing etc.)

[Handwritten signatures and notes in the right margin]

Unit-3 Colligation of verbs in future tense, Future perfect, Conversation basis, hotel room reservation (to make a call reservation)
Unit - 4: The recent past tense; Personal pronouns; Name of some kitchen equipments and cooking methods; planning a three up five course menu.

(Oral)

Role-playing of different situations

Understanding questions

Conversation

Picture composition

Suggested Readings:

• Larousse compact Dictionary: French (English) / English-French

• Le nouveau sans frontiers, part 1 & 2

• Conjugaison - Le Robert & Nathan

• Larousse French Grammar

• Grammaire Collection "Le Niveau Européen" level de base

• Pêcher, l'hotel by A. Talabier

• A Voice Service I

• French for Travel and Tourism Industry by S. Barlaacharya

• Journey 1 by Marina Khadkar and Rupa Lalitkar

• Basic French Course for the Hotel Industry by Catherine Lobo & Sonali Jadhav

Semester - VI BHM - 602BT: Regional Cuisines of India -II

Course Contents:

Unit - 1 Cuisines of Andhra Pradesh, Tamil Nadu & Kerala: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine - Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Unit - 2 Cuisines of Assam, Bengal & Odisha: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine - Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Unit - 3 Cuisine of Uttarakhand/Kashmir and Garhwal: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features of Cuisine - Key Ingredients, Popular Foods, Seasonal Foods, Special Equipments, Staple Dishes, Specialties during Festivals and Other Occasions, Community Foods.

Unit - 4 Indian Sweets & Desserts: Introduction, Geographical Perspectives, Brief Historical Background, Characteristics & Salient Features - Key Ingredients, Popular Sweets, Seasonal Sweets, Special Equipments, Specialties during Festivals and Other Occasions.

Unit - 5 Food of India: Jain Food, Parsi Food, Home Style Cooking, Tambani Foods, Dum Style of Cooking, Traditional Cooking Delights, North Eastern Indian Foods, Food of Meghal Pradesh

BHM - 602BT: Regional Cuisines of India -II

• Two Menus about 3-5 dishes per menu per state covering all units

Note: For focused input Regional Theme 1 cuisines' Festivals may be approved as a part of activity based learning.

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Suggested Readings:

• Quantity Food Production Op. and Indian Cuisine - Pwinder S Bhat, Oxford University Press

• Indian Cuisine - A. K. Jaiswal, DK Publishers

• Food of Jharkhand - The Great Desserts - Dr. Ashish Dahiya, University Press, MUJ

• The Essential Kerala Cookbook Paperback by Vijayan Karthikeyan

• My Great Cakes Cook Book - Vikas Khanna

Semester - VI BHM - 602BT: Food & Beverage Service Management -II

Course Content:

Unit - 1 Wine - 1 Definition, Classification with examples, Table/Set Natural Sparkling, Fortified, Aromatized, Production of each classification, Principal wine regions and wines of France, Germany, Italy, Spain, Chile, South Africa, Algeria, New Zealand, Food & Wine Harmony.

Unit - 2 Wines - 1 Principal wine regions and wines of Portugal, USA, Australia, New World Wines (Broad sense) India, Storage of wines, Wine terminology (English & French)

Unit - 3 The Beverage Industry: Introduction, Yesterday & Today, Responsible Alcohol Service, Creating and Maintaining a Bar Atmosphere, Sanitation and Bar Setup, Legal Aspects, Professional Services.

Unit - 4 Bar Management: Introduction, Purchasing, Storing, Receiving, Issuing, Counting, Marketing, Beverage Products, Responsibility, Employee Management, An of Mixology, Planning for Profit, Bar Menu

BHM - 602BT: Food & Beverage Service Management -II

1. Bar Setups of different types & services

2. Service of Wines & Bar Menu

3. Receiving Wine Labels,

4. Cocktails parties

5. Role Play & Situation handling in Bar

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Books Recommended

• Financial & Cost Control Techniques in Hotel & Catering Industry - Dr J.M.S. Megi

• Food & Beverage Control By: Richard Kohns and Bernard Davis

• Food & Beverage Cost Control: Lea P. Dupont, Wiley Publishers,

• Food & Beverage Management By: Bernard Davis & Stone

• Food & Beverage Service - Dennis R. Lillig, John A. Cozzine, Publisher: BLBS

• Food & Beverage Service Management: Brian Vargate

Semester - VI BHM - 603PT: Accommodation Management-II

Course Content:

Unit-1 Interior Decoration: Importance, Definition & Types, Classification, Principles of Design: Harmony, Rhythm, Balance, Proportion, Emphasis, Elements of Design: Line, Form, Color, Texture, Flower Arrangement: Concept & Importance, Types & Shapes and Principles, Equipment and material required for flower arrangement, Consolidating of floral material, Indoor Plants care and role of housekeeping.

Unit-2 Colors: Color Wheel, Importance & Characteristics, Classification of colors, Color Schemes, Lighting: Classification, Types & Importance, Applications Furniture Arrangements: Principles, Types of Joists, Selection.

Unit-3 Floor & Wall Covering: Types and Characteristics: Carpets: Selection, Types, Characteristics, Care and Maintenance: Windows, Curtains, and Blinds Soft Furnishings and Accessories: Types, use and care of Soft Furnishing, Types of Accessories: Functional and Decorative.

Unit-4 Computer Applications in Hotel Accommodation: Introduction to Hotel Software's, Operating Procedures, Salient Features & Challenges, Handling Guest and non guest accounts, Preparing reports Giving Maintenance.

Unit-5 Planning & Evaluating Front Office Operations: Forecasting techniques, Forecasting Room availability, Useful forecasting data, C % of walking, C % of overbooking, C % of under stay) Forecast formula, Sample forecast forms: Yield Management - Concept and Importance: Applicability to rooms division (Capacity management, Discount allocation, Duration control, Measurement yield, Potential high and low demand tactics, Yield management software, Yield management team

BHM - 603PT: Accommodation Management-II

• Hands on practice of computer application (Hotel Management System) related to Rooms Division procedures as covered in syllabus

• Presentations on Interior Decorations

• Flower Arrangements Workshops

• Visit to Local Resources

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Books recommended

• Hotel Front Office Operations and Management- Jashankar R. Tewari- OUP.

• Hotel and Catering Studies - Ursula Jones

• Hotel Hotel and Hospital Housekeeping - Alan C. Brannan & Margaret Lemma (ELBS)

• Hotel House Keeping - Sudhir Andrews Publisher: Tata Mc Graw Hill.

• House Craft - Valerie Paul

• House Keeping, Management by Dr. D.K. Agarwal

Semester - VI BHM - 604P: Project Work

Keeping in view the diverse nature of tourism & hospitality industry & its long term implications on the economy, society, culture & environment, it is mandatory to do some project work as to sharpen the research skills, develop a practical understanding of the Hospitality systems, attain some field experience etc.

Students are required to prepare a project on a topic of their choice approved from Faculty from Institute/Head of Department (F.D./H.D./I.P./A.O.) Computer Typed (Times New Roman) compiled & Hard bound copy (Two print Copies) and One soft copy in C.D.

The Project should include:-

• The First page should include Name of The Institute, University, Project undertaken, Roll Number & Name.

• Certificate by Candidate of genuine work.

• Acknowledgement.

• Certificate of approval.

• Introduction to the topic.

• Problem Definition

• Need of study

• Problem Definition

• Research objective

• List of Information

• Research Methodology

• Research design

Handwritten signature and notes:
The project should include:-
1. The First page should include Name of The Institute, University, Project undertaken, Roll Number & Name.
2. Certificate by Candidate of genuine work.
3. Acknowledgement.
4. Certificate of approval.
5. Introduction to the topic.
6. Problem Definition
7. Need of study
8. Problem Definition
9. Research objective
10. List of Information
11. Research Methodology
12. Research design

- o Source of data
- o Instrumentation of data collection
 - Sampling Design
 - Analysis, Findings & Interpretations
 - Suggestions & Recommendations
 - Conclusions or Silent Findings
 - Limitation
 - Bibliography
 - Annexure

Selecting A Topic:-

Selecting a topic is the first step. A hotel the only thing you will be sure of should be that do you want to write on a subject that directly relates to Hotels or is associated with tourism. A lot of thinking & creativity is required at planning stage.

The purpose of project for you is to:

- Learn about various hospitality issues
- Learn how to evaluate the potential
- Improve organizing & managerial skills

Various themes of Research are:-

- Surveying of Guest Behavior
- Surveying of Environmental Conservation
- Surveying of Negative Impacts of System
- Segmentation of Guest staying in hotel
- Profiling of Tourists/ Guests
- Comparative analysis of Tourist Strategies
- Linkages amongst various constituents of Hospitality industry
- HRD: Policies of Unit Chain
- Cost Control in Housekeeping/ Kitchen
- Safety & Security Issues- Case studies

The above mentioned are simply few suggested topics. The candidates are free to select a topic of their choice with due consultation with the faculty member who is mentoring the candidate in the institute.

Evaluation of Project:

Project submitted by student shall be evaluated by one external evaluator and viva-voce shall be conducted. The total marks for the evaluation is 100 will be divided as 60 Marks (External Evaluation) and 40 Marks (Viva-voce)

Semester VI BHM – 684T: Hospitality Marketing

Unit I

Introduction to Marketing: Needs, Wants and Demands, Products and Services, Markets, Marketing, The Production Concept, The Product Concept, The Selling Concept, The Marketing Concept, The Societal Marketing Concept, The Marketing Process.

Unit II

Marketing Environment: Consumer Markets and Customer Buyer Behaviour, The Buyer Decision Process, Characteristics: Factors Affecting Consumer Behaviour, Buying Decision Behaviour, The Buyer Decision Process.

Unit III

Distribution Channels, Product Pricing and Services Strategy: Nature and Importance of Distribution System, Marketing Intermediaries: What is Product, Product Classification, Individual Product Decisions, Product Life Cycle, Approaches to Hospitality service pricing

Unit IV

Public Relations, Sales Promotions and Integrated Marketing Communication: The Marketing Communications Mix, The Changing Face of Marketing Communications, Integrated Marketing Communications, Socially Responsible Marketing Communication, Advertising, Sales Promotion, Public Relations, The Public Relation Process, Personal Selling, Direct Marketing, Technology and its applications in Marketing

Suggested Readings:

- Services Marketing Ravi Shankar
- Services Marketing – Zeisel Valente – A and Mary Jo Rafter Publisher, McGraw Hill Company
- Service Marketing – Wood niff Helen Publisher Macmillan

Semester VII BHM – 701AT: Skill Enhancement for Media & Journalism in Hospitality

Unit I: Journalism, Hospitality & Tourism: Introduction to Journalism, Definition of a Journalist, Nature & Scope of Journalism, Journalism & Tourism: Careers & Opportunities, Familiarization with links and profile of a Journalist, Ethics for Journalists, Current Issues for Journalists, Travel, Tourism & Hospitality Writing, Types of Travel Writing

Unit II: Pioneers in Hospitality & Tourism Journalism & Media: Pioneers in Travel Writing: Great travel stories of Marco Polo, Hsien Tsang, Ibn Batuta, Al Baruni, V.S. Nayud, Rahul Santhony, Willard Darlympal, Today's Hospitality Process – Chef Manjit Gill, Studio Food Publishers, Chef Sangeet Kapoor, Chef Vikas Khanna, David Ross

Unit III: Creative Travel, Tourism & Hospitality Writing: Introduction to creative writing, information collection, writing for magazines, tourism and travel magazines, Writing for online magazines, Studies from Hospitality Biz India, Travel Biz Monitor and Express Hospitality Magazines, Travel web searching (knowings)

Unit IV: Media Applications for Hospitality: Introduction Media, Its Role in Hospitality Promotion, Televisions, Food Travel Channel, TLC Channel, Food & Travel Shows, Social Media: Creating Pages and Profiles, Managing Domains of Social Media, Developing promotional Literature, Travel & Hospitality Photography, New Trends

SUGGESTED READINGS:

- Magazines of Airlines, Hotels & Tourism Organisations,
- Travel Bank of Journalism & Mass Communications by V.S. Gupta, Vir Bal Aggarwal concept Publishers, New Delhi.
- Hospitality Biz India, Travel Biz Monitor
- Hotel Professional Literature

Semester – VII

Unit I: Introduction to Computers: Introduction to Computer, Classification, Generations, Capabilities Characteristics & Limitations, Application of Computer in Hotels, Familiarisation with Components of Computers – Hardware

Unit II: Introduction to Computers Software: Types of Software, System Software, Application Software, Utility Software's Use of MS-Office: Basics of MS-Word, MS-Excel and MS-Power Point

Unit III: Internet & Applications: Introduction to Internet: Definition of networks, concepts of web page, website and web searching (knowings), Benefits, Application, Working, Hardware and Software requirements, WorldWideWeb, Web Browser, URL, Search Engines, Email

Unit IV: Social Media Applications and Hospitality: Introduction to Social Media, Its Role in Hospitality Promotion, Facebook – Creating Pages and Profiles, Managing Domains of Social Media, Linked In, Twitter and Other Social Media Applications.

Suggested Reading:

- Leon & Lion, Introduction to Computers, Vikas Publishing House, New Delhi
- Jane French Helms, Computer Concepts, 7th Edition, Thomson Learning, Bombay
- Comer A., Computer networks and Internet, Pearson Education
- White, Basic Communications & Computer Network, Thomson Learning, Bombay.
- Computers in Hotels Concepts & Applications: Partha P Seal Oxford University Press

Semester – VII

BHM – 711CT: Web Applications in Hospitality & Tourism

UNIT-1: Introduction to Web Applications, Understanding the concepts with Hotel Websites like Taj, Oberoi's, ITC, Hilton etc. Concepts of e-Commerce, e-Tourism, e-Business, Role of a website and e-tools like Multimedia, Multimedia devices, components of multimedia systems, authoring tools, creating multimedia, video-capturing, video on demand.

UNIT-2: Data compression: Need for data compression, non-lossy and lossy compressions for images, color, gray scale and still-video images, video image, and audio compression (JPEG standard, MPEG standard, DVI Technology, MIDI), and survey of speech recognition and generation.

UNIT-3: Data and file format standards, Multimedia applications design: Application classes, types of multimedia systems; Distributed multimedia systems: Components, distributed multimedia databases.

UNIT-4: Introduction to Web design: Web development process, site types and architectures, navigability theory and practice. Introduction to Page: Page sizes, page types, web design tools; introduction to text: Fonts and font layout, formatting tags, text design issues for the web. Each student would be required to develop at least one website.

Suggested Reading:

- Bedford, Multimedia Systems, Pearson Education
- Vaughan, Multimedia Making IT Work, Tata McGraw Hill
- Villanil and Molina, Multimedia: An Introduction, Prentice-Hall of India
- Sluman, Multimedia in Action, Vikas Publishing House, New Delhi

Semester – VII BHM – 701T: Human Resource Management

Course Contents:

Unit – 1 Introduction to Human Resource Management: Introduction, Definition & Concept, Growth Drivers in India, Importance of HRM, Hospitality Industry Characteristics, Human Resource Roles, HR Challenges, Manpower Planning, Process, Managing Workers.

Unit – 2 Recruitment, Learning & Development, Performance Appraisal: Recruitment: Introduction, Concept, Sources, What to look for in prospective candidates, Recruitment Policy and Techniques, Learning & Development, Introduction, Concept, Functions, Training Cycle, Evaluation, Methods, Organizational Culture & Training, Performance Appraisal

Handwritten signature and date: 20/05/2019

Introduction, Purpose, Process, Challenges, Underlying Theories, Balance Score Card, The 360 Degree Feedback System, Managing Employee Performance.

Unit - 1 Employee Motivations, Compensation & Benefit Management: Employee Motivation, Concept, Various Motivational Theories (Maslow's Theory, Herzberg's Theory, Adams's Equity Theory, B.F. Skinner's Reinforcement Theory), Motivating Employees & Measurement, Compensation & Benefits: Policies, Components, Determinants, Theories, Employee Compensation Practices in India.

Unit - 2 Job Satisfaction, Organizational Culture, Disciplinary Action: Introduction, Theories of Motivation, Correlates of Job Satisfaction, Importance of Job Satisfaction, Measuring Job Satisfaction, Organizational Culture: Introduction, Organizational Aspects, Functions, Cultural Models, Positive or Negative Organizational Cultures, Managing and Changing Organizational Cultures, Disciplinary Action: Introduction, Principles of Natural Justice, Counseling, Disciplinary Guidelines, Disciplinary Process, Charge Sheet.

Suggested Readings:
Human Resource Development & Management in the Hotel Industry - S.K. Bhattacharya
Nirmal Singh

- Principal and Techniques of Personnel Management: Human Resource Management - Dr. Jagdishan Negi
- Human Resource Development Practice in Travel and Tourism - S.C. Bagri
- Human Resource Management in Hospitality - Malay Biswas

Semester - VII BHM-704T: Safety, Security and Travel Documentation

Course Content:

Unit - 1 Safety, Security and Hotels: Understanding Safety & Security, Differentiation between safety and security, Best Practices in Indian Hotels, The Code of Taj & Oberoi & Mumbai Security Departments for Security in Hotels, Dealing with Emergencies - Fire, Death, Crisis Management, Disaster Management.

Unit - 2 Safety Security and Tourist Destinations: Understanding the destination images from tourist perspective, the role of the media in influencing consumer perceptions of travel safety, understanding Tourist Security, its importance and impact of tourism industry, Role of media in influencing tourist perceptions, consumer awareness of travel destinations and their influence on behaviour, Country problems & Challenges with hotel & tourism destinations security, Security issues at airports, railway stations, single woman travellers in India, Tourist Police & its Role, Role of Ministry of Govt of India, UNWTO Guidelines' advice on Safety and Security, International Issues on Tourist Security, the role of insurance in the travel industry.

Unit - 3 Travel Documentation: Introduction to Travel Documentation, Documentation required while leaving and entering into India, Passport types and procedures to obtain an Indian passport, Currency Regulations, Health Certificates, Insurance and Immigration Quota (BTO), Custom Regulations, Health Certificates, Insurance and Immigration.

Unit - 4 Understanding: Visa and Permits
Understanding the concept of VISA its types, Categories in which India give Visa to foreign tourists, Visa Requirements and procedure to obtain tourist visa for Singapore, UK, USA and Australia, Recruits and Special area permits for foreign tourists in India and their procedures to obtain VISA on arrival Scheme of Govt of India.

Suggested Readings:

- Tourism Security: Strategies for Effective Managing Travel Risk and Safety By Peter Tullows
- Safety and Security in Tourism Relationships, Management and Marketing By C. Michael
- Hall, Dallen J. Timothy and David Timothy Doyle.

Semester - VII BHM-704A: Event Management

Course Content:

Unit - 1 Events: The Concept, Name, definition and scope, C's of Events, advantages and disadvantages of Events, Categories and Typologies, Skills required to be a good Event Planner.

Unit - 2 Organizing & Designing of Events: Key elements of Events, Event Infrastructure, core concept, core people, core talent, core structure, Setting Objectives for the Event, Negotiating Contracts with event Organisers, Venues, Media.

Unit - 3 Marketing & Promotion of Events: Name of Event Marketing, Process of Event Marketing, The Marketing Mix, Sponsorship, Promotion, Image/Branding, Advertisement, Publicity and Public Relation.

Unit - 4 Managing Events: Financial Management of Events, Staffing, Leadership, Safety and Security: Occupational Safety and Health, Incident Reporting, Crisis Management and Evaluation.

Note: An Event such as Conference, Seminar may be planned and organised to supplement learning of students.

Suggested Readings:

- A.K. Bhana, 'Event Management', Sleeping Publishers Pvt. Ltd., Delhi.
- Anon Show & Bym Party, 'Successful Event (2 Management
- Coleman, Lee & Frankie, 'Eventhouse Conferences', Educational Institute of AHMA

Semester - VII BHM-704B: Food Service Management

Course Content:

Unit - 1 The Foundations: The Foodservice Industry, The Systems Approach, The Fundamentals, Food Safety, Cleaning, Sanitation, and Environmental Safety, The Menu

Unit - 2 The Operational Procedures: Purchasing, Receiving, Storage, And Inventory, Production, Beverage Provision, Food and Beverage Service, Events Catering & Banqueting.

Applying Performance, Strategic Decisions.

Unit - 3 The Facilities: Facilities Planning And Design, Equipment And Furnishings, Environmental Management
Unit - 4 The Management Functions: Organizational Design, Leadership, Human Resource Management, Performance Improvement, Financial Management, Marketing

Practical Note: An Event may be planned to supplement learning of students and practical may be conducted in view of theory syllabus to provide practical inputs to learners.

- Layout of Food Service Outlets & Organisations
- Food Service Operations
- Catering and Banqueting
- Equipment and Furnishings, Environmental Management in Food Service Operations
- Visit to a professional Food Service Outlet

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner

Books Recommended

- Food & Beverage Management by John Cousins, David Fudbert & Andrew Pennington, Good Fellow Publishers
- Foodservice Management: Principles and Practices by Jane Payne-Palacio Ph.D., RD and Monica Theris, Prentice Hall Publishers
- Foodservice Management Fundamentals by Dennis R. Reynolds, Wiley Publishers

Semester - VII BHM-704CT: Accommodation Management

Course Content:

Unit - 1 The Housekeeping Department in Hotel Operations, The Executive Housekeeper as Department Manager, Structural Planning of the Housekeeping Department, Current Trends & Practices

Unit - 2 Management of Inventory and Equipment Characteristics of Housekeeping Equipment and Supplies, The Cleaning Function, Personnel Administration, Controlling Housekeeping Operations, Supervision and Management Practices in Housekeeping

Unit - 3 Safety, Security and Infectious Diseases in Property Operations, Energy Conservation in Lodging Properties, Environmental and Sustainability Issues.

Unit - 4 Opening New Hotels & Role of Housekeeping, Linen Management, Guest Laundry Services, Valet Services, Managing Pet Central, On Site Source Management Practices in Housekeeping, Housekeeping Beyond hotels like Airports, Hospitals, Airports and others Entrepreneurship Opportunities in Housekeeping

Practical Note: An Event may be planned to supplement learning of students and practical may be conducted in view of theory syllabus to provide practical inputs to learners.

- Layout of Housekeeping Outlets & Organisations
- Housekeeping Operations
- Safety & Security Practices & Housekeeping Equipment and Furnishings, Environmental Management in Housekeeping Operations
- Visit to a professional Housekeeping Services Unit

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner

Suggested Readings

- Accommodation & Cleaning Services, Vol. I & II, David, Allen, Hutchinson
- Hotel House Keeping - Stella Andrews Publishers: Tata Mc Graw Hill
- House Keeping Management for Hotels, Rosemary Hurst, Heinemann
- Housekeeping Management - Margaret V. Leung & Alicia Mischke
- Housekeeping & Maintenance - Stanley Thomas
- Hotel Housekeeping Operations & Management - Reginald, Oxford University Press.
- Management of Hotel & Motel Security (Occupational Safety and Health) By H. Burton, Publishers: CRC
- Managing Housekeeping Custodial Operation - Edwin B. Feldman
- Managing Housekeeping Operations - Margaret Kappa & Alea Nfischke
- The Professional Housekeeper - Madeline Schmitz, Georgia Tucker & Mary Scoviar, John Wiley & Sons
- Housekeeping Management by Matt A. Casado, Wiley Publications

Semester - VII BHM-704DT: Bakery Management

Course Content:

Unit - 1 Bakery Introduction, Basic Ingredients, Sugar, Shortcrusts, Eggs, Wheat and Flours, Milk and Milk Products, Yeast, Chemical Leavening Agents: Salt, Spices, and Chemicals, Fruits, Professional Bakery Equipments & Tools, Production Factors: Staffing.

Unit - 2 Bread and Rolls: Overview of Production, Common Problems, Whole Pan Bread, Pullman, Split-top, and Round Split Breads, French and Italian Breads and Rolls: Vienna Bread, Bolillos, Pan de Agua, Egg Bread and Rolls, Hard Roll Varieties, Soft Roll Varieties: Pan de Sal, Rye Bread Varieties, Crumbed Bread: Whole Wheat Bread, Raisin Bread, Cheese Bread, Indigenous Breads of India: Middle Eastern Breads.

Handwritten signature

Unit - A Sweet Yeast Dough Products: Buns, Coffee Cake Dough Products, Specialty Rolls and Yeast-Raised Cakes, Croissants, Doughnuts and Cuddlers, Preparations for Frying, Finishing Doughnuts, Use of Prepared Mixes, Yeast-Raised Doughnuts, Cake Doughnuts, Combination Doughnuts, White Wheat Doughnuts, Common Problems with Doughnuts and Cuddlers.

Unit - 4 Pastry: Short Dough Pastries; Puff Pastries; Common Problems with Puff Pastries; Edibles and Cream Puffs, Flan, Soufflé, Problems with Edibles and Cream Puffs; Cream Cheese Danish; Cream Toppings; Whipped Toppings; Cakes and Cake Specialties; Cake Production; Common Problems with Cake Production; Creamed Cakes; Common Problems with Creamed Cakes; Whipped Cakes; Common Problems with Whipped Cakes.

Practical

- Bakery Planning - The Chef's Role
- Professional Bakery Layout & Organization
- Bakery Operations: Dishes Preparation to supplement theory syllabus
- Safety & Security Practices & Bakery
- Equipment and Tools, Hygiene Management in Bakery Operations

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

Suggested Readings

- Practical Baking, 5th Edition by William J. Shuman/Wiley Publications
- Baking and Pastry: Mastering the Art by The Culinary Institute of America, Wiley Publications
- In the Kitchen of a Baker <http://www.enjoybaking.com/>
- Baking by Maria Day, www.bevincuisine.com
- The Golden Book of Baking by Harrold, www.harrold.co.uk

Semester - VII BHM-704ET: Front Office Management

Course Contents:

Unit - 1 Hotel Front Office and Role in Hotel Revenue Generation, Preparing for Guest Services Relationship & Coordination with Housekeeping and other Divisions, The Hotel Organization and the front office manager, Effective interdepartmental communications, Front Office Structures, Daycase Trends & Products.

Unit - 2 Managing Guest Room Check in to Check Out - Role of Front Office, Property management systems, System wide reservations, Guest registration, Managing the Front Office, Guest checkout, Procedures, Rooms & Housekeeping.

Unit - 3 Revenue Management: An Introduction, Guestroom Knowledge and Customer Behavior, Internal Assessment and Competitive Analysis, Revenue Principles and Demand Forecasting, Reservations and Channel of Distribution, Dynamic Pricing, Channel and Inventory Management, The Revenue Management Team, Strategic Management and Following the Revenue Trends, Trends and Resources.

Unit - 4 Staffing Challenges, Recruitment & Training, Managing Hospitality, Promoting in-house sales, It is going to happen - Handling Emergencies, Managing Guest Safety & Security, Guest for Interviews, The role of Supervisor and Managers Responsibilities

Practical

- Front Office Planning - The FOM's Role
- Professional Front Office Layout & Organization
- Front Office Operations: Activities, Records & Regulations to supplement theory syllabus
- Safety & Security Practices & Role of Hotel Front Office
- Revenue Management in Front Office Operations

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

- Front Office Operations and Management - Ganshankar & Tewari, Oxford University Press
- Hotel Front Office Management - James A. Roth Wiley Publications
- Introduction to the revenue management for Hospitality Industry, Principles and Practices for the Real World, An Kimberly Turner, Trevor Stuart-Hill, Joselyn Parker, Pearson Publications

Semester - VII

BHM-704FT: FOREIGN CUISINES (CHINESE & ITALIAN)

Course Contents:

Unit - 1 Cuisine of China - I: - Introduction to Chinese Cuisines, Historical Background, Regions & Regional Cooking Styles, Staple food with regional influences

Unit - 2 Cuisine of China - II: Methods of cooking, Equipment & utensils, Ingredients & Dishes

Unit - 3 Cuisine of Italy - I: - Introduction to Italian Cuisines, Historical Background, Regions & Regional Cooking Styles, Staple food with regional influences.

Unit - 4 Cuisine of Italy - II: Methods of cooking, Equipment & utensils, Ingredients & Dishes

Practical

- May be planned in accordance to theory (Suggested Menu include)

• MENU 01 Prawn Ball Soup, Fried Wontons, Sweet & Sour Pork Hakka Noodles

- MENU 02 Hot & Sour soup, Beans Stewpan, Stir Fried Chicken & Peppers, Chinese Fried Rice
- MENU 03 Sweet Corn Soup, Shao Min, Tang Po, Minum, Yangchow Fried Rice.
- MENU 04 Wonton Soup, Spring Rolls, Stir Fried Preparation & Celery Chow Mein.
- MENU 05 Pottery in Garlic Sauce, Hot Spicywan, Hot & Sour Cabbage, Steam Noodles

Practical examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner

Suggested Readings

- Nita Mehta - Italian Vegetarian Cookery, South Publishers.
- Adriano Capatti - Arts and Traditions of the Table: Perspectives on Culinary History, Columbia University Press
- Italian Cooking by Sanjeev Kapoor
- Ken Hom - Chinese Cookery, HBC Books.
- Pamela Dunlop - The Revolutionary Chinese Cookbook, Ebury Press

SEMIESTER - VIII INDUSTRIAL EXPOSURE - II (On the Job Training)

The objective of Industrial Exposure is to facilitate learners with skills & practices of trade so as to supplement their theory and practical inputs of semester VII and enable them to Industry Ready.

Leave Formalities: Weekly off and festivals and national holidays given by the host 10 days medical leave supported by a medical certificate. Leave taken must be made up by doing double shifts or working on weekly off. Attendance in the training should be calculated on the basis of Certificate issued by Training Manager/JR Manager/Concerned Officer of the unit trained in. Industrial Exposure will require an input of 100-120 working days (20 weeks x 05 days x 120 days). Students who are unable to complete a minimum of 60 days of industrial training will be disqualified from appearing in the term and examinations. Students who complete more than 60 days of industrial exposure but are unable to complete minimum 90 days due to medical reasons may make good during the vacations. Such students will be treated as 'absent' in industrial training and results. The Industrial Exposure in VIII semester necessarily needs to be in an approved host equivalent to three star of above/ Berlioz or other such good property related to Hospitality, Travel, Tourism, Recreation, Leisure or other such organization. Prior written approval needs to be taken from the programme co-ordinator/Convener/BOB for Industrial exposure from parent Institute

VIII Semester

Training Schedule: The VIII Semester shall be supplemented by on the job training in following SRE-6 DVEFF, DSR-48, DSC-58, DSE-68-14H. Total weeks 20-22 weeks. The Units imparting industrial exposure shall conduct formal induction sessions and emphasize on personality skills to facilitate the learners on Writing Skills for Hospitality (Writing of Industrial Report/ Hospitality Operation Software Skills) Trade Presentation Skills, Human Resource Practices, Safety, Security and Travel Documentation Facilitation Management Practices while Acquainting the learners with skills of trade of their choice from DSE-68-14B. It may please be noted that for this semester the number of credits assigned is 20. Facing practical oriented the number of hours input per week comes as 40 hours per week.

Academic Credits for training shall be based on following: Log books and attendance, Appraisals, Report and presentation, as applicable. All candidates must ensure that the log books and appraisals are signed by the department/section head as soon as training in a particular department or section is completed. They are also advised to make a report in accordance to their curricula for VIII Semester. A Power Point presentation (based on the report) should be made. It should be made for duration of 10 minutes. Marks will be awarded on this jointly by a panel of one internal and one external examiner. The presentation should express the student's experiences in the department and what has he learned/observed (Refer to Report to Observer Sheet for more details).

The Report will be submitted to the form specified as under:

- The typing should be done on both sides of the paper (instead of single side printing)
- The font size should be 12 with Times New Roman font.
- The Training Report may be typed in 1.5 line spacing.
- The paper should be A-4 size.
- Two copies must be submitted for the purpose of evaluation may be bound in paper and submitted to the approved authority.

Students have to submit the following on completion of industrial training to the faculty co-ordinator of the institute:

- Logbook.
- Appraisal.
- A copy of the offer letter and industry exposure/ Job Training Certificate.
- Report in view of requirements of VIII semester.
- Power Point presentation in a CD, based on the report.
- Attendance sheet
- Leave card.

For distribution of marks refer to details on Course structure/ Credit Distribution During the tenure of Industrial Exposure, apart from carrying out the assigned jobs.

The learners are suggested to make the following observations in the departments of industry:

- WHAT TO OBSERVE:** Points that will be Common for all students of VIII semester in each discipline
- Standard operation/ Operating Procedure
 - Who is the Key people in the Core Group
 - Hierarchy Chart

Handwritten signature and stamp:
 Approved by: [Signature]
 Date: [Date]
 [Stamp]

4. Key Personnel
5. Job Description
6. Employee Recruitment/Retaining/Welfare Policies (Break-Timings) Duty hours, Weekly off
7. Working Condition
8. Situation handling procedures
9. Certifications from various institutions like Licensing/ MoC etc.
10. Operation Timings
11. Duty Roster
12. Communication Channels
13. Uniform codes
14. Purses & Earmuffs
15. Record Keeping & Systems

WHAT TO OBSERVE

BHM-801A/BHM-801B/BHM-801C: Working Skills for Hospitality (Writing of Industrial Reports)/ Hospitality Operation Software Skills/ Trade Presentation Skills

1. Hotel Business Communications
2. Email & Web Applications
3. Software Operations
4. Professional Presentations
5. Annual Reports
6. Appraisals
7. Inter Office Communications
8. Intra Office Communications
9. Formal Telephonic Conversations
10. Interacting with Customers/ Seniors/ Colleagues/ Juniors
11. Writing & Presentations of Reports

WHAT TO OBSERVE

BHM-802F: Human Resource Practices

1. Organisation Mission/ Vision/ Values
2. The Human Resource Divisions
3. Human Resource Roles
4. HR Challenges
5. Manpower Planning Process
6. Managing Workers
7. Recruitments - Policy & Techniques
8. Group Expectations from New Employees
9. Learning & Development
10. Training Practices & Methods
11. Organizational Culture
12. Managing Employee Performance
13. Employee Motivation
14. Job Satisfaction
15. Organizational Culture
16. Disciplinary Action
17. Innovative Practices in Units/ Group

WHAT TO OBSERVE

BHM-803F: Safety, Security and Risk of Documentation Facilitation

Management Practices

1. Safety & Security
2. The Structure & Key People
3. Host Practices
4. Security Policy & Guidelines in the Organisation
5. Dealing with Emergencies - Death, Crisis Management, and Disaster Management
6. Fire Fighting
7. Interacting with Media
8. Any incidents reported

WHAT TO OBSERVE

BHM-806A/F: Event Management:

1. Source of Events/Business
2. Jones & R. Responsibility of staff
3. Marketing Techniques
4. Procedure for planning events
5. Various check list
6. Stores/Storage of Equipments
7. Sources of Manpower
8. Handling/Communication Procedures

9. Products/Brands used by the company
10. Working hours/Environment
11. Best Practices followed by company
12. Hygiene Handling

WHAT TO OBSERVE

BHM-804B/F: Food Service Management:

1. Technology used by Management
2. Management Techniques
3. Inventory/Issuing/Receiving System
4. Billing/ Ordering Procedure
5. Types of Meal & Timing
6. Responsibility of staff
7. Procurement Techniques
8. Cover/ Person that are accommodated during meal hours
9. Structure of Institution
10. Cleaning/ Maintenance procedure
11. Timing of specialise
12. Standard Service Timing
13. Waste Management
14. Type of Equipment used/Specification
15. Inventory system/ Procedure
16. Reservation Procedure
17. Specialty of Outlet

WHAT TO OBSERVE

BHM-804C/F: Accommodation Management:

1. Total No's of Rooms/Ares provided for accommodation
2. Room Category
3. Reservation Procedure
4. Operation Timing
5. Cleaning Schedule (Daily/weekly/Special)
6. Services/facilities provided by Management
7. Staff Structure/Shift Timing
8. Co-ordination between the staff/dept/Discount
9. Billing procedure
10. Staff structure
11. Various formats used by departments
12. Facilities/ amenities provided in Rooms

WHAT TO OBSERVE

BHM-804D/F: Bakery Management:

1. Area Layout
2. Equipments required
3. Various preparation/Menu
4. Operation hours
5. Standard Recipe
6. Issuing/Receiving Procedures
7. Standard Receiving/sale procedure
8. Waste Management

WHAT TO OBSERVE

BHM-804E/F: Front Office Management:

1. Total No. of Rooms and facilities
2. Tariff structure/Room Rates/Discounts
3. Reservation Types/Mode
4. Reservation Procedure
5. Reservation Sources
6. Reception/Receiving Procedure
7. Co-ordination inter department relationship
8. Various check-in procedure
9. Standard phrase of Greeting
10. Policies/Procedure for
 - a) No show
 - b) Early Baggage
 - c) Single key
 - d) VIP
 - e) Group/ lay over
11. Various Reports
12. Coordination with House-Keeping / F&B Production Team/Dipl.

Handwritten signatures and stamps at the top right of the page.

13. Billing/Financial policies
14. Foreign guest handling
15. Various sub-units/departments
16. Emergency handling procedure
17. Guest/Staff Communication Channels
18. Local information
19. Post-Departure liabilities

WHAT TO OBSERVE

BHNY - BHNP: Foreign Cuisine

1. Experts for cuisine
2. Availability of Raw Material
 - A. Types of Cuisines
 - B. Base of Species
 - C. Base of popular
 - D. Base of Food/Dishes
 - E. Seasonal Dishes
3. Availability of Equipments
4. Understand the Language Mark
5. Operating hours
6. Standard Recipes
7. Availability of Manpower
8. Setting up of Menu
9. Local ethics/Religious Requirement
10. Promotion of Cuisine
11. Waste Management
12. Storage/Preparation Technologies, Various Spices

Handwritten signature and notes in the top right corner.

Handwritten signature and initials in the bottom right corner.

Programme Project Report (PPR)

पाठ्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक (B.Lib)

1. (Programme's mission & objectives) कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य -

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ परम्परागत संस्थागत शिक्षा व्यवस्था का प्रायः अभाव है। इसका उद्देश्य उन लोगों को शिक्षा से जोड़ना है जो किसी कारणवश उच्च शिक्षा से वंचित है या बीच में शिक्षा छोड़ चुके हैं। विशेषतः पुस्तकालय विज्ञान के माध्यम से प्राच्य विद्याओं का संवर्द्धन भी प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम के निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य हैं :-

- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की विविध विद्याओं में समुचित विशेषज्ञता हासिल कराना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वहन करने योग्य बनाना।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त करने योग्य बनाना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों को पुस्तकालय का महत्व बतलाना।

2. (Relevance of the program with HEI's Mission and Goals) कार्यक्रम की प्रासंगिकता/उपयोगिता -

आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में पुस्तकालय विज्ञान की उपयोगिता इस सन्दर्भ में भी ही निहित है कि यह विषय दूरस्थ प्रणाली के मध्य मानवीय मूल्य, गरिमा को प्रस्थापित कर सके। इस दृष्टि से यह विषय उच्च ज्ञान के साथ संवेदना-कौशल के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। ऐसे में परम्परागत विश्वविद्यालय के घटकों से इतर दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के पुस्तकालय विज्ञान के विद्यार्थियों को पारम्परिक ग्रन्थों के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से भी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के ज्ञान को उपलब्ध कराया जाता है।

3. (Nature of prospective target group of learners) शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति -

(Signature)
उपस्थित
पुस्तकालय विज्ञान
विभाग

स्नातक कक्षा उत्तीर्ण कोई भी शिक्षार्थी इस कार्यक्रम में प्रवेश की पात्रता रखता है। प्रदेश में विशेष रूप से वे भी इसमें प्रतिभाग करते हैं जो हाईस्कूल स्तर के शिक्षक बनने की आकांक्षा रखते हैं। इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत है। स्नातक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के द्वारा न केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है जो अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय का यह पाठ्यक्रम उन छात्रों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षक, के रूप में तथा अन्य सम्बन्धित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तु सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में ही अपनी शिक्षा छोड़ चुके हैं। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय के शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से सम्बन्धित स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान, परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं, सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार के माध्यम से बिना किसी बन्धन के कहीं भी कभी भी ज्ञान अर्जित कर सकता है।

4. (Appropriateness of Programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence) दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यतावर्धन में पाठ्यक्रम की उपयुक्तता –

- कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट संचार आदि माध्यमों की सहायता से विषय को शिक्षार्थी तक पहुँचाना।
- समय-समय पर विषय विशेषज्ञों की राय से पाठ्यक्रम में नवीनता स्थापित करना।
- सक्षम लेखकों द्वारा अध्ययन सामग्री को अत्यन्त सरल भाषा में प्रस्तुत करके नवीन पद्धति से शिक्षार्थी को अधिगम कराना।
- सामग्री में ही छात्र और शिक्षक के बीच व्यावहारिक संवादों की उपस्थिति से विषय बोध कराना।

5. (Instructional Design) निर्देशात्मक रूपरेखा – पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान का इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पुस्तकालय विज्ञान के विभिन्न अंगों एवं उपांगों के अध्ययन को सम्मिलित किया गया है।

क्रम.	प्रश्नपत्र	श्रेयांक	अंक	न्यूनतम समयावधि	अधिकतम समयावधि	माध्यम
I सेमेस्टर						
1.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के आधार BLIS- 101	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	लिखित पाठ्य सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान.

(Signature)
कुल सचिव
राज्य पुस्तक विज्ञान विभाग
(विभाग)

						ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों का प्रबन्धन BLIS- 102	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	
3.	ज्ञान संगठन एवं प्रक्रियाकरण BLIS- 103	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	
4.	पुस्तकालय एवं वर्गीकरण प्रायोगिक BLIS- 104	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	
II सेमेस्टर						
1.	पुस्तकालय सूचीकरण प्रायोगिक BLIS- 105	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	
2.	संदर्भ स्रोत एवं सूचना सेवाएं BLIS- 106	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	
3.	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी : पुस्तकालय स्वचालन BLIS- 107	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	
4.	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी : नेटवर्किंग BLIS- 108	04	100	01 वर्ष	03 वर्ष	

5. (Procedure for admissions, curriculum transaction and Evaluation) प्रवेश, पाठ्यक्रम वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

प्रवेश ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन दो सत्रों में होता है।

क. प्रवेश योग्यता	-	स्नातक
पाठ्यक्रम अवधि	-	1 वर्ष से 3 वर्ष
पाठ्यक्रम माध्यम	-	हिन्दी
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	32
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	प्रवेश शुल्क	परीक्षा शुल्क	प्रायोगिक शुल्क	Student welfare & Identity Card	कुल धनराशि (रूपये में)
I सेमेस्टर	2000	600	500	150	3250
II सेमेस्टर	2000	600	500		3100

(Signature)
कुल सचिव
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
(विशेषज्ञ)

कुल	4000	1200	1000		6350

ख. वितरण – पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा, जहाँ पर पुस्तकालय विज्ञान विषय के शिक्षक उपलब्ध हों। विषय के सैद्धान्तिक पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय की सूक्ष्मता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हों। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येक वर्ष कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन – सत्रीय कार्यों के साथ-साथ मुख्य परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन सक्षम परीक्षकों द्वारा ही कराया जाता है, जो विश्वविद्यालय स्तर की प्रणाली में मान्य है।

7. (Requirement of the laboratory support and library Resources) पुस्तकालय सहायता स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री के अतिरिक्त छात्रों के विशिष्ट ज्ञानार्जन हेतु सन्दर्भ पुस्तकों की व्यवस्था विश्वविद्यालय स्तर पर की जाती है। इसके अतिरिक्त जिन केन्द्रों में पुस्तकालय विज्ञान से सम्बन्धित प्रवेश होते हैं, वहाँ भी छात्रों के सहायतार्थ पुस्तकालय की व्यवस्था होती है।

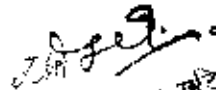
8. (Cost estimate of the programme and the provisions) पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत

अ) इकाई लेखन	-	$109 \times 5000 = \text{रु० } 5,45,000/-$
ब) इकाई संपादन	-	$109 \times 2500 = \text{रु० } 2,72,500/-$
स) कुल	-	रु० 8,17,500 /-

9. (Quality assurance mechanism and expected programme outcomes) गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम –

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के इस पाठ्यक्रम के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

- विद्यार्थी पुस्तकालय विज्ञान विषय की विविध विधाओं की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- पुस्तकालय विज्ञान में छात्रों की अभिरूचि बढ़ेगी, साथ ही उनमें उनका उत्तरोत्तर विकास भी हो सकेगा।
- विद्यार्थी पुस्तकालय विज्ञान विषय के अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अनेक संस्थाओं में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।


 कुल सचिव
 पुस्तकालय विज्ञान विभाग
 विश्वविद्यालय (मैसूरु)

- पुस्तकालय विज्ञान की समुचित परम्परा के ज्ञान के पश्चात विद्यार्थी, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे।
 - पुस्तकालय विज्ञान के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों को सम्बन्धित विद्या में लाभ मिलेगा।
- स्व - अध्ययन सामग्री के परिवर्द्धन - संवर्धन हेतु समय-समय पर विषय वस्तु की समीक्षा की जायेगी तथा विषय को अधुनातन रूप में परखा जाएगा। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का निरन्तर प्रसार-प्रचार किया जाएगा।

पाठ्यक्रम : पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक

प्रथम सेमेस्टर

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान प्रथम वर्ष : पाठ्यक्रम

BLIS 101 : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के आधार

प्रथम खण्ड - आधुनिक समाज एवं पुस्तकालय

इकाई - 1 पुस्तकालय : परिभाषा एवं भूमिका

इकाई - 2 सूचना समाज की अवधारणायें एवं विशेषताएँ

इकाई - 3 पुस्तकालय विज्ञान के पाँच सूत्र

द्वितीय खण्ड - पुस्तकालय विकास एवं प्रकार

इकाई - 4 भारत में पुस्तकालयों के विकास में आयोग एवं समितियों का योगदान

इकाई - 5 पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की राष्ट्रीय नीति (एन(पी)(एल)(आई)(एस) तथा ज्ञान आयोग के प्रमुख

इकाई - 6 पुस्तकालयों के प्रकार: राष्ट्रीय, सार्वजनिक, शैक्षणिक एवं विशिष्ट पुस्तकालय

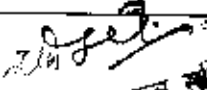
तृतीय खण्ड - पुस्तकालय अधिनियम एवं संगठन

इकाई - 7 भारत में सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम: तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल एवं उत्तरप्रदेश के विशेष सन्दर्भ में

इकाई - 8 पुस्तकालयों के विकास में पुस्तकालय संघों की भूमिका : इफला, (आई)(एल)(ए) आइसलिक के विशेष सन्दर्भ में

इकाई - 9 पुस्तकालयों के विकास में विभिन्न भारतीय संस्थानों का योगदान : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यू(जी)(सी) राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउण्डेशन निसकेयर एवं नासडॉक

चतुर्थ खण्ड - पुस्तकालय सहभागीकरण एवं विस्तार कार्य


 कुल लिब्ररीय
 विश्वविद्यालय
 (सिनेरजी)

इकाई - 10 पुस्तकालय सहभागीकरण: अवधारणा, आवश्यकता एवं स्वरूप

इकाई - 11 पुस्तकालय विस्तार कार्य

इकाई - 12 बौद्धिक संपदा अधिकार एवं सेंसरशिप

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान: द्वितीय प्रश्न पत्र

BLIS- 102 पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रों का प्रबन्धन

प्रथम खण्ड - प्रबन्धन एवं नियोजन

इकाई - 1 प्रबन्धन के सिद्धान्त : सामान्य, शास्त्रीय एवं वैज्ञानिक सिद्धान्त

इकाई - 2 भौतिक नियोजन: भवन, उपस्कर और उपकरण

इकाई - 3 सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन एवं सहभागी प्रबन्धन

द्वितीय खण्ड - पुस्तक चयन एवं चयन स्रोत

इकाई - 4 पुस्तक चयन के सिद्धान्त एवं नीति

इकाई - 5 पुस्तक चयन स्रोतों के प्रकार

इकाई - 6 पुस्तक : अर्जन, परिग्रहण एवं तकनीकी प्रक्रियाकरण

इकाई - 7 सावधिक प्रकाशन : अर्जन, रखरखाव व नित्य कार्य

तृतीय खण्ड - पुस्तकालय का उपयोग एवं रखरखाव

इकाई - 8 निगम - आगम कार्य

इकाई - 9 पुस्तक एवं सूचना स्रोतों का परिरक्षण एवं संरक्षण

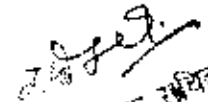
इकाई - 10 पुस्तकालय के प्रमुख अभिलेख तथा वार्षिक प्रतिवेदन

इकाई - 11 वार्षिक सत्यापन : पुस्तकालय संग्रह का भौतिक सत्यापन

चतुर्थ खण्ड - कार्मिक एवं वित्तीय प्रबन्धन

इकाई - 12 पुस्तकालय समिति

इकाई - 13 पुस्तकालय वित्त : बजट निर्माण की विधियाँ एवं वित्तीय नियन्त्रण


कुल सचिव
राष्ट्रीय पुस्तकालय विज्ञान विद्यालय
पटना (मैसूराला)

इकाई - 14 मानव संसाधन विभाग एवं कार्यात्मक प्रबन्धन

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान: तृतीय प्रश्न पत्र

BLIS 103 ज्ञान संगठन एवं प्रक्रियाकरण

प्रथम खण्ड- पुस्तकालय वर्गीकरण : सिद्धान्त

इकाई - 1 पुस्तकालय वर्गीकरण : परिभाषा, उद्देश्य एवं कार्य

इकाई - 2 पुस्तकालय वर्गीकरण के सामान्य सिद्धान्त

इकाई - 3 पुस्तकालय वर्गीकरण की प्रजातियाँ

द्वितीय खण्ड - पुस्तकालय वर्गीकरण के तत्व एवं उपागम

इकाई - 4 अंकन, क्रामक संख्या एवं उसकी संरचना

इकाई - 5 पाँच मूलभूत श्रेणियाँ, पक्ष विश्लेषण एवं पक्ष अनुक्रम

इकाई - 6 विषय जगत की संरचना एवं विषय निर्माण की विधियाँ

तृतीय खण्ड - पुस्तकालय सूचीकरण सिद्धान्त एवं प्रकार

इकाई - 7 पुस्तकालय सूचीकरण : परिभाषा, उद्देश्य एवं कार्य

इकाई - 8 पुस्तकालय सूचीकरण के नियामक सिद्धान्त

इकाई - 9 केन्द्रीकृत एवं सहकारी सूचीकरण तथा संघ सूची

चतुर्थ खण्ड - पुस्तकालय विकास एवं प्रकार

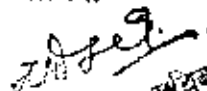
इकाई - 10 शब्दावली नियंत्रण: विषय शीर्षक सूचियाँ एवं थिसॉरस

इकाई - 11 रिकार्ड आरूप का मानकीकरण : ISBD, MARC, CCF

इकाई - 12 ISBN, ISSN, ISO : Z39.50

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान: चतुर्थ प्रश्न पत्र

BLIS - 104 पुस्तकालय एवं वर्गीकरण प्रायोगिक


कुल सचिव
पुस्तकालय विभाग
भारतीय विश्वविद्यालय

प्रथम खण्ड - डी0डी0सी0 19 वाँ संस्करण : भाग एक

इकाई - 1 डी0डी0सी0 का क्रम विकास एवं संरचना

इकाई - 2 वर्ग संख्या निर्माण की सरल विधि एवं योजक युक्ति का प्रयोग

इकाई - 3 सारणी - 1 Standard Subdivision का प्रयोग

द्वितीय खण्ड - डी0डी0सी0 19 वाँ संस्करण : भाग दो

इकाई - 4 सारणी - 2 का प्रयोग

इकाई - 5 सारणी - 3 subdivision of individual Literature का प्रयोग

इकाई - 6 सारणी - 4,5,6,7 एवं आग्रताक्रम का प्रयोग

तृतीय खण्ड - कोलन क्लासीफिकेशन 6 वाँ संशोधित संस्करण : भाग एक

इकाई - 7 कोलन क्लासीफिकेशन का परिचय, क्रमविकास एवं संरचना

इकाई - 8 मूलभूत श्रेणियों का परिचय एवं प्रयोग

इकाई - 9 वर्गीकरण के नौ चरण

चतुर्थ खण्ड - कोलन क्लासीफिकेशन 6 वाँ संशोधित संस्करण : भाग दो

इकाई - 10 विभिन्न युक्तियों का परिचय एवं प्रयोग

इकाई - 11 सामान्य एकलों का परिचय एवं प्रयोग

इकाई - 12 दशा सम्बन्ध का वर्ग संख्या निर्माण में प्रयोग

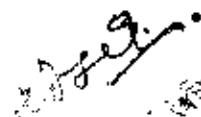
पंचम खण्ड - कोलन क्लासीफिकेशन 6 वाँ संशोधित संस्करण : भाग तीन

इकाई - 13 मुख्य वर्ग A से F तक वर्गीक निर्माण

इकाई - 14 मुख्य वर्ग G से L तक वर्गीक निर्माण

इकाई - 15 मुख्य वर्ग M से Q तक वर्गीक निर्माण

इकाई - 16 मुख्य वर्ग R से Z तक वर्गीक निर्माण


पूरा खण्ड
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग

कुल सचिव
पुनर्विद्ययालय
(वि-विभाग)

इकाई - 15 शासन तथा उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण

इकाई - 16 संस्था तथा उसके अंगों द्वारा रचित पुस्तकों का सूचीकरण

इकाई - 17 सम्मेलन कार्यवाही का सूचीकरण

इकाई - 18 सामान्य सावधिक प्रकाशनों का सूचीकरण

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर : पाठ्यक्रम

BLIS -106 षष्ठ प्रश्न पत्र सन्दर्भ स्रोत एवं सूचना सेवाएं

प्रथम खण्ड : सन्दर्भ स्रोत : भाग - एक

इकाई - 1 सन्दर्भ एवं सूचना स्रोत : परिचय तथा महत्व

इकाई - 2 विश्व कोष एवं शब्द कोष : प्रकृति, प्रकार एवं मूल्यांकन

इकाई - 3 भौगोलिक सूचना स्रोत एवं वार्षिकी : प्रकृति, प्रकार एवं मूल्यांकन

द्वितीय खण्ड - सन्दर्भ स्रोत : भाग - दो

इकाई - 4 जीवन, चरित्र स्रोत एवं समसामयिक घटनाओं एवं गतिविधियों के स्रोत : प्रकृति, प्रकार एवं मूल्यांकन

इकाई - 5 अनुक्रमणिकरण एवं सारकरण स्रोत एवं वांगमय सूची

इकाई - 6 जनसंचार एवं रेफरल प्रणाली

तृतीय खण्ड - सन्दर्भ सेवाएं : भाग - तीन

इकाई - 7 सन्दर्भ सेवा: परिभाषा, उद्देश्य कार्य एवं प्रकार स्रोत

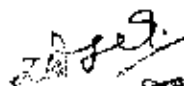
इकाई - 8 साहित्य खोज एवं डेटाबेस सेवाएं

इकाई - 9 सारकरण एवं अनुक्रमणिकरण सेवाएं

चतुर्थ खण्ड -

इकाई - 10 प्रलेखन : उद्भव परिभाषा एवं पक्ष

इकाई - 11 सामयिक जागरूकता सेवाएं एवं चयनित प्रसार सेवा


कुल सचिव
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय
(राजस्थान)

इकाई - 12 अनुवाद, रिप्रोग्राफी सेवा एवं प्रलेख आपूर्ति सेवा

इकाई - 13 उपयोक्ता शिक्षा: स्तर, तकनीक, विधियाँ तथा उपयोक्ता सेवा का मूल्यांकन

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर : पाठ्यक्रम

BLIS -107 सप्तम प्रश्न पत्र सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी : पुस्तकालय स्वचालन

प्रथम खण्ड : सूचना प्रौद्योगिकी : एक परिचय

इकाई - 1 सूचना प्रौद्योगिकी: परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्व

इकाई - 2 कम्प्यूटर : पीढ़ियाँ एवं प्रकार

इकाई - 3 कम्प्यूटर : आन्तरिक संरचना

द्वितीय खण्ड - लैंग्वेज, डी0बी0एम0एस एवं साफ्टवेयर

इकाई - 4 प्रोग्रामिंग लैंग्वेज : मशीन, असेम्बली तथा हाई लेवल

इकाई - 5 डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम

इकाई - 6 साफ्टवेयर परिभाषा एवं प्रकार

तृतीय खण्ड - सामान्य एवं पुस्तकालय साफ्टवेयर

इकाई - 7 विण्डोज का परिचय एवं विशेषताएं

इकाई - 8 महत्वपूर्ण पुस्तकालय साफ्टवेयर से परिचय CDS/ISIS, SOUL

इकाई - 9 पुस्तकालय स्वचालन: अवधारणा, आवश्यकता एवं वर्तमान परिदृश्य

चतुर्थ खण्ड - पुस्तकालय स्वचालन

इकाई - 10 पुस्तकालय में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग : अधिग्रहण तथा प्रसूचीकरण

इकाई - 11 पुस्तकालय में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग : सावधिक प्रकाशन नियन्त्रण

इकाई - 12 कम्प्यूटर आधारित सूचना प्रसारण सेवाएं

स्नातक पुस्तकालय विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर : पाठ्यक्रम

(Signature)

कुल सचिव
पुस्तकालय विज्ञान विभाग
विश्वविद्यालय

BLIS -108 अष्टम प्रश्न पत्र : सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी : नेटवर्किंग

प्रथम खण्ड : नेटवर्किंग एवं पुस्तकालय नेटवर्क

इकाई - 1 नेटवर्क एवं नेटवर्किंग की अवधारणा

इकाई - 2 नेटवर्क टोपोलॉजी

इकाई - 3 राष्ट्रीय पुस्तकालय नेटवर्क : INFLIBNET, ERNET एवं DELINIT

इकाई - 4 अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क : MEDLARS, JANET एवं OCLC

इकाई - 5 नेटवर्क आधारित संसाधन सहभागिता : INDEST, UGC- Infonet एवं MANLIBNET

द्वितीय खण्ड - संचार एवं इन्टरनेट

इकाई - 6 संचार के प्रकार

इकाई - 7 संचार माध्यम : प्रकार एवं प्रयोग

इकाई - 8 इन्टरनेट : उद्भव विकास एवं सेवाएँ

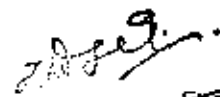
इकाई - 9 ब्राउजर्स एवं सर्वर इंजन

तृतीय खण्ड - डिजिटल लाइब्रेरी एवं सूचना सुरक्षा

इकाई - 10 हाइपरटेक्स्ट, हाइपरमीडिया एवं मल्टीमीडिया

इकाई - 11 डिजिटल लाइब्रेरी एवं वर्चुअल लाइब्रेरी की अवधारणा

इकाई - 12 सूचना सुरक्षा एवं इनक्रिप्शन : एक अवधारणा



कुल सचिव
राष्ट्रीय पुस्तकालय प्रशिक्षण केंद्र
(पुस्तकालय)

Director of Fisheries, M.S.C.

- कु संस्थि
उत्तराखण्ड मुक्त संघर्ष आन्दोलन
संस्थापक अध्यक्ष

17. **Concentration** (credit): Bachelor of Science (B.S.) is a three year degree program with 180 credits. A student must take 24 credits in three subjects in two years. Each course in mathematics and Geography disciplines will be of credit equivalent to other subjects each taking will be of 3 credits. Following subject combinations are available for students of B.S. Program. Student will have to opt one of the above mentioned combinations and once agreed a combination will remain same for the rest of the semesters.

Physics	Capacitance	Electromagnetism
Physics	Thermodynamics	Optics
Physics	Acoustics	Quantum Mechanics
Physics	Relativity	Particle Physics
Physics	Astronomy	Space Exploration

Abstract

COURSE	NAME OF COURSE	COURSE CODE	CREDIT
FIRST YEAR			
1	Monitology, Myology and Para Pathology	MS-101	03
2	Physiology and Biochemistry	MS-102	03
3	Pharmacology, Therapeutics and Pathology	MS-103	03
4	Laboratory Course-I	MS-104	03
SECOND YEAR			
5	Teaching of Angiology	MS-201	03
6	Anatomy, Embryology and Elementary Microbiology	MS-202	03
7	Plant Biology and Botany	MS-203	03
8	Laboratory Course-II	MS-204	03
THIRD YEAR			
9	Cell Biology, Molecular Biology and Immunology	MS-301	03
10	Ecology, Entomology, Genetics and Plant Breeding	MS-302	03
11	Plant Physiology and Biochemistry	MS-303	03
12	Laboratory Course-III	MS-304	03

COSMETOLOGY, SKINCARE AND PLANT PATHOLOGY

Disclaimer: The technical practices of Microcomputers, Terminals and Others, and their economic importance will probably reference to their authors owned by them.

Address: General Assembly, 2025 Ave. Montebello and Constitution St. N.W., Room 3020, Atlanta, Georgia 30303, U.S.A.



Characteristics: Succulent, fleshy, green, rounded leaves, 1-2 cm long, 1-2 cm wide, with a thick, waxy cuticle. The leaves are arranged in opposite pairs along the stem. The flowers are small, white, and tubular, with a long, slender corolla tube and a flared, lobed calyx. The fruit is a small, round, fleshy capsule, 1-2 cm in diameter, with a thick, waxy cuticle. The capsule is green when immature and turns red when mature. The seeds are small, round, and black, 1-2 mm in diameter.

[illegible]

objectives: To study the important genus of algae and Bryophytes with their distribution, structure, reproduction and economic importance.

[illegible]

कु. ५५५
१९५५-५६

- Block 4 - *Algae: General Aspects*
 - Unit 1 - General Characteristics and Life cycles in Algae
 - Unit 2 - Importance of Chlorophylls of Algae (Cryp. div.)
 - Unit 3 - Ecology of Important Algae
 - Unit 4 - Ecological and Economic Importance of Algae
- Block 5 - *Algae: Major Groups*
 - Unit 1 - Generalities: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Cyanophytes and Green Algae
 - Unit 2 - Green Algae: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Chlorophytes and Xanthophytes
 - Unit 3 - Charophytes: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Charophytes
 - Unit 4 - Charophytes: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Charophytes
 - Unit 5 - Charophytes: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Charophytes
- Block 6 - *Algae: Major Groups*
 - Unit 1 - Generalities: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Cyanophytes and Green Algae
 - Unit 2 - Green Algae: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Chlorophytes and Xanthophytes
 - Unit 3 - Charophytes: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Charophytes
 - Unit 4 - Charophytes: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Charophytes
 - Unit 5 - Charophytes: Structure of Thallus and Mode of Reproduction in Charophytes

Students: To study the digestion of food and absorption in the digestive system along with their associated organs, their development, malfunctions, and health issues.

[illegible]

- Unit-1: Palaeogeography
- Unit-2: General Botany, Classification, Tissue theory, Water system, Water capacity and Life cycle
- Unit-3: Structure and Microclimate in Aquatic and Terrestrial
- Unit-4: Structure and Reproduction in Aquatic and Terrestrial
- Unit-5: Structure and Reproduction in Marine and Acute
- Block-3: Gymnosperms
- Unit-6: Growth Characteristics, Development, Economic Importance and Classification of Gymnosperms in India
- Unit-7: Structure and Life History of Conifers
- Unit-8: Structure and Life History of Pinus
- Unit-9: Structure and Life History of Eucalyptus
- Block-4: Dicotyledonous Gymnosperms
- Unit-10: Structure and Life History of Pinus
- Unit-11: Structure and Life History of Pinus
- Unit-12: Structure and Life History of Pinus

3/2/20

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

Micro-1: Cell Biology
 Micro-2: The Cell
 Unit-3: Structure and Functions of Cell Organelles
 Unit-4: Mitosis and Types of Chromosomes
 Unit-5: Cell Division
 Micro-3: Molecular Biology
 Unit-6: Synthesis and Composition of DNA
 Unit-6: Structure and Composition of RNA
 Unit-7: Structure and Function of Codes and Genetic Code
 Unit-8: Protein Synthesis and Gene Regulation of Protein Synthesis
 Micro-4: Biochemistry
 Unit-9: Metabolism
 Unit-10: Bioenergetics
 Unit-11: Immunology
 Unit-12: Plant Systematics

collection. To discuss overall mental health and breeding for improvement of selected economically-important classes

[illegible]

Life in the laboratory

[illegible]

COMPUT. PLANT PHYSIOL. AND ENVIRON. BIOL. 20:301

Disclaimer: To route the plant, it relates to www.humana.com and related growth documents.

[illegible]

Unit 19-English
Unit 13-English

SPARTE LABORATORY FRANCHISE (SLS)

Collection: To study the soil and organisms, soil texture, free chemical composition, various physical aspects, the soil structure and its role in determining various microclimatic activities of plants.

[illegible]

Ecological factors. Demography and Plant Species: plant function (collection and manipulation of accessibility) important plant and plant species distribution in the landscape. Ecological or political problems. To work out the levels of heterogeneity, to work out the models of the landscape based on plant. Aerial biology of water of the locality available through the plant, soil, climate.

[illegible]

Hartmut Schmidt

Class-5: Optics, Molecular biology and Biotechnology

Unit 4 Study of literature for cultural understanding and pleasure, with development of reading skills and fluency. Unit 5: A discussion and reflection on language, grammar and calligraphy at school, with emphasis on cultural appreciation.

period.

Unit-2: Cardiovascular body clock lab 10/14-17
Unit-3: Endocrine system 10/18-21

Wood-Edwards's history, *Shakespeare and Plant Breeding*

4.4.3 Identification, collection and use of stock

Unit 8: Exercise on general problems

Univ. Study of the Soil Biology of some of the locally important crop plants
in the Krasnodar Territory in the field along with teaching and laboratory

Molecular Physiology and Biochemistry

TABLE 3. To program worksheet and accounts and description of operations. (All rows mean of management on the responsibility of state's activities.)

Unit 10: lipids: structure of steroids, their opening, and closing, molecular frequency and

Overview of role of transpiration

100% 15- To study the effect of intensity and quality of light on the rate of photosynthesis in Elodea by observing the number of bubbles in different media

Unit-13: Experimentation of color-masks and retro optical tests for carbohydrate, protein

Subject: Chemistry

COURSE	NAME OF COURSE	COURSE CODE	CREDITS
FIRST YEAR			
1.	Inorganic Chemistry I	BSCN 101	03
2.	Organic Chemistry I	BSCN 102	03
3.	Physical Chemistry I	BSCN 103	03
4.	Laboratory Course I	BSCN 104	02
SECOND YEAR			
1.	Inorganic Chemistry II	BSCN 201	03
2.	Organic Chemistry II	BSCN 202	03
3.	Physical Chemistry II	BSCN 203	03
4.	Laboratory Course II	BSCN 204	02
THIRD YEAR			
1.	Inorganic Chemistry III	BSCN 301	03
2.	Organic Chemistry III	BSCN 302	03
3.	Physical Chemistry III	BSCN 303	03
4.	Laboratory Course III	BSCN 304	02

COURTESY OF THE INSTITUTE OF ORGANIC CHEMISTRY

4. *Pharmaceutical Marketing*

sets of de Branges factorization, Hadamard's uncertainty principle, Schwarz's zero separation, separation of zeros of q -quantum numbers, radial and angular wave functions and probability distribution curves, shape of q , p , d orbits. Asymptotic and Pauli exclusion principles, Hund's multiplicity rule, Goussard's derivation of the elements, selection nuclear decay.

L. **Full Periodic Table**

History of Pediatric Tachicardia, Description of Allende's Pediatric Tachicardia, and Update Concept of Allende's Pediatric Tachicardia

AL. Publicly Property

Atomic and ionic radii, ionization energy, electron affinity, and electronegativity (electropositivity), concepts of electronegativity in transition, trends in periodic table and applications in predicting and explaining the chemical behavior.

N. Chavakis | n.chavakis@med.uni-wuerzburg.de

7701. *Valence bond theory and its application. Structural characteristics of chemical bonds, types of hybridization and shape of simple inorganic molecules and ion. Valence shell electron pair repulsion theory (VSEPR) theory in AB_n, AB₂, AB₃, AB₄ and H₂O. MO theory, homonuclear and heteronuclear (CO and NO) diatomic molecules, multiplicity, bonding in diatomic diatomic molecules, bond strength and bond energy, percentage ionic character, spin state, magnetic and diamagnetic in diatomic.*

Y. (Cheng) Chen

1976. Ionisizing radiation, nuclear safety and radioactive wastes, limitations of safety rules, public defence, international law, energy and Brezhnev cycle. Felsen's rule, threat scenarios, hydrogen bombs, and the West issues.

14. *Chlamydomonas*

Keywords: *Attitudes, Dispositions, Beliefs, and Social Schema, Disposition to Discriminate, Prejudice*

VOLUME

XX. Capacity of milk to grow and to
 Support bacteria, animal microflora and fungi. Comparison of fresh pasteurized, fermented and sterilized.

2. **Example**

Concept of Isomerism. Types of isomerism. Optical isomerism: elements of symmetry, molecular chirality, asymmetric carbons, optical activity, polarisation of plane-polarised light, optical and achiral molecules with two stereogenic centres.

Abstracts and classification of syntheses. Methods of formation of arylalkynes, ketones and olefin chain reaction. Chemical reactions. Relative reactivity of alkyl halides vs. alkyl, vinyl and aryl halides. Byproducts and waste SO₂ and H₂O.

Perspectiva

Integrated rate law equation is zero and first order of reaction, and its property. Radioactive decay as a first order phenomenon.

21. **Algebra**

1-cm

McGraw-Hill, Chemistry Lab 1

Strongly supported

14 Confessionary text by the Archdeacon. Then for the Subphoe and, Then for the Subphoe and, Then for the Throthophane turn

by the Middle leg, Tail by the middle leg, Tail by the hind leg, Tail by the middle leg, Tail by the middle leg.

3. **2005**

20

ॐ नमः
श्रीगुरुभ्यो नमः
ॐ नमः

COURSE: BIOL200 PHYSICAL CHEMISTRY-1

5-10000

10

Subject: Forestry

COURSE	NAME OF COURSE	FIRST YEAR	COURSE CODE	CREDITS
I	Principles of Silviculture (40 hours in theory)		FR 01	3
II	Forest products & utilization (40 hours in theory)		FR 02	3
III	Forest Protection (40 hours in theory)		FR 03	3
IV	Practical forestry I (40 hours in field)		FR 04	3
SECOND YEAR				
I	Conservation & Ecology (40 hours in theory)		FR 05	3
II	Forest survey and mapping (40 hours in theory)		FR 06	3
III	Practical forestry II (40 hours in field)		FR 07	3
IV	Practical forestry III (40 hours in field)		FR 08	3
THIRD YEAR				
I	Forest management (40 hours in theory)		FR 09	3
II	Forest survey and mapping (40 hours in theory)		FR 10	3
III	Forest management and utilization (40 hours in theory)		FR 11	3
IV	Practical forestry IV (40 hours in field)		FR 12	3

FR 01 PRINCIPLES OF SILVICULTURE (Credits 03)

Definition of forest and forestry. Classification of forest and forestry. Importance of forest and forestry. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

The factors - climatic, edaphic, physiographic, biotic and their interactions. Classification of climatic factors. Role played by light, temperature, rainfall, wind, humidity and evapotranspiration in relation to forest vegetation. Bioclimatic and edaphic climatic effects. Edaphic factors - influence of biological agents, parent rock, soil topography on soil formation. Soil profile - physical and chemical properties, physical and chemical and their role, soil moisture and its influence on forest production. Physiographic factors - influence of a climate, latitude, aspect and slope on vegetation. Forest types - influence of climate, aspect, soil, parent rock, etc. on forest production. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 02 FOREST PRODUCTS & UTILIZATION (Credits 03)

Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products. Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products.

Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products. Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products. Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products.

Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products. Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products. Wood products and utilization: Ply and paper industry, introduction and use of various products (chemical, chemical, mechanical and non-chemical) and their products.

FR 03 FOREST PROTECTION (Credits 03)

Definition, objectives and scope of forest protection. History of forest protection in India and distribution of pest and diseases. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 04 PRACTICAL I (Credits 03)

Introduction to practical forestry. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

of factors of forest (topography, climate, soil, etc.) and their influence on forest production. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 05 ECOLOGY & ENVIRONMENT (Credits 03)

Introduction to ecology. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 06 SOCIAL FORESTRY & AGRO-FORESTRY (Credits 03)

Definition, objectives and scope of social forestry and agro-forestry. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 07 PLANTATION FORESTRY (Credits 03)

Definition, objectives and scope of plantation forestry. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 08 PRACTICAL II (Credits 03)

Introduction to practical forestry. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 09 NATURAL RESOURCE MANAGEMENT (Credits 03)

Definition, objectives and scope of natural resource management. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

of factors of forest (topography, climate, soil, etc.) and their influence on forest production. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 10 WOOD SCIENCE & TECHNOLOGY (Credits 03)

Introduction to wood science and technology. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

FR 11 FOREST MECHANIZATION AND STATISTICS (Credits 03)

Introduction to forest mechanization and statistics. Silviculture: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India. Forest types: Definition, objectives and scope of Silviculture. Types of Silviculture in India and their history of forestry development in India.

randomness sampling, non-random sampling (census, systematic and sequential sampling design, plan and ship) of the sampling value Point sampling - horizontal & vertical point sampling.
PR 12 PRACTICAL 2 (Crislow 22)

MEASUREMENTS OF THE FOLLOWING BY MEASURING TAPE: MEASUREMENT OF LUNG CIRCUMFERENCE CALLOOT; BARS OF BREAST HEIGHT MEASUREMENT; WAIST MEASUREMENTS USED IN HEIGHT MISMEASUREMENT OF MALES; MEASUREMENT OF HEIGHT OF GUY; MEASUREMENT OF LOAF SIZE; MEASUREMENT OF VOLUME OF URINE; MEASUREMENT OF WEIGHT OF URINE; MEASUREMENT OF LENGTH; MEASUREMENT OF WIDTH AND DEPTH OF MOUTH.

17/06/80

SUBJECT : PEDAGOGY

COURSE	NAME OF COURSE	SEMESTER	CREDIT HOURS	CREDIT*
1.	Foundations of Physical Geography	FIRST YEAR	GE-101	04
2.	Geography of India		GE-102	04
3.	Physical Geography		GE-103	04
		SECOND YEAR		
4.	Human Geography		GE-201	04
5.	Geography of Asia		GE-202	04
6.	Physical Geography		GE-203	04
		THIRD YEAR		
7.	Evolution of Geographical Thought		GE-301	04
8.	Economic Geography		GE-302	04
9.	Physical Geography		GE-303	04

FUNDAMENTALS OF PHYSICAL GEOGRAPHY

Abstract

- ★ **ATMOSPHERE**
- Unit-1: Fundamental Concepts of Atmosphere
 - Unit-1.1: Nature & Structure of Atmosphere
 - Unit-1.2: Origin of the Earth & Earth's History
 - Unit-1.3: Greenhouse Effect & Global Warming; Volcanism & Seismicity
 - Unit-1.4: Biosphere, Weathering & Evolution of Landforms
 - Unit-1.5: Atmosphere
- Unit-2: Composition and Structure of Atmosphere
 - Unit-2.1: Gases and their Motion (Vertical & Horizontal Temperature Distribution)
 - Unit-2.2: Atmospheric pressure & Humidity
 - Unit-2.3: Clouds & Precipitation
 - Unit-2.4: Humidity & its Classification; Vapour & Thermal
 - Unit-2.5: Air Masses
- Unit-3: Surface Characteristics of Oceanic Regions
 - Unit-3.1: Oceanic Temperature and Salinity
 - Unit-3.2: Characteristics of Currents; major, Currents & Tides
 - Unit-3.3: Oceanic circulation & Coastal Features
- Block-4: Biosphere**
 - Unit-4.1: Elements of Biosphere: Major & Minor Animal Association
 - Unit-4.2: Biosphere & Ecosystem
 - Unit-4.3: Biodiversity & its Conservation
 - Unit-4.4: Conservation of Flora, Fauna &

GEOGRAPHY OF INDIA

DATE RECEIVED

- Block-1 Physical Aspects
- Unit-1 Geology & Structure
- Unit-2 Physiographic regions
- Unit-3 Drainage Systems
- Unit-4 Climate, Soils & Natural Vegetation
- Block-2 Resources
- Unit-1 Forest Resources
- Unit-2 Water Resources & River Valley Projects
- Unit-3 Mineral & Power Resources
- Block-3 Population
- Unit-1 Regional growth, distribution & density
- Unit-2 Population Composition
- Unit-3 Literacy: Trends of Literateness
- Unit-4 Movement of Population
- Block-4 Urban Systems
- Unit-1 Growth, Pattern & Problems of Agglomerations
- Unit-2 Urbanisation - Spatial patterns in India & Abroad
- Unit-4 Tourism in India: Past and Present
- Block-5 Transport and Trade
- Unit-16 Development of Transport Network
- Unit-17 Spatial Pattern of Water Transport Network

00-144 7/1/2001

Low-Intensity Exercise

- Week-1 Scale and Maps
- Week-1 Brief Plain, Composite, Composite Scale
- Week-1 Elements and types of maps
- Week-2 Enumeration and reduction of maps
- Week-3 Representation of Physical Data
- Week-3 Methods of mapmaking
- Week-4 Features and their symbology in modern mapping and analysis
- Week-4 Representation of the river seas
- Week-5 Interpreting maps and feature Toponyms
- Week-5 Weather climate
- Week-6 Interpretation of satellite remote sensing
- Week-6 Classification of geographical maps
- Week-6 Interpretation of GIS, map scales (1:50,000, 1:250,000, 1:500,000, 1:1,000,000)

Human Geography

WHAT THE MEDICINE

- Unit 1: Introduction: Scope and Elements of Human Geography
- Unit 2: Nature and Environment: Relationship, Environment, Population. Use of Remote Sensing, Photogrammetry
- Unit 3: Human perception and Appearance in Human Geography
- Unit 4: Human Modification
- Unit 5: Population: Growth, distribution & density
- Unit 6: Population: Migration-Mobility & International, Gender & Disparities
- Unit 7: Settlement: Rural & Urban: Types & Patterns
- Unit 8: Foreword

Web 7: Evolution of Human Encephy

- Unit-8 Types of Human Settlements: Villages, Townships,
- Unit-9 Types of Human Settlements: Townships & Capitals
- Unit-10 Settlements and Culture
- Unit-11 Cultural Diffusion, Cultural Change
- Unit-12 World Human Resource Distribution
- World Human Resource
- Unit-13 Health, Economy and Society of World Tribes: Kinship, Culture, Religion, Language, Geography and Society of World Tribes: Kinship, Culture, Religion, Language, Economy and Society of
- Unit-14 Health, Economy and Society of World Tribes: Kinship, Culture, Religion, Language, Economy and Society of

DATE	DESCRIPTION OF WORK
1980	...
1981	...
1982	...
1983	...
1984	...
1985	...
1986	...
1987	...
1988	...
1989	...
1990	...
1991	...
1992	...
1993	...
1994	...
1995	...
1996	...
1997	...
1998	...
1999	...
2000	...
2001	...
2002	...
2003	...
2004	...
2005	...
2006	...
2007	...
2008	...
2009	...
2010	...
2011	...
2012	...
2013	...
2014	...
2015	...
2016	...
2017	...
2018	...
2019	...
2020	...
2021	...
2022	...
2023	...
2024	...
2025	...
2026	...
2027	...
2028	...
2029	...
2030	...
2031	...
2032	...
2033	...
2034	...
2035	...
2036	...
2037	...
2038	...
2039	...
2040	...
2041	...
2042	...
2043	...
2044	...
2045	...
2046	...
2047	...
2048	...
2049	...
2050	...
2051	...
2052	...
2053	...
2054	...
2055	...
2056	...
2057	...
2058	...
2059	...
2060	...
2061	...
2062	...
2063	...
2064	...
2065	...
2066	...
2067	...
2068	...
2069	...
2070	...
2071	...
2072	...
2073	...
2074	...
2075	...
2076	...
2077	...
2078	...
2079	...
2080	...
2081	...
2082	...
2083	...
2084	...
2085	...
2086	...
2087	...
2088	...
2089	...
2090	...
2091	...
2092	...
2093	...
2094	...
2095	...
2096	...
2097	...
2098	...
2099	...
2100	...

1. INTRODUCTION

- [illegible]

THEORY **PRACTICAL**

REFERENCES

- 10/20/2012
 Project: Materials of Representing Socio-Economic data
 level: Undergraduate and graduate students
 level-2: Data, geographic charts and spreadsheets
 linked lectures, Classroom & Flipped-class
 Week-3: Statistical Methods
 level-1: Measurements of Central tendency: Mean, Median & Mode,
 level-2: Standard Deviation, Measures of variability
 level-3: Regression & Correlation
 Week-3: Summarizing
 level-2: Principles of Sampling
 level-3: Where Table comes from
 level-4: Probability
 level-5: Inferential Statistics
 level-6: Inferential Statistics

Dec 2001 *Geometrical Methods and Estimation*

UNIT SCHEDULE

- [illegible]

02-Mat REGIONAL GEOGRAPHY

Unit 5: ~~Stem Cells~~

- Unit-10 **World Agriculture**
- Unit-11 **Soil, Scope and application**
- Unit-12 **Irrigation and Scope**
- Unit-13 **Economics, Distribution, classification, local and regional specialization**
- Unit-14 **Geographical names of economic activities: temporal and spatial**
- Unit-15 **Productivity of agriculture: An introduction**
- Unit-16 **Primary Activities**
- Unit-17 **Primary activities: Concept, Classification and importance**
- Unit-18 **World view of primary activities: problems and trend of management with reference to forestry, fishing and livestock farming.**
- Unit-19 **Effect of agriculture on environment: Intensive agriculture (Fisc), Extensive agriculture (Wheat), Pastoral farming (Dairy and beef) and nomadic herding (Horse and cattle)**
- Unit-20 **World view of Agriculture: economic, Non-Economic and Welfare**
- Unit-21 **World Secondary Activities**
- Unit-22 **Secondary activities: Concept, classification and importance**
- Unit-23 **Secondary activities of India: Iron and Steel, Rubber and synthetic products, textile, Sugar and Canning Industry, Paper and Jute, Cotton, Leather and dairy, Automobiles, Electronics, IT and Food processing etc.**
- Unit-24 **World Secondary activities: India, Sri Lanka, China and Pakistan**
- Unit-25 **Primary Activities**
- Unit-26 **Primary activities and their effect: concept, classification and importance**
- Unit-27 **Trade and its origin and evolution to growth: domestic, India, international: Export substitution and export-led growth**
- Unit-28 **International trade: Importance, Origin, international trade with reference to GATT and WTO.**
- Unit-29 **Transport: Concept of transport, accessibility and connectivity relative to mode of transport of different modes of transport.**

year 14, after 1990
year 15, after 1990

PHYSICS (NET-40)

year 1. Study Physics in your own way
year 2. Transfer work to your own way
year 3. Transfer work
year 4. Transfer work
year 5. Transfer work
year 6. Transfer work
year 7. Transfer work
year 8. Transfer work
year 9. Transfer work
year 10. Transfer work
year 11. Transfer work
year 12. Transfer work
year 13. Transfer work
year 14. Transfer work
year 15. Transfer work

SUBJECT: PHYSICS

COURSE	NAME OF COURSE	YEAR	COURSE CODE	CREDITS
1.	Mathematics	FIRST YEAR	PHYS 101	05
2.	Electricity and Magnetism		PHYS 102	05
3.	Optics and Waves		PHYS 103	05
4.	Practical Physics		PHYS 104	01
5.	Thermodynamics and Statistical Mechanics	SECOND YEAR	PHYS 201	05
6.	Optics		PHYS 202	05
7.	Quantum Physics		PHYS 203	05
8.	Practical Physics		PHYS 204	01
9.	Electronics	THIRD YEAR	PHYS 301	05
10.	Modern Physics		PHYS 302	05
11.	Practical Physics		PHYS 303	01
12.	Practical Physics		PHYS 304	01

Course 1: Mathematics

Course code: PHYS 101

Block 1: Vector Analysis

Unit -1: Vector: Types of vectors, vector representation, dot product and cross product, scalar triple product and vector triple product

Course 2:

Unit -2: Vector Calculus: Differentiation of scalar, dot operator, scalar and vector fields, gradient, divergence and curl

Unit -3: Gauss, Stokes and Green's Theorem: Gauss Charge Density, Electric Flux, Gauss Theorem

Block 2: Magnetism of a Particle

Unit -4: Magnetic field and magnetic force, Lorentz force of motion, principle of conservation of linear momentum

Unit -5: Principles of conservation of energy and angular momentum: Conservation of energy, principle of conservation of angular momentum

Unit -6: Rotational motion: Rotational motion, angular velocity, angular acceleration, angular momentum, torque

Unit -7: Motion of Charged particle: Motion of charged particle in crossed electric and magnetic field

Block 3: Dynamics of Rigid Bodies

Unit -8: Motion of rigid body: Equations of motion, angular momentum vector, Motion of rigid body and motion of system Physical significance of the conservation of angular momentum and rotational kinetic energy

Unit -9: Formulation of motion of rigid body: Formulation of motion of rigid body for some simple systems: sphere, cylinder, rod, rectangular lamina, circular lamina, solid sphere, cylinder

Unit -10: Pendulum: Compound pendulum, Kater's pendulum, and applications

Block 4: Gravitation and Properties of Matter

Unit -11: Gravitation: Law of Gravitation, Gravitational field and potential, Gravitational potential energy

Unit -12: Escape velocity and gravitational potential: Escape velocity, Gravitational field, Gravitational potential and its relation to the motion of celestial bodies and satellites

Unit -13: Conservation of energy and linear momentum: Conservation and conservation of energy, Force as gradient of potential energy, Elastic collisions, Centre of mass, Centre of mass and laboratory frame, Inverse square law, Kepler's laws

Unit -14: Elasticity and stress: Hooke's law, stress-strain, relation between stress and strain

Unit -15: Torque of couple and bending of beam: Torque of couple, bending of beam, cantilever, shape of plate

Course 3: Electricity and Magnetism

Course code: PHYS 102

Block 1: Electrostatics

Unit -1: Electrostatics: Conservation of charge and Coulomb's law, electric field, electric potential

Unit -2: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -3: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -4: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -5: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -6: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -7: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -8: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -9: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -10: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -11: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -12: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -13: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -14: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -15: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -16: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -17: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -18: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -19: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -20: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -21: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -22: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -23: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -24: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -25: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -26: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -27: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -28: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -29: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -30: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -31: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -32: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -33: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -34: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -35: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -36: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -37: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -38: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -39: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

Unit -40: Electric field and potential: Electric field and potential, Gauss's theorem, electric field, electric potential

UNIT SCHEDULE

Block 1: General Introduction
Unit 1: Biology of the Cell
Unit 2: Microbiology
Unit 3: Plant Physiology
Unit 4: Plant Ecology
Unit 5: Plant Pathology
Unit 6: Plant Biotechnology
Unit 7: Plant Biotechnology
Unit 8: Plant Biotechnology
Unit 9: Plant Biotechnology
Unit 10: Plant Biotechnology

Course II: Cell and Molecular Biology (BSC20102)

Syllabus
History and origin, Prokaryotic and Eukaryotic cells. Differences between Prokaryotic and Eukaryotic cells. History, structure, and chemical composition of plasma membrane. Lipid bilayers, integral proteins and fluid mosaic model. Permeability of plasma membrane to water and solutes. Lipids and functions of membrane proteins. Glycoproteins, glycolipids and glycosaminoglycans. Glycocalyx. History, structure, and function of nucleus. History, types and functions of chromosomes. DNA structure, replication, transcription and translation. Lysosomes, peroxisomes and other organelles. Mitochondria: structure, function and role in energy metabolism. Chloroplasts: structure, function and role in photosynthesis. Vacuoles: structure, function and role in storage. Centrioles: structure, function and role in cell division. Cytoskeleton: structure, function and role in cell movement and division. Cell cycle: regulation and control. Apoptosis: programmed cell death. Cancer: causes and prevention. Stem cells: differentiation and regeneration. Tissue repair: wound healing and regeneration. Aging: cellular and molecular mechanisms. Death: apoptosis and necrosis. Biotechnology: applications and ethics.

UNIT SCHEDULE

Block 1: Cell Biology and Physiology
Unit 1: Cell Structure
Unit 2: Cell Physiology
Unit 3: Cell Metabolism
Unit 4: Cell Signaling
Unit 5: Cell Growth and Division
Unit 6: Cell Death
Unit 7: Cell Differentiation
Unit 8: Cell Migration
Unit 9: Cell Homeostasis
Unit 10: Cell Adaptation
Unit 11: Cell Communication
Unit 12: Cell Death

Course II: Biophysics, Thermodynamics and Evolution (BSC20103)

Syllabus
Thermodynamics of living systems. Thermodynamic principles of life. Free energy and equilibrium. Enthalpy, entropy and Gibbs free energy. Chemical equilibrium. Kinetics of chemical reactions. Diffusion, osmosis and active transport. Enzymes: structure, function and regulation. Enzyme kinetics. Allosteric regulation. Coenzymes and prosthetic groups. Vitamins and mineral cofactors. Photosynthesis: light reactions and Calvin cycle. Cellular respiration: glycolysis, Krebs cycle and oxidative phosphorylation. Evolution: mechanisms and evidence. Speciation: allopatric, sympatric and parapatric. Systematics: classification and phylogeny. Biotechnology: applications and ethics.

Unit 1: Development
Unit 2: Developmental Biology
Unit 3: Developmental Biology
Unit 4: Developmental Biology
Unit 5: Developmental Biology
Unit 6: Developmental Biology
Unit 7: Developmental Biology
Unit 8: Developmental Biology
Unit 9: Developmental Biology
Unit 10: Developmental Biology

Course VI: Developmental Biology (BSC20104)

Syllabus
Developmental biology: introduction and overview. Developmental processes: cell division, differentiation and morphogenesis. Developmental pathways: signaling, gene expression and regulation. Developmental stages: embryonic, fetal, neonatal, juvenile, adult, and senescent. Developmental disorders: congenital and acquired. Developmental plasticity: regeneration and stem cells. Developmental evolution: comparative and molecular approaches. Developmental biotechnology: applications and ethics.

Unit 1: Developmental Biology
Unit 2: Developmental Biology
Unit 3: Developmental Biology
Unit 4: Developmental Biology
Unit 5: Developmental Biology
Unit 6: Developmental Biology
Unit 7: Developmental Biology
Unit 8: Developmental Biology
Unit 9: Developmental Biology
Unit 10: Developmental Biology

Block 1: Developmental Biology
Unit 1: Developmental Biology
Unit 2: Developmental Biology
Unit 3: Developmental Biology
Unit 4: Developmental Biology
Unit 5: Developmental Biology
Unit 6: Developmental Biology
Unit 7: Developmental Biology
Unit 8: Developmental Biology
Unit 9: Developmental Biology
Unit 10: Developmental Biology

Course VII: Developmental Biology & Animal Behavior (BSC20105)

Syllabus
Developmental biology: introduction and overview. Developmental processes: cell division, differentiation and morphogenesis. Developmental pathways: signaling, gene expression and regulation. Developmental stages: embryonic, fetal, neonatal, juvenile, adult, and senescent. Developmental disorders: congenital and acquired. Developmental plasticity: regeneration and stem cells. Developmental evolution: comparative and molecular approaches. Developmental biotechnology: applications and ethics. Animal behavior: introduction and overview. Behavior: definition and classification. Behavior: functions and evolution. Behavior: mechanisms and regulation. Behavior: development and plasticity. Behavior: learning and memory. Behavior: communication and social interaction. Behavior: decision making and problem solving. Behavior: motivation and emotion. Behavior: health and disease. Behavior: conservation and management. Behavior: biotechnology and ethics.

Unit 1: Developmental Biology
Unit 2: Developmental Biology
Unit 3: Developmental Biology
Unit 4: Developmental Biology
Unit 5: Developmental Biology
Unit 6: Developmental Biology
Unit 7: Developmental Biology
Unit 8: Developmental Biology
Unit 9: Developmental Biology
Unit 10: Developmental Biology

Developmental biology: introduction and overview. Developmental processes: cell division, differentiation and morphogenesis. Developmental pathways: signaling, gene expression and regulation. Developmental stages: embryonic, fetal, neonatal, juvenile, adult, and senescent. Developmental disorders: congenital and acquired. Developmental plasticity: regeneration and stem cells. Developmental evolution: comparative and molecular approaches. Developmental biotechnology: applications and ethics.

UNIT SCHEDULE

Block 1: Developmental Biology
Unit 1: Developmental Biology
Unit 2: Developmental Biology
Unit 3: Developmental Biology
Unit 4: Developmental Biology
Unit 5: Developmental Biology
Unit 6: Developmental Biology
Unit 7: Developmental Biology
Unit 8: Developmental Biology
Unit 9: Developmental Biology
Unit 10: Developmental Biology

Course VIII: Laboratory Course (BSC20106)

Syllabus
Laboratory techniques: microscopy, dissection, histology, and molecular biology. Laboratory experiments: cell culture, tissue culture, and organ culture. Laboratory projects: research and development. Laboratory safety: biohazard and chemical safety. Laboratory ethics: research integrity and responsible conduct. Laboratory management: time and resource management. Laboratory communication: report writing and presentation. Laboratory evaluation: self-assessment and peer review. Laboratory reflection: learning and growth. Laboratory conclusion: summary and future directions.

UNIT SCHEDULE

Block 1: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 1: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 2: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 3: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 4: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 5: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 6: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 7: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 8: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 9: Laboratory Course (BSC20106)
Unit 10: Laboratory Course (BSC20106)

UNIT SCHEDULE

Block 1: Environmental Biology
Unit 1: Environmental Biology
Unit 2: Environmental Biology
Unit 3: Environmental Biology
Unit 4: Environmental Biology
Unit 5: Environmental Biology
Unit 6: Environmental Biology
Unit 7: Environmental Biology
Unit 8: Environmental Biology
Unit 9: Environmental Biology
Unit 10: Environmental Biology

Course VII: Developmental Biology and Animal Behavior (BSC20105)

Syllabus
Developmental biology: introduction and overview. Developmental processes: cell division, differentiation and morphogenesis. Developmental pathways: signaling, gene expression and regulation. Developmental stages: embryonic, fetal, neonatal, juvenile, adult, and senescent. Developmental disorders: congenital and acquired. Developmental plasticity: regeneration and stem cells. Developmental evolution: comparative and molecular approaches. Developmental biotechnology: applications and ethics. Animal behavior: introduction and overview. Behavior: definition and classification. Behavior: functions and evolution. Behavior: mechanisms and regulation. Behavior: development and plasticity. Behavior: learning and memory. Behavior: communication and social interaction. Behavior: decision making and problem solving. Behavior: motivation and emotion. Behavior: health and disease. Behavior: conservation and management. Behavior: biotechnology and ethics.

UNIT SCHEDULE

Block 1: Developmental Biology
Unit 1: Developmental Biology
Unit 2: Developmental Biology
Unit 3: Developmental Biology
Unit 4: Developmental Biology
Unit 5: Developmental Biology
Unit 6: Developmental Biology
Unit 7: Developmental Biology
Unit 8: Developmental Biology
Unit 9: Developmental Biology
Unit 10: Developmental Biology

Course VIII: Laboratory Course (BSC20106)


 ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ
 ಮಾಹಿತಿ ಮತ್ತು ಸಂಪರ್ಕ ವಿಭಾಗ
 ಬೆಂಗಳೂರು

Programme Project Report (PPR)

Review of Programme: Bachelor of Science (B.Sc.)

- Programme rationale and objectives: The mission of the programme is to take Science education to the doorstep of the communities residing in far-flung (hill) and remote areas. Further, the economic condition of the majority of the hill communities does not allow them to afford the higher cost involved in science education for which they have to send their children to cities. Therefore, the main objective of the programme is to provide opportunity for science education to the door steps of aspirants and to enhance their skills to enhance employability or entrepreneurship.
- Rationale of the programme with NEP Mission and Goals: One of the mission of higher education particularly Open and Distance Learning institutions is to provide greater opportunities of access to Higher Education with equity to all the eligible persons and in particular to the vulnerable sections.
- Nature of prospective target group of learners: Those learners who wish to opt career in science and related disciplines in various government organisations, non-governmental organisations, scientific organisations, laboratories, will be the target group of learners.
- Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competencies in the light of Science Education being faster in selected colleges and Universities of the State, much of the aspirants remain devoid of science education. Conducting the programme in ODL mode will provide them opportunity for this programme. It will help in catering to the needs and aspirations of larger section of hill society particularly representing to marginalised and deprived sections of the society. Further, it will provide an excellent opportunity for those learners who are in job and wish to enhance their science education and skills. In order to communicate effectively with the learners University has adopted the following tools:
 - self-instructional printed materials
 - audio / video cassettes and CDs
 - audio-video programmes transmitted through FM radio and EduSat
 - face-to-face counselling of study centres by academic counsellors
 - reference library in study centre
 - web based academic support

सुप्रसन्न
प्रमुख, शिक्षण

- assignments
- practical

H) Instructional design

(i) Candidates eligible: Bachelor of Science (B.Sc.) is a three year degree programme with 195 credits. A learner who has to take 36 credits in three subjects in first year, 60 credits in mathematics and Geography discipline will be of 6 credits whereas in other subjects each subject will be of 3 credits. Following subject combinations are available for students in B.Sc. Programme. Student will have to opt one of the above mentioned combinations and once opted a combination will remain same for the next two years.

Physics	Chemistry	Mathematics
Physics	Chemistry	Mathematics
Physics	Chemistry	Mathematics
Physics	Chemistry	Mathematics
Physics	Chemistry	Mathematics

Subject Matrix

B.Sc. year

COURSE	NAME OF COURSE	COURSE CODE	CREDITS
1	Monitology, Genetics and Plant Physiology	BS-01	03
2	Physics and Chemistry	BS-02	03
3	Mathematics, Microbiology and Paleontology	BS-03	03
4	Laboratory Course-I	BS-04	03
5	Teaching of Agriculture	BS-05	03
6	Botany, Zoology and Elementary Microbiology	BS-06	03
7	Plant Ecology and Biotechnology	BS-07	03
8	Laboratory Course-II	BS-08	03
9	Cell Biology, Molecular Biology and Genetic Engineering	BS-09	03
10	Biological Chemistry, Genetics and Plant Breeding	BS-10	03
11	Plant Physiology and Microbiology	BS-11	03
12	Laboratory Course-III	BS-12	03

STILLABLE

AGRICULTURE, MICROBIOLOGY, ENVIRONMENT AND PLANT PHYSIOLOGY (60-06)

Objectives: To understand the nature of Microorganisms, fungi and plants and their economic importance with particular reference to plant diseases caused by fungi.

Reference: General Botany, Microbiology and Plant Physiology of Sharma, Puri, Arora, and others. Text books of Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry.

सुप्रसन्न
प्रमुख, शिक्षण

Chemistry: General Chemistry, Classification and General account of major classes of Compounds
General account: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry. Inorganic Chemistry: Periodic table, s-block elements, p-block elements, d-block elements, f-block elements. Organic Chemistry: Alkanes, Alkenes, Alkynes, Aromatic compounds, Aldehydes, Ketones, Carboxylic acids, Amines, Nitriles, Esters, Polymers. Physical Chemistry: Thermodynamics, Equilibrium, Kinetics, Electrochemistry, Atomic Structure, Chemical Bonding, Molecular Structure, Spectroscopy, Nuclear Chemistry.

Unit Schedule

- Unit-1: General Chemistry: Classification and General account of major classes of Compounds
- Unit-2: Inorganic Chemistry: Periodic table, s-block elements, p-block elements, d-block elements, f-block elements
- Unit-3: Organic Chemistry: Alkanes, Alkenes, Alkynes, Aromatic compounds, Aldehydes, Ketones, Carboxylic acids, Amines, Nitriles, Esters, Polymers
- Unit-4: Physical Chemistry: Thermodynamics, Equilibrium, Kinetics, Electrochemistry, Atomic Structure, Chemical Bonding, Molecular Structure, Spectroscopy, Nuclear Chemistry
- Unit-5: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-6: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-7: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-8: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-9: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-10: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-11: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry
- Unit-12: General Chemistry: Inorganic Chemistry and Organic Chemistry

Course: Microbiology and Plant Physiology (60-06)

Objectives: To study the important groups of Microorganisms with their distribution, structure, reproduction and economic importance.

Reference: General Microbiology and Plant Physiology of Sharma, Puri, Arora, and others. Text books of Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry.

सुप्रसन्न
प्रमुख, शिक्षण

Unit Schedule

- Unit-1: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-2: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-3: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-4: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-5: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-6: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-7: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-8: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-9: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-10: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-11: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-12: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance

Course: Microbiology and Plant Physiology (60-06)

Objectives: To study the important groups of Microorganisms with their distribution, structure, reproduction and economic importance.

Reference: General Microbiology and Plant Physiology of Sharma, Puri, Arora, and others. Text books of Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry. Reference books on Microbiology, Botany, Zoology and Chemistry.

Unit Schedule

- Unit-1: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-2: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-3: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-4: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-5: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-6: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-7: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-8: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-9: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-10: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-11: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance
- Unit-12: General Microbiology: Classification, Taxonomy, History and Importance

सुप्रसन्न
प्रमुख, शिक्षण

XX. Capacity of milk to grow and to
 Support bacteria, animal microflora and fungi. Comparison of fresh grass, Paspalum, Pycnanthemum and alfalfa

2 of 2

Concepts of Isomerism. Types of isomerism. Optical isomerism: elements of symmetry, molecular chirality, asymmetric carbons, optical activity, procedures of separation, chiral and achiral molecules with two stereogenic centres.

Abstracts and classification of syntheses. Methods of formation of syntheses, topics are able chain reaction. Chemical reaction. Relative reactivity of alky halides vs. alkyl, secondary and tertiary. Synthesis and analysis of alky and alkyl.

Perspectiva

Integrated rate law equation of zero and first order of reaction, half life periods, Radioactive decay as a first order phenomenon, Graham's diffusion law.

22. **Answer: A** **Difficulty: Moderate**

Standard state, standard enthalpy of formation, heat and its applications, heat of reaction at constant pressure and constant volume, Entropy of neutralization, bond dissociation energy and its calculation for thermochemical data, temperature dependence of enthalpy, Kirchhoff's equation.

Lower

McGraw-Hill, Chemistry Lab 1

Strongly supported

- 1.1 Introduction
- 1.2 Laboratory Note book:
- 1.3 Laboratory Apparatus and Operations: Heating, Evaporation, Precipitation, Decantation, Filtration, Drying and Isolation of precipitates, Mixing, weighing.
- 1.4 Common Laboratory Reagents
- 1.5 Laboratory Safety
- Unit 2: Identification of Anions (Known)
- 1.1 Qualitative tests for the anions: Arsenic of class I, Arsenic of class II, Arsenic of class III.
- 1.2 Preliminary Tests for the Anions: Preliminary Tests for the Anions of class I; Preliminary Tests for the Anions of class II
- 1.3 Preparation of solutions for identification of the anions: Preparation of Anion solutions, Preparation of Sodium Chloride solution.
- 1.4 Confirmatory test for the Anions: Test for the Sulphide ion, Test for the Sulphite ion, Test for the Thiocyanate ion, Test for the Nitrite ion, Test for the Acetate ion, Test for the Nitrate ion, Test for the Chloride ion, Test for the Chlorate ion.

DOI: 10.1002/anie.200525000

28

COURSE	NAME OF COURSE	COURSE CODE	CREDITS
FIRST YEAR			
I	Philosophy of Education (40 units in theory)	PH 01	3
II	Formal philosophy & education (40 units in theory)	PH 02	3
III	Formal Philosophy (practical)	PH 03	3
IV	Practical philosophy I (practical values)	PH 04	3
SECOND YEAR			
I	Environment & Ecology (theory & practical)	PH 05	3
II	Gender theory and epistemology (practical values in life skills)	PH 06	3
III	Philosophy of Education (practical values)	PH 07	3
IV	Practical philosophy II (practical values II)	PH 08	3
THIRD YEAR			
I	Historical perspectives on education: Formal and Informal Management (practical values)	PH 09	3
II	Values Education & Technology (practical values in life skills)	PH 10	3
III	Formal education and administration (practical values in life skills)	PH 11	3
IV	Practical philosophy III (practical values III)	PH 12	3

[illegible]

सूचना

FR-02 POWER PRODUCTS & UTILIZATION (Credit: 03)

Wood Products and Utilization: Pulp and paper industry, Substrates for and use in various polymer-reinforced, chemical, mineralized and cross-linked gel, pulp-bleeding, pulp preparation and paper formation, uses of paper, manufacture of rayon and other cellulose derived products, Nitrocellulose, preparation and uses of Composite wood plywood, Resinoid, Melamine and hard board, Adhesives used in manufacture of Composite wood, Mapwood resin-derivatives, types of impregnated wood, Heat stabilized wood, compressed wood, and chemically modified wood. Deterioration, Utilization of wood. Biochemicals of wood. Production of wood cellulose derivatives.

Useful Uses of Non-Therbor Forest Products is available in 1982 and 1983 editions. Information and Importance of Non-Therbor Forest Products (NTFP). Fielder (grain and tree leaves), bird and herbivores. Emergence; Distribution of introduced, classification, storage and use. Non-forest all of a surface, occurrence, emphasis of extraction, distribution and use. Important Study of Wildlife Issues.

Germ and spore → synthesis, classification, properties, application and their factors affecting germ formation, important germ yielding material, media and conditions, their formation in plants and disinfection of milk.

Minerals: none; fossils: none; botanical: none; zoological: none; lithological and structural: gabbro; Mt. Long, copper, porphyritic and conglomeratic in the upper part and well-sorted

of medical and paramedical fields, health insurance, birth distribution, water production, disease and soil requirements, bioplastic and nanotechnology, glazing and windows, training and grooming, nutritional and water alternatives, plant protection, learning, procreation and economy of under mentioned category; mechanical and ergonomic plans.

Aromatic Plants. *Chenopodium*, blue grass, wood hog (hack), lavender, pyrethrum, patchouli, baysam, Marjoram, rosehip, black pepper, Quinine and other species adapted to the local conditions. Endangered medicinal and aromatic plants of India and their conservation. Study of chemical composition of a few important medicinal and aromatic plants. Their distribution and use. Therapeutic and pharmacological usage of important spices.

FIGURE 10-1 FOREST PROTECTION (Worksheet 07)

Abstracts a paper of injury to forests by fire, lightning, shifting cultivation, overcropping, mining and logging. Forest fire Classification of forest fires, damage, controlled use of fire, preventive and remedial measures, fire control policy and economics of fire protection.

[illegible]

Methods of control against insects and pests: Agricultural, biological and chemical control.
Diseases caused by the various plant parasites for the development of identification, monitoring, forecasting.
Resistance against adverse climate factors: Temperature, salinity, and wind.

FR 34 PRATICAL 1 (Semester 02)

1990

1000

✓

[illegible]

Introduction to ecology: definition, concepts and importance of ecology. Ecosystems: structure & function; biotic components: autotrophs, herbivores, omnivores, carnivores, and apex. Ecological organization: concepts of energy flow, trophic structure, food chain, food web and ecological pyramids. Functional ecology: species, communities, populations and local communities. Ecological succession & biotic interactions: competition, predation, mutualism, commensalism, parasitism, amensalism, allelopathy, facilitation, facilitation and niche. Ecological dynamics: population dynamics, community dynamics, ecosystem dynamics, succession, and biotic interactions. Ecological dynamics: population dynamics, community dynamics, ecosystem dynamics, succession, and biotic interactions. Ecological dynamics: population dynamics, community dynamics, ecosystem dynamics, succession, and biotic interactions.

FOR IN SOCIAL POVERTY & AGRO-POVERTY (Studies 10)

[illegible][illegible]

Knowledge of some important ecological interactions and their applications: Hydroperiod, fish group composition, Altitude, Barro Colorado; Sampling of vegetation (Quadrat analysis, density, frequency

Forest management: Intellectuals definition and scope. Fundamentals of forest management. Principles based on management and their application. Objects of management, purpose and policy. Sustainable

1
Name

cycle, cutting method, season; definition, kinds of methods, choice of method, length of seasons and periods in period. Normal result: definition and concept. Damaged and unharmed models. Seasonal and growing step, density, quantity and efficiency. The response - general prediction of even age and average stage toward crop. Yield response based on area, volume, area and volume, nitrogen and number of

[illegible]

*Warpal as raw material, made of wood - hardwood, softwood, bamboo and cane. Warps and veneers of wood as the material. The physical features of 4998: mechanical properties of small size tension compression, bending, shearing, crushing, hardness, impact resistance, nail and screw holding capacities, fastenability, etc. are values given based on mechanical and physical properties, mechanical and solution

[illegible]

Introduction: definition, objectives and scope of AFRSA Programme; Section of measurement: theoretical, critical theory and why social studies of measurement; dimensions of accuracy ISO, implied in their explanation of measurement of things like - objective, standard rules governing measurements at quasi-impersonal

Measurement of time duration and grain length, tillers per panicle and weight. Considerable interest has been shown in the measurement of water stress duration and its effects on yield, grain length and tillers per panicle. Methods of measurement of water stress duration have been discussed by various workers. The methods of measurement of grain length, tillers per panicle and weight have been discussed by various workers. The methods of measurement of grain length, tillers per panicle and weight have been discussed by various workers. The methods of measurement of grain length, tillers per panicle and weight have been discussed by various workers.

[illegible]

[Signature]

multistage sampling. Non-random sampling (selective, systematic and convenient sampling) sampling design, plan and shape of the sampling unit. Point sampling, line sampling and areal point sampling.

Measurement of line distance by chaining tape; Measurement of line distance by Calliper; Measurement of height measurement; Various instruments used in height measurement of trees; Measurement of height of tree; Measurement of tree area; Measurement of volume of trees; Measurement of biomass; Measurement of biomass; Sampling design and kinds of sampling.

SUBJECT : GEOGRAPHY

COURSE	NAME OF COURSE	SEMESTER	CREDIT
1.	Foundations of Physical Geography	FIRST YEAR	05-01
2.	Geography of India	FIRST YEAR	05-02
3.	Physical Geography	FIRST YEAR	05-03
4.	Human Geography	SECOND YEAR	05-04
5.	Geography of India	SECOND YEAR	05-05
6.	Physical Geography	SECOND YEAR	05-06
7.	Human Geography	THIRD YEAR	05-07
8.	Geography of India	THIRD YEAR	05-08
9.	Physical Geography	THIRD YEAR	05-09
10.	Human Geography	THIRD YEAR	05-10

GE-101 FOUNDATIONS OF PHYSICAL GEOGRAPHY

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Foundations of Physical Geography
- Unit 1: Nature and Scope of Physical Geography
- Unit 2: Origin of the Earth & Early History
- Unit 3: Geomorphology & Geomorphology (Landforms, Mountains & Plateaus)
- Unit 4: Climate, Weathering & Evolution of Landforms
- Unit 5: Atmosphere
- Unit 6: Composition and Structure of Atmosphere
- Unit 7: Atmospheric Properties (Moisture, Temperature, Wind, Clouds, Rain, etc.)
- Unit 8: Climate & its Classification (Köppen & Thornthwaite)
- Unit 9: Hydrology
- Unit 10: Surface Configuration of Continents
- Unit 11: Origin of Oceanic Crusts, Continents & Tides
- Unit 12: Oceanic Crusts & Oceanic Crusts
- Unit 13: Marine Geology
- Unit 14: Marine Geology & Marine Geology
- Unit 15: Marine Geology & Marine Geology
- Unit 16: Marine Geology & Marine Geology
- Unit 17: Marine Geology & Marine Geology
- Unit 18: Marine Geology & Marine Geology
- Unit 19: Marine Geology & Marine Geology
- Unit 20: Marine Geology & Marine Geology

GE-102 GEOGRAPHY OF INDIA

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Physical Features
- Unit 1: Introduction, Structure and Relief
- Unit 2: Drainage and Climate
- Unit 3: Natural Vegetation and Soil
- Unit 4: Water Resources
- Unit 5: Mineral Resources
- Unit 6: Forest Resources
- Unit 7: Population and Settlement
- Unit 8: Distribution of Population
- Unit 9: Distribution of Industries
- Unit 10: Agriculture
- Unit 11: Transport
- Unit 12: Trade
- Unit 13: Transport, Trade, Harbour
- Unit 14: Foreign Trade
- Unit 15: Foreign Trade & India
- Unit 16: Foreign Trade & India
- Unit 17: Foreign Trade & India
- Unit 18: Foreign Trade & India
- Unit 19: Foreign Trade & India
- Unit 20: Foreign Trade & India

GE-103 PRACTICAL

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Methods of Representing Geo-Economic Data
- Unit 1: Qualitative and Quantitative Methods
- Unit 2: Data, geographical context and spatial analysis
- Unit 3: Maps, Cartography & Projection
- Unit 4: Remote Sensing Methods
- Unit 5: Statistical Methods
- Unit 6: Statistical Methods
- Unit 7: Statistical Methods
- Unit 8: Statistical Methods
- Unit 9: Statistical Methods
- Unit 10: Statistical Methods
- Unit 11: Statistical Methods
- Unit 12: Statistical Methods
- Unit 13: Statistical Methods
- Unit 14: Statistical Methods
- Unit 15: Statistical Methods
- Unit 16: Statistical Methods
- Unit 17: Statistical Methods
- Unit 18: Statistical Methods
- Unit 19: Statistical Methods
- Unit 20: Statistical Methods

GE-104 GEOGRAPHY OF INDIA

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Physical Features
- Unit 1: Introduction, Structure and Relief
- Unit 2: Drainage and Climate
- Unit 3: Natural Vegetation and Soil
- Unit 4: Water Resources
- Unit 5: Mineral Resources
- Unit 6: Forest Resources
- Unit 7: Population and Settlement
- Unit 8: Distribution of Population
- Unit 9: Distribution of Industries
- Unit 10: Agriculture
- Unit 11: Transport
- Unit 12: Trade
- Unit 13: Transport, Trade, Harbour
- Unit 14: Foreign Trade
- Unit 15: Foreign Trade & India
- Unit 16: Foreign Trade & India
- Unit 17: Foreign Trade & India
- Unit 18: Foreign Trade & India
- Unit 19: Foreign Trade & India
- Unit 20: Foreign Trade & India

GE-105 PRACTICAL

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Maps and Maps
- Unit 1: Scale, Projection, Diagrams, etc.
- Unit 2: Symbols and types of maps
- Unit 3: Interpretation and reduction of maps
- Unit 4: Representation of Physical Data
- Unit 5: Methods of map-making
- Unit 6: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 7: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 8: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 9: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 10: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 11: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 12: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 13: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 14: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 15: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 16: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 17: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 18: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 19: Map-making and its application in map-making and map-making
- Unit 20: Map-making and its application in map-making and map-making

GE-106 Human Geography

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Concepts and Features
- Unit 1: Nature, Scope and Elements of Human Geography
- Unit 2: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 3: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 4: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 5: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 6: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 7: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 8: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 9: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 10: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 11: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 12: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 13: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 14: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 15: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 16: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 17: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 18: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 19: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production
- Unit 20: Human and Environmental Relationship: Development, Possibilities, Use, Distribution, Production

GE-107 Geographical Thought and Evolution

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: History of Geographical Thought in modern period
- Unit 1: Contributions of Greek & Roman
- Unit 2: Arab Period
- Unit 3: Contributions of Arab Geographers
- Unit 4: History of Geographical Thought in modern period
- Unit 5: Contributions of Europe & America
- Unit 6: Contributions of American & British
- Unit 7: Contributions of American & British
- Unit 8: Contributions of American & British
- Unit 9: Contributions of American & British
- Unit 10: Contributions of American & British
- Unit 11: Contributions of American & British
- Unit 12: Contributions of American & British
- Unit 13: Contributions of American & British
- Unit 14: Contributions of American & British
- Unit 15: Contributions of American & British
- Unit 16: Contributions of American & British
- Unit 17: Contributions of American & British
- Unit 18: Contributions of American & British
- Unit 19: Contributions of American & British
- Unit 20: Contributions of American & British

GE-108 ECONOMIC GEOGRAPHY

COURSE OBJECTIVE

- Block 1: Nature, Scope and Approaches
- Unit 1: Nature and Scope
- Unit 2: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 3: Geographical aspects of economic activities: Agricultural and spatial
- Unit 4: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 5: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 6: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 7: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 8: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 9: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 10: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 11: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 12: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 13: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 14: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 15: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 16: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 17: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 18: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 19: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization
- Unit 20: Economic Geographical Concepts, local and spatial organization

ℓ^2 -mod $H=2$

1. TO DETERMINE THE RESTORING FORCE PER UNIT EXTENSION OF A SPRING BY STATISTICAL AND DYNAMICAL METHODS AND ALSO DETERMINE THE MASS OF THE SPRING.
2. TO STUDY THE OSCILLATIONS OF A SPRING.
3. TO DETERMINE THE COEFFICIENT OF DAMPING, RELAXATION TIME AND QUALITY FACTOR OF A DAMPER SIMPLE HARMONIC MOTION USING A SIMPLE PENDULUM.
4. TO DETERMINE THE YOUNG'S MODULUS, MODULUS OF RIGIDITY AND POISSON'S RATIO OF A GIVEN WIRE BY BEAULIE'S DYNAMICAL METHOD.
5. TO DETERMINE THE MOMENT OF INERTIA OF A IRREGULAR BODY ABOUT AN AXIS PASSING THROUGH ITS CENTRE OF GRAVITY AND PERPENDICULAR TO ITS PLANE BY DYNAMICAL METHOD.
6. TO DETERMINE THE MOMENT OF INERTIA OF PLUMBLINE.
7. TO STUDY THE VARIATION OF τ WITH η FOR A COMPOUND PENDULUM (BAR PENDULUM) AND THEN TO DETERMINE THE VALUE OF g IN m/s^2 IN THE LABORATORY.
8. TO DETERMINE THE VALUE OF η BY MEANS OF A KATER'S PENDULUM.
9. TO CONVERT WESTON GALVANOMETER INTO AN AMMETER OF 3 AMP IN RANGE μA RANGE.
10. TO CONVERT WESTON GALVANOMETER INTO A VOLTMETER OF 50 VOLTS VOLT RANGE.
11. TO DETERMINE THE YOUNG'S MODULUS OF THE MATERIAL OF A GIVEN BEAM SUPPORTED ON TWO KNUCKLE-EDGES AND LABELED THE KNUCKLE POINT.
12. TO DETERMINE THE ELECTROMAGNETIC EQUIVALENT OF CGPSE AND REVERSE FACTOR OF A HELMHOLTZ GALVANOMETER.
13. TO STUDY THE RESONANCE IN SERIES LCR CIRCUIT WITH A SOURCE OF VARYING FREQUENCY (AC MAINS).
14. STUDY OF PARALLEL AND PERPENDICULAR AXIS THEOREMS
15. STUDY OF AIR FLOW THROUGH A CAPILLARY.
16. TO DETERMINE THE MASS SUSCEPTIBILITY OF IRBO, ...

Family:

Unit 3 Basic concepts: Frequency, Interval, range, Classification, Percent, histogram and statistical graphs, correlation and regression

Lab 5: Seasonal loss of thermoregulatory, Rayleigh and Irreverent process, WSC and heat energy, 40% curve during seasonal and climate process Heat energy, Carbon cycle, Carbon engine and its efficiency, Carbon drivers, Seasonal loss of thermoregulatory, WSC engine, Seasonal carbon loss, Carbon, carbon engine.

Word 2: 25 words from Webster's dictionary and word-roots

Fig. 5: Transmembrane Receptors, Extrinsic and Intrinsic Membrane proteins, Membrane Associated Proteins

Corruption and Applications, against each of 18 industries, measured between G₁ and G₂, respectively. Detailed Copyrights, patents, average equities, 1996. The patent effect and coefficient, "temperature" variable

UNIT 6 : Thermodynamic Potentials and applications: Thermodynamic potentials U, H, F and G, relations of thermodynamic potentials and variables, TdS equations, stretching of wire. Book idea about stress hysteresis, cooling due to adiabatic demagnetization. Research in nanoscale too.

Block 2: Wash Warty pulled down your painted toenails

Unit 2: Thin's radiation law, Rayleigh-Jeans law, Stefan-Boltzmann Law and Wien's Displacement law, ultraviolet catastrophe

USE: Deduction of Mendel's law of Class Early Radiation, deduction of Mendel's law, Population law and Mendel's experiments on
From Mendel's Law

Keywords: *Physical health*

Case - VEC Probability and Case Study Parameters for Modeling. (continued from previous page)

Lab-17: Hypothesis of equal a priori probability for microstates of an isolated system in equilibrium. Introduction to entropy as a state function – classical, mechanical and relative.

Unit 12: Statistical analysis of temperature, pressure, weight and chemical potential. Facilities function of a system in the context of a heat bath.

E04-12: GGDs: particle, identical particle and symmetry requirement, derivation of MB, FD and BE statistics.

Course & Option	
Course code: BSCPH282	Faculty:

BLOCK 1 Gauss-Hermite spline

Image Results

Udd-2: Image features: Geared mechanical system, central 3000 lumen optical system, general motion
Udd-2: What's new and how, configuration: Thick lens and lens combination, telescope

SLDCH-7 Infection assay of *Spilopsylla*

Unit -6: interference in fish skin and Mollusca's shells : Introduction, interference by division of lamellae, interference in the skin, nacre

where α = volatility and β = interest rate. The β term is calculated as

Unit 4: *Proanthocyanidin* (flavonoid): Introduction, distribution, structure, biosynthesis, function. *Proanthocyanidin* (flavonoid): Introduction, distribution, structure, biosynthesis, function.

April–2: Resection and healing power, introduction, rescaling power, Rayleigh criterion of resolution, resolving power of microscope

Unit 17 Double refraction, introduction, double refraction, Huygens's construction for uniaxial crystals, polaroids and their uses.

Unit -12 Optical activity: structures, rotatory polarization, optical activity. Fresnel's explanation of optical activity; Biquartz and half-wave

1246-14; Optical instruments: Microscopes, Human eye. Field of view, need of multiple lens systems, Ramsden's eyepiece, Huygens eyepiece. Compound microscope, construction of eye piece. Astronomical reflecting telescope, Spectroscopy, spectral microscope.

Сыктывкарский государственный университет, Сыктывкар, Республика Коми, 677000

Left-1: Crystal structure: Crystalline and amorphous cells, single crystal and poly crystal, molecular glass, amorphous crystal

Unit -2: Crystal symmetry: lattice vectors, lattice planes, packing of spheres in crystal lattices, symmetry operations, symmetry elements, point group of a crystal.

© 2004 Blackwell Publishing Ltd, *Journal of Internal Medicine* 255: 101–108

10-10-1974

[illegible]

BLACK 2 Band Theory of solids

547-48: Band theory of solids / Band formation in solids, Band structure in conductors, Particles: positrons and (black) pions
X-ray Photoelectron Spectroscopy of band gap

BLOCK Latent vibrations and specific ion

Unit 4: A people's most specific form of belief, coloring and faith's law. Hence was quickly. Finally theory of specific to...

Unit -40: Dielectric properties: Electric, ionic and dipole polarizability, local fields, induced and oriented polarization

correct, use angular scores; Langevin's theory of magnetization and paramagnetism, Quillen's theory of magnetization, Quillen's law.

BLOCK 5: Representativeness

Unit -14: German theory of expressibility: Derrida theory, superordinate thinking, SCS theory, Witt Gen et al. (see, german theory)

Course ID: PHYS1004

1. Study of various law.
2. To draw the correlation of a phenomenon and.

Verify the formula $1^2 + 1^4 + 1^8 = 1^2 + 1^4 + 1^8$.

14

- To locate the cardinal points of a system of two thin convergent lenses separated by a distance and how to verify the formulas $L_1F_1 = +f_1f_2$ and $L_2F_2 = -f_1f_2$.
- To determine the magnification of objects light by Newton's ring method.
- To determine the magnification of point source image of mercury by plane diffraction grating.
- To verify Huygen's formula using a plane spectrometer.
- To determine the refractive index of a material of the prism for the plane surface of mercury light with the help of a spectrometer.
- To study the variation of reflecting index of the material of the prism with wavelength and to verify Cauchy's dispersion formula.
- To determine the dispersive power of the material of the prism for violet and yellow colours of mercury light, with the help of a spectrometer.
- To determine the dispersive power of a plane transmission diffraction grating.
- To study photo experiment.
- To study Stefan's law.
- To find the coefficient of a bad conductor by Lee's method.
- Mechanical equivalent of heat by Sim's method.
- Thermal conductivity of good conductor by Sim's method.
- Study of Peltier relation by Thomson's method.
- Newton's law of cooling.

Canada: The Burden of Corporate Taxation

Course code: 25074130

Great!

ALCOHOL & Smoking *Quitting smoking now greatly reduces serious risks to your health and the health of your family.*

- Unit-1: Origin of quantum mechanics, failure of classical mechanics, Photoelectric effect, Bohr atom and quantization of energy levels
- Unit-2: Einstein's explanation, Planck's constant, particle nature of light, Compton Effect
- Unit-3: de Broglie hypothesis, Electron diffraction experiment, Davisson-Germer experiment.
- Unit-4: Heisenberg's uncertainty principle (Heisenberg) with illustrations.
- Unit-5: Group and phase velocities, classical velocity of a particle and the group velocity of the wave representing the particle
- UNIT-6: Schrodinger Wave Equation
- Unit-7: Schrodinger time dependent and independent equation, Probabilistic interpretation, wave function, Boundary conditions on the wave function
- Unit-8: Postulate of quantum mechanics, operators, eigenfunction values, Dynamical variables as Hermitian operators and eigenvalue equations.
- Unit-9: Momentum, energy and angular momentum operators, Commutation relations between operators, Eigenvalue theorem
- UNIT-10: Application of Heisenberg Equation

FLUCC Application of Behring's Equation

५०

- Upt-1: One-dimensional potential well and/or barrier, boundary conditions, bound and scattering states
Upt-10: Reflection and transmission coefficients for a "stronger" barrier in one dimension - asymptotic of alpha delta
Upt-11: Fine particle in one dimensional box; that is, no reflection, transmission asymptotic of a box potential
Upt-12: Linear Schrödinger equation
Upt-13: Perturbation theory
Upt-14: Relativity
Upt-15: Special and some limited forms of relativity, relativistic velocity composition, and the relativistic formulation of special theory of relativity
Upt-16: Lorentz transformation, length contraction, time dilation, relativistic transformation of velocity
Upt-17: Velocity dependence of mass, equivalence of mass and energy, Relativity: Deceleration

Course #: **ENGR 330**

Course code: ENCP1000

Ende

5.5.2.1 Mount Module

- Unit -1: Specific charge ratio, Thomson model, Rutherford's atomic model.
- Unit -2: Bohr model and spectra of hydrogen atom, line spectrum and continuous.
- Unit -3: Atomic Structure experiments, Bohr's explanation, Lanthan's principles.
- Unit -4: Magnetic moment of the electron, Spin & Lanthan, Vector model - space quantization
- BLOCK 2 Optical devices
- Unit -5: Ray Optics and Optical Instruments, Spectroscopic study of many electronic atoms in the ground state, spectral resolution.
- Unit -6: L. I. J coupling, associated rules and its binary rules
- Unit -7: Explanation of the structure of excited states, Raman Scattering effect
- Unit -8: X-ray spectra, characteristic and continuous, Moseley's law
- BLOCK 3 Laser Physics
- Unit -9: Spontaneous and induced emission, multipole states, Einstein's A and B coefficients
- Unit -10: Spontal and pumping processes, optical pumping, Population Inversion, laser action.
- Unit -11: Ruby and He-Ne laser, applications of Laser.
- BLOCK 4 Nuclear physics
- Unit -12: Nuclear mass, charge, size, binding energy, spin and magnetic moment, isotopes, isotopes and isomers.
- Unit -13: Nature of forces between nucleons, nuclear stability and nuclear binding, the liquid drop model (semiempirical) and the Bethe-Weizsäcker mass formula.
- Unit -14: Nuclear reactions, Conservation principles in nuclear reactions, Q-value and threshold, energies of different types of radiation and their characteristic
- Unit -15: Nuclear fission and fusion.
- Unit -16: From dark, radioactive to aware and their relative magnitude, properties of different types of ionization.
- Unit -17: Classification of elementary particles, leptons and quarks, leptons, baryons and mesons, elementary claim about quark substructure of matter.

VO

Course ID: ENGL 101000

Course code: 1822000

Created

GLD 1 Network Storage and Solid State Drives

- Unit -1: Internal Features, Input/output, Storage devices, Master's password error
- Unit -2: Low pass and High pass filter, terminal network, CRT
- Unit -3: PNP junction diode, Zener diode, tunnel diode, photo diode, LED
- Unit -4: Transistors, optotrans, characteristics curves, common base, common emitter, common collector amplifier, a and b and c
- Unit -5: Rectifier and Power supply
- Unit -6: Half wave full wave and bridge rectifier
- Unit -7: Filter circuits, L, capacitor, C, zener and a zener
- Unit -8: Linear and non linear, voltage regulated power supply, Zener diode as power regulator.

WORKS Applications

- 1001-4: PRET, MOSQUITO
 Unit-4: Single stage CE amplifier, approximate representations of current and voltage gain with the help of Load Line
 Unit-5: JLC: Coupled inductors as amplifier, current and voltage gain in amplifier
 Unit-11: Feedback amplifiers, compensation, amplifier feedback and its advantages
 Unit-12: Oscillators: Armstrong, Hartley, Schmitt trigger.
 MOSFET as Class AB Amplifier
 Unit-13: Binary algebra, binary variables, DeMorgan's theorems, binary addition and subtraction
 Unit-14: Karnaugh map, code conversion, error correction, BCD, CMOS codes
 Unit-15: Logic gates: OR, AND, NOT gates, NAND gates, DeMorgan's theorem, the Universal's theorem, NOR and NAND networks
 Unit-16: Multiplexing, Demultiplexing, universal gates, universal data selector (decoder, encoder)

Course D: Medical Physics

Casey's wife: **REBECCA**

One:

- At least 12 experiments out of this list, one is performed by the student.
- To plot the characteristics of a Zener diode.
- To see output characteristics of JFET and measure μ of a diode.
- To study the logic gates.
- To study the characteristics of PN junction.
- To draw output characteristics of common emitter.
- To draw output characteristics of common collector.
- To draw the characteristics of a bipolar device using
- To measure μ by Hall's method.
- To study CMOS amplifier's rate of unity-gain frequency using a clock signal.
- To study Diode as a Rectifier.

10

11. To slope the characteristics of a diode valve.
12. To draw the characteristics of a pentode valve.
13. To draw the characteristics of a triode valve.
14. To draw the characteristics of a pentode triode.
15. To determine the value of μ and β of a pentode.
16. To find out the value of anode load resistance in a pentode.

SUBJECT: ZOOLOGY

COURSE	NAME OF COURSE	FIRST YEAR	COURSE CODE	CREDITS
1.	Mathematics		MA220101	05
2.	Cell and Molecular Biology		BC020102	05
3.	Bioethics, Technology and Evolution		BC020103	05
4.	Laboratory Course (Practical Zoology)		BC020104	03
		SECOND YEAR		
5.	Diversity		BC020201	05
6.	Environmental Biology & Animal Behavior		BC020202	05
7.	Developmental Biology and Applied Zoology		BC020203	05
8.	Laboratory Course		BC020204	03
		THIRD YEAR		
9.	Physiology and Biochemistry		BC020301	05
10.	Microbiology and Immunology		BC020302	05
11.	Biotechnology, Instrumentation and Teleshops		BC020303	05
12.	Laboratory Course		BC020304	03

Course #: MA-Charleston
Enrollment Code: 0000000000

Case 1

Abstract

[illegible]


 ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ
 ಮಾಹಿತಿ ಮತ್ತು ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಸಚಿವರು
 ೨೦೧೭-೧೮

PROGRAMME PROJECT REPORT FOR BTM

Mission & Objectives: The mission of the BTM programme is to provide a complete understanding and knowledge to the students about the Tourism and Travel industry. In this programme learners will study all courses directly or indirectly associated with the industry of travel and tourism. After completing this programme students will easily be able to compete and connect all the theoretical aspects with the practical in the industry.

The objectives of the programme are listed below.

- To provide theoretical knowledge to learners through different compulsory courses.
- To provide an opportunity to take industry experience through internship.
- Learners will understand research and its various moves through project report.
- It will make students able to find a suitable job in the industry.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

One of the important missions of higher education particularly through Open and Distance Learning Institutions is to provide greater opportunities and access to such section of society who are unable to reach at Higher Educational institutions. Uttarakhand is one of the remotest and hilly states of India due to which large no. of the youths of the state are not able to reach and attend the higher educational institutions. Thus this Bachelor's degree programme in Tourism will provide them overall information and understanding about tourism industry. After completing the BTM Programme learners will be able to apply for the industry as well as higher teaching positions in various universities.

Nature of prospective target group of learners:

Uttarakhand is one of the hilly and remotest states of India. Most of the youths of this state are not able to reach at higher educational institutions. Remote Villages located in high hills and unavailability of higher educational institutions in state are some major factors which continuously keeping away youths of Uttarakhand from the higher education. Professional programmes such as BTM running under the umbrella of Uttarakhand Open University are providing greater opportunities of jobs travel and tourism companies located in different metropolitan cities of India.

Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence:

BTM is a one of the professional programmes running in Uttarakhand Open University from past seven years. Students will study all important courses during their programme. Most part of this programme is theoretical and students get practical experience through the two months Internship from any reputed travel company.

Instructional design:

Programme Title: Bachelor of Tourism and Travel Management
Programme Code: BTM-16

Department/School offering the programme: Department of Tourism, School of Tourism, Hospitality and Hotel Management

Duration of the Programme: Minimum Four Years and Maximum Eight Years

Admission: All the rules related to admission of university shall be applicable for admission in Bachelor of Tourism & Travel Management.

Eligibility: Minimum eligibility criteria for admissions in BTM programme shall be 10+2. There is no upper age limit to admit a candidate in Bachelor of Tourism and Travel Management programme offered by the Uttarakhand Open University.

Semester Pattern: A semester shall normally extend over a period of six months. The evaluation of the learner will be based on assignment submitted and end-semester examination. The assignment shall carry 30% of the total marks of the course. The marks of assignment shall be taken into account for computation of Grades. There shall be a written end-semester examination which will carry 70% of total marks assigned for the course.

Medium of Instruction: the medium of instruction will be English.

Question Paper Pattern for Theory Papers: The pattern of question papers will be according to the standard pattern followed by Uttarakhand Open University.

Programme Fee and Examination Fee: The programme fee per semester will be Rs. 2000/- and entire programme fee will be Rs. 16,000/-. All other charges fixed by the University shall be applicable. The examination fee will be in accordance with the decision of the examination Committee of the University. Presently the examination fee per course is Rs. 150/- and project fee is Rs. 1500/-.

Declaration of results and award of degree:

For declaration of the results and award of the degree, the University's ordinance for examination will be followed.

Amendment: Any ordinance, fee structure and eligibility are subject to amendment from time to time as may be decided by appropriate body of the University.

[Handwritten signature]

यू.ओ.ए.
मुख्यालय
द्वारा प्रमाणित
हस्ताक्षर (प्रमाणित)

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Large handwritten signature]

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- I Semester

BTMM-1st Semester

Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTMM 101	Tourism Concepts & Linkages	4	15	35	50
BTMM 102	Principles of Management	4	15	35	50
BTMM 103	Introduction to Marketing	4	15	35	50
BTMM 104	Indian History, Society and Culture	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- II Semester

BTMM-2nd Semester

Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTMM 201	Tourism Resources of Northern India	4	15	35	50
BTMM 202	Travel Agency & Tour Operation Business	4	15	35	50
BTMM 203	International Tourism	4	15	35	50
BTMM 204	Hospitality, Hotel & Hoteling	4	15	35	50
Foundation Course FES-10	Environmental Studies	N/A	30	70	100
Total Credits		16	Total Marks		300

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- III Semester

BTMM-3rd Semester

Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTMM 301	Tourism Resources of Southern India	4	15	35	50
BTMM 302	Literary Preparation and Tour Packaging	4	15	35	50
BTMM 303	Computer Application in Tourism	4	15	35	50
BTMM 304	Business Communication	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- IV Semester

BTMM-4th Semester

Paper Code	Paper Title	Credits	Assignment	ESE	Total
BTMM 401	Tourism Resources of Eastern India	4	15	50	50
BTMM 402	Airlines Ticketing and Cargo Operations	4	15	35	50
BTMM 403	Tourism, Travel, Transport	4	15	35	50
BTMM 404	Accounting and Financial Management	4	15	35	50
Foundation Course FHVA 10	Human Values and Ethics	N/A	30	70	100
Total Credits		16	Total Marks		300

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- V Semester

BTMM-5th Semester

Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTMM 501	Fundamentals of Human Resource and Organization Behaviour	4	15	35	50
BTMM 502	Leading World Destinations	4	15	35	50
BTMM 503	Tourism Impacts	4	15	35	50
BTMM 504	Industrial Training or Project Report (50 marks) and Viva-Voce (50 marks)				100
Total Credits		16	Total Marks		260

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- VI Semester

BTMM-6th Semester

Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTMM 601	Tourist Heritage of Uttarakhand	4	15	35	50
BTMM 602	Tourism Policy & Planning	4	15	35	50
BTMM 603	MICE Tourism	4	15	35	50
BTMM 604	Entrepreneurship Development	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

Unit 10	Tourism Industry: Organization and Scope
Unit 11	Tourism Infra structure - Types and Typologies
Unit 12	Chain of Distribution in Tourism Industry and Significance of Vertical and Horizontal Integration
Block 4	
Tourist Product, Tourist Demand, and The Supply-Mix	
Unit 13	Tourism Product and its Components
Unit 14	Tourist Demand - Concept, 'Types' and 'Unique Features' : Tourism Supply-mix
Unit 15	The Tourism System - Dimensions and Applications
Unit 16	Tourism Linkages - Scope, Challenges and Problem of Co-ordination/Integration.

BTTM 102	
Principles of Management	
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTTM 16)	
Year / Semester: 1st Semester	
Objective: To acquaint learners with the management principles and functions.	
Block 1 :	
Theories of Management	
Unit 1	Management - Nature, Definition, Characteristics and Importance
Unit 2	Evolution of Science and Art of Management and the Core Management Thoughts
Unit 3	Schools of Management: Administrative, Scientific, Behavioural, Open Systems, Contingency and Systems: Theory to Practice
Unit 4	Functions of Management and Skills of a Professional Manager
Block 2:	
Planning and Organizing	
Unit 5	Planning: Concept, Process and Types of Planning
Unit 6	Organizational Structures and Departmentation
Unit 7	Delegation and Decentralization
Unit 8	Span of Control and Types of Organization
Unit 9	Decision Making
Block 3 :	
Staffing and Directing	
Unit 10	Staffing : Nature, purpose and Process
Unit 11	Meaning, Principles and Significance of Directing
Unit 12	Leadership - Theories and Typologies
Unit 13	Motivation: Meaning, Definition and Theories
Unit 14	Processes of Communication: Typologies, Significance and Barriers
Block 4 :	
Coordination and Control	
Unit 15	Characteristics, Importance and Effective Process of Coordination
Unit 16	Controlling: Essence and Techniques

Handwritten signature

Handwritten signature: Puchi Anaya

Handwritten signature

Handwritten text: 2023/2024

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- VII Semester

BTM - 7 th Semester					
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTM 701	MIS for Tourism	4	15	35	50
BTM 702	Tour Guiding	4	15	35	50
BTM 703	Communication Skill & Personality Development	4	15	35	50
BTM 704	Emerging Trends in Tourism and Tourism Documentation	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

Evaluation Scheme of Bachelor of Tourism and Travel Management- VIII Semester

BTM - 8 th Semester					
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTM 801	Tourism Organizations	4	15	35	50
BTM 802	Adventure Tourism	4	15	35	50
BTM 803	Pilgrimage Tourism in India	4	15	35	50
BTM 804	Geography of Tourism	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

ESE = End Semester Examination

BTM-1 st Semester					
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTM 101	Tourism Concepts & Linkages	4	15	35	50
BTM 102	Principles of Management	4	15	35	50
BTM 103	Introduction to Marketing	4	15	35	50
BTM 104	Indian History, Society and Culture	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

BTM 101

Tourism: Concept and Linkages

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 1st Semester

Objective: This course is specifically aimed at creating a clear perception of the incumbents on conceptual and philosophical framework of Tourism.

Block 1	
Unit 1	Emergence and Evolution of concept of Tourism
Unit 2	Understanding Basic Terminology of the Tourism: Traveller, Visitor, Tourist, Excursionist, Resource, Attraction, Product, Market, Industry and Destination
Unit 3	Components and Elements of Tourism
Unit 4	Different Approaches to Study Tourism
Unit 5	Types and Forms of Tourism
Block 2	
Tourism - Growth Perspectives and Typologies	
Unit 6	Factors Affecting Growth of Tourism
Unit 7	Recreation, Leisure and Tourism Inter-relationship
Unit 8	Concept of Push and Pull Forces in Tourism
Unit 9	Motivation for Travel and Tourism and Relevance of Motivation Studies
Block 3	
Tourism Infrastructure and Industry	

Handwritten signature

Handwritten signature

Handwritten signature and stamp

BITM103

Introduction to Marketing

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BITM 16)

Year / Semester: 1st Semester

Objective: To impart knowledge and develop thinking towards the dynamic, challenging and innovative marketing of Tourism.

Block 1 : Introduction to Marketing	
Unit 1	Market and Marketing : Meaning, Nature and Scope
Unit 2	The Key 'Ps' of Marketing
Unit 3	Product Marketing and Service Marketing - Commonalities and Differentiations
Block 2 : Significance of 'Research' and 'Professionalism' in Marketing	
Unit 4	Marketing Information System and Market Research
Unit 5	Concept of Market Segmentation and Market Targeting
Unit 6	Analysis of Consumer's Buying Behaviour
Unit 7	Market Research and Forecasting Market Demand
Block 3 : Designing Marketing Strategies	
Unit 9	Competitive Differentiation and Product Positioning
Unit 10	New Product Development Strategies
Unit 11	Marketing Strategies at different stages of product Life Cycle
Unit 12	Product Pricing Strategies - Product Levels, Product Issues, Brand Decisions and Product Pricing
Unit 13	Distribution Channel Strategies - Nature and Importance of Distribution Systems; Channel design decisions and Channel Management Decisions
Block 4 : Planning and Controlling Marketing Programs	
Unit 14	Planning Marketing Programs: Product line, Product Mix, Branding, Packaging, and Management of Distribution.
Unit 15	Designing Communication and Promotion Mix - Steps in developing Effective Communication Advertising Strategies - Major Decisions in Advertising
Unit 16	Sales Promotion - Selecting, Developing and Implementing Sales Promotion Strategies
Unit 17	Public Relation - Public Relation Process, Major tools in Marketing Public Relations, Public Relations Opportunities for Hospitality Industry

BITM104

Indian History, Society and Culture

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BITM 16)

Year / Semester: 1st Semester

Block 1 Historical Perspective	
Unit 1	The process of Continuity and Change Through Pre, Proto and Ancient Times
Unit 2	Medieval History with Special Reference to the Influence of Akbar
Unit 3	Modern History and Impact of Colonial Raj
Unit 4	Key Archaeological Findings
Block 2 Religion and Philosophy	
Unit 5	The Great Vedic Heritage of India: Vedas, Brahmanas, Epics, Puranas, Smritis and Upanishads
Unit 6	Preaching of Shri Mad Bhagavad Gita
Unit 7	The Glorious Institution of Hinduism
Unit 8	Essence of Jainism and Buddhism
Unit 9	Traditions of Islam and Christianity
Unit 10	Sikhism and Other Religions
Block 3 Heritage of Art and Craft	
Unit 11	Architectural Heritage of India
Unit 12	Salient Features of Indian Sculpture and Paintings
Unit 13	Classical and Folk Dances
Unit 14	Indian Music and Musical Instruments
Unit 15	Handicraft
Block 4 Folk Traditions and Sectal Perspectives	
Unit 16	Age-old Legacy of Pilgrimages
Unit 17	Colours of Indian Fairs and Festivals
Unit 18	Sectal Perspective and Social Institutions
Unit 19	Modernization and Change

Handwritten signature: Ruchi Arora

Handwritten signature: 20/8/23

Handwritten text: 20/8/23

BTM - 2 nd Semester					
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTM 201	Tourism Resources of Northern India	4	15	35	50
BTM 202	Travel Agency & Tour Operation Business	4	15	35	50
BTM 203	International Tourism	4	15	35	50
BTM 204	Hospitality, Hotel & Hoteliering	4	15	35	50
Foundation Course FES-10	Environmental Studies	NA	30	70	100
Total Credits		16	Total Marks		308

BTM 201

Tourism Resources of Northern India

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 2nd Semester

Objective: To familiarise learners and develop appreciation for the affluent Tourism resources of Northern India.

Block 1 :	
Unit 1	Nature and Adventure Tourism - Trekking, Mountaineering, Skiing and Water and Aero-Sports
Unit 2	Religious and Cultural Tourism/Special Events/Festivities
Unit 3	Museums and Monuments
Unit 4	Flora, Fauna and National Parks
Block 2 :	
Unit 5	Punjab, Haryana, Chandigarh and Delhi
Unit 6	Museums, Monuments and Historical Sites
Unit 7	Parks and Sanctuaries
Unit 8	Religious Destinations
Unit 9	Folk Traditions, Festivities and Art and Craft
Block 3 :	
Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Chhattisgarh	

Unit 9	Monuments, Museums
Unit 10	Religious/Spiritual Tourism and Pilgrimage
Unit 11	National Parks, Wildlife Sanctuaries and Other Unique Natural Heritage
Unit 12	Folk Art, Craft and Festivities
Block 4 :	
Rajasthan and Gujarat	
Unit 13	Monuments and Museums
Unit 14	Religious Centres and Sites
Unit 15	Folk Traditions, Art, Craft and Festivities
Unit 16	Sea Beaches and Scope for Water Sports and Nature Tourism in Gujarat

Handwritten signature: Preeti Arora

Handwritten signature: Preeti Arora
Handwritten text: 28/8/22
Handwritten text: 31/08/2022
Handwritten text: Preeti Arora

BTM 202

Travel Agency and Tour Operations Business

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 2nd Semester

Objective: To familiarize learners with the fundamentals of Tourism industry and to provide the conceptual understanding of the discipline.

Block	Unit	Title
Block 1		
		Travel Agency and Tour Operations Sectors
	Unit 1	Travel and Tour Operations Trade: Origin and Development and Changing Scenario especially due to CRS & ICT
	Unit 2	Meaning and Definitions of Travel Agency and Tour Operations
	Unit 3	Forms & Typologies of Tour Operators and Travel Agents and Differentiations Between Them
	Unit 4	Role and Contributions of Travel Agents & Tour Operators in Development & Growth of Tourism Industry in India: Ethical, Legal and Regulatory Aspects of Travel Agency and Tour Operations Business
Block 2		
		Travel Agency Business
	Unit 5	Core areas of Travel Agency Business and Functions (Ticketing, Travel Facilitation, Documentation, Marketing etc.)
	Unit 6	Departmentalization of a Travel Agency and Organizational Structure of a Standard Travel Agency
	Unit 7	Setting up a Travel Agency: Fiscal & Non-fiscal Incentives Provided by the Government and Sources of Income
	Unit 8	Procedures for approval from the State Department, Central Government and IATA
Block 3		
		Tour Operations Management
	Unit 9	Tour Operations: Considerations, Challenges and Organization
	Unit 10	

		Organizational Structure and Functions of a Tour Operator (Negotiating & Contracting with Suppliers, Tour Planning & Execution, Marketing etc.)
	Unit 11	Factors Affecting Tour Planning and Sources of Income
	Unit 12	Requirements and obligatory conditions to set up a Tour Operation Unit
Block 4		
		Case Studies of Travel Trade Organizations and Associations
	Unit 13	TAAI and IATO
	Unit 14	IATA and WATA
	Unit 15	Thomas Cook and Cox & Kings
	Unit 16	Ortiz and SOTC

W.M.N.
Pooja Arora

20/05/2024
20/05/2024

20/05/2024

BITM 203**International Tourism**

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BITM 16)

Year / Semester: 2nd Semester

Objective: To equip the students with necessary knowledge on International Tourism trends and the related aspects, so that they could deal with planning, marketing or management of Tourism efficiently.

Block 1	
Contemporary Trends in International Tourism	
Unit 1	Global Tourist Traffic Trends and Receipt Patterns Over the Years
Unit 2	Regional Distribution of International Tourist Traffic and Tourism Receipts, Regional Disparities and Tourism gap
Unit 3	Dynamics of Tourist Outflows from Leading Tourism Market Countries - U.S.A, Germany, U.K, France, Spain, Italy, Canada, Japan and Australia, with Special Reference to the Target Destinations and Demand Patterns
Unit 4	Tourist Inflows Patterns to Popular Destination Countries - U.S.A, France, Spain, Italy, China, Austria, Switzerland and Australia
Block 2	
International Tourism in SAAR Region with Special Reference to India	
Unit 5	State of International Tourism in Pakistan, Nepal and Bhutan
Unit 6	Performance of Bangla Desh, Sri Lanka and Maldives in International Tourism
Unit 7	India's Place in International Tourism in Inbound and Outbound Perspectives
Unit 8	Geographic, Demographic and Psychographic Segmentation of Effective and Potential Tourism Markets of India
Unit 9	Emerging Trends of 'E-tour', 'E-tour', 'E-tour', 'Adventure' and 'MICE' Tourism vis a vis Prospects of Indian Tourism
Block 3	
Role and Contribution of Leading International Organizations in Promotion of Tourism	
Unit 10	WTO
Unit 11	WTTC
Unit 12	PATA
Block 4	
Some Key Perspectives of International Tourism	
Unit 13	Impact of Major Political, Economic and Environmental Happenings on International Tourism
Unit 14	International Tourism in future perspective: Projections made by WTO and other Institutions
Unit 15	International Tourism: Global Understanding, World Peace and Environmental Harmony
Unit 16	Measurement of Tourist Traffic and Receipts Patterns: Measurement Techniques and their Limitations

BITM 204**Hospitality, Hotel and Hoteliering**

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BITM 16)

Year / Semester: 2nd Semester

Objective: The course has been specially designed to provide an overview of the various essential perspectives of Hotel, so that the incumbents are better prepared to perceive and subsequently practice the dynamic operational and managerial functions of this sector, professionally.

Block 1	
Hospitality and Hoteliering: Meaning, Nature and Typologies	
Unit 1	Hospitality: Origin and Evolution in International Context
Unit 2	Age old Institution of Hospitality with the Spirit of 'Atithi Devo Bhava' in India and its present Status
Unit 3	Typology of Accommodation
Unit 4	Origin and growth of Hotel industry with special Reference to India
Block 2	
Departmentation in Standard International Hotel International Hotel and, Organization and Functions of Various Departments	
Unit 5	Front Office
Unit 6	Food Production
Unit 7	F & B Service
Unit 8	House Keeping
Unit 9	Back Office and Other Auxiliary Departments
Block 3	
Type and Forms of Hotels	
Unit 10	Classification of Hotel on Basis of Location, Size, Clientele and Range of Service etc
Unit 11	Star Classification - Criteria and Procedure Adopted in India
Unit 12	Resort Properties, Heritage Hotels and Escorts - Concept of Hoteliering

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

Block 4 Institutional, Promotional and Regulatory Aspects	
Unit 13	Manpower Requirement in Hotel Sector vis a vis Existing HRD Structure in India
Unit 14	Role and Contribution of I.T.D.C. and State Tourism Corporations in Development of Hotel Sector in India
Unit 15	Multinational Hotel Chains and their Impact on Indian Hoteliering Business.
Unit 16	Fiscal and Non-Fiscal Incentives Available for Hospitality Sector in the Country
Unit 17	International Regulations and Prevailing Ethical, Legal and Regulatory Framework in India
Block 5 Case Studies of Hotels	
Unit 18	The Taj, Mumbai
Unit 19	Leela Reson Beach, Goa
Unit 20	The Cocit, Shimla

BTM-3rd Semester				
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE Total
BTM 301	Tourism Resources of Southern India	4	15	35 50
BTM 302	Itinerary Preparation and Tour Packaging	4	15	35 50
BTM 303	Computer Application in Tourism	4	15	35 50
BTM 304	Business Communication	4	15	35 50
Total Credits		16		Total Marks 200

BTM 301

Tourism Resources of Southern India

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year/Semester: 3rd Semester

Objective: To impart knowledge regarding the rich repository of tourism resources in Southern India and its sustainable promotion.

Block 1 Maharashtra, Goa and, Daman and Diu	
Unit 1	Popular Monuments and Historical Sites
Unit 2	Shrines and Shrine Resorts
Unit 3	Folk Traditions, Art, Craft, Fairs and Festivals, and Scope for Ethnic Tourism
Unit 4	Beaches and Other Natural Manifestations of Touristic Significance
Block 2 Karnataka and Andhra Pradesh	
Unit 5	Popular Monuments and Historical Sites
Unit 6	Shrines and Shrine Resorts
Unit 7	Folk Traditions, Art, Craft, Fairs and Festivals, and Scope for Ethnic Tourism
Unit 8	Beaches and Other Natural Manifestations of Touristic Significance
Block 3 Kerala, Tamilnada, Pondicherry and Andaman and Nicobar Islands	

BTM 301
3rd Semester
2023-24

Unit 9	Popular Monuments and Historical Sites
Unit 10	Shrines and Shrine Resorts
Unit 11	Folk Traditions, Art, Craft, Fairs and Festivals, and Scope for Ethnic Tourism
Unit 12	Famous Beaches and Back Waters: National Parks and Other Natural Manifestations of Touristic Significance
Block 4	
Case Studies	
Unit 14	Ajanta
Unit 15	Tirupati Balaji
Unit 16	Marabell Puram
Unit 17	Backwater Tourism of Kerala

BTM 302

Itinerary Preparation and Tour Packaging

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 3rd Semester

Objective: To impart knowledge for the most crucial and deciding aspect of Tour operations.

Block 1	
Itinerary Meaning, Nature and Scope	
Unit 1	Itinerary: Historical Evolution, Concept and Definition
Unit 2	The Elementary Components of an Itinerary
Unit 3	Relevance and Scope of Itineraries
Unit 4	The Art of Itinerary Planning (Sequence & Timing of Attractions, Route Planning, Rest Stops, Parking Management, Client-Specific Requirements, Energy Levels etc.)
Block 2	
Types of Itineraries	
Unit 5	Pre-designed and Tailor Made Itineraries
Unit 6	Tour Manager's/ Executive's Itinerary
Unit 7	Tour Escort's Itinerary
Unit 8	Tourist's Itinerary
Block 3	
Types of Tour Packages	
Unit 9	Historical, Cultural and Monumental Tour Packages
Unit 10	Adventure, Sports and Wellness Packages
Unit 11	Corporate and MICE Packages
Unit 12	Special Interest Tour Packages
Block 4	
Costing of Tour Packages	
Unit 13	Various Components of Tour Packages (Transportation, Accommodation, F & B, Escort & Guiding, Entertainment and Shopping)
Unit 14	Negotiating & Contracting with Suppliers
Unit 15	Cost Evaluation, Competition Analysis and Strategic Costing
Unit 16	Pricing of the Tour Packages on FIT and GIT Regimes (Add Ons)

Lucia Anna

2020-21

BTM 303

Computer Applications in Tourism

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 3rd Semester

Objective: An introduction to micro computing for the non-specialist, and provides students with an understanding of the role of information systems in the management of tourism & hotel facilities.

Block 1	
Computer Technology and Tourism	
Unit 1	History and Evolution of Computer Generation; Computer Hardware and Computer Software, CPU
Unit 2	Concepts of Computer Applications, Input / Output Devices, Numbering System and Data Representation, DOS Commands
Unit 3	Windows and MS Office, MS Word / MS Excel / MS Power Presentation;
Unit 4	Uses of Computer Technology in Tourism Industry: Travel Agency, Hospitality and Airlines Operators
Block 2	
Application of Computer Software in Tourism Industry	
Unit 5	Introduction of CRS, CRS for Rail Transport, CRS for Hotel Booking, CRS for Airlines
Unit 6	Global Distribution system- Concept and uses An introduction to Amadeus, Galileo, sabre and worldspan
Unit 7	Use of MICROS - FIDELIO and other latest software in Tourism Operation Customized softwares of various organization case study (TCI/Koorn)
Unit 8	Advantages and Disadvantages of using computer technology; Advantages and Disadvantages of using computer software
Block 3	
Fundamentals of Internet	
Unit 9	Introduction to Internet, Accessing Web Sites.
Unit 10	Computer Network & Microsoft outlook Concept of LAN, WAN and What is E-Mail, Sending & Receiving of E-Mails, Subscription of E-Mail to various Sites.
Unit 11	Search Engines, Searching through various Search Engines, Chatting, and Various Online Messages.
Unit 12	Travel Agency Automation, Tourism Production System, Air Chair Tourism, E-Tourism Business, E-Tourism Marketing

Block 4	
E-Business in Tourism	
Unit 13	Meaning and Applications of E-Commerce, E-Business and E-Marketing, Significance of E-Commerce in Tourism and Travel
Unit 14	E-Business Setup: B2B, B2C, C2C
Unit 15	Safety and Security in E-Business; Encryption, Firewall, Digital Signature
Unit 16	On line business and it's setup, Study of any Three E-Business Organisation in Tourism and Travel

Handwritten signature

Handwritten signature: Pooja Arya

Handwritten text: 20/08/23

BTM 304

Business Communication

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 3rd Semester

Objective: The basic objective is to help the students to acquire and develop both written and oral communication skills necessary in the Travel Trade, and also to understand the basic concepts of communication in an organisation.

Block 1	
Concept of Communication	
Unit 1	Communication: Definition, Need, Purpose and Process, Importance of Communication in Tourism Industry
Unit 2	Communication Networks, Directions of Communication, Types of Communication.
Unit 3	Differences between Oral and Written Communication, Directions of Communication, Barriers and Gateways to Communication
Unit 4	Cross Cultural Communications, Concepts of Culture, Functions and Impacts of Culture on Communication, Important Expression in Cross Cultural Communication
Block 2	
Written Communication	
Unit 5	Principles of Business Communication, Process of Preparing Effective Business Messages.
Unit 6	Stages of Writing, Purpose of Written Communication in Professional Environment
Unit 7	Types of Written Communication, Report, Proposals, Circulars, Memos, Notice, Agendas, Minutes and Drafting
Unit 8	Writing Letters, Business Letter Formats, Types of Letters, Telex Messages, E-mail Communication, Communication through Internet
Block 3	
Verbal Communication	
Unit 9	Listening: Definition, Types and Levels of Listening, Keys to effective Listening
Unit 10	Effective Speaking: Essential Qualities of a Good Speaker, Appearance and Bodily Actions, Use of Voice, Use of Visual Aids

Unit 11	Telephone Handling: Need for favorable voice quality, Listening vs. Hearing, Handling Verbal Complaints.
Unit 12	Barriers of Verbal Communications
Block 4	
Non Verbal Communication	
Unit 13	Classification of Non Verbal Communication: Kinesics, Proxemics, Time Language, Paralanguage, Physical Context
Unit 14	Body Gestures and Messages that are communicated through Gestures
Unit 15	Grooming Standards, Impact of Body Language in Tourism Industry
Unit 16	Assertive, Aggressive and Passive Behaviors

Ummir

Judith Anya

aditya

DATE: 10/01/2023
PAGE: 10/01/2023

BTM - 4th Semester					
Paper Code	Paper Title	Credits	Assignment	ESC	Total
BTM 401	Tourism Resources of Eastern India	4	15	50	50
BTM 402	Airlines Ticketing and Cargo Operations	4	15	35	50
BTM 403	Tourism, Travel Transport	4	15	35	50
BTM 404	Accounting and Financial Management	4	15	35	50
Foundation Course	Human Values and Ethics	NA	30	70	100
BTMVA 10					
Total Credits		16	Total Marks		300

BTM 401
 Tourism Resources of Eastern India
 Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)
 Year/Semester: 4th Semester
Objective: To acquaint learners with the tourism resources of Eastern India and also to develop a rational and sustainable thinking in context with the promotion of these resources.

Block 1	
Unit 1	Monuments, Museums and Historical Places
Unit 2	Religious Centres and Sites
Unit 3	Folk Art, Craft and Festivities
Unit 4	National Parks and other Nature Tourism Destinations
Block 2	
Unit 5	Monuments, Museums and Historical Places
Unit 6	Religious Centres and Sites
Unit 7	Folk Art, Craft and Festivities
Unit 8	National Parks, Beaches and other Natural Sites
Block 3	
Meghalaya, Assam and Tripura	

Unit 9	Monuments, Museums and Historical Places
Unit 10	Religious Centres and Sites
Unit 11	Folk Art, Craft and Festivities
Unit 12	Nature Tourism Attractions
Block 4	
Unit 13	Monuments, Museums and Historical Places
Unit 14	Religious Centres and Sites
Unit 15	Folk Customs, Costumes, Traditions, Art, Craft and Festivities
Unit 16	Potential Appeal for Eco Tourism, Ethnic Tourists and Adventurous Souls

Handwritten signature: 
Handwritten signature: 

RECEIVED
 2024-07-10

BTM 402

Airlines Ticketing and Cargo Operations

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 4th Semester

Objective: To disseminate knowledge regarding the documentation, operations and packaging of highly dynamic and sensitive Aviation and Cargo Industry.

Block 1 Travel Documentation	
Unit 1	Passport & VISA
Unit 2	Passenger Insurance Associated Documentation
Unit 3	Health Related Documents
Unit 4	Baggage Documentation and Regulations
Block 2 Aircraft and Flight Services	
Unit 5	Aircraft Configuration and Features
Unit 6	Passenger Capacity and Aircraft Seating Plans
Unit 7	Baggage Handling & Management
Unit 8	Food & Beverage Services and Passenger Safety Plans
Block 3 Ticketing, Tour Costing and Pricing	
Unit 9	Airline Reservations, Domestic and International Ticketing
Unit 10	Tarif Terminology and Fare Calculation
Unit 11	Factors Affecting the Tour Cost and Procedure for Cost Determination
Unit 12	Pricing Strategies and Calculation of Tour Price
Block 4 Air Cargo Operations	
Unit 13	Growth and Evolution of Cargo Industry, IATA Conference Areas

Unit 14	Time Zones and Calculation of Flying Time, GMT variations, Elapsed / Flying / Ground/transportation time
Unit 15	IATA 3-letter City / Apr. Codes, Airlines, Country and Currency codes
Unit 16	Air Way Bill, Cargo Rating: GCR, CCR & SCR

Pooja Arora

aditya

संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग

Aditya

BTTM 483

Tourism, Travel and Transport

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTTM 16)

Year / Semester: 4th Semester

Objective: To disseminate knowledge regarding the concepts, characters, growth and management of transport management.

Block 1 Introduction to Transport System	
Unit 1	Characteristics of Transport System
Unit 2	Types and Modes of Tourist Transport
Unit 3	Landmarks in the Development of Transport Sector
Unit 4	Tourist Transport System: Distribution and Operational Requirements
Block 2 Various Modes of Transport	
Unit 5	Air Transport: Origin and Growth in International Context
Unit 6	Surface Transport: Growth and Development
Unit 7	Water Transport: Evolution, Growth and Prospects
Unit 8	Linkages and Inter-Relationship between different modes of Transport
Block 3 National and International Organizations	
Unit 9	Role and Importance of IATA and ICAN in Development of Air Transport Industry
Unit 10	Role and Functions of IYCCA
Unit 11	Contribution of ITTA in Growth of Indian Tourist Transport Industry
Unit 12	Indian Railways and Tourism
Block 4 Marketing of Tourist Transport	
Unit 13	Demand and Supply Equation vis-à-vis of Tourist Transport
Unit 14	Promotion of Tourist Transport: Approaches and Techniques
Unit 15	Effective Sales and Advertising for Tourist Transport
Unit 16	Marketing of Tourist Transport: Challenges and Prospect

BTTM 484

Accounting and Financial Management

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTTM 16)

Year / Semester: 4th Semester

Objective: To inculcate the conceptual understanding of Accounting and Finance in the learners thereby helping them in the maintenance of accounts, pertinent to any organization.

Block 1 Accounting : Introduction	
Unit 1	Accounting: Meaning, Definition, Objective & Scope.
Unit 2	Basic terms in Accounting, Accounting principles, branches of Accounting, Uses of accounting, Limitation of accounting.
Unit 3	Concept & Conventions; Accounting Vs Accountancy; Functions of accountant in modern times
Unit 4	Practical system of book-keeping - Cash book, types of cash book, single column, double column, The Double Entry System
Block 2 Subsidiary Books of Accounts	
Unit 5	Journal-debit & credit, rules of debit & credit, method of Journalising.
Unit 6	Ledger-meaning of ledger, utility of ledger, posting of entries.
Unit 7	Petty Cash Book, Trial Balance: Meaning, Objective and Preparation of Trial Balance, Errors and Rectification of Errors
Unit 8	Profit and Loss Account, Preparation of Balance Sheet
Block 3 Financial Accounting	
Unit 9	Meaning, Need, Objective, Concept and Function of Finance and Finance Management
Unit 10	Statement of changes in Financial Position, Fund Flow Analysis
Unit 11	Financial Statement Analysis, Ratio Analysis
Unit 12	Analysis of Risk and Uncertainty
Block 4 Financial Planning	
Unit 13	Sources of Finance: Meaning and Steps of Financial Planning
Unit 14	Over and Under-capitalization theories, Theory and Planning of working capital management
Unit 15	Meaning and Importance of Capital Budgeting, Rationale for Capital Expenditure
Unit 16	Evaluation Techniques: PBP, BCR, NPV, IRR, Dividend

Signature

Pooja Arora

DATE: / /

TIME: : :

Page No.:

BTM -5 th Semester				
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESSE
BTM 501	Fundamentals of Human Resource and Organization Behaviour	4	15	35
BTM 502	Leading World Destinations	4	15	35
BTM 503	Tourism Impacts	4	15	35
BTM 504	Industrial Training or Project Report	4	15	35
Total Credits		16	Total Marks	
			200	

BTM 501

Functional of Human Resource and Organization Behaviour
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management BTM 16
Year / Semester: 5th Semester

Objective: The success of any organization depends upon the Human Resources working in the Organization, being a labour intensive industry, the tourism industry highly rely on its man power. The course focuses on the complete cycle through which the Human Resources undergo after joining the organisation. The course also specifically covers the need and the requirement of Human Resources in the Tourism Industry.

Block 1	
The Foundations and Challenges of HRM	
Unit 1	Definition of HRM, Role, Importance and Challenges of HRM
Unit 2	Differences between HRM and HRD, Meaning and Importance of HRD
Unit 3	HRM in Tourism Industry in India: Travel Agencies, Hotels
Unit 4	Organizational Structure of HR Department in Tourism Industry with the help of Case Studies
Block 2	
Human Resource Planning	
Unit 5	Job Evaluation: Concept, scope and limitation

Unit 6	Job Analysis and Job Description-Concepts and methods, Task Analysis
Unit 7	Recruitment and Selection Process; Induction and placement; Employees Training and Development
Unit 8	Performance Appraisal - Methods, Techniques and Monitoring Transfer, Promotion and Rewards; Grievances and disciplinary issues
Block 3	
Introduction to Organizational Behaviour	
Unit 9	Meaning, Definition and Importance of Organization Behaviour
Unit 10	Perception and Motivation in Organizations
Unit 11	Process of Learning in the study of Organization Behaviour: Meaning, Factors influencing Learning
Unit 12	Organizational Communication: Meaning, Types, Forms and Networks
Block 4	
Organization Effectiveness	
Unit 13	Leadership: Meaning, Types and Process Theories
Unit 14	Group Behaviour in Organization
Unit 15	Meaning and Concept of Organization Effectiveness
Unit 16	Organization Change and Organization Development with Case Studies Emerging trends and perspectives

Pravin Keshvi Arya

प्रविण केश्वी आर्या
सहपाठक
पत्रिका (पृष्ठ 100)

BTM S02

Leading World Destinations
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)
Year / Semester: 5th Semester

Units	Block 1 Popular Tourism Destination Countries of North and South America and Their Touristic Appeal
Unit 1	USA
Unit 2	Canada
Unit 3	Mexico
Unit 4	Brazil and Argentina
Block 2 Touristic Heritage of Key Destinations of Prominent Tourism Countries of Europe	
Unit 5	France
Unit 6	Italy
Unit 7	Spain
Unit 8	UK
Block 3 Tourist Attractions of Emerging Destination Countries of Asia	
Unit 10	China and Hong Kong
Unit 11	Thailand
Unit 12	Singapore
Unit 13	Iran
Block 4 Unique Tourist Resources of Selected Countries of Africa and Oceania	
Unit 14	South Africa
Unit 15	Egypt and Kenya
Unit 16	Australia
Unit 17	New Zealand

BTM S03

Tourism Impact
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)
Year / Semester: 5th Semester
Objective: To familiarise learners with the socio-economic and environmental impacts of Tourism.

Impact of Tourism on Socio-economic Environment of the Destination	
Block 1	
Unit 1	Good, Bad and Ugly Faces of Tourism
Unit 2	Direct, Indirect and Induced Economic Benefits of Tourism to Destination Economy
Unit 3	Multipplier Effects of Tourism: Sales, Output, Income and Employment Multiplier of Tourism.
Unit 4	Social Benefits of Tourism - Improvement in Living Standard, Social Awareness and Integration, Greater Communication with Outside World and Modernization of Infrastructure
Unit 5	Negative Implications of Tourism: Neo-colonization, Inflation, Conscious Consumption patterns, Withdrawal of Labor from other Sectors and Over-dependence on Tourism
Unit 6	Social Costs of Tourism - Demonstration Effect, Materialistic Attitude, Dilution of Social institutions, increase in crime
Block 2 Tourism and Destination Culture	
Unit 7	Tourism and Culture Inter-relationship: Synergy, Symbiosis, and Antagonism
Unit 8	Positive Impacts of Tourism on Culture : Contribution towards Conservation of Heritage Objects, revival and Rediscovery of lost traditions, Motivation to Artisans and Craftsmanship, Cultural Awareness and Keener Sense of belongingness for cultural heritage
Unit 9	Negative Cultural Implications of Tourism: Over-use of Monuments and other Cultural Objects, Xenophobia, Cultural Shocks, Erosion of Religious Values and Institutions, Acculturation, Beggar Mentality, Commercialization of Art, Craft and Traditions

20/08/20

Minid
Lucia Anja

2022

Block 3 Tourism, Environment and Ecology	
Unit 10	Tourism, Ecology and Environment: Relationship of Complementarity vs Conflict
Unit 11	Positive Impacts of Tourism on Ecology: Direct and Indirect Contribution in Protection, Preservation of Natural Heritage: Judicious and Non-Consumptive use of Natural Resources, Instilling Environmental Awareness and, Supporting the Cause of National Parks, Wildlife Sanctuaries and Biosphere Reserves and,
Unit 12	Negative Environmental Implications of Tourism: Encroachment on natural areas, Over-crowding, Noise and Pollution, deterioration of environmental quality and Disturbance in Eco-balance
Block 4 Tourism Carrying Capacity and Environmental Impact Assessment	
Unit 13	Essence of Sustainable Tourism Development
Unit 14	Bio-physical, Socio Cultural, Aesthetic and Facility Carrying Capacity: Concept, Need and Evaluation Techniques
Unit 15	Environmental Impact Assessment (EIA) and Environmental Auditing
Block 5 Legal and Regulatory Framework for Protection and Conservation of Environment and Natural Resources	
Unit 16	Environment Protection Act
Unit 17	Wildlife and Forest Protection Act
Unit 18	Water, Air Protection Acts

BTM 504
Industrial Training or Project Report
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management BTM 16
Year/ Semester: 5th Semester

Objective:
To confront students with the actual working environment thereby providing an opportunity to use their theoretical knowledge practically.

The industrial training & Project report carries 100 marks (50 marks for Industrial Training Report or Project Report and 50 marks for Viva-Voce) which shall be evaluated by a panel of two experts (one Internal and One External).

The project will be formulated under the directions of examination controller.

Project Report:

DESIGN:
Reports should contain pictures, charts, brochures etc. The Cover page of the Report should contain Your name, enrolment no., programme name, programme code, session, study center name and code.
Note: After submission of the Training report or Project Report students will give its Viva-Voce at university's Headquarter.

BTM-4 th Semester					
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTM 601	Tourist Heritage of Uttarakhand	4	15	35	50
BTM 602	Tourism Policy & Planning	4	15	35	50
BTM 603	MICE Tourism	4	15	35	50
BTM 604	Entrepreneurship Development	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		
			280		

BTM 601
Tourist Heritage of Uttarakhand
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)
Year / Semester: 6th Semester
Objective: To illustrate the affluent Heritage of Uttarakhand and organizational role in Tourism development in the state.

Block 1 Introduction to Uttarakhand	
Unit 1	Geographic Personality of Uttarakhand
Unit 2	Historical Perspective
Unit 3	Flora and Fauna
Unit 4	Socio-cultural and Economic Perspective
Block 2 Nature Based Tourism Activities – Existing Resource-use Patterns and Further Prospects	
Unit 5	Effective and Potential Destinations for Mountaineering and Rock Climbing
Unit 6	Trekking – Trends and Opportunities
Unit 7	Alti Ski Resort and Other Prospective Skiing Sites
Unit 8	River Running – Status and Scope
Unit 9	Parks, Sanctuaries and Wildlife Tourism
Unit 10	Popular Hill Resorts of the State

Block 3 Religious and Spiritual Heritage	
Unit 11	The Panch Kedars and The Panch Badris
Unit 12	The Gangotri, The Yamunotri and Popular Shakti Peets
Unit 13	Religious and Spiritual Significance of Haridwar, Rishikesh, Joshimath and Uttarakashi
Block 4 Other Cultural Legacies	
Unit 14	Important Monuments, Museums and Historical Sites
Unit 15	Fairs, Festival and Religious Processions
Unit 16	Folk Traditions, art and Craftsmanship
Block 5 Organizational and Planning Perspectives	
Unit 17	State Department of Tourism – Organization, Policies and Performance
Unit 18	'Garhwal' and 'Kumaon' Mandal Vikas Nigam - Role and Contribution in Promotion of Tourism in Uttarakhand
Unit 19	Prevailing International and Domestic Tourism Traffic Trends and Growth Prospects

कुल संतोष
 उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विभाग
 पल्लोनी (विजयवाड़ा)

Rudhi Arora

BTM 602

Tourism Policy and Planning
 Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management BTM 16
 Year / Semester: 6th Semester

Objective: To impart knowledge regarding the process and approaches to tourism policy and planning. To also aware learners about the Indian tourism policies and planning constituted so far.

Block 1 Tourism Policy and Planning Framework	
Unit 1	Review of Tourism Planning Progress in International and India Context
Unit 2	Tourism Policy – Meaning, Nature, Relevance and Salient Feature
Unit 3	Tourism Planning: Significance, Constraints, Grey Areas and Scope
Unit 4	Levels and Types of Tourism Planning
Unit 5	Destination Development and its Components
Unit 6	Concept of Destination Life Cycle and its Relevance in the Context of Destination Planning
Block 2 Steps and Stages in Destination Planning	
Unit 7	'Conceptualization', 'Background Analysis' and 'In-depth Research and Analysis Phase'
Unit 8	'Synthesis' Phase and Preparation of Position Statements
Unit 9	Objective-setting, Goal-setting and Strategy-setting and Plan Writing
Unit 10	Tourism Project Feasibility Study
Block 3 Approaches to Tourism Planning	
Unit 11	Eco-centric or Environmental Approach of Tourism Planning
Unit 12	Community Approach of Tourism Planning
Unit 13	Concept of Tourism Complex Planning and its relevance in Indian Context.

Block 4 Tourism Policy and Planning: Indian Perspective	
Unit 14	Place of Tourism in India's Five Year Plans
Unit 15	Tourism Policy of India and Contribution of NCT to this Effect
Unit 16	Organizational Structure of Tourism in India at Central and State Level
Unit 17	Salient Features of the Tourism Policy of Himachal Pradesh, Rajasthan, Goa, Karnataka and Kerala.

Munir

Pooja Arora

aditya

प्रमाणित है कि यह प्रमाणित है
 प्रमाणित है कि यह प्रमाणित है

MICF Tourism

MICF Tourism

Programme: Bachelor in Tourism and Travel and Management (BTM) (6)

Year / Semester: 6th Semester

Objective: To accustom learners with the inevitable sub sector of Business tourism, claiming to be the highest revenue generator form of tourism in modern times.

Block 1 MICE and Major Stakeholders	
Unit 1	Concept of MICE, Types of Meetings, Incentive Tours, Conferences and Events; Emergence of MICE Business in India and World
Unit 2	Socio Economic Importance of MICE Business in India and Competitiveness of India in MICE Business
Unit 3	Building for Events and Scheduling for Events, Role of event in Tourism Promotion
Unit 4	Major Stakeholders (Public and Private Sectors: Hotels, Airlines, Transport Companies, Travel Agencies etc.) in MICE Business and their contribution
Block 2 Meeting Process	
Unit 5	Arrangements and Facilitation of Meetings: Venue, Timing, Equipment's and other arrangements during Meetings
Unit 6	Arrangement for Participants in Meetings: Accommodation and Catering, Pre and Post Tours etc.
Unit 7	MICE Market in India: Internal and External
Unit 8	Incentive Tours Business and its Management
Block 3 Management of Conferences	
Unit 9	Process of Planning and Organizing Events
Unit 10	Organizing International Conferences in India: Legal Formalities,
Unit 11	Managing Sports Events
Unit 12	ICCA International Congress & Convention Association, UJA Union Association Internationale in French speaking regions, ICPR, (Indian Convention

	Promotion Bureau in India), AACVB (Asian Association of convention and visitor's Bureau)- Development and role
	Block 4 Case Studies in MICE
Unit 13	Major Types of Events: Cultural Events, Festivals, Sports Events and Thematic Events
Unit 14	Case Study of VIRASAT (Cultural Festival of U. Narthkhand), Case Study of Yoga Festival of Rishikesh.
Unit 15	Case Study of Trade Fair Authority of India and its Activities, Comparative case studies of Science Park in Singapore and New Delhi
Unit 16	The role of marketing for event organization, Tools for marketing and promotion, The Marketing Process

Puebi Arza

2682

100-443887-100

BTM 604

Entrepreneurship Development

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)

Year / Semester: 6th Semester

Objectives: To involve an understanding and nurture thinking towards the scope of entrepreneurial development in tourism.

Block 1 Entrepreneurship and Institutional Role	
Unit 1	Entrepreneurial Traits, Types and Significance; Entrepreneurship Skills
Unit 2	Definition, Characteristics of Entrepreneurial Types; Role of Entrepreneur in Economic and Social Development
Unit 3	Theories of Entrepreneurship; Preparation of Business Plan
Unit 4	Institutional role in the development of Entrepreneurs like SIDCO (State Industrial Development Corporation) and Banks
Block 2 Enterprise Development	
Unit 5	Identification of Entrepreneurship opportunities and Environmental Analysis
Unit 6	Feasibility Study and Impact Assessment
Unit 7	Legal requirements for Small Scale Enterprises (SSE's) in Tourism; Documentation for SSE's in India and Uttarakhand
Unit 8	Managing of Family Enterprises in Tourism
Block 3 Issues related to SSE's	
Unit 9	Opening of Small Scale Tourism Enterprises; Market Analysis and Assessment
Unit 10	Choice of site and Technology; Financing Options
Unit 11	Ownership Structure and Organizational Framework
Unit 12	Role and Importance of Entrepreneur in Economic Growth;
Block 4 Management of SSE's	
Unit 13	Managerial Processes in SSE's;

Unit 14	Managing Human Resources in SSE's
Unit 15	Performance Assessment and Control of SSE's
Unit 16	Marketing SSE's in Tourism; Use of Internet and Consortiums

Prachi Arora
20/08/22
 20/08/22
 20/08/22
 20/08/22

BITM – 7 th Semester					
Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BITM 701	MIS for Tourism	4	15	35	50
BITM 702	Tour Guiding	4	15	35	50
BITM 703	Communication Skill & Personality Development	4	15	35	50
BITM 704	Emerging Trends in Tourism and Tourism Documentation	4	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

Block 1 Introduction to MIS	
Unit 1	Meaning, Concept and Scope of MIS.
Unit 2	Key Components and Elements of MIS,
Unit 3	Approaches to Information Systems.
Unit 4	Various types of Information Systems and Their Implications
Block 2 MIS & Computers	
Unit 5	Computer s and Components of a computer System
Unit 6	Operation of manual information system and Conversion of Manual to Computer based systems,
Unit 7	Data Processing, Data Bank Concept and Types of Computer based Applications.
Unit 8	Data Based Management Systems
Block 3 Planning Designing and Implementation of MIS	
Unit 9	Planning MIS: Need, Dimensions and Techniques

Unit 10	Systematic Process involved in Designing MIS
Unit 11	Implementing MIS: Steps in Implementation
Unit 12	Decision Making and MIS
Block 4 MIS and Tourism	
Unit 13	MIS and Tourism : Scope and Significance
Unit 14	Application of CRS in Travel Trade and Hospitality Sectors of Tourism
Unit 15	Business Applications of Computers in Tourism Industry with Special Reference to Financial Analysis and Marketing
Unit 16	Scope of Computer Applications in Destination Planning and Development

BTM 702

Tour Guiding

Programme: Bachelor in Tourism & Travel Management (BTM) 16

Year/Semester: 7th Semester

Objectives: To acquire an in-depth knowledge about the profession of tour guiding and escorting

Unit 1	Tourist Guide: Meaning, Types, Duties and Responsibilities, Training, Sources of Learnings.
Unit 2	Registration of Guides: Types and Procedure
Unit 3	Understanding Travellers Needs and Wants: Customer Care, Feedback Assessment and Analysis
Unit 4	Seeking Site Knowledge: Sources of Information
Unit 5	Visitor Facilitations: Caring for Customers and Meeting assistance and transfers.
Unit 6	Guiding Skills: Personality and Knowledge Role of Body Language, Skills of Different Guides
Unit 7	Understanding Rules & Regulations: Forest Guides, Govt. Rules, Chaltians and FIR etc.
Unit 8	Managing Special Situations: Dealing with Late Coming Passengers, Loss of Passport, Loss of Money, Missing Members, Difficult Questions etc.
Unit 9	Handling Complaints, Sickness and Disabled Passengers, Working in Difficult Situation (Political Strikes, Road Blocks and Terrorism etc.).
Unit 10	Safety and Security: Basic First Aid
Unit 11	Personality Developments and Communication Skills: Relevance in Tourism
Unit 12	Understanding the Cultural Gaps Between Tourist and Hosts in Linguistic Attitudes
Unit 13	Uses and Misuse of History in Guiding
Unit 14	Tour Escort: Meaning, Responsibilities, Basic Qualification, Sources of Earning

BTM 703

Communication Skill & Personality Development

Programme: Bachelor in Tourism & Travel Management (BTM-16)

Year/Semester: 7th Semester

Objectives: This course will introduce learners to the role and importance of effective communication at workplace. It presents principles of communication responsible for good interpersonal interaction.

Unit-1	Principles of Communication: Meaning and Definitions of Communication, Features, Objectives, Need, Process and Types of Communication, Models, Importance of Communication, Barriers of Communication, How to make Communication Effective, Differences between Oral and Written Communication, GC's in Communication.
Unit-2	Verbal Communication: Introduction, Definition, Features and Types of Verbal Communication, Advantages of Verbal Communication, Guidelines for Effective Verbal Communication.
Unit-3	Non-Verbal Communication: Meaning and Definitions of Non-Verbal Communication, Characteristics, Advantages & Disadvantages of Non-Verbal Communication, Types of Non-Verbal Communication, Impacts of Body Language in Tourism Industry, Differences between Verbal and Non-Verbal Communication.
Unit-4	Listening: Significance of Effective Listening, Active Listening, Some Do's for Listeners and Some Don'ts for Listeners, Obstacles to Effective Listening, Guidelines to Effective Listening, How to Become A Good Listener
Unit-5	Public Speaking: Selection of the Topic, Audience Analysis, Researching and Planning the Speech, Organizing the Speech, Tips for Effective Public Speaking, Developing Confidence and Overcoming Fear, Essential Qualities of a Good Speaker.
Unit-6	Meeting and Conference: Meaning, Features, Procedure, Planning and Arrangement of Meeting and Conference, Chairmanship, Participation, Physical Arrangement, Nature and Definition of Meeting and Conference, Types of Discussion Group, Regulating Speech, Organizing Conferences and Evaluating Oral Presentation
Unit-7	Group Discussion: Meaning and Definitions of Group Discussion, Features and Types of Group Discussion, Preparation for Group Discussion, Process of Group Discussion, Category of Topics Discussion, What is Observed in Group Discussion? Guidelines to Improve Performance in Group Discussion, Overcoming Mistakes in Group Discussion.
Unit-8	Interview: Meaning, Features & Purposes, Types of Interview, Successful Interview, Appearance & Dress, How to conduct yourself during the interview.
Unit-9	Written Communication: Introduction, Features, Advantages & Disadvantages, Writing an Effective Mail, Rules for Good Writing

Handwritten signature: Pueli Arora

Handwritten signature: Pueli Arora

BTM 704

Emerging Trends in Tourism and Tourism Documentation

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM-16)

Year/Semester: 7th Semester

Objective: International tourism involves several kinds of travel formalities and documentations.

The students of tourism must know about such formalities & documentations, which are needed in the form of several documents so in the present course the students will learn about required documents to travel in a foreign travels.

Block 1	
Unit 1	Medical Tourism: concept and its relation with other types of tourism. Overview and operational aspects of medical tourism facilities. Major markets of Indian medical tourism. Resource available in India medical Tourism
Unit 2	MICE: Meaning and concept of MICE, understanding planning and Organizing conference, exhibitions and trade fairs, facilities available in India for MICE. Convention Management- Role of the meeting manager. Types, skills required and responsibilities.
Unit 3	Rural Tourism: concept and its relation with other types of tourism. Aims And objectives behind promoting rural tourism. Resource available in India for rural tourism. Rural tourism- Benefits or Burden?
Unit 4	Eco-Tourism: Definition of Ecotourism, Ecotourism resource: identifying, listing and understanding. Ecotourism resource categories (Natural, built and events) protected areas: definition, categories and roles, identifying and describing eco-tourism products.
Block 2	
Indian Passport	
Unit 5	Passport: History, definition, meaning, issuance, physical appearance, how to get the passport form.
Unit 6	The essential documents required while applying for a passport: photographs, fee and other documents, Checklists, change of name.
Unit 7	Types of passports: Passport Act 1967, Lost/Damaged Passport.
Unit 8	Limitations on use, International travel without passport
Block 3	
Visa	
Unit 9	VISA: History, definition, meaning, features, significance in tourism industry.
Unit 10	Types of Visa issued by India, Visa Fees, Visa Refusal or Pending, how to obtain Visa, Necessary documents to get Visa, Visa free-entry.
Unit 11	Visa on Arrival for Indian travelers, Online Visa Registration, Schengen Visa
Unit 12	Tourist Visa for Spain, Australia, USA, Canada, & France.
Block 4	
Other Important Documents Required for Travel	
Unit 13	Health regulations for international travel: compulsory vaccinations.
Unit 14	Special permits for restricted areas in India.
Unit 15	Travel Insurance: Meaning, features, types and clauses included in most policies.
Unit 16	Foreign exchange/currency: Indian currency, RBI Regulations, Foreign Exchange Management Act, Process for Encashment of Foreign Currency.

BTM - 8th Semester

Paper Code	Paper Title	Credit	Assignment	ESE	Total
BTM 801	Tourism Organizations	4	15	35	50
BTM 802	Adventure Tourism	4	15	35	50
BTM 803	Pilgrimage Tourism in India.	4	15	35	50
BTM 804	Geography of Tourism	4	15	35	50
Total Credits		16			Total Marks
					200

BTM 801

Tourism Organizations.

Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM-16)

Year/Semester: 8th Semester

Objective: After reading this paper students will be able to:

- Understand the need of tourism organizations
- Know the different levels of tourism organizations-private, national and international.
- Learn about various functions performed by these organizations.
- Understand the role played by organizations for the benefit of travellers.
- Know the role played by international, national, regional and local organizations for their members.

Block 1	
Introduction & International Organizations I	
Unit 1	Tourism Organizations: History, introduction, features, need, significance in growth of tourism industry.
Unit 2	World Travel & Tourism Council (WTTTC): History, organisation, membership & functions.
Unit 3	International Air Transport Association (IATA): History, Aims, Services, Activities, Membership.
Unit 4	International Civil Aviation Organization (ICAO): History, Objectives, Functions, Organizational Structure.
Block 2	
International Organizations II	
Unit 5	United Nations World Tourism Organization (UNWTO): History, aim, membership, functions, role etc.
Unit 6	United Federation of Travel Agents Association (UFTAA): History, introduction, mission, functions and membership.

[Handwritten signature: Pooja Arora]

[Stamp: Pooja Arora, 20/08/2024]

Unit 7	Pacific Asia Travel Association (PATA): History, Chapters, Members and Events.
Unit 8	American Society of Travel Agents (ASTA): History, Introduction objectives, Membership, Functions etc.
Block 3	
Indian Tourism Organizations-I	
Unit 09	Indian Association of Tour Operators (IATO): Purpose, Objectives, Membership and Functions.
Unit 10	India Tourism Development Corporation Limited (ITDC): History, objectives, functions and role.
Unit 11	Tourism Finance Corporation of India (TFCI): Introduction, objectives, functions role in growth of tourism industry in India.
Unit 12	Federation of Hotel and Restaurant Association of India (FHRAI): History, Objectives, Activities, Membership.
Block 4	
Indian Tourism Organizations-II	
Unit 13	Travel Agents Association of India (TAAI): History, Purpose, Objectives, Activities and Membership.
Unit 14	India Tourism Ministry of Tourism: Functions/Activities of India Tourism offices in India, State Tourism Development Corporation (Uttrakhand, U.P., M.P.)
Unit 15	Tourism Finance Corporation of India (TFCI)
Unit 16	The Archaeological Survey of India

BTM 802
Adventure Tourism
Programme: Bachelor in Tourism and Travel Management (BTM 16)
Year/Semester: 8th Semester
Objective: This course will focus on the concept & types of Adventure tourism, Institutions running courses, potential for adventure tourism in India, existing popular destinations and activities, Institutions

Block 1	
Basic Concepts of Adventure Tourism	
Unit 1	Adventure tourism: Concept, features, nature, scope and different types.
Unit 2	List of recognized organizations and institutions associated with adventure tourism in India.
Unit 3	Popular Adventure Sports of Uttarakhand, Govt. recognized institutions offering different Adventure Sports Courses in Uttarakhand.
Unit 4	Existing trends and places of importance for Land based, Water based and Aero based adventure sports of India
Block 2	
Adventure Tourism (Air Based)	
Unit 5	Air Based Activities: Concept, features, nature, scope and & different types.
Unit 6	Popular Air based Adventure Sports in India: parasailing, paragliding, ballooning, hand gliding, bungee jumping and micro lighting etc.
Unit 7	Air Based adventure tourism: Marketing and promotional strategies, Job opportunities, problems and issues relevant to the adventure travel and tourism industry, Risk Management.
Unit 8	Adventure tourism impacts-social, cultural, economic and environmental impacts of air based adventure tourism, Issues from the perspective of different stakeholders (government, local people, tourists and tourism businesses).
Block 3	
Adventure Tourism (Water Based)	
Unit 9	Water Based Activities: Concept, features, scope, nature and types.
Unit 10	Popular water based adventure sports in India: white water rafting, kayaking, canoeing, surfing, water skiing, snorkelling & scuba diving.
Unit 11	Water Based Adventure tourism: Marketing and promotional strategies, Job opportunities, problems and issues relevant to the adventure travel and tourism industry, Risk management.
Unit 12	Water Based Adventure tourism impacts: social, cultural, economic and environmental impacts of adventure tourism: Issues from the perspective of different stakeholders (government, local people, tourists and tourism businesses).
Block 4	
Adventure Tourism (Land Based)	
Unit 13	Land based adventure sports: Concept, features, scope, nature and types.
Unit 14	Popular water based adventure sports in India: trekking, rock climbing, skiing, mountaineering, desert safaris, car rallies etc.

28/8/23

M. D. Sharma

Pooja Arora

BTM 804**Geography of Tourism**

Programme: Bachelor in Tourism & Travel Management (BTM 16)

Year/Semester: 7th Semester

Objective: Geography of tourism studies the phenomena of tourism over the global space with special attention on the place, place of destination & routes through which the travel & tourism takes place. It provides a thorough knowledge about the characteristics of tourist markets, attractions of destinations & the accessibility of the world with a focus on a few selected countries of world. This course has been simplified with very few case studies & broad information about the continents, so that students of BTM can know more specific about countries & destinations.

Block 1	
Fundamentals of Geography	
Unit 1	Geography: Meaning, features, branches and relationship with tourism.
Unit 2	Climatic regions of the world, latitude & longitude lines, time zones, international date line, Indian standard time.
Unit 3	Geography in Tourism: Definition, concept, scope and importance of Geography in Tourism, impacts of Climate and Weather on tourist destination.
Unit 4	Brief introduction of important Oceans, seas, mountain ranges, lakes and deserts of World.
Block 2	
World Geography I	
Unit 5	Africa: Political, physical and climatic features
Unit 6	Asia: General geographical features, physiography, climate, main countries, capitals & their tourist attractions.
Unit 7	Australia: Political, physical, climatic features
Unit 8	Important countries: General geographical features of given countries with information about physiography, climate, tourist attractions of USA, Japan, France, United Kingdom and Spain.
Block 3	
World Geography II	
Unit 9	Europe: General geographical features, physiography, climate, main countries, capitals & their tourist attractions.
Unit 10	North America: Political, physical and climatic features.
Unit 11	South America: Political, physical and climatic features.
Block 4	
Indian Geography	
Unit 12	Indian Geography: Physical and Political features of Indian Subcontinent, climatic conditions prevailing in India.
Unit 13	Physiographic regions: The northern mountains, the peninsular plateaus, Indo-Gangetic plain, Thar Desert, Coastal Plains and Islands
Unit 14	Water Bodies: Ocean, Seas, Rivers, Lakes.
Unit 15	Climate of India: Introduction, features, types and Seasons of India

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

To run any Tourism programme there is no requirement of laboratory. Similarly for library, a learner may utilize the resources available at the designated study centre. Selected learning centres are well equipped with the Teaching staff, Classrooms & other necessary facilities. Well established library facility is also available at the Headquarter of the University.

Cost estimate of the programme and the provisions:

- Writing of 512 units in English.
Rs. 5000 x 512 = Rs. 2560000
- Typing of 10240 pages (per unit approx. 20 pages):
10240 x 20 = Rs. 204800
- Postal charges (Approx.) Rs. 5000

Total amount: 2769800

Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

The programme will help in the development of professionalism in learners. The programme will be offered only through those Government Degree Colleges/Institutions which are fully equipped with the basic infrastructural facilities such as computer lab, library, counsellors etc. Further, the already developed Programme and SLM will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years. This programme will provide suitable jobs to the unemployed youths of Uttarakhand.

Uttarakhand
Pooja Arora
28-28

28-28
28-28
28-28

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

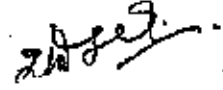
अर्थशास्त्र (स्नात्कोत्तर)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's Mission & Objectives)- इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है - 'शिक्षा आपके द्वार'। यह उन लोगों को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ती है, जो लोग व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक व भौगोलिक जैसे कई कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ आज के आधुनिक युग में भी परम्परागत (संस्थागत) शिक्षा व्यवस्था का अभाव पाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य- स्नात्कोत्तर उपाधि कार्यक्रम में चयनित शिक्षार्थियों में अर्जित दक्षता द्वारा ज्ञान और कर्म-कौशल का विस्तार, बेहतर ज्ञान और कर्म कौशल के आधार पर वांछनीय सामाजिक उपयोगिता का सूत्रपात, भावी विशेषज्ञ के अध्ययन की भूमिका का निर्धारण करना, अखिल भारतीय और उत्तराखण्ड प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास और बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगार परक स्थितियों का उन्नयन करना है। इसके साथ-साथ विविध गैर-सरकारी संगठनों में बेहतर रोजगार सम्भावनाओं के लिए उपयोगी तथा विश्व बैंक सहित विविध अन्तराष्ट्रीय संगठनों के लिये परियोजना निर्माण की दक्षता का निर्धारण करना है।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals)- इस कार्यक्रम के द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी में विभिन्न कलाओं, शिल्पों व कुशलताओं आदि में विस्तार किया जाता है ताकि वे अर्जित की गई विभिन्न कलाओं, शिल्पों व कुशलताओं के द्वारा रोजगारपरक बनते हैं। इसके साथ-साथ यह कार्यक्रम उन मानव संसाधनों के लिए एकमात्र साधन है, जो रोजगार करने के साथ-साथ अपनी उच्च शिक्षा व कुशलताओं का विकास करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम उन शिक्षार्थियों के लिये महत्वपूर्ण है जो शिक्षार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा व अनुसंधान के लिए न्यूनतम अर्हता प्राप्त करना चाहते हैं।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of Prospective target Group of Learners)- इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो विभिन्न व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक व भौगोलिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा न केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं।

मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of Programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी अर्थशास्त्र में स्नातक होने के उपरान्त अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। अनुसंधान करने के लिए योग्य हो


मुख्य शिक्षा अधिकारी
अर्थशास्त्र विभाग
समाज विज्ञान विद्याशाखा


मुख्य शिक्षा अधिकारी
समाज विज्ञान विद्याशाखा

जाता है। अर्थशास्त्र के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी देश व विदेश की अर्थव्यवस्था के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। एक कुशल अर्थशास्त्री के तौर पर समाज में अपनी सेवाएँ प्रदान कर सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- अर्थशास्त्र विषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 8 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं; अतः प्रत्येक शिक्षार्थी को स्नात्कोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान 9 प्रश्न-पत्र में 72 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम तीन और अधिकतम पांच इकाईयाँ हैं। स्नात्कोत्तर स्तर के प्रथम वर्ष में चार प्रश्न-पत्र- व्यष्टि अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था और परिमाणात्मक विधियाँ हैं। और द्वितीय वर्ष में कुल दस प्रश्न-पत्र हैं, जिनमें से तीन प्रश्न-पत्र (आर्थिक विकास, सार्वजनिक अर्थशास्त्र और अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र) अनिवार्य हैं और सात प्रश्न-पत्र (कृषि अर्थशास्त्र, जननांकिकी, श्रम अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, सामाजिक अनुसंधान और प्रोजेक्ट कार्य एवं मौखिकी) वैकल्पिक है। शिक्षार्थी को जिनमें से केवल दो प्रश्न-पत्रों का अध्ययन करना होता है। स्नात्कोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छः वर्ष है। अर्थशास्त्र संकाय के लिए सहायक अकादमिक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। अर्थशास्त्र में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

एम0ए0 प्रथम वर्ष	
प्रथम प्रश्न-पत्र- व्यष्टि अर्थशास्त्र (एमएईसी -101)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- समष्टि अर्थशास्त्र (एमएईसी -102)
खण्ड 1- परिचय	खण्ड 1- परिचय
इकाई 1- आर्थिक सिद्धान्त का स्वरूप	इकाई 1- समष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति और तकनीक
इकाई 2- व्यष्टिपरक अर्थशास्त्र तथा समष्टिपरक अर्थशास्त्र	इकाई 2- समष्टि स्थैतिक और समष्टि गतिकी
इकाई 3-आर्थिक स्थैतिकी, प्रावैगिकी तथा सामान्य संतुलन विश्लेषण	इकाई 3- समष्टि अर्थशास्त्र की बुनियादी अवधारणाएं
खण्ड 2- उपभोक्ता व्यवहार 1	खण्ड 2- राष्ट्रीय आय
इकाई 4- गणनात्मक तुष्टिगुण विश्लेषण	इकाई 4- राष्ट्रीय आय की अवधारणा एवं परिभाषा
इकाई 5- माँग एवं पूर्ति नियम	इकाई 5- राष्ट्रीय आय की संरचना
इकाई 6- माँग एवं पूर्ति की लोच	इकाई 6- राष्ट्रीय आय का मापन एवं समस्या
इकाई 7- उपभोक्ता बचत	इकाई 7- राष्ट्रीय आय का सामाजिक लेखांकन एवं कल्याण
खण्ड 3- उपभोक्ता व्यवहार 2	खण्ड 3- समष्टि आर्थिक सिद्धान्त
इकाई 8- अनधिमान वक्र विश्लेषण	इकाई 8- क्लासिकल सिद्धान्त
इकाई 9- आय प्रभाव, प्रतिस्थापन तथा कीमत प्रभाव	इकाई 9- केन्सीयन सिद्धान्त
इकाई 10- अनधिमान वक्रों का अनुप्रयोग	इकाई 10- उपभोग फलन
इकाई 11- उद्घाटित अधिमान विश्लेषण	इकाई 11- निवेश फलन
खण्ड 4- उत्पादन के सिद्धान्त और लागत एवं आगम वक्र	खण्ड 4- निवेश, गुणक और त्वरक
इकाई 12- लागत वक्र विश्लेषण	इकाई 12- निवेश फलन
इकाई 13- आगम वक्र विश्लेषण	इकाई 13- गुणक का सिद्धान्त
	इकाई 14- त्वरक का सिद्धान्त

Solvi

इकाई 14- उत्पादन का सिद्धान्त: एक परिवर्तनशील साधन में उत्पादन इकाई 15- उत्पादन का सिद्धान्त: दो परिवर्तनशील साधन में उत्पादन इकाई 16- अनुकूलतम साधन संयोग खण्ड 5- फर्म का सिद्धान्त: कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 17- बाजार संरचना एवं फर्म का संतुलन विश्लेषण इकाई 18- पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 19- एकाधिकार में कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 20- एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता अथवा अपूर्ण प्रतियोगिता में कीमत और उत्पादन निर्धारण इकाई 21- अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण का सिद्धान्त खण्ड 6- साधन कीमत निर्धारण सिद्धान्त इकाई 22- साधन कीमत निर्धारण पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत इकाई 23- साधन कीमत निर्धारण अपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत इकाई 24- मजदूरी का निर्धारण इकाई 25- रिकार्डों का लगान का सिद्धान्त और आर्थिक लगान इकाई 26- व्याज का सिद्धान्त इकाई 27- लाभ का सिद्धान्त खण्ड 7- कल्याणकारी अर्थशास्त्र इकाई 28- कल्याणकारी अर्थशास्त्र और पीगू की अवधारणा इकाई 29- परेडो का कल्याणकारी अर्थशास्त्र इकाई 30- नवीन कल्याणकारी अर्थशास्त्र इकाई 31- सामाजिक कल्याण फलन	इकाई 15- विदेश व्यापार गुणक खण्ड 5- व्याज और मुद्रा इकाई 16- मुद्रा की प्रकृति, कार्य और पूर्ति इकाई 17- व्याज का प्रतिष्ठित तथा ऋण योग्य कोष सिद्धान्त इकाई 18- कीन्स का मुद्रा माँग तथा व्याज दर का सिद्धान्त इकाई 19-IS-LM वक्र प्रारूप इकाई 20- मुद्रा की माँग का कीन्सोत्तर सिद्धान्त खण्ड 6- कीमत और स्फीति इकाई 21- मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त फिशर व कैम्ब्रिज इकाई 22- मिल्टन फ्रीडमैन का मुद्रा परिमाण का आधुनिक सिद्धान्त इकाई 23- मुद्रा स्फीति के सिद्धान्त, प्रभाव एवं नियंत्रण इकाई 24- मुद्रा स्फीति एवं बेरोजगारी खण्ड 7- समष्टि आर्थिक नीतियाँ इकाई 25- मौद्रिक नीति के यंत्र इकाई 26- विकासशील देशों में मौद्रिक नीति की भूमिका इकाई 27- राजकोषीय नीति के यंत्र इकाई 28- विकासशील देशों में राजकोषीय नीति की भूमिका खण्ड 8- आर्थिक उच्चावचन के सिद्धान्त इकाई 29- व्यापार-चक्र, व्यापार-चक्र का मौद्रिक सिद्धान्त इकाई 30- गुणक-त्वरक अन्तर्क्रिया एवं सैम्युल्सन का व्यापार-चक्र सिद्धान्त इकाई 31- हिक्स का व्यापार-चक्र सिद्धान्त इकाई 32- काल्डॉर का व्यापार-चक्र सिद्धान्त
तृतीय प्रश्न-पत्र- भारतीय अर्थव्यवस्था (एमएईसी -103) खण्ड 1- भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना इकाई 1- भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं इकाई 2- राष्ट्रीय आय और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई 3- जनसंख्या एवं मानवीय संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई 4- प्राकृतिक संसाधन और भारतीय अर्थव्यवस्था इकाई 5- अधो-संरचना और भारतीय अर्थव्यवस्था खण्ड 2- पंचवर्षीय योजना एवं आर्थिक विकास की समस्याएं इकाई 6- आर्थिक नियोजन की प्रासंगिकता एवं योजना निर्माण प्रक्रिया इकाई 7- आर्थिक नियोजन की उपलब्धियाँ (ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना तक) इकाई 8- गरीबी इकाई 9- बेरोजगारी	चतुर्थ प्रश्न-पत्र- परिमाणात्मक विधियाँ (एमएईसी -104) खण्ड 1- आर्थिक गणितीय विधियाँ -I इकाई 1- वास्तविक अंक प्रणाली एवं समुच्चय इकाई 2- फलन और आर्थिक सिद्धान्त में अनुप्रयोग इकाई 3- अवकलन: निर्वचन एवं नियम इकाई 4- लघुगुणकीय अवकलन, आंशिक अवकलन एवं आर्थिक प्रयोग खण्ड 2- आर्थिक गणितीय विधियाँ -II इकाई 5- समाकलन: अवधारणा एवं निर्वचन इकाई 6- समाकलन का आर्थिक प्रयोग इकाई 7- आव्यूह (मैट्रिक्स) इकाई 8- सरणिक खण्ड 3- आर्थिक गणितीय विधियाँ -III इकाई 9- आगत-निर्गत सारणी विश्लेषण इकाई 10- रेखिक प्रोग्रामिंग इकाई 11- अनुकूलतम समीकरण: निर्वचन एवं प्रयोग

[Handwritten signature]

[Handwritten text]

[Handwritten signature]

इकाई 10- समानान्तर अर्थव्यवस्था
खण्ड 3- भारतीय कृषि - 1
इकाई 11- भारतीय कृषि की प्रकृति एवं महत्व
इकाई 12- कृषि आगत
इकाई 13- भूमि सुधार एवं नवीन कृषि रणनीति
इकाई 14- कृषि/ग्रामीण वित्त एवं कृषि विपणन
खण्ड 4- भारतीय कृषि - 2
इकाई 15- कृषि मूल्य नीति, खाद्य सहायता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली
इकाई 16- भारतीय कृषि और विश्व व्यापार संगठन
इकाई 17- भारतीय कृषि आयकर और कृषि श्रम
खण्ड 5- भारतीय औद्योगिक संरचना
इकाई 18- औद्योगिक विकास एवं नीतियाँ
इकाई 19- सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
इकाई 20- लघु क्षेत्र उद्यम
इकाई 21- भारी उद्योग एवं औद्योगिक समस्याएँ
खण्ड 6- राजस्व एवं सैद्धिक क्षेत्र
इकाई 22- भारतीय लोक वित्त
इकाई 23- केन्द्र और राज्यों के मध्य वित्तीय सम्बन्ध
इकाई 24- भारतीय मौद्रिक प्रणाली
इकाई 25- भारतीय मौद्रिक क्षेत्र संरचना
खण्ड 7- विदेशी व्यापार क्षेत्र
इकाई 26- भारत का विदेशी व्यापार
इकाई 27- भारत का भुगतान संतुलन
इकाई 28- भारत की व्यापार नीति
इकाई 29- भारत का विदेशी व्यापार एवं विश्व व्यापार संगठन

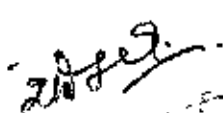
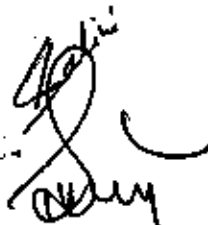
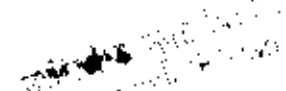
इकाई 12- द्विघात समीकरण
खण्ड 4- आँकड़ों के संकलन एवं प्रस्तुतीकरण
इकाई 13- आँकड़ों के संकलन की विधियाँ, आँकड़ों का संपादन एवं वर्गीकरण
इकाई 14- आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-बिन्दुखीय
इकाई 15- आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-चित्रमय
खण्ड 5- अंतर सम्बन्धी अवधारणा
इकाई 16- संगामी उत्पादन फलन और प्रमेय
इकाई 17- कॉब डगलस उत्पादन फलन
इकाई 18- द्वितीय चरण अंतर सम्बन्धी समीकरण
खण्ड 6- केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, अपकिरण, विषमता, परिघात तथा पृथुशीर्षरत्त्व
इकाई 19- केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें
इकाई 20- अपकिरण तथा उसकी मापें
इकाई 21- विषमता
इकाई 22- परिघात तथा पृथुशीर्षरत्त्व
खण्ड 7- आँकड़ों का विश्लेषण : प्रतीपगमन एवं सहसम्बन्ध
इकाई 23- द्विचर आँकड़ों का विश्लेषण - प्रतीपगमन विश्लेषण
इकाई 24- सहसम्बन्ध विश्लेषण
इकाई 25- अन्तरगणन एवं बाह्यगणन
खण्ड 8- सूचकांक, प्रतिचयन, प्राधिकता एवं द्विपद प्रमेय
इकाई 26- सूचकांक
इकाई 27- प्रतिचयन के सिद्धान्त और कालश्रेणी विश्लेषण
इकाई 28- प्राधिकता के सिद्धान्त
इकाई 29- द्विपद प्रमेय

एम0ए0 द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न-पत्र- आर्थिक विकास (एमएईसी- 105)	द्वितीय प्रश्न-पत्र- सार्वजनिक अर्थशास्त्र (एमएईसी - 106)
खण्ड 1- आर्थिक विकास- अवधारणा, मापन एवं प्रवृत्तियाँ	खण्ड 1- परिचय
इकाई 1- आर्थिक वृद्धि एवं विकास की अवधारणा	इकाई 1- अर्थव्यवस्था में राज्य की आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण
इकाई 2- आर्थिक विकास का मापन	इकाई 2- लोक वित्त का क्षेत्र, प्रकृति एवं महत्व
इकाई 3- अल्पविकसित देश- आशय एवं विशेषताएँ	इकाई 3- लोक वित्त की अवधारणाएँ और बाजार असफलता
इकाई 4- विकास के निर्धारक घटक एवं अवस्थाएँ	इकाई 4- निजी वस्तु, लोक वस्तु और मेरिट वस्तु एवं सिद्धान्त
खण्ड 2- आर्थिक विकास के प्रारूप 1	खण्ड 2- लोक व्यय
इकाई 5- प्रतिष्ठित विकास प्रारूप- एडम स्मिथ, रिकार्डो	इकाई 5- लोक व्यय: उद्देश्य, आवंटन वितरण और स्थिरीकरण
इकाई 6- मार्क्स का विकास प्रारूप	इकाई 6- लोक व्यय के नियम- वेगनर एवं वाइजमैन-पीकांक
इकाई 7- शुम्पीटर का विकास प्रारूप	इकाई 7- लोक व्यय का प्रभाव- उत्पादन, वृद्धि, वितरण और स्थिरीकरण
इकाई 8- हेरोड-डोमर का विकास प्रारूप	इकाई 8- कार्यात्मक वित्त
खण्ड 3- आर्थिक विकास के प्रारूप 2	
इकाई 9- सोलो का विकास प्रारूप	

Bali

इकाई 10- जे0 ई0 मीड का विकास प्रारूप इकाई 11- जॉन-रॉबिन्सन का विकास प्रारूप खण्ड 4- विकास की सन्तुलित एवं असन्तुलित व्यूह नीति इकाई 12- हार्वे लीबिन्सटीन का आवश्यक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त इकाई 13- नेल्सन का निम्न स्तर सन्तुलन पाश विश्लेषण इकाई 14- रोजेन्सटीन का बड़े धक्के का सिद्धान्त इकाई 15- सन्तुलित एवं असन्तुलित वृद्धि का सिद्धान्त खण्ड 5- द्विदैतवाद विकास प्रारूप इकाई 16- सामाजिक एवं तकनीकी द्वैतवाद विश्लेषण इकाई 17- आर्थर लेविस का असीमित श्रमपूर्ति विश्लेषण इकाई 18- फाई एवं रेनिस विकास प्रारूप इकाई 19- एच0 मिंट एवं गुन्नार मिर्डल का अल्प विकास विश्लेषण खण्ड 6- संसाधन एवं विकास इकाई 20- पूँजी निर्माण एवं आर्थिक विकास इकाई 21- मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास इकाई 22- अधो संरचना एवं आर्थिक विकास इकाई 23- पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं आर्थिक विकास खण्ड 7- विकास के क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य इकाई 24- कृषि क्षेत्र एवं आर्थिक विकास इकाई 25- औद्योगिक क्षेत्र और आर्थिक विकास इकाई 26- सरकारी संस्थान, बाजार और आर्थिक विकास इकाई 27- गरीबी के संकेतक तथा प्रमाण खण्ड 8- भारत में नियोजन इकाई 28- नियोजन की तकनीकी का चुनाव तथा उपयुक्त तकनीकी विनियोग कसौटी, लागत और लाभ विश्लेषण इकाई 29- भारत में नियोजन तकनीकी, भारत के नियोजन मॉडल, बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में नियोजन इकाई 30- महालोबिस विकास प्रारूप	खण्ड 3- लोक राजस्व एवं बजटिंग इकाई 9- करारोपण के सिद्धान्त एवं वर्गीकरण इकाई 10- करारोपण का प्रभाव, उत्पादन, वृद्धि, वितरण और संसाधनों के आवंटन पर इकाई 11- करापात एवं कर विवर्तन इकाई 12- परम्परागत, निष्पादन और शून्य आधार बजटिंग खण्ड 4- लोक उद्यम इकाई 13- लोक उद्यमों के प्रकार, महत्व एवं उपयोगिता इकाई 14- लोक उद्यमों की कीमत नीति, प्रबन्धित कीमते एवं आधिक्य सृजन इकाई 15- लोक उद्यमों का कल्याणकारी प्रभाव एवं चुनौतियाँ खण्ड 5- लोक ऋण इकाई 16- लोक ऋण का अर्थशास्त्र एवं प्रकार इकाई 17- लोक ऋण के प्रभाव एवं भार इकाई 18- लोक ऋण भुगतान की विधियाँ एवं प्रबन्धन खण्ड 6- संघीय वित्त इकाई 19- संघीय वित्त के सिद्धान्त और समस्याएँ इकाई 20- संघीय वित्त का विभाजन एवं कार्यकरण इकाई 21- वित्त आयोग संरचना एवं कार्यकरण इकाई 22- 13वें वित्त आयोग की प्रमुख सिफारिशें खण्ड 7- भारतीय कर प्रणाली इकाई 23- भारत में कर आधार (प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर एवं गैर-कर आय) इकाई 24- राज्य और स्थानीय निकाय की आय के स्रोत इकाई 25- संघीय बजट का विश्लेषण एवं सुधार इकाई 26- घाटे की वित्त व्यवस्था एवं घाटे का मौद्रिकरण और राजकोषीय क्षेत्र सुधार
तृतीय प्रश्न-पत्र- अन्तर्राष्ट्रीय विकास (एमएईसी- 107) खण्ड 1- प्रस्तावना एवं सिद्धान्त इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इकाई 2- अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की विश्लेषणात्मक तकनीक इकाई 3- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का विशुद्ध सिद्धान्त इकाई 4- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का नव प्रतिष्ठित सिद्धान्त इकाई 5- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त खण्ड 2- व्यापार की शर्तें, मुक्त व्यापार, संरक्षण एवं सीमा संघ के सिद्धान्त इकाई 6- व्यापार की शर्तें और आर्थिक संवृद्धि	चतुर्थ प्रश्न-पत्र- कृषि अर्थशास्त्र (एमएईसी- 108) खण्ड 1- परिचय इकाई 1- कृषि अर्थशास्त्र: आशय, प्रकृति और क्षेत्र इकाई 2- आर्थिक विकास में कृषि का महत्व और कृषि-उद्योग सम्बन्ध इकाई 3- कृषि क्षेत्र- आकार, वृद्धि एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ इकाई 4- भारत में भूमि सुधार खण्ड 2- सतत कृषि एवं खाद्य सुरक्षा इकाई 5- हरित क्रान्ति और तकनीकी परिवर्तन इकाई 6- भारतीय कृषि और मशीनीकरण

इकाई 7- मुक्त व्यापार एवं संरक्षण इकाई 8- गैर-टैरिफ व्यापार बाधाएं इकाई 9- राशिपातन और राज्य व्यापार इकाई 10- सीमा संघ के सिद्धान्त खण्ड 3- भुगतान सन्तुलन इकाई 11- भुगतान सन्तुलन: परिभाषा और अवधारणा इकाई 12- विदेशी व्यापार गुणक इकाई 13- भुगतान संतुलन में समायोजन के परम्परागत अवशेषण इकाई 14- मौद्रिक उपागम तथा भुगतान-सन्तुलन में समायोजन इकाई 15- इष्टतम मुद्रा क्षेत्र सिद्धान्त खण्ड 4- विदेशी विनिमय व नियंत्रण सिद्धान्त एवं भारत की व्यापार नीति इकाई 16- विदेशी विनिमय इकाई 17- विनिमय नियंत्रण इकाई 18- विदेशी विनिमय बाजार का सिद्धान्त, विनिमय व्यापार, अन्तर-पणन एवं बाजार हैजिंग इकाई 19- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति सुधार पूर्व काल में इकाई 20- भारत की अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति सुधार काल में खण्ड 5- अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान इकाई 21- वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता की दशाओं में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इकाई 22- क्षेत्रीय गुट बहुपक्षवाद एवं विश्व व्यापार पद्धति इकाई 23- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष इकाई 24- विश्व व्यापार संगठन इकाई 25- वैश्वीकरण-विनिमय बाजार का विकास, खूबे मुद्रा बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय बॉण्ड बाजार	इकाई 7- बायो तकनीक एवं आर्गेनिक कृषि इकाई 8- खाद्य सुरक्षा खण्ड 3- उत्पादन फलन, सम्बन्ध एवं नियम इकाई 9- कृषि उत्पादन फलन और आगत-निर्गत सम्बन्ध इकाई 10- साधन-साधन सम्बन्ध इकाई 11- उत्पाद-उत्पाद सम्बन्ध इकाई 12- कृषि उत्पादन नियम: परिवर्तनशील एवं अनुपातों का नियम खण्ड 4- कृषि विकास प्रारूप इकाई 13- लेबिस का कृषि विकास प्रारूप इकाई 14- फाई-रेनिस का कृषि विकास प्रारूप इकाई 15- मिलर का कृषि विकास प्रारूप इकाई 16- शुर्ज और बोसरेज का कृषि विकास प्रारूप खण्ड 5- कृषि मूल्य नीति और विपणन इकाई 17- कृषि मूल्य- लागत और मूल्य में सम्बन्ध इकाई 18- कृषि मूल्य नीति, मूल्य और लागत आयोग का स्वरूप एवं भूमिका इकाई 19- कृषि लाभ अधिकतमकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली इकाई 20- कृषि अतिरेक एवं कृषि विपणन व्यवस्था खण्ड 6- कृषि वित्त एवं कृषि प्रबन्धन इकाई 21- कृषि वित्त के प्रकार, चुनौतियाँ, सम्भावनाएं एवं रणनीतियाँ इकाई 22- सहकारी वित्त प्रणाली, नाबार्ड और वैद्यनाथ समिति इकाई 23- वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका, गैर कृषि प्रामीण वित्त संस्थान इकाई 24- कृषि प्रबन्धन- अवधारणा, क्षेत्र और सिद्धान्त इकाई 25- कृषि प्रबन्धन की वर्तमान प्रवृत्तियाँ एवं कृषि प्रबन्धन की समस्याएं खण्ड 7- कृषि और बाह्य क्षेत्र इकाई 26- कृषि वस्तुओं का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इकाई 27- विश्व व्यापार संगठन का भारतीय कृषि पर प्रभाव इकाई 28- उदारीकरण का घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय कृषि व्यापार पर प्रभाव इकाई 29- बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका
पाँचवाँ प्रश्न-पत्र- जनांकिकी (एमएईसी- 109) खण्ड 1- परिचय जनांकिकी इकाई 1- जननांकिकी-आशय, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व इकाई 2- माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त इकाई 3- अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त	छठा प्रश्न-पत्र- श्रम अर्थशास्त्र (एमएईसी- 110) खण्ड:-1 श्रम बाजार इकाई 1- श्रम का आशय, अवधारणा, महत्व और विशेषताएं इकाई 2- श्रम अर्थशास्त्र की प्रकृति, क्षेत्र और महत्व इकाई 3- भारतीय श्रम बाजार की विशेषताएं एवं नवीन परिवर्तन

Salin

इकाई 4- जनानिकी संक्रमण का सिद्धान्त
 इकाई 5- जनसंख्या वृद्धि के घटक एवं उनकी अन्तर्निर्भरता
 खण्ड 2- जनसंख्या की गुणवत्ता और मापन
 इकाई 6- जनसंख्या की गुणवत्ता की अवधारणा
 इकाई 7- जनसंख्या की गुणवत्ता के प्रभावकारी कारक
 इकाई 8- मापन 1. कुल जन्म-दर, प्रजनन दर, कुल प्रजनन दर, पुनः उत्पादकीय दर, सकल पुनः उत्पादकीय दर, शुद्ध पुनः उत्पादकीय दर एवं अन्तर्सम्बन्ध
 इकाई 9- मापन 2 कुल मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर, जीवन-प्रत्याशा एवं अन्तर्सम्बन्ध
 खण्ड 3- भारत में जनसंख्या
 इकाई 10- भारत में जनसंख्या की विभिन्न वर्षों में प्रवृत्तियाँ
 इकाई 11- जनसंख्या नीति एवं मूल्यांकन, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग
 इकाई 12- परिवार नियोजन कार्यक्रम एवं महिला सशक्तीकरण
 इकाई 13- स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और प्रशिक्षण से सम्बन्धित नीतियाँ
 खण्ड 4- विश्व जनसंख्या
 इकाई 14- विश्व जनसंख्या की विभिन्न वर्षों में प्रवृत्तियाँ
 इकाई 15- जनसंख्या विस्फोट-विकसित एवं विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या विस्फोट
 इकाई 16- विकसित और विकासशील देशों में आयु और लिंग संरचना के प्रतिमान, विभिन्न वर्गों में जनसंख्या पिरामिड
 इकाई 17- सूचकांक- जीवन गुणवत्ता सूचकांक, मानव विकास सूचकांक, गरीबी सूचकांक एवं लिंग समानता
 खण्ड 5- प्रवासन और नगरीकरण
 इकाई 18- प्रवासन और नगरीकरण- अवधारणा और प्रारूप
 इकाई 19- जनसंख्या वृद्धि और उसके प्रतिमान पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन के प्रभाव, प्रवासन के प्रभावकारी कारक
 इकाई 20- आन्तरिक प्रवासन के सिद्धान्त
 इकाई 21- नगरीकरण- विकसित और विकासशील देशों में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण
 खण्ड 6- जनसंख्या प्रक्षेपण एवं मानव संसाधन विकास
 इकाई 22- जनसंख्या प्रक्षेपण
 इकाई 23- जीवन सारणी, जन्म-मृत्यु सांख्यिकी एवं लाजिस्टिक वक्र
 इकाई 24- मानव संसाधन विकास
 इकाई 25- जनसंख्या एवं आर्थिक विकास

इकाई 4- आर्थिक विकास में श्रम की भूमिका लेबिस और फाई रेनिस प्रारूप
 खण्ड:-2 रोजगार
 इकाई 5- रोजगार और विकास में सम्बन्ध विकासशील देशों में गरीबी और बेरोजगारी विशेषकर भारत के सन्दर्भ में
 इकाई 6- संगठित क्षेत्र में रोजगार पर तकनीकी परिवर्तन और आधुनिकीकरण का प्रभाव
 इकाई 7- शिक्षित बेरोजगारी का विश्लेषण, बेरोजगारी नीति, पंचवर्षीय योजनाएं
 खण्ड:-3 मजदूरी निर्धारण
 इकाई 8- मजदूरी दर निर्धारण का सिद्धान्त
 इकाई 9- मजदूरी भुगतान की विधियाँ न्यूनतम मजदूरी, जीवन निर्वाह मजदूरी उचित मजदूरी आदि
 इकाई 10- विभिन्न क्षेत्रों में मजदूरी निर्धारण ग्रामीण, शहरी, संगठित, असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्र
 इकाई 11- मजदूरी की लागत और उत्पादकता में सम्बन्ध
 खण्ड:-4 श्रम आन्दोलन, विधान एवं समस्या
 इकाई 12- श्रम आन्दोलन के सिद्धान्त वृद्धि प्रतिमान और श्रम की संरचना
 इकाई 13- भारत में श्रम विधान एवं श्रम कल्याण से संबंधित राज्य की नीतियाँ
 इकाई 14- श्रम एवं राज्य की सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा, उद्विकास, सामाजिक एसिस्टेन्स और सामाजिक बीमा
 इकाई 15- श्रम की विशिष्ट समस्याएं, बालश्रम, श्रम के निराकरण में लिंग आधारित भेदभाव
 खण्ड:-5 प्रजनन एवं अन्यत्र वासिता
 इकाई 16- श्रम प्रजनन के दृष्टिकोण, प्रजनन के प्रभाव
 इकाई 17- भारत में औद्योगिक श्रम की अनुपस्थिति के कारण, प्रभाव और अनुपस्थिति के उपाय
 इकाई 18- श्रम उत्पादकता, निम्न श्रम उत्पादकता के कारण, श्रम उत्पादकता में सुधार के उपाय
 इकाई 19- भारत में श्रम संघों की वृद्धि, प्रतिमान, संरचना और उपलब्धियाँ
 इकाई 20- औद्योगिक विवाद के कारण, निवारण एवं बचाव यान्त्रिकी
 खण्ड:-6 श्रम बाजार सुधार
 इकाई 21- श्रम बाजार मापन, लोचशीलता और सुझाव
 इकाई 22- निर्गम नीति एवं द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग
 इकाई 23- वैश्वीकरण और श्रम बाजार
 खण्ड:-7 भारत में श्रम और राज्य

(Handwritten signatures and marks)

	इकाई 24- भारत में राष्ट्रीय मजदूरी नीति इकाई 25- भारत में रोजगार सेवा संगठन इकाई 26- भारत में मजदूरी और मजदूरी बोर्ड, लाभ शेयर धारिता और बोनस प्रणाली इकाई 27- भारत श्रम कानून एवं अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
सातवाँ प्रश्न-पत्र- औद्योगिक अर्थशास्त्र (एमआईसी- 111) खण्ड 1- परिचय इकाई 1- औद्योगिक अर्थशास्त्र का आशय, क्षेत्र और आवश्यकता इकाई 2- औद्योगिक संगठन: निजी क्षेत्र- बड़े, मध्य, लघु एवं प्रामोद्योग इकाई 3- सार्वजनिक क्षेत्र: निष्पादन, भूमिका और समस्याएं इकाई 4- विनिवेश: अर्थ नीतियाँ एवं मूल्यांकन इकाई 5- औद्योगिक एकीकरण एवं गठजोड़ कारण, विलय और समामेलन, औद्योगिक एकीकरण के प्रभाव खण्ड 2- फर्म की मूल्यनीति और सिद्धान्त इकाई 6- उत्पाद कीमतें-सिद्धान्त और साक्ष्य इकाई 7- निवेश व्यय, मूल्यांकन की पद्धतियाँ, सिद्धान्त, आनुभविक साक्ष्य और विलय एवं अधिग्रहण इकाई 8- फर्म की वृद्धि और फर्म के आकार की वृद्धि, लाभदेयता इकाई 9- फर्म की क्षमता, उत्पादकता और धारणीय क्षमता खण्ड 3- औद्योगिक स्थानीयकरण इकाई 10- औद्योगिक स्थानीयकरण के प्रभावकारी कारक इकाई 11- औद्योगिक स्थानीयकरण के सिद्धान्त- बेबर, सार्जेंट फ्लोरेन्स इकाई 12- औद्योगिक असन्तुलन कारण और मापन इकाई 13- उद्योगों के सन्तुलित क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यकताएं खण्ड 4- औद्योगिक उत्पादकता और क्षमता इकाई 14- उत्पादकता- मापदण्ड और मापन इकाई 15- उत्पादकता और क्षमता उपयोग के प्रभावकारी कारक इकाई 16- प्रतिस्पर्द्धा के वातावरण में उत्पादकता का महत्व इकाई 17- उत्पादकता और क्षमता उन्नयन के लिए आवश्यकताएं खण्ड 5- औद्योगिक वित्त इकाई 18- औद्योगिक वित्त इकाई 19- औद्योगिक वित्त के स्रोत इकाई 20- विदेशी पूँजी और निवेश खण्ड 6- औद्योगिक श्रम	आदर्श प्रश्न-पत्र- पर्यावरण अर्थशास्त्र (एमआईसी- 112) खण्ड 1- परिचय इकाई 1- पर्यावरण अर्थशास्त्र: अर्थ, क्षेत्र एवं कारक इकाई 2- पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था में सम्बन्ध और आर्थिक पद्धतियाँ इकाई 3- पर्यावरण एवं विभिन्न क्षेत्रों में अन्तर्सम्बन्ध: ऊर्जा, कृषि, उद्योग एवं सेवा इकाई 4- पर्यावरण का मानवीय गतिविधियों पर प्रभाव खण्ड 2- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्त एवं सतत् विकास इकाई 5- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के मूल सिद्धान्त: बाजार असफलता का आशय, बाह्यताएं एवं बाह्यताओं के प्रकार इकाई 6- पारिस्थितिकी एवं अर्थशास्त्र इकाई 7- गैर नवीनकरणीय संसाधनों का क्षरण एवं विशेष संसाधनों का अर्थशास्त्र इकाई 8- वानिकी एवं सतत् विकास खण्ड 3- प्राकृतिक संसाधन एवं मूल्यांकन इकाई 9- प्राकृतिक संसाधन: प्रकार एवं वर्गीकरण इकाई 10- संसाधन मूल्यांकन का प्रबंधन इकाई 11- जल गुणवत्ता के मुद्दे, पुनर्वसन एवं जल प्रबंधन, आर्थिक सवृद्धि की पर्यावरणीय लागत इकाई 12- पारिस्थितिक तंत्र एवं पारिस्थितिकी आर्थिक निहितार्थ और जैव विविधता एवं संरक्षित क्षेत्र इकाई 13- पर्यावरण प्रदूषण कारण एवं प्रकार प्रदूषण के उपाय खण्ड 4- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबन्धन इकाई 14- पर्यावरण संरक्षण: अवधारणा, रणनीतियाँ एवं नीतियाँ इकाई 15- जनसंख्या एवं नगरीकरण: इसके प्रभाव और उपाय इकाई 16- कार्बन कर एवं कार्बन उत्सर्जन व्यापार और पीगू कर एवं पर्यावरण नियमन इकाई 17- क्योटो प्रोटोकाल एवं कोपेनहेगन समझौता और सम्मेलन इकाई 18- विश्व व्यापार संगठन के समय में व्यापार एवं पर्यावरण खण्ड 5- भारत में पर्यावरण आन्दोलन एवं नीतियाँ इकाई 19- भारत में पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय आन्दोलन चिपको, टिहरी, नर्मदा इत्यादि

Solun

इकाई 21- औद्योगिक श्रम की संरचना इकाई 22- भारतीय उद्योगों के रोजगार आयात, विधायन औद्योगिक सम्बन्ध और औद्योगिक विवाद इकाई 23- निर्माण नीति, सामाजिक सुरक्षा, मजदूरी और बोनस की समस्याएं इकाई 24- श्रम बाजार सुधार खण्ड 7- भारतीय औद्योगिक विकास इकाई 25- औद्योगिक नीति 1948, 1956 एवं 1977 की संक्षिप्त रूपरेखा इकाई 26- औद्योगिक नीति 1991, औद्योगिक संवृद्धि की प्रवृत्ति इकाई 27- भारत में लघु एवं कुटीर औद्योगिक क्षेत्र का निष्पादन एवं समस्या और नवीन रणनीतियाँ इकाई 28- भारत में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका	इकाई 20- पर्यावरण नीति की रूपरेखा-1 लक्ष्य एवं साधन वन नीतियाँ, पुनर्वास, मलिन बस्ती सुधार नीति इकाई 21- पर्यावरण नीति की रूपरेखा-2 सरक्षित क्षेत्र विकास नीति, राष्ट्रीय आपदा शमन नीति, जैव विविधता विकास नीति जलवायु परिवर्तन नीति इत्यादि इकाई 22- भूमि प्रयोग, पर्यावरण एवं विकास खण्ड 6- पर्यावरण नीति सुधार एवं सामाजिक आयात इकाई 23- पर्यावरण नीति सुधार आवश्यकता एवं रूपरेखा और भारत में पर्यावरण नियमन इकाई 24- आर्थिक संवृद्धि एवं पर्यावरण नीतियाँ और पर्यावरण की राजनीतिक अर्थव्यवस्था इकाई 25- सामाजिक आयात एवं पर्यावरण नीतियाँ इकाई 26- पर्यावरण संरक्षण नीति, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन
नीचा प्रश्न-पत्र- सामाजिक अनुसंधान (एमएईसी- 113) खण्ड 1- परिचय इकाई 1- सामाजिक शोध: आशय, परिभाषा, उद्देश्य इकाई 2- सामाजिक शोध: प्रकार एवं वर्गीकरण इकाई 3- वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति इकाई 4- सामाजिक अनुसंधान प्रारूप खण्ड 2- अनुसंधान प्रविधि इकाई 5- अवलोकनात्मक प्रविधि इकाई 6- वैयक्तिक अध्ययन इकाई 7- ग्रामीण सहभागी आकलन इकाई 8- सामाजिक सर्वेक्षण खण्ड 3- आँकड़ों का एकत्रीकरण इकाई 9- उपकल्पना प्रारूप इकाई 10- निदेशन इकाई 11- अनुसूची इकाई 12- प्रभावशीलता इकाई 13- साक्षात्कार खण्ड 4- आँकड़ों के संकलन एवं प्रस्तुतीकरण इकाई 14- आँकड़ों का सम्पादन एवं वर्गीकरण इकाई 15- आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-बिन्दु रेखीय इकाई 16- आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण की विधियाँ-आफीय इकाई 17- अनुसंधान प्रतिवेदन खण्ड 5- सांख्यिकीय विधियाँ 1 इकाई 18- केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें इकाई 19- अपसरण तथा उसकी मापें इकाई 20- विषमता	दसवां प्रश्न-पत्र- प्रोजेक्ट कार्य एवं भौखिकी (एमएईसी- 112)

28/01/2021

सहायक

प्रमुख

28/01/2021

इकाई 21- परिचय तथा पृथुषीशत्व खण्ड 6- सांख्यिकीय विधियों 2 इकाई 22- प्रतीपगमन विश्लेषण इकाई 23- सहसम्बन्ध विश्लेषण इकाई 24- अन्तरगणन एवं बाह्यगणन इकाई 25- आँकड़ों का टी-टेस्ट, एफ-टेस्ट परीक्षण इकाई 26- आँकड़ों का काई वर्ग परीक्षण	

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)- अर्थशास्त्र विषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रिया है। स्नात्कोत्तर स्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नात्कोत्तर स्तर पर, प्रथम वर्ष में 3750 व द्वितीय वर्ष में 4050 रुपये का शुल्क लिया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क माफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न बैंक-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the Laboratory Support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन केंद्र में भी पुस्तकालय की उपलब्धता है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the Programme and the provisions)- अर्थशास्त्र विषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु प्रत्येक इकाई में 10 हजार रुपये की लागत से लगभग 36 लाख 30 हजार रुपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम (Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।

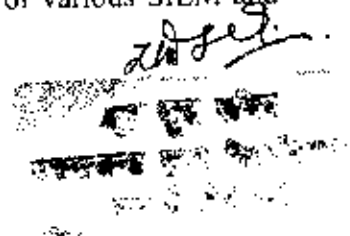
Salin

MA Education (MAED) Programme Project Report(PPR) August 2017

Uttarakhand Open University Haldwani was established in the year 2005 by Act No 23 of Uttarakhand Government. The University is fully equipped with Information and Communication Technology. Our university have the Learners support system, current information is given on University Website and through SMS and Telephonic system. The students need not to come in the university for admission, taking the books and Examination etc, All of these facilities are provided to the learners through his/her study center.

(A) Programme Mission & Objectives : The MA Education (MAED) Programme was started in 2010 in Uttarakhand Open University Haldwani. It is the two year Programme, In the I year four paper are compulsory and in II year five papers are to be studied, four papers are compulsory & one paper is to be selected out of three optional papers. The mission of Education subject is to open the way of higher education and teaching Professional. This Education programme is in demand at national level. The MA Education Programme goal and objectives are as mentioned below:

- To enable the students to grasp the meaning of Philosophy and Educational Philosophy, the Indian and Western perspectives of Philosophy.
- To familiarize the students with Sociology of Education and Democratization of Education, culture and cultural aspects of education.
- To enable the students to understand the concepts and principles, implications, assessment of various psychological aspects of Educational Psychology.
- To enable the students to understand the meaning, significance, types, compute the values of various descriptive and inferential statistics, various types of tools and scales, prepare the research report in educational research.
- To enable the learners with the meaning, scope and components of E.T., designing of instructional strategies, uses of e-learning, printed and electronic media.
- To familiarize the students with the concept, scope, qualities of good guidance, importance of mental health and mental hygiene and significance of guidance and counselling.
- To explain the concept and trends of Educational Management, leadership in education, approaches of educational administration and management.
- To provide knowledge to the students with regards to the historical Background of Teacher Education in Pre-Independence & post Independence eras, Suggestions of various Education Commissions and their Implications to teacher education.
- To enable the students to understand the meaning, scope and objectives of distance education, role of various agencies in distance education, uses of various SILM and ICT in distance education system.



- To acquaint the students with the principles of curriculum development according to the needs and interests of the students and society.
- To assist the learners to understand the children with special needs, to enable the students to explain the various dynamics of Special and Inclusive Education and enable the students to organize appropriate programmes of education and other related services for them.
- To enable the learners to understand the process of measurement and evaluation in teaching learning process, to know the procedure of test construction, to measure and understand the psychological and educational variables to acquaint with the intelligence testing and personality measurement techniques.

(B) Relevance of the Programme with UOU Mission and Goals: The Uttarakhand Open University, Haldwani is giving the opportunity to those persons, who can not take the face to face higher education for any some personal reason as for his job, age, economic problems, marriage, distance of higher institute or college. As person they can take the higher education in any programme or streams in UOU. The MA Education programme is giving help to all of those persons who want to come in the profession of teaching at higher education level.

(C) Nature of Prospective target group of learners: The University mainly caters to the development of women, tribal's and those section of society which have been left out of the main stream. The university has evolved considerably and has been successful in reaching the unreached. Learner can take admission & examination near of the study centre. After taking the admission in two week the SLM is sent to her/his study center.

(D) Appropriateness of programme conducted in Open and Distance Learning Mode to acquire specific skills and competence: The Uttarakhand Open University Haldwani is running many programmes to develop the learner skill and new knowledge. The university organises time to time, campus recruitment. The MA Education Programme develops the students in Philosophical, Psychological, Research and Teaching Skills. It gives the knowledge of our culture, Ancient Indian society, how we have to solve the psychological problems as mental hygiene, learning problems, educational problems. Now a day Educational research is increasing, the government gives the focus to develop the skill of research. The method of teaching skills was changed. Today teachers teach in smart classes by the help of audio-viedio, Projector, Telecommunication and Internet. We have updated time to time our SLM according to learner and society demand.

(E) Instruction Design: MA Education programme Curriculum has been designed by the experts of the Educational team. We have completed the syllabus of 1 year and 11 year and time to time updated. The SLM are prepared by the experts of Education subject. The SLM is delivered to the learners study center. For 2017 MA Education programme SLM is ON-Line available. If a students downloads SLM on line then he is given discount 25 percent in fees.

(F) Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation: The admission process in the programme of MA Education is available off-line and on-line. The learner can take the admission at near study centre. The minimum qualification of graduation in any stream. The fees structure for MA Education 1 year is 4750 (four thousand seven hundred fifty rupees) and for 11 year 5050 (five thousand fifty rupees only). Marks are divide in 20/80 ratio 20 percent marks are practical assignments and 80 percent marks to written examination.



Handwritten signature
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार, उत्तराखण्ड

(G) Requirement of the laboratory support and library Resources: The Department of education conduct the special workshops and counselling programmes in time to time. Students are given academic direction and helped to solve the academic problems. Teachers solve the problems of the students and help these to overcome the difficulties. Teachers give the guidance to books selection in library. The department information, assignment, workshop, practical, examination are also uploaded on website. Eight regional centres and study centres also give to information to the learners.

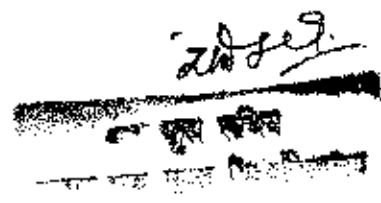
(H) Cost estimate of the programme and the provision: The SLM is Published by the MPDD department Uttarakhand Open University.

(i) Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The MA Education Programme is of 72 credits. The expert and department teaching staff updated the SLM from time to time. The SLM prepared in such a manner in which the learner feels as if he/she is being thought by a teacher in the class room. The Quality is improved and updating work is continues in the department.

Date- 26-8-2017



Dr. Dinesh Kumar
Assistant Professor and Coordinator
School of Education
Uttarakhand Open University haldwani



MAED I Year, M.A. in Education
PAPER I : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL FOUNDATIONS
OF EDUCATION(Paper code-MAED-101)

COURSE OBJECTIVES

1. To enable the students to grasp the meaning of Philosophy and Educational Philosophy.
2. To acquaint the students with the Indian and Western perspectives of Philosophy.
3. To familiarize the students with Sociology of Education and Democratization of Education.
4. To facilitate the students to understand the meaning of culture and cultural aspects of education.

BLOCK 1 Philosophy and Educational Philosophy

Unit 1:- Philosophy: Its meaning- Indian and Western Perspectives

Unit 2:- The relationship of Philosophy with education, Educational Philosophy- meaning, concerns and scope

Unit 3:- Relevance of Educational Philosophy for a teacher and its significance for the system of modern education.

BLOCK 2

Indian Schools of Philosophy and their Educational Implications:

Unit 4- Vedanta

Unit 5- Upanishad

Unit 6- Sankhya

Unit 7- Yoga

Unit 8- Srimad Bhagwad Gita

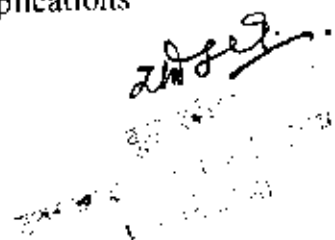
Unit 9- Buddhism

BLOCK 3

Western Schools of Philosophy and their Educational Implications

Unit 10- Naturalism

Unit 11- Idealism



Unit 12-Pragmatism

Unit 13-Existentialism

Unit 14- Realism

BLOCK 4

Indian Thinkers and Educational Philosophy

Unit 15- Gandhi

Unit 16- Tagore

Unit 17- Sri Aurobindo

Unit 18- Swami Vivekananda

Unit 19- Gijju Bhai

Unit 20- J. Krishnamurti

BLOCK 5

Western Thinkers and Educational Philosophy

Unit 21- Rousseau

Unit 22- Plato

Unit 23- Dewey

Unit 24 Jean Paul Sartre

BLOCK 6

Sociology and Educational Sociology

Unit 25:- Sociology- Its meaning, Relationship between Education and Society,

Educational Sociology-meaning, nature and scope

Unit 26:- Education and Society, Education as a Social System. Role of education in the process of social progress and modernization.

Unit 27:- Major Factors affecting the process of Social Change.

Culture-Meaning. Characteristics of Indian culture, Education and cultural change

BLOCK 7

Expansion, Inclusion and Excellence in Education

20/09/2020
मुख्य शिक्षक
राष्ट्रीय शिक्षण आयोग
नवी दिल्ली



UNIT 28:- Issues of Equality of Educational opportunity and Excellence in Education, Quality, Quantity and Equity related aspects of education

Unit 29:- Education and Democracy, Constitutional provisions for education, Nationalism and Education, Education in an era of Liberalization, Privatization and Globalization (LPG) and Information and Communication Technology

Unit 30:- Recommendations of National Knowledge Commission with regard to Higher Education and Open and Distance Education

Suggested Readings:-

1. Sociological foundations of Education in Contemporary India:- S.P. Ruhela and K.C. Vyas, Dhanpat & Sons, Delhi.
2. Major Philosophies of Education: Ram Shakal Pandey, Vinod Pustak mandir, Agra.
3. Indian Philosophy of Education: Humaun Kabir, Asia Publishing House, Bombay
4. शिक्षा दर्शन- R.S. Pandey, Vinod Pustak Mandir, Agra.
5. शिक्षा की दार्शनिक पृष्ठभूमि: L.K. Odh
6. शिक्षा दर्शन: रामशकल पांडे
7. शिक्षा के दार्शनिक और समाजशास्त्रीय सिद्धांत: रमन बिहारी लाल
8. Philosophical and Sociological Principles or Education: Lal and Palod
9. Education and Society: A.K.C. Ottaway



20/02/2020
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग

MAED 1 Year, M.A. in Education
PAPER II: PSYCHOLOGICAL FOUNDATIONS OF
EDUCATION(Paper code-MAED-102)

COURSE OBJECTIVES

1. To enable the students to understand the concepts and principles of Educational Psychology.
2. To enable the learners to understand the implications of psychological theories of education.
3. To acquaint the learners with the process of development and assessment of various psychological abilities and traits.

BLOCK 1

Educational Psychology and Human Development

Unit 1- Educational Psychology- meaning, concerns and scope.

Unit 2- Human Development: Stages of human development: with special reference to: Adolescence and Youth hood.

Unit 3- Factors influencing development and there relative role, Formation and development of Ego Identity

BLOCK 2

Cognitive and Moral Development

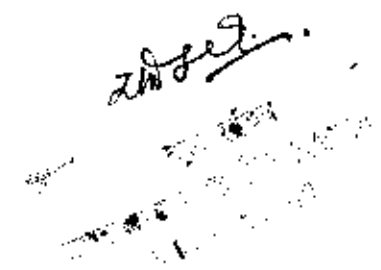
Unit 4- Jean Piaget's theory of Cognitive development and its educational implications.

Unit 5- Lawrence Kohlberg's theory of Moral development and its educational implications.

Unit 6- Jerome S. Bruner's theory of Education and its educational implications.

BLOCK 3

Theories of Learning



Unit 7:- Learning: Concept, Theories of Learning and their educational implications-

- i. Guthrie's Contiguous Conditioning
- ii. Hull's Drive Reduction Theory

Unit 8:- Gestalt psychology, Cognitive theory- Kurt Lewin Field Theory of learning and its educational implications.

Unit 9:- Gagne's Conditions of Learning.

Unit 10:- Implications of the findings from Neurosciences: - Biology of Learning and Learning Styles-Hemispheric Preference and Sensory Preferences

BLOCK 4

Intelligence- Theories and Measurement

Unit 11:- Intelligence: definitions, efforts made since 1904 to understand and measure intelligence.

Unit 12:- Theories of Intelligence-

- i. Guilford's Model of Intellect
- ii. Sternberg's Triarchic Theory
- iii. Howard Gardner's theory of Multiple Intelligences

Unit 13:- Emotional Intelligence: - meaning, dimensions and significance

Unit 14:- Spiritual Intelligence: meaning and significance

Unit 15:- Issues and Controversies in intelligence testing- Verbal and Non- Verbal tests, Individual and Group tests, Culture fair intelligence tests, Cultural dimensions of intelligence testing.

BLOCK 5

Personality and its Assessment

Unit 16:- Personality: Concept and development, Theories of Personality-

- i. Allport's Approach
- ii. Cattell's Approach
- iii. Eysenck's Approach

Unit 17:- i. Psycho - Analysis -Sigmund Freud

ii. Erickson's Psycho social developmental stage theory



Handwritten signature and stamp
Date: 10/10/2024
Page: 10/10

Unit 18:- Behavioural Approach- Miller and Bandura, Humanistic Approach of Maslow

Unit 19:- Assessment of Personality: Techniques

- i. Personality Inventories- Rating Scales
- ii. Projective Techniques- Rorschach Ink Blot test, TAT

Unit 20:- Creativity: definitions, characteristics of creative individuals, factors influencing creativity, fostering and guiding creative children, creativity and intelligence.

Suggested Readings:-

1. Advanced Educational Psychology: S.K. Mangal
2. Educational Psychology: S. S. Mathur
3. Theories of Learning: Hilgard
4. Psychology of Learning and Instruction: P. Dececco
5. Advanced Educational Psychology: S.S. Chauhan
6. Theories of Development: W.C. Crains
7. शिक्षा मनोविज्ञान Shiksha Manovigyaan: S Bhatnagar
8. शिक्षा मनोविज्ञान : P.D.Pathak
9. शिक्षा मनोविज्ञान : S.S. Mathur
10. शिक्षा मनोविज्ञान: S.K. Mangal
11. शिक्षा मनोविज्ञान: Akhilesh Chaubey
12. शिक्षा मनोविज्ञान: S.P. Gupta
13. शिक्षा मनोविज्ञान: A.K. Singh

Handwritten signature
डा. अ. क. सिंघ
प्रमुख, शिक्षा विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Handwritten signature

MAED 1 Year, M.A. in Education
PAPER III: RESEARCH METHODS AND STATISTICS IN
EDUCATION(Paper code-MAED-103)

COURSE OBJECTIVES

1. To enable the students to understand the meaning, significance, types and purposes of educational research.
2. To enable the students to compute the values of various descriptive and inferential statistics.
3. To familiarize the students with the characteristics and uses of Normal Probability Curve.
4. To enable the students to prepare the research report.
5. To acquaint the learners with various types of tools and scales.

BLOCK 1

Educational Research- Types and Methods

Unit 1- Research and Scientific Inquiry: Meaning, need and importance

Unit 2- Educational Research: Meaning, scope, significance and purpose.

Unit 3- Types of research-Fundamental, applied and action research.
Quantitative research and Qualitative research.

Unit 4- Methods of Educational Research: Experimental, Normative Survey, Historical, Case Study, Documentary Analysis and Ethnography.

BLOCK 2

Educational Research Problems

Unit 5- Areas of Educational research-research priorities in the field of Education

Unit 6- Selection of the problem, sources of the problem, Objectives of the Research work- concomitant, major, subsidiary; Hypothesis-definition, types.

Unit 7- Preparing the Research proposal (Synopsis)

Unit 8- Review of the Related Literature, Purpose of the Review; Identification of the Related Literature; Organizing the Related Literature



Unit 17- Inferential statistics (Non-parametric Statistics): - Chi-square, Mann Whitney U, Sign Test and Median Test

BLOCK 5

Preparing and Evaluating Research Report- Various steps

Unit 18 - Need and significance of the study, Title of the study, Definitions of the terms, Objectives of the study- concomitant objectives, major objectives, subsidiary objectives, Hypotheses of the study, Delimitations of the study

Unit 19- Survey of the related literature, Research design- population, sample, sampling technique and description of the sample, tests and tools used, data collection procedure and statistics employed

Unit 20- Analysis of the data and results, Conclusions and their socio-educational implications and suggestions for future studies, Bibliography and appendices

Suggested Readings:-

1. Research in Education: Best and Kahn
2. Methodology of Educational Research: Lokesh Kaul
3. Fundamentals of Educational Research: R.A. Sharma
4. Research Methodology in Behavioural Sciences: F.Kerlinger
5. शैक्षिक अनुसन्धान: Paras Nath Rai and Mehrotra
6. शैक्षिक अनुसन्धान के मूल तत्व: Sukhiya and Mehrotra
7. मनोविज्ञान समाजशास्त्र एवं शिक्षा में शोध विधियाँ: A.K. Singh
8. सांख्यिकी एवं मापन : Dr. D.N. Srivastava
9. Statistics in Psychology and Education: Garrett and Woodsworth
10. Fundamental Statistics in Psychology and Education: Guilford

adse
कुल शिक्षा
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग

(Signature)

MAED I Year, M.A. in Education
PAPER IV: ICT in EDUCATION(Paper code-MAED-104)

COURSE OBJECTIVES

1. To acquaint the learners with the meaning, scope and components of E.T.
2. To familiarize the learners with designing of instructional strategies and system.
3. To enable the learners to understand the levels and models of teaching.
4. To facilitate the learners to understand the uses of printed and electronic media for formal and non-formal systems of education.
5. To acquaint the learners with research priorities in E.T. and the concept of e-learning and various resource centers of E.T.

BLOCK 1

Educational Technology- Communication and Instructional System

Unit 1- Information and communication- Instruction and Communication -Theory, concept, process components, types. Classroom Communication. Mass media in Educational technology.

Unit 2- Educational Technology: meaning, scope, concerns, components of ET-software, hardware and system analysis. Educational Technology and Instructional Technology.

Unit 3- Various Instructional Systems- Formulation of instructional objectives, Task Analysis.

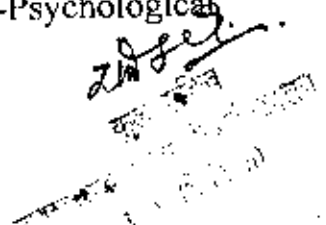
Unit 4- lectures, team teaching, discussions, seminars and tutorials as instructional strategies- their characteristics and organization.

BLOCK 2

Levels of Teaching, Strategies and Models

Unit 5- Levels of Teaching and Strategies: Memory, Understanding and Reflective levels of teaching. Teaching strategies- Meaning, functions and types.

Unit 6- Models of teaching: Meaning, functions and types -Psychological Models and Modern Models of Teaching.



Unit 7- Teacher behavior Modification Techniques - Micro teaching, Simulated Social Skill Teaching, Guided School Experience.

Unit 8- Interaction Analysis Techniques for modification of teacher behavior - Flander's Ten Category System

Unit 9- Programmed instruction- Origin and types-Linear and Branching & Mathetics Models.

Unit 10- Development and Evaluation of the Programmed Instructional material.

Unit 11- Computer Assisted Instruction: meaning, instructional uses of computer.

BLOCK 3

Printed and Electronic Media- Applications for Formal and Non- formal Education

Unit 10- Educational technology for Formal Education-

Unit 11- Educational technology for Open and Distance Learning System- Uses of Printed material and Self-Instructional Learning Material,

Unit 12- Uses of Electronic Media, Interactive Video and Tele Conferencing, CCTV, Computer Networking medium, INSAT, EDUSAT, Educational Television.

Unit 13- Audio- Visual aids in Education

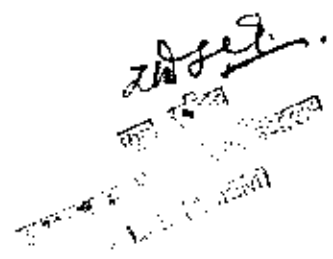
Unit 14- Educational technology for evaluation purposes

BLOCK 4

Educational Technology and Research

Unit 15- Researches conducted in the field of Educational technology

Unit 16- Research Priorities in Educational Technology



Unit 17- e-learning-meaning and modalities of e-learning, Pedagogical designs for optimizing e-learning, evaluation of the impact of e-learning.

Unit 18- Resource Centers for Educational Technology- Role of CIET, UGC, IGNOU- STRIDE, NOS, State ET cells, AVRC, EMRC and NIST etc. for the improvement of teaching- learning.

Suggested Readings:-

1. Educational Technology: R.A. Sharma
2. शैक्षिक तकनीकी: R.A. Sharma
3. Educational Technology: Saxena and Oberoi
4. शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार S.P. Kulshreshtha
5. Introduction to Educational Technology: K. Sampath, A.Pennirselvam and S. Santhanam

Handwritten signature
[Faint, illegible text below signature]

Handwritten mark

MAED Part II

Guidance and Counselling (MAED-201)

Objectives:

- To familiarize the students with the concept, scope and significance of guidance and counselling.
- To acquaint the students with the types, agencies and qualities of good guidance and counselling personnel.
- To provide information's with regard to tests and tools used in guidance and counselling services.
- To help the students to understand the concept, principles and importance of mental health and mental hygiene.
- To enable the students to comprehend the concept of adjustment.

BLOCK 1 Guidance and its Concept

Unit 1- Guidance: Concept, Principles, assumptions, issues and problems, need, scope and significance of guidance

Unit 2- Types of Guidance-Educational, Vocational and Personal, Group Guidance

Role of Teacher in guidance,

Unit 3-Guidance and Curriculum: Guidance and Classroom Learning

Unit 4- Agencies of guidance- National level, State level

BLOCK 2 Guidance of Children with Special Needs

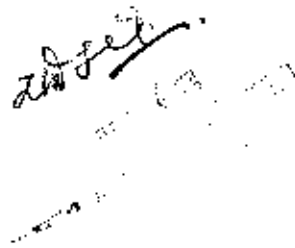
Unit 5- Problems and Needs. Role of teacher in helping children with special needs
Guidance of the gifted and creative,

Unit 6- Group Guidance: Concept, principles, procedure and techniques of group guidance

BLOCK 3 Counselling and Its Concept

Unit 7-Counselling Process: Concept, Principles of counselling, counselling approaches- Directive, Non-directive and Eclectic

Unit 8-Group Counselling vs Individual Counselling. Counselling for Adjustment.
Characteristics of good counselling



Unit 9-Information Orientation services, placement service and follow up service at different levels of education, evaluation of guidance Programme

Unit10- Qualities of a good counsellor, role and responsibilities.

BLOCK 4 Testing in Guidance Service

Unit 11- Tools and Techniques of guidance, Use of tests in guidance and counseling.

Unit 12 -Tests of Intelligence -SPM, Bhatia Battery Test of Intelligence, Aptitude- DAT, Creativity- Baquer Mehndi Test of Creativity (Based on Guilford's Model), Interest- VIB and Personality EPQ, 16 PF- administering, scoring and interpretation of tests scores.

Unit 13- Organization of a Guidance Programme - Organizing Guidance services at different levels of education

BLOCK 5 Human Adjustments and Mental Health

Unit 14- Psychological foundations of Adjustment, Role of motivation and perception in adjustment

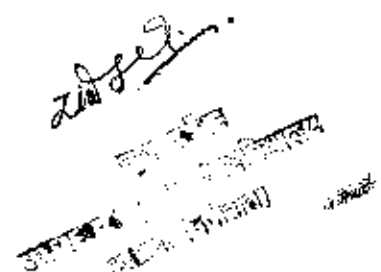
Unit 15- Concept and meaning of mental health and mental hygiene. Principles of Mental Hygiene and their implication for effective adjustment, mental health and development of integrated personality

Unit16- Adjustment mechanism and its characteristics, Frustration, conflicts and their resolution

Unit17 - Problem of maladjustment-causes and symptoms of maladjustment.

Suggested Readings

1. शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन के आधार: के.पी. पान्डे
2. शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श: आर. ए. शर्मा
3. शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श: S.C. Oberoi
4. आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन: महेश भार्गव
5. Educational Vocational Guidance and Counselling: J.C. Agarwal
6. Counselling and Guidance: S. Narayana Rao
7. Guidance and Counselling: A.K. Nayak
8. शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श: Sitaram Jaiswal



UNIVERSITY OF DELHI
LIBRARY
DELHI

M.A. Education Part II

Educational Management and Administration- MAED 202

Objectives

- To explain the concept and trends of Educational Management.
- To help the students to understand educational planning and supervision.
- To familiarize the students with the process and role of communication.
- To acquaint the students with the concept of leadership in education.
- To enable the students to understand the approaches of educational administration and management.

BLOCK 1:-Concept, Process Types and Trends of Educational Management

Unit 1:- The concept and features of Educational Management, various types of educational management, modern trends of Educational Administration.

Development of the concept of Educational Administration from 1900 to present day.

Unit 2:- Taylorism, Administration as a process, Administration as a bureaucracy.

Unit 3:- Human Relations Approach to Administration, Meeting the Psychological needs of employees

Unit 4:- Systems approach and specific trends in Educational Administration such as (a) decision making (b) Organizational Compliance (c) Organizational development (d) PERT (e) Modern Trends in Educational Administration

BLOCK 2:- Leadership in Educational Administration

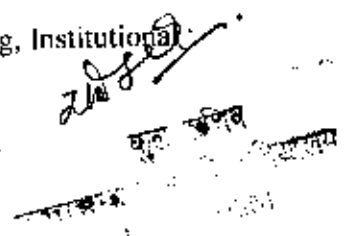
Unit 5- Meaning and Nature of Leadership, Theories of leadership,

Unit 6- Styles of leadership,

Unit 7- Measurement of leadership

BLOCK 3:- Educational Planning and Supervision

Unit 8: Meaning, Approaches to educational planning, Perspective Planning, Institutional Planning



Unit 9: - Meaning and functions of Supervision, Types of Supervision, Qualities of a Supervisor

Unit 10: Planning, organizing and implementing supervisory programmes

Unit 11: Supervision as a service activity, Supervision as a process, Supervision as Educational leadership, Specific features of Modern Supervision

Unit 12: Meaning and functions of Inspection, Differences in Supervision and Inspection, Problems of Supervision and Inspection

BLOCK 4:- Process, Role and Barriers of Communication

Unit 13- Meaning, objectives and types of Communication

Unit 14- Role of Communication for effective management and administration, Methods of Communication.

Unit 15 - Barriers to communication, overcoming the barriers of communication in educational administration

BLOCK 5:- Educational Administration and Management in State

Unit 16 Management of Schools- Role of headmaster and Teachers in school management and administration

Unit 17- Approaches to educational planning and management at Primary, Secondary and Tertiary stage of education.

Unit 18- Educational Administration in State: control of School education in State- a critical analysis

Unit 19- Functions of State Government at different levels of Education

Unit 20- Functions of Board of School Education and University

1. स्कूल प्रबन्ध, सूचना तथा सम्प्रेषण तकनीकी: जे.सी. अग्रवाल,
2. शैक्षिक प्रशासन: लक्ष्मी लाल ओड
3. शैक्षिक प्रबन्ध के मूल तत्व: देवदत्त शर्मा
4. विद्यालय प्रशासन एवं संगठन: एस.पी. सुखिया
5. School Administration and Organization: S.P. Sukhiya
6. Educational Administration: Supervision Planning and Financing: R.P. Bhatnagar, Vidya Agarwal
7. School Management, Information and Communication Technology: J.C. Agarwal



20/04/2021
मुख्य शिक्षक
विद्यालय
संस्कृत विद्यालय
बालासोर

M. A. Education Part II
Teacher Education – MAED-203

Objectives:

- To provide knowledge to the students with regards to the historical Background of Teacher Education in Pre-Independence & post Independence era.
- To acquaint the students with the suggestions of Various Education Commissions and their Implications of teacher education.
- To familiarize the students with importance of research in the field of teacher education.

Block 1

Historical Perspective :

Unit 1- Teacher Education in Ancient, Buddhist and Medieval Period.

Unit 2- Recommendations of Wood Despatch.

Unit 3- Recommendations of Sadler Commission & Hunter Commission for teacher education.

Block 2

Recommendations of Various Commissions for Teacher Education (After Independence)

Unit 4- Radhakrishnan Commission and Mudaliar Commission.

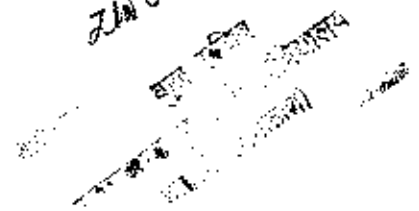
Unit 5- Kothari Commission.

Unit 6- New Education Policy and Teacher Education (1986) and National Curriculum Framework Teacher Education (NCFTE) 2009

Block 3

Unit 7- Meaning, Need and objectives of Teacher Education at various stage of Education.

Unit 8-Modification of teacher Behaviour: Micro Teaching and Simulated Social Skill Training.



Unit 9- Competency-based teacher education: Quality assurance in Teacher education.

Block 4

Types of Teacher Education Programme and Agencies

Unit 10- In-service Teacher Education

Unit 11- Pre-service Teacher Education

Unit 12- Teacher Education through ODI system.

Unit 13- Orientation and Refresher Courses

Unit 14- National and state level agencies and Teacher education (NCTE, NCERT, SCERT, NEUPA, UGC, RCI).

Block 5

Research in Teacher- Education:

Unit 15- Nature and Aims of Research

Unit 16- Priorities of Research

Unit 17- Importance of Research

Suggested Readings

सक्सैना, एन. आर. : अध्यापक शिक्षा, सूर्या पब्लिकेशन मेरठ ।

शर्मा, पी. सी तथा एल.सी. सिंह, अध्यापक और अध्यापक शिक्षा।

Singh, L.C. Teacher Education in India, NCERT, New Delhi.

Govt. of India –National Policy on Education Ministry of HRD-New Delhi.


पुनः प्रेषित
मुख्य शिक्षा अधिकारी
राज्य शिक्षा विभाग
लखनऊ (226001)



MA Education Part II

Distance Education Syllabus MAED-204

Objectives

- To enable the students to understand the meaning scope and objectives of distance education.
- To familiarize the students with the role of various agencies in distance education and to understand the issues of quality assurance and challenges in the area of distance education.
- To explain the process of development of SILM in distance education.
- To help the students to understand the uses of various SILM and ICT in distance education system,

Block 1

Unit 1- Meaning, characteristics and scope of Distance Education.

Unit 2- Goals, objectives, need and importance of Distance Education.

Unit 3-Development of distance education in independent India and situation of distance education in the present perspective.

Block 2

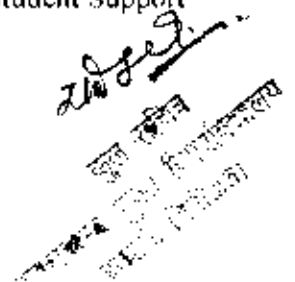
Unit 4-The role of Central Govt., State Govt., NGO's and mass communication in the development of distance education.

Unit 5-Quality assurance, challenges and priorities in the area of Distance education.

Unit 6-Evaluation in Distance Education.

Unit 7- Characteristics and problems of students of Distance Education. Student Support System.

Block 3



Unit 8- Meaning, importance and features of Self Instructional Learning Material (SILM) in the area of Distance Education.

Unit 9- Content production and delivery systems in Distance education system.

Unit 10- Uses of self learning materials, audio-visual aids, Information Communication Technology (ICT) in Distance education system.

Block 4

Unit 11-Criteria for selection, process, evaluation and editing of Self Instructional Learning Materials.

Unit 12-Types of SILM in distance learning-print, audio, video, and web-based interactive materials- Internet, CC TV, on-line classes

Handwritten signature
The Director
National Council
of Educational Research
and Training
New Delhi

Handwritten signature

M.A. Education Part II
Curriculum Development Code: MAED-205

(Elective Paper)

Objectives:

To acquaint the students with the principles of curriculum development according to the needs and interests of the students. To familiarize the students with the importance of developing the course material according to the needs of the society. To enable the students to discuss the characteristics of coordination among student centered, content centered, and society centered curriculum.

Block-1 Curriculum : Meaning, Nature, Scope and Objectives

Unit 1-Curriculum : Concept, Meaning, Nature, Scope and Objectives of curriculum, Curriculum and its relation with learners personality

Unit 2- Types of Curriculum : Core Curriculum, Inclusive Curriculum, Theoretical Curriculum, Activity Based Curriculum, and Reconstructivistic Curriculum

Block-2 Curriculum Development : Its Process, Principles, and Bases

Unit 3- Curriculum development-the process and principles

Unit 4- Determinants of Curriculum Development

Unit 5- Philosophical Bases of Curriculum Construction: Philosophy as a force of curriculum construction, curriculum according to progressivism, essentialism and reconstructivism, relationship between values and curriculum,

Unit 6- Psychological Bases of Curriculum Construction: Psychology as a force of curriculum construction, implications of the theories and principles of learning with reference to Behavioral and Cognitive theories.

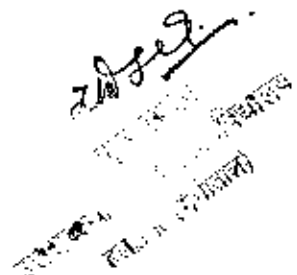
Unit 7- Sociological Bases of Curriculum Construction: Society as a force of curriculum development, social change in India (with special reference to the impact of Science and Technology) and its impact on curriculum development.

Block-3 Curriculum Design and Organization

Unit 8- Meaning of curriculum design, components and sources of curriculum design, principles of curriculum construction, methods of organization of syllabus in formulating curriculum operations,

Unit 9- Curriculum design: Its Categories

Unit 10- Different models and principles of curriculum construction



Block 4 Curriculum Evaluation

Unit 11- Curriculum evaluation: Concept of curriculum evaluation, types of curriculum evaluation, need and importance of curriculum evaluation

Unit 12- Models of curriculum evaluation, issues and trends in curriculum evaluation

Block 5 Recent Trends in Curriculum Development and Research

Unit 13- Scope of Curriculum Research

Unit 14- Curriculum research in India

Unit 15- Suggestions/recommendation related to curriculum development according to different education commissions

Suggested Readings:

1. पाठ्यक्रम विकास: सियाराम यादव
2. पाठ्यक्रम का भावी विकास: सीता राम जायसवाल
3. Managing Curriculum: R.A. Sharma
4. Curriculum Reforms in India: J.C. Agarwal
5. Curriculum Development: R.A. Sharma

Handwritten signature
प्रमुख शिक्षक
विभाग
द. वि. वि. (वि. वि.)

Handwritten signature

M.A. Education Part II
Inclusive Education Code: MAED-206
(Elective Paper)

Objectives: To assist the learners to understand the children with special needs, to enable the students to explain the various dynamics of Special and Inclusive Education and enable the students to organize appropriate programmes of education and other related services for them.

Block I: The Concept of Exceptional Children or Children with Special Needs

Unit 1: Meaning of Exceptional Children, Positive and Negative Deviations

Unit 2: Concepts of Impairment, Disability and Handicap

Unit 3: Types of Exceptional Children

Unit 4: Needs and Problems of Exceptional Children

Block II: Special Education, Integrated, Mainstreaming and Inclusive Education

Unit 5: Meaning and Scope of Special Education

Unit 6: Principles of Special Education, Objectives of Special Education

Unit 7: Types of Special Education Services, The Resource /Itinerant Teacher, Aids and Room

Unit 8: Meaning of Integrated Education, Mechanics/ Nature of Integrated Education, Scope of Integrated Education, Importance of Integrated Education

Unit 9: National and International Policies and Legislations with respect to Special and Inclusive Education

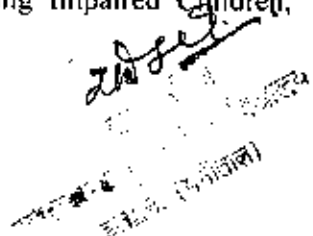
Unit 10: The NPE (1986) and the POA, National Knowledge Commission-Recommendations, National Curriculum Framework School Education 2009 relating to integrated Education

Unit 11: Mainstreaming, Components of Mainstreaming, Efficacy of Mainstreaming, Issues in integration

Unit 12: Concept of Inclusion in Education, Components of Inclusion in Education, Advantages of Inclusive Education, Issues in Inclusive Education

Block III: Inclusive Education for Children with Hearing Impairment

Unit 13: Meaning of hearing impairment, Classification of Hearing Impaired Children, Characteristics of Hearing Impaired Children



Unit 14: Identification and placement of Hearing Impairment, Care and Training of Hearing Impaired

Unit 15: Educational Inclusion of Children with Hearing Impairment, Role of Teacher

Block IV: Inclusive Education for Children with Visual Impairment

Unit 16: Meaning of Visually Impaired Children, Classification of Visually impaired Children, Characteristics of Visually impaired Children

Unit 17: Identification and Placement of Visually Impaired Children, Care and Training of Visually Impaired Children

Unit 18: Educational Inclusion of Children with Visually Impairment, Role of the Teacher

Block V: Inclusive Education for Children with Mental Retardation

Unit 19: Concept of Mental Retardation, Mental Retardation and Mental Illness, Classification of MR, Characteristics for MR children, Specific Characteristics of EMR, TMR and CMR Children

Unit 20: Identification and Placement of MR Children, Care and Training of Educable Mentally Retarded Children

Unit 21: Educational Inclusion of Children with Mental Retardation, Role of the Teacher

Block VI: Inclusive Education for Children with Learning Disability

Unit 22: Concept of Learning Disability, The Learning Disability, and MR children, The LD, Backward Children and Slow Learners, Characteristics of LD Children, Types of Learning Disability

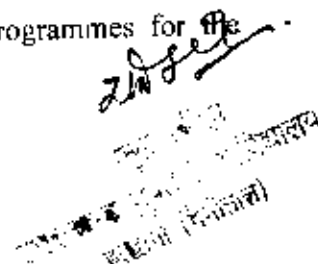
Unit 23: Identification and Placement of LD Children, Care and Training of LD Children

Unit 24: Educational Inclusion of Children with Learning Disability, Role of the Teacher

Block VII: Inclusive Education for Children with Giftedness

Unit 25: Concept of Gifted Children, Identification of Gifted Children, Characteristics of Gifted Children

Unit 26: Educational Programme for the Gifted, Inclusive Education Programmes for the Gifted, Underachieving Gifted Children



Handwritten signature and official stamp of the Director of Education, Government of Karnataka, Bangalore.

Suggested Readings:

1. M.Dash: Education of Exceptional Children: Atlantic Publishers and Distributors, New Delhi
2. M.Bhargava: Vishisth Shiksha, Bhargava Publication, Agra
3. S.Kirk: Educating Exceptional Children, Hough Mifflin, Boston
4. K.C.Panda: Education of Exceptional Children: Atlantic Publishers and Distributors, New Delhi

adged
10/10/2020
10/10/2020
10/10/2020

R

M.A. Education Part II
Measurement and Evaluation Code: MAED-207
(Optional Paper)

Objectives : To enable the learners to understand the process of measurement and evaluation in teaching learning process, to know the procedure of test construction, to measure and understand the psychological and educational variables to acquaint with the intelligence testing and personality measurement techniques.

BLOCK1- ELEMENTRY STATISTICS

Unit 1- Measures Of Central Tendency

Understanding the nature of distribution of scores, Location of Points on Graph , Frequency Polygon , Histogram , Percentiles and Ogive, Line Drawing of Curves , Bar Diagram , Pie Diagram
Concept of Mean, Median, and Mode, Uses of Mean, Median, and Mode, Methods of Calculating Mean, Median, and Mode

Unit 2-Measures Of Variability

Concept of Range , Quartile Deviation (Q.D.) , Average Deviation , Standard Deviation(S.D.), and Variance, Methods of Estimating Measures of Variability

BLOCK 2-NORMAL CURVE & CORRELATION METHODS

Unit 3- Normal Probability Curve

Definition of Normal Curve (NPC) , Characteristics of NPC, Application of NPC

Unit 4-Correlation Methods

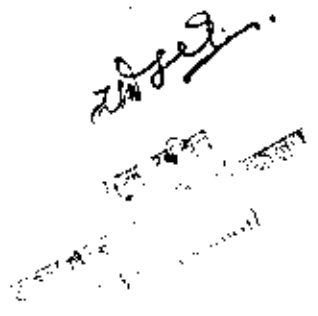
Meaning of Correlation, Spearman's Correlation of Ranks Difference, Pearson's Correlation Method, and Contingency Coefficient

BLOCK 3-TECHNIQUES OF CONDUCTING TEST

Unit 5- Psychological Testing-Procedures, uses and interpretation of Test Scores

Meaning of Psychological Tests , Characteristics and Need of Psychological Test, Major Classification of Psychological Tests, Uses of Tests , Testing Procedure , Interpretation of Test Scores

BLOCK 4- MEASUREMENT AND EVALUATION



Unit 6- Measurement and Evaluation

Concept of Measurement, Characteristics, Functions, Various Types of Variables, Scales of Measurement, Method of Measurements, Concept of Evaluation, Purposes and Functions, Techniques,

Unit 7- Construction of Achievement Test

Oral examination, Construction of Objective Type Test, Recognition Type Items, Recall Type items, Evaluation of Learning Objectives, Comparison Between Essay and Objective Tests, Criterion – Referenced and Norm Referenced Tests, Process of the Development of Achievement Test, Various Types of Tests: Teacher Made and Standardized Tests.

Unit 8- Item Analysis – Meaning, Procedures and Techniques

Items Analysis- Meaning and Objectives, Procedure of item Analysis, Criteria for Selection and Rejection of items, Item Analysis of Diagnostic Test Item.

Unit 9- Concept of Reliability

Meaning and Definition of Reliability, Characteristics, Computation of Various Reliability Coefficients viz. Test-Retest Reliability, Split-halves Reliability, Kuder Richardson Reliability, Reliability Index, Standard Error of Measurement, Estimation of the Reliability of Criterion – Referenced Test

Unit 10- Concept of Validity

Meaning and definition of Validity, Characteristics, types of Validity- Content Validity, Criterion Related Validity, Construct Validity, Methods of Estimating Validity, Cross-Validation technique, Relation between Validity and Reliability

Unit 11- Development of Test Norms

Meaning of Norms or Standard Scores, Definition of Norms, Need of Norms, Percentile Norms or Percentile – Rank Norms, Standard Score Norms (Z-scores Norms), T-Scores Norms, Deviation I.Q. Norms, Stanine Norms, Age Norms, and Grade Norms

BLOCK 5: EDUCATIONAL & PSYCHOLOGICAL TESTS

Unit 12- Measurement Of Achievement

Achievement Tests or Performance Tests, Diagnostic Tests, Process of the Development of Achievement Test, Educative Values of Examinations, Various Types of Tests: Teacher Made and Standardized Tests, Summative and Formative Tests, Easy and Objective Type Tests

Unit 13- Measurement Of Intelligence

Definitions of Intelligence, Characteristics of Intelligence, Types of Intelligence,



[Handwritten signature]
मुख्य शिक्षक
विभागीय परीक्षा विभाग
वि.सं. 10/2020

Measurement of Intelligence, Binet Tests, Wechsler Scale WAIS (1955), Thurston's Tests of Primary Mental Abilities (PMA), Non-Verbal Test of Intelligence- Bhatia Battery, Cultural -Fair Intelligence Test- SPM, Performance Test- Koh block Design Test, Uses of Mental Ability Tests

Unit 14- Measurment of Personality

Definitions of Personality, Characteristics, Personality Measurement, Personality Inventories, Preference Schedule (EPPS), Allport Vernon Study of Value (1931), Projective Techniques-TAT and Rorschach INK Blot Test,

Suggested Readings:

1. A.Anastasi: Psychological Testing, The Mc Millan Company, New York
2. H.E. Garret: Statistics in Pschology and Education, Vakils, Feffer and Simons Pvt.Ltd. Mumbai
3. S.P.Gupta: Adhunik Mapan Avam Moolyankan, Sharada Publication, Allahabad
4. J.C.Nunally: Psychometric Theory, McGraw Hill Company, New York
5. R.L.Ebel : Measuring Educational Achievements, Prentice Hall Inc. EngleWood Cliffs
6. N.E.Gronlund: Measure and Evaluation in Teaching, Mc Millan Company, New York

Handwritten signature

Handwritten text and stamp

Handwritten signature

**PROGRAMME PROJECT REPORT
DEPARTMENT OF ENGLISH
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY**

Name of the Programme: MA ENGLISH

(a) (i) **Programme's Mission:** To groom the learners in such a way that they help discover themselves and make a positive contribution in their lives as well as the lives of those around them.

(b) **Objectives:**

- To give the learners an exposure to a wide range of literature
- To enhance the critical abilities of the learners
- To develop the curriculum in such a manner that it caters to the academic and employment needs of the learners
- To develop proficient human resource for a sustainable growth

(b) **Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals:** The Programme is developed in line with the philosophy of Open and Distance Learning which is founded on the principle of flexibility. The Department endeavours to uphold this philosophy, well reflected in the University's motto, "Reaching out to the Unreached", by taking education to the doorsteps of the learners. The Programmes offered by the Department are at par with the national and international standards. Nonetheless, they are also customised keeping in mind the requirements of those learners of Uttarakhand who hail from humble and remote backgrounds. There is also a provision for counselling for the benefit of the learners. Thus, the Programme is well designed and is in line with HEI's mission and goals.

(c) **Nature of prospective target group of learners:** The MA Programme offered by the Department is at par with the national and international standards. Nonetheless, the programme is tailor-made and caters to the diverse needs of our learners, especially to the needs of those who hail from humble and remote backgrounds of the State. Our MA English Programme offers courses in the various genres of British Literature, American Literature, Indian Writing in English and in English Translation and Indian and Modern Literary Theories and Criticism. Our programme is well aligned with the market requirements, thereby, besides providing a sound knowledge of the subject, it prepare the learners for employment as well. Adhering to the philosophy of Open and Distance Learning, the Department does not aim at any target group. We believe in democratizing education and have very flexible entry qualifications for all the applicants so that *all* may reap the benefits that education has to offer. The Department has sincerely been striving in the direction to enhance the linguistic abilities and subject knowledge of the learners by providing quality study material. In the counselling sessions, the learners are briefed about the multi-disciplinary aspect of English, its applicability in almost every domain and about the numerous career options that the discipline offers.

Ans

19.04.18

2022
9.4.18

(d) Appropriateness of programme to be conducted in the Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As the University functions in the Open and Distance Learning mode, the programmes that we offer are designed to meet the varied requirements of the distant learner. Keeping this in view, the course material developed by the Department is learner friendly. Each course is divided into four to five blocks, which are further divided into units. Each Block consists of three to four units. This number has been determined taking into consideration the learning capabilities of our students. The structure of the unit is in line with the guidelines laid down by the Distance Education Bureau, the apex regulatory body of Open and Distance Learning. The content is kept simple and lucid and follows the self-instructional pattern. Each lesson includes a number of self-assessment questions along with hint answers so that the students are able to track their progress as they proceed with the lesson. At the end of each unit, a list of other relevant books is also provided. Besides providing quality study material to our learners, the Department, following the ODL pattern, has defined its programmes in the terms of credits. In the ODL system, one credit is equivalent to 30 study hours i.e. the study input required for completion of the programme. Normally the MA programme is a 72-credit programme. This comprises all learning activities i.e., reading and comprehending the SILM, availing audio-visual aids to enhance knowledge, attending counselling sessions and preparing assignments. Thus, in the MA programme a learner is expected to put in 2160 study hours to complete the programme in two years' time.

Once a learner develops an interest in the subject, he can upgrade his knowledge by studying other critical material available on the subject. Once a sound foundation is laid, competence would follow automatically.

(e) Instructional Design: The MA programme is a two-year degree programme of 72 credits. The course material for the programme has been developed in-house with contributions from seasoned academicians as well. The instructional design comprises all learning activities i.e., reading and comprehending the SILM, availing audio-visual aids to enhance knowledge, attending counselling sessions and preparing assignments.

- **Detailed Syllabus of the Programme:**

M.A. I

PAPER 1 PROSE AND FICTION

BLOCK 1

Unit 1	Bacon
Unit 2	Addison and Steele
Unit 3	Charles Lamb
Unit 4	J. Krishnamurti: <i>Education and the Significance of Life</i>

Ag
19.04.18

BLOCK 2

Unit 5	Manoj Das: "The Dusky Horizon"
Unit 6	Galsworthy: "The Apple Tree"
Unit 7	Hemingway: "The Snows of Kilimanjaro"

BLOCK 3

Unit 8	Jane Austin: <i>Emma</i>
Unit 9	Charles Dickens: <i>Great Expectations</i>

BLOCK 4

Unit 10	D.H. Lawrence
Unit 11	Lawrence: <i>Sons and Lovers</i>
Unit 12	Forster: <i>A Passage to India</i>

M.A. I**PAPER II: ENGLISH POETRY UP TO THE EIGHTEENTH CENTURY**

BLOCK 1

Unit 1	Introduction to Early English Poetry
Units 2&3	Chaucer: <i>Prologue to the Canterbury Tales</i>
Unit 4&5	Spenser: <i>The Faerie Queene</i> Book 1

BLOCK 2

Unit 6	Metaphysical Poetry
Unit 7&8	The Poems of John Donne
Unit 9	The Poems of Andrew Marvell

BLOCK 3

Unit 10	Milton and His Age

Ans
19.04.18

Unit 11 *Paradise Lost* Book 1

BLOCK 4

Unit 12 Neoclassicism

Unit 13 Dryden: *Absalom and Achitophel*

Unit 14 Pope: *Rape of the Lock*

BLOCK 5

Unit 15 Thomas Gray and his Poems

Unit 16 William Collins and his Poems

M.A. I

PAPER III DRAMA

BLOCK 1

Unit 1 Drama and its Context

Unit 2 Drama and its Performative Context

BLOCK 2

Units 3&4 Christopher Marlowe & *Doctor Faustus*

Unit 5 Restoration Age and the Comedy of Manners

Unit 6 Congreve: *The Way of the World*

BLOCK 3

Units 7&8 George Bernard Shaw: *Candida*

Units 9&10 T.S. Eliot: *Murder in the Cathedral*

BLOCK 4

Units 11&12 Samuel Beckett: *Waiting for Godot*

Units 13&14 John Osborne: *Look Back in Anger*

Ans
19-04-18

M.A. I
PAPER IV CRITICISM

BLOCK 1

Unit 1	Introduction to Criticism
Unit 2	Plato
Units 3 & 4	Aristotle: Poetics
Unit 5	Longinus

BLOCK 2

Unit 6	Renaissance Criticism: Sir Philip Sidney
Unit 7	Neoclassical Criticism: Alexander Pope

BLOCK 3

Unit 8	An Introduction to Romantic Criticism
Unit 9	Wordsworth
Unit 10	Coleridge

BLOCK 4

Unit 11	Victorian Criticism: Arnold
Unit 12	Aestheticism: Walter Pater

BLOCK 5

Unit 13	T.S. Eliot
Unit 14	I. A. Richards
Unit 15	New Criticism

M.A. II
PAPER 1 19TH AND 20TH CENTURY BRITISH POETRY

BLOCK 1 EARLY ROMANTIC POETRY

Unit 1	William Wordsworth "Tintern Abbey"
Unit 2	Samuel Taylor Coleridge "The Rime of the Ancient Mariner"

BLOCK 2 LATER ROMANTIC POETRY

Unit 3	Shelley "To a Skylark" "Stanzas Written in Dejection – December 1818, near Naples"
Unit 4	Shelley "Adonais"

Ans
19.09.18

Unit 5 John Keats "Ode to a Nightingale" "Ode on a Grecian Urn"

Unit 6 John Keats "The Eve of St. Agnes"

BLOCK 3 VICTORIAN POETRY

Unit 7 Alfred, Lord Tennyson
"The Lady of Shalott" "Tithonus"

Unit 8 Robert Browning
"The Last Ride Together" "Rabbi Ben Ezra"

Unit 9 Matthew Arnold "The Scholar Gypsy"

BLOCK 4 TWENTIETH CENTURY POETRY (I)

Unit 10 W.B. Yeats "Sailing to Byzantium" "When you are Old"

Unit 11 T.S. Eliot "The Wasteland"

BLOCK 5 TWENTIETH CENTURY POETRY (II)

Unit 12 W.H. Auden "In Memory of W.B. Yeats"
"In Praise of Limestone"

Unit 13 Philip Larkin "Church Going" "Ambulances"

Unit 14 Ted Hughes "Daffodils" "Hawk Roosting"

M.A. II

PAPER II

SHAKESPEAREAN DRAMA

BLOCK 1

Unit 1 Shakespearean Tragedy

Units 2,3 &4 *Hamlet*

BLOCK 2

AS
19.09.18

- Unit 5 Shakespearean Comedy
Unit 6,7 &8 *A Midsummer Night's Dream*

BLOCK 3

- Unit 9 Roman Plays
Units 10, 11&12 *Antony and Cleopatra*

BLOCK 4

- Unit 13 The Last Plays
Unit 14,15&16 *Tempest*

M.A. II

PAPER III

INDIAN WRITING IN ENGLISH AND IN ENGLISH TRANSLATION

Block 1

- Unit 1 Rigveda: *Purush Sukta*
Unit 2 Isha Upanishad
Unit 3 *The Mahabharata: The Yaksha Dialogue: Introducing the Text*
Unit 4 *The Mahabharata: The Yaksha-Yudhishtira Dialogue: The Question*

Block 2

- Unit 5 Kabir: Selections from *Songs of Kabir*
Unit 6 Selections from Ghalib
Unit 7 Rabindra Nath Tagore: Songs from *Gitanjali*

Block 3

- Unit 8 Sri Aurobindo and his *Savitri*
Unit 9 *Savitri*, Book Four: *The Book of Birth and Quest*
Unit 10 Nissim Ezekiel: "Philosophy" "Enterprise"

As
19.04.18

Unit 11 Kamla Das: "Freaks" "A Hot Noon at Malabar"

Block 4

Unit 12 Somdev: Selections from *Kathasaritsagar*

Units 13&14 Raja Rao: *Kanthapura*

Block 5

Units 15& 16 Kalidas *Abhijnanashakuntalam*

Units 17&18 Vijay Tendulkar: *Ghashiram Kotwal*

M.A. II

PAPER IV

INDIAN & MODERN LITERARY THEORY AND CRITICISM

SECTION A INDIAN AESTHETICS

Block 1

Units 1&2 *Rasa Siddhanta* (1)

Unit 3 *Dhvani Siddhanta*

Block 2

Units 4&5 *Vakrokti Siddhanta* (1)

Unit 6 *Alankar Siddhanta*

SECTION B MODERN LITERARY THEORY AND CRITICISM

Block 3

Units 7&8 Feminism

Units 9&10 Post Colonial Theory

Block 4

Unit 11 Post Modernism

Ans
19.04.18

M.A. II
PAPER V
AMERICAN LITERATURE

BLOCK 1	POETRY
Units 1&2	Walt Whitman: An Introduction
Unit 2	Walt Whitman: Selections from "Song of Myself"
Unit 3	Emily Dickinson: An Introduction
Unit 4	"Much Madness is divinest Sense" "I heard a Fly buzz-when I died" "The Soul selects her own Society" "The Brain-is wider than the sky"
Units 5	Robert Frost: An Introduction
Unit 6	Robert Frost: "Mending Walls" "After Apple Picking" "Death of a Hired Man" "Birches"
BLOCK 2	NOVEL
Unit 7	Ernest Hemingway: <i>A Farewell to Arms</i> (1)
Unit 8	Ernest Hemingway: <i>A Farewell to Arms</i> (2)
Unit 9	Tony Morrison: <i>The Bluest Eyes</i> (1)
Unit 10	Tony Morrison: <i>The Bluest Eyes</i> (2)
BLOCK 3	DRAMA
Unit 11	Eugene O' Neill: <i>The Emperor Jones</i> (1)
Unit 12	Eugene O' Neill: <i>The Emperor Jones</i> (2)
Unit 13	Eugene O' Neill: <i>Death of a Salesman</i> (1)
Unit 14	Arthur Miller: <i>Death of a Salesman</i> (2)
BLOCK 4	NON FICTIONAL PROSE
Unit 15	Ralph Waldo Emerson: "The Over Soul"

Ans
19.04.18

- **Duration of the Programme:** The Duration of the Programme is two years.
- **Faculty and Support Staff Requirement:** At present, there are two faculty members in the Department; Professor and Head of the Department who is also discharging services as Director School of Humanities and an Assistant Professor. The Department would require a support staff for its the smooth functioning in future.

Instructional Delivery Mechanism: As the University functions in the Open and Distance Learning mode, the programmes that we offer are designed to meet the varied requirements of the distant learner. Keeping this in view, the course material developed by the Department is learner friendly. Each course is divided into four to five blocks, which are further divided into units. Each Block consists of three to four units. This number has been determined taking into consideration the learning capabilities of our learners. The structure of the unit is in line with the guidelines laid down by the Distance Education Bureau, the apex regulatory body of Open and Distance Learning. The content is kept simple and lucid and follows the self-instructional pattern. Each lesson includes a number of self-assessment questions along with hint answers so that the students are able to track their progress as they proceed with the lesson. At the end of each unit, a list of other relevant books is also provided. Besides providing quality study material to our learners, the Department, following the ODL pattern, has defined its programmes in the terms of credits. In the ODL system, one credit is equivalent to 30 study hours i.e. the study input required for completion of the programme. Normally the MA programme is a 72-credit programme. This comprises all learning activities i.e., reading and comprehending the SILM, availing audio-visual aids to enhance knowledge, attending counselling sessions and preparing assignments. Thus, in the MA programme, a learner is expected to put in 2160 study hours to complete the programme in two years' time.

(f) Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:

- **Eligibility:** A graduate in any stream

- **Fee Structure:**

MAI:

Rs. 3000 (Admission Fee) + Rs. 600 (Examination Fee) + Rs. 100 (Students' Welfare) + Rs. 50 (Identity Card) = Rs. 3750

MA III:

Rs. 3000 (Admission Fee) + Rs. 750 (Examination Fee) + Rs. 300 (Degree fee) = Rs. 4050

Ans
19.04.18

- **Evaluation norms:** A learner will be evaluated on the basis of Assignments and term-end examination. Assignments carry 20% weightage whereas the term end examination carry 80% weightage.

(g) Requirement of the laboratory support and library resources:

- **Library Resources:** Each year the Department prepares an exhaustive list of books to be procured by the Department of Library Science.

(h) Cost estimate of the Programme and the provisions:

The MA programme in English has been prepared in-house. The internal faculty has made contribution through 25 units. Owing to the size of the Department (the Department comprises of two faculty members), the Department has utilized the acumen and expertise of seasoned academicians in the development of the course material. The expenses incurred in outsourcing units is as follows:

S.No.	Programme Break-up	No. of Units	Rates (per unit)	Total Cost
1.	MA I	45	6000/-	27000/-
2.	MA II	63	6000/-	37800/-

In the years to come, the course material will undergo revision. The estimated expenditure for the same is as under:

S.No.	Programme Break-up	No. of Units	Rates (per unit)	Total Cost
1.	MA I	45	2500/-	112500/-
2.	MA II	63	2500/-	157500/-

(i) Quality Assurance Mechanism and expected programme outcomes: To ensure standardization of material, a review cum editorial committee, comprising academicians of repute, would be constituted in the near future. The team would be entrusted with the responsibility to ensure the quality of the SILM. Once the quality of the material is ensured, the desired outcomes would follow automatically.

Ans
19.04.18.
24.04.18
19.4.18

Programme Project Report (PPR)

(Master of Science and Master of Arts in Geo-Informatics)

- a. **Programme's mission & objectives:** The proposed programmes based on the new technologies related to Geographic Information System (GIS) would greatly improve the learner's ability to collect, store, analyse and utilize geographical information. In the present era GIS is fast emerging as one of the best technologies to understand and solve problems associated with the geographic dimensions. GIS can be regarded as the spatial hub of Information Technology (IT). GIS, ITIS and MS have a variety of uses right from agriculture, archaeology, environment, geology, health, land information system, military, urban and rural development, transportation, telecommunication, power, water resource, natural and man-made disasters, oil and natural gas, banking and insurance, business geographic, mobile mapping, etc.
- b. **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. The M.Sc. and M.A. programmes in Geo-Informatics are two-year programme for learners who want to specialize in geoinformatics for assessing, monitoring, evaluating and managing the resources across sector. The study of geoinformatics equips students with space technologies and geospatial models that can support both estimation and analysis. The goal of the Geo-informatics programme is to provide students with both the breadth and depth of knowledge in geoinformatics required for solving real-world problems. The students will gain the unique knowledge and skills necessary to facilitate the design, development, and deployment of complex systems and applications in a rapidly changing geoinformatics profession. Graduates will be able to deploy and manage geoinformation systems in industry, conduct research in geoinformatics. Students completing this course will be equipped to follow careers in managing, presenting and analysing spatial and geographic information, or developing spatial and geographic systems and applications in a wide variety of organizations and application areas. The technology enhanced e-learning methodologies with web based course management system and online learning system enriches the programme, allows broadening their horizon.
- c. **Nature of prospective target group of learners:** Applicants for the M.Sc. and M.A. in Geo-informatics programmes should have one of the following:
 - Candidates with Science/Technology stream at the graduation level shall be awarded M.Sc. (GIS) (Geo-Informatics) degree and the candidates with non-science background shall be awarded with MA(GIS/Geo-Informatics) degree.
 - Lateral entry to the second year permitted to the candidates with one year post-graduate diploma in geoinformatics from recognized University/Institutions.
- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programme. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. Most hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through post study center. The study material can also be downloaded through the University's e-repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:
 - self-instructional printed material
 - audio / video cassettes and CDs

- audio-video programmes transmitted through Helio Haldwani TM Radio and Elishat, and at study centre.
 - face-to-face counselling at study centres by academic counselors
 - reference library at study centre
 - web based academic support
 - assignments
 - practical
- The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.

- e. **Instructional Design:** Open and Distance learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio-video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The Master programme in geo-informatics is of 48 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. The duration of the programme is 2 years and the courses are carefully designed to attain both scientific and technical aspects that enable them to grow into competent, seasoned professionals. There are 6 core courses, one mini-project and one major project spread across 2 years accumulating 48 credits (Details attached in Appendix A).

- a. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Direct admission to Geo-Informatics program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies, the second year is more focused on core courses providing conceptual framework and provides the specialization and the project work. The total numbers of courses in this geo-informatics programme are 6 and the total number of credits is 48. Evaluation for each course covers two aspects:
 - Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
 - Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfil the requirements for acquiring the M/GIS, a student may clear all the courses in a maximum of 2 years and a maximum of 4 years. In case the student is unable to pass all the courses of the M/GIS programme in 4 years, s/he can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which s/he is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate.

- f. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also have a subscription of National Digital Library to provide the learners with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.
- g. **Cost estimate of the programme and the provisions:** It is proposed to review the programme in every 3-5 years. Therefore, Rs. 15,00,000 (Fifteen Lakhs) is assigned for program revision and maintenance.
- h. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program syllabus is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the

Prabhat Prabhat

R

2022

model curriculum of the programme recommended by AICTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years. MSc(GIS) and MA(GIS) programmes has been designed to prepare the learners for obtaining the following program outcomes:

- ✓ An ability to explain the principles, theories, tools and techniques of geoinformatics.
- ✓ An ability to apply specialised knowledge of geoinformatics to a wide range of disciplines.
- ✓ An ability to use the skills required to work individually or as a member of a team.
- ✓ An ability to apply creative and critical thinking in solving applications in multidisciplinary areas using geoinformatics.
- ✓ An ability to formulate and effectively communicate professional opinions on topical issues.
- ✓ An ability to develop research capabilities to contribute to the further academic and professional development of geoinformatics.

Appendix 1

Title of Programme: ~~M.Sc. in Geoinformatics~~ **M.Sc. Geo-Informatics)**
 Programme Code: MGIS-17
 Programme Mode: ~~Yearly~~ **twice**
 Admission Cycle: ~~Every Year~~
 Eligibility: Graduation
 Duration: ~~Min: 2 Years~~
 Max: 4 Years
 SEM Availability: Medium English

Total Credit:
 Programme Fee:

Year	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	18,250	600	1,500	NA	NA	20,350
Second	18,250	300	1,500	NA	NA	20,050

Objective of the Programme: The proposed programmes based on the new technologies related to Geographic Information System (GIS) would greatly improve the learner's ability to collect, store, analyze and utilize geographical information. In the present era GIS is fast emerging as one of the best technologies to understand and solve problems associated with the geographic dimensions. GIS can be regarded as the spatial hub of Information Technology (IT). GIS, GPS and RS have a variety of uses right from agriculture, archaeology, environment, geology, health, land information systems, military, urban and rural development, transportation, telecommunication, power, water resource, natural and man-made disasters, oil and natural gas, banking and insurance, business geographic, mobile mapping, etc.

Programme Structure:

S.N	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
1	Introduction to Informatics	MGIS-01	Theory	Assignment	Total	8	12
2	Geographical Information Systems	MGIS-02	40	20	100	8	18
3	Remote Sensing & GPS	MGIS-03	80	20	100	8	18
4	DIP & Mapping	MGIS-04	80	20	100	8	24
5	MINI PROJECT	MGIS-05			100	8	24

S. No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
1	Photogrammetry	MGIS-06	80	20	100	8	12
2	Advance GIS and RS	MGIS-07	80	20	100	8	18
3	FINAL PROJECT	MGIS-08			100	8	18

Madan Dabarti

Dr

7/8/2021

Buffering, Clip, Union, Intersect, Identity, Traverse

Link 3: Data: Spatial & Non-spatial J

Introduction to Spatial Data
Concepts of Geoid, Datum, Spheroid, Earth Long

Types of Projection System

Introductions to Non-Spatial Data

Linkages of Spatial and Non-spatial

1. Buttrigh, Peter A. and Kessel, A. McDermell. 1996. *Principles of Geographical Information Systems*. Published by Oxford University Press, Toronto. ISBN 13: 9780196236365 ISBN 0-19-6231365

2017-01-10 10:10:10

Mobile Security & GPS(MGISD)

Definition: Remote sensing is the science (and to some extent, art) of acquiring information about the Earth's

since without a sign of being

gy and processing, analyzing, and applying that information." This course will introduce remote sensing principles, sensors and GPS.

प्राप्त

- ### 4.3: Remote Sensing
- #### Introduction to Remote Sensing

Electromagnetic Spectrum
Measurement of RF - Electrical Power
Which HW will

3.2. *Satellites and Sensors*

(12) Salgüter und Sensor

Multiplicativity

GPS Errors and Correction

Assigned Reading:

Published by Prentice Hall Series

3. Jensen, John R. *Remote Sensing Of The Environment* (2nd Ed.), Published by Douglas Knudsen

4. Ellingsand, Thomas M., Ralph W. Kiefer, and Jonathan W. Chapman. 2004. *Kenneth Seltsig and his wife*. Self-published by Lake Michigan and Song Treasures.

—



4

Herbst / Sommer

Objective: To introduce digital image processing & mapping.

Unit 1: Digital Image Processing

Remove Sensing Data Types Image Interpretation Keys Image Rectification and Corrections Image

Unit 2: Data : Spatial & Non-spatial II

Errors and Database Fossilization

Unit 3: Digital Elevation Models

What is DFM? Sources to create a DFM Terrain Mapping : Slope, Aspect, Viewshed, Reint

Unit 4: Aesthetics of Map Composition

Purpose of the Map Mapping Proportions and Scales Labelling

Subsequent Readings:

1. Jensen, John R. *Remote Sensing of the Environment* (2nd Ed.). Published by Dorling Kindersley India (2006). ISBN No. 0113188934/8 ISBN 13: 9780131889347
2. Lillesand, Thomas M., Ralph W. Kiefer, and Jonathan W. Chipman. 2004. *Remote Sensing and Image Interpretation*, 5th ed., published by John Wiley and Sons, Toronto. ISBN No. 0471152277
3. Chakra, Keshu C., Partha, Braadley O., and Mitchell P. Crane (eds.). 2001. *Geographic Information Systems and Environmental Modeling*. Published by Prentice-Hall Inc., Upper Saddle River, New Jersey. ISBN No. 01304068174 ISBN 13: 97801304068174
4. Leong, J. A., M. P. Goodchild, D. J. Mangan, D. W. Rinald. *Geographical Information System Volume I: Principles and Technical Issues*. Volume II: Management Issues and Applications Published by John Wiley & Sons ISBN No. 978-0-471-73545-8
5. Misra, R.P. and A. Banerjee. 1993. *Fundamentals of a Cartography* (Revised and Enlarged). Published by Concept Publishing Company, Mehau Garden, New Delhi, India. ISBN (Paperback): ISBN No: 9788170222224

Belton Dabbs

2

1887

Programme Project Report (PPR)

MAGE/MSCGE (MA/M.Sc. Geography)

Department of Geography & Natural Resource Management
Uttarakhand Open University

Programme's mission & objectives: The mission of the programme is to provide the learners/students the opportunity to learn, and through Geographical education to promote global perspective, international understanding and how human, physical and environmental components of the world interact. It is also aimed to help learners/students to develop an understanding with the application of Geographical perspective and knowledge so that they can solve the human, physical and environmental problems and concerned issues.

The objectives of the programme will be to make learners capable of:

- Understanding of course content;
- Knowing geographic terminology;
- Employing methods of presenting Geographic information and theories.
- Applying tools and techniques of Geographical research;
- Classifying, interpreting and analyzing data;
- Being familiarized with economic processes such as globalization;
- Introducing themselves to the main regions of the world in terms of their uniqueness and similarities (Spatial Differentiation);
- Being trained in cartography;
- Learning how to use Geographic Information system for cartography. GIS is an important tool to apply the geographical methodology.
- Presenting clear, concise and logical arguments based on specific and relevant examples.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

One of the mission of higher education particularly Open and Distance Learning Institutions is to provide greater opportunities of access to Higher Education with equity to all the eligible persons and in particular to the vulnerable sections. The Uttarakhand state is hilly state having a remote geographical area; therefore, a large number of learners/students cannot access to the college for higher education due to geographical problem (difficult terrain). Thus the master's degree & bachelor degree programmes are very useful for the potential learners/students. Particularly in the field of Anthropocene, Disaster Management, hydrogeomorphology, climate change, climatological studies, Geomorphology, Land use land cover studies, Watershed Management & Remote Sensing & GIS.



मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विश्वविद्यालय)

Nature of prospective target group of learners:

Geography being a multidisciplinary subject has its usefulness and applicability in every sphere of life, society, culture and organization. The target group of learners will be those learners who wish to opt for Geography for making career in **Government organizations** on the capacity of Urban planner/ Community Development Personnel, Cartographer, GIS Specialist, Climatologist, Transport Manager, Environmental Manager, Writer, Scientist, Teaching/Faculty, Emergency Management Personnel, Demographer, Forest Service provider, Librarian/ Information Scientist, National Park Service Ranger, Disaster Management Personnel etc., And in **Non-Government Organizations** such as International Union for Conservation of Natural Resources, Real Estate Appraisal, as well as **Private Service Provider** to provide for services like organising tours for excursion, trekking etc. Also those learners who have left their higher education due to some reasons and those who have gained the knowledge of the subject will be the target group.

Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence:

This programme has been planned to be offered in the distance mode and by making learning accessible through part-time study, outside the working hours, independently.

Geography is a discipline that provides students not only with ample career opportunities rather it provides students with knowledge about our rapidly-changing world and how humans are impacting our planet earth.

This Degree course in Geography aims at building and strengthening the capabilities of in-service workers as well as new aspirants who wish to gain necessary geographical, environmental, global knowledge.

Instructional design:

Curriculum design: Before designing the programmes and courses in Geography, attempts were made to draw upon the literature produced by other academic and professional institutions in India and abroad. Due attention has been paid in balancing the theoretical knowledge with laboratory study, field survey/ studies, and Project work. The programme structure is given as follows:



Syllabus of M.A./M.Sc. Geography

MA/M.Sc. I year (First Semester)

GE501: FUNDAMENTLES OF GEOMORPHOLOGY

Block-1 Conceptual Base

- Unit-1 Nature, Scope, Trends and Development of Geomorphology
- Unit-2 Concepts of Geomorphology
- Unit-3 Classical Landscape Evolution/Development Theories: W.M.Davis, W.Penck, L.C.King and Hack.
- Unit-4 Concept of Morphometric Regions
- Unit-5 Recent Trends in Geomorphology

Block-2 Landforms and Processes

- Unit-6 Tectonic processes and tectonic landforms both large and small scales
- Unit-7 Drainage patterns and systems
- Unit-8 Periglacial processes and landforms
- Unit-9 Glacial processes and landforms
- Unit-10 Arid processes and landforms
- Unit-11 Water processes and landforms
- Unit-12 Karst Topography
- Unit-13 Anthropogenic Geomorphology
- Unit-14 Marine and Coastal landforms
- Unit-15 Lakes: Origin, types and distribution

GE-502 FUNDAMENTALS OF NATURAL RESOURCE MANAGEMENT

Block-1 Introduction to Natural Resource Management

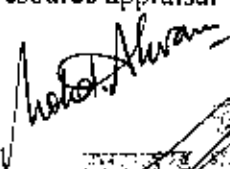
- Unit-1 Definition, Nature & Classification of Resources
- Unit-2 Concept, models and approaches to natural resource management
- Unit-3 Problems of resource utilization; population pressure development and resource use
- Unit-4 Natural hazards and risk management

Block-2 Spatial Distribution of Resources

- Unit-5 Global and Indian scenario; historical background
- Unit-6 Resource exploitation, utilizations vs exploitation
- Unit-7 Resource depletion; soil, water, minerals, forests

Block-3 Resource appraisal

- Unit-8 Significance of resource appraisal in resource management
- Unit-9 Appraisal of Land resources, geophysical, geochemical geobotanical
- Unit-10 Use of GIS and remote sensing in resource appraisal


 Head of Institution
 Department of Geography
 University of Delhi
 New Delhi

GE-503: PRINCIPALS OF PHOTOGRAMMETRY AND REMOTE SENSING

Block-1 Fundamentals of Photogrammetry

- Unit-1 Photogrammetry
- Unit-2 Aerial photos
- Unit-3 Principals of stereophotogrammetry
- Unit-4 Measurements and rectification
- Unit -5 Types of aerial photography

Block-2 Remote Sensing

- Unit-6 Fundamentals of Remote sensing - I
- Unit-7 Fundamentals of Remote sensing - II
- Unit-8 Fundamentals of Remote sensing - III

GE-504: FUNDAMENTALS OF GEOGRAPHICAL INFORMATION SYSTEM & GLOBAL POSITIONING SYSTEM

Block-1 Geography and GIS

- Unit-1 Evolution of GIS
- Unit-2 GIS and Computer
- Unit-3 Basics of GIS
- Unit-4 Map projections

Block-2 Geographical data sets

- Unit-5 Geographical data types
- Unit-6 Principal functions of GIS - I
- Unit-7 Principal functions of GIS - II

Block-3 Global Positioning System

- Unit-8 Basic Concept I
- Unit-9 Basic Concept II
- Unit-10 Basic Concept III

GE 505 GEOGRAPHY OF INDIA

Block-1 General & Physical Introduction

- Unit-1 Location & Extent
- Unit-2 Geology and Physiographic regions
- Unit-3 Drainage Systems of India
- Unit-4 Climate
- Unit-5 Soils and Natural vegetation

Handwritten signature and stamp

Block-2 Population and other Human Aspects

Unit-6 Population distribution, density & Growth, Population composition: Age, sex, literacy & occupational structure

Unit-7 Urbanization & its trends

Unit-8 Tribal areas and their problems

Unit-9 Population problems and policies

Block-3 Agricultural and Industrial Scenario

Unit-10 The infrastructure development

Unit-11 Institutional factors

Unit-12 Industrial Scenario

M.A. GE- 506 WORLD REGIONAL GEOGRAPHY I

Block-1 Conceptual Bases

Unit-1 Regional Geography, Concepts, Approaches, Methods and Significance

Unit-2 Major World Regions and blocks on various delimitation bases

Unit-3 Trade and Development Regionalization

Block-2 Natural Regions of the World

Unit-4 Physical Regions

Unit-5 Vegetation Regions

Unit-6 Climatic Regions

Unit-7 Biogeographical Regions

Block-3 Resource and Cultural Regions

Unit-8 Resource Regions

Unit-9 Population Regions

M.Sc. GE-507 FUNDAMENTALS OF SOIL GEOGRAPHY

BLOCK 1. CONCEPTUAL BASE

UNIT 1: Definition, nature and scope of Soil geography and Pedology

UNIT 2: Place of Soil Geography in geography and its relation with other branches of geography

UNIT 3: Approaches in soil geography

UNIT 4: Soil forming factors

BLOCK 2. SOIL PROPERTIES AND MORPHOLOGY

UNIT 5: Physical and Chemical properties of soils

UNIT 6: Soil morphology

UNIT 7: Soil Reactions



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सदर (देहरादून)

BLOCK 3. FORMATION AND CAPABILITY

- UNIT 8: Soil Forming Processes
 UNIT 9: Soil Catena
 UNIT 10: Land Capability
 UNIT 11: Land Suitability Classification

M.Sc.GE- 508 FUNDAMENTALS OF BIOGEOGRAPHY

Block-1 Fundamental Concepts

- Unit-1 Concept, Scope, Significance and Development of Biogeography
 Unit-2 Place of biogeography in geography, recent trends in bio geography
 Unit-3 Environment, Habitats and Plant-animal Association

Block-2 Plant Geography & Plant Succession

- Unit- 4 Elements of Plant Geography
 Unit- 5 Distribution of Forests
 Unit- 6 Major Plant Communities
 Unit- 7 Ethno-plant geography
 Unit-8 Plant successions in newly formed landforms, Examples from flood plains and glacial plains
 Unit- 9 Zoogeography and its environmental relationship

GE-509

PRACTICAL

Block-1 Fundamentals of Cartography

- Unit-1 Cartography: Nature, scope & development, Maps: Types & Their function, Map as a tool of analysis and synthesis
 Unit-2 Relief maps and diagrams: Depiction of relief, slope and gradient, profiles, methods of slope analysis (e.g. Wentworth, Smith) and altimetry frequency curve
 Unit-3 Climatic maps & diagrams: Climatic maps and diagrams, Representation of climatic data: isopleths, Columnar diagrams, Wind rose diagrams, Rainfall dispersal diagrams, Hythergraph & Climographs
 Unit-4 Cartographic representation of Socio- economic data: Dots, proportional squares, circles, spheres, choropleths, star and scatter diagrams, ergographs, flow line diagrams

Lab Work 60-Marks

Practical Work 40-Marks

Distribution of Marks of Practical Work

- 1-Record Work 20Marks
 2-Viva -voice.....20Marks

Handwritten signature: Mahesh Kumar
Stamp: MAHESH KUMAR
 MAHESH KUMAR
 MAHESH KUMAR

M.A./M.Sc.- I (SECOND SEMESTER)

GE -510 ADVANCED GEOMORPHOLOGY

Block-1 Landscape Evolution

Unit-1 Radiocarbon dating

Unit-2 Tree-ring dating (Dendrochronology) and Lichenometry

Unit-3 Interruptions in the evolution of landforms: Polycyclic landforms

Block-2 Theories and Techniques

Unit-4 Theories of Hill-slope Evolution

Unit-5 Erosion surfaces

Unit-6 Geomorphic Mapping Techniques

Unit-7 Systems and Models in Geomorphology

Block-3 Applied Geomorphology

Unit-8 Geomorphic Hazards and Mitigation Measures

Unit-9 Geomorphology in Civil Engineering and Groundwater Studies

Unit-10 Geomorphology in Soil, Agriculture and Resource Management

GE-511 RESOURCE MANAGEMENT AND PLANNING

Block-1 Conservation and management of resources

Unit-1 Resource Analysis; Resource Mapping; Natural Resources Information System

Unit-2 Scarcity, Hypothesis, Resource analysis

Unit-3 Meaning, principles, philosophy and approaches to conservation

Unit-4 Resource conservation and management Strategy

Block-2 Resource Development & Policy Making

Unit-5 Sustainable resource management concept, methods, dimension and sustainable system

Unit-6 Integrated resource development and its application

Unit-7 People's participation and shared decision making in natural resource management

Unit-8 Gender issue and livelihood issues in natural resource management

Unit-9 Community Based Natural Resource Management

Unit-10 Institutional arrangements and policy models towards better management and conservation of resources

GE-512 INTERPRETATION AND APPLICATION OF PHOTOGRAMMETRY AND REMOTE SENSING DATA

Block-1 Applied Photogrammetry and Remote Sensing

Unit-1 Elements of image interpretation

Handwritten signature
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशाल)

- Unit-2 Remote sensing data
- Unit-3 Data corrections
- Unit-4 Data manipulation

Block-2 Applications of Photogrammetry & Remote Sensing

- Unit-6 Remote Sensing & Geomorphology
- Unit-7 Remote Sensing & Disaster Management
- Unit-8 Remote Sensing & Urban Planning
- Unit-9 Remote Sensing & Land use Planning
- Unit-10 Remote Sensing & terrain evaluation

GE-513 APPLICATIONS OF GEOGRAPHICAL INFORMATION SYSTEM & GLOBAL POSITIONING SYSTEM

Block-1 GIS Applications

- Unit-1 Geography as a spatial science
- Unit-2 Application of GIS I
- Unit-3 Applications of GIS II
- Unit-4 Applications of GIS III
- Unit-5 Applications of GIS IV

Block-2 GPS applications

- Unit-6 GPS in mapping I
- Unit-7 GPS in mapping II
- Unit-8 GPS in mapping III
- Unit-9 GPS in mapping IV

M.A.GE-514 ADVANCED REGIONAL GEOGRAPHY OF INDIA

Block-1 Agriculture Scenario

- Unit-1 Agriculture regionalization
- Unit-2 Agricultural efficiency and productivity
- Unit-3 Green, white, blue and yellow revolutions and its impact in agriculture production
- Unit-4 Agricultural strategies

Block-2 Industrial Resource Base

- Unit-5 History of industrial development factors of localization
- Unit-6 New industrial policy, globalization and liberation
- Unit-7 Industrial complexes and industrial regionalization

Block-3 Regional Divisions of India

- Unit-8 Detailed study of Kashmir Region, Uttarakhand Himalaya
- Unit-9 Lower Ganga Plain

(Signature)
कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
देहरादून (उ.प्र.)

Unit-10 Chota-Nagpur Plateau

Unit-11 Thar Desert, Aravali uplands, Malabar costal region

M.A. GE- 515 WORLD REGIONAL GEOGRAPHY II

Block-1 Cultural and Economic Regions

Unit-1 Cultural Regions

Unit-2 Agricultural Regions

Block-2 Industrial Regions

Unit-3 Industrial Regions

Unit-4 Micro Agro Industrial Regions of India, USA , Japan and China

Block-3 Trading Blocks, regional development & planning

Unit-5 Concept Evolution of trading blocks

Unit-6 Continental Trading blocs: OPEC,EEC, USA

Unit-7 Global trading blocks

Unit-8 Important concepts, approaches and methods of Regional Development

Unit -9 Planning regions of Uttarakhand

M.Sc.GE-516 ADVANCED SOIL GEOGRAPHY

BLOCK 1. TAXONOMY AND PROFILES

UNIT 1: Genetic Classification of soils

UNIT 2: Soil Taxonomy

UNIT 3: Soil order and sub-order level

UNIT 4: Soil Landscape Mapping

BLOCK 2. SOIL DEGRADATION AND MANAGEMENT

UNIT 5: Methods of Assessing Soil Erosion

UNIT 6: Natural and Anthropogenic Factors of Soil Degradation

UNIT 7: Soil Erodibility

UNIT 8: Soil Conservation and Management

M.Sc.GE- 517 ADVANCED BIOGEOGRAPHY

Block-1 Biodiversity

Unit-1 Physical factors influencing world distribution of animals and their actual world distribution; classification & distribution of animals

Unit -2 Faunal regions

Unit -3 Biomes and their types

Unit -4 Bio-diversity and its depletion through natural and man-induced causes

Handwritten signature

सूत्र सचिव
उत्तराखण्ड राज्य विद्यापीठ
देहरादून, उत्तराखण्ड

Block-2 Climate Change: Temporal Perspectives

- Unit- 5 Paleo botanical and Paleo climatological records of environmental Changes
 Unit- 6 Impact of Climate Change on Flora and Fauna with special reference to Uttarakhand Himalaya

Block-3 Biotic Resource Management

- Unit- 7 National Forest and Wildlife Policy of India
 Unit- 8 Conservation of biotic resources
 Unit -9 Bioinformatics
 Unit- 10 Protected Areas and their management with special reference to National Parks, Wildlife Sanctuaries and Biosphere Reserves of Uttarakhand

GE-518

PRACTICAL

Block-1 Statistical Methods

- Unit-1 Sampling theory: Basic concepts of probability, test & significance 't' test & 'chi square' test
 Unit-2 Measures of dispersion: Variability, Range, Mean deviation, Quartile deviation, Standard deviation
 Unit-3 Correlation: Karl Pearson & Spearman's, Regression analysis

Block-2 Field work report

- Unit-4 Detailed field survey of the area (including Physical and cultural aspects)

Lab Work 60-Marks
 Practical Work 40-Marks

Distribution of Marks of Practical Work

- 1-Record Work (Viva -based).....10Marks
 2-Field work (Viva -based).....20Marks
 3-Viva -voice.....10Marks

M.A./M.Sc. II (THIRD SEMESTER)

GE-601 GEOGRAPHICAL THOUGHT & METHODOLOGY

Block-1 Basic Concepts

- Unit-1 Meaning, Definition, Aims & Purpose of Geography
 Unit-2 Significant Measurements in Geography
 Unit-3 Development of Geography & its Branches
 Unit-4 Approaches of Geography I

V. Mohan Kumar
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 संतानो (दिल्ली-नगर)

BLOCK-2 Developments of Geographical Thoughts

- Unit-5 Geography as a scientific discipline
- Unit-6 Geographers Contribution
- Unit-7 Contributions of Modern Geographers
- Unit-8 Explorations, Discoveries and Impacts

GE-602 FUNDAMENTLES OF REGIONAL PLANNING AND DEVELOPMENT

Block-1 Regional concept in geography

- Unit-1 Concept, Scope & purpose of Regional planning
- Unit-2 Changing concept of the region from an inter disciplinary view-point, concept of space, area and location attributes
- Unit-3 Types of regions: Formal and functional; uniform and nodal, single purpose and composite region, in the context of planning; regional hierarchy; special purpose regions
- Unit-4 Theories of regional development

Block-2 Types of Regions

- Unit-5 Physical regions, Resource regions and socio-economic development regions
- Unit-6 Special purpose regions-river valley regions, Metropolitan regions
- Unit-7 Problem regions - hilly regions, tribal regions, drought and floods prone regions

Block - 3 Regional Planning

- Unit-8 Planning process - sectoral, temporal and spatial dimensions; short-term and long term perspective planning
- Unit-9 Indicators of development and their data sources, measuring levels of regional development and disparities
- Unit-10 Planning for a region's development and multi-regional planning in a national context

GE-603 PRINCIPLES OF DISASTER MANAGEMENT

Block-1 Fundamentals of Disaster Management

- Unit-1 Disaster Management – Concept & Philosophy
- Unit-2 Significance of disaster management
- Unit-3 Disaster threat
- Unit-4 Disaster & disaster management cycle

Block-2 Long term measures

- Unit-5 Prevention
- Unit-6 Mitigation
- Unit-7 Preparedness

Handwritten signature: Anand K. Sharma

Handwritten text: 2/2/21

मुख्य अधिकारी
राज्य सरकार
राज्य विधानमंडल

- Unit-8 Disaster & development
- Unit-9 Disaster legislature
- Unit-10 Counter disaster resources
- Unit-11 Disaster Management Plans

GE-604 FUNDAMENTALS OF WATERSHED MANAGEMENT AND ECOSYSTEM

Block-1 Conceptual base

- Unit-1 Introduction of Watershed Management
- Unit-2 Watershed as a natural unit
- Unit-3 Approaches of watershed management

Block-2 Ecosystem and energy environment Unit-4 Land use /Land cover pattern

- Unit-5 Natural resource appraisal & development
- Unit-6 Ecological Processes & ecosystem
- Unit-7 Hydrological cycle, energy analysis and energy budget

Block-3 Environmental status & hazards

- Unit-8 Environmental health status of the watershed
- Unit-9 Impact of environmental and anthropogenic interferences on the status & quality of watershed
- Unit-10 Natural hazards
- Unit-11 Impact of natural and anthropogenic activities on ecosystem

M.A.GE- 605 FUNDAMENTLES OF RURAL DEVELOPMENT AND PLANNING

Block 1 Fundamental Base

- Unit-1 Meaning Concept and Scope of Rural Development and Planning

- Unit-2 Approaches to Rural Development; Policies and Paradigms Rural development Programmes
- Unit 3 Basic Infrastructure for Rural Development
- Unit 4 People's Participation in Rural Planning

Block- 2 Infrastructure Development

- Unit 5 Dimensions of Rural economy: Physical and Socio-economic Infrastructural Base
- Unit 6 Spatio-functional Analysis and Functional gaps
- Unit 7 Central Place System and Hierarchy of Rural Settlements

Block 3 Rural Agro-Environments

- Unit 8 Rural Land Use: Concepts, Principles and Classification
- Unit 9 Rural Land Use Changes and Systems in India

[Signature]
 पुस्तक सचिव
 जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय
 काशी, उत्तर प्रदेश

M.A/M.Sc.GE-606 BASICS OF CLIMATOLOGY

Block-1 Fundamentals of Climatology

- Unit-1 Nature and scope of climatology and its relationship with meteorology
- Unit - 2 Composition, mass and structure of the atmosphere, elements of climate
- Unit-3 Insolation, heat balance of the earth, green house effect; vertical and horizontal distribution of temperature
- Unit-4 Atmospheric motion: Forces controlling motion of air vertical motion and vorticity, local winds, jet stream, general circulation in the atmosphere
- Unit-5 Atmospheric moisture: Humidity, evaporation, condensation, precipitation, cloud formation, types, acid rain, world distribution and pattern of precipitation

Block-2 Weather systems

- Unit-6 Tropical, temperate and high latitude weather systems
- Unit-7 Concept of air masses, fronts, frontogenesis and cyclones and anticyclones
- Unit-8 Ocean- atmospheric interaction - El Nino, southern oscillation (ENSO) and La Nina, monsoon winds, norwesters, and cyclones
- Unit-9 Tropical temperate phenomena, climate of India and its controls: Western disturbances

M.A.GE-607 BASIC CONCEPTS OF AGRICULTURAL GEOGRAPHY

Block-1 Fundamentals of Agriculture Geography

- Unit-1 Nature, scope, significance and development of agriculture geography
- Unit-2 Approaches to the study of agricultural geography: Commodity, systematic and regional systems
- Unit-3 Origin and dispersal of agriculture, Sources of agricultural data
- Unit 4 Agriculture land use and location theories

Block-2 Determinants of agricultural land use

- Unit-5 Physical, economic, social, and technological agricultural land use
- Unit-6 Land holding and land tenure systems, Land reforms, land use policy and planning
- Unit-7 Selected agricultural concepts and their measurements
- Unit-8 Efficiency and productivity

Block-3 Theories of agriculture geography

- Unit 9 Quantitative methods in agriculture geography
- Unit 10 Methods of delimiting crop combination and agricultural regions
- Unit-11 Von Thunen's theory of agricultural location and its recent modifications
- Unit-12 Whittlesey's classification of agricultural regions; land use and land capability

V. Subramanian
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 उन्नाव विश्वविद्यालय
 हरियाणा (भारत)

M.Sc.GE- 608 FUNDAMENTALS OF URBAN ENVIRONMENT AND PLANNING

Block -1 Theoretical Base

- Unit- 1 Introduction to urban Geography and planning
- Unit- 2 Urban planning in Geography
- Unit- 3 Concepts of urban centers and Urbanization
- Unit- 4 Urban growth with special reference to developing countries
- Unit- 5 Trends of urban growth

Block -2 Morphology and Functions

- Unit- 6 Urban scenario
- Unit -7 Utilization of land resources in urban environment
- Unit -8 Urban profile
- Unit -9 Functions of urban centers
- Unit-10 Functional classifications of towns with special reference to India and Uttarakhand

Block- 3 Central Place System

- Unit-11 Concept of central places I
- Unit-12 Concept of central places II

M.Sc.GE- 609 FLUVIAL GEOMORPHOLOGY

Block-I Fundamentals

- Unit- 1 Fluvial geomorphology and geography
- Unit- 2 Concept of time: cyclic, graded and steady state
- Unit- 3 Theories of landform development
- Unit- 4 The role of water in rock disintegration
- Unit- 5 Drainage pattern evolution and channel changes with time

Block -2 Drainage basin and related aspects

- Unit-6 Drainage basin as a geomorphic unit
- Unit- 7 Morphometric laws
- Unit- 8 Erosion by water on hill slopes
- Unit- 9 Open channel flow

GE-610 PRACTICAL

Block-1 Map projection

- Unit-1 Map projection, Meaning, Principles, Classification and merits
- Unit-2 Construction (with emphasis on graphical and trigonometrical methods) and use of the following projections

V. Mohd. Akram
 कुल संघ
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार, उत्तराखण्ड

Block-2 Block Diagrams and Geological map

Unit-3 One or two point perspective BD

Unit-4 Geological maps & Cross sections and their interpretation

Block-3 Special network analysis

Unit-5 Measurement of spatial patterns of distribution, nearest -neighbor analysis

Unit-6 Scaling techniques, rank score, weighted score & Z-score

Unit 7 Shape analysis, Gravity Model, topographical properties of transport network

Lab work - 60 Marks

Practical work - 40 Marks

Note: The total time for field exercise-1 hour
The total time for lab exercise -3 hour

Distribution of Marks of Practical Work

1- Record Book (viva based)- 20 marks

2-Viva (on Cartography and Statistical methods)- 20 marks

M.A./M.ASc. II (FOURTH SEMESTER)**GE-611 TRENDS IN GEOGRAPHICAL THOUGHT & METHODOLOGY****BLOCK-1 Contemporary Trends**

Unit-1 Paradigms in Geography

Unit-2 Behavioral Revolution

Unit-3 Approaches in Geography II

Block-2 Nature of Dichotomies in Geography

Unit-4 Dichotomies in Physical and Human Geography

Unit-5 Dichotomies in Systematic and Regional Geography

Unit-6 Dichotomies in Determinism and Possibilism

Unit-7 Dichotomies in Modernism and Post Modernism

Unit-8 Dichotomies in Post Structuralism and Post Colonialism

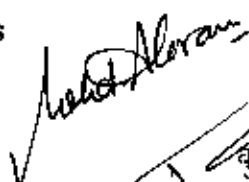
Block-3 Recent Trends in Geography

Unit-9 Techniques and Concepts in Geography

Unit-10 Laws, Theories and Models in explanations in Geography

Unit-11 Latest Technology and Geography

GE-612 ADVANCE REGIONAL PLANNING AND DEVELOPMENT**Block-1 Regional development strategies**


 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 देहरादून (विश्वविद्यालय)

Unit-1 Concentration vs. dispersal, Case studies for plans of developed and developing countries

Unit-2 Regional planning in India, Regional development in India: problems and prospects

Unit-3 Regional disparities: causes and consequences

Block-2 Concept of Multi-level planning

Unit-4 Decentralised planning; peoples participation in the planning process

Unit- 5 Concept and approaches of urban development, Landscape ecology and sustainable urban development

Unit -6 Urban land use planning, management of natural risks of urban growth in Uttarakhand

Unit -7 Application of remote sensing and Geographic Information System in Urban

Development Planning

Unit-8 Panchayati Raj system; role and relationship of Panchayati Raj Institutions (Village Panchayat, Panchayat Samithi and Zila Parishad) and administrative structure (Village, Block and District)

GE-613 DISASTER MANAGEMENT PLANNING AND STRATIGIES

Block-1 Response to disaster impact

Unit-1 Response

Unit-2 Search

Unit-3 Rescue & Evacuation

Unit-4 Logistics

Unit-5 Incident command system (ICS)

Block-2 Major post impact factors

Unit-6 Recovery

Unit-7 Post disaster review and damage assessment

Unit-8 Relief & Rehabilitation

Unit-9 Restructuring

Block-3 Regional pattern of Disaster management

Unit-10 International disaster assistance (IDA)

Unit-11 Leadership in Disaster management

Unit-12 Disaster scenario of Uttarakhand

Unit-13 Disaster management System in Uttarakhand

GE-614 DYNAMICS OF WATERSHED MANAGEMENT

Block-1 Functioning of Ecosystem

Unit-1 Functioning of watershed with particular reference to Uttarakhand Himalaya

Unit-2 Environment Impact Assessment & strategic environment impact assessment

Nishant Heran
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 ऋषिकेश (पिथौरागढ़)

Block-3 Applied climatology

Unit-8 Data collection, archiving, accessing

Unit-9 Interpretation and generation of climatic information specially for water balance studies, soils, agriculture activities, house types and health

Unit- 10 Detailed study of Indian Monsoon

M.A.GE-617 APPLIED AGRICULTURAL GEOGRAPHY

Block-1 Agricultural in India

Unit-1 Land use and shifting cropping pattern, Regional pattern of productivity in India

Unit-2 Green Revolution, White Revolution, Food deficit and food surplus regions; nutritional index

Unit-3 Specific problems in Indian agriculture and their management and planning Agricultural Policy in India

Block-2 World pattern of Agriculture

Unit 4 Subsistence agriculture

Unit 5 Commercial farming

Unit 6 Plantation agriculture

Unit 7 Mixed Agriculture

Unit 8 State, collective and cooperative farming

M.Sc.GE- 618 ADVANCE URBAN ENVIRONMENT AND PLANNING

Block – 1 Urban Environmental Problem

Unit-1 Role of Urbanization in regional development

Unit-2 Environmental problems of urbanizations

Unit-3 Constraints of urban settlements

Unit -4 Impact of Urbanization on global environmental

Unit-5 Urban risk

Block – 2 Urban Planning and Management

Unit-6 Urban planning

Unit- 7 Sustainability in urban development

Unit-8 Urban growth and associated facts in Uttarakhand

Unit-9 Geoinformatics in Urban development planning

V. Mohd. Ali
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
काशी (वि.सं.सं.)

M.Sc.GE- 619 APPLIED FLUVIAL GEOMORPHOLOGY**Block -1 Fundamental of river mechanics**

- Unit- 1 Types of flow and flow discrimination I
 Unit- 2 Types of flow and flow discrimination II
 Unit- 3 Solute dynamics

Block -2 Drainage: Hydraulic geometry

- Unit- 4 Hydraulic geometry of streams I
 Unit- 5 Hydraulic geometry of streams II
 Unit- 6 Hydraulic geometry of streams III
 Unit- 7 Hydraulic geometry of streams IV

Block -3 Applied Aspects

- Unit-8 Applied fluvial geomorphology
 Unit-9 Human adjustment to fluvial dynamics
 Unit-10 Fluvial dynamics with changing human interference
 Unit-11 Recent trends in fluvial geomorphology

GE-620 PRACTICAL**Block-1 Surveying**

- Unit-1 Nature, Principles and types of Surveying
 Unit-2 Survey with Plane table and Prismatic compass
 Unit-3 Triangulation and use of Theodolite for survey
 Unit-4 Dumpy level survey
 Unit-5 Contouring and determination of heights with Indian Pattern Clinometer
 Unit-6 Use of Telescopic Alidade, Abney Level and Sextant

Block-2 Field Work

Unit-7 Innovative/ Advance Researches ideas in the following fields

- 1- Disaster Management
- 2- Climatology
- 3- Watershed Management
- 4- Agriculture
- 5- Geomorphology

Lab work - 60 Marks

Practical work- 40 Marks

Distribution of Marks of Practical Work

1-Field work (individual or viva based)-	20 marks
2-Record Book (viva based)-	10 marks
3-Viva-	10 marks

Note: The total time for field exercise-1 hour
 The total time for lab exercise -3 hour



कुल सचिव

मनोरंजन एवं विपणन विभाग
 (विभागाध्यक्ष)

Duration of the programme: Minimum duration of programme is two (02) years and maximum duration is six (06) years

Faculty and support staff requirement: One Assistant Professor and one Academic Associate are available in Department of Geography & Natural Resource Management, School of Earth & Environmental Science. However, one more permanent faculty member is required for success of the programme

Instructional delivery mechanism: The programme will be offered in the Open and Distance Learning (ODL) mode. Guided self study using print (SLM) and electronic media; lecture/ counseling sessions; special counseling sessions and group interactions in Workshop at cluster level; self-reliant study activities; individual / group work assignment; Project work; Lab sessions and excursion. The delivery material will include printed SLM, assignment, face to face counseling at the designated study centres during Saturday and Sundays. Laboratory workshop will be conducted for 10 days at designated Study Centres

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Admission: Twice in a year

Eligibility: Bachelor of Science or Bachelor of Arts in concerned subject.

Fee structure: Rs. 14600/- per annum

Curriculum transaction

Contact classes and practical shall take place in weekends or holidays at learning centres.

Tutorial classes shall take place as per the number of sessions and hours for each course.

Printed materials: 1- Printed course modules, 2- Printed assignments, 3- Students programme guide including model question papers.

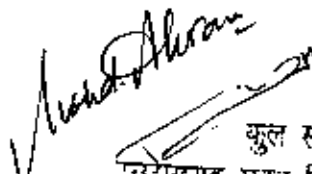
Other materials: Audio and Video programmes. These video programmes in DVD format shall be provided to the students along with printed material.

Evaluation

Self assessment: Self assessment shall take place in each unit with the help of self assessment questions and activities. These assessments shall not carry any weight in terms of exam grading.

Assignments shall comprise 20% weight in the scheme of assessment.

The Term- End Exam which shall take place in designated exam centres comprises 80% weight.


कुल सचिव
नरसिंहपुर नवल विश्वविद्यालय
नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर

Those students who cannot complete the entire programme (assignments, projects, TEE) shall be given another chance to continue with the next admission cycle and complete the Degree programme to maximum six years.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

In order to carry out laboratory exercises, laboratory is compulsory requirement of the programme and in order to meet this requirement, the laboratory facilities of learning centres will be utilized. She/he will be provided laboratory manual as per the need of the programme. Similarly, for library, a learner may utilize the resources available at the selected study centre. Selected learning centres have well equipped laboratory, Teaching staff, Classrooms & other necessary facilities. A well-established library for learners is available at Headquarters also.

Cost estimate of the programme and the provisions:

- Writing of 358 units in English:
Rs. 6000 x 358 = Rs. 2,148,000
 - Trans-creating (after content editing) 358 units in Hindi by the author:
Rs. 3000 x 358 = Rs. 1,074,000
 - Editing of 358 units:
3000 x 358 = Rs. 1,074,000
 - Typing of 9000 pages (per unit approx. 22 pages):
9000 x 20 = Rs.1, 80,000
 - Postal charges (Approx.) Rs. 5000
- Total amount: 44, 81,000

Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

The programme will help in the development of professional skill in general, and in corporate sector. The programme will be implemented through only those Government Degree Colleges/ Universities / Institutions which have facilities for conducting laboratory counseling. In addition, this university will organize laboratory workshop in designated places once (year/semester) for additional back up to the students so that competent and skilled human resource is produced. Further, the Programme and SLM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

Programme outcomes:

Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers.



कुल साधिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (देहरादून)

PPR IN HINDI ।।

हिन्दी में स्नातकोत्तर (MAHL)

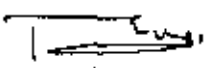
1. उद्देश्य – दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य ऐसे छात्रों को मुख्य धारा से जोड़ना है जो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से शिक्षा से वंचित हैं या बीच में ही शिक्षा छोड़ चुके हैं। शिक्षा की यह पद्धति नौकरीपेशा लोगों को उनके अपने ज्ञान को अद्यतन करने, नए व्यवसाय और विषयों का चुनाव करने में सक्षम बनाती है तथा साथ ही उनको आजीविका (Career) में उन्नति के लिए योग्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है।

हिन्दी विषय के इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं :-

- हिन्दी विषय की विविध विधाओं तथा शाख में समुचित विशेषज्ञता हासिल कराना ।
- हिन्दी की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा मौलिक लेखक-विचारक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वहन करने योग्य बनाना ।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा एवं साहित्य परम्परा के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त करने योग्य बनाना ।
- साहित्य की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना, मानवोचित विवेक एवं मूल्यों का निर्माण करना

2. प्रासंगिकता/उपयोगिता – आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। हिन्दी विषय एक पारंपरिक विषय के रूप में विकसित हुआ है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में हिन्दी साहित्य की उपयोगिता इस सन्दर्भ में भी ही निहित है कि यह विषय दूसाथ प्रणाली के मध्य मानवीय मूल्य, गरिमा को प्रस्थापित कर सके। इस द्रिस्थी से यह विषय उच्च ज्ञान के साथ संवेदना-कौशल के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। ऐसे में परम्परागत विश्वविद्यालय के घटकों से इतर दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के हिन्दी विषय के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से साहित्य एवं भाषा के ज्ञान का उपलब्ध कराया जाता है।


21.4.18


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (वि-काशी)



3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति – हिन्दी विषय का यह पाठ्यक्रम उन छात्रों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो हिन्दी के क्षेत्र में शिक्षक, शोधकर्ता, लेखक-विचारक के रूप में तथा अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तु सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से हिन्दी की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या नीच में ही साहित्य-शिक्षा छोड़ चुके हैं। हिन्दी विषय के शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से संबंधित स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान, परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं, सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार के माध्यम से बिना किसी बन्धन के कहीं भी कभी भी ज्ञान अर्जित कर सकता है।

4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य – मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा हिन्दी विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है और संबंधित क्षेत्र में अधिक दक्ष बनाया जा सकता है। इसका प्रमुख कारण है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम में ज्ञान प्राप्ति के विभिन्न माध्यम जैसे स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान आदि शिक्षार्थी को केन्द्र में रखकर तैयार किए जाते हैं एवं सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरण (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि), संचार माध्यमों आदि शिक्षार्थी के अनुसार कार्य करते हैं।

5. निर्देशात्मक रूपरेखा – हिन्दी विषय का इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाषा के अध्ययन को सम्मिलित किया गया है। हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम 2 से अधिकतम 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 60 श्रेयांक (30 श्रेयांक प्रति वर्ष) का होगा।

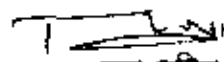
क्रम.	प्रश्नपत्र	श्रेयांक	अंक	न्यूनतम समयावधि	अधिकतम समयावधि	माध्यम
I वर्ष MAHL						
1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता MAHL 101	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	लिखित सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	मध्यकालीन कविता MAHL 102	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	आधुनिक एवं समकालीन कविता MAHL 103	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना MAHL 104	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

II वर्ष MAHL						
1.	कथा साहित्य I MAHL 201	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	नाटक एवं कथेतर साहित्य MAHL 202	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा MAHL 203	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य MAHL 204	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
5.	उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (वैकल्पिक) MAHL 205	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
6.	हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास एवं सिद्धांत (वैकल्पिक) MAHL 206	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

क. प्रवेश योग्यता	-	स्नातक
पाठ्यक्रम अवधि	-	2 वर्ष से 6 वर्ष
पाठ्यक्रम माध्यम	-	हिन्दी
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	60 (30 प्रति वर्ष)
शुल्क संरचना	-	
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	प्रवेश शुल्क	परीक्षा शुल्क	आई कार्ड / डिग्री	कुल	
I वर्ष	3000	600	150	3750	
II वर्ष	3000	750	300	4050	
कुल	6000	1350		7800	


कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशाल)



ख. वितरण – हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर हिन्दी विषय के शिक्षक उपलब्ध हों। विषय के सैद्धान्तिक पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्ष्मता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हों। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येक वर्ष कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन – शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की समुचित प्रणालियों - सत्रीय कार्य एवं सैद्धान्तिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा।

7. पुस्तकालय सहायता – हिन्दी विषय केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर हिन्दी विषय के शिक्षक तथा विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को हिन्दी विषय के सैद्धान्तिक पक्ष का ज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्था होगी जहाँ विद्यार्थियों को हिन्दी विषय के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया जा सकेगा।

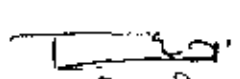
8. पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत –

अ) इकाई लेखन	-	150×6000 = ₹0 9,00000/-
ब) इकाई संपादन	-	150×3000 = ₹0 4,50000/-
स) कुल	-	13,50000 /-

9. गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम –

हिन्दी विषय के इस पाठ्यक्रम के के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

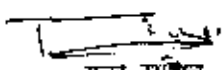
- विद्यार्थी हिन्दी विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- विद्यार्थी हिन्दी विषय के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों एक संस्थाओं में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- साहित्य की समुचित परम्परा के ज्ञान के पश्चात विद्यार्थी लेखक-विचारक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा एवं साहित्य परम्परा के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त कर सकेंगे।


कुल सचिव
पुस्तकालय, विश्वविद्यालय
पटना-800 005

पृष्ठ 4/1

➤ साहित्य की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना, मानवोचित विवेक एवं मूल्यों का निर्माण संभव होगा।

स्व – अध्ययन सामग्री के परिवर्द्धन – संवर्धन हेतु समय-समय पर विषय वस्तु की समीक्षा की जायेगी तथा विषय को अधुनातन रूप में परखा जाएगा। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का निरन्तर प्रसार-प्रचार किया जाएगा।


कुल सचिव
भारतखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दण्डापी (मिर्जापुर)

श्रीमाने ५/५/१

स्नातकोत्तर: पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता MAHL 101

खण्ड - 1 साहित्येतिहास लेखन

- इकाई - 1 इतिहास एवं साहित्येतिहास का संबंध
इकाई - 2 हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
इकाई - 3 हिंदी साहित्येतिहास लेखन की समस्या एवं नामकरण की समस्या
इकाई - 4 हिंदी साहित्येतिहास लेखन : काल विभाजन की समस्या

खण्ड - 2 आदिकाल : परिचय एवं स्वरूप

- इकाई - 5 हिंदी साहित्य के आदिकाल का उद्भव एवं विकास
इकाई - 6 हिंदी साहित्य के आदिकाल का स्वरूप एवं प्रक्रिया
इकाई - 7 हिंदी साहित्य की आदिकालीन कविता में रस, छंद, अलंकार योजना
इकाई - 8 हिंदी साहित्य की आदिकालीन कविता का भाषिक विवेचन

खण्ड - 3 आदिकालीन कविता : पाठ एवं आलोचना

- इकाई - 9 आदिकालीन सिद्ध साहित्य : परिचय एवं स्वरूप
इकाई - 10 आदिकालीन सिद्ध साहित्य : परिचय एवं स्वरूप
इकाई - 11 आदिकालीन नाथ साहित्य : परिचय एवं स्वरूप
इकाई - 12 आदिकालीन नाथ साहित्य : पाठ एवं परिचय
इकाई - 13 आदिकालीन जैन साहित्य : परिचय एवं स्वरूप
इकाई - 14 आदिकालीन जैन साहित्य : पाठ एवं परिचय

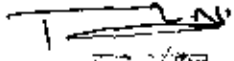
खण्ड 4 - आदिकालीन कविता : लौकिक साहित्य

- इकाई - 15 विद्यापति : परिचय एवं पाठ
इकाई - 16 विद्यापति : साहित्य एवं आलोचना
इकाई - 17 अमीर खुसरो : परिचय, पाठ और आलोचना

द्वितीय प्रश्न पत्र : भक्तिकालीन कविता MAHL 102

खण्ड 1 - भक्ति कालीन कविता : स्वरूप एवं प्रक्रिया

- इकाई 1 - भक्तिकालीन कविता का उदय


मुख्य अधिकारी
अंतराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
बस्ती (दिल्ली)


11/10/2020

इकाई 2 – भक्तिकालीन कविता: प्रक्रिया एवं विकास

इकाई 3 – भक्तिकालीन कविता: विविध शाखाएँ

खण्ड 2 – भक्ति कालीन कविता : पाठ एवं आलोचना

इकाई 4 – कबीर : जीवन एवं साहित्य

इकाई 5 – कबीर : पाठ एवं आलोचना

इकाई 6 – सूरदास : साहित्य एवं आलोचना

इकाई 7 – जायसी: जीवन एवं साहित्यालोचना

इकाई 8 – तुलसी : परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 9 – मीराबाई : पाठ एवं आलोचना

इकाई 10 – नानक : परिचय, पाठ एवं आलोचना

खण्ड 3 – रीतिकालीन कविता : परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 11 – रीतिकाल : परिचय एवं आलोचना

इकाई 12 – बिहारी: परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 13 – केशवदास : परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 14 – घनानन्द : परिचय, पाठ एवं आलोचना

इकाई 15 – मतिराम : परिचय, पाठ एवं आलोचना

तृतीय प्रश्न पत्र : आधुनिक एवं समकालीन कविता MAHL 103

खण्ड 1 – आधुनिकता एवं हिन्दी साहित्य

इकाई 1 – आधुनिकता का स्वरूप एवं साहित्य का सन्दर्भ

इकाई 2 – प्रमुख काव्य आन्दोलन : परिचय एवं आलोचना

इकाई 3 – हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : पद्य

इकाई 4 – आधुनिक हिन्दी कविता : भारतेन्दु युग

इकाई 5 – हिन्दी कविता का द्विवेदी युग : परिचय एवं आलोचना

इकाई 6 – हिन्दी कविता की भाषा का सन्दर्भ : प्रयोग एवं समस्या

खण्ड 2 – छायावादी कविता

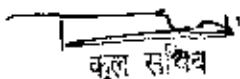
इकाई 7 – जयशंकर प्रसाद : पाठ एवं आलोचना

इकाई 8 – सुमित्रानन्दन पन्त : पाठ एवं आलोचना

इकाई 9 – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : परिचय, पाठ और आलोचना

इकाई 10 – महादेवी वर्मा : पाठ एवं आलोचना

खण्ड 3 – छायावादोत्तर हिन्दी कविता


कुल सचिव
पुस्तकालय, मुक्त विश्वविद्यालय
भारत (दिल्ली)

प्राप्त ५/५

- इकाई 11- राष्ट्रीय भावना और हिन्दी कविता
इकाई 12 - रामधारी सिंह दिनकर : पाठ एवं आलोचना
इकाई 13 - स्वतंत्र्योत्तर काल और हिन्दी कविता का विकास
इकाई 14 - हरिवंशराय बच्चन : पाठ एवं आलोचना

खण्ड 4 - नई और समकालीन कविता

- इकाई 15-नई कविता : सन्दर्भ एवं प्रकृति
इकाई 16- अज्ञेय : पाठ एवं आलोचना
इकाई 17- मुक्तिबोध : पाठ एवं आलोचना
इकाई 18- शमशेर : पाठ एवं आलोचना
इकाई 19- श्रीकान्त वर्मा : पाठ एवं आलोचना
इकाई 20 - केदारनाथ सिंह : पाठ एवं आलोचना

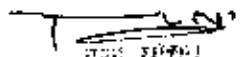
चतुर्थ प्रश्न पत्र : साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना MAHL 104

खण्ड 1 भारतीय काव्य सिद्धान्त

1. काव्य का लक्षण एवं स्वरूप
2. काव्य की प्रेरणा एवं काव्य और हेतु
3. भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय: अलंकार सम्प्रदाय
4. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय : ध्वनि
5. भारतीय साहित्य सिद्धान्त - औचित्य
6. भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय: रीति सम्प्रदाय
7. भारतीय साहित्य सिद्धान्त - वक्रोक्ति

खण्ड 2 पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त

8. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की परंपरा
9. प्लेटो: परिचय एवं सिद्धान्त
10. अरस्तू : परिचय एवं सिद्धान्त
11. मैथ्यू आर्नल्ड : परिचय एवं सिद्धान्त
12. आई0ए0 रिचर्ड्स : परिचय एवं सिद्धान्त
13. बेनेदेतो क्रोचे : परिचय एवं सिद्धान्त
14. टी0एस0इलियट : परिचय एवं सिद्धान्त
15. मार्क्सवाद


मुख्य सहायक
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
दिल्ली (नवीकला)

पाठक 3/1/1

16. आधुनिकता, उत्तर- आधुनिकतावाद
17. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, शास्त्रवाद, नव्यशास्त्रवाद, नई समीक्षा
18. स्वच्छंदतावाद, बिंबवाद, प्रतीकवाद, यथार्थवाद, अतिथार्थवाद, दादावाद, शैलीविज्ञान

खण्ड 3 हिन्दी समालोचना

19. हिन्दी आलोचना : आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका युग
20. शुक्लोत्तर युग एवं हिन्दी आलोचना
21. प्रगतिशील आलोचना एवं रामबिलास शर्मा
22. समकालीन हिन्दी आलोचना और नामवर सिंह

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष :

प्रथम प्रश्न पत्र : कथा साहित्य MAHL 201

खण्ड 1 कथा साहित्य का विकास

- इकाई 1 हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास
- इकाई 2 हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास
- इकाई 3 हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास

कथा साहित्य का तात्त्विक विवेचन

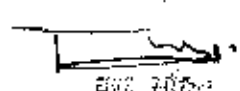
- इकाई 4 कहानी का स्वरूप, भेद व तत्व
- इकाई 5 उपन्यास का स्वरूप, भेद व तत्व
- इकाई 6 उपन्यास व कहानी में अंतर

खण्ड 3 हिंदी कहानी: पाठ एवं स्वरूप

- इकाई 7 उसने कहा था: पाठ एवं विवेचन
- इकाई 8 उसने कहा था: विश्लेषण और मूल्यांकन
- इकाई 9 बड़े भाईसाहब: पाठ एवं विवेचन
- इकाई 10 बड़े भाईसाहब: विश्लेषण और मूल्यांकन
- इकाई 11 सुहागिनी: पाठ एवं विवेचन
- इकाई 12 सुहागिनी: विश्लेषण और मूल्यांकन

खण्ड 4 हिंदी उपन्यास: पाठ एवं विवेचन

- इकाई 13 जैनेन्द्र कुमार: परिचय एवं कृतित्व
- इकाई 14 त्यागपत्र: पाठ एवं व्याख्या
- इकाई 15 त्यागपत्र: संरचना व शिल्प


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विशाल)

प्राप्त ५/१

इकाई 7 रूप विज्ञान

इकाई 8 वाक्य संरचना

इकाई 9 अर्थविज्ञान

इकाई 10 अन्य व्याकरणिक इकाईयाँ

इकाई 11 हिंदी की शब्द-संपदा

खण्ड 3 – प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 12 प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई 13 पत्राचार: कार्यालय पत्र, व्यावसायिक पत्र

इकाई 14 भाषा कम्प्यूटरनिंग (कम्प्यूटर और हिंदी)

चतुर्थ प्रश्न पत्र : तुलनात्मक एवं भारतीय साहित्य MAHL 204

खण्ड 1 – तुलनात्मक साहित्य

इकाई 1 तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा

इकाई 2 तुलनात्मक अध्ययन पद्धतियाँ

खण्ड 2 – भारतीय साहित्य की अवधारणा

इकाई 3 भारतीय साहित्य की अवधारणा

इकाई 4 भारतीय साहित्य की व्यापकता

इकाई 5 भारतीय साहित्य का इतिहास

खण्ड 3 – भारतीय साहित्य : प्रायोगिक उपक्रम

इकाई 6 तेलुगु साहित्य का इतिहास एवं परिचय (1)

इकाई 7 तेलुगु साहित्य का इतिहास एवं परिचय (2)

इकाई 8 कुमाऊँनी लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप

इकाई 9 कुमाऊँनी लोकगीत: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 10 गढ़वाली लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप

इकाई 11 गढ़वाली लोक साहित्य का वर्तमान स्वरूप एवं समस्याएँ

इकाई 12 पंजाबी साहित्य का इतिहास एवं परिचय

इकाई 13 राजस्थानी साहित्य का इतिहास एवं परिचय

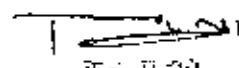
पंचम प्रश्न पत्र : उत्तराखंड का लोकसाहित्य MAHL 205 (वैकल्पिक)

खण्ड 1 लोक साहित्य: स्वरूप एवं प्रवृत्ति

इकाई 1 लोक: स्वरूप एवं प्रवृत्ति

इकाई 2 लोक साहित्य: स्वरूप एवं प्रवृत्ति

इकाई 3 लोक साहित्य के संरक्षण की समस्या एवं समाधान


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रुड़की (नैनीताल)

प्राप्त 31

खण्ड 2 कुमाऊँनी लोक साहित्य का परिचय

इकाई 4 कुमाऊँनी लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप

इकाई 5 कुमाऊँनी लोक गीत इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 6 कुमाऊँनी लोक गाथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 7 कुमाऊँनी लोक कथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 8 कुमाऊँनी लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियाँ

खण्ड 3 गढ़वाली लोक साहित्य का परिचय

इकाई 9 गढ़वाली लोक साहित्य का इतिहास एवं स्वरूप

इकाई 10 गढ़वाली लोक गीत: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 11 गढ़वाली लोक गाथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 12 गढ़वाली लोक कथाएँ: इतिहास, स्वरूप एवं साहित्य

इकाई 13 गढ़वाली लोक साहित्य: अन्य प्रवृत्तियाँ

इकाई 14 गढ़वाली लोक साहित्य का वर्तमान स्वरूप एवं साहित्य

छठा प्रश्न पत्र : हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास एवं सिद्धान्त MAHL 206 (वैकल्पिक)

खण्ड 1 जनसम्पर्क एवं विज्ञापन

इकाई 1 जनसम्पर्क: अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई 2 जनसम्पर्क के उपकरण

इकाई 3 विज्ञापन: विकास, अवधारणा एवं उद्देश्य

खण्ड 2 मीडिया विविधा

इकाई 4 ई-पत्रकारिता

इकाई 5 हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

इकाई 6 संपादन कला

इकाई 7 मीडिया/समाचार लेखन

इकाई 8 अनुवादन

खण्ड 3 मीडिया लेखन

इकाई 9 समाचार लेखन

इकाई 10 समाचारों का वर्गीकरण

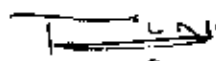
इकाई 11 समाचार पत्र लेखन: स्वरूप एवं प्रक्रिया

इकाई 12 रेडियो लेखन के सिद्धान्त

इकाई 13 टेलीविजन लेखन के सिद्धान्त

इकाई 14 साइबर मीडिया के लिए लेखन

खण्ड 4 मीडिया विमर्श


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (देवीसरा)



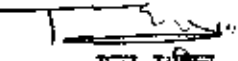
इकाई 15 विज्ञान एवं पर्यावरण पत्रकारिता

इकाई 16 धार्मिक पत्रकारिता

इकाई 17 स्वास्थ्य पत्रकारिता

इकाई 18 ग्रामीण पत्रकारिता

Mohammed
21.4.16
प्रतिभा


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (लिपिबद्ध)

**Programme Project Report (PPR), Department of History,
MAHI-17 (M.A. History)**

- (a) **Programme's mission & objective** :The mission & objectives of the programme MAHI-17 are as follow-

The broadest mission of the department of history is consistent with the mission of the university; that is to prepare learners for responsible citizenship. The Department of History fulfills Uttarakhand Open University's mission of promoting liberal learning and liberal education through transmittal of a sense of the past to new generations, especially the multiple heritages of the peoples of Uttarakhand as well of India; transformation of academically ambitious learners into lifelong, independent learners, responsible, morally committed professionals, and thoughtful citizens and presentation of new scholarly research in the self learning material.

- (b) **Relevance of the programme with HEI's Mission and Goals** :The programme MAHI-17 has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University.
- (c) **Nature of prospective target group of learners** :The target group of learners is especially the people of Uttarakhand who are either unable to achieve higher education through regular mode or are situated in the far flung areas of Uttarakhand having no access to the traditional higher educational institutions. The focus is always on women, minorities, rural dwellers, tribals, persons of lower income group and differently-abled persons. The Programme would be of great use for both the teachers working in schools, personnel working in various institutions associated with history and culture (museums, archives, archaeological survey etc.) and working people in various organizations and all graduates who are desirous of acquiring a Masters Degree in History.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence**: MAHI-17 programme has all the components of self learning to provide over all knowledge of history to the learners. The curriculum offers various streams of history ie; Ancient Indian History, Medieval Indian History, Modern Indian History, National Movement, Indian Culture, Historiography, World History and Society & Culture of Uttarakhand.


20/05/2019
20/05/2019
20/05/2019
20/05/2019

M.A. History एम0ए0इतिहास

MAHI-17

Credits-72

Course Code	Course Name	Credits	Total Marks (Th./Assign.)
YEAR I			
MAHI-101	History of Modern World (आधुनिक विश्व का इतिहास)	08	100 (80/20)
MAHI-102	Indian National Movement Part-One (भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन भाग-एक)	08	100 (80/20)
MAHI-103	Indian National Movement Part-Two (भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन भाग-दो)	08	100 (80/20)
MAHI-104	Society and Economy in Modern Uttarakhand (आधुनिक उत्तराखण्ड में समाज एवं अर्थव्यवस्था)	08	100 (80/20)
YEAR II			
MAHI-201	History of Ancient India (प्राचीन भारत का इतिहास)	08	100 (80/20)
MAHI-202	History of Medieval India (मध्यकालीन भारत का इतिहास)	08	100 (80/20)
MAHI-203	History of Modern India (आधुनिक भारत का इतिहास)	08	100 (80/20)
MAHI-204	Historiography (इतिहास लेखन)	08	100 (80/20)
MAHI-205	Indian Culture (भारतीय संस्कृति)	08	100 (80/20)

After thorough learning of the curriculum the learner shall have proper understanding of history and shall be able to analyze the past events in their logical manner. The learners shall be ready for further higher education in the field of history. Detailed syllabi are enclosed at the end.

- (e) **Instructional Design :** The Dept. of History has developed courses in such a manner that provide the learners to the knowledge of local, national as well as World history, prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices & pedagogical tools have been applied for making curriculum. The Curriculum in each paper is divided in blocks and further divided in units. The Units consist of many small chunks so that the learner could understand easily, first the unit introduces the theme of learning, then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small chunks. For checking students' progress small exercises are provided in the units. Summary of the theme is given, glossary, reference, suggested readings are also provided in the Unit. The duration of the programme is minimum 02 years and maximum 06 years. The programme consists of 09 courses of 08 credits each. One Professor and one Assistant Professor are in the faculty. The learning material is made in the print as well as in the soft form along with video lectures. The learners are

(f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation** : The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum (g) eligibility for admission in MAHI-17 is Graduation in any stream. Total fee for the first year is Rs.3750/- and Rs.4050/- for the second year. The printed learning material is sent to the learners by the University. The soft copy of the material is up loaded in the website also. The learner's progress is checked by assessing the assignments. The assignments of the learners are evaluated in the study centers as well as by the faculty.

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Year)		SLM	Mode of Exam (Annual / Sem)	Year/ Sem	Details Of Fee (₹)					
		Minimum	Maximum				Programme	Exam	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
Master of Art – History (MAHI-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual	I	3000	600	50	100		3750
						II	3000	750			300	4050

(h) **Requirement of laboratory support and Library Resources** : Laboratory work is not done in MAHI-17 programme though University has a library containing history books..

(i) **Cost estimate of the programme and the provision** : About Rs. 17 lakh is estimated for the development of M.A.(History) programme.

(j) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome** : The Dept. of History reviews its programme time to time through its expert committee, board of studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design.

Signature

Stamp

एम.ए. प्रथम वर्ष

आधुनिक विश्व का इतिहास

एमएएचआई -101

ब्लॉक एक-

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

यूरोप में सामन्तवाद का पतन और पूंजीवाद का आरंभ
यूरोपीय पुनर्जागरण
भौगोलिक खोजें, औपनिवेशीकरण और दास-व्यापार

ब्लॉक दो-

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

यूरोप में वाणिज्यवाद और व्यापारिक क्रांति
धर्म सुधार आन्दोलन
वैज्ञानिक क्रांति

ब्लॉक तीन-

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

यूरोपीय निरंकुश राष्ट्रीय राज्य
इंग्लैंड में संसदीय संस्थाओं का विकास
प्रबोधन

ब्लॉक चार-

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

अमेरिकी क्रांति एवं उसका महत्व
फ्रान्सीसी क्रांति (1789-1815)
कृषि क्रांति एवं औद्योगिक क्रांति

ब्लॉक पांच-

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

इटली और जर्मनी का एकीकरण
साम्राज्यवाद और अफ्रीका का विभाजन
जापान का आधुनिक राज्य के रूप में उदय, जापानी साम्राज्यवाद का आरंभ

ब्लॉक छह-

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

प्रथम विश्वयुद्ध के कारण और परिणाम
रूसी क्रांति, साम्यवाद, नई आर्थिक नीति, कृषि का सामुदायीकरण और नियोजित विकास
प्रथम विश्व युद्ध: आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव, पेरिस सन्धि- 1919

ब्लॉक सात

इकाई एक-

इकाई दो-

इकाई तीन-

विश्वव्यापी आर्थिक मंदी
फासीवाद, नाजीवाद, सैन्यवाद
द्वितीय विश्वयुद्ध

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन भाग-एक

एमएएचआई -102

ब्लॉक एक—

इकाई एक : पुनर्जागरण एवं धर्मसुधार

इकाई दो : पुनर्जागरण एवं समाजसुधार

इकाई तीन : प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857: भूमिका, प्रमुख नेता एवं कारण

इकाई चार : प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857: विस्तार, परिणाम, महत्व एवं प्रकृति

ब्लॉक दो—

इकाई एक : आर्थिक राष्ट्रवाद का उदय एवं संवृद्धि

इकाई दो : कांग्रेस पूर्व संगठनों का उदय एवं संवृद्धि

इकाई तीन : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम चरण

इकाई चार : बंगाल विभाजन तथा स्वदेशी आन्दोलन

ब्लॉक तीन—

इकाई एक : क्रान्तिकारी चरमपंथ

इकाई दो : प्रथम विश्वयुद्ध, रूसी क्रान्ति तथा भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

इकाई तीन : होमरूल लीग, खिलाफत आन्दोलन तथा असहयोग आन्दोलन

इकाई चार : क्रान्तिकारी आन्दोलन - संवृद्धि, विचारधारा एवं उपलब्धियाँ

ब्लॉक चार—

इकाई एक : स्वराज्य पार्टी एवं साइमन कमीशन

इकाई दो : सविनय अवज्ञा आन्दोलन, नमक सत्याग्रह एवं गोलमेज़ सम्मेलन

इकाई तीन : प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस, व्यक्तिगत सत्याग्रह एवं भारत छोड़ो आन्दोलन

इकाई चार : वेवेल योजना तथा शिमला सम्मेलन

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन भाग—दो

एमएचआई -103

ब्लॉक एक—

इकाई एक : कैबिनेट मिशन एवं अन्तरिम सरकार

इकाई दो : आईएनए तथा रॉयल नेवी विद्रोह

इकाई तीन : देशी राज्यों में आन्दोलन

ब्लॉक दो—

इकाई एक : माउण्टबैटन योजना, भारत का विभाजन तथा परिणाम

इकाई दो : राष्ट्रीय आन्दोलन के काल में किसान एवं जनजातियाँ

इकाई तीन : भारत में समाजवादी विचारों का विकास

pygh
Shah
राष्ट्रीय आन्दोलन
भाग दो (किसान एवं जनजातियाँ)

ब्लॉक तीन—

इकाई एक : भारत में साम्प्रदायिकता का विकास

इकाई दो : राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रवासी भारतीयों की भूमिका

इकाई तीन : राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका

ब्लॉक चार—

इकाई एक : राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रेस (समाचार पत्रों की भूमिका)

इकाई दो : भारत में संवैधानिक विकास (1861, 1909, 1919 तथा 1935 के अधिनियम)

इकाई तीन : भारत में ब्रिटिश शासन का प्रभाव

आधुनिक उत्तराखण्ड में समाज एवं अर्थव्यवस्था

एमएचआई -104

इकाई - एक	उत्तराखण्ड की सामाजिक संरचना
इकाई - दो	उत्तराखण्ड में विवाह, परिवार, नातेदारी और स्त्रियों की प्रस्थिति
इकाई- तीन	उत्तराखण्ड में सामाजिक नियन्त्रण
इकाई- चार	उत्तराखण्ड में सामाजिक परिवर्तन और आधुनिकीकरण
इकाई- पांच	उत्तराखण्ड की सामाजिक समस्याएँ
इकाई -छह	उत्तराखण्ड का धार्मिक जीवन
इकाई -सात	उत्तराखण्ड : कला, साहित्य एवं संगीत
इकाई -आठ	मानवीय संसाधन एवं जनसंख्या
इकाई -नौ	गरीबी और बेरोजगारी
इकाई-दस	क्षेत्रीय असमानता एवं जनजातीय विकास
इकाई-ग्यारह	प्राकृतिक संसाधन
इकाई-बारह	उत्तराखण्ड अर्थव्यवस्था की विशेषताएं
इकाई-तेरह	पर्यटन उद्योग एवं पर्यावरण
इकाई-चौदह	ग्रामोद्योग का विकास एवं प्रमुख समस्याएँ
इकाई-पन्द्रह	औद्योगिक संरचना एवं औद्योगिक नीति

एम.ए. द्वितीय वर्ष

प्राचीन भारत का इतिहास एमएएचआई 201

ब्लॉक एक

- इकाई एक— मगध का उत्कर्ष
इकाई दो— छठी सदी ईस्वी पूर्व के गणतन्त्र तथा उनकी प्रशासनिक प्रणाली
इकाई तीन— चन्द्रगुप्त मौर्य और बिन्दुसार

ब्लॉक दो

- इकाई एक— अशोक
इकाई दो— मौर्य कालीन प्रशासन, स्थापत्य, कला एवं मौर्य साम्राज्य का पतन
इकाई तीन— संगमकालीन दक्षिण भारत तथा संगम साहित्य

ब्लॉक तीन

- इकाई एक— शुंग एवं कण्व वंश
इकाई दो— आन्ध्र या सातवाहन वंश तथा दक्षिणापथ की राजनैतिक स्थिति
इकाई तीन— पश्चिमी भारत के शक क्षत्रप

ब्लॉक चार

- इकाई एक— कुषाणों का उदय
इकाई दो— कनिष्क प्रथम एवं उसकी उपलब्धियां
इकाई तीन— कुषाण साम्राज्य का विस्तार

ब्लॉक पांच

- इकाई एक— गुप्त वंश का उद्भव, प्रारम्भिक इतिहास एवं चन्द्रगुप्त प्रथम
इकाई दो— समुद्रगुप्त एवं उसकी उपलब्धियां
इकाई तीन— चन्द्रगुप्त II एवं उसकी उपलब्धियां

ब्लॉक छह

- इकाई एक— कुमार गुप्त प्रथम, स्कन्ध गुप्त उसकी उपलब्धियां

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]
प्रो. वि. वि. वि.
प्रो. वि. वि. वि.

इकाई दो— गुप्त प्रशासनिक व्यवस्था
इकाई तीन— गुप्त साम्राज्य का पतन

ब्लॉक सात

इकाई एक — वाकाटक एवं उनके गुप्त शासकों के साथ सम्बन्ध
इकाई दो — मौखरी राज्य
इकाई तीन— हर्ष कालीन भारत

**मध्यकालीन भारत का इतिहास
एमएचआई 202**

ब्लॉक—एक

इकाई एक— राजपूतों का उदय तथा भारतीय सामंतवाद— विविध दृष्टिकोण
इकाई दो — हर्षोत्तर उत्तर भारत की राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक स्थिति
इकाई तीन— पल्लव, चालुक्य, चोल कालीन दक्षिण भारत

ब्लॉक दो

इकाई एक— तुर्क आक्रमण : परिस्थितियाँ, कारण एवं परिणाम
इकाई दो— मामलुक सुल्तान
इकाई तीन— दिल्ली सल्तनत का विस्तार: खिलजी वंश

ब्लॉक तीन

इकाई एक— दिल्ली सल्तनत की पराकाष्ठा : तुगलक वंश
इकाई दो— दिल्ली सल्तनत का पतन : सैयद तथा लोदी वंश
इकाई तीन— विजय नगर साम्राज्य, बहमनी साम्राज्य

ब्लॉक चार

इकाई एक — सल्तनत काल में राज्य तथा सम्प्रभुता
इकाई दो— सल्तनत कालीन सैनिक तथा प्रशासनिक प्रणाली
इकाई तीन— शर्की वंश

ब्लॉक पांच

इकाई एक— मुगल साम्राज्य की स्थापना : बाबर एवं हुमायूँ
इकाई दो— शेरशाह, इस्लामशाह तथा सूरी सैनिक प्रशासन
इकाई तीन— मुगल साम्राज्य का सुदृढीकरण एवं विस्तार : अकबर, जहांगीर

ब्लॉक छह

इकाई एक — मुगल साम्राज्य का सुदृढीकरण एवं विस्तार : शाहजहाँ औरंगजेब
इकाई दो— मुगलों की धार्मिक नीति
इकाई तीन :— मराठों का उदय : शिवाजी की उपलब्धियाँ

ब्लॉक सात

इकाई एक — मुगलों के विरुद्ध विद्रोह

इकाई दो— मुगल साम्राज्य का पतन
इकाई तीन— साम्राज्य का विघटन और उत्तराधिकारी राज्य

आधुनिक भारत का इतिहास
एमएचआई 203

ब्लॉक एक

इकाई एक : 18वीं शताब्दी का भारत : राजनीतिक परिदृश्य
इकाई दो : अंग्रेजों की भारत विजय : एक विमर्श
इकाई तीन : ब्रिटिश सत्ता का विस्तार : विचारधारा एवं वाणिज्यवाद

ब्लॉक दो

इकाई एक : ब्रिटिश विस्तार की नीतियां एवं कार्यक्रम, विस्तार के उपकरण : युद्ध एवं कूटनीति
इकाई दो : आंग्ल-फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा : कर्नाटक युद्ध
इकाई तीन : बंगाल में अंग्रेजी सत्ता की स्थापना (प्लासी से 1772 तक)

ब्लॉक तीन

इकाई एक : आंग्ल-मराठा संघर्ष
इकाई दो : लार्ड हेस्टिंग्स और ब्रिटिश सर्वोच्चता
इकाई तीन : विलियम बैंटिक

ब्लॉक चार

इकाई एक : रणजीत सिंह : जीवन एवं उपलब्धियां
इकाई दो : लार्ड डलहौजी
इकाई तीन : लोकप्रिय जनजातीय तथा असैनिक विद्रोह

ब्लॉक पांच

इकाई एक : 1857 का विद्रोह
इकाई दो : आंग्ल-अफगान संबंध
इकाई तीन : औपनिवेशिक भारत : प्रशासनिक संरचना

ब्लॉक छह

इकाई एक : काउन का भारत के प्रशासन पर नियंत्रण : केन्द्रीय, प्रांतीय एवं जनपद प्रशासन
इकाई दो : ब्रिटिश सत्ता का राजवाड़ों के साथ संबंध
इकाई तीन : भारत एवं पड़ोसी देश : तिब्बत, नेपाल, बर्मा, फारस एवं फारस की खाड़ी

ब्लॉक सात

इकाई एक : भारत पर ब्रिटिश शासन का प्रभाव
इकाई दो : स्वतंत्र भारत : देशी रियासतों का विलय
इकाई तीन : स्वतंत्र भारत : पड़ोसी देशों से संबंध : पाकिस्तान, चीन, नेपाल, बर्मा एवं श्रीलंका

[Handwritten signatures and stamps]
मुद्रांकित
मुद्रांकित
मुद्रांकित

इतिहास लेखन
एमएएचआई 204

ब्लॉक एक

- इकाई एक : इतिहास : अर्थ, महत्व एवं प्रकृति
इकाई दो : इतिहास का विषय क्षेत्र
इकाई तीन : ऐतिहासिक व्याख्या : अर्थ, प्रकृति, सिद्धान्त, प्रकार एवं विशेषताएँ

ब्लॉक दो

- इकाई एक : इतिहास में पूर्वाग्रह या झुकाव तथा वस्तुपरकता की समस्या
इकाई दो : इतिहास की पुराण परम्परा
इकाई तीन : भारत में जीवनी साहित्य का विकास

ब्लॉक तीन

- इकाई एक : प्राचीन इतिहास लेखन : हेरोडोटस, थ्यूसीडाइड्स
इकाई दो : मध्यकालीन चर्च और इतिहास लेखन : टेसीटस, सन्त ऑगस्टाइन
इकाई तीन : इस्लामी परंपराएँ और इब्न खाल्डून, मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन : कल्हण, बरनी, अबुल फजल, बदायूनी

ब्लॉक चार

- इकाई एक : आधुनिक इतिहास लेखन-आदर्शवादी दृष्टिकोण
इकाई दो : आधुनिक इतिहास लेखन-प्रत्यक्षवाद
इकाई तीन : आधुनिक इतिहास लेखन-मार्क्सवाद

ब्लॉक पांच

- इकाई एक : आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन : औपनिवेशिक इतिहासकार
इकाई दो : आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन : राष्ट्रवादी इतिहासकार
इकाई तीन : भारत में मार्क्सवादी, सबल्टर्न इतिहास लेखन

ब्लॉक छह

- इकाई एक : इतिहास का दर्शन : ओसवालड स्पेंग्लर
इकाई दो : इतिहास का दर्शन : आरनोल्ड जे0 टॉयनबी
इकाई तीन : इतिहास का दर्शन : जोहन गोटफ्राइड हर्डर

ब्लॉक सात

- इकाई एक : इतिहास एवं अन्य सम्बद्ध विषय
इकाई दो : इतिहास के स्रोत
इकाई तीन : मौखिक इतिहास

भारतीय संस्कृति
एमएएचआई 205

ब्लॉक एक

इकाई एक : संस्कृति का अर्थ, प्रकृति, तत्त्व, सभ्यता और संस्कृति
इकाई दो : भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ
इकाई तीन : प्राचीन भारतीय कला की प्रमुख विशेषताएँ

ब्लॉक दो

इकाई एक : सिन्धु सभ्यता की सांस्कृतिक विशेषताएँ
इकाई दो : वैदिक संस्कृति
इकाई तीन : बुद्ध कालीन संस्कृति

ब्लॉक तीन

इकाई एक : मौर्यकालीन
इकाई दो : कुषाण-शुंग-सातवाहन कालीन संस्कृति
इकाई तीन : गुप्तकालीन संस्कृति

ब्लॉक चार

इकाई एक : पल्लव कालीन संस्कृति
इकाई दो : चोल कालीन संस्कृति
इकाई तीन : राजपूत कालीन संस्कृति

ब्लॉक पांच

इकाई एक : सल्तनत कालीन संस्कृति
इकाई दो : विजयनगर साम्राज्य की संस्कृति
इकाई तीन : मुगल कालीन संस्कृति

ब्लॉक छह

इकाई एक : आधुनिक भारत : विकास यात्रा एवं विविध प्रवृत्तियाँ
इकाई दो : आधुनिकतावाद : कला एवं साहित्य जगत
इकाई तीन : उत्तर आधुनिकतावाद : कला, साहित्य, संगीत एवं स्थापत्य

ब्लॉक सात

इकाई एक : आधुनिक भारत में लिंग भेद एवं जाति व्यवस्था
इकाई दो : आधुनिक भारत में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा सूचना क्रांति
इकाई तीन : समकालीन भारत की चुनौतियाँ

Handwritten signature

Handwritten signature
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
राष्ट्रीय आयोग
संस्कृति, भारत सरकार

Programme Project Report (PPR)

(Master of Arts in Home Science)

Programmes mission & objectives

Home Science is an interdisciplinary field that is related to both the fields of arts and science. The mission of this programme is to guide learners and provide them ample opportunities for a career or vocation in future life related to different fields of Home Science.

Objective:

- Home science education prepares youth for the greatest of all vocation - Home Making. It orients young girls and boys for several professions like teaching, nursing, dietetics, research, welfare, management, art application, extension work and communication. It provides an expertise to the students in the specific vocation related to different branches of this field selected by the student.
- It provides opportunities to students to identify themselves in their own family, community and nation through identifying their responsibilities, roles and resources.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

As higher education focuses on developing the learner's skills and perspectives and prepares them for their careers, be it in academia, research, or the application of advanced, specialized knowledge. This programme aims at providing opportunity to provide access to qualitative higher education at the lowest possible cost. Masters programme in Home Sciences provides quality and practical oriented education to learners through various learning aids like Self instructional learning material, video lectures, radio programmes etc. and targets to reach student at even distant places of Uttarakhand which is predominantly a hilly state. It aims at skill development of students in diverse areas of vocations of Home science (food and nutrition, child development, family resource management, clothing and textiles, extension and communication). Further it provides an opportunity to the learners to pursue a higher degree after graduation which is easily available at their doorsteps through open and distance learning.

Nature of prospective target group of learners

As the eligibility for admission to MA programme in Home science is recognized bachelor's degree in Home Science (B.A. Home Science or B.Sc. Home Science). It specially focuses on learners interested in professional jobs like teachers, dietitians, researchers, social workers, designers, administrators etc. and also trains them in better home management for future. The interdisciplinary approach of home science provides access to multiple disciplines. In ODL system as mass of the learner is diversified, so MA Home science also targets rural girls and women who could not pursue higher education after their graduation due to family issues or their poor accessibility further to higher education institutes. Also it provides opportunities to people in learning new skills.

Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence

Arshi

Arshi

कुल संविद
उत्तराखण्ड राज्य शिक्षा विभाग

At postgraduate level this programme provides extended knowledge about different dimensions of home management, child care, family resource management, clothing and textiles. Home Science is a practical science that applies in one's everyday life. Home Science education develops qualities needed for responsible citizenship. Particularly this programme will help in refining learner's knowledge about different dimensions of Home Science like importance of food in healthy living, preparation of food by retaining its nutrients and the importance of balanced diet. It gives knowledge of efficient and maximum use of resources in the family. This programme will help the learner to start self employment. Postgraduate programme in Home Science gives detailed information about fibre and fabric properties, care and application, textile designing etc. It gives an insight into food service management, clinical and therapeutic nutrition, community nutrition and housing and interior decoration. It also gives information about consumer, consumer problems and consumer rights.

Instructional Design

Detailed Syllabi: Attached at the end of the document.

Duration of the programme: Minimum 02 Years and Maximum 06 Years. The curriculum for the M.A. Home Science programme is divided into two years (04 semesters). This includes practical activities, counseling sessions etc. in addition to project work/industry internship.

Instructional delivery mechanisms: The students will be provided with self instructional material developed by Department of Home Science, Uttarakhand Open University, Haldwani.

For practical work, practical manuals developed by the department will be provided to the learners. 5-6 days workshop for students of M.A. Home science will be conducted in each semester. The workshop will include counseling sessions for students and revision of practical activities related to the curriculum.

The learning material will also be available at university website for the learners.

Audio and video lectures are also recorded by the department's faculty and will be provided to the students through radio programmes (through community radio station of UOU, Haldwani) and video lectures have also been uploaded on university's website for learner's knowledge.

The students will opt for dissertation work in fourth semester along with on the job training/internship. The students will have to opt for one option (either dissertation work or training/internship). The students opting for the dissertation work will need to follow the guidelines for dissertation as provided by the university.

Total credits of the programme: 68

Semester I		
Course Code	Course Title	Credits
MAHS-01	Food Science and Nutrition	04
MAHS-02	Child Psychology and Theories of Human Development	04

hct

2/11/2023
कुल सचिव
उत्तराखण्ड ओपन विश्वविद्यालय
हल्द्वानी

MAHS-03	Textile Science	04
MAHS-04	Practical Based on MAHS-03	02
MAHS-05	Extension and Communication for Community Development	04
Semester II		
Course Code	Course Title	Credits
MAHS-06	Clinical and Therapeutic Nutrition	04
MAHS-07	Practical Based on MAHS-06	02
MAHS-08	Food Service Management	04
MAHS-09	Research Methodology and Statistics	04
MAHS-10	Family Resource Management and Entrepreneurship Development	04
Semester III		
Course Code	Course Title	Credits
MAHS-11	Public Health and Community Nutrition	04
MAHS-12	Life Span Development	04
MAHS-13	Apparel Designing	02
MAHS-14	Practical Based on MAHS-13	04
MAHS-15	Extension Programme Management and Sustainable Development	04
Semester IV		
Course Code	Course Title	Credits
MAHS-16	Housing and Interior Decoration	04
MAHS-17	Practical Based on MAHS-16	02
MAHS-18	Project Work/ Internship	08

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation

The learner can take admission in MA programme through the study center of his/her choice. The minimum eligibility for the programme is recognized bachelor's degree in Home Science (B.A. Home Science or B.Sc. Home Science).

Fee structure:

Year	Programme fee	Project/ Internship/ Workshop fee	Exam fee	Practical	Viva-voce	Student ID card	Student welfare	Degree fee	Total Fee
1 st Sem.	₹4000	₹1000	₹600	₹500	₹500	₹50	₹100	-	₹6750
2 nd Sem.	₹4000	₹1000	₹600	₹500	₹500	-	-	-	₹6600
3 rd Sem.	₹4000	₹1000	₹600	₹500	₹500	-	-	-	₹6600
4 th Sem.	₹4000	₹1000	₹150	₹500	₹1000			₹300	₹6950
Total Programme Fee: ₹26900									

The study centers will conduct counseling sessions and practical classes as per the schedule designed by them.

Handwritten signature

कुल रचित
समस्त विभागों के
सहयोग से

For the evaluation of learner progress, the students need to complete and submit the assignments. The assignments for each paper will be uploaded on the university's website. Learners will get it from the website and submit it offline at their respective study center. In workshop/counseling sessions organized by the department learners will also be evaluated periodically during the sessions.

Requirement of the laboratory support and Library Resources

Every year there will be practical component in this programme. Practical manual for each practical course is developed by the department which will be provided to the students along with learning material. In addition to this the practical details will also be uploaded in university's website. The practical sessions will be conducted at respective study centers and the students will make a record of those practical activities. Each semester practical sessions related to different papers will also be conducted during the 5-6 days workshop organized by the department. The final practical examination will be conducted by university collectively for all the students and all the practical activities done during the whole academic session will also be evaluated.

Reference textbooks related to BA Home Science along with the learning material developed by the department of Home Science are available at university library. Learners enrolled for the programme can avail the library facility by showing their ID cards on any working day.

Cost estimate of the programme and the provisions

S.No.	Items	Cost per unit	No. of Units	Total Cost
1.	Unit Writing	₹6000	183	₹10,98,000
2.	Unit Translation	₹3000	90(approximately 50% of total units)	₹2,70,000
3.	Unit Editing	₹3000	183	₹5,49,000
Total				₹19,17,000

Quality assurance mechanism and expected programme outcomes

The self instructional learning material will be revised time to time to update the information regarding recent changes, any new information relevant to the learners, rising need of any new skill development and any specialized new information important to the learner. The curriculum instructional design will also be revised so as to meet the need of the learners by the expert committees and board of studies of the department. The effectiveness of the programme will be monitored by number of enrollments in this programme, student's evaluation for assignment and practical activities and their participation in different activities like counseling sessions, lectures organized by the department.

Handwritten signature

कुल शिक्षा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

Programme Project Report (PPR)
School of Journalism and Media Studies
MA in Journalism and Mass Communication

- (a) **Programme's Mission and Objective:** The main objective of the M.A in Journalism and Mass Communication program is to provide its learners a wider understanding of journalism and communication media. The programme emphasizes on the skill development of the students in the field of journalism and mass communication and also provides them theoretical base of the subject.
- (b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals-** The M.A in Journalism and Mass Communication programme has all the relevance with the HEI's mission and Goals.
- (c) **Nature of Prospective target group of learners:** The target groups are individuals who have acquired a graduate degree in any subjects and or related fields from accredited Institutions. The learners are from diverse backgrounds of the society.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence-** The M.A in Journalism and Mass Communication programme is the systematic study of theory and praxis of Journalism and Mass Communication. The course offers to study the global trends of media, including, regional development of the subject. The students have to participate in a 4 days' intensive workshop in every semester.
- (e) **Instructional Design:** The School of Journalism and Media Studies has developed courses after rigorous exercises. The syllabus first passed and discussed by the experts invited from the top most institutions and university of the country and finally curriculum was developed keeping in mind the objectives of ODL. The Curriculum in each paper is divided in blocks and further divided into units. The Units consists of many small chunks so that the learner could easily understand the subject. The unit introduces the theme of learning then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small segments. To check progress of the learner small exercises are given at the end of the units. The Self Learning Material (SLM) is developed with the help of best possible SLM development


कुल पति
मुख्य निदेशिका

approaches. The students also produce audio and video programs in the EMPC of the university. Each of the students has to complete a dissertation at end of the semester.

The course structure of M.A in Journalism and Mass Communication is given below:

M.A (Journalism & Mass Communication)

MAJMC-17

Credits-64

PROGRAMME STRUCTURE				
Course Code	Course Name		Credits	(Th./Assign.) Total Marks
SEMESTER I				
MJMC-101	History of Journalism & Contemporary Perspective	04		100(80/20)
MJMC-102	Communication : Principle, Process, Concept & Models	04		100(80/20)
MJMC-103	Indian Press Laws and Salient Features of Indian Constitution	04		100(80/20)
MJMC-104	News : Definition, Concept and Reporting	04		100(80/20)
SEMESTER II				
MJMC-201	Editing, Printing & Production	04		100(80/20)
MJMC-202	Advertising and Public Relations	04		100(80/20)
MJMC-	Broadcast and New Media (T.V., Radio, Film &	04		100(80/20)

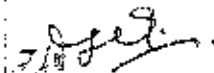
[Handwritten signature]
20/02/2020

203	Cyber Media)		
MJMC-204	Print Media Writing	04	100
SEMESTER III			
MJMC-301	Communication Research	04	100(80/20)
MJMC-302	Principles of Mass Communication	04	100(80/20)
MJMC-303	Development Journalism	04	100(80/20)
MJMC-304	Media Management	08	100(80/20)
SEMESTER IV			
MJMC-401	Media & Society	04	100(80/20)
MJMC-402	Various Forms of Journalism	04	100(80/20)
MJMC-403	*Dissertation	04	100
MJMC-404	Viva-Voce/Portfolio	08	100

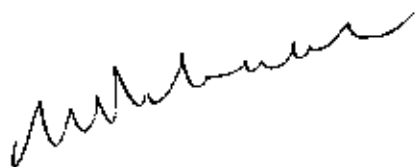
Note: 1. MJMC-403 is for working Journalists: Dissertation

2. For non journalists: One month's Internship in a reputed Media Organisation

3. MJMC-204 course is based on Practical Knowledge and no self learning material (SLM) will be provided

- (f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum eligibility for admission in MAJMC is Graduation in any stream. Total fee for the two years course is Rs. 20050/-. The printed learning material is provided to the learners by the University. The soft copy of the material is also uploaded in the website of the university as well. The learner's progress is assessed with the help of the assignments.
- (g) **Requirement of laboratory support and Library Resources:** The University has an Electronic Media Production Centre for the practical works of the students. The community radio, Hello Haldwani, is also useful for the student to produce the audio programs. The University has a fully equipped ICT department which is helpful in the area of new media learning. The main library of the university is a good help for the students.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provision:** The estimated amount would be around Rs. 20 lakh for the development of M.A. in Journalism and Mass Communication programme.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The School of Journalism and Media Studies reviews the programme time and again by organizing the Expert Committee and Board of Studies meetings. The school also follows the standards established for the subject by UGC.



Bhupen Singh

2.12.2020

पूरा खर्च
असमर्थ मुक्त विज्ञान
इत्यादी (१००००)

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D in Jyotish (Regular Mode)**

a- पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

ज्योतिष विषय में शोध का उद्देश्य छात्रों में प्राच्य विद्या में निपुणता के साथ-साथ उनमें नवीन सृजनात्मकता एवं उच्च ज्ञान का विकास करना है, जिससे वे मूलभूत रूप में समाज एवं राष्ट्र की गति में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

b- कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं लक्ष्य-

ज्योतिष सर्वविद्यामूलक वेद का अंग होने के कारण वेदांग है, जिसे 'शास्त्र' भी कहा जाता है। यह भारत के छः शास्त्रों में एक है तथा यह हमारे प्राचीन ऋषियों की देन है। भारतीय मूल विद्या के रूप में यह विद्यार्थी के लिए, समाज के लिए तथा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा। इस शास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसन्धान करने से ज्योतिष शास्त्र एवं शोध, पर्यवेक्षण और संवेदना का विकास हो सकेगा। सांस्कृतिक रूप से इतिहास की क्षतिपूर्ति हो सकेगी तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच रागात्मक एवं ज्ञानात्मक संवेदना का विकास हो सकेगा।

c- शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति -

ज्योतिष विषय से आचार्य अथवा एम.ए. ज्योतिष या ज्योतिर्विज्ञान उत्तीर्ण कोई भी छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। साथ ही ज्योतिष विषय से जुड़े वे छात्र जो उच्च स्तर पर भारतीय मूल विषयों में भूमि तलाशना चाहते हैं, उनके लिए यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। ऐसे छात्र जो प्राच्य विषयों में नवीनता एवं तथ्यपरकता विकसित करना चाहते हैं, यह पाठ्यक्रम उनके लिए उपयोगी है।

d- मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य -

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य या तात्पर्य मात्र इतना है कि शिक्षार्थी अपने शोध काल के उत्पलक काल में विश्वविद्यालय की अनिवार्य उपस्थिति से मुक्त हो सकेगा, अन्यथा कोर्स वर्क की बाध्यता पारम्परिक शिक्षण संस्था जैसे ही है। शोध निर्देशक के साथ शोधार्थी के संवाद, विषय पर परिचर्चा, कोर्स वर्क के माध्यम से शोध प्राविधि का अध्ययन UGC के निर्देश के क्रम में ही है। अतः मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण पद्धति के बावजूद यह पाठ्यक्रम पारम्परिक शिक्षण में शोध की पद्धति का सम्पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित कर रहा है।

e- निर्देशात्मक रूपरेखा-

पहला वर्ष - 6 महीने का कोर्स वर्क, द्वितीय वर्ष - शोध कार्य

3. पाठ्यक्रम की अवधि - 03 वर्ष, 2. कोर्स वर्क - 01 सत्र अथवा 02 सेमेस्टर

f- प्रवेश एवं मूल्यांकन संरचना-

- 1- जो छात्र ज्योतिष अथवा ज्योतिर्विज्ञान विषय से आचार्य / एम. ए. उत्तीर्ण कर चुके हैं।
- 2- पी.एच.डी. प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं।

(K) Tisari
21/4/2019

उपराज्य शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय
लखनऊ (मैत्रीकला)

ANNEXURE- I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100(Project Evaluation - 50)Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

 Anurag Tiwari
 21/4/2018

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g - शोध कार्यशाला की आवश्यकता -

सामान्यतः कार्यशाला की आवश्यकता नहीं है, किन्तु ज्योतिष विज्ञान के शोध में वेध यन्त्रों से सम्बन्धित वेधशाला अथवा लैब की आवश्यकता पड़ सकती है।

h- पाठ्यक्रम / कार्यक्रम का अनुमानित व्यय -

यह पाठ्यक्रम यूजीसी के नियमानुसार संचालित होगा। अतः विशेषज्ञ समिति, DRC, RDC एवं शोध के मूल्यांकन आदि के लिए प्रति शोधार्थी 100000/ का खर्च अनुमानित होगा।

i- पाठ्यक्रम की गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम -

- इस पाठ्यक्रम से छात्र ज्योतिष शास्त्र के उच्च सोपानों को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम से छात्र संवेदना एवं ज्ञान के गहन रूप से परिचित हो सकेंगे।
- शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षों से अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगे।
- ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न अनुशासनों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

(Signature)
21/4/2018

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

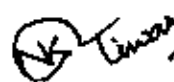
- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research

Ⓚ *Lincoln*
21/4/2018

- Symbolic Interactionism

• Mixed Research: Concept, Characteristics & Types

- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*Śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.



 21/4/2018

Module-II: Tools and teaching for data collection

03 Credits: 90 Hrs

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)

 21/4/2018

- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Jyotish)

- 1- ज्योतिषशास्त्र : अर्थ, उत्पत्ति, उपयोगिता, अवधारणा
- 2- प्रमुख त्रिस्कन्ध (गणित, फलित एवं संहिता) ज्योतिष के विविध पक्ष एवं बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष
- 3- ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्य तथा उनका प्रमुख सिद्धान्त
- 4- ज्योतिष शास्त्र का इतिहास : काल विभाजन के आधार पर
- 5- ब्रह्माण्ड एवं काल, सृष्टि एवं प्रलय सिद्धान्त
- 6- पंचांग समीक्षा एवं मुहूर्त
- 7- प्राच्य – पाश्चात्य ज्योतिष का तुलनात्मक अध्ययन
- 8- वेदांग ज्योतिष
- 9- ज्योतिष शास्त्र की प्रासंगिकता
- 10- करण एवं सिद्धान्त ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन

(Signature)
21/4/2018

**Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific
Research Approaches
(03 Credits: 90 Hrs.)
(Jyotish)**

- सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष में अभिनव प्रयोग
- सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष में शोध के प्रमुख विविध क्षेत्र

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

**Module VI: Formulating a Research Proposal
(03 Credits: 90 Hrs.)**

(Signature)
21/4/2018

(Signature)
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (नैनीताल)

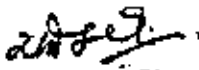
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो/पीएचडी) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय को एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुम्रण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो)/पीएचडी उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल लब्ध
उपकुल मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विश्वविद्यालय)






- (2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा:-
- (2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।
- (2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।
- (2.3.3) समस्त विद्याभ्यासियों के निदेशक इसके सदस्य होंगे।
- (2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।
- (2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।
- (2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।
- (2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।
3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

- (3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।
- (3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समब-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियम्यती अंक शामिल नहीं हैं।

[Handwritten signatures and stamps]

कुल सचिव
उपराज्य मुख्यालय
इलाहाबाद (मिनापुर)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर सामान्यित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूप से निश्चित से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निश्चित व्यक्ति (जिनकी निश्चितता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल त्रिवि
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआनी (विशेष)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समय अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (6.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

8. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे—
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संपितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जाएगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा—
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Handwritten signature]
कुल सचिव
उत्पादन मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

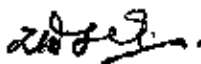
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

6. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएचडी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- यह कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा सप्ताहवार/मैथिलिक सप्ताहवार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

Signature
उपराज्य मध्य विभाग
ब्रह्मपुरी (मिर्जापुर)

Signature
Signature

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहाँ शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणान्तरक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेसात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेसात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहाँ शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

7
मुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (बिहार)

4/11/20

20/11/20

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किन्ती एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्र कार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मक्ष उपस्थित होकर पूर्वोक्त तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—

कुल 05
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभानी (नैनीताल)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

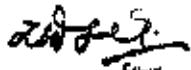
सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय




प्रमुख विभाग

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविस्तृत सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिष्टा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौखिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

मुख्य निदेश
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत (नैनीताल)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

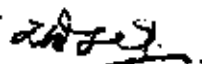
14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्तल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि का प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

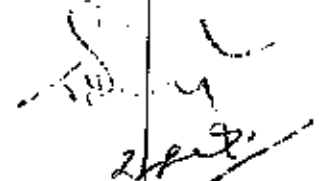


मुख्य अधिकारी

उत्पादन मुख्यालय (विश्वविद्यालय)
कक्षा (विश्वविद्यालय)

11



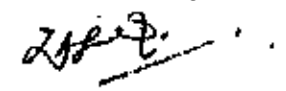


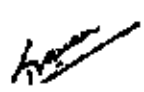
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।



PROGRAMME PROJECT REPORT FOR M.A/M.SC(Maths)

DEPARTMENT OF MATHEMATICS

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

Programme's mission and objective: Students should be proficient in the application of laws of logic to mathematical statements. Students should have a detailed understanding of a broad subset of known mathematical notions and results. Our major courses cover a broad set of fields : analysis , algebra, geometry, trigonometry, probability and statistics, ordinary and partial differential equation, numerical analysis and linear programming. Our requirements force students to learn material in several of these areas.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals: One of the mission of higher education particularly open and distance learning institutions is to provide greater opportunities of access of higher education with equality to all the eligible persons and particular to the vulnerable sections. Another mission of the higher education institutions is to initiate policies and programmes for strengthening research and innovations and encourage institutions – public or private to engage in stretching the frontier of knowledge.

Nature of prospective target group of learners: Those learner who wish to opt career in mathematics for various government organizations such as national institute of technology, Indian institute of technology , Teachers, Tata institute of fundamental research, National board of higher mathematics will be the target group of learners. In addition to this faculties are required to teach mathematics at undergraduate and postgraduate level in conventional universities and professional/technical universities or Colleges.

Appropriateness of programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence: The access to knowledge on the subject is not accessible easily to those aspirants who reside in far remote areas and those who belong to weaker and marginal sections of society .Therefore

Swati/10/2/15
T. 2/2/15

20/2/15
मुस्ता
सुपरी (विभागाध्यक्ष)

,initiating such programme in open and distance learning (ODL) mode will help aspirants particularly residing in far flung areas and those who belong to weaker sections ,to acquire skill and knowledge on the subject area.

Instructional Design:

Syllabus for MA/M.SC

Advanced Algebra(MT-01)

Unit - 1.Direct Product of Groups.

Unit -2.Isomorphism Theorems,Conjugacy and the class equation of a group

Unit -3.Commutators,Derived Subgroups,Solvable Groups And Composition Series

Unit -4.Euclidean Ring

Unit -5.Modules

Unit -6.Linear Transformation

Unit -7.Basic Theory of Field Extension,Separable and Inseparable Extension and Automorphism of Extension

Unit -8.Galois Theory

Unit -9.Matrices of linear maps

Unit -10.Rank And Nullity of Matrices

Unit -11.Determinants of Matrices

Unit -12.Real Inner Product Space-1

Unit -13.Real Inner Product Space-1

Unit -14.Real Inner Product Space-1

Signature
मुख्य शिक्षक
गणित विभाग
राष्ट्रीय दूर शिक्षण संस्थान
मुंबई (महाराष्ट्र)

Signature
मुख्य शिक्षक
गणित विभाग
राष्ट्रीय दूर शिक्षण संस्थान
मुंबई (महाराष्ट्र)

REAL ANALYSIS AND TOPOLOGY(MT-02)

Unit -1.Algebra and algebra of sets

Unit -2.Lebesgue measure and measurable sets

Unit -3.Measurable functions and convergence of sequences of Measurable functions

Unit -4.Weierstrass Approximation Theorem and Lebesgue Integral

Unit -5.Summable Functions ,Space of square summable functions

Unit -6.Fourier series and coefficients,Parseval's identity,Riesz Fisher Theorem

Unit -7. L^p spaces,Holder-Minkowski Inequalities,Completeness of L^p spaces

Unit -8.Topological spaces

Unit -9Bases,Subbases and Continuity

Unit -10.Separation Axiom(T_0, T_1, T_2, T_4 Spaces)

Unit -11.Compact and Locally Compact Spaces

Unit - 12.Product and Quotient Spaces

Unit -13.Nets And Filters

Differential Equations, Calculus of Variations and Special Functions(MT-03)

**Unit -1. Non-Linear Ordinary Differential Equations of Particular
Forms and Riccati's Equation**

Unit -2. Total Differential Equations

Unit -3. Partial Differential Equations of Second order, Monge's Method

**Unit -4. Classification of Linear PDE of Second Order, Cauchy Problem and
Method of Separation of Variables**

Swati praf

28/8/21
कुल सचिव
मुम्बई विश्वविद्यालय
मुम्बई

Unit -5. Laplace, Wave and Diffusion Equations And Canonical Forms

Unit - Unit -6. Eigenvalues, Eigenfunctions and Sturm-Liouville Boundary Value Problem

Unit -7. Variational Problems with Fixed Boundaries and Euler-Lagrange Equation

Unit -8. Functionals Dependent on Higher Order Derivatives and Variational Problems in Parametric Form

Unit -9. Series Solution of Second Order Linear Differential Equation

Unit -10. Gauss Hypergeometric Function: its Properties and Integral Representation

Unit -11. Gauss and Confluent Hypergeometric Functions

Unit -12. Legendre's Polynomials and Functions $P_n(x)$ and $Q_n(x)$

Unit -13. Bessel's Functions

Unit -14. Hermite Polynomials

Unit -15. Laguerre Polynomials

DIFFERENTIAL GEOMETRY AND TENSORS(MT-04)

Unit -1. Space Curves, Tangent, Contact of Curve and Surface, Osculating Plane

Unit -2. Principal Normal and Binormal, Curvature, Torsion, Serret-Frenet's Formulae, Osculating Circle and Osculating Sphere

Unit -3. Existence and Uniqueness Theorems, Bertrand Curves, Involute, Evolutes, Conoids, Inflexional Tangents, Singular Points, Indicatrix

Unit -4. Envelope, Edge of Regression, Ruled Surfaces, Developable Surface, Tangent Plane to a Ruled Surface

Unit -5. Necessary and Sufficient Condition that Surface $\mathbf{r} = \mathbf{F}(\cdot, \cdot)$ should Represent a Developable Surface, Metric of a Surface

Unit -6. First, Second and Third Fundamental Forms, Fundamental Magnitudes of Some Important Surfaces, Orthogonal Trajectories, Normal Curvature

Unit -7. Meunier's Theorem, Principal Direction and Principal Curvatures, First Curvature, Mean Curvature, Gaussian Curvature, Umbilics, Radius of Curvature of any Normal Section at an Umbilic on $z = f(x, y)$.

Radius of Curvature of a given Section through any Point on

$z = f(x, y)$. Lines of Curvature

Unit -8. Principal Radii, Relation between Fundamental Forms, Asymptotic Lines, Differential Equation of an Asymptotic line, Curvature and Torsion of an Asymptotic Line

Unit -9. Geodesics, Differential Equation of a Geodesic, Single Differential Equation of a Geodesic, Geodesic on a Surface of Revolution, Geodesic Curvature and Torsion, Gauss-Bonnet Theorem

Unit -10. Gauss's Formulae, Gauss's Characteristic Equation Weingarten Equations, Mainardi-Codazzi Equations. Fundamental Existence Theorem for Surfaces, Parallel Surfaces, Gaussian and Mean Curvature for a Parallel Surface, Bonnet's Theorem on Parallel Surfaces

MECHANICS(MT-05)

Signature
मुख्य सचिव
उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय
लखनऊ (विभागाध्यक्ष)

Signature
T-221

- Unit -1. D'Alembert's Principle
- Unit -2. Motion About a Fixed Axis
- Unit -3. Motion of a Rigid Body in Two Dimensions Under Finite Forces and Impulsive Forces
- Unit -4. Motion in Three Dimensions Under Finite Forces
- Unit -5. Motion in Three Dimensions (Under no Forces)
- Unit -6. Conservation of Momentum and Energy
- Unit -7. Generalised Co-ordinates
- Unit -8. Motion of a top
- Unit -9. Hamilton's Principle and Principle of Least Action
- Unit -10. Kinematics
- Unit -11. Equation of Continuity-I
- Unit -12. Equation of Continuity II
- Unit -13. Equations of Motion I
- Unit -14. Equations of Motion II
- Unit -15. Motion in Two Dimensions

ANALYSIS AND ADVANCED CALCULUS(MT-06)

- Unit - 1 Normed Linear Spaces
- Unit - 2 Bounded Linear Transformations
- Unit - 3 Fundamental Theorems of Functional Analysis
- Unit - 4 Continuous Linear Functionals
- Unit - 5 Hilbert Space and Its Basic Properties
- Unit - 6 Orthogonality and Functionals in Hilbert Space
- Unit - 7 Operators on Hilbert Spaces
- Unit - 8 Projections on a Hilbert Space and Spectral Theory
- Unit - 9 The Derivative
- Unit - 10 Higher Derivatives
- Unit - 11 The Integral in a Banach Space
- Unit - 12 Differential Equations

VISCOUS FLUID DYNAMICS(MT-07)

- Unit - 1 Basic Concepts
- Unit - 2 Fundamental Equations of the Flow of Viscous Fluids
- Unit - 3 Dynamical Similarity and Inspection and Dimensional Analysis
- Unit - 4 Exact Solutions of The Navier- Stoke's Equations
- Unit - 5 Stagnation point flow and flow due to a rotating disc
- Unit - 6 Unsteady Motion of Fluids
- Unit - 7 Starting Flow and Suction / Injection through porous walls
- Unit - 8 Temperature Distribution in Fluid Motion
- Unit - 9 Theory of very Slow Motion
- Unit - 10 Concept of Boundary Layer Theory
- Unit - 11 Velocity and Thermal Boundary Layer in Two dimensional Flow

Handwritten signature
 कक्षा सचिव
 कक्षा मुख्यालय
 कक्षा (विभाग)

Handwritten signature
 In 20

Unit - 12 Blasius - Topfer solution

NUMERICAL ANALYSIS(MT-08)

Unit - 1 Iterative Methods

Unit - 2 Chebyshev Method, Muller's Method,

Methods for Multiple and Complex Roots

Unit - 3 Solution of Polynomial Equations

Unit - 4 System of Simultaneous Equations

Unit - 5 Eigen Value Problems-I

Unit - 6 Eigen Value Problems - II

Unit - 7 Curve Fitting and Function Approximations

Unit - 8 Approximation of Functions by Taylor Series and Chebyshev Polynomials

Unit - 9 Numerical Solutions to Ordinary Differential Equations

LINEAR TRANSFORM AND LINEAR INTEGRAL(MT-09)

Unit No. Unit Name Page No.

Unit -1 Laplace Transform

Unit -2 The Inverse Laplace Transform

Unit -3 Solution of Ordinary Differential Equations with Constant and Variable Coefficients and the Solution of Boundary Value Problems by Laplace Transform

Unit -4 Fourier Transform

Unit -5 Mellin Transform

Unit -6 The Infinite Hankel Transform

Unit -7 Application of Fourier and Infinite Hankel Transform to the Solution of Simple Boundary Problems

Unit -8 Linear Integral Equation

Unit -9 Solution of General Integral Equations with Special Type of Kernels and by Integral Transform Method

Unit -10 Solution of Integral Equation of Second Kind by Successive

MATHEMATICAL PROGRAMMING(MT-10)

Unit - 1 Hyperplane and Convex Function

Unit - 2 Revised Simplex Method

Unit - 3 Integer Programming : Gomory's Algorithm

Handwritten signature
DR. M. S. RAO
PROFESSOR
M. S. RAO
M. S. RAO

Handwritten signature
D. S. RAO
T. S. RAO

Unit - 4 Integer Programming : Branch and Bound Algorithm

Unit - 5 Quadratic form and Lagrangian Function

Unit - 6 Non Linear Programming Problems

Unit - 7 Constrained Optimization in Nonlinear Programming Problems; 162-183

Kuhn-Tucker Conditions

Unit - 8 Quadratic Programming

Unit - 9 Quadratic Programming Problem and Duality Theorem in

Quadratic Programming

Unit - 10 Convex Separable Programming and Algorithm

Unit - 11 Dynamic Programming; Bellman's Optimality Principle

Unit - 12 Solution of Linear Programming Problem Using Dynamic Programming

Staff Requirement: 1 Assistant Professor and 1 Associate Professor

Procedure for admission ,curriculum transaction and evaluation:

Programme name	Eligibility	Duration		SLM	Mode of exam	Fee structure
		Min	Max			
Master of science (Mathematics) MSCMAT-12	B.sc with PCM/PGM	2	6	Hindi	Annual	First year =15,750 Second Year=15,750 Total=31,500

Requirement of the laboratory support and library Resources:

Library facility available in various study centres.

Cost Estimate of the programme and the provisions :

Activities	Units/pages	Amount(Rs)
1. Unit writing (@ Rs 6000/unit)	122	7,32,000
2. Typing (@20 per page)	3050 pages(per unit approx 25 pages)	61,000

Signature

28/8/21
मुख्य शिक्षक
मुख्य शिक्षक
मुख्य शिक्षक

3.Editing(@ Rs 3000/unit)	122unit	3,66,000
4.postal expenses(Approx)		5000
	Total	11,64,000

Quality Assurance mechanism and expected program outcomes:

The programme will help in the development of professionally skilled, in general, and in corporate sector, in particular.

The programme will be implemented through only those Government Degree Colleges/ Universities / Institutions which have facilities for conducting laboratory counseling. In addition to this University will organize Laboratory workshop in designated places once (year/semester) for additional back up to the students so that competent and skilled human resource is produced. Further, the Programme and SLM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

Programme outcomes:

- Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers

24/07/2019
मुख्य अधिकारी
मुख्य विद्यापीठ
मुंबई (महाराष्ट्र)

Signature
T. L. L.

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

एम. ए. राजनीति विज्ञान

कार्यक्रम के मिशन और उद्देश्य (Programme's mission & objectives):

राजनीति विज्ञान में परास्नातक कार्यक्रम को संचालित करने का उद्देश्य है कि प्रदेश के छात्रों मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से, अध्ययन का एक महत्वपूर्ण केंद्र प्राप्त हो सके। साथ ही उन्हें भी अवसर प्राप्त हो सके जो उच्च स्थान और संसाधन की सीमाओं के कारण राजनीति विज्ञान में परास्नातक कार्यक्रम में अध्ययन करने से वंचित रह गए थे।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the program with HELs Mission and Goals):

यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है। जहां एक ओर इसके अध्ययन के फलस्वरूप राजनीति विज्ञान के सैधांतिक पक्ष के विविध पहलुओं के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त होता है, तो देश के आंतरिक राजनीति के गत्यात्मक तत्वों और उसके आधार संविधान तथा प्रशासन के महत्वपूर्ण पक्षों, विशेषरूप से लोकतंत्र में प्रशासन की बदलती प्रकृति को समझने में भी सहायता प्राप्त होती है। देश के बाहर देश के साथ अन्य राष्ट्रों के बीच संबंधों के सैधांतिक और व्यावहारिक पक्ष को सहजता से समझ पाने में सक्षम होते हैं, जिससे देश के अन्य राष्ट्रों के बीच के संबंधों के प्रकट और अप्रकट, स्थाई और गत्यात्मक पक्षों को समझने में सहायता मिलती है। इस तरह से समझ में विस्तार से प्रदेश में एक जागरूक बुद्धिजीवी समाज के निर्माण को बल मिलता है जो अंततोगत्वा राष्ट्र की चैतन्यता में विस्तार करते हुए सक्षम नागरिकों के निर्माण में अपना योगदान देता है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इस कार्यक्रम को अपने अध्ययन केंद्रों के द्वारा संचालित करने के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले महिलाओं, पिछड़ों, अनुसूचित जाति के सदस्यों तथा अनुसूचित जाति के सदस्यों के साथ उन्हें भी शिक्षा का अवसर प्राप्त होता है जो कतिपय कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह गए थे।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners):

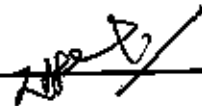
स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी इस कार्यक्रम में प्रवेश की पात्रता रखते हैं। प्रदेश में विशेष रूप से वे भी इसमें प्रतिभाग करते हैं जो हाईस्कूल स्तर के शिक्षक तो हैं परन्तु इंटर कालेज में प्रवक्ता पद पर उन्नति चाहते हैं।

मुक्त एवम दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence):

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से राजनीति विज्ञान में परास्नातक कार्यक्रम की उपयुक्तता के आधार -

- विषय की जानकारी हेतु प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को सुगमता प्रदान करना।
- अध्यापन शैली में लिखित सामग्री होने कारण विना कक्षा शिक्षण के ही अधिगम कराया जाना।
- छात्र और शिक्षक के बीच सामग्री में ही संवाद का उपस्थित होना।

5/13/20



निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design):

दूरस्थ शिक्षा के मैन्युअल के अनुरूप पाठ्यक्रमों की अधिसंरचना की जाती है जो इस प्रकार है। पाठ्यक्रम का मात्रात्मक मूल्य, विषय का संरचनागत प्रस्तुतीकरण किया जाता है। परास्नातक राजनीति विज्ञान के प्रथम वर्ष में चार पाठ्यक्रम ३२ श्रेयांक के तथा अंतिम वर्ष में पाँच पाठ्यक्रम ४० श्रेयांक के हैं।

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Year)		SLM	Mode of am (Annual / Sem)	Year/ Sem	Details Of Fee ()					
		Minimum	Maximum				Programme	Exam	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
Master of Art - Political Science (MAPS-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual	I	3000	600	50	100		3750
						II	3000	750	-	-	300	4050

Name and code of courses		
S.No.	एम0ए0 प्रथम वर्ष (राजनीतिक विज्ञान)	एम0ए0 द्वितीय वर्ष (राजनीतिक विज्ञान)
1	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत MAPS - 101 (Theory of International Politics)	भारतीय राजनीतिक चिंतन MAPS - 201 (Indian Political Thought)
2	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था MAPS - 102 (Indian Political System)	लोक प्रशासन के सिद्धांत MAPS - 202 (Theory of Public Administration)
3	पश्चात्य राजनीतिक चिंतन MAPS - 103 (Western Political Thought)	अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध 1945 से वर्तमान तक MAPS - 203 (International relations since 1945 to till now)
4	तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं MAPS - 104 (Comparative Politics and Political Institution)	भारत में लोक प्रशासन उत्तराखण्ड राज्य के विशेष सन्दर्भ में MAPS - 204 (Public Administration in India: Special Reference to State of Uttarakhand)
		निबंध (Essay) MAPS - 205

एम0ए0 प्रथम वर्ष (राजनीतिक विज्ञान)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त (एमएपीएस -101) खण्ड 1- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन विषय के रूप में विकास-अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र	द्वितीय प्रश्न-पत्र- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था (एमएपीएस -102) खण्ड 1- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था इकाई 1- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के मूल आधार इकाई 2- भारतीय संविधान की विशेषताएं

5/13/20

इकाई 2- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन के सिद्धान्त - आदर्शवादी, यथार्थवादी व नवयथार्थवादी इकाई 3- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त- मार्गन्थाऊ का यथार्थवाद, केनेथ वाल्ट्ज़ का यथार्थवाद इकाई 4- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का व्यवस्था सिद्धान्त-मार्टन काप्लान का व्यवस्था सिद्धान्त खण्ड 2- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन के उपागम इकाई 5- परम्परावादी, व्यवहारवादी इकाई 6- उदारवादी, नव-उदारवादी इकाई 7- मार्क्सवादी खण्ड 3- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की मूल संकल्पनाएँ इकाई 8- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में शक्ति की अवधारणा इकाई 9- राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, बदलते स्वरूप इकाई 10- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की भूमिका इकाई 11- विदेश नीति के निर्धारक तत्व खण्ड 4- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्र हित इकाई 12- राष्ट्र हित इकाई 13- राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि के साधन - कूटनीति, इकाई 14- राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि के साधन- युद्ध इकाई 15- राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि के साधन- प्रचार खण्ड 5- साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद नवउपनिवेशवाद शक्ति सन्तुलन व समूहिक सुरक्षा इकाई 16- साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद इकाई 17- नवउपनिवेशवाद- बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका के सन्दर्भ में इकाई 18- शक्ति सन्तुलन इकाई 19- समूहिक सुरक्षा की अवधारणा खण्ड 6- अन्तर्राष्ट्रीय कानून, संगठन, गुटनिरपेक्षता अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में नैतिकता तथा विश्व लोकमत इकाई 20- अन्तर्राष्ट्रीय विधि- अर्थ, प्रकृति और भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवम् अन्तर्राष्ट्रीय विधि का संबंध इकाई 21- अन्तर्राष्ट्रीय संगठन तथा विश्व सरकार की अवधारणा इकाई 22- गुटनिरपेक्षता- अर्थ, उद्देश्य, विशेषताएँ, प्रासंगिकता इकाई 23- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में नैतिकता की भूमिका इकाई 24- विश्व लोकमत तृतीय प्रश्न-पत्र- पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन (एमएपीएस -103) खण्ड 1- यूनानी राजनीतिक चिन्तन इकाई 1- प्लेटो से पूर्व का राजनीतिक चिन्तन-सोफिस्ट, सुक्रात, सिनिक्स, साइरेनेइक्स इकाई 2- प्लेटो	इकाई 3- मूल अधिकार, मूल कर्तव्य इकाई 4- राज्य के नीति निर्देशक तत्व इकाई 5- भारतीय संघ का स्वरूप खण्ड 2- संघ का शासन इकाई 6- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति इकाई 7- मंत्रिपरिषद, प्रधानमंत्री का पद एवं स्थिति एक समीक्षा इकाई 8- संसद: संगठन, शक्तियाँ इकाई 9- केन्द्र तथा राज्यों के पारस्परिक संबंध खण्ड 3- राज्य का शासन इकाई 10- राज्यपाल, मंत्रिपरिषद इकाई 11- मुख्यमंत्री, महाधिवक्ता इकाई 12- विधान मंडल खण्ड 4- न्यायपालिका इकाई 13- सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय- संगठन, कार्य, शक्तियाँ इकाई 14- भारतीय राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका, न्यायिक सक्रियता खण्ड 5- निर्वाचन आयोग, दलीय व्यवस्था, दबाव समूह इकाई 15- निर्वाचन आयोग संरचना, कार्य भूमिका इकाई 16- भारत में दलीय राजनीति इकाई 17- दल बदल की राजनीति इकाई 18- मिश्रित सरकारें- गठन और कार्यचालन, संभावनाएँ इकाई 19- भारत में दबाव समूह खण्ड 6- राजनीतिक प्रक्रियाएँ इकाई 20- भारतीय राजनीति में जातिवाद इकाई 21- अल्पसंख्यक तथा अनुसूचित जाति की राजनीति इकाई 22- भारत का राजनीतिक विशिष्ट वर्ग इकाई 23- भारत में धर्मनिरपेक्षता खण्ड 7- राजनीतिक आधुनिकीकरण, राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रीय एकीकरण और नक्सलवाद इकाई 24- भारत का राजनीतिक आधुनिकीकरण इकाई 25- भारत की राजनीतिक संस्कृति इकाई 26- राष्ट्रीय एकीकरण- बाधक तत्व, एकीकरण के उपाय इकाई 27- नक्सलवाद चतुर्थ प्रश्न-पत्र- तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएँ (एमएपीएस -104) खण्ड 1- तुलनात्मक राजनीति अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र और उपागम इकाई 1- तुलनात्मक राजनीति- अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र इकाई 2- तुलनात्मक राजनीतिक के परस्परगत उपागम

इकाई 3- अरस्तू इकाई 4- अरस्तू के बाद का चिन्तन- एपीक्यूरेयन और सिनिक सम्प्रदाय खण्ड 2- मध्यकालीन राजनीतिक चिन्तन-1 इकाई 5- सन्त अम्बोज, सन्त आगस्टाइन, ग्रेगरी महान इकाई 6- मध्य कालीन राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएँ इकाई 7- टॉमस एक्विनास, मार्सिलियो ऑफ पेडुआ खण्ड 3- मध्यकालीन राजनीतिक चिन्तन-2 इकाई 8- परिषदीय आन्दोलन इकाई 9- पुनर्जागरण इकाई 10- धर्मसुधार और प्रतिवादात्मक धर्म सुधार खण्ड 4- मैकियावेली, बॉदा और ग्रोसियस इकाई 11- मैकियावेली इकाई 12- बॉदा इकाई 13- ग्रोसियस खण्ड 5- सामाजिक अनुबंध सम्बन्धी विचारक इकाई 14- हॉब्स इकाई 15- लॉक इकाई 16- रूसो इकाई 17- माण्टेस्क्यू खण्ड 6- उपयोगितावादी विचारक इकाई 18- जरमी बेंथम इकाई 19- जॉन स्टुअर्ट मिल इकाई 20- जॉन आस्टिन खण्ड 7- आदर्शवादी विचारक इकाई 21- इमैनुअल कॉण्ट इकाई 22- जार्ज विल्हेल्म फ्रेडरिक हीगल इकाई 23- टॉमस हिल ग्रीन खण्ड 8- विज्ञानवाद, वैज्ञानिक समाजवाद इकाई 24- आगस्ट कौन्ट, हर्बर्ट स्पेंसर इकाई 25- कार्ल मार्क्स	इकाई 3- तुलनात्मक राजनीतिक के आधुनिक उपागम खण्ड 2- संविधानवाद, शासन के अंग इकाई 4- संविधान और संविधानवाद इकाई 5- व्यवस्थापिका- एक सदनीय, द्विसदनीय, व्यवस्थापिका का पतन इकाई 6- कार्यपालिका इकाई 7- न्यायपालिका खण्ड 3- शासन के रूप इकाई 8- एकात्मक, संघात्मक एवम् संघवाद की आधुनिक प्रवृत्तियाँ इकाई 9- संसदात्मक व अध्यक्षतात्मक इकाई 10- लोकतन्त्र- अर्थ, प्रकृति, सिद्धान्त इकाई 11- अधिनायकतन्त्र-अर्थ, प्रकृति खण्ड 4- व्यवस्था उपागम इकाई 12- व्यवस्था विश्लेषण - राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा इकाई 13- निवेश निर्गत विश्लेषण (डेविड ईस्टन) इकाई 14- संरचनात्मक प्रकार्यत्मक उपागम, आमण्ड खण्ड 5- राजनीतिक समाज विज्ञान की संकल्पनाएँ इकाई 15- राजनीतिक संचार इकाई 16- राजनीतिक विकास इकाई 17- राजनीतिक आधुनिकीकरण इकाई 18- राजनीतिक समाजीकरण इकाई 19- राजनीतिक संस्कृति खण्ड 6- तुलनात्मक राजनीति के विविध आयाम इकाई 20- राजनीतिक दल इकाई 21- दबाव समूह और राजनीति इकाई 22- प्रतिनिधित्व- अर्थ, प्रकृति, प्रतिनिधित्व के प्रकार इकाई 23- राजनीतिक अभिजन इकाई 24- शक्ति पृथक्करण एवम् अवरोध सन्तुलन
एम0ए0 द्वितीय वर्ष (राजनीतिक विज्ञान)	
प्रथम प्रश्न-पत्र- भारतीय राजनीतिक चिन्तन (एमएपीएस - 201) खण्ड 1- प्राचीन भारतीय चिन्तन परम्परा इकाई 1- प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएँ इकाई 2- वैदिक काल में राजनीतिक चिन्तन इकाई 3- महाकाव्यों में राजनीतिक चिन्तन इकाई 4- उत्तरवैदिक काल में राजनीतिक चिन्तन खण्ड 2- प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन इकाई 5- मनु इकाई 6- कौटिल्य	द्वितीय प्रश्न-पत्र- लोकप्रशासन के सिद्धान्त (एमएपीएस - 202) खण्ड 1- लोक प्रशासन के सिद्धान्त इकाई 1- लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, महत्व इकाई 2- लोक प्रशासन के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण इकाई 3- लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन इकाई 4- लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, नवीन लोक प्रबन्ध इकाई 5- लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध खण्ड 2- विकास प्रशासन व तुलनात्मक लोक प्रशासन इकाई 6- विकास प्रशासन अर्थ, विशेषताएँ, क्षेत्र

खण्ड 3- आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक इकाई 7- राजा राममोहन राय इकाई 8- गोपाल कृष्ण गोखले इकाई 9- बाल गंगाधर तिलक इकाई 10- स्वामी दयानन्द सरस्वती खण्ड 4- समकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतक-1 इकाई 11- स्वामी विवेकानन्द इकाई 12- अरविन्द घोष इकाई 13- महात्मा गांधी इकाई 14- सुभाष चन्द्र बोस इकाई 15- जवाहर लाल नेहरू इकाई 16- आचार्य विनोबा भावे खण्ड 5- समकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतक-2 इकाई 17- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी इकाई 18- दादाभाई नौरोज इकाई 19- विनायक दामोदर सावरकर इकाई 20- डॉ० भीम राव अम्बेडकर खण्ड 6- समाजवादी चिंतक इकाई 21- मानवेन्द्र नाथ राय इकाई 22- जय प्रकाश नारायण इकाई 23- आचार्य नरेन्द्र देव इकाई 24- डॉ० राम मनोहर लोहिया	इकाई 7- विकसित और विकासशील देशों में विकास प्रशासन इकाई 8- तुलनात्मक लोक प्रशासन अर्थ, क्षेत्र एवं अध्ययन के दृष्टिकोण इकाई 9- लोक प्रशासन एवं लोक नीति खण्ड 3- लोक प्रशासन में संगठन इकाई 10- संगठन-महत्व, अर्थ, औपचारिक संगठन, अनौपचारिक संगठन इकाई 11- संगठन की विचारधाराएँ- शास्त्रीय, मानव संबंध विषयक, व्यवस्था विचारधारा इकाई 12- संगठन के सिद्धान्त- पद सोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता इकाई 13- समन्वय, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण, केन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण खण्ड 4- संगठन की संरचना इकाई 14- मुख्य कार्यपालिका इकाई 15- सूत्र तथा स्टाफ इकाई 16- सूत्र अभिकरण- विभाग इकाई 17- सूत्र अभिकरण- लोक निगम, स्वतंत्र नियामकीय आयोग खण्ड 5- लोक प्रशासन पर नियंत्रण, प्रबन्ध और नेतृत्व इकाई 18- लोक प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी नियंत्रण, कार्यकारी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण इकाई 19- प्रबन्ध, अर्थ, प्रकृति, सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ इकाई 20- नेतृत्व, नीति निर्धारण तथा निर्णय करना खण्ड 6- नियोजन, नौकरशाही और लोकसेवा इकाई 21- नियोजन: अर्थ, प्रकार, नियोजन प्रक्रिया, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद इकाई 22- नौकरशाही -अर्थ, नौकरशाही के प्रकार, गुण, दोष, मैक्स बेबर की नौकरशाही इकाई 23- लोकसेवा का अर्थ, कार्य, भारत में आखिल भारतीय सेवाएँ, भारतीय प्रशासनिक सेवा खण्ड 7- बजट, लेखा परिक्षण और प्रदत्त विधि निर्माण इकाई 24- बजट- विधायी नियंत्रण का एक उपकरण - बजट का आर्थिक महत्व बजट निर्माण की प्रक्रिया (भारत में) इकाई 25- निष्पादन बजट, शून्य आधारित बजट, लोक लेखा समिति, अनुमान समिति इकाई 26- भारत में लेखा परीक्षण: नियंत्रक महालेखा परीक्षक इकाई 27- प्रदत्त विधि निर्माण
तृतीय प्रश्न-पत्र- अन्तर्राष्ट्रीय संबंध 1945 से वर्तमान तक (एमएपीएस - 203) खण्ड 1- अन्तर्राष्ट्रीय संबंध और द्वितीय विश्व युद्ध इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय संबंध- अर्थ, स्वरूप इकाई 2- द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण और प्रभाव	चतुर्थ प्रश्न-पत्र- भारत में लोक प्रशासन : उत्तराखण्ड राज्य के विशेष सन्दर्भ में (एमएपीएस - 204) खण्ड 1- परिचय इकाई 1- भारतीय प्रशासन इकाई 2- भारतीय प्रशासन का विकास

Page 132

इकाई 3- संयुक्त राष्ट्र संधि- उद्देश्य, संगठन, भूमिका, उपलब्धियाँ	इकाई 3- भारतीय प्रशासन की विशेषताएँ
खण्ड 2- शीत युद्ध	इकाई 4- भारतीय प्रशासन: सांस्कृतिक, सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं संवैधानिक पर्यावरण
इकाई 4- शीत युद्ध की उत्पत्ति तथा विकास	खण्ड 2- संघीय शासन
इकाई 5- तनाव शैथिल्य एवं इसका विश्वराजनीति पर प्रभाव	इकाई 5- राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति
इकाई 6- शीतयुद्ध का अन्त, नव शीत युद्ध तथा उसका विश्व राजनीति पर प्रभाव	इकाई 6- प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद
खण्ड 3- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के परिवर्तन	इकाई 7- संसद- लोक सभा, राज्य सभा
इकाई 7- गुटनिरपेक्षता- उद्देश्य, अर्थ, विशेषता एवं प्रासंगिकता	इकाई 8- मंत्रिमंडलीय सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय
इकाई 8- साम्यवादी गुट का बिखराव, यूरोप का पुनर्गठन	इकाई 9- राजनीति और प्रशासन में संबंध
इकाई 9- एशिया, अफ्रीका में विउपनिवेशीकरण एवं नये राज्यों का उदय एवम् विश्व राजनीति में भूमिका	खण्ड 3- उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन
खण्ड 4- विदेश नीति	इकाई 10- उत्तराखण्ड का इतिहास- प्रशासनिक सन्दर्भ में
इकाई 10- भारत की विदेश नीति	इकाई 11- उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन: एक पारिस्थिकी विश्लेषण
इकाई 11- संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति	इकाई 12- केन्द्र राज्य सम्बन्ध: विधायी और प्रशासनिक
इकाई 12- रूस की विदेश नीति	इकाई 13- भारत में केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध- उत्तराखण्ड के वित्तीय संदर्भ में
इकाई 13- साम्यवादी चीन की विदेश नीति	खण्ड 4- उत्तराखण्ड की प्रशासनिक संरचना
खण्ड 5- भारत और विश्व की प्रमुख शक्तियाँ	इकाई 14- राज्यपाल, मुख्यमंत्री
इकाई 14- भारत-रूस संबंध	इकाई 15- राज्य सचिवालय, मंत्रिमण्डलीय सचिवालय, मुख्य सचिव
इकाई 15- भारत-अमेरिका संबंध	इकाई 16- राज्य योजना आयोग
इकाई 16- भारत-चीन संबंध	इकाई 17- राज्य में प्रशासनिक सुधार
इकाई 17- भारत-जापान संबंध	खण्ड 5- उत्तराखण्ड में महत्वपूर्ण विभाग
खण्ड 6- भारत और पड़ोसी देश	इकाई 18- गृह विभाग, वित्त विभाग, आपदा विभाग
इकाई 18- भारत-पाकिस्तान संबंध	इकाई 19- उत्तराखण्ड में जनजातियाँ एवं जनजाति विकास हेतु प्रशासनिक तंत्र
इकाई 19- भारत-नेपाल संबंध, भारत-बंगलादेश संबंध	इकाई 20- आपदा प्रबन्धन
इकाई 20- भारत-श्रीलंका, भारत-म्यांमार संबंध, भारत-अफगानिस्तान संबंध	खण्ड 6- उत्तराखण्ड में कार्मिक प्रशासन
खण्ड 7- परमाणु नीति	इकाई 21- राज्य लोक सेवा आयोग
इकाई 21- भारत की परमाणु नीति- भारत अमेरिका असेन्य नाभिकीय सेन्य समझौता	इकाई 22- भर्ती, प्रशिक्षण(एटीआई के संदर्भ में) एवम् पदोन्नति
इकाई 22- निरस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण	इकाई 23- सांस्कृतिक एवम् भाषा विकास
इकाई 23- परमाणु अप्रसार संधि(एनपीटी), व्यापक परीक्षण प्रतिबन्ध संधि (सीटीबीटी)	खण्ड 7- स्थानीय स्वशासन
खण्ड 8- भारत और विभिन्न संगठन	इकाई 24- पंचायतीराज ७३ वां संवैधानिक संशोधन
इकाई 24- भारत - संयुक्त राष्ट्र संधि	इकाई 25- नगरीय स्थानीय शासन : ७४ वां संवैधानिक संशोधन
इकाई 25- भारत -सार्क	
इकाई 26- भारत आशियायन	
खण्ड 9- अन्तर्राष्ट्रीय संबंध में उभरती प्रवृत्तियाँ	
इकाई 27- हिन्द महासागर का सामरिक एवम् आर्थिक परिदृश्य	

579 13

इकाई 28- भूमंडलीकरण

इकाई 29- नव-अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था

पाँचवाँ प्रश्न-पत्र- निबंध (Essay)

(एमएपीएस - 205)

नोट: निर्बंधात्मक प्रश्न पत्र (MAPS-09) 100 अंकों का है। इसमें कोई सत्रीय कार्य (Assignment) नहीं दिया जाता है। इसमें दो खण्ड होते हैं। प्रथम खण्ड में एम.ए. प्रथम वर्ष के चारों प्रश्न पत्रों की पाठ्य सामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं। इसमें से आपको किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इसी प्रकार प्रश्न पत्र के द्वितीय खण्ड में एम.ए. द्वितीय वर्ष के चारों प्रश्न पत्रों की पाठ्य सामग्री में से कोई पाँच शीर्षक दिये जाते हैं जिसमें से भी आपको किसी एक शीर्षक पर 2500 शब्दों का एक निबंध लिखना होता है। इस प्रकार आपको प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की सम्पूर्ण सामग्री में से दो निबंध लिखने होते हैं।

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation):

स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी छात्र परास्नातक राजनीति विद्यालय में प्रवेश का पात्र है। पाठ्यक्रमों में समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन और परिवर्तन भी किया जाता है। वर्ष में दो बार ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रवेश की प्रक्रिया संचालित की जा रही। छात्रों को स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। सत्रीय कार्यों और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन सक्षम परीक्षकों द्वारा कराये जाते हैं।

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the laboratory support and Library Resources):

विषय से सम्बंधित समस्याओं के समाधान व निराकरण हेतु पुस्तकालय में सन्दर्भ पुस्तकें उपलब्ध हैं। अध्ययन केंद्र में भी इस तरह की सुविधा छात्रों को उपलब्ध कराई जाती है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the programme and the provisions):

9 प्रश्नपत्रों के लेखन में की लागत लगभग 19 लाख है। प्रति छात्र प्रिंटिंग पर आने वाला व्यय प्रथम वर्ष के चार पाठ्यक्रमों पर 600 रु है तथा द्वितीय वर्ष के पाँच पाठ्यक्रमों में लगभग 750 रु आते हैं।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम (Quality assurance mechanism and expected programme outcomes):

समय समय पर विषय के सक्षम विशेषज्ञों के द्वारा पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने के लिए कार्य किया जाता है। साथ ही अध्ययन सामग्री के लेखन में सावधानी बरतते ही सक्षम इकाई लेखकों के द्वारा विशिष्ट पाठ्य सामग्री का सरल भाषा में लेखन कराया जाता है। फलस्वरूप राजनीति विज्ञान के अध्येताओं को विषय का स्तरीय ज्ञान प्राप्त करने में सुविधा प्राप्त होती है। जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं। साथ ही नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा में भी जाते हुए दिखाई देते हैं।

579 13 km 2'8

2024

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

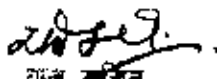
एम. ए. मनोविज्ञान कार्यक्रम

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's mission & objectives) - उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य मुख्यतः राज्य एवं राष्ट्र के विकास एवं उन्नयन के लिए शिक्षित प्रशिक्षित मानव संसाधनों का विकास करना है। यह उन लोगों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ती है जो किसी कारणवश (जैसे - समयाभाव, निर्धारित आयु सीमा का समाप्त होना आदि) अपनी शिक्षा को पूर्ण नहीं कर पाए या औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके।

यह विश्वविद्यालय विशेषकर उन वंचित समूहों (जैसे-महिलायें, अनु. जाति, अनु. जनजाति, अल्पसंख्यक व निम्न आय वर्ग के लोग) को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता करता है जो कि समाज में व्याप्त असमानता के कारण उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से कटे हुए हैं। इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य समय एवं स्थान की बाधयता से मुक्त कर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of the program with HEI's Mission and Goals) वर्तमान में अनेक विद्यालयों, अस्पतालों, सेवा क्षेत्र के संगठनों और उद्योगों के साथ साथ स्वैच्छिक कल्याण एजेंसियां और सुधार कार्य से जुड़े संस्थान मानव व्यवहार की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान करने के लिए मनोवैज्ञानिकों की मांग कर रहे हैं जिस वजह से एम0 ए0 मनोविज्ञान की उपाधि की मांग बढ़ती जा रही है। प्रत्येक विद्यालय को समस्याग्रस्त बच्चों के साथ-साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिये मनोवैज्ञानिक सलाहकार की आवश्यकता होती है। इसके अलावा अनेक पुनर्वास केन्द्रों की सम्पूर्ण देश में स्थापना की जा रही है ये केन्द्र मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक विकलांगता से जुड़े हुए हैं और अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन्हें तत्काल एम0 ए0 उपाधिधारक मनोवैज्ञानिकों की जरूरत है। अतः इस आवश्यकता की पूर्ति एवम उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को कम लागत पर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को पुनः आरम्भ करने की बहुत आवश्यकता है।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners) यह कार्यक्रम विभिन्न लोगों, जैसे- नये स्नातक विद्यार्थियों और साथ ही साथ रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक लोगों और पहले से कार्यरत मनोविज्ञान में आवश्यक शैक्षिक योग्यता न रखने वाले लोगों की आवश्यकता की पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होगा।


मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विभागाध्यक्ष)



मुक्त एवमं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence) शिक्षार्थी मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर होने के उपरान्त उच्च शिक्षा में अपनी सेवाएँ देने के लिए तथा मनोविज्ञान के क्षेत्र में शोध के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। मनोविज्ञान के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी मनोविज्ञान के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। एक कुशल मनोवैज्ञानिक के तौर पर समाज में अपनी सेवाएँ दे सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design) मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 8 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं; अतः प्रत्येक शिक्षार्थी को स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान 72 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम तीन और अधिकतम पांच इकाईयाँ हैं। स्नातकोत्तर स्तर के प्रथम वर्ष में कुल पांच प्रश्न-पत्र हैं, जिनमें से चार प्रश्न-पत्र- मनोवैज्ञानिक शोध विधियाँ, सांख्यिकीय एवं मनोवैज्ञानिक मापन, संज्ञनात्मक मनोविज्ञान: मौलिक प्रक्रियाएँ और सामाजिक एवं सांस्कृतिक मनोविज्ञान व पांचवा प्रश्न पत्र प्रयोगात्मक है। और द्वितीय वर्ष में कुल पांच प्रश्न-पत्र हैं, जिनमें से चार प्रश्न-पत्र व्यक्तित्व: सिद्धान्त एवं मूल्यांकन, नैदानिक मनोविज्ञान, विकासात्मक मनोविज्ञान और निर्देशन एवं परामर्श व पांचवा प्रश्न पत्र प्रयोगात्मक है। स्नातकोत्तर स्तर पर मनोविज्ञान कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छः वर्ष है। मनोविज्ञान संकाय के लिए सहायक अकादमिक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। मनोविज्ञान में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

कार्यक्रम: एम. ए. मनोविज्ञान प्रथम वर्ष

एमए01 प्रथम वर्ष	
प्रथम प्रश्न-पत्र- मनोवैज्ञानिक शोध विधियाँ (एमएपीएसवाई -101) खण्ड 1: मनोवैज्ञानिक शोध:- अर्थ, स्वरूप एवं विषय- क्षेत्र इकाई 1. मनोवैज्ञानिक शोध का अर्थ एवं विशेषताएँ इकाई 2. मनोवैज्ञानिक शोध:- स्वरूप एवं विषय-क्षेत्र इकाई 3. मनोवैज्ञानिक शोध का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य खण्ड 2: मनोवैज्ञानिक शोध के प्रकार इकाई 4. मौलिक एवं व्यावहारिक शोध इकाई 5. प्रयोगात्मक एवं सह-संबंधीय शोध इकाई 6. एक्स-पोस्ट फैक्टो शोध खण्ड 3: शोध समस्या एवं उपकल्पना इकाई 7. शोध समस्या की परिभाषा एवं चयन की कसौटियाँ	द्वितीय प्रश्न-पत्र- सांख्यिकीय एवं मनोवैज्ञानिक मापन (एमएपीएसवाई -102) खण्ड 1: सांख्यिकीय संप्रत्याय इकाई 1. सांख्यिकी:- अर्थ, उपयोग एवं मनोवैज्ञानिक मापन में सांख्यिकी का महत्व इकाई 2. विवरणात्मक सांख्यिकी तथा उसके उपयोग इकाई 3. अनुमानात्मक सांख्यिकी तथा उसके उपयोग, विवरणात्मक व अनुमानात्मक सांख्यिकी में अन्तर खण्ड 2: सामान्य सम्भाव्यता वक्र इकाई 4. सामान्य सम्भाव्यता वक्र की प्रकृति तथा विशेषताएँ इकाई 5. सामान्य सम्भाव्यता वक्र के अनुप्रयोग इकाई 6. असामान्य सम्भाव्यता वक्र के अनुप्रयोग

Soedg

इकाई 8. शोध उपकल्पना:- अर्थ एवं प्रकार इकाई 9. उपकल्पना के स्रोत एवं एक अच्छी उपकल्पना की विशेषताएँ खण्ड 4: प्रतिदर्शन प्रक्रिया एवं प्रविधियाँ इकाई 10. एक अच्छे प्रतिदर्शन का अर्थ, विशेषता, आकार एवं विश्वसनीयता इकाई 11. संभाव्यता प्रतिदर्शन:- सरल एवं स्तरीकृत यादृच्छित प्रतिदर्शन इकाई 12. गैर संभावित प्रतिदर्शन:- प्रासांगिक, कोटा एवं हिमकन्दु प्रतिदर्शन खण्ड 5: चर एवं उसका मापन इकाई 13. चर:- अर्थ एवं प्रकार इकाई 14. चरों का नियंत्रण इकाई 15. मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का स्वरूप एवं प्रकार खण्ड 6: शोध अभिकल्प एवं रणनीति इकाई 16. शोध अभिकल्प:- अर्थ एवं उद्देश्य इकाई 17. शोध अभिकल्प के प्रकार:- अन्तःसमूह, अन्तर समूह एवं कारकीय इकाई 18. प्रदत्त संग्रहण की प्रविधियाँ:- अवलोकन, प्रश्नावली, साक्षात्कार, श्रेणी मूल्यांकन, चिह्नांकन-सूची, समाजमिति खण्ड 7: प्रतिवेदन लेखन इकाई 19. शोध प्रस्ताव की तैयारी इकाई 20. शोध प्रतिवेदन लेखन	खण्ड 3: सहसंबंध विधियाँ इकाई 7. सहसम्बन्ध गुणांक:- अर्थ, महत्व और विधियाँ (गुणा परिघात एवं क्रम अन्तर) इकाई 8. द्विपाक्षिक सहसम्बन्ध एवं बिन्दु द्विपाक्षिक सहसम्बन्ध गुणांक; आसंग गुणांक खण्ड 4: उपकल्पना परीक्षण की सांख्यिकीय प्रविधियाँ इकाई 9. क्रान्तिक अनुपात, टी परीक्षण एवं प्रसरण-विश्लेषण इकाई 10. काई-वर्ग एवं मध्यांक परीक्षण इकाई 11. सार्थकता स्तर, स्वतन्त्रता के अंश तथा प्रथम एवं द्वितीय प्रकार की त्रुटि खण्ड 5: मनोवैज्ञानिक मापन का स्वरूप इकाई 12. मापन:- अर्थ एवं उद्देश्य; मूल्यांकन एवं मापन में अन्तर इकाई 13. गुणात्मक एवं मात्रात्मक मापन इकाई 14. मनोवैज्ञानिक मापन के विभिन्न स्तर (शाब्दिक स्तर, क्रमिक स्तर, अंतराल स्तर एवं अनुपात स्तर) खण्ड 6: परीक्षण निर्माण इकाई 15. परीक्षण निर्माण के चरण:- पद का लेखन, चयन एवं विश्लेषण इकाई 16. पदों का कठिनता स्तर एवं विभेदन शक्ति खण्ड 7: परीक्षण की विश्वसनीयता एवं वैधता इकाई 17. विश्वसनीयता: अर्थ एवं प्रकार इकाई 18. परीक्षण की विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियाँ इकाई 19. वैधता: अर्थ एवं प्रकार इकाई 20. परीक्षण की वैधता ज्ञात करने की विधियाँ खण्ड 8: परीक्षण मानकीकरण इकाई 21. परीक्षण मानकीकरण:- अर्थ, महत्व एवं विशेषताएँ इकाई 22. प्रतिमान प्राप्ति के प्रकार एवं उपयोग इकाई 23. मानको के विकास की कसौटियाँ
तृतीय प्रश्न-पत्र- संज्ञानात्मक मनोविज्ञान: मौलिक प्रक्रियाएँ (एमएपीएसवाई -103) खण्ड 1: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान:- स्वरूप एवं विषय-क्षेत्र इकाई 1. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इकाई 2. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान का विषय-क्षेत्र इकाई 3. संज्ञानात्मक मनोविज्ञान की विधियाँ खण्ड 2: मनोभौतिकी इकाई 4. मनोभौतिकी का अर्थ; बेबर एवं फेकनर का नियम इकाई 5. अवसीमा का संप्रत्य एवं सैद्धान्तिक दृष्टिकोण इकाई 6. अवसीमा का प्राचीन (संकेत संज्ञान) सिद्धान्त इकाई 7. मनोभौतिकी की विधियाँ:- प्राचीन व आधुनिक खण्ड 3: अवधान एवं प्रत्यक्षण प्रक्रियाएँ	चतुर्थ प्रश्न-पत्र- सामाजिक एवं सांस्कृतिक मनोविज्ञान (एमएपीएसवाई -104) खण्ड 1: सामाजिक व्यवहार के नियम इकाई 1. सामाजिक व्यवहार का अवबोधन-अनुकरण, सुझाव एवं सहानुभूति इकाई 2. सामाजिक मनोविज्ञान का स्वरूप, विषय-क्षेत्र एवं सार्थकता इकाई 3. सामाजिक व्यवहार की अध्ययन विधियाँ- अवलोकन, सर्वेक्षण, व्यक्ति अध्ययन, समाजमिति एवं प्रयोगात्मक खण्ड 2: अभिवृत्ति एवं उसका मापन इकाई 4. अभिवृत्ति का अर्थ, स्वरूप एवं अवयव इकाई 5. अभिवृत्ति का विकास एवं उसका मापन

इकाई 8. अवधान:- स्वरूप, प्रकार, सिद्धान्त; अवधान में भंग एवं परिवर्तन	इकाई 6. अभिवृत्ति परिवर्तन के सिद्धान्त एवं क्रमिक खण्ड 3: पूर्वाग्रह, विभेद एवं साम्प्रदायिकता
इकाई 9. प्रत्यक्षीकरण:- स्वरूप, सिद्धान्त (आकार एवं पृष्ठभूमि) एवं इसको प्रभावित करने वाले कारक	इकाई 7. पूर्वाग्रह का अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार
इकाई 10. गहराई प्रत्यक्षीकरण, प्रतिरूप प्रतिभिज्ञान, प्रत्यक्षात्मक स्थिरता:- चमक, आकार एवं रूप	इकाई 8. पूर्वाग्रह के कारण; पूर्वाग्रह, विभेद एवं रूढ़िवृत्ति में अंतर
इकाई 11. भ्रम एवं उसके सिद्धान्त	इकाई 9. पूर्वाग्रह कम करने की विधियाँ, भारत में साम्प्रदायिकता
खण्ड 4: अधिगम एवं स्मृति	खण्ड 4: समूह गतिकी
इकाई 12. अधिगम का स्वरूप एवं प्रकार, मौखिक अधिगम की विधियाँ	इकाई 10. समूह का अर्थ, प्रकार, संरचना एवं कार्य
इकाई 13. प्राचीन एवं नैमित्तिक अनुबंधन, सीखने के सिद्धान्त:- हल, टॉलमैन एवं गथरी	इकाई 11. समूह प्रभावकता व समूह समप्रता:- आशय एवं निर्धारक तत्व
इकाई 14. स्मृति के प्रकार- अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन स्मृति (अर्थगत एवं प्रासंगिक स्मृति)	इकाई 12. सामाजिक संबर्द्धन, जन-संस्कृति, सामाजिक श्रमावनयन, अवैयक्तिकरण
इकाई 15. पृष्ठमुख अवरोध एवं उसके सिद्धान्त	खण्ड 5: संस्कृति एवं व्यक्तित्व
खण्ड 5: चिन्तन एवं समस्या समाधान	इकाई 13. संस्कृति का अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार
इकाई 16. चिन्तन का स्वरूप एवं प्रकार; चिन्तन में मानसिक वृत्ति की भूमिका, भाषा एवं चिन्तन	इकाई 14. संस्कृति एवं व्यक्तित्व में सम्बन्ध, व्यक्तित्व विकास पर संस्कृति का प्रभाव
इकाई 17. चिन्तन के सिद्धान्त	इकाई 15. राष्ट्रीय चरित्र:- अर्थ एवं सिद्धान्त
इकाई 18. निगमनात्मक एवं आगमनात्मक तर्कना, समस्या समाधान के उपागम एवं चरण, कक्षा-कक्ष समस्या समाधान	इकाई 16. नेतृत्व का अर्थ, स्वरूप, उत्पत्ति एवं विशेषता; सत्तावादी एवं प्रजातान्त्रिक नेतृत्व में अन्तर
खण्ड 6: बौद्धिक प्रक्रियाएँ	खण्ड 6: सामाजिक समस्याएँ
इकाई 19. बुद्धि का स्वरूप एवं सिद्धान्त, मानसिक आयु का सम्प्रत्यय एवं बुद्धि लब्धि	इकाई 17. सामाजिक समस्याओं का अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार
इकाई 20. संवेग का स्वरूप एवं सिद्धान्त, संवेग में होने वाले शारीरिक परिवर्तन, सांवेगिक बुद्धि	इकाई 18. निरक्षरता, गरीबी एवं बेरोजगारी
इकाई 21. उत्तेजना एवं समस्थिति, अर्न्तनोद- हास सिद्धान्त, अर्जित निस्सहायता	इकाई 19. जनसंख्या विस्फोट, लैंगिक पक्षपात, आधुनिकीकरण एवं शहरीकरण
प्रयोगात्मक कार्य (एमएपीएसवाई - 105)	
समूह-ए (परीक्षण)	समूह-बी (प्रयोग)
1. बुद्धि परीक्षण: शाब्दिक बुद्धि परीक्षण	1. शाब्दिक अधिगम
2. निष्पादन बुद्धि परीक्षण	2. मूलर लॉयर भ्रम
3. व्यक्तित्व परीक्षण: व्यक्तित्व का प्रक्षेपण परीक्षण	3. भूलभुलैया सीखना / प्रतिस्थापन सीखना
4. व्यक्तित्व का वस्तुनिष्ठ परीक्षण	4. वेबर के नियम का सत्यापन
5. संवेगात्मक बुद्धि मापन	5. प्रतिक्रिया काल - सरल और जटिल
6. इरिक्सन इगो आइडेंटिटी स्केल	6. अवरोध (पृष्ठोन्मुख एवं अग्रोन्मुख)
	7. तात्कालिक स्मृति विस्तार
एमएपीएसवाई द्वितीय वर्ष	

Seema

प्रथम प्रश्न-पत्र- व्यक्तित्व: सिद्धान्त एवं मूल्यांकन
(एमएपीएसवाई - 201)

खण्ड 1 : परिचय

इकाई 1. व्यक्तित्व:- परिभाषा, प्रकृति, उत्पत्ति एवं विशेषताएँ;
व्यक्तित्व के सिद्धान्त : प्रकार एवं शीलगुण

इकाई 2. व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व विकास की अवधारणा;
व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 3. व्यक्तित्व का मूल्यांकन; व्यक्तित्व परीक्षण और इसके महत्वपूर्ण मुद्दे

खण्ड 2 : व्यक्तित्व के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त

इकाई 4. व्यक्तित्व के मनोगत्यात्मक सिद्धान्त:- फ्रायड, एरिकसन, होरेने, सुलिबन

इकाई 5. व्यक्तित्व के सामाजिक मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त (अल्फ्रेड एडलर, एरिक प्रोम, जेन हॉर्नी), बेंडुरा का व्यक्तित्व का सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धान्त

इकाई 6. व्यक्तित्व के अधिगम सिद्धान्त (पैवलोव एवं स्कीनर), मानवतावादी एवं स्व सिद्धान्त (मेसलो, रोजर्स)

इकाई 7. व्यक्तित्व का डोलाई एवं मिलर सिद्धान्त

खण्ड 3 : व्यक्तित्व सिद्धान्त II

इकाई 8. व्यक्तित्व के प्रकार एवं शीलगुण सिद्धान्त; प्रकार एवं शीलगुण में अन्तर, व्यक्तित्व के लिए शीलगुण दृष्टिकोण

इकाई 9. ऑलपोर्ट का शीलगुण सिद्धान्त, व्यक्तित्व का टाइप A एवं टाइप B सिद्धान्त, व्यक्तित्व के शीलगुण सिद्धान्त

इकाई 10. आइसेक व्यक्तित्व सिद्धान्त एवं व्यक्तित्व के पाँच बड़े सिद्धान्त

खण्ड 4 : व्यक्तित्व का मूल्यांकन

इकाई 11. व्यक्तित्व मूल्यांकन के उपागम (आत्म-विवरण, प्रक्षेपी एवं व्यवहार मूल्यांकन) और इनकी प्रतिक्रियाओं की समस्या

इकाई 12. व्यवहार मूल्यांकन और व्यक्तित्व के अन्य माप (क्यु-सार्ट प्रविधि)

खण्ड 5: व्यक्तित्व एवं मनोविकृति विज्ञान

इकाई 13. सीमान्तरेखीय व्यक्तित्व विकृति, आत्ममोही व्यक्तित्व विकृति, अंतराबंध विकृति एवं स्थिर व्यामोही व्यक्तित्व विकृतियों का परिचय

इकाई 14. मनोस्नायु विकृति के कारण एवं उपचार: चिंता, दुर्भीति, मनोप्रस्तता बाध्यता विकृति, रूपांतर हिस्ट्रिया एवं मनोविच्छेदी विकृति

इकाई 15. मनोविकृति के कारण एवं उपचार: मनोविदलता, व्यामोह एवं भावात्मक विकृति

इकाई 16. चिकित्सा के समकालीन दृष्टिकोण:- व्यवहारवादी,

द्वितीय प्रश्न-पत्र- नैदानिक मनोविज्ञान

(एमएपीएसवाई - 202)

खण्ड 1: नैदानिक मनोविज्ञान

इकाई 1. नैदानिक मनोविज्ञान: प्रकृति एवं विकास, नैदानिक मनोवैज्ञानिक की गतिविधियाँ, नैदानिक मनोविज्ञान एवं अन्य संबंधित क्षेत्र, असामान्य एवं नैदानिक मनोविज्ञान में अन्तर

इकाई 2. व्यावसायिक प्रशिक्षण, विनियमन एवं नैतिक नियम

इकाई 3. नैदानिक मनोविज्ञान एवं नैदानिक मूल्यांकन की अध्ययन विधियाँ:- साक्षात्कार, व्यक्ति इतिहास विधि एवं मानसिक स्थिति का परीक्षण

खण्ड 2: निदान एवं उपचार

इकाई 4. निदान : अर्थ एवं वर्गीकरण का उद्देश्य; DSM-IV: विकृति या असामान्यता का वर्गीकरण

इकाई 5. मनोचिकित्सा: अर्थ एवं प्रकृति, हस्तक्षेप के मॉडल एवं मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा

इकाई 6. व्यवहार चिकित्सा: क्रमबद्ध असंवेदीकरण, संज्ञानात्मक-व्यवहार, रोगी-केन्द्रित, गेस्टाल्ट एवं अस्तित्ववादी चिकित्सा

खण्ड 3: मनोविकृति - विज्ञान

इकाई 7. चिंता विकृतियाँ:- भीषिका, दुर्भीति, सामान्यीकृत चिंता; मनोप्रस्तता-बाध्यता एवं उत्तर आघातीय तनाव विकृति

इकाई 8. मनोविदलता: अर्थ, लक्षण एवं प्रकार; स्थिर-व्यामोही विकृतियाँ एवं व्यामोही विकृतियाँ, स्थिर-व्यामोह के लक्षण, हेतुकी एवं उपचार

इकाई 9. व्यक्तित्व विकृतियाँ : अर्थ, स्वरूप, प्रकार, कारक एवं उपचार

खण्ड 4: संज्ञानात्मक विकृतियाँ एवं चिकित्सा

इकाई 10. संज्ञानात्मक विकृति (स्मृतिलोप, उन्माद एवं मनोभ्रंश) के स्वरूप; अल्जाइमर के प्रकार, मनोभ्रंश, अन्य मेडिकल अवस्थाओं से उत्पन्न मनोभ्रंश

इकाई 11. मानवतावादी - अनुभवात्मक और फ्रायडियन मनोविश्लेषण चिकित्सा एवं इनके लक्षण; अहं-विश्लेषक, वस्तु-संबंध और अन्तर्वैयक्तिक मनोगत्यात्मक चिकित्सा

इकाई 12. सामूहिक चिकित्सा : अर्थ, प्रक्रिया, उपागम एवं मूल्यांकन; पारिवारिक चिकित्सा : अर्थ, लक्ष्य, प्रकार, समस्याएँ एवं मूल्यांकन

खण्ड 5: नैदानिक हस्तक्षेप

इकाई 13. नैदानिक हस्तक्षेप:- अर्थ, लक्ष्य एवं प्रकार; सहायता प्रक्रिया:- एक व्यक्ति और व्यावसायिक के रूप में नैदानिक मनोवैज्ञानिक, एक चिकित्सक के कौशल: सुनना, नेतृत्व एवं

Handwritten signature

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

Handwritten signature

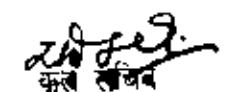
मनोविश्लेषण एवं मानवतावादी	सामना इकाई 14. चिकित्सक द्वारा मुद्दों का सामना करना, सीखने की सीमाएं : स्थानांतरण एवं प्रति-स्थानांतरण, यथार्थवादी लक्ष्यों की स्थापना करना, भिड़त समूह चिकित्सा : प्रकार एवं प्रभावशीलता इकाई 15. हस्तक्षेप:- मनो-अभिनय, योग एवं ध्यान, कूटभेषज, जैविक प्रतिपुष्टि, स्वीकारात्मक प्रशिक्षण, दृढ़ शाही चिकित्सा
तृतीय प्रश्न-पत्र- विकासात्मक मनोविज्ञान (एमएपीएसवाई - 203) खण्ड 1: जीवन विकास : परिचय इकाई 1. जीवन विकास: परिभाषा, संकल्पना, सिद्धान्त एवं विशेषताएँ, अभिवृद्धि एवं विकास में अंतर इकाई 2. मानव विकास के सिद्धान्त : मनोविश्लेषणात्मक (फ्राइड एवं इरिकसन), मानवतावादी (मेस्लो एवं रोजर्स) और व्यवहारवादी (पॉवलव एवं स्किनर) इकाई 3. प्रसवकालीन विकास: प्रसवकालीन, प्रसूति-पूर्व एवं प्रसव के बाद का विकास खण्ड 2: पूर्व एवं उत्तर बाल्यावस्था के दौरान विकास इकाई 4. शारीरिक, क्रियात्मक एवं मनोसामाजिक विकास इकाई 5. प्रत्यक्षतात्मक विकास, भाषा विकास एवं वाणी विकास एवं संज्ञानात्मक विकास इकाई 6. प्रारम्भिक वर्षों में सम्बंध - संलग्नता सिद्धांत एवं बच्चे के खेलन का अभ्यास इकाई 7. विकासात्मक विकृति की जाँच एवं निर्धारण, अधिगम विकृति एवं वाणी विकृति खण्ड 3: किशोरावस्था में विकास इकाई 8. किशोरावस्था की विशेषताएँ, किशोरावस्था में शारीरिक विकास एवं समायोजन इकाई 9. किशोरावस्था के दौरान सामाजिक बदलाव- पहचान, आत्म-संप्रत्यय एवं आत्म-सम्मान इकाई 10. यौन-रुचि एवं व्यवहार, परिवार एवं साथी-समूह के साथ संबंध खण्ड 4: पूर्व युवावस्था के दौरान विकास इकाई 11. पूर्व युवावस्था की विशेषताएँ एवं विकास कार्य (व्यक्तित्व एवं सामाजिक) इकाई 12. युवावस्था में रुचि में परिवर्तन और व्यक्तिगत एवं सामाजिक उत्पन्न इकाई 13. व्यावसायिक, पारिवारिक, वैवाहिक एवं पितृत्व या मातृत्व हेतु समायोजन; वैवाहिक जीवन में समायोजन का	चतुर्थ प्रश्न-पत्र- निर्देशन एवं परामर्श (एमएपीएसवाई - 204) खण्ड 1: निर्देशन एवं परामर्श का परिचय इकाई 1. निर्देशन: संप्रत्यय, सिद्धान्त, मान्यताएँ, मुद्दे एवं समस्याएँ, निर्देशन की आवश्यकता, कार्य-क्षेत्र एवं महत्व, निर्देशन के प्रकार इकाई 2. निर्देशन एवं परामर्श में परामर्शदाता की भूमिका और एक अच्छे परामर्शदाता की विशेषताएँ इकाई 3. परामर्श के सैद्धांतिक दृष्टिकोण, निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम की तर्कसंगतता एवं उद्देश्य इकाई 4. निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन व मूल्यांकन और परामर्श में नैतिकता खण्ड 2: परामर्श : मॉडल एवं दृष्टिकोण इकाई 5. मनोविश्लेषण, मनोगत्यात्मकता, मन: चिकित्सा इकाई 6. व्यवहार व संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा और परामर्श हेतु दृष्टिकोण इकाई 7. परामर्श में नाटक, कला एवं अन्य चिकित्सा:- व्यक्ति और समाधान केंद्रित परामर्श खण्ड 3: परामर्श में हस्तक्षेप एवं मूल्यांकन इकाई 8. परामर्श के उद्देश्य, परिवार और समूह परामर्श; एक परामर्शदाता के रूप में शिक्षक इकाई 9. साक्षात्कार, व्यक्तिवृत्त विधि, परीक्षण इकाई 10. मूल्यांकन एवं परामर्श के लिए संज्ञानात्मक, व्यक्ति-केंद्रित एवं वर्णनात्मक दृष्टिकोण खण्ड 4: परामर्श के प्रकार इकाई 11. निर्देशित, गैर निर्देशित एवं चयनात्मक (साप्राही) परामर्श; बाल संरक्षण और बाल अधिकार परामर्श इकाई 12. परामर्श:- समाधान-केंद्रित, एकीकृत, एच आई बी /एड्स और लत/चिंता इकाई 13. अवसाद, व्यक्तित्व और लिंग पहचान विकृति के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार संशोधन (तनाव संरोपण, आत्म-अनुदेशात्मक, आत्म प्रबंधन, समस्या समाधान)

५०४

मूल्यांकन खण्ड 5: मध्यम आयु और वृद्धावस्था के दौरान विकास इकाई 14. मध्यावस्था एवं वृद्धावस्था: विशेषताएँ, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक परिवर्तन इकाई 15. मध्यावस्था (व्यावसायिक) और वृद्धावस्था (सेवानिवृत्ति और पारिवारिक) के दौरान समायोजन इकाई 16. युवावस्था, मध्यावस्था एवं वृद्धावस्था के सम्बन्ध में इरिक्सन की संकल्पना; सफल वृद्धावस्था के संप्रत्यय एवं मृत्यु और मरण के प्रति अभिवृत्ति; वृद्धाश्रमों का योगदान एवं भूमिका	खण्ड 5: परामर्श और मार्गदर्शन का आयोजन और मविष्य के दिशा-निर्देश इकाई 14. निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम:- उद्देश्य, आयोजन और विकास इकाई 15. निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम का मूल्यांकन इकाई 16. परामर्श के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण, भविष्य में शोध हेतु दिशा-निर्देश
प्रयोगात्मक कार्य (एमएपीएसवाई - 205)	
समूह-ए (परीक्षण) 1. प्रलेपण परीक्षण: टी ए टी (कथानक संप्रत्यक्षण परीक्षण), वाक्य पूर्ति परीक्षण, शब्द साहचर्य परीक्षण 2. व्यक्तित्व परीक्षण: आइजेंक व्यक्तित्व प्रश्नावली, आइजेंक माइसले व्यक्तित्व अनुसूची, टाइप ए और टाइप बी व्यवहार प्रतिमान 3. व्यक्तित्व अनुसूची: 16 पी. एफ. (सोलह व्यक्तित्व कारक) प्रश्नावली, पोटर एवम कैटल की सीपीक्यू (चिलड्रेन'स पर्सनैलिटी क्वेश्चनैर) 4. बुद्धि मापनी: डब्ल्यू ए आई एस (बैश्वर वयस्क बुद्धि परीक्षण), ई आई आई (संवेगात्मक बुद्धि मापनी), जे. सी. रेवन'स एडवांस प्रोग्रेसिव मैट्रिक 5. अवधान का विस्तार 6. पञ्च आयामी धार्मिकता मापनी (जोशी एवं जोशी) 7. शैक्षिक रुचि अनुसूची	समूह-बी (प्रयोग) 1. अधिगम परीक्षण (दर्पण आलेख), युष्मित साहचर्य अधिगम, सीखने में स्थानांतरण 2. समस्या समाधान 3. मनोभौतिकी विधियाँ (कोई एक) 4. प्रेरणा एवं निष्पादन, ध्यान का विभाजन 5. बहु विकल्पी समस्याएं 6. परिणाम के ज्ञान का प्रभाव

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)- मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रिया है। स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में ₹0 4250 और द्वितीय वर्ष में ₹0 4550 शुल्क लिया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क माफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the laboratory support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है,


 कुल सचिव
 उच्चतम मध्यम विश्वविद्यालय
 इलाहाबाद (मैमिताल)


 कुल सचिव

जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन-केन्द्र में भी पुस्तकालय की उपलब्धता है। प्रयोगात्मक कार्य हेतु विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों पर वर्ष में एक बार 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रथम-एवम द्वितीय वर्ष मनोविज्ञान के प्रयोगों पर व्याख्यान दिया जाता है तथा शिक्षार्थियों को प्रयोग को प्रशिक्षित करना सिखाया जाता है साथ ही प्रयोगात्मक कार्य की फाइल तैयार करवाई जाती है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the programme and the provisions)- मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण के लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु लगभग 15 लाख रुपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-सूत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम (Quality assurance mechanism and expected programme outcomes) मनोविज्ञान के विभिन्न प्रत्ययों एवम साहित्य के आलोचनात्मक चिंतन व विश्लेषण करने की क्षमता का विकास होगा। स्थानीय, राष्ट्रीय स्तर पर समुदायिकता का निर्माण करने वाले मूल्यों का विकास होगा एवम पारस्परिक संबंध बनाने और उन्हें ठन्नत करने की क्षमता का विकास होगा। व्यवसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये मनोवैज्ञानिक सामग्री एवम कौशल लागू करने की क्षमता का विकास होगा।

Seeds

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the programme and the provisions)- लोक प्रशासन कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु प्रत्येक इकाई में 8 हजार रुपये की लागत से लगभग 9 लाख 60 हजार रुपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।

लोक प्रशासन (स्नातकोत्तर)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's mission & objectives)- इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है, "शिक्षा आपके द्वार"। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ पर शिक्षार्थी अपने आर्थिक, भौगोलिक और पारिवारिक दायित्वों के कारण संस्थागत(Regular) शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं और उन लोगों को शिक्षा से जोड़ना है जो किसी कारणवश उच्च शिक्षा से वंचित हैं।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता(Relevance of the program with HEI's Mission and Goals)- इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता है कि शिक्षार्थी, प्रशासन और लोक प्रशासन के संबंध में विस्तार से जान पाता है तथा वह लोक प्रशासन के विभिन्न आयामों के विषय में ज्ञान प्राप्त करके शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपनी उपयोगिता सिद्ध करता है। स्नातकोत्तर स्तर पर एक विषय के तौर पर 'लोक प्रशासन' को उत्तराखण्ड प्रदेश में मात्र 'उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय' ही संचालित करता है।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners)- इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा ना केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो किसी व्यवसाय या नौकरी में रहते हुए संस्थागत(Regular) शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते और अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते।

मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर होने के उपरान्त उच्च शिक्षा में अपनी सेवाएँ देने के लिए तथा प्रशासन के क्षेत्र में शोध के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। लोक प्रशासन के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी प्रशासन के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यवहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। एक कुशल प्रशासक के तौर पर समाज में अपनी सेवाएँ दे सकता है।

[Handwritten signature]
प्रमुख, शिक्षा
लोक प्रशासन

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- लोक प्रशासन विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 8 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं, अतः स्नातकोत्तर विषय 9 प्रश्न-पत्रों में 72 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम दो और अधिकतम पांच इकाईयां हैं। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में चार प्रश्न-पत्र- लोक प्रशासन के सिद्धान्त, भारत में लोक प्रशासन, तुलनात्मक लोक प्रशासन और प्रशासनिक चिंतक हैं और द्वितीय वर्ष में पांच प्रश्न-पत्र- विकास प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, वित्तीय प्रशासन, उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन और प्रशासनिक चिंतक हैं। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छः वर्ष है। लोक प्रशासन संकाय के लिए सहायक अकादमिक, सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। लोक प्रशासन में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

पाठ्यक्रम (Syllabus)

एम0ए0 प्रथम वर्ष	
लोक प्रशासन के सिद्धान्त (MAPA- 101)	भारत में लोक प्रशासन (MAPA- 102)
खण्ड- 1 लोक प्रशासन- अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, महत्व, विभिन्न दृष्टिकोण और नवीन लोक प्रशासन	खण्ड- 1 भारतीय प्रशासन
1. लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, महत्व	1. भारतीय प्रशासन का विकास
2. लोक प्रशासन के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण	2. भारतीय प्रशासन की विशेषताएँ
3. लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन	3. भारतीय प्रशासन सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व संवैधानिक पर्यावरण
4. लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन	4. भारतीय संविधान की विशेषताएँ
5. लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध	खण्ड- 2 संघीय शासन-1
खण्ड- 2 विकास प्रशासन व तुलनात्मक लोक प्रशासन	5. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति
6. विकास प्रशासन अर्थ, विशेषताएँ, क्षेत्र	6. प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद
7. विकसित और विकासशील देशों में विकास प्रशासन	7. संसद- लोक सभा और राज्य सभा
8. तुलनात्मक लोक प्रशासन अर्थ, क्षेत्र एवं अध्ययन के दृष्टिकोण	8. केन्द्रीय सचिवालय, मन्त्रिमंडलीय सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय
9. लोक प्रशासन एवं लोक नीति	खण्ड- 3 संघीय शासन- 2
खण्ड- 3 लोक प्रशासन में संगठन	9. राजनीति और प्रशासन में सम्बन्ध
10. संगठन-महत्व, अर्थ, औपचारिक संगठन, अनौपचारिक संगठन	10. केन्द्र -राज्य सम्बन्ध
11. संगठन की विचारधाराएँ - शास्त्रीय, मानव संबंध विषयक, व्यवस्था विचारधारा	खण्ड-4, राज्य शासन
12. संगठन के सिद्धान्त- पद सोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता	11. राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मन्त्री-परिषद
13. समन्वय, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण, केन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण	12. राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव
खण्ड- 4 संगठन की संरचना	खण्ड- 5 लोक सेवाएँ और अखिल भारतीय सेवाएँ
14. मुख्य कार्यपालिका	13. लोक सेवाएँ- अर्थ, कार्य, आधुनिक प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ
15. सूत्र तथा स्टाफ	14. अखिल भारतीय सेवाएँ, केन्द्रीय सेवाएँ, भर्ती एवं प्रशिक्षण
	15. स्वामी कर्मचारी संबंध
	16. जन शिकायत निवारण, लोकपाल, लोकसेवा में तटस्थता
	17. प्रशासन में भ्रष्टाचार

16. भर्ती, प्रशिक्षण एवम् प्रोन्नति

17. सूत्र अधिकरण- विभाग,

18. सूत्र अधिकरण- लोक निगम, स्वतंत्र नियामकीय आयोग

खण्ड- 5 लोक प्रशासन पर नियंत्रण, प्रबन्ध और नेतृत्व

19. लोक प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी नियंत्रण, कार्यकारी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण

20. प्रबन्ध, अर्थ, प्रकृति, सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ

21. नेतृत्व, नीति निर्धारण तथा निर्णय करना

खण्ड- 6 नियोजन, नौकरशाही और लोकसेवा

22. नियोजन: अर्थ, प्रकार, नियोजन, प्रक्रिया, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद

23. नौकरशाही -अर्थ, नौकरशाही के प्रकार, गुण, दोष, मैक्स बेबर की नौकरशाही

24. लोकसेवा का अर्थ, कार्य, भारत में आखिल भारतीय सेवाएं, भारतीय प्रशासनिक सेवा

खण्ड-7 बजट, लेखा परिक्षण और प्रदत्त विधि निर्माण

25. बजट- विधायी नियंत्रण का एक उपकरण - बजट का आर्थिक महत्व बजट निर्माण की प्रक्रिया (भारत में)

26. निष्पादन बजट, शून्य आधारित बजट, लोक लेखा समिति, अनुमान समिति

27. प्रशासकीय विधि- डायरी, प्रदत्त विधि निर्माण

तुलनात्मक लोक प्रशासन (MAPA- 103)

खण्ड- 1 तुलनात्मक लोक प्रशासन- अर्थ, दृष्टिकोण, पर्यावरण

1. तुलनात्मक लोक प्रशासन: अवधारणा, अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व

2. तुलनात्मक लोक प्रशासन: अध्ययन के दृष्टिकोण -

परम्परागत, दृष्टिकोण, अर्वाचीन दृष्टिकोण- व्यवहारवादी दृष्टिकोण

3. प्रशासन का सांस्कृतिक परिवेश, प्रशासन का सामाजिक परिवेश, राजनीतिक परिवेश, आर्थिक परिवेश

खण्ड- 2 प्रशासन की विशेषताएं

4. विकसित देशों की प्रशासनिक विशेषताएं

5. विकासशील देशों की प्रशासनिक विशेषताएं

6. भारतीय प्रशासन की विशेषताएं

खण्ड- 3 प्रशासन पर नियंत्रण

7. प्रशासन पर कार्य पालिका का नियंत्रण,

8. प्रशासन पर संसदीय (विधायी) नियंत्रण

9. प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण

18. राजनीति और प्रशासन का अपराधीकरण

खण्ड- 6 वित्तीय प्रशासन एवं समितियाँ

19. भारत में वित्तीय प्रबन्ध व बजट निर्माण प्रक्रिया

20. सार्वजनिक व्यय पर नियंत्रण- विधायी, कार्यकारी, एवं न्यायिक

21. लोक लेखा समिति, अनुमान समिति, लोक उपक्रम समिति, विभागीय समितियाँ, नियंत्रक महालेखा परीक्षक

22. लेखांकन, लेखा परीक्षण

खण्ड- 7 स्थानीय स्वशासन

23. पंचायती राज और 73वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम

24. 74 वाँ संवैधानिक संशोधन और नगरीय स्थानीय सरकार

25. स्वतन्त्रता पश्चात जिला प्रशासन, जिलाधिकारी

खण्ड- 8 संवैधानिक संस्थाएँ

26. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

27. राष्ट्रीय महिला आयोग

28. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

29. पिछड़ा वर्ग आयोग और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

भारतीय में स्थानीय शासन (MAP-04)

खण्ड- 1 स्थानीय शासन- परिचय

1. स्थानीय शासन- परिचय, भूमिका, महत्व

2. ग्रामीण संस्थाओं का विकास

3. सामुदायिक विकास कार्यक्रम

खण्ड- 2 पंचायत व्यवस्था

4. बलवंत राय मेहता समिति, प्रतिवेदन एवं त्रिस्तरी व्यवस्था

5. ग्राम पंचायत

6. क्षेत्र पंचायत

7. जिला परिषद

8. पंचायती राज तथा 73 वाँ संशोधन

खण्ड- 3 पंचायत व्यवस्था का प्रशासन

9. कर्मचारी वर्ग व्यवस्था

10. पंचायती राज संस्थाओं का वित्तीय प्रशासन

11. ग्रामीण स्थानीय शासन प्रशासनिक ढांचा

12. पंचायती राज संस्थाओं पर राज्य का नियंत्रण

खण्ड- 4 नगरीय शासन-1

13. नगरीय शासन का विकास

14. नगरीय शासन

15. नगरीय शासन संबंधी सुधार

16. चौहतरवाँ संवैधानिक संशोधन एवं नगरीय शासन का आधुनिक परिप्रेक्ष्य

खण्ड- 4 तुलनात्मक लोक प्रशासन के प्रतिमान-1

10. तुलनात्मक लोक प्रशासन के प्रतिमान (मॉडल) - मैक्स बेबर का नौकरशाही मॉडल

11. परिस्थितिकीय दृष्टिकोण, संरचनात्मक कार्यात्मक दृष्टिकोण

12. विकास मॉडल, डाउन्स मॉडल

खण्ड- 5 तुलनात्मक लोक प्रशासन के प्रतिमान-2

13. नौकरशाही का आदर्श प्रारूप, मैक्स बेबर की आदर्शवादी नौकरशाही प्रणाली, मैक्स बेबर के नौकरशाही के आदर्शवादी प्रतिमान की विशेषताएं, आलोचना

14. मैक्स बेबर का सत्ता प्रतिमान, तृतीय विश्व की प्रशासनिक व्यवस्था और बेबर का 'सत्ता' प्रतिमान

15. एफ0 डब्ल्यू0 रिम्स का सामाजिक प्रारूप- प्रिज्मैटिक समाज, साला मॉडल

खण्ड- 6 राजनीति और प्रशासन

16. राजनीति एवं प्रशासन में संबंध

17. राजनीति और नीति निर्माण संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन

18. प्रशासनिक ढांचा तुलनात्मक अध्ययन: सहायक अधिकरण, स्टाफ अधिकरण

खण्ड- 7 सेवी-वर्ग प्रशासन

19. सेवी-वर्ग प्रशासन: तुलनात्मक अध्ययन: ऐतिहासिक

पृष्ठभूमि, अमेरिका, फ्रान्स के प्रशासन की विशेषता

20. पदोन्नति, सेवानिवृत्ति लाभ

21. लोक सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन

खण्ड- 8 नागरिकों का शिकायत निवारण यन्त्र

22. ओम्बुड्समैन का अर्थ- स्वीडन में ओम्बुड्समैन, अमेरिका में जन-शिकायत

23. भारत में लोकपाल एवं लोकायुक्त

24. बजट निर्माण प्रक्रिया- भारत, अमेरिका

खण्ड- 5 नगरीय शासन-2

17. नगर निगम

18. नगरपालिका

19. छावनी परिषद, औद्योगिक नगरियां

20. स्थानीय शासन का संघात्मक रूप

खण्ड- 6 नगरीय शासन एवम् राज्य प्रशासन

21. नगरीय संस्थाओं पर राज्य का नियंत्रण

22. नगरीय शासन के आय के साधन

23. शासनिक ढांचा: नगरीय स्थानीय प्रशासन

24. भारत में स्थानीय शासन की प्रगति का मूल्यांकन

एम0ए0 द्वितीय वर्ष

विकास प्रशासन (MAPA- 105)

खण्ड- 1 संकल्पना और दृष्टिकोण

1. विकास प्रशासन- संकल्पना और अर्थ

2. उद्भव, क्षेत्र और महत्व

3. भारत में विकास प्रशासन की संवृद्धि

खण्ड- 2 विकास नीति एवं नियोजन

4. स्वतन्त्रता के समय भारत की सामाजिक आर्थिक रूपरेखा

5. मिश्रित अर्थव्यवस्था मॉडल तथा इसका तर्क संगत आधार और महत्व

कार्मिक प्रशासन (MAPA- 106)

खण्ड- 1 कार्मिक प्रशासन

1. कार्मिक प्रशासन की अवधारणा, प्रकृति और क्षेत्र

2. कार्मिक प्रशासन के कार्य और महत्व

3. प्रशासनिक व्यवस्था में लोक सेवा एवं उनकी भूमिका

4. भारत में कार्मिक लोक प्रशासन की विशेषताएं

खण्ड- 2 भारत में लोक सेवा

5. आधुनिक नौकरशाही के सन्दर्भ में लोकसेवा

6. नौकरशाही के आधार

6. योजना की भूमिका

7. विकास का उद्देश्य

खण्ड- 3 विकास के लिए नियोजन संस्थाएं

8. योजना आयोग तथा राष्ट्रीय विकास परिषद

9. राज्य योजना तन्त्र (भशीनरी)

10. जिला नियोजन

11. आधार स्तरीय नियोजन

खण्ड- 4 अधिकारी तन्त्र (नौकरशाही) और विकास

12. अधिकारी तन्त्र (नौकरशाही) की भूमिका

13. भारतीय अधिकारी तन्त्र (नौकरशाही) की औपनिवेशिक विरासत

14. भारतीय अधिकारी तन्त्र (नौकरशाही) की सामाजिक पृष्ठ भूमि

15. तटस्थ बनाम प्रतिबद्ध अधिकारी तन्त्र (नौकरशाही)

16. सरकारी अधिकारियों और राजनेताओं के बीच संबंध

17. अधिकारी तन्त्र (नौकरशाही) की क्षमता में वृद्धि करना

खण्ड- 5 विकेन्द्रीकरण और विकास

18. लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण की अवधारणा

19. पंचायती राज का उद्भव और भूमिका, उभरते प्रतिमान

20. पंचायती राज का भविष्य एवं समस्याएं

21. स्वैच्छिक अभिकरणों की भूमिका

22. सहकारिता एवं विकास

खण्ड- 6 सार्वजनिक क्षेत्र और विकास

23. सार्वजनिक/सहकारी क्षेत्र और विकास

24. सार्वजनिक उद्यम के स्वास्थ्य

25. विकास निगमों की भूमिका

26. सार्वजनिक क्षेत्र की प्रशासनिक समस्याएं

वित्तीय प्रशासन (MAPA- 107)

खण्ड- 1 वित्तीय प्रशासन: आधार और उद्देश्य

1. वित्तीय प्रशासन की प्रकृति और कार्यक्षेत्र

2. वित्तीय प्रशासन के उद्देश्य और सिद्धान्त

3. मिश्रित अर्थव्यवस्था

4. केन्द्र राज्य वित्तीय संबंध

खण्ड- 2 बजट प्रक्रिया और बजट व्यवस्था-1

5. राजकोषीय नीति, समता और सामाजिक न्याय

6. सरकारी बजट प्रक्रिया: सिद्धान्त और कार्य

7. भारतीय बजट व्यवस्था

खण्ड- 3 बजट प्रक्रिया और बजट व्यवस्था-1

8. सरकारी व्यय का वर्गीकरण

9. सार्वजनिक व्यय सिद्धान्त एवं विकास

7. भारत में लोक सेवा का विकास

8. सेवाओं का वर्गीकरण

9. सामान्यज्ञ बनाम विशेषज्ञ

खण्ड- 3 कार्मिक अभिकरण

10. संघ लोक सेवा आयोग/राज्य लोक सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग

11. केन्द्रीय और राज्य प्रशिक्षण संस्थान

12. प्रशासनिक अधिकरण

खण्ड- 4 कार्मिक प्रबन्धन: नीति और व्यवहार

13. कार्मिक नीति

14. भर्ती (सेवाओं में आरक्षण)

15. पदोन्नति

16. प्रशिक्षण

खण्ड- 5 कार्य दशाएं एवं सेवा दशाएं

17. वेतन प्रशासन

18. आचार एवं अनुशासन

19. प्रशासनिक नैतिकता एवम् कार्मिक प्रशासन में भ्रष्टाचार

खण्ड- 6 नियोक्ता कार्मिक संबंध

20. नियोक्ता कार्मिक संबंध

21. कार्मिक संघ

22. अभिप्रेरणा और नैतिकता

23. कार्मिकों की सेवा संबंधी शिकायतें एवम् उनका निवारण: प्रावधान व प्रक्रियाएं

उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन (MAPA- 108)

खण्ड- 1 उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन

1. उत्तराखण्ड का इतिहास- प्रशासनिक सन्दर्भ में

2. उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन: एक पारिस्थिकी विश्लेषण

3. केन्द्र राज्य सम्बन्ध: विधायी और प्रशासनिक

4. भारत में केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध- उत्तराखण्ड के वित्तीय संदर्भ में

खण्ड- 2 उत्तराखण्ड की प्रशासनिक संरचना

5. राज्यपाल, मुख्यमंत्री

6. राज्य सचिवालय, मंत्रिमण्डलीय सचिवालय, मुख्य सचिव

7. राज्य योजना आयोग

8. राज्य में प्रशासनिक सुधार

खण्ड- 3 महत्वपूर्ण विभाग

9. गृह विभाग, वित्त विभाग, आपदा विभाग

10. उत्तराखण्ड में जनजातियों एवं जनजाति विकास हेतु

प्रशासनिक तंत्र

11. आपदा प्रबन्धन

10. निष्पादन बजट प्रणाली, शून्य आधारित बजट प्रणाली खण्ड- 4 साधन संगठन 11. राजस्व के स्रोत: कर एवं करों के अतिरिक्त आय 12. घाटे का वित्तीयन 13. सार्वजनिक ऋण प्रबन्धन एवं भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका खण्ड- 5 सार्वजनिक निधियों का निवेश एवं विनिवेश 14. वित्तीय मूल्यांकन 15. आर्थिक और सामाजिक मूल्यांकन 16. भारत में विनिवेश उद्देश्य एवं चुनौतियां खण्ड- 6 विधायी, वित्तीय और कार्यकारी नियंत्रण 17. विधायी नियंत्रण 18. वित्तीय समितियों की व्यवस्था 19. कार्यकारी नियंत्रण खण्ड- 7 लेखा एवं अंकेक्षण 20. भारत में लेखा शास्त्र की प्रणाली 21. भारत में लेखा परीक्षण की प्रणाली 22. लेखा नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की भूमिका खण्ड- 8 सार्वजनिक उपक्रमों एवं स्थानीय शासन का वित्तीय प्रशासन 23. सार्वजनिक उपक्रमों का वित्तीय प्रशासन 24. सार्वजनिक उपक्रमों की वित्तीय स्वायत्तता एवं जबाब देही 25. शहरी शासन का वित्तीय प्रशासन 26. ग्रामीण शासन का वित्तीय प्रशासन	खण्ड- 4 उत्तराखण्ड में कार्मिक प्रशासन 12. राज्य लोक सेवा आयोग 13. भर्ती, प्रशिक्षण (एटीआई के संदर्भ में) एवम् पदोन्नति 14. स्थानीय स्वशासन 15. सांस्कृतिक एवम् भाषा विकास प्रशासनिक चिंतक (MAPA- 109) खण्ड- 1 कौटिल्य, बुद्धो विल्सन 1. कौटिल्य 2. बुद्धो विल्सन खण्ड- 2 फेयोले, विन्सलो टेलर, बेबर, कार्ल मार्क्स 3. हेनरी फेयोले 4. फ्रेडरिक विन्सलो टेलर 5. मैक्स बेबर 6. कार्ल मार्क्स खण्ड- 3 लूथर गुलिक, लिण्डल उर्विक, मेरी पार्कर फालेट 7. लूथर गुलिक 8. लिण्डल उर्विक 9. मेरी पार्कर फालेट खण्ड- 4 मेयो, चेस्टर आई बर्नार्ड, हरबर्ट ए० साइमन 10. जॉर्ज एल्टन मेयो 11. चेस्टर आई बर्नार्ड 12. हरबर्ट ए० साइमन खण्ड- 5 अब्राहम मास्लो, डगलस मैकग्रेगर, क्रिस अर्गिरिस, फ्रेडरिक हर्जबर्ग 13. अब्राहम मास्लो 14. डगलस मैकग्रेगर 15. क्रिस अर्गिरिस, फ्रेडरिक हर्जबर्ग खण्ड- 6 रेंसिस लिंकर्ट, एफ० डब्ल्यू० रिग्स, आर० के० मर्टन 16. रेंसिस लिंकर्ट 17. एफ० डब्ल्यू० रिग्स 18. आर० के० मर्टन

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया (Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)- लोक प्रशासन विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार (ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रिया है। स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में ₹0 3750 और द्वितीय वर्ष में ₹0 4050 शुल्क लिया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क माफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया

जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता (Requirement of the laboratory support and Library Resources)- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन-केन्द्र में भी पुस्तकालय की उपलब्धता है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान (Cost estimate of the programme and the provisions)- लोक प्रशासन कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु प्रत्येक इकाई में 9500 हजार रुपये की लागत से लगभग 20 लाख 14 हजार रुपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)- कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।

कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

प्रमाण-पत्र कार्यक्रम- पंचायती राज

(Certificate Course in Panchayati Raj)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's mission & objectives)- इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है, "शिक्षा आपके द्वार"। यह कार्यक्रम उन लोगों को स्थानीय स्वशासन और पंचायतों के ज्ञान से जोड़ना है जो स्थानीय स्वशासन के क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल का विकास करना चाहते हैं।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता(Relevance of the program with HEI's Mission and Goals)- इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता है कि शिक्षार्थी, स्थानीय स्वशासन और पंचायत के संबंध में विस्तार से जान पाता है। स्थानीय स्वशासन और पंचायतों के संबंध में यह कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों तथा पंचायत प्रशासन से जुड़े लोगों को ज्ञान देता है, ताकि स्थानीय स्वशासन के प्रशासक और जनप्रतिनिधि पंचायतों की संरचना, उसकी कार्यप्रणाली को जान कर अपनी पंचायतों में बेहतरी के कार्य कर सकें।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners)- इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं। साथ ही पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम के लक्षित शिक्षार्थी हैं।

मुक्त एवं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम की उपयुक्तता (Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence)- शिक्षार्थी इस कार्यक्रम में योग्यता प्राप्त करने के उपरान्त स्थानीय स्वशासन और पंचायतों की बेहतरी में अपना योगदान दे सकता है। भारतीय लोकतंत्र की सफलता के लिए यह अतिआवश्यक है कि पंचायतें बेहतर तरीके से कार्य करें, अतः पंचायतों की सफलता लोकतंत्र की सफलता है। पंचायती राज के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी पंचायतों के गठन और कार्यप्रणाली के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यवहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है और वह एक कुशल पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत प्रशासक और जागरूक नागरिक के तौर पर स्थानीय स्वशासन के सफल संचालन में अपनी सेवाएं दे सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- 6 माह के पंचायती राज प्रमाण-पत्र कार्यक्रम को इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 6 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं, अतः पंचायती राज प्रमाण-पत्र कार्यक्रम 12 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। पंचायती राज प्रमाण-पत्र कार्यक्रम में दो प्रश्न-पत्र हैं- पंचायती राज की प्राथमिक जानकारी और पंचायती राज की कार्यप्रणाली। इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 6 माह और अधिकतम दो वर्ष है। पंचायती राज प्रमाण-पत्र कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

पाठ्यक्रम (Syllabus)

पंचायती राज में प्रमाण-पत्र	
पंचायती राज की प्राथमिक जानकारी (CCPR-01) इकाई 1 विकास की अवधारणा और उसके बदलते आयाम इकाई 2 प्राचीन काल में पंच-प्रणाली एवं पंचायतों का स्वरूप इकाई 3 भारत में पंचायती राज की स्थिति व सुदृढ़िकरण के प्रयास इकाई 4 विकेन्द्रीकरण- अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व इकाई 5 स्थानीय स्वशासन की अवधारणा और पंचायतें इकाई 6 तिहतरवों संविधान संशोधन अधिनियम इकाई 7 ग्राम-सभा इकाई 8 उन्नतिपुर, एक आदर्श ग्राम सभा (कहानी) इकाई 9 ग्राम पंचायत- स्वरूप, चुनाव प्रणाली, अधिकार, एवं शक्तियाँ इकाई 10 क्षेत्र पंचायत- स्वरूप, चुनाव प्रणाली, अधिकार, एवं शक्तियाँ इकाई 11 जिला पंचायत-स्वरूप, चुनाव प्रणाली, अधिकार, एवं शक्तियाँ इकाई 12 पंचायतों की समितियाँ एवं उनका महत्व इकाई 13 चौहतरवों संविधान संशोधन अधिनियम नगर-निकायों के संदर्भ में इकाई 14 नगर-निकायों से संबंधित विषय, शक्तियाँ एवं कार्य	पंचायती राज की कार्यप्रणाली(CCPR- 02) इकाई 1 पंचायतों में वित्तीय व्यवस्था एवं प्रबन्धन इकाई 2 जिला नियोजन समिति इकाई 3 पंचायतों में कार्य, कार्मिक व वित्त का हस्तान्तरण इकाई 4 पंचायतों के दस्तावेजीकरण इकाई 5 स्थानीय स्वशासन एवं सहभागी नियोजन इकाई 6 तीनों स्तर की पंचायतों के बीच आपसी समन्वय एवं सरकारी विभागों से तालमेल इकाई 7 नरेगा (NREGA) कार्यक्रम में पंचायतों की भूमिका इकाई 8 पंचायती राज एवं सूचना का अधिकार (RTI) इकाई 9 सामाजिक अंकेक्षण (सोशल आडिट)- प्रक्रिया एवं लाभ इकाई 10 पंचायतों में स्थानीय सामुदायिक संगठनों की भूमिका इकाई 11 पंचायतों में महिलाओं, दलितों और जनजाति समाज की भूमिका इकाई 12 ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाएं इकाई 13 राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर "गोलमेज (Round Table) सम्मेलनों" के माध्यम से पंचायतों का सशक्तिकरण इकाई 14 पंचायत प्रतिनिधियों के क्षमता-विकास इकाई 15 पंचायती-राज व्यवस्था में "नागर समाज" और

(PPR कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट)

(मानविकी विद्याशाखा)

संस्कृत (स्नातकोत्तर)

(Programme.s mission & objectives) कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य -

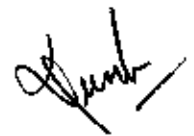
स्नातकोत्तर संस्कृत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ परम्परागत (संस्थागत) शिक्षा व्यवस्था का प्रायः अभाव है। इसका उद्देश्य उन लोगों को शिक्षा से जोड़ना है जो किसी कारणवश उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में शिक्षा छोड़ चुके हैं। विशेषतः संस्कृत के माध्यम से भाषा संवर्द्धन भी प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।

(Relevance of the program with HEIs Mission and Goals) कार्यक्रम की

प्रासंगिकता - इस कार्यक्रम प्रासंगिकता दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी में विभिन्न प्रकार की भाषिक दक्षता उत्पन्न करना व परम्परा से परिचित कराना भी है। कुशलताओं आदि में विस्तार करना, गुणवत्ता में विस्तार करके रोजगारपरक बनाना व इसके साथ-साथ उन मानव संसाधनों के लिए भी यह पाठ्यक्रम उपयुक्त है जो रोजगार में रहने के साथ-साथ अपनी शिक्षा व कुशलताओं का विकास करना चाहते हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत भाषा के व्यापक अध्ययन की पृष्ठभूमि तैयार करना भी इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता है। साथ ही स्नातकोत्तर संस्कृत करने वाले छात्र, अन्य प्रशिक्षण के पश्चात् इण्टरमीडिएट की कक्षाओं में अध्यापन भी कर सकें, प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर सकें, शोधकार्य में जा सकें, यह भी इस कार्यक्रम का प्रयोजन है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इस कार्यक्रम को अपने अध्ययन द्वारा भी संचालित करने के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले सभी वर्गों को संस्कृत शिक्षा का उच्च अवसर प्राप्त होता है जो कतिपय कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

c.Nature of prospective target group of learners : लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति

किसी भी विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी इस कार्यक्रम में प्रवेश की पात्रता रखते हैं। प्रदेश में विशेष रूप से वे भी इसमें प्रतिभाग करते हैं जो हाईस्कूल स्तर के शिक्षक तो हैं परन्तु इंटर कालेज में प्रवक्ता पद पर उन्नति चाहते हैं। अथवा अन्य उद्देश्यों की पूर्ति करना चाहते हैं।



d.Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातकोत्तर कार्यक्रम में संस्कृत विषय की उपयुक्तता के आधार -

- विषय की जानकारी हेतु प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को अध्ययन की सुगमता प्रदान करना।
- सहज, सुबोध और अध्यापन शैली में लिखित सामग्री के द्वारा विना कक्षा शिक्षण के ही अधिगम कराया जाना।
- छात्र और शिक्षक के बीच सामग्री में ही संवाद की उपस्थिति से विषय को रुचिकर बनाना।
- तकनीकी के समावेश से पाठ्यसामग्री को आकर्षक व सुगम बनाकर छात्रों तक पहुँचाना।

e.Instructional Design, निर्देशात्मक संरचना – संस्कृत विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर द्वि वर्षीय पाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं। दूरस्थ शिक्षा के मैनुअल के अनुरूप पाठक्रमों की अधिसंरचना की जाती है जो इस प्रकार है –

- पाठ्यक्रम का मात्रात्मक मूल्य।
- विषय का संरचनागत प्रस्तुतीकरण किया जाता है।
- संस्कृत में स्नातकोत्तर के प्रथम और द्वितीय वर्ष के कुल 09 पाठ्यक्रम 72 श्रेयांक के हैं।
- दूरस्थ शिक्षा के मैनुअल के अनुरूप पाठक्रमों की अधिसंरचना की जाती है जो इस प्रकार है। पाठ्यक्रम का मात्रात्मक मूल्य, विषय का संरचनागत प्रस्तुतीकरण किया जाता है। परास्नातक संस्कृत के प्रथम वर्ष में चार पाठ्यक्रम ३२ श्रेयांक के तथा अंतिम वर्ष में पाँच पाठ्यक्रम ४० श्रेयांक के हैं। वैकल्पिक विषय में लघुशोध भी है।
- पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है -

कुल संख्या
संस्कृत विभाग
२०२२ (२०२३)

PROGRAMME SUMMARY & FEE STRUCTURE

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Year)		SLM	Mode of Exam (Annual / Sem)	Year/ Sem	Details Of Fee (₹)					
		Minimum	Maximum				Programme	Exam	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
Master of Arts – SANSKRIT (MASL-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual	I	2000	600	50	100		2750
						II	2000	750	-	-	300	3050

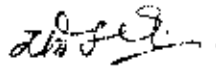
Name and code of courses		
S.No.	M.A. I	M.A. II
1	वेद एवं निरुक्त MASL-101	काव्यशास्त्र MASL- 201
2	संस्कृत भाषाविज्ञान एवं व्याकरण MASL 102	गद्य एवं पद्य काव्य MASL -202
3	भारतीय दर्शन MASL -103	सिद्धान्तकौमुदी , कारक एवं समास MASL 203
4	नाटक एवं नाट्यशास्त्र MASL 104	नाटक एवं नाटिका MASL 204
		संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएं MASL 205
		लघु शोध MASL 206

f.Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी छात्र परास्नातक राजनीति विद्या में प्रवेश का पात्र है। पाठ्यक्रमों में समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन और परिवर्तन भी किया जाता है। वर्ष में दो बार ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रवेश की प्रक्रिया संचालित की जा रही। छात्रों को स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। सत्रीय कार्यों और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन सक्षम परीक्षकों द्वारा कराये जाते हैं।

g.Requirement of the laboratory support and Library Resources:

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता



Head of the Department
Department of Sanskrit
University of Delhi



विषय से सम्बंधित समस्याओं के समाधान व निराकरण हेतु पुस्तकालय मे सन्दर्भ पुस्तके उपलब्ध हैं। अध्ययन केंद्र में भी इस तरह की सुविधा छात्रों को उपलब्ध कराई जाती है।

h. Cost estimate of the programme and the provisions :I

एम0ए0 संस्कृत के दोनों वर्षों में कुल 09 प्रश्नपत्रों के लेखन, सम्पादन व मुद्रण आदि कार्यों में अनुमानित लागत लगभग ₹0 17,00000/- लाख से अधिक है।

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

आवश्यकतानुसार विषय के सक्षम विशेषज्ञों के द्वारा पाठ्यक्रम को नवीन बनाने के लिए कार्य किया जाता है। साथ ही अध्ययन सामग्री के लेखन में सावधानी का पालन करते हुए सक्षम इकाई लेखकों के द्वारा विशिष्ट पाठ्य सामग्री का सरल भाषा में लेखन कराया जाता है। फलस्वरूप संस्कृत के अध्येताओं को विषय का स्तरीय ज्ञान प्राप्त करने में सुविधा प्राप्त होती है। जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं। साथ ही नेट परिक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा में भी जाते हुए दिखाई देते हैं।

[Signature]

[Signature]

खण्ड 1. वैदिक सूक्त

- इकाई 1. इन्द्र सूक्त 1/15
इकाई 2. उषस् सूक्त - मूल पाठ, सायण भाष्य, अर्थ - व्याख्या
इकाई 3. नासदीय सूक्त 10/129
इकाई 4. सामनस्य सूक्त 3/30

खण्ड 2. निरुक्त

- इकाई 1. निरुक्त का महत्व
इकाई 2. शब्द का नित्यत्व एवं भाव विकारों का विवेचन
इकाई 3. निरुक्त के अनुसार शब्दों का विभाजन, भाव एवं सत्त्व
इकाई 4. निरुक्त के प्रथम अध्याय के तृतीय पाद पर्यन्त भाग की व्याख्या
इकाई 5. निरुक्त के प्रथम अध्याय के चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ पाद की व्याख्या

खण्ड 3. वेदान्त - उपनिषद्

- इकाई 1. उपनिषद् व्युत्पत्ति, महत्व एवं प्रतिपाद्य
इकाई 2. प्रमुख उपनिषदों का सामान्य परिचय
इकाई 3. भारतीय दर्शन में उपनिषदों का योगदान
इकाई 4. ईशोपनिषद् 18 मन्त्र अर्थ एवं व्याख्या सहित

खण्ड 4. पाणिनीय शिक्षा

- इकाई -1 वेदांग परिचय
इकाई -2 वेदांगों में शिक्षा का महत्व
इकाई -3 पाणिनीय शिक्षा के अनुसार उच्चारण विधि
इकाई 4. पाणिनीय शिक्षा के अर्धांश की व्याख्या
इकाई 5. पाणिनीय शिक्षा के शेष अंशों की व्याख्या

कुल रक्षित
मुख्य शिक्षा अधिकारी

प्रथम खण्ड – भाषा विज्ञान

इकाई 1: भाषा का उद्गम और विकास

इकाई 2: भाषा विज्ञान, स्वरूप अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध

इकाई 3: संस्कृत एवं प्रमुख भारोपीय भाषाएं

इकाई 4: -संस्कृत एवं प्राचीन आर्य भाषाएं

द्वितीय खण्ड – रूप विज्ञान

इकाई 1: संस्कृत पद संरचना

इकाई 2: उपसर्ग तथा निपात

इकाई 3: आख्यात पद रचना

तृतीय खण्ड – ध्वनि विज्ञान

इकाई 1: संस्कृत ध्वनियों का विकास क्रम

इकाई 2: ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ

इकाई 3: ध्वनि नियम – ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर

इकाई 4: वाक्य - रचना

चतुर्थ खण्ड – षड्लिंग प्रकरण

इकाई 1: अजन्त पुल्लिङ्ग राम शब्द

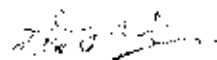
इकाई 2: अजन्त पुल्लिङ्ग राम शब्द द्वितीया- सप्तमी

इकाई 3: अजन्त पुल्लिङ्ग सर्वादिगण

इकाई 4: अजन्त पुल्लिङ्ग हरि एवं गुरु शब्द

इकाई 5: अजन्त पुल्लिङ्ग पति एवं पितृ शब्द

इकाई 6: अजन्त स्त्रीलिङ्ग रमा शब्द



प्र. प्र. प्र.

प्र. प्र. प्र.

प्र. प्र. प्र.



खण्ड -1 अद्वैत वेदान्त

इकाई 1- विशिष्टाद्वैतवेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

इकाई 2- द्वैत वेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

इकाई 3- द्वैताद्वैत वेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

खण्ड 2- सांख्यकारिका

इकाई 1- सांख्यदर्शन का संक्षिप्त इतिहास एवं तत्त्व मीमांसा

इकाई 2- दुःखत्रय, सत्कार्यवाद पुरुष -बहुत्व, प्रकृति -पुरुष सम्बन्ध

इकाई 3- सांख्यकारिका 1 से 10 मूल पाठ, अर्थ व्याख्या

इकाई 4- सांख्यकारिका 11 से 20 मूल पाठ, अर्थ, व्याख्या

इकाई 5 - सांख्यकारिका 21 से 30 मूल पाठ, अर्थ, व्याख्या

खण्ड 3- वेदान्तसार

इकाई 1- वेदान्त दर्शन का ऐतिहासिक स्वरूप

इकाई 2- वेदान्तसार के प्रमुख सिद्धान्त का समीक्षक

इकाई 3- मंगलाचरण से अनुबन्ध चतुष्टय तक

इकाई 4- आवरण एवं विक्षेप शक्ति

इकाई 5- सूक्ष्म शरीर एवं पंचीकरण

खण्ड 4- जैन एवं चार्वाक

इकाई 1- जैनमत का इतिहास

इकाई 2- जैन दर्शन का सिद्धान्त भाग 1

इकाई 3- जैन दर्शन का सिद्धान्त भाग 2

इकाई 4- चार्वाक दर्शन का परिचय एवं सिद्धान्त

इकाई 5- चार्वाकीय सिद्धान्तों की अन्य भारतीय दर्शनों में आंशिक उपस्थिति

इकाई 6- चार्वाक दर्शन का वर्तमान व्यावहारिक व सांसारिक जीवन से सम्बन्ध

खण्ड 5- न्याय दर्शन

इकाई 1 -न्याय दर्शन का संक्षिप्त इतिहास

इकाई 2 -तर्क भाषा, प्रमेयों के नाम, प्रमाण कारण एवं उनका स्वरूप

इकाई 3- प्रत्यक्ष प्रमाण एवं इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष

इकाई 4 -तर्क भाषा, अनुमान प्रमाण, व्याप्ति एवं उसके भेदों की मीमांसा

इकाई 5 प्रमेय पदार्थ निरूपण, स्वार्थानुमान, परार्थानुमान, हेत्वाभास

प्रथम खण्ड - नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय

इकाई1: नाट्यशास्त्र का परिचय

इकाई2: नाट्यशास्त्र के टीकाकारों एवं उनके सिद्धान्तों का परिचय

इकाई3: नाट्यशास्त्र का प्रतिपाद्य

इकाई4: नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय पूर्वार्ध (अर्थ एवं व्याख्या)

इकाई5: नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय उत्तरार्ध (अर्थ एवं व्याख्या)

द्वितीय खण्ड - दशरूपक प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश

इकाई1: रूपक भेद एवं सामान्य परिचय

इकाई2: नृत्य पंचसन्ध्यको का विवेचन

इकाई3: अर्थोपक्षेपक, नायक-नायिका निरूपण

इकाई4: दशरूपक के अनुसार रस मीमांसा

इकाई5: दशरूपक प्रथमप्रकाश

इकाई6: दशरूपक द्वितीय प्रकाश

तृतीय खण्ड उत्तररामचरितम् का विश्लेषण

इकाई1: भवभूति एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय

इकाई2: उत्तररामचरितम् का नाट्यशास्त्रीय मूल्यांकन

इकाई3: उत्तररामचरितम् के प्रधान एवं गौण रसों की मीमांसा

इकाई4: उत्तररामचरितम् के पात्रों का चरित्र-चित्रण

इकाई5: उत्तररामचरितम् की भाषा-शैली

चतुर्थ खण्ड : उत्तररामचरितम् प्रथम एवं द्वितीय अंक

इकाई 1: उत्तररामचरितम् प्रथम अंक का पूर्वार्द्ध

इकाई2: उत्तररामचरितम् प्रथम अंक का उत्तरार्द्ध

इकाई3: उत्तररामचरितम् द्वितीय अंक का पूर्वार्द्ध

इकाई4: उत्तररामचरितम् द्वितीय अंक का उत्तरार्द्ध

पंचम खण्ड उत्तररामचरितम् तृतीय एवं चतुर्थ अंक

इकाई 1: उत्तररामचरितम् तृतीयअंक का पूर्वार्द्ध

इकाई2: उत्तररामचरितम् तृतीयअंक का उत्तरार्द्ध

इकाई3: उत्तररामचरितम् चतुर्थ अंक का पूर्वार्द्ध

इकाई4: उत्तररामचरितम् चतुर्थ अंक का उत्तरार्द्ध

खण्ड - 01

इकाई - 1. काव्यशास्त्रीय परम्परा एवं आचार्य मम्मट का अवदान

2. काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, एवं काव्यहेतु की विस्तृत व्याख्या
3. काव्यभेद एवं शब्दार्थ की विस्तृत व्याख्या
4. शब्द शक्तियों की विस्तृत व्याख्या

खण्ड - 2

इकाई - 1. रसोत्पत्तिवाद, विभिन्न भक्तों का सांगोपांग वर्णन

2. रस भेद, उदाहरण सहित ज्ञान

खण्ड - 3 अलंकार वर्णन

इकाई 1. अलंकार लक्षण, क्रमिक विकास एवं संख्यात्मक विवेचन

2. उपमा के प्रमुख भेद एवं उदाहरण सहित व्याख्या
3. अन्वय, उपमेयोपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपहृति, विस्तृत व्याख्या
4. श्लेष, समासोक्ति, निदर्शना, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, तुल्ययोगिता एवं विभावना - विशेषोक्ति के विस्तृत विवेचन

खण्ड - 4 काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा

इकाई -1. भरत, भामह, दण्डी, रुद्रट का जीवन वृत्त, समय, कृतित्व

2. उद्भट, वामन, कुन्तक, जीवनवृत्त, समय, कृतित्व
3. मम्मट, विश्वनाथ, आनन्दवर्धन का जीवनवृत्त, समय, कृतित्व
4. अभिनवगुप्त, राजशेखर, धनञ्जय, भोजराज का जीवनवृत्त, समय, कृतित्व
5. रामचन्द्र-गुणचन्द्र, शारदातनय, रूपागोस्वामी, पण्डितराज जगन्नाथ

(Signature)
 10/10/2024
 10/10/2024
 10/10/2024

(Signature)

खण्ड 1. मेघदूत

- इकाई 1. महाकवि कालिदास एवं मेघदूत का विहंगावलोकन
 इकाई 2. मेघदूतम श्लोक संख्या 1 से 10 तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 3. मेघदूतम श्लोक संख्या 11 से 20 तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 4. मेघदूतम श्लोक संख्या 21 से 30 तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 2. मेघदूत

- इकाई 5. मेघदूतम श्लोक संख्या 31 से 42 तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 6. मेघदूतम श्लोक संख्या 43 से 54 तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 7. मेघदूतम श्लोक संख्या 55 से 67 तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 8. मेघदूत की प्रमुख सूक्तियों की व्याख्या

खण्ड 3. शिवराजविजय

- इकाई 9 प्राचीन संस्कृत गद्य साहित्य (सुबन्धु, बाण, दण्डी)
 इकाई 10 पं अम्बिकादत्त व्यास और शिवराजविजय का विहंगावलोकन
 इकाई 11 प्रथम निःश्वास विष्णोर्माया से उभयोदृष्टि तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 12 तस्मिन् पर्वते से श्रूयते अवलोक्यते च परितः तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 13 तदाकर्ण्य से धूलीचकार तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 4. शिवराजविजय

- इकाई 14 अद्य तु तत् तीर्थस्य से विरराम तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 15 तदाकर्ण्य से स्वकुटीरं प्रविशेश तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 16 द्वितीय निश्वास रात्रिर्गमिष्यति से किंचानुतिष्ठति तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 17 ततः पुनर्बद्धांजलेदौवारिकस्य से भारतवर्षीया तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 18 अद्य कथ्यतां से यवनयुवकान तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 5. शिवराजविजय

- इकाई 19 क्वचिद अहो दुर्गमता से श्रूयते अतिवैलक्षण्यं तद्देशस्य तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 20 तावरंगः सेनापते से गौरः पुनरवादीत् तक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 21 भगवन् सामान्यराजभृतस्य से तत् सम्भवतितक विस्तृत व्याख्या
 इकाई 22 ततः परं गोपीनाथेन से चरणौ प्रणनाम तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 1 सिद्धान्त कौमुदी – कारक प्रकरण

- इकाई 1. प्रथमा एवं द्वितीया विभक्ति - सूत्र, वृत्ति उदाहरण सहित व्याख्या
इकाई 2. तृतीया विभक्ति - सूत्र, वृत्ति उदाहरण सहित व्याख्या
इकाई 3. चतुर्थी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या
इकाई 4. पंचमी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या
इकाई 5. षष्ठी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या
इकाई 6. सप्तमी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या

खण्ड 2

- इकाई 1. सूत्र, वृत्ति, अर्थ, सहित भू धातु की रूप सिद्धि
इकाई 2. लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग लकारों में श्रु, गम्, एध्, धातु रूपों की सिद्धि
इकाई 3. णीव्, पच्, भज्, यच्, इन चार धातुओं की व्याख्या सहित रूप सिद्धि
इकाई 4. सूत्र, वृत्ति, अर्थ, व्याख्या अद, तथा यु धातुओं की रूप सिद्धि
इकाई 5. सूत्र, वृत्ति, अर्थ, व्याख्या, अस् तथा दुह्, धातुओं की रूप सिद्धि

खण्ड 3 समास प्रकरण

- इकाई 1. समर्थः पदविधिः सूत्र से तृतीया सप्तम्योर्बहुलम् सूत्र तक उदाहरण सहित व्याख्या
इकाई 2. अव्ययीभावे चाकाले सूत्र से ----- इयः सूत्र तक व्याख्या
इकाई 3. तत्पुरुषः सूत्र से ----- सप्तमी शौण्डैः सूत्र तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 4. दिक्संख्ये संज्ञायाम् सूत्र से अर्धर्चाः पुंसि च सूत्र तक व्याख्या
इकाई 5. शेषो बहुव्रीहिः सूत्र से द्वन्द्वात् च द ष हान्तात् समाहारे



खण्ड -1 मृच्छकटिकम् प्रकरण

- इकाई 1. नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास
इकाई 2. महाकवि शूद्रक का परिचय
इकाई 3. मृच्छकटिकम् के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
इकाई 4. मृच्छकटिकम् में चित्रित सामाजिक एवं राजनीतिक चित्रण
-

खण्ड -2 मृच्छकटिकम् व्याख्या

- इकाई 5. मृच्छकटिकम् प्रथम अंक श्लोक संख्या 1 से 20 तक
इकाई 6. मृच्छकटिकम् प्रथम अंक श्लोक संख्या 21 से 40 तक
इकाई 7. मृच्छकटिकम् प्रथम अंक श्लोक संख्या 41 से 58 तक
इकाई 8. द्वितीय अंक श्लोक संख्या 1 से 20 तक
इकाई 9. तृतीय अंक श्लोक संख्या 1 से 15 तक
-

खण्ड - 3 मृच्छकटिकम् व्याख्या

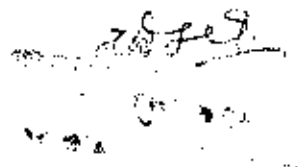
- इकाई 10. तृतीय अंक श्लोक 16 से 30 मूल पाठ व्याख्या
इकाई 11. चतुर्थ अंक श्लोक 1 से 17 मूल पाठ व्याख्या
इकाई 12. श्लोक 18 से 32 मूल पाठ व्याख्या
इकाई 13. पंचम अंक श्लोक 1 से 25 मूल पाठ व्याख्या
-

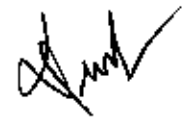
खण्ड -4 मृच्छकटिकम् व्याख्या

- इकाई 14. पंचम अंक श्लोक 26 से 52 मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 15. षष्ठ अंक श्लोक 1 से 14 मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 16. षष्ठ अंक श्लोक 15 से 27 मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 17. सप्तम अंक मूल पाठ एवं व्याख्या
-

खण्ड -5 मृच्छकटिकम् व्याख्या एवं रत्नावली

- इकाई 18. श्लोक 1 से 24 तक मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 19. श्लोक 25 से 47 तक मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 20. रत्नावली प्रथम अंक संवाद एवं व्याख्या
इकाई 21. रत्नावली द्वितीय अंक संवाद एवं व्याख्या





खण्ड 1. उत्तराखण्ड में संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएं

- इकाई 1 - उत्तराखण्ड में संस्कृत साहित्य की परम्परा
इकाई 2 - विद्याभूषण श्रीकृष्ण जोशी का जीवन परिचय एवं उनका संस्कृत साहित्य में योगदान
इकाई 3 - श्री हरि नारायण दीक्षित का जीवन परिचय एवं उनका रचना संसार
इकाई 4 - लोकरत्न गुमानी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
इकाई 5 - शिवप्रसाद भारद्वाज का जीवन परिचय एवं उनकी कृतियाँ

खण्ड 2. आधुनिक संस्कृत महाकाव्यकारों का परिचय

- इकाई 1- अठारहवीं शताब्दी के प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय
इकाई 2- उन्नीसवीं शती के प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय
इकाई 3- बीसवीं शती के प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय

खण्ड 3. गीतिकाव्य एवं उपन्यास

- इकाई 1- उन्नीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ कवि एवं उनके काव्य
इकाई 2- बीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ कवि एवं उनके काव्य
इकाई 3- आधुनिक संस्कृत उपन्यासों का परिचय (19वीं से 20वीं शताब्दी के संस्कृत उपन्यास)

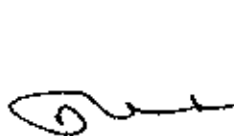
रवि शर्मा

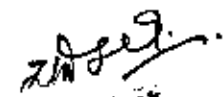
कुल लेख
प्रमुख एवं विविध
संस्कृत साहित्य

Sharma

Programme Project Report (PPR), Department of Sociology,
MASO-17 (M.A. Sociology)

- (a) **Programme's Mission and Objective.** The main objective of the M.A Sociology is to provide its learners a wider standing of the society and various social issues related to country and the world. The programme emphasis to prepare students with the knowledge and skills they need to be part of the community and society in which they live. The programme also provides its learners an advance understanding and ability to use sociological paradigms, theories and concepts.
- (b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals-** The M.A sociology programme has all the relevance with the HEI's mission and Goals.
- (c) **Nature of Prospective target group of learners.** The target groups are individuals who have acquired a graduate degree in any subjects and or related fields from accredited Institutions. The learners are from different and diverse background from marginalized sections of the society to the unreached learners as per the geographical conditions.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence-** The M.A sociology programme is the systematic study of forms of social organization and patterns within social life. The course explores the relevance of theory and philosophy for thinking sociologically. It also considers the range of methods employed for engaging in sociological research. M.A sociology programme has all the components of self learning to provide overall knowledge of the sociology to the learners. The Curriculum offers various streams of Sociology i.e. Sociology-An introduction, Sociology of Health and Medicine, Indian Sociological Thought, Sociological Theories, Social Research, Rural Urban Sociology and Hill Area Sustainable Development.
- (e) **Instructional Design.** The Dept. of Sociology has developed courses after rigorous exercises, the syllabus first passed and discussed by the experts invited from the top most institutions and university of the country and curriculum finally was developed keeping in mind the objectives of ODL. The new paper like Sociology of Health and Medicine and Hill Area Sustainable Development were introduced as per the need of the learners and the state of Uttarakhand. The Curriculum in each paper is divided in




डा. र.
सहायक कुल
पदवी (सो. वि.)

blocks and further divided in units. The Units consist of many small chunks so that the learner could understand easily, first the unit introduces the theme of learning, then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small chunks. For checking students' progress small exercises are provided in the units. Summary of the theme is given, glossary, reference, suggested readings are also provided in the Unit. The duration of the programme is minimum 02 years and maximum 06 years. The programme consists of 09 courses of 08 credits each. The learning material is made in the print as well as in the soft form along with video lectures. The learners are given counseling in the Study Centers as well as in the model Study Center in the University. ICT is being used to counsel the learners.

The syllabus of M.A Sociology is as given below

M.A. First Year Course Structure

MASO-101	Introduction to Sociology समाजशास्त्र का परिचय	8 Credits
MASO-102	Sociological Theories समाजशास्त्रीय सिद्धांत	8 Credits
MASO-103	Social Research methods & Computer Applications सामाजिक अनुसंधान विधियाँ और कंप्यूटर उपयोग	8 Credits
MASO-104	Rural Sociology ग्रामीण समाजशास्त्र	8 Credits
Total	4 papers	32 credits

M.A Second Year Course Structure

MASO-201	Urban Sociology शहरी समाजशास्त्र	8 Credits
MASO-202	Indian Sociological Thought भारतीय समाजशास्त्रीय विचार	8 Credits
MASO-203	Sociology of Health & Medicine स्वास्थ्य और चिकित्सा का समाजशास्त्र	8 Credits
MASO-204	Sustainable Development in Hill Area पहाड़ी क्षेत्र में सतत विकास	8 Credits
MASO-205	Social Psychology सामाजिक मनोविज्ञान	8 Credits
Total	5 papers	40 Credits


 Director
 Haryana Sahitya Akademi
 Chandigarh

- (f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation.** The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum eligibility for admission in MASO-17 is Graduation in any stream. Total fee for the first year is Rs.3750/- and Rs.4050/- for the second year. The printed learning material is sent to the learners by the University. The soft copy of the material is uploaded in the website also. The learner's progress is checked by assessing the assignments. The assignments of the learners are evaluated in the study centers as well as by the faculty. The syllabus of M.A sociology is given below
- (g) **Requirement of laboratory support and Library Resources.** Laboratory work is not done in MASO-17 programme although University has a library containing sociology books.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provision.** About Rs. 16 lakh is estimated for the development of M.A. (Sociology) programme.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome.** The Dept. of Sociology reviews its programme time to time through its expert committee, board of studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design as per the instructions received from UGC time to time.

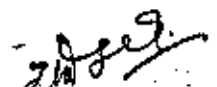
 

20/02/2019
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विभागाध्यक्ष)

M.A (Sociology) 1st Year
Paper 1: Introduction to Sociology
समाजशास्त्र का परिचय

Block 1	Introducing Sociology समाजशास्त्र का परिचय
Unit 1.	Origin & Development of Sociology समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास
Unit 2.	Sociology: Nature & Scope समाजशास्त्र: प्रकृति और क्षेत्र
Unit 3.	Sociology & Other Social Sciences: Social Anthropology, History, Political Science & Economics समाजशास्त्र और अन्य सामाजिक विज्ञान: सामाजिक नृविज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र
Block II	Basic Sociological Concepts मूल्य सामाजिक अवधारणा
Unit 1.	Society: Concept, Nature & Types समाज: अवधारणा, प्रकृति और प्रकार
Unit 2.	Social Structure: Role, Status, Norms & Values सामाजिक संरचना: भूमिका, स्थिति, मानदंड और मूल्य
Unit 3.	Community and Association समुदाय और संस्था
Unit 4.	Social Groups: Characteristics & Types सामाजिक समूह: विशेषताएँ और प्रकार
Unit 5.	Culture: Meaning, Forms & Characteristics संस्कृति: अर्थ, प्रकार और विशेषताएँ
Block III	Social Institutions सामाजिक संस्थाएँ
Unit 1.	Marriage: Forms and changes विवाह: प्रकार और परिवर्तन
Unit 2.	Family & Kinship परिवार और नातेदारी
Unit 3.	Religious Institution
Unit 4	Political Institution
Unit 5	Economical Institution
Block III	Socialization & Social Control
Unit 1.	Socialization-Concept & Agencies of Socialization
Unit 2.	Anomie & Deviance
Unit 3.	Social Control: Concept, Types & Agencies of Social Control
Block IV	Social Stratification



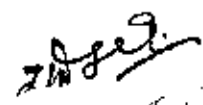

उपप्राध्यापक
समाजशास्त्र
हस्तान्वित (निर्देशिका)

Unit 1	Social Stratification-Meaning & Characteristics
Unit 2.	Forms of Social Stratification: Caste & Class
Unit 3	Gender, Race & Social Inequality

Paper 2: Sociological Theories

Block I Sociological Theories and Sociological Concept	
Unit 1.	Meaning and Nature of Sociological Theories
Unit 2.	Development of Sociological Thought
Unit 3.	Beginning of Historical Sociology
Block II August Comte	
Unit 1	Beginning of Sociology as a Scientific Discipline
Unit 2	Hierarchy of Sciences & Law of three stages
Unit 3	Positivism
Block III Karl Marx	
Unit 1.	Dialectical Materialism
Unit2	Modes of production: From primitive communism to Socialism
Unit 3	Class Conflict & Alienation
Unit 4	Neo-Marxism Concept: Dharendorf & Coser
Block IV Emile Durkheim	
Unit 1	Social fact: Rule of Sociological Methods
Unit 2.	Suicide & Society
Unit 3.	Social solidarity & Anomie
Unit 4.	Sociology of Collective Consciousness & representation
Unit 5.	Religion & Classification
Block V Max Weber	
Unit 1	Social Action & Ideal types
Unit 2	Forms of Authority: Charismatic, Traditional & Rational
Unit 3	Religion and Economy: Protestant Ethic & Spirit of Capitalism
Block VI George Mead	
Unit 1	Symbolic Interactionsim
Unit 2	Self & Society
Unit 3.	Theories of Socialization
Block VII Talcott Parsons	
Unit 1	Concept of Social Action
Unit2	Structural- Functionalism and Pattern Variables
Unit3	Social System & Subsystem Interlinkages




 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (विशेष)

Block VIII	R.K.Merton
Unit 1	Function & Functional Paradigm
Unit 2	Social Structure & Anomie
Unit 3	Reference Group and Social Mobility

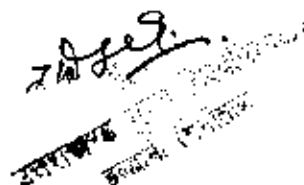
Paper 3: Social Research methods and Computer Applications

Block I:	Introduction to Social Research
Unit 1:	Social Research – Meaning and Purpose of Social Research
Unit 2:	Theory and Research: Qualitative & Quantitative
Unit 3:	Objectivity and Subjectivity in Social Research
Unit 4:	Ethics & Social Research
Block II:	Research Design
Unit 1:	Formulation of Research Problem
Unit 2:	Forms of Research Design :Descriptive, Diagnostic, Explanatory & Experimental Research Design
Unit 3:	Comparative Analysis in Social Research
Unit 4:	Textual Analysis, Media and Content Analysis
Unit 5:	Evaluative, Action and Participatory Research
Block III	Methods of Data Collection
Unit 1:	Levels of Measurement and Use of standard scales
Unit 2:	Sampling, Types of Sampling-probability and Non-probability sampling
Unit 3:	Source of Data:Primary and Secondary Data
Unit 4:	Focused Group Discussion (FGD)
Unit 5:	Narratives and Oral Histories
Unit 6:	Secondary Data bases and Official Documents
Block IV	Data Analysis & Interpretation
Unit 1:	Tabulation
Unit 2:	Coding of Data
Unit 3:	Analysis and Report Writing
Block V	Social Statistics
Unit 1:	Social Statistics: Meaning, Concept and uses
Unit 2:	Measurement of Central tendency: Mean, Median and Mode
Unit 3:	Measurement of Dispersion, Co-efficient of Co-relations
Block VI	Computer Applications and Social research
Unit 1:	Fundamentals of Computer-History, Language and components
Unit 2:	Applications of Computer operating System and Internet
Unit 3:	MS-Office, Word, Excel
Unit 4:	SPSS & SAS

Paper 4: Rural Sociology

Block 1	Rural Sociology-Introduction and Concept
Unit 1:	Concept of Rural Sociology, Origin and Development and Scope
Unit2:	Subject matter, methods and Tools of Rural Sociology
Unit3:	Rural-Urban Continuum-differences and Linkages
Block 2	Basic Concepts of Rural Sociology
Unit 1:	Indian Rural Community



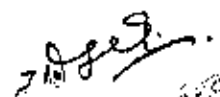

 20/01/2016
 Social Science

Unit 2:	Little Community, Peasant Society and Folk Culture
Unit 3:	Little and Great Tradition
Unit 4:	Parochialisation and Universalization
Block 3	Rural Social Structure and Institutions
Unit 1:	Rural Social Structure in India-Concept, Changes in rural social structure
Unit 2:	Rural Social Institutions-Family, Kinship and Marriage
Unit 3:	Rural Social Stratification-Inter-caste relations and jajmani system
Unit 4:	Dominant caste and Rural
Unit 5:	Rural Power Structure and Leadership.
Block 4	Village Change & Reconstruction
Unit 1:	Social Change in Village India
Unit 2:	Sanskritization, Westernization and Modernization in Villages
Unit 3:	Rural Social Problems
Block 5	Rural Development and Governance
Unit 1:	Rural Reconstruction
Unit 2:	Community Development Programme
Unit 3:	Panchayati Raj and Democratic Decentralization
Unit 4:	Green Revolution and its Impact in rural economy
Unit 5:	Recent Rural Development Programmes

Paper 5 :Urban Sociology

Block I	Urban Sociology and Cities
Unit 1:	Urban Sociology- Origin, Nature, Subject matter, Scope and Importance
Unit 2:	Methods and Tools of Urban Sociology
Unit 3:	Process of Urbanization in India
Block II	Basic Concepts of Urban Sociology
Unit 1:	The City, Functional Classification of Cities
Unit 2:	Urbanization, Urbanism, Urbanity
Unit 3:	Suburb, Metropolitan, Corporation and Neighborhood
Block III	Cities & Urbanization in Historical Perspectives
Unit 1:	Urbanization in Developed and Developing Countries
Unit 2:	Pre-industrial, Industrial and Post-Industrial and Colonial City
Unit 3:	Internal Structures of Cities: Star Theory, Sector theory and Multiple-Nuclei theory
Unit 4:	Location of Cities: Central Place Theory, Specialized Functions, Urban primary and Rank-Size Rule
Block IV	Urban Social Structure and Approaches to Urban Society
Unit 1:	Urban Family, Urban Social Stratification and Occupational Divisions
Unit 2:	Urban Life, Rural-Urban Continuum
Unit 3:	Theories of Urbanism: Ecological-Classical Neo-Classical and Socio-Cultural
Unit 4:	Marxist Approach to City
Block V	Urban Governance and Barriers of Urbanization
Unit 1:	Meaning and Principles of Urban Governance, Urban Governance in India
Unit 2:	Nature of Urban Policies, Urban Development Programme
Unit 3:	Challenges to Urban Governance: Urban Violence
Unit 4:	Poverty, Power, Crime and Slums




 कक्षा 12वीं
 विभाग शिक्षा
 अक्षांश (विभागाध्यक्ष)

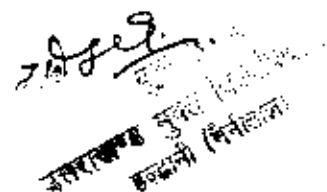
Paper 6: Indian Sociological Thought

Block I	Indological/Textual Perspective
Unit 1:	Radhakamal Mukherjee
Unit 2:	G.S.Ghurye
Unit 3:	Louis Dumont
Block II	Structural-Functional Perspective
Unit 1:	M.N.Srinivas
Unit 2:	S.C.Dube
Unit 3:	Mckim Marriott
Block III	Marxist Perspective
Unit 1:	D.P.Mukerji
Unit 2:	A.R.Desai
Unit 3:	Ramkrishna Mukherjee
Block IV	Civilizational Perspective
Unit 1:	N.K.Bose
Unit 2:	SurjitSinha
Unit 3:	L.P.Vidyarthi
Block V	Subaltern Perspective
Unit 1:	B.R.Ambedkar
Unit 2:	RanajitGuha
Unit 3:	David Hardiman
Block VI	Cultural Perspectives
Unit 1:	Manu & Kautilya
Unit 2:	Ghandhian Thoughts
Unit 3:	A K Saran

Paper 7: Sociology of Health and Medicine

Block I	Social Sciences, Health & Medicine
Unit 1:	Health: Concept, Meaning, Dimensions and indicators
Unit 2:	Forms, Concepts of Health- Biomedical, Ecological Psychological and Holistic definition of Health
Unit 3:	Factors affecting Health: Social, Economic and Cultural
Unit 4:	Social epidemiology and Health Status
Unit 5:	Geriatric Health
Block II	Sociological theories of Health and Medicine (Mitushi Gupta, JNU)
Unit 1:	Functionalist Theories: Parsons Sick-role
Unit 2:	Marxist Creativeness
Unit 3:	Feminist Approach
Unit 4:	Approaches to Plural Medical Knowledge and Practice systems
Block III	Medical Institutions
Unit 1:	Medical Care, Hospital, Healing Centers
Unit 2:	Allied Institutions: Family, Neighbourhood
Unit 3:	Pharmaceuticals
Block IV	Health Care System in India (mitushi gupta jnu)
Unit 1:	Health Planning and Policy in India
Unit 2:	Health care Administration in India

(Signature)



 UNIVERSITY OF DELHI
 DELHI

Unit 3:	Primary Health Care & Private Health Care in India
Unit 4:	Problems of Health & Medical Facilities
Unit 5:	PPP(Public –Private Partnership)
Unit 6	Medical Tourism

Paper 8: Sustainable Development in Hill Area

BLOCK I	Introduction to Sustainable Development
Unit 1	Changing conception of Development: Economic-Human-Social-Sustainable development linkages
Unit 2	Sustainable Development principles
Unit 3	Development – Environment Debate
Unit 4	Sustainable Development Parameters: Measuring Progress and Success
BLOCK II	Environment and Development
Unit 1	Environmental Issues: Meaning and Concepts
Unit 2	Environment and Development: Mapping different approaches
Unit 3	Development induced displacement and its Impact
Unit 4	Environmental Management: Land, water, forests
BLOCK III	Environmental Issues and People's Consciousness
Unit 1	Environmental degradation and pollution of natural resources
Unit 2	Encroachment over community property resources
Unit 3	Mobilizing communities for protection of environment: Role of NGOs, Women and stakeholders
Unit 4	Eco-spirituality and conservation ethics
Unit 5	Disaster Management
BLOCK IV	Sustainable Development in Hill Areas
Unit 1	Challenges of development in hill areas
Unit 2	Models of sustainable development
Unit 3	International conventions and frameworks of sustainable development and local communities
Unit 4	Poverty reduction, livelihood and sustainable development in hill areas

Paper:9 Social Psychology

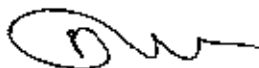
Block I	Basic Social Psychological Process
Unit 1:	Social Psychology: Concept, Scope and Importance (rupali)
Unit 2:	Attitude: Concept and Determinants (Garima Gupta 0
Unit 3:	Methods of studying social Psychology (rupali)
Unit 4:	Motivation and Social Motives (Rupali)
Unit 5:	Perception, Belief and Prejudice: Meaning and Concept (Rupali)
Block II	Human Behaviour and Social Interaction
Unit 1:	Human Behaviour: Concept, Determinants and Principles
Unit 2:	Concept of Social Interaction and its types
Unit 3:	Social Interaction & Social stimuli, Social Attitudes, Classification of Attitudes
Unit 4:	Forms of Social Interaction, Co-operation, Accommodation, Assimilation, competition and Conflict

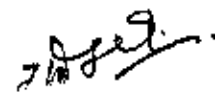
[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten text: 20/11/2020, 10:00 AM, 20/11/2020]

Block III	Social Norms & Conformity (Esha)
Unit 1:	Concept of Social Norms, Characteristics and its Impact on Social Behaviour
Unit 2:	Social Norms: Tradition, Customs, Folkway and Mores
Unit 3:	Social Role and Social Norms
Unit 4:	Formation of Social Norms and Conformity
Block IV	Socialization and Development of Personality
Unit 1:	Concept & techniques of Socialization
Unit 2:	Agencies of Socialization and its Factors
Unit 3:	Theories of Socialization: Durkheim, Cooley and Mead
Unit 4:	Personality: Definitions, Types and Factors affecting personality and social Factors influencing personality
Block V	Social learning and Leadership (Seema Srivastva)
Unit 1:	Social Learning: Meaning, Definition, factors on the process of learning and Principles of Learning
Unit 2:	Concept of Leadership, types and Characteristics
Unit 3:	Emerging Trends of Leadership




 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरिद्वार (विश्वविद्यालय)

उर्दू में स्नातकोत्तर (MAUL)

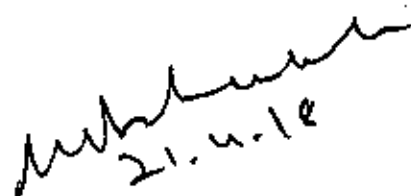
1. उद्देश्य – दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य ऐसे छात्रों को मुख्य धारा से जोड़ना है जो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से शिक्षा से वंचित हैं या बीच में ही शिक्षा छोड़ चुके हैं। शिक्षा की यह पद्धति नौकरीपेशा लोगों को उनके अपने ज्ञान को अद्यतन करने, नए व्यवसाय और विषयों का चुनाव करने में सक्षम बनाती है तथा साथ ही उनको आजीविका (Career) में उन्नति के लिए योग्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है।

उर्दू विषय के इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं :-

- उर्दू विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र में समुचित विशेषज्ञता हासिल कराना।
- उर्दू की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा मौलिक लेखक-विचारक के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वहन करने योग्य बनाना।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा एवं साहित्य परम्परा के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त करने योग्य बनाना।
- साहित्य की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना, मानवोचित विवेक एवं मूल्यों का निर्माण करना

2. प्रासंगिकता/उपयोगिता – आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। उर्दू विषय एक पारंपरिक विषय के रूप में विकसित हुआ है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में उर्दू साहित्य की उपयोगिता इस सन्दर्भ में भी ही निहित है कि यह विषय दूसाथ प्रणाली के मध्य मानवीय मूल्य, गरिमा को प्रस्थापित कर सके। इस द्रिस्थी से यह विषय उच्च ज्ञान के साथ संवेदना-कौशल के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। ऐसे में परम्परागत विश्वविद्यालय के घटकों से इतर दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के उर्दू विषय के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाईल, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से साहित्य एवं भाषा के ज्ञान का उपलब्ध कराया जाता है।

3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति – उर्दू विषय का यह पाठ्यक्रम उन छात्रों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो उर्दू के क्षेत्र में शिक्षक, शोधकर्ता, लेखक-विचारक के रूप में तथा अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तु सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से उर्दू की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में ही साहित्य-शिक्षा छोड़ चुके हैं। उर्दू विषय के शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से संबंधित स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान, परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं, सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाईल, वेबसाइट आदि) एवं संचार के माध्यम से बिना किसी बन्धन के कहीं भी कभी भी ज्ञान अर्जित कर सकता है।


21.4.18

Self Attested
20/04/18
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (नैनीताल)

4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य – मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा उर्दू विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है और संबंधित क्षेत्र में अधिक दक्ष बनाया जा सकता है। इसका प्रमुख कारण है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम में ज्ञान प्राप्ति के विभिन्न माध्यम जैसे स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान आदि शिक्षार्थी को केन्द्र में रखकर तैयार किए जाते हैं एवं सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरण (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाईल, वेबसाइट आदि), संचार माध्यमों आदि शिक्षार्थी के अनुसार कार्य करते हैं।

5. निर्देशात्मक रूपरेखा – उर्दू विषय का इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत उर्दू साहित्य एवं भाषा के अध्ययन को सम्मिलित किया गया है। उर्दू विषय के पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम 2 से अधिकतम 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 72 श्रेयांक का होगा।

क्रम.	प्रश्नपत्र	श्रेयांक	अंक	न्यूनतम समयावधि	अधिकतम समयावधि	माध्यम
I वर्ष MAUL						
1.	MAUL 101 राज़ल	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	लिखित सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	MAUL 102 नज़्म	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	MAUL 103 उर्दू ज़बान व अदब की तारीख	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	MAUL 104 तहकीक व तनकीद	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
II वर्ष MAUL						
1.	MAUL 201 दासतान, नावेल और अफसाना	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	MAUL 202 क़सीदा और मर्सिया	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	MAUL 203 मसनवी और रुबाई	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	MAUL 204 ग़ैर अफसानवी नज़्म	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
5.	MAUL 205 उर्दू ड्रामा	08	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

Self Attached
M. Sel. 19/11/2020

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

क. प्रवेश योग्यता	-	स्नातक
पाठ्यक्रम अवधि	-	2 वर्ष से 6 वर्ष
पाठ्यक्रम माध्यम	-	उर्दू
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	72
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	प्रवेश शुल्क	परीक्षा शुल्क	I-Card, Student-Welfare & Degree Fee	कुल
I वर्ष	2200	600	150	2950
II वर्ष	2200	750	300	3250
कुल	4400	1350	450	6200

ख. वितरण - उर्दू विषय का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर उर्दू विषय के शिक्षक उपलब्ध हों। विषय के सैद्धान्तिक पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्ष्मता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हो। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येक वर्ष कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन - शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की समुचित प्रणालियों - सत्रीय कार्य एवं सैद्धान्तिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा।

7. पुस्तकालय सहायता - उर्दू विषय केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर उर्दू विषय के शिक्षक तथा विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को उर्दू विषय के सैद्धान्तिक पक्ष का ज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्था होगी जहाँ विद्यार्थियों को उर्दू विषय के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया जा सकेगा।

8. पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत -

अ) इकाई लेखन	-	$175 \times 6000 = \text{रु}10,50,000/-$
ब) इकाई संपादन	-	$175 \times 3000 = \text{रु}05,25,000/-$
स) कुल	-	15,75,000/-

9. गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम -

उर्दू विषय के इस पाठ्यक्रम के के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

Self Attestation
Mudat Aff of HOD

- विद्यार्थी उर्दू विषय की विविध विधाओं तथा शाख की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
 - विद्यार्थी उर्दू विषय के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों एक संस्थाओं में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
 - उर्दू साहित्य की समुचित परम्परा के ज्ञान के पश्चात विद्यार्थी लेखक-विचारक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे।
 - विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भाषा एवं साहित्य परम्परा के ज्ञान के आधार पर सफलता प्राप्त कर सकेंगे।
 - साहित्य की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना, मानवोचित विवेक एवं मूल्यों का निर्माण संभव होगा।
- स्व - अध्ययन सामग्री के परिवर्द्धन - संवर्धन हेतु समय-समय पर विषय वस्तु की समीक्षा की जायेगी तथा विषय को अधुनातन रूप में परखा जाएगा। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का निरन्तर प्रसार-प्रचार किया जाएगा।

स्नातकोत्तर: पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र : MAUL 101 गज़ल

इकाई - 1 उर्दू गज़ल : तारीफ़ और तारीखी इर्तिक़ा

इकाई - 2 गज़ल का फन

इकाई - 3 क्लासकी गज़ल

इकाई - 4 तरक्की पसन्द गज़ल

इकाई - 5 जदीद गज़ल

इकाई - 6 बली मु० : बली दक्कनी

इकाई - 7 ख्वाजा मीर दर्द

इकाई - 8 मु० तकी : मीर तकी मीर

इकाई - 9 शैख़ इमाम बख़्श नासिख़

इकाई - 10 शैख़ गुलाम हमदानी मुसहफ़ी

इकाई - 11 ख्वाजा हैदर अली : आतिश

इकाई - 12 मिर्जा असदुल्ला खां : ग़ालिब

इकाई - 13 हकीम मोमिन खां : मोमिन

इकाई - 14 अली मुहम्मद : शाद अज़ीमाबादी

इकाई - 15 नवाब मिर्जा खां : दादा देहलवी

Self Attention
Maul 101

- इकाई - 16 शौकत अली : फानी बदायुनी
 इकाई - 17 सय्यद फजलुल हसन : हसरत मोहानी
 इकाई - 18 रघुपति सहाय : फिराक गोरखपुरी
 इकाई - 19 सय्यद नासिर काज़मी

द्वितीय प्रश्न पत्र : MAUL 102 नज़्म

- इकाई - 1 उर्दू नज़्म : तारीफ और तारीखी इर्तिफ़ा
 इकाई - 2 शैख वली मु० नज़ीर अकबराबादी " आदमी नामा "
 इकाई - 3 ख्वाज़ा अलताफ हुसैन हाली " बरखा रूत "
 इकाई - 4 अकबर हुसैन : अकबर इलाहाबादी " फर्जी लतीफा "
 इकाई - 5 दुर्गा सहाय सुरूर जहानाबादी " मादरे वतन "
 इकाई - 6 पंडित बृज नारायण चक्रवर्ती " आवाज़-ए-कौम "
 इकाई - 7 शैख मुहम्मद इकबाल " साकीनामा-जिब्रील-व-इबलीस "
 इकाई - 8 जोश मलीहाबादी " बदली का चाँद-शिकस्ते ज़िन्दों का खुआब "
 इकाई - 9 अख़्तर शीरानी " ऐ इश्क कहीं ले चल "
 इकाई - 10 फैज़ अहमद फैज़ " याद, तनहाई "
 इकाई - 11 मखदूम मुहियुद्दीन " चाँद तारों का बन, चारहगर "
 इकाई - 12 असरारुलहक मजाज़ " नज़रे अलीगढ़ "
 इकाई - 13 मुईन अहसन जज़बी " मेरी शायरी और नक्काद "
 इकाई - 14 जानिसार अख़्तर " रौशनियाँ, ज़िन्दगी के मोड़ पर "
 इकाई - 15 अली सरदार जाफरी " नई दुनिया को सलाम "
 इकाई - 16 अख़्तरुल ईमान " यादें "
 इकाई - 17 नून० मीम० राशिद " दरीचे के करीब "
 इकाई - 18 मीराजी " समन्दर का बुलावा "

तृतीय प्रश्न पत्र : MAUL 103 उर्दू ज़बान व अदब की तारीख

- इकाई - 1 हिन्द आर्यायी ज़बानों की मुख्तसर तारीख
 इकाई - 2 मगरिबी हिन्द और उसकी बोलियाँ
 इकाई - 3 उर्दू ज़बान की इब्तिदा के मुताल्लिक मुख्तलिफ नज़रयात
 इकाई - 4 दक्कनी उर्दू की खुसूसियात

Self Attended
 Model Answer

- इकाई - 5 उर्दू हिन्दी का लिसानियाती रिश्ता
 इकाई - 6 आदिल शाही दौर
 इकाई - 7 कुतुबे शाही दौर
 इकाई - 8 मीर व सौदा का अहद
 इकाई - 9 दौरे ईहाम गोई
 इकाई - 10 दबिस्ताने देहली
 इकाई - 11 दबिस्ताने लखनऊ
 इकाई - 12 फोर्ट विलियम कालेज से क़बूल उर्दू नस्र
 इकाई - 13 फोर्ट विलियम कालेज की अदबी खिदमात
 इकाई - 14 दिल्ली कालेज की अदबी खिदमात
 इकाई - 15 अलीगढ़ तहरीक
 इकाई - 16 तरक्कीपसंद तहरीक
 इकाई - 17 हलक़ा ए अरबाबे ज़ौक और उसके अहिम फनकार
 इकाई - 18 तहरीक आज़ादी और उर्दू अदब
 इकाई - 19 जदीदियत

चतुर्थ प्रश्न पत्र : MAUL 104 तहकीक व तनकीद

- इकाई - 1 उर्दू में तहकीक की रिवायात
 इकाई - 2 तहकीक का फन और उसूल
 इकाई - 3 तहकीक के मसाइल
 इकाई - 4 तहकीक और तनकीद का बाहमी ताल्लुक
 इकाई - 5 उर्दू के अहिम मुहकिकीन
 इकाई - 6 मौलवी अब्दुलहक़
 इकाई - 7 महमूद शीरानी
 इकाई - 8 खवाजा अहमद फारुकी
 इकाई - 9 इम्तिथाज़ अली खां अर्शी
 इकाई - 10 मसऊद हुसैन खां
 इकाई - 11 डा० ज्ञान चन्द जैन
 इकाई - 12 तनकीद का मफहूम ,आगाजो इर्तिका
 इकाई - 13 उर्दू तजक़रों में तनकीदी अनासिर

*Encl Attached
 Maul Agha Ham*

- इकाई - 14 मगरिबी और मशरिकी उसूले तनक्रीद
 इकाई - 15 तनक्रीद के मुख्तलिफ दबिस्तान
 इकाई - 16 तरक्कीपसंद अदबी तनक्रीद
 इकाई - 17 जदीद उर्दू तनक्रीद
 इकाई - 18 हाली : " मुकद्दमा ए शेरो शायरी "
 इकाई - 19 शिबली : " मवाजिना ए अनीस व दबीर "
 इकाई - 20 मजनू गोरखपुरी : " अदब और जिंदगी "
 इकाई - 21 आल अहमद सुरूर : " मुसरत से बसीरत तक "
 इकाई - 22 अखतर हुसैन रायपुरी के तनक्रीदी तस्बूरात
 इकाई - 23 कलीमुद्दीन अहमद के तनक्रीदी तस्बूरात
 इकाई - 24 शमसुर्रहमान फारूकी के तनक्रीदी तस्बूरात
 इकाई - 25 गोपी चन्द नारंग के तनक्रीदी तस्बूरात

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष :

प्रथम प्रश्न पत्र : MAUL 201 दासतान, नावेल और अफसाना

- इकाई - 1 दास्तान : तारीफ और तारीखी इर्तिका
 इकाई - 2 सबरस : मुल्ला वजही
 इकाई - 3 बागो बहार : मीर अम्मन
 इकाई - 4 फसाना ए अजाइब : रजब अली बेग सुरूर
 इकाई - 5 उर्दू नॉविल निगारी : तारीफ और तारीखी इर्तिका
 इकाई - 6 नॉविल निगारी का फन
 इकाई - 7 इब्नुल वक्त : डिप्टी नजीर अहमद
 इकाई - 8 उमराव जाने अदा : मिर्जा हादी रुसवा
 इकाई - 9 फिदौसे बरी : अब्दुल हलीम शरर
 इकाई - 10 गोदान : प्रेम चन्द
 इकाई - 11 ऐसी बुलंदी ऐसी पसती : अज़ीज़ अहमद
 इकाई - 12 खुदा की बस्ती : शौकत सिद्दीकी
 इकाई - 13 आंगन : खदीजा मस्तूर
 इकाई - 14 लंदन की एक रात : सज्जाद ज़हीर
 इकाई - 15 अफसाने का फन और तारीखी इर्तिका

*Sd/- Atashul
 Mohd Arif
 Prof*

- इकाई -16 प्रेम चन्द : पूस की रात
 इकाई -17 अली अब्बास हुसैनी : नूरो नार
 इकाई -18 कृष्ण चन्द : अनदाता
 इकाई -19 मंटो : नया कानून
 इकाई -20 इस्मत चुगताई : चौथी का जोड़ा
 इकाई -21 राजेन्द्रसिंह बेदी : अपने दुःख मुझे देदो
 इकाई -22 ग्यास अहमद गद्दी : दीमक
 इकाई -23 इन्तिज़ार हुसैन : आखरी आदमी
 इकाई -24 काजी अब्दुस सत्तार : पीतल का घंटा

द्वितीय प्रश्न पत्र : MAUL 202 क़सीदा और मर्सिया

- इकाई - 1 क़सीदे की तारीफ़, आगाज़ो इर्तिका
 इकाई - 2 क़सीदे का फन
 इकाई - 3 क़सीदे के जवाब की असबाब
 इकाई - 4 सौदा की क़सीदा निगारी
 इकाई - 5 अब सामने मेरे जो कोई पीरो जबां है
 इकाई - 6 ज़ौक की क़सीदा निगारी
 इकाई - 7 जहे निशात अगर कीजिए इसे तहरीर
 इकाई - 8 ग़ालिब की क़सीदा निगारी
 इकाई - 9 हाँ महे नौ सुनें हम उसका नाम
 इकाई - 10 मोहसिन काकोरवी की क़सीदा निगारी
 इकाई - 11 समते काशी से चला जानिबे मथुरा बादल
 इकाई - 12 मर्सिया की तारीफ़ और तारीखी इर्तिका
 इकाई - 13 मर्सिया का फन
 इकाई - 14 दक्कन में मर्सिया निगारी
 इकाई - 15 शिमाती हिन्द में उर्दू मर्सिया
 इकाई -16 मीर अनीस : नमक खुआने तकल्लुम है फ़साहत मेरी
 इकाई -17 मिर्ज़ा दबीर : किस शेर की आमद है कि रन कांप रहा है
 इकाई -18 हाली : मर्सिया ए ग़ालिब
 इकाई -19 इकबाल : बालिदा ए मरहूमा की याद में

Self attached
 Maul 202
 19/11/20

इकाई -20 जोश : हुसैन और इंकलाब

तृतीय प्रश्न पत्र : MAUL 203 मसनवी और रुबाई

इकाई - 1 मसनवी : तारीफ और तारीखी इर्तिका

इकाई - 2 मसनवी का फन

इकाई - 3 दक्कनी मसनवियात का जाइज़ा

इकाई - 4 शिमाली हिन्द की मसनवियात का जाइज़ा

इकाई - 5 मुल्ला वजही : कुतुब ए मुश्तरी

इकाई - 6 मीर हसन : सेहरुलबयान

इकाई - 7 दया शंकर नसीम : गुलज़ारे नसीम

इकाई - 8 मिर्ज़ा शौक़ : ज़हरे इश्क़

इकाई - 9 रुबाई : तारीफ और तारीखी इर्तिका

इकाई - 10 रुबाई का फन

इकाई - 11 मीर अनीस : दस रुबाई

इकाई - 12 हाली : दस रुबाई

इकाई - 13 अकबर इलाहाबादी : दस रुबाई

इकाई - 14 रवां : दस रुबाई

इकाई - 15 अमजद : दस रुबाई

इकाई - 16 जोश : दस रुबाई

इकाई - 17 फिराक : दस रुबाई

चतुर्थ प्रश्न पत्र : MAUL 204 गैर अफसानवी नस्र

इकाई - 1 मज़मून निगारी का फन

इकाई - 2 उर्दू के अहिम मज़मून निगार

इकाई - 3 इंशाईया निगारी का फन

इकाई - 4 उर्दू के अहिम इंशाईया निगार

इकाई - 5 खुतूत निगारी का फन

इकाई - 6 उर्दू के अहिम खुतूत निगार

इकाई - 7 तंजो मिज़ाह का फन

इकाई - 8 उर्दू के अहिम तंजो मिज़ाह निगार

इकाई - 9 सवानिह निगारी का फन

Self Answered
Maul 203-4
Mum

- इकाई - 10 अहिम सवानिह निगारी
- इकाई - 11 खुद नविशत सवानिह का फन
- इकाई - 12 अहिम खुद नविशत सवानिह निगार
- इकाई - 13 खाका निगारी का फन
- इकाई - 14 अहिम खाका निगार
- इकाई - 15 सफर नामे का फन
- इकाई - 16 अहिम सफर नामा निगार

पंचम प्रश्न पत्र : MAUL 205 उर्दू ड्रामा

- इकाई - 1 ड्रामा की तारीफ और तारीखी इतिहास
- इकाई - 2 ड्रामे का फन
- इकाई - 3 ड्रामे के एक्साम
- इकाई - 4 ड्रामा और स्टेज
- इकाई - 5 यूनानी और मगरिबी ड्रामा की रिवायात
- इकाई - 6 हिन्दुस्तानी ड्रामा की रिवायात
- इकाई - 7 उर्दू ड्रामे में नये रुझानात और फिकरी मिलानात
- इकाई - 8 उर्दू के अहिम ड्रामा निगार
- इकाई - 9 उर्दू रेडियो और उसके अहिम ड्रामा निगार
- इकाई - 10 अमानत लखनवी : इंद्र सभा
- इकाई - 11 आगा हश्म कश्मीरी : सिल्वर किंग
- इकाई - 12 आबिद हुसैन : पर्दा ए गफलत
- इकाई - 13 इम्तियाज अली ताज : अनार कली
- इकाई - 14 मुहम्मद मुजीब : खेती
- इकाई - 15 मुहम्मद हुसैन : जहहाक
- इकाई - 16 हबीब तनबीर : आगरा बाजार
- इकाई - 17 इब्राहीम युसूफ : मिर्जा गालिब

[Signature]
21.4.18

[Signature]
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (निर्वाह)

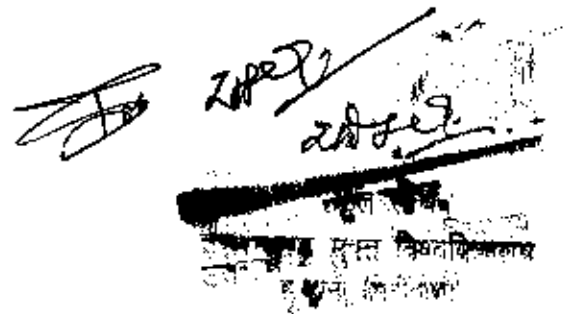
Self Attached
Maulana
20/04/18

एम0 ए0 योग (MAY)

1. उद्देश्य – एम0 ए0 योग पाठ्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं।

- योग विषय की विविध दार्शनिक विधाओं तथा आर्ष ग्रन्थों में समुचित विशेषज्ञता हासिल कर योग के तत्वदर्शन को जानना।
- योग की शिक्षा तथा चिकित्सा में वर्तमान में बेहतर सम्भावनाओं को देखते हुए शिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना।
- योग के विविध दार्शनिक एवं क्रियात्मक पहलू का अध्ययन कराकर शिक्षार्थियों को शोध व अनुसंधान के लिए प्रेरित करना।
- प्राचीनतम आर्ष ग्रन्थों में योग की परम्परा के गहन अध्यापन द्वारा छात्रों के हृदय में मानवीय संवेदना एवं नैतिक एवं चारित्रिक जीवन मूल्यों का निर्माण करना।

2. प्रासंगिकता एवं उपयोगिता – इस विकासमान मानव सभ्यता का कोई भी धर्म, दर्शन अथवा विचार तब तक मानव के लिए कल्याणकारी तथा उपयोगी नहीं माना जा सकता जब तक उस दर्शन या विचार का मूल कर्म न हो। कर्महीन दर्शन अथवा कर्मविहीन धर्मोपदेश अपथ्य की तरह त्याज्य माना जाना चाहिए। भारतीय धर्मसाधना एवं दर्शन पद्धतियों के मूल में कर्मसौंदर्य की विकासशील उपस्थिति सदैव प्रेरणास्रोत रही है। इसी विचार पद्धति का सम्यक दिग्दर्शन 'योग' साधना के भीतर भी परिलक्षित होता है। कतिपय आसनों, प्राणायाम एवं षट्कर्मों को योग मान बैठने की संकुचित दृष्टि अष्टांग योग की समग्रता को भुला बैठी है। योग का अष्टांग स्वरूप जीवन के किसी एक मात्र आयाम के लिए न होकर मानव मात्र की सम्पूर्ण जीवन यात्रा के परिमार्जन एवं उन्नयन के लिए होता है। यह तथ्य सर्वमान्य है कि प्राचीन परम्परागत भारतीय जीवन पद्धति की प्रकृति व्यक्तिगत स्वार्थ के संकुचित घरातल पर अवस्थित न होकर सर्वजनहित एवं सर्वजन सुख की लोककल्याणकारी मनोभूमि पर प्रतिष्ठित है। भारतीय जीवन पद्धति न केवल नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर अपितु साहित्य, कला, संगीत, स्थापत्य, विज्ञान, धर्म, दर्शन एवं सामाजिक ताने-बाने तक के भीतर लोककल्याण-जनकल्याण का मार्ग खोज निकालती है। इसी लोकमंगलकारी जीवन दृष्टि का प्रतिफलन हम समग्र योग की विचारधारा के मूल में देखते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय से अलग मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से योग विषय के विद्यार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार माध्यमों के साथ-साथ प्रतिवर्ष 10 दिवसीय अनिवार्य या आवश्यकतानुसार इससे अधिक दिनों की कार्यशालाओं के माध्यम योग के क्रियात्मक व सैद्धान्तिक पक्षों को ज्ञान विद्यार्थी को दिया जायेगा।



3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति – योग विषय का यह पाठ्यक्रम उन छात्रों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो योग विज्ञान के दार्शनिक एवं चिकित्सकीय पक्ष को जानना चाहते हैं किन्तु पारिवारिक, आर्थिक, या किसी अन्य कारणों से योग विषय की उच्च शिक्षा से वंचित हैं। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों का समूह अधिकतर ऐसा होता है कि योग के प्रयोगात्मक पक्ष का उन्हें ज्ञान तो होता है परन्तु कोई डिग्री इत्यादि न होने के कारण इन्हें रोजगार नहीं मिलता है। इस कार्यक्रम में ऐसे शिक्षार्थी भी प्रवेश लेंगे जो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा न केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गया है, जो किसी व्यवसाय या नौकरी में रहते हुए संस्थागत शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते और अधिक आयु हो जाने के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रहे हैं।
4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य – मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा योग विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों का समूह अधिकतर ऐसा होता है कि योग के प्रयोगात्मक पक्ष का उन्हें ज्ञान तो होता है परन्तु कोई डिग्री इत्यादि न होने के कारण इन्हें रोजगार नहीं मिलता है। कई विद्यार्थी योग विज्ञान के दार्शनिक एवं चिकित्सकीय पक्ष को जानना चाहते हैं किन्तु पारिवारिक, आर्थिक, या किसी अन्य पारिवारिक कारणों से परम्परागत विश्वविद्यालयों में योग विषय की उच्च शिक्षा से वंचित रहे हैं। अतः दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को योग विषय की उच्च शिक्षा दी जा सकती है तथा जनमानस को समग्र स्वास्थ्य की प्राप्ति कराई जा सकती है।
5. निर्देशात्मक रूपरेखा – एम0 ए0 योग पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष तथा अधिकतम 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 72 श्रेयांक (36 श्रेयांक प्रति वर्ष) का होगा।

क्रम.	प्रश्नपत्र	श्रेयांक	अंक	न्यूनतम समयावधि	अधिकतम समयावधि	माध्यम
प्रथम वर्ष एम0 ए0 योग						
1.	योग के आधारभूत तत्त्व MY 101	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्व अध्ययन सामग्री वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री, कार्यशालाएँ
2.	व्यवहारिक मनोविज्ञान व योग MY 102	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

प्रमुख शिक्षण अधिकारी
योग विभाग
राष्ट्रीय योग संस्थान

3.	हठयोग के सिद्धान्त MY 103	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	मानव जीव विज्ञान व योग MY 104	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
5	योग में अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय MY 105	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
6	क्रियात्मक MY 106	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
एम0 ए0 योग द्वितीय वर्ष						
1.	पातंजल योग सूत्र MY 201	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	योग एवं स्वास्थ्य MY 202	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्राकृतिक चिकित्सा MY 203	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	पूरक चिकित्सा पद्धतियां MY 204	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
5.	निबन्ध MY 205	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
6.	क्रियात्मक MY 206	06	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

क. प्रवेश योग्यता	-	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक 10+2+3
पाठ्यक्रम अवधि	-	2 वर्ष से 6 वर्ष
पाठ्यक्रम माध्यम	-	हिन्दी
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	72 (36 प्रति वर्ष)
शुल्क संरचना	-	
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	प्रवेश शुल्क	कार्यशाला शुल्क	परीक्षा शुल्क	प्रयो0 परीक्षा शुल्क	पहचान पत्र / विद्यार्थी कल्याण कोष	कुल
प्रथम वर्ष	8000/-	1000/-	750/-	500/-	150/-	10400/-
द्वितीय वर्ष	8000/-	1000/-	750/-	500/-	300 डिग्री	10550/-

[Signature]

[Signature]
कुल 08/07/2020
मुख्य निदेशिका
पृष्ठ 1/1

कुल	16000/-	2000/-	1500/-	1000/-	450/-	20950/-

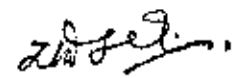
ख. वितरण – योग विषय का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर योग विषय के शिक्षक तथा प्रयोगात्मक कक्षाओं हेतु योग प्रशिक्षक महिला एवं पुरुष अलग-अलग उपलब्ध हों तथा योगाभ्यास एवं षट्कर्मों हेतु उचित स्थान उपलब्ध हो। विषय के सैद्धान्तिक पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री (SLM) मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्ष्मता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हो। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिवर्ष सभी शिक्षार्थियों को 10 दिवसीय योग कार्यशालाओं में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करना होगा। विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन समय-समय पर किया जायेगा।

ग. मूल्यांकन – शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की समुचित प्रणालियों - सत्रीय कार्य एवं सैद्धान्तिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा। 10 दिवसीय कार्यशाला अनिवार्य रूप से की जायेगी तथा कार्यशाला के अन्त में ही विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा भी कराई जायेगी तथा बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षकों के द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा।

7. पुस्तकालय सहायता तथा प्रयोगशाला – एम0 ए0 योग पाठ्यक्रम केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर योग विषय के शिक्षक / प्रशिक्षक, योग, प्राकृतिक चिकित्सा तथा विविध पूरक चिकित्सा की निर्धारित प्रयोगशाला तथा विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को योग विषय के सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक पक्षों का ज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्था होगी जहाँ विद्यार्थियों को योग विषय के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया जा सकेगा।

8. पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत –

अ) इकाई लेखन	-	186×6000 = ₹0 1,116,000/-
ब) इकाई संपादन	-	186×3000 = ₹0 558,000/-
स) कुल	-	1,574,000 /-

कुल राशि
रु. 1,574,000/-
प्रमुख अधिकारी, विश्वविद्यालय
योग

9. गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम -कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और 2 वर्ष में कम से कम एक बार अध्ययन बोर्ड (Board of Study) के द्वारा योग की विधा से जुड़े बाह्य विषय-विशेषज्ञों से पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सलाह ली जायेगी तथा विशेषज्ञों के निर्देशानुसार आवश्यक परिवर्तन किया जायेगा।

एम0 ए0 योग पाठ्यक्रम के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

- विद्यार्थी योग विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- विद्यार्थी योग विषय के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों में योग शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- विविध चिकित्सालयों में योग प्रशिक्षक / योग चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- वर्तमान समय में योग विषय की अपनी एक अन्तर्राष्ट्रीय पहचान है। विद्यार्थी योग विषय का सम्यक अध्ययन कर भारत देश की इस विधा को विश्व में प्रचारित कर अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।



कुल सचिव

राष्ट्रीय योग संस्थान
हरद्वार, दिल्ली-110002

एम0 ए0 योग
M A Yoga
प्रथम वर्ष Ist Year
प्रश्न पत्र - प्रथम (MY-101)
योग के आधारभूत तत्व (Foundation of Yoga)

100 अंक

ब्लॉक-प्रथम योग का स्वरूप

- इकाई-1 योग का अर्थ, परिभाषा, महत्व व उद्देश्य
इकाई-2 योग का उद्भव एवं विकास
इकाई-3 योग में साधक एवं बाधक तत्व

ब्लॉक-द्वितीय विभिन्न शास्त्रों में योग

- इकाई-4 वेद एवं उपनिषद्
इकाई-5 गीता एवं योग वाशिष्ठ
इकाई-6 बौद्ध दर्शन तथा जैन दर्शन
इकाई-7 सांख्य एवं वेदान्त
इकाई-8 आयुर्वेद

ब्लॉक-तृतीय योग के प्रकार

- इकाई-9 अष्टांग योग एवं कर्मयोग
इकाई-10 भक्तियोग एवं ज्ञानयोग
इकाई-11 हठयोग
इकाई-12 मंत्रयोग एवं क्रियायोग

ब्लॉक-चतुर्थ प्राचीन योगियों का परिचय

- इकाई-13 महर्षि पतंजलि
इकाई-14 गोरक्षनाथ
इकाई-15 आदि शंकराचार्य

ब्लॉक-पंचम अर्वाचीन योगियों का परिचय

- इकाई-16 महर्षि दयानन्द
इकाई-17 श्री अरविन्द
इकाई-18 योगी श्यामाचरण लाहिडी महाशय
इकाई-19 स्वामी विवेकानन्द
इकाई-20 स्वामी कुवलयाणन्द एवं स्वामी शिवानन्द

Handwritten signature

Handwritten signature

कुल शिक्षक
मुख्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम0 ए0 योग
M A Yoga
प्रथम वर्ष Ist Year
प्रश्न पत्र-द्वितीय (MY-102)
व्यावहारिक मनोविज्ञान एवं योग (Applied Psychology and Yoga) 100 अंक

ब्लॉक-प्रथम व्यावहारिक मनोविज्ञान एवं व्यक्तित्व

- इकाई-1 व्यवहारिक मनोविज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं मनोविज्ञान का क्षेत्र
इकाई-2 व्यक्तित्व अर्थ, परिभाषा एवं निर्धारक
इकाई-3 व्यक्तित्व को समझने में पूर्व प्रयास

ब्लॉक-द्वितीय व्यक्तित्व के विभिन्न सिद्धान्त

- इकाई-4 फ्रेडरिक एवं शेल्डन का व्यक्तित्व सिद्धान्त
इकाई-5 मास्लो का मानवतावादी सिद्धान्त
इकाई-6 फ्रायड युंग एवं एडलर का मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त
इकाई-7 एरिकसन का सिद्धान्त

ब्लॉक-तृतीय मनोवैज्ञानिक परीक्षण

- इकाई-8 मनोविज्ञान परीक्षण: अर्थ एवं उद्देश्य
इकाई-9 मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की विशेषता
इकाई-10 प्रक्षेपी एवं वस्तुनिष्ठ विधियाँ

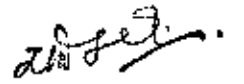
ब्लॉक-चतुर्थ मानव योग्यताएँ

- इकाई-11 बुद्धि: प्रकृति, परिभाषा एवं सिद्धान्त
इकाई-12 बुद्धि का मापन
इकाई-13 चिन्तन की प्रकृति एवं प्रकार
इकाई-14 स्मृति परिभाषा एवं प्रकार

ब्लॉक-पंचम मनोवैज्ञानिक समस्याएँ

- इकाई-15 मानसिक तनाव-लक्षण, कारण एवं योग समाधान
इकाई-16 चिन्ता एवं अवसाद का लक्षण, कार्य एवं योग समाधान
इकाई-17 व्यसन- प्रकृति, लक्षण कारक एवं मादक पदार्थों का कुप्रभाव
इकाई-18 व्यसन मुक्ति के सिद्धान्त, योग द्वारा व्यसन मुक्ति





कुल संलग्न
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वितीय (प्रश्नपत्र)

एम0 ए0 योग
M A Yoga
प्रथम वर्ष Ist Year
प्रश्न पत्र-तृतीय (MY)-103
हठयोग के सिद्धान्त (Principle of HathYoga)

100 अंक

ब्लॉक-प्रथम हठयोग का स्वरूप

इकाई-1 हठयोग का अर्थ, परिभाषाएं, उद्देश्य एवं महत्व

इकाई-2 हठयोग का उद्भव एवं विकास क्रम

इकाई-3 हठाभ्यास हेतु उचित स्थान, ऋतु काल एवं आहार-विहार

ब्लॉक-द्वितीय हठयोग प्रदीपिका-आसन, प्राणायाम एवं षट्कर्म

इकाई-4 विविध आसनों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-5 नाडीशोधन, सूर्यभेदन तथा उज्जायी प्राणायाम की विधि लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-6 सीत्कारी, शीतली, भस्त्रिका, ध्रामरी, मूर्च्छा एवं प्लावनी प्राणायाम की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-7 धौति, वस्ति, नौलि की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-8 नेति, त्राटक एवं कपालभाति की विधि लाभ एवं सावधानियाँ

ब्लॉक-तृतीय हठयोग प्रदीपिका-मुद्रा एवं नादानुसंधान

इकाई-9 बन्ध एवं मुद्रा का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व

इकाई-10 निम्नलिखित बन्धों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ -

मूल बन्ध, जालन्धर बन्ध, उड्डियान बन्ध, महाबन्ध

इकाई-11 निम्नलिखित मुद्राओं की विधि लाभ एवं सावधानियाँ -

महामुद्रा, महावेध, खेचरी, विपरीतकरणी, वज्रोली, शक्तिचालिनी

इकाई-12 नाद की अवधारणा, नाद का स्वरूप एवं अवस्थायें

इकाई-13 कुण्डलिनी का स्वरूप तथा कुण्डलिनी जागरण के उपाय

ब्लॉक-चतुर्थ घेरण्ड संहिता-षट्कर्म

इकाई-14 घेरण्ड संहिता में वर्णित धौति की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-15 घेरण्ड संहिता में वर्णित वस्ति, नेति, नौलि की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-16 घेरण्ड संहिता में वर्णित त्राटक एवं कपालभाति की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

ब्लॉक-पंचम घेरण्ड संहिता-आसन एवं प्राणायाम

इकाई-17 घेरण्ड संहिता में वर्णित 1-16 आसनों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-18 घेरण्ड संहिता में वर्णित 17-32 आसनों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-19 घेरण्ड संहिता में वर्णित विविध प्राणायामों की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

ब्लॉक-षष्ठ घेरण्ड संहिता-मुद्रा प्रत्याहार, ध्यान एवं समाधि

इकाई-20 घेरण्ड संहिता में वर्णित मुद्राओं की विधि, लाभ एवं सावधानियाँ

इकाई-21 घेरण्ड संहिता में वर्णित प्रत्याहार व ध्यान

इकाई-22 घेरण्ड संहिता में वर्णित समाधि वर्णन

कुल 100 अंक
प्रश्न पत्र-तृतीय (MY)-103
हठयोग के सिद्धान्त (Principle of HathYoga)

एम0 ए0 योग

M A Yoga

प्रथम वर्ष Ist Year

प्रश्न पत्र-चतुर्थ (MY-104)

मानव जीव विज्ञान एवं योग (Human Biology and Yoga)

100 अंक

ब्लॉक-प्रथम मानव शरीर संरचना

इकाई-1 मानव शरीर व शरीर रचना, कोशिका व ऊतक-संरचना प्रकार व कार्य

इकाई-2 अस्थियों की संरचना प्रकार व कार्य

इकाई-3 संधियों का प्रकार व कार्य

इकाई-4 पेशियों की संरचना प्रकार व कार्य

इकाई-5 अस्थि व पेशीतंत्र पर यौगिक प्रभाव

ब्लॉक-द्वितीय परिसंचरण तंत्र व श्वसन तंत्र

इकाई-6 हृदय की संरचना व कार्य

इकाई-7 शिरा व धमनी- संरचना व कार्य

इकाई-8 श्वसन तंत्र-संरचना व कार्य

इकाई-9 परिसंचरण व श्वसन तंत्र पर यौगिक प्रभाव

ब्लॉक-तृतीय पाचन व उत्सर्जन तंत्र

इकाई-10 पाचन तंत्र की संरचना व कार्य

इकाई-11 उत्सर्जन तंत्र की संरचना व कार्य

इकाई-12 उत्सर्जन व पाचन तंत्र पर यौगिक प्रभाव

ब्लॉक-चतुर्थ अन्तःस्रावी तंत्र

इकाई-13 पिट्यूट्री ग्रन्थि, पीनियल ग्रन्थि, थायराइड व पैराथायराइड ग्रन्थि

इकाई-14 एड्रीनल, पैक्रियाज व गोनाड्स ग्रन्थि

इकाई-15 पीयूष, पीनियल, थायराइड, पैराथायराइड, एड्रीनल, पैक्रियाज ग्रन्थियों पर यौगिक प्रभाव

ब्लॉक-पंचम तंत्रिका तंत्र

इकाई-16 मानव मस्तिष्क एवं मेरुरज्जु

इकाई-17 पेरीफेरल व क्रेनियल नर्व

इकाई-18 परानुकम्पी एवं अनुकम्पी तंत्रिकाएं

इकाई-19 ज्ञानेन्द्रियों की संरचना व कार्य

इकाई-20 तंत्रिका तंत्र पर यौगिक प्रभाव

मुख्य अतिरिक्त
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (उ.प्र.)

ब्लॉक-प्रथम योग में अनुसंधान

इकाई-1 अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा एवं क्षेत्र

इकाई-2 शोध के प्रकार- ऐतिहासिक शोध, दार्शनिक शोध, मनोवैज्ञानिक शोध, प्रयोगात्मक शोध

इकाई-3 समस्या का चयन एवं परिकल्पना

इकाई-4 प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श चयन की विधियाँ

ब्लॉक-द्वितीय शोध विधियाँ व अभिकल्प

इकाई-5 अनुसंधान विधियाँ-निरीक्षण विधि, सहसम्बन्धनात्मक विधि एवं प्रयोगात्मक विधि

इकाई-6 विविधचर-स्वतंत्र, बाह्य एवं आश्रित

इकाई-7 शोध अभिकल्प- दो यादृच्छिक अभिकल्प, कारकीय अभिकल्प

ब्लॉक-तृतीय सांख्यिकी गणनाएँ

इकाई-8 सांख्यिकी का अर्थ एवं महत्व

इकाई-9 अनुसंधान आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण एवं वितरण, आवृत्ति वितरण, लेखा चित्रीय अंकन

इकाई-10 केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, व्यवस्थित एवं अव्यवस्थित आंकड़ों के मध्यमान,

मध्यांक एवं बहुलांक की गणना

इकाई-11 विचलन के माप, प्रमाणिक विचलन

ब्लॉक-चतुर्थ सामान्य सम्भाव्यता वक्र

इकाई-12 सामान्य सम्भाव्यता वक्र- अर्थ, विशेषताएँ व उपयोग

इकाई-13 सामान्य सम्भाव्यता वक्र सम्बन्धी प्रश्न

इकाई-14 सह सम्बन्ध गुणांक-कार्ल पियर्सन तथा स्पीयरमान रो

ब्लॉक-पंचम सांख्यिकीय मानों की सार्थकता

इकाई-15 मध्यमान, मध्यांक, प्रमाणिक विचलन, सह सम्बन्ध गुणांक की सार्थकता

इकाई-16 टी0 अनुपात की गणना एवं क्रांतिक अनुपात की गणना

इकाई-17 काई स्वचायर परीक्षण

ब्लॉक-षष्ठ **शोध प्रतिवेदन का स्वरूप**

इकाई-18 शोध प्रतिवेदन के विभिन्न सोपान- प्रस्तावना, शोध कार्य का महत्व व आवश्यकता, शोधकार्य का

शीर्षक, पद-प्रत्ययों की परिभाषा, शोध कार्य के उद्देश्य सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन, परिकल्पनाएँ

इकाई-19 आंकड़ों का संग्रह, सारणीकरण, सांख्यिकीय विश्लेषण, परिणामों की प्राप्ति

इकाई-20 शोध कार्य के निष्कर्ष, शैक्षिक निहितार्थ, सन्दर्भ ग्रन्थों की सूची, परिशिष्ट

Adel.

बहुल संज्ञा

SECRET

एम0 ए0 योग
M A Yoga
प्रथम वर्ष Ist Year
प्रश्न पत्र - षष्ठ (MY-106)
क्रियात्मक (Practical)

100 अंक

इकाई-प्रथम आसन

(30 अंक)

उत्तानपादासन, सुप्तपवनमुक्तासन, सर्वांगासन, मत्स्यासन, हलासन, भुजंगासन, शलभासन, नौकासन, विपरीत नौकासन, या नाभ्यासन, मकरासन, धनुरासन, कर्णपीडासन, चक्रासन, जानुशीर्षासन, कन्धरासन, पश्चिमोत्तानासन, आकर्णधनुरासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन, पद्मासन, उत्थितपद्मासन, बद्धपद्मासन, तोलांगुलासन, योगमुद्रा या योगासन, कुक्कुटासन, गर्भासन, वक्रासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन, मत्स्येन्द्रासन, गोमुखासन, वज्रासन, सुप्त वज्रासन, कूर्मासन, उत्तान कूर्मासन, मण्डूकासन, उत्तान मण्डूकासन, उष्ट्रासन, शशांकासन (गुरुप्रणामासन), दण्डासन, उग्रासन (भूमनासन), गोरक्षासन, सिंहासन, भद्रासन, मार्जारिआसन, व्याघ्रासन, पादांगुष्ठासन, कागासन, उदराकर्षण, मयूरासन, ताड़ासन, कटिचक्रासन, पार्श्वचक्रासन, त्रिकोणासन, कोणासन, ऊर्ध्वहस्तोत्तानासन, गरुडासन, संकटासन, हस्तपादांगुष्ठासन, उत्कटासन, पादहस्तासन, शीर्षासन, वृक्षासन, नटराजासन, शवासन सूर्य नमस्कार

इकाई-द्वितीय षट्कर्म

(20 अंक)

गजकरणी, जलनेति, सूत्रनेति, दुधनेति, घृतनेति, दण्डधौति] नौलि, वातक्रम कपालभाति, व्युत्क्रम कपालभाति, शीतक्रम कपालभाति

इकाई-तृतीय प्राणायाम

(10 अंक)

नाडीशोधन, अनुलोम विलोम, सूर्य भेदी, उज्जायी, सीत्कारी, शीतली, भ्रामरी, भस्त्रिका, बाह्यवृत्ति, आभ्यन्तरवृत्ति, स्तम्भवृत्ति

इकाई-चतुर्थ मुद्रा व बन्ध

(10 अंक)

महामुद्रा, महाबन्ध, महावेध, उड्डियानबन्ध, मूलबन्ध, जालन्धरबन्ध, विपरीतकरणी, तडागी, काकी, शाम्भवी

इकाई-पंचम मौखिकी

(30 अंक)

कुल संकेत
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द.स. वि. (वि.शेखर)

एम0 ए0 योग
द्वितीय वर्ष -(MA-Yoga 2nd year)
प्रश्न पत्र - प्रथम (MY-201)
पातंजल योग सूत्र
Patanjal Yog Sutra

100 अंक

ब्लॉक प्रथम - योग मनोविज्ञान -1

- इकाई 1 योग सूत्र का परिचय योग की परिभाषा
इकाई 2 चित्त की अवधारणा तथा चित्तभूमियों
इकाई 3 चित्तवृत्तियों
इकाई 4 चित्त वृत्तियों निरोध के उपाय

ब्लॉक द्वितीय - योग मनोविज्ञान -2

- इकाई 5 योग अन्तराय, विक्षेप सहभुव
इकाई 6 चित्त प्रसादन के उपाय
इकाई 7 क्रियायोग
इकाई 8 पंच क्लेश

ब्लॉक-तृतीय - अष्टांग योग - 1

- इकाई 9 अष्टांग योग का स्वरूप
इकाई 10 यम एवं नियम
इकाई 11 आसन एवं प्राणायाम
इकाई 12 प्रत्याहार, धारणा एवं ध्यान

ब्लॉक-चतुर्थ - अष्टांग योग - 2

- इकाई 13 समाधि
इकाई 14 संयम जन्य विभूतियाँ
इकाई 15 अणिमादि अष्ट सिद्धियाँ
इकाई 16 जन्मादि पंच सिद्धियाँ

ब्लॉक पंचम - योग तत्त्व मीमांसा

- इकाई 17 पुरुष की अवधारणा एवं स्वरूप
इकाई 18 प्रकृति की अवधारणा एवं स्वरूप
इकाई 19 ईश्वर की अवधारणा एवं स्वरूप
इकाई 20 कैवल्य की अवधारणा एवं कैवल्य प्राप्ति के उपाय

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वार (उ.प्र.)

एम0ए0 योग
द्वितीय वर्ष -(MA-Yoga 2nd year)
प्रश्न पत्र द्वितीय (MY-202)
योग एवं स्वास्थ्य (Yog and Health)

100 अंक

ब्लॉक प्रथम - स्वास्थ्य एवं दिनचर्या

- इकाई - 1 स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वस्थ पुरुष के लक्षण, स्वस्थवृत्त का प्रयोजन
इकाई - 2 दिनचर्या 1
इकाई - 3 दिनचर्या 2
इकाई - 4 सद्गुण एवं आचार रसायन

ब्लॉक द्वितीय - आहार एवं ऋतुचर्या

- इकाई - 5 आहार की अवधारणा, उद्देश्य गुण धर्म एवं मात्रा
इकाई - 6 संतुलित आहार एवं मिताहार
इकाई - 7 ऋतुचर्या 1
इकाई - 8 ऋतुचर्या 2

ब्लॉक तृतीय - योग चिकित्सा के विविध आयाम

- इकाई - 9 स्वास्थ्य एवं व्याधि की अवधारणा
इकाई - 10 योग चिकित्सा की अवधारणा एवं सिद्धान्त
इकाई - 11 योग चिकित्सा की परिसीमाएँ

ब्लॉक चतुर्थ - शारीरिक रोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

- इकाई - 12 उच्च एवं निम्न रक्तचाप लक्षण, कारण एवं वैकल्पिक चिकित्सा
इकाई - 13 मोटापा एवं मधुमेह लक्षण, कारण एवं वैकल्पिक चिकित्सा
इकाई - 14 सन्धिवात, कब्ज, अम्ल पित्त, एवं अल्सर लक्षण, कारण एवं वैकल्पिक चिकित्सा
इकाई - 15 कमर दर्द, गर्दन दर्द एवं सायटिका लक्षण, कारण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

ब्लॉक पंचम - मनोरोगों की वैकल्पिक चिकित्सा

- इकाई - 16 तनाव- लक्षण कारण एवं तनाव प्रबन्धन
इकाई - 17 चिन्ता- लक्षण, कारण एवं वैकल्पिक चिकित्सा
इकाई - 18 अवसाद -लक्षण कारण एवं वैकल्पिक चिकित्सा

कुल अंक
उत्तराखण्ड योग विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उ.प्र.)

एम0 ए0 योग
द्वितीय वर्ष -(MA-Yoga 2nd year)
प्रश्न पत्र तृतीय (MY-203)
प्राकृतिक चिकित्सा
(Naturopathy)

100 अंक

ब्लॉक 1. प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ, इतिहास एवं सिद्धान्त

इकाई - 1. प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ, परिभाषा, प्रादुर्भाव एवं विकास

इकाई - 2. प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त

इकाई - 3. पंच महाभूत एवं महत तत्व का परिचय

ब्लॉक 2. स्वास्थ्य रोग एवं निदान विधियाँ

इकाई - 4. स्वास्थ्य एवं रोग की अवधारणा

इकाई - 5. विजातीय द्रव्य का सिद्धान्त

इकाई - 6. शारीरिक-मानसिक एवं आध्यात्मिक रोगों की अवधारणा

इकाई - 7. निदान की विविध विधियाँ

ब्लॉक 3. प्राकृतिक चिकित्सा की उपचार विधियाँ

इकाई - 8. जल चिकित्सा में प्रयुक्त विविध पद्धतियाँ

इकाई - 9. अग्नि तत्व की विभिन्न रोगों में प्रयुक्त विधियाँ

इकाई - 10. उपवास के सिद्धान्त, महत्व, उपवास के प्रकार एवं सावधानियाँ

इकाई - 11. मिट्टी के प्रकार- महत्व एवं विभिन्न रोगों में उसका प्रयोग

ब्लॉक 4. प्राण चिकित्सा तथा प्रतिरोधक क्षमता

इकाई - 12. प्राण शक्ति की अवधारणा, स्रोत एवं सिद्धान्त

इकाई - 13. प्राण चिकित्सा की सीमा, लाभ व सावधानियाँ

इकाई - 14. प्राण-ऊर्जा एवं प्रतिरोधक क्षमता का सम्बन्ध एवं रोगोपचार

इकाई - 15. प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय

ब्लॉक 5. अभ्यंग चिकित्सा

इकाई - 16. अभ्यंग चिकित्सा का अर्थ-परिभाषा, सिद्धान्त व उपयोग

इकाई - 17. अभ्यंग की विधियाँ व अभ्यंग में प्रयुक्त तेल

इकाई - 18. विभिन्न रोगों में अभ्यंग का प्रयोग एवं सावधानियाँ

ब्लॉक 6. एनिमा

इकाई - 19. एनिमा की विधि एवं परिचय

इकाई - 20. एनिमा में प्रयुक्त होने वाले पानी व तेल

इकाई - 21. विविध रोगों में एनिमा का प्रयोग एवं सावधानियाँ

मुख्य अतिथि
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वितीय वर्ष (MA-Yoga 2nd year)

एम0ए0 योग
द्वितीय वर्ष -(MA-Yoga 2nd year)
प्रश्न पत्र चतुर्थ (MY-204)
पूरक चिकित्सा पद्धतियां
(Complimentary Therapies)

100 अंक

ब्लॉक प्रथम - पूरक चिकित्सा पद्धति

- इकाई- 1 पूरक चिकित्सा पद्धतियों की अवधारणा
इकाई- 2 विभिन्न प्रकार की पूरक चिकित्सा पद्धतियां
इकाई- 3 पूरक चिकित्सा पद्धति के लाभ एवं सीमाएं

ब्लॉक द्वितीय - एक्स्प्रेसर चिकित्सा

- इकाई- 4 एक्स्प्रेसर का अर्थ, एक्स्प्रेसर का इतिहास लाभ एवं सावधानियां
इकाई- 5 एक्स्प्रेसर के सिद्धान्त, विधि व विभिन्न उपकरण
इकाई- 6 एक्स्प्रेसर द्वारा विभिन्न रोगों का उपचार

ब्लॉक तृतीय - एक्स्पूंपक्चर चिकित्सा

- इकाई- 7 एक्स्पूंपक्चर का अर्थ, एक्स्पूंपक्चर का इतिहास
इकाई- 8 एक्स्पूंपक्चर की विधि, एक्स्पूंपक्चर के सिद्धान्त
इकाई- 9 एक्स्पूंपक्चर की सीमा, लाभ व सावधानियां

ब्लॉक चतुर्थ - चुम्बक चिकित्सा

- इकाई- 10 चुम्बक चिकित्सा की अवधारणा, इतिहास
इकाई- 11 चुम्बक चिकित्सा के सिद्धान्त
इकाई- 12 विभिन्न प्रकार के उपकरण
इकाई- 13 विभिन्न रोगों में उपयोगी चुम्बक चिकित्सा
इकाई- 14 चुम्बक चिकित्सा की सीमायें तथा सावधानियां

ब्लॉक पंचम - यज्ञ चिकित्सा

- इकाई- 15 यज्ञ चिकित्सा की अवधारणा, यज्ञों के प्रकार व विधि
इकाई- 16 यज्ञोपैथी द्वारा रोगोपचार
इकाई- 17 यज्ञचिकित्सा के लाभ] सावधानियां

कुल अंक 100
आचार्य महाराज योग विद्यापीठ
वाराणसी (उ.प्र.)

एम0 ए0 योग
द्वितीय वर्ष -(MA-Yoga 2nd year)
प्रश्न पत्र पंचम (MY-205)
निबन्ध
(Essay)

100 अंक

निबन्ध की परीक्षा में दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड एम0 ए0 प्रथम वर्ष योग तथा द्वितीय खण्ड एम0 ए0 द्वितीय वर्ष योग के पढ़े गये विषयों पर आधारित होगा। प्रत्येक खण्ड से 4-4 प्रश्न विद्यार्थी से पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक खण्ड से दो-दो प्रश्नों का चुनाव करते हुए चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक निबन्ध 25 अंक का होगा जिसका उत्तर 6 से 8 पृष्ठों में विद्यार्थी को देना होगा। इस प्रश्न पत्र का कोई सत्रीय कार्य नहीं होगा।

(खण्ड - अ)

इकाई 1- योग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई 2- भारतीय वांगमय में योग

इकाई 3- योग के विविध प्रकार

इकाई 4- व्यक्तित्व के विभिन्न सिद्धान्त क्रेस्मर, एडलर, शेल्डन, मास्लो, फ्रायड एवं युंग

इकाई 5- हठप्रदीपिका व घेरण्ड संहिता की विषय-वस्तु

इकाई 6- मानव शरीर तन्त्रों की संरचना, क्रिया एवं योग का प्रभाव

इकाई 7- योग के क्षेत्र में अनुसन्धान।

(खण्ड - ब)

इकाई 1 योगदर्शन के वर्ण्य विषय।

इकाई 2- अष्टांग योग।

इकाई 3- विविध रोगों में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा के अनुप्रयोग।

इकाई 4- योग एवं स्वास्थ्य।

इकाई 5- प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त।

इकाई 6- पंचमहाभूत चिकित्सा।

इकाई 7- पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ।

पुस्तक संरक्षक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वितीय वर्ष योग

एम0 ए0 योग
द्वितीय वर्ष -(MA-Yoga 2nd year)
प्रथम पत्र पष्ठ (MY-206)
क्रियात्मक

100 अंक

इकाई 1- मंत्र - गायत्री मंत्र एवं स्वस्ति मंत्र।

5 अंक

इकाई 2- षट्कर्म- रबर नेति, सूत्र नेति, कुँजल क्रिया, भ्रमर नौलि, तथा प्रथम वर्ष के सभी षट्कर्म। 10 अंक

इकाई 3- आसन- मुक्तासन (सुखासन) वीरासन वकासन सर्पासन गुप्तपद्मासन एकपाद स्कन्दआसन राजकपोत हनुमान आसन, गुप्तासन, व्याघ्रासन, पूर्णशलभासन, योगासन, सर्वांगआसन, बालासन, मकरासन, प्रज्ञा योग व्यायाम हठप्रदीपिका के 15 आसन तथा घेरण्ड संहिता के 32 आसनों सहित प्रथम वर्ष के अभ्यासित सभी आसन 30 अंक

इकाई 4 - प्राणायाम

उदरीय श्वसन, वक्षीय श्वसन, यौगिक श्वसन, चन्द्रभेदी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, उदगीत प्राणायाम, प्राणार्कषण प्राणायाम, व हठप्रदीपिका के अष्ट कुम्भक।

5 अंक

इकाई 5- मुद्रा व बन्ध - हठप्रदीपिका एवं घेरण्ड संहिता के सभी मुद्रा एवं बंध।

5 अंक

इकाई 6- पाठक्रम के अतिरिक्त तीन कोई भी कठिन आसन।

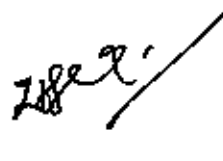
10 अंक

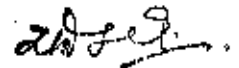
इकाई 7- प्राकृतिक चिकित्सा की स्पोटिंग।

25 अंक

इकाई 8- मौखिक परीक्षा।

10 अंक



कुल अंक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वितीय वर्ष (MA-Yoga 2nd year)
प्रथम पत्र पष्ठ (MY-206)

Title of Programme: Master of Business Administration (MBA)

I. Programme's Mission & Objectives

This programme aims;

- To equip learners with an in-depth understanding of the required theoretical, conceptual, intra-personal and inter-personal skills necessary for a career in management.
- To inculcate a sense of social purpose and ethics that will permeate their decision making.
- To encourage and help in development of entrepreneurial and leadership capabilities.
- To nurture standards of professional excellence based on integrity, honesty, and fairness.

II. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The programme has been sculpted to address the changes that are taking place in corporate world and society at large. The programme intends to meet the growing demand of entrepreneurs, business leaders and effective managers who can face the challenges resulting from cut-throat competition. The programme shall contribute in disseminating business knowledge and management skills through distance learning with introduction of flexible and innovative methods of education to ensure 'independent learning'. The programme intends to enhance professional and managerial competence of the aspirants, refine their managerial skills, and capabilities so that they can secure self-employment, and other employment opportunities with the motto of appropriate service to the state, nation and entire humanity. The programme shall serve as seedbed in nurturing corporate or business excellence at the workplace. The programme also intends to equip fresh graduates and post graduates with appropriate managerial skills appropriate to the sectors where they will join. Thus, the Programme has been fulfilling the University's objective to provide professional education to the distant learners of Uttarakhand.

III. Nature of prospective target group of learners:

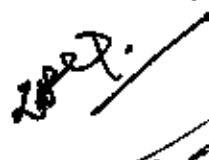
The programme shall also be useful for the professionals who want to advance and improve in their current job profile. Further, the programme is also for young aspirants who wish to enhance their professional skills with a sound management qualification.

Accordingly, the target learners of the programme are;

- Graduates
- Government Employees
- Businessmen
- Budding Entrepreneurs
- Early- and mid-career professionals working in Uttarakhand
- Professionals serving in Banking and Finance Sectors.
- Marketing Executives
- HR Personnel

IV. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

The programme has been designed strictly in accordance with the norms and standards specified for management education. The programme provides conceptual understanding of business administration, managerial skills, research skills, and information technology, industrial and global trends, thereby equipping the learners with tools and techniques to lead and manage in today's ever-changing business environment. Adequate attention is also being paid to the application of knowledge, self awareness among learners coupled with development of problem solving, and decision making skills. The appropriateness of the MBA programme offered in the ODL mode is ensured in terms of curriculum design, eligibility criteria, admission procedures, duration, evaluation, project work etc. Because of its inherent flexibility in terms of entry, method, pace and place of learning, methods of evaluation, the MBA Programme in ODL mode is suitable for the early- and mid-career professionals working in Uttarakhand. The programme offered by the School is useful and geared to fulfill the identified gaps in the corporate and business world.



The learning upshots of this qualification can be classified in the following four categories;

- Knowledge and understanding
- Cognitive skills
- Practical and professional skills
- Key skills

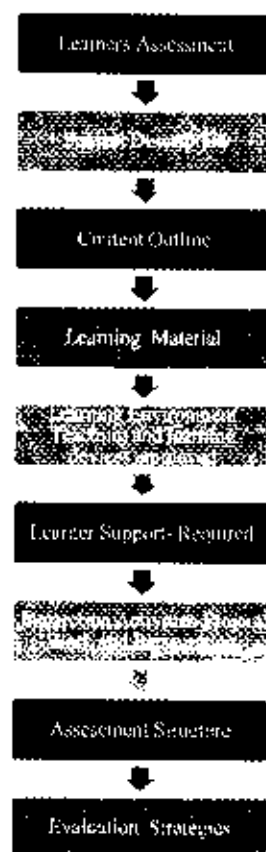
V. Instructional Design :

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. In distance learning, instructional design has its own relevance. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable booklets to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage. Further, various theories and models are referred for designing effective instructional events, some are specified as under;

- Learning objectives
- Self Check Exercises with Answers
- Reinforcing activities
- Small chunks of learning through learning modules.
- Modular Structure
- Statement of Objectives
- Indepth learning
- Hint Answers
- References
- Real World Contexts/Cases
- Project Work
- Real World Examples
- Self Appraisal Exercises
- School's Blog for enhanced learning
- Project Work for practical training and presentation skills.

The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:





VL Procedure for admission, curriculum delivery and evaluation:

Admission

Admission to MBA is allowed on the basis of score obtained in the entrance-test being conducted for the purpose. The written test assesses Reasoning ability, Comprehension and Vocabulary, General Knowledge, Numerical Ability, Data Interpretation and Current Awareness to check preparedness of a learner to undertake a subject like Business Management.

The entrance-test has questions from the following areas-

1. Reading/Writing Comprehension- 20 %
2. Numerical Ability/Data Interpretation- 30 %
3. Logical/Mental Ability- 30 %
4. Current Awareness- 20 %

The duration of entrance test is of 2:30 hours and it contains Multiple Choice (objective type) Questions (MCQs)

Admission to MBA after completing Diploma in Management and Specialization (P.G.) Diploma Programmes

- A. For the learners who have completed DIM Programme (in the Academic Sessions 2010 to 2017): Those who have successfully completed DIM in the previous Academic Sessions till 2017-2018, will be allowed to enroll for admission in MBA, without re-appearing in Entrance Test. In such a case, they should take the admission as per the procedure laid down by the University. Such learners have to submit their original marksheet of Diploma programme to the University.

B. For the learners who have completed P.G Specialization Programmes:

- I. For the Learners who have completed PGDHRM/PGDMM in the academic sessions 2010 to 2017:
 - a. Such learners shall have to enroll for MBA first year if they have not completed it and they will have to complete the integrated papers also.
 - b. They will have to submit their original marksheet of P G Specialization Diploma programme to the University.
- II. For the Learners of PGDHRM/PGDMM who have enrolled in academic session 2018 onwards:
 - a. Such learners shall have to qualify the entrance test before pursuing MBA Programme from the University.
 - b. Such learners shall have to enroll for MBA first year and they will have to complete the integrated papers also.
 - c. They will have to submit their original marksheet of P G Specialization Diploma programme to the University.

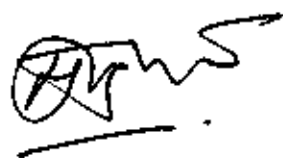
The short listing of candidates may be done according to pass marks attained in the entrance test. Further, direct admission is given to the applicants who have qualified MAT or CAT examination with valid score.

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam (Annual /Sem)	Year/ Sem	Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card	Learner Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory/managerial/professional/teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category) Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	Engli sh	SEM EST ER	I	8000	-	900	-	-	50	100	-	9050
					II	7000	-	750	-	-	-	-	-	7750
					III	7000	-	900	-	-	-	-	-	7900
					IV	6000	1000	450	-	500	-	-	300	8250

Curriculum Delivery

MBA programme consists of 22 courses in all .Each course comprises of six credits. The total credits of the programme are 132.The programme is offered in three specializations namely; Finance, Marketing and Human Resource.

The programme, therefore, comprises of;




- ❖ Foundation or Core Courses
- ❖ Six Courses from any one of the specialization streams
- ❖ Compulsory Courses
- ❖ Project Work equivalent to 2 courses

MBA First Year

First Semester

MS 101 Principles of Management and Organization Behaviour
 MS 102 Accounting for Managers
 MS 103 Managerial Economics
 MS 104 Quantitative Techniques in Management
 MS 105 Business Environment
 MS 106 IT and MIS

Second Semester

MS 107 Marketing Management
 MS 108 Human Resource Management
 MS 109 Financial Management
 MS 110 Research Methodology
 MS 111 International Business

MBA Second Year-6 Courses

Third Semester

Third Semester Compulsory Papers

MS 201 Business Policy and Strategic Management
 MS 202 Entrepreneurship Development
 MS 203 Business Ethics and Corporate Governance

Specialization-

Human Resource

MS 301 Human Resource Planning
 MS 302 Human Resource Development
 MS 303 Organizational Changes and Development

Marketing

MS 501 Marketing Research
 MS 502 Advertising and Sales Promotion
 MS 503 Consumer Behaviour

Finance

MS 401 Corporate Tax Planning
 MS 402 Indian Financial System
 MS 403 Project Finance

Fourth Semester

Electives

Human Resource

Select any three-

- MS 304 Labour Laws for Managers
- MS 305 Strategic Human Resource Management
- MS 306 Industrial Relations
- MS 307 Compensation Management
- MS 308 International Human Resource Management
- MS 309 Management of Training and Development

Marketing

Select any three-

- MS 504 International Marketing
- MS 505 Services Marketing
- MS 506 Supply Chain Management
- MS 507 Rural Marketing
- MS 508 Sales and Distribution Management
- MS 509 Industrial Marketing
- MS 510 Brand Management

Finance

Select any three-

- MS 404 Security Analysis and Portfolio Management
- MS 405 International Finance
- MS 406 Working Capital Management
- MS 407 Management of Financial Services
- MS 408 Financial Reporting
- MS 409 Micro Finance

Fourth Semester Compulsory -2 courses

MS 204 Project and Viva voce : Two Courses-12 Credits

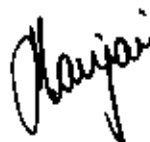
Evaluation

Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the concerned learner support centre. The components of evaluation for each course include the following:

- a. Assignments 20 % weightage
- b. End-term examination 80 % weightage

The project work is assessed using the following components:

- a. Proposal
- b. Report
- c. Conduct of work



- d. Analysis
- e. The final report presentation also includes comprehensive viva-voce.

VII. Requirements of the laboratory support and Library Resources:

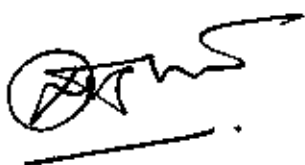
A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centres should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.

VIII. Cost estimate of the programme and the provisions:

Cost Estimation		
Particulars	Details	Amount (in Rs.)
INSTRUCTIONAL SERVICES		
Development of In-house SLM	Payment to course writers	6545000
	Payment to Editors	2835000
	Total Cost	9380000

IX. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :

The Department reviews its programme time to time through its expert committee and Board of Studies' meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and practitioners who design, review and update the course curriculum and the study material accordingly.





Course Objective: The objective of the course is to acquaint the student with the fundamentals of management concepts and its application in organizations. Further, they enable students to understand the importance of group and individual behaviour and help students to apply the concept of team building, leadership, negotiation, conflict resolution and conflict resolution in business organizations.

Block I: Introduction to Management

- Unit I: Concept and Nature of Management
- Unit II: Development of Management Thought
- Unit III: Management Functions and Skills
- Unit IV: Emerging Horizons of Management
- Unit V: Management Practices across the World
- Block II: Functions of Management
- Unit VI: Planning
- Unit VII: Forecasting and Decision Making
- Unit VIII: Organizing
- Unit IX: Staffing
- Unit X: Directing
- Unit XI: Controlling
- Block III: Individual Behaviour
- Unit XII: Introduction to Individual and Organizational Behaviour
- Unit XIII: Attitudes
- Unit XIV: Personality: Measurement and Development of Personality
- Unit XV: Perception, Factors influencing perception
- Unit XVI: Learning
- Block IV: Motivation and Leadership
- Unit XVII: Motivation
- Unit XVIII: Leadership
- Unit XIX: Power and Political Behaviour
- Unit XX: Stress
- Unit XXI: Group Dynamics
- Block V: Organizational Behaviour
- Unit XXII: Organizational Climate and Culture
- Unit XXIII: Organizational Conflict
- Unit XXIV: Organizational Change
- Unit XXV: Organizational Development

Suggested Readings:-

1. Koontz, O. *Principles of Management*, Tata McGraw Hill, New Delhi.
2. L. M. Prasad, *Principles and Practices of Management*, Sultan Chaud & Sons, New Delhi.
3. V. S. P. Rao & V. Ramamohan - *Management Theory and Cases*, Excel Books, New Delhi.
4. Koontz, P. and Wicksell, H. *Management*, New York, McGraw
5. Zenger, J. etc. *Management* (4th ed., New Delhi), Prentice Hall of India
6. Dr. Harpreet Singh and Pardeep Singh - *Principles and Practices of Management*, Kishan Publishers, Delhi
7. S. P. Robbins *Organizational Behaviour*, Prentice Hall
8. Fred Luthans *Organizational Behaviour*, McGraw Hill
9. J. W. Stewart & K. Davis, *Organizational Behaviour*, McGraw Hill
10. Helwig, E. and W. Wootton, *Organizational Behaviour*, South-Western, Thomson Learning, 1st edition, 2001
11. Arshada Prasad, *Organizational Behaviour*, Excel Books
12. Medsker, Shaila, *Understanding Organizations - Organizational Theory & Practice* - India, Prentice Hall

Course Code: MS 102

1 | Page

[Signature]

[Signature]

Course Objective: To enable students to acquire the skills necessary to use, interpret and analyze accounting data and to make their own judgment with decision making capability for efficient financial control in an organization.

Block I: Introduction to Accounting

- Unit I: Introduction to Accounting
- Unit II: Accounting Principles
- Unit III: Forms and Types of Accounting
- Unit IV: Double Entry System
- Block II: Accounting Process
- Unit V: Journalizing and Posting
- Unit VI: Trial Balance
- Unit VII: Final Accounts
- Block III: Cost Accounting
- Unit VIII: Introduction to Cost Accounting
- Unit IX: Standard Costing and Variance Analysis
- Unit X: Process Costing and Single and Output Costing
- Unit XI: Activity-Based Costing and Service Costing
- Block IV: Management Accounting
- Unit XII: Introduction to Management Accounting
- Unit XIII: CVP Analysis
- Unit XIV: Budgeting
- Unit XV: Responsibility and Human Resource Accounting
- Block V: Analysis of Financial Statements
- Unit XVI: Financial Analysis
- Unit XVII: Interpretation of Financial Statements
- Unit XVIII: Ratio Analysis
- Unit XIX: Statement of Changes in Financial Position-I
- Unit XX: Statement of Changes in Financial Position-II
- Unit XXI: Accounting and Financial Information System

Suggested Readings:-

1. Maheshwari, S.H. *Introduction to Accounting*, Sultan Chaud & Sons, Delhi.
2. Maheshwari, S.H. *Advanced Accounting*, Sultan Chaud & Sons, Delhi.
3. Lal Baidar, *Management Accounting*, Tata McGraw Hill, New Delhi.
4. Khan and Khan, *Theory and Problems of Management and Cost Accounting*, Tata McGraw Hill, New Delhi.
5. Chandra Prasad, *Financial Management: Theory and Practice*, TATA Education, New Delhi.
6. Bhattacharya, S. K. and Dasgupta, John, *Accounting for Management*, Vikas Publishing House

Course Code: MS 103

Course Name: Managerial Economics

Course Objective:

The objective is to give students grounding in the basic understanding of economic environment and tools for better analysis of economic situations and their impact on decision making.

Block I: Introduction to Managerial Economics

- Unit I: Basics of Managerial Economics
- Unit II: The Economy and the Basic Problems: Scarcity and Choice
- Unit III: Law of Demand and Supply
- Unit IV: Elasticity of Demand and Supply
- Unit V: Failure of the Market Economy and Role of the Government
- Unit VI: Cardinal Utility Theory
- Unit VII: Ordinal Utility Approach
- Unit VIII: Consumer's Surplus

2 | Page

[Signature]

[Signature]

Block II Supply Side Economics

Unit IX Theory of Production

Unit X Optimum Combination of Inputs

Unit XI Theory of Production Cost

Block III Market System

Unit XII Equilibrium Prices and Market Structure

Unit XIII Perfect Competition Market

Unit XIV Monopoly Market

Unit XV Monopolistic Competition Market

Block IV Theory of Money Economics

Unit XVI The Circular Flow Model of the Economy

Unit XVII National Income: Concept and Measurement

Unit XVIII Theory of National Income Determination

Unit XIX Income Determination with Consumption and Foreign Trade

Unit XX Theory of Aggregate Consumption

Unit XXI Keynesian Theory of Interest

Unit XXIII Investment Theory and Acceleration Principle

Unit XXIV Money and Banking

Suggested Readings:

1. H.L. Ahluja, "Business Economics: Micro & Macro", S. Chand & Sons, New Delhi.
2. M. Adelman, "Managerial Economics", Khadd Education Publishers, New Delhi
3. O.P. Chandra, "Managerial Economics", Tata McGraw Hill, New Delhi
4. T. L. T. "Managerial Economics", Tata McGraw Hill 2002
5. Dr. V. K. "Managerial Economics", Vikas Publishing House Pvt. Ltd. 6th edition, 2001
6. Shigara, "Micro Economics", TMH
7. Christopher R. Thomas & S. Charles Maurice, "Managerial Economics: Concepts and Applications", Eighth Edition, TMH

Course Name: Quantitative Techniques in Management

Course Code: MS 104

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to provide students the knowledge of quantitative tools and their application in various decision making situations

Block I Introduction to Statistics

Unit I Data Types and Classification

Unit III Frequency Distributions and Graphical Representations

Unit IV Measures of Central Tendency

Unit V Measures of Dispersion

Block II Measurement of Variation, Correlation & Regression

Unit VII Correlation

Unit VIII Regression Analysis and Properties of Regression Coefficients

Unit IX Time Series Analysis

Block III Probability & Distribution

Unit X Probability: Definition and Classification

Unit XI Laws of Probability

Unit XII Probability Distributions

Unit XIII Binomial Distribution

Unit XIV Normal and Poisson Distributions

Unit XV Linear Programming

Unit XVI Transportation Problem

Unit XVII Assignment Problem

Unit XVIII Queuing Theory and Decision Theory

3 | Page

[Handwritten signature]

Unit XIX Regression Theory and Sequencing Problems

Unit XX PERT and CPM

Suggested Readings:

1. R.K. Choudha, "Statistical for Behavioral and Social Sciences", Narosa Publishing House, New Delhi.
2. S.P. Gupta and N.P. Gupta, "Business Statistics", Sultan Chand and Sons, New Delhi.
3. A.S. Narain, "Linear Programming and Decision Making", Sultan Chand and Sons, New Delhi.
4. K.S. Nagar, "Statistics", Macmillan Publishers, Meerut.
5. R. Gupta, "An Introduction to Statistical Methods", Vikas Publishing House Pvt. Ltd., 1995
6. R.T. Cochrane & U.S. Elden, "Statistics for Management", Prentice Hall Pearson Education
7. John E. Freund, "Mathematical Statistics", Prentice Hall

Course Name: Business Environment

Course Code: MS 105

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims at providing the students knowledge of basic framework and influence of internal and international business environment.

Block I Modern Economic Concepts and Macro Environment

Unit I Contemporary Global and Indian Environment

Unit II Consumption and Business

Unit III Macro Economic Environment and Modern Theories of Economic Growth

Unit IV Aggregate Demand and Supply

Unit V Inflation

Unit VI Unemployment

Block II Economic Reforms and International Policy

Unit VII Economic Reforms in India

Unit VIII Economic Planning in India and New Economic Policy

Unit IX Industrial Policy and Industry Licensing

Block III Industrial Financial Institutions

Unit X Public Sector Enterprises and Small and Medium Enterprises

Unit XI Industrial Financial Institutions (IDBI, IFCI, IRI, SFC)

Unit XII Incentives for Investment and Small Industry: UTI, LIC, GIC, SIDC, SIDBI and Commercial Banks

Block IV Foreign Policies and Globalization

Unit XIII Foreign Trade: Theories, Issues and Modern Context

Unit XIV Foreign Exchange Rates and Foreign Exchange Markets

Unit XV Globalization, Liberalization and Privatization

Unit XVI Regional Trading Blocks

Unit XVII Role of Trade and Emerging Environment

Suggested Readings:

1. Sudarshan & Bhaskar, "International Business Environment", Tata & Sons, PVT. N. Delhi
2. P. Chatterjee, "Business Environment", Himalaya Publishing House, New Delhi
3. Sham, "Business Ethics", Thomson Learning, Bombay
4. Barnabhai Chaudh, "Economic Environment & Business", Vikas Publishing House, New Delhi
5. V.K. Srivastava, "Commerce and Business", Vikas Publishing House, New Delhi
6. K. Anandappa, "Business Environment for Strategic Management", Himalaya Publishing House, New Delhi
7. Govt. of India, "Economic Survey", 14th year

Course Name: IT and Management Information System

Course Code: MS 106

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of the course is to familiarize the students with the basics of computer, its operations, processing and storage and utility of information technology in managerial applications

Block I Introduction to Computers

4 | Page

[Handwritten signature]

- Unit I: Computer – An Introduction**
 Unit II: Components of Computer System and Input/Output Computing Environment
 Unit III: Generation of Computers
 Unit IV: Number System and Computer Arithmetic
 Unit V: Types of Computers
 Unit VI: Input/Output Unit
 Unit VII: Hardware Troubleshooting
 Unit VIII: Operating System Concepts
 Unit IX: Software – Languages and Packages
 Unit X: Data Files
 Block III: Software Packages
 Unit XI: MS Office
 Unit XII: MS Excel
 Unit XIII: MS Power Point and MS Access
 Unit XIV: Management of Data Processing Systems in Business Organizations
 Block IV: Networking
 Unit XV: Introduction to Networking
 Unit XVI: Internet and Intranet
 Unit XVII: Basics of Information Security
 Block V: Management Information Systems
 Unit XVIII: Introduction to MIS
 Unit XIX: Structure of MIS
 Unit XX: MIS Master Plan – Content and Descriptions
 Unit XXI: Organizational Information Requirements Analysis and Resource Allocation stage
 Unit XXII: Development and Implementation of MIS
 Unit XXIII: Decision Support System
 Unit XXIV: Management Information System – Problem and Suggestions

Suggested Readings:

1. Rajaraman, V., "Principles of Computer Programming", Prentice Hall of India, New Delhi
2. Rajaraman, V., "Computer Fundamentals", Prentice Hall of India, New Delhi
3. Mundy, C.S.V., "Fundamentals of Computer Technology", Himalaya Publishers, Mumbai
4. Savory S., "A text course in computers", Vikas Publishing House Pvt. Ltd, 2005
5. Kallur and Sharma, "An Introduction to Computer", Himalaya Publishers
6. Gordon B. Dan & Margulies H. Olson: Management Information Systems: Conceptual Foundations, Structure and Development, Tata McGraw-Hill
7. Fabisz Torkan & Jay E. Aronson: Decision Support Systems and Intelligent Systems: Pearson Education
8. Scholar Management Information Systems, PBI
9. Arora & Bhatia: Management Information Systems, Excel Books
10. Shaw: Principles of Information Systems, 6th ed., Thomson Learning

Course Name: Marketing Management

Course Code: MGS 107

Course Credits: 6

Course Objective: This course aims at introducing the concept of marketing and developing analytical skills for problem solving in marketing applications.
Block I: Introduction to Marketing

- Unit I: Introduction to Marketing
 Concept, Nature, Scope and Significance of Marketing
- Unit II: Evolution of Marketing
- Unit III: Introduction to Marketing Process
- Unit IV: Marketing Mix and Marketing Organizations
- Unit V: Marketing Environment
- Unit VI: Marketing Research
- Block III: STP Concept and Consumer Behaviour
- Unit VII: STP Concept and Market Segmentation

Syllabus

- Unit VIII: Target Market
 Unit IX: Distribution and Positioning Strategies
 Unit X: Consumer Behaviour
 Unit XI: Product and Product Life Cycle
Block III: Product Packaging & Pricing
 Unit XII: Branding
 Unit XIII: Packaging
 Unit XIV: Pricing
 Unit XV: Distribution Channels
 Unit XVI: Decision Making for Effective Distribution Channel's
 Unit XVII: Promotion: Concept and Significance
Block IV: Promotion Mix & Sales Promotion
 Unit XVIII: Promotion Mix
 Unit XIX: Sales Promotion
 Unit XX: Sales Forecasting
 Unit XXI: Sales Force Management
 Unit XXII: Salesmanship

Suggested Readings:

1. Philip Kotler, Principles of Marketing, Pearson Education
2. McDaniel, Louis & Day, Introduction to Marketing, Thomson (10th edition) Stamford, Fundamentals of Marketing, TMH
3. Sedwidy C. Asia Marketing, Planning & Strategy, Thomson (7th edition)
4. Armstrong and P. Kotler, Marketing: An Introduction, Pearson Education
5. Philip Kotler, Marketing Management: Analysis, Planning & Control, Pearson
6. S. S. Shrivastava, "Marketing Management", Himalaya Publishing House
7. S. S. Shrivastava, "Marketing Management", Himalaya Publishing House
8. P. K. Mishra, P. S. Das and J. R. Day: Marketing Management, 4th Edition (2nd Edition)
9. S.C. Mishra, "Marketing Environment: Concept and Cases", Tata McGraw-Hill, New Delhi
10. Rajan Saxena, "Marketing Management", Tata McGraw-Hill, New Delhi 2004

Course Name: Human Resource Management

Course Code: HRS 108

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to create students to the various levels of management people to create an understanding of the various policies and practices of human resource management, to facilitate learning and application in organizational context.

- Block I: Introduction to HRM**
 Unit I: Introduction to HRM
 Unit II: HRM: Significance and Objectives
 Unit III: Human Resource Planning
 Unit IV: Job Analysis and Job Design
Block II: Recruitment and Selection
 Unit V: Recruitment and Sources of Recruitment
 Unit VI: Selection Process and Methods of Selection
 Unit VII: Induction and Placement
 Unit VIII: Promotion and Transfer
 Unit IX: Human Resource Development
Block III: Training and Performance Management
 Unit X: Training – Need and Objectives
 Unit XI: Training Methods and Techniques
 Unit XII: Evaluation of Training Programmes
 Unit XIII: Performance Appraisal
 Unit XIV: Compensation Management
Block IV: Industrial and Labour Relations
 Unit XV: Industrial Relations

Syllabus

Uttarakhand Open University
 School of Management Studies and Commerce

- Unit XVII Trade Union
Unit XVIII Collective Bargaining
Unit XIX Management of Grievances and Industrial Disputes
Unit XXIII International Human Resource Management
Unit XXIV Contemporary Issues in Human Resource Management

Suggested Readings:

1. C. S. Vaidya, Sharma & B. K. Srivastava, *Personnel Management & Human Resource*, TMH.
2. W. S. P. Rao, *Human Resource Management*, Excel Books.
3. W. F. Clegg, *Managing Human Resources*, TMH.
4. D. Bhattacharya, *Human Resource Management*, Excel Books.
5. Arnold, *Human Resource & Personnel Management*, TMH.
6. Gupta, Mehta, Bhatia & Chak, *Managing Human Resources*, Pearson.
7. Mathis and Jackson, *Human Resource Management*, Thomson.
8. C.D. Mathis, *Personnel Management*, Harlow.
9. P. Juvhi & D.N. Verkhosh, *Human Resource Management*, Oxford.

Course Name: Financial Management

Course Code: MS 109

Course Credits: 6

- Block I: Introduction to Financial Management**
Unit I: Introduction to Financial Management
Unit II: The Mathematics of Finance
Unit III: Risk and Return
Unit IV: Indian Financial System
Unit V: Sources of Long Term Finance and Short Term Finance
Unit VI: Valuation of Securities
Block II: Financing Decisions
Unit VII: Cost of Capital
Unit VIII: Capital Structure
Unit IX: Theories of Capital Structure
Unit X: EBIT - EPS analysis and Leverage
Block III: Long Term Investment Decisions
Unit XI: Capital Budgeting Concept & Process - An Overview
Unit XII: Estimating Project after Tax Investment Operating Cash Flows
Unit XIII: Capital Budgeting Techniques
Unit XIV: Issues in Capital Budgeting
Block IV: Current Assets Management
Unit XV: An Overview of Working Capital Management
Unit XVI: Cash Management
Unit XVII: Inventory Management
Unit XVIII: Receivable Management
Block V: Dividend Decisions
Unit XIX: Dividend Policy: An Introduction
Unit XX: Dividend Issues and Types
Unit XXI: Dividend Theories
Unit XXII: Contemporary Issues in Finance

Suggested Readings:

1. Basic Financial Management, M. V. Nalin and P. K. Jain, New Delhi, TMH 2000.
2. Financial Management I.M. Pandey.
3. Financial Management: Theory and Practice, Prasad Chandra.
4. Financial Management, Khan and Jain.
5. Corporate Financial Management, Arundh Alam, London, Pitman 1990.
6. Corporate financial management: Theory, Douglas R. Pearson Education Asia, 1990.
7. Page 6

7. Indian corporate financial management, Vijay Chughan E., Bombay, Himalaya 1997

Course Name: Research Methodology

Course Code: MS 110

Course Credits: 6

- Course Objective:** The objective of the course is to provide students the fundamentals of research in business situation and its application. Also this paper equips the students with latest tools and techniques of analysis and its presentation.
- Block I: Introduction to Research Methodology**
Unit I: Research and its Relevance for Management
Unit II: Nature and Scope of Research Methodology
Unit III: Research Process and Review of Literature
Unit IV: Problem Formulation and Statement of Research Objectives
Unit V: Research Design
Unit VI: Hypothesis - Formulation and Testing
Block II: Methods of Data Collection
Unit VII: Types and Sources of Data
Unit VIII: Methods of Data Collection
Unit IX: Research Design
Unit X: Attribute Measurement and Multivariate Research Techniques
Unit XI: Survey Research-Scaling Techniques
Unit XII: Sampling and Sampling Distributions
Unit XIII: Sampling Types and Errors
Block III: Analysis of Data
Unit XIV: Data Analysis and Interpretation
Unit XV: Statistical Tools in Data Analysis
Unit XVI: Multivariate Data Analysis
Unit XVII: Factor Analysis
Unit XVIII: Use of Statistical Software
Block IV: Report Writing and Presentation
Unit XIX: Features of Report Writing-I
Unit XX: Features of Report Writing-II
Unit XXI: Presentation of a Report

Suggested Readings:

1. Donald R. Cooper and Francis S. Schindler, *Business Research Methods*, Ted McGraw Hill Publishing Company/India New Delhi, 2000
2. C. R. Kothari *Research Methodology*, Wadwa Prakashan, New Delhi, 2001
3. Louis Schuman *Research Methods for Business*, John Wiley and Sons Inc., New York, 2000

Course Name: International Business

Course Code: MS 111

Course Credits: 6

- Course Objective:** The objective is to impart knowledge and skill of analysis of operational processes of business between two or more nations.
- Block I: International Business: An Overview**
Unit I: International Business: Introduction, Evolution and Drivers
Unit II: International Business: Modes, Entry, Approaches and Types
Unit III: Role of International Institutions as IB
Unit IV: Balance of Payments
Unit V: Multinational Corporations
Block II: International Trade and Environment
Unit VI: Theories of International Trade
Unit VII: Instruments of International Trade Policy
Unit VIII: Development of the World Trading System
Unit IX: International Business Environment
Unit X: International Financial Environment
Block III: Strategies of International Business

Page 6

- Unit XI Global Strategies
- Unit XII Technology and Strategy
- Unit XIII Global Alliances, Mergers and Acquisitions
- Unit XIV International Marketing Strategies
- Unit XV International Human Resource Management and Strategies
- Unit XVI International Investment and Financing Strategies
- Unit XVII Management of Exchange Rate and Interest Rate Risk
- Unit XVIII Emerging Scenario in International Business
- Unit XIX Regional Economic Grouping
- Unit XX Assets Protection and Intellectual Property Rights
- Unit XXI Preferential Trade Agreements
- Unit XXII Contemporary Issues in International Business

Suggested Readings:

1. John Dunning and Luc H. Ryngaert, 'International Business', Pearson Education India, New Delhi, 2000
 2. Richard M. Haggard and Fred Luthans, 'International Management', Tata McGraw Hill, New Delhi, 2003
 3. Charles W. L. Hill, 'International Business', 3rd Edition, Tata McGraw Hill, New Delhi, 2005
 4. Francis C. Churchman, 'International Business', Wheeler Publication
 5. V. Sharma, 'International Business', Pearson Education
 6. Arnold K. Sundaram and Steven Elbert, 'The International Business Environment', Prentice Hall of India, New Delhi, 2001
 7. Michael R. Chittenden, 'International Business', Thomson Asia, Singapore, 2003
 8. Don Bird and Wendell Macdonald, 'International Business', John McGraw Hill, New York, 1999
 9. Roger Bevan, 'International Business', Pitman Publishing, New Delhi, 2000
 10. Vysakhadagen, 'International Business', Pearson Education New Delhi, 2005
- | Unit | Author | Year | Place | Page | of | Unit | Year |
|------|--------------|------|-------|------|----|------|------|
| 11 | John Dunning | 2000 | India | 2007 | | | |

Second Year

Course Name: Business Policy and Strategic Management
Course Code: MS 201
Course Credits: 6

Course Objective: The objective of the course is to provide the students the conceptual understanding of strategy, its formulation and implementation as an important aspect of modern business organization.

- Block I Introduction to Business Policy and Strategic Management
- Unit I Introduction to Business Policy
- Unit II Understanding Strategy and Strategic Management
- Unit III Strategic Formulation
- Unit IV Strategic Planning and Strategic Management
- Block II Strategic Formulation
- Unit V Environmental Appraisal
- Unit VI Organizational Appraisal
- Unit VII Industry, Competitive & Internal Analysis
- Unit VIII Corporate Level Strategies-I
- Unit IX Corporate Level Strategies-II
- Unit X Business Level Strategies
- Block III - Strategy Choice and Implementation
- Unit XI Strategic Analysis of Corporate, Business and Industry
- Unit XII Strategic Choice
- Unit XIII Strategic Implementation
- Unit XIV Strategic Implementation
- Unit XV Behavioral Implementation
- Unit XVI Financial and Operational Implementation
- Unit XVII Strategic Evaluation and Control

9 | Page

- Unit VII Strategic Evaluation
- Unit VIII Strategic Control
- Unit IX Strategy and Technology Management
- Unit X Global Strategy
- Unit XI New Approaches in Strategic Management

Suggested Readings:

1. Charles W. L. Hill & Gareth A. Jones - 'Strategic Management: Theory, An Integrated Approach', Houghton Mifflin Company, Prentice Hall, New Jersey, All India Publisher and Distributors, Chennai, 1998
 2. Thomas L. Whinston, 'Strategy and Management', Addison Wesley Longman Singapore Pte., Ltd., 4th Edition, 2000
 3. Arnold K. Sundaram, 'The Strategy: Concepts and Process' - A Synoptic Approach - Pearson Education Publishing Company, Second Edition, 2005
 4. Ashok Kumar, 'Business Policy & Strategic Management', Tata McGraw Hill Publishing Company, Ltd., New Delhi - Second Edition, 1999
 5. Harvard Business Review - 'Business Policy', part 1 & 2 Harvard Business School
 6. Satoru Shogaki, 'Strategic Management' - John Wiley, 2001
 7. Lawrence G. Hrebicki, 'Making strategy work', Pearson Publishing Company, 2003
 8. Jagga, Gokulraj & Srinivasan, 'Business Policy and Strategic Management', Concepts and Application, Prentice Hall of India, 2005
- Course Name: Entrepreneurship Development
Course Code: MS 202
Course Credits: 6
- Course Objective: The objective of the course is to impart knowledge to the learners about entrepreneurship and its importance in socio-economic development of the nation and to create interest among them for starting their own business.

- Block I An overview of Entrepreneurship
- Unit I Entrepreneurship: Need, Scope and Philosophy
- Unit II Entrepreneurial traits and Types
- Unit III Development of Entrepreneurship
- Block II Entrepreneurial Process
- Unit IV Creativity: Idea Generation, Screening and Project Identification
- Unit V Social Determinants of Entrepreneurial Growth
- Unit VI Issues in new enterprise management: Local, national, international and Managerial
- Block III Theories and Legal Issues
- Unit VII Theories of Entrepreneurship
- Unit VIII Legal Issues for the Entrepreneur
- Unit IX Small and Medium Enterprises
- Block IV Entrepreneurship Planning
- Unit X Enterprise Planning Process
- Unit XI Family and Non-Family Entrepreneur: Professionalism vs Family Entrepreneur
- Unit XII Women Entrepreneurs: Challenges and Achievements
- Block V Entrepreneurship Development in India
- Unit XIII Entrepreneurship Development Programmes
- Unit XIV Role of Various Institutions in Developing Entrepreneurship in India
- Unit XV Growth and Transition through Entrepreneurship

Suggested Readings:

1. Avul Kumar, S., Doodhina, S.C., Mitta, K., Anantham and Jayaram, N. 2003
2. Entrepreneurship Development: New Age International Publishers, New Delhi
3. Gupta, C. B. 2004, Management, Thompson Press, Sultan Chand and Son, New Delhi
4. Indu Grover, 2008, Handbook on Entrepreneurship and Entrepreneurship, Anand Public Academic, Vadap
5. Khanna, S. S. 1999, Entrepreneurship Development, S. Chand and Co. New Delhi
6. Mary Cusker, 2000, Entrepreneurship in Action, Prentice Hall of India Pte. Ltd., New Delhi
7. Mohan, S. K. 2000, Fundamentals of Entrepreneurship, Prentice Hall of India Pte. Ltd., New Delhi
8. Prasad, R. 2005, Entrepreneurship: Concepts and Cases, WTSAT Publications, Hyderabad
9. Sagar Mandal and Ray, G. L. 2009 - Text book of Entrepreneurship and Small Development, Sultan Publishers, Lucknow
10. Sagar, D. 1995, Entrepreneurship Development, Deep and Deep Publications, New Delhi
11. Vaidya Deben, 1997, Small Scale Industries and Entrepreneurship, Himalaya Publishing House, New Delhi

10 | Page

Course Name: Business Ethics & Corporate Governance

Course Code: MS 203

Course Credit: 6

Course Objective: This paper aims at providing the understanding of ethical issues related to business and good governance necessary for long term survival of business.

Block I Business Ethics

Unit I Ethics & Moral Standards

Unit II Ethics & Moral Standards

Unit III Ethics & Moral Standards

Unit IV Personal Growth and Lessons From Ancient Indian Educational System

Unit V Indian Ethics: Need, Progress & Relevance

Unit VI Holistic Approach for Managers in Decision Making

Block II Values for Managers

Unit VII Values Impact in Business, Indian Value System

Unit VIII Values and Teachings from Scriptures and Traditions-I

Unit IX Values and Teaching from Scriptures and Traditions-II

Unit X Values Teaching of Saints and Thinkers

Unit XI Temporal Cultural Human Values in Management Education

Unit XII Human Values

Block III - Corporate Governance

Unit XIII Corporate Governance and Code of Corporate Practices

Unit XIV Social Responsibility of Corporate

Unit XV Corporate Governance System

Unit XVI Corporate Governance and Professional Ethics

Unit XVII Ethical Issues related to Advertising, Finance, Investment and Technology

Unit XVIII Canadian Approach in Management & Trustship

Unit XIX Balanced Global Environment

Unit XX Problems Relating to Stress in Corporate Management and Protection of Stakeholders

Suggested Readings:

1. S.S. Kler - Managing for Value (New Age International Publishers, 2003)
2. Laura P. Hartman Abba Chatterjee - Business Ethics (Tata McGraw Hill, 2007)
3. S. K. Ghoshal - Business Ethics and Management Values (Deep & Deep Publications Pvt. Ltd., 2000)
4. Voluntary - Business Ethics - Concepts and Cases (Prentice Hall, 6th Ed.)
5. Real Parry - Corporate Governance, Economics, Reforms & Development (Oxford)
6. Mather L.C. - Corporate Governance & Business Ethics (The Wiley)
7. Human Values By: Prof. A.N. Targath Men Age International
8. Wisdom Leadership By: Prof. S. K. Chakrabarti, Whistler Publication
9. Corporate Governance, MacMillan, OUP
10. The Management and ethics Omnibus - Chakrabarti, OUP
11. Values and Ethics for Organizations, Chakrabarti, OUP
12. Perspectives on Business Ethics, Hartman, Challenge

Specialization:

Human Resource Management

Course Name: Human Resource Planning

Course Code: MS 201

Course Credit: 6

Course Objective: The main aim of the course is to give the student understanding of how planning is done for taking long term requirement of human resources in an organization.

11 Page

Block I Introduction to Human Resource Planning

Unit I Human Resource Planning: Concepts, Objectives and Significance

Unit II Macro and Micro Human Resource Planning

Unit III Process of Human Resource Planning

Unit IV Demand Forecasting in HRP: Methods and Techniques

Unit V Supply Forecasting in HRP: Methods and Techniques

Unit VI Productivity, Technology and Human Resource Planning

Block II Job Evaluation and Analysis

Unit VII Job Evaluation

Unit VIII Job Analysis

Unit IX Job Assessment

Block III Human Resource Planning: Recruitment, Selection and Induction

Unit X Recruitment Function

Unit XI Selection Function

Unit XII Induction and Placement

Unit XIV Career Planning, Development and Succession Planning

Unit XV Manpower Training and Retention

Unit XVI Transfer and Promotion and Job rotation

Block IV Trends and Issues in Human Resource Planning

Unit XVII Human Resource Information System

Unit XVIII Human Resource Costs

Unit XIX Human Resource Accounting and Costs

Unit XX Emerging Trends in Human Resource Planning

Suggested Readings:

1. Bedeian, Lloyd K. - Human Resource Planning, 4th Edition, 2001
2. Armstrong, Michael - Human Resource Management, 7th Edition, 2006
3. Strategic Human Resource Planning - Vash, Paumgartner (Allied Publishers)
4. D.T. Lee Planning Corporate Man Power
5. HRP - Ganesha Varma - Manpower Planning
6. Joshi Venkatesh - Human Resource Management, Oxford

Course Name: Human Resource Development

Course Code: HRD2

Course Credit: 6

Course Objective: The course aims at providing the students the in-depth knowledge of concepts and applications of development to human resources for organizational excellence.

Block	I	HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT	STRATEGIES	DESIGN	AND	EXPERIENCE
Unit I	Introduction to Human Resource Development					
Unit II	HRD Systems and Structure					
Unit III	Human Resource Development: Strategies					
Unit IV	Role of HRD Managers in HRD					
Unit V	Job Evaluation for HRD					
Unit VI	Human Resource Development Practices in India					
Unit VII	HRD and Motivation					
Unit VIII	Strategic Interventions of HRD					
Unit IX	Motivational Aspects of HRD					
Unit X	Task Analysis					
Unit XI	Counselling and Mentoring					
Unit XII	Organizational Climate and Culture in HRD					
Unit XIII	HRD for Workers					
Unit XIV	HRD Approach to HR Corporate Business					

12 Page

- Unit XV Organising for HRD Resource Effectiveness
- Block IV Strategic dimensions of HRD
- Unit XVI Performance Management and Human Resource Development
- Unit XVII Quality Management Practices in relation to HRD
- Unit XVIII Strategic Human Resource Development
- Unit XIX Comparative HRD Experiences in India and International context

Suggested Readings:

1. Patekarat: Human Resource Management - PHI
2. Management Planning and Development - Excel Publications
3. Kandola: Strategic Human Resource Development - PHI
4. Arthur, M. Carlos: Theory: Handbook Engineering, Prentice Hall Inc 1994
5. Bellman, A. R. and Bellman, J. M. Human Resource Valuation, A Guide to Strategies and
6. Techniques Greenbook, Overseas Books, 1993
7. Dale, B. Total Quality and Human Resources, An Executive Guide, Oxford Blackwell 1993
8. Greenhaus, J. Career Management, New York, Dryden, 1987
9. Thompson, J. and Malloy, C., Developing Human Resources, Oxford, Butterworth - Heinemann 1994

Course Name: Organizational Change and Development

Course Code: MS 303

Course Credits: 6

Course Objective: In the fast changing world of business the organizations have to be ready for the changes and should facilitate in adopting these changes. This course aims to give a broad theoretical and practical understanding of key concepts and issues in managing organizational changes.

Block I: Organizational Change

Unit I: An Overview of Organizational Change

Unit II: Models of Change Management

Unit III: Change and its Impact

Unit IV: Diagnosis and Resistance to Change

Unit V: Implementing Change

Unit VI: Strategies and Status for Communicating Change

Unit VII: Consolidating Change

Block II: Organizational Development

Unit VIII: Introduction to Organizational Development

Unit IX: Process of Organizational Development

Unit X: Diagnostic Strategies and Skills

Unit XI: Power, Politics and Ethics in OD

Unit XII: Evaluating change and future of Organizational Development

Unit XIII: OD Change Agents

Block III: Organisation Development Interventions

Unit XIV: Types and Process of OD Interventions

Unit XV: Team Interventions

Unit XVI: Structural and Miscellaneous OD Interventions

Unit XVII: IT and OD

Unit XVIII: TQM and OD

Unit XIX: Organizational Creativity

Unit XX: OD as Interdisciplinary Context

Block IV: Perspectives of Organisation Development

Unit XXI: Learning Organisation

Unit XXII: Knowledge Management and OD

Unit XXIII: Organizational Design and Work Culture

Unit XXIV: Organizational Restructuring

Suggested Readings:

1. Church & Jones, 'Organizational Theory, Design & Change', Pearson Education, 2004
2. Mathew, Shikha, 'Understanding Organisations' - 'Organizational Theory & Practices in India', Prentice Hall of India, 2005

[Handwritten signature]

3. Ashton, Donald, Paul Louis, Mike Millmore and Mark Saunders, 'Managing Change: A Human Resource Strategy Approach', Wiley, 2005
4. Robbins, Organizational Theory, Structure Design & Applications', Prentice Hall of India, 2005
5. Roben, A. Paine, James Mc Callum, 'Change Management: A guide to effective implementation', Response books, 2005

Marketing Management

Course Name: Marketing Research

Course Code: MS320

Course Credits: 6

Course Objective: The course is designed to inculcate the analytical abilities and research skills among the students in the field of marketing.

Block I: Introduction to Marketing Research

Unit I: Introduction to Marketing Research

Unit II: Types of Marketing Research

Unit III: Marketing Research Industry in India

Unit IV: Marketing Research Process

Unit V: Marketing Research Problem

Unit VI: Research Design and Formulation

Unit VII: Exploratory Research Design

Unit VIII: Descriptive Research Design

Unit IX: Causal Research Design

Unit X: Attribute Measurement and Scaling

Unit XI: Quantitative Judgement Methods

Unit XII: Data Collection and Sampling

Unit XIII: Information Needs

Unit XIV: Primary Methods of Data Collection

Unit XV: Sampling: Design and Procedures

Unit XVI: Sampling Distribution

Unit XVII: Data Analysis: Interpretation and Presentation

Unit XVIII: Data Processing and Application of test

Unit XIX: Data Analysis and Interpretation

Unit XX: Analytical Techniques in Marketing Research

Unit XXI: Research Report Preparation & Presentation

Unit XXII: International Marketing Research

Unit XXIII: Ethics in Marketing Research

Suggested Readings:

1. Churchill, Marketing Research: Methodological Foundations, (Irwin Learning, 2007)
2. Zaimoni, Essentials of Marketing Research, College Learning, 2007
3. 'Donald R. Cooper and Pamela S. Schindler', Marketing Research: Concepts & Cases, Tata, 2006
4. Aaker, Kumar and Day, Marketing Research, 7th edition, John Wiley, 2005.
5. 'C. Beal', Marketing Research, Tata, 2004
6. 'S. Shigdar', Marketing Research: Concepts & Practices in India, Macmillan, 2004
7. 'David J. Little and Donald S. Kilgus', Marketing Research, 7th edition, PHI, 2007
8. 'Parash K. Mahajan', Marketing Research: An Applied Orientation, PHI, 2007
9. 'Theurman, Dhruv, Gopal and S. Krishnan', Marketing Research, Butterworth, 2007

Course Name: Advertising and Sales Promotion

Course Code: MS302

Course Credits: 6

Course Objective: This course aims at providing the students the understanding of advertising and sales promotion techniques for their effective application.

Block I: Introduction to Advertising Concepts

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

Unit I: Introduction to Advertising

- Unit II Advertising and Society
- Unit III Advertising & the Marketing Process
- Unit IV Various forms of Advertising
- Unit V Advertising: Cycles or Catalysts
- Block II Advertising Planning and Strategy
- Unit VI Advertising Planning and Strategy
- Unit VII Advertising Planning and Strategy
- Unit VIII Media Planning and Buying
- Unit IX Creative side of Advertising
- Unit X Consumer Behaviour and Advertising
- Unit XI Evaluation of Advertising Effectiveness
- Block III Sales in Advertising
- Unit XII Advertising Budgeting
- Unit XIII Theories, Trends, Local and Non-Commercial Advertising
- Unit XIV Campaign Planning and Organisation in Advertising
- Unit XV Media Evaluation
- Block IV Sales Promotion
- Unit XVI Sales Promotion
- Unit XVII Types and Techniques of Sales Promotion
- Unit XVIII Relationship between Sales Promotion and Advertising
- Unit XIX Promotional Strategies
- Unit XX Sales Promotion Budgeting
- Unit XXI Public Relations and Personal Selling in context to Advertising and Sales Promotion
- Unit XXII Sales Promotional Design Issues

Suggested Readings:

1. Kenneth Cole, Donald Black, "Integrated Advertising, Promotion and Marketing communication", Prentice Hall of India, New Delhi, 2003.
2. S. H. Karm, Satish K. Bhat, "Advertising & Sales Promotion", Excel Books, New Delhi, 2002.
3. George E. Belch, Michael A. Belch, "Advertising & Promotion", McGraw Hill, Singapore, 1998.
4. Adrian Cunningham, "Sales Promotion", Kogal Page, London, 1998.
5. Leach and Michael, "Advertising and Promotion", McGraw Hill.

Course Name: CONSUMER BEHAVIOUR

Course Code: MS303

Course Objective: The basic objective of this course is to develop an understanding about the consumer decision making process and its application in marketing function of firms.

Block I: Understanding of Consumer Behaviour:

- Unit I: Consumer Behaviour - An Introduction
- Consumer Behaviour: Definition, Concept, Scope, Applications, Importance. Evaluation of consumer behaviour and its application in marketing decisions
- Unit II: Consumer Behaviour and Marketing Strategy
- Unit III: Market Segmentation as context of Consumer Behaviour
- Unit IV: Consumer Research Types and Process
- Unit V: Consumer Behaviour Theories in India
- Block II: Individual Determinant of Consumer Behaviour:
- Unit VI: Consumer Motivation and Values
- Unit VII: Personality and Consumer Behaviour
- Unit VIII: Consumer Perception
- Unit IX: Consumer Learning
- Unit X: Consumer Attitude Formation and Change
- Unit XI: Psychological Influences on Consumer Behaviour
- Block III: External Determinant of Consumer Behaviour:
- Unit XII: Social Class Influence on Consumer Behaviour
- Unit XIII: Consumer Decision and Persuasion
- Unit XIV: Cultural Influence

Unit XV Socio-Cultural and Cross-Cultural Influences

- Unit XVI Public Policy and Consumer Advocacy: in context of Consumer Behaviour
 - Unit XVII Media of Consumer Behaviour: National Buying and Individual Buying
 - Block IV: CRM and Consumer Decision Making:
 - XVIII: Consumer Behaviour Model
 - XIX: Diffusion of Innovation and Opinion Leadership
 - XX: Consumer Decision Process
 - XXI: CRM and e-CRM
 - XXII: Developing CRM Strategy
 - XXIII: CRM Building: Infrastructure, Information Process and Technology.
- Suggested Readings:**
1. Louis G. Schiffman, Leslie J. Lav. Kamel, "Consumer Behaviour", Pearson Education, New Delhi, 2002.
 2. Daniel J. Liberman, Albert J. Della Bitta, "Consumer Behaviour", McGraw Hill, New Delhi, 2002.
 3. J. O. Lundquist and M. Anand Singh, "Shopper buyers & consumer Behaviour: Theory and Marketing application", Business Publication, New Delhi, 2005.
 4. Shesh Mohan, "Consumer Behaviour: A Managerial Perspective", Thomson Asia (P) Ltd, Singapore, 2003.
 5. R. K. Srivastava, "Consumer Behaviour in Indian Context", Goyal Ganga Publishing Co., New Delhi, 2002.
 6. S. L. Gupta & Sumita Paul, "Consumer Behaviour an Indian Perspective", Sultan Chand, New Delhi, 2001.
 7. M. Raju, Dominique, "Consumer Behaviour: Concepts Applications and Cases", Wiley publishing house (P) Ltd, New Delhi - 2004.
 8. Henry Jessel, "Consumer behaviour strategic approach", Biznata, New Delhi, 2005.

Course Name: Corporate Tax Planning

Course Code: MS301

Course Credit: 6

Course Objective: This course aims at leading students conversant with the concept of the corporate tax planning and Indian tax laws, in order that implications for corporate management.

- Block I Basics of Tax Planning and Management
- Unit I Nature and Scope of Tax Planning and Management
- Unit II Income from Salary
- Unit III Tax Planning: Salary
- Unit IV Profit and Gains from Business and Profession
- Block II Tax Planning and Provisions and Gains from Business or Profession
- Unit V Tax Planning and Assessment of Individual and Firm
- Unit VI Income from Capital Gains and Tax Planning
- Unit VII Income from Other Sources and Tax Planning
- Unit VIII Assessment of Individuals and Firms
- Unit IX Set off and Carry Forward of Losses and Charging of Income
- Block III Corporate Tax in India
- Unit X Corporate Tax in India
- Unit XI Computation of the amount of corporate tax liability
- Unit XII Minimum Alternate Tax
- Block III Tax Planning in Functional Management
- Unit XIV Tax Planning and Corporate Strategies
- Unit XV Tax Planning and Managerial Decisions
- Unit XVI Corporate Tax Planning in India
- Unit XVII Tax Planning and Financial Decisions
- Unit XVIII Tax Planning for New Business
- Block IV Tax Management:
- Unit XIX Special Tax Provisions:
- Unit XX Tax Planning in respect of amalgamation or the merger of companies
- Unit XXI Corporate Failure and liquidation
- Unit XXII Tax implications of foreign collaboration agreements
- Unit XXIII Tax Management
- Unit XXIV Non-Resident Taxation and Tax Management

- Unit IX The Workmen's Compensation Act, 1923
Unit X Equal Remuneration Act, 1976
Unit XI The Maternity Benefit Act, 1946
Unit XII The Factories Act, 1947
Unit XIII Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1946
Unit XIV The Employees' State Insurance Act, 1948
Unit XV Social Security Legislation: An Overview
Unit XVI The Payment of Gratuity Act, 1972
Unit XVII The Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952
Unit XVIII Trade Union Act, 1926
Unit XIX Industrial Disputes Act, 1947
Unit XX Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946
Unit XXI Industrial Disputes and Miscellaneous
Unit XXII Workers Participation in Management

Suggested Readings:

1. Kapoor N.D., 'Elements of Industrial Law', Sultan Chand, 1998.
2. Srivastava, 'Industrial Relations and Labour Laws', Vikas, 4th edition, 2000.
3. Respon'se Act.
4. Dasgupta, 'Commercial and Industrial Law', Sultan Chand, 1998.
5. Das Gupta, 'Managing Industrial Disputes', Harper's Books, 2002.

Course Name: Strategic Human Resource Management

Course Code: MS206

Course Credit: 6

Course Objective: It is designed to acquaint the learners with the tools & techniques essential as a strategic contribution of HRM to organizational growth.

- Block I Understanding Strategic HRM**
Unit I Introduction to Strategic HRM
Unit II Investment perspective of Human resources
Unit III Planning and Implementing Strategic HR policies
Unit IV Linkage of Corporate Strategy, Core Competencies and Competitive Advantage with HRM
Unit V Aligning HRM with Business Strategy
Block II Aligning HR Systems with business strategy
Unit VI Strategic Role of HRM
Unit VII Alternative HR systems
Unit VIII Linking HRM practices to organizational outcomes
Unit IX Human Resource Strategy Formulation
Unit X HR Strategy in workforce utilization
Unit XI Strategic Performance Management
Unit XII HR Strategy for Training and Development
Block III International and Comparative Strategic Human Resource Management
Unit XIII Managing Global Human Resources
Unit XIV Evaluating HR functions in International Context
Unit XV Multinational, Global, and Transnational Strategies in HRM
Unit XVI Experience and expatriation management in global HRM
Unit XVII High Performance Work Practices
Block IV Emerging Issues in Strategic HRM
Unit XVIII Multi-Sectoral Feedback and Competency Development
Unit XIX HR Strategy in workforce diversity
Unit XX HR Strategy for Corporations of Tomorrow
Unit XXI HR Steward
Unit XXII Employee Engagement Strategies



Suggested Readings:

1. Gary Dessler, 'Human Resource Management', PHI, New Delhi, 2003.
2. Charles W. Gerst, 'Strategic Human Resource Management', Pearson Education, 2003.
3. Lee R. Gerst, 'Mya, David B. Boffin, Robert L. Gerst, 'Managing Human Resources', PHI, 2001.
4. Pooja J. Doshi, 'Dorothy E. Welch, Randall S. Swales, 'International Human Resource Management', Thomson South-Western, 2002.

Course Name: Industrial Relations

Course Code: MS206

Course Credit: 6

Course Objective: This course aims at providing the students the nuances of industrial relations so that a healthy environment is developed for functioning of employees.

Block I INTRODUCTION TO INDUSTRIAL RELATIONS

- Unit I Background to Industrial Relations
Unit II Evolution of Industrial Relations in India
Unit III Approaches to Industrial Relations
Unit IV Legal Framework of Industrial Relations
Unit V Industrialization Strategy and Industrial Relations
Unit VI Human Resource Management and Industrial Relations
Block II Trade Unions
Unit VII Theoretical Foundations and Legal Framework
Unit VIII Trade Union Structures
Unit IX Management of Trade Unions in India
Unit X Negotiation and Collective Settlements
Unit XI Tripartite and Social Dialogue
Unit XII New Role of Trade Unions
Block III Industrial Disputes
Unit XIII Industrial Disputes
Unit XIV Classification and Impact of Industrial Disputes
Unit XV Dispute Resolution and Industrial Harmony
Unit XVI Grievance Handling procedure – Labour Management
Unit XVII Labour Administration and Social Security
Unit XVIII Workers Participation in Management
Block IV Contemporary Issues in Industrial Relations
Unit XIX Employer Participation and Labour Management
Unit XX Alignment labour policy with economic policies and Industrialization Strategies
Unit XXI Industrial relations and Technological Change
Unit XXII Management of Industrial Relations
Unit XXIII India and International Labour Standards
Unit XXIV New Paradigms of Industrial Relations

Suggested Readings:

1. Menon C B and Menon J, 'Dynamics of Industrial Relations', Himalaya Publishing House, New Delhi, 1999.
2. Dasgupta, R.S. 'Industrial Relations & Organizational Behaviour', Macmillan India Ltd, New Delhi, 1997.
3. Ratan Sen, 'Industrial Relations in India', Shillong Paradigms, Macmillan India Ltd, New Delhi, 2003.
4. Srinivas, 'Industrial Relations and Labour Laws', Vikas, 4th edition, 2000.
5. C.S. Venkatesh Narayan, 'Globalisation and Labour Management Relations', Response Books, 2001.

Course Name: Compensation Management

Course Code: MS207

Course Credit: 6

Course Objective: This course aims at providing the students the basic understanding of performance appraisal and development of good compensation plan in organizational setting.

Block I An Overview of Compensation Management



Finance
Subject any three:

Course Name: Security Analysis and Portfolio Management

Course Code: MS504

Course Credits: 6
Course Objective: The objective of the course is to provide the students the understanding of financial markets environment and manage the investments for maximum returns

Block I: Introduction to Investment and Securities

Unit I: Introduction to Investments and Securities
Unit II: Investment Alternatives

Unit III: Investment Alternatives
Unit IV: Securities Markets

Unit V: Listing of Securities
Unit VI: Stock Exchanges and Their Mechanisms

Unit VII: The Securities and Exchange Board of India
Block II: Security Analysis

Unit VIII: Market Indices
Unit IX: Economic Analysis

Unit X: Industry Analysis
Unit XI: Company Analysis

Unit XII: Bond Analysis and Management Strategies
Block III: Portfolio Analysis

Unit XIII: Mutual Funds
Unit XIV: Derivatives

Unit XV: Options, Rights, Warrants and Convertibles
Unit XVI: Futures and Swaps

Unit XVII: Technical Analysis
Unit XVIII: Efficient Market Theory

Unit XIX: Portfolio Analysis
Unit XX: Portfolio Selection

Block IV: Portfolio Management
Unit XXI: Capital Asset Pricing Model

Unit XXII: Portfolio Revision and Portfolio Investment Process
Unit XXIII: Portfolio Evaluation and Performance Management

Unit XXIV: Value at Risk and Risk Management
Unit XXV: SARF Act Introduction

Suggested Readings:
1. David E. Fisher & Ronald J. Jordan, 'Security Analysis & Portfolio Management', Finance Hall of India Private Ltd., New Delhi, 2010

2. V. A. Avasthi, 'Security Analysis and Portfolio Management', Illustrious Publishing House, 1997
3. V. K. Gupta, 'Investment Management', S. Chand & Company, Ltd., Secunderabad, 2000

4. Purnanavathi Prasad, 'Security Analysis & Portfolio Management', Vikas Publishing House Pvt. Ltd., 2001.

Course Name: International Finance

Course Code: MS505

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims at providing the students the fundamentals of international finance and its impacts
Block I: International Financial Environment

Unit I: An Introduction to International Finance
Unit II: International Financial Environment

Unit III: The Foreign Exchange Market

23 | P a g e

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

Unit IV: The Balance of Payments

Unit V: Exchange Rate System
Block II: International Parity Conditions and Exchange Rate Determination

Unit VI: Interest Rate Parity
Unit VII: Speculation and Risk in the Foreign Exchange Market

Unit VIII: Purchasing Power Parity and Real Exchange Rates
Unit IX: Measuring and Managing Real Exchange Risk

Unit X: Exchange Rate Determination and Reporting
Block III: International Securities Market

Unit XI: International Debt Financing
Unit XII: International Equity Financing

Unit XIII: International Capital Market
Unit XIV: International Bond Market

Unit XV: International Banking and Money Market
Block IV: International Corporate Finance

Unit XVI: International Project Appraisal
Unit XVII: Financing International Trade

Unit XVIII: Managing Net Working Capital
Unit XIX: Risk Management and Foreign Currency Hedging Decisions

Unit XX: Foreign Currency Futures and Options
Unit XXI: Interest Rates and Foreign Currency Swaps

Unit XXII: International Financial Instruments
Unit XXIII: Contemporary Issues in International Finance

Suggested Readings:
1. Foreign Exchange Management - B. P. Bhattacharya

2. International Financial Management - P. G. Agle
3. International Financial Management - V. K. Gupta

4. International Finance - R. G. Brander
5. International Financial Management - A. K. Seth

6. International Finance and Management - V. Shrivastava, Finance Hall India

Course Name: Working Capital Management

Course Code: MS506

Course Credits: 6

Course Objective: To provide the students knowledge on concepts, methods and procedures involved in working capital management for managerial decision making

Block I: Introduction to Working Capital
Unit I: Working Capital: An Introduction

Unit II: Working Capital Planning and Management
Unit III: Working Capital Estimation

Unit IV: Analysis of Solvency, Liquidity and Financial Flexibility
Block II: Management of Current Assets

Unit V: Management of Cash and Marketable Securities-I
Unit VI: Management of Cash and Marketable Securities-II

Unit VII: Receivables Management
Unit VIII: Inventory Management

Unit IX: Financing of Working Capital
Unit X: Working Capital Control and Banking Policy in India

Unit XI: Working Capital Policies
Unit XII: Integrating Working Capital and Capital Investment Process

Unit XIII: Financial Issues in Working Capital Management
Unit XIV: Working Capital Management in Public Sector

24 | P a g e

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

Unit XXXV Working Capital Management for Small and Medium-Sized Enterprises
Unit XXXV Working Capital Management for Small and Medium-Sized Enterprises
Unit XXXV Working Capital Management for SMEs

Suggested Readings:

1. Sharma D., Working Capital Management, Himalaya Publication House, 2005
2. Prasanna P., Working Capital Management, Himalaya Publication House, 2007
3. Kishor Bhangar, Anil Mehta, Working Capital Management, Excel Books, 2005
4. Bhattacharya, Working Capital Management: Strategies & Techniques, PHI, 2007
5. Basile V.K., Working Capital Management: Text and Cases, 4th ed., Delhi, Anmol, 2004
6. Harshan J.J. and C.L. Wajner, Working Capital Management, Prentice Hall
7. Shrivastava J.C., Modern Working Capital Management, Prentice Hall
8. Smith, Keith V. and G.W. Gillingier, Readings on Short-Term Financial Management, 3rd ed., West Pub. Co.

Course Name: Management of Financial Services
Course Code: MSF401

Course Credits: 6

Course Objective: This course aims at equipping the students the understanding the nature of various financial services and managing them.

Block I: Financial System and Markets

- Unit I: Overview of Indian Financial System
- Unit II: Money Market
- Unit III: Capital Market
- Unit IV: New Issues Market
- Unit V: Govt. Securities Market
- Unit VI: Foreign Exchange Market
- Block II: Nature and Scope of Financial Services
- Unit VII: Nature and Scope of Financial Services
- Unit VIII: Regulatory Framework for Financial Services
- Unit IX: Management of Risk in Financial Services
- Unit X: Pricing of Financial Services
- Unit XI: Marketing of Financial Services
- Block III: Financial Intermediaries
- Unit XII: Mutual Funds
- Unit XIII: Venture Capital
- Unit XIV: Leasing and Hire Purchase
- Unit XV: Debt Securitization
- Unit XVI: Housing Finance
- Unit XVII: Credit Rating
- Unit XVIII: Strategic Issues in the Management of Financial Intermediaries
- Block IV: Latest Concepts in the Management of Financial Services
- Unit XIX: Venture Capital
- Unit XX: Factoring and Forfeiting
- Unit XXI: Asset Liability Management
- Unit XXII: Insurance Services, Reinsurance and Reinsurance
- Unit XXIII: Securitization and Asset Reconstruction Companies
- Unit XXIV: Indian and Global Perspective - Managing new challenges
- Unit XXV: Non-Banking Financial Companies

Scope and meaning - importance of NBFIs in India and their growth

Suggested Readings:

1. K. Srinivas, "Hand Book of Banking, Hire Purchase & Factoring", J.P. Jain, Hyderabad, 1992
2. Basile V.K. - "Management of Financial Services", Anmol, New Delhi, 2003
3. Basile V.K. and Dhring, Singh, "International Financial Services", New Delhi, Anmol, 1997

25 | P a g e

Unit XXXV Working Capital Management for Small and Medium-Sized Enterprises
Unit XXXV Working Capital Management for Small and Medium-Sized Enterprises
Unit XXXV Working Capital Management for SMEs

Course Name: Financial Reporting
Course Code: MSF401

Course Credits: 6

Course Objective: To develop knowledge, understanding and application of Indian and International Financial Reporting Standards and the concepts and principles which underpin them.

Block I: Accounting Standards

- Unit I: Accounting Standards and their Interpretation
- Unit II: International Accounting Standards (IAS) International Financial Reporting Standards (IFRS)
- Unit III: Applications of IFRS and US GAAP
- Unit IV: The role of the International Financial Reporting Interpretations Committee
- Unit V: Corporate Financial Reporting - Issues and Problems
- Block II: Financial Statements and Reporting Practices
- Unit VI: Elements of Financial Statements and Reporting Practices-I
- Unit VII: Elements of Financial Statements and Reporting Practices-II
- Unit VIII: Accounting for Corporate Restructuring (including inter-company holdings)
- Unit IX: Preparation of External Financial Reports for single entities
- Unit X: Consolidated Financial Statements of Group Companies-I
- Unit XI: Consolidated Financial Statements of Group Companies-II
- Unit XII: Treatment of Investment in Associates and Joint Ventures in consolidated financial statements
- Block III: Financial Reporting by Various Entities
- Unit XIII: Accounting and Reporting of Financial Institutions
- Unit XIV: Hedge Accounting and Disclosure
- Unit XV: Share-based payments
- Unit XVI: Financial Reporting by Mutual funds
- Unit XVII: Financial Reporting by Non-Banking Finance companies and Microfinance Institutions
- Unit XVIII: Financial Reporting by Stock and Commodity market intermediaries
- Unit XIX: Valuation and Financial Reporting
- Block IV: Developments in Financial Reporting
- Unit XX: Environmental and Social Accounting Issues
- Unit XXI: Financial Reporting Accounting
- Unit XXII: The Influence of different countries on Financial Reporting
- Unit XXIII: Emerging issues in Financial Reporting

Suggested Readings:

1. Geoff Black, Applied Financial Accounting and Reporting, Oxford University Press, Fifteen 2011
2. P.C. Tandon and Dhara Tandon, Financial Reporting, S.Chand
3. M.P. Vohra, Financial Reporting, S.Chand
4. Choe Frank A. Soudan's Guide to IFRS, Indian Publishing, Third Edition

Course Name: Micro Finance
Course Code: MSF401

Course Credits: 6

Course Objective: The course will try to give an understanding on aspects of microfinance management to learners and will help them in identifying the role of microfinance institutions in economic and social development.

Block I: Micro Finance: An Introduction

- Unit I: Introduction to concepts in Microfinance
- Unit II: Micro finance as a tool for development

26 | P a g e

Unit III Evolution and Character of Micro Finance in India

Unit IV Models of Micro Finance

Unit V Micro Finance delivery methodologies

Unit VI Micro Finance: Legal and Regulatory Framework

Block II Perspectives of Microfinance

Unit VII Informal financial markets

Unit VIII Poverty and microfinance

Unit IX Gender and microfinance

Unit X Social capital and non-financial services

Unit XI The Environment and microfinance

Unit XII Present Status of Microfinance in India

Unit XIII International Trends in Micro Finance

Block III Financial and Social Performance Indicators

Unit XIV Financial and social performance indicators for microfinance

Unit XV Methodological issues in microfinance

Unit XVI Self-Help Groups

Unit XVII Micro Enterprises

Unit XVIII Development of Microfinance Products

Block IV Micro Finance Institutions

Unit XIX Microfinance Institutions

Unit XX Rural Banking in India

Unit XXI Micro Finance and Marketing

Unit XXII Emerging Issues in Micro Finance

Suggested Readings:

1. Sree Sundaram, "Microfinance in India", B. R. Publishing Corporation (2007)
2. N. Srinivasan, "Microfinance in India: A State of the Sector Report 2007", Sage Publications
3. Prabhu Chandra Chandra and Vijay Mahapatra, "Microfinance in India: A State of the Sector Report 2007", Sage Publications

Activities in Marketing

Course Name: International Marketing

Course Code: MS-M4

Course Credits: 6

Course Objective: The students have been covered the national boundaries in it has become important especially for a developing country like India. The major objective of this course is to provide an exposure to the students to the areas marketing in the international perspective.

BLOCK I: CONCEPTS OF INTERNATIONAL MARKETING:

Unit I: International Marketing: Concept and Process

Unit II: Theories of International Trade and their application in IM

Unit III: International Marketing Environment

Unit IV: International Market Intelligence

Unit V: Potential Market Assessment and Entry Strategies

BLOCK II: INTERNATIONAL MARKETING MIX

Unit VI: International Product Policy

Unit VII: International Pricing strategy

Unit VIII: Global Distribution

Unit IX: International Promotional Strategy and Packaging Policies

Unit X: International Promotion Strategy and Packaging Policies

BLOCK III: INTERNATIONAL ORGANIZATION & POLICIES

Unit XII: International Organizations: WTO, IMF, UNCTAD, ASEAAN

Unit XIII: International Marketing Issues and Regional Settlement Body

27 | P a g e

Unit XIV International Logistics and Emerging Issues

Unit XV: Export Promotion Policies in India

Unit XVI: SEZs and their implications

Unit XVII: Trade and Non-Trade Barriers and Emerging Issues

BLOCK IV: INTERNATIONAL MARKETING, AND FOREIGN TRADE

Unit XVIII: India Foreign Trade Policy

Unit XIX: India's Foreign Trade and its Comparison

Unit XX: Globalization and India - Post Liberalization India's Competitive Advantages

Unit XXI: Export Procedures and Documentation

Unit XXII: International Sales Contract

Unit XXIII: International Commercial Terms & Trade in Services

Unit XXIV: The Future of Global Marketing

Suggested Readings:

1. Bhattacharya, B., "Export Marketing: Strategies for Success", Global Business Press, New Delhi.
2. India, Ministry of Commerce, "Import/Export Policy"
3. Indian Institute of Foreign Trade, "Cases in International Marketing: Indian Experience", IIFT, New Delhi
4. Indian Institute of Foreign Trade, "International Trade Course: General, "Coordinating Market Unit", IIFT, New Delhi
5. J. K. Lall, M., "International Marketing: Strategies for Success"
6. V. K. Vaidyanathan and Bhattacharya, "International Marketing management"

Course Name: Marketing

Course Code: MS-505

Course Credits: 6

Course Objective: The emergence of tertiary sector calls for better understanding of services development and delivery. This paper aims at providing the students the services products of services marketing.

BLOCK I: SERVICE MARKETING

Unit I: Marketing of Services: An Introduction

Unit II: Managing Demand for Services

Unit III: Customer Aspects of Service Management

Unit IV: Understanding the Framework for Service Marketing Management

Unit V: Positioning and Pricing

BLOCK II: STRATEGIC ISSUES OF SERVICES MARKETING

Unit VI: Knowledge of Buyer Behaviour in Services

Unit VII: Customer Expectation and Customer Groups

Unit VIII: Customer Perception and the Service Quality

Unit IX: Customer Relationship

Unit X: Service Orientation and Service Recovery

BLOCK III: TOOLS FOR SERVICE MARKETING

Unit XI: Creating Advertising and Service Development Design

Unit XII: Understanding the Customer Market Service Standards

Unit XIII: Physical Evidence and Process in Services Marketing

Unit XIV: Forces on Employees' Role and Empowerment of Services

Unit XV: Customer's Role in Service Delivery

BLOCK IV: MARKETING OF FINANCIAL SERVICES

Unit XVI: Marketing of Financial services: Banking, Financial Institutions

Unit XVII: Communication & Information Service Marketing: Television, Computer, Courier

Unit XVIII: Characteristics of Marketing of Services

Unit XIX: Marketing of Health Services, Hospitality Services including Travel, Hotel and Tourism

Unit XX: Strategic marketing management for services

Unit XXI: Internal Marketing of a Service - External versus Internal Orientation of Service Strategy

Unit XXII: Service Quality and Issues

Unit XXIII: Emerging Trends of Service marketing and role of managers

28 | P a g e

1. Christopher, H. Lovelock, Roden Wirtz, "Services Marketing", Pearson Education, New Delhi, 2004
2. Hider, Mousalige, "Services Marketing", Macmillan Publishing Co, New Delhi, 2003
3. Shrivastava, R. and Mousalige, "Text book of Marketing of Services", the Indian experience, Macmillan Publishing Co, New Delhi, 2003
4. Chandra, "Services Marketing and Marketing a CRM Approach", John Wiley and Sons, England, 2001
5. Bhattacharya, "Services Management, An Indian Perspective", John Wiley, India, Chennai, 2005

Course Name: Supply Chain Management

Course Code: MS 506

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims to provide the students the in-depth knowledge of logistics and supply chain management so as to help in dealing the related business problems efficiently.

BLOCK I: INTRODUCTION TO SUPPLY CHAIN MANAGEMENT

Unit I: Introduction, Supply Chain, Importance, Process, Objective

Unit II: Supply Chain Performance

Unit III: Supply Chain Drivers and Metrics

Unit IV: Distribution Network in Supply Chain

Unit V: Network Design in the Supply Chain

BLOCK II: DEMAND AND SUPPLY IN SUPPLY CHAIN

Unit VI: Global Supply Chain & Unrelated to Products

Unit VII: Demand Forecasting in Supply Chain

Unit VIII: Aggregate Planning in Supply Chain

Unit IX: Planning Supply and Demand in a Supply Chain

Unit X: Coordination in Supply Chain

BLOCK III: PLANNING AND STOCKING INVENTORIES

Unit XI: Economics of Stock in a Supply Chain, Cycle Inventory

Unit XII: Safety Inventory Management

Unit XIII: Level of Product Availability

Unit XIV: Transportation in Supply Chain

Unit XV: Sourcing Decision in Supply Chain

BLOCK IV: MANAGING CROSS-FUNCTIONAL DRIVERS IN SCM

Unit XVI: Pricing and Revenue Management in a Supply Chain

Unit XVII: Information Technology in a Supply Chain, Coordination in a Supply Chain

Unit XVIII: Demand Management and Customer Service

Unit XIX: Internal Transportation and Electronic Commerce in SCM

Unit XX: E-Sourcing and Supply Chain

Unit XXI: Financial Evaluation of Supply Chain Decisions

Suggested Readings:

1. Sunil K. Boyaca and Peter Micheli, "Supply Chain Management: Strategy, Planning and Operations", Pearson Education, Third Indian Reprint, 2004
2. Macdonald et al., "Purchasing and Supply Chain Management", Thomson Learning, Second edition, Second Reprint, 2002
3. Ashish Ranil V., "Supply Chain Management: Concept and Cases", Prentice Hall India, 2005
4. Shapiro, Jerome, F., "Modeling the Supply Chain", Thomson Learning, Second Reprint, 2005
5. Baldevi, Ronald H., "Business Logistics and Supply Chain Management", Pearson Education, Second Indian Reprint, 2004
6. Seng, Vinod V., "Logistics Management - The Supply Chain Imperative", Pearson Education, Indian Reprint, 2004
7. Allen, et al., "Business Logistics Management", Prentice Hall India, 2005
8. Coyle et al., "The Management of Business Logistics", Thomson Learning, 7th Edition, 2004
9. Bowersox, Douglas J., "Logistics Management: The Integrated Supply Chain Process", Prentice Hall India, 2005
10. Bowersox, Douglas J. et al., "Logistics", Prentice Hall India, 2005

Course Name: Retail Marketing

Course Code: MS 507

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims to provide the students the in-depth knowledge of retail marketing and its importance in the business world. The course aims to provide the students the understanding of retail marketing and its importance in the business world.

1. Christopher, H. Lovelock, Roden Wirtz, "Services Marketing", Pearson Education, New Delhi, 2004
2. Hider, Mousalige, "Services Marketing", Macmillan Publishing Co, New Delhi, 2003
3. Shrivastava, R. and Mousalige, "Text book of Marketing of Services", the Indian experience, Macmillan Publishing Co, New Delhi, 2003
4. Chandra, "Services Marketing and Marketing a CRM Approach", John Wiley and Sons, England, 2001
5. Bhattacharya, "Services Management, An Indian Perspective", John Wiley, India, Chennai, 2005

Course Name: Retail Marketing

Course Code: MS 507

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims to provide the students the in-depth knowledge of retail marketing and its importance in the business world. The course aims to provide the students the understanding of retail marketing and its importance in the business world.

BLOCK I: INTRODUCTION TO RETAIL MARKETING

Unit I: Retail Marketing (Concept, Scope, Significance)

Unit II: Classification of retail markets

Unit III: Retail marketing environment

Unit IV: Retail Market Profile

Unit V: Consumer Behaviour in Retail Marketing and strategy

BLOCK II: RETAIL MARKETING MIX & SEGMENTATION

Unit VI: Demand and Supply in Retail Market

Unit VII: Retail Market Segmentation

Unit VIII: Marketing Mix for Retail Marketing

Unit IX: Retailing Strategy in Retail Market

Unit X: Product Lifecycle in Retail Market and New Product Development

BLOCK III: CONSUMER BEHAVIOUR AND DISTRIBUTION

Unit XI: Consumer Behaviour in Retail Marketing

Unit XII: Consumer Behaviour Theories and their Application in Retail Market

Unit XIII: Channels of Distribution

Unit XIV: Channels Management in retail market

Unit XV: Sales Management in retail market

Unit XVI: Sales force management in retail market

BLOCK IV: COMMUNICATION IN RETAIL MARKET

Unit XVII: Marketing Communication in Retail Market

Unit XVIII: Advertising and Sales promotion

Unit XIX: Sales force management in retail market

Unit XX: Retail Industry

Unit XXI: Issues in Retail Marketing

Unit XXII: Role of Government and NGOs in Retail Marketing

Unit XXIII: The Future of Retail Marketing

Suggested Readings:

1. Pedrick, Kathryn and Statistiana, Paul, "The Retail Marketing", Business, New Delhi, 2004
2. Ram, Elkhon, "New Perspectives in Retail and Agricultural Marketing", Jaico Publishing House, Mumbai, 2005
3. Krishnaswamy, J., "Retail Marketing: Text and Cases", Pearson Education, 2007
4. Krishnaswamy, J., "Cases in Retail Marketing", Pearson Education, 2003

Course Name: Sales and Distribution Management

Course Code: MS 508

Course Credits: 6

Course Objective: The objective of this course is to provide an extensive knowledge about sales functions as well as the importance of the distribution mechanism of goods and services to the students.

Block II: Distribution

- Unit XIV Distribution Channel
- Unit XV Reach of Channel
- Unit XVI Selection of Channels & Distributors
- Unit XVII Wholesaler: Classification, Distribution Channels & Trends
- Unit XVIII Channel Conflict and Resolution
- Unit XIX Management of Marketing Channels
- Unit XX Management of Channels
- Unit XXI Wholesaler
- Unit XXII Channel Profitability Analysis
- Unit XXIII Retail Distribution
- Unit XXIV Retailing
- Unit XXV Inventory Management in Sales and Distribution
- Unit XXVI Market Logistics

Suggested Reading:

1. Richard K. Stolt, Bernard W. Condit, Norman A. P. Gove, Sales Management
2. Decision, Strategies & Cases, Prentice Hall, 5th Edition, 2005
3. Charles M. Franklin, Sales Management, Team work, Leadership and
4. Technology, Thomson Learning, South Western, 2001
5. Fundamentals of Sales Management, Ramesh K. Gupta, Mac Millan India Pvt Ltd.
6. Sales Management, P. K. Chakrabarti, K. C. Chakrabarti, Value Publications, Third Revised Edition
7. Sales Management: A Global Perspective, Paul D. Hirsch, John B. Ford, Alvin C. Stumm, Routledge, Publisher.
8. Market & Sales Forecasting, Gordon Bate, Cengage Publishing House

Course Name: Industrial Marketing

Course Code: **MS 509**

Course Credit: **4**

Course Objective: To acquaint the students with planning, technique and organization of Industrial Marketing

Block I: Introduction to Industrial Marketing

- Unit I Introduction: Nature, Scope, Industrial Marketing vs. Consumer Marketing, Industrial Trends and Customer
- Unit II Types of Industrial Products and Industrial Services
- Unit III Strategic Marketing planning
- Unit IV Industrial Marketing Mix
- Unit V Organizational Buying and Buyer Behavior
- Block II: Industrial Marketing Management**
- Unit VI Industrial Product Management
- Unit VII Industrial Product Pricing Decisions
- Unit VIII Buyer-Seller Relationship
- Unit IX Industrial Marketing Research
- Unit X Market Segmentation, Targeting and Positioning
- Unit XI Emerging Trends in Industrial Marketing

Block III: Industrial Promotion and Buyer Behaviour

- Unit XII Promotion Strategies for Industrial Goods/ Services
- Unit XIII Sales management in Industrial Marketing
- Unit XIV Sales promotion technique in Industrial Marketing
- Unit XV Buyer Behaviour Models in Industrial Goods and Services
- Unit XVI Factors affecting Buyer Behaviour in Industrial Marketing
- Unit XVII Standard Industrial Products and Services
- Block IV: Industrial Marketing and its International Scenario**
- Unit XVIII Industrial Marketing Logistics
- Unit XIX Industrial Marketing Information System
- Unit XX Business Networks and Technology
- Unit XXI Ethics in Industrial Marketing
- Unit XXII International Industrial Marketing

Unit XXIII: E-Business in Industrial Marketing

Block I: E-Business

- 1. Industrial Marketing - Hill, Alexander, Cross
- 2. Industrial Marketing - Analysis, Planning and Control - Reeder, Barron, Koster
- 3. Industrial Marketing - P. K. Chakrabarti
- 4. Industrial Marketing - Hirsch, John, Lata M. "International Marketing Strategies for Success"

Course Name: Brand Management

Course Code: **MS 510**

Course Credit: **4**

Course Objective: To acquaint the students with planning, technique and branding strategies of the organization

Block I: Brand Management

- Unit I Product Management
- Unit II Product Development
- Unit III New product development
- Unit IV Brand Management & Branding Process
- Unit V Brand Management & Branding Process
- Block II: Brand Evolution**
- Unit VI Brand Evolution
- Unit VII Brand and Consumer
- Unit VIII Brand Equity
- Unit IX Brand Positioning & Brand Building
- Unit X Brand Portfolio
- Unit XI Brand audit and Brand equity
- Block III: Branding Decisions**
- Unit XII Brand Extension
- Unit XIII Brand and Price
- Unit XIV Branding Strategy
- Unit XV Brand Protection
- Unit XVI Brand Personality and Brand Innovation
- Unit XVII Corporate Branding
- Block IV: Global Branding**
- Unit XVIII Brand International Brand Positioning and Brand Crisis
- Unit XIX Brand Over Life and Brand Performance
- Unit XX Brand Evaluation, Brand Audit and Brand Building
- Unit XXI Global Branding
- Unit XXII Customer Brand Knowledge
- Unit XXIII New Trends in Brand Management in India

Block Recommendation:

1. Product management - David R. Lassar, Brand 5 - Warner
2. Strategic Brand Management - Kotler, Lane Keller
3. Branding Concepts & Process - Blackwell, Peg
4. Marketing Management - Philip Kotler
5. Successful Branding - Pam K. Chakrabarti
6. Branding Strategy for Companies - Maheshwari, Suresh San Gupta
7. Strategic Brand Management - Kotler
8. Brand Powerful Brands - Jones

Programme Project Report (PPR)

Master of Commerce

- (a) **Programme's mission & objectives :** The main objective of this programme is to equip the learners with the latest developments and techniques in the field of banking, insurance, securities market, accounting, finance, taxation, marketing and human resources. The programme also aims at to prepare students to exploit newly created opportunities in their respective accounting field. The programme also provides an avenue for the learners for employment in enhances the academics and also to benefit Industry by providing them with suitably trained persons in the field of accounting & finance. The courses are designed in such a way that they help in meet the growing demand for qualified professionals in the field of accounting and finance. Therefore, the programmes also provide adequate exposure to the learners to the operational environment in the field of accounting and finance and equip them with necessary conceptual, entrepreneurial and analytical skills required for handling the business operation.
- (b) **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** The basic objective of the open and distance education is to provides an opportunity to students for acquiring new knowledge and skills that are needed to function in the society. On the successful completion of this programme graduates will acquire the skills and knowledge to pursue high-level positions in industry or government, in areas relevant to their specializations. The degree can prepare the learner for positions in accounting, marketing or other specialist fields. It also gives learners a thorough understanding of commerce for use in many business fields.
- (c) **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join M.Com. program is required to have a bachelors degree in commerce stream from a recognized institution/university. Those who are interested in Banks, Industrial houses, Educational Institutes and Public Accounting firms etc. can join this programme. It also serves as a basis for further higher studies and research in the field such as M.Phil and Ph.D.

adger

CHIEF EXECUTIVE OFFICER
BANK OF INDIA
MUMBAI

[Signature]

MANAGING DIRECTOR
BANK OF INDIA
MUMBAI

- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** Uttarakhand Open University has been contributing to the development and training of qualified human resource capital for the state. The salient features of this programme are focus on operational areas of business activities and provide opportunity to interact with the leading experts through the special counseling session and also organizing workshops and seminars specially based on the programmes. The course is designed and prepared with the help of learned academia in the field of Commerce. The programme aim to train manpower required for teaching, research, and industry requirements. The programme has been developed for enhancement of the ability of the students in commerce stream by covering accountancy, economic and business laws, business economics, and international business etc.
- (e) **Instructional Design :** Open and Distance learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Instructional Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counseling and audio/video material in addition to SILM. The University follows the Credit System for its programmes.

The Master of Commerce is of 72 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a six-credit course involves 180 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course.

The minimum duration of the programme is 2 years and maximum is 6 years. There are 12 courses, spread across 2 years accumulating 72 credits (Details attached in Appendix I).

One professor, one associate professor, assistant professor and one academic consultant are required for the smooth operation of programme.

The University follows strong students support services by way of providing them Contact classes and special counselling sessions shall take place in week-ends/holidays at regional as well as study centres of the university. The printed materials will comprise of printed course modules/blocks, and printed assignments. Course-specific essential audio and video programmes shall also be developed. These

video programmes in DVD format shall be provided to the students along with printed material by postal despatch/ by hand from the learning centres.

- (f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Graduates in B. Com from a recognised university are eligible for admission to the M.Com. Programme. Direct admission to M.Com. programme will be offered to the interested students. This programme has been designed with an annual approach in mind. The total numbers of courses in this M.Com programme are 12 and the total number of credits is 72.

Fee structure: Rs. 3000 per annum

Evaluation for each course covers following aspects:

- Self assessment: Self assessment shall take place in each unit with the help of self assessment questions and activities.
- Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 20%.
- Term-end examination with a weightage of 80%.

To fulfill the requirements for acquiring the M. Com, a student may clear all the courses in a minimum of 2 years and a maximum of 6 years. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme.

- (g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are not required for this programme. However, the learners will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. Uttarakhand Open University has its own a library at Headquarters, Haldwani, and Dehradun campus which can be utilized by the learners. Further, library resources are also available at Study Centres which can also be utilized by the students. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program will also be available through the e-repository of the University. The University also has a subscription of National Digital Library to provide the learners' with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.



- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** It is proposed to develop the course material with the help of subject experts and academicians across the country. Therefore the cost of writing and editing the course is as follows

S. No.	Item		Total Cost(Rs.)
1	Writing of the Units (Rs. 6000 per unit and Typing Charges Rs. 20 per page)	$288*6000+(3600*20)$ $1728000+72000$	18,00,000 (Appr.)
2	Editing of the Units	$288*3000$	8,64,000 (Appr.)
3	Printing Charges		
Total			

- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The program structure is developed under the guidance of the Expert Committee and Board of Studies of the School followed by Academic Council and Executive Council. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus will be reviewed and revised according to the requirements of the target groups and also as per the needs of the state. The Programme and SILM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

On the successful completion of the programme, learners will have the skills and knowledge to:

1. Exercise independent judgement to evaluate business problems in complex contexts using social, ethical, economic, regulatory and global perspectives
2. Integrate advanced theoretical and technical knowledge in business which includes a selection of issues in accounting, auditing and assurance, finance, economics, quantitative methods, information systems, commercial law, corporation law, taxation law and research methods in business related disciplines

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]
 कुल पंडित
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार, उत्तराखण्ड

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES & COMMERCE
 (DEPARTMENT OF COMMERCE)
MASTER OF COMMERCE (M.Com.)

S.N.	NAME OF COURSE	COURSE CODE	CREDIT/ MARKS
First Year			
1	Business and Economic Environment	MCM-01	6/100
2	Statistical Analysis and Research Methodology	MCM-02	6/100
3	Advance Business Economics	MCM-03	6/100
4	International Business and Finance Operations	MCM-04	6/100
5	Accounting Theory and Practices	MCM-05	6/100
6	Business and Economic Laws	MCM-06	6/100
Second Year			
1	Advanced Financial Management	MCM-07	6/100
2	Entrepreneurship Development	MCM-08	6/100
3	Business Policy and Strategic Management	MCM-09	6/100
4	Security Analysis and Portfolio Management	MCM-10	6/100
5	Project Management	MCM-11	6/100
6	Financial Markets and Institutions	MCM-12	6/100

Note: All the papers of the first year and second year (Group A and B Both) are compulsory and no alternatives are available.



Handwritten signature
 कुल शिक्षक
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 काशी (विभागाध्यक्ष)

Course Objective: The objective of the course is to acquaint students with the concepts of macro-economics and the macro environment in which a business organization operates and make them capable of analyzing and understanding the macro-economic policies of the government implemented from time to time and assess their impact on business.

Block-1 Concepts and Dimensions

- Unit-1 Contemporary Global and Indian Environment
- Unit-2 Business and Society
- Unit-3 Social Responsibility of Business
- Unit-4 Consumerism and Business

Block-2 Macro Economic Concepts and Macro Environment

- Unit-5 Macro Economic Environment and Modern Theories of Economic Growth
- Unit-6 Aggregate Demand and Supply
- Unit-7 Inflation
- Unit-8 Unemployment

Block-3 Economic Reforms, Economic Planning and Economic Policy

- Unit-9 Economic Planning in India
- Unit-10 New Economic Policy
- Unit-11 Economic Reforms in India-I
- Unit-12 Economic Reforms in India-II

Block-4 Industrial Policy & Industrial Financial Institutions

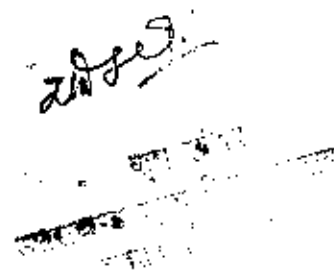
- Unit-13 Industrial Policy and Industry Licensing
- Unit-14 Public Sector Enterprises and Small and Medium Enterprises
- Unit-15 Micro-Finance
- Unit-16 Financial Institutions (IDBI, IFCI, ICICI, UTI and SIDBI)

Block-5 Foreign Trade, Foreign Capital and Forex Management

- Unit-17 Foreign Trade: Theories, Issues and Modern Context
- Unit-18 FDI and FII
- Unit-19 Foreign Exchange Rates and Foreign Exchange Markets
- Unit-20 IS-LM-BOP Curve Analysis

Block-6 Globalization and World Trading System

- Unit-21 Globalization, Liberalization and Privatization



Unit-22	Regional Trading Blocks
Unit-23	World Trade and Emerging Environment
Unit-24	Multilateral Trading System

Suggested Readings:

1. Economic Environment of Business, S K Mishra, Puri.
2. Business Environment, C B Gupta, Sultan Chand & Sons.
3. Business Environment, Raj Agrawal, Excel Books.
4. Economic Environment of Business, Adhikari M, Sultan Chand.
5. Economic Environment of Business, Ghosh, Vikash Publishing House.
6. The International Business Environment, Morrison J, Palgrave, 2003

MCM-02 STATISTICAL ANALYSIS AND RESEARCH METHODOLOGY

Course Objective: The objective of the course is to acquaint students with Important statistical techniques and quantitative models for managerial decision making and conduct research and process data.

Block-1 Sampling and Sample Design

Unit-1	Introduction and Types of Sampling
Unit-2	Sampling Methods
Unit-3	Point Estimation and Interval Estimation
Unit-4	Sampling and Non-Sampling Errors

Block-2 Probability and Theoretical Distribution

Unit-5	Approaches to Probability
Unit-6	Theorems of Probability
Unit-7	Binomial and Poisson Distribution
Unit-8	Exponential, Beta & Normal Distribution

Block-3 Hypothesis Testing and Significance Tests in Attributes & Variables

Unit-9	Procedure of Testing a Hypothesis
Unit-10	Significance Test In Attributes
Unit-11	Significance Test in Variables (Large Samples)
Unit-12	Significance Test in Variables (Small Samples)

Block-4 Regression, Correlation and Statistical Quality Control

Unit-13	Partial & Multiple Correlation

Handwritten signature and stamp:
 20/05/2024
 DEPARTMENT OF MANAGEMENT STUDIES
 RAJAGURU INSTITUTE OF TECHNOLOGY
 KUPPA, ANDHRA PRADESH

Unit-14	Multiple Regression Analysis
Unit-15	Types and Techniques of Statistical Quality Control
Unit-16	Control Charts for Attributes and Variables

Block-5 Non Parametric Tests and Analysis of Variance

Unit-17	Chi-Square Test
Unit-18	Sign Test & Median Test
Unit-19	F Test / Multivariate Analysis Technique
Unit-20	Analysis of Variance (ANNOVA)

Block-6 Research Methodology

Unit-21	Concepts, Approaches and Methods
Unit-22	Research Design
Unit-23	Measurement and Scaling Techniques
Unit-24	Interpretation, Report Writing & Computer Applications in Research

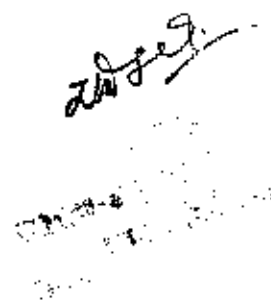
Suggested Readings:

1. S. P. Gupta, Statistical Methods, Sultan Chand & Sons.
2. C.R. Kothari, Research Methodology Methods and Techniques, 2/e, Vishwa Prakashan.
3. Bendat and Piersol, Random data: Analysis and Measurement Procedures, Wiley Interscience.
4. D.C. Sancheti, V.K. Kapoor, Statistics, Theory methods and Application, Sultan Chand & Sons.
5. S C Agarwal, S C Khurana, Research Methodology and Statistical Analysis(for M. Com), V K Publications.
6. Kenneth S Bordens, Bruce B Abbott, Research Design and Methods: A Process Approach, Mayfield Pub. Co.

MCM-03 ADVANCED BUSINESS ECONOMICS

Course Objective: The objective of the course is to acquaint students with the key economic concepts and principles and make them capable to apply and use such principles for effective business administration in a modern environment.

Block-1	Introduction and Basic Concepts
Unit-1	Fundamental Concepts of Business Economics
Unit-2	Basic Problems of the Economy
Unit-3	Methodology, Micro and Macro Economics
Unit-4	Laws of Demand and Supply

Block-2 Theory of Consumer Behaviour

Unit-5 Elasticity of Demand and Supply

Unit-6 Indifference Curve Analysis

Unit-7 Revealed Preference Theory and Hicksian Revision

Unit-8 Demand Estimation and Demand Forecasting

Block-3 Production and Cost Function

Unit-9 Production Function, Basic Concepts and Curves, One Variable Input and Returns to Scale

Unit-10 Theory of Costs

Unit-11 Theory of Firms

Unit-12 Profit Maximization and Competitive Firm

Block-4 Pricing and Market Mechanisms

Unit-13 Market Structure and Equilibrium

Unit-14 Price Theory and its Application

Unit-15 Pricing under Perfect and Imperfect Competition

Unit-16 Strategy and Game Theory

Block-5 Macro Economic Framework

Unit-17 Basic Concepts of Aggregate Demand, Supply, Investment, Inflation and Unemployment

Unit-18 National Income

Unit-19 Consumption and Investment Function

Unit-20 IS-LM Framework

Block-6 Economics of Information and Technological Change

Unit-21 Economics of Information-Concept, Nature and Classification

Unit-22 Technological Change, Productivity and Global Economy

Unit-23 Industrial Innovation and Technology

Unit-24 Risk Uncertainty and Decision Making

Suggested Readings:

1. Business Economics and Business Environment, S K Misra and Puri.
2. Principles of Business Economics, Joseph Nellis, David Parkar.
3. Business Economics, Brian Atkinson, Robin Miller.
4. Economics for Business, Competition, Macro-Stability and Globalization, Mcaleese, Pearson

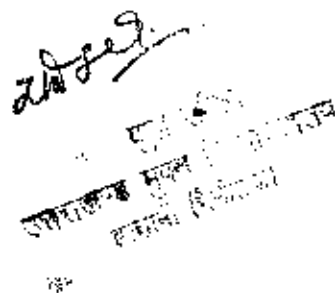
Handwritten signature
Date: 12/12/2023
Page: 10/10
Page No: 10/10
Page No: 10/10

5. Business Economics, Brian Atkinson and Robinson, Pearson.

MCM-04 INTERNATIONAL BUSINESS AND FINANCE OPERATIONS

Course Objective: The objective of the course is to acquaint students with the environmental dynamics of international business, latest developments in the area of international finance and their impact on international business operations of a firm.

Block-1	International Business and Theoretical Foundations of International Trade
Unit-1	Importance, Nature, Scope and Modes of Entry into International Business
Unit-2	Gains from Trade, Terms of Trade and Foreign Trade Multiplier
Unit-3	Informational Technology and India's Involvement in International Business
Unit-4	Reasons for International Trade and Theories of International Trade
Block-2	Instruments of Commercial Policy and Balance of Payment Account
Unit-5	Tariffs, Quotas and Other Measures and Their Effects
Unit-6	Current and Capital Account Components and Accounting Systems
Unit-7	Issue in Investment, Technology Transfer and Pricing Regulations
Unit-8	Contemporary Developments and Issues in International Business
Block-3	International Business Environment
Unit-9	National Regulation of International Business
Unit-10	Multilateral Regulation of Trade and Investment
Unit-11	Regional Economic Integration
Unit-12	Political, Legal & Economic Environment
Block-4	International Financial Operations
Unit-13	International Capital Structure and Portfolio Investment Decision
Unit-14	International Money and Capital Markets
Unit-15	Foreign Exchange and Interest Rates- Impact on Trade and Investment Flows
Unit-16	International Accounting and Taxation Issues
Block-5	International Economic Institutions, Agreements and Regional Economic Integration
Unit-17	WTO, IMF, World Bank and UNCTAD
Unit-18	Agreements on Textiles and Clothing, GSP, GSTP and Other International Agreements and Treaties
Unit-19	Theories of Customs Union, Common Market and Free Trade Area
Unit-20	EC, NAFTA and Regional Economic Cooperation



Handwritten signature and official stamp of the Controller of Examinations, University of Mumbai, dated 15/05/2024.

Block-6	International Business Management and Planning
Unit-21	Complexities, Issues and Approaches to International Business Management
Unit-22	Environmental Scanning, Monitoring and International Management Information System
Unit-23	Organization and Control Aspects of International Operations
Unit-24	Process, Skills and Management of International Collaborative Arrangements

Suggested Readings:

1. Danoes, John D. Radebaugh, Lee H., and Daniel P. Sullivan *International Business: Environment and Operations*, 12th ed., Prentice Hall, 2009.
2. Hill, Charles, W.L., *International Business*, McGraw Hill Company, New York, 2009.
3. Ball, Donald, Wendall H. McCulloch, Michael Geringer, Michael S. Minor and Jeanne M. McNett, *International Business: The Challenge of Global Competition*, 12th edition, 2009, McGraw Hill Co.
4. Griffin, Ricky W. and Pustay, Michael W., *International Business: A Managerial Perspective*, Prentice Hall, 2009.
5. Levi, Maurice, *International Finance*, New York, McGraw Hill Inc., 1996.
6. Apte P.G., *Multinational Financial Management*, New Delhi, Tata McGraw Hill, 1998
7. Seth A.K., *International Financial Management*, New Delhi, Galgotia Publishing Company, 2000.

MCM-05 ACCOUNTING THEORY AND PRACTICES

Course Objective: The objective of the course is to acquaint students with accounting knowledge based on generally accepted accounting principles and provide critical thinking skills necessary to analyze and interpret accounting related transactions in accordance with generally accepted accounting principles, and the reports generated by the accounting system.

Block- 1	Theory and Conceptual Framework
Unit-1	Nature, Scope and Role of Accounting Theory
Unit-2	Accounting Methodology and Accounting as an Information System
Unit-3	Accounting Standards in India and Issues in Accounting Standard Setting
Unit-4	Different Approaches to Theory Construction
Block-2	Depreciation Policy and Analysis and Interpretation of Statements of Changes in Financial Position
Unit-5	Depreciation Policy and Valuation of Asset and Liabilities

[Handwritten signature]
 [Stamp: THE UNIVERSITY OF DELHI, DELHI]
 [Stamp: DEPARTMENT OF ACCOUNTS, DELHI]
 [Stamp: 10/11/2019]

Unit-6	Measurement and Reporting- Revenue, Expenses, Gains and Losses
Unit-7	Analysis and Interpretation of Statement of Changes in Financial Position- Cash Working Capital and Total Resource Bases
Unit-8	Adjustments for Changing Prices and Financial Reporting
Block-3	Accounting Information And Disclosure
Unit-9	Published Financial Statements
Unit-10	Accounting and Economic Concepts of Income and Value
Unit-11	Reporting to Investors and Employees and Nature of Ownership Equities
Unit-12	Interpreting and Comparing Financial Reports
Block-4	Financial Accounting and Reporting Standards
Unit-13	Financial Accounting Statements and Concepts
Unit-14	Financial Accounting and The Generation of Financial Accounting Data
Unit-15	International Financial Reporting Standards
Unit-16	Financial Accounting and Reporting: Recent Developments
Block-5	Corporate Reporting and Accounting for Multinational Corporations
Unit-17	Objectives, Disclosure Requirements and Harmonization of Corporate Reports
Unit-18	Financial Reporting for Group of Companies
Unit-19	Understanding Consolidated Financial Statements
Unit-20	Management Control Systems and Responsibility Accounting
Block-6	Contemporary Issues In Accounting
Unit-21	Corporate Social Accounting
Unit-22	Human Resource Measurement
Unit-23	Accounting for Intangibles
Unit-24	Behavioural Aspects of Performance Evaluation

Suggested Readings:

1. Anthony R.N., D.F. Hawkins and K.A. Merchant, *Accounting: Text and Cases*, McGraw Hill, 1999.
2. Richard G. Schroeder, Myrtle W. Clark and Jack M. Cathey, *Financial Accounting Theory and Analysis, Text Readings and Cases*, John Wiley and Sons, 2005.
3. Ahmed Riahi Belkaoui, *Accounting Theory*, Quorm Books, 2000.
4. Jawahar Lal, *Accounting Theory and Practice*, Himalaya Publishing House, 2008.
5. L.S. Porwal, *Accounting Theory*, TMH, 2000.



20/02/21
 कुल शिक्षा
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (विश्वविद्यालय)

Course Objective: The objective of the course is to familiarize the students with the nature of legal regulatory environment of corporate enterprises in India and make them capable to apply the rules of business and economic laws to real world conflicts and management challenges.

Block-1 The Companies Act

- Unit-1 Company Act – Rules, Regulation and Fundamental Matter
 Unit-2 Audit and Accounts
 Unit-3 Corporate Governance
 Unit-4 Company Management

Block-2 IRDA and Consumer Protection Act

- Unit-5 IRDA Act- Duties Powers and Function
 Unit-6 IRDA Act Regulations and Provision
 Unit-7 Consumer Protection Act Need Scope Features
 Unit-8 Consumer Protection Councils and Machinery for Redressal

Block-3 MRTP Act, 1969 and Competition Act

- Unit-9 An overview of MRTP Act,
 Unit-10 Introduction to Competition Act, Improvements over MRTP Act, 1969
 Unit-11 Authorities under Competition Act (Competition Commission, Director General, Appellate Tribunal)
 Unit-12 Penalties and other provisions of Compensation Act

Block-4 SEBI Act 1992 and FEMA

- Unit-13 SEBI Act 1992- Functions and Powers
 Unit-14 Guidelines for Securities Market
 Unit-15 FERA
 Unit-16 FEMA

Block-5 Cyber Law and Environment Laws

- Unit-17 Encryption and Cyber Crimes
 Unit-18 E-Governance and IT Act, 2000
 Unit-19 Constitutional and Administrative Underpinnings of Environmental Law
 Unit-20 Prevention & Control of Pollution Laws

Block-6 IPRs and Patent Laws

- Unit-21 Basic Principles and Acquisition of IPRs



Handwritten signature
 कुल संयोजक
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार (उ.प्र.)

Unit-22	Ownership and Enforcement of IPRs
Unit-23	Patents and Trademarks
Unit-24	The Patents (Amendment) Act 2005

Suggested Readings:

1. Brenda Hannigan, *Company Law*, 2009 edn, Lexis Nexis, UK.
2. Ramaiya A, *Guide to Company Law*, 2009 edn, Wadhwa Nagpur.
3. The Institute of Company Secretaries of India, *Company Law, Course Study Material*, 2009
4. Jain D. K, *Company Law Ready Reckoner*, 2009 edn, Bharat Law House Pvt. Ltd, New Delhi.
5. V.S. Datey, *Students' Guide To Economic Laws - 2006*, Taxmann Publications Pvt. Ltd., New Delhi.
6. Avatar Singh, *Introduction to Law of Negotiable Instruments*, Eastern Book Company, Lucknow.
7. N.D. Kapoor, *Mercantile Law*, 2005 Sultan Chand & Sons, New Delhi.

MCM-07 ADVANCED FINANCIAL MANAGEMENT

Course Objective: The objective of the course is to acquaint the learners with the basic concepts and advanced knowledge of financial management, its functions, tools and techniques, and process of financial management in the realm of financial decision making and to enable them to understand the conceptual frame work of finance.

Block-1 Introduction

Unit-1	Meaning, Nature and Scope of Finance, Financial Goal- Profit vs. Wealth Maximization, Finance Functions
Unit-2	Time Value of Money
Unit-3	Indian Financial System and Impact of Financial and Economical Environment on Financial Management

Block-2 Capital Structure Cost of Capital

Unit-4	Capital structure and Its overview
Unit-5	Theories of Capital Structure
Unit-6	Cost of capital and Leverages

Block-3 Working Capital Management

Unit-7	Working Capital Management: An Overview

Handwritten signature
 20/06/2024
 10:00 AM
 10/06/2024
 10:00 AM

- Unit-8 Inventory Management
- Unit-9 Receivables Management and Cash Management

Block-4 Capital Budgeting and Dividend Policy

- Unit-10 Capital Budgeting: Concept and Process
- Unit-11 Capital Budgeting Techniques
- Unit-12 Dividend Policy and Dividend Theories

Block-5 Long Term Financing

- Unit-13 Sources of Long-term Financing
- Unit-14 Lease Financing
- Unit-15 Venture Capital Financing

Block-6 Corporate Restructuring

- Unit-16 Financial Restructuring
- Unit-17 Mergers and Acquisitions
- Unit-18 Contemporary Issues in Financial Management

Suggested Readings:

1. Pandey, I.M., Financial Management, Vikas Publishing House, New Delhi.
2. Sheeba Kapil, Financial Management, Pearson Education, New Delhi.
3. Jonathan Berk Peter DeMarzo, Financial Management, Pearson Education, 2008.
4. Chandrabose, Fundamentals of Financial Management, PHI, New Delhi.
5. Khan and Jain, Financial Management, Tata McGraw Hill, New Delhi.
6. Maheswari, S.N., Financial Management, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
7. Kulakarni. P.V., Financial Management, Himalaya Publishing House Co. Ltd, Mumbai.
8. Van Horne, Financial Management and Policy, Prentice Hall of India, New Delhi.
9. Prasanna Chandra, Financial Management, Tata Mc Graw Hill, New Delhi.
10. Sheeba Kapil, Financial Management Strategy, Implementation and Control, Pragathi Prakashan Publication, Meerut.
11. Bhalla. V. K. (2009). Financial Management and Policy: Text and Cases, 9th Edition, Anmol Publications Pvt. Ltd.

MCM-08

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT



Handwritten signature

मुद्रांकित
उत्तराखण्ड मुद्रांक विभाग
श्रीवाहा, हरियाणा

Course Objective: The objective of the course is to impart knowledge to the learners about entrepreneurship and its importance in socio-economic development of the nation and to create interest among them for starting their own business.

Block-1 An overview of Entrepreneurship

- Unit-1 Entrepreneurship: Need, Scope and Philosophy
- Unit-2 Entrepreneurial traits and Types
- Unit-3 Development of Entrepreneurship

Block-2 Entrepreneurial Process

- Unit-4 Creativity, Idea Generation, Screening and Project Identification
- Unit-5 Social Determinants of Entrepreneurial Growth
- Unit-6 Issues in new enterprise management: Locational, environmental and Managerial

Block-3 Theories and Legal Issues

- Unit-7 Theories of Entrepreneurship
- Unit-8 Legal Issues for the Entrepreneur
- Unit-9 Small and Medium Enterprises

Block-4 Entrepreneurship Planning

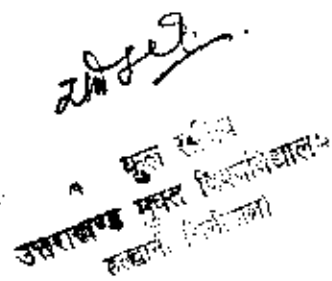
- Unit-10 Enterprise Planning Process
- Unit-11 Family and Non-Family Entrepreneur: Professionalism vs Family Entrepreneurs
- Unit-12 Women Entrepreneurs: Challenges and Achievements

Block-5 Entrepreneurship Development in India

- Unit-13 Entrepreneurship Development Programmes
- Unit-14 Role of Various Institutions in Developing Entrepreneurship in India
- Unit-15 Growth and Transition through Entrepreneurship.

Suggested Readings:

1. Anil Kumar, S., Poornima, S.C., Mini, K., Abraham and Jayashree, K. 2003.
2. *Entrepreneurship Development*, New Age International Publishers, New Delhi.
3. Gupta, C.B. 2001. *Management. Theory and Practice*. Sultan Chand and Sons, New Delhi.
4. Indu Grover. 2008. *Handbook on Empowerment and Entrepreneurship*. Agrotech Public Academy, Udaipur.
5. Khanka, S.S. 1. 999. *Entrepreneurial Development*, S. Chand and Co., New Delhi.
6. Mary Coulter. 2008. *Entrepreneurship in Action*. Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.



मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सहायक, विजयवाड़ा

7. Mohanty, S.K. 2009. *Fundamentals of Entrepreneurship*. Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
8. Prasad, R. 2003. *Entrepreneurship - Concepts and Cases*. ICFAI Publications, Hyderabad.
9. Sagar Mondal and Ray, G.L. 2009.- *Text Book of Entrepreneurship and Rural Development*. Kalyani publishers, Ludhiana.
10. Singh, D.1995. *Effective Managerial Leadership*. Deep and Deep Publications, New Delhi.
11. Vasanta Desai. 1997 *Small Scale Industries and Entrepreneurship*. Himalaya Publishing House, New Delhi.
12. Vasanta Desai. 2000. *Dynamics of Entrepreneurial Development and Management*.Himalaya Publishing House, New Delhi.

MCM-09

BUSINESS POLICY AND STRATEGIC MANAGEMENT

Course Objective: The objective of the course is to develop an understanding of the Strategic Management process in a dynamic and competitive global environment.

Block-1 Business Policy and Overview

- Unit-1 Business Policy — Nature, Objective and Importance
- Unit-2 Business and Society
- Unit-3 Business Policy and Corporate Strategy

Block-2 Strategic Management and Planning

- Unit-4 Strategic Management: Objectives and Policies
- Unit-5 Basic Model of Strategic Management and Strategic Decision Making
- Unit-6 Tools and Process of Strategic Management

Block-3 Strategy Formulation

- Unit-7 Environment Appraisal
- Unit-8 Organisational Appraisal
- Unit-9 Corporate Level Strategies

Block-4 Strategic Analysis and Implementation

- Unit-10 Strategic Analysis and Decision Making
- Unit-11 Strategy Implementation
- Unit-12 Functional and Operational Implementation

Block-5 Strategy Evaluation and Control

Handwritten signature
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (विशेषांक)

Handwritten signature

Unit-13	Strategy Evaluation and Control
Unit-14	Strategy and Technology Management
Unit-15	New Approaches In Strategic Management

Suggested Readings:

1. A A Thompson Jr., A J Strickland III, J E Gamble, Crafting & Executing Strategy-The Quest for Competitive Advantage, Tata McGraw Hill, 4th ed., 2005.
2. Ranjan Das, Crafting the Strategy: Concepts and Cases in Strategic Management, Tata McGraw Hill, 2004.
3. A Kazmi, Business Policy & Strategic Management, Tata McGraw Hill.
4. V S P Rao & V. Hari Krishna, Strategic Management, Excel Books.
5. Lomash, Business Policy & Strategic Mgmt, Vikas Publishing House
6. Ranjan Das, Crafting the Strategy, Tata McGraw Hill.
7. P. K. Gupta, Corporate Strategic Management, EPH.

MCM-10 SECURITY ANALYSIS AND PORTFOLIO MANAGEMENT

Course Objective: The objective of this course is to acquaint learners with the investment decisions related to financial assets, the risks and the returns involved, and to make them aware of the functioning of securities markets and to provide exposure relating to investment management as well as the optimum decisions in addressing the managerial problems.

Block-1 Introduction

Unit-1	Investment : alternatives and attributes
Unit-2	Security: Concept and Types
Unit-3	Risk-Return trade off: Types of risks and measures

Block-2 Security Analysis

Unit-4	Economic and Industry analysis
Unit-5	Company Analysis
Unit-6	Technical analysis and efficient market theory

Block-3 Valuation and Securities

Unit-7	Bond Returns and Valuation
Unit-8	Stock Returns and Valuation
Unit-9	Options and Futures



adict

STAMPED: 2007/05/01 10:00 AM

Block-4 Portfolio Analysis

- Unit-10 Portfolio; Meaning and need
Unit-11 Portfolio Selection: Study of different Models
Unit-12 Capital Market Theory

Block-5 Managed Portfolio

- Unit-13 Mutual Funds
Unit-14 Investment Company
Unit-15 Performance Evaluation and Managed Portfolio Analysis

Suggested Readings:

1. Prasanna Chandra, Analysis and Portfolio Management, Tata Mc Graw Hill Co. Ltd., New Delhi.
2. Donald E. Fischer & Ronald J. Jordan, Security Analysis and Portfolio Management, Pearsons Education (Singapore) Pvt., Ltd., New Delhi.
3. Ranganatham, Security Analysis & Portfolio Management. Pearsons Education (Singapore) Pvt, Ltd., New Delhi
4. Kevin, Security Analysis and Portfolio Management, PHI, New Delhi.
5. Avadani V.A. Security Analysis and Portfolio Management, Himalaya Publishing House, New Delhi, 2009.
6. Prethi Singh, Investment Management, Security Analysis and Portfolio Management, Himalaya Publishing House, New Delhi, 2005.
7. Dhamodharan, Investment Valuation, Johnweely and sons, New York.
8. Sulochana M. Investment Management, Kalyani Publishers, New Delhi,
9. Rustagi. R. P. (2008). Investment Analysis and Portfolio Management, 2nd Edition, Sultan Chand & Sons.
10. Bhalla, V.K. (2010). Investment Management: Security Analysis and Portfolio Management, 17th Edition, S.Chand & Sons.
11. Ranganatham, (2004). Investment Analysis and Portfolio Management, 1st edition, Pearson Education.

MCM-11

PROJECT MANAGEMENT



कुल लेखक
उपस्थानक मूल विभाग
पृष्ठ (10/11)

Course Objective: The objective of the course is to impart knowledge about various aspects of project management and to enable the learners to understand the preparation, appraisal, monitoring & control, and hedging of the risk of industrial projects.

Block-1 Introduction

- Unit-1 Concept and Project Development Cycle
- Unit-2 Project Management: Tools & Techniques
- Unit-3 Project Implementation

Block-2 Project Feasibility Study

- Unit-4 Market Feasibility Study
- Unit-5 Technical Feasibility Study
- Unit-6 Financial Feasibility Study

Block-3 Project Financing

- Unit-7 Means and Sources of Financing
- Unit-8 Financial Evaluation of Projects under Certainty and uncertainty
- Unit-9 Project Approval and Financing Institutions

Block-4 Project Appraisal

- Unit-10 Appraisal Process
- Unit-11 Environment Appraisal
- Unit-12 Social Cost benefit Analysis

Block-5 Project Implementation and Control

- Unit-13 Planning, Implementation and Control
- Unit-14 Network Analysis
- Unit-15 Project Review and Project Monitoring

Suggested Readings:

1. Clifford F Gray, Erik W Larson, "Project Management-The Managerial Process" Tata McGraw-Hill Publishing Co Ltd.
2. Jack Meredith, Samuel J. Mantel Jr. "Project Management- A Managerial Approach" John Wiley and Sons.
3. John M Nicholas "Project Management For Business And Technology" Prentice Hall of India Pvt. Ltd/
4. James P Lewis "Project Planning, Scheduling And Control" Tata McGraw-Hill Publishing Co Ltd.



Handwritten signature
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुक्रगढ़ (विशेष)

5. P Chandra, Projects: Planning Analysis: Selection Implementation & Review, Tata McGraw Hill.
6. P Gopalkrishnan & V E Ramamoorthy, Text Book of Project Management, McMillan.
7. B M Patel, Project Management, Vikas Publishing House.
8. N Singh, Project Management & Control, Himalaya Publishing House.

MCM-12 FINANCIAL MARKETS AND INSTITUTIONS

Course Objective: The objective of the course is to enable the learners to understand various financial services and familiarizing them with the Indian capital market, its operations, instruments, regulations etc.

Block-1 Introduction

- Unit-1 Indian Financial System – An Overview
- Unit-2 Evolution of Financial System in India
- Unit-3 Financial System and Economic Development

Block-2 Financial Markets

- Unit-4 Introduction
- Unit-5 Money Markets
- Unit-6 Capital Markets

Block-3 Regulatory and Promotional Institutions

- Unit-7 The Reserve Bank of India
- Unit-8 The Securities and Exchange Board of India
- Unit-9 Stock Exchanges in India: Objectives, Functions and Significance and its Working

Block-4 Financial Intermediaries

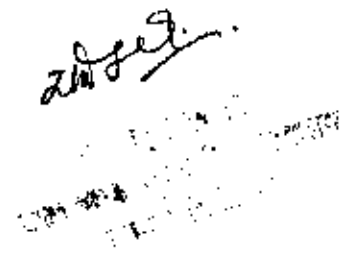
- Unit-10 Commercial Banks
- Unit-11 Insurance Companies
- Unit-12 Mutual Funds and Development Banks

Block-5 Financial Instruments

- Unit-13 Money Market Instruments
- Unit-14 Financial Market Instruments
- Unit-15 Foreign Exchange Markets and Its Instruments

Suggested Readings:

1. Avdhan: Investment and Securities Markets in India, Himalaya Publications, Delhi
2. Bhole, L.M.: Financial Markets and Institutions, Tata McGraw Hill, Delhi

3. Ghosh D: Banking Policy in India, Allied Publications, Delhi
4. Khan, M.Y: Indian Financial System, Tata McGraw Hill, Delhi
5. Varshney, P.N: Indian Financial System, Sultan Chand & Sons, New Delhi
6. Srivastava R. M.: Management of Indian Financial Institution; Himalaya Publishing House, Mumbai
7. Machirjee, H.R. Indian Financial System, Vikas Publishing, New Delhi.
8. Siddalah T, Financial Services, Pearson Education, New Delhi.
9. Gordon, E., and Natarajan, K., Financial Markets and Services, Himalaya Publications, Mumbai.
10. Bhatia, B.S., and Gupta G.S., Management of Financial Services, Deep and Deep, New Delhi.
11. Ghosh, P.K., and Gupta, G.S., Fundamentals of Lease Financing, Vision Publishers, New Delhi.
12. Gupta, S.K., and Nisha Aggarwal, Financial Services, Kalyani Publishers, New Delhi.
13. Nalini Prava Tripathy, Financial Services, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
14. Guruswamy, S., Financial Services and Markets, Thomson Learning, Singapore.

adse
Date: 26/08/2024
Page No: 10
Page No: 10

Programme Project Report (PPR)
(Master of Computer Applications)

- a. Programme's mission & objectives:** The objective of this programme is to equip the learner with the latest tools and techniques of computing and informatics. The course is designed to meet the growing demand for qualified professionals in the field of Information Technology. It helps the learners to acquire the knowledge required for the positions of systems analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to Computing & Informatics. This 3-year course covers subjects like Programming Languages, Mathematics and Accounting, which provide in-depth understanding to students about concepts like IT tools and applications. MCA from distance education trains you in fields like system designing, system administration, computer networks, data mining, warehousing, enterprise resource planning, application software development, web designing and so on. The programme, therefore, aims at imparting comprehensive knowledge of the subject with equal emphasis on theory and practice. It also aims at the understanding of the fundamentals of computing among the students so that they can compete in the present-day global situation.

- b. Relevance of the program with H.E.s Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. Master of Computer Applications (MCA) is a three-year (six semesters) professional Master's Degree in computer science which is structured more toward application development and thus has more emphasis on latest programming language and tools to develop better and faster applications. It prepares students to take up positions as system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to information technology. As the IT and the software industries are dynamic and fast growing, all the programmes are designed keeping in view the requirements of industry.

- c. Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join an MCA program is required to have a Bachelor degree in any stream from a recognized institution/university with mathematics as a subject at graduation or 10+2 level. In case the candidate do not have mathematics subject, a bridge course on mathematics is mandatory. The candidates who pass a JCUCA from a reputed university or its equivalent course are eligible for lateral entry to third semester of MCA program.

- d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programmes. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. More

hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through post study center. The study material can also be downloaded through the Universities' e-repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of

- self-instructional printed material
- audio / video cassettes and CDs
- audio-video programmes transmitted through Tele Telebharati and Radio and Edusat, and at study centre.
- face-to-face counselling at study centres by academic counsellors
- reference library at study centre
- web based academic support
- assignments
- practical

The practical sessions are held in the computer centers / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.

- e. Instructional Design:** Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other resources in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is able to provide academic support in the form of counselling and audio-video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The MCA programme is of 103 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course.

- f. Procedure for admission, curriculum, examination and evaluation:** Direct admission to MCA program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies; the second year is more focused on core courses providing conceptual framework and the third year provides the specialization and the project work. The total numbers of courses in this MCA programme are 23 and the total number of credits is 103. Evaluation for each course covers two aspects:

- Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
- Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfill the requirements for acquiring the MCA, a student may clear all the courses in a minimum of three years and a maximum of 6 years. In case the student is unable to pass all the courses of the MCA programme in 6 years, she can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which she is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The term-end for each section will also be separate. The 60% marks of the practical exam are for practical questions and remaining 40% for viva-voce. A student needs to obtain a minimum of 40% in each section of the term-end practical examination for successful completion of that particular section. In case a student does not secure the minimum passing marks in a section, she needs to appear for the term-end practical examination again for that section only.

- g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centers / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also have a subscription of National Digital Library to provide the learners with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.

- h. Cost estimate of the programme and the provision:** It is proposed to develop the course material using OER materials available under open licenses. Therefore the cost of writing and editing the course is not required. However, for expert committee meeting, BOS meeting, etc. Rs. 5,00,000/- is required for the development of the course structure and syllabus of the program.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the model curriculum of the programme recommended by AICTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years.

MCA programme has been designed to prepare graduates for achieving the following program outcomes:

- an ability to apply knowledge of mathematics, computer science and management in practice
- an ability to identify, critically analyze, formulate and develop computer applications
- an ability to select modern computing tools and techniques and use them with design
- an ability to design a computing system to meet desired needs within realistic constraints such as safety, security and applicability

- an ability to devise and conduct experiments, interpret data and provide well informed conclusions
- an ability to understand the impact of system solutions in a contemporary, global, economical, environmental, and societal context for sustainable development
- an ability to function professionally with ethical responsibility as an individual as well as in multidisciplinary teams with positive attitude
- an ability to communicate effectively
- an ability to appreciate the importance of goal setting and to recognize the need for life-long learning

Appendix I

Title of Programme: Master of Computer Applications

Programme Code: MCA-17

Programme Model: Semester

Admission Cycle: Once every Year in July

Eligibility: Graduation (candidates not having mathematics at 10+2 will have to pass one qualifying mathematics paper during the course of the programme).

Lateral Entry (MCA Third Semester): BCA/B.Sc.(CS/IT)-level from DOEACC, PONDICHA

Duration:

Mins: 3 Years

Mins: 6 Years

SLM Availability Medium: English

Total Credit: 103

Programme Fee:

Semester	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	9500	600	N/A	500	N/A	10600
Second	9500	450	1000	500	N/A	11450
Third	9500	600	N/A	500	N/A	10600
Fourth	9500	600	N/A	500	N/A	10600
Fifth	9500	600	N/A	N/A	N/A	10700
Sixth	9500	300	1000	N/A	N/A	10800

Objective of the Programme: The objective of this programme is to equip the learner with the latest tools and techniques of computing and informatics. The professionals who could develop solutions making use of computer applications is the crux of this programme. It helps the learners to acquire the knowledge required for the positions of system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to Computing & Informatics. The programme, therefore, aims at imparting comprehensive knowledge with equal emphasis on theory and practice.

Programme Structure:

First Semester

S.No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Computer Fundamentals and PC Software	MCA-01	80	20	100	4	12
2	Digital Logic	MCA-02	80	20	100	4	12
3	Computer Programming using C	MCA-03	80	20	100	4	12
4	Fundamentals of Networking and Web Technology	MCA-04	80	20	100	4	12
5	Practical	MCA-P1			100	2	6

Second Semester

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Computer Organization and Architecture	MCA-05	80	20	100	4	12
2	Data Structure through C Language	MCA-06	80	20	100	4	12
3	Fundamentals of Database Management System	MCA-07	80	20	100	4	12
4	Project I	MCA-08			100	4	12
5	Practical	MCA-P2			100	2	6

Third Semester

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Discrete Mathematics	MCA-09	80	20	100	4	12
2	Object-Oriented Programming through C++	MCA-10	80	20	100	4	12
3	Operating System	MCA-11	80	20	100	4	12
4	Design and Analysis of Algorithm	MCA-12	80	20	100	4	12
5	Practical	MCA-P3			100	1	3

Fourth Semester

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Advanced Database Management System	MCA-13	80	20	100	4	12
2	Management Accounting	MCA-14	80	20	100	4	12
3	System Software	MCA-15	80	20	100	4	12
4	Introduction to Java	MCA-16	80	20	100	4	12
5	Practical	MCA-P4			100	2	6

Fifth Semester

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Software Engineering	MCA-17	80	20	100	4	12
2	Formal Languages and Automata	MCA-18	80	20	100	4	12
3	Data Communication and Computer Networks	MCA-19	80	20	100	4	12
4	Elective-I	MCA-20	80	20	100	4	12

Signature of Faculty

Signature of Faculty

Sixth Semester

Syllabus

MCA-01

Computer Fundamentals and PC Software

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum 8 Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Advanced Web Technology	MCA-21	80	20	100	4	12
2	Elective-II	MCA-22	80	20	100	4	12
3	Project II + Viva-voce	MCA-23			300	4	12

Elective - I Linux System Administration

Computer Graphics

Elective - II

Data Mining and Data Warehousing

UNIT 1: Introduction to Computer

Block diagram of Computer, Evolution, Generations, Classification and its Application

Unit 2: Basic Components of Computer

Concept of Bit and Byte, Block Diagram of Computer, CPU, ALU, CU, Computer Memory: Primary and Secondary; Input/Output Devices: Buses: Address, Data, Control.

UNIT 2: Introduction to OS

Definition and functions of an Operating System, Types of OS (Single User, Multi user, Single tasking, Multitasking, Real time, Network OS, Distributed OS)

UNIT 3: MS DOS Operating System

Introduction to DOS, System files of DOS, concept of Booting, Files and Directory Structure, Concepts of Paths, Internal and External commands, Batch File.

UNIT 4: MS Windows Operating System

Introduction to Windows, Components of Windows, Customizing the Desktop, Files and folders

UNIT 5: LINUX operating System

Introduction to LINUX, login into LINUX, Structure of File System, Concepts of Path

UNIT 6: LINUX Commands

Directory handling commands (mkdir, cd, rm, mv, cp, find), File handling commands (cat, q, top, any, more, lp), Utility commands (date, cal, echo, time, who, passwd), file permissions, Text editor vi, three modes of vi editor, adding and replacing text, saving text and quitting.

Microsoft Word

UNIT 7:

Starting Word, different Bars, Document View, Text area, Existing Word, Creating new document, Editing text, Saving a Document, Closing a Document, Opening an Existing Document.

UNIT 8:

Working with paragraph: copy and paste and cut and paste methods, spell check, find and replace.

UNIT 9:

Bullets and Numbering, Undo and Redo, Header & Footer, Page-Setup.

UNIT 10:

Creating Table, Modifying a Table, Merging of Cells, Split Cells.

Microsoft Excel

UNIT 11:

Starting MS-Excel, different Bars, Row, Column and Cell, Existing MS-Excel

UNIT 12:

Creating a New Workbook, Working with Cells, Working with Formulas, Merging of Cells, Inserting a Row and Column, Deleting a Row and Column, Saving a Workbook, Closing a Workbook.

UNIT 13:

Different Operations used in Excel, Working with Calculation and Functions, Working with Chart.

UNIT 14:

Microsoft PowerPoint

UNIT 15:

Starting MS-PowerPoint, different Bars, Different Types of Views and Existing MS-PowerPoint.

UNIT 16:

Microsoft Word

Microsoft Excel

Microsoft PowerPoint

Microsoft Word

Microsoft Excel

Microsoft PowerPoint

Microsoft Word

Microsoft Excel

Microsoft PowerPoint

Microsoft Word

Creating a New Presentation, Working with Slides, Applying Design Templates, Applying Custom Animations, Applying Slide Transitions, Saving a Presentation, Running a Presentation, Closing a Presentation and Opening an Existing Presentation.

Suggested Readings:

1. Andrew S Tanenbaum, Albert S. Woodhull, "Operating System Design and Implementation", prentice-Hall India Publication.
2. Word 2002 from A to Z by Stephen L. Nelson, Prentice Hall Media
3. Microsoft XP Plain & Simple by Brown & Associates Online

MCA-02 Digital Logic

Unit 1: Number Systems

Decimal, Binary, Hexadecimal and Octal. It's Conversion: Decimal to Binary/Hexadecimal/Octal and vice versa. Addition/ Subtraction on Binary Numbers, Complement: $r-1$'s and r 's complement. Fixed Point representation and Floating point representation, BCD, ASCII, EBCDIC, Gray code.

Unit 2: Boolean Algebra

Boolean operations, Rules (postulates and basic theorems) of Boolean algebra, dual and complement of Boolean expression, representation of Boolean expression in Canonical form, Boolean expression and their simplification by algebraic method and Karnaugh Map, Don't care condition.

Unit 3: Logic Gates

Logic Gate: OR, AND, NOT, NAND, NOR, XOR, XNOR, Truth Tables, De-Morgan's theorem, Conversion of the logic gates.

Unit 4: Combinational Circuits

Half-adder, Full-adder, Half-subtractor, Full-subtractor, Multiplexers, De-multiplexers, Encoder, Decoder, Magnitude Comparator

Unit 5: Sequential Circuit

Flip-Flops: RS, D, JK, MS; Counters: Asynchronous, Synchronous; Register and its types: Shift register, parallel/serial in, parallel/serial out.

Unit 6: Memory Organization

Primary Memory- RAM and its types, ROM and its types.

Suggested Readings:

1. Rajaraman, V. "Fundamentals of Computers" Prentice Hall of India, New Delhi.
2. M. Morris Mano, "Digital Logic and Computer Design".

MCA-03 Computer Programming using C

Unit 1: Introduction to Programming

Basic definition of Pseudo Code, algorithm, flowchart, program, Elementary data types, variables, constants and identifiers, Integer, character, floating point and string constants, Variable declarations: Syntax and semantics. Reserved word initialization of variable during declaration, Symbolic Constants.

Unit 2: Operators and Expressions

Expression in C, Different types of operators: Arithmetic, Relational and Logical, Assignment, Conditional, Increment and decrement, Bitwise, Comma and other operator (sizeof, period etc), Precedence and associativity of operators, type casting.

Unit 3: Decision and Control Structures

Various input/output functions like scanf, getch, getchar, printf, putchar. Conditional Statement: if, if-else, nested if-else switch, Other Statement: break, continue, goto, Concept of Loops: while, do-while, for, nested loops.

Palash Datta

Unit 4: Storage Class

Automatic, External, Static, Register, Scope and Lifetime of variables, Macro, Preprocessor directive.

Unit 5: Functions

Function: function declaration, function definition, function call (Call by value, Call by reference), Formal and Actual parameter, Recursive function.

Unit 6: Structures and Unions

Structure declaration, definition, array of structure, pointers to structures, Union definition, declaration, use, Enumerated data types, defining your own types (typedef)

Unit 7: Arrays and Pointers

Array: 1-Dimensional array, 2-Dimensional array and its declaration, String, Pointers - Declaration, Passing pointer to a function, Pointer and One-dimensional Arrays, Dynamic Memory Allocation.

Unit 8: File Handling

Opening, closing, reading and writing of files Seeking forward and backward Examples of file handling programs.

Suggested Readings:

1. Balagurusamy, E: Programming in ANSI C, Tata McGraw-Hill publication
2. Gottfried Byron S: Programming with C, Tata McGraw-Hill publication

MCA-04

Foundamentals of Networking and Web Technology

UNIT 1: Basics of Computer Network

Computer Network: Definition, Goals, Broadcast and Point-To-Point Networks;

Connectivities and Connection-Oriented Services; Network Devices; Network

Topology; Types of Network: LAN, MAN, WAN; Server Based LANs and

Peer-to-Peer LANs; Transmission Types; Modes of Communication; Switching

Techniques

UNIT 2: Network Models

Design Issues of the Layer, Protocol Hierarchy, ISO-OSI Reference Model;

Functions of each Layer; Various Terminology used in Computer Network;

Connection-Oriented and Connectionless Services; Internet (TCP/IP) Reference

Model; Comparison of ISO-OSI and TCP/IP Model

UNIT 3: Transmission Media

Transmission Medium, Guided Media: Coaxial Cable, Twisted Pair, Fiber

Optics Cable, Unguided Media: Radio Waves, Infrared, Micro-wave, Satellite

UNIT 4: Internet Basics

W

Internet: Architecture, Accessing, Internet Service Providers (ISP), Organization of Internet Protocol suite, IP Address, DNS, URL, World Wide Web (WWW);

Web Page, Web Servers, Web Browser, Cookies

UNIT 5: Static Web Page Design

Basics of HTML; Document Structure tags; Formatting tags; List tags;

Hyperlink and Image tags; Table tags; Frame tags; Form tags

UNIT 6: HTML Tags and XML

HTML Form; Additional Advanced HTML Tags; Introduction of XML.

UNIT 7: JavaScript

Client Side Programming; Basic Programming Concepts; Control Structures in

JavaScript; Array, Functions, Working With Form Object; Built-in Objects in

JavaScript; User Defined Objects in JavaScript

MCA-05

Computer Organization and Architecture

Unit 1: Input-Output Organization

Accessing Input/Output devices; Interrupts; Data transfer schemes - programmed I/O and DMA transfer; data transfer schemes for microprocessors.

Unit 2: Memory Unit

Memory Hierarchy; Primary memory, Secondary Memory : Magnetic Type, Magnetic Disk, Optical disk, Magnetic-Optical Disk; Concepts of auxiliary, Associative, Cache And Virtual Memory; DMA, DMA Transfer modes, sequential access, direct access storage devices.

Unit 3: CPU Organization

CPU Building Blocks, CPU Registers and BUS Characteristics, Registers and System Bus Characteristics; Instruction Format; Addressing Modes; Interrupts; Concepts and types; Instruction and Execution Interrupt cycle; Hardwired and Micro Program control; Introduction to RISC and CISC

Unit 4: Multi-Processor Organization

Parallel Processing; Concept and Block Diagram, Types (SISD, SIMD, MIMD, MISD), Future Directions for Parallel Processors, Performance of Processors

Unit 5: Pipelining

Data Path, Time Space Diagram, Hazard, Instruction Pipelining, Arithmetic Pipelining

Suggested Readings:

1. Computer System Architecture - M.Morris Mano (PHI publication)
2. Computer Organisation and Architecture - Pal Chaudhary
3. Structured computer organization - Tanenbaum

W

Colleen DeBorja

MCA-86 Data Structure through C Language

Unit 1 : Introduction to Data Structure
Basic concept of data, data type, Elementary structure, Arrays : Types, memory representation, address translation, Advantages for one & two dimensional arrays and different examples.

Unit 2 : Algorithms
Complexity, time-Space, Asymptotic Notation.

Unit 3 : Linked List
Introduction to Linked List, representation of single linked list, linked list operations: insertion into a linked list, deletion & linked list, searching and traversal of elements and their comparative studies with implementations using array structure.

Unit 4 : Stacks
Definition, representation using array and linked list structure, applications of stack.

Unit 5 : Queues

Definition, representation using array, linked representation of queues, Circular queues, Deques, Priority queues, application of queue.

Unit 6 : Searching

Linear and binary search algorithms, other searching algorithms, performance and complexity using big 'O' notation.

Unit 7 : Sorting
Sorting algorithms (Complexity, advantages and disadvantages, implementation), bubble sort, insertion sort, selection sort, quick sort, merge sort, bucket/radix sort.

Unit 8 : Trees

Definition and implementation : Binary Tree, Tree traversal algorithms (inorder, preorder, postorder), postfix, prefix notations; Binary Search Tree: Searching in BST, insertion and deletion in BST.

Unit 9 : Graph
Introduction to Graph, Graph representation : adjacency matrix, adjacency list, Traversal of graph : depth first search and breadth first search.

Suggested Readings:

1. Rajul Jajjala, Data structure using C, Timesh Publication
2. Horowitz, Fundamental of data structure, Galgotia Publications

MCA-87

Fundamentals of Database Management System

UNIT 1 : File Structure and Organization

Data and Information, Concept of field, key fields, Records and its types, fixed length records and variable length records, Files, operation on files, Primary file organization

UNIT 2 : Database Management System

Definition of DBMS, file processing system Vs DBMS, Advantages and Disadvantages of DBMS, Users of DBMS : Database Designers, Application programmers, Sophisticated Users, End Users, Capabilities of good DBMS, Overall System structure

UNIT 3 : Data Models

Data Models : Object Based Logical Model, Record Base Logical Model, Relational Model, Network Model, Hierarchical Model, Entity Relationship Model : Entity Set, Attributes, Relationship Set, Entity Relationship Diagram (ERD), Extended Features of ERD

UNIT 4 : Relational Databases

Relational data model concept, Terms : Relation, Tuple, Attribute, Cardinality, Degree, Domain, Keys : Super Key, Candidate Key, Primary Key, Foreign Key; Relational Algebra - Operations: Select, Project, Union, Difference, Intersection, Cartesian Product, Natural join

UNIT 5 : SQL (Part I)

Introduction of SQL, characteristics of SQL, Basic Structure, DDL Commands, DML, DQL, SELECT Statement, WHERE Clause, Useful Relational Operators, Aggregate Functions, SUM Function, AVG Function

UNIT 6 : SQL (Part II)

Compound Conditions and Logical Operators, AND Operator, OR Operator, Combining AND and OR Operators, IN Operator, BETWEEN Operator, NOT Operator, Order of Precedence for Logical Operators, LIKE Operator, Concatenation Operator, Alias Column Names, ORDER BY Clause, Handling NULL Values, DISTINCT Clause

UNIT 7 : Relational Database Design

Introduction to Normalization, Anomalies of unnormalized database, Normal Form : 1NF, 2NF, 3 NF

MCA-89

Discrete Mathematics

Unit-1 : Sets, Relation and Functions

Sets - the Empty Set, Finite and Infinite Set, Equal and Equivalent set, Subsets, Power set, Universal set, Venn Diagram, Complement of a set, set operations. Relations: Cartesian products, Relation - equivalence relation - partition - partial order relation; Functions: Definition, Inverse functions - Composition of functions - Properties of functions - Binary operation

Unit-2 : Mathematical Logic-1

Propositions, connectives, conditionals and biconditionals, well formed formulas, tautologies, equivalence of formulas, duality law, normal forms

Unit-3 : Mathematical Logic-2

Inference theory for propositional calculus, predicate calculus: predicates, free and bound variables, inference theory of predicate calculus

Unit-4 : Counting Principles

The Pigeonhole principle - counting; Permutation and Combination: Definition of Permutation and combination, Simple application of permutation and combination

Unit-5 : Basic Algebraic Structure

Definition and basic properties of semi groups and groups, Subgroup and homomorphism, lattices as partially ordered set, properties of lattices, Boolean algebra.

Unit 6: Graph Theory

Basic terminology; Representation of graphs: Matrix representation and Adjacency list representation, Paths and circuits : Topological sort, Minimum spanning tree- Kruskal and Prim's algorithm, Eulerian paths and circuits, Hamiltonian paths and circuits, planar graphs, Graph traversal Techniques: Depth Traversal and Bread Traversal, Weighted Graphs and Bipartite Graphs, Trees : Definition 'leaf', root, branch node, internal node.

Suggested readings:

1. Elements of Discrete mathematics, C.L. Liu, McGraw Hill
2. Discrete Mathematical Structure with Application to Computer Science: Trembly J.P. McGraw Hill

Dr. J. J. J.

MCA-18 Object-Oriented Programming through C++

Unit 1: Introduction to Object Oriented Programming

Basic concepts of OOP, Comparison of Procedural Programming and OOP, Benefits of OOP, C++ compilation, Abstraction, Encapsulation, Inheritance, Polymorphism, Difference between C and C++.

Unit 2: Basics of C++ Language

Tokens and Identifiers: Character set and symbols, Keywords, C++ identifiers, Variables and Constants: Integer, character and symbolic constants; Dynamic initialization of variables, Reference variables, Basic data types in C++, Streams in C++.

Unit 3: Operators and Manipulators

Operators, Types of operators in C++, Precedence and associativity of operators, Manipulators.

Unit 4: Decision and Control Structures

if statement, if-else statement, switch statement, Loop: while, do-while, for, Jump statements: break, continue, go to.

Unit 5: Array, Pointer and Structure

Arrays: pointers, structures, unions;

Unit 6: Functions

main() function, components of function: prototype, function call, definition, parameter, passing arguments, types of function, inline function, function overloading.

Unit 7: Introduction to Classes and Objects

Classes in C++, class declaration, declaring objects, Defining Member functions, inline member function, Array of objects, Objects as function argument, Static data member and member function, Friend function and friend class.

Unit 8: Constructors and Destructors

Constructors, Instantiation of objects, Default constructor, Parameterized constructor, Copy constructor and its use, Destructors, Constraints on constructors and destructors, Dynamic initialization of objects.

Unit 9: Operator Overloading

Overloading unary operators: Operator keyword, arguments and return value; overloading unary and binary operators: arithmetic operators, manipulation of strings using operators; Type conversions.

Unit 10: Inheritance

Derived class and base class: Defining a derived class, Accessing the base class member, Inheritance: multiple, multiple, hierarchical, hybrid, Virtual base class, Abstract class

Unit 11: Virtual Functions and Polymorphism

Virtual functions, pure virtual functions, Polymorphism, Categorization of polymorphism techniques: Compile time polymorphism, Run time polymorphism

Suggested readings:

1. E. Balagurusamy: Object oriented programming with C++
2. K.R. Venugopal: Mastering C++
3. Blam-Stoussure: The C++ programming language.

MCA-11 Operating System

Unit 1: Introduction to Operating System

What is an operating system, batch system, multi-programmed system, time-sharing system, personal computer operating system, parallel systems, distributed systems, real-time systems.

Unit 2: Processes

Process (process models, process hierarchies, process states), Threads (what is thread and its use, design issues of thread).

Unit 3: Interprocess Communication

What is interprocess communication, race conditions, critical-sections, mutual exclusion, solution to race condition, disabling interrupt, Peterson's solution, sleep & wake up (The Producer Consumer Problem) and Semaphores.

Unit 4: Scheduling

Basic concepts, primitive and non-primitive scheduling, scheduling algorithms, types of scheduling - batch, interactive and real-time, goals of scheduling algorithms, first come first serve, shortest job first and round robin scheduling.

Unit 5: Deadlocks

What is deadlock, principles of deadlock (deadlock conditions & modeling), deadlock detection, recovery & prevention, deadlock avoidance (Banker's algorithm)

Unit 6: Memory Management

Multiprogramming with fixed partitions, relocation and protection) What is swapping and its basic concepts, Virtual Memory - Basic Concepts, Paging, Page Tables, Page replacement algorithms - Optimal, Non Recently Used, First In First Out, Least Recently Used.

Unit 7: File System

What is file, file naming, file system directory, regular, device, sequential access and random access files, file attributes, operations on file, hierarchical directory structure, path name relative and absolute), operation on directories, File System Implementation Techniques.

Unit 8: I/O Management

Basic principles: I/O hardware, I/O devices, Device controllers, DMA, Principles of I/O Software, its goals, Interrupt Handlers, Device Drivers, Device Independent I/O Software (its functions)

Unit 9: Security and Protection

Security: datasets and goals, Authentication, Protection and Access control, Formal model of protection, Cryptography.

Suggested readings:

1. ABRAHAM SILBERSCHATZ AND PETER BAER GALVIN, "OPERATING SYSTEM CONCEPTS", FIFTH EDITION, ADDISON-WESLEY
2. MILAN MILANKOVIC, "OPERATING SYSTEMS: CONCEPTS AND DESIGN", MCGRAW-HILL.
3. HARVEY M DETAL, "OPERATING SYSTEMS", ADDISON WESLEY
4. RICHARD PETERSON, "LINUX: THE COMPLETE REFERENCE", OSBORNE MCGRAW-HILL.

Adarsh Dabholkar
Dr. Jyoti

MCA-12 Design and Analysis of Algorithms

Unit 1 : Introduction to Algorithms

Algorithm, analysis, time complexity and space complexity, Ordination, Omega notation and Theta notation, Heaps and Heap sort, Set and disjoint set, union and find algorithms, Sorting in linear time.

Unit 2 : Divide and Conquer

Divide and Conquer: General Strategy, Exponentiation, Binary Search, Quick Sort and Merge Sort

Unit 3 : Greedy Method

General Strategy, Knapsack problem, Job sequencing with Deadlines, Optimal merge patterns, Minimal Spanning Trees and Dijkstra's algorithm.

Unit 4 : Dynamic Programming

General Strategy, Multistage graphs, OBST, 0/1 Knapsack, Traveling Salesperson Problem, Flow Shop Scheduling

Unit 5 : Backtracking

Backtracking: General Strategy, 8 Queens's problem, Graph Coloring, Hamiltonian Cycle, 0/1 Knapsack

Unit 6 : Branch and Bound

General Strategy, 0/1 Knapsack, Traveling Salesperson Problem

Unit 7 : NP-Hard and NP-Complete Problems

Basic concepts, non-deterministic algorithms, NP-HARD and NP-COMPLETTE classes, COOKS theorem

Suggested readings:

1. Horowitz, Sahni, "Fundamentals of Computer Algorithms", Galgotia
2. Cormen, Leiserson, "Introduction to Algorithms", MIT
3. Brassard, Brailly, "Fundamentals of Algorithms", JHU
4. MIT OpenCourseWare, "Algorithms Design", John Wiley
4. A.V. Aho, "The Design and analysis of Algorithms", Pearson Education

MCA-13 Advanced Database Management Systems

Unit 1: Basic Concepts

Database and Need for DBMS, Characteristics of DBMS, Database Users, 3-tier architecture of DBMS (its advantages over 2-tier), Data Models, Views of data-schemas and instances, Data Independence, Conventional data models & systems, NDM & 4th DIMS, processing, relationships, DBTG set

Unit 2: Database Design using ER model

Entities, Relationships, Representation of entities, attributes, relationship attributes, relationship set, Generalization, aggregation, Structure of relational Database and different types of keys, Expressing M: N relations

Unit 3: Relational Model

Codd's rules, Relational data model & relational algebra, Relational model concept, Relational model constraints, Relational Algebra, Relational calculus, Introduction to SQL: Characteristics of SQL, Advantages of SQL, SQL data types and literals, Types of SQL commands, SQL operators and their precedence, Tables, views and indexes, Queries and sub queries, Aggregate functions, Insert, update and delete operations, Joins, Unions, Intersection, Minus, Crosses in SQL, PL/SQL, Triggers and clusters.

Unit 4: Relational Database design

Database Design - ER to Relational, Functional dependencies, Normalization, Normal forms based on primary keys (1 NF, 2 NF, 3 NF, BCNF, 4 NF, 5 NF), Lossy-Join and dependency, preserving decomposition

Unit 5: Transaction Processing Concepts

Introduction to transaction processing: transaction and system concepts, desirable properties of transaction characteristics, serialised execution, concurrency control, characteristics achievable based on serializability.

Unit 6: Concurrency Control and recovery

Two phase locking techniques for concurrency control, concurrency control based on time stamp ordering, multi-version concurrency control techniques, validation (optimistic) concurrency control techniques, granularity of data items and multi-granularity locking, recovery concepts and recovery techniques.

Unit 7: Security and privacy

Database security issues, Discretionary access control based on grant & revoking privilege, Mandatory access control and role based access control for multilevel security, Encryption & public key infrastructures

Suggested readings:

1. Date C.J., "An Introduction To Database System", Addison Wesley
2. Korth, Silbers, Suddarshan, "Database Concepts", McGraw Hill
3. Elmasri, Navathe, "Fundamentals Of Database Systems", Addison Wesley
4. Paul Heydon Davies, "Database Systems", Pitagore Macmillan
5. Bjoip C. Deval, "An introduction to Database Systems", Galgotia Publication
6. Majumdar & Bhattacharya, "Database Management System", TMH
7. Ramakrishnan, Gribble, "Database Management System", McGraw Hill

Polina Dabala
Dr. J. S. J.

MCA-14 MANAGEMENT ACCOUNTING

Unit 1: Principles Accounting:

Nature And Scope Of Accounting, Double Entry System Of Accounting, Introduction To Basic Books of Accounts Of Sole Proprietary Concern, Closing Of Books Of Accounts And Preparation Of Trial Balance.

Unit 2: Fundamentals:

Trading Profit And Loss Accounts And Balance Sheet Of Sole Proprietary Concern With Normalized Entries (with normal and abnormal problems)

Unit 3: Ratio Analysis:

Meaning, Advantages, Limitations, Types Of Ratio And Their Usefulness (Theory only), Fund Flow Statement Meaning Of The Term Fund, How Of Fund Working Capital Cycle, Preparation and Interpretation Of Statement

Unit 4: Costing

Nature, Importance And Basic Principles, Budget And Budgetary Control: Nature And Scope, Importance Method Of Finalization, and Master Budget Functional Budgets

Unit 5: Marginal Costing

Meaning, Scope, Importance, Construction Of Break Even Chart, Limitations And Uses Of Break Even Chart, Practical Applications Of Marginal Costing (with numerical problems)

Unit 6: Introduction To Computerized Accounting System

Coding Ledger And Costs Required, Master Files, Transaction Files, Introduction To Documents Used For Data Collection, Processing Of Different Files And Outputs Generated

Suggested readings:

1. S.N. Maheswari & S. K. Maheswari, "Introduction to Financial Accounting", Vikas Publication.
2. S.N. Maheswari & S. K. Maheswari, "Advanced Accounting", VDM Publications.
3. S.N. Maheswari & S. K. Maheswari, "Financial Management", Vides Publication.
4. Jewaridasi, "Financial Accounting", Wheeler Publishing.
5. Khan & Jain, "Management Accounting", Tata McGraw Hill Publication.
6. K.S. Sanyal & Nandithames, "The Practices of Management Accounting", Wheeler Publishing.

MCA-15

System Software

Unit 1: Introduction to System Software

Definition and classification of system software.

Unit 2: Assemblers

Assembly language, Assembly process, Data structures, Macros and macro processors.

Unit 3: Linkers and Loaders

Basic concepts, Static and dynamic linking, shared libraries, loaders, overlays. Case study of the Unix linking system, Windows DLLs, OLEs.

Unit 4: Introduction to Compiling

Introduction: Phases of a compiler, Languages and grammars, Chomsky hierarchy.

Unit 5: Lexical Analysis

The role of lexical analyzer, Signification of tokens, recognition of tokens, Finite automata, Lexical analyzer, Lexical analyzer generator (LEX)

Unit 6: Syntax Analysis

The role of Parser, context free grammars, Top-down and Bottom-up parsers, shift-reduce parser, operator precedence parsing, LL(1), LR parsers, Parser generator (YACC)

Unit 7: Syntax Directed Translation

Syntax directed definition, Construction of syntax tree, Top-down and bottom-up translation, recursive evaluation

Unit 8: Code Generation

Intermediate code generation: Intermediate languages, declarations, assignment statements, code generation, machine storage management: Basics code optimization techniques

Suggested readings:

1. Robert E. Horton: MIPS Assembly Language Programming, Prentice Hall, 2003.
2. Compiler principles, techniques & Tools, Alfred V. Aho, Monica S. Lam, Ravi Sethi, Jeffrey D. Ullman

MCA-16

Programming In Java

Unit - 1 Introduction to JAVA: An overview of JAVA, Basic features of Java, JAVA Environment, Installing the Java SDK, Writing Java Programs.

Unit - 2 Programming Basic Java Token & Keywords, Constants, Data types, Declaring a variable, The scope and lifetime of variable, Various Operators, Decision Making and Control Statements: if statement, If-else, else-if, switch statement, do-while, while, do-while statement.

Unit - 3 OOPS In Java: Class Fundamentals: Defining class, Accessing class members, Declaring objects, Constructors, copy constructor, Passing Arguments to Methods, Method Overloading, Inheritance: the super class, Multilevel inheritance, Final and abstract keyword, Static Members.

Unit - 4 Arrays, Strings and Vectors: Declaring Arrays, Creating Arrays, Initializing Arrays, Multidimensional Arrays, Strings: string arrays, string methods, StringBuffer class, Vectors.

Unit - 5 Interfaces and Packages: Interfaces: Defining an interface, Implementing interfaces, Applying interfaces, Packages: Defining a package, Accessing and importing Packages.

Unit - 6 Exception Handling: Exception Handling Fundamentals, Exception types, Using try and catch, builtin exceptions in Java, User-defined exception

Unit - 7 File Handling (IO Basics: Streams, The Stream classes, The Buffered streams, Reading console input, Writing console output, Reading and writing files

Unit - 8 Introduction to Applets: Applets and the World Wide Web, The Applet Class, Applets and HTML, The Life Cycle of an Applet, Using Window Components, Event Handling, Adding Audio and Animation

Polina D. A. 2011

Dr

2011

- Unit - 9 AWT and Swing AWT Basics, AWT Components, Event Handling, Application and Means; Introduction to Swing, Swing Components, Event Handling, Display text and image in a window, Layout manager.

UNIT - 10 Introduction to JDBC Basic steps to JDBC, API, JDBC Drivers, Connection Management, JDBC Statement, ResultSetMetaData (Object Statement), ResultSetMetaData (Object Statement), ResultSetMetaData (Object Statement)

MCA-17
Software Engineering

UNIT - I Software Engineering

The software giant, pioneers of software engineering in the large

UNIT - 2 Software process

The software lifecycle, the waterfall model and variations, risk-driven approaches, introduction to evolutionary and prototyping approaches, agile process models, systems classification

UNIT - 3 Project management

Relationships for lifecycle, project planning, project control, project organisation, risk management, cost models, configuration management, version control, quality assurance, metrics

UNIT - 4 Software requirements

Acquirements analysis, functional and non-functional requirements elicitation, analysis tools, requirements definition, requirements specification, static and dynamic specifications, requirements review.

UNIT - 3 Software design

Designing for reuse, designing for change, designing robustness, designing evaluation and verification

UNIT - 6 Implementation and Maintenance

Programming standards and procedures, modularity, data abstraction, static analysis, unit testing, integration testing, regression testing, verification and validation, heuristics for testing, fault tolerance, The maintenance problem, the nature of maintenance, planning for maintenance

Suggested readings:

1. Pressman, Roger S., "Software Engineering: A Practitioner's Approach" Ed. Boston: McGraw-Hill, 2003
2. Jalote, Pankaj, "Software Engineering Ed.2", New Delhi: Narosa 2002
3. Subram's Series, "Software Engineering", TMH
4. Ghazal, Carlo and Others, "Fundamentals of Software Engineering", PHI
5. Aletis, Leon and Mathew's Leon, "Fundamentals of Software Engineering", Vikas
6. Sommerville, Ian, "Software Engineering", AWL, 2000
7. Farley, "Software Engineering", New Delhi: TMH
8. Pilsner, S., "Software Engineering", Macmillan, 1987

MCA-18

Unit 1: Introduction To E-commerce

Alphabetical Languages	Interpretation of Languages	Definition of Languages	Non-terminating Languages
Equivalence of Deterministic and Non-Deterministic	Properties of Languages	Properties of Languages	Properties of Languages
Formal Languages and Regular Expressions	Proving that Languages are not Regular	Proving that Languages are not Regular	Proving that Languages are not Regular

Unit 2: Conditional Probability

Control-Free Grammar - Regular languages and Context-Free Grammar - Pushdown Automata and Context-Free Grammar - Properties of Context-Free languages - Closure Properties - Periodic Properties - Decisional and Parsing Deterministic Pushdown Automata and Context-Free languages - Top-down Parsing - Bottom-Up Parsing

Unit 3: Testimonials

The Definition of Turing Machines—Comparing with Turing Machines—some Examples of More Powerful Turing Machines, Acceptability and Decidability

Unit 4: Church Theft

Church's Thesis - The Primitive Recursive Functions - Codification - The μ -Recursive Functions - Turing - Computability of the μ -Recursive Functions - Universal Turing Machines, Recursive Functions - Universal Turing Machines.

Unit 5: Understanding Probability

The Halting Problem - Turing - Enumerability, Turing - Acceptability, and Turing - Decidability - Unsolved problems about Turing machines and - Recursive Functions - Post's correspondence problem

Suggested readings:

1. Alfred V. Aho, Jeffrey D. Ullman, "Principles of Compiler Design", Norton
2. A.V. Aho, R. Sethi and J.D. Ullman, "Compiler: principles, Techniques and Tools", AW
3. H.C. Holub, "Compiler Design in C", Prentice Hall Inc.
4. Apple, "Modern Computer Implementation in C: Basic Design", Cambridge press

MECA-19

Data Communication and Computer Networks

Unit 1: Introduction to Networking

Data communications, Networks, The Internet, Protocol & Standards

Unit 2: Networking

Learning tasks, learned model, CNN model

Unit 3: Polynomials

Signal frequency and signal length, data rate limits, Transmission impairment, Signal measurements like through put, propagation speed and time, wave length

Digital Transceiver Line coding, host coding, sampling, transmission mode
 Analog Transceiver, Modulation, digital data, telephone network, Modulation analog signal
 Multiplexing, PDMA, WDMA, TDMA

Belmont Park

Transmission Media: Guided media, unguided media

Circuit Switching & Telephone Network; Circuit switching, telephone network

Unit 4: Data Link Layer

Data detection and Correction: Type of errors, detection and correction of errors

Data Link Control & Protocol: Flow & error control, Stop-and-Wait ARQ, Go-Back-NARQ, Select Repeat ARQ, HDLC

Point-to-Point: Point-to-point protocol PPP stack

Local Area Network: Traditional Ethernet, Fast and Gigabit Ethernet

Connecting LANs: Backbone Networks and Virtual LANs: Connecting devices, backbone networks, Virtual LANs

Unit 5: Network Layer

Internetworks, Addressing, Routing

Network Layer Protocols: ARP, RIP, ICMP, IPv6

Unicast routing: Unicast routing protocols, Multicast routing: Multicast routing protocols

Unit 6: Transport Layer

Process-to-Process delivery: user design, Transmission control protocol

Unit 7: Application Layer

Client-Server Model: Client-Server Model: Selections

Advanced network protocols: SMTP, FTP

Suggested readings:

1. A. S. Tanenbaum, "Computer Networks, 3rd Edition", PHI
2. W. Stallings, "Data and Computer Communication", Macmillan Press
3. Comer, "Computer Networks & Interact", PHI
4. Comer, "Interconnecting with TCP/IP", PHI
5. Forouzan, "Data Communication and Networking", TMH

MCA-20A

Linux System Administration

Unit 1: Introduction to UNIX

Evolution of Unix, Features, System structure, File System

Unit 2: File I/O

System calls for file I/O, File Sharing, Concept of file descriptor duplication, File Control

Unit 3: Files and Directories

File status, File types, Permissions, ownership and related System call. File system, Links, File based Directory related functions

Unit 4: Standard I/O Library

Streams, Buffering, open, read & write on streams, Binary I/O, Formatted I/O Temporary Files

Unit 5: Environment of Unix Process

Process invocation and termination, Environment variables & List Memory, Layout of C program & memory management routines

Unit 6: Process control

Process identifiers, system calls related to Multitasking, Race condition Zombie & Orphan process, system

Unit 7: Process relationship

Sessions, Controlling Terminal, Job Control, Sharing data among parent & Child using Files

Unit 8: Signals

Signal Concepts, Signal handling, Important, signal kill, raise, alarm, pause, and abort

Unit 9: Advanced I/O

Record Locking, Streams, I/O Multiplexing, Memory Mapped I/O, various Read and write

Unit 10: Inter Process Communication

Pipes, FIFO, System V IPC (Message Queue, Semaphore, Shared Memory)

Suggested readings:

1. Parnas, "Advanced Unix programming guide", BPB
2. Yashwantkar, "Unix Shell Programming", BPB
3. Meena Gandhi, "TaskSentry, Rajiv Shah, "The 'C' Odyssey Unix - the open bookless C", BPB
4. Sunilabh Das, "Unix Concepts and applications", TMH
5. Mike Joy, Stephen Jarrow, Michael Luck, "Interconnecting Unix and Linux", Palgrave Macmillan
6. Rachel Morgan, Henry McGilton, "Introducing Unix System V", TMH

MCA-21

Advanced Web Technology

Unit 1: HTML & Forms

Introduction To HTML, WWW, W3C, web publishing, Common HTML, Tag Physical & Logical, Some basic tags like <body>, changing background color of page, text color etc., Text formatting tags, <p>
, <hr> tags, Ordered & Unordered Lists Tags, Inserting image, Link: text, image links, image mapping, Tables, Frames, Form Introduction with text box, text area, buttons, List box, radio, checkbox etc.

Unit 2: CSS

Introduction To Style sheet, types of style sheets: Inline, External, Embedded CSS, text formatting properties, CSS Border, margin properties, Positioning Use of classes in CSS, other properties, use of <div>

Unit 3: JavaScript

Intro to script, types, intro of JavaScript: identifiers, operators, control & Looping structure, Intro of Array, Array with methods, Math, String, Date Objects with methods User defined & Predefined functions, DOM objects, Window Navigator, History, Location, Event handling, Validation

On Forms

Unit 4: VBScript

Intro. To VBScript, Variables, Data types, Control Structures & Loops, Functions in VB Script, Client side web scripting, Validating forms, DOM, Handling errors

Unit 5: XML

Intro & Features of XML, XML writing elements, attributes etc. XML with CSS, DSO, XML Namespaces, XML DTD, XML Schemas, Writing Simple sheets using XSLT, SAX & DOM Parser, SOAP Intro

Unit 6: ASP

Palanikar
Dr. J. S. J.

Introduction of ASP, Working with ASP page, Request & Response object, Application & Session, Role of Global.asa file, Server Object, Error Handling in ASP Database Handling, Connection, Recordset, Command Object

Suggested readings:

1. Burdman, "Collaborative Web Development", Addison Wesley.
2. Sharma & Sharma, "Developing E-Commerce Sites", Addison Wesley
3. Ivan Bayross, "Web Technologies Part II", BPB Publications.

MCA-12

Electronic Commerce

Unit 1 : Building Blocks of Electronic Commerce

Introduction, Internet and networking technologies, Internet and network protocols, web server scalability, software technologies for building E-commerce applications, distributed objects, object request brokers, component technology, web services, web application architectures, BizTalk framework, Compliant Server

Unit 2 : Security of E-commerce transactions

Review of cryptographic tools, authentication, signatures, obscuring, anonymity, privacy, traceability, key certification, management and escrow

Unit 3 : Payment protocols and standards

Smart card, e-cash, e-wallet technologies, electronic money and electronic payment systems, business models for electronic commerce, electronic marketplaces, auctions and other market mechanisms, design of auctions, optimization algorithms for marketplaces, multi-agent systems.

Unit 4 : Global e-Commerce and Law

Cyber law in India, Comparative evaluation of Cyber laws of certain countries.

Suggested readings:

1. Kavi Kalakota, Andrew Winston, "Frontiers of Electronic Commerce", Addison Wesley.
2. Bajaj and Nig, "E-Connect the cutting edge of Business", TMH
3. P. Leshin, John Vasea, "Electronic commerce", Firewall Media, New Delhi

Ratnawati Dabhi

Ratnawati Dabhi

Title of Programme: Master of Hotel Management

I. Programme's Mission & Objectives: This programme aims;

- To equip learners with an in-depth understanding of the required theoretical, conceptual, intra-personal and inter-personal skills necessary for a career in hotel, restaurant and hospitality.
- To inculcate a sense of social purpose and ethics that will permeate their decision making.
- To encourage and help in development of entrepreneurial and leadership capabilities.
- To nurture standards of professional excellence based on integrity, honesty, and fairness.

II. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The programme has been sculpted to address the changes that are taking place in corporate world and society at large. The programme intends to meet the growing demand of entrepreneurs, business leaders and effective managers who can face the challenges resulting from cut-throat competition. The programme shall contribute in disseminating hospitality knowledge and management skills through distance learning with introduction of flexible and innovative methods of education to ensure 'independent learning'. The programme intends to enhance professional and managerial competence of the aspirants, refine their managerial skills, and capabilities so that they can secure self-employment, and other employment opportunities with the motto of appropriate service to the state, nation and entire humanity.

Nature of prospective target group of learners: The programme shall also be useful for the professionals who want to advance and improve in their current job profile. Further, the programme is also for young aspirants who wish to enhance their professional skills with a sound management qualification.

Accordingly, the target learners of the programme are;

- Hotel Management Graduates
- Government Employees working in hospitality sector
- Early- and mid-career professionals working in hotel, restaurant, cruise liners, and various catering establishments

III. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

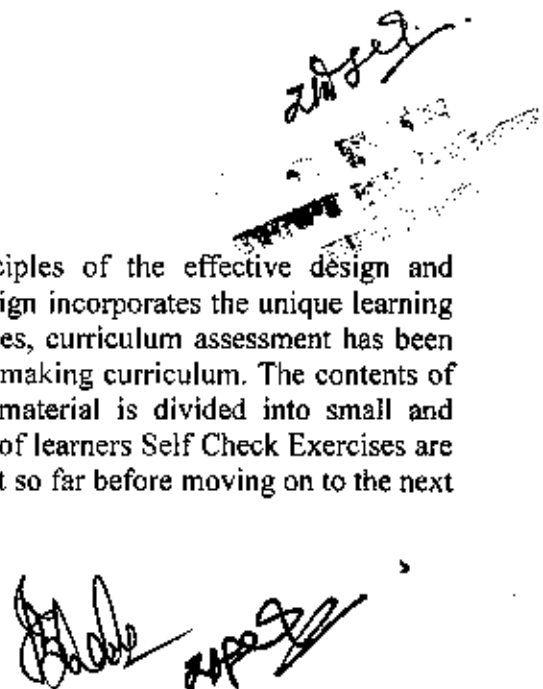
The programme has been designed to ensure norms and standards for hotel management education. The programme provides conceptual understanding of hotel administration, managerial skills, research skills, Information Technology, industrial and global trends, thus, equipping learners with tools and techniques to lead and manage in today's ever-changing hospitality environment. Adequate attention is also paid to the application of knowledge, self awareness among students and development of problem solving, and decision making skills.

The learning upshots of this qualification are described in four areas:

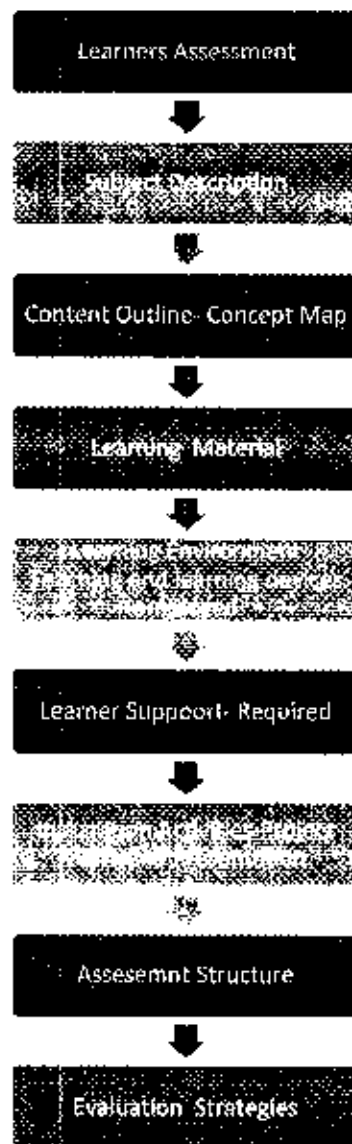
- Knowledge and understanding
- Cognitive skills
- Practical and professional skills
- Key skills

IV. Instructional Design :

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable chunks to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage.



The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:



The following quality criteria is considered while formulating instructional design for ensuring the success of adult education:

- Quality design, development, and production of instructional materials
- Application and use of delivery technologies
- Presentation of learning materials
- Effective Learner Support Services
- Convergence of Technologies
- Design, develop and validation of the concepts through project work

V. Procedure for Admissions, Curriculum Transaction and Evaluation:

Admission

Admission to MHM programme is open to diploma/graduates of Hotel Management and catering technology on first come first serve basis.

20/08/20
 कुल 10/10
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 इलाहाबाद विभागाध्यक्ष

[Signature]

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam Annual /Sem)	Year/ Sem	Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
Three years Diploma in Hotel Management and Catering Technology (with 5 year Experience or Graduation in any stream), Bachelor of Hotel Management, B.Sc. in Hospitality and Hotel Administration	2	4	English	SEMESTER	I	6000	-	600	-	-	50	100	-	6750
					II	6000	-	600	-	-	-	-	-	6600
					III	6000	-	600	-	-	-	-	-	6600
					IV	6000	1000	450	-	-	-	-	300	600

Curriculum Transaction: The MHM programme consist of 16 courses in all .Each course comprises of four credits. The total credits of the programme are 64.

MHM First Year

First Semester

- Business Communication
- Advance Food Production
- Accommodation Management
- Principles of Management

Second Semester

- Food and Beverage Service
- Front Office Management
- Accountancy and Finance for Hospitality
- Human Resource Management

MHM Second Year

Third Semester

- Food and Beverage Management
- Bakery and Confectionary
- Introduction to Marketing
- Research Methodology

Fourth Semester

- Bar Management
- Event Management
- Facility Planning

Signature
कुल शिक्षक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विनीतका)

Signature

- Project Work

Evaluation: Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the Coordinator of the Study Centre to which the student is assigned or attached with. The components of evaluation for each course include the following:

a. Assignments	20 % weightage
b. End-term examination	80 % weightage

The project work is assessed using the following components:

- Proposal
- Report
- Conduct of work
- Analysis
- The final report presentation also includes comprehensive *viva-voce*

VI. Requirement of the Laboratory Support and Library Resources: It is essential for every study center to have Training Kitchen, Training Restaurant, Front Office area and a Model Room to train learner in area of Food Production, Food and Beverage Service, and Accommodation Operations. A well equipped library having 5000 books and 5000 journals is also essential.

A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centre should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.

VII. Cost Estimate of the Programme and the Provisions:

COST ESTIMATION		
PARTICULARS	DETAILS	AMOUNT (IN RS.)
Instructional services		
Development of in-house SLM	Payment to course writers	450000
	Payment to Editors	225000
	Total Cost	675000

VIII. Quality Assurance Mechanism and Expected Programme Outcomes: The Department reviews its programme time to time through its expert committee, Board of Studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and practitioners who design, review and update the course curriculum and the study material accordingly.

असेट
मुल २०००
मुल २०००
मुल २०००

[Handwritten signature]

SYLLABUS
MASTER OF HOTEL MANAGEMENT

FIRST YEAR

First Semester

- HM-101 Business Communication
- HM-102 Advance Food Production
- HM-103 Accommodation Management
- HM-104 Principles of Management

Second Semester

- HM-201 Food and Beverage Service
- HM-202 Bakery and Confectionary
- HM-203 Accountancy and Finance for Hospitality
- HM-204 Human Resource Management

SECOND YEAR

Third Semester

- HM-301 Food and Beverage Management
- HM-302 Front Office Management
- HM-303 Introduction to Marketing
- HM-304 Research Methodology

Fourth Semester

- HM-401 Bar Management
- HM-402 Event Management
- HM-403 Facility Planning
- HM-404 Project Work

Semester – I HM-101: Business Communication

Course Contents:

Unit 1: Concept of Communication- Communication: Definition, Need, Purpose and Process, Importance of Communication in Tourism Industry, Communication Networks, Directions of Communication, Types of Communication, Differences between Oral and Written Communication, Directions of Communication, Barriers and Gateways to Communication, Cross Cultural Communications, Concepts of Culture, Functions and Impacts of Culture on Communication, Important Expression in Cross Cultural Communication

Unit 2: Written Communication- Principles of Business Communication, Process of Preparing Effective Business Messages, Stages of Writing, Purpose of Written Communication in Professional Environment, Types of Written Communication, Report, Proposals, Circulars, Memos, Noting, Agendas, Minutes and Drafting, Writing Letters, Business Letter Formats, Types of Letters, Telex Messages, E-mail Communication, Communication through Internet.

Unit 3: Verbal Communication- Listening: Definition, Types and Levels of Listening; Keys to effective Listening, Effective Speaking: Essential Qualities of a Good Speaker, Appearance and Bodily Actions, Use of Voice, Use of Visual Aids, Telephone Handling: Need for favourable voice quality, Listening vs. Hearing, Handling Verbal Complaints, Barriers of Verbal Communications

Unit 4: Non-verbal Communication- Classification of Non Verbal Communication: Kinesics, Proxemics, Time Language, Paralanguage, Physical Context, Body Gestures and Messages that are communicated through Gestures, Grooming Standards, Impact of Body Language in Tourism and Hospitality Industry, Assertive, Aggressive and Passive Behaviours.

Reference Books:

1. Business Communication: Concepts, Cases and Applications – P D Chaturvedi, Mukesh Chaturvedi, Pearson Education, First Edition, 2004.
2. Business Communication, Process And Product – Mary Ellen Guffey – Thomson Learning, Third Edition, 2002.
3. Basic Business Communication – Lesikar, Flatley TMH 10 Edition, 2005.

HM-102: ADVANCE FOOD PRODUCTION

Course Content:

Unit - 1 Introduction to the art of cookery- Culinary history-Development of the culinary art from the middle ages to modern cookery, modern hotel kitchen, Nouvelle Cuisine, Indian regional cuisine, Popular International cuisine (an introduction). French, Italian, Chinese- Characteristics, Menu terms, Names of the Dishes, popular spices used, etc. Aims and objectives of cooking food- Importance of cooking food with reference to the catering industry, Principles of a balanced and a healthy diet, Action of heat on food

Unit - 2 Kitchen Equipments and Hygiene- Different types of kitchen equipments, different types of special equipments, heat generating, refrigeration, kitchen machinery, storage tables, hand tools, weighing and measuring, pot wash, diagrams, uses, maintenance, criteria for selection. Personal hygiene, their importance, food handling & storage, care, sanitation practices, attitude towards work in the kitchen, fumigation. HACCP - Principles in food handling & storage Conversion tables: American, British measures and its equivalents


मुख्य शिक्षक
उत्तम मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

Unit - 3 Methods of Cooking- Classification, principles, equipment required, methods of cooking- boiling, roasting, poaching, braising, grilling, baking, roasting, broiling, stewing, sautéing, blanching steaming, micro-waving etc. Basic preparations, Mise-en-place of all the basic preparations, stocks, egg preparations

Unit - 4 Food Commodities- Classification with examples and uses in cookery Cereals, pulses, vegetables, mushrooms, fruits, eggs, foundation ingredients their characteristics and their uses in cookery.

Unit- 5 Introduction to Cold Kitchen-The Function of the Larder Department, Responsibilities of the Chef Garde-Manger, Larder Control, Stock Sheet, Liaison with Kitchen and Pastry Department, Use and Care of Machinery and Utensils in larder section. Starters - Classification of Starters, Single Starters, Mixed Starters, Salads-Salad Dressings and Cold Sauces, Force-meats, Garnishes and Seasonings, Sandwiches- types of sandwiches, Open Sandwiches.

Reference Books:

1. Hamlyn Larousse Gastronomique Publisher: Octopus Publishing Group 2-4, Heron Quays, London- E14 4JP
2. Kinton & Cessarani, Practical Cookery Published by A division of Hodder and Head line PLC, 338, Euston Road, London, Ninth edition 2000
3. Kinton & Cessarani, Theory of Catering Published by A division of Hodder and Head line PLC, 338, Euston Road, London, Ninth edition 2000
4. D. D. Sharma, Cold Kitchen Aman Publications, L G- 4A, Ganapati Bhawan, 4675-B/21, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi- 110002
5. Thangam E.Philip, Modern cookery for Teaching and Trade(Vol I & Vol II) - Orient black Swan Publishers Ltd.,

HM-103: Accommodation Management

Course Contents:

Unit 1 : Role of Housekeeping in Hospitality Operations: Introduction to Housekeeping-Layout of Housekeeping Department-Hierarchy of Room divisions-Team work in Housekeeping department ,Duties & Responsibilities of Housekeeping department: Executive Housekeeper, Asst Executive Housekeeper-Middle level Management-Skill based employee's responsibilities-Communication responsibilities

Unit 2: House Keeping Procedures-Control Desk- Duty Rota & work schedule, Briefing & Debriefing, Forms, Files, Formats & Registers, The Linen Room & HK Stores procedures, Supervision in House Keeping - Rules on a guest floor, Key Controls, Guest room Cleaning Services, Cleaning the Public Areas, Laundry Systems - In-house v/s Contract, Files with format used in House keeping department.

Unit 3 : Interior Design: Design-elements of Design (Line, Shape, Form, Colour, Size, Texture, Direction, Value), Principles of Design (scale, composition, Harmony, Rhythm Proportion, Balance, focal point), Colour and colour scheme Uses Factors affecting the Colour scheme of a guest room, Light And Light Fitting-light and types of Light, Source of light, Kinds of light, Principles of Lighting, Lighting for activities Glare & Shadows, Windows and Window treatments-Types of window treatment, Blinds -Rollet Venetian, Draperies, Casements Curtains, Glass Curtains, Cafe Curtains, Valence, Swage & tail, Pelmet, Cornice. Factors to be considered in Selection of Window treatment, Beds & Bedding-Types of Bed & Sizes- (Zeil Bed, Extra Bed, Sofa Bed, Fold away Beds, Bolsters, Bed linen, Blankets, Bedspread quilt) Types of mattresses & Pillows with sizes -(interior spring, Mattresses, Rubber & Plastic Mattresses) Principals of Flower Arrangements, Types of Flower Arrangements

Unit 4: Cleaning Science-Characteristics of good cleaning agent, Application of cleaning agent, Types of cleaning agent, cleaning products, Cleaning equipments, Classification and types of equipment with Diagrams, Care and Cleaning of Metals -Brass, Copper, Silver, EPNS, Bronze, Gun Metal, Chromium, Pewter, Stainless Steel, .Types of tarnish, Cleaning agents and methods used.

Unit 5 : Furniture, Fittings and Carpets-Types of furniture -(Built-in, Free standing, fitted) Major furniture woods & uses, Care & Maintenance, Wall& Wall Coverings-Types of wallpapers- (sponge able, washable, anaglyptic, wood chip, wood grain, Flock, Wood Panelling, Glass wall Covering, Metal wall Covering, leather (hid) Wall Covering), Selection, Care & Uses Advantages & disadvantages, Floor & Floor Covering- Composition Types Uses, Care, Advantages & Disadvantages, Carpet-Types of Carpet woven -(wilton, Ax Minster, Brussels & Cords, Oriental), Non -Woven - (Tufted, pile bonded carpets, Needle punched Carpets, Electro statically locked carpets), Uses & Disadvantages Care & Maintenance, Fabric & Fibber- Classification of fibres, Types of Construction Fabrics & commonly used fabrics, Soft furnishing Curtains upholstery, loose covers, Cushions Bedspreads selection- Care, uses.

Reference Books:

1. Sudhir Andrews, Hotel House Keeping Training Manual, Tata Mc Graw Hill Publishers, New Delhi, Edition 2, 2005.
2. Matt A. A Casado, Housekeeping Management
3. Aleta Nitschke, Marget M.M. kappa, Managing Housekeeping operations
4. Robert J. Martin, Professional Management of Housekeeping operations

HM-104: Principles of Management

Course Contents:

Unit 1: Introduction to the Concept of Management Evolution of the Process of Management and its present status, Nature, Definition, Characteristics and Importance of Management, Different Schools of Management: Administrative, Scientific, Behavioural, Open Systems, Contingency, Systems, Theory Z, Mc Kinsey's Seven S, Skills and Roles of Management Professionals

Unit 2: Key Functions of Management-I Planning: Meaning, Concept and Importance; Process and Types of Planning Principles of Planning, Steps of Planning; Decision Making; Management by Objectives Organizing: Meaning and Importance; Organisational Structures and Department Organizing: Delegation and Decentralization; Span of Control; Types of Organisation

Unit 3: Key Functions of Management-II Staffing: Nature and Purpose; Process of Staffing; Directing Leading; Motivation; Communication Controlling: Need and importance of Control; Methods of Control Characteristics of Effective Control; Controlling a Tourism organization: Challenges and Strategies

Unit 4: Management of Tourism, Hospitality and Travel Trade Tourism & Travel Trade: Characteristics and Unique Features The Art of Managing a Tourism Trade Organization Mega Events: Planning, Managing and Effective Implementation Case Study on Management of GMVN and KMVN

Reference Books:

1. Principal and Practice of Management- Shejwalker
2. Essential of management: Kootz and weitrich

HM-201: Food and Beverage Service

Course Content:

Unit 1 :Food & Beverage Service- Introduction, Types of Catering Establishments F & B Service areas in a hotel - Restaurant, Coffee Shop, Room Service, Bars, Banquets, Discotheques, Still Room, Grill Room, Snack Bar, executive lounges, business centre & Night Clubs.

Unit 2: F & B Service Equipment - Usage of Equipment, criteria for selection, requirements, quantity and types Furniture, Linen, Chinaware, Silverware & Glassware, Disposables Special Equipments & Other Equipments - Care and maintenance

Unit 3: Food & Beverage Service Organization Job Descriptions & Job Specifications of F& B Service Personnel Attitude & Attributes -Food & Beverage personnel, competencies. Basic Etiquettes for catering staff - Interdepartmental relationship

Unit 4: Food & Beverage Service Methods Table Service-Silver/English, Family, American, Butler/French, Russian Self Service-Bufferet & Cafeteria

Unit 5: Specialized Service-Guerdon, Tray, Trolley, Lounge, Room, etc., Single Point Service-Take Away Vending, Kiosks, Food Courts & Bars, Automats Food & Beverage Terminology

Reference Books:

1. Food & Beverage Service Training Manual - Sudhir Andrews, Tata McGraw Hill
2. Food & Beverage Service - Lillcrap & Cousins, ELBS
3. Modern Restaurant Service - John Fuller, Hutchinson
4. Food & Beverage Service Management-Brian Varghese
5. Introduction F& B Service - Brown, Heppner & Deegan
6. Professional Food & Beverage Service Management -Brian Varghese

HM-202: Front Office Management

Course Contents:

Unit 1 : Introduction to Hotel Industry and growth of Hotel Industry in India - Classification of Hotels- based on location, clientele, size, length of stay, other types of hotels - Heritage Hotel, casino, time- share hotels, Boutique Hotel. Star rating of Hotels- list of famous International chain / group of Hotels.

Unit 2 : Functions of Front Office department - Types of rooms - Tariff - Types of plans - Importance of front Office- Layout of front office & different equipments in front Office-Organizational structure - Job description of Front Office staff. Communication within the Front office - Logbook - Information Directory - Handling Mail - Handling Message - Telephone service - Inter - Departmental Communications Guest Service - Guest relations - Complaints Handling - Concierge and Bell Desk - Job Description of concierge - Errand Cards - Baggage Handling- Paging the guest

Unit 3: Guest Cycle- Sources of reservation -Modes and Types of reservation-Terms used in reservation- Registration, Pre- registration - Check In procedures, over booking, Procedure for handling over booking, Registration, reception, allotment of room, guest services, check out procedures., Front office Accounting:-Accounts-Guest accounts & Non Guest Accounts-Folios-Vouchers-Ledgers-Credit monitoring Procedures-Accounts Maintenance-Foreign Currency Encashment Procedures-Internal Control-Night Auditing, Meaning, Purpose, Procedures- check out types and Methods of settlement.

Unit 4: Budgeting and Yield Management -planning ,Capital & operations budget for front office , Refining budgets, budgetary control, Forecasting room revenue , Advantages & Disadvantages of budgeting , Yield Management-Concept and importance, Applicability to rooms division, Capacity management, Discount allocation, Duration control, Measurement yield, Potential high and low demand tactics, Yield management software, Yield management team

Unit 5: Evaluation of Front Office Operation- Planning & Evaluating Front Office Operations- Setting Room Rates (Details/Calculations thereof), - Hubbart Formula, market condition approach & Thumb Rule - Types of discounted rates - corporate, rack etc., Forecasting techniques, Forecasting Room availability, Useful forecasting data - % of walking, % of overstay, % of under stay, Forecast formula, Types of forecast, Sample forecast forms, Factors for evaluating front office operations

Reference Books:

1. Hotel Front Office Operations and Management, Jatashankar R Tewari (2009) Oxford University Press, New Delhi

[Handwritten signature and stamp]
Stamp: **STAMPED BY THE UNIVERSITY**
Date: **20/05/2024**
Page: **1/1**

2. Hotel Front Office Management James A. Bardi (2002) Wiley.
3. Hotel Front office Training manual – Sudhir Andrews Tata Mc Graw Hill Publishers, New Delhi.
4. Managing Front Office Operations - Michael L. Kasavana and Richard M. Brooks (2005) Educational Institute of American Hotel & Lodging Association.
5. Front Office: Procedures, Social Skills, and Management - Abbott P. and Lewry S. (1991), Butterworth Heinemann.

HM-203: Accounting and Finance for Hospitality

Course Content:

Unit – 1: Introduction to Accounting- Accounting: Meaning, Definition, Objective & Scope, Basic terms in Accounting, Accounting principles, Branches of Accounting, Uses of Accounting, Limitation of Accounting, Concept & Conventions: Accounting Vs Accountancy; Functions of accountant in Modern Times, Practical System of Book-Keeping - Cash Book, Types of Cash Book, Single Column, Double Column, The Double Entry System.

Unit – 2: Subsidiary Books Of Accounts - Journal- Debit & Credit, Rules of Debit & Credit, Method of Journalising, Ledger- Meaning of Ledger, Utility of Ledger, Posting of Entries, Petty Cash Book, Trial Balance: Meaning, Objective and Preparation of Trial Balance, Errors and Rectification of Errors, Profit and Loss Account, Preparation of Balance Sheet

Unit – 3: Financial Accounting- Meaning, Need, Objective, Concept and Function of Finance and Finance Management, Statement of Changes in Financial Position, Fund Flow Analysis, Financial Statement Analysis; Ratio Analysis, Analysis of Risk and Uncertainty.

Unit – 4: Financial Planning- Sources of Finance; Meaning and Steps of Financial Planning, Over and Under-Capitalization Theories, Theory and Planning of Working Capital Management, Meaning and Importance of Capital Budgeting, Rationale for Capital Expenditure, Evaluation Techniques- PBP, BCR, NPV, IRR; Dividend.

Reference:

1. Singhal A.K. and Ghosh Roy. H.J. **Accounting for Managers**, JBC Publishers and Distributors, New Delhi.
2. Pandey, I.M. **Management Accounting**, Vikas Publishing House, New Delhi.
3. Horngren, Sundem and Stratton, **Introduction to Management Accounting**, Pearson Education, New Delhi.
4. Anthony R.N. and Reece J.S. **Management Accounting Principles**. Homewood, Illinois, Richard D.Irwin, 1995.
5. Hansen & Mowen, **Cost Management**, Thomson Learning
6. **General Accounting For Hotel Management** – B.S.Raman, United Publishers, Mangalore.
7. **Basic Accountancy** – A.Gupta – Sultan Chand & Co.Publishers, New Delhi.

HM-204: Human Resource Management

Course Content:

Unit 1: The Foundation and Challenges Of HRM- HRM: Definition, Role, Significance and Challenges, HRD: Meaning and Importance; Differences between HRM and HRD, HRM in Tourism Industry in India: Travel Agencies, Tour Operations and Hotels, Organizational Structure of HR Department in Tourism Industry with the help of Case Studies.

Unit 2: Human Resource Planning- Human Resource Planning: Meaning, Nature and Needs of Human Resource Planning, Planning Process, Recruitment and Selection, Training and Development, Job Evaluation: Concept, Scope, Limitation and Methods, Job Analysis and Job Description.

Unit 3: Introduction to Organisational Behaviour- Human Resource Motivation: Techniques and Importance, Theories of Motivation, Employee Welfare and Compensation Management, Employee Discipline and Grievance Handling.

Unit 4: Human Resource Accounting and Information Systems- Human Resource Accounting and Audit, Human Resource Policies, Human Resource Records and Information Systems, Emerging Issues and Trends in HRM

Reference:

1. Edwin B. Flippo **Personnel Management**
2. C.B. Memoria **Personnel Management**
3. Tripathi **Personnel Management**

HM-301: FOOD AND BEVERAGE MANAGEMENT

Course Content:

Unit- 1 F&B Control – Overview-Introduction, Objectives of F&B Control, Problems in F&B Control, Methodology of F&B Control, Personnel Management in F&B Control. **COST & SALES CONCEPTS-**Definition of Cost, Elements of Cost, Classification of Cost, Sales defined, Ways of expressing sales concepts. Cost/Volume/Profit Relationships (Break-even analysis).

Unit - 2 Food Control-Food Purchasing Control, Food Receiving Control, Food Storing and Issuing Control, Food Production Control, Food Cost Control, Food Sales Control, Standard Yield, Standard Portion Sizes, Standard Recipes **BEVERAGE CONTROL-**Beverage Purchasing Control, Beverage Receiving Control, Beverage Storing and Issuing Control, Beverage Production Control, Beverage Cost Control, Beverage Sales Control.

Unit - 3 Labour Control -Labour cost considerations, Organizational plan, Job analysis, Forecasting and scheduling of Personnel, Standards of Performance, and Payroll Analysis. **Frauds In F&B Control-**Frauds in Purchasing, Receiving, Storing, Issuing, Preparing and Selling Stages of F&B Control, Prevention of Frauds. **Inventory Control-**Importance,

objectives, methods, levels & technique, perpetual inventory, monthly inventory, pricing of commodity, comparison of physical and perpetual inventory.

Unit - 4 F&B Management - Overview-Introduction, Objectives of F&B Management, Responsibilities of F&B Management, Constraints to F&B Management. **Menu Management**-Introduction, Types of Menu, Menu Planning Considerations & Constraints, Menu Costing and Pricing, Menu Merchandising, Menu Engineering, Menu Fatigue, Menu as a In-House Marketing Tool. **Material Management**- Introduction, concepts.

Unit- 5 F&B Management In Fast-Food And Popular Catering- Introduction, Basic Policies -financial, marketing and catering, Control & Performance Measurement. **F&B Management In Hotels And Quality Restaurants**- Introduction, Basic Policies -financial, marketing and catering, Control & Performance Measurement. **F&B Management In Function Catering**- Introduction, Basic Policies -financial, marketing and catering, Control & Performance Measurement. **F&B Management in Industrial/Institutional Catering**- Introduction, Basic Policies -financial, marketing and catering, Control & Performance Measurement.

Reference Books:

1. Food & Beverage Management, Bernard Davis & Sally Stone, Published by: Butterworth-Heinemann Ltd. UK
2. Food & Beverage Control, Richard Kotas and Bernard Davis, Published by: International Text book Company Limited, Glassgow.
3. Principles of Food, Beverage, and labour Cost Control, Paul R. Dittmer, Published by: John Wiley & Sons INC
4. Food & Beverage Operation - Cost Control & Systems Management, Charles Levinson, Prentice Hall

HM-302: BAKERY & CONFECTIONARY

Course Content:

UNIT - 1 Historical Back ground of Baking and Introduction to Large, Small Baking Equipments and Tools - Structure of Wheat - Types of Flour, Composition of Flour, W A P of Flour - Milling of Wheat, Difference between Semolina, Whole wheat flour and Refined flour -Flour Testing

UNIT - 2 Basic Pastries - Short Crust - Puff and Flaky (laminated) - Choux - Suet, Bread Making Ingredients, Methods, Improvers, Process, Fault and remedies - Variety of Yeast Dough Products- Lean yeast Breads, Rich Yeast Breads, Quick Breads and Artisan Breads

UNIT - 3 Cake Making Ingredients, Methods, Improvers, Process, Fault and remedies - Variety of Cakes - Rich, Lean, High ratio, Low ratio cakes, Specialty cakes, Gateaux - Introduction to Chocolate, making of chocolate and Basic chocolate works.

UNIT - 4 Introduction to Icings and its varieties, Marzipan, Nougat and Pastillage- Sugar works and decorative works with sugar.

UNIT - 5 Cookies, Ingredients Mixing methods, Types and Process - Frozen desserts, Custards, Bavarois, Mousse, Soufflé and Puddings.

Reference:

1. Basic Baking - S.C. Dubey, Society of Indian Bakers, New Delhi.
2. Professional Baking - Wayne Gisslen, Wiley&Sons, New Delhi
3. Baking Fundamentals - The American Culinary Federation.

HM-303 Introduction to Marketing

Course Content:

Unit 01: Introduction to Marketing- Nature importance and core concept of Marketing, Different Orientation towards market place and Marketing Philosophies (Product Oriented, Market Oriented and Societal), Marketing management process

Unit 02: Marketing Analysis and Research- Service marketing - unique features & challenges, Applicability of Marketing principles with special reference to Travel and Hospitality industry, Marketing Information System and Market Research, Measuring / Fore casting Market Demand, Analysis of Consumer's Buying Behaviour, Concept of Market Segmentation and Market Targeting.

Unit 03: Designing Marketing Strategies - Marketing Mix: Design and Development, Competitive Differentiation and Product Positioning, New and Innovative Product Development Strategies, Concept of PLC and related Strategies

Unit 04: Planning and Controlling Marketing Programs- Product Strategies - Product Levels, Product Issues, Brand Decisions, Pricing Strategies - Pricing Product, Considerations and Approaches, Distribution Channel Strategies - Nature and Importance of Distribution Systems; Channel design decisions, Channel Management Decisions, Sales Promotion - Selecting, Developing, Implementing and Monitoring Sales Promotion Strategies

Reference Books:

1. Services marketing - Zeital Valerire - A and Mary Jo Baiter publisher Megraw Hill companies
2. Kotler Philip, Marketing Management: Analysis, planning, implementation and control, Prentice Hall of India, New Delhi
3. Kotler Philip and Armstrong, Gary, Principles of Marketing; Prentice Hall of India
4. Saxena, Rajan, Marketing Management; Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Staton, William et al. Fundamentals of Marketing; McGraw Hill International Edition
6. Wilson, Richard and Gilligan Colin, Strategic Marketing Management-Planning, Implementation and Control; Viva Books Pvt. Ltd. New Delhi
7. Marketing Management; V. S. Ramakumari MAC MILLAN India Ltd.

8. Hospitality Marketing, Wearne, Neil, Global Books & Subscription Services.
9. Marketing & Sales Strategies for Hotels and Travel Trade, Dr. Jagmohan Negi, S. Chand & Co.
10. Marketing for Hospitality & Tourism, Kotler Philip, Pearson Education Asia.

HM-304 Research Methodology

Course Content:

Unit 1: Introduction to Research- Research: Meaning, Types, Scope and Significance, Guiding Principles in Selection of Research Problem; Research Objectives and Approaches, Research Process and Criteria of Good Research; Research Method vis a vis Methodology, Research Design – Meaning, Need, Typologies and, Key Components .

Unit 2: Data Collection, Survey and Sampling- Data: Meaning, Nature, Types and Sources; Methods of Collecting Secondary Data, Surveys – Definition, Purpose and Scope; Survey Techniques and their Limitations, Questionnaires and Schedules – Definition and Differentiation; Types of Questionnaires; Salient Features of an Effective Questionnaire, Sampling and Sample Designs: Concept, Purpose and Types; Criteria for Selecting appropriate sampling Procedure.

Unit 03: Data Analysis – Tools and Techniques- Frequency Distribution: Meaning; Problems and Considerations in constructing numerical frequency distributions, Measures of Central Tendency and variation; Correction and Regression analysis, Probability and Probability Distributions: Probability: Meaning; Definition; Sample space and sample points, Conditional Probability; Bayes Theorem and probability on large samples space.

Unit 04: Hypothesis Testing- Hypothesis Testing; Basic concepts concerning Hypothesis Testing; Procedure and flow diagram for Hypothesis Testing; Test of Significance, Parametric and Non-Parametric Testing, F Test and Chi-Square Test.

Reference Books:

1. Panneerselvam, R., RESEARCH METHODOLOGY, *Prentice hall of India, New Delhi, 2004.*
2. Kothari CR, RESEARCH METHODOLOGY-METHODS AND TECHNIQUES, *New Wiley Eastern Ltd., Delhi, 2009.*

HM-401: Bar Management

Course Content:

Unit 1: Bar and Bar Operation: Introduction, definition, A brief history of bars and alcoholic beverages , Development of bars, Modern Bar design, layout and location, Ownership types – pubs and bars, Legal aspects affecting beverage businesses, Roles of the bartender, Job description .

Unit 2: Bar and Service Equipment -, Bar area – large equipment, Bar area – small equipment and utensils, Glassware, Food service equipment , Techniques of Mixology Garnish, Preparation Classic and Contemporary Cocktails

Unit 3: Serving Alcoholic and Non-Alcoholic Beverages - Beverage service procedures , Responsible service of alcohol ,Beverage service and the law ,The Principles and Practice of Bar and Beverage Management, Management responsibilities in beverage staff training , Preventing guest intoxication and identifying over-consumption , Alcoholic bar provisions- beer, whiskey, rum, gin, brandy, wines, types of wines, Non-alcoholic bar provisions- water, mineral water, aerated water, bitters, juices, syrups, and cordials

Unit 4: Customer care and Payment- Customer care- ,Creating first impressions , Handling Cash and Payments in Bars- Payment systems used in the bar , Procedures and controls for receiving payments in the bar, Cash counting, floats and cash drawers , Fraudulent and dishonest activities

Unit 5: Beverage Control Systems-Introduction, Managing costs and revenue to make profits, Policies for pricing, Stock control, Receiving, checking, storing and issuing controls, System of bar books, Cellar management, Control of possible losses in the bar, Controls for beverage production, Point-of-sale systems for stock and beverage control.

Reference Books:

1. Bar management and control: Dr. BK Chakravarti
2. Managing Bar Operations: Lendal Henry Kotschevar and Mary L. Tanke

HM-402 EVENT MANAGEMENT

Course Content:

Unit - 1 Introduction to Event Management -Categories and Definitions-Needs and Objectives of Event Management- Creativity and implications of Events- Organization Structure of Event Management -Functions of a Multifaceted Event Management

Unit - 2 Event Management Planning-Event Planning-Arranging Chief Guest/Celebrities-Arranging Sponsors-Blue Print of the Function area-Factors affected in Event Management.

Unit - 3 Different Management in Event-Back Stage Management and its Importance-Brand Management and its Characteristics-Budget management and its controlling Methods-Leadership management and its authority-Feed Back Management and its measuring tools

Unit - 4 Basic Qualities of Event management Person- Social and Business Etiquette-Speaking Skills and Team Spirit - Stage Decoration -Time Management – Selecting a Location.

Unit - 5 Various Event Activities- Concept Exhibition - Space Planning – ITPO - Sports Planning- Tourism events and Leisure Events

Reference Books:

1. Anton Shone, Successful Event Management, Cengage Learning Business Press, Edition 2, 2004.
2. Julia Tum, Management of Event Operations, Atlantic Publishing Company, Second Edition -2007

Handwritten signature and stamp:
 28/02/20
 ब्रह्म रंजन
 जयपुर
 28/02/20

Handwritten signature:
 Dr. B. K. Chakravarti

HM-403: FACILITY PLANNING

Course Content:

Unit - 1 Introduction: The role of facilities in the hospitality industry, cost associated with hospitality facilities, the cost of development and construction, cost of operation, cost of renovation and modernization, impact of facility design on facility management, components, layouts and materials, methods and types of construction, paints and varnishes.

Unit - 2 Managing Maintenance : systems, types of maintenance, maintenance management **Water And Waste Water Systems:** water usage in the lodging industry, water systems, water quality, water heating, swimming pool water systems, water conservation **Energy Management:** background, energy pricing, energy cost control and building systems, reducing guest room energy costs, reducing food and beverage production and service energy costs, reducing boiler and chilling energy costs, energy management and conservation systems.

Unit - 3 Electrical Systems: fuses and circuit breakers, distribution panels and wiring, electric Motors, controls and drive elements, electronic equipment, reading electrical utility meters, Checking the bill for electrical energy, ac and dc system of supply, power in ac single and three phase **Heating, Ventilation and Air Conditioning Systems:** guest room HVAC system, types, centralized systems, decentralized systems, guestroom HVAC maintenance, Refrigeration cycle, cooling systems operations and maintenance, factors influencing building comfort.

Unit - 4 Lighting Systems: basic definitions, light sources, natural lights, artificial light, lighting system design, design factors, lighting system maintenance, cleaning fixtures and lamps, replacing lamps, effects of maintenance on light outputs.

Unit - 5 Safety and Security Systems: safety and the hospitality industry, fire safety, fire Prevention, fire detection, fire notification, fire suppression, and fire control. **Basic Fuels:** types, calorific value, definition, comparison, cost calculation

Reference Books:

1. Hospitality Facilities management and Design, David M. Stipanuk, Harold Roffmann Publisher: Educational Institute, AHMA
2. How things work-The Universal Encyclopedia of Machines, Volume I & 2
3. The Management of Maintenance and Engineering Systems in the Hospitality Industry, Frank D. Borsenik & Alan T. Stutts, Publisher: John Wiley & Sons Inc. NY
4. Air Conditioning Engineering, W.P.Jones, Publisher: English Language Book Society / Edward Arnold
5. Building Construction, Sushil Kumar, Standard Publishers & Distributors, Delhi

HM-404: Project Work

Keeping in view the diverse nature of tourism & hospitality industry & its long- term implications on the economy, society, culture & environment, It is mandatory to do some project work so as to sharpen the research skills, develop a practical understanding of the Hospitality system, attain some field experience etc.

Students are required to prepare a project on a topic of their choice approved from Faculty from Institute/Head of Department (Front Office/ Food & Beverages/ Food Production/ Accommodation Operation) Computer Typed (Times New Roman) compiled & Hard bound copy (Two print Copies) and One soft copy in C.D.

The Project should include:-

- The First page should include Name of The Institute / University, Project undertaken, Roll Number & Name.
- Certificate by Candidate of genuine work.
- Acknowledgement.
- Certificate of approval.
- Introduction to the topic.
- Problem Definition
 - Need of study
 - Problem Definition
 - Research objective
 - List of Information
- Research Methodology
 - Research design
 - Source of data
 - Instrumentation of data collection
 - Sampling Design
- Analysis, Findings & Interpretation.
- Suggestions & Recommendations.
- Conclusion or Silent Findings
- Limitation
- Bibliography
- Annexure

Selecting A Topic:-

Selecting a topic is the first issue. About the only thing you will be sure of should be that do you want to write on a subject that directly relates to Hotels or is associated with tourism. A lot of thinking & creativity is required at planning stage.

adse
HOD
HOTEL & TOURISM
MUMBAI

adse

The purpose of project for you is to:

- Learn about various hospitality issues.
- Learn how to evaluate the potential.
- Improve organizing & managerial skills.

Sample themes of Research are:-

Various topics can be selected suggested themes are-

- Surveying of Guest Behavior
- Surveying of Environment Conservation
- Surveying of Negative impacts of System
- Segmentation of Guest staying in unit.
- Profiling of Tourists/ Guests
- Comparative analysis of Tariff Strategies.
- Linkages amongst various constituents of Hospitality industry
- HRD- Policies of Unit/ Chain
- Cost Control in Housekeeping/ Kitchen
- Safety & Security Issues- Case studies

The above mentioned are simply few suggested topics. The candidates are free to select a topic of their choice with due consultation with the faculty member who is mentoring the candidate in the Institute.

Evaluation of Project:

Project submitted by student shall be evaluated by one external evaluator and viva-voce shall be conducted. The total marks for the evaluation is 50 will be divided as 30 Marks (External Evaluation) and 20Marks (Viva-Voce). Vive-voce examination will be jointly conducted by one internal and one external examiner.

[Signature]
कुल सचिव
संसाधन विकास विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय

[Signature]

Programme Project Report (PPR)

Master of Law (LLM)

a) Programme mission and objectives-

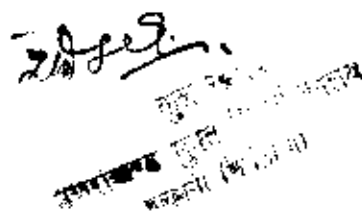
The mission and Objectives of LL.M programme is to increase proficient people with fully advanced theoretical and realistic knowledge of the Law as well as to offer excellent carrier to all, in all spheres of legal enterprises and in all circumstances. It is designed for Law graduates to gain an understanding of the legal and regulatory environment and processes in the country especially in the field of commercial Laws and regulations.

b) Relevance of the programme with HEI's mission and Goals-

The programme completely fulfils the HEIs missions and goal of increasing proficient people with fully advanced theoretical and realistic knowledge of the Law as well as to offer excellent carrier to all as it developed deepened information of law in a spread of contexts. Lawyers and students of Law who understand the legal procedure and regulatory environment wherein agencies perform, they should also recognize corporate governance, the ideas of Corporate finance, detail of Banking Laws, Legal Regulations of Economic Enterprises, Insurance Law, Import Export Regulations, Intellectual property Laws, the Knowledge of Constitutional Law and the Relation of Law with Social Transformation and to developed capability to deal with specific types of felony problems and laws. It imparts the knowledge to all Law graduates living and working at the very end corner of the Uttarakhand State.

c) Nature of prospective target groups of learners-

All the Law Graduates including Practicing Lawyers and other Legal experts who are interested for enhancing their knowledge base and qualification through higher studies. It covers all the learners of every class of society and every corner of Uttarakhand state where it is difficult to go for the higher studies because of geographical reasons or Economical barriers or due to absence of higher educational institution providing facilities for post graduate Degree in LL.M. Students need to write a scholarly paper around one hundred thirty pages in period which ought to have a well-evolved studies attention under the supervision of a guide. The LL.M. Degree is provided upon the successful completion of dissertation.



Handwritten signature and official stamp of the institution.

d) Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence-

An LLM is a extraordinary addition in ones portfolio and, it may help to dream activity, displaying employers that one have intellectual capability. Leading regulation corporations, government corporations, companies and public hobby businesses are looking for LLM graduates. An LLM is an addition to the legal practical training as it gives in-intensity understanding and develops analytical, critiquing and evaluative talents, so one can be beneficial in his preferred profession. Many college students do a Master of Laws if they want to in addition their education to reach the academic stage with a purpose to facilitate them studying a PhD. Jobs are also open to LL.M graduates as people with a few years of practice may be appointed as Attorney and Solicitor General, as Public Prosecutor and with criminal consultancy firms or in global agencies.

e) Instructional Design-

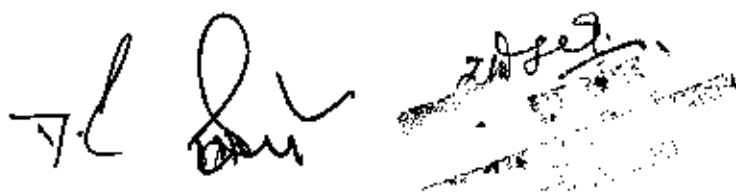
The program LL.M-17 offered by Uttarakhand Open University is a two year program with 10 papers of 6 credits each and a Dissertation of 12 credits, total 72 credits, having six papers in the first year namely:

First Year-

- LLM – 101 Law and Social Transformation in India
- LLM – 102 Indian Constitutional Law- The New Challenges
- LLM – 103 Intellectual Property Law
- LLM – 104 Corporate Finance
- LLM – 105 Banking Law
- LLM – 106 Legal Regulation of Economic Enterprises

Second Year-

- LLM – 107 Judicial Process
- LLM – 108 Insurance Law
- LLM – 109 Law of Export Import Regulation
- LLM – 110 Legal education and Research Methodology
- LLM – 111 Dissertation

The bottom of the page features two handwritten signatures in black ink. To the right of the signatures is a rectangular stamp, partially obscured by the ink. The stamp appears to contain text, possibly a date or a reference number, but it is not clearly legible.

The University has in-house printed material available both in English and Hindi which is timely dispatched to the Study Centers for the distribution to the students, beside the printed material Video Lectures facility is also available. Students have facility to clarify their doubts through E mails. Qualified Faculty is appointed to rectify the queries and doubts. Doubt clearing sessions are also organized for better understanding of syllabus.

f) Procedure for Admission, Curriculum transaction and evaluation-

Admission is available to all the law graduates Practicing Advocates and other Legal Experts having LL.B degree with 50% marks, 5% relaxation is given to the students of reserve category belonging to the State of Uttarakhand. Online admission and direct admission both facilities are available, Fee of the course is Rs 16050 for the first year and Rs 16900 for the second year. Exam are conducted in the month of December for the students enrolled in the winter session and in the month of June for the students enrolled in the summer session. Information regarding assignment, exams dates, Dissertation, Viva Voce are properly convey to the students through University Website, Distribution of printed material is ensured by the University through study centers. Evaluation of answer sheet is done by experts of the relevant area or field.

g) Requirement of the laboratory, support and library Resources-

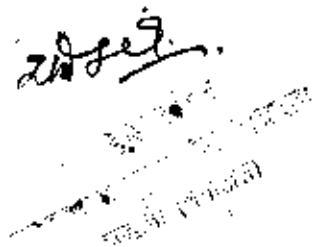
Laboratory is not required for the programme LL.M but Library facility with plenty of Books available in the University.

h) Cost estimate of the programme and the provisions-

Cost estimation of the course is INR 15 Lakh.

i) Quality assurance mechanism and expected programme outcomes-

The program LL.M, its syllabus is regularly monitored, views of the students are invited to enhanced and upgrade the program. Printed material is also reviewed by the Law department itself and upgraded by taking suggestion from the experts of the relevant field.



प्रदर्शन कला(संगीत) में स्नातकोत्तर /मास्टर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स(म्यूजिक)

एम0पी0ए0(संगीत) की पाठ्यक्रम परियोजना आख्या

1. उद्देश्य – दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य उस विशिष्ट वर्ग विशेषकर कमजोर वर्ग, जो दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहता है, व्यस्कों, गृहणियों तथा नौकरीपेशा लोगों तक शिक्षा(उच्च शिक्षा) पहुँचाना है जो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से शिक्षा(उच्च शिक्षा) से वंचित हैं या बीच में ही शिक्षा छोड़ चुके हैं। शिक्षा की यह पद्धति पेशेवर लोगों को उनके अपने ज्ञान को अद्यतन करने, नए व्यवसाय और विषयों का चुनाव करने में सक्षम बनाती है तथा साथ ही उनको आजीविका(Career) में उन्नति के लिए योग्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है। संगीत के इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं :-

- संगीत विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र का सघन ज्ञानार्जन द्वारा विशेषज्ञता हासिल करना।
- संगीत की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा कलाकार के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में विषय दक्षता एवं विषय के ज्ञान के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

2. प्रासंगिकता/उपयोगिता – आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। संगीत विषय एक पारंपरिक विषय के रूप में विकसित हुआ है और जिसका ज्ञान गुरु-शिष्य परंपरा के अन्तर्गत दिया जाता रहा। इस कारण संगीत विषय सर्वसुलभ नहीं हो पाया और इससे कई संगीत जिज्ञासु इस ज्ञान से वंचित हो जाते थे। संस्थागत शिक्षण प्रणाली के आने से संगीत विषय की उपलब्धता में थोड़ा बदलाव आया किन्तु उम्र, देश, काल एवं विभिन्न कारणों से संस्थागत शिक्षण प्रणाली भी उतनी लोकप्रिय नहीं हो पाई। ऐसे में संगीत सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों को दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के घटकों सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से सीखने का एक नवीन माध्यम प्राप्त हुआ है जो उनकी सुविधानुरूप भी है एवं अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा सर्वसुलभ भी।

3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति – संगीत का यह पाठ्यक्रम उन शिक्षार्थियों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो संगीत के क्षेत्र में शिक्षक, शोधकर्ता, कलाकार के रूप में तथा अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तु सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से संगीत की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में ही संगीत शिक्षा छोड़ चुके हैं। संगीत सीखने के इच्छुक शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से संबंधित स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान, परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं, सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों(जैसे कम्प्यूटर,

अज्ञात
हस्ताक्षर
Dwijesh
T. L.

इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार के माध्यम से बिना किसी बन्धन के कहीं भी कभी भी ज्ञान अर्जित कर सकता है।

4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य – मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा संगीत विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है और संबंधित क्षेत्र में अधिक दक्ष बनाया जा सकता है। इसका प्रमुख कारण है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम में ज्ञान प्राप्ति के विभिन्न माध्यम जैसे स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान आदि शिक्षार्थी को केन्द्र में रखकर तैयार किए जाते हैं एवं सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरण (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि), संचार माध्यमों आदि शिक्षार्थी के अनुसार कार्य करते हैं।

5. निर्देशात्मक रूपरेखा – उक्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत संगीत की तीन विधाएं (गायन, स्वरवाद्य एवं तबला) सम्मिलित की गई हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 2 से 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 60 श्रेयांक (30 प्रति वर्ष) का होगा। पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष में कुल 4 कोर्स (पेपर) होंगे जिनमें से 2 सैद्धान्तिक और 2 प्रयोगात्मक कोर्स होंगे।

संगीत(गायन) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र एम0ए0एम0 - 101	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	गायन- रागों और तालों का अध्ययन I एम0ए0एम0वी0 - 102	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0वी0 - 103	08	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0वी0 - 104	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(गायन) द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र एम0ए0एम0 - 201	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	गायन-रागों और तालों का अध्ययन II एम0ए0एम0वी0 - 202	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0वी0 - 203	10	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0वी0 - 204	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"

संगीत(स्वरवाद्य) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र एम0ए0एम0 - 101	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	स्वरवाद्य- रागों और तालों का अध्ययन I एम0ए0एम0आई0 - 102	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0आई0 - 103	08	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0आई0 - 104	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(स्वरवाद्य) द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र एम0ए0एम0 - 201	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	स्वरवाद्य-रागों और तालों का अध्ययन II एम0ए0एम0आई0 - 202	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0आई0 - 203	10	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0आई0 - 204	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(तबला) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र एम0ए0एम0 - 101	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	तालों का अध्ययन I एम0ए0एम0टी0 - 102	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0टी0 - 103	08	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0टी0 - 104	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(तबला) द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र एम0ए0एम0टी0 - 201	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	तालों का अध्ययन II एम0ए0एम0टी0 - 202	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0टी0 - 203	10	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0टी0 - 204	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"

Dr. Singh

उक्त पाठ्यक्रम के संचालन हेतु न्यूनतम 3 शिक्षक एवं 2 शिक्षणेत्तर कर्मचारी (संगतकर्ता) की आवश्यकता होगी।

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

क. प्रवेश योग्यता - अ) बी०ए० (संगीत (गायन/स्वर वाद्य/तबला) एक विषय अनिवार्य) में 45% एवं संगीत विषय में 55%।

ब) बी०एस०सी०/बी०कॉम०/बी०ए०(संगीत विषय के बिना) के साथ विशारद/संगीत प्रभाकर/संगीत विद आदि(55% के साथ)।

पाठ्यक्रम अवधि	-	2 वर्ष से 6 वर्ष
पाठ्यक्रम माध्यम	-	हिन्दी
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	60(30 प्रति वर्ष)
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	पाठ्यक्रम शुल्क	परीक्षा शुल्क		कुल
		सैद्धान्तिक परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	
I वर्ष	5000	300	1000	6300
II वर्ष	5000	300	1000	6300
कुल	10000	600	2000	12600

ख. वितरण - संगीत संबंधित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर संगीत विषय के शिक्षक, संगीत के वाद्य यंत्र तथा अन्य संगीत विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। संगीत के शास्त्र पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्ष्मता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हो। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येक वर्ष कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन - शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की तीन प्रणालियों सत्रीय कार्य, सैद्धान्तिक परीक्षा एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा।

7. प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय सहायता - संगीत विषय केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर संगीत विषय के शिक्षक, संगीत के वाद्य यंत्र तथा अन्य संगीत विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को संगीत विषय के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ

प्रयोगात्मक पक्ष का भी ज्ञान दिया जाएगा। इसके साथ ही साथ शिक्षार्थियों के लिए पुस्तकालय की भी व्यवस्था होगी जहाँ वह संगीत के विभिन्न पक्षों का स्वाध्याय के माध्यम से भी ज्ञान प्राप्त किया जा सके।

8. पाठ्यक्रम की अनुमानित लागत –

अ) इकाई लेखन	-	रु0 350000/-
ब) इकाई संपादन	-	रु0 175000/-
स) इकाई टंकण	-	रु0 28000/-
द) कुल	-	रु0 553000/-

9. गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम – संगीत विषय के इस पाठ्यक्रम के भविष्यगामी परिणाम निम्नलिखित होंगे :-

- शिक्षार्थी संगीत विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- शिक्षार्थी संगीत विषय के अन्तर्गत विद्यालयों एवं संस्थाओं में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- शिक्षार्थी कलाकार के रूप में भी अपने को स्थापित कर सकेंगे।
- शिक्षार्थी संगीत को स्वरोजगार(संगीत विद्यालय) के रूप में अपनाकर आर्थिक रूप से सक्षम हो सकेंगे।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में विषय दक्षता एवं विषय के ज्ञान के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

स्व-अध्ययन पाठ्य सामग्री के परिवर्द्धन-संवर्धन हेतु समय-समय पर विषय वस्तु की समीक्षा की जाएगी तथा विषय को अधुनातन रूप में परखा जाएगा। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का निरन्तर प्रसार-प्रचार किया जाएगा।

आचार्य
प्रो. निरमल
Dwijesh

प्रदर्शन कला(संगीत) में स्नातकोत्तर /मास्टर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स(म्यूजिक)

एम0पी0ए0(संगीत) की पाठ्यक्रम परियोजना आख्या

1. उद्देश्य – दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का मुख्य उद्देश्य उस विशिष्ट वर्ग विशेषकर कमजोर वर्ग, जो दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहता है, व्यस्कों, गृहणियों तथा नौकरीपेशा लोगों तक शिक्षा(उच्च शिक्षा) पहुँचाना है जो सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से शिक्षा(उच्च शिक्षा) से वंचित हैं या बीच में ही शिक्षा छोड़ चुके हैं। शिक्षा की यह पद्धति पेशेवर लोगों को उनके अपने ज्ञान को अद्यतन करने, नए व्यवसाय और विषयों का चुनाव करने में सक्षम बनाती है तथा साथ ही उनको आजीविका(Career) में उन्नति के लिए योग्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है। संगीत के इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं :-

- संगीत विषय की विविध विधाओं तथा शास्त्र का सघन ज्ञानार्जन द्वारा विशेषज्ञता हासिल करना।
- संगीत की उच्च शिक्षा में बेहतर सम्भावनाओं की तलाश और उसके आधार पर शिक्षक, शोधकर्ता तथा कलाकार के रूप में उपयोगी भूमिका का निर्वाह।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में विषय दक्षता एवं विषय के ज्ञान के आधार पर सफलता का सूत्रपात।

2. प्रासंगिकता/उपयोगिता – आज के समय में शिक्षार्थी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है चाहे उसका माध्यम कुछ भी हो। इस परिदृश्य में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी साबित हो रही है। दूरस्थ शिक्षण प्रणाली की प्रमुख विशेषता यह है कि यह समयबद्ध व स्थानबद्ध नहीं है। संगीत विषय एक पारंपरिक विषय के रूप में विकसित हुआ है और जिसका ज्ञान गुरु-शिष्य परंपरा के अन्तर्गत दिया जाता रहा। इस कारण संगीत विषय सर्वसुलभ नहीं हो पाया और इससे कई संगीत जिज्ञासु इस ज्ञान से वंचित हो जाते थे। संस्थागत शिक्षण प्रणाली के आने से संगीत विषय की उपलब्धता में थोड़ा बदलाव आया किन्तु उम्र, देश, काल एवं विभिन्न कारणों से संस्थागत शिक्षण प्रणाली भी उतनी लोकप्रिय नहीं हो पाई। ऐसे में संगीत सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों को दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षण प्रणाली के घटकों सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार माध्यमों से सीखने का एक नवीन माध्यम प्राप्त हुआ है जो उनकी सुविधानुरूप भी है एवं अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा सर्वसुलभ भी।

3. शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति – संगीत का यह पाठ्यक्रम उन शिक्षार्थियों को केन्द्र में रखकर विकसित किया गया है जो संगीत के क्षेत्र में शिक्षक, शोधकर्ता, कलाकार के रूप में तथा अन्य संबंधित क्षेत्र में अपने को स्थापित करना चाहते हैं किन्तु सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं अन्य कारणों से संगीत की उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में ही संगीत शिक्षा छोड़ चुके हैं। संगीत सीखने के इच्छुक शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम से संबंधित स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान, परामर्श सत्रों, कार्यशालाओं, सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों(जैसे कम्प्यूटर,

अज्ञात
हस्ताक्षर
Dwijesh
T. L.

इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि) एवं संचार के माध्यम से बिना किसी बन्धन के कहीं भी कभी भी ज्ञान अर्जित कर सकता है।

4. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित पाठ्यक्रम का औचित्य – मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से इस पाठ्यक्रम को संचालित कर शिक्षार्थी को अन्य शिक्षण प्रणाली की अपेक्षा संगीत विषय की बारीकियों से सरलता से अवगत कराया जा सकता है और संबंधित क्षेत्र में अधिक दक्ष बनाया जा सकता है। इसका प्रमुख कारण है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम में ज्ञान प्राप्ति के विभिन्न माध्यम जैसे स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री, दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान आदि शिक्षार्थी को केन्द्र में रखकर तैयार किए जाते हैं एवं सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरण (जैसे कम्प्यूटर, इंटरनेट, यू-ट्यूब, मोबाईल, स्काईप, वेबसाइट आदि), संचार माध्यमों आदि शिक्षार्थी के अनुसार कार्य करते हैं।

5. निर्देशात्मक रूपरेखा – उक्त पाठ्यक्रम के अन्तर्गत संगीत की तीन विधाएं (गायन, स्वरवाद्य एवं तबला) सम्मिलित की गई हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 2 से 6 वर्ष तक की होगी। पाठ्यक्रम कुल 60 श्रेयांक (30 प्रति वर्ष) का होगा। पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष में कुल 4 कोर्स (पेपर) होंगे जिनमें से 2 सैद्धान्तिक और 2 प्रयोगात्मक कोर्स होंगे।

संगीत(गायन) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र एम0ए0एम0 - 101	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	गायन- रागी और तालों का अध्ययन I एम0ए0एम0वी0 - 102	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0वी0 - 103	08	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0वी0 - 104	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(गायन) द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र एम0ए0एम0 - 201	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	गायन-रागी और तालों का अध्ययन II एम0ए0एम0वी0 - 202	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0वी0 - 203	10	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0वी0 - 204	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"

संगीत(स्वरवाद्य) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र एम0ए0एम0 - 101	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	स्वरवाद्य- रागों और तालों का अध्ययन I एम0ए0एम0आई0 - 102	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0आई0 - 103	08	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0आई0 - 104	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(स्वरवाद्य) द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र एम0ए0एम0 - 201	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	स्वरवाद्य-रागों और तालों का अध्ययन II एम0ए0एम0आई0 - 202	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0आई0 - 203	10	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0आई0 - 204	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(तबला) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम						
क्रम.	प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड	श्रेयांक	अंक	समयावधि		पाठ्यक्रम वितरण माध्यम
				न्यूनतम	अधिकतम	
1.	संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र एम0ए0एम0 - 101	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	स्वअध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो व्याख्यान, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री
2.	तालों का अध्ययन I एम0ए0एम0टी0 - 102	04	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0टी0 - 103	08	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0टी0 - 104	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"
संगीत(तबला) द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम						
1.	संगीत शास्त्र एम0ए0एम0टी0 - 201	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
2.	तालों का अध्ययन II एम0ए0एम0टी0 - 202	03	100	02 वर्ष	06 वर्ष	"
3.	प्रयोगात्मक - 1 एम0ए0एम0टी0 - 203	10	200	02 वर्ष	06 वर्ष	"
4.	प्रयोगात्मक - 2 एम0ए0एम0टी0 - 204	14	350	02 वर्ष	06 वर्ष	"

Dr. Singh

उक्त पाठ्यक्रम के संचालन हेतु न्यूनतम 3 शिक्षक एवं 2 शिक्षणेत्तर कर्मचारी (संगतकर्ता) की आवश्यकता होगी।

6. प्रवेश, वितरण एवं मूल्यांकन विधि -

क. प्रवेश योग्यता - अ) बी०ए० (संगीत (गायन/स्वर वाद्य/तबला) एक विषय अनिवार्य) में 45% एवं संगीत विषय में 55%।

ब) बी०एस०सी०/बी०कॉम०/बी०ए०(संगीत विषय के बिना) के साथ विशारद/संगीत प्रभाकर/संगीत विद आदि(55% के साथ)।

पाठ्यक्रम अवधि	-	2 वर्ष से 6 वर्ष
पाठ्यक्रम माध्यम	-	हिन्दी
पाठ्यक्रम श्रेयांक	-	60(30 प्रति वर्ष)
शुल्क संरचना	-	

वर्ष	पाठ्यक्रम शुल्क	परीक्षा शुल्क		कुल
		सैद्धान्तिक परीक्षा	प्रयोगात्मक परीक्षा	
I वर्ष	5000	300	1000	6300
II वर्ष	5000	300	1000	6300
कुल	10000	600	2000	12600

ख. वितरण - संगीत संबंधित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर संगीत विषय के शिक्षक, संगीत के वाद्य यंत्र तथा अन्य संगीत विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। संगीत के शास्त्र पक्ष हेतु शिक्षार्थियों को स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री मुद्रित रूप में दी जाएगी। दृश्य एवं श्रव्य व्याख्यान भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिनकी सहायता से शिक्षार्थी विषय को सूक्ष्मता एवं गहनता से समझ सकने में सक्षम हो। इसके साथ-साथ शिक्षार्थियों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न उपकरणों एवं माध्यमों से भी विषय को समझाने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षार्थियों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाएगा एवं प्रत्येक वर्ष कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

ग. मूल्यांकन - शिक्षार्थियों के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन की तीन प्रणालियों सत्रीय कार्य, सैद्धान्तिक परीक्षा एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से भी मूल्यांकन का कार्य किया जाएगा।

7. प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय सहायता - संगीत विषय केवल उन्हीं अध्ययन केन्द्रों में संचालित किया जाएगा जहाँ पर संगीत विषय के शिक्षक, संगीत के वाद्य यंत्र तथा अन्य संगीत विषय संबंधित सामग्री उपलब्ध हो। अध्ययन केन्द्रों में परामर्श सत्रों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को संगीत विषय के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ

आशास्त्र
दण्डनानामवि
Dwight
1/2/2022

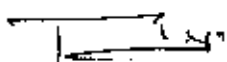
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

MSCBOT (M.Sc. BOTANY)

DEPARTMENT OF BOTANY

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

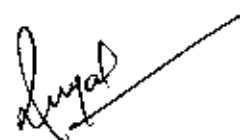
HALDWANI (NAINITAL)



DIRECTOR (I/C)

PROF. P.D. PANT

SCHOOL OF SCIENCES



COURSE COORDINATOR

DR. POOJA JUYAL

DEPARTMENT OF BOTANY

Programme Project Report (PPR)
MSCBOT (M.Sc. Botany)
Department of Botany
Uttarakhand Open University

The content of the Programme Project Report are as:-

Name of Programme: M.Sc. Botany

(a) **Programme mission and objectives:** Uttarakhand state comprises of geographically constrained areas. A large number of learners cannot avail higher education due to the aforesaid geographical constraints. The learners can avail higher education through ODL (Open and Distance Learning) mode. The mission of the programme is to provide higher education to the learners in a way which is easily accessible. The programme on Botany is a programme that focuses on the plants. Through a series of academic courses, laboratory exercises and project/dissertation activities, students will be able to learn about the plants. Focus on the patterns and processes that enable anticipating understanding of plants and their environments at local, regional, and global scales, leading to strengths in the areas of ecology, evolution, and systematics.

Our vision is to conduct innovative research, teaching and outreach on the patterns and processes of life with a focus on plants and their environments.

(b) **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the mission of higher education particularly Open and Distance Learning Institutions is to provide greater opportunities of access to Higher Education with equity to all the eligible persons and in particular to the vulnerable sections. Another mission of the Higher education Institutions is to initiate policies and programmes for strengthening research and innovations, and encourage institutions - public or private to engage in stretching the frontiers of knowledge.

(c) **Nature of prospective target group of learners:** Those learners who wish to opt career in Botany for Government organizations, Teachers, in Laboratories etc will be the target group of

learners. Also those learners who left their study due to some reasons. In addition to this, faculties are required to teach Botany at Under Graduate and Post Graduate level in conventional Universities and professional/ technical Universities or Colleges.

(d) Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: The access to knowledge on the subject is not accessible easily to those aspirants who reside in far remote areas and those who belong to weaker and marginal sections of the society. Therefore, initiating such programme in Open and Distance Learning (ODL) mode will help aspirants particularly residing in far-flung areas and those who belong to weaker sections, to acquire skill and knowledge on the subject area.

(e) Instructional design:

i) **Curriculum design:** Before designing the programmes and courses in Botany, attempts were made to draw upon the literature produced by other academic and professional institutions in India and abroad. Due attention has been paid in balancing the theoretical knowledge with laboratory study, field survey/ studies, and Project work. The programme curriculum are given below:

Programme Curriculum:

Name of the Programme : Master of Science Botany (M.Sc. Botany)

Programme Code: MSCBOT-16/17

Programme Mode: Annual

Eligibility: Graduation in concern subject

Duration Min: 2 Years; **Max:** 6 Years

Self Learning Material (SLM): English

Programme Fee: Fee per year:- 12750/

Total fee M.Sc. Programme = 25650 /

Total Credit: 64

Programme Structure (M.Sc. Botany)

First Year

Paper-1-Biology and Diversity of Viruses, Bacteria and Fungi

BLOCK – I: VIRUSES

Unit –I : General Characters and Classification of Viruses

Unit –2 : Chemistry and Ultrastructure of Viruses



- Unit -3 : Isolation and Purification of Viruses
- Unit -4 : Replication and Transmission of Viruses
- Unit -5 : General Account of Plant, Animal and Human Viral Disease

BLOCK - II: BACTERIA

- Unit -6 : General Account and Classification of Eubacteria, Archaeobacteria and Cyanobacteria
- Unit -7 : Ultra Structure, Nutrition and Reproduction of Bacteria
- Unit -8 : Economic Importance of Bacteria
- Unit -9 : Mycoplasma

BLOCK - III : FUNGI - I

- Unit -10 : General Characters and Classification of Fungi
- Unit -11 : Ultra Structure of Cell and Cell Wall Composition
- Unit -12 : Nutrition in Fungi
- Unit -13 : Reproduction in Fungi
- Unit -14 : Hetrothallism, Hetrokaryosis and Parasexuality

BLOCK - IV: FUNGI - II

- Unit -15 : Mastigomycotina and Zygomycotina
- Unit -16 : Ascomycotina, Basidiomycotina and Deuteromycotina
- Unit -17 : Fungi in Industry
- Unit -18 : Fungi in Agriculture and Forestry
- Unit -19 : Fungi as Human and Animal Parasites (Medical Mycology)
- Unit -20 : Fungi as Food

Laboratory Practical

Paper-1-Biology and Diversity of Viruses, Bacteria and Fungi

BLOCK-I: VIRUSES

- Unit-1-Methods of Sterilisation
- Unit-2-Preparation of Media
- Unit-3- Culturing Methods
- Unit-4-Staining Techniques
- Unit-5- Symptoms of Some Viral and Mycoplasmal Diseases

BLOCK-II: BACTERIA

- Unit-6-Models of Bacteriophage and HIV
- Unit-7- Transmission of Virus Diseases
- Unit-8- Isolation and Enumeration of Bacteria from Soil and Water
- Unit-9-Observation of Symptoms of Plant Diseases Caused by Bacterial Pathogens

BLOCK-III: FUNGI-I

- Unit-10- Isolation of Fungi from Soil, Water, Litter and Air
- Unit-11- Identification of Fungal Cultures slides and Specimens-I
- Unit-12- Identification of Fungal Cultures slides and Specimens-II
- Unit-13- Identification of Fungal Cultures slides and Specimens-III
- Unit-14- Mycorrhizal Colonization in Roots of *Parthenium* and *Tagetes*

BLOCK-IV: FUNGI-II

- Unit-15- Morphology of Plant Pathogens
- Unit-16- Study of Symptoms of Fungal Diseases.
- Unit-17- Morphology of Button, Oyster, Paddy Straw Mushrooms and *Amanita*
- Unit-18- Identification of Ectomycorrhizal Fungi
- Unit-19- Identification of Arbuscular Mycorrhizal Fungi
- Unit-20- Genetics of Fungi (*Neurospora* *Ascus*)

Paper-2-Biology and Diversity of Algae, Bryophyta and Pteridophyta

BLOCK – I : ALGAE – I

- Unit –1 : General Characters and Classification
- Unit –2 : Thallus Organisation in Algae
- Unit –3 : Reproduction and Life Cycles of Algae
- Unit –4 : Life Histories of Some Genera of Chlorophyta – I
- Unit –5 : Life Histories of Some Genera of Chlorophyta – II

BLOCK – II : ALGAE – II

- Unit –6 : General Characters of Cyanophyta
- Unit –7 : General Characters of Some Genera of Xanthophyta And Bascillariophyta
- Unit –8 : General Characters and Life Histories of Some Members of Phaeophyta
- Unit –9 : General Characters and Life Histories of Rhodophyta
- Unit –10 : Economic Importance of Algae

BLOCK – III: BRYOPHYTA

- Unit –11 : General Characters, Classification, Distribution and Economic Importance of Bryophytes
- Unit –12 : Marchantiales (*Marchantia*) and Fungermanniales (*Pellia*)
- Unit –13 : Anthoceratales (*Anthoceros*) and Sphagnales (*Sphagnum*)
- Unit –14 : The Evolution of Gametophyte
- Unit –15 : Evolution of Sporophyte

BLOCK – IV: PTERIDOPHYTA

- Unit –16 : General Characters and Classification of Pteridophytes
- Unit –17 : Structure and Life Histories of *Psilotum*, *Lycopodium*, *Selaginella* and

Equisetum

Unit-18 : Telome Theory and Stellar Evolution

Unit-19 : Heterospory and Seed Habit

Unit-20 : Fossil Pteridophytes (Rhynia, Psilophyton and Calamites)

Practical

Paper-2-Biology and Diversity of Algae, Bryophyta and Pteridophyta

BLOCK-I: ALGAE-I

Unit-1- *Nostoc*, *Lyngbya*, *Spirulina* and *Tolypothrix*

Unit-2- *Chlamydomonas*, *Volvox*, *Chlorella* and *Ulva*

Unit-3- *Enteromorpha*, *Oedogonium*, *Cosmarium* and *Caulerpa*

Unit-4- *Ectocarpus*, *Dictyota* and *Sargassum*

Unit-5- *Gelidium*, *Gracilaria*, *Cyclotella* and *Navicula*

BLOCK-II: ALGAE-II

Unit-6- Collection and Identification of Algae in and Around Local Area

Unit-7- Observation of Algal Blooms and Bioindicators of Water Quality

Unit-8- Preparation of Culture Media for Micro Algae

Unit-9- Preparation of Herbarium for Macro Algae

BLOCK-III: BRYOPHYTA

Unit-10- *Marchantia* and *Targionia*

Unit-11- *Plagiochasma* and *Fimbriaria*

Unit-12- *Pellia* and *Porella*

Unit-13- *Anthoceros* and *Notothylas*

Unit-14- *Funaria* and *Polytrichum*

BLOCK-IV: PTERIDOPHYTA

Unit-15- *Lycopodium* and *Selaginella*

Unit-16- *Psilotum* and *Isoetes*

Unit-17- *Osmunda* and *Gleichenia*

Unit-18- *Ophioglossum* and *Adiantum*

Unit-19- *Marsilea*

Unit-20- *Salvinia* and *Azolla*

Paper-3-Gymnosperms, Taxonomy of Angiosperms and Anatomy

BLOCK - I : GYMNOSEPERMS

Unit-1 : Distribution, General Characteristics, Classification and Economic Importance of Gymnosperms

Unit-2 : Morphology and Anatomy of Cycadales, Ginkgoales, Coniferales,

Taxales and Gnetales

Unit -3 : Reproductive Structure of Cycadales, Ginkgoales, Conferales,

Taxales and Gnetales

Unit -4 : Development of Male and Female Gametophytes

Unit -5 : Fossil Gymnosperms

BLOCK - II : TAXONOMY OF ANGIOSPERMS - I

Unit -6 : Origin and Phylogeny of Angiosperms

Unit -7 : International Code of Botanical Nomenclature

Unit -8 : Systems of Classification

Unit -9 : Recent Trends in Plant Taxonomy

Unit -10 : Biosystematics

BLOCK - III: TAXONOMY OF ANGIOSPERMS - II

Unit -11 : General Account of Ranales, Centrospermales and Amentiferae

Unit -12 : General Account of Tubiflorae, Helobiales and Poales

Unit -13 : Flora and Vegetation of Andhra Pradesh

Unit -14 : Herbarium Methodology and Herbaria

Unit -15 : Biodiversity and Conservation

BLOCK - IV: ANATOMY

Unit -16 : Apical Meristems of Root and Shoot

Unit -17 : Tissues & Tissue Systems

Unit -18 : Primary Structure of Root Stem and Leaf

Unit -19 : Secondary Growth

Unit -20 : Wood Anatomy

Practical

Paper-3-Gymnosperms, Taxonomy and Anatomy of Angiosperms

BLOCK-I: GYMNOSPERMS-I

Unit-1- *Zamia* and *Ginkgo*

Unit-2- *Thuja* and *Pinus*

Unit-3- *Araucaria* and *Taxus*

Unit-4- *Ephedra* and *Gnetum*

BLOCK-II: GYMNOSPERMS-II

Unit-5- *Lyginopteris*

Unit-6- *Medullosa*

Unit-7- *Ptilophyllum* and *Glossopteris*

Unit-8- *Pentoxylon*

BLOCK-III: TAXONOMY OF ANGIOSPERMS

Unit-9- Study of the locally available plants and recording of the intraspecific variation

- Unit-10-Description and Identification at Family, Genus and Species Levels using Floras-I
 Unit-11- Description and Identification at Family, Genus and Species Levels using Floras-II
 Unit-12-Identification of Key Characters in a Group of Species of a Genus
 Unit-13-Construction of Indented and Bracketed keys for the Given Material
 Unit-14-Nomenclatural Problems
 Unit-15-Herbarium Techniques

BLOCK-IV: ANATOMY OF ANGIOSPERMS

- Unit-16-Study of Meristematic and Permanent Tissues and Tissue Systems
 Unit-17-Secondary Growth in Roots and Stems
 Unit-18-Leaf Anatomy
 Unit-19- Anomalous Secondary Growth
 Unit-20-Wood Structure

Paper-4-Biochemistry and Plant Physiology

BLOCK – I : BIOCHEMISTRY – I

- Unit –1 : Principles of Thermodynamics
 Unit –2 : Enzymes
 Unit –3 : Carbohydrates
 Unit –4 : Lipids

BLOCK – II : BIOCHEMISTRY – II

- Unit –5 : Amino Acids
 Unit –6 : Proteins
 Unit –7 : Nucleic Acids
 Unit –8 : Structure and Function of Membranes

BLOCK – III : PLANT PHYSIOLOGY – I

- Unit –9 : Plant Water Relations
 Unit –10 : Mineral Nutrition
 Unit –11 : Photosynthesis – I
 Unit –12 : Photosynthesis – II

BLOCK – IV : PLANT PHYSIOLOGY – II

- Unit –13 : Respiration – I
 Unit –14 : Respiration – II
 Unit –15 : Nitrogen and Sulphur Metabolism
 Unit –16 : Plant Growth Regulators

BLOCK – V : PLANT PHYSIOLOGY – III

- Unit –17 : Mechanism of Hormonal Regulation of Plant Growth
 And Development
 Unit –18 : Physiology of Flowering and Vernalisation

- Unit -19 : Seed Dormancy and Germination
Unit -20 : Stress Physiology

Practical

Paper-4-Biochemistry and Plant Physiology

BLOCK-I: BIOCHEMISTRY-I

- Unit-1- Estimation of Fructose by Resorcinol Method
Unit-2- Estimation of Amino acids by Ninhydrin Method
Unit-3- Estimation of Protein by Biuret Method
Unit-4- Separation and Identification of Amino acids by using TLC Method

BLOCK-II: BIOCHEMISTRY-II

- Unit-5- Determination of Amylase Activity
Unit-6- Determination of Catalase Activity
Unit-7- Estimation of Reducing sugars
Unit-8- Determination of Iodine number of Edible Oils

BLOCK-III: PLANT PHYSIOLOGY-I

- Unit-9-Determination of Water Potential using Gravimetric Method
Unit-10-Effect of Temperature on Membrane Permeability
Unit-11-Determination of Total and Titrable Acidity
Unit-12-Determination of Stomatal Frequency and Index
Unit-13-Stomatal Response to Promoters and Inhibitors
Unit-14- Separation of Chloroplast pigments by Solvent Extraction Method

BLOCK-IV: PLANT PHYSIOLOGY-II

- Unit-15-Determination of Absorption Spectra of Chlorophylls
Unit-16-Estimation of Chlorophyll a, Chlorophyll b and Total Chlorophyll in Leaves of C_3 and C_4 plants
Unit-17-Determination of Rate of Respiration of Germinating Seeds by Continuous Current Method
Unit-18-Estimation of Nitrogen by Micro-Kjeldahl's Method
Unit-19-Estimation of Indole Acetic Acid (IAA)
Unit-20-Determination of Seed Viability

M.Sc. Second Year

Paper-1-Cell Biology, Genetics, Biostatistics and Ecology (BOT-551)

BLOCK – I : CELL BIOLOGY

- Unit –1 : Principles and Application of Light, Phase Contrast, Fluorescence and Electron Microscopy
Unit –2 : Ultra Structure and Function of Plant Cell and Organelles
Unit –3 : Chromosome
Unit –4 : Special Types of Chromosome
Unit –5 : Cell Cycle and Apoptosis

BLOCK – II: GENETICS

- Unit –6 : DNA
Unit –7 : Genetic Code
Unit –8 : Brief Overview of Mendelian Inheritance
Unit –9 : Chromosomal Aberrations
Unit –10 : Mutations

BLOCK – III: BIOSTATISTICS

- Unit –11 : Mean Variance
Unit –12 : Application of Computers in Biology

BLOCK – IV: PLANT ECOLOGY – I

- Unit –13 : Principles, Concepts and Levels of Ecology
Unit –14 : Community Characteristics
Unit –15 : Biodiversity
Unit –16 : Ecosystem

BLOCK – V: PLANT ECOLOGY – II

- Unit –17 : Global Biogeochemical Cycles of C, N₂ and S
Unit –18 : Climate, Soil, Vegetation Pattern of India
Unit –19 : Climate Change and Green House Gases
Unit –20 : Environmental Pollution

Practical**Paper: 1- Cell Biology, Genetics, Biostatistics and Ecology****BLOCK-I: CELL BIOLOGY**

- Unit-1- Observation of Cell and Cell Organelles
Unit-2- Squash Preparation of Onion Root tips to study Mitosis
Unit-3- Smear preparation of Maize or Onion Flower Buds to Study Meiosis
Unit-4-Karyotype Analysis

BLOCK-II: GENETICS

- Unit-5-Problems on Monohybrid Cross
Unit-6-Problems on Dihybrid Cross
Unit-7-Problems on Trihybrid Cross

Unit-8-Genetics Mapping in Eukaryotes

BLOCK-III: BIOSTATISTICS

Unit-9-Designing of Experiments and Random Sampling

Unit-10-Problems on Means and Variation

Unit-11- Problems on F-Ratio and Critical Differences (CD)

Unit-12- Problems on Chi-Square

Unit-13- Problems on ANOVA

BLOCK-IV: ECOLOGY

Unit-14-Determine the Minimum Size Quadrats by Species Area Curve

Unit-15-Determination of Quantitative Characters by Random Quadrats Methods

Unit-16-Evaluation of Life Form Classes of Local Flora

Unit-17-Morphology and Anatomy of Common Hydrophytes and Xerophytes

Unit-18-Interpretation of Environmental Data and Climatogram and Plotting Techniques

Unit-19-Mechanical Analysis of Soil, Soil pH, Soil Moisture and Water Holding Capacity

Unit-20-Estimation of Chlorides, Carbonates, Bicarbonates and Dissolved Oxygen in Clean and Polluted Water, BOD, COD

Paper-2-Medicinal Plants and Embryology of Angiosperms (BOT-552)

BLOCK – I: MEDICINAL PLANTS – I

Unit –1 : Role of Plants in Medicine, Origin and Development and Different Systems of Medicine

Unit –2 : General Account of Phytochemistry of Medicinal Plants

Unit –3 : Morphology, Active Principles and Medicinal Value – I

Unit –4 : Morphology, Active Principles and Medicinal Value – II

BLOCK – II: MEDICINAL PLANTS – II

Unit –5 : Cultivation of Medicinal Plants

Unit –6 : Pharmacognosy and Adulteration of Plant Drugs

Unit –7 : Ethnobotany – History, Scope and Importance

Unit –8 : Conservation of Medicinal Plants

BLOCK – III: EMBRYOLOGY OF ANGIOSPERMS – I

Unit –9 : Structure of Anther and Development of Male Gametophyte

Unit –10 : Structure of Ovule and Development of Female Gametophyte

Unit –11 : Fertilization

Unit –12 : Sexual Incompatibility

BLOCK – IV: EMBRYOLOGY OF ANGIOSPERMS – II

Unit –13 : Development of Endosperm

Unit –14 : Development of Embryo

- Unit-15 : Apomixis
Unit-16 : Polyembryony

BLOCK – V: EMBRYOLOGY OF ANGIOSPERMS – III

- Unit-17 : Parthenocarpy
Unit-18 : Experimental Embryology
Unit-19 : Applications of Embryology in Taxonomy Agriculture and Horticulture
Unit-20 : Principles and Applications of Palynology

Practical

Paper: 2- Medicinal Plants and Embryology of Angiosperms

BLOCK-I-: MEDICINAL PLANTS-I

- Unit-1- Analysis of Morphological attributes in selected medicinal plants
Unit-2- Identification of Crude Drugs using Anatomical Characters
Unit-3- Identification of Crude Drugs using Physical properties
Unit-4- Qualitative Analysis of Crude Drugs for Different Phytochemicals

BLOCK-II-: MEDICINAL PLANTS-II

- Unit-5-Antimicrobial Studies and Determination of MIC (Minimum Inhibitory Concentration)
Unit-6- Anatomical Studies of Medicinal Plants
Unit-7- Histochemical Analysis of Medicinal Plants
Unit-8- Collection of Ethnobotanical information of Local Medicinal plants

BLOCK-III-: EMBRYOLOGY-I

- Unit-9-Study of Ovules and Ovaries and their identification
Unit-10-Pollen Grain Analysis by Acetolysis
Unit-11-Pollen Germination Studies
Unit-12-Estimation of Pollen Fertility

BLOCK-IV-: EMBRYOLOGY-II

- Unit-13-Study of Endosperm Haustoria
Unit-14-Study of Embryos
Unit-15-Study of Protandry and Protogyny
Unit-16-Study of Heterostyly

BLOCK-V-: EMBRYOLOGY-III

- Unit-17- Fundamentals of Microtome technique
Unit-18- Preparation of permanent slides
Unit-19-Anther Culture

Unit-20-Callus Culture

Paper-3-Applied Mycology and Plant Pathology (BOT-553)

BLOCK – I : DIVERSITY, TAXONOMY AND UTILIZATION OF FUNGI

- Unit –1 : General Account and Diversity of Fungi
- Unit –2 : Fungal Taxonomy
- Unit –3 : Mycorrhizae
- Unit –4 : Edible Mushrooms: Medicinal and Nutritional Value
- Unit –5 : Mushroom Cultivation
- Unit –6 : Fungi as Biopesticides

BLOCK – II : FUNGAL BIOTECHNOLOGY

- Unit –7 : Scope and Techniques of Fungal Biotechnology
- Unit –8 : Fungal Enzymes and Metabolites
- Unit –9 : Industrial production of Penicillin, Citric Acid and Alcohol
- Unit –10 : Fungi in Relation to Pollution
- Unit –11 : Fungi in Biodegradation

BLOCK – III : PRINCIPLES OF PLANT PATHOLOGY

- Unit –12 : History and Concepts of Plant Pathology
- Unit –13 : Classification and Symptomatology of Fungal, Bacterial, Viral, Phytoplasmal And Nematode Diseases
- Unit –14 : Host – Pathogen Interaction – I
- Unit –15 : Host – Pathogen Interaction – II
- Unit –16 : Control of Plant Diseases

BLOCK – IV : DISEASES CAUSED BY BACTERIAL, VIRUSES PHYTOPLASMA AND SPIROPLASMAS

- Unit –17 : Plant Diseases Caused by Bacteria, Viruses, Phytoplasma and Spiro plasmas
- Unit –18 : Plant diseases of Cereals, Pulses and Oil Seeds
- Unit –19 : Plants Diseases of Fruits and Vegetables
- Unit –20 : Plant diseases of Cash Crops and Plantation crops

Practical

Paper-3-Applied Mycology and Plant Pathology (BOT-553)

BLOCK – I: APPLIED MYCOLOGY – I

- Unit –1 : Sterilization Methods, Preparation of Media and Stains
- Unit –2 : Isolation Techniques
- Unit –3 : Single Spore Isolation, Pure Culture and Conservation of Fungal Germplasm
- Unit –4 : Fermentation Methods
- Unit –5 : Isolation of *Trichoderma Viride* and *Tharzianum* and their Evolution as Biocontrol Agents

BLOCK – II: APPLIED MYCOLOGY – II

- Unit –6 : Collection and identification of Ectomycorrhizae
- Unit –7 : VAM Fungal Root Colonization, Evaluation and Quantification in *Parthenium* and *Castor*.
- Unit –8 : Isolation of Keratinophilic fungi
- Unit –9 : Observation of Hyperparasites and Common Entomogenous Fungi
- Unit –10 : Testing of Some Isolates of *Penicillium* species against Pathogenic Bacteria.

BLOCK – III: PLANT PATHOLOGY

- Unit –11 : Observation of Plant Disease Symptoms Caused by Bacteria, Viruses and Fungi
- Unit –12 : Observation of Fungal Pathogens and their Identification
- Unit –13 : Isolation of Plant Pathogens and Pure Culture Preparation
- Unit –14 : Establishing Koch's Postulates for Evaluation of Pathogenicity
- Unit –15 : Evaluation of Disease Index and Crop Loss
- Unit –16 : Evaluation of culture filtrates for cellulose, pectinase and Protease and amylase
- Unit –17 : Estimation of Protein and Amino Acids
- Unit –18 : Spawn Preparation of Edible Mushrooms (Oyster), Bed Preparation and Mushroom Production
- Unit –19 : Evaluation of Fungicidal Efficacy
- Unit –20 : Collection of Materials with Diseases

Paper-4- Plant Molecular Biology and Biotechnology (BOT-554)

BLOCK – I : MOLECULAR BIOLOGY – I

- Unit –1 : Genome
- Unit –2 : Genome Organization in Higher Plants
- Unit –3 : Chloroplast and Mitochondrial Genomes
- Unit –4 : Structure and Organization of Eukaryotic Genes
- Unit –5 : Gene Expressions in Eukaryotes
- Unit –6 : Regulation of Gene Expression in Eukaryotes

BLOCK – II : MOLECULAR BIOLOGY – II

- Unit –7 : Restriction Endonucleases
- Unit –8 : Modifying Enzymes Used in Molecular Cloning
- Unit –9 : Cloning Vectors
- Unit –10 : Genomic and DNA Libraries
- Unit –11 : Polymerase Chain Reaction
- Unit –12 : Molecular Markers

BLOCK – III : BIOTECHNOLOGY – I

- Unit –13 : Introduction to Plant Tissue Culture and in vitro Morphogenesis
- Unit –14 : Anther, Pollen and Ovule Culture
- Unit –15 : Cryopreservation of Plant Cells and Tissues and Germplasm storage
- Unit –16 : Protoplast Culture and Somatic Hybridization

BLOCK – IV: BIOTECHNOLOGY – II

- Unit -17 : Transgenic Plants
- Unit -18 : Plant Genomics and Proteomics
- Unit -19 : Plants Metabolomics
- Unit -20 : Intellectual Property Rights and Bio-safety

Practical

Paper: 4- Plant Molecular Biology and Biotechnology

BLOCK-I:- MOLECULAR BIOLOGY-I

- Unit-1-Isolation of Plasmid DNA from Bacteria and Agarose Gel Electrophoresis of DNA
- Unit-2- Production of Component Cells and Bacterial Transformation
- Unit-3- Isolation of Plant Genomic DNA
- Unit-4- Restriction Endonuclease digestion of Plasmid and Genomic DNA
- Unit-5-Isolation of Plant RNA

BLOCK-II:- MOLECULAR BIOLOGY-II

- Unit-6- Quantification of DNA, RNA and Reassociation Kinetics of DNA
- Unit-7-Polymerase Chain Reaction
- Unit-8- Southern, Northern and western blotting
- Unit-9-RAPD Analysis
- Unit-10-Gene Cloning

BLOCK-III:- BIOTECHNOLOGY-I

- Unit-11- Preparation of Media, surface sterilization and inoculation of explants
- Unit-12-Initiation of Callus and Suspension Cultures
- Unit-13-Plant Regeneration from Callus Cultures
- Unit-14-Micropropagation of Plants
- Unit-15-Protoplast Isolation and Culture

BLOCK-IV:- BIOTECHNOLOGY-II

- Unit-16-Genetic Transformation of plants using *Agrobacterium tumefaciens*
- Unit-17- Induction of Hairy Root Cultures using *Agrobacterium rhizogenes*
- Unit-18- Direct Gene Transformation of Plants using Biolistic Gun
- Unit-19-Sequence Alignment
- Unit-20- Exploring Genbank Database and Blast Search

1) Proceedure for admission, curriculum transaction and evaluation

Admission: Twice in a year

Eligibility: Bachelor of Science with Botany as one of the subject at UG level.

Fee structure: Rs. 12750/- per annum

Evaluation norms: A learner will be evaluated through continuous evaluation (Assignments) and term end evaluation (Term end examination) at the end of semester. Continuous evaluation will carry 20% weightage whereas term end evaluation will carry 80% weightage

g) Requirement of the laboratory support and Library Resources: In order to carry out laboratory exercises, laboratory is compulsory requirement of the programme and in order to meet this requirement, the laboratory facilities of study centres will be utilized. Sho/he will be provided laboratory manual as per the need of the programme. Similarly for library, a learner may utilize the resources available at the designated study centre.

i) Cost estimates for development of the programme

Activities	Units / Pages	Amount (Rs.)
A. Masters Level Programmes (First Year And Second Year)		
1. Unit Writing (@ Rs. 6000/ unit)	346 Units	2076000.00
2. Typing (@ Rs.20/ per page)	8650 Pages (Per unit approx. 25 pages)	173000.00
3. Editing (@ Rs.3000/ unit)	346 units	1038000
3. Postal Expenses (Approx.)	-	5000.00
	Total	3292000.00

i) Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled, in general, and in corporate sector, in particular.

The programme will be implemented through only those Government Degree Colleges/ Universities / Institutions which have facilities for conducting laboratory counseling. In addition to this University will organize Laboratory workshop in designated places once (year/semester) for additional back up to the students so that competent and skilled human resource is produced. Further, the Programme and SLM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

Programme outcomes:

- Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers

Programme Project Report (PPR) M.Sc. Chemistry
Programme
Department of Chemistry
School of Sciences
Uttarakhand Open University

The content of the programme project report are as:-

- a) **Programme Mission & Objectives:** Uttarakhand state comprises of geographically constrained areas. A large number of learners cannot avail higher education due to the aforesaid geographical constraints. The learners can avail higher education through ODL (Open and Distance Learning) mode. The mission of the programme is to provide higher education to the learners in a way which is easily accessible. The mission of the Chemistry program parallels the mission of the University in its vision and purpose. The programme is committed to academic excellence and intends to provide a comprehensive study material, audio video lectures and a workshop based learning to the learners who choose Chemistry as a subject for perusing higher education. The department support active teaching and learning opportunities that prepare students for productive careers within a broad range of scientific and Chemistry-related professions.
- b) **Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals:** In Uttarakhand large number of students are interested in Science subject i.e. Chemistry as it opens up job opportunities in the various field such as academics, research and the courses available in higher education open up a wide spectrum of job opportunities in different types of industries such as chemical and Pharmaceutical and also laboratory related jobs. Thus the Graduate and Post graduate chemistry programme are useful for the students.
- c) **Nature of Prospective Target group of Learners:** The target groups of learners are all Science graduate and undergraduates, the teachers, those who want to enhance their education and also the people those who are already working in corporate section who couldn't complete their studies.


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (नैनीताल)

- d) **Appropriateness of the Programme to be conducted in ODL mode to acquire still competence:**

The learners those who fulfill all the requirements of the programme shall be highly trained and skilled through the year counseling and special Practical and theoretical workshop and counseling session making them at par with the learners studying in a traditional University based education system.

- e) **Instructional Design:** The curriculum designed for Chemistry programmes are as per the scientific requirements. In curriculum there is a provision of two days regular weakened counseling session and a Practical session. The study is also available in different electronic mediums (Internet mobile E-portal, YouTube etc), The instructional design of Chemistry programme includes technologies those are user friendly. The department needs one associate professor and two assistant professor. The details of the programme curriculum are given below:

Programme Curriculum:

Name of the Programme : Master of Science Chemistry (M.Sc. Chemistry)

Programme Code: MSCCH-16/17

Programme Mode: Annual

Eligibility: Graduation in concern subject

Duration Min: 2 Years; **Max:** 6 Years

Self Learning Material (SLM): English

Programme Fee: Fee per year:- 12750

Total fee M.Sc. Programme = 25650 /

Total Credit: 64

SYLLABUS M.Sc. CHEMISTRY PROGRAMME

Course Code	Course name	Credits
Year I		
CHE-501	Inorganic Chemistry	6
CHE-502	Organic Chemistry	6



CHE-503	Physical Chemistry	6
CHE-504	Spectroscopy/Computers/Biology & Mathematics	6
CHE-505	Laboratory-I	8
Year I		
CHE-551	Reaction Mechanisms, Pericyclic Reaction, Photochemistry and Stereochemistry	6
CHE-552	Synthetic Organic Chemistry	6
CHE-553	Natural Products, Heterocycles and Spectroscopy	6
CHE-554	Drugs and Pharmaceuticals	6
CHE-555	Laboratory-II	8

M.Sc. (1st Year) Theory, Inorganic Chemistry Course – I

BLOCK I: SYMMETRY OF MOLECULES

Unit 1: Symmetry Operations and Symmetry Elements

Unit 2: Mathematical Rules of Groups – Abelian and Non-Abelian

Unit 3: Molecular Point Groups

Unit 4: Group Multiplication Tables

Unit 5: Symmetry and Properties of Molecules – Molecular Polarity, Chirality and Optical Activity

BLOCK II: THEORIES OF BONDING AND ELECTRONIC SPECTRA OF METAL

COMPLEXES

Unit 6: Crystal Field Theory – Splitting of Metal d-Orbitals in Different Geometries

Unit 7: Ligand Field Parameters

Unit 8: Molecular Orbital Theory

Unit 9: Free Ion Terms and Energy Levels

Unit 10: Orgel Diagrams

BLOCK III: REACTION MECHANISMS OF TRANSITION METAL COMPLEXES

 कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वी (विश्वनाथ)

Unit 11 : Labile and Inert Complexes

Unit 12 : Substitution Reaction Mechanisms of Octahedral complexes

Unit 13 : Substitution Reaction Mechanisms of Square Planar complexes

Unit 14 : Electron Transfer Reaction Mechanisms

Unit 15 : Reaction Mechanisms of Organometallic Compounds

BLOCK IV :

Unit 16 : Stability constants of Metal Complexes and Factors Influencing Stability

Unit 17 : Methods of Determination of Stability Constants

Unit 18 : Ligational aspects of Diatomic Molecules

Unit 19 : Metal Clusters

Unit 20 : Coordination Chemistry of Metal Ions in Biomolecules

M.Sc.(Ist Year) Theory, Organic Chemistry COURSE – II volume – I

Block – 1 : stereochemistry of organic compounds

Unit – 1 : Molecular representation and classification of stereoisomers

Unit – 2 : Molecular symmetry and chirality enantiomers and diastereoisomers

Unit – 3 : Molecules with one and more than one chiral centers

Unit – 4 : Absolute configurational nomenclature determination of configuration and resolution of racemates

Unit – 5: Axial, planar and helical chirality and ii- or e, z- diastereoisomerism

Block – 2: Organic reaction mechanism

Unit – 6 : Basic concepts, electronic effects, electronegativity resonance, acid and basic character of organic

Unit – 7: Reaction pathways

Unit – 8 : Electrophilic addition to carbon-carbon double bonds

Unit – 9 : Aliphatic nucleophilic substitution

Unit – 10 : Neighbouring group participation, ambident nucleophiles, aromatic nucleophilic substitution and aliphatic electrophilic substitution

M.Sc. (Ist year) theory, Organic Chemistry Volume – II



Block-3: Aromaticity, benzenoid non-benzenoid aromatic compounds and heterocyclic compounds

Unit-11 : Concept of aromaticity

Unit -12: Nonbenzenoid aromatic compounds synthesis and reactions of 3,5,7-membered carbocyclic systems:

Unit -13: Azulenes and polycyclic aromatic compounds

Unit -14: Heterocyclic compounds

Unit -15: Fused hetero bicyclic and tricyclic systems: carbazole, quinoline isoquinoline and acridine

Block-4: Natural products

Unit -16: Natural products terpenes and terpenoids

Unit -17: Alkaloids

Unit -18: Carbohydrates monosaccharides

Unit -19: Carbohydrates disaccharides

Unit -20: Carbohydrates polysaccharides

M.Sc. (1st Year) Theory, Physical Chemistry COURSE – III

Block – I QUANTUM CHEMISTRY

Unit: 1 Basic quantum chemistry

Unit: 2 Wave Mechanics of some simple systems with Constant potential energy

Unit 3 Hydrogen – like atoms

Unit 4 Approximation Methods and Interaction of Radiation And Matter

Unit: 5 Theories of Chemical Bonding – Diatomic Molecules

BLOCK – II THERMODYNAMICS

Unit: 6 Concept of Thermodynamic Law – First law of Thermodynamics

Unit : 7 The Second law of thermodynamics

Unit: 8 Spontaneity and Equilibrium

Unit : 9 Ideal and Non-ideal solutions and activity coefficients

Unit: 10 Nernst Heat Theorem and Third law of Thermodynamics

BLOCK – III ELECTRO CHEMISTRY

Unit: 11 Electrochemical Cells First law of thermodynamics

Unit: 12 Polarization

Unit: 13 Electro Analytical Techniques

Unit: 14 Activity

Unit: 15 Corrosion

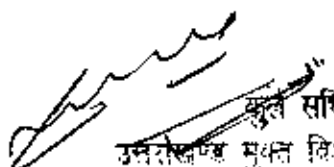
BLOCK IV CHEMICAL KINETICS AND PHOTO CHEMISTRY

Unit: 1 Theories of Reaction rates

Unit: 17 Kinetics of Complex Reactions

Unit: 18 Reactions in Solutions

Unit: 19 Photochemistry


कुल सचिव
उमेशचन्द्र मुक्ति विश्वविद्यालय
मुक्ति, रायपुर

Unit:20 Photochemical Reaction Mechanisms

M.Sc.(Ist Year) Theory, Chemistry (General) Mathematics-Biology course – IV

Block – 1 : Mathematics for Biology Students

Unit – 1 : Co-ordinate System

Unit – 2 : Differential Calculus

Unit – 3 : Matrices

Unit – 4 : Integral Calculus

Unit – 5 : Differential Equations

Block – 2 : Biology

Unit – 6 : Cell Structure and Functions

Unit – 7 : Carbohydrates

Unit – 8 : Fatty Acids

Unit – 9 : Amino Acids, Peptides and Proteins

Unit – 10 : Nucleic Acids

Block – 3 : Spectroscopy – I

Unit – 11 : Rotational Spectra

Unit – 12 : Vibrational Spectroscopy – 1

Unit – 13 : Vibrational Spectroscopy – 2

Unit – 14 : Vibrational Spectroscopy – 3

Unit – 15 : Roman Spectroscopy

Unit – 16 : Electron Spectroscopy

Block – 3 Spectroscopy – II

Unit – 17 : H NMR Spectroscopy – 1

Unit – 18 : H NMR Spectroscopy – 2

Unit – 19 : NMR of Paramagnetic Compounds

Unit – 20 : Mass Spectrometry – 1

Unit – 21 : Mass Spectrometry – 2

Block – 4 Computers

Unit – 22 : Introduction to Compounds

Unit – 23 : Basic Language

Unit – 24 : C Language

Unit – 25 : Chemistry Applications using Basic Programme

Unit – 26 : Chemistry Application using C Language

Course V – INORGANIC CHEMISTRY M.Sc. (Previous) Practical

CONTENTS

Block-1: Inorganic Salt Mixture Semi-Micro Qualitative Analysis

Experiment -1 : Introduction to Semi Micro Analysis

Experiment -2 : Classification of Cations Into Groups for Qualitative Analysis



Experiment -3 : Reactions of Cations

Experiment -4 : General Group Separation and Analysis of Individual Groups

Experiment -5 : Model Semi - Micro Analysis of Cations (A Known Salt Mixture-I)

Experiment -6 : Model Semi - Micro Analysis of Cations (A Known Salt Mixture-II)

Record analysis of unknown Salt Mixture

Block-2 : Preparation, Calibration and Volumetric Estimations

Experiment -7:1. Preparation of Complexes Tetrammine Copper (II) Sulphate. Hydrate

2. Preparation of hexamine nickel (II) chloride $[\text{Ni}(\text{NH}_3)_6] \text{Cl}_2$

3. Preparation of Chloropentammine Cobalt (III) chloride

4. Preparation of (Tris) Diaminoethane Nickel (II) Sulphate $[\text{Ni}(\text{en})_3]$

SO_4

5. Preparation of Sodium (tris) Oxalato ferrate (III) $\text{Na}_3 [\text{Fe}(\text{C}_2\text{O}_4)_3]$

Experiment -8: Calibration of Analytical Apparatus

Experiment -9: 1. Estimation of Ca^{2+} by Substitution Titration Using EDTA

2. Estimation of Ni^{2+} by back Titration Using EDTA

3. Estimation of Mn^{2+} and Mg^{2+} by back Titration Using EDTA

Experiment 10:1 Estimation of Cu in $[\text{Fe}(\text{C}_2\text{O}_4)_3]$

2 Estimation of Fe in $\text{Na}_3 [\text{Fe}(\text{C}_2\text{O}_4)_3]$

3 Determination of ion exchange Capacity of a Resin.

Block-3: Estimation Involving Volumetry and Gravimetry

Experiment -11: Estimation of Cu^{2+} and Ni^{2+} Present in a sample Solution

Experiment -12: Estimation of Ag^+ and Ca^{2+} in a Sample Solution

M.Sc.(Previous) Practical, Course - VI

Block-1 : Accidents in Laboratory - First Aid

Experiment -1 : Safety in Chemical Laboratory

Block-2 : Methods and Manipulation

Experiment - 2 : Laboratory Equipment & Technique

Block-3 : Systematic Qualitative analysis of Carbon compounds

Experiment -3 : Systematic Qualitative analysis of a model organic compounds

Experiment -4 : Systematic Qualitative analysis of a model organic compounds

Experiment -5 : Identification of organic compounds by systematic qualitative analysis

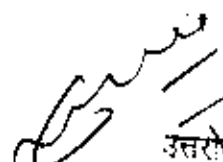
Block-4 : Preparation of Organic compounds

Experiment -6 : Preparation of 1,2,3,4,6- Penta-O-acetyl - β -D glucopyranose

Experiment -6.2:Preparation of 2,4,6 - Tribromo Aniline

Experiment -6.3: Preparation of 1,3,5 - Tribromo Benzene

Experiment -6.4: Preparation of 1,3 - Dinitro Benzene


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (उत्तराखण्ड)

Experiment -7: Preparation of m-Nitro Aniline
Experiment -7.2: Preparation of 2,4-Dihydroxy Acetophenone
Experiment -7.3: Preparation of 4-Methyl - 7 - hydroxyl coumarin
Experiment -8: Preparation of Benzoyl glycine
Experiment -8.2: Preparation of 1,2,3,4 - Tetrahydro carbazole
Experiment -8.3 : Preparation of 9,10 - Dihydro anthracene -9, 10- α,β Succinic anhydride

Block-5 : Quantitative Organic analysis

Experiment-9 : Estimation of Phenol
Experiment-10 : Estimation of Primary Aromatic Amine
Experiment-11 : Estimation of Methyl Ketone
Experiment-12 : Estimation of reducing sugars

Block-6 :Chromatography – Separation technique

Experiment -13 : Chromatography
Experiment -13.2 : Paper Chromatography
Experiment -13.3 : Gas-Liquid Chromatography
Experiment -14 : Separation of a solid mixture by column chromatography

Course VII – PHYSICAL CHEMISTRY

M.Sc. (Previous) Practicals

Block-1 : Physical Properties & Distribution Study

Experiment – 1: Determination of density and viscosity of liquids
Experiment – 2: Distribution of I_2 between CCl_4 and aqueous KI solution And calculation of formation constant of KI_3
Experiment – 3: Adsorption of acetic acid on activated charcoal and Verification of Freundlich adsorption isotherm

Block-2: Kinetic Study

Experiment – 4: Kinetics of acids catalyzed hydrolysis of methyl acetate
Experiment – 5: kinetics of Persulphate – Iodide reaction

Block-3: Conductivity study

Experiment – 6: 1. Titration of strong acid with strong base
2. Titration of weak acid with strong base
3. Titration of mixture of acids with strong base
Experiment – 7: 1. Determination of cell constant
2. Determination of solubility product
3. Determination of dissociation constant of acetic acid

Block-4: Potentiometry

Experiment – 8 : 1. Titration of strong acid with strong base
2. Titration of weak acid with strong base
Experiment – 9 : 1. Redox titration of Fe^{2+} with $KMnO_4$



2. Single electrode Potential of Cu/Cu^{2+}

Block-5: PH Metry

Experiment – 10: 1. Measurement of PH of the given solution

2. Preparation of buffers

3. Determination of PK_a of weak acid

Block-6: Colorimetry

Experiment – 11: Verification of Lambert-Beer's Law

Block-7: Polarimetry

Experiment – 12: 1. Determination of specific rotation of Sucrose

2. Study of kinetics of acid catalysed hydrolysis of Sucrose

Course VIII – Spectroscopy & Computers

M.Sc. (Previous) Practicals

Block-1 : Absorption Spectroscopy

Experiment – 1: Infrared Spectroscopy

Experiment – 2: Analysis of the I.R. Spectra Problems

Experiment – 3: Proton Magnetic Resonance Spectroscopy

Experiment – 4: Analysis of ^1H NMR spectrum problem

Experiment – 5: ultraviolet – visible spectroscopy

Experiment – 6: Mass Spectroscopy

Experiment – 7: Analysis of Mass Spectra Problems

Experiment – 8: Structural determination of organic compounds using the Combined spectral data

Block-2: Compound Application in chemistry practicals

Experiment – 9: Basic Language Practicals

Experiment – 10: C Language Practicals

Syllabus M.Sc. Final Chemistry

M.Sc. (2nd) Theory Specialization (Organic Chemistry)

Paper I: Reaction Mechanisms, Pericyclic Reaction, Photochemistry and Stereochemistry

Block I: ORGANIC REACTION MECHANISMS – II

Unit – 1: Reaction intermediates – I

Unit – 2: Reaction intermediates – II

Unit – 3: Molecular rearrangements – I

Unit – 4: Molecular rearrangements – II

Unit – 5: Elimination reactions

Block II : PERICYCLIC REACTIONS


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सुल्तानो (दिल्ली)

Unit – 6: Classification and stereochemistry of pericyclic reactions

Unit – 7: Molecular orbitals and their symmetry properties

Unit – 8: Analysis of electrocyclic reactions

Unit – 9: Analysis of cycloaddition reactions

Unit – 10: Analysis of sigmatropic reactions

BLOCK III : ORGANIC PHOTOCHEMISTRY

Unit – 11: Electronic transitions

Unit – 12: Photochemistry of carbonyl compounds

Unit – 13: Photochemistry of alkenes and dienes

Unit – 14: Photochemistry of benzene derivatives

Unit – 15: Photochemistry of peroxides, nitrites, hypohalites, azo compounds and Diazo compounds

BLOCK IV : STEREOCHEMISTRY – II

Unit -16: Conformations of some acyclic molecules

Unit-17: Conformations of disubstituted cyclohexanes, cyclohexenes and Monosubstituted cyclohexanes

Unit-18: Conformation of disubstituted cyclohexanes, cyclohexanes and Cyclohexanones

Unit – 19: Conformations of a few other monocyclic and bicyclic systems

Unit – 20: Conformation and reactivity

M.Sc. (Final) Theory, Course –II

Paper II: Synthetic Organic Chemistry

BLOCK I: ORGANIC SYNTHESIS-I

Unit –1: A brief review of functionalisation and functional group transformation reactions And oxidation of alkanes and alkenes

Unit – 2: Oxidation of alcohols

Unit – 3: Reduction by catalytic hydrogenations

Unit – 4: Reduction by hydride transfer agents

Unit – 5 : Reductions by dissolving metals.

BLOCK II :ORGANIC SYNTHESIS – II

Unit – 6: Formation of carbon-carbon single bond

Unit – 7: Formation of carbon-carbon double bond

Unit – 8: Synthetic applications of organoboranes

Unit – 9: Synthetic applications of organosilanes

Unit – 10: Protecting groups in organic synthesis

BLOCK III : SYNTHETIC STRATEGIES

Unit – 11 : Introduction, target selection and terminology

Unit – 12 : Disconnection approach with examples

Unit – 13 : Strategic bond in carbocyclic and heterocyclic systems



Unit – 14 : Applications of some important strategies in organic synthesis

Unit – 15 : Some selected synthesis

BLOCK IV : ASYMETRIC SYNTHESIS

Unit – 16 : Topicity, configurational descriptors and stereoselectivity

Unit – 17 : Principles of asymmetric synthesis and analysis of stereoisomer mixture

Unit – 18 : Substrate controlled methods

Unit – 19 : Auxilliary controlled methods

Unit – 20 : Reagent controlled and catalyst controlled synthesis

M.Sc.(2nd), Theory, Course III

Paper III: Natural Products, Heterocycles and Spectroscopy

BLOCK I : NATURAL PRODUCTS – II

Unit – 1: Alkaloids

Unit – 3: Prostaglandins

Unit – 4: Vitamins

Unit – 5: Rotenoids and porphyrins

BLOCK II : ENZYMES AND BIOGENESIS

Unit – 6: Enzymes and their reactivity

Unit – 7: Biochemical path ways – I

Unit – 8: Metabolism of fatty acids and proteins

Unit – 9: Biosynthetic methods, general methods and feeding experiments

Unit – 10: Biosynthesis aromatic hydro carbons by acetate/malonate and Shikimic acid pathway

BLOCK III : HETEROCYCLIC COMPOUNDS

Unit – 11 : Membered heterocycles containing two hetero atoms

Unit – 12 : Membered heterocycles containing more than two hetero atoms

Unit – 13 : Membered heterocycles containing two hetero atoms

Unit – 14 : Synthesis of pyrimidine, purine and xanthine bases

Unit – 15 : And 4-membered heterocyclic compounds

BLOCK IV : SPECTROSCOPY – III

Unit – 16 : ¹³C NMR spectroscopy – I

Unit – 17 : ¹³C NMR spectroscopy – ii

Unit – 18 : ¹⁹F, ³¹P NMR spectroscopy

Unit – 19 : Multipulse sequences in NMR spectroscopy

Unit – 20 : Optical rotatory dispersion studies (ORD)

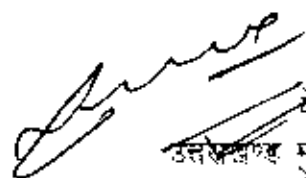
M.Sc.(2nd), Theory, Course – IV

Paper IV: Drugs and Pharmaceuticals

BLOCK I : DRUG DISCOVERY, DESIGN AND DEVELOPMENT

Unit – 1 : Drug discovery, design and development

Unit – 2 : Concepts of receptors, agonists and antagonists


कुल साधव
उत्तम विश्वविद्यालय
वाराणसी (उत्तरप्रदेश)

Unit – 3 : Drug development of Salbutamol, cimetidine and captopril

Unit – 4 : Structure activity relationship studies – I

Unit – 5 : SAR studies – II Development of oxaminiquine & SAR studies of Sulphonamides and benzepines.

BLOCK 2 : DRUGS ACTING ON DIFFERENT TARGETS – I

Unit – 6 : Combinatorial synthesis

Unit – 7 : Quantitative structure activity relationships – (QSAR)

Unit – 8 : Pharmacokinetics, prodrugs and clinical trials

Unit – 9 : Drugs acting on metabolic process

Unit – 10 : Drugs acting on cell walls and cell membranes

BLOCK 3 : DRUGS ACTING ON DIFFERENT TARGETS – II

Unit – 11 : Drugs acting on the nervous system

Unit – 12 : enzyme inhibitors

Unit – 13 : Drugs effecting cholinergic nervous system

Unit – 14 : Drugs acting on histamine receptors and ion channels

Unit – 15 : Drugs acting on genetic material

BLOCK 4 : MANUFACTURE AND ANALYSIS OF DRUGS

Unit – 16 : Introduction to chiral drugs

Unit – 17 : Synthesis of chiral drugs

Unit – 18 : Drugs and drug intermediate from fermentation

Unit – 19 : Drug analysis

Unit – 20 : Quality control methods in drug manufacturing and formulations

BLOCK 1 : DRUG DISCOVERY, DESIGN AND DEVELOPMENT

This block deals with drug discovery, design and development; it is divided into five units:

Unit – 1 : Drug discovery, design and development

Unit – 2 : Concepts of receptors, agonists and antagonists

Unit – 3 : Drug development of Salbutamol, cimetidine and captopril

Unit – 4 : Structure activity relationship studies – I

Unit – 5 : SAR studies – II Development of oxainiquine & SAR studies of sulphonamides benzodiazepines

M.Sc.(Final) Practicals, Course – VI

Block 1 : Separation and qualitative Analysis general methods of binary organic mixture.

Experiment 1: Systematic procedure for the separation of diethyl ether Insoluble organic mixtures

Experiment 2: Systematic procedure for separation of organic mixture Based on salt formation – I



Experiment 3: Systematic procedure for separation of organic mixture Based on salt formation – II

Experiment 4 : Systematic procedure for separation of organic mixture Based on salt formation – III

Experiment 5: Systematic procedure FOR Qualitative analysis of organic compounds

Block 2 : Separation and identification of unknown binary organic mixture

Experiment 6 : Identification of unknown binary organic mixture – I

Experiment 7 : Identification of unknown binary organic mixture – II

Experiment 8 : Identification of unknown binary organic mixture – III

Experiment 9 : Identification of unknown binary organic mixture – IV

Experiment 10: Identification of unknown binary organic mixture – V

Experiment 11: Identification of unknown binary organic mixture –VI

Experiment 12: Identification of unknown binary organic mixture –VII

Experiment 13: Identification of unknown binary organic mixture –VIII

Experiment 14: Identification of unknown binary organic mixture –IX

Experiment 15: Identification of unknown binary organic mixture – X

Block 3: Separation and identification of ternary organic mixture

Experiment 16 : General separation procedure for ternary organic mixture

Experiment 17 : Identification of unknown ternary organic mixture – XVI

Experiment 18 : Identification of unknown ternary organic – XVII

M.Sc. (Final) Practical, Course – VI

BLOCK 1: SPECTROMETRIC IDENTIFICATION OF ORGANIC COMPOUNDS.

Experiment 1: IR, Mass, ^1H NMR ^{13}C NMR, UV spectroscopy for Structure identification and Correlation tables.

BLOCK 2 : DISCUSSES SOLVED PROBLEMS:

Experiment 2 : Solved Spectral problem-1

Experiment 3 : Solved Spectral problem-2

Experiment 4 : Solved Spectral problem-3

BLOCK 3 : PROVIDES PRACTICE PROBLEMS.

Experiment 5 : Spectral problem-4.

Experiment 6 : Spectral problem-5.

Experiment 7 : Spectral problem-6.


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुभवासी (देहरादून)

Experiment 8 : Spectral problem-7.
Experiment 9 : Spectral problem-8.
Experiment 10 : Spectral problem-9.
Experiment 11 : Spectral problem-10.
Experiment 12 : Spectral problem-11.
Experiment 13 : Spectral problem-12.
Experiment 14 : Spectral problem-13.
Experiment 15 : Spectral problem-14.
Experiment 16 : Spectral problem-15.
Experiment 17 : Spectral problem-16.
Experiment 18 : Spectral problem-17.
Experiment 19 : Spectral problem-18.
Experiment 20 : Spectral problem-19.
Experiment 21 : Spectral problem-20.
Experiment 22 : Spectral problem-21.
Experiment 23 : Spectral problem-22.
Experiment 24 : Spectral problem-23.
Experiment 25 : Spectral problem-24.
Experiment 26 : Spectral problem-25.
Experiment 27 : Spectral problem-26.
Experiment 28 : Spectral problem-27.
Experiment 29 : Spectral problem-28.

M.Sc.(Final) Practical, Course- VII

CONTENTS

Block 1 : More than one step Preparation of organic molecules.

Experiment 1 : Preparation 2-Phenyl Indole.
Experiment 2 : Preparation of 7-Hydroxy 3-methyl Flavone.
Experiment 3 : Preparation of 2,5-Dihydroxy Acetophenone
Experiment 4 : Preparation of Benzilic acid.
Experiment 5 : Preparation of Benzanilide.
Experiment 6 : Preparation of Caprolactam.
Experiment 7 : Preparation of Acridone.

Block 2 : One step Preparation of organic molecules.

Experiment 8 : Preparation of 4-Chloro Toluene.
Experiment 9 : Preparation of Benzpinacol.
Experiment 10 : Preparation of 7-Hydroxy Coumarin.
Experiment 11 : Preparation of Photo dimerisation of Maleic anhydride.
Experiment 12 : Preparation of Benzophenone.



Experiment 13 : Preparation of Vanillyl alcohol.

Experiment 14 : Preparation of Ortho and Para-Nitrophenol.

Block 3 : Isolation of natural products from natural sources.

Experiment 15 : Isolation of Piperine from peppers.

Experiment 16 : Isolation of Caffeine from Tea leaves.

Experiment 17 : Isolation of Cineole from Eucalyptus leaves.

M.Sc.(Final) Practical, Course – VIII

BLOCK 1: PREPARATION OF DRUG INTERMEDIATE.

Experiment 1 : Preparation of Paracetamol

Experiment 2 : Preparation of Phenytoin

Experiment 3 : Preparation of 6-Methyl Uracil

Experiment 4 : Preparation of Benzocaine

Experiment 5 : Preparation of Chloritone

Experiment 6 : Preparation of 4-Aminobenzene sulphonamide

Experiment 7 : Preparation of Florescence

Experiment 8 : Preparation of Antipyrine

Experiment 9 : Preparation of Diazepam

BLOCK 2: ESTIMATION OF ASSAY OF DRUGS IN GIVEN TABLETS AND INJECTION BY NON INSTRUMENTATION:

Experiment 10 : Esterification of assay of Aspirin

Experiment 11 : Esterification of assay of Ibuprofen.

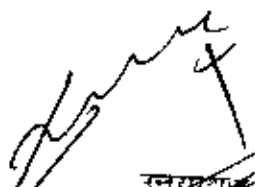
Experiment 12 : Esterification of assay of Analgin.

Experiment 13 : Esterification of assay of Ascarbic acid.

Experiment 14 : Esterification of assay of Ca^{+2} ions in calcium gluconate injection.

Experiment 15 : Esterification of assay of chloride in ringer lactate solution for injection

BLOCK 3 : ESTIMATION OF ASSAY OF DRUGS IN GIVEN TABLETS AND INJECTIONS BY INSTRUMENTATION:


मुख्य सहायक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (वि.सं.स.)

Experiment 16 : Esterification of assay of Sulphonilamides by potentiometric titrations

Experiment 17 : Esterification of assay of riboflavin by colorimetric titrations.

- f) **Procedure of Admission curriculum transaction and evaluation:** The learners may apply in the course run by the University by getting themselves enrolled in the various study centers run by the University. The criteria to be met by the student intending to take admission in M.Sc. Chemistry courses run by the University is as follows:

For Post Graduate (M.Sc.) Chemistry Programme:

Graduation with Chemistry as one of the major subject. The admission Cycle is twice every year in July and January.

Examinations are conducted in various examination centers formed by the University, further the examination copy are sent to the various evaluators of the concern subject approved by Hon'ble Vice –Chancellor.

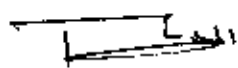
- g) **Requirement of the laboratory support and Library Recourses:** After providing the course material a practical workshop is organized for the learners in different Regional and Study centers of Uttarakhand Open University, the aforesaid workshop comprises of combined theory and practical session specifically designed for the learners. A comprehensive soft copy of the study material is provided to the learners through the online library in the University website and the learners can also avail the facility of the books available in the University Library.
- h) **Cost Estimate of the Programme and Provision:** For own SLM development following amount will be required:

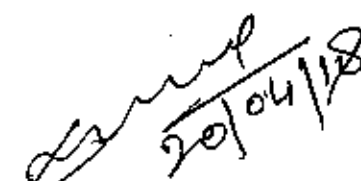
Programmes	Units/Pages	Amount (Rs.)
A. Master of Chemistry(M.Sc) (First Year)		
1. Unit writing (@6000/unit)	70	420000.00
2. Typing (@Rs. 20/page)	1400	28000.00
3. Editing	70	175000.00



charges(@2500/unit)		
	Total A	623000.00
B. Master of Chemistry (M.Sc.) (Second Year)		
1. Unit writing (@6000/unit)	103	618000.00
2. Typing (@Rs. 20/page)	2060	41200.00
3. Editing charges(@2500/unit)		257500.00
	Total B	916700.00
	Grand total A+B	1539700.00

i) Quality Assurance Mechanism & Expected Programme outcome: The course material for M.Sc. Chemistry programme is borrowed from Open University Hyderabad. University own course material for M.Sc. Chemistry programme is under the process of designing which will be completed within a short period. Where from the learners will have University own course material further the course material will be revised on timely bases so as to ensure a quality material is provided to the learners.


Prof. P.D. Pant
 Director I/C
 School of Sciences


(Charu C. Pant)
 Programme Coordinator
 Department of Chemistry
 Uttarakhand Open University,
 Haldwani

Programme Project Report (PPR)

(Ministry of Science & Information Technology with specialisation in Cyber Security)

Master of Science (Cyber Security)

Programme's mission & objectives: To equip students with the wide knowledge of sophisticated

applications of Cyber Security and train them on the necessary skills required for the application of electronics for telecommunication and its usefulness in software development. The course is designed for those who wish to extend their capability for an accelerated early career in cyber/information security. It will prepare learners for a successful career in the various roles directly and indirectly connected to the world of computer, network and information security. The Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security programme is a computer-based degree that includes studying communication networks and technologies while including a discussion of legal and ethical issues in computer security. The learners have the opportunity to learn about forensic issues that help find the source of a data leak.

Relevance of the program with Niche Mission and Goals: One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security is a two-year (four semesters) professional Master's Degree in computer science which is designed for those wishing to develop a career as a cyber security professional, or to take a leading technical or managerial role in an organisation critically dependent upon data and information communication technology.

Nature of prospective target group of learners: Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security programme is suitable for those from a computer science or information technology education background. The programme is also able to cater for those with no formal studies in computer science but where significant interest in cyber security can instead be demonstrated. The students who wish to join this program is required to have a Bachelors degree in any stream from a recognized institution/university with mathematics as a subject at graduation or 10+2 level. In case the candidate do not have mathematics subject, a bridge course on mathematics is mandatory. The candidate who passes 1 year PG Diploma in Cyber Security from a reputed university or its equivalent course are eligible for lateral entry to third semester of this programme.

Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programmes. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. Most hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put in

successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through print study center. The study material can also be downloaded through the Universities' e-repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:

- self-instructional printed material
- audio / video cassettes and CDs
- audio-video programmes transmitted through Hella Holmware TDA Radio and Edison, and at study centre.
- face-to-face counselling at study centres by academic counsellors
- reference library at study centre
- web based academic support
- assignments
- practical

The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.

Instructional Design: Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio/video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security programme is of 78 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put in successfully complete a course.

Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation: Direct admission to Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies, the second year is more focused on core courses providing conceptual framework, specialization and the project work. The total number of courses in this programme are 16 along with 4 practical and 1 major project and the total number of credits is 78. Evaluation for each course covers two aspects:

- Continuous evaluation through Assignments with a weightage of 30%.
- Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfill the requirements for acquiring the Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security, a student may elect all the courses in a minimum of 2 years and a maximum of 4 years. In case the student is unable to pass all the courses of the Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security programme in 4 years, s/he can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which s/he is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate. The 60% marks of the practical exam are for practical questions and remaining 40% for viva-voce. A student needs to obtain a minimum of 60% in each section of the term-end practical examination for successful completion of that particular section. In case a student does not secure the minimum passing marks in a section, s/he needs to appear for the term-end practical examination again for that section only.

Requirement of the laboratory support and Library Resources: The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also has a subscription of National Digital Library to provide the learners' with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.

Cost estimate of the programme and the provisions: The Master of Science in Information Technology with specialisation in Cyber Security Programme is a two year program with consists of 16 courses, 4 laboratory courses and 1 project. 8 courses of the above programme is adapted from the MCAMS-IT7 program. Therefore only 8 new courses are needed to be developed. One course is of 4 credits which consists of paper, 16 units. Hence the total expenditure on the development of 8 four credit courses is:

S. No.	Item	Per unit Cost (Printing & Editing)	Total Cost(Rs.)
1	Total no. of units in 8 courses of 4 credits each- 128	9000	11,52,000
2	Expert Committee, BOS Meetings, etc.		1,00,000
	Total		12,52,000

Barbara De Paul

Means, Rs. 12,52,000/- are required for the development, implementation and maintenance of the programme.

Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the model curriculum of the programme recommended by AICTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years. Master of Science in Information Technology with specialization in Cyber Security programme has been designed to prepare graduates for attaining the following program outcomes:

- Cyber security strategy, and how to organize and set a strategic direction for an organization to best prepare itself for operations in a contested environment.
- Cyber security business services, including but not limited to acquisition, procurement, policy, human resource, and budgeting.
- Cyber security management, that focuses on decision making, trade-offs, requirement building, team building, leading, and other human factors not often taught in traditional program.

Appendix-1

Title of Programme: Master of Science in Information Technology (Cyber Security)-17

Programme Code: MSC.IT (Cyber Security)-17

Admission Cycle: Twice every Year in Jan and July

Eligibility: Graduation (Science/IT)

Lateral Entry: DOEACC A level /PGDCA/ PGD in Cyber Security

B.E. or B.TECH in Computer Science/Computer Engineering/Computer Science & Engineering/ Information Technology/ Electronics, etc.

Duration: Min: 2 Years Max: 4 Years

SLM Availability: Medium: English

Total Credit: 80

Programme Fee:

Semester	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	10000	300	NA	500	NA	10800
Second	10000	300	NA	500	NA	10800
Third	10000	300	NA	500	NA	10800
Fourth	10000	300	1000	500	NA	11800

Objective of the Programme: To equip students with the vital knowledge of sophisticated applications of Cyber Security and to equip learner with the skills required for the application of electronics for telecommunication and its usefulness to software development.

Programme Structure:

First Semester

S.No	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Introduction to Computing	MIT(CS)-101	80	20	100	4	12
2	Introduction Digital Systems	MIT(CS)-102	80	20	100	4	12
3	Object Oriented Programming Using C++	MIT(CS)-103	80	20	100	4	12
4	Introduction to Operating System	MIT(CS)-104	80	20	100	4	12
5	Practical (C++)	MIT(CS)-P1	-	-	100	4	12

Second Semester

S.No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Data Structure	MIT(CS)-201	80	20	100	4	12
2	Introduction to DBMS	MIT(CS)-202	80	20	100	4	12
3	Introduction to Networking	MIT(CS)-203	80	20	100	4	12
4	Computer Organization and Architecture	MIT(CS)-204	80	20	100	4	12
5	Practical (DS & DBMS)	MIT(CS)-P2	-	-	100	4	12

Third Semester

S.No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Fundamentals of Information Security	MIT(CS)-301	80	20	100	4	12
2	Cyber Security Techniques	MIT(CS)-302	80	20	100	4	12
3	Cyber attacks and counter measures: user perspective	MIT(CS)-303	80	20	100	4	12
4	Information System	MIT(CS)-305	80	20	100	4	12
5	Lab Cyber Security Fundamentals	MIT(CS)-P3	-	-	100	4	12

Fourth Semester

S.No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Information Security Assurance: Framework, standards and industry best practices	MIT(CS)-401	80	20	100	4	12
2	Digital Forensic	MIT(CS)-402	80	20	100	4	12
3	Advanced cyber security techniques	MIT(CS)-403	80	20	100	4	12
4	Computational Number Theory & Cryptography	MIT(CS)-404	80	20	100	4	12
5	Project + Viva	MIT(CS)-Project	-	-	150	4	12

Signature

Signature

Syllabus

INTRODUCTION TO COMPUTING

MIT (CS)-101

Block I

- Unit I: Computing
Computing Processes, Procedures, and Computers; Measuring Computing Power: Information, Representing Data, Growth of Computing Power, Science, Engineering, and the Liberal Arts, Summary and Roadmap.
- Unit II: Defining Procedures
Languages, Surface Forms and Meanings, Language Construction, Recursive Transition Networks, Replacement Grammar.
- Unit III: Programming
Problems with Natural Languages, Programming Languages, Scheme, Expressions, Primitives, Application Expressions, Definitions, Procedures, Making Procedures, Substitution Models of Evaluation, Decisions, Evaluation Rules.

Block II

- Unit I: Problems and Procedures
Solving Problems, Composing Procedures: Procedures as Inputs and Outputs, Recursive Problem Solving, Evaluating Recursive Applications, Developing Complex Programs: Printing, Tracing.
- Unit II: Data
Data Types, Pairs, Making Pairs, Triples to Octuples, Lists, List Procedures: Procedures that Examine Lists, Generic Accumulation, Procedures that Construct Lists, Lists of Lists, Data Abstraction.
- Unit III: Analyzing Procedures
Machines, History of Computing Machines, Mechanizing Logic: Implementing Logic, Composing Operations, Arithmetic, Modeling Computing: Turing Machines.

Block III

- Unit I: Cost
Empirical Measurements, Orders of Growth: Big O, Omega, Theta, Analyzing Procedures: Input Size, Running Time, Worst Case Input, Growth Rates: No Growth, Constant Time, Linear Growth, Quadratic Growth, Exponential Growth, Faster than Exponential Growth, Non-terminating Procedures.
- Unit II: Sorting and Searching
Sorting: Best-First Sort, Insertion Sort, Quicksort Sorting, Binary Trees, Quicksort, Searching: Unstructured Search, Binary Search, Indexed Search.
- Unit III: Improving Expressiveness
Mutation, Assignment, Impact of Mutation: Names, Places, Frames, and Environments, Evaluation Rules with Side, Mutable Pairs and Lists, Imperative Programming: List Mutators, Imperative Control Structures.

Block IV

- Unit I: Objects
Packaging Procedures and State: Encapsulation, Messages, Object Terminology: Inheritance: Implementing Subclasses, Overriding Methods: Object-Oriented Programming.
- Unit II: Interpreters
Primitive Python Programs, Data Types, Applications and Invocations, Control Structures: Parser, Evaluation: Primitives, If Expressions, Definitions and Names, Procedures, Application, Funding the Interpreter: Lazy Evaluation: Lazy Interpreter, Lazy Programming.
- Unit III: The Limits of Computing
Computability, Mechanizing Reasoning: Gödel's Incompleteness Theorem, The Halting Problem, Universality, Proving Non-Computability.

W

INTRODUCTION TO DIGITAL SYSTEMS

MIT (CS)-187

Block I

- Unit I: Number Systems: Introduction to number systems: Binary, Octal & Hexadecimal systems; Conversion of numbers in one radix to numbers in different radix; Different Binary Codes
- Unit II: Boolean Algebra, Theorems & Postulates; Logic Functions: representation and graphic representation
- Unit III: Minimization of logic functions: Algebraic and K-map methods
- Unit IV: Minimization using Quine-Mc Cluskey

Block II

- Unit I: Introduction to combinational circuits, Realization of basic combinational functions.
- Unit II: Delays and hazards in design
- Unit III: Structure of sequential circuits
- Unit IV: Flip-flops

Block III

- Unit I: Introduction to Logic families, Electrical Characteristics of logic devices, Characteristics of TTL logic devices, Characteristics of CMOS logic devices
- Unit II: Introduction to different types of memories
- Unit III: Programmable Logic Devices: Analysis of sequential circuit using timing diagrams, state tables, state diagrams, Design of digital circuits using PLDs.
- Unit IV: Introduction to Hardware Descriptive Languages, Defining entities, architecture with different modeling architecture, Designing digital circuits in VHDL.

OBJECT ORIENTED PROGRAMMING USING C++

MIT (CS)-103

Block I

- Unit I: Introduction to Object Oriented Programming: Complexity, Programming languages, Features of C++, Type safety, Namespaces, From C to C++, Input and Output examples
- Unit II: Object Terminology: abstraction, classes, UML, Encapsulation, Inheritance and Polymorphism.
- Unit III: Modularity: Modules, stages of compilation, Basic syntax: keywords, types, declaration and definition, Function rules, Pairs by reference.
- Unit IV: Member functions: pass-by, Empty state, Input/output: streams, Output objects, Input objects, state, input validation.

Block II

- Unit I: Dynamic memory: system memory, Dynamic allocation, memory issues, Single instances, Construction, Basic class features, Construction, Destruction, Overloading constructors.
- Unit II: Current objects: Member function access, THIS, Class and Resources: Resource instance pointers, Deep copies and assignments, Copy constructor, Assignment operator, Localization, Copies prohibited
- Unit III: Member operators: Operators, Binary operations, Unary operations, Type conversions, Single-argument construction, Temporary objects, Helpers: Free helpers, Helper operators, Friendship, Custom IO Operators: Design considerations, Two helper operators, Static class.
- Unit IV: Custom file operators: File stream classes, File objects, Functional types, Custom types, Nice to know.

Block III

- Unit I: Derived classes: Hierarchies, Definition of a derived class, Access, Derived functions: Shadowing, Constructors, Destructors, Helper operators: Derived Class and Resources: Constructors and Destructors, Copy constructor, Copy assigned operator.
- Unit II: Polymorphism: Languages, Types, Categories: Virtual Function: Function binding, Polymorphic objects, Efficiency and Flexibility.
- Unit III: Abstract base classes: Pure virtual functions, Abstract base classes, Unit tests on an interface, Template: Template syntax, Explicit specialization, Class template, Type casting.
- Unit IV: The ISO/IEC Standard: Milestones, Loose ends.

Editor: Dr. J. K. J.

Dr. J. K. J.

INTRODUCTION TO OPERATING SYSTEM

MIT (CS) 104

Block I

Unit I: Introduction to Operating System

Operating system: Application scenarios, kind of resource support needed by applications, what is an "Operating System" and what support is provided to run an application, hardware and software layers, organization of a computer system, operational view of a computing system with resources like processor, memory, input and output, issues in resource management, a bare-bone operating system, introduction to the issues in communication with devices, kernel and shell of an operating system, processes and file

Unit II: File system Management

File systems: What is a file, user view of files, file types and file operations, file types in Unix and Microsoft, file operation commands, file access rights, file storage management, inode or FAT structure, file control blocks, root file system, directory and file paths, blocks, impact of block size selection, contiguous allocation, chained and indexed allocations, impact of allocation policy on fragmentation, mapping file blocks on the disk, pointer, cylinder, disk access control and scheduling

Unit III: Process Management

Process: resource management: Explanation of processor as a resource, definition of a process, processor utilization, multi-processing and time sharing, response time, process state transitions, process scheduling, short-term and long term schedulers, non-pre-emptive and pre-emptive scheduling policies, time slice, policies like FCFS, SJF etc, Gantt charts and parameters to compare policy performance, context switching of process state information, Kernel architecture: User and kernel mode of operation, System calls, process states, kernel operations, design of a scheduler.

Unit IV: Memory Management

Motivation for memory management, when and where primary and secondary memory management is needed, compilation code and memory relocation, linking and loading, processes and primary memory management, memory allocation policies, critique of various policies like first fit, best fit, internal and external fragmentation, secondary memory management, fixed and variable partitions, virtual memory concepts, paging and page replacement policies, page faults, thrashing, hardware support for paging, segmentation, segmentation with paging.

Block II

Unit I: Input Output Management

Issues in human centric, device centric and computer centric I/O management, input output modes, programmed I/O, polling, interrupt mode of I/O, various types of interrupts, interrupt servicing, priority interrupts, interrupt vectors, direct memory access (DMA) mode of transfer, setting up DMA, device drivers, interrupt handling using device drivers, buffer management, device scheduling, disk scheduling algorithms and policies.

Unit II: Resource Sharing and Management

Shared resources, resource allocation and scheduling, resource graph models, deadlocks, deadlock detection, deadlock avoidance, deadlock prevention algorithms, mutual exclusion, semaphores, wait and signal procedures.

Unit III: Interprocess communication

Spawning a new process, parent and child processes, assigning a task to child processes, need for communication between processes, modes of communication, pipes, shared files, shared memory, message based IPC, signals as IPC, the distributed computing environment.

Unit IV: Real time Systems and Microkernels

Characteristics of real-time operating systems, classification of real-time systems, architectures of real-time systems, micro-kernels, scheduling in RTOS, rate monotonic scheduling, priority inversion, RTOS for hand-held devices.

Block III

Unit I: OS and Security

Security breaches, types of attacks, attack prevention methods, security policy and access control, OS design considerations for security, access control lists and OS support, internet and general network security.

Unit II: OS primer

Basic file creation, editing and storage, accessing and organizing files, editor tools and file management operations, Basic editing search commands, find commands, commands to work with their options.

Unit III: AWK tool

AWK tool, AWK syntax, AWK grammar, examples for processing, Shell scripts: Productivity tools, different shells, shell scripts.

Unit IV: Make tool

Make tool: When to use Make, how to use Make, macros abstractions and shortcuts: Other useful tools: Tar and other utilities, file compression tools, images and multi-media file formats, profiling tools: Version control tool: Need for version control, svn, cvs and other version control tools.

Unit V: Window manager and GUI

Need for a desktop metaphor, window systems and associated controls, graphical interfaces (GUI), System administration: Administrative tasks, user account management, start and shutdown procedures, setting up operational environment for a new user.

Aditya Dabadi

Aditya Dabadi

DATA STRUCTURE

MIT (CS)-201

Block I

- Unit I: Introduction to Data Structures, Arrays and Strings
- Unit II: Introduction to Algorithms: Algorithm Development, Complexity analysis, Recursion
- Unit III: Linear Data Structures
- Stacks, Operations and Applications; Queues: Operations and Applications; Circular Queues: Operations and Applications
- Unit IV: Linked Lists
- Operations: Creation, Insertion, Deletion; Circular Lists; Doubly Linked List

Block II

- Unit I: Sorting: Insertion Sort, Merge Sort, Quick Sort
- Unit II: Searching: Binary Search, Selection
- Unit III: Graphs I: Representation and Traversal: Representation: Matrix, Adjacency list Traversal: Depth First Search, Breadth First Search
- Unit IV: Graphs II: Basic Algorithms: Minimum Spanning Tree, Shortest Path, All pairs Shortest Path, Transitive Closure

Block III

- Unit I: Binary Tree Representation; Operations: Insert, Delete, Traversal: Preorder, Inorder, Postorder
- Unit II: Heap Sort Method and Complexity; Priority Queue
- Unit III: Search Trees: AVL-trees, B-trees, External Search
- Unit IV: Tables: Hashing Techniques
- Block IV
- Unit I: Set Representation; Operations: Union and Find
- Unit II: String Algorithms: Pattern Matching, Text Editor
- Unit III: Program Development: Program Specification, Pre and post Condition, Program Documentation
- Unit IV: Program Testing and Verification: Testing Methods, Verification Procedures

INTRODUCTION TO DBMS

MIT (CS)-102

Block I

- Unit I: General introduction to database systems; Database-DBMS distinction, Approaches to building a database
- Unit II: Data models; Database management system; Three-schema architecture of a database; Challenges in building a DBMS; Various components of a DBMS
- Unit III: ER Model: Conceptual data modeling - motivation, Entities, Entity types, Various types of attributes
- Unit IV: Relationships, Relationship types, ER diagram notation, Examples

Block II

- Unit I: Relational Data Model: Concept of relations, Schema-instance distinction, Keys, referential integrity and foreign keys
- Unit II: Relational algebra operators: Selection, Projection, Cross product, Various types of joins, Division, Example queries
- Unit III: Tuple relational calculus; Domain relational calculus; Converting the database specification in ER notation to the relational schema
- Unit IV: SQL: Introduction, Data definition in SQL, Table, key and foreign key definitions, Update operations, Querying in SQL, Basic select, from, where block and its semantics, Nested queries - correlated and uncorrelated, Union of aggregation, Aggregation functions group by and having clauses, Embedded SQL

Block III

- Unit I: Dependencies and Normal forms: Importance of a good schema design, Problems encountered with bad schema designs, Motivation for normal forms, dependency theory - functional dependencies
- Unit II: Armstrong's axioms for FDs, Closure of a set of FDs, Minimal covers, Definitions of 1NF, 2NF, 3NF and BCNF, Decompositions and desirable properties of them, Algorithms for 3NF and BCNF normalization, Multi-valued dependencies and 4NF, Join dependencies and definition of 5NF
- Unit III: Data Storage and Indexes: File organizations, Primary, Secondary index structures, Various index structures - hash-based, Dynamic hashing techniques, Multi-level indexes, B+ trees
- Unit IV: Transaction processing and Error recovery: Concepts of transaction processing, ACID properties, Concurrency control, Locking based protocols for CC, Error recovery and logging, Undo, Redo, Undo-redo logging and recovery methods

INTRODUCTION TO NETWORKING

MIT (CS)-203

Block I

- Unit I: Introduction: Sharing of Data; Packetized File Transmission, Layering, Performance Metrics
- Unit II: Basic Building Blocks, Modulation, Physical Media, Transmission, DLL Framing
- Unit III: Error Detection, Syndromes, Error control / Reliable Transmission
- Unit IV: Stop and Wait Protocol, Sliding Window Protocol, SW-analysis, Medium Access Sublayer, ALOHA, The Ethernet Frame Format, Collision free protocols

Block II

- Unit I: ATM - Asynchronous Transfer Mode, Token Bus, Token Ring
- Unit II: Fiber Distributed Data Interface, FDDI Analysis
- Unit III: Wireless LANs, Bridges and Switches, Connectionless Networks Network Layer
- Unit IV: IP Packet/Fragmentation, Router Forwarding, Congestion control

Block III

- Unit I: Routing Algorithms, Virtual Networks, Routing Algorithms-LSR, CIDR / BGP
- Unit II: The Transport Layer, TCP Connection Management, TCP- Protocol, TCP -Miscellaneous
- Unit III: Application Layer Protocol, Simple Network Management Protocol, SNMP
- Unit IV: Network Security

COMPUTER ORGANIZATION AND ARCHITECTURE

MIT (CS)-244

Block I

- Unit I: Introduction to computer system and its submodules, Number System and Representation of information.
- Unit II: Arithmetic and Logical operation and hardware implementation, Software implementation of some complex operation.
- Unit III: Arithmetic and Logic Unit, Introduction to memory Unit, control unit and instruction Set.
- Unit IV: Working with an ALU, Concepts of Machine level programming, Assembly level programming and High level programming.

Block II

- Unit I: Various addressing modes and designing of an instruction set, Concepts of subroutines and subroutine call, Use of stack for handling subroutines call and return.
- Unit II: Introduction to CPU design, Instruction interpretation and execution, Micro-operation and their RTL specification.
- Unit III: Hardware control CPU design.
- Unit IV: Microprogrammed control CPU design.

Block III

- Unit I: Concepts of semiconductor memory, CPU-memory interaction, organization of memory modules.
 - Unit II: Cache memory and related mapping and replacement policies.
 - Unit III: Virtual memory.
 - Unit IV: Introduction to input/output processing, working with video display unit and keyboard and routine to control them, Programmed controlled I/O transfer, Interrupt controlled I/O transfer, DMA controller.
- Block IV
- Unit I: Secondary storage and type of storage devices, Introduction to buses and connecting I/O devices to CPU and memory.
 - Unit II: Introduction to RISC and CISC paradigm, Design issues of a RISC processor and example of an existing RISC processor, Introduction to pipeline hazards, design issues of pipeline architecture.
 - Unit III: Instruction level parallelism and advanced issues, Introduction to interconnection network and practical issues, Examples of interconnection networks.
 - Unit IV: Multiprocessors and its characteristics, Memory organization for multiprocessors systems, synchronization and models of memory consistency, Issues of deadlock and scheduling in multiprocessor systems, Cache in multiprocessor systems and related problems, Cache coherence protocols, Parallel processing concepts, Parallelism algorithms for multiprocessor systems.

FUNDAMENTALS OF INFORMATION SECURITY

MIT (CS)-301

BLOCK I: INTERNET, E-COMMERCE & E-GOVERNANCE BASICS

- Unit I: Introduction and History, Internet address, Domain Naming System, Internet infrastructure, ISP, Role of ISP, International & National ISP's, eTLD (Country Code Top Level Domain), TLD (Top Level Domain) Types of accounts, WorldWideWeb (WWW), Application areas of Internet, E-Governance: Need of E-Governance, Issues in E-Governance applications and the Digital Divide, Evolution of E-Governance, Its scope and content: growth in E-Governance global trends, Other issues.

- Unit II: Model of Digital Governance: Broadcasting/Whistle Dissemination Model, Critical Flow Model, Comparative Analysis Model, Mobilization and Lobbying Model, Interactive-service Model, Government-to-Citizen-to-Government Model (G2C2G), Evolution in E-Governance and Maturity Models: Five Maturity Levels, Characteristics of Maturity Levels, Key areas, Government framework, Digital India Program, Towards Good Governance through E-Governance Models.

- Unit III: E-readiness: Digital System Infrastructure, Legal Infrastructure, Proprietary, Institutional Infrastructure, Preparedness, Human Infrastructure, Preparedness, Technological Infrastructure, Preparedness, Evolutionary Stages in E-Governance.

- Unit IV: E-Commerce: Definition of E-commerce, Business Models of E-commerce and Infrastructure: B2B, B2C, B2G and other models of e-commerce, Types of payment systems - e-cash and currency servers, e-checks, credit cards, smart cards, electronic purses and debit cards; e-wallet, Google Wallet, Digital Locker and other initiatives of Central government and state Governments.

BLOCK II: CYBER CRIME

- Unit I: Introduction to computer crime and cyber crimes, Distinction between cyber crime and conventional crimes, Reasons for commission of cyber crime, Some basic terminology: Virus, Malware, worm, Trojan, spyware, scareware, botnets, transware and zombies.

- Unit II: Kinds of cyber crimes - Hacking, cyber stalking, cyber pornography, online forgery and fraud, Cyber terrorism, Creating software, Downloading illegal music files, Creating and distributing viruses on other computers, Hoisting confidential business information on the internet, copyright infringement, identity theft, phishing/spoofing, credit card fraud, online auction fraud, spamming, denial of service attack, data elimination, internet extortion, cyber defamation, Smart Phone Auditing.

- Unit III: Cyber criminals, Organized cyber crimes, Classification of cyber crimes, Cyber crime and Cyber terrorism, Information Warfare and Surveillance, Introduction to IT act.

- Unit IV: Case Studies: Cyber Threats and Attacks, Impacts and response actions.

BLOCK III: INFORMATION SECURITY

- Unit I: Introduction to Cyber Security, Security principles, Security triad: Confidentiality, Integrity, Availability.

- UNIT II: Introduction to ISMS

- Unit III: Cyber security techniques for secure e-commerce: authentication, encryption, digital signatures, malware firewall, Computer forensics, steganography.

- Unit IV: Ethical aspect of Cyber Security, Tips for computer security: Think before you click, Update everything, Backup your files, Secure your wireless networks, Use strong passwords, etc.

CYBER SECURITY TECHNIQUES

MIT (CS)-302

BLOCK I

Unit I: Information Technology Security Policy. Aspects of Organizational security, IT security, Physical security, financial security, Legal security, online security.

Unit II: Modes of Attack. Insider attack, outsider attack. Why to report a cyber crime? Reporting a cyber crime- How and when to report an incident?

Unit III: Intrusion Detection System/Prevention Systems and Incident Handling.

Unit IV: Securing IT assets. Implementing Hardware Based Security, Software Based Firewalls, Securing IS assets, Protect your network from anonymous attack, Wireless Security, WEP or WPA, Protect USB port

BLOCK II

Unit I: Security Standards & assurance framework.

Unit II: Securing security and malware

Unit III: e-commerce & application security.

BLOCK III

Unit I: Risk management.

Unit II: Computer Forensics & Collection of Digital Evidence

Unit III: Cyber Security initiatives in India: National Information Security Assurance Programme (NISAP), Indian Computer Emergency Response Team (CERT-In), India US Cyber Security Forum (IUSCSF), National Counter Terrorism Centre (NCTC) of India, National Critical Information Infrastructure Protection Centre (NCIPC) of India, Institute for Defence Studies and Analysis (IDSA), National Intelligence Grid (NaeGrid) project of India, Crime and Criminal Tracking Networks and systems (CCTNS) project of India, national cyber coordination center, Debut cleaning center, malware analysis center.

Unit IV: Cyber Laws, National Cyber security policy, national cyber crisis plan.

CYBER ATTACKS AND COUNTER MEASURES: USER PERSPECTIVE

MIT (CS)-301

BLOCK I

Unit I: cyber attacks, types of attacks motivation.

Unit II: Assets Threats and Vulnerabilities, Risk Management.

Unit III: Information Security Framework: Organisation and Responsibilities, The Organisation's Management of Security, Organisational Policy, Standards and Procedures

Unit IV: Information Security Governance, Information Security Implementation, Security Information Management, Legal Framework, Security Standards and Procedures

BLOCK II

Unit I: Personnel / People Security Controls: People, User Access Controls, Communication, Training and Awareness

Unit II: Technical Security Controls, Protection from Malicious attacks, Networks and Communications, External Services, Cloud Computing, IT Infrastructure

Unit III: Software Development and Lifecycle: Testing, Audit and Review, Systems Development and Support

BLOCK III

Unit I: Authentication and password security

Unit II: Wireless security

Unit III: Investigation and forensic techniques, investigate fraud email, false social media profile investigation, investigate origin of spoof mail and genuine mail

Unit IV: introduction and application of cryptography

INFORMATION SYSTEM

MIT (CS)-304

BLOCK I

Unit I: Networking and Communications

Unit II: Cryptography

Unit III: VAPT- Basics

Unit IV: Network Security, Email Security, Infrastructure & Web Application Security

BLOCK II

Unit I: History of Cryptography, Basic concepts of Cipher, simple cipher, digital cipher, Key management.

Unit II: Cryptographic Algorithms, symmetric cipher, asymmetric cipher, data integrity algorithms

Unit III: Key management and distribution, user authentication Protocols

Unit IV: Network and internet security, Transport level security, wireless network security, e-mail Security, IP Security.

BLOCK III

Unit I: Bootstrapping and reconnaissance

Unit II: scanning and enumeration

Unit III: gaining access and exploitation

Unit IV: post exploitation activities

Robert Robert

Robert Robert

LAB
MIT (CS)-P3

- How to generate a secure password.
- How to check whether a site is secure for online payment.
- How to configure a basic firewall available with OS.
- How to select a browser? Help them decide which browser is best by providing some of the details of the browser(s).
- How to configure in browser setting for safe browsing, clearing cookies after browsing session, never store passwords etc.)
- How to secure wireless using password, etc.
- Social Media Security: guidelines for safe browsing of Facebook, twitter, LinkedIn, etc.
- Email security
- Browser Security
- Smart Phone Protection
- Secure e-transaction
- Installing and configuring anti-malware/antivirus software
- Use of Encryption technologies for securing data
- Patching and updating operating systems
- Secure Communication
- Other latest topics

Handwritten signature

INFORMATION SECURITY ASSURANCE : FRAMEWORK, STANDARDS AND INDUSTRY BEST PRACTICES

MIT (CS)-401
BLOCK I

- Unit I: Interrelationship between Regulation, policies, standard procedures and guidelines, Standards for Information Security: ISO standards- ISO/IEC 27002:2005 (Code of Practice for Information Security Management), ISO/IEC 27001:2005 (Information Security Management System - Requirements),
Unit II: Regulations related to Information Security- SOX, GLBA, COSO, HIPPA, FISMA, FIPS, FTEEC, common elements of compliance, Security controls, common pitfalls of a effective Information Security program.

BLOCK II

- Unit I: Overview of ISO-27K.
Unit II: ISO 27001
Unit III: ISO-27002
Unit IV: Other standards, guidelines, ISO-27005

BLOCK III

- Unit I: Security auditing
Unit II: Information security
Unit III: Disaster recovery
Unit IV: Business continuity planning and management

Handwritten signature

Handwritten signature

COMPUTER FORENSIC

MIT (CS)-402

BLOCK I

Unit I: Introduction to Computer Forensic, evolution and objective, goals of forensic realtimes, role of forensic investigators.

Unit II: Computer forensic investigation process

Unit III: Digital Evidence and firm responder procedure

Unit IV: Understanding storage media and file system

BLOCK II

Unit I: Windows forensic: data acquisition and duplication, recovering deleted files and deleted partitions.

Unit II: Application password crackers, Image forensic, log capturing and events correlation

Unit III: Network Forensic

Unit IV: Investigating wireless attacks

BLOCK III

Unit I: Investigating web attacks

Unit II: Investigating email attacks

Unit III: Mobile forensic

Unit IV: Investigative reports and becoming expert witness, cyber regulations and IT act

ADVANCED CYBER SECURITY TECHNIQUE

MIT (CS)-403

BLOCK I

Unit I: Perimeter Device Security

Unit II: Data Center Security

Unit III: Secure Network design/implementation

Unit IV: Physical and environment security

BLOCK II

Unit I: server security- patch management, server hardening

Unit II: services hardening

Unit III: advanced web application security.

Unit IV: E-mail Security

BLOCK III

Unit I: desktop hardening

Unit II: mobile devices

Unit III: wireless

Unit IV: advanced persistent threats

Arjun Dasgupta

Arjun Dasgupta
2019-2020

COMPUTATIONAL NUMBER THEORY AND CRYPTOGRAPHY

MIT (CS)-604

BLOCK I

Unit I: Computational Complexity: Input Size, Complexity Classes etc.

Unit II: GCD Computation: Euclid's Algorithm, Extended Euclid's Algorithm.

Unit III: Modular Arithmetic: Groups, Solving Modular Linear Equations, Chinese Remainder Theorem, Modular Exponentiation, Discrete Logarithm Problem.

Unit IV: Key Exchange: Diffie Hellman, ElGamal, Massey-Omura, Computation of Generators of Primes.

BLOCK II

Unit I: Public Key Cryptosystems: RSA, Different Attacks & Remedies.

Unit II: Primality Testing: Pseudoprimitivity Testing, Quadratic Residues.

Unit III: Randomized Primality Test & Deterministic Polynomial Time Algorithm.

Unit IV: Factorization: Quadratic-Sieve Factoring Algorithm, Pollard-Rho Method.

BLOCK III

Unit I: Elliptic Curve Cryptosystems: Theory of Elliptic Curves, Elliptic Curve Encryption & Decryption Algorithms.

Unit II: Security of Elliptic Curves Cryptography, Elliptic Curve Factorization.

Unit III: Digital Signatures: Authentication Protocols, Digital Signature Standards (DSS).

Unit IV: Proxy Signatures.

Belur Dabhi *DR* *2007*

Programme Project Report (PPR)

Name of Programme: M.Sc. Environmental Science

a) **Programme mission and objectives:** The programme on Environmental Science is an interdisciplinary program that focuses on the state of the environment and serious environmental problems that the world faces. Through a series of academic courses, laboratory exercises and project/ dissertation activities, students will be able to learn about the human activities which adversely impact the environment and will also be able to develop critical thinking and problem-solving skills necessary to find out appropriate solutions for region specific local problems and global problems. The Environmental Program mission also supports the directive of hon'ble Supreme Court on the environmental education. Further, environmental protection, including forests, wildlife, lakes and rivers has been identified as '**Fundamental duty**' of every citizen through Indian Constitution through its 42nd amendment (Article 48-A and Article 51-A (g)).

After successful completion of the programme, the learners will be:

- well-equipped with latest knowledge, technologies, policies, legal initiatives and experience-based skills for enabling environment and sustainable development
- make a critical analysis of local, national, regional and global agendas and policies for environment in context of sustainable development,
- able to apply the principles of ecology, environmental science and tools of environmental management to design and develop a project or enterprise or extend consulting services
- to work in technical and/ or administrative fields related to environmental management, clean technologies, environmental laws and policies, and environmental communication

b) **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the mission of higher education particularly Open and Distance Learning Institutions is to provide greater opportunities of access to Higher Education with equity to all the eligible persons and in particular to the vulnerable sections. At present, there are very few Universities and colleges that provide Masters level education on environment. Therefore, majority of the aspirants remain devoid of environmental education at this level. Therefore, M.Sc. (Environmental Science) in ODL mode will provide opportunity to majority of the aspirants particularly residing in far flung remote areas and in particular to weaker and deprived

Handwritten signature

Handwritten signature
कुल शिक्षा
मुक्त विद्याविद्यालय
इलाहाबाद (मिनीगाना)

sections of the society. Another mission of the Higher education Institutions is to initiate policies and programmes for strengthening research and innovations, and encourage institutions - public or private to engage in stretching the frontiers of knowledge. By bringing such an interdisciplinary programme in Open and Distance Learning mode will also help to achieve this mission.

c) Nature of prospective target group of learners:

- Environmental Studies is compulsory at School level and at Undergraduate level by hon'ble Supreme Court. At present teachers from life sciences are usually engaged as faculty with Masters degree in Environmental Science are meager. Therefore, learners who wish to take up teaching environmental studies at school level or at higher education level are targeted through this programme.
- Environment Science being a multidisciplinary subject has its usefulness and applicability in every sphere of life, society, culture and organization. Those learners who wish to opt career in Environment related Government organizations such as Ministry of Environment, Forests and Climate Change, State Forest Department, Forest Research Institute, Forest Management, Environmental Management etc. and or/ Non-Government organizations such as The Energy Resource Institute (TERI), World Wildlife Fund (WWF), International Union for Conservation of Natural Resources (IUCN), Food and Agriculture Organisation (FAO), International Fund for Agricultural Development (IFAD) and other Environmental Conservation and Sustainable development based organizations, will be the target group of learners. Further, consultants are required for Industrial audits and Environmental Impact assessments, etc. In addition to this, faculties are required to teach compulsory foundation course on Environmental Studies at Under Graduate level in conventional Universities and professional/ technical Universities or Colleges.

d) Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: There are very few institutions/ Universities/ Colleges in India that impart Master level education on environment. Therefore, access to knowledge on the subject is not accessible easily to those aspirants who reside in far remote areas and those who belong to weaker and marginal sections of the society. Therefore, initiating such programme in Open and Distance Learning (ODL) mode will help aspirants particularly residing in far-flung areas and those who belong to weaker sections, to acquire skill and knowledge on the subject area. In order to communicate effectively with the learners University has adopted the following tools:



24/08/2024
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (सोनीवाल)

- self-instructional printed material
- audio / video cassettes and CDs
- audio-video programmes transmitted through FM Radio and EduSat
- face-to-face counselling at study centres by academic counselors
- reference library at study centre
- web based academic support
- assignments
- practical

e) **Instructional design:**

i) **Curriculum design:** The curriculum and Self Learning Material (SLM) has been adopted from Dr.B.R. Ambedkar Open University (BRAOU), Hyderabad for initiating this programme. In the meantime University has also developed its own curriculum for this programme and developing its own SLM.

FIRST YEAR		CREDITS
COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	
ES 501	Computer Programming	4
ES 502	Ecology and Natural Resource Management	4
ES 503	Environmental Remote Sensing and GIS	4
ES 504	Environmental Health and Natural Hazards	4
ES 505	Practical	4
SECOND YEAR		4
ES 551	Air Pollution and Control Technologies	4
ES 552	EIS and Waste Management	4
ES 553	Water and Waste Water Treatment Technologies	4
ES 554	Global Environmental Issues	4
ES 555	Practical	4

Detailed Syllabus

ES501- COMPUTER PROGRAMMING

Credits 04

Objective: To provide substantive knowledge and understanding of computer programming with the perspective that s/he will be able to apply it modeling and research.

BLOCK 1 INTRODUCTION

- Unit 1 Introduction to Computers
- Unit 2 Computer Software
- Unit 3 Programme Development and Cycle of Development
- Unit 4 Algorithm, Problem, Solving and Flow Chart Representation

BLOCK 2 'C' PROGRAMMING

- Unit 5 Compiling and Linking to 'C' Program
- Unit 6 Introduction to 'C' Programming
- Unit 7 Basic Data Types and Operators
- Unit 8 Basic Input / Output, Expressions and Declarations

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
मुख्य अधिकारी
राष्ट्रीय विद्यापीठ
पुणे, महाराष्ट्र

Unit 9	Statement and Iteration
Unit 10	Conditional Statement and Control Flow
Unit 11	Functions and Program Structure
Unit 12	Arrays
Unit 13	Strings and Files
Unit 14	The 'C' Preprocessor
Unit 15	Structures and Unions

Unit 16	Introduction to C++ Programming
Unit 17	Data Types and Calculations
Unit 18	C++ Classes
Unit 19	Function Overloading and Inheritance in C++
Unit 20	Memory Allocation

Unit 21 Computer Applications in Environmental Sciences

Credits 04

BLOCK 1 **ECOLOGY AND ECOSYSTEMS**

Unit 2 Biological Processes

Unit 4 Development and Environment Indian Scenario

BLOCK 2 INDUSTRY AND AGRICULTURE

Unit 7 Post Independence

Unit 9 Agriculture and Environment
Animal Resources

Unit 10 Conventional Energy sources

Unit 12 Nuclear Energy

Unit 13 Air and Noise pollution

Unit 15 Land Management

BLOCK 5 ENVIRONMENTAL PROTECTION LAWS

Unit 18 Political Administrative Agencies

97-104, 1992.

Credits 04

BLOCK 1 INTRODUCTION TO REMOTE SENSING

Unit 1 Fundamental Concepts of Remote Sensing

Veran

(Signature)
मुख्य सचिव
गुजरात मुद्रा विभागाध्यक्ष
मुंबई (विनीताला)

Unit 3	Atmospheric Interactions with Electromagnetic Radiation
Unit 4	Energy Interactions with Earth Surface Materials
BLOCK 2	REMOTE SENSING PLATFORMS AND SENSORS
Unit 5	Satellite Orbits and Instrumentation
Unit 6	Satellite Systems Parameters
Unit 7	Sensor Parameters
Unit 8	Resolution of Remotely Sensed Data
BLOCK 3	REMOTE SENSING DATA ANALYSIS
Unit 9	Visual Image Interpret
Unit 10	Digital Data Formats and Data Processing
Unit 11	Digital Image Interpretation
Unit 12	Digital Image Classification
BLOCK 4	GEOGRAPHICAL INFORMATION SYSTEMS AND GPS
Unit 13	Components of GIS AND GPS
Unit 14	GIS Database Creation
Unit 15	GIS Data Editing and Data Quality
Unit 16	GIS Data Analysis
Unit 17	Integration of Remote Sensing, GPS and GIS, Modeling
BLOCK 5	RS & GIS FOR ENVIRONMENTAL MANAGEMENT
Unit 18	Land Resources
Unit 19	Geo-Sciences Applications
Unit 20	Water Resources
Unit 21	Oceanographic Applications
Unit 22	Forestry and Ecology

ES504- ENVIRONMENTAL HEALTH AND NATURAL HAZARDS

Credits 04

Objective: To develop understanding and skills in environmental pollution and its consequences on health of biota including human-beings with emphasis on globalized human well-being

BLOCK 1	HEALTH CONCEPTS
Unit 1	Health – Environment
Unit 2	Population Growth
Unit 3	Epidemiology
Unit 4	Community Health
BLOCK 2	HEALTH HAZARDS
Unit 5	Radiation Hazards
Unit 6	Chemical Hazards – Air
Unit 7	Chemical – Water
Unit 8	Public Health and Environmental Toxicology
BLOCK 3	HAZARDS CONTROL, MITIGATION AND POLICY
Unit 9	Air Quality Issues
Unit 10	Water Sanitation
Unit 11	Public Health Issues
Unit 12	Occupational Health Issues
Unit 13	Industrial Accidents
Unit 14	Toxic and Chemical Waste
Unit 15	Vector Control
BLOCK 4	NATURAL HAZARDS
Unit 16	Volcanoes
Unit 17	Earth Quakes and Tsunamis
Unit 18	Hill slopes, Land Slides, Snowy Mountains
Unit 19	Floods, Cyclones, Droughts
BLOCK 5	ENVIRONMENTAL EDUCATION AND AWARENESS
Unit 20	Need and Scope of Environmental Education
Unit 21	Need and Scope of Environmental Awareness
Unit 22	Environmental Awareness Programmes

Handwritten signature

Handwritten signature and stamp

ES551- AIR POLLUTION AND CONTROL TECHNOLOGIES

Credits 04

Objective: To develop understanding and technical skills in environmental pollution and understanding of pollution control technologies

BLOCK 1 INTRODUCTION

- Unit 1 Air Pollution-Sources
- Unit 2 Global Sources-Importance of Anthropogenic Sources
- Unit 3 Behaviour and Fate of Air Pollutants
- Unit 4 Effects of Air Pollution
- Unit 5 Indoor Air Pollution
- Unit 6 Air Pollution Laws and Standards

BLOCK 2 METEOROLOGICAL ASPECTS

- Unit 7 Air Pollution Dispersions – Temperature Laps Rates and Stability
- Unit 8 Plume Behaviour, Dispersion of Air Pollutants and Gaussian Plume Model
- Unit 9 Air Pollution Sampling and Measurement

BLOCK 3 AIR POLLUTION CONTROL TECHNOLOGIES

- Unit 10 Control Methods – Sources, Correction Methods
- Unit 11 Emission Control Techniques
- Unit 12 Control of Specific Air Pollutants – Sources Wise

BLOCK 4 AIR POLLUTION FROM AUTOMOBILES

- Unit 13 Genesis of Vehicular Emissions – Origin and Mechanism
- Unit 14 Classification of Vehicles – Point Sources of Air Pollution From Automobiles
- Unit 15 Automobile Air Pollution-Indian Scenario
- Unit 16 Automobile Emission Control – Legal Measures

BLOCK 5 AIR POLLUTION FROM SPECIFIC INDUSTRIES

- Unit 17 Thermal Power Plants
- Unit 18 Cement Industry
- Unit 19 Steel Industry
- Unit 20 Oil Refineries
- Unit 21 Paper Industry

BLOCK 6 NOISE POLLUTION

- Unit 22 Characterization of Sound and its Nature of Propagation
- Unit 23 Noise Sources, Control Measures and Health Effects
- Unit 24 Industrial Noise Control

ES552- EIS AND WASTE MANAGEMENT

Credits 04

Objective: To understand EIA and EA as preventive processes for environmentally-sound planning of development with sustainability perspective and to understand waste and waste management

BLOCK 1 ENVIRONMENTAL IMPACT ASSESSMENT – I

- Unit 1 Basic Concepts of EIA
- Unit 2 EIA Methodologies
- Unit 3 EIA of Soil and Ground Water Environments
- Unit 4 EIA of Surface Water Environment

BLOCK 2 ENVIRONMENTAL IMPACT ASSESSMENT – II

- Unit 5 EIA of Air Environment
- Unit 6 EIA of Noise Environment
- Unit 7 EIA of Biological Environment
- Unit 8 EIA of Socio – Economic Environment
- Unit 9 EIA of Human health Environment
- Unit 10 Environmental Audit

BLOCK 3 SOLID WASTE MANAGEMENT

- Unit 11 ISO – 14001
- Unit 12 Solid Waste Management

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
[Stamp: 2024/05/20 10:00 AM]
[Stamp: 2024/05/20 10:00 AM]
[Stamp: 2024/05/20 10:00 AM]

- BLOCK 4 HAZARDOUS WASTES**
 Unit 13 Sources, Characteristics and classification
 Unit 14 Sampling of hazardous waste
 Unit 15 Classification, Storage and transportation
 Unit 16 Hazardous waste Management and Handling rules, 1989
 Unit 17 National hazardous waste Management Strategy
BLOCK 5 HAZARDOUS WASTE MANAGEMENT
 Unit 18 Hazardous waste Management Practices
 Unit 19 Physical, Chemical and Biological treatment methods
 Unit 20 Thermal Process
 Unit 21 Disposal Methods of Hazardous Wastes

ES553- WATER AND WASTE WATER TREATMENT TECHNOLOGIES

Credits 04

Objective: To provide knowledge and understanding of waste water generation and technologies of water treatment.

- BLOCK 1 INTRODUCTION**
 Unit 1 Sources of Water
 Unit 2 Conveyance of Water
 Unit 3 Quality of Water
 Unit 4 Various Stages of Treatment
BLOCK 2 WATER TREATMENT PROCESSES
 Unit 5 Aeration
 Unit 6 Sedimentation
 Unit 7 Filtration – Rapid Sand Filters
 Unit 8 Filtration – Slow Sand Filters
 Unit 9 Disinfection
BLOCK 3 SEWAGE
 Unit 10 Sewage and Analysis
 Unit 11 Sewage Treatment and Analysis
 Unit 12 Solid Waste Disposal
BLOCK 4 WASTE WATER
 Unit 13 Characterisation and Degree of Treatment
 Unit 14 Primary Treatment
 Unit 15 Secondary (Biological) Treatment
 Unit 16 Conventional Biological Treatment
BLOCK 5 TREATMENT PROCESSES – I
 Unit 17 Sludge Treatment and Disposal
 Unit 18 Low Cost Waste Treatment
 Unit 19 Experimental Studies in Biological Waste Treatment
 Unit 20 New Concepts in Biological Waste Treatment
BLOCK 6 TREATMENT PROCESSES – II
 Unit 21 Removal of Odour and Colour
 Unit 22 Industrial Waste Audit
 Unit 23 Cleaner Technologies
 Unit 24 Industrial Waste Treatment- Some Industries

ES554- GLOBAL ENVIRONMENTAL ISSUES

Credits 04

Objective:

- BLOCK 1 GLOBAL WARMING**
 Unit 1 Earth Radiation Budget
 Unit 2 Sea Level rise
 Unit 3 Global Warming and Green House Gases
 Unit 4 Impacts of Global Warming
 Unit 5 Green Solutions to global warming control
BLOCK 2 OZONE DEPLETION

Handwritten signature

Handwritten signature and stamp

Unit 6	Stratospheric Ozone depletion
Unit 7	Consequences of Ozone depletion
Unit 8	Green solutions for the protection of Ozone layer
BLOCK 3	CLIMATE CHANGE
Unit 9	Weather and Climate
Unit 10	Consequences of Climate change
Unit 11	Green solutions to climate change
Unit 12	Climate change – India
Unit 13	Climate change – Agriculture
BLOCK 4	ACID RAIN
Unit 14	Acid Rain – Impacts
Unit 15	Green solutions for Acid Rain
BLOCK 5	NUCLEAR RADIATION
Unit 16	Nuclear disasters
Unit 17	Consequences of Nuclear accidents
Unit 18	Green Technology for nuclear energy
BLOCK 6	GLOBALISATION – ENVIRONMENT
Unit 19	Globalisation
Unit 20	Impacts of globalization on Environment
Unit 21	Sustainability

iii) **Duration of the programme:** Minimum duration of programme is two (02) years and maximum duration if six (06) years

iv) **Faculty and support staff requirement:** One Permanent Faculty is available in Department of Forestry and Environmental Science, School of Science. However, one Academic Associate will be required as support staff for more efficient conduction of the programme.

v) **Instructional delivery mechanism:** The programme will be offered in the Open and Distance Learning (ODL) mode. Guided self study using print (SLM) and electronic media; lecture/ counseling sessions; special counseling sessions and group interactions in Workshop at cluster level; debate on key environmental issues; self-reliant study activities; individual / group work assignment; through MOOC; Project work; Lab sessions and excursion. The delivery material will include printed SLM, assignment, Face to face counseling at the designated study centres during Saturday and Sundays. Laboratory workshop will be conducted for 10 days at designated Study Centres.

f) **Proceedure for admission, curriculum transaction and evaluation**

Eligibility: Bachelor of Science in any science subject discipline with minimum 40% at UG level.

Fee structure: Rs. 10000 per annum (Rs. 5000 per semester)

Evaluation norms: A learner will be evaluated through continuous evaluation (Assignments) and term end evaluation (Term end examination) at the end of semester. Continuous evaluation will carry 20% weightage whereas term end evaluation will carry 80% weightage.

Handwritten signature

Handwritten signature and official stamp

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** In order to carry out laboratory exercises; laboratory is compulsory requirement of the programme and in order to meet this requirement, the laboratory facilities of study centres will be utilized. S/he will be provided laboratory manual as per the need of the programme. Similarly for library, a learner may utilize the resources available at the designated study centre.
- h) **Cost estimates for development of the programme:** Programme will be initiated using SLM of BRAOU. However, University has planned to evolve its own SLM. For own SLM development following amount will be required:

Activities	Units / Pages	Amount (Rs.)
A. Masters Level Programmes (First Year)		
1. Unit Writing (@ Rs. 6000/ unit)	315 Units	1890000.00
2. Typing (@ Rs.20/ per page)	7875 Pages (Per unit approx. 25 pages)	157500.00
3. Postal Expenses (Approx.)	-	5000.00
	Total A	2052500.00
B. Masters Level Programmes (Second Year)		
1. Unit Writing (@ Rs. 6000/ unit)	303 Units	1818000.00
2. Typing (@ Rs.20/ per page)	7575 Pages (Per unit approx. 25 pages)	151500.00
3. Postal Expenses (Approx.)	-	5000.00
	Total B	1974500.00
	GRAND TOTAL (A+B+C)	4027000.00

- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled and sound indigenous human capital with interdisciplinary perspective for services related to rural development, urban planning, sustainable development, natural resource management, biodiversity development, wasteland rehabilitation, disaster management and environmental management, in general, and in corporate sector, in particular.

The programme will be implemented through only those Government Degree Colleges/ Universities / Institutions which have facilities for conducting laboratory counseling. In addition to this University will organize Laboratory workshop in designated places once (year/semester) for additional back up to the students so that competent and skilled human resource is produced. Further, the Programme and SLM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human capital with interdisciplinary perspective for services related to rural development, urban planning, sustainable development, natural resource

Handwritten signature

Handwritten signature and stamp

management, biodiversity development, wasteland rehabilitation, disaster management and environmental management, in general, and in corporate sector, in particular

- Promotion of responsible consumerism from home to market, and holistic humanistic marketing and business
- Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers

Handwritten signature

Handwritten signature
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वार, उत्तराखण्ड

Programme Project Report (PPR)

(Master of Science and Master of Arts (Geo-Informatics))

- a. **Programme's mission & objectives:** The proposed programmes based on the new technologies related to Geographic Information System (GIS) would greatly improve the learner's ability to collect, store, analyse and utilise geographical information. In the present era GIS is fast emerging as one of the best technologies to understand and solve problems associated with the geographic dimensions. GIS can be regarded as the spatial hub of Information Technology (IT). GIS, ITIS and MS have a variety of uses right from agriculture, archaeology, environment, geology, health, land information system, military, urban and rural development, transportation, telecommunication, power, water resource, natural and man-made disasters, oil and natural gas, banking and insurance, business geographic, mobile mapping, etc.
- b. **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. The M.Sc. and M.A. programmes in Geo-Informatics are two-year programme for learners who want to specialize in geoinformatics for assessing, monitoring, evaluating and managing the resources across sector. The study of geoinformatics equips students with space technologies and geospatial models that can support both estimation and analysis. The goal of the Geo-informatics programme is to provide students with both the breadth and depth of knowledge in geoinformatics required for solving real-world problems. The students will gain the unique knowledge and skills necessary to facilitate the design, development, and deployment of complex systems and applications in a rapidly changing geoinformatics profession. Graduates will be able to deploy and manage geoinformation systems in industry, conduct research in geoinformatics. Students completing this course will be equipped to follow careers in managing, presenting and analysing spatial and geographic information, or developing spatial and geographic systems and applications in a wide variety of organisations and application areas. The technology enhanced e-learning methodologies with web based course management system and online learning system enriches the programme, allows broadening their horizon.
- c. **Nature of prospective target group of learners:** Applicants for the M.Sc. and M.A. in Geo-informatics programmes should have one of the following:
 - Candidates with Science/Technology stream at the graduation level shall be awarded M.Sc. (GIS) (Geo-Informatics) degree and the candidates with non-science background shall be awarded with MA(GIS/Geo-Informatics) degree.
 - Lateral entry to the second year permitted to the candidates with one year post-graduate diploma in geoinformatics from recognized University/Institutions.
- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programme. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. Most hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through post study center. The study material can also be downloaded through the University's e-repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:
 - self-instructional printed material
 - audio / video cassettes and CDs

- audio-video programmes transmitted through Helio Haldwani TM Radio and Elishat, and at study centre.
 - face-to-face counselling at study centres by academic counselors
 - reference library at study centre
 - web based academic support
 - assignments
 - practical
- The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.

- e. **Instructional Design:** Open and Distance learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio-video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The Master programme in geo-informatics is of 48 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. The duration of the programme is 2 years and the courses are carefully designed to attain both scientific and technical aspects that enable them to grow into competent, seasoned professionals. There are 6 core courses, one mini-project and one major project spread across 2 years accumulating 48 credits (Details attached in Appendix A).

- a. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Direct admission to Geo-Informatics program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies, the second year is more focused on core courses providing conceptual framework and provides the specialization and the project work. The total numbers of courses in this geo-informatics programme are 6 and the total number of credits is 48. Evaluation for each course covers two aspects:
 - Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
 - Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfil the requirements for acquiring the M/GIS, a student may clear all the courses in a maximum of 2 years and a maximum of 4 years. In case the student is unable to pass all the courses of the M/GIS programme in 4 years, s/he can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which s/he is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate.

- f. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also have a subscription of National Digital Library to provide the learners with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.
- g. **Cost estimate of the programme and the provisions:** It is proposed to review the programme in every 3-5 years. Therefore, Rs. 15,00,000 (Fifteen Lakhs) is assigned for program revision and maintenance.
- h. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program syllabus is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the

Prabhat Prabhat

R

Dr. [Signature]

model curriculum of the programme recommended by AICTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years. MSc(GIS) and MA(GIS) programmes has been designed to prepare the learners for obtaining the following program outcomes:

- ✓ An ability to explain the principles, theories, tools and techniques of geoinformatics.
- ✓ An ability to apply specialised knowledge of geoinformatics to a wide range of disciplines.
- ✓ An ability to use the skills required to work individually or as a member of a team.
- ✓ An ability to apply creative and critical thinking in solving applications in multidisciplinary areas using geoinformatics.
- ✓ An ability to formulate and effectively communicate professional opinions on topical issues.
- ✓ An ability to develop research capabilities to contribute to the further academic and professional development of geoinformatics.

Appendix 1

Title of Programme: ~~M.Sc. in Geoinformatics~~ **M.Sc. (Geo-Informatics)**
Programme Code: MGIS-17
Programme Mode: ~~Yearly~~ **MA. (Geo-Informatics)**
Admission Cycle: ~~Every Year~~ **twice**
Qualifying: Graduation
Duration: ~~Min: 2 Years~~
Max: 4 Years

SEM Availability: Medium: English

Total Credit:

Year	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	18,250	600	1,500	NA	NA	20,350
Second	18,250	300	1,500	NA	NA	20,050

Objective of the Programme: The proposed programmes based on the new technologies related to Geographic Information System (GIS) would greatly improve the learner's ability to collect, store, analyze and utilize geographical information. In the present era GIS is fast emerging as one of the best technologies to understand and solve problems associated with the geographic dimensions. GIS can be regarded as the spatial hub of information technology (IT). GIS, GPS and RS have a variety of uses right from agriculture, archaeology, environment, geology, health, land information systems, military, urban and rural development, transportation, telecommunication, power, water resource, natural and man-made disasters, oil and natural gas, banking and insurance, business geographic, mobile mapping, etc.

Programme Structure:

S.N	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
1	Introduction to Informatics	MGIS-01	Theory	Assignment	Total	8	12
2	Geographical Information Systems	MGIS-02	40	20	100	8	18
3	Remote Sensing & GPS	MGIS-03	80	20	100	8	18
4	DIP & Mapping	MGIS-04	80	20	100	8	24
5	MINI PROJECT	MGIS-05			100	8	24

S. No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Counseling Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Photogrammetry	MGIS-06	80	20	100	8	12
2	Advance GIS and RS	MGIS-07	80	20	100	8	18
3	FINAL PROJECT	MGIS-08			100	8	18

Madan Dabral

Dr

7/8/2017

Buffering, Clip, Union, Intersect, Identity, Traverse

Link 3: Data: Spatial & Non-spatial J

Introduction to Spatial Data Concepts of Geoid, Datum, Spheroid, Ellipsoid

Choice of a Projection system

Introduction to Non-Spatial Data

Linkages of Spatial and Non-spatial Effects

1. Buttrigh, Peter A. and Jasechek A. McDermell. 1996. *Principles of Geographical Information Systems*. Published by Oxford University Press, Toronto. ISBN13: 9780196236357 ISBN10: 0196231365
2. Clarke, Keith C. 2000. *Geographic Information Systems*, 4th ed., Prentice Hall

NOT A MEMBER?

Mobile Security & GPS(MGISD)

negative: Remote sensing is the science (and to some extent, art) of acquiring information about the Earth's

since without ecology's being

gy and processing, analyzing, and applying that information." This course will introduce remote sensing applications in GIS.

७ न्याय

- ### 4.3: Remote Sensing
- #### Introduction to Remote Sensing

Electromagnetic Spectrum
 Measurement of RF - Electrical Power
 Bush Brown White Hirsch

3.2. *Satellites and Sensors*

Simple Band

Multiplicativity

GPS Errors and Correction:
Application of GPS: Location, Height, Track, Navigation, Timing
Corrected Readings:

1. Campbell, James H. 2000. *Introduction to Remote Sensing*. 4th ed., Published by The Guilford Press, New York, New York. ISBN NCh: 9781593853198

Published by Prentice Hall Series

3. Jensen, John R. *Remote Sensing Of The Environment* (2nd Ed.), published by Douglas MacIntyre

4. Lillesand, Norman M., Ralph W. Kester, and Jonathan W. Culpinan. 2004. *Acoustic ecology and the*

三

—

100

Teil 1: Semester

Index

Objective: To introduce digital image processing & mapping

Results: 28

Unit 1: Digital Image Processing

Remote Sensing Data Types Image Interpretation Keys Image Rectification and Corrections Image

Unit 2: Data : Spatial & Non-spatial II

Different formats of Non-spatial Data, Tables, charts Conversion of GPS Data and use Database Filing

Figure 3: Digital Elevation Model

What is DEM? Sources to create a DEM: Terrain Mapping: Slope, Aspect, Viewshade, Relief

Unit 4: Aesthetics of Map Composition

Purpose of the Map Mapping Proportions and Scales Labelling

សម្ព័ន្ធមេឌី ភីធីប័ណ្ណុន៖

1. Jensen, John R. *Remote Sensing Of The Environment* (2nd Edn.). Published by Dorling Kindersley India. (2006) ISBN NO. 91-01-18893-06 ISBN 13: 9780131888307
2. Lillesand, Thomas M., Ralph W. Kiefer, and Jonathan W. Chipman. 2004. *Remote Sensing and Image Interpretation*, 5th ed., Published by John Wiley and Sons, Toronto. ISBN NO: 0471152277
3. Chakraborty, Keith C., Parks, Bradley D., and Hitchcock P. (Eds.) 2001. *Geographic Information Systems and Environmental Modeling*. Published by Prentice-Hall Inc., Upper Saddle River, New Jersey. ISBN NO. 0-13-004081-74 ISBN 13: 9780130408174
4. Longley, P. A., M.P. Goodchild, D.J. Maguire, D. W. Rhind. *Geographical Information System Volume 1: Principles and Technical Issues* Volume II: Management Issues and Applications Published by John Wiley & Sons ISBN NO: 978-0-471-37545-8
5. Mitra, R.P. and A. Banerjee. 1983. *Fundamentals of Cartography* (Revised and Enlarged). Published by Concept Publishing Company, Madhav Garden, New Delhi, India. ISBN (Paperback): ISBN NO: 9788170222324

Belton Dabbs

20

28

Programme Project Report (PPR)

MAGE/MSCGE (MA/M.Sc. Geography)

Department of Geography & Natural Resource Management
Uttarakhand Open University

Programme's mission & objectives: The mission of the programme is to provide the learners/students the opportunity to learn, and through Geographical education to promote global perspective, international understanding and how human, physical and environmental components of the world interact. It is also aimed to help learners/students to develop an understanding with the application of Geographical perspective and knowledge so that they can solve the human, physical and environmental problems and concerned issues.

The objectives of the programme will be to make learners capable of:

- Understanding of course content;
- Knowing geographic terminology;
- Employing methods of presenting Geographic information and theories.
- Applying tools and techniques of Geographical research;
- Classifying, interpreting and analyzing data;
- Being familiarized with economic processes such as globalization;
- Introducing themselves to the main regions of the world in terms of their uniqueness and similarities (Spatial Differentiation);
- Being trained in cartography;
- Learning how to use Geographic Information system for cartography. GIS is an important tool to apply the geographical methodology.
- Presenting clear, concise and logical arguments based on specific and relevant examples.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

One of the mission of higher education particularly Open and Distance Learning Institutions is to provide greater opportunities of access to Higher Education with equity to all the eligible persons and in particular to the vulnerable sections. The Uttarakhand state is hilly state having a remote geographical area; therefore, a large number of learners/students cannot access to the college for higher education due to geographical problem (difficult terrain). Thus the master's degree & bachelor degree programmes are very useful for the potential learners/students. Particularly in the field of Anthropocene, Disaster Management, hydrogeomorphology, climate change, climatological studies, Geomorphology, Land use land cover studies, Watershed Management & Remote Sensing & GIS.

मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (वि.वि.स.)

Nature of prospective target group of learners:

Geography being a multidisciplinary subject has its usefulness and applicability in every sphere of life, society, culture and organization. The target group of learners will be those learners who wish to opt for Geography for making career in **Government organizations** on the capacity of Urban planner/ Community Development Personnel, Cartographer, GIS Specialist, Climatologist, Transport Manager, Environmental Manager, Writer, Scientist, Teaching/Faculty, Emergency Management Personnel, Demographer, Forest Service provider, Librarian/ Information Scientist, National Park Service Ranger, Disaster Management Personnel etc., And in **Non-Government Organizations** such as International Union for Conservation of Natural Resources, Real Estate Appraisal, as well as **Private Service Provider** to provide for services like organising tours for excursion, trekking etc. Also those learners who have left their higher education due to some reasons and those who have gained the knowledge of the subject will be the target group.

Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence:

This programme has been planned to be offered in the distance mode and by making learning accessible through part-time study, outside the working hours, independently.

Geography is a discipline that provides students not only with ample career opportunities rather it provides students with knowledge about our rapidly-changing world and how humans are impacting our planet earth.

This Degree course in Geography aims at building and strengthening the capabilities of in-service workers as well as new aspirants who wish to gain necessary geographical, environmental, global knowledge.

Instructional design:

Curriculum design: Before designing the programmes and courses in Geography, attempts were made to draw upon the literature produced by other academic and professional institutions in India and abroad. Due attention has been paid in balancing the theoretical knowledge with laboratory study, field survey/ studies, and Project work. The programme structure is given as follows:



Syllabus of M.A./M.Sc. Geography

MA/M.Sc. I year (First Semester)

GE501: FUNDAMENTLES OF GEOMORPHOLOGY

Block-1 Conceptual Base

- Unit-1 Nature, Scope, Trends and Development of Geomorphology
- Unit-2 Concepts of Geomorphology
- Unit-3 Classical Landscape Evolution/Development Theories: W.M.Davis, W.Penck, L.C.King and Hack.
- Unit-4 Concept of Morphometric Regions
- Unit-5 Recent Trends in Geomorphology

Block-2 Landforms and Processes

- Unit-6 Tectonic processes and tectonic landforms both large and small scales
- Unit-7 Drainage patterns and systems
- Unit-8 Periglacial processes and landforms
- Unit-9 Glacial processes and landforms
- Unit-10 Arid processes and landforms
- Unit-11 Water processes and landforms
- Unit-12 Karst Topography
- Unit-13 Anthropogenic Geomorphology
- Unit-14 Marine and Coastal landforms
- Unit-15 Lakes: Origin, types and distribution

GE-502 FUNDAMENTALS OF NATURAL RESOURCE MANAGEMENT

Block-1 Introduction to Natural Resource Management

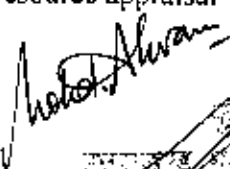
- Unit-1 Definition, Nature & Classification of Resources
- Unit-2 Concept, models and approaches to natural resource management
- Unit-3 Problems of resource utilization; population pressure development and resource use
- Unit-4 Natural hazards and risk management

Block-2 Spatial Distribution of Resources

- Unit-5 Global and Indian scenario; historical background
- Unit-6 Resource exploitation, utilizations vs exploitation
- Unit-7 Resource depletion; soil, water, minerals, forests

Block-3 Resource appraisal

- Unit-8 Significance of resource appraisal in resource management
- Unit-9 Appraisal of Land resources, geophysical, geochemical geobotanical
- Unit-10 Use of GIS and remote sensing in resource appraisal


 Head of Department
 Department of Geography
 University of Delhi
 New Delhi

GE-503: PRINCIPALS OF PHOTOGRAMMETRY AND REMOTE SENSING

Block-1 Fundamentals of Photogrammetry

- Unit-1 Photogrammetry
- Unit-2 Aerial photos
- Unit-3 Principals of stereophotogrammetry
- Unit-4 Measurements and rectification
- Unit -5 Types of aerial photography

Block-2 Remote Sensing

- Unit-6 Fundamentals of Remote sensing - I
- Unit-7 Fundamentals of Remote sensing - II
- Unit-8 Fundamentals of Remote sensing - III

GE-504: FUNDAMENTALS OF GEOGRAPHICAL INFORMATION SYSTEM & GLOBAL POSITIONING SYSTEM

Block-1 Geography and GIS

- Unit-1 Evolution of GIS
- Unit-2 GIS and Computer
- Unit-3 Basics of GIS
- Unit-4 Map projections

Block-2 Geographical data sets

- Unit-5 Geographical data types
- Unit-6 Principal functions of GIS - I
- Unit-7 Principal functions of GIS - II

Block-3 Global Positioning System

- Unit-8 Basic Concept I
- Unit-9 Basic Concept II
- Unit-10 Basic Concept III

GE 505 GEOGRAPHY OF INDIA

Block-1 General & Physical Introduction

- Unit-1 Location & Extent
- Unit-2 Geology and Physiographic regions
- Unit-3 Drainage Systems of India
- Unit-4 Climate
- Unit-5 Soils and Natural vegetation

Handwritten signature and stamp:
 The signature is written in cursive. Below it is a rectangular stamp containing text in Hindi and English, which is partially illegible due to the angle and quality of the scan.

Block-2 Population and other Human Aspects

Unit-6 Population distribution, density & Growth, Population composition: Age, sex, literacy & occupational structure

Unit-7 Urbanization & its trends

Unit-8 Tribal areas and their problems

Unit-9 Population problems and policies

Block-3 Agricultural and Industrial Scenario

Unit-10 The infrastructure development

Unit-11 Institutional factors

Unit-12 Industrial Scenario

M.A. GE- 506 WORLD REGIONAL GEOGRAPHY I

Block-1 Conceptual Bases

Unit-1 Regional Geography, Concepts, Approaches, Methods and Significance

Unit-2 Major World Regions and blocks on various delimitation bases

Unit-3 Trade and Development Regionalization

Block-2 Natural Regions of the World

Unit-4 Physical Regions

Unit-5 Vegetation Regions

Unit-6 Climatic Regions

Unit-7 Biogeographical Regions

Block-3 Resource and Cultural Regions

Unit-8 Resource Regions

Unit-9 Population Regions

M.Sc. GE-507 FUNDAMENTALS OF SOIL GEOGRAPHY

BLOCK 1. CONCEPTUAL BASE

UNIT 1: Definition, nature and scope of Soil geography and Pedology

UNIT 2: Place of Soil Geography in geography and its relation with other branches of geography

UNIT 3: Approaches in soil geography

UNIT 4: Soil forming factors

BLOCK 2. SOIL PROPERTIES AND MORPHOLOGY

UNIT 5: Physical and Chemical properties of soils

UNIT 6: Soil morphology

UNIT 7: Soil Reactions



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सदर (देहरादून)

BLOCK 3. FORMATION AND CAPABILITY

UNIT 8: Soil Forming Processes

UNIT 9: Soil Catena

UNIT 10: Land Capability

UNIT 11: Land Suitability Classification

M.Sc.GE- 508 FUNDAMENTALS OF BIOGEOGRAPHY

Block-1 Fundamental Concepts

Unit-1 Concept, Scope, Significance and Development of Biogeography

Unit-2 Place of biogeography in geography, recent trends in bio geography

Unit-3 Environment, Habitats and Plant-animal Association

Block-2 Plant Geography & Plant Succession

Unit- 4 Elements of Plant Geography

Unit- 5 Distribution of Forests

Unit- 6 Major Plant Communities

Unit- 7 Ethno-plant geography

Unit-8 Plant successions in newly formed landforms, Examples from flood plains and glacial plains

Unit- 9 Zoogeography and its environmental relationship

GE-509

PRACTICAL

Block-1 Fundamentals of Cartography

Unit-1 Cartography: Nature, scope & development, Maps: Types & Their function, Map as a tool of analysis and synthesis

Unit-2 Relief maps and diagrams: Depiction of relief, slope and gradient, profiles, methods of slope analysis (e.g. Wentworth, Smith) and altimetry frequency curve

Unit-3 Climatic maps & diagrams: Climatic maps and diagrams, Representation of climatic data: isopleths, Columnar diagrams, Wind rose diagrams, Rainfall dispersal diagrams, Hythergraph & Climographs

Unit-4 Cartographic representation of Socio- economic data: Dots, proportional squares, circles, spheres, choropleths, star and scatter diagrams, ergographs, flow line diagrams

Lab Work 60-Marks

Practical Work 40-Marks

Distribution of Marks of Practical Work

1-Record Work 20Marks
2-Viva -voice.....20Marks

Handwritten signature: Mahesh Kumar
Stamp: MAHESH KUMAR
 HOD, DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
 UNIVERSITY OF JALGAON
 JALGAON - 392 005

M.A./M.Sc.- I (SECOND SEMESTER)

GE -510 ADVANCED GEOMORPHOLOGY

Block-1 Landscape Evolution

Unit-1 Radiocarbon dating

Unit-2 Tree-ring dating (Dendrochronology) and Lichenometry

Unit-3 Interruptions in the evolution of landforms: Polycyclic landforms

Block-2 Theories and Techniques

Unit-4 Theories of Hill-slope Evolution

Unit-5 Erosion surfaces

Unit-6 Geomorphic Mapping Techniques

Unit-7 Systems and Models in Geomorphology

Block-3 Applied Geomorphology

Unit-8 Geomorphic Hazards and Mitigation Measures

Unit-9 Geomorphology in Civil Engineering and Groundwater Studies

Unit-10 Geomorphology in Soil, Agriculture and Resource Management

GE-511 RESOURCE MANAGEMENT AND PLANNING

Block-1 Conservation and management of resources

Unit-1 Resource Analysis; Resource Mapping; Natural Resources Information System

Unit-2 Scarcity, Hypothesis, Resource analysis

Unit-3 Meaning, principles, philosophy and approaches to conservation

Unit-4 Resource conservation and management Strategy

Block-2 Resource Development & Policy Making

Unit-5 Sustainable resource management concept, methods, dimension and sustainable system

Unit-6 Integrated resource development and its application

Unit-7 People's participation and shared decision making in natural resource management

Unit-8 Gender issue and livelihood issues in natural resource management

Unit-9 Community Based Natural Resource Management

Unit-10 Institutional arrangements and policy models towards better management and conservation of resources

GE-512 INTERPRETATION AND APPLICATION OF PHOTOGRAMMETRY AND REMOTE SENSING DATA

Block-1 Applied Photogrammetry and Remote Sensing

Unit-1 Elements of image interpretation

Handwritten signature
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशाल)

- Unit-2 Remote sensing data
- Unit-3 Data corrections
- Unit-4 Data manipulation

Block-2 Applications of Photogrammetry & Remote Sensing

- Unit-6 Remote Sensing & Geomorphology
- Unit-7 Remote Sensing & Disaster Management
- Unit-8 Remote Sensing & Urban Planning
- Unit-9 Remote Sensing & Land use Planning
- Unit-10 Remote Sensing & terrain evaluation

GE-513 APPLICATIONS OF GEOGRAPHICAL INFORMATION SYSTEM & GLOBAL POSITIONING SYSTEM

Block-1 GIS Applications

- Unit-1 Geography as a spatial science
- Unit-2 Application of GIS I
- Unit-3 Applications of GIS II
- Unit-4 Applications of GIS III
- Unit-5 Applications of GIS IV

Block-2 GPS applications

- Unit-6 GPS in mapping I
- Unit-7 GPS in mapping II
- Unit-8 GPS in mapping III
- Unit-9 GPS in mapping IV

M.A.GE-514 ADVANCED REGIONAL GEOGRAPHY OF INDIA

Block-1 Agriculture Scenario

- Unit-1 Agriculture regionalization
- Unit-2 Agricultural efficiency and productivity
- Unit-3 Green, white, blue and yellow revolutions and its impact in agriculture production
- Unit-4 Agricultural strategies

Block-2 Industrial Resource Base

- Unit-5 History of industrial development factors of localization
- Unit-6 New industrial policy, globalization and liberation
- Unit-7 Industrial complexes and industrial regionalization

Block-3 Regional Divisions of India

- Unit-8 Detailed study of Kashmir Region, Uttarakhand Himalaya
- Unit-9 Lower Ganga Plain

(Signature)
कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
देहरादून (उ.प्र.)

Unit-10 Chota-Nagpur Plateau

Unit-11 Thar Desert, Aravali uplands, Malabar costal region

M.A. GE- 515 WORLD REGIONAL GEOGRAPHY II

Block-1 Cultural and Economic Regions

Unit-1 Cultural Regions

Unit-2 Agricultural Regions

Block-2 Industrial Regions

Unit-3 Industrial Regions

Unit-4 Micro Agro Industrial Regions of India, USA , Japan and China

Block-3 Trading Blocks, regional development & planning

Unit-5 Concept Evolution of trading blocks

Unit-6 Continental Trading blocs: OPEC,EEC, USA

Unit-7 Global trading blocks

Unit-8 Important concepts, approaches and methods of Regional Development

Unit -9 Planning regions of Uttarakhand

M.Sc.GE-516 ADVANCED SOIL GEOGRAPHY

BLOCK 1. TAXONOMY AND PROFILES

UNIT 1: Genetic Classification of soils

UNIT 2: Soil Taxonomy

UNIT 3: Soil order and sub-order level

UNIT 4: Soil Landscape Mapping

BLOCK 2. SOIL DEGRADATION AND MANAGEMENT

UNIT 5: Methods of Assessing Soil Erosion

UNIT 6: Natural and Anthropogenic Factors of Soil Degradation

UNIT 7: Soil Erodibility

UNIT 8: Soil Conservation and Management

M.Sc.GE- 517 ADVANCED BIOGEOGRAPHY

Block-1 Biodiversity

Unit-1 Physical factors influencing world distribution of animals and their actual world distribution; classification & distribution of animals

Unit -2 Faunal regions

Unit -3 Biomes and their types

Unit -4 Bio-diversity and its depletion through natural and man-induced causes

Handwritten signature

मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड राज्य विद्यापीठ
देहरादून, उत्तराखण्ड

Block-2 Climate Change: Temporal Perspectives

- Unit- 5 Paleo botanical and Paleo climatological records of environmental Changes
 Unit- 6 Impact of Climate Change on Flora and Fauna with special reference to Uttarakhand Himalaya

Block-3 Biotic Resource Management

- Unit- 7 National Forest and Wildlife Policy of India
 Unit- 8 Conservation of biotic resources
 Unit -9 Bioinformatics
 Unit- 10 Protected Areas and their management with special reference to National Parks, Wildlife Sanctuaries and Biosphere Reserves of Uttarakhand

GE-518

PRACTICAL

Block-1 Statistical Methods

- Unit-1 Sampling theory: Basic concepts of probability, test & significance 't' test & 'chi square' test
 Unit-2 Measures of dispersion: Variability, Range, Mean deviation, Quartile deviation, Standard deviation
 Unit-3 Correlation: Karl Pearson & Spearman's, Regression analysis

Block-2 Field work report

- Unit-4 Detailed field survey of the area (including Physical and cultural aspects)

Lab Work 60-Marks
 Practical Work 40-Marks

Distribution of Marks of Practical Work

- 1-Record Work (Viva -based).....10Marks
 2-Field work (Viva -based).....20Marks
 3-Viva -voice.....10Marks

M.A./M.Sc. II (THIRD SEMESTER)

GE-601 GEOGRAPHICAL THOUGHT & METHODOLOGY

Block-1 Basic Concepts

- Unit-1 Meaning, Definition, Aims & Purpose of Geography
 Unit-2 Significant Measurements in Geography
 Unit-3 Development of Geography & its Branches
 Unit-4 Approaches of Geography I

V. Mohan Kumar
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड प्रमुख विश्वविद्यालय
 मसुरी (वि.प्र.)

BLOCK-2 Developments of Geographical Thoughts

- Unit-5 Geography as a scientific discipline
- Unit-6 Geographers Contribution
- Unit-7 Contributions of Modern Geographers
- Unit-8 Explorations, Discoveries and Impacts

GE-602 FUNDAMENTLES OF REGIONAL PLANNING AND DEVELOPMENT

Block-1 Regional concept in geography

- Unit-1 Concept, Scope & purpose of Regional planning
- Unit-2 Changing concept of the region from an inter disciplinary view-point, concept of space, area and location attributes
- Unit-3 Types of regions: Formal and functional; uniform and nodal, single purpose and composite region, in the context of planning; regional hierarchy; special purpose regions
- Unit-4 Theories of regional development

Block-2 Types of Regions

- Unit-5 Physical regions, Resource regions and socio-economic development regions
- Unit-6 Special purpose regions-river valley regions, Metropolitan regions
- Unit-7 Problem regions - hilly regions, tribal regions, drought and floods prone regions

Block - 3 Regional Planning

- Unit-8 Planning process - sectoral, temporal and spatial dimensions; short-term and long term perspective planning
- Unit-9 Indicators of development and their data sources, measuring levels of regional development and disparities
- Unit-10 Planning for a region's development and multi-regional planning in a national context

GE-603 PRINCIPLES OF DISASTER MANAGEMENT

Block-1 Fundamentals of Disaster Management

- Unit-1 Disaster Management – Concept & Philosophy
- Unit-2 Significance of disaster management
- Unit-3 Disaster threat
- Unit-4 Disaster & disaster management cycle

Block-2 Long term measures

- Unit-5 Prevention
- Unit-6 Mitigation
- Unit-7 Preparedness

Handwritten signature: Anand K. Sharma

Handwritten text: 2/2/21

मुख्य अधिकारी
राज्य सरकार
राज्य विधानसभा

- Unit-8 Disaster & development
- Unit-9 Disaster legislature
- Unit-10 Counter disaster resources
- Unit-11 Disaster Management Plans

GE-604 FUNDAMENTALS OF WATERSHED MANAGEMENT AND ECOSYSTEM

Block-1 Conceptual base

- Unit-1 Introduction of Watershed Management
- Unit-2 Watershed as a natural unit
- Unit-3 Approaches of watershed management

Block-2 Ecosystem and energy environment Unit-4 Land use /Land cover pattern

- Unit-5 Natural resource appraisal & development
- Unit-6 Ecological Processes & ecosystem
- Unit-7 Hydrological cycle, energy analysis and energy budget

Block-3 Environmental status & hazards

- Unit-8 Environmental health status of the watershed
- Unit-9 Impact of environmental and anthropogenic interferences on the status & quality of watershed
- Unit-10 Natural hazards
- Unit-11 Impact of natural and anthropogenic activities on ecosystem

M.A.GE- 605 FUNDAMENTLES OF RURAL DEVELOPMENT AND PLANNING

Block 1 Fundamental Base

- Unit-1 Meaning Concept and Scope of Rural Development and Planning

- Unit-2 Approaches to Rural Development; Policies and Paradigms Rural development Programmes
- Unit 3 Basic Infrastructure for Rural Development
- Unit 4 People's Participation in Rural Planning

Block- 2 Infrastructure Development

- Unit 5 Dimensions of Rural economy: Physical and Socio-economic Infrastructural Base
- Unit 6 Spatio-functional Analysis and Functional gaps
- Unit 7 Central Place System and Hierarchy of Rural Settlements

Block 3 Rural Agro-Environments

- Unit 8 Rural Land Use: Concepts, Principles and Classification
- Unit 9 Rural Land Use Changes and Systems in India

[Signature]
 पुस्तक सचिव
 जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय
 काशी, 221 005

M.A/M.Sc.GE-606 BASICS OF CLIMATOLOGY

Block-1 Fundamentals of Climatology

- Unit-1 Nature and scope of climatology and its relationship with meteorology
- Unit - 2 Composition, mass and structure of the atmosphere, elements of climate
- Unit-3 Insolation, heat balance of the earth, green house effect; vertical and horizontal distribution of temperature
- Unit-4 Atmospheric motion: Forces controlling motion of air vertical motion and vorticity, local winds, jet stream, general circulation in the atmosphere
- Unit-5 Atmospheric moisture: Humidity, evaporation, condensation, precipitation, cloud formation, types, acid rain, world distribution and pattern of precipitation

Block-2 Weather systems

- Unit-6 Tropical, temperate and high latitude weather systems
- Unit-7 Concept of air masses, fronts, frontogenesis and cyclones and anticyclones
- Unit-8 Ocean- atmospheric interaction - El Nino, southern oscillation (ENSO) and La Nina, monsoon winds, norwesters, and cyclones
- Unit-9 Tropical temperate phenomena, climate of India and its controls: Western disturbances

M.A.GE-607 BASIC CONCEPTS OF AGRICULTURAL GEOGRAPHY

Block-1 Fundamentals of Agriculture Geography

- Unit-1 Nature, scope, significance and development of agriculture geography
- Unit-2 Approaches to the study of agricultural geography: Commodity, systematic and regional systems
- Unit-3 Origin and dispersal of agriculture, Sources of agricultural data
- Unit 4 Agriculture land use and location theories

Block-2 Determinants of agricultural land use

- Unit-5 Physical, economic, social, and technological agricultural land use
- Unit-6 Land holding and land tenure systems, Land reforms, land use policy and planning
- Unit-7 Selected agricultural concepts and their measurements
- Unit-8 Efficiency and productivity

Block-3 Theories of agriculture geography

- Unit 9 Quantitative methods in agriculture geography
- Unit 10 Methods of delimiting crop combination and agricultural regions
- Unit-11 Von Thunen's theory of agricultural location and its recent modifications
- Unit-12 Whittlesey's classification of agricultural regions; land use and land capability

V. Subramanian
 वसुधैव कुटुम्बकम्
 उन्नाव विश्वविद्यालय
 हरद्वार (उ.प्र.)

M.Sc.GE- 608 FUNDAMENTALS OF URBAN ENVIRONMENT AND PLANNING

Block -1 Theoretical Base

- Unit- 1 Introduction to urban Geography and planning
- Unit- 2 Urban planning in Geography
- Unit- 3 Concepts of urban centers and Urbanization
- Unit- 4 Urban growth with special reference to developing countries
- Unit- 5 Trends of urban growth

Block -2 Morphology and Functions

- Unit- 6 Urban scenario
- Unit -7 Utilization of land resources in urban environment
- Unit -8 Urban profile
- Unit -9 Functions of urban centers
- Unit-10 Functional classifications of towns with special reference to India and Uttarakhand

Block- 3 Central Place System

- Unit-11 Concept of central places I
- Unit-12 Concept of central places II

M.Sc.GE- 609 FLUVIAL GEOMORPHOLOGY

Block-I Fundamentals

- Unit- 1 Fluvial geomorphology and geography
- Unit- 2 Concept of time: cyclic, graded and steady state
- Unit- 3 Theories of landform development
- Unit- 4 The role of water in rock disintegration
- Unit- 5 Drainage pattern evolution and channel changes with time

Block -2 Drainage basin and related aspects

- Unit-6 Drainage basin as a geomorphic unit
- Unit- 7 Morphometric laws
- Unit- 8 Erosion by water on hill slopes
- Unit- 9 Open channel flow

GE-610 PRACTICAL

Block-1 Map projection

- Unit-1 Map projection, Meaning, Principles, Classification and merits
- Unit-2 Construction (with emphasis on graphical and trigonometrical methods) and use of the following projections

V. Mohd. Akram
 कुल संघ
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वार, उत्तराखण्ड

Block-2 Block Diagrams and Geological map

Unit-3 One or two point perspective BD

Unit-4 Geological maps & Cross sections and their interpretation

Block-3 Special network analysis

Unit-5 Measurement of spatial patterns of distribution, nearest -neighbor analysis

Unit-6 Scaling techniques, rank score, weighted score & Z-score

Unit 7 Shape analysis, Gravity Model, topographical properties of transport network

Lab work - 60 Marks

Practical work - 40 Marks

Note: The total time for field exercise-1 hour
The total time for lab exercise -3 hour

Distribution of Marks of Practical Work

1- Record Book (viva based)- 20 marks

2-Viva (on Cartography and Statistical methods)- 20 marks

M.A./M.ASc. II (FOURTH SEMESTER)**GE-611 TRENDS IN GEOGRAPHICAL THOUGHT & METHODOLOGY****BLOCK-1 Contemporary Trends**

Unit-1 Paradigms in Geography

Unit-2 Behavioral Revolution

Unit-3 Approaches in Geography II

Block-2 Nature of Dichotomies in Geography

Unit-4 Dichotomies in Physical and Human Geography

Unit-5 Dichotomies in Systematic and Regional Geography

Unit-6 Dichotomies in Determinism and Possibilism

Unit-7 Dichotomies in Modernism and Post Modernism

Unit-8 Dichotomies in Post Structuralism and Post Colonialism

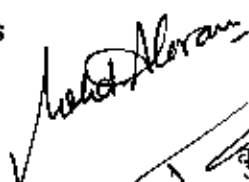
Block-3 Recent Trends in Geography

Unit-9 Techniques and Concepts in Geography

Unit-10 Laws, Theories and Models in explanations in Geography

Unit-11 Latest Technology and Geography

GE-612 ADVANCE REGIONAL PLANNING AND DEVELOPMENT**Block-1 Regional development strategies**


 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 देहरादून (विश्वविद्यालय)

Unit-1 Concentration vs. dispersal, Case studies for plans of developed and developing countries

Unit-2 Regional planning in India, Regional development in India: problems and prospects

Unit-3 Regional disparities: causes and consequences

Block-2 Concept of Multi-level planning

Unit-4 Decentralised planning; peoples participation in the planning process

Unit- 5 Concept and approaches of urban development, Landscape ecology and sustainable urban development

Unit -6 Urban land use planning, management of natural risks of urban growth in Uttarakhand

Unit -7 Application of remote sensing and Geographic Information System in Urban

Development Planning

Unit-8 Panchayati Raj system; role and relationship of Panchayati Raj Institutions (Village Panchayat, Panchayat Samithi and Zila Parishad) and administrative structure (Village, Block and District)

GE-613 DISASTER MANAGEMENT PLANNING AND STRATIGIES

Block-1 Response to disaster impact

Unit-1 Response

Unit-2 Search

Unit-3 Rescue & Evacuation

Unit-4 Logistics

Unit-5 Incident command system (ICS)

Block-2 Major post impact factors

Unit-6 Recovery

Unit-7 Post disaster review and damage assessment

Unit-8 Relief & Rehabilitation

Unit-9 Restructuring

Block-3 Regional pattern of Disaster management

Unit-10 International disaster assistance (IDA)

Unit-11 Leadership in Disaster management

Unit-12 Disaster scenario of Uttarakhand

Unit-13 Disaster management System in Uttarakhand

GE-614 DYNAMICS OF WATERSHED MANAGEMENT

Block-1 Functioning of Ecosystem

Unit-1 Functioning of watershed with particular reference to Uttarakhand Himalaya

Unit-2 Environment Impact Assessment & strategic environment impact assessment

Nishant Heran
 कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 ऋषिकेश (उत्तराखण्ड)

Block-2 Watershed Management

Unit-3 Watershed management-Techniques & methods

Unit-4 Land & Soil conservations

Unit-5 Run-off control

Unit-6 Sustainable environment management plan

Unit-7 Planning of watershed management activities, people's participation, preparation of action plan

Unit-8 Watershed management in UK

M.A.GE- 615 ADVANCE RURAL DEVELOPMENT AND PLANNING

Block 1 Issues of advance rural development and planning

Unit 1 Carrying Capacity of Land; Agricultural Efficiency

Unit 2 Demarcation of Weaker Agricultural Pockets; Rural Marketing and Management

Block 2 Rural Industrialization

Unit 3 Localization and Spatial distribution of Industries

Unit 4 Poverty and under development: Concept and measure of rural poverty

Unit 5 Rural-Urban relationships; Implications of "balanced development" of rural and urban economies

Unit 6 Supply and Demand of Rural Industrial Goods

Block3 Rural Development Planning

Unit 7 Rural Development Strategies in India

Unit 8 Integrated Rural Development Planning with special Reference to Mountain Rural Ecosystems

M.A/M.Sc.GE-616 APPLIED CLIMATOLOGY

Block-1 Climatic classification

Unit-1 Climatic classification of Koppen

Unit -2 Climatic classification Thornthwaite

Unit-3 Major climates of the world -tropical, temperate, desert and mountain climate

Block-2 Climatic changes

Unit-4 Evidences, possible causes, Global warming

Unit-5 Environmental impacts and society's response

Unit-6 Global response to the climate change

Unit-7 Climate change and associated hazards with reference to Himalaya

Vishal Kumar
 20/11/2021
 Head of the Department
 Department of Geography
 Gurukul Kangri Vishwavidyalaya
 Haridwar (Uttarakhand)

Block-3 Applied climatology

Unit-8 Data collection, archiving, accessing

Unit-9 Interpretation and generation of climatic information specially for water balance studies, soils, agriculture activities, house types and health

Unit- 10 Detailed study of Indian Monsoon

M.A.GE-617 APPLIED AGRICULTURAL GEOGRAPHY

Block-1 Agricultural in India

Unit-1 Land use and shifting cropping pattern, Regional pattern of productivity in India

Unit-2 Green Revolution, White Revolution, Food deficit and food surplus regions; nutritional index

Unit-3 Specific problems in Indian agriculture and their management and planning Agricultural Policy in India

Block-2 World pattern of Agriculture

Unit 4 Subsistence agriculture

Unit 5 Commercial farming

Unit 6 Plantation agriculture

Unit 7 Mixed Agriculture

Unit 8 State, collective and cooperative farming

M.Sc.GE- 618 ADVANCE URBAN ENVIRONMENT AND PLANNING

Block – 1 Urban Environmental Problem

Unit-1 Role of Urbanization in regional development

Unit-2 Environmental problems of urbanizations

Unit-3 Constraints of urban settlements

Unit -4 Impact of Urbanization on global environmental

Unit-5 Urban risk

Block – 2 Urban Planning and Management

Unit-6 Urban planning

Unit- 7 Sustainability in urban development

Unit-8 Urban growth and associated facts in Uttarakhand

Unit-9 Geoinformatics in Urban development planning

V. Mohd. Hossain
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
काशी (वि.सं.सं.)

M.Sc.GE- 619 APPLIED FLUVIAL GEOMORPHOLOGY

Block -1 Fundamental of river mechanics

- Unit- 1 Types of flow and flow discrimination I
- Unit- 2 Types of flow and flow discrimination II
- Unit- 3 Solute dynamics

Block -2 Drainage: Hydraulic geometry

- Unit- 4 Hydraulic geometry of streams I
- Unit- 5 Hydraulic geometry of streams II
- Unit- 6 Hydraulic geometry of streams III
- Unit- 7 Hydraulic geometry of streams IV

Block -3 Applied Aspects

- Unit-8 Applied fluvial geomorphology
- Unit-9 Human adjustment to fluvial dynamics
- Unit-10 Fluvial dynamics with changing human interference
- Unit-11 Recent trends in fluvial geomorphology

GE-620 PRACTICAL

Block-1 Surveying

- Unit-1 Nature, Principles and types of Surveying
- Unit-2 Survey with Plane table and Prismatic compass
- Unit-3 Triangulation and use of Theodolite for survey
- Unit-4 Dumpy level survey
- Unit-5 Contouring and determination of heights with Indian Pattern Clinometer
- Unit-6 Use of Telescopic Alidade, Abney Level and Sextant

Block-2 Field Work

- Unit-7 Innovative/ Advance Researches ideas in the following fields

- 1- Disaster Management
- 2- Climatology
- 3- Watershed Management
- 4- Agriculture
- 5- Geomorphology

Lab work - 60 Marks

Practical work- 40 Marks

Distribution of Marks of Practical Work

1-Field work (individual or viva based)-	20 marks
2-Record Book (viva based)-	10 marks
3-Viva-	10 marks

Note: The total time for field exercise-1 hour
The total time for lab exercise -3 hour

V. Mohd. Haniff

कुल सचिव

मनोरंजन एवं विपणन विभाग
मुंबई (महाराष्ट्र)

Duration of the programme: Minimum duration of programme is two (02) years and maximum duration is six (06) years

Faculty and support staff requirement: One Assistant Professor and one Academic Associate are available in Department of Geography & Natural Resource Management, School of Earth & Environmental Science. However, one more permanent faculty member is required for success of the programme

Instructional delivery mechanism: The programme will be offered in the Open and Distance Learning (ODL) mode. Guided self study using print (SLM) and electronic media; lecture/ counseling sessions; special counseling sessions and group interactions in Workshop at cluster level; self-reliant study activities; individual / group work assignment; Project work; Lab sessions and excursion. The delivery material will include printed SLM, assignment, face to face counseling at the designated study centres during Saturday and Sundays. Laboratory workshop will be conducted for 10 days at designated Study Centres

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Admission: Twice in a year

Eligibility: Bachelor of Science or Bachelor of Arts in concerned subject.

Fee structure: Rs. 14600/- per annum

Curriculum transaction

Contact classes and practical shall take place in weekends or holidays at learning centres.

Tutorial classes shall take place as per the number of sessions and hours for each course.

Printed materials: 1- Printed course modules, 2- Printed assignments, 3- Students programme guide including model question papers.

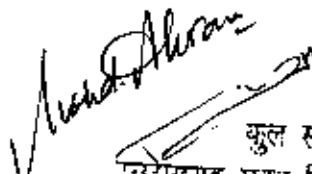
Other materials: Audio and Video programmes. These video programmes in DVD format shall be provided to the students along with printed material.

Evaluation

Self assessment: Self assessment shall take place in each unit with the help of self assessment questions and activities. These assessments shall not carry any weight in terms of exam grading.

Assignments shall comprise 20% weight in the scheme of assessment.

The Term- End Exam which shall take place in designated exam centres comprises 80% weight.


कुल सचिव
नरसिंहपुर नवल विश्वविद्यालय
नरसिंहपुर, जिला नरसिंहपुर

Those students who cannot complete the entire programme (assignments, projects, TEE) shall be given another chance to continue with the next admission cycle and complete the Degree programme to maximum six years.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

In order to carry out laboratory exercises, laboratory is compulsory requirement of the programme and in order to meet this requirement, the laboratory facilities of learning centres will be utilized. She/he will be provided laboratory manual as per the need of the programme. Similarly, for library, a learner may utilize the resources available at the selected study centre. Selected learning centres have well equipped laboratory, Teaching staff, Classrooms & other necessary facilities. A well-established library for learners is available at Headquarters also.

Cost estimate of the programme and the provisions:

- Writing of 358 units in English:
Rs. 6000 x 358 = Rs. 2,148,000
- Trans-creating (after content editing) 358 units in Hindi by the author:
Rs. 3000 x 358 = Rs. 1,074,000
- Editing of 358 units:
3000 x 358 = Rs. 1,074,000
- Typing of 9000 pages (per unit approx. 22 pages):
9000 x 20 = Rs.1, 80,000
- Postal charges (Approx.) Rs. 5000
- Total amount: 44, 81,000

Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

The programme will help in the development of professional skill in general, and in corporate sector. The programme will be implemented through only those Government Degree Colleges/ Universities / Institutions which have facilities for conducting laboratory counseling. In addition, this university will organize laboratory workshop in designated places once (year/semester) for additional back up to the students so that competent and skilled human resource is produced. Further, the Programme and SLM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

Programme outcomes:

Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers.



कुल साधिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (देहरादून)

Programme Project Report (PPR)
(Master of Science in Information Technology)

- a. **Programme's mission & objectives:** The objective of this programme is to equip the learner with the latest tools and techniques of computing and informatics. The course is designed to meet the growing demand for qualified professionals in the field of Information Technology. It helps the learners to acquire the knowledge required for the positions of system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to Computing & Informatics. This 2 years course covers subjects like Programming Languages, Mathematics and Accounting which provide in-depth understanding to students about concepts like IT tools and applications. MS&IT from distance education suits you in fields like system designing, system administration, computer networks, data mining, warehousing, enterprise resource planning, application software development, web designing and so on. The programme, therefore, aims at imparting comprehensive knowledge of the subject with equal emphasis on theory and practice. It also aims at the understanding of the fundamentals of computing among the students so that they can compete in the present-day global situation.

- b. **Mission of the programme with HEF, Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the professional and public life. Master of Science in Information Technology (MS&IT) is a two-year (four semesters) professional Master's Degree in computer science which is inclined more toward application development and thus has more emphasis on latest programming language and tools to develop better and faster applications. It prepares students to take up positions as system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to information technology. As the IT and the software industry are dynamic and fast growing, all the programmes are designed keeping in view the requirements of industry.

- c. **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join an MS&IT program is required to have a Bachelor degree in any stream from a recognized institution/university with mathematics as a subject at graduation or 10+2 level. In case the candidate do not have mathematics subject, a bridge course on mathematics is mandatory. The candidates who pass a PGCDC/ BTech from a reputed university or its equivalent course are eligible for lateral entry to third semester of MS&IT program.

- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programmes. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. About 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self-Learning Material for practical subject along with other support material is provided to the learners through post study centre. The study material can also be downloaded through the University's e- repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:

- self-instructional printed material
- audio/ video cassettes and CDs
- audio-video programmes transmitted through Hello Helpline FM Radio and EduSat, and at study centre.
- face-to-face counselling at study centres by academic counsellors
- reference library at study centre
- web based academic support
- assignments
- practical

2

The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.

- e. **Instructional Design:** Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio-video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The MS&IT programme is of 71 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course.

- f. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Direct admission to MS&IT program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies, the second year is more focused on core courses providing conceptual framework, specialization and the project work. The total numbers of courses in this MS&IT programme are 13 along with 4 practical, 1 mid and 1 major project and the total number of credits is 71. Evaluation for each course covers two aspects:

- Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
- Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfill the requirements for acquiring the MS&IT, a student may elect all the courses in a minimum of two years and a maximum of 4 years. In case the student is unable to pass all the courses of the MS&IT programme in 4 years, she can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which she is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assigned component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate. The 60% marks of the practical exam are for practical questions and remaining 40% for viva-voce. A student needs to obtain a minimum of 40% in each section of the term-end practical examination for successful completion of that particular section. In case a student does not secure the minimum passing marks in a section, she needs to appear for the term-end practical examination again for that section only.

- g. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also have a subscription of National Digital Library to provide the learners' with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.

- h. **Cost estimate of the programme and the provisions:** The MS&IT Programme is a part of the modular structure of 3 years MCA programme. The MS&IT programme consists of first two years of MCA programme. Therefore, separate funds are not required for the development, implementation and maintenance of the programme.

- i. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the model curriculum of the programme recommended by AKCTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years. MS&IT programme has been designed to prepare graduates for attaining the following program outcomes:

- an ability to analyze a problem, and identify and define the computing requirements appropriate to its solution.
- an ability to design, implement, and evaluate a computing-based system, process, program, or program to meet desired needs.

Calvin Dabhi

[Signature]

DATE: 12-07-2021

- an ability to function effectively on teams to accomplish a common goal,
- an understanding of professional, ethical, legal, security and social issues and responsibilities,
- an ability to communicate effectively with a range of audiences,
- an ability to analyze the local and global impact of computing on individuals, organizations, and society,
- an ability to use current technologies, skills, and tools necessary for computing practice,
- An ability to apply mathematical foundations, algorithmic principles, and computer science theory in the modeling and design of computer-based systems in a way that demonstrates comprehension of the tradeoffs involved in design choices,
- An ability to apply design and development principles in the construction of software systems of varying complexity.

Appendix I

Title of Programme: Master of Science (Information Technology) Programme Code: MSCIT10

Programme Mode: Semester

Eligibility: Graduation (Science/IT), Lateral Entry: B.Tech/B.E./A-Level From DOEACC after graduation

PGDCA with graduation

Duration: Min: 2 Years

SLM Availability Medium: English

Programme Fee:

Max: 4 Years
Total Credit: 70

Semester	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Visitation	ID Card	Student Welfare	Total
First	9,500	600	N/A	500	N/A	50	100	10750
Second	9,500	450	1000	500	N/A			11450
Third	9,500	600	N/A	500	N/A			10600
Fourth	9,500	450	1000	500	N/A			11450

Objective of the Programme: To equip students with the vital knowledge of sophisticated applications of Information Technology and to equip learner with the skills required for the application of electronics for telecommunication and its usefulness in software development.

PROGRAMME STRUCTURE				
Course Code	Course Name	Credits	Total Marks (Th./Assign.)	
SEMESTER I				
M.Sc.IT-01	Computer Fundamentals and PC Software	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-02	Digital Logic	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-03	Computer Programming Using C	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-04	Fundamentals of Networking and Web Technology	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-P1	Practical	02	100	
SEMESTER II				
M.Sc.IT-05	Computer Organization and Architecture	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-06	Data Structure through C Language	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-07	Fundamentals of Database Management System	04	100 (80/20)	
M.Sc.IT-08	Project-I	04	100	
M.Sc.IT-P2	Practical	02	100	
SEMESTER III				

M.Sc.IT-09	Discrete Mathematics	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-10	Object-Oriented Programming through C++	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-11	Operating System	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-12	Design and Analysis of Algorithm	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-P3	Practical	02	100
SEMESTER IV			
M.Sc.IT-13	Programming in Java	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-14	Advanced Database Management System	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-15	System Software	04	100 (80 / 20)
M.Sc.IT-16	Project	02	150
M.Sc.IT-P4	Practical	02	100

Computer Fundamentals and PC Software

Syllabus
M.Sc.IT-01

- UNIT 1: Introduction to Computer
- Block diagram of Computer; Evolution, Generations, Classification and its Application
- Unit 2: Basic Components of Computer
- Concept of Bit and Byte; Block Diagram of Computer; CPU, ALU, CU; Computer Memory: Primary and Secondary; Input/Output Devices; Buses: Address, Data, Control.
- UNIT 2: Introduction to OS
- Definition and functions of an Operating System; Types of OS (Single User, Multi user, Single tasking, Multitasking, Real time, Network OS, Distributed OS)
- UNIT 3: MS DOS Operating System
- Introduction to DOS; System files of DOS; concept of Booting; Files and Directory Structure; Concept of Path; Internal and External commands; Batch File.
- UNIT 4: MS Windows Operating System
- Introduction to Windows; Components of Windows; Customizing the Desktop; Files and Folders
- UNIT 5: LINUX operating System
- Introduction to LINUX; login into LINUX; Structure of File System; Concepts of Path
- UNIT 6: LINUX Commands
- Directory handling commands (mkdir, cd, rm, mv, cp, mv, find, grep, file handling commands (cat, cp, rm, mv, more, lp, x, Utility commands (date, cal, who, time, who, passwd), File permissions; Text editor vi, three modes of vi editor; adding and replacing text; saving text and quitting.
- Microsoft Word
- UNIT 7:
- Starting Word; different Bars; Document View; Text area; Existing Word; Creating new document; Editing text; Saving a Document; Closing a Document; Opening an Existing Document.
- UNIT 8:
- Working with paragraph; copy and paste and cut and paste methods; spell checker; find and replace.
- UNIT 9:
- Bullets and Numbering; Undo and Redo; Header & Footer; Page-Setup.

Creating Tables, Modifying a Table, Merging of Cells, Split Cells

MISCELLANEOUS

Starting MS-Excel, Different Bars, Row, Column and Cell, Editing MS-Excel

Creating a New Workbook, Working with Cells, Merging of Cells, Inserting a Row and

Column, Deleting a Row and Column. Saving a Workbook, Closing a Workbook

Different Operators used in Excel, Working with Calculations and Functions. Working with Charts

Microsoft PowerPoint

Standard MS-PowerPoint, different Items, Different Types of Views and Exiting MS-PowerPoint

Creating a New Presentation, Working with Slides, Applying Design Templates, Applying Custom Animations

Applying Slide Transitions, Saving a Presentation, Running a Presentation, Closing a Presentation, and Opening a Presentation, and Exiting Presentation.

Suggested Readings

1. Anderson S, Vasanthakumari, Albert S, Woodhull, "Operating System Design and Implementation", prentice-Hall India Publications.
2. Wyma 2002 from A to Z by Stephen L. Nelson, Tata W all Media
3. Microsoft XP Plain & Simple by Brown & resources Online

MSLT-02

Digital Logic

Topic 1: Number Systems

Decimal, Binary, Hexadecimal and Octal. It's Conversion: Decimal to Binary/Hexadecimal/Octal and vice versa. Addition/ Subtraction of Binary Numbers. Complement: 1's and 2's complement. Fixed Point representation and Floating point representation. BCD, ASCII, EBCDIC, Gray code.

Unit 2: Boolean Algebra

Boolean operators, Rules (postulates and basic theorems) of Boolean algebra, dual and complements of Boolean expression, representation of Boolean expression in Canonical form, Boolean expression and their simplification by algebraic method and Karnaugh Map, Don't care condition.

Unit 3: Logic Gates

Logic GATES, OR, AND, NOT, NAND, NOR, XOR, XNOR, Truth Tables, De-Morgan's theorem, Conversion of the logic gates.

Unit 4: Combinational Circuits

Half-adder, Full-adder, Half-subtractor, Full-subtractor, Multiplexer, Demultiplexer, Encoder, Decoder

Unit 5: Sequential Circuits

Flip-Flops: RS, D, JK, MS; Counters: Asynchronous, Synchronous, Register and its types; Shift Register, Parallel/Serial in, Serial/Parallel out.

Ullrich S; Meyerson D Organophosphorus

Primary Memory- RAM and its types, ROM and its types

Suggested Readings

1. Rajaraman, V., "Foundamentals of Computers" Prentice Hall of India, New Delhi.
2. M. Matusi Manno, "Digital Logic and Computer Design".

MSJF-03

Computer Programming using C

Unit 1 : Introduction to Programming

Basic definitions of Pseudo Code, algorithm, flowchart, program, Elementary data types, variables, constants and identifiers, Integer, character, floating point and string constants, Variable declarations, Syntax and semantics, Reserved word initialization of variable, during declarations, Symbolic Constants.

Unit 2: Operators and Expressions

Expression in C_1 : Different types of operators: Arithmetic, Relational and Logical, Assignment, Conditional, Increment and decrement, Bitwise, Comma and other operators (sizeof, period etc), Precedence and associativity of operators, type casting.

Unit 3: Decision and Control Structures

Various input/output functions like `acout`, `getch`, `getchar`, `printf`, `putchar`. Conditional Statement- if, if-else nested if-else switch. Other Statement break, continue, goto. Concept of Loops- while, do-while, for, nested loops.

Unit 4: Storage Class

Automatic, External, Static, Register, Scope and Lifetime of variables, Memo, Preprocessor directive

Unit 5: Functions

Function: function declaration, function definition, function call (Call by value, Call by reference), Formal and Actual parameter, Recursive function.

Unit 6: Structures and Unions

Structure declarations, definitions, arrays of structures, pointers to structures, Union definitions, declaration, use, Enumerated data types, defining your own types (typedef)

Unit 7: Arrays and Polymers

Array, 1-Dimensional array, 2-Dimensional array and its declaration, String, Pointers - Declaration, Passing pointers to a Function, Pointer and One-dimensional Arrays, Dynamic Memory Allocation.

Useful File Handling

Opening, closing, reading and writing of files. Seeking forward and backward. Examples of file handling programs.

Suggested Readings

1. Balagurusamy, E: *Programming in ANSI C*, Tata McGraw-Hill publication
2. *Coedited By: D. S. Programming with C*, Tata McGraw-Hill publication

William Dafford,

UNIT 1 : Basics of Computer Network

Computer Network: Definition, Goals, Broadcast and Point-to-Point Networks, Connectionless and Connection-Oriented Services, Network Devices, Network Topologies, Types of Network LAN, MAN, WAN, Server Based LANs and Peer-to-Peer LANs; Transmission Types; Modes of Communication; Switching Techniques

UNIT 2 : Network Models

Design Issues of the Layer, Protocol Hierarchy, ISO-OSI Reference Model; Functions of each Layer; Various Terminology used in Computer Network; Connection-Oriented and Connectionless Services, Internet (TCP/IP) Reference Model; Comparison of ISO-OSI and TCP/IP Models

UNIT 3 : Transmission Media

Transmission Medium, Guided Media: Coaxial Cable, Twisted Pair, Fiber Optics Cable; Unguided Media: Radio Waves, Infrared, Micro-wave, Satellite

UNIT 4 : Internet Basics

Internet: Architecture, Addressing, Internet Service Providers (ISP), Organization of Internet Protocol suite, IP Address, DNS, URL; World Wide Web (WWW); Web Page; Web Servers, Web Browsers, Cookies

UNIT 5 : Static Web Page Design

Basics of HTML: Document Structure tags; Formatting tags; List tags; Hyperlink and Image tags; Table tags; Frame tags; Form tags.

UNIT 6 : HTML Tags and XML

HTML: Form; Additional Advanced HTML Tags; Introduction of XML.

UNIT 7 : JavaScript

Client Side Programming; Basic Programming Concepts; Control Structures in JavaScript; Array; Functions; Working With Form Objects; Built-in Objects in JavaScript; User Defined Objects in JavaScript

Handwritten mark

Unit 1 : Input-Output Organization

Assessing Input/Output devices; Interrupts; Data transfer schemes - programmed I/O and DMA transfer; data transfer schemes for microprocessors.

Unit 2 : Memory Unit

Memory Hierarchy: Primary memory, Secondary Memory : Magnetic Tape, Magnetic Disk, Optical disk, Magnetic-Optical Disk; Concepts of auxiliary, Associative, Cache And Virtual Memory; DMA, DMA Transfer modes, sequential access, direct access storage devices.

Unit 3: CPU Organization

CPU Building Blocks, CPU Registers and BUS Characteristics, Registers and System Bus Characteristics; Instruction Format; Addressing Modes; Interrupts: Concepts and types; Instruction and Execution Interrupt cycle; Hardware and Micro Program control; Introduction to RISC and CISC

Unit 4: Multi-Processor Organization

Parallel Processing, Concept and Block Diagram, Types (SISD, SIMD, MIMD, Interconnect network, MIMD, MISC), Future Directions for Parallel Processors, Performance of Processors

Unit 5: Pipelining

Data Path, Time Space Diagram, Hazard, Instruction Pipelining, Arithmetic Pipelining

Suggested Readings:

1. Computer System Architecture- M.Morris Mano (PHI publication)
2. Computer Organisation and architecture- Pal Choudhary
3. Structured computer organization- Tanenbaum

Data Structure through C Language

Unit 1 : Introduction to Data Structure

Basic concept of data, data type, Elementary structures, Arrays, Types, memory representation, address translation functions for one & two dimensional arrays and different examples.

Unit 2 : Algorithms

Complexity, time-Space, Asymptotic Notation.

Unit 3 : Linked List

Introduction to Linked List, representation of single linked list, linked list operations: insertion into a linked list, deletion a linked list, searching and traversal of doubly and doubly comparative modes with implementations using array structure.

Unit 4 : Stacks

Definitions, representation using array and linked list structure, applications of stack.

Handwritten signature

Handwritten signature

Unit 3 : Queues

Definitions, representation using array, linked representation of queues, Circular queues, Deques, Priority queues, application of queues.

Unit 6 : Searching

Linear and binary search algorithms, other searching algorithms, performance and complexity using big 'O' notation

Unit 7 : Sorting

Sorting algorithms (Complexity, advantages and disadvantages, implementation), bubble sort, insertion sort, selection sort, quick sort, merge sort, bucket/index sort.

Unit 8 : Trees

Definition and implementation : Binary Tree, Tree traversal algorithms (inorder, preorder, postorder), postfix, prefix notations, Binary Search Tree Searching in BST, insertion and deletion in BST.

Unit 9 : Graphs

Introduction to Graph, Graph representation : adjacency matrix, adjacency list, Traversal of graph : depth first search and breadth first search.

Suggested Readings:

1. Rajul Jindal, Data structure using C, Umesh Publications
2. Tienowicz, Fundamentals of data structure, Galgotha Publications

M.Sc.IT -07

Fundamentals of Database Management System

UNIT 1 : File Structure and Organization

Data and information, Concept of field, key field, Records and its types, Fixed length records and variable length records, Files, operation on files, Primary file organization

UNIT 2 : Database Management System

Definition of DBMS, file processing system Vs DBMS, Advantages and Disadvantages of DBMS, Users of DBMS : Database Designers, Application programmers, Sophisticated Users, End Users, Capabilities of good DBMS, Overall System structure

UNIT 3 : Data Models

Data Models : Object Based Logical Model, Record Base Logical Model, Relational Model, Network Model, Hierarchical Model, Entity Relationship Model : Entity Set, Attribute, Relationship Set, Entity Relationship Diagram (ERD), Extended features of ERD

UNIT 4 : Relational Database

Relational data model concept, Terms : Relation, Tuple, Attribute, Cardinality, Degree, Domain, Keys : Super Key, Candidate Key, Primary Key, Foreign Key; Relational Algebra - Operations: Select, Project, Union, Difference, Intersection, Cartesian Product, Natural join

UNIT 5 : SQL (Part I)

Introduction of SQL, characteristics of SQL, Basic Structure, DDL Commands: DDL, DQL, SELECT Statement, WHERE Clause, Useful Relational Operators, Aggregate Functions, SUM Function, AVG Function

UNIT 6 : SQL (Part II)

Compound Condition and Logical Operators, AND Operator, Combining AND and OR Operators, IN Operator, BETWEEN Operator, NOT Operator, Order of Precedence for Logical Operators, LIKE Operator, Concatenation Operator, Alias Column Names, ORDER BY Clause, Handling NULL Values, DISTINCT Clause

UNIT 7 : Relational Database Design

Introduction to Normalization, Anomalies of unnormalized database, Normal Form : 1NF, 2NF, 3NF

M.Sc.IT -09 Discrete Mathematics

Unit-1 : Set, Relation and Functions

Sets - the Empty Set, Finite and Infinite Set, Equal and Equivalent set, Subset, Power set, Universal set, Venn Diagram, Complement of a set, set operations, Relations: Cartesian products, Relation - equivalence relation - partition - partial order relation, Functions: Definition, Inverse functions - Composition of functions - Properties of function - Binary operation

Unit-2 : Mathematical Logic-1

Propositions, connectives, conditional and biconditionals, well formed formulas, tautologies, equivalence of formulas, duality law, normal forms

Unit-3 : Mathematical Logic-2

Inference theory for propositional calculus, predicate calculus: predicates, free and bound variables, inference theory of predicate calculus

Unit-4 : Counting Principles

The Pigeonhole principle - counting, Permutation and Combination: Definition of Permutation and combination, Simple application of permutation and combination

Unit-5 : Basic Algebraic Structure

Definition and basic properties of semi groups and groups, Subgroup and homomorphism; lattices as partially ordered set, properties of lattices, Boolean algebra

Unit-6: Graph Theory

Basic terminology; Representation of graphs: Matrix representation and Adjacency list representation, Paths and circuits : Topological sort, Minimum spanning tree - Kruskal and Prim's algorithm, Eulerian paths and circuits, Hamiltonian paths and circuits, Planar graphs.

Graph traversal Techniques: DF Traversal and BF traversal, Weighted Graphs and Bipartite Graph. Trees : Definition - leaf, root, branch node, internal node.

Suggested readings:

1. Elements of Discrete mathematics: G.L. Etou, Mc Graw Hill
2. Discrete Mathematical Structure with Application to Computer Science: Trembly J.P. Mc Graw Hill

M.Sc.IT -10

Object-Oriented Programming through C++

Unit 1 : Introduction to Object Oriented Programming

Basic concept of OOP, Comparison of Procedural Programming and OOP, Benefits of OOP, C++ compilation, Abstraction, Encapsulation, Inheritance, Polymorphism, Difference between C and C++.

Unit 2 : Elements of C++ Language

Token and identifiers: Character set and symbols, Keywords, C++ identifiers, Variables and Constants, Integer, character and symbolic constants, Dynamic initialization of variables, Reference variables, Basic data types to C++ Streams in C++.

Unit 3 : Operators and Manipulators

Operators: Types of operators in C++, Precedence and associativity of operators, Manipulators.

Unit 4 : Decision and Control Structures

If statement, if-else statement, switch statement, Loop: while, do-while, for; Jump statements: break, continue, goto.

Unit 5 : Array, Pointer and Structure

Array, pointers, structures, unions;

Unit 6 : Functions

main() function, components of function: prototype, function call, definition, parameter, passing arguments, types of function, inline function, function overloading.

Unit 7: Introduction to Classes and Objects

Classes in C++, class declaration, defining objects, Defining Member functions, inline member function, Array of objects, Objects as function arguments, Static data member and member function, Friend function and friend class.

Unit 8: Constructors and Destructors

Constructors, Initialization of objects, Default constructor, Parameterized constructor, Copy constructor and its use, Destructors, Constraints on constructors and destructors, Dynamic initialization of objects.

Unit 9: Operator Overloading

Overloading unary operators, Operator keyword, arguments and return value, overloading unary and binary operators, arithmetic operators, manipulation of strings using operators, Type conversions.

Unit 10: Inheritance

Derived class and base class: Defining a derived class, Accessing the base class member, Inheritance: multilevel, multiple, hierarchical, hybrid, Virtual base class, Abstract class

Unit 11: Virtual Functions and Polymorphism

Virtual functions, pure virtual functions, Polymorphism, Categorization of polymorphism techniques: Compile time polymorphism, Run time polymorphism

Suggested readings:

1. E. Balagurusamy: Object oriented programming with C++
2. K. R. Venugopal: Mastering C++
3. Blaine Stroustrup: The C++ programming language.

M.Sc.IT -II Operating Systems

Unit 1: Introduction to Operating System

What is an operating system, batch system, multi-programmed system, time-sharing system, personal computer operating system, parallel systems, distributed systems, real-time systems.

Unit 2: Processes

Process (process model), process hierarchy, process states, Threads (what is thread and its use, design issues of thread).

Unit 3: Interprocess Communication

What is interprocess communication, race conditions, critical-sections, mutual exclusion, solution to race condition, disabling interrupt, Peterson's solution, sleep & wake up (The Producer Consumer Problem) and Semaphores.

Unit 4: Scheduling

Basic concepts, primitive and non-primitive scheduling, scheduling algorithms, types of scheduling - batch, interactive and real-time, goals of scheduling algorithms, first come first serve, shortest job first and round robin scheduling.

Unit 5: Deadlocks

What is deadlock, principles of deadlock (deadlock conditions & modeling), deadlock detection, recovery & prevention, deadlock avoidance (Banker's algorithm)

Unit 6: Memory Management

Multiprogramming with fixed partitions, relocation and protection, What is swapping and its basic concepts, Virtual Memory - Basic Concepts, Paging, Page Tables, Page replacement algorithms: - Optimal, Not Recently Used, First In First Out, Least Recently Used.

Unit 7: File System

What is file, file naming, file types(directory, regular, device), sequential access and random access files, file attributes, operations on file, hierarchical directory structure, path name(absolute and relative), operation on directories, File System Implementation Techniques.

Unit 8: I/O Management

Basic principles I/O Hardware, I/O Devices, Device controllers, DMA, Principles of I/O Software, its goals, Interrupt Handlers, Device Drivers, Device Independent I/O Software(its functions)

Unit 9: Security and Protection

Security threats and goals, Authentication, Protection and Access control, Formal model of protection, Cryptography.

Suggested readings:

1. ABRAHAM SILBERSCHATZ AND PETER BAER GALVIN, "OPERATING SYSTEM CONCEPTS", FIFTH EDITION, ADDISON-WESLEY
2. MILAN MILANKOVIC, "OPERATING SYSTEMS, CONCEPTS AND DESIGN", MCGRAW-HILL
3. HARVEY M DETTAL, "OPERATING SYSTEMS", ADDISON WESLEY
4. RICHARD PETERSON, "UNIX: THE COMPLETE REFERENCE", OSBORNE MCGRAW-HILL.

M.Sc.IT-12 Design and Analysis of Algorithms

Unit 1 : Introduction to Algorithms

Algorithm, analysis, time complexity and space complexity, Operation, Growth notation and Theta notation, Floors and Ceil sort, Set and disjoint set, union and find algorithms, Sorting in linear time.

Unit 2 : Divide and Conquer

Divide and Conquer: General Strategy, Exponentiation, Binary Search, Quick Sort and Merge Sort

Unit 3 : Greedy Method

General Strategy, Knapsack problem, Job sequencing with Deadlines, Optimal merge patterns, Minimal Spanning Trees and Dijkstra's algorithm.

Unit 4 : Dynamic Programming

General Strategy, Multistage graphs, OBST, 0/1 Knapsack, Traveling Salesperson Problem, Flow Shop Scheduling

Unit 5 : Backtracking

Backtracking: General Strategy, 8 Queen's problem, Graph Coloring, Hamiltonian Cycle, 0/1 Knapsack

Unit 6 : Branch and Bound

General Strategy, 0/1 Knapsack, Traveling Salesperson Problem

Unit 7 : NP-Hard and NP-Complete Problems

Basic concepts, non-deterministic algorithms, NP-HARD and NP-COMplete classes, COOK'S theorem

Suggested readings:

1. Horowitz, Sahni, "Fundamentals of Computer Algorithms", College
2. Cormen, Leiserson, "Introduction to Algorithms", PHI
3. Brassel, Bentley, "Fundamentals of Algorithms", PHI
4. MIT OpenCourseWare, "Algorithms Design", John Wiley
4. A.V. Aho et al, "The Design and analysis of Algorithms", Pearson Education

Dr. [Signature]

M.Sc.IT-13

Programming in Java

Unit - 1 Introduction to JAVA: An overview of JAVA, Basic features of Java, JAVA Environment, Installing the Java SDK, Writing Java Programs.

Unit - 2 Programming Basic Java Tokens & Keywords, Constants, Data types, Declaring a variable, The scope and lifetime of variable, Various Operators, Decision Making and Control Statements : if statement, If-else, else-if, switch statement, the for, while, do-while statements.

Unit - 3 OOP in Java Class fundamentals : Defining class, Accessing class members, Declaring objects, Constructors, copy constructor, Passing Arguments to Methods, Modifiers, Inheritance : the super class, Multilevel Inheritance, Final and abstract keyword, Static Members.

Unit - 4 Arrays, Strings and Vectors Declaring Arrays, Creating Arrays, Initializing Arrays, Multi-Dimensional Arrays, Strings: string arrays, string methods, StringBuffer class, Vectors.

Unit - 5 Interfaces and Packages: Defining an Interface, Implementing interfaces, Applying Interfaces, Packages: Defining a package, Accessing and Importing Packages.

Unit - 6 Exception Handling: Exception Handling fundamentals, Exception types, Using try and catch, built-in exceptions in Java, User-defined exception

Unit - 7 File Handling: IO Basics: Streams, The Stream classes, The buffered streams, Reading console input, Writing console output, Reading and writing files

Unit - 8 Introduction to Applets: Applets and the World Wide Web, The Applet Class, Applets and HTML, The Life Cycle of an Applet, Using Window Components, Event Handling, Adding Audio and Animation

Unit - 9 AWT and Swing: AWT Basics, AWT Components, Event Handling, Application and Menus: Introduction to Swings, Swing Components, Event Handling, Display text and image in a window, Layout manager.

UNIT - 10 Introduction to JDBC: Basic steps to JDBC, API, JDBC Drivers, Connection Management, JDBC Design Considerations, Two Tier and Three Tier client server model, Resultset, Prepared statement and callable statement, Resultset Metadata Objects

Dr. [Signature]

Dr. [Signature]

M.Sc.IT-14

Advanced Database Management Systems

Unit 1: Basic Concepts

Database and Need for DBMS, Characteristics of DBMS, Database Users, 3-tier architecture of DBMS (its advantages over 2-tier), Data Models, Views of data-references and instances, Data Independence, Conventional data models & systems, RDBMS & HDDBMS, Expressing relationships, DRTG set

Unit 2: Database Design using ER model

Entities, Relationships, Representation of entities, attributes, relationship attributes, relationship set, Generalization, aggregation, Structure of relational Database and different types of keys, Expressing M: N relation

Unit 3: Relational Model

Code's rules, Relational data model & relational algebra, Relational model concept, Relational model constraints, Relational Algebra, Relational calculus, Introduction to SQL: Characteristics of SQL, Advantages of SQL, SQL data types and literals, Types of SQL: commands, SQL operators and their precedence, Tables, views and indexes, Queries and sub queries, Aggregate functions, Insert, update and delete operations, Joins, Unions, Intersection, Minus, Cursors in SQL PL/SQL, Triggers and clusters

Unit 4: Relational Database design

Database Design - ER to Relational, Functional dependencies, Normalization, Normal forms based on primary keys (1 NF, 2 NF, 3 NF, BCNF, 4 NF, 5 NF), Lossy loss joins and dependency, preserving decomposition

Unit 5: Transaction Processing Concepts

Introduction to transaction processing: transaction and system concepts, desirable properties of transaction, characteristics schedule based on recoverability, characteristics schedule based on serializability.

Unit 6: Concurrency Control and recovery

Two phase locking techniques for concurrency control, concurrency control based on timestamp ordering, multi-version concurrency control techniques, validation (validation) concurrency control techniques, granularity of data items and multi granularity locking, recovery concepts/recovery techniques.

Unit 7: Security and privacy

Database security issues, Discretionary access control based on grant & revoking privilege, Mandatory access control and role based access control for multi-level security, Encryption & public key infrastructure

Suggested readings:

1. Date C. J., "An Introduction To Database System", Addison Wesley
2. Korth, Silbertz, Siderman, "Database Concepts", McGraw Hill
3. Elmasri, Navathe, "Fundamentals Of Database Systems", Addison Wesley

Dr

4. Paul Beynon Davies, "Database Systems", Palgrave Macmillan

5. Elmasri C. Drael, "An introduction to Database Systems", Galgotia Publication

6. Majumdar & Bhattacharya, "Database Management System", TMH

7. Ramakrishnan, Gorthi, "Database Management System", McGraw Hill

M.Sc.IT-15

System Software

Unit 1: Introduction to System Software

Definition and classification of system software.

Unit 2: Assemblers

Assembly language, Assembly process, Data structures, Macros and macro processors.

Unit 3: Linkers and loaders

Basic concepts, Static and dynamic linking, shared libraries, loaders, overlays, Case study of the Unix linking system, Windows DLLs, OLE.

Unit 4: Embedded system to Compiling

Introduction: Phases of a compiler, Languages and grammar, Chomsky hierarchy.

Unit 5: Lexical Analysis

The role of lexical analyzer, Signification of tokens, recognition of tokens, Finite automata, Lexical analyzer, Lexical analyzer generator (LEX)

Unit 6: Syntax Analysis

The role of Parser, context free grammars, Top-down and Bottom-up parsers, shift-reduce parser, operator precedence parsing, LR(1), LR parsers, Parser generator (YACC)

Unit 7: Syntax Directed Translation

Syntax directed definition, Construction of syntax tree, Top-down and bottom-up translation, recursive evaluation

Unit 8: Code Generation

Intermediate code generation: intermediate languages, declarations, assignment statements code generation, runtime storage management: Basics code optimization techniques

Suggested readings:

1. Robert Britton: MIPS Assembly Language Programming, Prentice Hall, 2003.
2. Compilers principles, techniques & Tools, Alfred V. Aho, Monica S. Lam, Ravi Sethi, Jeffrey D. Ullman

Radhika D. G.

Dr. R. D. G.

PROGRAMME PROJECT REPORT FOR M.A/M.SC(Maths)

DEPARTMENT OF MATHEMATICS

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

Programme's mission and objective: Students should be proficient in the application of laws of logic to mathematical statements. Students should have a detailed understanding of a broad subset of known mathematical notions and results. Our major courses cover a broad set of fields : analysis , algebra, geometry, trigonometry, probability and statistics, ordinary and partial differential equation, numerical analysis and linear programming. Our requirements force students to learn material in several of these areas.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals: One of the mission of higher education particularly open and distance learning institutions is to provide greater opportunities of access of higher education with equality to all the eligible persons and particular to the vulnerable sections. Another mission of the higher education institutions is to initiate policies and programmes for strengthening research and innovations and encourage institutions – public or private to engage in stretching the frontier of knowledge.

Nature of prospective target group of learners: Those learner who wish to opt career in mathematics for various government organizations such as national institute of technology, Indian institute of technology , Teachers, Tata institute of fundamental research, National board of higher mathematics will be the target group of learners. In addition to this faculties are required to teach mathematics at undergraduate and postgraduate level in conventional universities and professional/technical universities or Colleges.

Appropriateness of programme to be conducted in open and distance learning mode to acquire specific skills and competence: The access to knowledge on the subject is not accessible easily to those aspirants who reside in far remote areas and those who belong to weaker and marginal sections of society .Therefore

Swati/10/2/15
T. 2/2/15

20/2/15
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशेषाधीन)

,initiating such programme in open and distance learning (ODL) mode will help aspirants particularly residing in far flung areas and those who belong to weaker sections ,to acquire skill and knowledge on the subject area.

Instructional Design:

Syllabus for MA/M.SC

Advanced Algebra(MT-01)

Unit - 1.Direct Product of Groups.

Unit -2.Isomorphism Theorems,Conjugacy and the class equation of a group

Unit -3.Commutators,Derived Subgroups,Solvable Groups And Composition Series

Unit -4.Euclidean Ring

Unit -5.Modules

Unit -6.Linear Transformation

Unit -7.Basic Theory of Field Extension,Separable and Inseparable Extension and Automorphism of Extension

Unit -8.Galois Theory

Unit -9.Matrices of linear maps

Unit -10.Rank And Nullity of Matrices

Unit -11.Determinants of Matrices

Unit -12.Real Inner Product Space-1

Unit -13.Real Inner Product Space-1

Unit -14.Real Inner Product Space-1

Signature
मुख्य शिक्षक
गणित विभाग
राष्ट्रीय दूर शिक्षण संस्थान
पुणे (महाराष्ट्र)

Signature
मुख्य शिक्षक
गणित विभाग
राष्ट्रीय दूर शिक्षण संस्थान
पुणे (महाराष्ट्र)

REAL ANALYSIS AND TOPOLOGY(MT-02)

Unit -1.Algebra and algebra of sets

Unit -2.Lebesgue measure and measurable sets

Unit -3.Measurable functions and convergence of sequences of Measurable functions

Unit -4.Weierstrass Approximation Theorem and Lebesgue Integral

Unit -5.Summable Functions ,Space of square summable functions

Unit -6.Fourier series and coefficients,Parseval's identity,Riesz Fisher Theorem

Unit -7. L^p spaces,Holder-Minkowski Inequalities,Completeness of L^p spaces

Unit -8.Topological spaces

Unit -9Bases,Subbases and Continuity

Unit -10.Separation Axiom(T_0, T_1, T_2, T_4 Spaces)

Unit -11.Compact and Locally Compact Spaces

Unit - 12.Product and Quotient Spaces

Unit -13.Nets And Filters

Differential Equations, Calculus of Variations and Special Functions(MT-03)

**Unit -1. Non-Linear Ordinary Differential Equations of Particular
Forms and Riccati's Equation**

Unit -2. Total Differential Equations

Unit -3. Partial Differential Equations of Second order, Monge's Method

**Unit -4. Classification of Linear PDE of Second Order, Cauchy Problem and
Method of Separation of Variables**

Swati praf

28/8/21
कुल सचिव
मुमुक्षु विद्यापीठ
गुवाहाटी

Unit -5. Laplace, Wave and Diffusion Equations And Canonical Forms

Unit - Unit -6. Eigenvalues, Eigenfunctions and Sturm-Liouville Boundary Value Problem

Unit -7. Variational Problems with Fixed Boundaries and Euler-Lagrange Equation

Unit -8. Functionals Dependent on Higher Order Derivatives and Variational Problems in Parametric Form

Unit -9. Series Solution of Second Order Linear Differential Equation

Unit -10. Gauss Hypergeometric Function: its Properties and Integral Representation

Unit -11. Gauss and Confluent Hypergeometric Functions

Unit -12. Legendre's Polynomials and Functions $P_n(x)$ and $Q_n(x)$

Unit -13. Bessel's Functions

Unit -14. Hermite Polynomials

Unit -15. Laguerre Polynomials

DIFFERENTIAL GEOMETRY AND TENSORS(MT-04)

Unit -1. Space Curves, Tangent, Contact of Curve and Surface, Osculating Plane

Unit -2. Principal Normal and Binormal, Curvature, Torsion, Serret-Frenet's Formulae, Osculating Circle and Osculating Sphere

Unit -3. Existence and Uniqueness Theorems, Bertrand Curves, Involute, Evolutes, Conoids, Inflexional Tangents, Singular Points, Indicatrix

Unit -4. Envelope, Edge of Regression, Ruled Surfaces, Developable Surface, Tangent Plane to a Ruled Surface

Unit -5. Necessary and Sufficient Condition that Surface $\mathbf{r} = \mathbf{F}(\cdot, \cdot)$ should Represent a Developable Surface, Metric of a Surface

Unit -6. First, Second and Third Fundamental Forms, Fundamental Magnitudes of Some Important Surfaces, Orthogonal Trajectories, Normal Curvature

Unit -7. Meunier's Theorem, Principal Direction and Principal Curvatures, First Curvature, Mean Curvature, Gaussian Curvature, Umbilics, Radius of Curvature of any Normal Section at an Umbilic on $z = f(x, y)$.

Radius of Curvature of a given Section through any Point on

$z = f(x, y)$. Lines of Curvature

Unit -8. Principal Radii, Relation between Fundamental Forms, Asymptotic Lines, Differential Equation of an Asymptotic line, Curvature and Torsion of an Asymptotic Line

Unit -9. Geodesics, Differential Equation of a Geodesic, Single Differential Equation of a Geodesic, Geodesic on a Surface of Revolution, Geodesic Curvature and Torsion, Gauss-Bonnet Theorem

Unit -10. Gauss's Formulae, Gauss's Characteristic Equation Weingarten Equations, Mainardi-Codazzi Equations. Fundamental Existence Theorem for Surfaces, Parallel Surfaces, Gaussian and Mean Curvature for a Parallel Surface, Bonnet's Theorem on Parallel Surfaces

MECHANICS(MT-05)

Signature
मुख्य सचिव
उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय
लखनऊ (विभाग)

Signature
T-221

- Unit -1. D'Alembert's Principle
- Unit -2. Motion About a Fixed Axis
- Unit -3. Motion of a Rigid Body in Two Dimensions Under Finite Forces and Impulsive Forces
- Unit -4. Motion in Three Dimensions Under Finite Forces
- Unit -5. Motion in Three Dimensions (Under no Forces)
- Unit -6. Conservation of Momentum and Energy
- Unit -7. Generalised Co-ordinates
- Unit -8. Motion of a top
- Unit -9. Hamilton's Principle and Principle of Least Action
- Unit -10. Kinematics
- Unit -11. Equation of Continuity-I
- Unit -12. Equation of Continuity II
- Unit -13. Equations of Motion I
- Unit -14. Equations of Motion II
- Unit -15. Motion in Two Dimensions

ANALYSIS AND ADVANCED CALCULUS(MT-06)

- Unit - 1 Normed Linear Spaces
- Unit - 2 Bounded Linear Transformations
- Unit - 3 Fundamental Theorems of Functional Analysis
- Unit - 4 Continuous Linear Functionals
- Unit - 5 Hilbert Space and Its Basic Properties
- Unit - 6 Orthogonality and Functionals in Hilbert Space
- Unit - 7 Operators on Hilbert Spaces
- Unit - 8 Projections on a Hilbert Space and Spectral Theory
- Unit - 9 The Derivative
- Unit - 10 Higher Derivatives
- Unit - 11 The Integral in a Banach Space
- Unit - 12 Differential Equations

VISCOUS FLUID DYNAMICS(MT-07)

- Unit - 1 Basic Concepts
- Unit - 2 Fundamental Equations of the Flow of Viscous Fluids
- Unit - 3 Dynamical Similarity and Inspection and Dimensional Analysis
- Unit - 4 Exact Solutions of The Navier- Stoke's Equations
- Unit - 5 Stagnation point flow and flow due to a rotating disc
- Unit - 6 Unsteady Motion of Fluids
- Unit - 7 Starting Flow and Suction / Injection through porous walls
- Unit - 8 Temperature Distribution in Fluid Motion
- Unit - 9 Theory of very Slow Motion
- Unit - 10 Concept of Boundary Layer Theory
- Unit - 11 Velocity and Thermal Boundary Layer in Two dimensional Flow

Handwritten signature
 कक्षा सचिव
 कक्षा मुख्यालय
 कक्षा (विभाग)

Handwritten signature
 In 2020

Unit - 12 Blasius - Topfer solution

NUMERICAL ANALYSIS(MT-08)

Unit - 1 Iterative Methods

Unit - 2 Chebyshev Method, Muller's Method,

Methods for Multiple and Complex Roots

Unit - 3 Solution of Polynomial Equations

Unit - 4 System of Simultaneous Equations

Unit - 5 Eigen Value Problems-I

Unit - 6 Eigen Value Problems - II

Unit - 7 Curve Fitting and Function Approximations

Unit - 8 Approximation of Functions by Taylor Series and Chebyshev Polynomials

Unit - 9 Numerical Solutions to Ordinary Differential Equations

LINEAR TRANSFORM AND LINEAR INTEGRAL(MT-09)

Unit No. Unit Name Page No.

Unit -1 Laplace Transform

Unit -2 The Inverse Laplace Transform

Unit -3 Solution of Ordinary Differential Equations with Constant and Variable Coefficients and the Solution of Boundary Value Problems by Laplace Transform

Unit -4 Fourier Transform

Unit -5 Mellin Transform

Unit -6 The Infinite Hankel Transform

Unit -7 Application of Fourier and Infinite Hankel Transform to the Solution of Simple Boundary Problems

Unit -8 Linear Integral Equation

Unit -9 Solution of General Integral Equations with Special Type of Kernels and by Integral Transform Method

Unit -10 Solution of Integral Equation of Second Kind by Successive

MATHEMATICAL PROGRAMMING(MT-10)

Unit - 1 Hyperplane and Convex Function

Unit - 2 Revised Simplex Method

Unit - 3 Integer Programming : Gomory's Algorithm

Handwritten signature
BY: _____
DATE: _____
PAGE: _____
TOTAL: _____

Handwritten signature
T. _____

Unit - 4 Integer Programming : Branch and Bound Algorithm

Unit - 5 Quadratic form and Lagrangian Function

Unit - 6 Non Linear Programming Problems

Unit - 7 Constrained Optimization in Nonlinear Programming Problems; 162-183

Kuhn-Tucker Conditions

Unit - 8 Quadratic Programming

Unit - 9 Quadratic Programming Problem and Duality Theorem in

Quadratic Programming

Unit - 10 Convex Separable Programming and Algorithm

Unit - 11 Dynamic Programming; Bellman's Optimality Principle

Unit - 12 Solution of Linear Programming Problem Using Dynamic Programming

Staff Requirement: 1 Assistant Professor and 1 Associate Professor

Procedure for admission ,curriculum transaction and evaluation:

Programme name	Eligibility	Duration		SLM	Mode of exam	Fee structure
		Min	Max			
Master of science (Mathematics) MSCMAT-12	B.sc with PCM/PGM	2	6	Hindi	Annual	First year =15,750 Second Year=15,750 Total=31,500

Requirement of the laboratory support and library Resources:

Library facility available in various study centres.

Cost Estimate of the programme and the provisions :

Activities	Units/pages	Amount(Rs)
1. Unit writing (@ Rs 6000/unit)	122	7,32,000
2. Typing (@20 per page)	3050 pages(per unit approx 25 pages)	61,000

Signature

28/8/21
मुख्य शिक्षक
मुख्य शिक्षक
मुख्य शिक्षक

3.Editing(@ Rs 3000/unit)	122unit	3,66,000
4.postal expenses(Approx)		5000
	Total	11,64,000

Quality Assurance mechanism and expected program outcomes:

The programme will help in the development of professionally skilled, in general, and in corporate sector, in particular.

The programme will be implemented through only those Government Degree Colleges/ Universities / Institutions which have facilities for conducting laboratory counseling. In addition to this University will organize Laboratory workshop in designated places once (year/semester) for additional back up to the students so that competent and skilled human resource is produced. Further, the Programme and SLM developed will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years.

Programme outcomes:

- Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers

24/09/2019
मुख्य अधिकारी
मुख्य शिक्षा विभाग
गुवाहाटी (असम)

Signature
T. L. L.

Programme Project Report (PPR)
MSCPHY (M.Sc. Physics)
Department of Physics
School of Sciences
Uttarakhand Open University

Programme Project Report (PPR)

The content of the programme project report are as:-

Programme Mission & objectives:- Uttarakhand state is a state of remote geographical area. A large number of student cannot attend the college due to geographical and financial problems. These student can get higher education through ODL system. The mission of programme is to provide education through ODL mode to the society.

Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals: - Science programme are again popular now a days. In the state like Uttarakhand, a large group of students are interested in science subject rather than humanities and other professional programme. Thus programme of B.Sc. and M.Sc.(physics) are useful for the students.

Nature of Prospective Target group of Learners:- The target group of learners are all Science graduate of the Society, the teacher of the different Schools those want to enhance their education & workers of different corporate society those couldn't completed their education and want to get higher education.

Appropriateness of the Programme to be conducted in ODL mode to acquire still competence:-

The M.Sc. (physics) programme can be offered in ODL system. A science student can use or apply science and technology very effectively. By using modern technology the students can get all the quality materials. A lot of study material and online lectures are available in the net. Many international scientific institutions are providing their lectures and other material to the society. Learners can avail this facility. The learners those fulfill all the programme requirements

Handwritten signature
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (दिनांक)

shall be highly trained and skilled through the year by counselling and special workshop. It seems they should be competence enough for further requirements.

Instructional Design: - The curriculum designed for M.Sc. Programmes are entirely different than other programmes. The curriculum designed for M.Sc. Programmes are as per the scientific requirements at presents. Un curriculum there is a provision of Two days regular weakened counseling special practical workshop, Induction Programme, Video lectures of reputed open learning links etc. A large material (audio visual print) in scientific development is available in the different electronic medium (Internet mobile E-portal, Face book, youtube etc), The instructional design of science programme includes these technologies and encourage the student for using these tools of learning.

Programme Curriculum:

Name of the Programme : Master of Science Chemistry (M.Sc. Physics)

Programme Code: MSCPHY-16/17

Programme Mode: Annual

Eligibility: Graduation in concern subject

Duration Min: 2 Years; **Max:** 6 Years

Self Learning Material (SLM): English

Programme Fee: Fee per year:- 12750

Total fee M.Sc. Programme = 25650 /

Total Credit: 64

W. S. S.

PHY501 MATHEMATICAL PHYSICS AND CLASSICAL MECHANICS

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK - 1 : SPECIAL FUNCTIONS

UNIT 1 : Legendre's

Polynomials

UNIT 2 : Bessel Functions
UNIT 3 : Hermite Polynomials
UNIT 4 : Laplace Equation and Wave Equation

BLOCK – 2 : INTEGRAL TRANSFORMS

UNIT 5 : Fourier Transforms and Application
UNIT 6 : Laplace Transforms and Applications

BLOCK – 3 : TENSOR ANALYSIS

UNIT 7 : Tensor Algebra
UNIT 8 : Metric Tensor & Christoffel Symbols

BLOCK – 4 : MECHANICS OF SYSTEM OF PARTICLES

UNIT 9 : Lagrangian Mechanics
UNIT 10 : Lagrange's Equations
UNIT 11 : Hamilton's Principle
UNIT 12 : Hamiltonian Mechanics
UNIT 13 : Canonical Transformations and Hamilton – Jacobi Theory
UNIT 14 : Poissons Brackets

BLOCK – 5 : NUMERICAL METHODS

UNIT 15 : Numerical Interpolation
UNIT 16 : Numerical Differentiation
UNIT 17 : Numerical Integration
UNIT 18 : Solutions Integration
UNIT 19 : Numerical Solutions of Ordinary Differential Equations

PHY502

Statistical Mechanics and Quantum Mechanics

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK – 1 : INTRODUCTION TO STATISTICAL MECHANICS

Unit –1 : Statistical Mechanics – Thermo dynamics
Unit –2 : Ensembles
Unit –3 : Density Distribution – Liouville's Theorem
Unit –4 : Postulates of classical Statistical Mechanics
Unit –5 : Micro canonical Ensemble

Handwritten signature
कुल सचिव
उत्तराखण्ड भूखल विश्वविद्यालय
हवेली (गिरिवाला)

- Unit -6 : Maxwell – Boltzmann Statistics
Unit -7 : Canonical and grand canonical ensembles

BLOCK – II : QUANTUM STATISTICS

- Unit -8 : Postulates of Quantum Statistical Mechanics
Unit -9 : Quantum Statistics – Be and F-D Statistics

BLOCK – III : PRINCIPLES OF QUANTUM MECHANICS

- Unit -10 : Birth of quantum mechanics
Unit -11 : Eigen values and eigen functions
Unit -12 : Dirac's bra and ket vectors
Unit -13 : Eigen functions and uncertainty principle

BLOCK – IV : SCHRODINGER EQUATIONS AND ANGULAR MOMENTUM THEORY

- Unit -14 : Schrodinger wave equation
Unit -15 : Application of Schrodinger's equation to one dimensional Problem
Unit -16 : Angular momentum
Unit -17 : Application of schrodinger's equation to three Dimensional problems
Unit -18 : Hydrogen atom
Unit -19 : Spin angular momentum
Unit -20 : Addition angular momenta

BLOCK – V : APPROXIMATION METHODS

- Unit -21 : Time independent perturbation theory
Unit -22 : Variation method
Unit -23 : Time dependent perturbation theory

BLOCK – VI : RELATIVISTIC QUANTUM MECHANICS

- Unit -24 : Klein Gordon relativistic equation and applications
Unit -25 : Dirac's relativistic equation and applications

PHY503 SOLID STATE PHYSICS

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK I CRYSTALLINE STATE AND CRYSTAL STRUCTURE

- Unit -1 : CRYSTALLINES STATE AND CRYSTALS STRUCTURE
Unit -2 : NON CRYSTALLINE STATE

W. Quill

- Unit -3 : ELEMENTS OF X-RAY DIFFRACTION
 Unit -4 : EXPERIMENTAL TECHNIQUES FOR STRUCTURED DETERMINATION
BLOCK 2 IMPERFECTIONS IN CRYSTALS
 Unit -5 : IMPERFECTIONS IN CRYSTALS
 Unit -6 : DIFFUSION
 Unit -7 : DISLOCATIONS
- BLOCK 3 FREE ELECTRON THEORY BAND THEORY OF SOLIDS**
 Unit -8 : FREE ELECTRON THEORY
 Unit -9 : BAND THEORY OF SOLIDS
 Unit -10 : SEMICONDUCTORS
 Unit -11 : SOLID STATE LASERS
- BLOCK 4 LATTICE VIBRATIONS AND THERMAL PROPERTIES**
 Unit -12 : ELASTIC WAVES IN SOLIDS
 Unit -13 : INFRA-RED ABSORPTION IONIC CRYSTALS
 Unit -14 : LATTICE HEAT CAPACITY
- BLOCK 5 DIELECTRONICS AND FERROELECTRICS**
 Unit -15 : MACROSCOPIC DESCRIPTIONS OF DIELECTRICS
 Unit -16 : MEASUREMENT OF DIELECTRIC CONSTANT
 Unit -17 : FERROELECTRICS
- BLOCK 6 MAGNETISM & SUPERCONDUCTIVITY**
 Unit -18 : MAGNETISM
 Unit -19 : SPONTANEOUS MAGNETIZATION
 Unit -20 : OCCURRENCE OF SUPERCONDUCTIVITY
 Unit -21 : SUPERCONDUCTIVITY – THEORETICAL EXPLANATIONS

PHY504

Semiconductor Devices, Analog and Digital Electronics

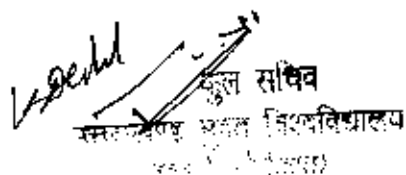
Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK -1 SEMICONDUCTOR DIODES, TRANSISTORS AND AMPLIFIERS

- Unit -1 : Semiconductor Diodes
 Unit -2 : Transistors
 Unit -3 : Power Supplies
 Unit -4 : Feedback Amplifiers
 Unit -5 : RC coupled amplifier and its frequency response


 कुल सचिव
 संत जयसिंग अग्रवाल विश्वविद्यालय
 श्री गंगानगर

- Unit -6 : Oscillators (Using Transistors)
Unit -7 : Multivibrators (Using Transistors)

BLOCK - II OPERATIONAL AMPLIFIERS

- Unit -8 : Operational Amplifier and its characteristics parameters
Unit -9 : Operational Amplifier - Configurations
Unit -10 : Operational Amplifier - Frequency Response
Unit -11 : Operational Amplifier - Linear Applications
Unit -12 : Operational Amplifier - Non-Linear Applications
Unit -13 : Operational Amplifier - Wave form generators

BLOCK - III DIGITAL ELECTRONICS

- Unit -14 : Introduction to Digital Electronics and Logic Gates
Unit -15 : Applications of EX-OR gate
Unit -16 : De-Morgan's Theorems Fundamental Products, Karnaugh map
Unit -17 : Flip-flops
Unit -18 : Shift Registers
Unit -19 : Counters
Unit -20 : Multiplexer and Demultiplexer

BLOCK - IV CONVERTERS

- Unit -21 : Digital -to - Analog Converters
Unit -22 : Analog - to- Digital Converters

PHY505LLABORATORY COURSE

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 8

Name of the Experiment

- Unit -1 : Errors
Unit -2 : Thermal Conductivity of a bad conductor - Lees Method
Unit -3 : Determination of Melting Point of Wax - Thermo E.M.F. diagram Potentiometer
Unit -4 : Study of Variation of Specific Heat of Graphite with Temperature

meel

- Unit -5 : Stefan's Constant
 Unit -6 : Coefficient of Viscosity – Meyer's Formula
 Unit -7 : Elastic Constants of the Material of a Spiral Spring
 Unit -8 : Energy Gap of a Semi Conductor
 Unit -9 : Ultrasonic Velocity in Liquids Debye – Sears Method
 Unit -10 : Ultrasonic Velocity in Liquids Ultrasonic / Interfero Meter
 Method
 Unit -11 : Fibre Optics – Determination of Numerical Aperture And losses
 Unit -12 : Fibre Optics – Conversion of Electrical to Optical and Optical To Electrical
 Signal
 Unit -13 : Biprism – λ of Sodium Light
 Unit -14 : Biprism – Thickness of a Thin Mica Sheet
 Unit -15 : Cauchy's Constants
 Unit -16 : Determination of Wavelength and Difference in Wavelength of Sodium Source
 using Michelson Interferometer
 Unit -17 : Y-of a Glass Plate – Newton's Rings Method
 Unit -18 : Determination of Photoelastic Constant of Transparent
 Material
 Unit -19 : Study of Dispersion Spectra – Double Refraction
 Unit -20 : Verification of Malus Law
 Unit -21 : Determination of Wavelength of Laser Using Diffraction Grating
 Unit -22 : Hart Mann's Dispersion Formula
 Unit -23 : Study of Led Characteristics and Determination of Planck's
 Constant
 Unit -24 : Determination of Rydberg Constant

M.Sc.IInd

PHY551 NUCLEAR PHYSICS AND ANALYTICAL TECHNIQUES

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

Block – 1 NUCLEAR DECAY PROCESSES

Unit -1 : Alpha Spectrum, Gamow's theory of α -decay

Unit -2 : Beta Spectrum, Neutrino hypothesis, Fermi theory of α -decay, Fermi-Kurie Plots,
 selection rules for β -decay

Kaul
 कुल सचिव
 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
 110029

- Unit -3 : Gamma emission-Multi-pole radiation-selection rules for γ -decay
- Unit -4 : Classification of elementary particles – Fundamental Interactions – Conservation laws
- Unit -5 : Interaction of charged Particles and Gamma Radiation with matter
- Unit -6 : Radiation Detectors

Block – II NUCLEAR FORCES AND NUCLEAR MODELS

- Unit -7 : Properties of Nucleus-Nuclear radius, Nuclear Mass and Binding Energy, Angular Momentum, Nuclear statistics, Parity And Symmetry, Magnetic dipole moment, Electric quadrupole Moment.
- Unit -8 : Nature of nuclear forces, two body problem, Bound and Spin states of two nuclear, Theory of deuteron, Tensor forces, Exchange forces, meson theory of nuclear forces
- Unit -9 : Nuclear models, Liquid model, Formula for total binding Energy of the nucleus, Wezsacher's semi empirical Mass formula, Values of the empirical coefficients
- Unit -10 : Shell Model-Experimental Evidence Predictions, Spin Orbit Coupling and Achievements of the Shell-model

Block – III NUCLEAR REACTIONS

- Unit -11 : Types of Nuclear reactions, Conservation laws, Kinematics of Nuclear reactions, Q-value, Nuclear cross section, Compound Nucleus, Discrete energy levels of nucleus, Breit-Wigner formula .
- Unit -12 : Basic properties of neutrons, classification of neutrons, Slowing down of neutrons, logarithmic decrement in energy, Moderating ratio, neutron diffusion-neutron current density, Neutron leakage current, Fermi age equation, Bohr and Wheeler Theory of fission, four – factor formula

PHY552ELECTROMAGNETIC THEORY AND SPECTROSCOPY

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

BLOCK – I ELECTRO MAGNETIC THEORY

- Unit -1 : Electrostatic Field
- Unit -2 : Magneto Statics
- Unit -3 : Electro Dynamics
- Unit -4 : EM Waves in Matter
- Unit -5 : Electro Magnetic Radiation

Handwritten signature

Unit -6 : Lienard-Wiechert Potentials
Unit -7 : Radiated Power

BLOCK – II ATOMIC SPECTRA

Unit -8 : Fine Structures
Unit -9 : Zeeman, Paschen-back and stark Effects
Unit -10 : Vector Atom Model L-s and Jj Coupling of Two Electron States
Unit -11 : Two Electron System, Lande 'G' Factor

BLOCK – III MOLECULAR SPECTRA

Unit -12 : Rotational Spectra of Diatomic Molecules
Unit -13 : Vibrational Spectra
Unit -14 : Electronic Spectra
Unit -15 : Franck-Condon Principle, Dissociation Enalgies
Unit -16 : Frank Condon Principle

PHY553 MEMORY DEVICES AND MICROPROCESSORS

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

BLOCK – I LOGIC FAMILIES

Unit -1 : Logic families and their performance characteristics
Unit -2 : Emitter Coupled Logic (ECL, PMOs, CMOs Logic and Tri state Logic)
Unit -3 : Comparisons of Logic families

BLOCK – II SEMI CONDUCTOR MEMORIES

Unit -4 : Classification and Characteristics of Memories
Unit -5 : Memory organization and expansion

BLOCK – III INTELL 8085 MICROPROCESSOR ORGANIZATION AND ARCHITECTURE

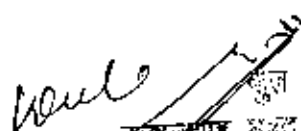
Unit -6 : Micro processor Organization and Architecture
Unit -7 : Pin configuration of Intel 8085 Micro processor
Unit -8 : Timing diagrams

BLOCK – IV ADDRESSING MODES AND PROGRAMMING OF 8085 MICRO PROCESSORS

Unit -9 : Addressing modes and instruction set of Intel 8085
Unit -10 : Programming of Micro processor Intel 8085
Unit -11 : Assembly Language Programming using Loops

BLOCK – V PERIPHERAL DEVICES AND INTERFACING

Unit -12 : I/O Interfacing & Data Transfer Schemes


मुख्य सचिव
हस्तशिल्प मंदिर विश्वविद्यालय
हस्ताशी (विश्वविद्यालय)

- Unit -13 : Intel 8053 Programmable interval Timer
- Unit -14 : Programmable Peripheral Interface (8255)
- Unit -15 : Priority Interrupt Controller (8259)

BLOCK – VI INTEL 8086 MICROPROCESSOR

- Unit -16 : Intel 8086 Micro processor
- Unit -17 : Addressing Modes and Instruction set of Intel 8086 Micro Processor
- Unit -18 : Pin Configuration of Intel 8086 Micro Processor

BLOCK – VII ADVANCED MICRO PROCESSORS

- Unit -19 : Architecture of Micro Processors 80286, 80386, 8086
- Unit -20 : The Pentium Microprocessor

PHY554 MICROWAVE DEVICES AND COMMUNICATION SYSTEM

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

BLOCK – I PASSIVE DEVICES – WAVE GUIDES

- Unit -1 : Passive Devices – Wave – guides
- Unit -2 : Cut off wavelength
- Unit -3 : Rectangular Wave guides

BLOCK – II S-MATRIX

- Unit -4 : Scattering matrix
- Unit -5 : S-Matrix of E-Plane H-Plane and magic tee

BLOCK – III WAVE GUIDE COMPONENTS

- Unit -6 : Waveguide Components
- Unit -7 : Phase Shifters

BLOCK – IV MICROWAVE SEMICONDUCTOR DEVICES

- Unit -8 : Microwave Semiconductor Devices
- Unit -9 : Parametric Devices

BLOCK – V MICROWAVE TUBES

- Unit -10 : Two Cavity Klystron
- Unit -11 : Magnetron
- Unit -12 : Travelling Wave tube (TWT)

BLOCK – VI MODULATION & DEMODULATION

- Unit -13 : Modulation
- Unit -14 : Demodulation

Handwritten signature

BLOCK – VII ANTENNAS

Unit –15 : Antenna Fundamentals

Unit –16 : VHF antennas

Unit –17 : Microwave antennas

BLOCK – VIII RADARS

Unit –18 : Radars 184

Unit –19 : Types of Radars

Unit –20 : Tracking radar

PHY555LLABORATORY COURSE

Programme: Master of Science Physics MSCPHY12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 8

Name of the Experiment

Unit –1 : POWER SUPPLIES

Unit –2 : ZENER DIODE AS A VOLTAGE REGULATOR

Unit –3 : RC-COUPLED AMPLIFIER

Unit –4 : RC-PHASE SHIFT OSCILLATOR

Unit –5 : COLPITS OSCILLATOR

Unit –6 : OPERATIONAL AMPLIFIER (OP-AMP) CHARACTERISTICS

Unit –7 : OPERATIONAL AMPLIFIER (OP-AMP) AS AN INVERTING
& NON- INVERTING AMPLIFIER

Unit –8 : WEIN BRIDGE OSCILLATOR

Unit –9 : TRIANGULAR WAVE GENERATOR

Unit –10 : SCHMITT TRIGGER USING IC 741 (OP AMP)

Unit –11 : ASTABLE MULTIVIBRATOR USING IC 555

Unit –12 : MONOSTABLE MULTIVIBRATOR WITH IC 555

Unit –13 : VERIFICATION OF BOOLEAN AND DEMORGAN THEOREMS

Unit –14 : HALF ADDER / HALF SUBTRACTOR

Unit –15 : FULL – ADDER

Unit –16 : VERIFICATION OF FLIP-FLOPS

Unit –17 : IMPLEMENTATION OF RING COUNTER AND JOHNSON COUNTER

Unit –18 : COUNTERS (PART-A)

Unit –19 : DECADE COUNTER

Unit –20 : DIGITAL TO ANALOG CONVERSION

Unit –21 : CRYSTAL OSCILLATOR

Unit –22 : HISTORY OF THE 'C' PROGRAMMING LANGUAGE

Unit –23 : EVALUATION OF FUNCTIONS

Unit –24 : EVALUATION OF DETERMINANT OF MATRIX

Unit –25 : SOLUTION OF NON-LINEAR EQUATIONS

Unit –26 : NUMERICAL INTEGRATION

Handwritten signature
मुख्य सचिव
संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी

Unit -27 : SOLUTIONS FOR DIFFERENTIAL EQUATIONS
Unit -28 : SOLUTIONS TO SYSTEM OF LINEAR EQUATIONS

Procedure of Admission curriculum transaction and evolution:- The learners may apply in the course run by the University by getting themselves enrolled in the various study centers run by the university. The criteria to be met by the student intending to take admission in B.Sc. & M.Sc. physics courses run by the University's is as follows:

For Post Graduate Programme (M.Sc. Physics):-

Graduation with Physics as one of the major subject.

Examination is conducted in the various examination centers decided by the University. Further, the examination copy is to be evaluated by various evaluators of the concern subject approved by Hon'ble Vice -Chancellor.

Requirement of the laboratory support and Library Recourses: - The M.Sc. programmes have practical components also. Practical work is very important in science programmes. In general the science study centers have laboratory facility for M.Sc. and B.Sc. level. After providing the course material, students perform practical work on each Saturday and Sunday during counselling sessions. In master, students have to perform minimum 16 experiments in year (8 per semester). Beside this practice, 10 days compulsory practical workshop is to be organized by the university for the learners. The aforesaid workshop comprises of combined theory and practical session specifically designed for the learners. A comprehensive soft copy of the study material is provided to the learners through the online library in the University website and the learners can also avail the facility of the books available in the University Library.

Cost Estimate of the Programme and Provision:- Fee deposited by the student registered in B.Sc. Programme is as:-

M.Sc. Physics programme:

The approximate cost of development of study material

8 units x 20 courses = 160 units

Cost of development if 160 units (Rs 1000000 writing + Rs 500000) = Rs 1500000

Number of students getting admission each year = nearly 300

Handwritten signature

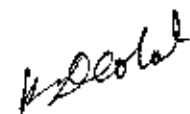
Annual Fee deposited by each M.Sc. students = 19600

Total fee deposited by all students (300) = Rs. 5880000

Total expenditure for Editing = 112500/-

Total B.Sc. Programme Unit editing expenditure = 337500/-

Quality Assurance Mechanism & Expected Programme outcome:- The course material for M.Sc. and B.Sc. Programme run by the University is of high quality material. The department always reviews the material and modifies it time to time. The science study centers are also visited and monitored regular counselling.



Prof. P.D. Pant
Director I/C
School of Sciences

Dr Kamal Devlal
Programme Coordinator
Department of Physics



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वनाथ)

Programme Project Report (PPR)
MSCZO (M.Sc. Zoology)
Department of Zoology
Uttarakhand Open University

The content of the Programme Project Report are as:-

(a) Programme Mission & Objectives: - Uttarakhand state comprises of geographically constrained areas. A large number of learners cannot avail higher education due to the aforesaid geographical constraints. The learners can avail higher education through ODL (Open and Distance Learning) mode. The mission of the programme is to provide higher education to the learners in a way which is easily accessible. The broadest mission of the department of Zoology is consistent with the mission of the university in its vision and purpose. The programme is committed to academic excellence and intends to provide a comprehensive study material, audio and video lectures and a workshop based learning to the learners who choose Zoology as a subject for perusing higher education.

(b) Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals: - In Uttarakhand large number of students are interested in Science subject i.e. Zoology, because Zoology is a vast field of Life Science, as it opens up job opportunities in the various field such as academics, research and the courses available in higher education open up the career opportunities which an M.Sc. in Zoology Post-graduates and Graduate can look forward is limitless. There are numerous private sector firms in the country which provides huge scope for these graduates. Various chemical as well as pharmaceutical companies recruit M.Sc. Zoology graduates. The demand for these graduates is increasing day by day due to the faster growth of the industries. The various jobs to which the aspirants can get into are Biological Laboratory Technician, Conservationist, Environmental Consultant, Herpetologist, Veterinary Technologist, Wildlife Educator, Wildlife Rehabilitator, Zookeeper, and Zoologist Etc. Thus the Graduate and Post graduate Zoology programme are useful for the students.



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (नियंत्रण)

(c) Nature of Prospective Target group of Learners:- The target group of learners are all Science graduate of the Society, the teacher of the different Schools those want to enhance their education & workers of different corporate society those couldn't completed their education and want to get higher education.

(d) Appropriateness of the Programme to be conducted in ODL mode to acquire still competence: - The M.Sc. (Zoology) programme can be offered in ODL system. A science student can use or apply science and technology very effectively. By using modern technology the students can get all the quality materials. A lot of study material and online lectures are available in the internet. Many international scientific institutions are providing their lectures and other material to the society. Learners can avail this facility. The learners those fulfill all the programme requirements shall be highly trained and skilled through the year by counselling and special workshop. It seems they should be competence enough for further requirements.

(e) Instructional Design: - The curriculum designed for M.Sc. Zoology Programmes are entirely different than other programmes and as per the scientific requirements at presents. In curriculum there is a provision of two days regular weakened counseling session and a Practical session. The study is also available in different electronic mediums (Internet mobile E-portal, YouTube etc). The instructional design of science programme includes these technologies and encourages the students for using these tools of learning.

(i) Curriculum design: - Before designing the programmes and courses in Zoology, attempts were made to draw upon the literature produced by other academic and professional institutions in India and abroad. Due attention has been paid in balancing the theoretical knowledge with laboratory study, field survey/studies, and Project work. The programme structure is as follows:



Programme Curriculum:

Name of the Programme : Master of Science Zoology (M.Sc. Zoology)

Programme Code: MSCZO-16/17

Programme Mode: Annual

Eligibility: Graduation in concern subject

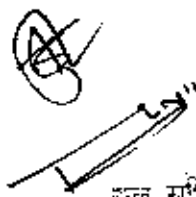
Duration Min: 2 Years; **Max:** 6 Years

Self Learning Material (SLM): English

Programme Fee: Fee per year:- 12750/

Total fee M.Sc. Programme = 25650 /

Total Credit: 64


कुल सचिव
सतगुरु प्रज्ञा विश्वविद्यालय
पटना-800 014

Syllabus Detail of M.Sc. Zoology

M.Sc. Ist (Zoology)

ZO 501 ANIMAL DIVERSITY AND ECOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK-I:SYSTEMATICS

Unit -1 : Theories and concepts of Taxonomy

Unit -2 : Biological Classification

Unit -3 : Methodologies in Systematics

BLOCK – II : DIVERSITY IN ORGANISATIONOF INVERTEBRATES

Unit -4 : Coelom

Unit -5 : Circulatory System

Unit -6 : Nervous System

Unit -7 : Excretory System

Unit -8 : Phylogenic Importance of Echinoderm larvae

BLOCK – III: DIVERSITY IN ORGANIZATION OF VERTEBRATA

Unit -9 : Integument

Unit -10: Heart and Circulatory System

Unit -11: Respiratory System

Unit -12: Nervous System, Brain and Sensory Organs

BLOCK-IV:ECOLOGY AND ANIMAL DIVERSITY

Unit -13: Ecology and Animal Diversity

Unit -14: Aquatic Ecosystems and Animal Diversity

Unit -15: Protected areas (Sanctuaries and National Parks)

Extinction and Biodiversity Conservation.

ZO501 LABORATORY BOOK

COURSE – I

ANIMAL DIVERSITY & ECOLOGY

CONTENTS:

Unit –1 : Identification of evolutionary significant specimens and important Connecting links and biodiversity

Unit –2 : Diversity of Beaks in Birds

Unit –3 : Mode of life and Modification of feet of Birds

Unit –4 : Preparation of check list of Animals in a Zoo-Park or a Sanctuary
Or a National Park

Unit –5 : Protected areas (Sanctuaries and National Parks) extinction
And biodiversity conservation

Unit –6 : Aquatic ecosystems and animal diversity

Unit –7 : Freshwater crab (Paratelphusa) Nervous System

Unit –8 : Grasshopper (Locust) Reproductive System

Unit –9 : Digestive System in Chick

Unit –10: Circulatory system in Chick

Unit –11: Urinogenital System in Chick

Unit –12: Respiratory System in Chick


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विशेषज्ञ)

ZO502 CELL AND MOLECULAR BIOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK - I: CELL BIOLOGY

- Unit -1 : An overview of the Cell, Cell shapes and types
- Unit -2 : Methods in Cell Biology
- Unit -3 : Structures and Functions of the Cell Membranes
- Unit -4 : Functional aspects of Cell Organelles
- Unit -5 : The Cell Organelles
- Unit -6 : Nucleus
- Unit -7 : Cell Division
- Unit -8 : Cell Communication and Signaling

BLOCK-II:MOLECULAR BIOLOGY

- Unit -9 : Nucleic Acids
- Unit -10 : DNA Replication
- Unit -11 : Transcription
- Unit -12 : Genetic Code and Protein Synthesis
- Unit -13 : Gene Regulation
- Unit -14 : Gene Transfer methods in Prokaryotes
- Unit -15 : Mobile Genetic Elements
- Unit -16 : Cancer



ZO502 CELL & MOLECULAR BIOLOGY (LABORATORY BOOK)

Contents

- Unit -1 : Preparation of Blood Smear, Cell Type Identification and Differential Counts
- Unit -2 : Osmotic Fragility of Erythrocytes
- Unit -3 : Estimation of RNA and DNA in Tissues
- Unit -4 : Extraction of DNA
- Unit -5 : Extraction of RNA
- Unit -6 : Fractionation of Proteins by Ammonium Sulfate Precipitation
- Unit -7 : Localization of RNA by Methyl Green - Pyronin Y
- Unit -8 : Feulgen reaction Method for DNA Localization
- Unit -9 : Tissues Homogenization and Fractionation by Differential Centrifugation for Isolation of Nuclei and Mitochondria
- Unit -10: Separation of Proteins by Polyacrylamide Gel Electrophoresis
- Unit -11: Polytene Chromosomes
- Unit -12: Cell Division


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (वि.सं. 1)

**ZO503 ANIMAL PHYSIOLOGY AND PHYSIOLOGICAL
CHEMISTRY**

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK-I: RESPONSE TO ENVIRONMENT

- Unit -1 : Water
- Unit -2 : Thermoregulation
- Unit -3 : Respiration
- Unit -4 : Circulation

BLOCK - II: FUNCTIONAL PHYSIOLOGY

- Unit -5 : Nutrition and Digestion
- Unit -6 : Excretion
- Unit -7 : Immunology
- Unit -8 : Nerve and receptors
- Unit -9 : Muscle
- Unit -10 : Endocrinology and bioluminescence

BLOCK - III: PHYSIOLOGICAL CHEMISTRY

- Unit -11 : Enzymes
- Unit -12 : Carbohydrates
- Unit -13 : Aminoacids
- Unit -14 : Proteins
- Unit -15 : Lipids
- Unit -16 : Biological Oxidation



Physiology & Physiological Chemistry

Contents

BLOCK – I Laboratory Techniques – I

Estimations.

- Unit –1 : Determination of Proteins by Biuret Method
- Unit –2 : Determination of Glucose by Anthrone Method / Somogi Method
- Unit –3 : Determination of Lipids by Vanillin Method
- Unit –4 : Determination of Glycogen by Kemp's Method
- Unit –5 : Estimation of Cholesterol by Acetic Anhydride Method

BLOCK – II Laboratory Techniques – II

- Enzyme Activities & Kymograph – Muscle Contractile Parameters.

- Unit –6 : Determination of Enzyme Activities of SDH, LDH and GDH
- Unit –7 : Effect of Substrate Concentration and pH on
Succinate Dehydrogenase Activity
- Unit –8 : Effect of Competitive Inhibitor on SDH Activity
- Unit –9 : Estimation of Blood Chlorides under Hetero Osmotic Media
- Unit –10: Estimation of Acetyl Cholinesterase (ACHE)
- Unit –11: Adrenalin and Insulin induced changes in Blood
Glucose Levels in Frog
- Unit –12: Estimation of Haemoglobin, Erythrocytes Sedimentation Rate
(ESR), Coagulation Time
- Unit –13: Kymograph Recording of Muscle Twitch, Tetanus and Fatigue


मुख्य साधक
निराकरण भुक्त विश्वविद्यालय
काठमाडौं (नेपाल)

ZO504 HUMAN CYTOGENETICS AND DEVELOPMENTAL BIOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 1st Year

Credits: 6

BLOCK – I : Human Cytogenetics

- Unit –1 : Introduction to Human Cytogenetics
- Unit –2 : Chromosomes & Karyotyping
- Unit –3 : Chromosomal Abnormalities
- Unit –4 : Genetic Disorders
- Unit –5 : Mutations and Repair of DNA
- Unit –6 : Recombinant DNA Technology
- Unit –7 : Cytogenetic Culture setup and Harvest
- Unit –8 : Slide Preparation and Staining
- Appendix – A Glossary of Genetic Terms
- Appendix – B Glossary of Malformations

BLOCK – II: Development Biology

- Unit –9 : Basic concepts of Development Biology
- Unit –10 : Gametes and Fertilization
- Unit –11 : Cleavage and Gastrulation
- Unit –12 : Early vertebrate Development
- Unit –13 : Differentiation
- Unit –14 : Body Axis
- Unit –15 : Tetra pod Limb Development
- Unit –16 : Growth and Post-embryonic Development



ZO504 LABORATORY BOOK

Human Cytogenetics & Development Biology

Contents

BLOCK – I Human Cytogenetics

Unit –1 : Culture setup and harvest

Unit –2 : Slide preparation

Unit –3 : Staining

Unit –4 : Microscopy Training and Mitotic Index Calculation

Unit –5 : Scoring

Unit –6 : Karyotyping

BLOCK – II Development Biology

Unit –7 : Procedure for isolating and culturing early hours chick
Embryo by filter paper ring method

Unit –8 : Development of a microlecithal
Egg: Spiral cleavage in a snail

Unit –9 : Demonstration of vitellogenesis by classifying the
Development stages of oocytes in the crustacean ovary

Unit –10: Fecundity Index

Unit –11: Culturing of *Drosophila* and observing its embryonic
And larval stages

Unit –12: Regeneration


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारका (देहरादून)

M.SC IInd YEAR ZOOLOGY

ZO551 IMMUNOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

BLOCK – I: The Immune System

- Unit –1 : Introduction to the Immune System
- Unit –2 : The Lymphoids System
- Unit –3 : Cell involved in Immune Response
- Unit –4 : Structure and functions of Immunoglobulins

BLOCK – II: Immune Response

- Unit –5 : Major Histocompatibility Complex in mouse and Humans
- Unit –6: Humoral Immunity
- Unit –7 : Cell mediated Immunity
- Unit –8 : The complement system

BLOCK – III: Immunopathology

- Unit –9 : Hypersensitivity
- Unit –10: Auto Immunity and Immune diseases
- Unit –11: Immunity to Infectious diseases
- Unit –12: Immunity to Parasitic diseases

BLOCK – IV:

Immunotechnology

- Unit –13: Vaccinology
- Unit –14: Transplantation and Organ Rejection



- Unit -15: Tumor Immunology
Unit -16: Immunodiagnosis and Applications

ZO551 IMMUNOLOGY (LABORATORY BOOK)

CONTENTS

- Unit -1 : Blood film preparation and identification of cells
Unit -2 : Total count and differential count of leucocytes
Unit -3 : Determination of total red blood cells and white blood cells in the blood sample
Unit -4 : Estimation of serum proteins
Unit -5 : Estimation of Albumin and globulin
Unit -6 : Histology of lymphoid organs
Unit -7 : Blood groups
Unit -8 : Widal test
Unit -9 : Pregnancy test
Unit -10: Immunodiffusion
Unit -11: Immunoelectrophoresis
Unit -12: ELISA - demonstration


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (द्वि-विभाग)

ZO552 ANJMAL BIOTECHNOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

BLOCK – I: Fundamental Techniques of Biotechnology

- Unit –1 : Introduction, History and scope of Biotechnology
- Unit –2 : General Histology and Cell Tissue Culture
- Unit –3 : Preparation of Culture Media
- Unit –4 : The Stem Cell
- Unit –5 : Propagation and Maintenance of Tissue Culture
- Unit –6 : Propagation of Cell Lines
- Unit –7 : Cellular aspects of Tumor Cells
- Unit –8 : In Vitro Fertilization and Embryo Transfer

BLOCK – II : Applied Biotechnology

- Unit –9 : Agricultural Biotechnology
- Unit –10 : Aquatic Biotechnology
- Unit –11 : Microbial Biotechnology
- Unit –12 : Environmental Biotechnology – I : Environmentally important Microorganisms, Waste water treatment, waste water utilization
- Unit –13 : Environmental Biotechnology – II : Landfill, Composing, Earth worm treatment, Degradation of Plastics
- Unit –14 : Bioremediation
- Unit –15 : Enzymes Biotechnology
- Unit –16 : Industrial Biotechnology



BLOCK – I Fundamental Techniques of Biotechnology

Unit –1 : General histology and Cell Tissue Culture

Unit –2 : Cell Culture

Unit –3 : The Stem Cell

Unit –4 : Propagation and maintenance of tissue culture

Unit –5 : Cell Culture from Cell Line

Unit –6 : Cellular aspects Cell Line

BLOCK – II Applied Biotechnology

Unit –7 : Microbiology – testing and evaluation of coliform bacteria

Unit –8 : Phytoplanktons and Zooplanktons

Unit –9 : Production of Pathogen-Free Plants through Meristem Culture

Unit –10: Vermitechnology

Unit –11: Penicillin Production and Testing of Antimicrobial Activity

Unit –12 : Enzyme Immobilization


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुभवे, 12/11/2024

ZO553 TOXICOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

BLOCK – I: FUNDAMENTAL OF INSECTICIDE TAXICOLOGY

Unit –1: Formulations and Classification of Insecticides

Unit –2: Evaluation of Insecticide Toxicity

Unit –3: Insecticides and Cuticle

Unit –4: Effects of Insecticides on the Nervous System

BLOCK – II: BOTANICALS AND CONVENTIONAL INSECTICIDES

Unit –5: Botanical Insecticides

Unit –6: Organochlorines

Unit –7: Organophosphorus Insecticides

Unit –8: Carbamate Insecticides

BLOCK – III: NEWER INSECTICIDES

Unit –9: Synthetic Pyrethroids

Unit –10: Molecules with Different Chemistry

Unit –11: Synthetic Insect Control Agents

BLOCK – IV: METABOLISM, RESISTANCE AND RESIDUES

Unit –12: Photochemistry of Pesticides

Unit –13: Microsomal Mono-Oxygenases



Unit -14: Extra – Microsomal Metabolism of Insecticides

Unit -15: Insecticide Resistance

Unit -16: Pesticide Residues

ZO553 TOXICOLOGY (LABORATORY BOOK)

CONTENTS

BLOCK - I

EVALUATION OF INSECTICIDE TOXICITY

Unit -1 : Computation of Toxicity – Probit Analysis

Unit -2 : Estimation of contact toxicity of insecticide film

Unit -3 : Evaluation of efficacy of mosquito repellent coils

Unit -4 : Evaluation of efficacy of mosquito repellent creams

Unit -5 : Testing efficacy of household insecticides

Unit -6 : Detection of insecticide resistance in *Helicoverpa armigera*

BLOCK - II

BIOCHEMICAL TECHNIQUES

Unit -7 : Nerve Cells in Insects

Unit -8 : Mixed Function Oxidases (MFO) Assay

Unit -9 : Assay of Carboxylesterase

Unit -10: Estimation of acetylcholinesterase in Insects

Unit -11: Emulsion Stability Test


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (१०/०५/२०२०)

BLOCK – III

PESTICIDE RESIDUE ANALYSIS

Unit –12: Determination of pesticide residues in water

Unit –13: Determination of pesticide residues in soil

Unit –14: Determination of pesticide residues in fat

ZO 554(A) APPLIED ENTOMOLOGY

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

Paper	Name:	Applied	Entomology
BLOCK – I	CLASSIFICATION AND STRUCTURE		

- Unit –1 : Insect taxonomy
- Unit –2 : External Morphology-Study of generalized insect
- Unit –3 : Internal Morphology
- Unit –4 : Insect Behaviour

BLOCK – II: ECONOMIC ENTOMOLOGY

- Unit –5 : Pests of field Crops of stored grains
- Unit –6 : Horticultural Crop Pests
- Unit –7 : Integrated Pest Management
- Unit –8 : Non Insect Pests (Biology), Damage & Management

BLOCK – III: PRODUCTIVE AND BENEFICIAL INSECTS

- Unit –9 : Silkworm (Biology, nature of produce, uses)
- Unit –10 : Honeybees (Biology, nature of produce, uses)
- Unit –11 : Lac insects and other beneficial insects

BLOCK – IV: LIVESTOCK, URBAN AND MEDICAL ENTOMOLOGY

- Unit –12 : Livestock Entomology
- Unit –13 : Urban Entomology
- Unit –14 : Medical Entomology

- Unit -15 : Forensic Entomology
Unit -16 : Aquatic Entomology

ZO554 (A) LABORATORY BOOK

Block - I

Insect External Morphology

- Unit -1 : External Characters of Typical Insect (Viz., Grasshopper)
Unit -2 : Demonstration of Chitin in the Integument
Unit -3 : Identification of Some Common Orders of Class Insectia

Block - II

Economic Entomology

- Unit -4 : Identification of Important Pests and their Symptoms of Damage
Unit -5 : Identification of Importance Pests stored grains -
and their symptoms of damage
Unit -6 : Important Pests of Horticultural Crops - and their symptoms of damage
Unit -7 : Attraction by insect Sex Pheromones

Block - III

Forensic Entomology, Urban Entomology and Medical Entomology

- Unit -8 : Forensic Entomology Practical
Unit -9 : Excavation of an Identification of Mosquito Vectors

Block - IV

Dissections

- Unit -10: Dissections of Mouth Parts of Insects
Unit -11: Dissections of Silk Gland, Appendages, Digestive System


कुल सचिव
जम्मू विश्वविद्यालय
जम्मू

Block – V

Field Visit & Report

Unit –12: Visit to Biological Control Laboratory

ZO 554(B) APPLIED FRESHWATER AQUACULTURE

Programme: Master of Science Zoology MSCZO12

Year / Semester: 2nd Year

Credits: 6

Paper Name: Applied Freshwater Aquaculture

BLOCK – I: Fish Breeding and Seed Production

Unit –1 : Fish Breeding and Fish Genetics

Unit –2 : Endocrinology of Reproduction & Breeding of Common Carp

Unit –3 : Fish seed production Technology

BLOCK – II: Freshwater Aquaculture Production Technology

Unit –4 : Extensive, semi intensive and intensive Cultures of Carp

Unit –5 : Freshwater prawn culture (*Macrobrachium rosenbergii*)

Unit –6 : Culture of pearl

Unit –7 : Culture of Natural Foods –

Daphnia, Artemia, Zoo plankton and Phytoplankton

Unit –8 : Aquaculture farm design, construction

BLOCK – III: Production system management

Unit–9: Freshwater fish farm and management

Unit –10: Water and soil quality management

Unit –11: Fish Feed and feeding strategies

BLOCK – IV: Fin Fish Pathology

Unit –12A : Infectious Diseases – Viruses, Bacteria and Fungi (Clinical picture, pathology, symptoms and prophylaxis)-Viral diseases of fish – 1. Papillomatosis, 2. Lymphocystis 3. Infectious pancreatic necrosis – Bacterial diseases of fish: 1. Bacterial haemorrhagic septicemia, 2. Bacterial gill diseases 3. Columnaris diseases:-Fungal diseases of fish: 1. Branchiomycosis, 2. Saprolegniasis.

Unit – 12B: Infectious parasitic diseases – Protozoa & Metazoan parasites

(Life cycle, Clinical picture, pathology, symptoms and prophylaxis)
-Protozoan diseases of fish; 1. Costiasis 2. Whirling disease 3. Ichthyophthirius

-Metazoan parasites of fish & diseases caused; (Life cycle, Clinical Picture, pathology, symptoms and prophylaxis) Monogenetic Trematode parasites (*Dactylogyrus*, *Gyrodactylus*, *Diplozoan*), Digenetic Trematodes (*Diplostomum*, *Sanguinicola*), Cestode parasites (*Ligula* and *Dibothriocephalus latus*),

-Nematodes and fish leeches.

-Crustacean parasites of fish & diseases: 1. Argulus, 2. Ergasilus 3. Lerneae.

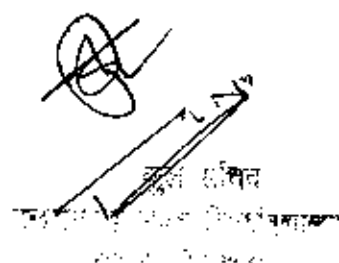
BLOCK – V: Disease Management-Polymerase Chain Reaction (PCR) Technology

Unit –13 Fundamentals – DNA Structure, Primers, Probes, Nucleases

Unit –14 Introduction to Polymerase Chain Reaction (PCR)

Unit –15 Instrumentation and Reagents

Unit –16 Electrophoresis



**ZO 554(B) APPLIED FRESHWATER AQUACULTURE
(LABORATORY BOOK)**

CONTENTS

BLOCK - I FISHERY SCIENCE

Unit - 1 Study of Commercially Important Fresh Water Finfish
(Crap, Cat Fishes) And Shell Fish (Prawn)

Unit - 2 Fish Morphometry

**BLOCK - II DISSECTION - FISH REPRODUCTION & NATURAL FOOD
CULTURE**

Unit - 3 Collections and Preservation of Pituitary Gland

Unit - 4 Identification of Ovary Maturation Stages in Crap And Estimation of Gonad
Volume, Fecundity, Gonadomatic Index (GSI)

Unit - 5 Cultivation of Spirulina in Laboratory Conditions

Unit - 6 Artemia (brine Shrimps) - Decapsulation

**BLOCK - III DISSECTIONS - FISH REPRODUCTION & NATURAL FOOD
CULTURE**

Unit - 7 Estimation of pH of Water

Unit - 8 Estimation of Total Hardness Of Water

Unit - 9 Determination of Dissolved Oxygen in Water

Unit - 10 Quantitative Estimation of Plankton

Unit - 11 Quantitative Estimation of Planktonic Organism in Fresh Water Pond and Food
Chains

BLOCK - IV FISH PATHOLOGY

Unit - 12 Identification of Fish Diseases Caused by Micro Organisms and Parasites

Unit - 13 Determinations of Health Conditions of a Fish

Unit - 14 Extraction of DNA from Fish Fins and Scales

Unit - 15 Separations of Proteins by Polyacrylamide Gel Electrophoresis



ii) Duration of the programme: Minimum duration of programme is two (02) years and maximum duration is six (06) years

iii) Faculty and support staff requirement: One Academic Associate is available in Department of Zoology, School of Science. However, One Permanent Faculty will be required for more efficient conduction of the programme.

iv) Instructional delivery mechanism: The programme will be offered in the Open and Distance Learning (ODL) mode. Guided self study using print (SLM) and electronic media, lecture/counseling sessions; special counseling sessions and group interactions in Workshop at cluster level, self-reliant study activities, individual / group work assignment, Project work, Lab sessions and excursion. The delivery material will include printed SLM, assignment, Face to face counseling at the designated study centers during Saturday and Sundays. Laboratory workshop will be conducted for 10 days at different regional Study Centers.

(f) Procedure of Admission curriculum transaction and evaluations: - The learners may apply in the course run by the University by getting themselves enrolled in the various study centers run by the university. The criteria to be met by the student intending to take admission in B.Sc. & M.Sc. Zoology courses run by the University's are as follows:

For Post Graduate Programme:

Graduation with Zoology as one of the major subject.

Examination are conducted in the various examination centers formed by the University, further the examination copy to the various evaluators of the concern subject approved by Hon'ble Vice-Chancellor.

(g) Requirement of the laboratory support and Library Recourses: - The M.Sc. programmes have practical components also. Practical work is very important in science programme. In general the science study centers have laboratory facility for M.Sc. and B.Sc. level. After providing the course material, students perform practical work on each Saturday and Sunday during counseling sessions. In master, students have to perform minimum 16


कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीनगर (वि. प्रशासन)

experiments in year (8 per semester). Beside this practice, 10 days compulsory practical workshop is to be organized by the university for the learners. The aforesaid workshop comprises of combined theory and practical session specifically designed for the learners. A comprehensive soft copy of the study material is provided to the learners through the online library in the University website and the learners can also avail the facility of the books available in the University Library.

(h) Cost Estimate of the Programme and Provision:- Fee deposited by the student registered in M.Sc. Programme is as:-

M.Sc. Zoology programme:

The approximate cost of development of study material

8 units x 20 courses = 160 units

Cost of development if 160 units (Rs 1000000 writing + Rs 500000) = Rs 1500000

Number of students getting admission each year = nearly 300

Annual Fee deposited by each M.Sc. students = 19600

Total fee deposited by all students (300) = Rs. 5880000

(i) Quality Assurance Mechanism & Expected Programme outcome:- The course material for M.Sc. and B.Sc. Programme run by the University is of high quality material. The department always reviews the material and modifies it time to time. The science study centers are also visited and monitored regular counseling.

Programme outcomes:

Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporate, and policy and decision-makers.

Pro.P.D.Pant
Director I/C
School of Sciences


Shyam S. Kunjwal
Programme Coordinator
Department of Zoology
Uttarakhand Open University

Programme Project Report (PPR), Department of Social Work

Name of the Programme : Master of Social Work

(a) programme Mission and objectives :-

The department of Social Work at UOU aims at providing master's level quality education in the areas of social work with specialization in NGO's management, Counselling, Human Resource management and Industrial relation, Labour Welfare and legislation and Medical Social Work studies by offering courses leading to the award of MSW. To provide inclusive and quality education in social work across the state. To provide quality education through open and distance learning using multi-pronged strategies and services to reach the unreachd with an emphasis on social work values and ethics whereby improving the services in social welfare sectors.

The department of social work, Social of Social Sciences at UOU is the first department of Social Work to be offering social work programmes through ODL system in the state of Uttarakhand. It has indigenously developed high quality Self Instructional Learning Materials (SILM) and uses multi-media approach for imparting social work teaching and training through Community Radio of UOU in Hindi. It offers social work programmes to in-service candidates and engages a large number of practitioners for field supervision. Major objectives of the programme are :-

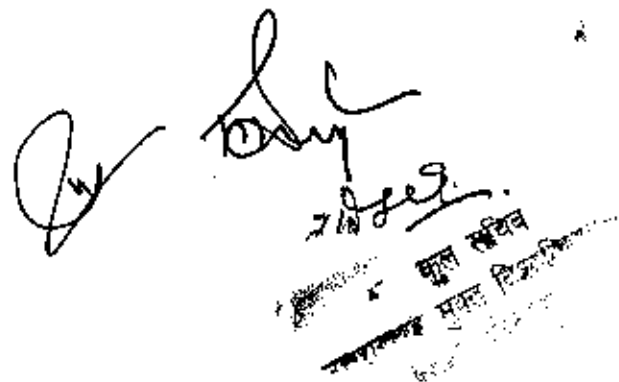
- To provide education and training in social work to those who are desirous of making their career in social sector.
- To equip the learners with an in-depth understanding of the social work concept, its theories and role of a professional social workers in the development of society, Nation and the world.
- To train the learners/students in the various sectors of social work and equip them with latest trend in the field of social work and prepare learners /students to exploit the opportunities in the social sectors.
- To provide opportunities to the learners who want to start their

(b) Relevance of Programme with HEI's Mission and Goals :-

The MSW programme offers opportunities to learners for higher studies in professional social work. Besides offering the core course pertaining to social work curriculum in Uttarakhand, it includes themes in some of the emerging areas in social work. Such as globalization, Hill area development, Human Rights and Social Justice, Health care, migration, Family and Child Welfare, history of social work in India and Human Resource Management and Industrial relation and Medical Social Work.

(c) Nature of prospective target group of learners:-

- Graduate students
- Working Professionals
- Health Sector Professionals
- Factory workers



Handwritten signature and official stamp of the University of Uttarakhand, Dehradun. The stamp includes the text 'कुल सचिव' (Kul Sachiv) and 'मुख्य निदेशिका' (Mukhya Nideshika).

- Rural Women's & NGO's Workers
- Governments Employees
- Entrepreneurs
- Early—and mid—career professionals working in Uttarakhand
- Child Welfare Agents
- Child Protective Services Agents
- Social Sector Professionals
- Community Development Officials
- Consultancy Services Providers
- Elderly Care Institutions
- Family Welfare and Planning Boards
- Human Resource Managers
- Medicals Social Workers
- Industrial Development sectors
- Mental Health and Mental retardation Agencies
- Management of Social Services Agencies
- Mother & Child care agencies
- Poverty Eradication Agencies
- Agencies related with People with Special needs
- Agencies related to Rehabilitation of Offenders
- Agencies Working with People with Disabilities
- Social Research and Program Evaluation Managers
- Peoples Working with Youth problems

(d) appropriateness of the programme to be conducted in open and distance learning mode to be acquire specific skills and competence :-

The programme has been designed to ensure norms and standards for Professional Social Work education. The programme provides conceptual understanding of history of social work, skills in primary methods, research skills, Information Technology, industrial and global trends, thus, equipping learners with tools and techniques to lead and manage in today's ever-changing society. Adequate attention is also paid to the application of knowledge, self awareness among learners and development of problem solving, and decision making skills. For appropriateness of the MSW programme offered in the ODL mode is ensured in terms of curriculum design, eligibility criteria, admission procedures, duration, evaluation, infrastructural facilities, etc. are Because of its inherent flexibility in terms of entry, method, pace and place of learning, methods of evaluation, the MSW Programme in ODL Mode is suitable for the Early- and mid-career professionals working in Uttarakhand. The Programme offered by the School is useful and geared to fulfill identified gaps in the Social Sector demands.

Field Work Component in social work education is very important because it is a tool to practice theories in fields .it is an integral part of social work education.


 7/8/2022
 उत्तराखण्ड माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
 हरदोम, उत्तराखण्ड

Basic objectives of Field Work Training are :-

- ❖ development of **professional skills** through learning, to use knowledge for the study and **analysis of problems** and selection of appropriate means to solve them.
- ❖ Development of skills in **problem –solving** at the **Macro , Micro and Mezzo** level.
- ❖ **Integration of theory** learning with field work training/practice.
- ❖ Development of skills required for **Professional Practice** at the particular level of training .
- ❖ Development of **Professional Attitude ,Values, Commitment and Dedication.**
- ❖ Development of self Awareness and **Professional ideas (Strength and Weaknesses).**

Specific Objectives (Goals) of Field Work training.

- ❖ Application and use of knowledge.
- ❖ Development of skills.
- ❖ Ability to manage and utilize professional relationship.
- ❖ Development of appropriate and exposed attitude.
- ❖ Knowledge about Ngo's administrative structure, history, geography, by- laws, mode of work.
- ❖ Specific training related to social case work, group work, community work, social welfare administration etc,
- ❖ Skills in helping process.
- ❖ Adjustment within the agency.
- ❖ Capacity to use supervision.
- ❖ Medical : Remedial and therapeutic training.
- ❖ Correctional : Curative and reformatory training.
- ❖ Community : Development, Empowerment, Awareness training.
- ❖ Labour : Developmental / Welfare ,HR, Capacity building.
- ❖ Preventive and rehabilitative training can be used everywhere.

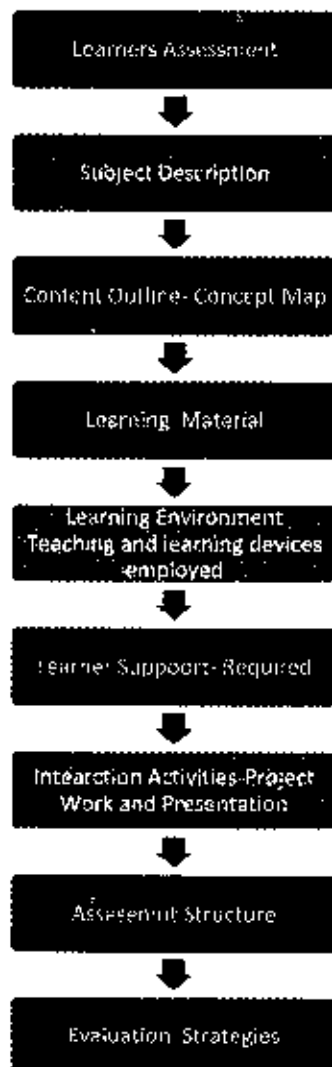
(e) Instructional Design

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. In distance learning, the . The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable chunks to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage.

The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:

[Handwritten signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (मैनीताल)



The following quality criteria is considered while formulating instructional design for ensuring the success of adult education:

- Quality design, development, and production of instructional materials
- Application and use of delivery technologies
- Presentation of learning materials
- Effective Learner Support Services
- Convergence of Technologies
- Design, develop and validation of the concepts through project work

[Signature]
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सत्यमेव जयते

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Admission

Eligibility	Duration (Yrs)		SIL M	Mode of Exam (Annual /Sem)	Year/ Sem	Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voice	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
Any graduate from a recognized university is eligible to take admission in this course.	2	5	Hindi	SEMESTER	I	5000	-	600	-	-	50	100	-	5750
					II	5000	-	750	-	-	-	-	-	5750
					III	5000	-	750	-	-	-	-	-	5750
					IV	5000	1000	-	-	50	-	-	300	6800

Curriculum Transaction

The MSW programme consist of 17 courses in all .Each course comprises of four credits. The total credits of the programme are 64 .The programme is offered in three specializations namely; Human Resource Management and Industrial Relation, Labour Welfare and legislation and medical Social Work.

The programme therefore comprises of;

- ❖ Foundation or Core Courses
- ❖ Three Courses from any one of the specialization streams
- ❖ Compulsory Capstone Courses
- ❖ Field Work Course
- ❖ Project Course equivalent to 4 course

MSW-I Year

MSW-1st Semester

- ❖ MSW-01 Social Work : an Introduction
- ❖ MSW-02 Social Research
- ❖ MSW-03 Indian Social Problems
- ❖ MSW-04 Sociology & Social Work

MSW-2nd Semester

- ❖ MSW-05 Social Psychology ,Communication and Social Work
- ❖ MSW-06 Social Case Work and Counseling
- ❖ MSW-07 Social Group Work
- ❖ MSW-08 Social Welfare Administration and Legislation

[Handwritten Signature]
कुल (अध्यक्ष)
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (मनिकेत)

- ❖ MSW-09 field Work-1st

MSW-3rd Semester

- ❖ MSW-10 Social Development and Social work
- ❖ MSW-11 Community Organization and Social Action
- ❖ MSW-12 NGO Management
- ❖ MSW-13 Field work-2 report(25- days).

Optional Paper choose any One-

- ❖ MSW-14 Human Resource Management and Industrial Relation
- ❖ MSW-15 Labor Welfare and Legislation
- ❖ MSW-16 Medical Social Work

MSW-4th semester

- ❖ MSW-17 Project Work /Dissertation(equalant to four courses).

Evaluation

Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the Coordinator of the Study Centre to which the student is assigned or attached with. The components of evaluation for each course include the following:

- a. Assignments 20 % weightage
- b. End-term examination 80 % weightage

The project work is assessed using the following components:

- a. Proposal
- b. Report
- c. Conduct of work
- d. Analysis
- e. The final report presentation also includes comprehensive *viva-voce*

I. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centres should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विश्वविद्यालय)

II. Cost estimate of the programme and the provisions:

Cost Estimation		
Particulars	Details	Amount (in Rs.)
INSTRUCTIONAL SERVICES		
Development of In-house SLM	Payment to course writers	978000
	Payment to Editors	489,000
	Typing Charges	163,000
	Total Cost	1,630,000

III. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :

The Department reviews its programme time to time through its expert committee, Board of Studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and practitioners who design, review and update the course curriculum and the study material accordingly.

Revised syllabus for the session 2018-19

MSW 1 Semester

Course 1-	Social Work – An Introduction	5 credits
Course 2-	Sociology for Social Workers	5 credits
Course 3-	Psychology for Social Work	5 credits
Course 4-	Social Case Work & Social Group Work	5 credits
Course 5-	Introductory Field Work for 10 Days	2 credits
Total	05	22 credits

MSW II Semester

Course 6-	Community Organization and Social Action	5 credits
Course 7-	Social Justice, Human Rights and Social Work	5 credits
Course 8-	Hill Area Development and Social Work	5 credits
Course 9-	Elective Courses (Learners have to select only one specialization out of 04)	
Course 9-	Labor Welfare and labor Legislation	5 credits

[Handwritten signature]
[Handwritten text]
 20/11/19
 Head, (HOD)

A		
Course 9-B	Health Care and Social Work	5 credits
Course 9-C	Rural Community Development	5 credits
Course 9-D	Family and Child Welfare	5 credits
Course-10	Concurrent Field Work Practicum for Twenty (20) Days	2 credits
Total	05	22 credits

MSW III Semester

Course-11	Social Policy & Social Planning and Welfare Management	5 credits
Course-12	Social Development	5 credits
Course-13	Social Work Research , Statistics and Computer Application	5 credits
Course-14	Elective Courses (Learners have to select only one specialization out of 04)	
Course-14-A	Human Resource Development	5 credits
Course-14-B	Medical and Psychiatric Social Work	5 credits
Course-14-C	Urban Community Development	5 credits
Course-14-D	Gender and Development	5 credits
Course-15	Concurrent Field Work-2(25 Days)	2 credits
Total	05	22 credits

MSW IV Semester

The fourth semester will be totally field based where students as per their specialization do the field work under the supervision of the approved supervisor (As per university norms).

Course-16	Project Report/Dissertation	12 credits

Totals Credits-78

Course-16-Project Work/Dissertation

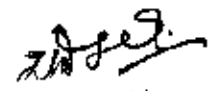
The Fourth Semester will be totally field based where the learners as per his/her specialization will prepare a synopsis which will be approved by the Supervisor(As approved by the University) and the same will sent to the University Headquarter for further action. After approval of the synopsis the learners will prepare a detail project report and the same will be evaluated by the expert and a viva voce will be held to assess the work done by the learners.

The main objectives of this semester is to check and develop the field oriented knowledge of the learners as in the social sector the knowledge and the methodology is an important part of the programme and it is necessary to develop and enhance the skills of the learners, as without a practical exposure the learners will miss the opportunity which he/she may know while doing the Master of Social work programme.

[Handwritten signatures and stamps]

**Programme Project Report (PPR), Department of Social Work,
Ph.D. (Social Work)**

- (a) **Programme's mission & objective :** The mission & objectives of the programme Ph.D. in Social Work are as follow-
Ph.D. programs of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. The Ph.D programme in Social Work aims to provide scientific understanding of research to the researchers.
The Ph.D program admits a small core of research oriented students each year. Before undertaking the dissertation work, coursework is necessary as it provides an evidence of ability to conduct research.
- (b) **Relevance of the programme with HEI's Mission and Goals:** The programme Ph.D. in Social Work has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University.
- (c) **Nature of prospective target group of learners:** The target group of learners is research oriented students in Social Work.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The program Ph.D. in Social Work begins with a compulsory course work of six month in regular mode. 75 per cent minimum attendance is mandatory for the students. After successful completion of coursework the student does research work under the supervision of the assigned supervisor.
- (e) **Instructional Design:** The Dept. of Social Work has developed Ph.D. course in such a manner that provide the learners to the knowledge of basic philosophy of research. It aims to widen the worldview of the researcher and familiarize the student with various discourses in research endeavors vis a vis human progress. For the six month coursework, first two modules of 4 credits each are designed to provide clear understanding of the concepts of research. Module three of 4 credits deals specifically with Social Work. Basically the programme includes course work, pedagogy, qualifying examination ,preparation of research proposal ,thesis work and viva voce.
- (f) All the Units have various components so as to furnish the all necessary knowledge for the research work.
- (g) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** The admission for the program is done by the entrance test. Qualified students give presentation before a board and give interview, after compiling the marks of all the experts the final merit is made and the students according to the seats available are

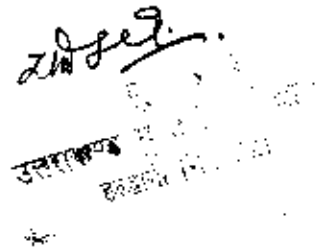




selected. During the course work students are continuously assessed by the faculty through assignments, seminars, review of work after completion of each module. As and when a module or course is concluded, the resource person concerned evaluates the candidate and hand over the evaluation sheet to the Director of School. The total fee for the Ph.D. program in Social Work is Rs.31,000/-.

(h) **Requirement of laboratory support and Library Resources :** Laboratory work is not done in Ph.D. in Social Work program though University has a library containing sociology books.

(i) **Cost estimate of the programme and the provision:** About Rs. 6 lakh is estimated for the development of Ph.D.(Social Work) programme.

(j) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The Dept. of Social Work reviews its programme time to time through its expert committee, board of studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design.



उत्तराखण्ड
राज्य शिक्षा
विभाग

PROGRAMME PROJECT REPORT FOR MITM

Mission & Objectives: The mission of the MITM programme is to provide a complete understanding and knowledge to the students about the Tourism and Travel Industry. In this programme learners will study all courses directly or indirectly associated with the industry of travel and tourism. After completing this programme students will easily be able to correlate and connect all the theoretical aspects with the practical in the industry.

The objectives of the programme are listed below:

- To provide theoretical knowledge to learners through different compulsory courses.
- To provide an opportunity to take industry experience through internship.
- Learners will understand research and its various methods through project report.
- It will make students able to find a suitable job in the industry.

Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

One of the important missions of higher education particularly through Open and Distance Learning Institutions is to provide greater opportunities and access to such section of society who are unable to reach at Higher Educational Institutions. Uttarakhand is one of the remotest and hilly states of India due to which large no. of the youths of the state are not able to reach and attend the higher educational institutions. Thus this master's degree programme in Tourism will provide them overall information and understanding about tourism industry. After completing the MITM Programme learners will be capable to apply for the industry as well as higher teaching positions in various universities.

Nature of prospective target group of learners:

Uttarakhand is one of the hilly and remotest states of India. Most of the youths of this state are not able to reach at higher educational institutions. Remote Villages located in high hills and unavailability of higher educational institutions in state are some major factors which continuously keeping away youths of Uttarakhand from the higher education. Professional programmes such as MITM running under the umbrella of Uttarakhand Open University are providing greater opportunities of jobs travel and tourism companies located in different metropolitan cities of India.

Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence:

MITM is a one of the professional programmes running in Uttarakhand Open University from past seven years. Students will study all important courses during their programme. Most part of this programme is theoretical and students gets practical experience through the two months internship from any reputed travel company.

Instructional design:

Programme Title: Master of Tourism and Travel Management

Programme Code: MITM 16

Department/School offering the programme: Department of Tourism, School of Tourism, Hospitality and Hotel Management

Duration of the Programme: Minimum-Two Years, Maximum 4 Years.

Admission: All the rules related to admission of the university shall be applicable for admission in Master of Hotel Management programme.

Eligibility: Minimum eligibility criteria for admissions in MITM programme shall be graduation in any stream. There is no upper age limit to admit a candidate in Master of Tourism and Travel Management offered by Uttarakhand Open University.

Semester Pattern: A semester shall normally extend over a period of six months. The evaluation of the learner will be based on assignment submitted and end-semester examination. The assignment shall carry 30% of the total marks of the course. The marks of assignment shall be taken into account for computation of Grades. There shall be a written end-semester examination which will carry 70% of total marks assigned for the course.

Medium of instruction: the medium of instruction will be English

Question Paper Pattern for Theory Papers: The pattern of question papers will be according to the standard pattern followed by Uttarakhand Open University.

Programme Fee and Examination Fee: The programme fee per semester will be Rs. 2500/-, and entire programme fee will be Rs. 10,000/-. All other charges fixed by the University shall be applicable. The examination fee will be in accordance with the decision of the examination Committee of the University. Presently the examination fee per course is Rs. 150/- and project fee is Rs. 1000/-.

Pushi Arora

MITM

उत्तराखण्ड
राष्ट्रिय
विश्वविद्यालय
(भारत)

20/08/23

Evaluation Scheme of Master of Tourism and Travel Management Semester-I

MTTM - 1st Semester

Course Code	Course Title	Credit	Assignment	ESE	Total Marks
MTTM 101	Tourism: Concepts and Linkages	04	15	35	50
MTTM 102	Principles of Management	04	15	35	50
MTTM 103	Introduction to Marketing	04	15	35	50
MTTM 104	Indian History, Society and Culture	04	15	35	50
Total Credits		16		Total Marks	200

Evaluation Scheme of Master of Tourism and Travel Management Semester-II

MTTM - 2nd Semester

Course Code	Course Title	Credit	Assignment	ESE	Total Marks
MTTM 201	Tourism Resources of India	04	15	35	50
MTTM 202	Introduction to Travel and Hotel Operation	04	15	35	50
MTTM 203	International Tourism: Trends and Typologies	04	15	35	50
MTTM 204	MIS for Tourism	04	15	35	50
Total Credits		16		Total Marks	200

Evaluation Scheme of Master of Tourism and Travel Management Semester-III

MTTM - 3rd Semester

Course Code	Course Title	Credit	Assignment	ESE	Total Marks
MTTM 301	Human Resource Management	04	15	35	50
MTTM 302	Itinerary Planning and Tour Packaging	04	15	35	50
MTTM 303	Research Methodology	04	15	35	50
MTTM 304	Financial Accounting	04	15	35	50

MTTM 305

Industrial Training or Project Report (50 marks) and Viva Voce (30 marks)

08

100

Total Credits

24

Total Marks

300

Evaluation Scheme of Master of Tourism and Travel Management Semester-IV

MTTM - 4th Semester

Course Code	Course Title	Credit	Assignment	ESE	Total
MTTM 401	Airlines Ticketing and Cargo Operations	04	15	35	50
MTTM 402	Tourism Policy and Planning	04	15	35	50
MTTM 403	Ecology of Tourism and Tourism Impacts	04	15	35	50
MTTM 404	Tourism Marketing Management and Entrepreneurship Development	04	15	35	50
Total Credits		16		Total Marks	200

ESE= End Semester Examination

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]
 Date: 20/08/23
 Place: [illegible]
 [illegible]
 [illegible]

MTTM - 1 st Semester				
Course Code	Course Title	Credit	Assignment	ESSE
MTTM 101	Tourism: Concepts and Linkages	04	15	35
MTTM 102	Principles of Management	04	15	35
MTTM 103	Introduction to Marketing	04	15	35
MTTM 104	Indian History, Society and Culture	04	15	35
Total Credits		16	Total Marks	
			200	

MTTM 101
Tourism: Concepts and Linkages
Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)
Year / Semester: 1st Semester

Objectives

- To impart the knowledge of basics of tourism.
- To understand the potential of tourism industry in India.
- To understand the various elements of Tourism Management; and

Block 1	
Unit 1	Tourism – Meaning, Nature and Scope
Unit 2	Travel and Tourism Through The Ages: Emergence of the Concept of Neo Tourism
Unit 3	Key Components and Their Interdependence: Elements of Tourism
Unit 4	Different Approaches to Study Tourism and Their Application
Unit 5	Types and Typologies of Tourism and the Emerging Trends
Block 2	
Tourism – Growth Perspectives and Typologies	
Unit 6	Factors Responsible for the Dramatic Growth of Tourism vis a vis Inhibitory Forces

Unit 7	Recreation - Leisure - Tourism: Inter-relationship and Interdependence
Unit 8	Concept of Push and Pull Forces in Tourism
Unit 9	Travel and Tourism Motivations: Relevance of Motivation Studies: Travel decision makers
Block 3	
Tourism Infrastructure and Industry Perspective	
Unit 10	Organizational and Functional Perspectives of Tourism Industry
Unit 11	Tourism Superstructures and Infra structure - Types and Typologies
Unit 12	Chain of Distribution in Tourism Industry and Significance of Forward and Backward Integration, Tourism Conglomerates and Common Interest Bodies
Block 4	
Tourism Product, Tourist Demand and The Supply-Mix	
Unit 13	Tourism Product and Its Components: Background Elements of Tourism Product
Unit 14	Tourist Demand – 'Concept', 'Types' and 'Unique Features', Tourism Supply-mix
Unit 15	The Tourism System – Dimensions, Interplays and Applications
Unit 16	Tourism Linkages – Significance, Scope and Challenges

Ruchi Arora

20/08/23

उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग
 देहरादून (भारत)

MITM 102

Principles of Management

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MITM 16)

Year / Semester: 1st Semester

Objectives

- Providing conceptual understanding of principles and practice of management;
- Familiarizing the students with the contemporary issues in management.

Block	Unit No.	Title
Block 1		Introduction to the Concept of Management
	Unit 1	Evolution of the Process of Management and its present status
	Unit 2	Nature, Definition, Characteristics and Importance of Management
	Unit 3	Different Schools of Management: Administrative, Scientific, Behavioural, Open Systems, Contingency, Systems, Theory Z, Mc Kinsey's Seven S
	Unit 4	Skills and Roles of Management Professionals
Block 2		Key Functions of Management-I
	Unit 5	Planning: Meaning, Concept and Importance; Process and Types of Planning
	Unit 6	Principles of Planning, Steps of Planning; Decision Making; Management By Objectives
	Unit 7	Organizing: Meaning and Importance; Organizational Structures and Departmentation
	Unit 8	Organizing: Delegation and Decentralization; Span of Control; Types of Organisation
Block 3		Key Functions of Management-II
	Unit 9	Staffing: Nature and Purpose; Process of Staffing; Directing
	Unit 10	Leading: Motivation, Communication
	Unit 11	Controlling: Need and Importance of Control; Methods of Control

	Unit 12	Characteristics of Effective Control; Controlling a Tourism organization: Challenges and Strategies
Block 4		Management of Tourism and Travel Trade
	Unit 13	Tourism & Travel Trade: Characteristics and Unique Features
	Unit 14	The Art of Managing a Tourism Trade Organization
	Unit 15	Mega Events: Planning, Managing and Effective Implementation
	Unit 16	Case Study on Management of CMVN and KAMVN

Pueli Anja

Minnie

2023

CHANGING THE FUTURE

5.10.2023

MTTM 103

Introduction to Marketing

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 1st Semester

Objectives

- To expose the students to concepts and components of marketing.
- To acquaint them with tourism specific marketing skills.
- To familiarize them with the contemporary marketing practices.

Block 1 Introduction to Marketing	
Unit 1	Nature importance and core concept of Marketing
Unit 2	Different Orientation towards market place and Marketing Philosophies (Product Oriented, Market Oriented and Societal)
Unit 3	Marketing management process
Unit 4	Service marketing - unique features & challenges, Applicability of Marketing principles with special reference to Travel and Hospitality industry
Block 2 Marketing Analysis and Research	
Unit 5	Marketing Information Systems and Market Research
Unit 6	Measuring / Forecasting Market Demand
Unit 7	Analysis of Consumer's Buying Behaviour
Unit 8	Concept of Market Segmentation and Market Targeting
Block 3 Designing Marketing Strategies	
Unit 9	Marketing Mix: Design and Development
Unit 10	Competitive Differentiation and Product Positioning
Unit 11	New and Innovative Product Development Strategies
Unit 12	Concept of PLC and related Strategies
Block 4 Planning and Controlling Marketing Programs	

Unit 13	Product Strategies - Product Levels, Product Issues, Brand Decisions
Unit 14	Pricing Strategies - Pricing Product, Considerations and Approaches
Unit 15	Distribution Channel Strategies - Nature and Importance of Distribution Systems, Channel design decisions, Channel Management Decisions
Unit 16	Sales Promotion - Selecting, Developing, Implementing and Monitoring Sales Promotion Strategies

Pooja Arya

Pooja

28/8/23

सहायक प्रमुख (अभिलेखन)
राजकी (महाराष्ट्र)

MTTM 104

Indian History, Society and Culture
Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)
Year / Semester: 1st Semester

Objectives

- To study the richness and diversity of Indian culture.
- To evaluate the contemporary trends of India culture.
- To acknowledge and appreciate the co-existence of different cultural and religious practices of India.

Block 1 Historical Perspective	
Unit 1	Chronological Account of the Pre, Proto and Ancient History of India
Unit 2	Landmarks of Medieval History
Unit 3	State of India Under British Rule
Unit 4	Independence Movement and Contribution of Mahatma Gandhi
Unit 5	Post-Independence Achievements of the Country
Block 2 Religion and Philosophy	
Unit 6	The Great Vedic Heritage of India: <i>Vedas, Brahmanas, Epics, Puranas, Smritis, Upanishads</i> and, The Sacred Bhagavad Gita
Unit 7	Philosophy of Hinduism
Unit 8	Doctrine of Jainism and Buddhism
Unit 9	Essence of Sikhism, Islam and Christianity
Unit 10	The glorious institutions of pilgrimage and its present status
Block 3 Heritage of Art and Craft	
Unit 11	Architectural Marvels of India
Unit 12	Schools of Indian Sculpture and Painting
Unit 13	Unique Feature of Classical and Folk Dances
Unit 14	Glorious <i>Chhannas</i> of <i>Hindustani</i> Music
Unit 15	Popular Handicrafts of India

Block 4 Folk Traditions and Societal Perspectives	
Unit 16	Unique Folk Traditions, Dress, Life Style and Cuisine
Unit 17	Popular Fairs and Festivals
Unit 18	Social Life and Important Social Institutions
Unit 19	Impact of Globalization and Modernization on Indian Society
Unit 20	India - The Eminent Symbol of 'Unity in Diversity'

Jueli Anja

M. M. M. M.

कुल सचिव
उत्तरांचल विश्वविद्यालय
देहरादून (भारत)

MTTM 202

Introduction to Travel and Hotel Operation

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 2nd Semester

Objectives

- To understand the essentials of hospitality industry.
- To familiarize with resort and event management.
- Understand the significance of travel agency and tour operation business.
- Know the current trends and practices in the tourism and travel trade sector.
- Develop adequate knowledge and skills applicable to travel industry.

Block - I	
Travel Trade Sector	
Unit - 1	Travel Trade Sector - Origin, Developmental History and Present Status in International Context
Unit - 2	Travel Agency and Tour Operations Sector - Intra and Inter-sectoral Linkages
Unit - 3	Types of Travel Agents and Tour Operators
Unit - 4	Travel Trade Business - Scope, Opportunities and Challenges
Block - II	
Functions, Organization and Management of Travel Agency and Tour Operations Enterprises	
Unit - 5	Travel Agency: Core Functions, Departmentation and Organizational Hierarchy
Unit - 6	Organization and Management of A Standard Tour Operations Enterprise
Unit - 7	Role of Travel Agents and Tour Operators in Tourism Chain of Distribution
Unit - 8	Fiscal and Non-Fiscal Incentives Available to Travel Agencies and Tour Operators in India
Block - III	
Hospitality and Hotel Sector	
Unit - 9	Hospitality : Meaning, Nature, Purpose and Typology
Unit - 10	Hotels & Hoteliering: Origin of the concept; growth & development of the Years

Unit - 11	Core Areas of a Standard Hotel: Front Office, Food & Beverages (F&B), Housekeeping, Food production, Functions of the Back Office
Unit - 12	Hotel Classification : Need and Scope, Procedure and Criteria of Hotel Classification in Indian Context
Unit - 13	Multinational Hotel Chains Operation India: Advantages vis a vis Disadvantages of Multinational Chains with special Reference to India
Block - IV	
Some Key Issues Related to Travel Trade and Hospitality Sectors	
Unit - 14	Ethical, Legal and Regulatory Aspects of Travel Trade and Hotel Operations
Unit - 15	Challenges in Marketing of Travel Trade and Hospitality Services
Unit - 16	Procedure for Setting up Travel Agency and Tour Operations and Hotel Enterprise in India : A Brief Overview
Unit - 17	Role and Contribution of Leading International and national Association/Organization like TAAL, IATO, IATA, IHA and HAI in Promotion of Tourism.
Unit - 18	Ethical, Legal and Regulatory Aspects of Travel Trade and Hotel Operations

Pooja Arora

20/08/23

Murthy

20/08/23
20/08/23

MTTM 203
International Tourism: Trends and Typologies
Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)
Year / Semester: 2nd Semester

Block 1	
International Tourism: Past, Present and Future Perspective	
Unit 1	Growth and Development of Tourism through the Ages; Emergence of Modern Concept of Tourism
Unit 2	Contemporary Trends in International Tourism – Global Tourist Traffic and Tourism Receipt Patterns
Unit 3	Emerging Tourist Demand Patterns – Eco, Ethnic, Adventure, MICE, Medical and Well-being Tourism
Unit 4	Regional Gap in Tourism and the Dynamically Changing Market-Destination Trends
Block 2	
International Tourism in SAAR Region with Special Reference to India	
Unit 5	Key Global Tourism Markets
Unit 6	Leading Destination Countries and Regions of the World
Unit 7	International Tourism in SARRC Region
Unit 8	Geographic, Demographic and Psychographic Segmentation of Effective and Potential Tourism Markets of India
Unit 9	India's Performance in International Tourism – A Critical Assessment
Block 3	
Role and Contributions of Leading Organizations in Promotion of Tourism	
Unit 10	WTO
Unit 11	WTTC and TTAA

Unit 12	PATA and OECD
Unit 13	BITA and DOT (India)
Block 4	
Some Key Perspectives of International Tourism	
Unit 14	Tourism Measurement – Procedure, Need, Scope and Constraints
Unit 15	Dynamics of Tourist Demands and Tourist Traffic Trends in Future Perspective
Unit 16	Tourism and Globalization: Inter-relationship, Scope and Implications
Unit 17	Factors Affecting International Tourism and Need for Effective Crisis Management

Pooja Singh

2022

M. M. Singh

MTTM 204

MIS for Tourism

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 2nd Semester

Course Objectives:

This course will provide an orientation about the increasing role of management information system in managerial decision making with the help of computers and how information is processed, stored and utilized.

Block 1	
Introduction to MIS	
Unit 1	Meaning, Concept and Scope of MIS.
Unit 2	Key Components and Elements of MIS.
Unit 3	Approaches to Information Systems.
Unit 4	Various types of Information Systems and their Implications
Block 2	
MIS & Computers	
Unit 5	Computers and Components of a computer System
Unit 6	Operation of manual information system and Conversion of Manual to Computer based systems.
Unit 7	Data Processing, Data Bank Concept and Types of Computer based Applications.
Unit 8	Data Based Management Systems
Block 3	
Planning Designing and Implementation of MIS	
Unit 9	Planning MIS: Need, Dimensions and Techniques
Unit 10	Systematic Process involved in Designing MIS
Unit 11	Implementing MIS: Steps in Implementation

Unit 12	Decision Making and MIS
Block 4	
MIS and Tourism	
Unit 13	MIS and Tourism – Scope and Significance
Unit 14	Application of CRS in Travel Trade and Hospitality Sectors of Tourism
Unit 15	Business Applications of Computers in Tourism Industry with Special Reference to - Financial Analysis and Marketing
Unit 16	Scope of Computer Applications in Destination Planning and Development

Lucia Araya

20/03

OFFICE OF THE
DEAN, COLLEGE OF
MANAGEMENT

M. M. M. M.

Semester - 3

MTTM - 3rd Semester					
Course Code	Course Title	Credit	Assignment	ESSE	Total Marks
MTTM 301	Human Resource Management	04	15	35	50
MTTM 302	Itinerary Planning and Tour Packaging	04	15	35	50
MTTM 303	Research Methodology	04	15	35	50
MTTM 304	Financial Accounting	04	15	35	50
MTTM 305	'Industrial Training' or 'Project Report' (50 marks) and Viva Voce (50 marks)	08			100
Total Credits		24	Total Marks		300

MTTM 301

Human Resource Management

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 3rd Semester

Objectives: The objective of this course is to endow the student with a broad perspective on theories and issues of Human Resource Management along with their relevance and application in the Indian context. It will help the students to build up and refine decision making skills so that they can help organizations effectively conduct personnel management and employee relations.

Block 1	
Unit 1	HRM: Definition, Role, Significance and Challenges
Unit 2	HRD: Meaning and Importance; Differences between HRM and HRD.
Unit 3	HRM in Tourism Industry in India: Travel Agencies, Tour Operations and Hotels.
Unit 4	Organizational Structure of HR Department in Tourism Industry with the help of Case Studies

Block 2	
Unit 5	Human Resource Planning: Meaning, Nature and Needs of Human Resource Planning, Planning Process
Unit 6	Recruitment and Selection
Unit 7	Training and Development
Unit 8	Job Evaluation: Concept, Scope, Limitation and Methods
Unit 9	Job Analysis and Job Description
Block 3	
Unit 10	Human Resource Motivation: Techniques and Importance, Theories of Motivation,
Unit 11	Employee Welfare and Compensation Management
Unit 12	Employee Discipline and Grievance Handling
Block 4	
Unit 13	Human Resource Accounting and Audit
Unit 14	Human Resource Policies
Unit 15	Human Resource Records and Information Systems
Unit 16	Emerging Issues and Trends in HRM

Suchi Arora

28/8/22

Itinerary Planning and Tour Packaging

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTM 16)

Year / Semester, 3rd Semester

Course objectives: - The course aims to provide a comprehensive theoretical and practical knowledge of tour operation, types of tour, standard components of tour package and preparation of tour packages- their costing and pricing and marketing strategies

Block 1	
Itinerary Meaning, Nature and Scope	
Unit 1	Itinerary and Travel Plan: Definition, Differentiation, Scope and Significance
Unit 2	Components and Elements of an Effective Tour Itinerary
Unit 3	Information and Research Input Required in Preparation of Tour Itineraries
Unit 4	Systematic Approach for Itinerary Preparation: Constraints and Grey Areas involved in Preparation of Innovative Itineraries
Block 2 Types of Itineraries	
Unit 5	Pre-designed, 'Tailor Made' and 'Flexible' Itineraries: Scope and Differentiation
Unit 6	Tour Manager's/Executive's and Tour Escort's Itinerary – Definitions and Case Examples
Unit 7	'Common Interest' and 'Special Interest' Itineraries – Salient Features and Case Models
Unit 8	Unique Features of MICE Centric Itineraries: Case Examples
Block 3	
Tour Packaging – Concept, Nature and Scope	
Unit 9	Tour Packaging: Concept, Significance, Scope and Limitations
Unit 10	Key Elements and Steps Involved in Formulation Standard Tour Package
Unit 11	Costing and Pricing of Tour Packages – Competition Analysis and Strategic Costing
Unit 12	Pricing
Unit 12	Marketing of Tour Packages: Need for Pre-active Approach
Block 4	
Tour Packaging in Indian Context – Case Examples	
Unit 13	Land Based Adventure Tourism Packages - Trekking, Mountaineering, Skiing and Wildlife Watching
Unit 14	'Aero-sports' and 'Water-sports' Based Packages
Unit 15	Cultural Tourism Packages – Pilgrimage, Festivals and, Monuments and Museum Visits'

Unit 16	Special Interest Tour Packages • Ethnic, Eco, Medical and Holiday Packages

Research Methodology

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 3rd Semester

Course Objectives: The objective of this course is to develop the research skills of the students in investigating the business problems with a view to arrive at findings, conclusions and interpreting the results of their investigation in the form of systematic reports.

Block - 1 Introduction to Research	
Unit 1	Research: Meaning, Types, Scope and Significance
Unit 2	Guiding Principles in Selection of Research Problem, Research Objectives and Approaches
Unit 3	Research Process and Criteria of Good Research; Research Method vis a vis Methodology
Unit 4	Research Design – Meaning, Need, Types/Types and Key Components
Block - 2 Data Collection, Survey and Sampling	
Unit 5	Data: Meaning, Nature, Types and Sources; Methods of Collecting Secondary Data
Unit 6	Surveys – Definition, Purpose and Scope; Survey Techniques and their Limitations.
Unit 7	Questionnaires and Schedules – Definition and Differentiation; Types of Questionnaires; Salient Features of an Effective Questionnaire
Unit 8	Sampling and Sample Designs: Concept, Purpose and Types; Criteria for Selecting appropriate sampling Procedure.
Block - 3 Data Analysis – Tools and Techniques	

Pudli Asger

[illegible]

Unit 9	Frequency Distribution: Meaning: Problems and Considerations in constructing numerical frequency distributions.
Unit 10	Measures of Central Tendency and variation Correction and Regression analysis
Unit 11	Probability and Probability Distributions: Probability: Meaning, Definition: Sample space and sample points
Unit 12	Conditional Probability: Bayes Theorem and probability on large samples space
Block - 4	
Hypothesis Testing	
Unit 13	Hypothesis Testing: Basic concepts concerning Hypothesis Testing: Procedure and flow diagram for Hypothesis Testing: Test of Significance
Unit 14	Parametric and Non-Parametric Testing
Unit 15	F Test and Chi-Square Test.
Unit 16	Preparation of Research Report

MTTM 304

Financial Accounting

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 3rd Semester

COURSE OBJECTIVE:

The main objective of this course is to acquaint the students with fundamental concepts and processes of accounting. Further, it aims at familiarizing the student with those significant tools and techniques of financial analysis, which are useful in the interpretation of financial statements. These tools and techniques form an important part of management planning and control systems.

Block 1	
Accounting : Introduction	
Unit 1	Accounting: Meaning, Definition, Objective & Scope
Unit 2	Basic terms in Accounting, Accounting principles, branches of Accounting, Uses of accounting, Limitation of accounting.
Unit 3	Concept & Conventions: Accounting Vs Accountancy; Functions of accountant in modern times.
Unit 4	Practical system of book-keeping - Cash book, types of cash book, single column, double column, The Double Entry System
Block 2	
Subsidiary Books of Accounts	
Unit 5	Journal-debit & credit, rules of debit & credit, method of Journalising.
Unit 6	Ledger-meaning of ledger, utility of ledger, posting of entries.
Unit 7	Petty Cash Book, Trial Balance: Meaning: Objective and Preparation of Trial Balance, Errors and Rectification of Errors
Unit 8	Profit and Loss Account, Preparation of Balance Sheet
Block 3	
Financial Accounting	
Unit 9	Meaning, Need, Objective, Concept and Function of Finance and Finance Management
Unit 10	Statement of changes in Financial Position, Fund Flow Analysis
Unit 11	Financial Statement Analysis, Ratio Analysis

Punei Arya

22/08/23

Unit 12	Analysis of Risk and Uncertainty
Block 4	
Financial Planning	
Unit 13	Sources of Finance, Meaning and Steps of Financial Planning
Unit 14	Over and Under-capitalization theories, Theory and Planning of working capital management
Unit 15	Meaning and Importance of Capital Budgeting, Rationale for Capital Expenditure
Unit 16	Evaluation Techniques- PBP, BCR, NPV, IRR, Dividend

MTTM 305

Industrial Training or Project Report

Programme: Master of Tourism & Travel Management 16

Year / Semester: 3rd Semester

Learners are free to undergo Industrial Training of 2 months in any tourism organization OR can either prepare a Project Report. Industrial Training or Project Report shall carry (50 marks) and Viva-Voce (50 marks) in (totality 100 marks). This shall be evaluated by a panel of two experts (One Internal and One External). This panel will be formulated under the directions of examination controller. Viva-Viva will take place at model study centre of the Umrakhand Open University.

Industrial Training:

The learner shall undergo two months Industrial training in an approved travel trade, even companies, hotel and related tourism organization. The learner will write report the industrial training covering introduction of the tourism organization, each department and learning outcome from the training in two copies. The study centre will collect a copy of training certificate and industrial training report along with the remarks by the supervisor / manager under whose guidance the industrial training has been completed and send to the university through Regional Director. The cover page of the Industrial Training should contain your name, enrolment no., programme name, programme code, session, study centre name and code.

Or

Project Report

Project Report Topic will be chosen by the learner from the courses covered in programme. The learner will send the Project Report after it is approved by the study centre. The Project Report will be carried out in the guidance of the counsellor at concerned study centre. The Project Report may be made in about 100 pages (A4 Size) in double space, using Times New Roman font size 12 and one inch margin at all side of paper. One copy of the Project Report will be sent to the university through study centre for evaluation before the commencement of examination or on the dates as stipulated by the university. Learners are advised to keep a copy of the same for their future reference.

Project Report should contain pictures, charts, brochures etc. The cover page of the project report should contain your name, enrolment no., programme name, programme code, session, study centre name and code.

Poochi Anur

M. M. M. M. M.

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विश्वविद्यालय)

Semester - 4

MTTM - 4th Semester

Course Code	Course Title	Credits	Assignment	ESE	Total
MTTM 401	Airlines Ticketing and Cargo Operations	04	15	35	50
MTTM 402	Tourism Policy and Planning	04	15	35	50
MTTM 403	Ecology of Tourism and Tourism Impacts	04	15	35	50
MTTM 404	Tourism Marketing Management and Foreignownership Development	04	15	35	50
Total Credits		16	Total Marks		200

MTTM 401

Airlines Ticketing and Cargo Operations

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM) (6)

Year / Semester: 4th Semester

Course Objectives: The course aims to provide a systematic & extensive knowledge of aviation industry with basic knowledge of airlines ticketing and cargo handling it includes an introduction of air transport industry. It explains various codes, time calculation, types of journey and fare calculation, cargo handling and formalities at airports

Block I

Background for Airlines Ticketing

Unit 1	Air Transport Concept and Geography of Airlines
Unit 2	Time Zones and Calculation of Time: GMT variations
Unit 3	IATA 3-letter City / Air. Codes, Airlines, Country and Currency codes; Significance of ABC
Unit 4	Travel Documentation, Baggage Regulations, and Airport and Aircraft procedures
Unit 5	Type of Airlines and Aircrafts; Passenger Capacity and Aircraft Seating Plans; Aircraft Configuration and Features
Block 2 Airlines Ticketing - Key Issues and Procedures	

Unit 6	Flight Schedules, Flight Connections and Itinerary Planning
Unit 7	Fares: Tariff Terminology, Types of Fares, Fare calculation, Currency Conversion Table and Modes of Payment
Unit 8	Ticketing: Issuance, Cancellation and Re-issuance, Airline Reservations
Unit 9	Factors Affecting the Tour Cost and Procedures for Cost Determination, Pricing Strategies and Calculation of Tour Price
Unit 10	Impact of Automation on Ticketing Business; Prevailing Scenario and Future Perspective
Block 3	
Basics of Cargo Operations	
Unit 11	Cargo Industry: Evolution and Growth; Impact of Globalisation and Automation
Unit 12	DGR and Live Animals Regulations; Cargo Insurance Clauses
Unit 13	Aircraft Configuration: Capacity Familiarization and Limitations
Unit 14	IATA Cargo Agents: Consolidators, Freight Forwarders, CHAs and Break-Bulk agents
Block - 4	
Cargo Operations - Procedural Perspective	
Unit 15	Rules for Cargo acceptance: Rounding off Weights/Dimensions/Currencies; Volume - Weight Concept; Chargeable Weight; Valuation charges
Unit 16	Cargo Rating and Documentation: CCR, CQR & SCR
Unit 17	Procedures related to Packing, Marking, Labelling, Export - Import Documentation, Shipping bill, Landing Bill.
Unit 18	Import - Export Flow chart and Airway bill completion

Pudhi Arora

M. M. M.

20/08/23

MTTM 402**Tourism Policy and Planning**

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 4th Semester

Course objectives: To understand the importance of planning in tourism destinations. To create an awareness about the planning process and phases of development in tourism destinations and to understand the plans and policies adopted in tourism destinations.

Block 1	
Tourism Planning – Basic Concept, Scope and Significance	
Unit 1	Tourism Policy vis a vis Tourism Planning – Definition, Differentiation, Linkages and Scope
Unit 2	Brief Overview on 'Tourism Planning Scenario in Global Context'
Unit 3	Environmental, Economic and Socio-cultural Advantages of Tourism Planning
Unit 4	Consequences of Unplanned Tourism Development
Unit 5	Barriers in Tourism Planning
Block 2	
Destination Planning	
Unit 6	Destination Mix - Concept and Components
Unit 7	Steps and Stages in Destination Planning
Unit 8	Significance and Application of Cost - Benefit Analysis in Destination Planning
Unit 9	Tourism Complex Planning – Concept, Significance and Case Model
Block 3	
Emerging Dimensions of Tourism Planning	
Unit 10	Concept of 'Responsible', 'Appropriate', 'Alternative' and 'Just Tourism'
Unit 11	Sustainable Tourism Planning – Key Issues, Relevance and Systematic Approach
Unit 12	'Community Based' and 'Community Approach' of Tourism Planning
Unit 13	'Eco-tourism' Planning: Place of Tourism in India's Five Year Plans
Block 4	
Tourism Policy and Planning: Case Studies	
Unit 14	Salient Features of 'Tourism Planning Strategies' Adopted by Leading Destination Countries like France, U.K. and China
Unit 15	Brief Overview on 'Tourism Policy and Planning Perspectives of SAARC Countries, especially Bhutan and Sri Lanka
Unit 16	Tourism Policy of India - A Critical Review
Unit 17	Role and Contribution of DOT in Development Tourism in India.

MTTM 403**Ecology of Tourism and Tourism Impacts**

Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)

Year / Semester: 4th Semester

Objectives: This course explores the basic knowledge of environment and ecology, concept of carrying capacity, environmental problems such as changing climate, various types of pollution and global warming.

Block 1	
Ecology and Environment	
Unit 1	Ecology and Environment - Definition and Differentiation; Abiotic and Biotic Components of Environment
Unit 2	Growing Ecological and Environmental Threats - Green House Effect, Depletion of Ozone Layer, Acid Rain, Radio-active Radiations, Pollution and Loss of Bio-diversity etc.
Unit 3	Role of 'Eco-Systems, Ecological Interrelationships', 'Food Chains' and 'Trophic Levels' etc. in maintaining Environmental Quality
Unit 4	Environmental Conservation and Sustainable Resource Use : Relevance vis a vis Compulsion
Block 2	
Positive and Negative Impacts of Tourism on Destination Environment	
Unit 5	Impacts of Tourism on Ecology and Environment
Unit 6	Social Cost-benefit of Tourism
Unit 7	Cultural Environment and Tourism
Unit 8	Direct, Indirect and Induced Impacts of Tourism on Destination Economy
Block 3	
Tourism - Ecology Interdependence	
Unit 9	Significance of Destination Ecology and Environment in Sustained Development of Tourism
Unit 10	Role of Tourism in Sustaining Mountain Environment - Case of Himalayas
Unit 11	Tourism, National Parks and Wildlife Conservation - Case Examples
Unit 12	Tourism in Coastal and Island Environments

Pooja Arora

सहायक कुलपति (अभिलेख)

सहायक कुलपति (अभिलेख)

Block 4	
Applied Perspectives of Tourism-Ecology	
Unit 13	Environmental Impact Assessment - Need and Scope
Unit 14	Tourism Carrying Capacity
Unit 15	Role and Contribution of Voluntary Organizations in Promotion of Environment Friendly Tourism
Unit 16	Place of Ecology and Environment in Tourism Policy of India - A Critical Review

MTTM 404
Tourism Marketing Management and Entrepreneurship Development
Programme: Master of Tourism & Travel Management (MTTM 16)
Year / Semester: 4th / Semester
Objectives: The general objective of this course is to introduce students about entrepreneurship and marketing and their role in tourism sector.

Block - 1	
Marketing Management Process and Market Research	
Unit 1	Marketing Management Process and Different Orientation towards Market Place; Concept of Market Place in Tourism
Unit 2	Service Marketing - Unique Features and challenges with special Reference to Tourism Industry
Unit 3	Basic Concepts of Market Research, Market Segmentation and Market Targeting Demand Forecasting
Unit 4	Critical Assessment of Changing Tourism Market-Destination Dynamics and the various Influencing Factors to this Effect
Block - 2	
Marketing Strategies and Controlling Marketing Programs	
Unit 5	Product Positioning and New Product Development Strategies
Unit 6	Distribution Channel Strategies, Channel design decision and Channel Management Decisions
Unit 7	Designing Communication, Promotion and Advertising Strategies
Unit 8	Selection, Development and Implementation of Sales Promotion Strategies
Unit 9	Public Relation Process and Public Relations Opportunities in Travel and Tourism Sector
Block 3	
Basic Concepts of Entrepreneurship Development	
Unit 10	Entrepreneurship Development for Tourism Industry - Need, Significance and Scope
Unit 11	Entrepreneurial Attributes, Entrepreneurial Types and Entrepreneurship Functions
Unit 12	Theories of Entrepreneurship and Institutional Role in the Entrepreneurship Development

Pooja Arora *11/10/16*

Unit 13	Entrepreneurial Behaviours and Entrepreneurial Motivation: Innovation and Entrepreneurship
Block - 4	
Development of Tourism Entrepreneurship	
Unit 14	Establishing Entrepreneur System: Search for Business Idea; Sources of Ideas, Idea Processing and Preparation of Business Plan
Unit 15	Input Requirements - Money, Men, Machine, Material, Space and Time Frame
Unit 16	Project Feasibility Research
Unit 17	Opportunities and Environment for Development of Tourism Entrepreneurship in India.

Requirement of the laboratory support and Library Resources:

To run any Tourism programme there is no requirement of laboratory. Similarly for library, a learner may utilize the resources available at the designated study centre. Selected learning centres are well equipped with the Teaching staff, Classrooms & other necessary facilities. Well established library facility is also available at the Headquarter of the University.

Cost estimate of the programme and the provisions:

- Writing of 124 units in English:
Rs. 5000 x 256 = Rs. 1280000
- Typing of 3,100 pages (per unit approx. 25 pages):
5130 x 20 = Rs.102400
- Postal charges (Approx.) Rs. 5000

Total amount: 1387400

Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

The programme will help in the development of professionalism in learners. The programme will be offered only through those Government Degree Colleges/Institutions which are fully equipped with the basic infrastructural facilities such as computer lab, library, counselors etc. Further, the already developed Programme and SLM will be continuously upgraded and necessarily be revised after a period of 5 years. This programme will provide suitable jobs to the unemployed youths of Uttarakhand.

Indu Arora

[Signature]

[Signature]

20/04/2024
20/04/2024
20/04/2024

Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Chemistry (Regular Mode)
Department of Chemistry
Uttarakhand Open University

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

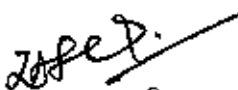
The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

b. Relevance of the program with HEIs Mission and Goals: One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in Chemistry (M.Sc. Chemistry) from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of education will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)] under regular mode(not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design, Duration of the programme: Minimum duration of course work is six months and minimum duration of programme is three (03) years including course work and maximum duration will be six (06) years (As per UGC Regulation 2016). The programme will be divided in two phases:


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)




Phase I: Course Work of Six Months

Phase II: Research Work

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

f. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is required for the concerned programme. Laboratory facilities will be excesses from the Govt. Study centers. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

g. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

h. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016

[UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

i. Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Shashi
T. 12/12/2017

Directorate of Research and Innovation
Uttarakhand Open University
Courses Work (1 Semester)

S. No.	Courses category	Course (module) Name	Credits
1	Core courses (Chemistry)	General Chemistry	4
2	**Elective courses (Chemistry)	from the list	4
3	Basic Supporting Course (Computer for chemistry)	Computer for chemistry	4
4	Research Methodology	Research Methodology and Scientific Presentation	4
		Doctoral Seminar I	1
		Doctoral Seminar II	1
		Ph.D. Thesis	60
			Total Credit= 78

****Elective Courses**

As per the research requirement and latest developments of Chemistry in different area of Chemistry, a number of elective courses are. A student can elect any course according to his/her choice of research. This course will be highly beneficial for the further research in the field of his interest. Some more elective courses may also be introduced in future. In second and further next other semesters the thesis credits shall be allotted. Doctoral Seminar II is to be completed before the submission of Thesis.

Directorate of Research and Innovation
Uttarakhand Open University
Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Course Structure

First Semester (Full time regular mode):

S.N.	Course Name	Course Code	Marks				Credits
			1 st term	Assignm ent.	End term exam.	Total	
1.	General Chemistry	PHDCH701	10	20	70	100	04
2.	Elective courses		10	20	70	100	04
3.	Computer for Chemistry	PHDCH702	10	20	70	100	04
4.	Research Methodology and Scientific Presentation	PHDCH703	10	20	70	100	04
5.	Doctoral Seminar I	PHDCH704				50	01
	Doctoral Seminar II	PHDCH705				50	01
						Total	18
		Credits					

Shankar
[Signature]

****Elective Courses (at least one of the following)**

S.N.	Course Name	Course Code	Marks				Credits
			1 st term	Assig n.	End term exam.	Total	
1.	Organometallic Chemistry	PHDCH706	10	10	80	100	04
2.	Inorganic Polymers and Supra-molecular Chemistry	PHDCH707	10	10	80	100	04
3.	Medicinal Chemistry	PHDCH708	10	10	80	100	04
4.	Organic Synthesis	PHDCH709	10	10	80	100	04
5.	Chemistry of Natural Products	PHDCH710	10	10	80	100	04
6.	Heterocyclic Chemistry	PHDCH711	10	10	80	100	04
7.	Physical organic and Quantum Chemistry	PHDCH712	10	10	80	100	04
8.	Quantum Chemistry	PHDCH713	10	10	80	100	04

Shahid

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)

- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhī*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhī*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion,

Shubh

Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,



- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Course Syllabus

Course 1- General Chemistry

(credits 4)

Unit 1. Stereochemistry in organic compounds

Stereogenicity, chirality and prochirality, Enantiomerism, Diastereomerism and meso isomerism and racemic modification. Configuration and conformation. Stereochemical descriptors: D, L; R, S; E, Z; syn, anti, etc. Axial, planar and helical chirality. Steroprojections – Fischer, Sawhorse, Newman and wedge projections and their interconversions. Absolute and relative configurations and their determination; molecules with one, two or more chiral centres. Simple chemical correlation of configurations with examples, quasiracemates. Stereochemistry and configurations of allenes, spiranes, alkylidene cycloalkanes, adamantanes, catenanes, biphenyls (atropisomerism), bridged biphenyls, ansa compounds and cyclophanes. Topocity and prochirality; Topocity of ligands and faces and their nomenclature. Cram's, and Prelog's. Stereoselectivity and stereospecificity and enantiomeric diastereomeric excess, Asymmetric induction. Configuration, conformation and stability of cyclohexanes, cyclohexene (mono and disubstituted), cyclohexanones, halocyclohexanones, decalins. Qualitative correlation between conformation and reactivity, Stereochemistry of Compounds having P, N and S.

Unit 2: Stereochemistry and Bonding in inorganic Compounds

VSEPR, Walsh diagram (triatomic and penta-atomic molecules), $d\pi-p\pi$ bond, Bent rule and energetics of hybridization, some simple reactions of covalently bonded molecules. Synthesis, structure, bonding and uses of cyclo and linear phosphonitrilic compounds, phosphorus- sulphur compounds, sulphur-nitrogen compounds, ring and chain compounds $S_2N_2, S_4N_4, (SN)_x$ etc.

Unit 3 Molecular spectroscopy

Atomic spectroscopy(XPS and UPS), Rotational Spectroscopy ,(Vibration spectroscopy Diatomic molecules Polyatomic molecules), Raman spectroscopy.

Unit 4 Spectroscopic techniques use in identification of compounds

UV/IR spectroscopy, ^1H NMR spectroscopy ,Carbon -13 NMR Spectroscopy, 2D NMR Spectroscopy , Mass Spectroscopy.



Course 2- Elective Courses (at least one of the following) (Credits 4)

1. Organometallic Chemistry

Unit 1: Inorganic Free Radicals

Unit 2: Silicates and Aluminosilicates.

Unit 3: Organic Derivatives of Metals

Unit 4: Alkyls, Aryls and Acyls of Metals

Unit 5: Compounds of Metal-Carbon Multiple Bonds

Unit 6: Homogeneous Catalysis

Unit 7: Fluxional Organometallic Compounds

2. Inorganic Polymers and Supra-molecular Chemistry

Unit 1: Inorganic Polymers Basics Concept, Polymer Characterization, Structure and Properties
Polymer Processing

Unit 2: Types of Polymers Boron and Silicon Based Polymers, Phosphorous and Sulphur Based
Polymers, Coordination Polymers Synthetic Inorganic Fibres

Unit 3: Supramolecular Chemistry: Concepts and Language Concepts and Language
Supramolecular Chemistry

3. Medicinal Chemistry

Unit 1: Drug Design

Unit 2: Pharmacokinetics & Pharmacodynamics

Unit 3: Antineoplastic Agents

Unit 4: Cardiovascular Drugs

4. Organic Synthesis

Unit 1: Organometallic Reagents

Unit 2: Transition metals:

Unit 3: Disconnection Approach

Unit 4: Protecting group

5. Chemistry of Natural Products

Unit 1: Terpenoids and Carotenoids

Unit 2: Alkaloids

Unit 3: Steroids

Unit 4: Plant Pigments / Porphyrins

Unit 5: Prostaglandins/ Pyrethroids and Rotenones

6. Heterocyclic Chemistry

Unit 1: Nomenclature of Heterocycles / Aromatic and Non-aromatic Heterocycles.



Unit 2: Heterocyclic Synthesis

Unit 3: Small Ring Heterocycles

7. Physical organic and Quantum Chemistry

Unit 1 Introduction

Unit 2 Quantitative MO theory

Unit 3 Valence Bond (VB) Theory

Unit 4 Kinetic Isotope Effect

8. Quantum Chemistry

Unit 1 Quantum Chemistry I

Plank's quantum theory, wave- particle duality, uncertainty principle, operators and commutation relations, degeneracy, applications of Schrodinger's wave equation to harmonic oscillator, rigid rotator and hydrogen atom, angular momentum including spin coupling of angular momentum and spin-orbit coupling.

Unit 2 Quantum Chemistry II

Ordinary angular momentum, generalized angular momentum, eigen functions for angular momentum, eigen values of angular momentum, operator using ladder operators, addition of angular momentum spins, antisymmetry and Pauli 's exclusion principle.

Course 3- Computer for Chemistry (Credits 4)

Unit 1 Data Analysis

Types of errors, propagation of errors, accuracy and precision, least square analysis, average standard deviation.

Unit 2 History of development of computers Main frames, Mini, Micro and Super Computer systems. General awareness of computer hardware i.e CPU and other peripheral devices.

Unit 3 Introduction to Computers and Computing

Basic structure and functioning of computers with a PC as an illustrative example. Memory, I/Q devices, Secondary storage. Computer languages. Operating system with DOS as an example. Introduction to WINDOWS. Data Processing, principles of programming. Algorithms and flowcharts.

Unit 4 Programming in Chemistry

Development of small computer codes involving simple formulae in chemistry, such as van der Waals equation, pH titration, kinetics, radioactive decay. Evaluation of lattice energy and ionic radii from experimental data.

Unit 5 Use of Computer Programmes

The students will learn how to operate a PC and how to run standard programmes and packages. Execution of linear regression, X-Y plot. Further, the students will operate one or two of the packages such as MATLAB, EASYPLOT, DBASE, and Word Processing software such as MS-WORD and CHEMDRAW.

Unit 6 Computer Applications:

Fundamentals of computers definition, types of computers. RAM, ROM, CPU, I/O devices. Number system binary, octal and hexadecimal, base conversion. Logic gates

Unit 7 Field and Computer hazards: viruses, misuse of internet, hacking, Field hazards.

Course 4-Research Methodology and Scientific presentation (credits 4)

Unit 1. Scientific Process: Meaning and Definition and brief history of scientific process.

Unit 2. Introduction of Research Methodology: Meaning of research, objectives of research, types of research, significance of research, problems encountered by researchers in India.

Unit 3. Research Problem: Definition of research problem, necessity and techniques of defining research problem, Objectives of research problem.

Unit 4. Research Design: Meaning of research design, Types of Research Designs, need and characteristics of good research design, Basic Principles of Experimental Designs, Synopsis design for research topic.

Unit 5. Editing, Data Collection and Validation:

Definition of Primary and secondary data, Methods of collecting primary and secondary data. Importance of Editing, Data Collection and Validation and methods of editing and data validation.

Unit 6. Paper/Thesis Writing and Report Generation:

Basic concepts of paper their writing and report generation, review of literature, Concepts of Bibliography and References, significance of report writing, steps of report writing, Types of Research reports, Methods of presentation of report.

Unit 7. Instrumentation:

Description and principles of (i) Electrophoresis (ii) Laminar Flow (iii) Ultracentrifuge (iv) Autoclave (v) UV, (vi) IR, (vii) Chromatography and HPLC, (viii) isolation and separation of compounds Handling of instruments and precautions.

Unit 8. Safety Measures:

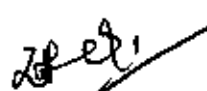
(i) Lab Safety Measures: Introduction, safety precautions while entering in the lab, while working with the chemicals, while disposal of chemicals, Storage and disposal of chemical

wastes aqueous wastes, organic wastes and radioactive wastes, Human contribution to reduce hazardous wastes.

(ii) **Field Safety Measures:** Food security during field work trip/expedition, safety measures during field work trip/expedition self-care at the field, hazard warnings, Safety measures during visit to library and villages, preparation of first aid in the fields.

j. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: Eligibility for admission

1. Students who have passed the M.Sc. Chemistry from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुभवासी, नैनीताल


T. S. Singh

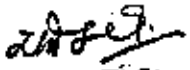
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदण्ड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुभवाड़ा (पिथौरागढ़)




(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याभ्यासियों के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमओफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमओफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर सामान्य श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध है अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुभव है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उपराज्य मुक्त विश्वविद्यालय
इस्थानी (मिनातावा)

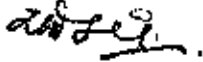
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

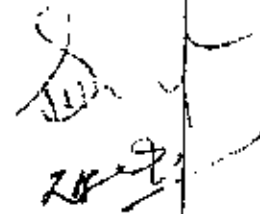
- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की


कुल अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबत (विशेष)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मद्दत अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 दिद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सप्लैरेशन, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जाएगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को बदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के फलविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विभिन्न विषय के

कुल संख्या
उपलब्ध मुक्त शिक्षण
हस्ताक्षर (प्रमुख)

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरूचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरूचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाईट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जाएगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

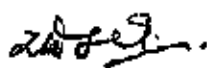
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

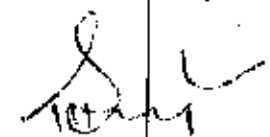
(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसर्टेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल पदवी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (मिर्जापुर)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, प्रजिकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रकाशित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानक, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम्माफिलो/पीएचडी0 शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी0 उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वर्तते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूरित की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

Handwritten signature

Handwritten signature

उत्तराखण्ड प्रमुख विश्वविद्यालय
हस्ताक्षर (निर्देशक)

Handwritten signature

Handwritten signature

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निर्बंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्मत्त स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अन्यार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (मिर्जापुर)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा निर्दिष्ट पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किन्ती एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

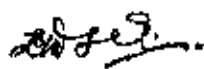
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

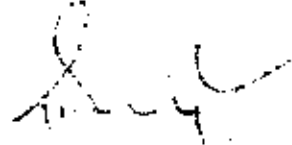
विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे-

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मेलन उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा-









कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता
सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

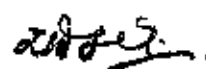
शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

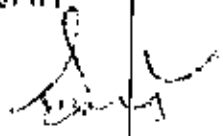
- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित - अध्यक्ष
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - सदस्य
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक - संयोजक
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ - सदस्य
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक - सदस्य
- ♦ निदेशक शोध - सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय


प्रमुख विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से नसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम०फिल० शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच०डी० शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकरित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिष्टा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौखिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच०डी० शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल १३२३
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संभालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बसंत मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11, 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशसित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्तमता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सकलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

कुल सचिव
उत्पादन मंत्रालय
नई दिल्ली

4/11/2009

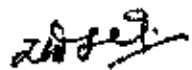
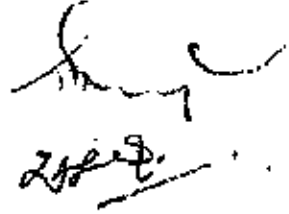
4/11/2009

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश

Programme Project Report (PPR)
Ph.D. in Commerce (Regular Mode)

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields. Therefore, the key objective of the programme is to develop researchers and scholars in various disciplines of Commerce, & Management, Economics etc.

b. Relevance of the program with HELs Mission and Goals: The Programme Ph.D. in Commerce has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme. The Ph. D programme in commerce aims to provide scientific and logical understanding of research to the researchers.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in the respective subject (Commerce & Management, related subjects) from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of Commerce and Management will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M. Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode (not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the M.Com./MBA from a recognized institution/university.

2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

- g. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students. The learners will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.
- h. **Cost estimate of the programme and the provisions:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 1,00,000/- only.
- i. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M. Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.
- Develop an understanding and critical appreciation of multi-disciplinary and alternative approaches, methodologies and paradigms of research in the fields of Economics, Commerce, Business and Management.

**Directorate of Research and Innovation
Uttarakhand Open University
Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research

- Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
- Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
- Mixed Research: Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.



- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research (03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher



- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies
(03 Credits: 90 Hrs.)
(Commerce)

Paper I: Introduction to Research in Commerce & Recent Trends in Commerce

Note: *The aspects related to review of literature and research methodology shall be covered in the general modules meant for the scholars of all the disciplines.*

Unit 1: Accounting and Finance

- Contemporary Issues in Accounting
- Management of Working Capital
- Corporate Risk Management
- Tax Planning and Managerial Decisions
- Security Markets, Public Issue and Portfolio Analysis
- Computer Application in Accounting, Finance and Income Tax and Tax Planning

Unit 2: Marketing Management

- Marketing Research, Issues and Developments in Marketing
- Customer Relation Management
- Role and Relevance of Advertisement and sales Promotion
- Social, Ethical and Legal Aspects of Marketing in India
- New Issues in Marketing

Unit 3: Personnel Management and Industrial Relations

- Motivation Group Dynamics and Team Development
- Corporate Governance and Business Ethics
- Human Resource Management in Changing Environment
- Performance Appraisal and Evaluation: New Trends in Appraisal
- Industrial Relations and Trade Unions in India

Unit 4: Indian Financial System and International Business

- Banking Sector Reforms in India and E-banking
- Regulation and Promotion of Foreign Trade
- Working of Stock Exchanges in India
- Foreign Direct Investment and Multinational Corporations
- RBI Recent Monetary and Credit Policies
- WTO and its impact on the different sectors of the economy
- Economic Reforms and Industrial Growth
- International and Technological Environment
- Policy Environment: Liberalization, Privatization and Globalization

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches
(03 Credits: 90 Hrs.)
(Commerce)

- Emerging Trends in the field of Economics, Commerce, Business and Management.
- Major Thrust areas in Economics, Commerce, Business and Management

Note: *The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.*

Module VI: Formulating a Research Proposal
(03 Credits: 90 Hrs.)

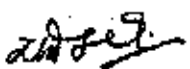
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.50(IV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

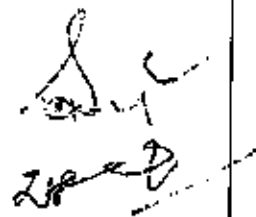
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वर, (हिमाचल)





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

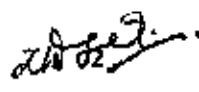
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लम्पान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुपेक्ष है जिसमें रियामती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल उपाध्यक्ष
उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैनापुरा)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल तद्विद
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआली (विश्वविद्यालय)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएचआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्वेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मद्देनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

हस्ताक्षर
कुलपति
उपराज्य मुख्यालय
हस्ताक्षर (अतिरिक्त)

हस्ताक्षर
हस्ताक्षर

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

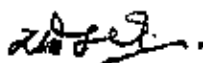
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (देहरादून)





- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

6. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- यह कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मिर्जापुर)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्ण में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेसात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेसात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

मुक्त संस्थान
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (निर्माण)

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संकेतिक पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा सोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

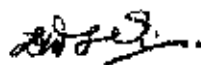
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकरण:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

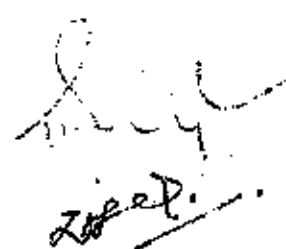
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
 (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
 (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
 (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मेलन उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
 (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्रास्तिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुलपति
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (नैनीताल)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

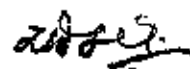
सदस्य

सदस्य

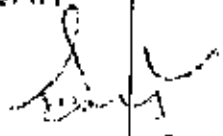
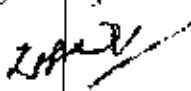
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
अंतराष्ट्रीय विश्वविद्यालय
राजस्थान



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें वह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षक(ों) की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

Handwritten signature

मुद्रा १४/२४
उत्पादन मूल्य विश्वविद्यालय
प्रश्न (निर्देशक)

Handwritten signature

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समुचितता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (डिस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

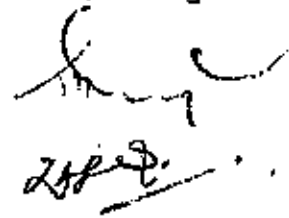
कुल सचिव
उपस्थान्त मुख्यालय
दरभंगा (Bihar)

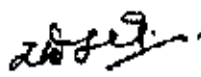
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय को एक अंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड महा विश्वविद्यालय
हरद्वार, 191001

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Computer Science & Applications (Regular Mode)**

a. Programme Mission & Objective:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objective of the programme is to prepare a competent researcher who could conduct independent research and to equip the researchers with the latest research developments and techniques in the researchers' field of study.

Accordingly, the main objective of the Ph.D. Programme in Computer Science and Applications is to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in Computer Science and Applications discipline. The Ph.D programme in Computer Science and Applications aims to provide scientific understanding of research to the researchers.. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives.

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

One of the important aims of higher education is to prepare leadership in the profession and public life. PhD in Computer Science programme research degree in computer science which also has focus toward application development and thus has more emphasis on latest programming languages, tools and technologies to develop better and faster applications. It prepares students to take up positions as system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to information technology. As the IT and the software industry are dynamic and fast growing, all the programmes are designed keeping in view the requirements of the industry.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Computer Science/Computer Applications/Information Technonology/Computer Science & Engineering from recognized institution/university (as per University's Norms). Those learners who wish to contribute through research in the field of Computer Science and Applications will be the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode(not in Open and Distance Mode)

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Computer Science/ Computer Applications / Information Technology from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

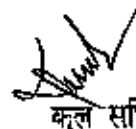
Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:



कुल सचिव
उत्तराखण्ड प्रगत विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

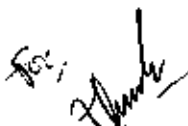
- h. Cost estimate of the programme and the provisions:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.
- i. Quality-assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on ICT.







कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
मसुरा, (देवीताल)

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester:-)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

(Handwritten signatures)

(Handwritten signature)
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत (पिनीवाला)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdī*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
 - Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
 - Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
 - Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
 - Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
 - Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
 - Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
 - Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced

Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems— handling different operating systems PC / Mac etc.

- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Computer Science and Applications)

Unit 1: Soft Computing

Introduction to Neuro-Fuzzy and Soft Computing- Fuzzy Sets- Basic Definition and Terminology- Set-Theoretic Operations-Member Function Formulation and Parameterization-Fuzzy Rules and Fuzzy Reasoning-Extension Principle and Fuzzy Relations-Fuzzy If-Then Rules- Fuzzy Reasoning- Fuzzy Inference System-Mamdani Fuzzy Models-Sugeno Fuzzy Models-Tsukamoto Fuzzy Models-Input Space Partitioning and Fuzzy Modeling. ANN, DNA Computing, Genetic Algorithms, Simulated Annealing, Gradient Free Optimization.

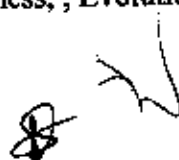
References

1. J.S.R. Jang, C.T. Sun and E. Mizutani, " Neuro-Fuzzy and Soft Computing", PHI, New Delhi
2. Timothy J. Ross, " Fuzzy Logic with Engineering Applications", McGraw-Hill, 1997

Unit 2: e-Initiatives Strategies, Policies and Governance

E-Governance: Needs of e-governance, Issues in e-governance applications and the digital divide; Evolution of e-governance, its scope and content; Present global trends of growth in e-governance, other issues. Model of Digital Governance: Broadcasting, Evolution Wilder Dissemination Model, Critical Flow Model, Comparative Analysis Model, Mobilization and Lobbying Model, Interactive-Service Model/ Government-to-Citizen-to-Government Model(G2C2G); Evolution in e-governance and maturity models: Five Maturity Levels, Characteristics of Maturity Levels. key areas, towards good governance through e-governance models.

E-Readiness- digital system infrastructure, legal infrastructural preparedness, institutional infrastructure preparedness, human infrastructure preparedness, technological infrastructure preparedness, ; Evolutionary stages in e-governance, social media, web semantics, intellectual web.



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

8



Unit 3: Cyber Security

Security Policies and Management, Security Models, Physical and Environmental Security, Application Security, Communications and Operations Management, Business Continuity Planning and Management, Access Control, Software development, maintenance and support, Cyber Forensics, Introduction to Information Security Standards, Compliance

Unit 4: Introduction to e-learning

Introduction to Learning Theories – Behaviorism - Cognitivism - Constructivism - Informal and post-modern theories, Other learning theories, Different Learning theorists, Standardized curriculum, Case studies highlighting learning theories , Comparison of learning theories

e-Learning basics, Trends in E-learning, The Emergence of Blended Learning, Learning Theory in the Online Classroom: recent research findings, Online Instructor Roles, Training, Incentives, and Supports, Explosion of Online Programs, Universities, Courses, New learner roles, Expectations, Issues, Dilemmas, and Resolutions, Learners of 21st century, Mobile, Wireless, and Ubiquitous Learning

Web 2.0 tools and open educational resources, Free and Open Source Software- Online Interactivity, Engagement, and Social Presence, synchronous and asynchronous communication , Informal learning through social networking sites, collaborative content development .

Building learning communities, Adapting Classroom Based Activities to Cyberspace, Choosing an Effective Communication Tool, Authoring tools for creating e-content, freely available content development tools, Ethical Use of Digital Resources, Understanding Copyright and Fair Use, creative commons

Measuring Online Learning: Student Performance, Course Evaluation, Program Evaluation, Survey and Quiz Technology, Creating Assignments and Assessments, Open and free Assessment tools .

Unit 5: GIS Application in Research

Introductory GIS

- What is MAP? Different types of MAP.
- Sources of MAP
- What is GIS? Why you need GIS?
- Data requirements in GIS.

Digital Inputs

- What is GPS?
- Use of GPS.



कुल सचिव

स्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
काशी, (उत्तराखण्ड)

- What is satellite image
 - Types of satellite
 - Types of satellite images

Application of GIS

- GIS for Visualization
- GIS in Forestry
- GIS in Disaster Management
- Village GIS
- Historical GIS

GIS Software

- Free GIS software
- Customized GIS software
- Web GIS

Hands-on practical

- Map reading
- Satellite Image Interpretation
- GPS
- GIS exercise
- Web GIS

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Computer Science and Applications)

- Latest trends in various functional areas of Computer Science & Applications.
- Major Thrust areas in Computer Science & Applications
- Note:: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (पंजीकृत)

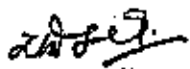
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(xiv), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

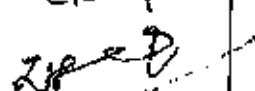
1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उपकुल पंडित विश्वविद्यालय
होम (विभागाध्यक्ष)

(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर स्थापित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुपेक्ष है जिसमें रिकवरी अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (मिनावा)

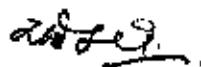
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निश्चित से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखित साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

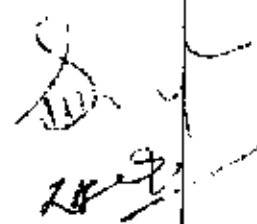
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निश्चित व्यक्ति (जिनकी निश्चितता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबत (विशेष)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (6.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संकलित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने सैसागिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य सैसागिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Signature]
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भुवनेश्वर (भारत)

[Signature]
[Signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

- (एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।
- (दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।
- (तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाईट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

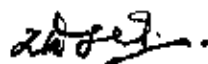
7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

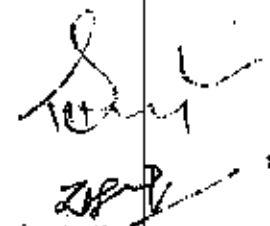
- (एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।
- (दो) असंतोषजनक प्रगति।
- (तीन) अध्यादेशों के उल्लंघनों का अनुपालन न करने पर।
- (चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल स्वयंसेवक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)





- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
वर्तते कि उन क्षेत्रों/विभागों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मिर्जापुर)

[Signature]

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्ती, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 सपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (निराकर)

7

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संकेतित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा तबकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

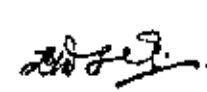
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिश्चय/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के झगक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपसलत्पक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

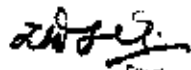
शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित - अध्यक्ष
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक- सदस्य
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक- संयोजक
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- सदस्य
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक - सदस्य
- ♦ निदेशक शोध- सदस्य

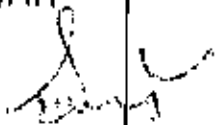
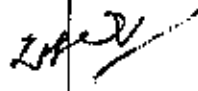
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम०फिल० शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच०डी० शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक धोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक धोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक सलाहकार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच०डी० शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल (3) 3
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुद्धी (निर्देशिका)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात् इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्राधान्यों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

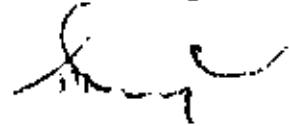
कुल संशोध
उत्पादन मूल्य निर्धारण
संस्थापक

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

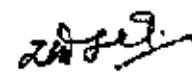
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


25/11/20




कुल सचिव
उत्तराखण्ड एम.ए. विश्वविद्यालय
हनुमान, देहरादून

Programme Project Report (PPR) of Ph.D. in Economics (Regular Mode)

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

b. Relevance of the program with HELs Mission and Goals: One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in Economics or its allied subjects from recognized institution/university(as per University's Norms). Those learners who wish to contribute through research in the field of Economics will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (i) dt. 05.05.2016] under Regular Mode (not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016). The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master degree in Economics or its allied subjects from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations, 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Progra mme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/Cour se Work Fees/Examination Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identi ty Card	डिग्री के लिए शुल्क Degree e Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

- Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.
- Cost estimate of the programme and the provisions:** Since the programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 1,00,000/- only.
- Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Bali

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation 50 Presentation and Viva 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Handwritten signature

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction & Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Empirical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research, Developmental Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, and Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority, Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Logika*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Size, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods (Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Postmodernism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and Techniques for Data Collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Likert, Semantic Differential, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix,

Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Batteries, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Forms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Information Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnotes
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technology in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems— handling different operating systems like PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer

Balin

- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

Research Methodology in Economics

- Meaning of research; objectives of research; basic steps of research; criteria of good research; types of research.
- Meaning of research problem; selection of research problem
- Review of related literature -Meaning, necessity and sources.
- Hypothesis- Meaning, function and types of hypothesis; Null and alternative hypothesis
- Variables-Meaning and types.
- Research design: Types of research design- exploratory, descriptive, diagnostic and experimental.
- Sampling- Meaning and types of sampling; Probability and Non-Probability
- Tools and techniques of data collection - questionnaire, schedule interview, observation, case study, survey etc.
- Statistics and its significance in research
- Research reports: Writing preliminaries, main body of research, references and bibliography; Meaning and importance of workshop, seminar, conference, symposium etc. in research.
- Introduction to computer and its application in Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Using word processing software – MS Word
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- SPSS

John

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Dis specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

Emerging Trends and Major Thrust areas in Economic Approaches

- Recent Trends in Economics sub Disciplines
- New Trends in Economic Theory
- Different aspects of Globalization and Its Challenges
- Issues in Related to Social Sector and Public Policy
- Issues in Related to Regional and Rural Development
- Issues in Related to Gender Economics
- Issues in Related to Health Economics
- Issues in Related to Applied Environmental Economics
- Contemporary issues in Indian Economy
- Economic of Human Development

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not been fixed. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Problem

(03 Credits: 90 Hrs.)

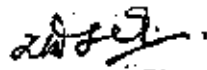
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो/पीएचडी) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुम्रण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो)/पीएचडी उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
- (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
- (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
- (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
- (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
- (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
- (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
- (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नवलखेत, नवलखेत




(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) सम्स्त विद्याशास्त्रों के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित सेजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

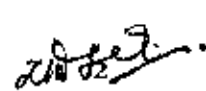
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लभानित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अग्र में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुभव है जिसमें रियासती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल सचिव
उपराज्य प्रमुख विश्वविद्यालय
सहायक (निर्देशक)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सकलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लगान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल लक्षित
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबा (विशेष)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मद्देनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (वि-वि-एन)




प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

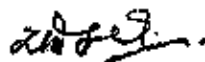
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

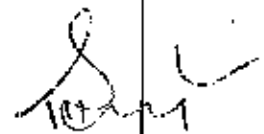
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (मिर्जापुर)







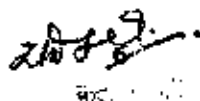
- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभावि होंगे।

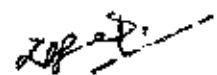
8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वहमें कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा सक्षात्कार/मौखिक सक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुभूति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी नियुक्ति व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।




उपराज्य पद विभाग
हस्ताक्षर (निर्देशक)

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अन्यार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नैनीताल (विभागाध्यक्ष)

7

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

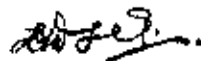
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

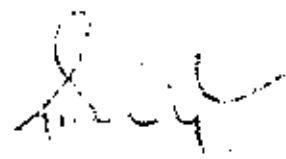
विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में तथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का सभ्यत्वकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

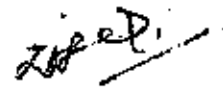
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विभागाध्यक्ष)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक —
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों—

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे—

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा—

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित —
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक—
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक—
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ—
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक —
- ♦ निदेशक शोध—

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 8.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

[Signature]
कुलपति
विश्वविद्यालय

[Signature]

[Signature]
[Signature]

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उचित रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविक्त्रसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक थोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक थोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक सक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल (3) 3
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
पटवर्मा (निर्देशक)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्राधान्यों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

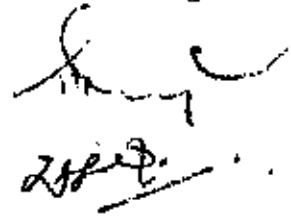
सूक्त सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून, उत्तराखण्ड

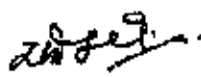
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
अनुदान प्रशासक विभाग
भारतीय विश्वविद्यालय

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Education (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

- b. Relevance of the program with HELs Mission and Goals:** One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

- c. Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in education (M.Ed./ M.A. Education) from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of education will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

- d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)] under regular mode (Not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Minimum duration of course work is six months and minimum duration of programme is three (03) years including course work and maximum duration will be six (06) years (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work of One Semester (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the M.Ed./ M.A. (Education) from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

Fee Deposit Time	Fee Details	Fee	Total
At the time of Admission (Year I)	Registration and Course Work Fee	Rs. 6500	Rs. 13150
	Identity Card Fee	Rs. 50	
	Student Welfare Fee	Rs. 100	
	I Year Fee	Rs. 6500	
Year II	II Year Fee	Rs. 6500	Rs. 6500
Year III	III Year Fee	Rs. 6500	Rs. 6500
At the time of Thesis Submission	Thesis Evaluation Fee	Rs. 5000	Rs. 5300
	Degree Fee	Rs. 300	
Total			Rs. 31450
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.			

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Qualit

Expected Programme outcomes:

- ☐ Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- ☐ It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Gyals

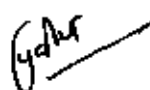
Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)



Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- ☐ Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- ☐ Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- ☐ Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- ☐ Research Method, Methodology & Designs.
- ☐ **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - ☐ Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - ☐ **Quantitative Research:**
 - ☐ Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - ☐ Non Experimental Research/Descriptive Study
 - ☐ Assessment Research
 - ☐ Evaluation Research
 - ☐ Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - ☐ **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - ☐ Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - ☐ Philosophical Research
 - ☐ Case Study
 - ☐ Grounded Theory
 - ☐ Phenomenological Research
 - ☐ Ethnographical Research
 - ☐ Ethno-methodological Research
 - ☐ Symbolic Interactionism
 - ☐ **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- ☐ Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- ☐ Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-



Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced

Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs

in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems-- handling different operating systems PC / Mac etc.

Gdhr

- ☐ Role of web media for Literature survey
- ☐ Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- ☐ Data analysis and Computer
- ☐ Drawing graphs and diagrams through computer
- ☐ Microsoft Power point presentation
- ☐ Microsoft Excel
- ☐ Microsoft Publisher
- ☐ SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits; 90 Hrs.)

(Education)

- ☐ Nature of Educational Research
- ☐ Scopes /concerns/ priorities of Educational Research
- ☐ Types of Studies in Educational Research (Qualitative-Descriptive, Historical,Philosophical; Quantitative-Experimental (Experimental Designs, Ways of Controlling Extraneous Variables), QuasiExperimental, Causal comparative, Co relational Research)
- ☐ Research Paradigm: Quantitative Research and Qualitative Research
- ☐ Methods of the Educational Research
- ☐ Philosophical Research, Historical Research, Descriptive Research,Experimental Research, Causal-comparative Research (Ex-post FactoResearch), Correlation Research, and Action Research
- ☐ Limitations of Educational Research

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits; 90 Hrs.)

(Education)

- ☐ Emerging Trends in Educational Research
- ☐ Major Thrust areas in Educational Research

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits; 90 Hrs.)

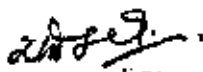
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(xiv), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
न.स.स. विनीतपुर




- (2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—
- (2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।
- (2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।
- (2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।
- (2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।
- (2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।
- (2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।
- (2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।
3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

- (3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष सांविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्धारित है।
- (3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध है अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के अन्तर्गत पर ही अनुमेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

[Handwritten signatures and stamps]

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैसूरगढ़)

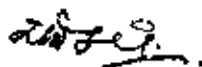
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखित साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है :
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (Uttarakhand)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

8. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संयोजन, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जाएगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अंशित/संशोधित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को बदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के



कुलपति
उपराज्य मुख्यालय
प्रधान, विनियम



प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अभिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (मिनीलार)

5

10/11/2024
20/11/2024

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएचडी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उपराज्य प्रमुख शिक्षक
कच्छी (मिनीस्ट्री)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेंगे। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी शोधार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भक्तानी (विभागाध्यक्ष)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

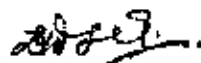
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकरण:

विश्वविद्यालय के परिनिष्पन्न/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

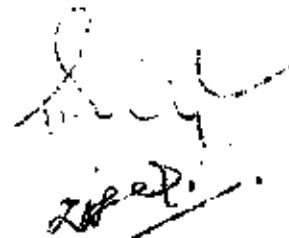
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
 (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
 (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
 (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मुख उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
 (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुल पद
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (नैनीताल)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

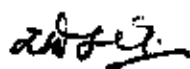
सदस्य

सदस्य

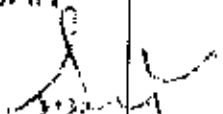
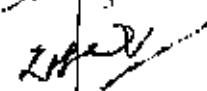
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 97 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिंसा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

Signature

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विभागाध्यक्ष)

Signature

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस मेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्राधान्यों द्वारा अभिशसित होगा।

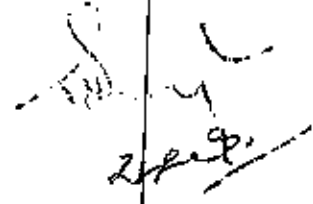
(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।


 कुल सचिव
 उस्तादगढ़ मुक्त विश्वविद्यालय
 उस्तादगढ़ (मिर्जापुर)



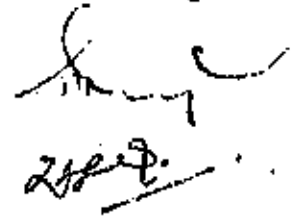


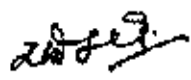
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय के एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
सन्त कबीर नगर, देहरादून

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in English (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of our research programme are to prepare competent researchers who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their chosen areas. Accordingly, the main objective of the Ph.D. Programme in English is to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in English. The Ph.D programme in English aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives.

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The Ph.D. programme in English is relevant and is in accordance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. The degree is designed for the learners who wish to pursue career in academic research and higher education. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of a trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on similar subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in the Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through their supervision in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join the Ph. D. programme are required to have a Master Degree in English from a recognized

institution/university (as per the University's Norms). Those learners who wish to contribute through research in the field of English will be the target group of learners.

- d. **Appropriateness of the programme to be conducted in the Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University with regard to conducting the Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per the UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode (not in the Open and Distance Mode).

e. **Instructional Design:**

Duration of the programme: The Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, in which the researcher will have to pursue a course work and a maximum of six years. (As per the UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**

Eligibility for admission:

1. The students who have passed the Master's degree in English from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per the UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per the Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Ans
29.04.18

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	परिचय पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide a wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since the programme will be conducted in regular mode as per the UGC norms, therefore, there will be financial requirement for conducting meetings of academic bodies such as Expert Committee and the Board of Studies. The budget for organizing such meetings is estimated to be Rs. 100,000/- approximately.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per the UGC Regulations 2016 [UGC (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Ans

21.04.18

Expected Programme outcomes:

- It is expected that our Ph.D. programme will be instrumental in not only grooming professionally sound scholars but also good human beings.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Ans
21.04.12

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends	03	70	30	-	Concerned Department


 21/04/18

	and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches					
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03			100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva – 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research

Ans
21.04.18

- Evaluation Research
- Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
- **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
- **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of

Ad
21.04.18

Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.

- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.

Ans
21.04.18

- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)

21.04.18

- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

Ans
21.04.18

(ENGLISH)

Paper I Approaches and Trends in Literary Research

Approaches:

1. Anthropological Approach
2. Feminist Approach
3. Marxist Approach
4. Psycho Analytical Approach
5. New Historicism
6. Post Colonial Approach
7. Post Modern Approach
8. Reader-Response Criticism

Trends:

1. Indian Writing in English
2. Translation Studies
3. Cultural Studies
4. Post Colonial Themes (quest for identity, race, diasporas, east-west conflict etc.)
5. Gender Studies
6. World Literature
 - African Literature
 - Afro American Literature
 - Latin American Literature

AL
21.04.18

- Caribbean Literature

Paper II Project Work: Mini Dissertation

**Module V: Emerging Trends and Major Thrust Areas in Discipline Specific Research
Approaches**

(03 Credits: 90 Hrs.)

(English)

- Emerging Trends in Literary Research
- Major Thrust areas in Literary Research

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the Department/School for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

AS
21.04.18

[Signature]

कुल. सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

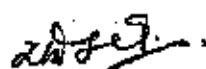
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

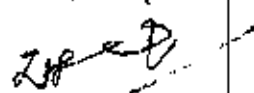
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी—
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नवशरीर (पौड़ी)



(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्यासाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित खोजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुभव है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।





कुल पद
उपकुलपति
हस्ताक्षर (निर्देशक)

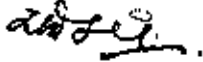
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं :

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

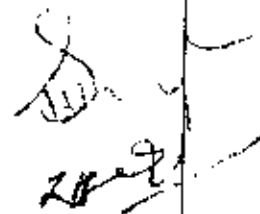
5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआली (विशेष)

3





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अर्थार्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (6.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अध्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होनी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संक्षिप्त, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के फावविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विभिन्न विषय के


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (भारत)




प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

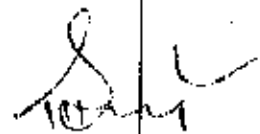
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल पदवी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

हरद्वार (हिमाचल)





- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएचडी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पाँच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- यह कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहाँ कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छुट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहाँ संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी नियुक्ति व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (मिर्जापुर)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्ती, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अन्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विश्वविद्यालय)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

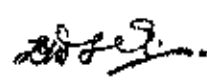
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

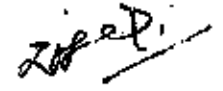
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपसहस्रत्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (गिरवाला)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता
सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

- (11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।
- (11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।
- (11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

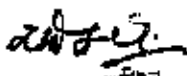
शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत् होगा-

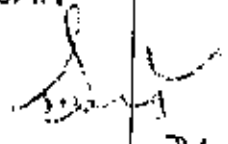
- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष
सदस्य
संयोजक
सदस्य
सदस्य
सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

- (12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।
- (12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक बसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय


प्रमुख विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेशर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यजनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

[Signature]

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

[Signature]

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात् इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (डिस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

[Signature]

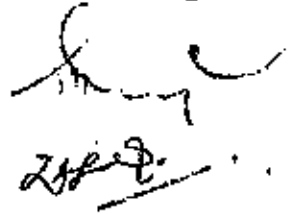
[Signature]

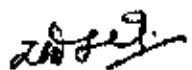
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय को एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश

Programme Project Report (PPR)

Ph.D. (Forestry)

Name of Programme: Ph.D. Programme, Department of Forestry and Environmental Science (Sub-areas- Ecology and Biodiversity)

- a) **Programme mission and objectives:** This proposed Ph.D. program in Department of Forestry and Environmental Sciences is an interdisciplinary program that will particularly address the issues of environment, ecology and biodiversity. Presently, the whole world is facing challenges from the various environmental issues particularly loss of biodiversity, forest degradation, natural resources and invasion by non-native species and need is to find out location/ regional / global specific solutions to these challenges which is possible only through research. Furthermore, the Himalayan regions are the most susceptible mountains from global climate change.

After completing the programme, a learner will be able to:

- address the key issues pertaining to forestry and environment
- get skills and training in finding solutions to problems relating to the subject area
- to communicate suggestions and solutions to policy makers, natural resource managers, and the general public
- make a critical analysis of local, national, regional and global agendas and policies on environment, forest and climate change

- b) **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, Department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on interdisciplinary subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

- c) **Nature of prospective target group of learners:**

- Those learners who wish to contribute in interdisciplinary research on Forestry and Environmental Science (Ecology and Biodiversity in particularly) will be the target group of learners.
- Working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or Scientific Institutions may also comprise of the target group of learners.

Handwritten signature

कलु सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मिनीताल)

- Foundation course on Environmental Studies is compulsory at higher education institutions at under graduate level (conventional Universities and professional/ technical Universities or Colleges). Faculties having Ph.D. degree on the subject are ideally suited for this purpose. Such learners will also be the target group for the Programme.

d) **Appropriateness of Programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Ph.D. Programme will be as per UGC Rules and Regulation 2016.

e) **Instructional Design:**

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Management Studies/Business Administration from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

Year	Programme Fee	Registration/Course Work Fees/Examination Fee	Thesis Evaluation Fees	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The Ph.D. under the department will be carried out in Ecology and Biodiversity areas of the discipline. Most of the work is based on field observations and statistical tools are applied for data analysis and therefore, specific laboratory is not required. However, if any requirement arises particularly for testing of soil / water samples, it can be carried out from identified national institutions.
- h) **Cost estimates for development of the programme:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. The programme will be conducted in regular mode as per UGC rules and regulations.

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- Interdisciplinary research on forestry and environment will help in policy planning and decision making and will also provide data on ecology and biodiversity which will in turn help in implementation of developmental projects.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on biodiversity and ecology for better decision making for conservation and sustainable development.

Wams

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- General Kinds of Research (Brief Introduction):-
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - Quantitative Research:

Wanda

- Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
- Non Experimental Research/Descriptive Study
- Assessment Research
- Evaluation Research
- Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
- **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
- **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis: Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type

Handwritten signature

Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).

- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal: Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing

Handwritten signature

- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies (Forestry) (03 Credits: 90 Hrs.)

Unit 1	Literature review and its importance
Unit 2	Ecological concepts: Introduction, basic ecological principles and concepts, environment and community
Unit 3	Ecological succession

Handwritten signature

- Unit 4 Ecological adaptation, and plant microbe-animals interrelationship, food chain, predators
- Unit 5 Autecology: Migration, population dynamics of forest ecosystem, ecology of tropical and temperate forests, Spatial pattern analysis
- Unit 6 Synecology in different forest types, species abundance relationships, species affinity
- Unit 7 Biodiversity and their conservation: Concept, biodiversity assessment, uses and conservation, threats to biodiversity
- Unit 8 Climate change: Ecology and climate change, impacts of climate change on biodiversity, climate change adaptation and mitigation
- Unit 9 Impact of climate change on ecology and biodiversity
- Unit 10 Ecological sampling techniques
- Unit 11 Quantitative methods in ecology and environment
- Unit 12 Community classification, community ordination, community interpretation

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research
Approaches (Forestry) (03 Credits: 90 Hrs.)

- Emerging Trends in Forestry and Environmental Science Research
- Major Thrust areas in Forestry and Environmental Science Research

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

Bamm

28/2/22

कुल सचिव
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 ऋषिकी (मैनीताल)

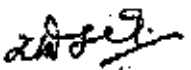
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

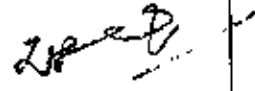
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदण्ड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
ह.कार. (विश्वविद्यालय)



(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित सेजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

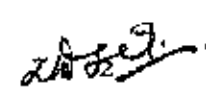
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नॉन क्रिमिनी लेयर) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुषेध है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल पदवी
उपराज्य मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैनासा)

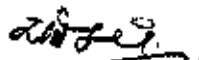
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में विनिर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखित साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

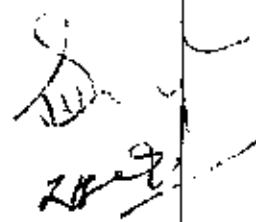
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल लेख
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशेष)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार आवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थानगत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

कुलपति
उपकुलपति
हस्ताक्षर (निर्देशक)

हस्ताक्षर

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक् संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

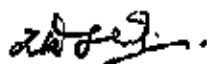
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

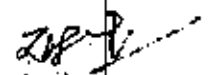
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल पदवी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी नियमित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी नियुक्त व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

Handwritten signature

Handwritten signature

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विभागाध्यक्ष)

Handwritten signature

Handwritten signature

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त सदस्य, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बराबर कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उच्च स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी शोधार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुक्रगढ़ी (निरासल)

4/11/20

2/11/20

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संकेतित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिधिम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मेलन उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा उभासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपवास्तमक उपायों को किष्कान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (नैनीताल)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
देहरादून

[Signature]

[Signature]

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में समुचित रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम०फिल० शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच०डी० शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिखा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यजनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक जिसमें वह आस्थापन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अर्वाइ करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसको शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच०डी० शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल 18/11
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुक्रगढ़ (नैनीताल)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस सेजेंगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (U.O.)

[Signature]

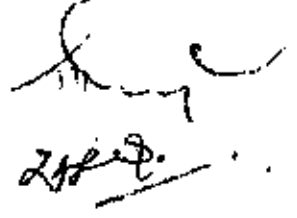
[Signature]

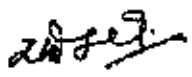
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय
श्रीनगर, (दिल्ली) - 110029

Programme Project Report (PPR)

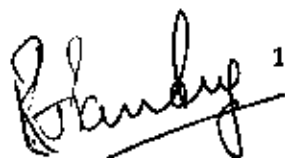
Programme: Ph.D. in Geography (Regular Mode)

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders. This proposed Ph.D. program in the Department of Geography & Natural Resource Management will address generally Geographical aspects of our mother Earth and specifically issues as to regional development through research in areas such as hydro-geomorphology, geomorphology, Anthropocene (a new area of research), sustainable utilization of natural resources, natural resource conservation, ecological and environmental conservation, rural development, socio-economic impact assessment and watershed management. Furthermore, the Himalayan region is the most susceptible mountainous region to global climate change.

The main objectives of research programme: to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

- b. Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development. Therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance to students in research.
- c. Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph.D. programme are required to have a master degree in Geography from a recognized institution/university. Those learners who wish to contribute in interdisciplinary research on various physical (Physical Geography) and cultural aspects of the earth (Human Geography) will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations, Non-Government Organisations (NGOs), Community Based Organisations and Scientific Institutions may also comprise the target group of learners. The target group may also comprise those learners who wish to take up teaching geographical studies as their career.
- d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मैत्रीनगर)

per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under Regular Mode.

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Masters degree in Geography from a recognized institution/ University.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

Year	Program me Fee	Registration/Cour se Work Fees/Examination Fee	Thesis Evaluation n Fees	Identity Card	Student Welfare	Degr ee Fee	Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Most of the research work is based on field observations (for primary data collection) and statistical tools (applied for data analysis). Therefore, specific laboratory is not required as of now. However, if any requirement arises particularly for surveying instruments and for testing of soil/water samples, it can be carried out in the laboratory of identified national

Handwritten signature

institutions. Library resources are required in order to provide wide learning experiences to the students for which resources available in the National / Regional Institutions (Academic/Research) will be availed.

- h. **Cost estimate of the programme and the provisions:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be there for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.
- i. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic/Corporate/Professional services.
- Interdisciplinary research in geography will help in policy making & planning and decision making and will also provide data on geomorphology, climatology, hydrology, human migration, ecology and biodiversity which will in turn help in implementation of developmental projects.
- It will result in bridging the research gaps and ensure the flow of information on geographical reality for better decision making for conservation of natural resources and sustainable development.



ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

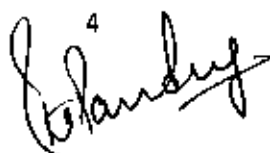
Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation n (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation - 50) Presentation and Viva voce - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration. Description. Explanation. Prediction. Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivistic and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- General Kinds of Research (Brief Introduction):-



- Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
- **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, and Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
- **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
- **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*): Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.

Islandy

- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Random sampling, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools, Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research (03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems— handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Using Remote Sensing & GIS.
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies (Geography) (03 Credits: 90 Hrs.)

Unit I Literature review and its importance

Bhandari

- Unit 2 Geomorphological concepts: Introduction, basic geomorphological principles and concepts, environment and community in watershed.
- Unit 3 Migration: population dynamics of forest communities, Spatial pattern analysis.
- Unit 4 Hydrogeomorphology: concepts and spatial analysis with reference to Himalayas.
- Unit 5 Anthropogenic impacts on Mountain geomorphology and hydrology.
- Unit 6 Impact of climate change on geomorphology and hydrology of Himalayas.
- Unit 7 Geographical data sampling techniques
- Unit 8 Quantitative methods in geographical, environmental and socio-economic analyses.
- Unit 9 Paradigm shift in geography.
- Unit 10 Survey and instrumentation methods using various tools.

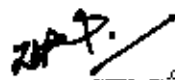
Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research
Approaches (Forestry) (03 Credits: 90 Hrs.)

- Emerging Trends in Geographical Research
- Major Thrust areas in Geographical Research

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दुस्सानी (नैनीताल)

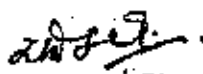
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

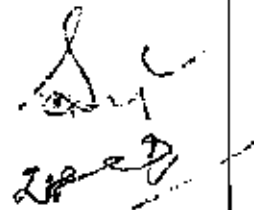
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वार (विश्वविद्यालय)





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्यासाधकों के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम०फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम०फिल० पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थिति अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

[Handwritten signatures and stamps]
कुलपति
उपकुलपति
सहायक कुलपति

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रसार 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

Amr

3

छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समय अवधि में एक बार 240 दिनों तक का संतुल्य अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अध्वेतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 तपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सांकेतिकरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-

- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विभिन्न विषय के

4
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मिर्जापुर)

28/8/20

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक् संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

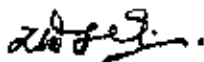
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

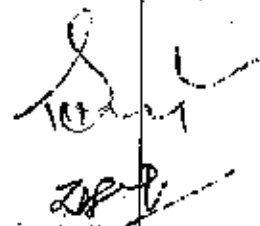
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुलपति

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (वि.सं. 176001)





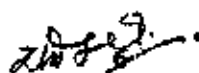
- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभावि होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

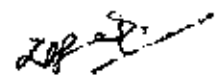
- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।





उपराज्य प्रमुख शिक्षक
हस्ताक्षर (निदेशक)





- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बरातें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अर्थार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दुधौली (विभाग)

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

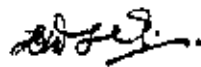
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में तथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

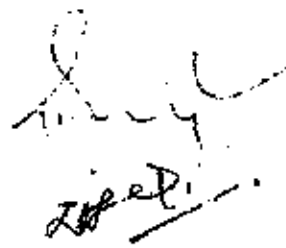
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
 (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
 (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
 (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
 (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्रात्मिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुल विभाग
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (नैनीताल)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0, उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में सक्षम प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक घोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक घोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

मुख्य निदेश
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (देहरादून)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्राधान्यों द्वारा अभिरक्षित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्पत्ति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिडनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0 /पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0 /पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिडनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

सुभाष चंद्र मुखर्जी
उपराज्य मंत्री
उच्च शिक्षा

11

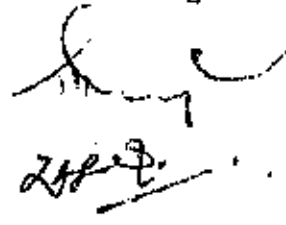
11

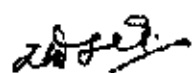
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय के एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीवास्तव, देहरादून

Programme Project Report (PPR)

प्रोग्राम प्रोजेक्ट रिपोर्ट - हिंदी में शोध / PPR of P.HD in HINDI
[REGULAR MODE]

a- पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

हिंदी विषय में शोध का उद्देश्य छात्रों के भीतर उच्च ज्ञानात्मक संवेदना का विकास करना है, जिससे वे संवेदित रूप में समाज की गति में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

b- कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं लक्ष्य-

हिंदी देश की न केवल राजभाषा है, अपितु देश की संस्कृति एवं जातीयता का प्रतीक भी है। इस प्रकार हिंदी के विकास का अर्थ है-भारत की सामासिक संस्कृति का विकास। इस कार्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा एवं शोध, पर्यवेक्षण और संवेदना का विकास हो सकेगा। सांस्कृतिक रूप से इतिहास की क्षतिपूर्ति हो सकेगी तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच रागात्मक एवं ज्ञानात्मक संवेदना का विकास हो सकेगा।

c- शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति-

हिंदी विषय से एम.ए. उत्तीर्ण वे छात्र जो उच्च स्तर पर मनोभावों व संवेदना की भूमि तलाशना चाहते हैं, उनके लिए यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। ऐसे छात्र जो मनोभावों को सामाजिक-दार्शनिक-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करना चाहते हैं, यह पाठ्यक्रम उनके लिए उपयोगी है।

d- मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य -

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य या तात्पर्य मात्र इतना है कि शिक्षार्थी अपने शोध काल के उत्तरार्द्ध काल में विश्वविद्यालय की अनिवार्य उपस्थिति से मुक्त हो सकेगा। अन्यथा कोर्स वर्क की बाध्यता पारम्परिक शिक्षण संस्था जैसे ही है। शोध निर्देशक के साथ शोधार्थी के संवाद, विषय पर परिचर्चा, कोर्स वर्क के माध्यम से शोध प्राविधि का अध्ययन UGC के निर्देश के क्रम में ही है। अतः मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण पद्धति के बावजूद यह पाठ्यक्रम पारंपरिक शिक्षण में शोध की पद्धति का सम्पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित कर रहा है।

e- निर्देशात्मक रूपरेखा-

श्रीमान् प्रो.

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हस्वाना (मैनीताल)

पाठ्यक्रम की अवधि- पी-एच.डी. कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि [कोर्स वर्क के साथ] तीन वर्ष की होगी तथा अधिकतम अवधि छः वर्ष की होगी. [यूजीसी रेगुलेशन 2016 के अनुसार] यह कार्यक्रम दो खण्डों में विभक्त होगा:

प्रथम खंड: कोर्स वर्क- यह एक या दो सेमेस्टर का होगा.[विस्तृत रूप से देखें ANNEXURE 1]
द्वितीय खंड : शोध कार्य [विस्तृत रूप में देखें - उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की पी-एच.डी. नियमावली एवं ANNEXURE 2]

f- प्रवेश एवं मूल्यांकन संरचना-

Eligibility for admission

- 1-जो छात्र हिंदी विषय से एम. ए. उत्तीर्ण कर चुके हैं.
- 2- पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं .

fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

प्रतिकृति

g - शोध कार्यशाला की आवश्यकता -

सामान्यतः कार्यशाला की आवश्यकता नहीं है , किन्तु भाषा विज्ञान के शोध में भाषा लैब की आवश्यकता पद सकती है.

h- पाठ्यक्रम/ कार्यक्रम का अनुमानित व्यय -

यह पाठ्यक्रम यूजीसी के नियमनुसार संचालित होगा . अतः विशेषज्ञ समिति, drc, rdc एवं शोध के मूल्यांकन आदि के लिए प्रति शोधार्थी 100000/ का खर्च अनुमानित होगा.

i- पाठ्यक्रम की गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम -

- इस पाठ्यक्रम से छात्र हिंदी भाषा एवं साहित्य के उच्च सोपानों को समझ सकेंगे.
- इस पाठ्यक्रम से छात्र संवेदना एवं ज्ञान के गहन रूप से परिचित हो सकेंगे.
- शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षों से अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगे.
- साहित्य के विभिन्न अनुशासनों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे.

श्री ५०८

ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.

Signature

- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple

Handwritten signature

& Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.

- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice). Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama). Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.



Module III: Research Writing and Technological Inputs

in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel

श्रीमति धीरा

- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV

03 Credits: 90 Hrs

इतिहास दर्शन

- 1- इतिहास दर्शन: अर्थ एवं अवधारणा
- 2- इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन
- 3- साहित्य इतिहास लेखन एवं इतिहास दृष्टि
- 4- साहित्येतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत
- 5- हिंदी इतिहास लेख की समस्या एवं विभिन्न दृष्टियाँ
- 6- हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन का आधार
- 7- साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतर्संबंध
- 8- हिंदी साहित्य का इतिहास: सामाजिक परिवेश एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ
- 9- साहित्यिक इतिहास एवं आलोचना का परस्पर सम्बन्ध
- 10- उत्तर आधुनिकतावाद एवं नव्य इतिहास लेखन
- 11- साहित्येतिहास लेखन के दलित एवं नारीवादी परिप्रेक्ष्य
- 12- प्रमुख काव्य सिद्धांत : सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग

मिनाक्षी

Module- V

03 Credits: 90 Hrs

आधुनिक सन्दर्भ में हिंदी साहित्य

- 1- हिंदी साहित्य के प्रमुख विमर्श - आदिवासी, भाषा, पर्यावरण- जातीयता
- 2- स्त्रीवाद की सैद्धांतिकी एवं अनुप्रयोग, स्त्री लेखन की दिशाएं
- 3- दलित लेखन का सौंदर्यशास्त्र
- 4- प्रवासी लेखन और जातीयता की संस्कृति का द्वैत
- 5- भाषा शिक्षण और हिंदी
- 6- हिंदी का प्रादेशिक क्षितिज
- 7- हिंदी एवं भारतीय भाषाएँ
- 8- हिंदी साहित्य और अन्य ज्ञानात्मक अनुशासन- साहित्य और विज्ञान, साहित्य और सामाजिक अनुशासन , साहित्य और मिथकीय संरचना

Module- VI

03 Credits: 90 Hrs

शोध कार्य की प्रस्तावित संक्षिप्त रूपरेखा का निर्माण

श्रीमान श्री
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

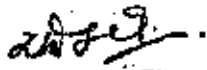
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुलपति
अनूपम मूल विश्वविद्यालय
महाराष्ट्र विश्वविद्यालय




(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

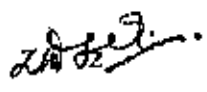
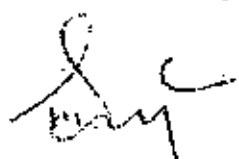
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल0 में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल रक्षक
उपराज्य मुख्यालय
इलाहाबाद (मिनाताला)

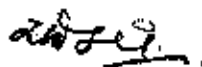
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (जो गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक् रूपसे निश्चित से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लक्षित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांख्यिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

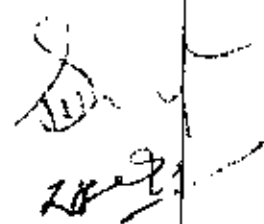
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निश्चित व्यक्ति (जिनकी निश्चिता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (वि०)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतवृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सफितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के फाट्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

4
कुल सचिव
उपराज्य मुख्यालय
इलाहाबाद (मिर्जापुर)

28/8/20

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत् गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाईट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

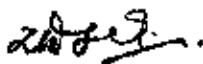
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

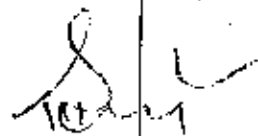
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (मैथिली)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रचारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएचडी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
वस्तुतः कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (विश्वविद्यालय)

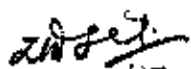
[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा अठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहाँ शोधार्थी पुनः जाना चाहे बरातों कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

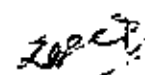
9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणान्तरक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उच्च स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहाँ शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी शोधार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम


मुल संश्लेष
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (विभागाध्यक्ष)





संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

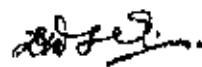
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

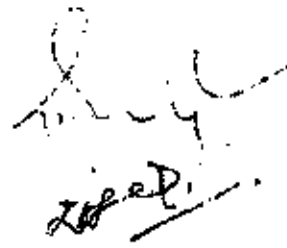
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देना तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत् होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित - अध्यक्ष
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक- सदस्य
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक- संयोजक
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- सदस्य
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक - सदस्य
- ♦ निदेशक शोध- सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

[Handwritten Signature]
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीनगर

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]
[Handwritten Signature]

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम०फिल० शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच०डी० शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो वेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में सक्षम प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिष्टा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें वह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक सलाहकार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच०डी० शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षार्थी की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबा (नैनीताल)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसने मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

- (12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।
13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।
14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां
- (14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिरक्षित होगा।
- (14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।
15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

- (15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0 /पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0 /पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

सूक्त खंड
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (विनियम)

4/11/2009

4/11/2009

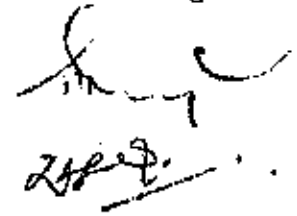
7.

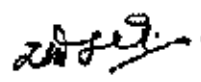
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय को एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीवास्तव, 140000

Programme Project Report (PPR) of

Ph.D. in History (Regular Mode)

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

- b. Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

- c. Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in History (M.A. History) from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of education will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

- d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode(not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the M.A. (History) from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.I-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/Course Work Fees/ Examination Fee	शोध प्रबंध मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.I-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.

- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

manj

ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-



Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdī*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced

Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems— handling different operating systems PC / Mac etc.



- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

Ph.D course Work in History

Research Methodology

Unit 1. The debates about history's claim to tell the truth about the past

- a. Karl popper-The Poverty of Historicism
- b. Edward Thompson The Poverty of Theory
- c. Richard Rorty: Philosophy in History

Unit 2. Important categories that have shaped historical writings in the 20th century

- a. Gender
- b. Class
- c. Environment
- d. Nation

Unit 3. Debates In History

- a. Aryan
- b. Feudalism
- c. Colonialism
- d. Postmodernism

Unit 4. Reading Texts in History

- a. Imagined communities
- b. Hidden Transcripts

Unit 5. New Trends in Historiography

Unit 6. Understanding the ancient past

- a. Historical Archaeology
- b. History of the caste System
- c. Religion and Society in Early India

pragya

- d. Literature and Society
- e. The state in Early India
- f. Agriculture and Village Communities in early India
- g. Trade and Traders in Early India

Or

Unit 6. Understanding the medieval Past

- a. Understanding the changing in polity, Society and Religion From Pre Turkish Rule to Turkish Rule.
- b. Theory of static society, Theory of purity and pollution, theory of sanskritization and de-sanskritization
- c. Social formation of ruling classes from tribal to racial based socio-political hierarchy in the ruling classes, state and ruling classes, controlling each other, social hegemony of the ruling class.
- d. Concept of Indian Middle class- Professional and social role the society
- e. Peasants- Identity of a peasant; social stratification and status in the Society; religion between ruling class and peasants.
- f. Religion and society
- g. Rise of monotheistic saints and their popularity in the masses.
- h. Religious and Political nature of the state.

Or

Unit 6. Understanding the Modern-era

- a. Colonialism; information and knowledge
- b. The History of caste
- c. The social History of Law
- d. Gender and the Hindu Nation; Religious community, Revival and reform
- e. Agrarian relations and peasant rebellion;
- f. Famines, epidemics and the crises of society
- g. Army, war and society

Unit 7. Economic History of India

- a. Debating the great divergence
- b. Debating the Drain of Wealth from India
- c. Debating Agricultural production trends and the standard of living in India
- d. Explanations for population Increase in twentieth century India
- e. Typology: Nationalism in sovereign and colonial societies
- f. Debate about the making of nations and nationalism
- g. Debate over making of Agrarian protests and Movements
- h. Debating Politics of incision and affirmative action in contemporary India.

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research

Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(History)

Latest trends in various areas of History

- Gender
- Class
- Environment
- Nation
- Aryan
- Postmodernism
- New Trends in Historiography
- Religion and society

Note: The nature of this paper is varied, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits; 90 Hrs.)

Handwritten signature
Handwritten initials
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (मैत्रीकाल)

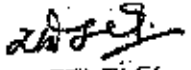
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुमोदन के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पदर
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वार, विमानवादी






(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित खोजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

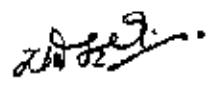
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समकक्ष-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल सचिव
उपराज्य मुख्यालय
इलाहाबाद (मिनावा)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल संदेश
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआली (विशेष)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अध्वेतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मद्देनजर रखते हुए किन्हे जायेंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

28/8/20

4

कुल पत्रिका

उपराज्य मुख्यालय

इलाहाबाद

28/8/20

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अम्बर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अम्बर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुतभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अम्बर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अम्बर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (देहरादून)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उपराज्य प्रमुख शिक्षा
हल्द्वारी (मिर्जापुर)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहाँ शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कर्ष्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

28/05/20
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विश्वविद्यालय)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को कार्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा तबकि वह कार्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

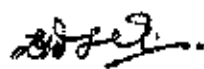
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

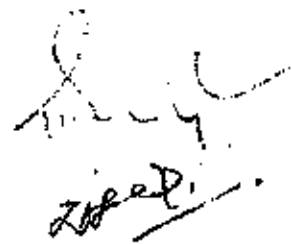
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले कार्यक्रम(ी) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.6) शोध सलाहकार समिति द्वारा छमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण बंद रख करने के विशिष्ट करण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु आई हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

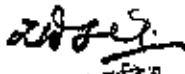
सदस्य

सदस्य

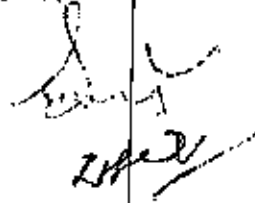
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0, उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
शिमला





- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविक्सित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यजनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

[Signature]

मुख्य
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वारी (के००००००)

[Signature]

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसने मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित चैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्पत्ति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0 /पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0 /पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

20/07/19
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

11

Amu

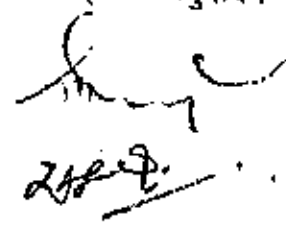
20/07/19

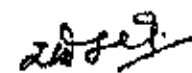
(15.2) उपाधि को कास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड प्रशासक विश्वविद्यालय
समस्त, 15.05.2019

Programme Project Report (PPR) of

Ph.D. in Horticulture(Vegetable Science/Fruit science/floriculture) (Regular Mode)

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

- b. Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the missions of Higher Education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

- c. Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in Horticulture/Vegetable Science/Genetics and plant Breeding/Agronomy/Agriculture Economics from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of horticulture will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

- d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode(not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Horticulture/Vegetable Science/Genetics and plant Breeding/Agronomy/Agriculture Economics from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

g. Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

i. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

j. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

k. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations

2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.



Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)



Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhī*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

✓

Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced

VK₂

Choice), Projective Tools (IAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.

- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Horticulture)

(VEGETABLE SCIENCE)

1. ADVANCES IN VEGETABLE PRODUCTION
2. ADVANCES IN BREEDING OF VEGETABLE CROPS
3. PROTECTED CULTIVATION OF VEGETABLE CROPS
4. BIOTECHNOLOGY OF VEGETABLE CROPS
5. SEED CERTIFICATION, PROCESSING AND STORAGE OF VEGETABLE CROPS
6. ABIOTIC STRESS MANAGEMENT IN VEGETABLE CROPS
7. DOCTORAL SEMINAR I

(Floriculture)

1. ADVANCES IN BREEDING OF FLOWER CROPS
2. ADVANCES IN FLOWER PRODUCTION TECHNOLOGY
3. ADVANCES IN PROTECTED AND PRECISION FLORICULTURE
4. ADVANCES IN LANDSCAPE ARCHITECTURE
5. ADVANCES IN BIOCHEMISTRY AND BIOTECHNOLOGY OF FLOWERS
6. DOCTORAL SEMINAR I

(FRUIT SCIENCE)

1. ADVANCES IN BREEDING OF FRUIT CROPS
2. ADVANCES IN PRODUCTION OF FRUIT CROPS
3. ADVANCES IN GROWTH REGULATION OF FRUIT CROPS
4. GENOMICS AND BIOINFORMATICS IN HORTICULTURE
5. BIOTIC AND ABIOTIC STRESS MANAGEMENT IN HORTICULTURAL CROPS
6. DOCTORAL SEMINAR I

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Horticulture)

- Emerging Trends in Horticulture

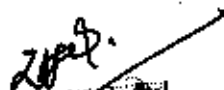


- Major Thrust areas in Horticulture

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)


मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (नैनीताल)



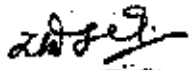
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

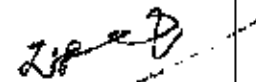
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पदवी
उपकुल पदवी प्रमुख शिक्षक
सहायक (विशेषज्ञ)



(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

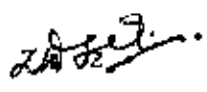
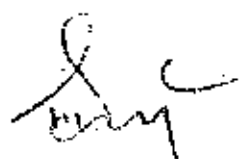
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नभित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेष है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उपप्राचार्य मुक्त विद्यापीठ
इलाहाबाद (मिर्जापुर)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर भी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूप से निश्चित से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निश्चित व्यक्ति (जिनकी निश्चितता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

3
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआली (देहरादून)

Amur

3
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआली (देहरादून)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्ण निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध सांस्थविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संचितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Handwritten signature]
कुलपति
उपराज्य मुख्यालय
हस्ताक्षर (विनियम)

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

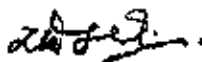
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

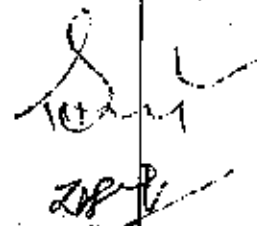
(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (मिनीटाल)





- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में स्तिथित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

उपराज्य प्रमुख शिक्षक
हस्ताक्षर (निरीक्षण)

[Signature]

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेंगे। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (केरला)

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संश्लेषित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी आभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

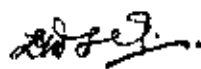
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्र कार्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

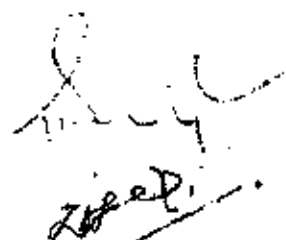
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारसत्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारसत्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुल 000
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (विश्वविद्यालय)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

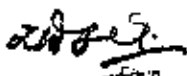
सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0, उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
शिमला


प्रमुख
विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0किल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित कराएगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य छात्र/छात्रा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0किल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल २५
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (देहरादून)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (डिस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, हिमाचल प्रदेश

Amu

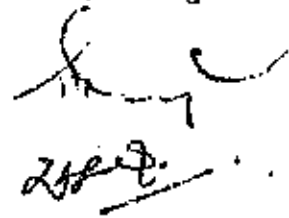
2/8/11

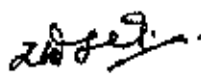
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत, 245129

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Hotel Management (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

Accordingly, the main objective of the Ph.D. Programme in Hotel Management is to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in hotel management discipline. The Ph.D programme in Hotel Management aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The Programme Ph.D. in Hotel Management has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. The degree is designed for the learners who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Hospitality Management Schools and other academic institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Hotel Management from recognized institution/university (as per University's Norms). Those learners who wish to contribute through research in the field of hotel management will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Hotel Management.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode (not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Hotel Management/Master Degree in Hospitality Administration from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

- h. Cost estimate of the programme and the provisions:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.
- i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Department of Hotel Management
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Department of Hotel Management
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Department of Hotel Management (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhī*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.



- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research



- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Hotel Management)

Unit-I

Fundamentals of Hotel Management- Latest Trends and Key Issues

- **Statistical Methods used in Research**
- **Culinary Services in Hospitality**
 - Understanding Concept of Culinary Practices and Relation between Culinary, Tourism & Hospitality
 - Cuisine of India – Major Ingredients, Dishes and broad overview
 - Cuisine of Uttarakhand – Major Delicacies & role of Ingredients
 - HACCP Certification
- **Emerging Trends in Hospitality**
 - Understanding the New Trends in Hospitality
 - New forms of Hotels and Accommodation
 - Contemporary Issues in Reference to Hospitality & Tourism Operations
- **Environment and Hospitality/Tourism**
 - Understanding Concept of Environment and Relation between Environment, Tourism & Hospitality
 - Legal Aspects – Agenda & Guidelines in this regard of UNWTO, MOT (GOI)
 - Sustainable forms of Tourism – Eco, Green, farm, Responsible, Rural
 - Certifications: Ecotel, Green Globe
- **ICT Application in Hospitality & Tourism**
 - Computer Applications : Introduction, Application of MS Office (Excel, Power point, Word, and Hospitality/Tourism Related Software)
 - Internet Applications in Hospitality & Tourism
 - E- Tourism
- **Indian Heritage & Tourism :**
 - Introduction to Indian History – An Overview of Pre – History, Proto History, Ancient History, Medieval History and Modern History



- Indian Heritage: Art Culture, Monuments, Museums, Art Galleries, and Historic Sites of Tourism Importance in India
- Heritage Hotels in India: Classification & Overview.
- **Management, Hospitality & Tourism**
 - Introduction to Management – Concepts & Definitions
 - HR & Trends in HRM in Hospitality & Tourism.
 - OB Challenges, Opportunities, Responses to Global and Cultural Diversity, Personality Attitudes, Perception, Learning.
 - Entrepreneurship in Hospitality & Tourism
- **Marketing in Hospitality & Tourism**
 - Understanding Marketing of Services in Hospitality & Tourism
 - Trends in Marketing in Hospitality & Tourism.
 - Marketing Challenges, Opportunities, Responses to Global Competition & Markets.
 - Branding & Case Studies of Incredible India, ITDC, Taj Group of Hotels, ITC Hotels, Oberoi Hotels, Haryana Tourism, HPTDC, Gujarat Tourism, Goa Tourism, M.P Tourism
- **Operations & Management in Hospitality**
 - Introduction to Hospitality – Concepts & Definitions
 - Front Office Operations : Role, Scope & Challenges
 - Housekeeping Operations : Tasks, Functions & Challenges
 - Food & Beverage Services: Role, Scope & Challenges
 - Food Production: Tasks, Functions & Challenges
- **Sociological Impacts of Tourism**
 - Understanding Tourism & Society
 - Impact of Tourism on Society
 - Social Events & Impacts
 - Guest Host Relations – Doxy Irridex
- **Sports , Hospitality & Tourism**
 - Sports , Hospitality & Tourism : Concept & Linkages
 - Adventure Sports : Water, Aero, Winter & Others
 - Case Studies : Olympics 2008, 2012, Common Wealth Games – India 2010

Unit-II

Foundations of research in various functional areas of Hotel and Hospitality Management

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

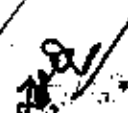
(Hotel Management)



- Latest trends in various functional areas of Hotel Management (Culinary Services in Hospitality/ Emerging Trends in Hospitality /Environment and Hospitality/ICT Application in Hospitality/Indian Heritage and Hospitality /Marketing in Hospitality /Operations & Management in Hospitality /Psychology and Tourist/ Guest Behaviour /Sociological Impacts of Tourism /Sports , Hospitality & Tourism)
- Major Thrust areas in Hotel Management
- Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)



 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (मैनीमल)

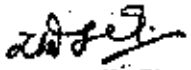
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

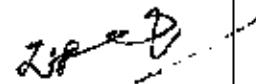
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उपकुल पंडित विश्वविद्यालय
हजूरत (विश्वविद्यालय)



- (2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—
- (2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।
- (2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।
- (2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।
- (2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।
- (2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।
- (2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।
- (2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।
3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

- (3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसी किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।
- (3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लगभगित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियम्यती अंक शामिल नहीं हैं।

[Handwritten signatures and stamps]

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (विभागाध्यक्ष)

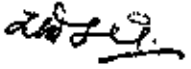
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

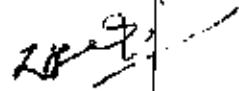
- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक् रूपसे निश्चित से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लक्षित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है :
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निश्चित व्यक्ति (जिनकी निश्चितता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशेष)



- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएलआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्वेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थानगत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मद्देनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Handwritten signature]
कुल
उपकुल
हस्ताक्षर (प्रिन्सिपल)

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विशिष्ट गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल पदवी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (मिनीमम)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, प्रंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्भिता होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएचडी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वर्तते कि उन क्षेत्रों/विभागों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं है अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय
कलकत्ता (मिर्जापुर)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्वय चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्ते कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी शोधार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

मूल संशोध
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (निराकर)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संकेतिक कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को कार्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह कार्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

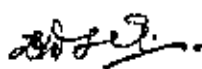
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

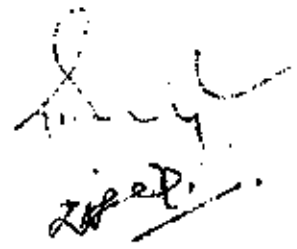
विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले कार्यक्रमों की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्रात्मिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—







कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मिर्जापुर)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

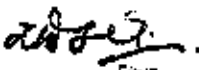
सदस्य

सदस्य

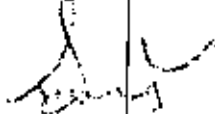
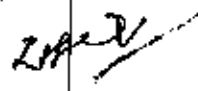
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0 उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविक्त्रित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक ध्वनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

मुकुल खन्ना
उपसलाहकार, मुक्त विश्वविद्यालय
प्रकाश (निर्देशक)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

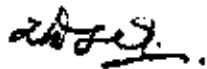
14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

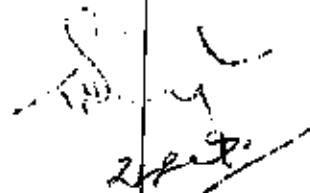


युक्त संकेत

उपराज्य मुख्यालय
हरदोस, दिल्ली-110006

11



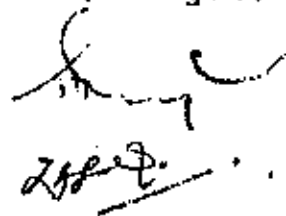


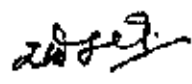
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तरप्रदेश मुक्त विश्वविद्यालय
मथुरा, उत्तर प्रदेश

Programme Project Report (PPR) of

Ph.D. in Journalism and Mass Communication (Regular Mode)

a. Programme's Mission & Objectives:

The mission and objectives of the Ph.D. in Journalism and Mass Communication are as follows:

Ph.D. programs of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. The Ph.D programme in Journalism and Mass Communication aims to provide new methodological and epistemological understanding of research to the researchers.

b. Relevance of the program with HEP's Mission and Goals:

The Ph.D. in Journalism and Mass Communication has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University.

c. Nature of prospective target group of learners:

The main target group of learners is research oriented students of the state.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

The Ph.D. program in Journalism and Mass Communication begins with a compulsory course work of one semester in regular mode. After successful completion of coursework the student conducts a research work under the supervision of a supervisor assigned by the university.

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work -- In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

[Signature]
27.4.18

[Signature]
27/4/18

[Signature]

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Journalism and Mass Communication from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.I-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/Co urse Work Fees/Examinati on Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

- h. Cost estimate of the programme and the provisions:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.
- i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.



ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)



Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction. Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study.
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence. Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research



- Symbolic Interactionism
- **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables). Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.

- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review

- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Rmb

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Journalism and Mass Communication)

1. Communication and Media Studies
2. Journalism Studies

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research

Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Journalism and Mass Communication)

1. Journalism and Media as Interdisciplinary fields of Inquiry
2. Sociology of Communication Media
3. Researching the Contemporary Communication

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Journalism and Mass Communication)

Handwritten signature
27-4-18

Handwritten initials
27/4/18

Handwritten signature

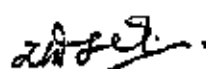
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

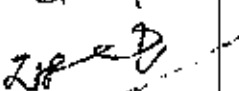
1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी—
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अध्यापन।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वर (हिमाचल)

(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

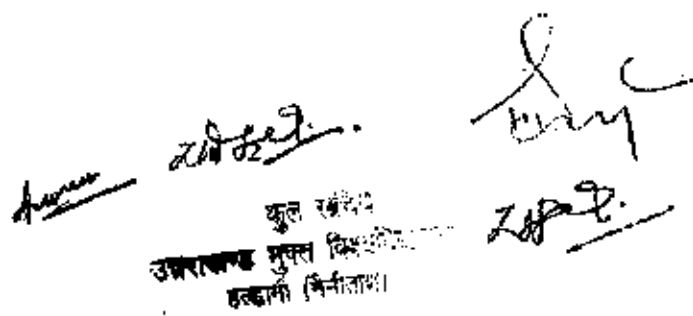
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम्फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम्फिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुषंग है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल पद
उपकुल पद
हस्ताक्षर (निर्देशक)

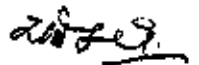
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सकलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध है अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

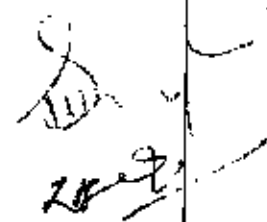
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबत (विशेष)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (6.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अप्पेतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

कृत सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (विश्वविद्यालय)

कृत सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (विश्वविद्यालय)

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उल्लंघनों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभावि होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानक, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम्.फिल. 40/पीएच.डी. 10 शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पाँच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच.डी. उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- यह कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहाँ कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहाँ संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (विश्वविद्यालय)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेंगे। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

मुख्य संशोधक
मुख्य विधायक
मुख्य निरीक्षक

7

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को कार्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह कार्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

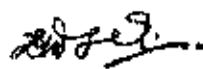
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्र कार्य:

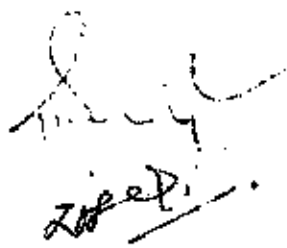
विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत् होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले कार्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्म उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत् होगा—







उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मिर्जापुर)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

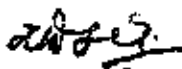
सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएँ 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय




प्रमुख विभाग

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एस0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेशर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक धोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक गचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक धोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एस0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

[Signature]

मुख्य अधिकारी
उपसंचालक, मुक्त विश्वविद्यालय
हरदोली (केरल)

[Signature]

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0किल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0किल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0किल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0किल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0किल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0किल/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशप्तित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0किल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0किल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0किल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0किल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

20/07/19
मुख्य सचिव
उपस्थान्त मुख्यालय
इकाई शिक्षा

11

Amu

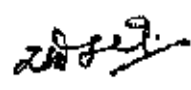
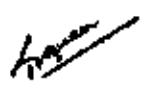
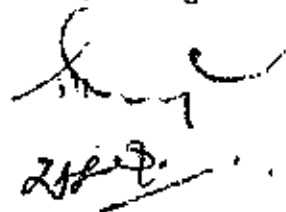
20/07/19

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिवस, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुसंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


कुल संविद
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश

Programme Project Report (PPR)
School Journalism and Media Studies
Ph.D. in Journalism and Media Studies

(a) **Programme's mission & objective :** The mission & objectives of the Ph.D. in Journalism and Media Studies are as follows:

Ph.D. programs of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. The Ph.D programme in Journalism and Media Studies aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The School admits a small number of students in Ph.D program and involves them in a six months regular course work (research methodology classes) as per UGC guidelines.

(b) **Relevance of the programme with HEI's Mission and Goals:** The Ph.D. in Journalism and Media Studies has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University.

(c) **Nature of prospective target group of learners:** The main target group of learners is research oriented students of the state.

(d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Ph.D. program in Journalism and Media Studies begins with a compulsory course work of six month in regular mode in which 75 per cent minimum attendance is mandatory for the students. After successful completion of coursework the student conducts a research work under the supervision of a supervisor assigned by the university.

(e) **Instructional Design:** The School of Journalism and Media Studies (SJMS) has developed Ph.D. course in such a manner that provides basic knowledge of research to the student. It aims to widen the worldview of the researcher and familiarize them with various discourses of journalism and media studies.

(f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** The admission for the program is done by the entrance test. The students are continuously



कुलपति
उत्तराखण्ड
विश्वविद्यालय

assessed by the faculty members through assignments, seminars, review of work during the course work.

The program is run as per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016

Fee Structure

Fee Details	Fee	Total
Entrance Fee	Rs. 1000	Rs. 1000
Registration and Course Work Fee	Rs. 6500	Rs. 6500
Course Work Exam Fee	Rs. 750 + Rs. 1000	Rs. 1750
I Year Fee	Rs. 6500	Rs. 6500
II Year Fee	Rs. 6500	Rs. 6500
III Year Fee	Rs. 6500	Rs. 6500
Thesis Evaluation Fee	Rs. 5000	Rs. 5000
Total		Rs. 33750
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.		

(g) **Requirement of laboratory support and Library Resources :** The university has a good library which is useful for the researchers. The Electronic Media Production Centre and community radio. Hello Haldwani are also useful for the learners.

a. **Cost estimate of the programme and the provision:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be needed for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only for the development of Ph.D.(Journalism and Media Studies) programme.

(h) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The School of Journalism and Media Studies reviews its programme time to time through expert committee and board of studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design.



20/09/2019
कुल सचिव
उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी

Programme Project Report (PPR) of Ph.D in Jyotish (Regular Mode)

a- पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

ज्योतिष विषय में शोध का उद्देश्य छात्रों में प्राच्य विद्या में निपुणता के साथ-साथ उनमें नवीन सृजनात्मकता एवं उच्च ज्ञान का विकास करना है, जिससे वे मूलभूत रूप में समाज एवं राष्ट्र की गति में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

b- कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं लक्ष्य-

ज्योतिष सर्वविद्यामूलक वेद का अंग होने के कारण वेदांग है, जिसे 'शास्त्र' भी कहा जाता है। यह भारत के छः शास्त्रों में एक है तथा यह हमारे प्राचीन ऋषियों की देन है। भारतीय मूल विद्या के रूप में यह विद्यार्थी के लिए, समाज के लिए तथा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा। इस शास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसन्धान करने से ज्योतिष शास्त्र एवं शोध, पर्यवेक्षण और संवेदना का विकास हो सकेगा। सांस्कृतिक रूप से इतिहास की क्षतिपूर्ति हो सकेगी तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच रागात्मक एवं ज्ञानात्मक संवेदना का विकास हो सकेगा।

c- शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति -

ज्योतिष विषय से आचार्य अथवा एम.ए. ज्योतिष या ज्योतिर्विज्ञान उत्तीर्ण कोई भी छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। साथ ही ज्योतिष विषय से जुड़े वे छात्र जो उच्च स्तर पर भारतीय मूल विषयों में भूमि तलाशना चाहते हैं, उनके लिए यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। ऐसे छात्र जो प्राच्य विषयों में नवीनता एवं तथ्यपरकता विकसित करना चाहते हैं, यह पाठ्यक्रम उनके लिए उपयोगी है।

d- मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य -

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य या तात्पर्य मात्र इतना है कि शिक्षार्थी अपने शोध काल के उत्तरार्द्ध काल में विश्वविद्यालय की अनिवार्य उपस्थिति से मुक्त हो सकेगा, अन्यथा कोर्स वर्क की बाधयता पारम्परिक शिक्षण संस्था जैसे ही है। शोध निर्देशक के साथ शोधार्थी के संवाद, विषय पर परिचर्चा, कोर्स वर्क के माध्यम से शोध प्राविधि का अध्ययन UGC के निर्देश के क्रम में ही है। अतः मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण पद्धति के बावजूद यह पाठ्यक्रम पारंपरिक शिक्षण में शोध की पद्धति का सम्पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित कर रहा है।

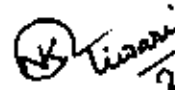
e- निर्देशात्मक रुपरेखा-

~~पहला चरण - 6 महीने का कोर्स वर्क द्वितीय चरण - शोध कार्य~~

1. पाठ्यक्रम की अवधि - अधिकतम तीन 03 वर्ष, 2. कोर्स वर्क - 01 रुक अथवा 02 सेमेस्टर

f- प्रवेश एवं मूल्यांकन संरचना-

- 1- जो छात्र ज्योतिष अथवा ज्योतिर्विज्ञान विषय से आचार्य / एम. ए. उत्तीर्ण कर चुके हैं।
- 2- पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं।


21/4/2018


उपस्थित निदेशिकालय
हस्ताक्षर (निर्देशक)

ANNEXURE- I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation - 50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

 Anurag Tiwari
 21/4/2018

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g - शोध कार्यशाला की आवश्यकता -

सामान्यतः कार्यशाला की आवश्यकता नहीं है, किन्तु ज्योतिष विज्ञान के शोध में वेध यन्त्रों से सम्बन्धित वेधशाला अथवा लैब की आवश्यकता पड़ सकती है।

h- पाठ्यक्रम / कार्यक्रम का अनुमानित व्यय -

यह पाठ्यक्रम यूजीसी के नियमानुसार संचालित होगा। अतः विशेषज्ञ समिति, DRC, RDC एवं शोध के मूल्यांकन आदि के लिए प्रति शोधार्थी 100000/- का खर्च अनुमानित होगा।

i- पाठ्यक्रम की गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम -

- इस पाठ्यक्रम से छात्र ज्योतिष शास्त्र के उच्च सोपानों को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम से छात्र संवेदना एवं ज्ञान के गहन रूप से परिचित हो सकेंगे।
- शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षों से अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगे।
- ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न अनुशासनों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

(Signature)
21/4/2018

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

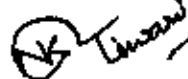
- Research: Meaning and Characteristics, Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivistic and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
- Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
- **Quantitative Research:**
- Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
- Non Experimental Research/Descriptive Study
- Assessment Research
- Evaluation Research
- Descriptive Research
- (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
- (b) Co-relational Study
- (c) Developmental Study
- (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
- (ii) Trend Developmental Study
- **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
- Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
- Philosophical Research
- Case Study
- Grounded Theory
- Phenomenological Research
- Ethnographical Research
- Ethno-methodological Research

④ *Tiwari*
21/4/2018

- Symbolic Interactionism

• **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**

- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*Śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research. Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.



 21/4/2018

Module-II: Tools and teaching for data collection

03 Credits: 90 Hrs

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)

OK Times
21/4/2018

- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Jyotish)

- 1- ज्योतिषशास्त्र : अर्थ, उत्पत्ति, उपयोगिता, अवधारणा
- 2- प्रमुख त्रिस्कन्ध (गणित, फलित एवं संहिता) ज्योतिष के विविध पक्ष एवं बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष
- 3- ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्य तथा उनका प्रमुख सिद्धान्त
- 4- ज्योतिष शास्त्र का इतिहास : काल विभाजन के आधार पर
- 5- ब्रह्माण्ड एवं काल, सृष्टि एवं प्रलय सिद्धान्त
- 6- पंचांग समीक्षा एवं मुहूर्त
- 7- प्राच्य – पाश्चात्य ज्योतिष का तुलनात्मक अध्ययन
- 8- वेदांग ज्योतिष
- 9- ज्योतिष शास्त्र की प्रासंगिकता
- 10- करण एवं सिद्धान्त ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन

(Signature)
21/4/2018

**Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific
Research Approaches
(03 Credits: 90 Hrs.)
(Jyotish)**

- सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष में अभिनव प्रयोग
- सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष में शोध के प्रमुख विविध क्षेत्र

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

**Module VI: Formulating a Research Proposal
(03 Credits: 90 Hrs.)**

(Signature)
21/4/2018

(Signature)
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मैनीटाल)

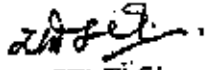
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

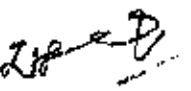
1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उपकुल मुक्त विश्वविद्यालय
राजस्थान (मिर्जापुर)

(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

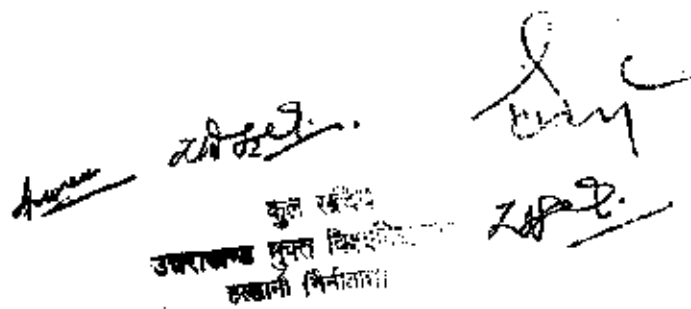
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संवैधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल पद
उपराज्य मुख्यालय
हस्ताक्षर (निर्देशक)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम०फिल० पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम०फिल० उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी० उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी० पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम०फिल० उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी० पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम०फिल० पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी० पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम०फिल० में एक वर्ष की तथा पीएचडी० के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल खर्च
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

Amman

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का संतुल्य अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

8. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अध्वेतवृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

कुलपति
उपकुलपति
प्रधान (शैक्षणिक)

कुलपति
उपकुलपति
प्रधान (शैक्षणिक)

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक् संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिकृत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (मिरीठार)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभावि होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेष एमफिल/डीएचडी/डीएचडी/डीएचडी छात्रार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी/उपाधि धारक हो तथा जिसको संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वस्तुतः कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड प्रमुख विश्वविद्यालय
हस्ताक्षर (निरीक्षण)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बराबर कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणान्तरक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी संज्ञा

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संगेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
 (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
 (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
 (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देना।
 (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्रात्मिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विभागाध्यक्ष)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता
सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

- (11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।
- (11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।
- (11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित - अध्यक्ष
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक- सदस्य
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक- संयोजक
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- सदस्य
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक - सदस्य
- ♦ निदेशक शोध- सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

- (12.1) एम0फिल0 उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।
- (12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

20/05/20
कुलपति
विश्वविद्यालय
मुंबई

20/05/20
20/05/20

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविक्लिस्त सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यजनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

सुल 14/01/2020
उपराज्य मूल्य विभाग
राजधानी (केरल)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशसित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

मुल रजिस्ट्रार
उत्पादन मंत्रालय
नई दिल्ली

Amu

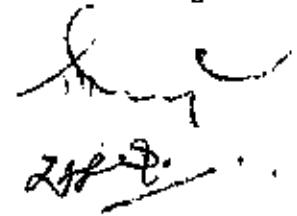
2/10/11

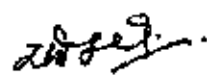
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय को एक अंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल संस्थान
उत्तराखण्ड प्रमुख विश्वविद्यालय
श्री गंगोत्री, देहरादून

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Management (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

Accordingly, the main objective of the Ph.D. Programme in Management is to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in management discipline. The Ph.D programme in Management aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The Programme Ph.D. in Management has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. The degree is designed for the learners who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Business Schools and other academic institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Management Studies/Business Administration from recognized institution/university (as per University's Norms). Those

Handwritten signature

Handwritten signature
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
बल्लभानी (देवीताल)

learners who wish to contribute through research in the field of management will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Business Management.

- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)] under regular mode.(not in Open and Distance Mode).

e. **Instructional Design:**

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Management Studies/Business Administration from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/Co urse Work Fees/Examinati on Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

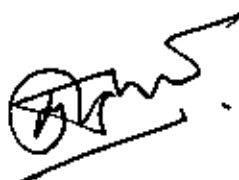
Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.

  3

- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Manjari

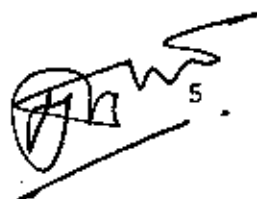
[Signature]

Manjari

ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

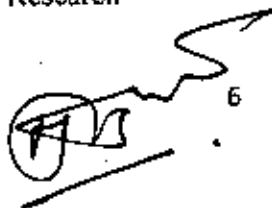
Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)


5.

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research

Manjari  6

- Symbolic Interactionism
- **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.

Maya 

- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review

Majai

8


- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems— handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Handwritten signature

Handwritten signature
9

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Management)

Unit-I

Fundamentals of Management- Latest Trends and Key Issues

- Managing Ethically
- Statistical Methods used in Management Research
- Personnel Competence and Capability Building Systems
- Decision Making in Management Science
- Econometrics
- Economic Development & Growth
- Stress Management

Unit-II

Foundations of research in various functional areas of Management

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research

Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Management)

- Latest trends in various functional areas of Management (Human Resource, Finance, Marketing, International Business, Manufacturing and IT)
- Major Thrust areas in Management Studies
- Note:: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

Manjari



10


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (मैत्रीकाल)

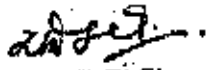
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अक्वारेण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पदवी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नैनीताल (विश्वविद्यालय)






(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

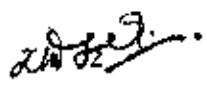
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून, के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय हैं जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैनाली)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शालाही (विशाल)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समय अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतवृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकषों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संविस्तरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकषों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को बदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

4
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, (विजयवाड़ा)

28/8/20

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दल्हा (हि.प्र.)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, वंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम्.फिल/पीएचडी शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]
उपराज्य मन्त्र
हस्ताक्षर (निर्देशिका)

[Signature]
[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेसात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेसात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

मुक्त सहायक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

7

20/07/20

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

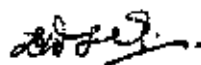
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्र कार्य:

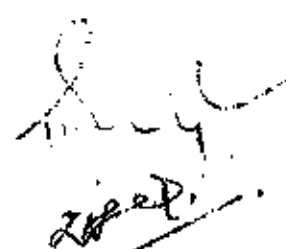
विश्वविद्यालय के परिनिर्णय/अध्यादेश में तथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मेलन उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारार्थक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारार्थक उपायों को किमान्यित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के निश्चित कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—







कुल
उपराज्य मुख्यालय
हरदोली (मिर्जापुर)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता
सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत् होगा-

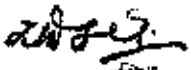
- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष
सदस्य
संयोजक
सदस्य
सदस्य
सदस्य

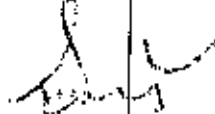
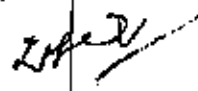
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 8.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिग्रीना पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक सलाहकार दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

सुभाष चंद्र
उपसंचालक, मुक्त विध्यालय
राजस्थान (विश्वविद्यालय)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त बढ़ति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

सुल रक्षित
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

4/11/20

2/11/20

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

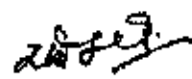
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


24/11/20




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Management (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

Accordingly, the main objective of the Ph.D. Programme in Management is to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in management discipline. The Ph.D programme in Management aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The Programme Ph.D. in Management has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. The degree is designed for the learners who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Business Schools and other academic institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

- c. Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Management Studies/Business Administration from recognized institution/university (as per University's Norms). Those

Handwritten signature

Handwritten signature
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
बल्लभानी (देवीताल)

learners who wish to contribute through research in the field of management will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Business Management.

- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)] under regular mode.(not in Open and Distance Mode).

e. **Instructional Design:**

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Management Studies/Business Administration from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/Co urse Work Fees/Examinati on Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

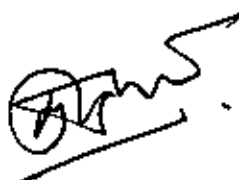
Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.

  3

- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Manjari

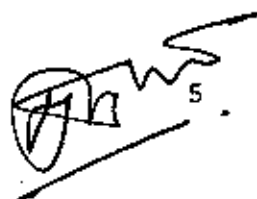
[Signature]

Manjari

ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

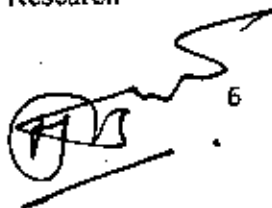
Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)


5.

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research

Manjari  6

- Symbolic Interactionism
- **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.

Maya 

- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review

Manjari

8


- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Handwritten signature

Handwritten signature
9

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Management)

Unit-I

Fundamentals of Management- Latest Trends and Key Issues

- Managing Ethically
- Statistical Methods used in Management Research
- Personnel Competence and Capability Building Systems
- Decision Making in Management Science
- Econometrics
- Economic Development & Growth
- Stress Management

Unit-II

Foundations of research in various functional areas of Management

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research

Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Management)

- Latest trends in various functional areas of Management (Human Resource, Finance, Marketing, International Business, Manufacturing and IT)
- Major Thrust areas in Management Studies
- Note:: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

Manjari


10


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मैनीसाल)

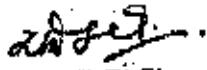
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अक्वारेण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पदवी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नगर, देहरादून






(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

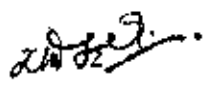
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून, के-अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय हैं जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मेरठ)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तार 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समय अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतवृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकषों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संविस्तरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकषों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को बदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

4
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, (विश्वविद्यालय)

28/8/20

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दल्हाउ (हि.वि.सं.)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, वंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम्.फिल/पीएचडी शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएचडी उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]
उपराज्य मन्त्र
हस्ताक्षर (निर्देशिका)

[Signature]
[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेसात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेसात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

मुक्त सहायक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

7

20/07/20

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

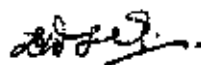
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्र कार्य:

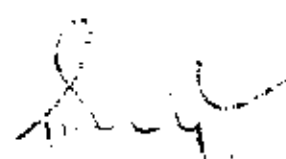
विश्वविद्यालय के परिनिर्णय/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मेलन उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारसमक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारसमक उपायों को किमान्यित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुल
उपराज्य मुख्यालय
हरद्वारी (निर्वाह)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक —
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों—

समन्वयकर्ता
सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे—

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत् होगा—

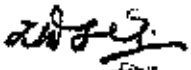
- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित —
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक—
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक—
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ—
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक —
- ♦ निदेशक शोध—

अध्यक्ष
सदस्य
संयोजक
सदस्य
सदस्य
सदस्य

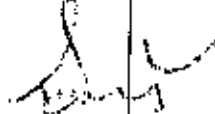
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 8.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान






- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिग्रीना पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक सलाहकार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

सुभाष चंद्र
उपसंचालक, मुक्त विध्यालय
राजस्थान (विश्वविद्यालय)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त बढ़ति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिक्टेड के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिक्टेड के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

20/07/20
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

4/8/20

20/07/20

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

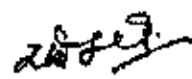
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


24/11/20




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश

Programme Project Report (PPR)

Ph.D. in Physics (Regular Mode)

The content of the programme project report are as:-

a. Programme Mission & objectives:- Uttarakhand state is a state of remote geographical area. A large number of student cannot attend the college due to geographical and financial problems. The mission of programme is to provide higher education including research degree to the society. Therefore, the main objective of the programme is to provide opportunity for science education to the aspirants and to enhance their skills to enhance employability or entrepreneurship.

b. Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals:- Science programme are again popular now a days. In the state like Uttarakhand, a large group of students are interested in science subject also. Thus programme of B.Sc. and M.Sc. (physics) and Ph.D. are useful for the students.

c. Nature of Prospective Target group of Learners:- The target group of learners are science post graduate of the Society, the teacher of the different Schools those want to enhance their education & workers of different corporate society those couldn't completed their education and want to get higher education.

d. Appropriateness of the Programme to be conducted in ODL mode to acquire still competence:-

The Ph.D. (physics) programme may be offered by the institute HEI as per the UGC guideline. A science student can use or apply science and technology very effectively. By using modern technology the students can get all the quality materials. A lot of study material and online lectures are available in the net. Many international scientific institutions are providing their lectures and other material to the society. Learners can avail this facility. The learners those fulfill all the programme requirements shall be highly trained and skilled through the year by counselling and special workshop. It seems they should be competence enough for further requirements.

e. Instructional Design:- The curriculum designed for Ph.D. Physics Programmes is as per the scientific requirements of subject at presents. As per the structure/curriculum the programme is in regular mode which includes entrance exam, course work seminars all other things as per latest regulation of UGC [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)]. The instructional design of Ph.D. Physics

programme includes technologies and encourage the student for using these tools of learning. Uttarakhand Open University (UOU) started B.Sc. and M.Sc. programmes in different subjects from year 2013. Physics Department of School of Sciences participates in the undergraduate core programme (B.Sc.) and runs M. Sc. programme in Physics. To get the nation and international recognition, research is one of the important components of Science education. Physics department is in process of rapid expansion and can offers Ph.D. programme also. In many area of research, laboratory is not essentially required. However, if required it can be managed by collaborating with other universities and national laboratories like K.U, G.B. Pant University, D.U., J.N.U., N.P.L., HNBGU, A.R.I.E.S., M.B.P.G. College etc.

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)]. Maximum duration of the programme is of six years.

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work

Phase II: Research Work

(The details are attached herewith as designed by BOS' Department of Physics/ Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University appended in ANNEXURE I.)

f. Procedure of Admission curriculum transaction and evolution:- The learners may apply in the course run by the University by getting themselves enrolled in the university main campus only. The criteria to be met by the student intending to take admission in Ph.D. physics courses run by the University's is as follows:

For Ph.D. :- Post Graduate Programme (M.Sc. Physics)

The entrance Examination shall be conducted in the various examination centers decided by the University. The end term examination shall be conducted at university. Further, the guest faculty may also be engaged for academic work like course work, examination etc. with the permission of Hon'ble Vice –Chancellor.

Handwritten signature
1/11/2017

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/ Course Work Fees/Examina tion Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Recourses: - The Ph.D. programmes have practical components also. Practical work is very important in science programmes. In general the science study centers have laboratory facility for M.Sc. and Ph.D. level. After completion of course material, students perform practical work at other institution or study centers. A comprehensive soft copy of the study material is provided to the learners through the online library in the University website and the learners can also avail the facility of the books available in the University Library.

h. Cost Estimate of the Programme and Provision:-

Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality Assurance Mechanism& Expected Programme outcome:-The research work done by student shall be published in the journal of international repute. The department always reviews the curriculum and modifies it time to time. Further, to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016]

W. Lal
K

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)



Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-



- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
 - Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
 - Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
 - Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
 - Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
 - Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
 - Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
 - Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced



Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems- handling different operating systems PC / Mac etc.



- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)



Ph.D. Programme Structure

Name of the Programme:	Doctor of Philosophy	Programme Code: PHDPH01 Total Credits: 75

Preface:

- The Ph.D. programme shall be offered at per latest University Grants Commission (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2016 and UGC Research Guidelines 2016.
- The syllabus for the entrance test for Ph.D. programme is according to syllabus prescribed by CSIR/NET.
- The required course work is designed for Ph.D. Physics programme is stated herewith.
- The course work is completed by available faculty in the department with the help of supported faculty at university main campus. The course work can also be completed with the collaboration of other institute like G.B. Pant University, ARIES, KU Mahabul, MBPG College (Kathmandu) etc.
- The course work in Ph.D. physics is to be according to requirements of Physics subject.
- The structure, courses and syllabus are based on the detail study of syllabus and course structure of different universities (including K.U., H.N.A.G.U., G.B.P.U.A. & T., Colorado U., D.U., B.H.U. and B.R.A.S.D.) and UGC guideline for Ph.D. programme in 2016 regulation.
- According to regime mode, the reference books are recommended for course work. No study material shall be provide for course work and research work.

Handwritten signature

Ph.D. Course Work Structure (See Annexure)
Total Of Courses (Electives), (Total Credit = 13: 12x10 = 120 Hours)
Ph.D. Thesis (Total Credit = 60)

S. No.	Course (Elective) category	Course Name	Credits
1	Core course (Physics)	General Physics	6
2	Elective course (Physics)	From the list	4
3	Basic Supporting Course (Physics, Mathematics and Computer Science)	Computational Physics	4
4	Research Methodology	Research Methodology and Scientific Presentation	4
5		Doctoral Seminar I	1
6		Doctoral Seminar II	1
7		Ph.D. Thesis	60
			Total Credits=75

Elective Courses

As per the research requirement and latest developments in Physics in different area of Physics, a number of elective courses are. A student can select any course according to his/her choice of research. This course will be highly beneficial for the further research in the field of his interest. Some more elective courses may also be introduced in future. In second and further year other semester the thesis credit shall be added. Doctoral Seminar II is to be completed before the submission of Thesis.

Course work

First Semester (Full time regular mode)

S.N.	Course Name	Course Code	3 rd Term	Ass. gr. exam	End term exam	Total	Credits
1.	General Physics	PHDPH01	10	20	70	100	04
2.	Elective course		10	20	70	100	04
3.	Computational Physics and numerical analysis	PHDPH02	10	20	70	100	04
4.	Research Methodology and Scientific Presentation	PHDPH03	10	20	70	100	04
5.	Doctoral Seminar I	PHDPH04				50	01
6.	Doctoral Seminar II	PHDPH05				50	01
Total							13

Handwritten signature

Elective Courses (at least one of the following)

S.N.	Course Name	Course Code	1 st Term	Ass. gr. exam	End term exam	Total	Credits
1.	Advanced Quantum Mechanics	PHDPH06	10	10	80	100	04
2.	Advanced Solid State Physics	PHDPH07	10	10	80	100	04
3.	Optoelectronics	PHDPH08	10	10	80	100	04
4.	Material Science	PHDPH09	10	10	80	100	04
5.	Nano Science and Technology	PHDPH10	10	10	80	100	04
6.	Laser Physics	PHDPH11	10	10	80	100	04
7.	Astrophysics	PHDPH12	10	10	80	100	04
8.	Plasma Physics	PHDPH13	10	10	80	100	04

Course Syllabus:

Course is General Physics
Course code PHDPH01

Credit: 4

Unit 1: Solid State Physics:

X-ray diffraction methods, Free electron theory in 3 dimensions, Fermi-Dirac distribution, Electrical conductivity and Ohm's law, Bloch in magnetic fields-Hall effect, origin of energy gap, Kronig-Penney model, effective masses of electrons and holes in semiconductors, intrinsic carrier concentration, mobility, intrinsic conductivity, thermal ionization of donor and acceptor, Extrinsic: P-n junction, P-n junction diode, PN junction, paramagnetism, quantum theory of ferromagnetism, Ferromagnetic resonance, Curie point and exchange interaction, spin waves-Ferromagnetic domain - conductivity and hysteresis/Ferromagnetism (reference) [single domain particles, blocking temperature - superparamagnetism (reference 2) (16 hours)]

Unit 2: Optical processes in semiconductors:

Electron-hole pair formation and recombination-radiative and non-radiative recombination-band to band recombination, Absorption in semiconductors, indirect intrinsic transitions-exciton absorption, donor-acceptor and impurity-band absorption, low energy absorption, Stokes shift in optical transitions of semiconductors, Near bandgap radiative transitions-Exciton recombination-Band to band recombination donor-acceptor and impurity band transitions, deep level transitions (reference 3)

Handwritten signature

Nonlinear optics-second order and third order non-linear phenomena, propagation of electromagnetic waves through nonlinear media, second harmonic generation, optical parametric oscillation and four wave mixing, Two-photon absorption, Stimulated Raman Scattering, Coherent anti-Stokes Raman scattering. (reference 4, 5, 6) (16 hours)

Unit 3: Nuclear Physics

Particle Physics: The quark model-Colored quarks and gluons
-Reaction and decays in the quark model-Charm beauty and top, quark dynamics, Grand unified theories (reference 7)

Astrophysics: Cosmology, redshift and the expansion of the universe, Matter density in the universe and the deceleration parameter, The perfect cosmological principle, Fundamental equations of cosmology, Some important models of the universe -The static model of universe

-The Lemaitre Universe-The Friedman model -The Steady state Universe -The Scale factor theory, Observational tests of cosmological models (reference 8) (16 hours)

Unit 4: Classical Mechanics:

Relativistic field theories-examples of relativistic field theories, Noether's Theorem (reference 9)

Statistical Mechanics:

-The Boltzmann Transport Equation -H Theorem (reference 10)

Unit 5: Quantum Theory:

-Schrödinger Equation-K-Q interpretation of negative energies (Sine Equation-conserved current-interpretation of negative energy (reference 11)

Unit 6: Electrodynamics:

-Structure of spacetime, space-time diagrams, relativistic Electrodynamics-Magnetism as a relativistic phenomenon, How the field transforms, electromagnetic field tensor (reference 12) (16 hours)

References:

Unit 1

- Introduction to Solid State Physics - Charles Kittel
- Magnetism in condensed matter (Oxford) - Stephen Blundell

Unit 2

- Semiconductor optoelectronic devices (2nd edition) - P. Bhattacharya
- Non-linear Optics - R. Blomberg
- Concepts of nonlinear optics - Q. P. Agrawal and R. R. Boyd
- Molecular Structure and Spectroscopy - C. Ananthran

Unit 3

- Introductory Nuclear Physics - Kenneth S. Krane
- An Introduction to Astrophysics - Rudolph Baer

Unit 4

- Classical Mechanics (2nd edition) - Herbert Goldstein
- Fundamentals of Statistical Mechanics - B. B. Levi
- Modern Quantum Mechanics (2nd edition) - J. J. Sakurai and J. Napolitano
- Introduction to Electrodynamics (3rd edition) - David J. Griffiths

Handwritten signature

Basic Supporting Course
Course 2: Computational Physics and numerical analysis
Course code: PEDPH702

Credit: 4

BLOCK 1: Fundamentals of computers

Unit-1: Computer fundamentals, hardware and software, different operating systems, application programmes.
 Unit-2: Some tips on PC configuration and handling of PC.
 Common Applications: Working in a Linux environment, basic Linux commands, writing scientific documents with LaTeX, graphics and visualization, gauging, introduction to other useful software tools e.g., mathematics etc.
 Unit-3: Computer programming: 101.

Unit-4: Programming languages: - FORTRAN, C (or C++)

BLOCK 2: Basic Numerical Methods

Unit-5: Numerical integration (trapezoidal and Simpson's methods), numerical differentiation, Diagonalization and inverse of symmetric and non-symmetric matrices.
 Unit-6: Eigenvalues and eigenvectors, Root finding (bisection and Newton-Raphson method);
 Unit-7: Interpolation techniques; Solution of ordinary differential equations (Euler and Runge-Kutta methods).

BLOCK 3: Statistics and treatment of experimental data

Unit-8: Data acquisition systems, error propagation, curve fitting, Least square method, Sampling and parameter estimation, the maximum likelihood method.
 Unit-9: Analysis of noise series and search for periodicity, FFT (Fast Fourier transformation) and power spectrum and any other topics used in physics researches.

BLOCK 4: Simulation and Monte Carlo Methods

Unit-10: Simulation of Random variables, discrete and continuous. Calculation of integrals.
 Unit-11: Monte Carlo evaluation of pi. Simulation of simple processes: coin tossing or dice throwing game. Examples and applications.

Reference Books:

1. Numerical methods for Scientific and Engineering Computations: J.N. Shroff, S.R.K. Iyengar and R.K. Jain, (Wiley Eastern Limited).
2. Fortran 77 and Numerical Methods: C. Xavier (New Age International Publishers).
3. Techniques for Nuclear and Particle Physics Experiments, A How to approach: W.B. Lee (Pearson Publishing House)
4. Numerical Recipes: W. Press et al., (Cambridge University Press).
5. Data reduction and error analysis for the Physical Sciences, 3rd Edition: R. Serway & D. Keith Robinson, McGraw Hill (2003).

Ward

Course 3: Research Methodology and Scientific presentation
Course code: PEDPH 703

Credit: 4

BLOCK 1:

Unit 1: Research Aptitude:

- Research: Identifying, characteristics and types;
- Steps of research;
- Research Ethics;
- Paper, article, workshop, seminar, conference and symposium;
- Thesis writing: its characteristics and stages;
- Unit 2: Data Interpretation
- Sources, acquisition and interpretation of data;
- Quantitative and qualitative data;
- Graphical representation and mapping of data.
- Unit 3: Information and Communication Technology (ICT)
- ICT: meaning, advantages, disadvantages and uses;
- General observations and terminology;
- Basics of Internet and e-mailing.

BLOCK 2

Unit 4: Literature survey of the previous works and search for articles in the library.
 Review of an article in the relevant field and preparation of a short report.

Unit 5: Scientific presentation:

One seminar paper: preparation in power point (which includes text, graphs, pictures, tables, references etc.)

(oral) in power-point (poster); development of communication skills in presentation of scientific seminars: eye-to-eye contact, facing to audience, questions and answers sessions etc.

Unit 6: Art of scientific writing:

Steps to better writing, flow method, organization of material and style, drawing figures, graphs, tables, footnotes, references etc. in a research paper.

Unit 7: Use of laptops in research work:

Use of internet networks in research activities in searching material, paper downloading, calculation of papers in arXiv, use of SPIDER database, relevant websites for journals and eXtreme.

Unit 8: Introduction to Patent laws etc.

Patent laws, process of patenting a research finding, Copyright, Cyber laws.

Elective Courses (at least one)

Course 1: Advanced Quantum Mechanics
Course code: PEDPH706

Credit: 4

BLOCK 1: Scattering Theory

Ward

Unit-1: The scattering problem, formulation, scattering amplitude, cross sections
 Unit-2: Partial wave analysis, optical theorem
 Unit-3: Phase shifts, scattering length and effective range, Low energy scattering
 Unit-4: Born approximation and its validity.

BLOCK 2: Perturbation Theory

Unit-5: Time dependent perturbation theory, Correlation and transition probabilities
 Unit-6: Transition probabilities, Fermi's Golden rule, Selection rules for dipole radiation
 Unit-7: Adiabatic approximation, sudden approximation
 Unit-8: Semi classical treatment of an atom with electromagnetic radiation.

BLOCK 3: Relativistic Quantum Mechanics

Unit-9: Klein-Gordon equation, Dirac equation
 Unit-10: Plane wave solutions, Interpretation of negative energy states
 Unit-11: Antiparticles, Spin of electron, Magnetic moment of an electron due to spin
 Unit-12: Energy values in a Coulomb potential

BLOCK 5: Quantization of Fields

Unit-13: Relativistic Lagrangian and Hamiltonian of a charged particle in an electromagnetic field.
 Unit-14: Second quantization of Klein-Gordon field
 Unit-15: Creation and annihilation operators, Commutation relations
 Unit-16: Quantization of electromagnetic field, Quantization of Schrödinger's field - Quantization of Dirac field.

Reference Books:

1. P.M. Mathews and K. Venkatesan, *A Text book of Quantum Mechanics*, Tata Mc Graw-Hill, New Delhi.
2. L.E. Schiff, *Quantum Mechanics*, McGraw-Hill
3. E. Merzbacher, *Quantum Mechanics*, John Wiley and Sons, New York.
4. S. N. Pandey, *Advanced Quantum Mechanics*, Ramnath Kodumuri Publications Delhi
5. V. Devanathan, *Quantum Mechanics*, Narosa Publishing House, New Delhi.
6. P.A. M. Dirac, *The Principles of Quantum Mechanics*, Oxford University Press, London.
7. D.K. Ghatak, *Quantum Mechanics and Field Theory*, Lakhana Publications, India.

Ward

Course 2: Optoelectronics
Course code: PEDPH705

Credit: 4

BLOCK 1: Essential and semiconducting materials

- Unit-1: Crystal growth and device processing
- Unit-2: Electronic properties of semiconductors
- Unit-3: Band structure, doping and carrier transport

BLOCK 2: Optical properties of semiconductor devices

- Unit-4: Interband and intraband transitions
- Unit-5: Charge injection and recombination in semiconductor devices
- Unit-6: Radiative effects and modulation of optical properties
- Unit-7: Semiconductor junction theory.

BLOCK 3: Optoelectronics

- Unit-8: Optoelectronic detectors
- Unit-9: Solar cells, Light emitting diode
- Unit-10: Laser diode: static and dynamic properties
- Unit-11: Optical modulators and Amplifiers
- Unit-12: Optical fibers

Reference Books:

1. S.M. Sze, *Semiconductor Devices - Physics and Technology*, Wiley, New York.
2. A. Singh, *Semiconductor Optoelectronics: Physics and Technology*, McGraw Hill.
3. P. Bhattacharya, *Semiconductor Optoelectronic Devices*, Pearson Education.
4. A. Singh, *Optoelectronics: An Introduction to Materials and Devices*, Tata McGraw Hill.

Course 3: Material Science
Course code: PEDPH707

Credit: 4

BLOCK-1: Overview of materials

- Unit-1: Crystalline and amorphous materials, glasses, semiconducting materials, compound semiconductors, solar energy materials, thermoelectric and optoelectronic materials.
- Unit-2: Polymer, liquid crystals, ceramics, classification according to bonding, Pauling and Phillips theories.
- Unit-3: Synthesis and preparation of materials, Single crystal growth, recrystallizing, doping techniques of elemental and compound semiconductors.
- Unit-4: Fabrication and control of thin films, PVD and CVD processes
- Unit-5: Principles of polymer processing, preparation of ceramic powders, mechanical and chemical methods

Ward

BLOCK 2: Characterisation of materials
 Unit -6: Defects and microstructures; Diffraction techniques: X-ray diffraction, structure determination from XRD data
 Unit -7: Thermal methods: DTA, TGA, DSC
 Unit -8: Microscopy: TEM, SEM
 Unit -9: Optical spectroscopy: UV and IR
 Unit -10: Nuclear techniques: NMR, GSR, M⁺ resonance and Polarisation modulation
 Unit -11: Heat treatments, annealing and working; Radiation damage

BLOCK 3: Polymer, Ceramics and Glass
 Unit -12: Polymer, Polymerisation mechanism, Polymer structures
 Unit -13: Deformation of polymers, Behavior of polymers
 Unit -14: Ceramics, Ceramic phases, Structures, glasses
 Unit -15: Effect of structure on the behaviour of ceramic phase, composites
 Unit -16: Glasses, Definitions, properties of glass transition, annealing states

Reference Books:
 1. G.K. Narula, K.S. Narula, and V.K. Gupta, Material Science, TMH, New Delhi.
 2. A.J. Dekker, Solid State Physics, McGraw-Hill.
 3. V. Ravikiran, Material Science and Engineering, Prentice Hall of India, New Delhi.
 4. M. Aramugam, Materials Science, 3rd Edition, Anuradha Publishers.

Course 6: Nanophysics
 Course code: PHDPH708

Credits: 4

BLOCK 1: Nanoparticles: Synthesis and Properties
 Unit -1: Introduction, Historical perspective of nanoparticles, Classification of nano materials
 Unit -2: Methods of Synthesis: RF Plasma Chemical Methods, Thermolysis, Pulsed Laser Methods
 Unit -3: Biological Methods, Synthesis using micro-organisms, Synthesis using Phase Transfer, Metal Nanoparticles, Magic Nanoparticles
 Unit -4: Modeling of Nanoparticles, Bulk to Nano Transitions
 Unit -5: Ball milling technique

BLOCK 2: Carbon Nanostructure

Unit -6: Nature of Carbon Clusters, Discovery of C₆₀, Structure of C₆₀ and its Crystal, Superconductivity in C₆₀
 Unit -7: Carbon Nanotubes: Synthesis, Structure, Electrical and Mechanical Properties
 Unit -8: Graphene: Discovery, Synthesis and Structural Characterisation through TEM
 Unit -9: Elementary Concept of its applications
 Unit -10: Quantum Wells, Wires and Dots, Preparation of Quantum Nanostructures, Size Effects

Kashish

BLOCK 3: Analysis Techniques for Nano Structures/ Particles

Unit -10: Different techniques for characterisation (XRD, TEM, SEM, AFM, SPAM)
 Unit -11: Diffraction Techniques, Spectroscopic Techniques, Magnetic Measurements

BLOCK 4: Bulk Nanostructure Materials

Unit -12: Methods of Synthesis, Solid Disorder Nanostructures, Mechanical Properties
 Unit -13: Nanostructure Modifiers, Metal Nanoclusters, Composite Glasses, Porous Silicon

Reference Books:

1. Introduction to Nanotechnology: Poon and Owens
 2. Quantum Dots: Jerek, Hawrylak and Wojcik
 3. Handbook of Nanomaterials and Nanotechnology (Ed. by S. Kulkarni)
 4. Nano Technology: Principles and Practices: S.K. Kulkarni
 5. Carbon Nanotubes: Elvies Florida
 6. Nanotechnology: Richard Braker and Earl Baynes

Course 5: Laser Physics
 Course code: PHDPH709

Credits: 4

BLOCK 1: Introduction to Laser

Unit -1: Semi classical theory, stimulated emission, life times and rate theory, Einstein Coefficients
 Unit -2: Gaussian beam and its properties, stable two mirror optical resonator, longitudinal and transverse mode of laser cavity, mode selection
 Unit -3: Laser rate equations, gain in regenerative laser cavity, gain saturation
 Unit -4: Threshold conditions, threshold of 3 and 4 level system, gain saturation
 Unit -5: Characteristics of different lasers, mode locking, pulse compression

BLOCK 2: Laser synthesis and Laser Applications

Unit -6: Different types of laser systems, Solid state lasers, He-Ne laser, Nd-YAG laser, excimer lasers, dye laser, semiconductor lasers
 Unit -7: Gas lasers, Maser, laser, Carbon dioxide laser, Dye laser, high power laser system
 Unit -8: Laser induced fluorescence, Raman spectroscopy and laser induced multi photon process and their application
 Unit -9: Ultra high resolution spectroscopy with laser and its application

Kashish

BLOCK 3: Non Linear Processes:

Unit -10: Propagation of Electromagnetic Waves in Nonlinear medium
 Unit -11: Self Focusing, Phase matching conditions, Pockel Lasers
 Unit -12: Stimulated Raman Scattering and Raman Lasers, CARS, Spontaneous and Two photon spectroscopy
 Unit -13: Cooling and Trapping of Atoms, Principles of Doppler and Radiation Cooling

Reference Books:

1. W. Demtröder, Laser Spectroscopy and Instrumentation
 2. G. Szeles, Principles of Lasers
 3. P.M. Choudhary, Laser Cooling and Trapping
 4. S.P. Sengupta, Frontiers in Atomic, Molecular and Optical Physics

Course 6: Astrophysics
 Course code: PHDPH710

Credits: 4

BLOCK 1: Basic Background and Instrumentation

Unit -1: Elementary radiative transfer equations, absorption and emission
 Unit -2: Atomic processes, continuum and line emission
 Unit -3: Optical and radio telescopes
 Unit -4: Fourier transform methods, detectors and image processing
 Unit -5: Distance measurements in astronomy, Hubble law
 Unit -6: Modern observational techniques (radioactive decay)

BLOCK 2: Spectral Classification of Stars

Unit -7: Salzer equation, Hertzsprung system, luminosity effect
 Unit -8: Absolute and apparent luminosity
 Unit -9: Mass luminosity relation, spectroscopic parallax

BLOCK 3: Evolution of Stars

Unit -10: Gravitational fields, protostars, disks, bipolar outflows, Hydrostatic equilibrium
 Unit -11: Sources of stellar energy: gravitational collapse, fusion reactions (p-p chain, CNO cycle, triple α reaction)
 Unit -12: Formation of heavy elements
 Unit -13: Hertzsprung-Russell diagram, evolution of low mass and high mass stars
 Unit -14: Chandrasekhar limit, Pulsars, neutron stars, and black holes

BLOCK 4: Binary of Stars and basic Cosmology

Unit -15: Different types of binary stars, Different types of binary stars
 Unit -16: Astronomy: Gravitational radiation

Kashish

Unit -17: Schwarzschild geometry and black holes

Unit -18: FRW geometry and the expanding universe, Friedmann equations, Einstein equations
 Unit -19: Hubble's observation and expanding universe: Cosmological redshift
 Unit -20: Red shift and expansion; Big bang theory; Construction of the universe; Dark matter and dark energy (as a current cosmological concept)

Reference Books:

1. Balram Singh, An Introduction to Astrophysics
 2. K.D. Abhyankar, Astrophysics, Oxford and New
 3. Misra, Astrophysics

Course 7: Plasma Physics
 Course code: PHDPH711

Credits: 4

BLOCK 1: Introduction to Plasma

Unit -1: Elementary concepts, derivation of Maxwell
 Unit -2: Boltzmann equation, plasma oscillations
 Unit -3: Debye Shielding, plasma parameter
 Unit -4: Magnetic plasma, plasma confinement

BLOCK 2: Magnetohydrodynamics

Unit -5: Hydrodynamical description of plasma, fundamental equations
 Unit -6: Hydromagnetic waves, magnetic confinement and Alfvén waves
 Unit -7: Wave phenomena in magnetic plasma, polarization
 Unit -8: Phase velocity, group velocity, cutoffs
 Unit -9: Resonance for electromagnetic wave propagating parallel and perpendicular to the magnetic field

BLOCK 3: Plasma propagation and fluid plasma

Unit -10: propagation at finite angle and CMA diagram
 Unit -11: propagation through ionosphere and magnetoionic theory
 Unit -12: Fluid rotation, fluid equation for a plasma, Curvature of plasma
 Unit -13: Momentum balance equation, equation of state
 Unit -14: Two fluid equations, plasma resistivity

Reference Books:

Blumenthal, Plasma Physics
 Chou, Plasma Physics
 Robert J. Goldston

Kashish

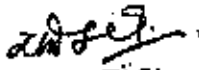
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी—
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
ह.क.नं. (विशेषज्ञ)






(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

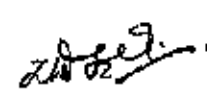
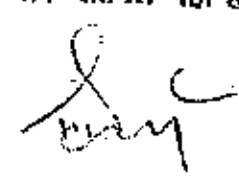
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम.फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम.फिल. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थिति अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियस्यती अंक शामिल नहीं हैं।




कुल पति
उपराज्य मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैसूर)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम०फिल० पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम०फिल० उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में विनिर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम०फिल० उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम०फिल० पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम०फिल० में एक वर्ष की तथा पीएचडी के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल संविद
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशेष)

Amour

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का संतुल्य अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

8. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अध्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्डों को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सांविधिक, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मद्देनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

4
मुख्य
उपराज्य मुख्यालय
इलाहाबाद

28/8/20

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अन्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिकृत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अन्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0किल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अन्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अन्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

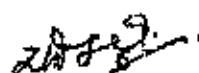
- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता आन्दोलन, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम्.फिल./पीएच.डी. शोधार्थियों की संख्या अर्हति।

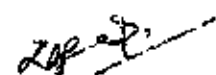
- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच.डी. उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर अग्रस में सहमति बनेगी।





उपराज्य प्रमुख शिक्षक
हरद्वार (मिनिस्ट्री)





- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

7

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 दिवस के भीतर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

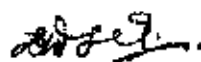
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

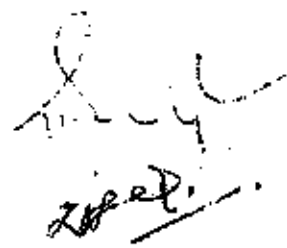
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपकारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपकारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (निर्वाहक)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुसंज्ञा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0 उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएँ 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

[Handwritten signature]
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीनगर

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेशर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक जिसमें वह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआली (नैनीताल)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संयोजन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशसित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

Amu

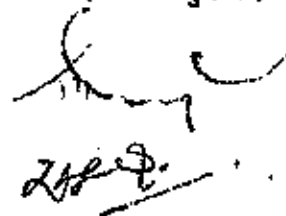
11

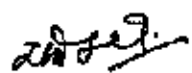
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड राज्य विश्वविद्यालय
हरद्वार, देहरादून

**Programme Project Report (PPR), Department of Political Science,
Ph.D. Political Science (Regular mode)**

- (a) **Programme's mission & objective :** The mission & objectives of the programme Ph.D. in Political Science are as follow-
Ph.D. programs of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honour international commitments through high quality research in various disciplines. The Ph.D programme in Political Science aims to provide scientific understanding of research to the researchers.
The Ph.D program admits a small core of research oriented students each year. Before undertaking the dissertation work, coursework is necessary as it provides an evidence of ability to conduct research.
- (b) **Relevance of the programme with HEI's Mission and Goals:** The Programme Ph.D. in Political Science has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. The degree is designed for the learners who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Social Sectors and other academic institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering social & economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.
- (c) **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Political Science from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of Political Science will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Political Science.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: :** As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode(not in Open and Distance Mode).
- (e) **Instructional Design:**
Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).
The programme will be divided in two phases:

579 134

1


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत (विनीता)

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

(f) Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Political Science from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Examination Fee	शोध प्रबंध मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

(g) Requirement of laboratory support and Library Resources: Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

(h) Cost estimate of the programme and the provision: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

(i) Quality assurance mechanism and expected programme outcome:

- a. The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Expected Programme outcomes:

579 134 8

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Sr. B. L. S.

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation - 50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Signature

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthūpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of

Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.

- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

574 134 8/5

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems- handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Political Science)

- Meaning of research; objectives of research; basic steps of research; criteria of good research; types of research.
- Meaning of research problem; selection of research problem
- Review of related literature -Meaning, necessity and sources.

5741348

- Hypothesis- Meaning, function and types of hypothesis; Null/Alternative hypothesis
- Variables-Meaning and types.
- Research design: Types of research design- exploratory, descriptive, diagnostic and experimental.
- Sampling- Meaning and types of sampling; Probability and Non- Probability
- Tools and techniques of data collection - questionnaire, schedule, interview, observation, case study, survey etc.
- Statistics and its significance in research
- Research reports: Writing preliminaries, main body of research, references and bibliography; Meaning and importance of workshop, seminar, conference, symposium etc. in research.
- Introduction to computer and its application in Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Using word processing software -- MS Word
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- SPSS

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Latest trends in various functional areas of Political Science (Political Theory, International Relations, Indian Political System, Comparative politics and Various aspects of Indian thought)
- Major Thrust areas in Political Science

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

579 132 8-1

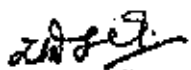
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

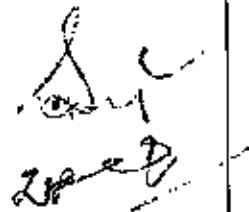
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी—
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नवशान, (देहरादून)





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित खोजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम्पाइल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम्पाइल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होगी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसी किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उपराज्य मुख्यालय
इलाहाबाद (मिर्जापुर)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक् रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (वि०)

Answer

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समय अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिष्ट देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लग्न के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

4
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भुवनेश्वर (भारत)

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जावेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

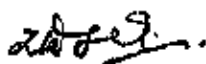
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

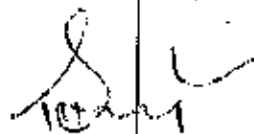
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल पंडित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत (पंजीकृत)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वर्तते कि उन क्षेत्रों/विभागों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान विन्सी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

Handwritten signature

Handwritten signature

उत्तराखण्ड प्रमुख विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (विश्वविद्यालय)

Handwritten signature

Handwritten signature

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन दिनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्ती, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (विभागाध्यक्ष)

4/11/20

20/11/20

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संकेतिक कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा निर्दिष्ट पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किन्ती एम्0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

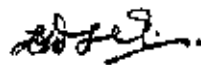
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रवर्ग्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अव्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम्0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

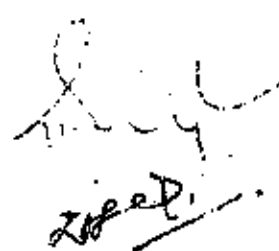
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारसूचक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारसूचक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—





उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभानी (नैनीताल)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।

[Handwritten signature]
कुल सचिव
उत्तरांचल विश्वविद्यालय
देहरादून

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
[Handwritten signature]

- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यचनबद्धता प्रज्ञा की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल 18/11
उत्तमगढ़ मुख्यालय
राजस्थान (भारत)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बसंत मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्तल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0 /पीएच0डी0 उपाधि की प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0 /पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

सहायक कुलपति
उत्पादन एवं प्रकाशन

Amu

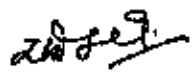
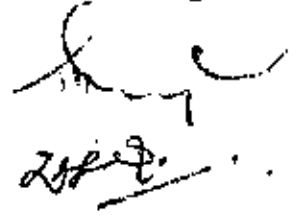
20/11/19

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Psychology (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research Programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

b. Relevance of the program with HEIs Mission and Goals: One of the missions of Higher education Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in Psychology (M.Sc/M.A. Psychology) from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of Psychology will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under Regular Mode (not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the M.Sc./ M.A. (Psychology) from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/Co urse Work Fees/Examinati on Fee	शोध प्रबंध मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is required for the concerned programme. It will provide in regional centre of university. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Satish

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation
Uttarakhand Open University
Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivistic and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.

Gate

• **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**

- Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research, Orientational Research;

• **Quantitative Research:**

- Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
- Non Experimental Research/Descriptive Study
- Assessment Research
- Evaluation Research
- Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study

• **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**

- Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
- Philosophical Research
- Case Study
- Grounded Theory
- Phenomenological Research
- Ethnographical Research
- Ethno-methodological Research
- Symbolic Interactionism

• **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**

- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.

Signature

- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), NonProbability/Non Random (Incidental, Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Sub

Module III: Research Writing and Technological Inputs

In Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnotes
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technology in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems- handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher

- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Psychology)

- Nature of Psychological Research
- Scopes /concerns/ priorities of Psychological Research
- Types of Studies in Psychological Research (Qualitative-Descriptive, Historical, Philosophical; Quantitative-Experimental (Experimental Design, Ways of Controlling Extraneous Variables), Quasi Experimental, Causal comparative, Correlational Research)
- Research Paradigm: Quantitative Research and Qualitative Research
- Methods of the Psychological Research
- Philosophical Research, Historical Research, Descriptive Research, Experimental Research, Causal-comparative Research (Ex-post Facto Research), Correlation Research, and Action Research
- Limitations of Psychological Research
- Ethical issues and principal in psychological research

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research

Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Psychology)

Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research

- **Applications of psychology: Unit-1 Guidance and Counseling:** Concepts, areas and Techniques of guidance- Group guidance, Role playing, Career counseling, Case study and Interview. Counseling- Nature, Goals and principles of counseling, Role and functions of counselors and their professional training. Approaches to counseling-Directive, Non Directive, Behaviouristic, Gestalt and humanistic. Areas of counseling- Educational, vocational, personal, occupational guidance programme.
Unit-2 Cognitive Psychology: Learning and Memory, Attention and Perceptual Processes, Emotion and Motivation Thinking and Problem Solving, Personality and intelligence.
- Unit-3 Clinical Psychology:** Concepts and classifications of abnormality. Causes of abnormality. Psychopathology: Anxiety Disorder, Schizophrenia, Cognitive Disorders, Personality Disorders. Psychotherapeutic methods- Psychoanalytic, Behaviour Therapy, Group Therapy and Client Centered Therapy. Mental Health and hygiene.
- Unit-4 Developmental Psychology:** Issues and theories of human Developmental, Development during Early, late Childhood and Adolescence. Developmental disabilities,

Scd

Emerging issues on child development in the Indian context, Child abuse, Media impact, Parenting practices in diverse family context, Disorders of Infancy, childhood and adolescence Adjustment during Middle age and Old age.

Unit-5 Social Psychology and Industrial Psychology: Nature and theories of social psychology. Methods of social psychology. Attitude- Nature and development. Measurement and theories of attitude change. Prejudice and Stereotypes, Interpersonal attraction. Group processes- Group formation, group effectiveness and group dynamics Types and theories of leadership. Prosocial behavior, Social Problems, Industrial Psychology: Industrial Morale and Performance Appraisal, Motivation and Job Satisfaction, Monotony Boredom and Industrial Accidents.

Unit-6 Health Psychology: Meaning, Nature and Scope of Health psychology, Types and Theories, Pain, Stress management, Causes and Prevention of Cardiovascular Disease, Cancer and HIV/AIDS, Money and Happiness and Well-being, Optimism, Empathy, Gratitude and Forgiveness.

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

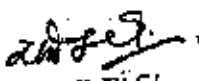
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 25(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

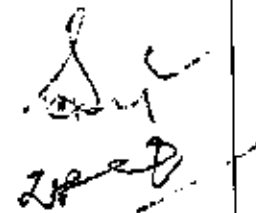
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुमोदन के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
- (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
- (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
- (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
- (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
- (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
- (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
- (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुलपति
उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून, विनियम





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) सम्बन्धित विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

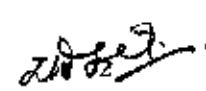
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थित अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समव-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहाँ बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुभेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (विनीतावा)

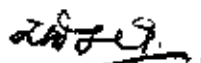
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लामान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (उ.प्र.)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (6.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थानगत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को बदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Signature]

कुलपति
उपकुलपति
प्रधान (शैक्षणिक)

[Signature]
[Signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत् गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

- (एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।
- (दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुव्यवस्थापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।
- (तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0किल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

- (7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।
- (7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-
 - (एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।
 - (दो) असंतोषजनक प्रगति।
 - (तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।
 - (चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसमिशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।
- (7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुल संकेत
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (मेरिठ)

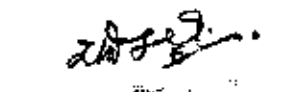
- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

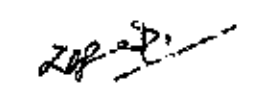
8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बहरों कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।




उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (मिर्जापुर)

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्धत्र चले जाने पर, शोध आँकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहाँ शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, संख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहाँ शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अर्थार्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

7

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
नैनीताल (विभागाध्यक्ष)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अव्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मेलन उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

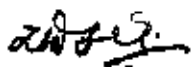
शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित - अध्यक्ष
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक- सदस्य
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक- संयोजक
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- सदस्य
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक - सदस्य
- ♦ निदेशक शोध- सदस्य

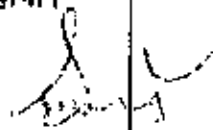
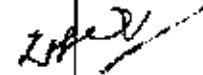
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0 उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित कराएगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविक्सित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक धोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यथनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुमानन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक धोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अर्वाह करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

20/05/2020
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (देहरादून)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

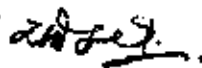
14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात् इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिरक्षित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्पत्ति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (डिस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।



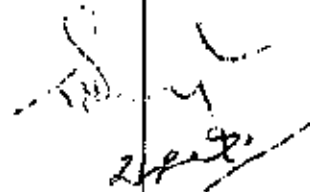
व्युक्त अधिकारी

उत्तमप्रकाश मुखर्जी

हस्ताक्षर

11





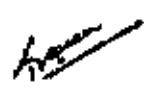
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

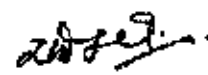
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


24/11/21




कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीवास्तव, देहरादून

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D in Sanskrit (Regular Mode)**

A- पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

संस्कृत विषय में शोध का उद्देश्य छात्रों के भीतर उच्च ज्ञानात्मक संवेदना का विकास करना है, जिससे वे संवेदित रूप में समाज की गति में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

B- कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं लक्ष्य -

संस्कृत केवल विषय नहीं अपितु, सर्वभाषा की जननी है। इस प्रकार संस्कृत के विकास का अर्थ है – सभी भाषाओं का विकास। इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्कृत भाषा एवं शोध, पर्यवेक्षण और संवेदना का विकास हो सकेगा, सांस्कृतिक रूप से इतिहास की क्षतिपूर्ति हो सकेगी तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच रागात्मक एवं ज्ञानात्मक संवेदना का विकास हो सकेगा।

C- शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति - संस्कृत विषय एम.ए. कक्षा उत्तीर्ण कोई भी छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। साथ ही संस्कृत विषय से जुड़े वे छात्र जो उच्च स्तर पर भारतीय मूल विषयों में भूमि तलाशना चाहते हैं, उनके लिए यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। ऐसे छात्र जो संस्कृत विषय में नवीनता एवं तथ्यपरकता विकसित करना चाहते हैं, यह पाठ्यक्रम उनके लिए उपयोगी है।

D - मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य -

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालित इस पाठ्यक्रम का औचित्य या तात्पर्य मात्र इतना है कि शिक्षार्थी अपने शोध काल के उत्तरार्द्ध काल में विश्वविद्यालय की अनिवार्य उपस्थिति से मुक्त हो सकेगा, अन्यथा कोर्स वर्क की बाध्यता पारम्परिक शिक्षण संस्था जैसे ही है। शोध निर्देशक के साथ शोधार्थी के संवाद, विषय पर परिचर्चा, कोर्स वर्क के माध्यम से शोध प्राविधि का अध्ययन UGC के निर्देश के क्रम में ही है। अतः मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण पद्धति के बावजूद यह पाठ्यक्रम पारंपरिक शिक्षण में शोध की पद्धति का सम्पूर्ण रूप से अनुपालन सुनिश्चित कर रहा है।

E- निर्देशात्मक रुपरेखा -

पाठ्यक्रम की अवधि - अधिकतम 03 तीन वर्ष, कोर्स वर्क - एक 01, अध्याय दो 02 सेमेस्टर
प्रस्तावित - 6 महीने का कोर्स वर्क द्वितीय चरण - शोध कार्य

F- प्रवेश एवं मूल्यांकन संरचना -

- 1- जो छात्र संस्कृत विषय से एम. ए. अथवा किसी भी संस्कृत पारम्परिक विषयों में आचार्य उत्तीर्ण कर चुके हैं।
- 2- पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं।

उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
दिल्ली (हिन्दी ताल)

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम Program Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

G - शोध कार्यशाला की आवश्यकता -

सामान्यतः संस्कृत साहित्य में कार्यशाला की आवश्यकता नहीं है।

H- पाठ्यक्रम / कार्यक्रम का अनुमानित व्यय -

यह पाठ्यक्रम यूजीसी के नि संचालित होगा। अतः विशेषज्ञ समिति, DRC, RDC एवं शोध के मूल्यांकन आदि के लिए प्रति शोधार्थी 100000/ का खर्च अनुमानित होगा।

I- पाठ्यक्रम की गुणवत्ता प्रणाली एवं परिणाम -

- इस पाठ्यक्रम से छात्र संस्कृत के उच्च सोपानों को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम से छात्र संवेदना एवं ज्ञान के गहन रूप से परिचित हो सकेंगे।
- शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षों से अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगे।
- संस्कृत के विभिन्न अनुशासनों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

ANNEXURE- I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100(Project Evaluation - 50)Presentation and Viva – 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)



Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research



- Symbolic Interactionism
- **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*Śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module-II: Tools and teaching for datya collection

03 Credits: 90 Hrs

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)



- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

संस्कृत Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Sanskrit)

- 1- संस्कृत वाङ्मय में दार्शनिक पक्षों का विहंगावलोकन
- 2- वैदिक एवं लौकिक साहित्य के सन्धि काल पर विराजमान ग्रन्थों में इतिहास दर्शन
- 3- पौराणिक एवं महाकाव्यकालिक सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक परिवेशों का अनुशीलन
- 4- संस्कृत नाटकों में मानव एवं प्रकृति के सम्बन्धों का मूल्यांकन
- 5- रस सिद्ध कवियों की परम्परा में दार्शनिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन
- 6- वेदान्त दर्शन का महाकाव्य काल से तुलनात्मक अवलोकन
- 7- संस्कृत काव्यशास्त्र की परम्परा में भरतमुनि से लेकर पंडित राज जगन्नाथ तक के मन्तव्यों का सिंहावलोकन
- 8- आधुनिक संस्कृत साहित्य में संस्कृत की नवीन विधाओं का दर्शन



9- आधुनिक संस्कृत काव्य एवं उपन्यासों का इतिहास ज्ञान करते हुए कथा साहित्य पर विमर्श

10-जल समस्या

11. स्त्री विमर्श

12. पदार्थ निर्माण विधियाँ

13. अभय विमर्श

**Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific
Research Approaches
(03 Credits: 90 Hrs.)
(Sanskrit)**

- संस्कृत में शोध के उभरती प्रवृत्तियाँ
- संस्कृत में शोध के प्रमुख क्षेत्र

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

**Module VI: Formulating a Research Proposal
(03 Credits: 90 Hrs.)**


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (नैनीताल)

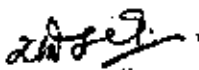
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्यादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पद
उपकुल पद विश्वविद्यालय
न.स.वि. (विश्वविद्यालय)






(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

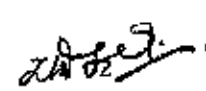
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय हैं जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (बैतुलगाँव)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

[Signature]

[Signature]

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अध्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 तपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को उपलब्ध, वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

4
कुल संस्थापक
उपकुल संस्थापक
हस्ताक्षर (निर्देशिका)

हस्ताक्षर
हस्ताक्षर

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विभिन्न गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अक्षरणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

- (एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।
- (दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।
- (तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के तीन मास के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

- (एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।
- (दो) असंतोषजनक प्रगति।
- (तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।
- (चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुल पद
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (मैत्रीक)

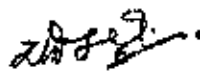
- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/डीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
यद्यपि कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी व्ययित्त शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संयुक्त विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।




उत्तराखण्ड प्रत्यक्ष शिक्षा
कक्षा (मिनिस्टर)




- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्वयन चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहाँ शोधार्थी पुनः जाना जावे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 18 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेष्टात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेष्टात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेंगे। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

20/11/21
मुक्त सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (सिर्गढवा)

400

20/11/21

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एमफिल/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह कार्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रवर्ग:

विश्वविद्यालय के परिनिष्पन्न/अध्यादेश में तथा परिभाषित, प्रत्येक एमफिल और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

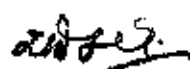
सदस्य

सदस्य

12. उपाधि आदि अगार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 8.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
देहरादून


प्रमुख विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक धोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगावेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक घनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक धोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

Amr

कुल शिक्षा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विभागाध्यक्ष)

Amr

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपना घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिरक्षित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समुत्पत्ति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

मुक्त सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (उ.प्र.)

[Signature]

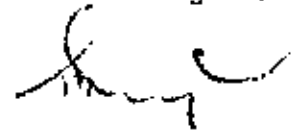
[Signature]

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

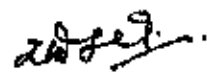
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


24/11/20




कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
हरद्वार, देहरादून

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Social Work (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objectives of research programme are to prepare a competent researcher who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

b. Relevance of the program with HELs Mission and Goals: One of the missions of Higher Social Work Institution is to contribute towards research and academic development, therefore, the department has proposed to initiate Ph.D. Programme in the subject. Ph.D. programme of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in various disciplines. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a master degree in Social Work (M.S.W. / M.A. Social Work) from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of Social Work will be the target group of learners. Further, working professionals in Govt. Organisations and Community Based Organisations or other Institutions may also comprise of the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under **Regular** mode (not in Open and Distance Mode).

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the M.Ed./ M.A. (Social Work) from a recognized institution
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Naveen Singh

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

Neeraj Singh

ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Surph

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hr.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

Navya Singh

Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdī*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.

Navya Singh

- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge social work
- Open Social Work Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research

Naveg Singh

- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Social Work)

- Nature of Social Work Research
- Scopes /concerns/ priorities of Social Work Research
- Types of Studies in Social Work Research (Qualitative-Descriptive, Historical, Philosophical; Quantitative-Experimental (Experimental Designs, Ways of Controlling Extraneous Variables), Quasi Experimental, Causal comparative, Co relational Research)
- Research Paradigm: Quantitative Research and Qualitative Research
- Methods of the Social Work Research
- Philosophical Research, Historical Research, Descriptive Research, Experimental Research, Causal-comparative Research (Ex-post Facto Research), Correlation Research, and Action Research
- Limitations of Social Work Research

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Social Work)

- Emerging Trends in Social Work Research
- Major Thrust areas in Social Work Research

Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Navegi Singh

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

N. Singh

Prof.

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (दिल्ली)

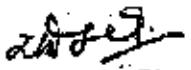
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2018)

1. प्रारम्भिक

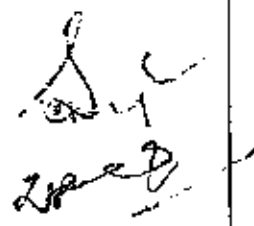
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो/पीएचडी) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2018 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो)/पीएचडी उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2018 के उपबन्धों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल संघ
उपराज्य मुख्यालय
राज्य (विश्वविद्यालय)





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।

(2.3.3) सम्स्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

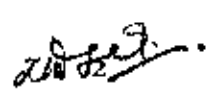
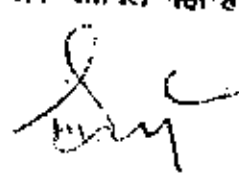
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकस्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्धारित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर स्नातक श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय है जिसमें रियम्यती अंक शामिल नहीं हैं।




कुल अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वारी (विभागाध्यक्ष)

4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों से विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं :

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर डी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो/गैर लाभान्वित श्रेणी (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्णमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की

कुल खतिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशेष)

- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एमओफिलो/पीएचडी की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (6.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिलो/ पीएचडी विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमओफिलो/पीएचडी) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एमओफिलो और/अथवा पीएचडी पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एमओफिलो और /अथवा पीएचडी शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार आवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहाँ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मद्देनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Signature]

कुल संकाय
उपकुल संकाय
हस्ताक्षर (विश्वविद्यालय)

[Signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0किल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

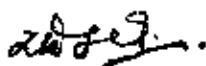
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

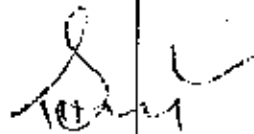
(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिस्टेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहस्यक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- यद्यपि कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छुट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संवेक्षित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

Handwritten signature

Handwritten signature

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (मिनाम)

Handwritten signature

Handwritten signature

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अणधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 18 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिमाणात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

मुक्त सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हनुमान (विश्वविद्यालय)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा तबकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिष्पन्न/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

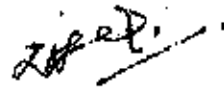
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मैसूरगढ़)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

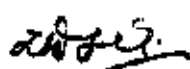
सदस्य

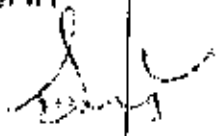
सदस्य

12. उपाधि आवेदन अर्ज करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानवण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0 उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय


प्रमुख विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेशर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिष्टा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौखिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

Amur

कुल पंजी
उपराज्य मुख्यालय
हरदो (मिर्जापुर)

10/10/10

20/10/10

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस सेजेंगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

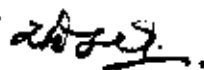
14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिसूचित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0 /पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0 /पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।



मुख्य सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (उ.प्र.)



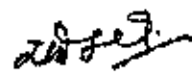
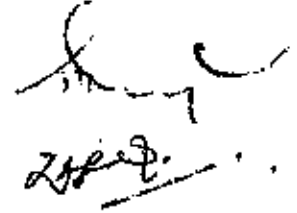


(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय के एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जाएगी।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
श्रीवास्तव, देहरादून

**Programme Project Report (PPR), Department of Sociology,
Ph.D. (Sociology) Regular Mode**

- (a) **Programme's mission & objective :** The mission & objectives of the programme Ph.D. in Sociology are as follow-
Ph.D. programs of Uttarakhand Open University are designed to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honour international commitments through high quality research in various disciplines. The Ph.D programme in Sociology aims to provide scientific understanding of research to the researchers.
The Ph.D program admits a small core of research oriented students each year. Before undertaking the dissertation work, coursework is necessary as it provides an evidence of ability to conduct research.
- (b) **Relevance of the programme with HEI's Mission and Goals:** The Programme Ph.D. in Sociology has all the relevance with the mission and goals of Uttarakhand Open University. The degree is designed for the learners who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Social Sectors and other academic institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering social & economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty member working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.
- (c) **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Sociology from recognized institution/university. Those learners who wish to contribute through research in the field of sociology will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Sociology.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** : As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode(not in Open and Distance Mode).
- (e) **Instructional Design:**
Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).
The programme will be divided in two phases:
Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)
Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)
- (f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:**
Eligibility for admission
1. Students who have passed the Master's degree in Sociology from a recognized institution/university.



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (दिल्ली)

2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

- (g) **Requirement of laboratory support and Library Resources:** Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provision:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

(i) Quality assurance mechanism and expected programme outcome:

- a. The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.



Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research**(03 Credits: 90 Hrs.)**

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.

- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
- **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
- **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
- **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhī*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhī*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs: Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience,

- Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Biot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing

- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems- handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Sociology)

Paper-I Social Research

Course outline

- ☐ Social Research & Social Survey- Meaning, Nature & Type
- ☐ Problems of Objectivity in Sociological Research
- ☐ Planning of Social Survey
- ☐ Essential Qualities of Social Investigator
- ☐ Basis of Enquiry- Logical, Historical & Scientific Methods
- ☐ Fact, Theory & Concept
- ☐ Hypothesis
- ☐ Research Design
- ☐ Sources of Data- Primary & Secondary Sources
- ☐ Techniques of Data Collection
 - a. Observation
 - b. Interview
 - c. Schedule
 - d. Questionnaire
 - e. Case Study
- ☐ Sampling-Meaning, Types & Problems
- ☐ Scaling techniques
- ☐ Projective Technique
- ☐ Content Analysis
- ☐ PRA
- ☐ Classification & Tabulation of Data

- ☐ Analysis & Interpretation of Data
- ☐ Preparing of Report
- ☐ Diagrammatic & Graphic Presentation of Data

Paper-II

Modernity, Post-modernity, Neo-sociological Theories &

Subaltern Discourse

- ☐ What is Modernity
- ☐ Modernization & Traditional Indian Society
- ☐ Post modernity & Social Pluralism
- ☐ Postmodern Social Theory

Postmodern Social Thinker

- ☐ Michel Foucault
- ☐ Jacques Derrida

New Sociological Theories

- ☐ Globalization
- ☐ From Structuralism to Post-structuralism
- ☐ The Structuration Theory-Anthony Giddens
- ☐ Neo-Marxist Theories: Habermas & Althuser

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Sociology)

The following will be the optional specializations. Every student shall select any one of the following papers:

Paper III Option A- Rural Sociology

- ☐ Rural Sociology: An introduction
- ☐ Indian Rural & Urban Community
- ☐ Little Community, Peasant Society & Folk Culture
- ☐ Caste System & Caste Panchayat
- ☐ Inter Caste Relations & Jajmani System
- ☐ Dominant Caste & Rural Factions
- ☐ Rural Religion
- ☐ Rural Power Structure & Leadership
- ☐ Social Change in Village India
- ☐ Barriers to Social Change

Paper III Option- B- Urban Sociology

- ☐ Urban Sociology- Meaning
- ☐ Urban Sociology in India-Emerging trend in Urbanisation, Factors of Urbanisation, social Consequences of Urbanisation
- ☐ Classification of Urban Centres-cities & towns

- ! Issues of Urbanization- Problems of Housing, Slums, Urban Poverty, Urban Violence
- !! Issues of Urban Environment- Urban Transport, Water Crisis, Noise & Air Pollution, Electricity Crisis & Industry

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

One

Paper III Option C- Sociology of Family, Kinship & Marriage

- ☐ Kinship
- ☐ Marriage
- ☐ Family
- ☐ The Indian Context-Kinship Studies in India: Specific studies by Dumont, Irawati Karve & T. N. Madan. Forms of marriage among different communities in India, Joint-Nuclear family debate,

(५) उपराष्ट्रपति का विद्यालय
सहानी (नेनीताल)

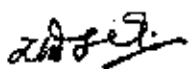
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2018)

1. प्रारम्भिक

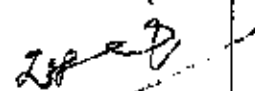
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुमोदन के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी—
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
न.स.स. (विश्वविद्यालय)



(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित सेजन्स बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

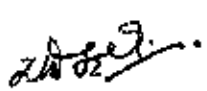
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम.फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम.फिल. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संवैधानिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसी किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थपित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नॉन-क्रेमि लेयर) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अथवा 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुपेक्षित हैं जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।


कुल पदित
उपराज्य मुख्यालय
हस्ताक्षर (निर्देशक)

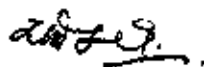
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र है:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर भी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

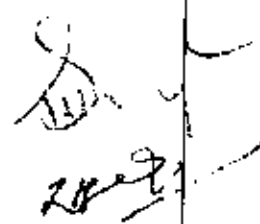
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विशेष)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समय अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सप्लाय, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अभिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विभिन्न विषय के

कुल सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
राज्य सरकार

सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
राज्य सरकार

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

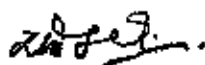
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसटेंशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

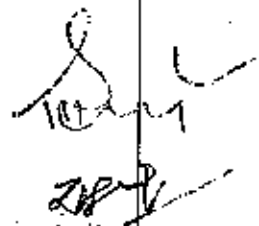
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (देहरादून)





- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वस्तुतः कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि सभिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड प्रमुख शिक्षा अधिकारी
हरद्वार (मिर्जापुर)

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उम्मात स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा पिविधत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रमों को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अन्वर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टरों के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (विश्वविद्यालय)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 दिवस मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा तबकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकरण:

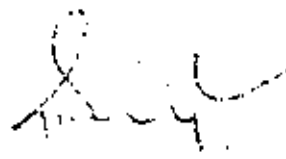
विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

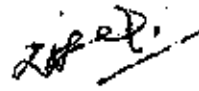
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
 (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
 (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
 (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
 (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विनिश्चित कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुलपति
 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
 हरद्वारी (मिर्जापुर)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता
सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत् होगा-

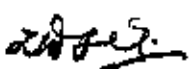
- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

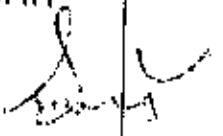
अध्यक्ष
सदस्य
संयोजक
सदस्य
सदस्य
सदस्य

12. उपाधि आवेद अर्वाइ करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय


प्रमुख विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
रूढ़ी (निराला)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनेल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस मेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बसते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशप्तित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समतुल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिमेंट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिमेंट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

सूक्त संकेत
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, हिमाचल प्रदेश

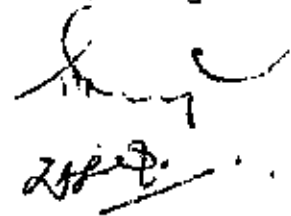
7.

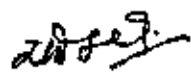
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अन्तिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुसंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड प्रान्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, 247 121

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Tourism Management (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct a high quality research on the subject and disseminate it to the scholars and other stakeholders.

The objectives of this research programme are to prepare competent researchers who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

Accordingly, the main objectives of the Ph.D. Programme in Tourism Management are to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in Tourism Management Discipline. The Ph.D. programme in Tourism Management aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The Ph.D. programme in Tourism Management has all the relevance with the mission and goals of the Uttarakhand Open University. The degree is especially designed for the learners, who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Business Schools and other Academic Institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty members working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners:

The students who wish to join Ph.D. programme are required to have a Master Degree in Tourism Management from a recognized Institution/University (as per University's Norms). Those learners who wish to contribute something new research in their respective field will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Tourism Management. *Tourism*

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

As per the letter of UGC to the Uttarakhand Open University about to conduct a Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)] under ~~face to face~~ *regular* mode (not in Open and Distance Mode).

Minin

c. Instructional Design:

Duration of the programme:

Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Tourism Management from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

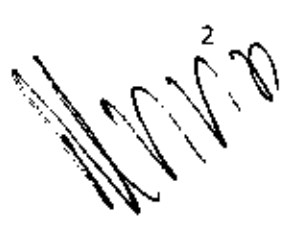
Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/ Course Work Fees/Examin ation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

2


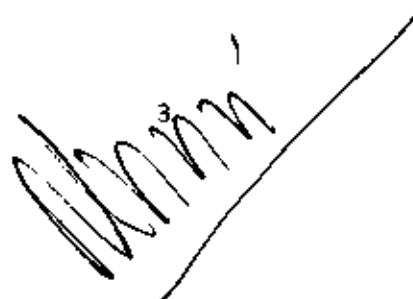
h. Cost estimation of the programme and the provisions:

Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

A handwritten signature in black ink, appearing to be 'M. M. M.', written over a horizontal line.

ANNEXURE I

**Directorate of Research and Innovation
Uttarakhand Open University
Ph.D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = 540 Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva -50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Minin

Module 1: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- **Research:** Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- **Objectives of Research:** Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- **Research Paradigms/Approaches:** Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - **Historical Research:** Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhī*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self-Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

7


Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing:

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles: Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

A handwritten signature in black ink, appearing to read 'M. M. M.', is written over a diagonal line that extends from the bottom right towards the center of the page.

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Tourism Management)

- The nature of field techniques: Field techniques and tourism business: Importance and Limitations
- Research: Meaning, Types, Trends and Challenges with special reference to tourism business.
- Guiding principles in selection of research problem.
- Research Methodology: Meaning, Procedural Guidelines and Research design.
- Field Procedure for Data Collection and Analysis Techniques: Nature, Sources of data, Techniques of data collection.

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Tourism Management)

Emerging concepts: Eco / rural / agri. / farai / green / wilderness / country side / special interest tourism. Tourism Trends: Growth and development over the years and factors responsible therein. Changing market-destination patterns, Traffic flows / receipt trends. Travel motivator and deterrents. Pull and Push forces in tourism

- Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not any fixed syllabus. It will be decided by the Department for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)


उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

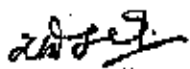
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

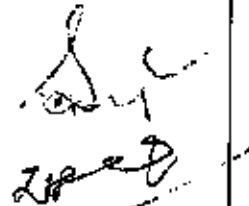
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबा (नैनीताल)





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याभ्यासियों के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

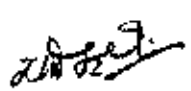
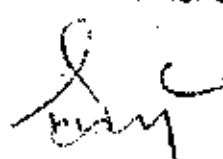
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय हैं जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।




कुल सचिव
उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैनेटगाँव)

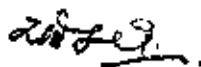
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

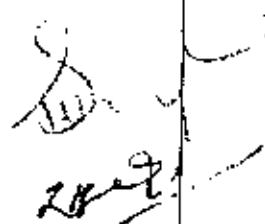
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (वि.सं. 1)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

8. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, प्रयालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Handwritten Signature]
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, नैनीताल

[Handwritten Signature]
[Handwritten Signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

- (एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।
- (दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।
- (तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

- (एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।
- (दो) असंतोषजनक प्रगति।
- (तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।
- (चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागीय)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभारित होंगे।

6. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विषयों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

उपराज्य प्रमुख शिक्षक
हस्ताक्षर (निदेशिका)

[Signature]

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अन्यर्थियों को प्रारम्भिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किन्ती एम०फिल०/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

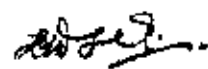
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

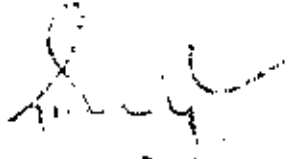
विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम०फिल० और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का सभ्यत्वकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा उमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—







कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (निर्देशक)



- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

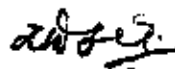
सदस्य

सदस्य

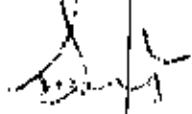
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान

9


प्रमुख विभाग



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से नसीदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेषर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

Handwritten signature

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विशेषज्ञ)

Handwritten signature

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस में जमा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशप्तित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्पत्ति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

28/5/20
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

Amu

28/5/20

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

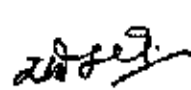
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


24/8/21




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत, (वि.सं. 10802/2003)

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Tourism Management (Regular Mode)**

a. Programmes Mission & Objectives:

The mission of the programme is to conduct a high quality research on the subject and disseminate it to the scholars and other stakeholders.

The objectives of this research programme are to prepare competent researchers who can conduct independent research and to equip the researchers with the latest developments and techniques in the field of research in their respective fields.

Accordingly, the main objectives of the Ph.D. Programme in Tourism Management are to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in Tourism Management Discipline. The Ph.D. programme in Tourism Management aims to provide scientific understanding of research to the researchers. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The Ph.D. programme in Tourism Management has all the relevance with the mission and goals of the Uttarakhand Open University. The degree is especially designed for the learners, who wish to pursue career in academic research and teaching profession in the Universities, Business Schools and other Academic Institutions. The Programme entails learning beyond acquiring specialized knowledge so that the same may be leveraged for fostering economic development not only for State but also for the Country. It shall also contribute in addressing the country's need of trained and qualified workforce. Further, it will also create more opportunities for the learners who wish to pursue research on the subject areas. Additionally, it will also help the faculty members working in Open and Distance Learning Institutions to contribute towards academic excellence through guidance in research programme.

c. Nature of prospective target group of learners:

The students who wish to join Ph.D. programme are required to have a Master Degree in Tourism Management from a recognized Institution/University (as per University's Norms). Those learners who wish to contribute something new research in their respective field will be the target group of learners. Hence, target group is research oriented applicants in Tourism Management. *Tourism*

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

As per the letter of UGC to the Uttarakhand Open University about to conduct a Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)] under ~~face to face~~ *regular* mode (not in Open and Distance Mode).

Minin

c. Instructional Design:

Duration of the programme:

Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Tourism Management from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

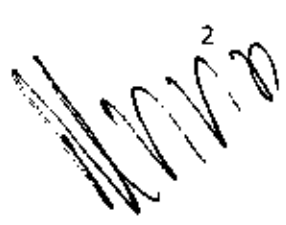
Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Programme Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration/ Course Work Fees/Examin ation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluation Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfare	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

2


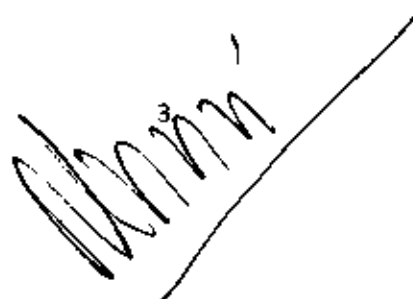
h. Cost estimation of the programme and the provisions:

Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Expected Programme outcomes:

- Professionally-sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on the subject for better decision making, planning and policy development.

A handwritten signature in black ink, appearing to be 'M. M. M.', is written over a horizontal line.

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation
Uttarakhand Open University
Ph.D. Course Work Structure (One Semester)

540

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; 18×30 = ~~260~~ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva -50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

4


Module 1: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- **Research:** Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- **Objectives of Research:** Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- **Research Paradigms/Approaches:** Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - **Historical Research:** Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhī*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdi*) & Logic (*Tarka*).

- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross- disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self-Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

7


Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing:

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

A handwritten signature in black ink, appearing to read 'M. Min', is written over a diagonal line that extends from the bottom right towards the center of the page.

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Tourism Management)

- The nature of field techniques: Field techniques and tourism business: Importance and Limitations
- Research: Meaning, Types, Trends and Challenges with special reference to tourism business.
- Guiding principles in selection of research problem.
- Research Methodology: Meaning, Procedural Guidelines and Research design.
- Field Procedure for Data Collection and Analysis Techniques: Nature, Sources of data, Techniques of data collection.

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Tourism Management)

Emerging concepts: Eco / rural / agri. / farai / green / wilderness / country side / special interest tourism. Tourism Trends: Growth and development over the years and factors responsible therein. Changing market-destination patterns, Traffic flows / receipt trends. Travel motivator and deterrents. Pull and Push forces in tourism

- Note: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not any fixed syllabus. It will be decided by the Department for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

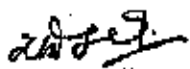
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

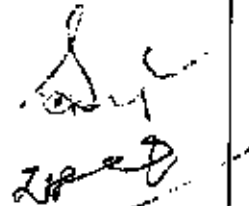
- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद् (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद् होगी जो विद्या परिषद् के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद् अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबा (नैनीताल)





(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याभ्यासियों के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

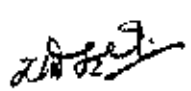
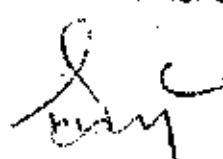
(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एमफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एमफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्गमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (नैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुमेय हैं जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय
इलाहाबाद (मैनापुरा)

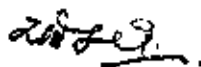
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखिक साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है ;
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

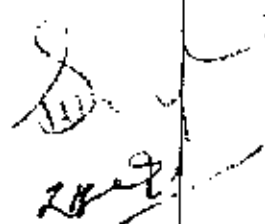
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (वि.सं. 1)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

8. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, प्रयालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केन्द्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को मदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Handwritten Signature]
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, चित्तौड़गढ़

[Handwritten Signature]
[Handwritten Signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं- 1. अवधारणा-पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

- (एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।
- (दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।
- (तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है-

- (एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।
- (दो) असंतोषजनक प्रगति।
- (तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।
- (चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभारित होंगे।

6. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

उपराज्य प्रमुख शिक्षक
हस्ताक्षर (निरीक्षण)

[Signature]

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्त कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अन्यर्थियों को प्रारम्भिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विभागाध्यक्ष)

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी कार्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किन्ती एम०फिल०/पीएचडी शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

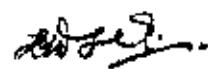
10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

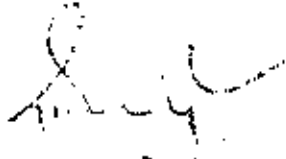
विश्वविद्यालय के परिनिधम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम०फिल० और पीएचडी शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का सभ्यत्वकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

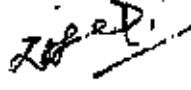
- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा उमासिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपकारात्मक उपायों को क्रियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—









कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मिर्जापुर)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम0फिल0 और पीएच0डी0 कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

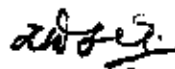
सदस्य

सदस्य

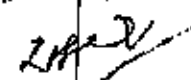
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम0फिल0. उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम0फिल0/पीएच0डी0 शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय

9



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से नसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेषर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक चोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक यचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

Handwritten signature

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विशेषज्ञ)

Handwritten signature

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस में जेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्ते मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियों अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशप्त होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुत्पत्ति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इम्प्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इम्प्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

28/5/20
मुख्य सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

Amu

28/5/20

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

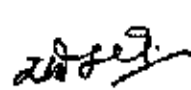
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जायेंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जायेगी।


24/8/21




कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत, 24/8/21

पी.एच.डी.योग

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals: कार्यक्रम

उत्तराखण्ड विधानसभा

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Yoga from a recognized college/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000
Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.							

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources: Laboratory support is required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

h. Cost estimate of the programme and the provisions: Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.

i. Quality assurance mechanism- The programme will help in the development of ethically skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes-

- शोधार्थी योग विषय की विविध विधाओं, क्रियात्मक अभ्यासों की वैज्ञानिकता तथा योगिक आर्ष ग्रन्थों की समुचित विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे।
- योग विषय के अन्तर्गत विभिन्न विश्वविद्यालयों में योग शिक्षक/ सहायक प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- विविध चिकित्सालयों में योग चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे।
- इस पाठ्यक्रम से छात्र संवेदना एवं ज्ञान के गहन रूप से परिचित हो सकेंगे।
- शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षों से अपनी सामाजिक तथा राष्ट्रीय भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगे।



ANNEXURE I**Directorate of Research and Innovation****Uttarakhand Open University****Ph. D. Course Work Structure (One Semester)**

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

Module I: Introduction of Research**(03 Credits: 90 Hrs.)**

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.



• **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**

- Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
- **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
- **Qualitative Research:** Concept, Characteristics & Types
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
- **Mixed Research:** Concept, Characteristics & Types
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Ārthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdhi*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
- Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.



- Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
- Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
- Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
- Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
- Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
- Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.
- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

**Module III: Research Writing and Technological Inputs
in Research**

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems– handling different operating systems PC / Mac etc.
- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher



- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs)

(Yoga)

इकाई -1 दार्शनिक क्षेत्र

वेद, उपनिषद्, भारतीय दर्शन, पुराण, स्मृतियां, गीता, महाभारत, रामायण, आयुर्वेद का संक्षिप्त परिचय तथा उनमें सहित सम्भावित अनुसंधान क्षेत्र।

इकाई -2 साहित्यकीय क्षेत्र

पातंजलयोगसूत्र, हठप्रदीपिका, घेरण्ड संहिता, स्वामी चरणदास कृत भक्तिसागरादि (अष्टांगयोग), शिवस्वरोदय, वशिष्ठ संहिता, शिव संहिता एवं गोरक्ष संहिता का संक्षिप्त परिचय एवं इनके संभावित अनुसंधान क्षेत्र।

इकाई -3 संतो एवं योगीजनों का परिचय व योग के क्षेत्र में योगदान:

संत कबीर, तुलसीदास, स्वामी चरणदास, स्वामी दयानन्द सरस्वती, श्री अरविन्द, स्वामी विवेकानन्द, महर्षि रमण, श्यामाचरण लाहिड़ी, नीबू करोली बाबा, शिरडी के साई बाबा, स्वामी शिवानन्द सरस्वती, स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, स्वामी कुवल्यानन्द, श्रीराम शर्मा आचार्य का संक्षिप्त परिचय तथा योग के क्षेत्र में उनके योगदान सम्बन्धित सम्भावित अनुसंधानीय क्षेत्र।

Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Yoga)

इकाई -1 स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय क्षेत्र

आहार एवं स्वास्थ्य की मूलभूत जानकारी, नियमावली, चिकित्सीय उपयोगिता, स्वर आधारित स्वस्थवृत्त नियमावली एवं सम्भावित अनुसंधान क्षेत्र। स्वास्थ्य एवं व्याधि की अवधारणा, यौगिक चिकित्सा की अवधारणा, क्षेत्र, सिद्धान्त एवं सीमायें कायिक, मनोकायिक एवं मनोरोगों सम्बन्धी अनुसंधान के उदाहरण सहित सम्भावित अनुसंधानीय क्षेत्र। यौगिक चिकित्सा एवं वैकल्पिक चिकित्साओं का सम्बन्ध व उदाहरण सहित सम्भावित अनुसंधान क्षेत्र।

इकाई-2 शिक्षण क्षेत्र

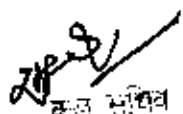
प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च व उच्चतर विद्यालयीन शिक्षा में योग शिक्षा का स्वरूप, सिद्धान्त व विधियां तथा उदाहरण सहित उनके अनुसंधान क्षेत्र, विद्यालयीन शिक्षा में योग शिक्षा लागू करने के आवश्यक पहलू तथा रुकावटें व सम्भावित अनुसंधानीय क्षेत्र। सामाजिक, औद्योगिक,

प्रशासनिक, शारीरिक शिक्षा व खेलकूद तथा नैतिक शिक्षा में योग की भूमिका व सम्भावित अनुसंधानीय क्षेत्र।

इकाई-3 :वर्तमान में परिचलित योग के विभिन्न प्रारूप एवं अधुनातन प्रवृत्तियों।

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मैनीटाल)

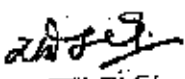
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 25(XIV), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनियमित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदण्ड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हार्द्वार, विन्ध्यवासिनी






(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा-

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम्पाफिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम्पाफिल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होनी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निर्मित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर स्थायित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबंधित हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1991 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुभेय है जिसमें रियायती अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उपराज्य मुक्त विद्यापीठ
इलाहाबाद (मिनीका)

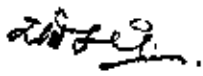
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर भी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो(गैर लाभान्वित श्रेणी)(Non-Creamy Layer)/पृथक रूपसे निशक्त से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखित साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

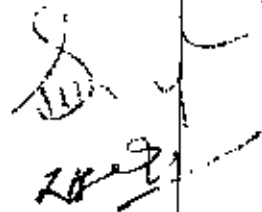
5. पाठ्यक्रम की अवधि :

- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निशक्त व्यक्ति (जिनकी निशक्तता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की


कुल विधि
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुआबत (विशेष)

3





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/नेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 12 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने शैक्षणिक निकषों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य शैक्षणिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार संप्रसारण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकषों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को बदेनजर रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

कुल लेखा
उपराज्य मुख्यालय
हस्ताक्षर विभाग

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/सहाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत् गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक), पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

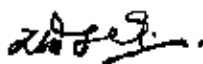
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उपबन्धों का अनुपालन न करने पर।

(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

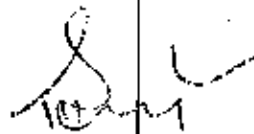
(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल पंडित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (दिल्ली)







- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रभारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- बशर्ते कि उन क्षेत्रों/विधाओं में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संस्था में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी चयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

Handwritten signature

Handwritten signature

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वारी (भारत)

Handwritten signature

Handwritten signature

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त प्रद्वारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सख्या, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आचार्य तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेंगे। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 उपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

7
मुख्य संयोजक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 समेकित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा ताकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्र कार्य:

विश्वविद्यालय के परिनियम/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे-

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान करना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के सम्मुख उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपचारात्मक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा-

Amr

adger

adger

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार, (नैनीताल)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत् होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित - अध्यक्ष
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक- सदस्य
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक- संयोजक
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ- सदस्य
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक - सदस्य
- ♦ निदेशक शोध- सदस्य

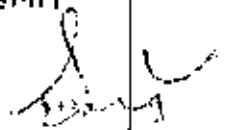
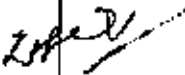
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुल सचिव
प्रचारक
मुख्य निदेशक



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम0फिल0 शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच0डी0 शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक घोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुमानन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक घोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अवार्ड करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक साक्षात्कार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच0डी0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने को

[Signature]

मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (विभागाध्यक्ष)

[Signature]

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस भेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयी एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियाँ अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियाँ

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात्, इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्रावधानों द्वारा अभिशप्त होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवार्ड की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (डिस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/ संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

२०१२
मुकुल शर्मा
उपकुल मुख्यालय
एम0फिल0/पीएच0डी0

॥
२०१२

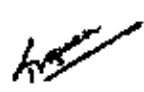
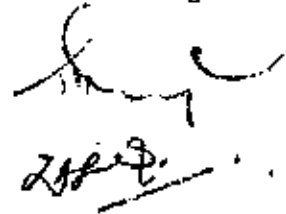
२०१२

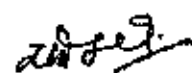
(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जाएगी।




कुल सचिव
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश

**Programme Project Report (PPR) of
Ph.D. in Computer Science & Applications (Regular Mode)**

a. Programme Mission & Objective:

The mission of the programme is to conduct high quality research on the subject and disseminate it to scholars and other stakeholders.

The objective of the programme is to prepare a competent researcher who could conduct independent research and to equip the researchers with the latest research developments and techniques in the researchers' field of study.

Accordingly, the main objective of the Ph.D. Programme in Computer Science and Applications is to accomplish local and regional aspirations, fulfill national obligations and honor international commitments through high quality research in Computer Science and Applications discipline. The Ph.D programme in Computer Science and Applications aims to provide scientific understanding of research to the researchers.. The Programme intends to inculcate problem-solving skills, critical reasoning, in-depth and out of box thinking from different angles and perspectives.

b. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

One of the important aims of higher education is to prepare leadership in the profession and public life. PhD in Computer Science programme research degree in computer science which also has focus toward application development and thus has more emphasis on latest programming languages, tools and technologies to develop better and faster applications. It prepares students to take up positions as system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to information technology. As the IT and the software industry are dynamic and fast growing, all the programmes are designed keeping in view the requirements of the industry.

c. Nature of prospective target group of learners: The students who wish to join Ph. D. programme are required to have a Master Degree in Computer Science/Computer Applications/Information Technonology/Computer Science & Engineering from recognized institution/university (as per University's Norms). Those learners who wish to contribute through research in the field of Computer Science and Applications will be the target group of learners.

d. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: As per the letter of UGC to Uttarakhand Open University about to conduct Ph.D. programme, the Ph.D. Programme will be conducted as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016] under regular mode(not in Open and Distance Mode)

e. Instructional Design:

Duration of the programme: Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years. (As per UGC Regulation 2016).

The programme will be divided in two phases:

Phase I: Course Work – In the initial one or two semesters. (The details are attached herewith as ANNEXURE I)

Phase II: Research Work (The details are attached herewith as Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University- ANNEXURE II)

f. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Eligibility for admission

1. Students who have passed the Master's degree in Computer Science/ Computer Applications / Information Technology from a recognized institution/university.
2. Fulfill eligibility criteria as per UGC Rules and Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016)].

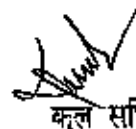
Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation: As per Ph.D. Ordinance of Uttarakhand Open University 2016 (Attached as ANNEXURE II)

Fee Structure

वर्ष Year	कार्यक्रम शुल्क Program me Fee	पंजीकरण, पाठ्य कार्य तथा परीक्षा शुल्क Registration /Course Work Fees/Exami nation Fee	शोध ग्रन्थ मूल्यांकन शुल्क Thesis Evaluatio n Fees	पहचान पत्र Identity Card	छात्र कल्याण Student Welfar e	डिग्री के लिए शुल्क Degree Fee	कुल शुल्क Total Fees
I	6,500	6,500	-	50	100	-	13,150
II	6,500	-	-	-	-	-	6,500
III	6,500	-	-	-	-	300	6,800
IV	-	-	5,000	-	-	-	5,000

Note: For additional year/years Rs. 6500 per year will be charged.

g. Requirement of the laboratory support and Library Resources:



कुल सचिव
उत्तराखण्ड प्रगत विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)

Laboratory support is not required for the concerned programme. Library resources are required in order to provide wide learning experience to the students.

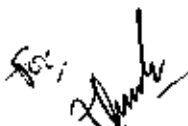
- h. Cost estimate of the programme and the provisions:** Since programme will be conducted in regular mode as per UGC norms, therefore, financial requirement will be for conducting expert committee and BOS. The estimated amount will be Rs. 100,000/- only.
- i. Quality-assurance mechanism and expected programme outcomes:** The programme will help in the development of professionally skilled human resource. In order to maintain the quality of the programme, it will be conducted in regular mode as per UGC Regulations 2016 [UGC (minimum standards and procedure for award of M.Phil. / Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 (F.1-2/2009 (EC/PS) V (I) dt. 05.05.2016].

Expected Programme outcomes:

- Professionally- sound indigenous human resource will be evolved with interdisciplinary perspective for Academic or Corporate or Professional services.
- It will result in bridging the research gaps and ensure flow of information on ICT.







कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
मसुरा, (देवीताल)

ANNEXURE I

Directorate of Research and Innovation

Uttarakhand Open University

Ph. D. Course Work Structure (One Semester:-)

Total 06 Modules, each of 03 Credits (Total Credit = 18; $18 \times 30 = 540$ Hours)

Sl. No.	Module Name	Total Credit	Total Marks Assigned (100)			To be administered by
			Evaluation (Theory)	Evaluation (Assign.)	Evaluation (Project)	
1.	Module I: Introduction of Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
2.	Module II: Tools and techniques for data collection	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
3.	Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research	03	70	30	-	Directorate of Research & Innovation
4.	Module IV: Discipline Specific Research Methodologies	03	70	30	-	Concerned Department
5.	Module V: Emerging Trends and Major Thrust areas in Discipline Specific Research Approaches	03	70	30	-	Concerned Department
6.	Module VI: Formulating a Research Proposal	03	-	-	100 (Project Evaluation -50) Presentation and Viva - 50)	Concerned Department (with the help of Directorate of Research and Innovation)

(Handwritten signatures)

(Handwritten signature)
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भारत (पिनीवाला)

Module I: Introduction of Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Research: Meaning and Characteristics. Why Research? Areas of Research.
- Objectives of Research: Exploration, Description, Explanation, Prediction, Influence.
- Research Paradigms/Approaches: Quantitative and Qualitative, Logical Positivist and Phenomenological.
- Research Method, Methodology & Designs.
- **General Kinds of Research (Brief Introduction):-**
 - Basic/Fundamental Research, Applied Research, Action Research; Orientational Research;
 - **Quantitative Research:**
 - Experimental Research (True and Quasi): Concept, Types, Internal & External Validity, Experimental Designs.
 - Non Experimental Research/Descriptive Study
 - Assessment Research
 - Evaluation Research
 - Descriptive Research
 - (a) Interrelationship Study: Ex-Post Facto Research/Causal Comparative Study,
 - (b) Co-relational Study
 - (c) Developmental Study
 - (i) Growth Study- Longitudinal and Cross Sectional Study
 - (ii) Trend Developmental Study
 - **Qualitative Research: Concept, Characteristics & Types**
 - Historical Research: Concept, Resources, Facts & Evidence, Criticism in Historical Researches
 - Philosophical Research
 - Case Study
 - Grounded Theory
 - Phenomenological Research
 - Ethnographical Research
 - Ethno-methodological Research
 - Symbolic Interactionism
 - **Mixed Research: Concept, Characteristics & Types**
- Epistemology, Knowledge and its Sources (Tenacity, Authority/Expert Opinion, Intuition, Empiricism (Experience), Rationalism (Reasoning- Inductive & Deductive), Scientific Approach: Basic Assumptions of Science, Scientific Methods- Exploratory and Confirmatory)
- Epistemology in Indian Tradition: Knowledge (*Jñāna*), Cognition (*Buddhi*), Apprehension (*Upalabdhi*) & Consciousness (*Anubhava*); Valid Means (*Pramāṇa*) of Knowledge (*Jñāna*):-

- Perception (*Pratyakṣa*), Inference (*Anumāna*), Comparison (*Upamāna*), Verbal Testimony (*śabda*), Postulation (*Arthāpatti*), Non-cognition (*Anupalabdī*) & Logic (*Tarka*).
- Forms of Knowledge: Information & Facts; Concepts and Constructs; Hypotheses, Theories & Laws; Rules, Principles and Generalisation; Assumptions.
 - Hypothesis: Concept, Characteristics of good Hypothesis, Types of Hypothesis (Research Hypothesis: Directional & Non-directional, Null Hypothesis, Alternative Hypothesis; Simple & Complex Hypothesis; Causal & Descriptive Hypothesis), Hypothesis Testing, Area of Acceptance, Area of Rejection, Level of Significance, Level of Confidence, Confidence Interval, Type I Error, Type II Error.
 - Variables: Qualitative Variables (Organismic or Attribute Variables), Quantitative Variables (Continuous and Discrete Variables); Independent/Experimental Variables (Treatment/E-Type Variables, Attribute/S-Type Variables) Dependent Variables, Intervening Variables (Confounding Variables and Extraneous Variables).
 - Universe, Population (Homogeneous & Heterogeneous, Finite & Infinite, Existent & Hypothetical), Sample, Sampling Units, Sampling Frame, Sample Units, Sampling Fraction, Response Rate, Sampling Method, Inferential Statistical Methods, Statistical Inferences, Parameters & Statistics, Sampling Distribution, Standard Error, Central Limit Theorem, Types of Sampling: Probability/Random (Unrestricted/Simple Random, Restricted: Systematic, Cluster, Stratified, Multistage), Non Probability/ Non Random (Incidental/Accidental/Convenience, Quota, Purposive/Judgmental, Snowball); Sampling in Qualitative Research; Basis of determining the Sample Size.
 - Contemporary issues and Research, Politics of Research, Media and Research
 - Paradigm shifts in the field of Research: Structuralism, Modernism, Scientism, Romanticism, Positivism, Post-structuralism, Post-modernism.
 - Intra-disciplinary, Interdisciplinary, Multidisciplinary, Trans-disciplinary and Cross-disciplinary approaches in Research.
 - Ethical issues in Research.

Module II: Tools and techniques for data collection

(03 Credits: 90 Hrs.)

- Concept of Measurement, Evaluation, Assessment & Appraisal; Scales of Measurement: Nominal, Ordinal, Interval and Ratio.
- Data: Concept and its types (Qualitative & Quantitative, Parametric & Nonparametric)
- Connotation of Tools and Techniques.
- Techniques for data collection: Observation Technique, Self Reporting Technique, Testing Technique, Sociometry Technique, Projective Technique.
- Tools for data collection: Objective & Subjective Tools. Continuum of Objectivity in context of tools.
- Different tools and their developmental procedures: Questionnaires, Schedules, Inventories, Interviews, Check Lists, Rating Scales (Numerical, Graphical, Ordering, Position, Forced

Choice), Projective Tools (TAT, CAT, Ink Blot Test, Sentence Completion, Word/Picture/Sentence/Free Association Test, Psycho-drama), Sociometry (Sociometric Matrix, Sociogram, Sociometric Index), Observation, Tests, Test Battery, Attitude Scales (Thurston, Likert), Q-Short Method, Semantic Differential Scale, Cumulative Record, Anecdotal Record, Content Analysis.

- Characteristics of good research tools: Objectivity, Reliability, Validity, Norms & Usability.

Module III: Research Writing and Technological Inputs in Research

(03 Credits: 90 Hrs.)

(A) Review, Research Proposal and Research Paper Writing

- Role of library in Research process
- Literature survey & review writing
- Techniques of Research Paper Review
- Techniques of Article Review
- Techniques of Book Review
- Basic Principles of Writing Research Paper
- Basic Principles of Abstract Writing
- Brief introduction about Seminar, Conference, Convention, Symposium, Workshop, Training Programme & Brain Storming Session
- Synopsis: Meaning, Significance, Components and Structure
- Research Proposals of Minor & Major Projects

(B) Writing Research Report

- Research report writing and dissemination of research findings.
- Structure of Doctoral Dissertation (Thesis)
- Basic technicalities of Report Writing
- Documentation, styles of documentation, use of Footnotes or Endnote
- Citation styles; Style guides with examples (APA, MLA & Chicago)
- How to write References and Bibliography

(C) The application of Information and Communication Technologies in Research

- Introduction to computers and Internet
- Role of computer in knowledge management
- Open Education Resources and Research
- Plagiarism and ICT in Research
- Introduction to Windows XP/Vista
- Introduction to operating systems— handling different operating systems PC / Mac etc.

- Role of web media for Literature survey
- Using word processing software – MS Word / Latex / others,
- Data analysis and Computer
- Drawing graphs and diagrams through computer
- Microsoft Power point presentation
- Microsoft Excel
- Microsoft Publisher
- SPSS

Module IV: Discipline Specific Research Methodologies

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Computer Science and Applications)

Unit 1: Soft Computing

Introduction to Neuro-Fuzzy and Soft Computing- Fuzzy Sets- Basic Definition and Terminology- Set-Theoretic Operations-Member Function Formulation and Parameterization-Fuzzy Rules and Fuzzy Reasoning-Extension Principle and Fuzzy Relations-Fuzzy If-Then Rules- Fuzzy Reasoning- Fuzzy Inference System-Mamdani Fuzzy Models-Sugeno Fuzzy Models-Tsukamoto Fuzzy Models-Input Space Partitioning and Fuzzy Modeling. ANN, DNA Computing, Genetic Algorithms, Simulated Annealing, Gradient Free Optimization.

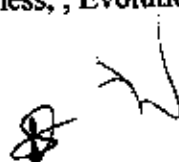
References

1. J.S.R. Jang, C.T. Sun and E. Mizutani, " Neuro-Fuzzy and Soft Computing", PHI, New Delhi
2. Timothy J. Ross, " Fuzzy Logic with Engineering Applications", McGraw-Hill, 1997

Unit 2: e-Initiatives Strategies, Policies and Governance

E-Governance: Needs of e-governance, Issues in e-governance applications and the digital divide; Evolution of e-governance, its scope and content; Present global trends of growth in e-governance, other issues. Model of Digital Governance: Broadcasting, Evolution Wilder Dissemination Model, Critical Flow Model, Comparative Analysis Model, Mobilization and Lobbying Model, Interactive-Service Model/ Government-to-Citizen-to-Government Model(G2C2G); Evolution in e-governance and maturity models: Five Maturity Levels, Characteristics of Maturity Levels. key areas, towards good governance through e-governance models.

E-Readiness- digital system infrastructure, legal infrastructural preparedness, institutional infrastructure preparedness, human infrastructure preparedness, technological infrastructure preparedness, ; Evolutionary stages in e-governance, social media, web semantics, intellectual web.



कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (नैनीताल)

8



Unit 3: Cyber Security

Security Policies and Management, Security Models, Physical and Environmental Security, Application Security, Communications and Operations Management, Business Continuity Planning and Management, Access Control, Software development, maintenance and support, Cyber Forensics, Introduction to Information Security Standards, Compliance

Unit 4: Introduction to e-learning

Introduction to Learning Theories – Behaviorism - Cognitivism - Constructivism - Informal and post-modern theories, Other learning theories, Different Learning theorists, Standardized curriculum, Case studies highlighting learning theories , Comparison of learning theories

e-Learning basics, Trends in E-learning, The Emergence of Blended Learning, Learning Theory in the Online Classroom: recent research findings, Online Instructor Roles, Training, Incentives, and Supports, Explosion of Online Programs, Universities, Courses, New learner roles, Expectations, Issues, Dilemmas, and Resolutions, Learners of 21st century, Mobile, Wireless, and Ubiquitous Learning

Web 2.0 tools and open educational resources, Free and Open Source Software- Online Interactivity, Engagement, and Social Presence, synchronous and asynchronous communication , Informal learning through social networking sites, collaborative content development .

Building learning communities, Adapting Classroom Based Activities to Cyberspace, Choosing an Effective Communication Tool, Authoring tools for creating e-content, freely available content development tools, Ethical Use of Digital Resources, Understanding Copyright and Fair Use, creative commons

Measuring Online Learning: Student Performance, Course Evaluation, Program Evaluation, Survey and Quiz Technology, Creating Assignments and Assessments, Open and free Assessment tools .

Unit 5: GIS Application in Research

Introductory GIS

- What is MAP? Different types of MAP.
- Sources of MAP
- What is GIS? Why you need GIS?
- Data requirements in GIS.

Digital Inputs

- What is GPS?
- Use of GPS.



कुल सचिव

स्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
काशी, (उत्तराखण्ड)

- What is satellite image
 - Types of satellite
 - Types of satellite images

Application of GIS

- GIS for Visualization
- GIS in Forestry
- GIS in Disaster Management
- Village GIS
- Historical GIS

GIS Software

- Free GIS software
- Customized GIS software
- Web GIS

Hands-on practical

- Map reading
- Satellite Image Interpretation
- GPS
- GIS exercise
- Web GIS

(03 Credits: 90 Hrs.)

(Computer Science and Applications)

- Latest trends in various functional areas of Computer Science & Applications.
- Major Thrust areas in Computer Science & Applications
- Note:: The nature of this paper is dynamic, hence the paper has not fixed syllabus. It will be decided by the school for every batch.

Module VI: Formulating a Research Proposal

(03 Credits: 90 Hrs.)

कुल सचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (विश्वविद्यालय)

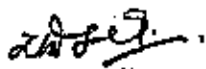
प्रथम अध्यादेश के अध्याय 10 को प्रतिस्थापित करते हुए
(विश्वविद्यालय के अधिनियम के अध्याय 2.5(xiv), अनुच्छेद 32.2(क) एवं परिनियम 37(5) के
अधीन शोध उपाधि अध्यादेश 2016)

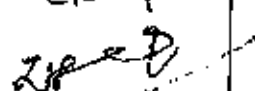
1. प्रारम्भिक

- (1.1) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के अनुपालन में शोध उपाधि कार्यक्रम के संचालन हेतु यह अध्यादेश है।
- (1.2) विश्वविद्यालय के शोध उपाधि कार्यक्रम विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम के अधीन विद्यापरिषद् द्वारा अपनायी गयी शोध नीति के अनुसार होंगे।

2. शोध परिषद (Research Council)

- (2.1) विश्वविद्यालय की एक शोध परिषद होगी जो विद्या परिषद के सम्पूर्ण मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अधीन रहते हुए शोध कार्यक्रमों के नियोजन, प्रबंधन, संगठन और अनुश्रवण के लिए उत्तरदायी होगी।
- (2.2) शोध परिषद अधिनियम, परिनियमों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0)/पीएच0डी0 उपाधि) प्रदान करने के न्यूनतम मानदंड विनियम, 2016 के उपबंधों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सुसंगत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए निम्न कार्यों का सम्पादन करेगी-
 - (2.2.1) शोध नीति का प्रबंधन एवं प्रशासन, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.2) पंजीकरण के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्तों को विनिर्मित करना, पर्यवेक्षण, कार्यक्रम परिकल्पना, मूल्यांकन एवं शोध उपाधियां प्रदान करना।
 - (2.2.3) मूल्यांकन के लिए शोध मानकों का निर्धारण करना।
 - (2.2.4) विद्या शाखा के बोर्ड के लिए सुसंगत शोध क्षेत्र के मानदंड/संक्षिप्त लेख/विषयों का अवधारण।
 - (2.2.5) शोध प्राथमिकताओं एवं शोध के लिए साधन आवंटन करने के लिए परामर्श देना।
 - (2.2.6) विश्वविद्यालय के शोध प्रयासों पर समेकित रिपोर्ट तैयार करना।
 - (2.2.7) शोध विकास एवं समन्वय से संबंधित कोई अन्य कार्य।


कुल पंडित
उपकुल पंडित विश्वविद्यालय
होम (विभागाध्यक्ष)

(2.3) शोध परिषद का गठन निम्न प्रकार होगा—

(2.3.1) कुलपति शोध परिषद का अध्यक्ष होगा।

(2.3.2) दो विशेषज्ञ, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी न हों, कुलपति द्वारा नामित किए जायेंगे।

(2.3.3) समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक इसके सदस्य होंगे।

(2.3.4) कुलपति द्वारा नामित योजना बोर्ड एवं विद्या परिषद का एक-एक प्रतिनिधि।

(2.3.5) निदेशक शोध, शोध परिषद का सदस्य सचिव होगा।

(2.4) सदस्यों का कार्यकाल नामित किये जाने की तिथि से तीन वर्ष होगा।

(2.5) शोध परिषद की वर्ष में कम से कम एक बैठक होगी। बैठक के लिए कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

3. एम0फिल में प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड:

(3.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऐसे अभ्यर्थी जिनके पास स्नातकोत्तर उपाधि अथवा एक व्यावसायिक उपाधि होगी जिसे समकक्ष संविधिक निकाय द्वारा स्नातकोत्तर उपाधि के समतुल्य घोषित किया गया हो, जिसमें अभ्यर्थी को कम से कम कुल 55% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर 'बी' ग्रेड प्राप्त हुए हों (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) अथवा ऐसे प्रत्यायित विदेशी शैक्षिक संस्थान से समकक्ष उपाधि प्राप्त की हो, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो कि शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा नियमित है।

(3.2) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर स्थापित श्रेणी) (Non-Creamy Layer) से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अभ्यर्थियों की अन्य श्रेणियों के लिए अथवा दिनांक 19 सितम्बर, 1994 से पूर्व स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है। 55% अर्हता अंक (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समकक्ष ग्रेड) तथा उपर्युक्त श्रेणियों में 5% अंकों की छूट केवल अंकों के आधार पर ही अनुपेक्ष है जिसमें रिकवरी अंक शामिल नहीं हैं।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (मिनावावा)

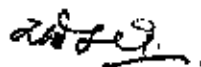
4. पीएचडी पाठ्यक्रम :

इन विनियमों में विनिर्धारित शर्तों के अध्याधीन, निम्नवत व्यक्ति पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने हेतु पात्र हैं:

- (4.1) उपरोक्त प्रस्तर 3 के अन्तर्गत विनिर्धारित मानदण्डों को पूरा करने वाले स्नातकोत्तर डिग्री धारक।
- (4.2) एम0फिल0 पाठ्यक्रम को कम से कम कुल 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने वाले अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर बी ग्रेड प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम0फिल0 उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है वहां बिंदु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी शोध कार्य करने हेतु पात्र होंगे जिससे वे उसी संस्थान में निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पीएचडी0 उपाधि अर्जित कर सकें। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग जो (गैर लाभान्वित श्रेणी) (Non-Creamy Layer)/पृथक् रूपसे निश्चित से संबद्ध हैं अथवा समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए 55% से 50% अंकों तक अर्थात् अंकों में 5% की छूट अथवा ग्रेड में समतुल्य छूट प्रदान की जा सकती है।
- (4.3) कोई व्यक्ति जिसके एम0फिल0 शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया गया है तथा मौखित साक्षात्कार लंबित है, उसे उसी संस्थान के पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।
- (4.4) अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम0फिल0 उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेंसी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता एवं मानकों को सुनिश्चित करने एवं उनके आकलन, प्रत्यायन हेतु ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अन्तर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है जो कि उस देश में किसी कानून के अन्तर्गत स्थापित अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।

5. पाठ्यक्रम की अवधि :

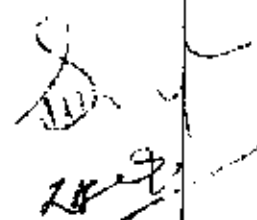
- (5.1) एम0फिल0 पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि लगातार दो (02) सेमेस्टर/एक वर्ष और लगातार अधिकतम चार (04) सेमेस्टर/दो वर्ष होगी।
- (5.2) पीएचडी0 पाठ्यक्रम की अवधि कम से कम तीन वर्ष की होगी जिसमें पाठ्यक्रम से संबंधित कार्य भी शामिल होगा तथा अधिकतम अवधि छह वर्ष होगी।
- (5.3) महिला अभ्यर्थी तथा निश्चित व्यक्ति (जिनकी निश्चितता 40% से अधिक हो) उन्हें एम0फिल0 में एक वर्ष की तथा पीएचडी0 के लिए अधिकतम दो वर्ष की



3

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुभवासी (विशेष)





- छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, महिला अभ्यर्थियों को एम0फिल0/पीएच0डी0 की समग्र अवधि में एक बार 240 दिनों तक का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।
- (5.4) विशेष परिस्थितियों में समुचित कारण होने पर इसे कुलपति एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए विस्तारित कर सकता है।

6. प्रवेश हेतु प्रक्रिया:

- (6.1) विश्वविद्यालय द्वारा संकलित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एम फिल0/ पीएच0 डी0 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। यूजीसी-नेट (जेआरएफ सहित)/यूजीसी-सीएसआईआर नेट(जेआरएफ सहित)/शिक्षक अभ्येतावृत्ति धारक प्रवेशार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा से छूट होगी। नेट/स्लेट/गेट उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
- (6.2) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/पीएच0डी0) उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 के उप-खण्ड 1.2 में संदर्भित उच्च शैक्षिक संस्थान जिन्हें एम0फिल0 और/अथवा पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति है, वे-
- (एक) वार्षिक आधार पर अपने सैसागिक निकायों के माध्यम से पूर्व निर्धारित तथा संतुलित संख्या में एम0फिल0 और /अथवा पीएच0डी0 शोधार्थी को दाखिला देगा जो कि उपलब्ध शोध पर्यवेक्षकों तथा अन्य सैसागिक तथा उपलब्ध वास्तविक सुविधाओं पर निर्भर करेगी, तथा शोधार्थी-शिक्षक अनुपात, प्रयोगशाला, ग्रंथालय तथा ऐसी ही अन्य सुविधाओं के संबंध में मानदण्ड को ध्यान में रखा जाएगा।
- (दो) दाखिले हेतु सीटों की संख्या, उपलब्ध सीटों का विषय/विषयवार सवितरण, दाखिले का मानदण्ड, दाखिले की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा अभ्यर्थियों के लाभ के लिए अन्य सभी संबंधित जानकारी संस्थागत वेब साइट तथा कम से कम दो (2) राष्ट्रीय समाचार पत्रों में पहले ही जारी की जायेगी जिनमें से एक (01) समाचार पत्र क्षेत्रीय भाषा में होगा।
- (तीन) राज्य स्तरीय आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा।
- (6.3) दाखिले, विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित मानदण्ड के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा इस संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों/मानदण्डों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर राज्य सरकार की आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए किये जाएंगे।
- (6.4) विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को द्विचरणीय प्रक्रिया के माध्यम से दाखिला देगा-
- (6.4.1) प्रवेश परीक्षा, अर्हक परीक्षा होगी जिसमें 50% अर्हता अंक होंगे। प्रवेश परीक्षा के पाठ्यविवरण में 50% शोध पद्धति तथा 50% विशिष्ट विषय के

[Signature]
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
भुवनेश्वर (भारत)

[Signature]
[Signature]

प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा पहले ही अधिसूचित केन्द्र (यदि केन्द्रों में कोई परिवर्तन होता है तो पर्याप्त समय पूर्व उसकी जानकारी पृथक संस्थान/महाविद्यालय को दी जानी चाहिए) में होगी।

(6.4.2) अभ्यर्थियों की शोध अभिरुचि/क्षेत्र पर चर्चा के लिये एक विधिवत गठित विभागीय शोध समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार किया जाएगा। यह साक्षात्कार तीन बिन्दुओं— 1. अवधारणा—पत्र लेखन (15 अंक), 2. शोध अभिरुचि संबंधी प्रस्तुतीकरण (15 अंक), एवं मौखिक साक्षात्कार (20 अंक) पर आधारित होगा।

(6.5) साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार में निम्नवत पहलुओं पर भी विचार किया जाएगा, अर्थात् क्या:

(एक) क्या अभ्यर्थी में प्रस्तावित शोध के लिए क्षमता है।

(दो) प्रस्तावित शोधकार्य सुलभतापूर्वक विश्वविद्यालय में क्रियान्वित किया जा सकता है।

(तीन) प्रस्तावित शोध के क्षेत्र द्वारा नवीन/अतिरिक्त ज्ञान में योगदान प्राप्त हो सकता है।

(6.6) विश्वविद्यालय अपनी वेबसाईट पर एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए पंजीकृत सभी छात्रों की सूची का रखरखाव वार्षिक आधार पर करेगा। सूची में पंजीकृत अभ्यर्थी का नाम, उसके शोध का विषय, उसके पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक, नामांकन/पंजीकरण की तिथि आदि शामिल होंगे।

7. पंजीकरण

(7.1) अभ्यर्थी जिन्हें पंजीकृत किया गया है, पंजीकरण की तिथि के भीतर विहित पंजीकरण शुल्क जमा करेंगे। शुल्क जमा न होने पर पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।

(7.2) निम्न कारणों से छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है—

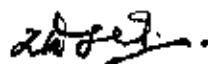
(एक) शुल्क का भुगतान न करने पर।

(दो) असंतोषजनक प्रगति।

(तीन) अध्यादेशों के उल्लंघनों का अनुपालन न करने पर।

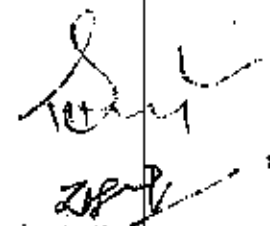
(चार) विहित समय सीमा के भीतर डिसेटेशन/थीसिस प्रस्तुत न करने पर।

(7.3) शोध उपाधि समिति उन छात्रों के पुनर्पंजीकरण अनुरोध पर विचार कर सकती है जिनका पंजीकरण निरस्त किया गया है। पुनर्पंजीकरण के लिए आवेदन यदि छात्र के पंजीकरण निरस्त होने से एक वर्ष से अधिक अवधि के भीतर किया गया हो तो सम्बन्धित निदेशक की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विचार किया जा सकता है।



कुल स्वयंसेवक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दिल्ली (विशेष)





- (7.4) कार्यक्रम शुल्क में, पंजीकरण शुल्क, पाठ्यकार्य शुल्क, मूल्यांकन शुल्क एवं कोई अन्य शुल्क जो विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित की जाय सम्मिलित होंगे और सदैव वार्षिक आधार पर प्रसारित होंगे।

8. शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण

शोध पर्यवेक्षक का निर्धारण: शोध पर्यवेक्षक, सह-पर्यवेक्षक बनने हेतु पात्रता मानदण्ड, प्रति पर्यवेक्षक अनुमेय एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थियों की संख्या आदि।

- (8.1) विश्वविद्यालय का कोई भी नियमित रूप से नियुक्त आचार्य जिसने किसी संदर्भित पत्रिका में कम से कम पांच शोध प्रकाशन प्रकाशित किए हैं और विश्वविद्यालय का कोई नियमित सह/सहायक आचार्य जो पीएच०डी० उपाधि धारक हो तथा जिसके संदर्भित पत्रिकाओं में कम से कम दो शोध प्रकाशन प्रकाशित किए गए हों उसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की जा सकती है।
- वर्तते कि उन क्षेत्रों/विभागों में जहां कोई भी संदर्भित पत्रिका नहीं हो अथवा केवल सीमित संख्या में संदर्भित पत्रिका हो, तो संस्थान किसी व्यक्ति को शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान करने की उपर्युक्त शर्तों में लिखित रूप से कारण दर्ज कर छूट प्रदान कर सकता है।
- (8.2) विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षक ही पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के उसी विभाग/अन्य विभागों से अथवा अन्य संबद्ध संस्थानों से अंतर-विषयी क्षेत्रों में सह-पर्यवेक्षकों को शोध उपाधि समिति के अनुमोदन से अनुमति प्रदान की जा सकती है।
- (8.3) किसी घयनित शोधार्थी के लिए शोध पर्यवेक्षक के निर्धारण के संबंध में संबंधित विभाग द्वारा प्रति शोध पर्यवेक्षक विद्वानों की संख्या, पर्यवेक्षकों की विशेषज्ञता तथा शोधार्थियों की शोध रुचि, जैसा कि उनके द्वारा साक्षात्कार/मौखिक साक्षात्कार के समय इंगित किया गया हो, के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- (8.4) ऐसे शोध हेतु शीर्षक जो अंतर विषयी स्वरूप के हैं, तथा जहां संबंधित विभाग यह अनुभव करता है कि विभाग में उपलब्ध विशेषज्ञता की बाहर से अनुपूर्ति की जानी चाहिए, उस स्थिति में विभाग स्वयं अपने ही विभाग से शोध पर्यवेक्षक की नियुक्ति करेगा, जिसे शोध पर्यवेक्षक के रूप में जाना जाएगा और विभाग/संकाय/विश्वविद्यालय के बाहर से एक सह-पर्यवेक्षक को ऐसी निबंधन व शर्तों पर सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा जैसा कि सहमति प्रदान करने वाले संस्थान/विश्वविद्यालय द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा और जिनपर आपस में सहमति बनेगी।

[Signature]

[Signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मिर्जापुर)

[Signature]

[Signature]

- (8.5) किसी एक समय के दौरान कोई भी आचार्य के पद पर नियुक्त पदधारी, शोध पर्यवेक्षक/सह पर्यवेक्षक के रूप में तीन (03) एम0फिल0 तथा आठ (08) पीएच0डी0 शोधार्थियों से अधिक का मार्गदर्शन नहीं कर सकता है। कोई भी सह आचार्य शोध पर्यवेक्षक के रूप में अधिकतम दो (02) एम0फिल0 तथा छह (06) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है तथा शोध पर्यवेक्षक के रूप में सहायक आचार्य अधिकतम एक (01) एम0फिल0 और चार (04) पीएच0डी0 शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।
- (8.6) विवाह अथवा अन्यथा किसी कारण से किसी एम0फिल0/पीएच0डी0 महिला शोधार्थी के अन्यत्र चले जाने पर, शोध आंकड़ों को ऐसे विश्वविद्यालय को अंतरित करने की अनुमति होगी जहां शोधार्थी पुनः जाना चाहे बशर्तें कि इन विनियमों की अन्य सभी निबंधन और शर्तों का पालन किया जाए तथा शोध कार्य किसी मूल संस्थान/पर्यवेक्षक द्वारा किसी वित्तपोषण एजेंसी से प्राप्त न किया गया हो तथापि, शोधार्थी मूल संस्थान के मार्गदर्शन तथा संस्थान को पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंकों के लिए उसे पूर्ण श्रेय देगा।

9. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य

श्रेय अपेक्षाएं, सखंया, अवधि, पाठ्य विवरण, कार्य पूर्ण करने के न्यूनतम मापदण्ड आदि।

- (9.1) एम0फिल0 और पीएच0डी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के लिए न्यूनतम 08 क्रेडिट तथा अधिकतम 16 क्रेडिट दिये जाएंगे।
- (9.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को एम0फिल0/पीएच0डी0 की तैयारी के लिए पूर्वापेक्षा माना जाएगा। शोध पद्धति पर एक या एक से अधिक पाठ्यक्रम को कम से कम चार क्रेडिट दिए जाएंगे जिसमें ऐसे क्षेत्र जैसे परिभाषात्मक पद्धति, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, शोध संबंधी आधार तथा संगत क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रम उन्नत स्तर के पाठ्यक्रम होंगे जो छात्रों को एम0फिल0/पीएच0डी0 के लिए तैयार करेंगे।
- (9.3) एम0फिल0 और पीएच0डी0 के लिए विहित सभी पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम संबंधी कार्य क्रेडिट घंटे संबंधी अनुदेशात्मक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा तथा वह विषयवस्तु, अनुदेशात्मक तथा मूल्यांकन संबंधी पद्धतियों को विनिर्दिष्ट करेगा। वे प्राधिकृत शैक्षणिक निकायों द्वारा विधिवत रूप से अनुमोदित किए जाएंगे।
- (9.4) ऐसे विभाग जहां शोधार्थी अपना शोध कार्य जारी रखते हैं, वे शोध सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम(ों) को विहित करेंगे।
- (9.5) एम0फिल0 तथा पीएच0डी0 कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त सभी अभ्यर्थियों को प्रारंभिक प्रथम अथवा दो सेमेस्टर्स के दौरान विभाग द्वारा विहित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।
- (9.6) पहले ही एम0फिल0 सपाधि धारक अभ्यर्थी जिन्हें पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में दाखिला प्राप्त हो गया है, अथवा जिन्होंने पहले ही एम0फिल0 में पाठ्यक्रम

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (निराकर)

7

7

संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया है तथा जिन्हें पीएचडी0 संकेतित पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई है, उन्हें विभाग द्वारा पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य से छूट प्रदान की जा सकती है। अन्य सभी अभ्यर्थी जिन्हें पीएचडी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है उन्हें विभाग द्वारा विहित पीएचडी0 पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूर्ण करना अपेक्षित होगा।

- (9.7) किसी एम0फिल0/पीएचडी0 शोधार्थी को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य में न्यूनतम 50% अंक अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 7 बिंदु मानक पर इसके समकक्ष ग्रेड (अथवा जहां कहीं भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जाती है समकक्ष ग्रेड/सीजीपीए) प्राप्त करना होगा तबकि वह पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए पात्र हो तथा शोध प्रबंध/थीसिस जमा कर सके।

10. शोध सलाहकार समिति तथा इसके प्रकार्य:

विश्वविद्यालय के परिनिश्चय/अध्यादेश में यथा परिभाषित, प्रत्येक एम0फिल0 और पीएचडी0 शोधार्थी के लिए इसी प्रयोजनार्थ एक शोध सलाहकार समिति (Research Advisory Committee) होगी। शोधार्थी का पर्यवेक्षक इस समिति का समन्वयकर्ता होगा। इस समिति के उत्तरदायित्व निम्नवत होंगे—

- (10.1) शोध प्रस्तावों की समीक्षा करना तथा शोध के शीर्षक को अंतिम रूप देना।
- (10.2) शोधार्थी को अध्ययन ढांचे तथा पद्धति को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उसके द्वारा पूर्ण किए जाने वाले पाठ्यक्रम(ों) की पहचान कराना।
- (10.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।
- (10.4) शोधार्थी छह माह में एक बार शोध सलाहकार समिति के झगक्ष उपस्थित होकर मूल्यांकन तथा आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपने कार्य की प्रगति के संबंध में एक प्रस्तुति देगा।
- (10.5) शोध सलाहकार समिति द्वारा छात्राधिक प्रगति रिपोर्ट शोध उपाधि समिति को तथा इसकी एक प्रति शोधार्थी को भेजी जाएगी। यदि शोधार्थी की प्रगति असंतोषजनक हो तो, समिति इसके कारण दर्ज करेगी तथा उपचारात्मक उपाय सुझाएगी। यदि शोधार्थी इन उपसलत्पक उपायों को कियान्वित करने में असफल बना रहता है तो शोध सलाहकार समिति शोधार्थी के पंजीकरण को रद्द करने के विशिष्ट कारण दर्ज कर शोध उपाधि समिति को इसकी सिफारिश कर सकती है।

शोध सलाहकार समिति का स्वरूप निम्नवत होगा—

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

कुल विभागाध्यक्ष
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विभागाध्यक्ष)

- शोधार्थी का शोध पर्यवेक्षक -
- सम्बन्धित विभाग के प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हों-

समन्वयकर्ता

सदस्य

11. शोध उपाधि समिति (Research Degree Committee)

विश्वविद्यालय के एम०फिल० और पीएच०डी० कार्यक्रमों के प्रयोजनार्थ एक शोध उपाधि समिति होगी। इस समिति के निम्न उत्तरदायित्व होंगे-

(11.1) शोधार्थी के शोध शीर्षक का निर्धारण व अनुमोदन करना।

(11.2) शोधार्थी शोध उपाधि समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपनी शोध रूपरेखा के संबंध में एक प्रस्तुति देगा तथा समिति से आगे का मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

(11.3) शोधार्थी के शोध कार्य की आवधिक समीक्षा करना तथा प्रगति में सहायता प्रदान करना।

(11.4) शोध सलाहकार समिति की अनुशंसा को विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने के लिये सिफारिश करना।

शोध उपाधि समिति का गठन निम्नवत होगा-

- ♦ कुलपति अथवा उनके नामित -
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक-
- ♦ सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष/शोध पर्यवेक्षक-
- ♦ कुलपति द्वारा नामित दो बाह्य विषय विशेषज्ञ-
जिसमें एक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- ♦ सम्बन्धित विद्याशाखा के प्राध्यापक -
- ♦ निदेशक शोध-

अध्यक्ष

सदस्य

संयोजक

सदस्य

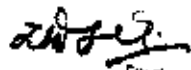
सदस्य

सदस्य

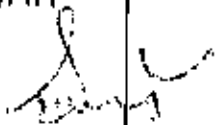
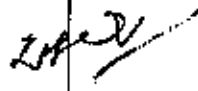
12. उपाधि आदि अवार्ड करने के लिए मूल्यांकन तथा निर्धारण पद्धतियां, न्यूनतम मानदण्ड/क्रेडिट आदि

(12.1) एम०फिल० उपाधि प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य हेतु क्रेडिट सहित समग्र न्यूनतम क्रेडिट संबंधी अपेक्षाएं 24 क्रेडिट से कम नहीं होंगी।

(12.2) पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त तथा उपर्युक्त 9.7 उप धाराओं में विहित अंक/ग्रेड प्राप्त करने पर, जैसा भी मामला हो, एम०फिल०/पीएच०डी० शोधार्थी द्वारा शोध कार्य आरंभ करना अपेक्षित होगा तथा इन विनियमों के आधार पर विश्वविद्यालय में यथा विनिर्दिष्ट निर्धारित समय में एक मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस जमा करना होगा।


कुलपति
विश्वविद्यालय
राजस्थान



- (12.3) शोध प्रबंध/थीसिस को जमा करने से पूर्व, शोधार्थी शोध सलाहकार समिति के समक्ष एक प्रस्तुति देगा जिसमें सभी संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी उपस्थित होंगे। उनसे प्राप्त हुई प्रतिपुष्टि तथा टिप्पणियों को शोध सलाहकार समिति के परामर्श से मसौदा शोध प्रबंध/थीसिस में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा।
- (12.4) मूल्यांकन किए जाने हेतु शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने से पूर्व एम०फिल० शोधार्थी किसी सम्मेलन/संगोष्ठी में कम से कम एक (01) शोध पत्र प्रस्तुत करेगा तथा पीएच०डी० शोधार्थी संदर्भित पत्रिका में कम से कम (01) शोध पत्र अनिवार्य रूप से प्रकाशित करेगा तथा अपने शोध प्रबंध/थीसिस प्रस्तुत करने से पूर्व सम्मेलनों/संगोष्ठियों में न्यूनतम दो पेपर प्रस्तुत करेगा तथा इनके संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रमाणपत्र और/अथवा पुनर्मुद्रणों के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (12.5) विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् (अथवा इसके समकक्ष निकाय) सुविकसित सॉफ्टवेयर तथा उपकरणों के विकास द्वारा साहित्यिक धोरी तथा शिक्षा संबंधी छल-कपट का पता लगायेगी। शोध प्रबंध/थीसिस को मूल्यांकन हेतु जमा करने से पूर्व शोधार्थी से एक वचनबद्धता प्राप्त की जाएगी तथा शोध पर्यवेक्षक द्वारा कार्य की मौलिकता के अनुप्रमाणन स्वरूप एक प्रमाणपत्र जमा करना होगा, जिसमें यह आश्वासन दिया जाएगा कि किसी भी प्रकार की साहित्यिक धोरी नहीं की गई है तथा यह कार्य उसी संस्थान में जहां यह शोध कार्य किया गया था अथवा किसी अन्य संस्थान में किसी अन्य उपाधि/डिप्लोमा पाठ्यक्रम अबाई करने के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (12.6) किसी भी शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये एम०फिल० शोध प्रबंध का मूल्यांकन उसके शोध पर्यवेक्षक तथा कम से कम एक ऐसे बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित नहीं हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक सलाहकार, दोनों परीक्षकों द्वारा एक साथ किया जाएगा, जिसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग के संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी एवं इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.7) शोधार्थी द्वारा जमा किए गए पीएच०डी० शोध प्रबंध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में नियोजित न हों। अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यांकन रिपोर्ट में की गई आलोचना पर मौखिक परीक्षा, शोध पर्यवेक्षक तथा दो बाह्य परीक्षकों में से कम से कम एक बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी। इसमें शोध सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा विभाग व संकाय सदस्यगण तथा अन्य शोधार्थी और इस विषय में रुचि लेने वाले अन्य विशेषज्ञ/शोधकर्ता भी भाग ले सकते हैं।
- (12.8) शोध प्रबंध/थीसिस के पक्ष में शोधार्थी की सार्वजनिक मौखिक परीक्षा केवल उस स्थिति में ली जाएगी जब शोध प्रबंध/थीसिस/पर बाह्य परीक्षकों की मूल्यांकन रिपोर्ट संतोषजनक हो तथा उसमें मौखिक परीक्षा आयोजित करने के

कुल (3) 3
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
शुद्धी (निर्देशिका)

लिये विशिष्ट सिफारिश शामिल हो। एम0फिल0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षक की मूल्यांकन रिपोर्ट अथवा पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मामले में बाह्य परीक्षकों की कोई एक मूल्यांकन रिपोर्ट असंतोषजनक होने पर तथा उसमें मौखिक परीक्षा की सिफारिश नहीं किए जाने पर विश्वविद्यालय परीक्षकों के अनुमोदित पैनल में से किसी अन्य बाह्य परीक्षक को शोध प्रबंध/थीसिस मेजेगा तथा नए परीक्षक की रिपोर्ट संतोषजनक पाए जाने पर ही मौखिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। यदि नए परीक्षक की रिपोर्ट भी असंतोषजनक हो तो शोध प्रबंध/थीसिस को अस्वीकार कर दिया जाएगा तथा शोधार्थी को उपाधि प्रदान करने के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

(12.9) विश्वविद्यालय उपर्युक्त पद्धति विकसित करेगा ताकि शोध प्रबंध/थीसिस जमा करने की तिथि से छह माह की अवधि के भीतर एम0फिल0 शोध प्रबंध/पीएच0डी0 शोध प्रबंध के मूल्यांकन की समग्र प्रक्रिया पूर्ण की जा सके।

13. अंशकालिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से पीएच0डी0/एम0फिल0 उपाधि का संचालन अंशकालिक आधार पर पीएच0डी0 पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति होगी बशर्तें मौजूदा पीएच0डी0 विनियमों में उल्लिखित सभी शर्तें पूर्ण की जाएं।

14. इन विनियमों की अधिसूचना से पूर्व प्रदान की गयीं एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधियां अथवा विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की गई उपाधियां

(14.1) ऐसे अभ्यर्थी जो एम0फिल0/पीएच0डी0 पाठ्यक्रमों के लिए जुलाई, 11 2009 को अथवा उसके पश्चात् इन विनियमों की अधिसूचना की तिथि तक पंजीकृत हुए थे, ऐसे अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान किया जाना, इन यूजीसी (एम0फिल/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने के न्यूनतम मानक एवं विधि) विनियम, 2009 के प्राधान्यों द्वारा अभिशासित होगा।

(14.2) यदि विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि प्रदान की जाती है तो ऐसी उपाधि पर विचार करने हेतु भारतीय संस्थान उस मामले को अवाई की गई उपाधि की समुतल्यता का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उस मामले को संबंधित संस्थान द्वारा गठित स्थायी समिति को भेजेगा।

15. इन्फ्लिबनेट के साथ डिपोजिटरी :

(15.1) एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि(यों) को अवाई करने हेतु सफलतापूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात् तथा एम0फिल0/पीएच0डी0 उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, विश्वविद्यालय एम0फिल0/पीएच0डी0 शोध प्रबंध की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति इन्फ्लिबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी विश्वविद्यालयों/संस्थानों तक इनकी पहुंच बनाई जा सके।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून

Amun

Amun

(15.2) उपाधि को वास्तव में प्रदान करने से पूर्व विश्वविद्यालय इस आशय का एक अनंतिम प्रमाणपत्र जमा करेगा कि उपाधि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदान की गई है।

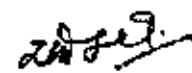
16. एम. फिल./डी. फिल. (पीएच.डी.) उपाधि प्रदान करना:

(16.1) शोध परिषद की अनुशंसाएं विद्यापरिषद को भेजी जाएंगी।

(16.2) छात्र को एम.फिल./डी.फिल. (पीएच.डी.) की उपाधि विद्यापरिषद के अनुमोदन से प्रदान की जाएगी।

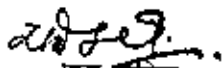

25/11/20




कुल सचिव
उत्तराखण्ड एम.ए. विश्वविद्यालय
हरद्वार, 247 121

Programme Project Report (PPR)
School of Journalism and Media Studies
PG Diploma in Advertizing and Public Relation (Ad and PR)

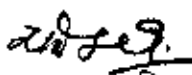
- (a) **Programme's Mission and Objective:** The main objective of the PGD in Ad and PR is to provide learners a wider understanding of Advertising and Public Relation. The programme emphasizes on the skill development of the students and also provides them theoretical base of the subject.
- (b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals-** The PGD in Ad and PR has all the relevance with the HEI's mission and Goals.
- (c) **Nature of Prospective target group of learners:** The target groups are individuals who have acquired a graduate degree in any subjects and or related fields from accredited Institutions. The learners are from diverse background of the society.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence-** The PGD in PGD in Ad and PR is the systematic study of theory and praxis of Ad and PR.
- (e) **Instructional Design:** The School of Journalism and Media Studies has developed courses after rigorous academic exercises. The syllabus first passed and discussed by the experts invited from the top most institutions and university of the country and finally curriculum was developed keeping in mind the objectives of ODL. The Curriculum in each paper is divided in blocks and further divided into units. The Units consists of many small chunks so that the learner could easily understand the subject. The unit introduces the theme of learning then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small segments. To check progress of the learner small exercises are given at the end of the units. The Self Learning Material (SLM) is developed with the help of best possible SLM development approaches. The students have to participate in a 4 days' intensive workshop in every semester.


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारा (नैनीताल)



- (f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum eligibility for admission in PGD in Ad and PR is Graduation in any stream. Total fee for the first year is Rs.3750/- and Rs.4050/- for the second year. The printed learning material is sent to the learners by the University. The soft copy of the material is uploaded in the website of the university as well. The learner's progress is assessed with the help of assignments. The assignments of the learners are evaluated in the study centers as well as by the faculty.
- (g) **Requirement of laboratory support and Library Resources:** The University has a fully equipped ICT department which is helpful for the course. The library of the university is a good help for the students.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provision:** The estimated amount is around Rs. 10 lakh for the of PGD in Ad and PR.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The School of Journalism and Media Studies reviews the course time and again by organizing the Expert Committee and Board of Studies meetings.




कुल सचिव
पञ्जाब विश्वविद्यालय
लुधियाना (पंजाब)

Programme Project Report (PPR)
School of Journalism and Media Studies
PG Diploma in Broadcast Journalism and New Media

- (a) **Programme's Mission and Objective:** The main objective of the PGD in Broadcast Journalism and New Media is to provide its learners a wider understanding of journalism and communication media. The programme emphasizes on the skill development of the students and also provides them theoretical base of the subject.
- (b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals-** The PGD in Broadcast Journalism and New Media has all the relevance with the HEI's mission and Goals.
- (c) **Nature of Prospective target group of learners:** The target groups are individuals who have acquired a graduate degree in any subjects and or related fields from accredited Institutions. The learners might be from diverse backgrounds of the society.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence-** The PGD in Broadcast Journalism and New Media is the systematic study of theory and praxis of Journalism and Mass Communication. The course offers to study the global trends of media including regional development of the subject. The students have to participate in a 4 days' intensive workshop in every semester.
- (e) **Instructional Design:** The School of Journalism and Media Studies has developed courses after rigorous academic exercises. The syllabus first passed and discussed by the experts invited from the top most institutions and university of the country and finally curriculum was developed keeping in mind the objectives of ODL. The Curriculum in each paper is divided in blocks and further divided into units. The Units consists of many small chunks so that the learner could easily understand the subject. The unit introduces the theme of learning then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small segments. To check progress of the learner small exercises are given at the end of the units. The Self Learning Material (SLM) is developed with the help of best possible SLM development approaches. The students also produce audio and video programs in the EMPC of the university. Each of the students has to complete a desertion at end of the semester.

The course structure of PGD in Broadcast Journalism and New Media is given below:

P.G. Diploma in Broadcast Journalism and New Media

PGDBJ-17

ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म एवं न्यूमीडिया में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

Credits-32

PROGRAMME STRUCTURE			
Course Code	Course Name	Credits	Total Marks (Th./Assign.)

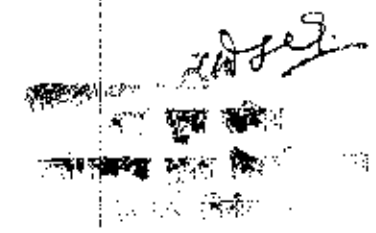




कुली सचिव

SEMESTER I			
BJNM-101	Communication : Principles, Process, Concept & Model	04	100(80/20)
BJNM-102	Introduction of Broadcast Journalism	04	100(80/20)
BJNM-103	Introduction to New Media 100(80/20)	04	
BJNM-104	Writing for Various Media	04	100(80/20)
SEMESTER II			
BJNM-201	Radio Journalism	04	100(80/20)
BJNM-202	Television Journalism	04	100(80/20)
BJNM-203	Web Journalism	04	100(80/20)
BJNM-204	Project Report / Viva-Voce	04	100

- (f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum eligibility for admission in MAJMC is Graduation in any stream. Total fee for the first year is Rs.3750/- and Rs.4050/- for the second year. The printed learning material is sent to the learners by the University. The soft copy of the material is up loaded in the website of the university as well. The learner's progress is assessed with the help of the assignments. The assignments of the learners are evaluated in the study centers as well as by the faculty.
- (g) **Requirement of laboratory support and Library Resources:** The University has an Electronic Media Production Centre for the practical works of the students. The community radio, Hello Haldwani, is also useful for the student to produce the audio programs. The University has a fully equipped ICT department which is helpful in the area of new media learning. The main library of the university is a good help for the students.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provision:** The estimated amount would be around Rs. 15 lakh for the development of PGD in Broadcast Journalism and New Media.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The School of Journalism and Media Studies reviews the course time and again by organizing the Expert Committee and Board of Studies meetings. The school also follows the standards established for the subject by UGC.

Programme Project Report (PPR)
(Post Graduate Diploma in Computer Applications)

- a. **Programme's mission & objectives:** Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA) provides a sound academic base which provides for an advanced career in Computer Applications. PGDCA post graduates can start their career as programmers and use as that of senior programmers. The main objective of the Course is to impart adequate professional knowledge and Computer skills so as to enable the candidates to take up careers in the field of Information Technology and to equip with latest knowledge, skills and experience pertaining to the tests and responsibilities of Information Technology.
- b. **Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. This programme is designed to produce a dynamic breed of computer professionals with excellent managerial skills. Emphasis is given to in-depth studies of numerous application - oriented subjects, covering various methodologies to develop software products efficiently by utilizing advance networking technologies and application software. The aim of this programme is to develop knowledge, about computers that can be effectively used in developing business and scientific applications.
- c. **Nature of prospective target group of learners:** The students who wish to join PGDCA programme is required to have a Bachelors degree in any stream from a recognized institution/university with mathematics as a subject at graduation or 10+2 level. In case the candidate do not have mathematics subject, a bridge course on mathematics is mandatory.
- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programmes. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. Most hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Terminal Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through post study center. The study material can also be downloaded through the University's e- repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:
 - self-instructional printed material
 - audio / video cassettes and CDs
 - audio-tapes programmes transmitted through Hello Haldwari FM Radio and Edison, and at study centre.
 - face-to-face counselling at study centres by academic counsellors
 - reference library at study centre
 - web based academic support
 - assignments
 - practical

The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.

- e. **Instructional Design:** Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio-video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The PGDCA programme is of 36 credits and each credit is worth 30 hours of student study

22

time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course.

- f. **Procedure for admissions, curriculum examination and evaluation:** Direct admission to PGDCA program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The PGDCA Program is divided into 2 semesters over 1 year. About 7 theory courses, 2 practical courses and 2 project are covered in two semesters. Evaluation for each course covers two aspects:
 - Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
 - Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfill the requirements for acquiring the PGDCA, a student may clear all the courses in a minimum of 1 years and a maximum of 3 years. In case the student is unable to pass all the courses of the PGDCA programme in 3 years, s/he can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which s/he is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate. The 60% marks of the practical exam are for practical questions and remaining 40% for viva-voce. A student needs to obtain a minimum of 40% in each section of the term-end practical examination for successful completion of that particular section. In case a student does not secure the minimum passing marks in a section, s/he needs to appear for the term-end practical examination again for that section only.

- g. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also have a subscription of National Digital Library to provide the learners with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.
- h. **Cost estimate of the programme and the provisions:** The PGDCA Programme is a part of the modular structure of 3 years MCA programme. The PGDCA programme consists of first years of MCA programme therefore, no separate funds are required for the development, implementation and maintenance of the programme.
- i. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the model curriculum of the programme recommended by AICTE. (The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years. PGDCA programme has been designed to prepare graduates for achieving the following program outcomes:
 - an ability to apply knowledge of mathematics, computer science and management in practice
 - an ability to identify, critically analyze, formulate and develop computer applications
 - an ability to select modern computing tools and techniques and use them with dexterity
 - an ability to devise and conduct experiments, interpret data and provide well informed conclusions
 - an ability to appreciate the importance of goal setting and to recognize the need for life-long learning

Prabhu Dabanti

22

Appendix I

Title of Programme: Post Graduate Diploma in Computer Application

Programme Code: PGDCA-17

Programme Mode: Semester

Admission Cycle: ~~Evening~~ **Twice**

Eligibility: Graduation

Duration: Min: 1 Year

Max: 3 Years

SLM Availability: Medium: English

Total Credit: 36

Programme Fee:

Semester	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	5000	600	NA	500	NA	6100
Second	5000	450	1000	500	NA	6950

Objective of the Programme: The objective of this programme is to equip the learner with the latest tools and techniques of computing and informatics. The professionals who could develop solutions making use of computer applications is the crux of this programme. It helps the learners to acquire the knowledge required for the positions of system analysts, systems designers, programmers and managers in any field related to Computing & Informatics. The programme, therefore, aims at imparting comprehensive knowledge with equal emphasis on theory and practice.

Programme Structure:

First Semester

S.No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Course Completion Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Computer Fundamentals and PC Software	PGDCA-01	80	20	100	4	12
2	Digital Logic	PGDCA-02	80	20	100	4	12
3	Computer Programming using C	PGDCA-03	80	20	100	4	12
4	Fundamentals of Networking and Web Technology	PGDCA-04	80	20	100	4	12
5	Practical	PGDCA-P1			100	2	6

Second Semester

S.No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	Minimum Course Completion Hours
			Theory	Assignment	Total		
1	Computer Organization and Architecture	PGDCA-05	80	20	100	4	12
2	Data Structure through C Language	PGDCA-06	80	20	100	4	12
3	Fundamentals of Database Management System	PGDCA-07	80	20	100	4	12
4	Project I	PGDCA-08			100	4	12
5	Practical	PGDCA-P2			100	2	6

Syllabus

PGDCA-01

Computer Fundamentals and PC Software

UNIT 1: Introduction to Computer

Block diagram of Computer, Evolution, Generations, Classification and its Application

Unit 2: Basic Components of Computer

Concept of Bit and Byte; Block Diagram of Computer, CPU, ALU, CU, Computer Memory: Primary and Secondary; Input/Output Devices; Buses: Address, Data, Control.

UNIT 2: Introduction to OS

Definition and functions of an Operating System, Types of OS (Single User, Multi user, Single tasking, Multitasking, Real time, Network OS, Distributed OS)

UNIT 3: MS DOS Operating System

Introduction to DOS, System files of DOS, concept of Booting, Files and Directory Structure, Concept of Paths, Internal and External commands, Batch File.

UNIT 4: MS Windows Operating System

Introduction to Windows, Components of Windows, Customizing the Desktop, Files and Folders

UNIT 5: LINUX operating System

Introduction to LINUX, login into LINUX, Structure of File System, Concepts of Path

UNIT 6: LINUX Commands

Directory handling commands (mkdir, cd, rm, mv, cp, mv, find, pwd), File handling commands (cat, cp, rm, mv, more, lp, lpr, utility commands (date, cal, echo, time, who, passwd), file permissions, Text editor vi, three modes of vi editor, adding and replacing text, saving text and quitting.

Microsoft Word

UNIT 7:

Starting Word, different Bars, Document View, Text area, Existing Word, Creating new document, Editing text, Saving a Document, Closing a Document, Opening an Existing Document.

UNIT 8:

Working with paragraph, copy and paste and cut and paste methods, spell check, find and replace.

UNIT 9:

Bullets and Numbering, Undo and Redo, Header & Footer, Page-Setup.

UNIT 10:

Creating Table, Modifying a Table, Merging of Cells, Split Cells.

Microsoft Excel

UNIT 11:

Starting MS-Excel, different Bars, Row, Column and Cell, Exiting MS-Excel.

UNIT 12:

Creating a New Worksheet, Working with Cells, Working with Formulas, Merging of Cells, Inserting a Row and Column, Deleting a Row and Column, Saving a Worksheet, Closing a Worksheet.

UNIT 13:

Different Operators used in Excel, Working with Calculation and Functions, Working with Chart.

Microsoft PowerPoint

UNIT 14:

Starting MS-PowerPoint, different Bars, Different Types of Views and Exiting MS-PowerPoint.

UNIT 15:

UNIT 15:

Signature

Signature

Creating a New Presentation, Working with Slides, Applying Design Templates, Applying Custom Animations, Applying Slide Transitions, Saving a Presentation, Running a Presentation, Creating a Presentation and Opening an Existing Presentation.

Suggested Readings:

1. Andrew S Tanenbaum, Albert S. Woodhull, " Operating System Design and Implementation", prentice-Hall India Publication.
2. Word 2002 from A to Z by Stephen L. Nelson, FireWall Media
3. Microsoft XP Plain & Simple by Brown & resources Online

PCBCA -01

Digital Logic

Unit 1: Number Systems

Decimal, Binary, Hexadecimal and Octal. It's Conversion: Decimal to Binary/Hexadecimal/Octal and vice versa. Addition/ Subtraction on Binary Numbers, Complement r 's and $(r-1)$'s complement, Fixed Point representation, and Floating point representation, BCD, ASCII, EBCDIC, Gray code.

Unit 2: Boolean Algebra

Boolean operators, Rules (postulates and basic theorems) of Boolean algebra, dual and complement of Boolean expression, representation of Boolean expression in Canonical form, Boolean expression and their simplification by algebraic method and Karnaugh Map, Don't care condition.

Unit 3: Logic Gates

Logic GATES, AND, NOT, NAND, NOR, XOR, XNOR, Truth Tables, De-Morgan's theorem, Universals of the logic gates.

Unit 4: Combinational Circuits

Half-adder, Full-adder, Half-subtractor, Full-subtractor, Multiplexer, De-multiplexer, Encoder, Decoder, Magnitude Comparator

Unit 5: Sequential Circuit

Flip-Flops: RS, D, JK, MS, Counters: Asynchronous, Synchronous; Register and its types; Shift register, parallel/serial in, parallel/serial out.

Unit 6: Memory Organization

Primary Memory: RAM and its types, ROM and its types.

Suggested Readings:

1. Rajaraman, V. " Fundamentals of Computer" Prentice Hall of India, New Delhi.
2. M. Motta Manna, "Digital Logic and Computer Design".



PCBCA -03
Computer Programming using C

Unit 1: Introduction to Programming

Basic definition of Pseudo Code, algorithm, flowchart, program, Elementary data types, variables, constants and identifiers, Integer, character floating point and string constants, Variable declarations, Syntax and semantics, Reserved word, Initialization of variable during declarations, Symbolic Constants.

Unit 2: Operators and Expressions

Expression in C, Different types of operators: Arithmetic, Relational and Logical, Assignment, Conditional, increment and decrement, Bitwise, Comma and other operator (sizeof, period etc), Precedence and associativity of operators, type casting.

Unit 3: Decision and Control Structures

Various input/output functions like scanf, getch, getchar, printf, putchar. Conditional Statement- if, if-else, nested if-else switch, Other Statement -break, continue, goto, Concept of Loops: while, do-while, for, nested loops.

Unit 4: Storage Class

Automatic, External, Static, Register, Storage and lifetime of variables, Macro, Preprocessor directive.

Unit 5: Functions

Function: function declaration, function definition, function call (Call by value, Call by reference), Formal and Actual parameter, Recursive function.

Unit 6: Structures and Unions

Structure declarations, definitions, array of structure, pointers to structures, Union definition, declaration, use: Embedded data types, defining your own types (typedef)

Unit 7: Arrays and Pointers

Array: 1-Dimensional array, 2-Dimensional array and its declaration, String, Pointers - Declaration, Passing pointer to a function, Pointer and One-dimensional Array, Dynamic Memory Allocation.

Unit 8: File Handling

Opening, closing, reading and writing of files. Seeking forward and backward. Examples of file handling programs.

Suggested Readings:

1. Rajaraman, V. Programming in ANSI C, Tata McGraw-Hill publication
2. Gottfried Byron S. Programming with C, Tata McGraw-Hill publication

PCBCA -06

Fundamentals of Networking and Web Technology

UNIT 1:

Basics of Computer Network
Computer Network: Definition, Goals: Broadcast and Point-to-Point Networks; Connectivities and Connection-Oriented Services; Network Devices: Network Topologies: Types of Network: LAN, MAN, WAN; Server Based LANs and Peer-to-Peer LANs; Transmission Types; Modes of Communication: Switching Techniques.

UNIT 2:

Network Models
Design Issues of the Layer, Protocol Hierarchy, ISO-OSI Reference Model: Functions of each Layer, Various Technology used in Computer Network, Connection-Oriented and Connectionless Services, Internet (TCP/IP) Reference Model, Comparison of ISO-OSI and TCP/IP Model.

UNIT 3:

Transmission Media
Transmission Media: Guided Media: Coaxial Cable, Twisted Pair, Fiber Optics Cable; Unguided Media: Radio Waves, Infrared, Micro-wave, Satellite Internet Basics

UNIT 4:

Internet Basics
Internet: Architecture, Accessing Internet Service Providers (ISP), Organization of Internet Protocol suite, IP Address, DNS, URL, World Wide Web (WWW), Web Page, Web Servers, Web Browsers, Cookies

UNIT 5:

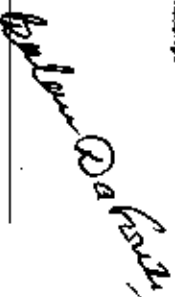
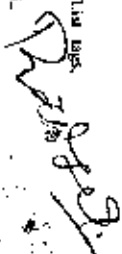
Secure Web Page Design
Basics of HTML: Document Structure tags; Formatting tags: List tags, Hyperlink and Image tags; Table tags; Frame tags; Form tags; HTML Tags and XML

UNIT 6:

HTML Form, Additional Advanced HTML Tags, Introduction of XML.

UNIT 7:

JavaScript

Client Side Programming, Basic Programming Concepts, Control Structures in JavaScript, Array, Functions, Working With Form Object, Built-in Objects in JavaScript, User Defined Objects in JavaScript

PCBCA-05 Computer Organization and Architecture

Unit 1: Input-Output Organization

Accessing Input/Output devices; Interrupts; Data transfer schemes - programmed I/O and DMA transfer; Data transfer schemes for microprocessors.

Unit 2: Memory Unit

Memory Hierarchy: Primary memory, Secondary Memory : Magnetic Tape, Magnetic Disk, Optical disk, Magnetic-Optical Disk, Concepts of auxiliary, Associative, Cache And Virtual Memory, DMA, DMA Transfer modes, sequential access, direct access storage devices.

Unit 3: CPU Organization

CPU Building Blocks, CPU Registers and BUS Characteristics, Registers and System Bus Characteristics, Instruction Format, Addressing Modes; Interrupts: Concepts and Types; Instruction and Execution Interrupt cycle; Hardwired and Micro Program control; Introduction to RISC and CISC

Unit 4: Multi-Processor Organization

Parallel Processing, Concept and Block Diagram, Types (SISD, SIMD, Interconnect network, MIMD, MISD), Future Directions for Parallel Processors, Performance of Processors

Unit 5: Pipelining

Data Path, Time-Space Diagram, Hazards, Instruction Pipelining, Arithmetic Pipelining

Suggested Readings:

1. Computer System Architecture- M/Morris Mano (PHI publication)
2. Computer Organisation and architecture- IyI Chaudhary
3. Structured computer organization- Tanenbaum

PCBCA-06 Data Structure through C Language

Unit 1: Introduction to Data Structure

Basic concept of data, data types, Elementary structure, Arrays, Types, memory representation, address translation functions for one & two dimensional arrays and different examples.

Unit 2: Algorithms

Complexity, Time-Space, Asymptotic Notation.

Unit 3: Linked List

Introduction to Linked List, representation of single linked list, linked list operations, Insertion into a linked list, deletion a linked list, searching and traversal of elements and their comparative studies with implementations using array structure.

Unit 4: Stacks

Definitions, representation using array and linked list structure, applications of stack.

Unit 5: Queues

Definitions, representation using array, linked representation of queues, Circular queues, Deques, Priority queues, application of queue.

Unit 6: Searching

Linear and binary search algorithms, other searching algorithms, performance and complexity using big 'O' notation

Unit 7: Sorting

Sorting algorithms (Complexity, advantages and disadvantages, implementation), bubble sort, insertion sort, selection sort, quick sort, merge sort, bucket/sort.

Unit 8: Trees

Definition and implementation: Binary Tree, Tree traversal algorithms (inorder, preorder, postorder), postfix, prefix notations; Binary Search Tree; Searching in BST, insertion and deletion in BST.

Unit 9: Graph

Introduction to Graph, Graph representation : adjacency matrix, adjacency list, Traversal of graph : depth first search and breadth first search.

Suggested Readings:

1. Raju Jindal, Data structure using C, Umesh Publication
2. Horowitz, Fundamental of data structure, Galgotia Publications

PCBCA-07

Fundamentals of Database Management System

UNIT 1 : File Structure and Organization

Data and information, Concept of field, key field, Records and its types, fixed length records and variable length records, Files, operation on files, Primary file organization

UNIT 2 : Database Management System

Definition of DBMS, file processing system Vs DBMS, Advantages and Disadvantages of DBMS, Users of DBMS : Database Designers, Application programmers, Sophisticated Users, End Users, Capabilities of good DBMS, Overall System structure

UNIT 3 : Data Models

Data Models : Object Based Logical Model, Record Base Logical Model, Relational Model, Network Model, Hierarchical Model, Entity Relationship Model : Entity Set, Attribute, Relationship Set, Entity Relationship Diagram (ERD), Extended features of ERD

UNIT 4 : Relational Databases

Relational data model concept, Terms -Relation, Tuple, Attribute, Cardinality, Degree, Domain, Keys : Super Key, Candidate Key, Primary Key, Foreign Key; Relational Algebra - Operations: Select, Project, Union, Difference, Intersection, Cartesian Product, Natural join

UNIT 5 : SQL (Part I)

Introduction of SQL, characteristics of SQL, Basic Structure, DDL Commands: DDL, DML, SQL SELECT Statement, WHERE Clause, Useful Relational Operators, Aggregate Functions, SUM Function, AVG Function

UNIT 6 : SQL (Part II)

Compound Conditions and Logical Operators, AND Operator, OR Operator, Combining AND and OR Operators, IN Operator, BETWEEN Operator, NOT Operator, Order of Precedence for Logical Operators, TAKE Operator, Coaggregation Operator, Alias Column Names, ORDER BY Clause, Handling NULL Values, DISTINCT Clause

UNIT 7 : Relational Database Design

Introduction to Normalization, Anomalies of unnormalized database, Normal Form : 1NF, 2NF, 3NF

Professor D. S. Sankar

Dr. S. Sankar

Programme Project Report (PPR)

Post Graduate Diploma in Cyber Law (PGDCL)

a) Programme mission and objectives-

The mission and Objectives of PGDCL To familiarize students with the dynamics of Cyber Law with a focus on new forms of cyber crime, and consumer Protection in Cyberspace.

b) Relevance of the programme with HEI's mission and Goals-

The programme completely fulfils the HEIs missions and goals as it developed a deepened information of Cyber Law in a spread of context .It imparts the knowledge of Fundamentals of Cyber Law, Intellectual property issues and Cyberspace, E-commerce and digital evidence cyber crimes and consumer protection in cyberspace to all the learners living and working at the very end corner of the Uttarakhand State.

c) Nature of prospective target groups of learners-

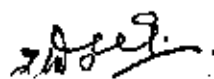
All the Graduates from any stream, practicing Lawyers and other Legal experts, who are interested to enhance their skills in particular stream like Cyber Law. It covers all the learners of every class of society and every corner of Uttarakhand state where it is difficult to go for the higher studies because of geographical reasons or economical barriers or due to absence of higher educational institution providing facilities for post graduate programme in the field of Law.

d) Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence-

The scope of cyber regulation is huge now days. Due to massive scale use of internet technology the cyber area has additionally end up a place to conduct malicious activities, so to deal with crimes associated with cyber world the attorneys have to possess the information of cyber global and this result in a brand new subject of law i.e. Cyber regulation. Cyber crimes can have interaction in crook movements including fraud, defamation, forgery, theft, and mischief.

e) Instructional Design-

The program PGDCL offered by Uttarakhand Open University is a one year PG Diploma with 4 papers of 8 credits each and Viva voce of 4 credits total 36 namely:



- Fundamentals of cyber law and the Emerging Jurisprudence.
- Intellectual property issues and Cyberspace-The Indian perspective.
- E-Commerce and Digital Evidence.
- Cyber Crimes and Consumer Protection in Cyberspace.
- Viva voce.

The University has in-house printed material available which is timely dispatched to the Study Centers for the distribution to the students, beside the printed material video Lectures facility is also available. Students have facility to clarify their doubts through E mails. Qualified Faculty is appointed to rectify the queries and doubts. Doubt clearing sessions are also organized for better understanding of syllabus.

f) Procedure for Admission, Curriculum transaction and evaluation-

Admission is available to all the graduates through online admission and direct admission both facilities are available, Fee of the course is Rs 6550. Exam are conducted in the month of December for the students enrolled in the winter session and in the month of June for the students enrolled in the summer session. Information regarding assignment, exams date Viva Voce are properly convey to the students through University Website,. Evaluation of answer sheet is done by experts of the relevant area or field.

g) Requirement of the laboratory, support and library Resources-

Laboratory is not required for the programme PGDCL but Library with plenty of Books available in the University.

h) Cost estimate of the programme and the provisions-

Cost estimation of the course is INR 8 Lakh.

i) Quality assurance mechanism and expected programme outcomes-

The program PGDCL, its syllabus is regularly monitored, views of the students are invited to enhanced and upgrade the program. Available material is also reviewed by the Law department itself and upgraded by taking suggestion from the experts of the relevant field.

Y. L. [Signature]

[Signature]
[Stamp]

Programme Project Report (PPR)
(Post Graduate Diploma in Cyber Security)

- a. **Programme's mission & objectives:** The underlying objective of PGDCS programme is to develop relevant knowledge, skills and attitude for job seekers and for professionals looking for career progression. The course is designed for those who wish to extend their capability for an accelerated entry career in cyber/information security. It will prepare learners for a successful career in the various roles directly and indirectly connected to the world of computer, network and information security. The Post Graduate Diploma in Cyber Security programme is a computer-based degree that includes studying communication networks and technologies while including a discussion of legal and ethical issues in computer security. The learners have the opportunity to learn about research issues that help find the source of a cyber-attack.
- b. **Relevance of the program with HES Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. The Post Graduate Diploma in Cyber Security is a 1 year (two semesters) professional PG Diploma which is designed for those wishing to develop a career as a cyber security professional, or to take a leading technical or managerial role in an organisation critically dependent upon data and information communication technology.
- c. **Nature of prospective target group of learners:** The Post Graduate Diploma in Cyber Security programme is suitable for those from a computer science or information technology education background. The programme is also able to cater for those with no formal studies in computer science but whose significant interest in cyber security can instead be demonstrated. The students who wish to join this program is required to have a Bachelor degree in any stream from a recognized institution/university with mathematics as a subject at graduation or 10+2 level. In case the candidate do not have mathematics subject, a bridge course on mathematics is mandatory.
- d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where of the instruction is imparted through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programme. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. Most hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through post/ study center. The study material can also be downloaded through the Universities' e- repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:
 - self-instructional printed material
 - audio/ video cassettes and CDs
 - audio-video programmes transmitted through Radio Madurai FM Radio and EduSat, and at study centre.
 - face-to-face counselling at study centres by academic counsellors
 - reference library at study centre
 - web based academic support
 - assignments
 - practical
- e. **Instructional Design:** Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of syllabus.

Dr. S. Sathya

Dr.

counselling and audio/video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. PGDCS programme is of 40 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course.

- f. **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** Direct admission to PGDCS is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The total numbers of courses in this programme are 08 along with 1 practical and 1 project and the total number of credits is 40. Evaluation for each course covers two aspects:
 - Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
 - Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfil the requirements for acquiring the PG Diploma in Cyber Security, a student may elect all the courses in a minimum of 1 year and a maximum of 3 years. In case the student is unable to pass all the courses of the PGDCS programme in 3 years, s/he can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which s/he is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate. The 60% marks of the practical exam are for practical questions and remaining 40% for viva-voce. A student needs to obtain a minimum of 60% in each section of the term-end practical examination for successful completion of that particular section. In case a student does not secure the minimum passing marks in a section, s/he needs to appear for the term-end practical examination again for that section only.

- g. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also has a subscription of National Digital Library to provide the learners' with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.
- h. **Cost estimate of the programme and the providers:** The PG Diploma in Cyber Security Programme is a part of the modular structure of 2 years Master of Science in Information Technology with specialization in Cyber Security programme. The PGDCS programme consists of first year of MSc/IT with specialization in Cyber Security programme. Therefore, no separate funds are required for the development, implementation and maintenance of the programme.
- i. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of studies of the School based on the model curriculum of the programme recommended by AICTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT industry every five years. Post Graduate Diploma in Cyber Security programme has been designed to prepare graduates for attaining the following program outcomes:
 - Foster employable abilities, proficiencies and competencies required to gain a successful career in cyber industry.
 - Enable individuals to be a trained Network/Web Security System.
 - Cyber security management, that focuses on decision making, trade-offs, requirement building, team building, leading, and other human factors not often taught in traditional program.

Enable career advancement of existing cyber security professionals.

Dr. S. Sathya

Appendix I

Title of Programme: Post Graduate Diploma in Cyber Security

Programme Code: PGDCS-17

Programme Mode: Semester

Admission Cycle: Twice every Year in Jan and July

Eligibility: Graduation

External Entry: Certificate in e-governance and Cyber security

Duration: Min: 1 Year

Max: 3 Years

Certificate in Cyber Security

SLM Availability: Medium: English

Total Credit: 90

Programme Fee:

Semester	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	10000	300	N/A	500	NA	10800
Second	10000	300	1000	500	NA	11800

Objective of the Programme: To equip student with the vital knowledge of sophisticated applications of Information Technology and to equip learner with the skills required for the application of electronics for telecommunication and its usefulness in software development.

Programme Structure:

First Semester

S. No.	Paper	Paper Code	Marks			Credits	
			Theory	Assignment	Total	Minimum unit	Course learning Hours
1	Fundamentals of Information Security	PGDCS-61	80	20	100	4	12
2	Cyber Security Techniques	PGDCS-62	80	20	100	4	12
3	Cyber attacks and counter measures: user perspective	PGDCS-63	80	20	100	4	12
4	Information System	PGDCS-64	80	20	100	4	12
5	Lab Cyber Security Fundamentals	PGDCS-P1	-	-	100	4	12

Second Semester

S.N	Paper	Paper Code	Marks			Credits	
0.			Theory	Assignment	Total	Minimum unit	Course learning Hours
1	Information Security Assurance: Framework, standards and Industry best practices	PGDCS-65	80	20	100	4	12
2	Digital Forensic	PGDCS-66	80	20	100	4	12
3	Advanced Cyber Security Techniques	PGDCS-67	80	20	100	4	12
4	Computational Number Theory & Cryptography	PGDCS-68	80	20	100	4	12
5	Project	PGDCS-Project	-	-	150	4	12

SYLLABUS FUNDAMENTALS OF INFORMATION SECURITY PGDCS-01

BLOCK I: INTERNET, E-COMMERCE & E-GOVERNANCE BASICS

Unit I: Introduction and History, Internet address, Domain Naming System, Internet infrastructure, ISP, Role of ISP, International & National ISP's, eTLD (Country Code Top Level Domain), FLD (Top Level Domain) Types of accounts, Webbrowser (WWW), Application areas of Internet, E-Governance: Need of E-Governance, Issues in E-Governance applications and the Digital Divide, Evolution of E-Governance, Its scope and content, growth in E-Governance global trends, Other issues.

Unit II: Model of Digital Governance: Broadcasting/ Wither Dissemination Model, Critical Flow Model, Comparative Analysis Model, Mobilization and Lobbying Model, Interactive-service Model(Government-to-Citizen-to-Government Model (G2C2G) Evolution in E-Governance and Maturity Models: Five Maturity Levels, Characteristics of Maturity Levels, Key areas, Governance framework, Digital India Program, Towards Good Governance through E-Governance Models.

Unit III: E-readiness: Digital System Infrastructure, Legal Infrastructure Preparedness, Institutional Infrastructure Preparedness, Human Infrastructure Preparedness, Technological Infrastructure Preparedness, Evolutionary Stages in E-Governance.

Unit IV: E-Commerce: Definition of E-commerce, Business Models of E-commerce and Infrastructure, B2B, B2C, B2G and other models of e-commerce; Types of payment systems - e-cash and currency servers, e-checks, credit cards, smart cards, electronic purses and debit cards; e-wallet, Google Wallet, Digital locker and other initiatives of Central government and state Governments.

BLOCK II: CYBER CRIME

Unit I: Introduction to computer crime and cyber crimes, Discussion between cyber crime and conventional crimes, Reasons for commission of cyber crime, Some basic terminologies: Virus, Malware, worm, Trojan, spyware, malware, botnets, ransomware and zombies.

Unit II: Kinds of cyber crimes - Hacking, cyber stalking, cyber pornography, online forgery and fraud, Cyber terrorism, Creating software, Downloading illegal music files, Creating and distributing viruses on other computers, Posting confidential business information on the internet, copyright infringement, identity theft, phishing/spoofing, credit card fraud, online auction fraud, spamming, denial of service attack, data elimination, internet extortion, cyber defamation, Smart Phone Auditing.

Unit III: Cyber criminals, Organized cyber crimes, Classification of cyber crimes, Cyber crime and Cyber terrorism, Information Warfare and Surveillance, Introduction to IT act.

Unit IV: Case Studies: Cyber Threats and Attacks, Impacts and response actions.

BLOCK III: INFORMATION SECURITY

Unit I: Introduction to Cyber Security, Security principles, Security unit: Confidential, Integrity, Availability, UNIT II: Introduction to ISMS

Unit III: Cyber security techniques for secure e-commerce: authentication, encryption, digital signatures, firewalls, antivirus, Firewall, Computer forensics, steganography

Signature

Dr. [Signature]

Unit IV: Ethical aspect of Cyber Security, Type for computer security: Think before you click, Update everything, Backup your files, Secure your wireless network, Use strong passwords, etc.

CYBER SECURITY TECHNIQUES

PGDCS-42

BLOCK I

Unit I: Information Technology Security Policy, Aspect of Organizational security- IT security, Physical security, financial security, Legal security, online security.

Unit II: Modes of Attack: Insider attack, consider attack, why to report a cyber crime?, Reporting a cyber crime- How and when to report an incident?

Unit III: Intrusion Detection System/Prevention Systems and Incident Handling.

Unit IV: securing IT assets, Implementing Firewall Based Security, Software Based Firewall, Securing IS assets, Protect your network from anonymous attack, Wireless Security, WEP or WPA, Protect USB port

BLOCK II

Unit I: Security Standards & assurance framework

Unit II: desktop security and malware

Unit III: e-commerce & application security.

Unit IV: social engineering.

BLOCK III

Unit I: Risk management.

Unit II: Computer forensics & Collection of Digital Evidence

Unit III: Cyber Security initiatives in India: National Information Security Assurance Programme (NISAP), Indian Computer Emergency Response Team (CERT-In), India US Cyber Security Forum (IUSCSF), National counter terrorism centre (NCTC) of India, National Critical Information Infrastructure Protection Centre (NCIIPC) of India, Institute for Defence Studies and Analysis (IDSA), National Intelligence Grid (Nagrid) project of India, Crime and Criminal Tracking Network and systems (CCTNS) project of India, national cyber coordination center, botnet cleaning center, malware analysis center.

Unit IV: Cyber Laws, National Cyber security policy, national cyber crisis plan.

CYBER ATTACKS AND COUNTER MEASURES: USER PERSPECTIVE

PGDCS-43

BLOCK I

Unit I: cyber attacks, Types of attacks motivation.

Unit II: Assets Threats and Vulnerabilities, Risk Management.

Unit III: Information Security Framework: Organisation and Responsibilities, The Organisation's Management of Security, Organizational Policy Standards and Procedures

Unit IV: Information Security Governance, Information Security Implementation, Security Information Management, Legal Framework, Security Standards and Procedures

BLOCK II

Unit I: Procedural / People Security Control: People, User Access Controls, Communication, Training and Awareness

Unit II: Technical Security Controls, Protection from Malicious attacks, Networks and Communications, External Services, Cloud Computing, IT Infrastructure

Unit III: Software Development and Lifecycle: Testing, Audit and Review, Systems Development and Support

BLOCK III

Unit I: Authentication and password security

Unit II: Wireless security

Unit III: Investigation and forensic technique, investigate fraud email, fake social media profile investigation, investigate origin of spoof mail and genuine mail

Unit IV: Introduction and application of cryptography

INFORMATION SYSTEM

PGDCS-44

BLOCK I

Unit I: Networking and Communications

Unit II: Cryptography

Unit III: VAPT- Basics

Unit IV: Network Security, Email Security, Infrastructure & Web Application Security

BLOCK II

Unit I: History of Cryptography, Basic concepts of Cipher, simple cipher, digital cipher, Key management.

Unit II: Cryptographic Algorithms, symmetric cipher, asymmetric ciphers, data integrity algorithms

Unit III: Key management and distribution, user authentication Protocols

Unit IV: Network and internet security, Transport level security, wireless network security, e-mail Security, IP Security.

BLOCK III

Unit I: Spoofing and impersonation

Unit II: scanning and enumeration

Unit III: gaining access and exploitation

Unit IV: post exploitation activities

LAB

PGDCS-45

a. How to generate a secure password.

b. How to check whether a site is secure for online payment.

c. How to configure a basic firewall available with OS.

d. How to select a browser? help them decide which browser is best by providing some of the details of the browsers.

e. How to configure in browser setting for safe browsing(clearing cookies after browsing session, never store passwords etc.)

f. How to secure wireless using password, etc

g. Social Media Security: guidelines for safe browsing of facebook, twitter, linkedin, etc

h. email security

i. Browser Security

j. Smart Phone Protection

k. Secure e-transaction

l. Installing and configuring anti-malware/antivirus software

m. Use of Encryption technologies for securing data

n. Patching and updating user/client systems

o. Secure Communication

p. Other latest topics

Adarsh Dabhi

Adarsh Dabhi

Adarsh Dabhi

INFORMATION SECURITY ASSURANCE : FRAMEWORK, STANDARDS AND INDUSTRY BEST PRACTICES

PGDCS-05

BLOCK I

- Unit I: Interrelationship between Regulation, policies, standard procedures and guidelines, Standards for Information Security: ISO standards- ISO/IEC 27002:2005 (Code of Practice for Information Security Management), ISO/IEC 27001:2005 (Information Security Management System - Requirements),
- Unit II: Regulations related to Information Security: SOX, GLBA, COSO, HIPAA, FISMA, FIPS, FRIEC, common elements of compliance, Security controls, common pitfalls of a effective Information Security program.

UNIT III: ISO/IEC 13335 (REVIEWED) Criteria for IT Security, ISO/IEC 13335 (IT Security Management) Payment Card Industry data security standards, COBIT, ITIL (OR ISO/IEC 20000 SERIES)

Unit IV: Introduction to industry best practices including NIST, SANS, OWASP

BLOCK II

- Unit I: Overview of ISO-27K.
- Unit II: ISO 27001
- Unit III: ISO-27002
- Unit IV: Other standards, guidelines, ISO-27003

BLOCK III

- Unit I: Security auditing
- Unit II: Information security
- Unit III: Disaster recovery
- Unit IV: Business continuity planning and management

COMPUTER FORENSIC

PGDCS-06

BLOCK I

- Unit I: Introduction to Computer Forensic, evolution and objective, goals of forensic readiness, role of forensic investigators.
- Unit II: Computer forensic investigation process
- Unit III: Digital Evidence and first responder procedure
- Unit IV: Understanding storage media and file systems

BLOCK II

- Unit I: Windows forensic: data acquisition and duplication, recovering deleted files and deleted partitions.
- Unit II: Application password crackers, Image forensic, log capturing and events correlation
- Unit III: Network Forensic
- Unit IV: Investigating wireless networks

BLOCK III

- Unit I: Investigating web attacks
- Unit II: Investigating email attacks
- Unit III: Mobile forensic
- Unit IV: Investigative reports and becoming expert witness, cyber regulations and IT act

[Handwritten signature]

ADVANCED CYBER SECURITY TECHNIQUE

PGDCS-07

BLOCK I

- Unit I: Perimeter Devices Security
- Unit II: Data Center Security
- Unit III: Secure Network design/implementation
- Unit IV: Physical and environment security

BLOCK II

- Unit I: server security: patch management, server hardening.
- Unit II: services hardening
- Unit III: advanced web application security.
- Unit IV: E-mail Security

BLOCK III

- Unit I: desktop hardening
- Unit II: mobile devices
- Unit III: wireless
- Unit IV: advanced persistent threats

COMPUTATIONAL NUMBER THEORY AND CRYPTOGRAPHY

PGDCS-08

BLOCK I

- Unit I: Computational Complexity: Input Size, Complexity Classes etc.
- Unit II: GCD Computation: Euclid's Algorithm, Extended Euclid's Algorithm.
- Unit III: Modular Arithmetic: Groups, Solving Modular Linear Equations, Chinese Remainder Theorem, Modular Exponentiation, Discrete Logarithm Problem.
- Unit IV: Key Exchange: Diffie Hellman, ElGamal, Menezes-Qunara, Computation of Generators of Primes.

BLOCK II

- Unit I: Public Key Cryptosystems: RSA, DiffieHellman Attacks & Remedies.
- Unit II: Primality Testing: Pseudoprimitality Testing, Quadratic Residues.
- Unit III: Randomized Primality Test & Deterministic Polynomial Time Algorithm.
- Unit IV: Factorization: Quadratic-Sieve Factoring Algorithm, Pollard-Rho Method.

BLOCK III

- Unit I: Elliptic Curve Cryptosystem: Theory of Elliptic Curves, Elliptic Curve Encryption & Decryption Algorithms.
- Unit II: Security of Elliptic Curves Cryptography, Elliptic Curve Factorization.
- Unit III: Digital Signature: Authentication Protocols, Digital Signature Standards (DSS).
- Unit IV: Proxy Signatures.

COURSE IX: PROJECT

PGDCS-PROJECT

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
[Stamp: PGDCS-PROJECT, 2024]

Programme Project Report (PPR)

Name of Programme: PG Diploma in Disaster Management

- a) **Programme mission and objectives:** The mission of programme in Disaster Management is to bring awareness among the youth regarding disaster preparedness, mitigation and rehabilitation so that they may play a key role during any disaster situation. This is possible only when youth are educated on the subject matter. Dealing with disaster has always been a challenge for human kind because disasters recognize neither land nor people. Areas like Uttarakhand are very prone to disasters of diverse nature. Therefore, awareness, education and training on the subject are very crucial in the State. Through academic courses and project based field activity, learners will be able to know about the various kinds of disasters, the harmful effects, and how to cope with the situation. The objectives of Post Graduate Diploma in Disaster Management (PGDDM) are:
- to provide comprehensive knowledge to the learners on disaster preparedness, mitigation, and rehabilitation.
 - to equip them with disaster response techniques, risk assessment and vulnerability analysis, communication skills and skills pertaining to emergency medical requirement
 - to equip the learners with latest knowledge, technologies, policies, legal initiatives and experience-based skills on disaster management
- b) **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the mission of higher education particularly ODL Institutions is to provide greater opportunities of access to Higher Education with equity to all the eligible persons and in particular to the vulnerable sections. At present, there are very few Universities and colleges that provide education at Masters/ PG Diploma level in disaster management. PG Diploma in Disaster Management in ODL mode will provide opportunity to majority of the aspirants particularly residing in far flung remote areas and in particular to weaker and deprived sections of the society who need to have the subject specific knowledge for their own survival. Further, the aim of the HEIs is to fulfill the region specific requirements. In case of Uttarakhand (As being very fragile), the knowledge and awareness on disaster management is very essential.
- c) **Nature of prospective target group of learners:** The target group of learners are those who are working professionals in such departments which are directly related or that directly deal the disaster situations. These belong to Non-Governmental Organisations, Governmental Organisations such as

Handwritten signature

Handwritten signature
Stamp

Police Department, Forest Department, ITBP, Armed forces, Medical department, etc. Further, those learners who wish to opt career in disaster related organisation such as NGOs or Governmental organization will also be the prospective learners for the programme such as Ministry of Environment, State Disaster management cell, Forests and Climate Change, State Forest Department, Environmental Management etc. and or/ Non-Government organizations such as The Energy Resource Institute (TERI), World Wildlife Fund (WWF), International Union for Conservation of Natural Resources (IUCN) and other Environmental Conservation and Sustainable development based organizations, will be the target group of learners.

- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** There are very few institutions/ Universities/ Colleges in India that impart education on Disaster Management. Therefore, access to knowledge on the subject is not accessible to the learners. Therefore, initiating such programme in Open and Distance Learning (ODL) mode will help aspirants particularly residing in far-flung areas and those who belong to weaker sections, to acquire skill and knowledge on the subject area. The subject is more important particularly in case of Uttarakhand as the State has very fragile geography and faced disasters of varied nature. Further, accessibility of people and villages is also difficult, therefore, conduction of the programme in ODL mode is appropriate and will cater to a larger section of the society. In order to communicate effectively with the learners University has adopted the following tools:

- self-instructional printed material
- audio / video cassettes and CDs
- audio-video programmes transmitted through FM Radio and EduSat
- face-to- face counselling at study centres by academic counselors
- reference library at study centre
- web based academic support
- assignments
- practical

e) **Instructional design:**

i) **Curriculum design:** The Programme structure has been adopted from IGNOU. The programme structure is as follows:

Course code	Name of Course	Credits
MPA-001	Understanding Natural Disaster	04

Handwritten signature

Handwritten signature and stamp

MPA-002	Understanding Man-made disasters	04
MPA-003	Risk Assessment and Vulnerability Analysis	04
MPA-004	Disaster Preparedness	04
MPA-005	Disaster Response	04
MPA-006	Disaster Medicine	04
MPA-007	Rehabilitation, Reconstruction and Recovery	04
MPAP-001	Project work	04

ii) Detailed Syllabi:

MPA-001 UNDERSTANDING NATURAL DISASTER

Syllabus: Meaning and nature of natural disasters; effects of disaster; Regional and seasonal distributions; Efforts to mitigate natural disasters at the national, and global levels; Concept of disaster management; National disaster management framework; Financial arrangements; Role of NGOs, Community Based Organisations, and media; Understanding the nature and management of flood disasters; Flood prone areas; Causes and impacts of floods; Structural and non-structural measures; Preparedness and response system in India; Remedial measures; Drought management; impact of drought and response system; Cyclones in tropical areas; Adverse effects of cyclones; Hazards associated with tropical cyclones; Earthquakes disasters in India and their management, and risk mitigation techniques; earthquake occurrence; hazards associated with them and their impact; Types, causes, impacts, and risk reduction measures of landslide disaster; Landslide disaster management in India; Role of Geological Survey of India as the Nodal Agency for landslide management

Objective: To understand the various natural disasters, their causes and impacts.

UNIT SCHEDULE

Unit 1	Understanding Natural Disasters
Unit 2	Understanding Disaster Management
Unit 3	Flood
Unit 4	Flood: Case Studies
Unit 5	Drought
Unit 6	Drought: Case Studies
Unit 7	Cyclone
Unit 8	Cyclone: Case Studies
Unit 9	Earthquakes
Unit 10	Earthquakes: Case Studies
Unit 11	Landslides
Unit 12	Landslide: case studies
Unit 13	Avalanches
Unit 14	Avalanches: case studies
Unit 15	Volcanic eruptions
Unit 16	Volcanic eruptions: Case studies
Unit 17	Heat and cold waves
Unit 18	Climate change: global warming
Unit 19	Climate change: sea level rise
Unit 20	Climate change: Ozone layer depletion

Amrita

20/09/2020
मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरिद्वार (विनीतास)

MPA002 UNDERSTANDING MAN MADE DISASTERS

Syllabus: Meaning and nature of man-made disasters; Origin and causes of man made disasters; different types of man-made such disasters; Nuclear Disasters: causes and impacts of nuclear disasters, management system; Chemical Disaster: chemical hazards, causes and impacts of chemical disasters, preparedness and response activities for mitigation of chemical disasters; Biological disaster: causes and adverse effects of biological disasters; Building fires: causes and impacts of building fires, types, safety and preventive measures; Coal fires: phenomenon and the disaster, causes and impacts of coal fire in India, coal fire disaster management; Forest fires; Oil fire; Air pollution; Water pollution; Deforestation; Concept of industrial wastewater pollution and characteristics of industrial effluents, disastrous impacts; Road accidents; Air accidents; Sea accidents; Disaster Mitigation Action Plan, including the international preventive measures against sea accidents

Objective: The objective of this course is develop an understanding on the different man made disaster and their management

UNIT SCHEDULE

- Unit 1: Understanding Man-Made Disasters
- Unit 2: Nuclear Disasters
- Unit 3: Chemical Disasters
- Unit 4: Biological Disasters
- Unit 5: Building Fire
- Unit 6: Coal Fire
- Unit 7: Forest Fire
- Unit 8: Oil Fire
- Unit 9: Air Pollution
- Unit 10: Water Pollution
- Unit 11: Deforestation
- Unit 12: Industrial Wastewater Pollution
- Unit 13: Road Accidents
- Unit 14: Rail Accidents
- Unit 15: Air Accidents
- Unit 16: Sea Accidents

MPA-003 RISK ASSESSMENT AND VULNERABILITY ANALYSIS

Syllabus: Difference between hazards and disasters, classification of disasters, vulnerability factors, vulnerability and risk assessment; Concept of risk and elements at risk, risk management, vulnerabilities related/emerging concepts, societal risk management, perception of risk, and acceptable risk; essentials of risk reduction and targets for risk reduction with respect to specific natural hazards; Risk assessment: understanding risk assessment and examining the process of risk assessment by measuring risks and using statistical models for risk assessment, different methods and models; Participatory Risk Assessment: community participation for risk assessment, rationale of people's participation in risk assessment and analyse the participation between the community and government organisations, participatory risk assessment methods; Vulnerability Analysis and Risk Assessment: understanding the concept and significance of vulnerability analysis and risk assessment; vulnerability as a socially constructed phenomenon, local people's perception of vulnerability; Vulnerability Identification: vulnerability identification, indicators of vulnerability, social vulnerability; relationship between gender, poverty and vulnerability; vulnerability of children, weaker

Signature

20/08/2020
मुख्य शिक्षक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (विश्वविद्यालय)

sections and disabled people; understand the economic dimension of vulnerability; Vulnerability to Shanty Settlements; Strategies for survival; vulnerability and development; resource analysis and mobilization; strategic developments for vulnerability reduction.

.Objective: To understand various kinds of hazards, risk, their assessment and analysis.

UNIT SCHEDULE

- Unit 1 Hazard, Risk and Vulnerability
- Unit 2 Understanding Risk: Concepts and Elements
- Unit 3 Risk Reduction
- Unit 4 Risk Analysis Techniques
- Unit 5 Participatory Risk Assessment
- Unit 6 Vulnerability Analysis and Risk Assessment
- Unit 7 Observation and Perception of Vulnerability
- Unit 8 Vulnerability Identification
- Unit 9 Vulnerability: Social Factors
- Unit 10 Vulnerability: Economic Factors
- Unit 11 Vulnerability to Shanty Settlements
- Unit 12 The Experience of Vulnerability-I
- Unit 13 The Experience of Vulnerability-II
- Unit 14 Strategies for Survival
- Unit 15 Vulnerability and Development: The Role of Development Planning
- Unit 16 Resource Analyses and Mobilisation
- Unit 17 Strategic Developments for Vulnerability Reduction

MPA 004 DISASTER PREPAREDNESS

Syllabus: Concept of disaster management and its main components; components of disaster prevention, preparedness and mitigation; concept and significance of disaster preparedness and its important measures; mapping, preparedness plan, land-use zoning; significance and concept of planning in the context of disaster preparedness; Disaster Preparedness for People with Special Needs/Vulnerable Groups; Disaster Preparedness with Relevance to Housing, Infrastructure and Livestock; need and significance of community-based disaster preparedness; Nature and significance of IEC and training; Disaster Preparedness: Role and Responsibilities of Central, State, Administration, Armed Forces, Police, Para-military Forces, National Service Scheme and Scouts, International Agencies, Non-governmental Organisations, Community-based Organisations, Community and Media; Role of information technology in disaster preparedness; Use and Application of Emerging Technologies in Disaster Preparedness: HAM radio, wireless, Emergency operating centres; concept and significance of disaster mitigation; efforts of administration, politicians, community, NGOs; Disaster Mitigation Strategies; significance of teamwork; conflict resolution and its important techniques.

Objective: The main course objective is to explain the concept of disaster management, prevention, preparedness and mitigation

UNIT SCHEDULE

- Unit 1 Disaster Management: Prevention, Preparedness and Mitigation
- Unit 2 Disaster Preparedness: Concept and Nature
- Unit 3 Disaster Preparedness Plan

Handwritten signature

Handwritten signature
20/08/19
20/08/19
20/08/19
20/08/19

- Unit 4 Disaster Preparedness for People with Special Needs/Vulnerable Groups
- Unit 5 Disaster Preparedness with Relevance to Housing, Infrastructure and Livestock
- Unit 6 Community-based Disaster Preparedness Plan
- Unit 7 Role of Information, Education, Communication and Training
- Unit 8 Disaster Preparedness: Role and Responsibilities of Central, State, District and Local Administration
- Unit 9 Disaster Preparedness: Role and Responsibilities of Armed Forces, Police, Para-military Forces, National Service Scheme and Scouts
- Unit 10 Disaster Preparedness: Role and Responsibilities of International Agencies, Non governmental Organisations, Community-based Organisations, Community and Media
- Unit 11 Information Technology: Role in Disaster Preparedness with Special Reference to Geographical Information System
- Unit 12 Use and Application of Emerging Technologies in Disaster Preparedness - I
- Unit 13 Use and Application of Emerging Technologies in Disaster Preparedness - II
- Unit 14 Disaster Mitigation
- Unit 15 Disaster Mitigation Strategies
- Unit 16 Emerging Trends in Disaster Mitigation - I
- Unit 17 Emerging Trends in Disaster Mitigation - II
- Unit 18 Mitigation Management - I
- Unit 19 Mitigation Management - II

MPA 005 DISASTER RESPONSE

Syllabus: Disaster Response Plan: importance, role of international agencies, NGOs, community based organisations in the response plan; importance of communication, participation in the activation of emergency plans; Logistic Management; Needs and Damage Assessment; role played by different ministries and departments at centre, state and district level, police, para military, in dealing with disaster response; capabilities and the resourcefulness of Armed Forces; Psychological Response; Trauma and Stress Management: concept of trauma, the meaning and the nature of the stress, types and sources of stress and management of stress; meaning of rumour, the concept of panic and management of panic situation; management of relief commodities, supply and services; Funding Relief; Recovery: recovery process, challenges associated with the recovery process and also examine the implications of human factors involved.

Objective: To understand concept of disaster response and role of different stakeholders in it

UNIT SCHEDULE

- Unit 1 Disaster Response Plan
- Unit 2 Communication, Participation and Activation of Emergency Preparedness Plans
- Unit 3 Logistic Management
- Unit 4 Needs and Damage Assessment
- Unit 5 Disaster Response: Central, State, District and Local Administration
- Unit 6 Armed Forces in Disaster Response
- Unit 7 Disaster Response: Police and Other Organisations
- Unit 8 Role of Multiple Stakeholders in Disaster Response
- Unit 9 Psychological Response
- Unit 10 Trauma and Stress Management
- Unit 11 Rumour and Panic Management
- Unit 12 Minimum Standards of Relief

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
 20/8/2020
 20/8/2020
 20/8/2020

- Unit 13 Managing Relief
- Unit 14 Funding Relief
- Unit 15 Recovery

MPA 006 DISASTER MEDICINE

Syllabus: Disaster medicine: meaning and significance of disaster medicine; importance of post-disaster review, documentation, and future planning and research in disaster medicine; meaning, methods, and various procedures of epidemiological studies; importance of epidemiological data in preventive strategies, early warning and evacuation, health effects analyses; prevention of risk factors; Medical preparedness plan; Logistics management; Remote area planning; t of community education and training in all aspects of disaster medicine, such as, planning, preparedness, risk evaluation, medical response, psychological rehabilitation, evaluation, debriefin; pre-hospital phase, that is, disaster site management; emergency management in hospitals; ility of potable water, hygiene and sanitation, vector control, garbage disposal and food safety in the community at times of disasters; Medical and health response to different disasters; Role of information and communication technology in health response; Psychological rehabilitation

Objective: To understand role of medical preparedness during and after emergencies and disasters

UNIT SCHEDULE

- Unit 1 Understanding disaster medicine
- Unit 2 Epidemiological study of disasters
- Unit 3 Prevention of risk
- Unit 4 Medical preparedness plan
- Unit 5 Logistics management
- Unit 6 Remote area planning
- Unit 7 Education and training in health management of disasters
- Unit 8 Disaster site management
- Unit 9 Clinical casualty management
- Unit 10 Community health management
- Unit 11 Medical and health response to different disasters
- Unit 12 Role of information and communication technology in health response
- Unit 13 Psychological rehabilitation
- Unit 14 Practical manual
- Unit 15 Case studies of medical and health interventions in disaster management

MPA 007 RECONSTRUCTION, REHABILITATION AND RECOVERY

Syllabus: Disasters and development; Damage Assessment: techniques and tools of damage assessment; Role of Various Agencies in Disaster Management and Development; concept of vulnerability in the context of disasters; Development of Physical and Economic Infrastructure; concept of livelihood; significance of livelihood perspective to disaster management; overview of the process of reconstruction and its significance in post-disaster times; hazard vulnerability in India and identifies the disaster prone areas in the country; Disaster Resistant House Construction; of governmental, non-governmental and international agencies in reconstruction in the post-disaster phase; significance of education, training and awareness in disaster management; tance and scope of education, awareness and training in disaster mitigation; Dealing with Victims' Psychology; Role of Information Dissemination; role of urban and rural local bodies in disaster recovery; concept and

Verma

Sharma

objectives of monitoring and evaluation; objectives of monitoring, reasons behind inadequate monitoring and the interrelationship between monitoring; incorporating local needs into the rehabilitation process; important issues related to inclusion of sustainability, capacity building, risk management, total quality management and participatory planning.

Objective: To understand role of medical preparedness during and after emergencies and disasters

UNIT SCHEDULE

Unit 1	Reconstruction and Rehabilitation as Means of Development
Unit 2	Damage Assessment
Unit 3	Role of Various Agencies in Disaster Management and Development
Unit 4	Information Management Structure
Unit 5	Parameters of Vulnerability
Unit 6	Development of Physical and Economic Infrastructure
Unit 7	Creation of Long-term Job Opportunities and Livelihood Options
Unit 8	Funding Arrangements for Reconstruction
Unit 9	Nature of Damage to Houses and Infrastructure due to Disasters
Unit 10	Disaster Resistant House Construction
Unit 11	Role of Housing/Building Authorities
Unit 12	Education and Awareness
Unit 13	The Philosophy of Coping with Disasters
Unit 14	Dealing with Victims' Psychology
Unit 15	Role of Information Dissemination
Unit 16	Participative Rehabilitation Process: Some Case Studies
Unit 17	Role of Various Agencies in Recovery Measures
Unit 18	Monitoring and Evaluation of Rehabilitation Work
Unit 19	Constraints in Monitoring and Evaluation
Unit 20	Long-term Recovery
Unit 21	Long-term Counter Disaster Planning

MPAP-001 PROJECT WORK

iii) **Duration of the programme:** Minimum duration of programme is one (01) years and maximum duration if three (03) years

iv) **Faculty and support staff requirement:** One Permanent Faculty is available in Department of Forestry and Environmental Science, School of Science.

v) **Instructional delivery mechanism:** The programme will be offered in the Open and Distance Learning (ODL) mode. Guided self study using print (SLM) and electronic media; lecture/ counseling sessions; special counseling sessions and group interactions in Workshop at cluster level; debate on key environmental issues; self-reliant study activities; individual / group work assignment; through MOOC; Project work. The delivery material will include printed SLM, assignment, Face to face

Handwritten signature
20/08/2024
मुख्य शिक्षक
पर्यावरण एवं वन विभाग
राज्य (मिनाम)

counseling at the designated study centres during Saturday and Sundays. Face to Face session for project guidance at Study Centre level.

f) Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation

Eligibility: Graduation in any discipline

Fee structure: Rs. 10000 per annum

Evaluation norms: A learner will be evaluated through continuous evaluation (Assignments) and term end evaluation (Term end examination) at the end of semester. Continuous evaluation will carry 20% weightage whereas term end evaluation will carry 80% weightage.

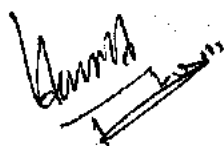
g) Requirement of the laboratory support and Library Resources: Laboratory is not required for the programme. Uttarakhand Open University has a library at its Haldwani campus and Dehradun campus which can be utilized by the learners. Further, library resources are also available at Study Centres which can also be utilized by the students.

h) Cost estimates for development of the programme: At present university is using SLM resource of Indira Gandhi National Open University (IGNOU).

i) Quality assurance mechanism and expected programme outcomes: The programme will help in the development of professionally skilled and sound indigenous human capital with interdisciplinary perspective and will be capable of dealing with disaster situations and contribute effectively in management of various disasters. University is availing quality SLM from IGNOU at present and in future, University will develop its own SLM.

Programme outcomes:

- Learners will have awareness with regard to diversity of disaster situations and will be capable of managing the situation
- Professionally- sound indigenous human capital with interdisciplinary perspective for services related to disaster preparedness, response and rehabilitation, rural development will be developed
- Bridge the flow of information between civil society, professionals, corporates, and policy and decision-makers



Programme Project Report (PPR)

(Post Graduate Diploma in Geo-Informatics)

- a. **Programme's mission & objectives:** The objective of the course is to provide theory as well as hands-on skill to students for various applications in Remote-Sensing (RS), GIS, Computer-Aided Cartography (CAC) and Computer Aided Photogrammetry training and skills towards professional digital analysis of geo-spatial data.
 - b. **Relevance of the program with HEIs Mission and Goals:** One of the important aims of higher education is the training for leadership in the profession and public life. Post Graduate Diploma programme in Geo-Informatics is a 1 year programme for learners who want to specialize in geoinformatics for assessing, monitoring, evaluating and managing the resources across sector. The study of geoinformatics equips students with space technologies and geospatial models that can support such estimation and analysis. Students completing this course will be equipped to follow careers in managing, presenting and analysing spatial and geographic information, or developing spatial and geographic systems and applications in a wide variety of organizations and application areas.
 - c. **Nature of prospective target group of learners:** Applicants for the Post Graduate Diploma in Geo-Informatics programme should have completed graduation in any stream from a recognized University.
 - d. **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The Open and Distance Learning (ODL) University system is more learner-oriented where the instruction is injected through distance mode with only a small component of face-to-face communication. The University follows the Credit System for its programmes. Each credit is worth 30 and the student has to be an active participant in the teaching-learning process. About 100 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours. This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. Completion of the programme requires successful completion of both assignments and the Term-End Examination of each course along with practical examination of practical oriented courses of the programme. The specially designed printed Self Learning Material for different subject along with other support material is provided to the learners through post/ study centre. The study material can also be downloaded through the University's e-repository. The University follows a multi-channel approach for the delivery of instruction. It comprises a suitable mix of:
 - self-instructional printed material
 - audio / video cassettes and CDs
 - audio-video programmes transmitted through Radio, FM Radio and Edusat, and at study centre.
 - face-to-face counselling at study centres by academic counsellors
 - reference library at study centre
 - web based academic support
 - assignments
 - practical
- The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus.
- e. **Instructional Design:** Open and Distance Learning (ODL) is an innovative approach of providing opportunity of learning through Self Learning Material (SLM) and certain other strategies in a flexible manner at the pace of learners. In this mode, the learner is also provided academic support in the form of counselling and audio/video material in addition to SLM. The University follows the Credit System for its programmes. The PGDIPIS program is of 32 credits and each credit is worth 30 hours of student study time, comprising all the learning activities. Thus, a four-credit course involves 120 study hours.

This helps the student to understand the academic effort one has to put into successfully complete a course. The duration of the programme is 1 year and the courses are carefully designed to attain both scientific and technical aspects that enable them to grow into competent, seasoned professionals. There are 4 core courses, one mini-project spread across 1 year accumulating 32 credits (Details attached in appendix I).

- a. **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:** Direct admission to Geo-Informatics program is offered to the interested students. This programme has been designed with a semester approach in mind. The first year courses are aimed at skills development in computers using various technologies, the second year is more focused on core courses providing conceptual framework and provides the specialization and the project work. The total numbers of courses in this geo-informatics programme are 4 and the total number of credits is 32. Evaluation for each course covers two aspects:
 - Continuous evaluation through Assignment with a weightage of 30%.
 - Term-end examination with a weightage of 70%.

To fulfil the requirements for acquiring the PGDIPIS, a student may clear all the courses in a minimum of 1 year and a maximum of 3 years. In case the student is unable to pass all the courses of the PGDIPIS programme in 3 years, she can continue for another two years by seeking Re-admission to the courses which she is unable to successfully complete. Completion of the programme requires successful completion of both assignment component and the Term-end Examination component for each course in the programme. The term-end examination of the practical courses consists of several sections. Each section is evaluated separately. The viva-voce for each section will also be separate.

2. **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** The practical sessions are held in the computer centres / labs of the Study Centres. In these computer labs, the participants will have the facility to use the computer and software packages relevant to the syllabus. The SLM, supplementary text audio and video material of the various courses of the program is available through the e-repository of the University. The University also has a subscription of National Digital Library to provide the learners with the ability to enhance access to information and knowledge of various courses of the programme.
- b. **Cost estimate of the programme and the provisions:** The PGDIPIS Programme is a part of the modular structure of two years PGDIPIS programme. The PGDIPIS programme consists of first year of PGDIPIS programme therefore, no separate funds are required for the development, implementation and maintenance of the programme.
- k. **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The program structure is developed under the guidance of the expert committee and Board of Studies of the School based on the model curriculum of the programme recommended by AICTE. The program structure and syllabus is approved by the Academic Council of the University. The course structure and syllabus is reviewed according to the needs of the IT Industry every five years. PGDIPIS programme has been designed to prepare the learners for attaining the following program outcomes:
 - translate management and scientific problems into GIS
 - design and implement appropriate methods of data capture
 - design spatial analysis procedures within GIS
 - design and use databases within GIS
 - design map output in a variety of media
 - implement quality control procedures and
 - analyse a GIS project and understand GIS within an organization.

Prabhu Dasgupta

Dr.

20/8/21

Title of Programme: Post Graduate Diploma in Geo Informatics

Programme Code: PGDGIS-17

Admission Mode: Yearly

Admission Cycle: Once every Year in July

Eligibility: Graduation

Duration:

Max: 1 Year

Min: 3 Years

SLM Availability Medium: English

Total Credits: 32

Programme Fee:

Year	Programme Fee	Exam Fee	Project Fee	Practical Fee	Viva-voce	Total
First	22,000	600	1,500	NA	NA	24,100

Objective of the Programme: The proposed programme based on the new technologies related to Geographic Information System (GIS) would greatly improve the learner's ability to collect, store, analyze and utilize geographical information. In the present era GIS is fast emerging as one of the best technologies to understand and solve problems associated with to the geographic dimensions. GIS can be regarded as the spatial hub of Information Technology (IT). GIS, GPS and RS have a variety of uses right from agriculture, archaeology, environment, geology, health, land information system, military, urban and rural development, transportation, telecommunications, power, water resource, natural and man-made disasters, oil and natural gas, banking and insurance, business geographic, mobile mapping, etc.

Programme Structure:

First Year

S.N	Paper	Paper Code	Marks			Credits	
			Theory	Assignment	Total	Minimum	Maximum
1	Introduction to Informatics	PGDGIS-01	80	20	100	8	12
2	Geographical Information Systems	PGDGIS-02	80	20	100	8	18
3	Remote Sensing & GPS	PGDGIS-03	80	20	100	8	18
4	DTP & Mapping	PGDGIS-04	80	20	100	8	24
5	MINI PROJECT	PGDGIS-05			100	8	24

Syllabus

Introduction to Informatics (PGDGIS01)

Year / Semester: Six Months Course

Objective: The objective of the course is to introduce the concepts of the informatics and their applications.

Credits: 4

Unit 1: Fundamentals of Computers

Information and concepts of Information Technology, Data Representation, Representation of Characters in Computers, Representation of Integers, Representation of Fractions, Hierarchical representation of Numbers, Decimal to Binary conversion, Error Detecting Codes, Computer Memory Hierarchy, Cell, Memory Organization, Read only Memory, Serial Access Memory, Random Access Memory, Register, Physical Devices used to construct Memories, Different secondary storage devices and Magnetic media devices, Internal and external storage devices.

Unit 2: Operating Systems

Operating System concepts, Structures, Files, Directories, Process and Memory management, Concepts of algorithms, Basics of data structures, arrays, stacks, and queues.

Unit 3: Basics of Networking

Computer networks, LAN, WAN, MAN, Internet, Internet Categories of networks, Client/Server model, OSI & TCP/IP models, Network topology, switch, router, firewall, security.

Unit 4: Database Management Systems

Database: Database system levels of abstractions in DBMS, Principles of database, Introduction to data organization, information management system, relational constraints, introduction to RDBMS, normalization and SQL.

Suggested Readings:

1. Rajaraman, V " Fundamentals of Computers " Prentice Hall of India, New Delhi;
2. Andrew S Tanenbaum, Albert S. Woodhull, " Operating System Design and Implementation ", prentice-Hall India Publication.
3. Tanenbaum, Andrew, Computer Networks, PHI
4. " Fundamentals of Database System ", by Elmasri Navathe, Somayajulu & Gupta, Pearson Education publication

Geographical Information Systems (PGDGIS02)

Year / Semester: Six Months Course

Objective: The advent of cheap and powerful computers over the last few decades has allowed for the development of innovative software applications for the storage, analysis, and display of geographic data. This course is to introduce many of those applications belong to a group of software known as Geographic Information Systems (GIS).

Credits: 6

Signature of Professor

Signature of Professor

Unit 1: GIS : Geographical Information Systems

Introduction to GIS

Databases & Scales

Concepts in GIS

Components in GIS

Application of GIS

Unit 2: Reading a TOPOSHEET

Components of a Toposheet : Latitude & Longitude, Scale, Legend, North

Features in a Toposheet : Drainage Pattern, Slope, Landform features, Settlement shapes

Toposheet Scales and Naming System

Reading: Clip, Union, Intersect, Identify, Erase

Unit 3: Data : Spatial & Non-spatial I

Introduction to Spatial Data

Concepts of Cereoid, Utmann, Spheroid, Lat/Long

Types of Projection Systems

Choice of a Projection system

Introduction to Non-Spatial Data

Linking of spatial and Non-spatial data

Suggested Readings:

1. Burrough, Peter A. and Rachael A. McDonnell. 1998. Principles of Geographical Information Systems. Published by Oxford University Press, Toronto. ISBN13: 9780198233657 ISBN10: 0198233655
2. Clarke, Keith C. 2002. Getting Started with Geographic Information Systems. 4th ed., Prentice Hall Series in Geographic Information Science, Prentice-Hall Inc., Upper Saddle River, New Jersey. ISBN NO: 0130460273

Remote Sensing & GPS (NGDEXIS01)

Year / Semester: Six Months Course

Objective: Remote sensing is the science (and to some extent, art) of acquiring information about the Earth's surface without actually being in contact with it. This is done by sensing and recording reflected or emitted energy and processing, analyzing, and applying that information. This course will introduce remote sensing, Satellites & Sensors and GPS.

Credible: 6

Unit 1: Remote Sensing

Introduction to Remote Sensing

Electromagnetic Spectrum

Components of RS : Spectral Response, Push Broom, Whisk Broom

Resolution: Spatial, Spectral, Radiometric, Temporal

Unit 2: Satellites and Sensors

Single Band

Multispectral

Unit 3: GPS : Global Positioning System

Concepts of GPS

Types of GPS

GPS Errors and Correction

Application of GPS: Location, Height, Track, Navigation, Timing

Suggested Readings:

1. Campbell, James B. 2006. Introduction to Remote Sensing. 4th ed., Published by The Guilford Press, New York, New York. ISBN NO: 9781593383198
2. Jensen, John R. 2005. Introductory Digital Image Processing, A Remote Sensing Perspective, 3rd ed., Published by Prentice Hall Series in Geographic Information Science, Prentice-Hall Inc., Upper Saddle River, New Jersey. ISBN NO: 9780131453616
3. Jensen, John R. Remote Sensing Of The Environment (2nd Ed.), Published by Elsevier, Amsterdam
4. Jindia (2006) ISBN NO 10: 0131899508 ISBN 13: 9780131899507
5. Lillesand, Thomas M., Ralph W. Kiefer, and Jonathan W. Chipman. 2004. Remote Sensing and Image Interpretation, 5th ed., Published by John Wiley and Sons, Toronto.

DIP & Mapping (PGDQIS04)

Year / Semester: 1st Year

Objective: To introduce digital image processing & mapping. Credits: 8

Barbara DeFanti

Dr. J. S. J.

Dr. J. S. J.

Unit 1: Digital Image Processing I

Remote Sensing Data Types Image Interpretation Keys Image Rectification and Corrections Image Classification : Supervised and Unsupervised Ground Verification of Classified Maps

Unit 2: Data : Spatial & Non-spatial II

Different formats of Non-spatial Data, Tables, charts Conversion of GPS Data and use Database Editing, Errors and Database Truncation

Unit 3: Digital Elevation Model

What is DEM? Sources to create a DEM Terrain Mapping : Slope, Aspect, Viewshade, Relief

Unit 4: Attributes of Map Composition

Purpose of the Map Mapping Proportions and Scales Labelling

Suggested Readings:

1. Jensen, John R. Remote Sensing Of The Environment (2nd Ed.) Published by Denting Kindersley India (2006) ISBN NO ID: 013189508 ISBN IE: 978013189507
2. Lillesand, Thomas M., Ralph W. Kiefer, and Jonathan W. Chipman. 2004. Remote Sensing and Image Interpretation, 5th ed., Published by John Wiley and Sons, Toronto, ISBN NO: 0471152277
3. Clarke, Keith C., Parks, Bradley O., and Michael P. Crane (eds.), 2001. Geographic Information Systems and Environmental Modeling, Published by Prentice-Hall Inc., Upper Saddle River, New Jersey ISBN NO ID: 0130406174 ISBN IE: 9780130406174
4. Longley, P. A., M. P. Goodchild, D. J. Maguire, D. W. Rhind, Geographic Information System Volume I: Principal and Technical Issues Volume II: Management Issues and Applications Published by John Wiley & Sons ISBN NO: 978-0-471-73545-8
5. Mueca, R. P. and A. Ramsech. 1989. Fundamentals of Cartography (Revised and Enlarged). Published by Concept Publishing Company, Mohan Garden, New Delhi, India, ISBN (Paperback): ISBN NO: 9788170222224

Prabhu Dasgupta

Dr. S. S. S. S.

**Title of Programme: Post Graduate Diploma in Human Resource Management
(PGDHRM)**

I. Programme's Mission & Objectives

This programme aims to provide the skills required to manage and develop human capital in an organization and to acquaint the learners to adapt to the rapidly changing human needs and aspirations in organizations

II. Relevance of the program with HET's Mission and Goals:

The programme aims to provide knowledge in managing intellectual capital of an organization. The programme tries to enhance the understanding of processes of recruiting, training and development, performance appraisal, compensation, benefits and labour relations. This shall help learners in gaining professional expertise and qualification required for serving at higher managerial level. This programme shall contribute in enhancing employability status of the persons serving in various capacities in HR Department without adequate professional qualification. Thus, the Programme has been fulfilling the University's objective to provide professional education and to the distant learners of Uttarakhand. Further, it also aligns with the University's mandate of developing trained and skilled human resource for sustainable development and opening new avenues of employment and self-employment to its learners.

III. Nature of prospective target group of learners:

The programme shall also be useful for the professionals who want to advance and improve in their current job profile. Further, the advantage of work experience in the related discipline shall give them an edge in knowledge about the field. The target learners shall be the personnel serving in the HR Department in organizations without having adequate professional qualification.

Accordingly, the target learners of the programme are;

- Government Employees
- Early- and mid-career professionals working in HR Department
- HR Personnel serving in factories
- Training Executives and Officers

IV. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

The programme provides knowledge and skills of managing human resources effectively thereby contributing in the development of organization. Therefore, adequate attention is also paid to the application of knowledge, self awareness among learners and development of problem solving, and decision making skills. For appropriateness of the PGDHRM offered in the ODL mode it is ensured that curriculum has all components of Human Resource Development, Planning, Training and Development, Labour Laws, Compensation Management and Industrial Relations that is important for practice of the Profession. To give insight about global practices in HRM, International Human Resource management is also included as a course in the curriculum. Further, for ensuring suitability to ODL System; eligibility criteria, admission procedures, duration and evaluation are also considered to make the programme relevant for the purpose.

V. Instructional Design :

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. In distance learning, instructional design has its own relevance. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable booklets to



facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage. Further, various theories and models are referred for designing effective instructional events, some are specified as under;

- Learning objectives
- Self Check Exercises with Answers
- Reinforcing activities
- Small chunks of learning through learning modules.
- Modular Structure
- Statement of Objectives
- Indepth learning
- Hint Answers
- References
- Real World Contexts/Cases
- Real World Examples
- Self Appraisal Exercises
- School's Blog for enhanced learning

The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:



The learning upshots of this qualification are described in four areas:

1. Knowledge and understanding
2. Cognitive skills

3. Behavioral Skills
4. Interpersonal Skills
5. Practical and professional skills

VI. Procedure for admissions, curriculum delivery and evaluation:

Admission

Applicants may take admission directly in Post Graduate Diploma in Human Resource Management without appearing in Entrance Test.

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam (Annual /Sem)	Year/ Sem	Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card	Learner Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
50% Marks at graduate or post graduate level with 1 years experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category).	1	3	Engli sh	SEM EST ER	I	8000	-	450	-	-	50	100	-	8,600
					II	-	-	450	-	-	-	-	300	750

Curriculum Transaction

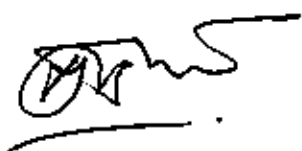
The programme consist of 6 courses in all .Each course comprises of six credits. The total credits of the programme are 36.

First Semester

MS 301 Human Resource Planning
MS 302 Human Resource Development
MS 303 Organizational Change and Development

Second Semester

Any three shall be selected by learners;
MS 304 Labour Laws for Managers
MS 305 Strategic Human Resource Management
MS 306 Industrial Relations
MS 307 Compensation Management




MS 308 International Human Resource Management
MS 309 Management of Training and Development

Evaluation

Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the concerned learner support centre. The components of evaluation for each course include the following:

The components of evaluation for each course include the following:

- a. Assignments 20 % weightage
- b. End-term examination 80 % weightage

VII. Requirements of the laboratory support and Library Resources:

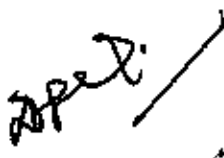
A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centres should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.

VIII. Cost estimate of the programme and the provisions:

Cost Estimation		
Particulars	Details	Amount (in Rs.)
INSTRUCTIONAL SERVICES		
Development of In-house SLM	Payment to course writers	1330000
	Payment to Editors	597000
	Total Cost	1927000

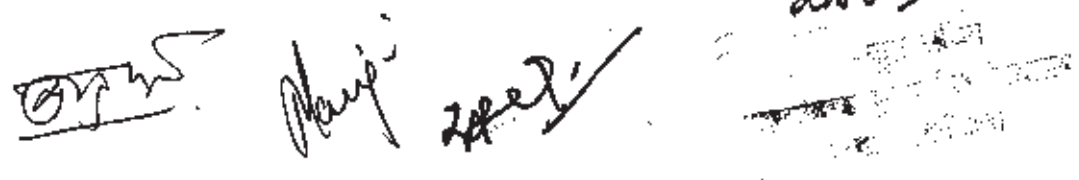
IX. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :

The Department reviews its programme time to time through its expert committee, Board of Studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and Practitioners who design, review and give insights to update the course curriculum and study material.

POST GRADUATE DIPLOMA IN HUMAN RESOURCE MANAGEMENT**SEMESTER 1ST****Course Name: Human Resource Planning****Course Code-MS 301****Course Credits: 6****Course Objective:** The main aim of the course is to give the student understanding of how planning is done for better long term requirement of human resources in the organization.**Block I Introduction to Human Resource Planning****Unit I Human Resource Planning- Concepts, Objectives and Significance****Unit II Macro and Micro Human Resource Planning****Unit III Process of Human Resource Planning****Unit IV Demand Forecasting in HRP- Methods and Techniques-****Unit V Supply Forecasting in HRP- Methods and Techniques****Unit VI Productivity, Technology and Human Resource Planning****Block II Job Evaluation and Analysis****Unit VII Job Evaluation****Unit VIII Job Analysis****Unit IX Job Assessment****Unit X Performance Appraisal and Management****Block III Human Resource Planning: Recruitment, Selection and Induction****Unit XI Recruitment Function****Unit XII Selection Function****Unit XIII Induction and Placement****Unit XIV Career Planning, Development and Succession Planning****Unit XV Manpower Training and Retraining****Unit XVI Transfer and Promotion and Job rotation****Block IV Trends and Issues in Human Resource Planning****Unit XVII Human Resource Information System****Unit XVIII Human Resource Costs****Unit XIX Human Resource Accounting and Costs****Unit XX Emerging Trends in Human Resource Planning****Suggested Readings:**

1. Bhattacharya, Deepak Kumar – Human Resource Planning, Excel Books.
2. Aswathapa, Human Resource and personnel management Text & Case, TMH.
3. Strategic Human Resource Planning – Vivek Paranjpe (Allied Publisher)
4. D.T. Bell – Planning Corporate Man Power
5. HRP – Gareth Stainer – Manpower Planning.
6. Jyothi Venkatesh – Human Resource Management, Oxford

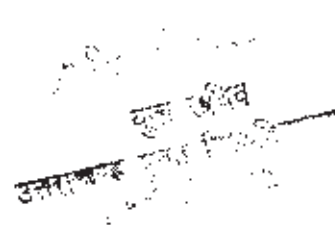
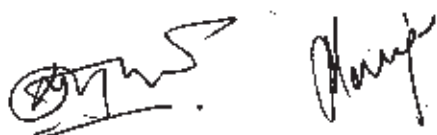
Course Name: Human Resource Development**Course Code-MS302****Course Credits: 6****Course Objective:** The course aims at providing the students the in-depth knowledge of concept and application of development to human resources for organizational excellence.The bottom of the page features several handwritten signatures in black ink. To the right of the signatures, there is a circular official stamp, partially legible, which appears to contain the text 'Uttarakhand Open University' and some dates or administrative markings.

Block I HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT STRATEGIES, DESIGN AND EXPERIENCE**Unit I An introduction to Human Resource Development****Unit II HRD Systems and Structure****Unit III Human Resource Development: Strategies****Unit IV Role of Line Managers in HRD****Unit V Job Evaluation for HRD****Unit VI Human Resource Development Practices in India****Block II HRD and Motivation****Unit VII Strategic Intents of HRD****Unit VIII Motivational Aspects of HRD****Unit IX Development Cycle****Unit X Task Analysis****Unit XI Counselling and Mentoring****Block III Organizational Climate and Culture in HRD****Unit XII Organizational climate and culture in HRD****Unit XIII HRD for Workers****Unit XIV HRD/OD Approach to IR Corporate Business****Unit XV Organizing for HRD Resurgence Effectiveness****Block IV Strategic dimensions of HRD****Unit XVI Performance Management and Human Resource Development****Unit XVII Quality Management Practices in relation to HRD****Unit XVIII Strategic Human Resource Development****Unit XIX Comparative HRD Experiences in Indian and International context****Suggested Readings:**

1. Pattanayak – Human Resource Management – PHI
2. Manpower Planning and Development –Excel Publisher.
3. Kandula – Strategic Human Resource Development – PHI.
4. Arthur, M Career Theory Handbook Englewood cliff, Prentice Hall Inc 1991
5. Belkaoui, A R and Belkaoui, J M Human Resource Valuation; A Guide to Strategies and
6. Techniques Greenwood, Quorum Books, 1995
7. Dale, B Total Quality and Human Resources ; An Executive Guide, Oxford, Blackwell 1992
8. Greenhaus, J H Career Management, New York, Dryden, 1987
9. Thomson, R and Mabey, C, Developing Human Resources, Oxford, Butterworth – Heinemann 1994

Course Name: Organisational Change and Development**Course Code-MS 303****Course Credits: 6**

Course Objective: In the fast changing world of business the organizations have to be ready for the changes and should facilitate in adopting these changes. This course aims to give a broad theoretical and practical understanding of key concepts and issues in managing organisational changes.

Block I Organisational Change**Unit I An Overview of Organisational Change****Unit II Models of Change Management**

Unit III Change and Its Impact

Unit IV Diagnosis and Resistance to Change

Unit V Implementing Change

Unit VI Strategies and Skills for Communicating Change

Unit VII Consolidating Change

Block II Organisational Development

Unit VIII Introduction to Organizational Development

Unit IX Process of Organizational Development

Unit X Diagnostic Strategies and Skills

Unit XI Power, Politics and Ethics in OD

Unit XII Evaluating change and future of Organizational Development

Unit XIII OD Change Agents

Block III Organisation Development Interventions

Unit XIV Types and Process of OD Interventions

Unit XV Team Interventions

Unit XVI Structural and Miscellaneous OD Interventions

Unit XVII IT and OD

Unit XVIII TQM and OD

Unit XIX Organisational Creativity

Unit XX OD in International Context

Block IV Perspectives of Organisation Development

Unit XXI Learning Organisation

Unit XXII Knowledge Management and OD

Unit XXIII Organisational Design and Work Culture

Unit XXIV Organisation Restructuring

Suggested Readings:

1. Gareth R.Jones, 'Organisational Theory', Design & Change, Pearson Education, 2004.
2. Madhukar Shukla, 'Understanding Organisations' – 'Organisational Theory & Practice in India', Prentice Hall of India, 2005
3. Adrian Thornhill, Phil Lewis, Mike Millmore and Mark Saunders, 'Managing Change: A Human Resource Strategy Approach', Wiley, 2005.
4. Robbins Organisation Theory; 'Structure Design & Applications', Prentice Hall of India, 2005.
5. Robert A Paton, James Mc Calman, 'Change Management; A guide to effective implementation', Response books, 2005.

SEMESTER 2ND

Electives

Human Resource

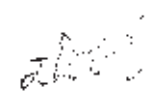
Select any three-

Course Name: Labour Laws for Managers

Course Code-MS304

Course Credits: 6


कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दारा (विशेष)

Course Objective: Understanding of the legal framework is important for the efficient decision making relating to man management and industrial relations. The course aims to provide an understanding, application and interpretation of the various labour laws and their implications for industrial relations and labour issues.

Block I Introduction to Labour Laws

Unit I Labour Laws: Concept, Origin, Philosophy and Classification

Unit II Emergence and Objectives of Labour Laws and their Socio-Economic Environment

Unit III Indian Constitution and Labour Legislations

Unit IV Labour Policy, Emerging Issues and Future Trends

Unit V International Labour Organisation

Block II LAWS FOR LABOUR WELFARE

Unit VI Minimum Wages Act, 1948

Unit VII The Payment of Wages Act, 1936

Unit VIII The Payment of Bonus Act, 1965

Unit IX The Workmen's Compensation Act, 1923

Unit X Equal Remuneration Act, 1976

Unit XI The Maternity Benefit Act, 1961

Block III Laws relating to Working Conditions and Social Security

Unit XII The Factories Act, 1948

Unit XIII Contract Labour (Regulation and Abolition Act, 1986) & Child Labour (Prohibition and Regulation Act, 1986)

Unit XIV The Employees' State Insurance Act, 1948

Unit XV Social Security Legislation: An Overview

Unit XVI The Payment of Gratuity Act, 1972

Unit XVII The Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952

Block IV LAWS FOR INDUSTRIAL RELATIONS

Unit XVIII Trade Union Act, 1926

Unit XIX Industrial Disputes Act, 1947

Unit XX Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946

Unit XXI Industrial Discipline and Misconduct

Unit XXII Workers Participation in Management

Suggested Readings:

1. Kapoor N.D. 'Elements of Industrial Law', Sultan Chand, 1998.
2. Srivastava, 'Industrial Relations and Labour laws', Vikas, 4th edition, 2000.
3. Respective Acts.
4. Dhandapani, 'Commercial and Industrial Law', Sultan Chand, 1998.
5. Das Gupta, 'Maintaining Industrial Discipline', Response Books, 2002.

Course Name: Strategic Human Resource Management

Course Code-MS305

Course Credits: 6

Course Objective: It is designed to acquaint the learners with the tools & techniques essential as a strategic contribution of HRM to organizational growth.

Block I Understanding Strategic HRM

Unit I Introduction to Strategic HRM

Unit II Investment perspective of human resources

Unit III Planning and Implementing Strategic HR policies

Unit IV Linkage of Corporate Strategy, Core Competencies and Competitive Advantage with HRM

Unit V Aligning HRM with Business Strategy

Block II Aligning HR Systems with business strategy

Unit VI Strategic Role of HRM

Unit VII Alternative HR systems

Unit VIII Linking HRM practices to organizational outcomes

Unit IX Human Resource Strategy Formulation

Unit X HR Strategy in workforce utilization

Unit XI Strategic Performance Management

Unit XII HR Strategy for Training and Development

Block III International and Comparative Strategic Human Resource Management

Unit XIII Managing Global Human Resources

Unit XIV Evaluating HR functions in International Context

Unit XV Multinational, Global, and Transnational Strategies in HRM

Unit XVI Expatriation and repatriation management in global HRM

Unit XVII High Performance Work Practices

Block IV Emerging Issues in Strategic HRM

Unit XVIII Multi Source Feedback and Competency Development

Unit XIX HR Strategy in workforce diversity

Unit XX HR Strategy for Corporations of Tomorrow

Unit XXI HR Scorecard

Unit XXII Employee Engagement Strategies

Suggested Readings:

1. Gary Dessler, Human Resource Management, PHI, New Delhi, 2003.
2. Charles R. Greer, Strategic Human Resource Management, Pearson Education, 2003.
3. Luis R. Gomez-Mejia, David B. Balkin, Robert L. Cardy, Managing Human Resources, PHI, 2001.
4. Peter J. Dowling, Denice E. Welch, Randall S. Schuler, International Human Resource Management, Thomson South-Western, 2002.

Course Name: Industrial Relations

Course Code-MS306

Course Credits: 6

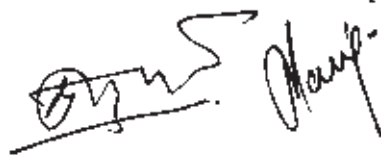
Course Objective: This course aims at providing the students the intricacies of industrial relations so that a healthy environment is developed for functioning of employees

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]
 Date: 15/05/2024
 Page: 5/5

Block I INTRODUCTION TO INDUSTRIAL RELATIONS**Unit I Background to Industrial Relations****Unit II Evolution of Industrial Relations in India****Unit III Approaches to Industrial Relations****Unit IV Legal Frame Work of Industrial Relations****Unit V Industrialization Strategy and Industrial Relations****Unit VI Human Resource Management and Industrial Relations****Block II Trade Unions****Unit VII Theoretical Foundations and Legal Framework****Unit VIII Trade Union Structures****Unit IX Management of Trade Unions in India****Unit X Negotiation and Collective settlements****Unit XI Tripartism and Social Dialogue****Unit XII New Role of Trade Unions****Block III Industrial Disputes****Unit XIII Industrial Disputes****Unit XIV Classification and Impact of Industrial Disputes****Unit XV Dispute Resolution and Industrial Harmony****Unit XVI Grievance handling procedure – Labour Management****Unit XVII Labour Administration and Social Security****Unit XVIII Workers Participation in Management****Block IV Contemporary Issues in Industrial Relations****Unit XIX Employee Participation and Labour Management****Unit XX Alignment labour policy with economic policies and Industrialization Strategies****Unit XXI Industrial relations and Technological Change****Unit XXII Management of Industrial Relations****Unit XXIII India and International Labour Standards****Unit XXIV New Paradigms of Industrial Relations****Suggested Readings:**

1. Mamoria C.B. and Mamoria. Satish 'Dynamics of Industrial Relations', Himalaya Publishing House, New Delhi, 1998.
2. Dwivedi. R.S. 'Human Relations & Organisational Behaviour', Macmillan India Ltd., New Delhi, 1997.
3. Ratna Sen, 'Industrial Relations in India', Shifting Paradigms, Macmillan India Ltd., New Delhi, 2003.
4. Srivastava, 'Industrial Relations and Labour laws', Vikas, 4th edition, 2000.
5. C.S.Venkata Ratnam, 'Globalisation and Labour Management Relations', Response Books, 2001.

Course Name: Compensation Management**Course Code-MS307****Course Credits: 6**

Course Objective: This course aims at providing the student the basic understanding of performance appraisal and development of good compensation plan in organizational setting.

Block-I An Overview of Compensation Management

UNIT-I Job Evaluation

UNIT-II Introduction to Compensation

UNIT-III Strategic Perspectives in Compensation Management

UNIT-IV Performance Appraisal

UNIT-V Defining Internal Alignment

Unit VI Compensation and Organisational Strategy

Block II Wage and Salary Administration

UNIT-VII Job Analysis and Job Descriptions

UNIT-VIII Job Evaluation/Person-based Structures

UNIT-IX Determining External Competitiveness

UNIT-X Wage and Salary Administration

UNIT-XI Incentives and Fringe Benefits

UNIT-XII Employee Contributions: Pay For Performance (PFP)

Block III Managing Employee Benefits

UNIT-XIII Benefits and Administration

Unit XIV Employee benefits programs and Designing a benefits package

UNIT-XV Compensation of Special Groups

Unit XVI Elements of executive compensation and its management

UNIT-XVII Legal & Administrative Issues in Compensation

UNIT-XVIII Wage Boards -Pay Commissions

Block IV OTHER ASPECTS OF COMPENSATION MANAGEMENT

UNIT-XIX Global Compensation

Unit –XX Statutory Provisions Related to Compensation

Unit-XXI Pay Structure Architecture

Unit-XXII Compensation Management in Multi-National organizations

Unit-XXIII Future trends in Compensation Management

Suggested Readings:

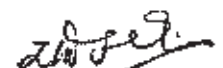
1. Milkovich & Newman : Compensation – TMH
2. Dr. Kanchan Bhatia, Compensation Management, Himalaya Publishing House
3. P.R.N. Sinha – Wage Determination in India
4. Pramod Verma –Labour Economics and Industrial Relations
5. Bergess, Lenard R. – Wage & Salary Administration, London, Charles Evami,
6. K.N. Subramarniam , Wages in India.
7. Sharma A.M. – Understanding Wage System – Himalaya.

Course Name: International Human Resource Management

Course Code-MS308

Course Credits: 6

Course Objective: Due to the movement of human resource across the borders there is a need to understand the problems and find solutions to it. This paper aims at providing the student the basic understanding of such aspects to deal with.




Block I International Human Resource Management-An Overview

Unit I Introduction and Concepts in International Human Resource Management

Unit II Developments leading to International HRM Perspectives

Unit III International Human Resource Management: Role and Distinguishing Activities

Unit IV Organisational Structure and HRM

Unit V International Human Resource Planning

Block II Staffing Practices in International Human Resource Management

Unit VI Recruitment and Selection for Overseas Assignments

Unit VII Global Staffing Practices

Unit VIII International Transfers and Repatriation Strategies

Unit IX Training and Development in International Context

Unit X International Performance Management

Unit XI Global Compensation Practices

Block III Industrial Relations and Strategic HRM

Unit XII International Practices in Industrial Relations

Unit XIII Shifts in IHRM and IR

Unit XIV International Strategic Human Resource Management

Unit XV International Labour Standards

Unit XVI Global Unions, Regional Integration and Framework Agreements

Unit XVII HR/IR issues in MNCs and Corporate Social Responsibility

Block IV Emerging trends in International HRM

Unit XVIII Sensitivity to Cultural Diversity

Unit XIX Global Organisation Structures

Unit XX Emerging Trends in Employee Relations and Employee Involvement

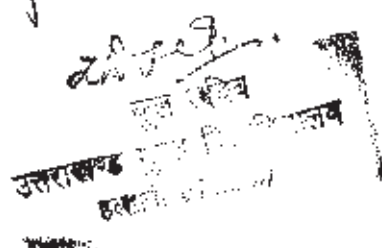
Unit XXI Convergence or divergence in personnel management in developed and developing economies

Unit XXII International HRM and Strategic Research

Suggested Readings:

1. International Human Resource Management-P.Subba Rao, Himalya Publishing House
2. International Human Resource Management-S.K.Bhatia, Deep and Deep Publications
3. International Business and Globalisation – John D. Daniels, Jeffrey A. Krug
4. Executive Skills for Global Managers – Upinder Dhar and S. Ravishankar
5. Global Business – Avadhani – Himalaya Publication





Course Name: Management of Training and Development

Course Code-MS309

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims at making the student understand the area of training and development to develop better employees for the organizations.

Block I AN OVERVIEW OF TRAINING AND DEVELOPMENT

Unit I Conceptual Framework of Training and Development

Unit II Role of Training in Organizations

Unit III Nature and Scope of Training and Development

Unit IV Systematic Approach to Training

Unit V Training Needs Analysis and Action Research

Block II TRAINING DESIGN

Unit VI Training Design

Unit VII Determining Training Objectives

Unit VIII Training Methods and Aids

Unit IX Training Climate and Training Techniques

Unit X Selecting Training Strategies

Unit XI Training Instruments/Tests

Block III EVALUATION OF TRAINING

Unit XII Evaluation of Training

Unit XIII Different Methods of Training

Unit XIV Follow-up in Training

Unit XV Technology in Training

Unit XVI Mentoring, Assessment and Development Centre

Block IV INTEGRATING TRAINING AND DEVELOPMENT

Unit XVII Approaches to Executive Development

Unit XVIII Organisational Behaviour and Development

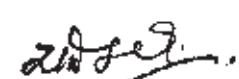
Unit XIX Management Trainees and their Expectations

Unit XX Training for Team Building

Unit XXI New Concepts of Training

Suggested Readings:

1. FORD- Bottom Line Training – How to Design and Implement Successful Programs that boost profits -PHI.
2. Dr. B. Rathana Reddy "Effective HR Training and Development Strategy" HPH
3. Training and Development-Concepts and Practices, S.K.Bhatia, Deep and Deep Publication



कुल शिक्षक
सहायक कुल शिक्षक
मुख्यालय, उत्तराखण्ड
द्वारा (दिनांक)

Title of Programme: Post Graduate Diploma in Human Values and Business Ethics

I. Programme's Mission & Objectives

The basic objectives of the programme is to develop enlighten and emotionally stable executives/managers with deep edification of Indian Values and Ethics.

Therefore, by the end of the course, it is expected that the learners will be able to;

- Appreciate the applicability of ethical aspects in corporate world.
- Recognize ethical considerations and values in professional and social life.
- Apply a moral code to business operations and decision making.
- Gain precision of thought and expression of complex concepts.
- Preserve and apply Indian values and ethos in business and personal life.
- to identify, critically evaluate, and deploy arguments effectively in support of specific conclusions.
- apply moral reasoning to specific situations and defend the conclusions of that reasoning.
- evaluate the ethics of particular business decisions and general practices in business.

II. Relevance of the program with IIEI's Mission and Goals:

Current concerns with the (increasingly prominent) role of business schools, fed by financial and ecological crises as well as ethical scandals, signal the renewed urgency of inquiring into, and experimenting with, the Humanities and Social Sciences in management education. Indeed, management education's scope and direction becomes a subject matter of great importance as it connects the future of the business to the shaping of tomorrow's society and organizations. So there is a need to create a context at the business school that fosters graduates with the ability to grasp their own situation and the possibilities for change inherent to it, rather than merely habituating them to the role of the receiver of perhaps all-too-narrow skills. Therefore, the programme has been sculpted to address the changes that are taking place in corporate world and society at large. The programme intends to meet the growing demand of ethical entrepreneurs, business leaders and managers who can face the challenges resulting from cut-throat competition.

III. Nature of prospective target group of learners:

Since the basic objective of this programme is to inculcate human values and ethical conduct among the management professionals therefore, the course is open to the learners pursuing MBA or related Programme and also for those who have completed MBA or related programmes. Further, the learners who have completed BBA Programme /B.Com Programme shall also apply for this programme. Such learners shall be admitted directly. Further, this course is also offered to business executive serving in various capacities in different organizations.

Therefore the participants for the course would be:

- Learners of Business Administration /Commerce grounded with the basic concepts of management.
- Executives (Management) from the Industry.

Characteristics of Learners

- Should allure self-exploration and self-verification on the basis of natural acceptance and experiential validation.
- Should demonstrate initiative from the get-go.
- Should be committed to the goals and skill advancement.
- Should possess a professional communication both written and verbal.
- Should dedicate fully to the tasks.
- Should embrace the opportunity to take a leadership role.
- Should have own philosophical skills about the complex theoretical and practical issues.

IV. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

The programme provides conceptual understanding of ethical aspects and will help them in recognizing ethical considerations and values in professional and social life. The appropriateness of the programme offered in the ODL mode is ensured in terms of curriculum design, eligibility criteria, admission procedures, duration, evaluation, project work etc. The programme offered by the School is useful and geared to fulfill the identified gaps in the corporate and business world. The Programme shall foster humanistic education that orients learning at ethical responsibility within a broader socio-cultural framework.

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वारी (मिनीताक)

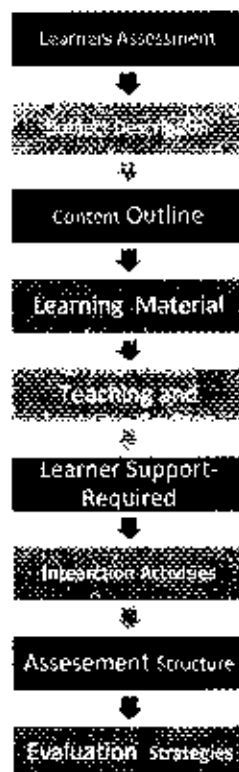
V. Instructional Design :

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. In distance learning, instructional design has its own relevance. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable booklets to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage. Further, various theories and models are referred for designing effective instructional events, some are specified as under;

- Learning objectives
- Self Check Exercises with Answers
- Reinforcing activities
- Small chunks of learning through learning modules.
- Modular Structure
- Statement of Objectives
- In-depth learning
- Hint Answers
- References
- Real World Contexts/Cases
- Real World Examples
- Self Appraisal Exercises
- School's Blog for enhanced learning

In this programme the contents shall be provided online and online counseling in the synchronous environment would be integral part of teaching-learning process. However, examination shall be conducted in offline mode.

The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:



VI. Procedure for admission, curriculum delivery and evaluation:

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हरद्वार (वि.वि.स.)

Admission

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam (Annual/Sem)	Year/Sem	Programme	Project/Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card r	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
Learners pursuing/completed MBA or related Programme. Learners completed BBA or B.Com Business Executives having minimum 2 years of working experience.	1	3	English	SEM ESTE R	I	2000	-	450	-	-	50	100	-	2600
					II	2000	-	450	-	-	-	-	-	2450

Curriculum Delivery

The Programme consists of 6 courses out of which 5 courses are of 6 credits each and one course is of 4 credits. Thus, overall the programme is of 34 credits.

Diploma (First Semester)

S. No	Name Of Course	Course Code	Credits
1	Philosophical Foundations of Human Values and Business Ethics	HVBE-1	6
2	Ethics in Functional Areas of Management	HVBE-2	6
3	Indian Ethos and Values for Managers	HVBE-3	6

Diploma (Second Semester)

S. No.	Name of Course	Course Code	Credits
1	Corporate Social Responsibility/Social Responsibility for Business	HVBE-4	6
2	Stress Management and Human Values	HVBE-5	6
3	Environmental Ethics	HVBE-6	4

Evaluation

Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The components of evaluation for each course include the following:

- Assignments 20 % weightage
- End-term examination 80 % weightage

VII. Requirements of the laboratory support and Library Resources:

[Handwritten signatures]

[Handwritten signature]
कुल सचिव
मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (विनीताश)

A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that learners should have proper IT facilities with adequate internet connectivity.

VIII. Cost estimate of the programme and the provisions:

Cost Estimation		
Particulars	Details	Amount (in Rs.)
INSTRUCTIONAL SERVICES		
Development of In-house SLM	Payment to course writers	672000
	Payment to Editors	288000
	Total Cost	960000

IX. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :

The Department reviews its programme time to time through its expert committee and Board of Studies' meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and practitioners who design, review and update the course curriculum and the study material accordingly.

Course 1- HVBE-1 Philosophical Foundations of Human Values and Business Ethics

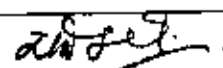
Block-I		An Introduction to Human Values
	Unit-I	Values : An Introduction
	Unit-II	Implications of Value Based Living
	Unit-III	Values of Indian Culture
	Unit-IV	Values for Managers
Block-II		An Introduction to Business Ethics
	Unit-V	Introduction to Business Ethics- Meaning, Definition, Need, Importance and Objectives of Business Ethics
	Unit-VI	Nature of Ethics and its Relevance to Business-Nature, Scope Characteristics, Factors influencing Business Ethics, Types of Business Ethics, Stakeholder Model
	Unit-VII	Evolution of Ethics and their relation to Values- Sources of Ethics, Model of Ethics- Stakeholder Model, Kohlberg and Carol Gilligan Model
	Unit-VIII	Business and Ethical Responsibilities
Block-III		Philosophical Foundations of Human Values and Ethics
	Unit-IX	Swami Vivekananda
	Unit-X	Ethical dimensions of Gandhi and its implications for Business and Management
	Unit-XI	Sri Aurobindo on Ethics
	Unit-XII	Kantian theory- and its approach in the context of organizations and management etc.
	Unit-XIII	Other Philosophies on Ethics
Block-IV		Normative Ethics in Management
	Unit-XIV	Theories of Ethics-I- Teleological Theory, Deontological, Consequentialism, Natural Law, Egoism, Altruism etc.
	Unit-XV	Theories of Ethics-II Virtue Theory and Utilitarianism-their relevance to Business, The Stockholder Theory, Stakeholder Theory, The Social Contract, etc.
	Unit-XVI	Ethical Conflict and Ethical Congruence
	Unit-XVII	Ethical Reasoning and Relativism

Course 2- HVBE-2 Ethics in Functional Areas of Management

Block-I		Ethics in Functional Areas of Management -I
	Unit-I	Ethical Aspects in General Management
	Unit-II	Ethical Aspects in Human Resource Management
	Unit-III	Ethical Aspects in Corporate Finance
	Unit-IV	Ethical Aspects in Accounting
Block-II		Ethics in Functional Areas of Management-II
	Unit-V	Ethical Aspects in Marketing Management
	Unit-VI	Ethics and Advertising
	Unit-VII	Ethics in Production and Operations Management
	Unit-VIII	Ethics and Information Technology







कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभन (मिनीताल)

Block-III		Ethics in Functional Areas of Management-III
	Unit-IX	Ethics and International Business: Cross Cultural Influences
	Unit-X	Ethics in Research
	Unit-XI	Ethics and Intellectual Property Rights
	Unit-XII	Ethics and TQM: Value based TQM
Block-IV		Managing Ethics
	Unit-XIII	Codes of Ethics and conduct
	Unit-XIV	Creating Ethical Culture in an Organization
	Unit-XV	Managing Ethics –Factors Associated with Ethics Compliance.
	Unit-XVI	Work Ethics

Course 3- HVBE-3 Indian Ethos and Values for Managers

Block-I		Indian Ethos: An Introduction
	Unit-I	Indian Ethos: An Introduction
	Unit-II	Essentials of Indian Ethos
	Unit-III	History of Indian Ethos and Culture
	Unit-IV	Values in Ancient India
Block-II		Managerial Lessons from Scriptures-I
	Unit-V	The Vedantic View of Indian Ethos in Management-I
	Unit-VI	The Vedantic View of Indian Ethos in Management-II/Panchtantra and Management
	Unit-VII	Managerial Lessons from Shri Bhagvadgita -I
	Unit-VIII	Managerial Lessons from Shri Bhagvadgita -II
Block-III		Managerial Lessons from Scriptures-II
	Unit-IX	Managerial Lessons from Ramcaritmanas
	Unit-X	Managerial Lessons from Mahabharata
	Unit-XI	Managerial Lessons from The Holy Quran
	Unit-XII	Managerial Lessons from The Bible
	Unit-XIII	Managerial Lessons from The Upanishads
Block-IV		
	Unit-XIV	Indian Insights on Decision Making
	Unit-XV	Indian Insights on TQM
	Unit-XVI	Science and Spirituality
	Unit-XVII	Secular and Spiritual Values in Management

Course 4- HVBE-4 Corporate Social Responsibility for Business

Block-I		Concept of Corporate Social Responsibility
	Unit-I	Defining Corporate Social Responsibility
	Unit-II	Principles of CSR
	Unit-III	CSR in changing Corporate World
	Unit-IV	CSR and Environment
Block-II		
	Unit-V	World Wide Initiatives on CSR
	Unit-VI	Policies, Regulations and Guidelines on CSR
	Unit-VII	Managing CSR
	Unit-VIII	CSR, Governance and Reputation
Block-III		Corporate Governance
	Unit-IX	Corporate Governance: An Introduction
	Unit-X	Theory, Approaches and Models of Corporate Governance
	Unit-XI	Codes of Corporate Governance and Audit Committees
	Unit-XII	Governance and Professional Ethics
Block-IV		Governance and Professional Ethics
	Unit-XIII	Critical Areas in Corporate Governance
	Unit-XIV	Financial Reporting and Corporate Governance
	Unit-XV	Corporate Governance and other Stakeholders

[Signature]

[Signature]

[Signature]
कुल संयोजक
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
दरभंगा (मिनीगंगा)

	Unit-XVI	Emergence of Corporate Governance
Course 5- HVBE-5 Stress Management and Human Values		
Block-I		Stress: Dimensions, Sources and Consequences
	Unit-I	Stress: Concept, Dimensions and Sources
	Unit-II	Consequences of Stress
	Unit-III	Stress and Emotions
	Unit-IV	Stress: Individual and Work
Block-II		Stress Management Strategies
	Unit-V	Stress Management Strategies
	Unit-VI	Stress, Conflict and Leadership
	Unit-VII	Stress amongst Managers and Leaders
	Unit-VIII	Stress Management Strategies
Block-III		Quality of Work Life
	Unit-IX	Stress and Yoga
	Unit-X	Strategies for Work Place Diversity
	Unit-XI	Quality of Work Life
	Unit-XII	Strategies for Work Life balance
Block-IV		Crisis Management
	Unit-XIII	Crisis Management: An Introduction
	Unit-XIV	Crisis Planning and Training
	Unit-XV	Crisis Management Tools for Managers
	Unit-XVI	Moral and Cultural Issues in Crisis Management

Course 6- HVBE-6 Environmental Ethics

Block-I		Environmental Ethics: An Introduction
	Unit-I	Environmental Ethics: An Introduction
	Unit-II	Theories of Environmental Ethics
	Unit-III	Introduction to Deep Ecology
	Unit-IV	Environment Racism and Environmental rights
Block-II		Environmental Ethics and Sustainability
	Unit-V	Environmental Ethics and Sustainability
	Unit-VI	Environmental Justice
	Unit-VII	Ethical Perspectives on Global Warming
	Unit-VIII	Ecotheology & Green Religion/ Environmental Aesthetics
Block-III		Green Management
	Unit-IX	Green Marketing
	Unit-X	Green Finance
	Unit-XI	Green HRM
	Unit-XII	Green Manufacturing
	Unit-XIII	Green Initiatives in other functional areas of Management

[Signature]

[Signature]

[Signature]
15/9/17

[Signature]

कुल लक्ष्मि
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
द्वारका (भैरौनाथ)

Programme Project Report (PPR)
School of Journalism and Media Studies
PG Diploma in Journalism and Mass Communication

- (a) **Programme's Mission and Objective:** The main objective of the PGD in Journalism and Mass Communication is to provide its learners a wider understanding of journalism and communication media. The programme emphasizes on the skill development of the students and also provides them theoretical base of the subject.
- (b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals-** The PGD in Journalism and Mass Communication has all the relevance with the HEI's mission and Goals.
- (c) **Nature of Prospective target group of learners:** The target groups are individuals who have acquired a graduate degree in any subjects and or related fields from accredited Institutions. The learners are from diverse backgrounds of the society.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance learning mode to acquire specific skills and competence-** The PGD in Journalism and Mass Communication is the systematic study of theory and praxis of Journalism and Mass Communication. The course offers to study the global trends of media including regional development of the subject. The students have to participate in a 4 days' intensive workshop in every semester.
- (e) **Instructional Design:** The School of Journalism and Media Studies has developed courses after rigorous academic exercises. The syllabus first passed and discussed by the experts invited from the top most institutions and university of the country and finally curriculum was developed keeping in mind the objectives of ODL. The Curriculum in each paper is divided in blocks and further divided into units. The Units consists of many small chunks so that the learner could easily understand the subject. The unit introduces the theme of learning then the objectives of the theme are clarified and the theme is provided in small segments. To check progress of the learner small exercises are given at the end of the units. The Self Learning Material (SLM) is developed with the help of best possible SLM


कुल सचिव
संस्कृत विश्वविद्यालय

development approaches. The students also produce audio and video programs in the EMPC of the university. Each of the students has to complete a dissertation at end of the semester.

The course structure of PGD in Journalism and Mass Communication is given below:

P.G. Diploma in Journalism & Mass Communication

PGDJMC-17

Credits-32

PROGRAMME STRUCTURE			
Course Code	Course Name	Credits	Total Marks (Th./Assign.)
SEMESTER I			
JMC-01	History of Journalism & Contemporary Perspective	04	100(80/20)
JMC-02	Communication : Principles, Process, Concept & Model	04	100(80/20)
JMC-03	Indian Press Laws and Salient Features of Indian Constitution	04	100(80/20)
JMC-04	News : Definition, Concept and Reporting	04	100(80/20)
SEMESTER II			


कुल सचिव

JMC-05	Editing, Printing & Production	04	100(80/20)
JMC-06	Advertising and Public Relations	04	100(80/20)
JMC-07	Broadcast and New Media (T.V., Radio, Film & Cyber Media)	04	100(80/20)
JMC-08	Project Report (for working c)/ One month's Internship in a Reputed Media Organization (for non- journalists) & Viva-Voce	04	100

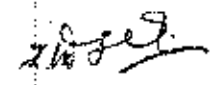
(f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation:** The admissions for the programme are opened in the winter and summer sessions each year. The minimum eligibility for admission in MAJMC is Graduation in any stream. Total fee for the first year is Rs.3750/- and Rs.4050/- for the second year. The printed learning material is sent to the learners by the University. The soft copy of the material is up loaded in the website of the university as well. The learner's progress is assessed with the help of the assignments. The assignments of the learners are evaluated in the study centers as well as by the faculty.

(g) **Requirement of laboratory support and Library Resources:** The University has an Electronic Media Production Centre for the practical works of the students. The community radio, Hello Haldwani, is also useful for the student to produce the audio programs. The University has a fully equipped ICT department which is helpful in the area of new media learning. The main library of the university is a good help for the students.

(h) **Cost estimate of the programme and the provision:** The estimated amount would be around Rs. 20 lakh for the development of M.A. in Journalism and Mass Communication programme.


मुख्य सचिव

- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcome:** The School of Journalism and Media Studies reviews the course time and again by organizing the Expert Committee and Board of Studies meetings. The school also follows the standards established for subject by the UGC.



मुख्य अधिकारी
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
देहरादून (केंद्र)

Title of Programme: Post Graduate Diploma in Marketing Management (PGDMM)

I. Programme's Mission & Objectives

The objective of the Programme is to cater to the requirements of the individuals who wish to pursue their studies in the field of marketing and to inculcate relevant competencies for various stages of their marketing career and to enhance their skills needed to be an effective and vibrant marketing professionals.

II. Relevance of the program with HEI's Mission and Goals:

The programme aims to provide knowledge of concepts, strategies and issues involved in the marketing of products and services. The programme tries to enhance the understanding of Consumer Behavior, Marketing Research, Supply Chain Management.

The Post Graduate Diploma in Marketing Management is a program developed specifically to help aspiring marketing professionals and those already in the field with the technical and creative know-how to craft a superior communication message. The course also emphasizes on the need to interact with vendors to deliver on a brief and offer out-of-the-box solutions, dynamic realities of the market place while emphasizing on consumer behavior, market research and other elements of marketing and sales management

III. Nature of prospective target group of learners:

The programme shall also be useful for the professionals who want to advance and improve in their current job profile. Further, the advantage of work experience in the related discipline shall give them an edge in knowledge about the field. The target learners shall be the persons with one year experience in the marketing and who are interested in pursuing career in the area of sales and marketing.

Accordingly, the target learners of the programme are;

- Early- and mid-career professionals working in the areas of sales/marketing/marketing research/customer relations.
- Sales Personnel
- Persons working in Advertising Agencies.
- Persons working in Supply chain and Logistics Departments.
- Professionals working in the Marketing Research Agencies.

IV. Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

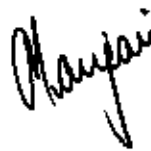
The programme provides knowledge and skills of exercising marketing strategies by the professionals thereby contributing in the development of organization. Therefore, adequate attention is also paid to the application of knowledge, self awareness among learners and development of problem solving, and decision making skills. For appropriateness of the PGDMM offered in the ODL mode it is ensured that curriculum has all components of Sales, Marketing, Consumer Behavior, Sales and Distribution Management, that is important for practice of the Professionals. To give insight about global practices in Marketing Management, International Marketing Management is also included as a course in the curriculum. Further, for ensuring suitability to ODL System; eligibility criteria, admission procedures, duration and evaluation are also considered to make the programme relevant for the purpose.



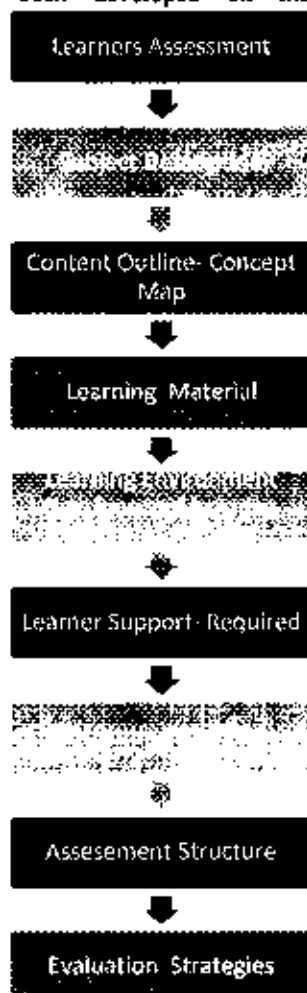
V. Instructional Design :

Instructional design is a scientific system that includes the principles of the effective design and implementation of a programme. In distance learning, instructional design has its own relevance. The successful distance learning design incorporates the unique learning requirements of adult learners. Prior to the development of the courses, curriculum assessment has been done and access devices and pedagogical tools have been applied for making curriculum. The contents of each course are divided into Blocks and Units. The entire study material is divided into small and manageable booklets to facilitate distance learners. For self assessment of learners Self Check Exercises are provided to recapitulate, consolidate and evaluate what they have learnt so far before moving on to the next stage. Further, various theories and models are referred for designing effective instructional events, some are specified as under;

- Learning objectives
- Self Check Exercises with Answers
- Reinforcing activities
- Small chunks of learning through learning modules.
- Modular Structure
- Statement of Objectives
- Indepth learning
- Hint Answers
- References
- Real World Contexts/Cases
- Real World Examples
- Self Appraisal Exercises
- School's Blog for enhanced learning



The programme has been developed on the basis of the following sequential steps:



VI. Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

Admission

Applicants may take admission directly in Post Graduate Diploma in Marketing Management, i.e., without appearing in Entrance Test.

Eligibility	Duration (Yrs)		SILM	Mode of Exam (Annual /Sem)	Year/ Sem	Programme	Project/ Workshop	Exam	Practical	Viva-Voce	Identity Card	Learner Welfare	Degree Fee	Grand Total
	Min	Max												
50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further	1	3	English	SEMESTER	-	8000	-	450	-	-	50	100	-	8,600

Chang

those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).					II			450					300	750

Curriculum Transaction

The programme consist of 6 courses in all .Each course comprises of six credits. The total credits of the programme are 36.

First Semester

Marketing

- Marketing Research- MS-501
- Advertising and Sales Promotion- MS-502
- Consumer Behaviour- MS-503

Second Semester

Any three shall be selected by learners

- International Marketing- MS-504
- Services Marketing- MS-505
- Supply Chain Management- MS-506
- Rural Marketing- MS-507
- Sales and Distribution Management MS-508
- Industrial Marketing- MS-509
- Brand Management MS-510

Evaluation

Learners are evaluated on the basis of term end examination and one assignment per course. The assignment is submitted to the concerned learner support centre. The components of evaluation for each course include the following:

- a. Assignments 20 % weightage
- b. End-term examination 80 % weightage

VII. Requirements of the laboratory support and Library Resources:




A well equipped library having sufficient number of books and resource material to supplement the learners and faculty requirements are needed. Further, for the programme it is essential that every study centres should have sufficient computers with proper internet connectivity to support learners requiring IT facilities.

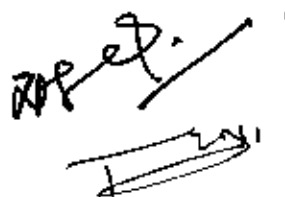
VIII. Cost estimate of the programme and the provisions:

Cost Estimation		
Particulars	Details	Amount (in Rs.)
INSTRUCTIONAL SERVICES		
Development of In-house SLM	Payment to course writers	1610000
	Payment to Editors	702000
	Total Cost	2312000

IX. Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :

The Department reviews its programme time to time through its expert committee, Board of Studies meetings to enhance the standard of its curriculum and instructional design. The Board of Studies and Expert Committee comprise of renowned academicians and Practitioners who design, review and give insights to update the course curriculum and study material.





POST GRADUATE DIPLOMA IN MARKETING MANAGEMENT

SEMESTER 1ST

Course Name: Marketing Research

Course Code-MS501

Course Credits: 6

Course Objective: The course is designed to inculcate the analytical abilities and research skills among the students in the field of marketing.

Block I Introduction to Marketing Research

Unit I Introduction to Marketing Research

Unit II Types of Marketing Research

Unit III Marketing Research Industry in India

Unit IV Marketing Research Process

Unit V Marketing Research Problem

Block II Research Design and Formulation

Unit VI Research Design

Unit VII Exploratory Research Design

Unit VIII Descriptive Research Design

Unit IX Casual Research Design

Unit X Attitude Measurement and Scaling

Unit XI Quantitative Judgement Methods

Block III Data Collection and Sampling

Unit XII Information Needs

Unit XIII Primary Methods of Data Collection

Unit XIV Sampling: Design and Procedures

Unit XV Sampling Distribution

Unit XVI Determination of Sample Size and Testing of Hypothesis

Block IV Data Analysis, Interpretation and Presentation

Unit XVII Data Processing and Application of test

Unit XVIII Data Analysis and Interpretation

Unit XIX Analytical Techniques in Marketing Research

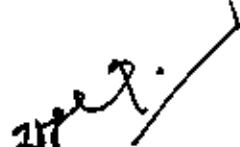
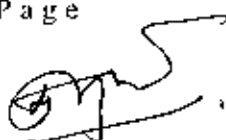
Unit XX Research Report Preparation & Presentation.

Unit XXI International Marketing Research

Unit XXII Ethics in Marketing Research

Suggested Readings:

1. Churchill, Marketing Research: Methodological Foundations, Cengage Learning, 2007
1. Zikmund, Essentials of Marketing Research, Cengage Learning, 2007
2. "Donald.R.Cooper and Pamela.S.Schindler", Marketing Research Concept & Cases, TMH, 2006.
3. "Aaker , Kumar and Day", Marketing Research, 7th edition, Johnwiley, 2005.



4. "G.C.Beri", Marketing Research, TMH, 2008.
5. "S.Shajahan", Marketing Research Concepts & Practices in India, Macmillan, 2004.
6. "David.J.Lick and Donald.S.Rubin", Marketing Research, 7th edition, PHI, 2007.
7. "Naresh.K.Machotra", Marketing Research-An Applied Orientation, PHI, 2007.
- "Parasuraman, Dhruv Grewal and R.Krishnan", Marketing Research, Biztantra, 2007.

Course Name: Advertising and Sales Promotion

Course Code-MS502

Course Credits: 6

Course Objective: This course aims at providing the students the understanding of advertising and sales promotion techniques for their effective application.

Block I Introduction to Advertising Concepts

Unit I Introduction to Advertising

Unit II Advertising and Society

Unit III Advertising & the Marketing Process

Unit IV Various forms of Advertising

Unit V Advertising: Curse or Catalyst

Block II Advertising Planning and Strategy

Unit VI Advertising Business: Agencies and Client Relationship

Unit VII Advertising Planning and Strategy

Unit VIII Media Planning and Buying

Unit IX Creative side of Advertising

Unit X Consumer Behaviour and Advertising

Unit XI Evaluation of Advertising Effectiveness

Block III Issues in Advertising

Unit XII Advertising Budgeting

Unit XIII Outdoor, Transit, Local and Non-Commercial Advertising

Unit XIV Campaign Planning and Globalisation in Advertising

Unit XV Media Evaluation

Block IV Sales Promotion

Unit XVI Sales Promotion

Unit XVII Types and Techniques of Sales Promotion

Unit XVIII Relationship between Sales Promotion and Advertising

Unit XIX Promotional Strategies

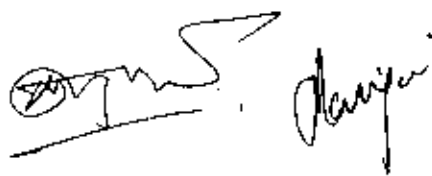
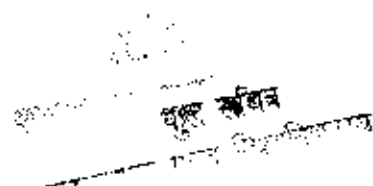
Unit XX Sales Promotion Budget

Unit XXI Public Relations and Personal Selling in context to Advertising and Sales Promotion

Unit XXII Sales Promotion Design Issues

Suggested Readings:

1. Kenneth Clow, Donald Baack, "Integrated Advertisements, Promotion and Marketing communication", Prentice Hall of India, New Delhi, 2003.
2. S.H.H.Kazmi, Satish K Batra, "Advertising & Sales Promotion", Excel Books, New Delhi, 2001.

3. George E Belch, Michel A Belch, "Advertising & Promotion", McGraw Hill, Singapore, 1998.
4. Julian Cummings, "Sales Promotion", Kogan Page, London 1998.
E.Betch and Michael, Advertising and Promotion, MC. Graw Hill

Course Name: CONSUMER BEHAVIOUR

Course Code: MS 503

Course Objective: The basic objective of this course is to develop an understanding about the consumer decision making process and its applications in marketing function of firms.

Block I: Understanding of Consumer Behaviour.

Unit I: Consumer Behavior- An Introduction

Consumer Behavior: Definition, Concept, Scope, Application, Importance, Evolution of consumer behavior and its application in marketing decisions.

Unit II: Consumer Behavior and Marketing Strategy.

Unit III: Market Segmentation in context of Consumer Behaviour.

Unit IV: Consumer Research: Types and Process.

Unit V: Consumer Behaviour Practices in India.

Block II: Individual Determinant of Consumer Behaviour.

Unit VI: Consumer Motivation and Values.

Unit VII: Personality and Consumer Behaviour.

Unit VIII: Consumer Perception.

Unit IX: Consumer Learning.

Unit X: Consumer Attitude Formation and Change.

Unit XI: Psychological Influences on Consumer Behaviour.

Block III: External Determinant of Consumer Behaviour.

Unit XII: Social Class influence on Consumer Behaviour.

Unit XIII: Communication and Persuasion.

Unit XIV: Cultural Influence.

Unit XV: Sub-Cultural and Cross-Cultural Influence.

Unit XVI: Public Policy and Consumer Advocacy in context of Consumer Behaviour.

Unit XVII: Models of Consumer Behaviour: Industrial Buying and Individual Buying.

Block IV: CRM and Consumer Decision Making.

XVIII: Consumer Behaviour Audit.

XIX: Diffusion of Innovation and Opinion Leadership.

XX: Consumer Decision Process.

XXI: CRM and e-CRM.

XXII: Developing CRM Strategy.

XXIII: CRM Building: Infrastructure, Information Process and Technology.

Suggested Readings:

1. Leon G. Schiffman, Leslie Lazar Kanuk, "Consumer Behaviour", Pearson Education, New Delhi, 2002.
2. David L.Loudon, Albert J Della Bitta, "Consumer Behaviour", McGraw Hill, New Delhi 2002.

3. Jay D. Lindquist and M. Joseph Sirgy, "Shopper, buyer & consumer Behaviour, Theory and Marketing application", Biztantra Publication, New Delhi 2005.
4. Sheth Mittal, "Consumer Behaviour A Managerial Perspective", Thomson Asia (P) Ltd., Singapore, 2003.
5. K.K. Srivastava, "Consumer Behaviour in Indian Context", Goal Gotia Publishing Co, New Delhi 2002.
6. S.L. Gupta & Sumitra Pal, "Consumer Behaviour an Indian Perspective", Sultan Chand, New Delhi 2001.
7. Ms. Raju, Dominique Xavedel, "Consumer behaviour, Concepts Applications and Cases", Vikas publishing house (P) Ltd., New Delhi – 2004.
8. Henry Assael, Consumer behaviour strategic approach Biztantra, New Delhi, 2005.

SEMESTER 2ND

Course Name- International Marketing

Course Code- MS 504

Course Credits: 6

Course Objective: The markets have now crossed the national boundaries it has become important specially for a developing country like India. The major objective of this course is to provide an exposure to the students to the area of Marketing in the International perspective.

BLOCK I CONCEPTS OF INTERNATIONAL MARKETING

Unit I International Marketing: Concept and Process

Nature, Scope, Dimension, Foreign Market Entry and Benefits of IM

Unit II Theories of International Trade and their application in IM

Unit III International Marketing Environment

Unit IV International Market Intelligence

Unit V Potential Market Assessment and Entry Strategies.

BLOCK II INTERNATIONAL MARKETING MIX

Unit VI International Product Policy

Unit VII International Pricing strategy

Unit VIII Global Distribution

Unit IX International Branding Strategy

Unit X International Promotion Strategies and Packaging Policies.

Unit XI International Market Segmentation

BLOCK III INTERNATIONAL ORGANIZATION & POLICIES

Unit XII International Organizations: WTO, IMF, UNCTAD, ASEAN

Unit XIII International Marketing Issues and Dispute Settlement Body

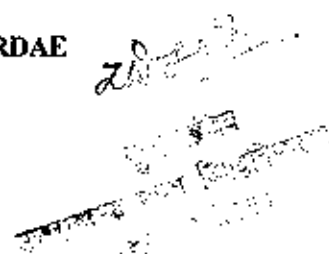
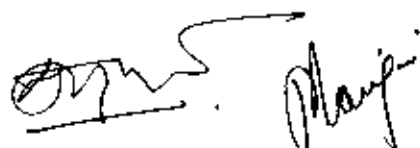
Unit XIV International Logistics and Emerging Issues

Unit XV Export Promotion Policies of India

Unit XVI SEZ and their Implications

Unit XVII Tariff and Non-tariff Barriers and Emerging Issues

BLOCK IV INTERNATIONAL MARKETING AND FOREIGN TRADE



Unit XVIII	India Foreign Trade Policy
Unit XIX	India's Foreign Trade and its Composition
Unit XX	Globalization and India - Post Liberalization, India's Competitive Advantage,
Unit XXI	Exports Procedures and Documentation
Unit XXII	International Sales Contract
Unit XXIII	International Commercial Terms & Trade in Services.
Unit XXIV	The Future of Global Marketing

Suggested Readings

1. Bhattacharya, B., "Export Marketing, Strategies for Success", Global Business Press, New Delhi.
2. India, Ministry of Commerce, "Import/Export Policy".
3. Indian Institute of Foreign Trade, "Cases in International Marketing: Indian Experience", IIFT., New Delhi.
4. Indian Institute of Foreign Trade and International Trade Centre, Geneva, "Commodity Market Surveys".
5. Johri, Lalit M., "International Marketing: Strategies for Success".
6. Varshney and Bhattacharya : International Marketing management.

Course Name- Service Marketing

Course Code- MS 505

Course Credits: 6

Course Objective: The emergence of tertiary sector calls for better understanding of services development and delivery. This paper aims at providing the students the intricacies process of services marketing.

BLOCK I SERVICE MARKETING

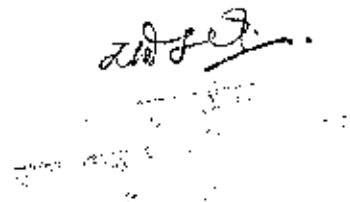
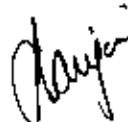
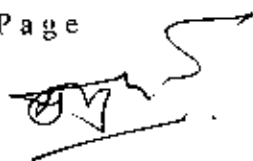
- Unit I Marketing of Services: An Introduction
- Unit II Managing Demand for Services
- Unit III Different Aspects of Yield Management
- Unit IV Understanding the Framework for Services Marketing Management.
- Unit V Positioning and Focusing

BLOCK II STRATEGIC ISSUES OF SERVICES MARKETING

- Unit VI Knowledge of Buyer Behaviour in Services
- Unit VII Customer Expectation and Customer Groups
- Unit VIII Customer Perception and the Service Quality
- Unit IX Customer Relationship
- Unit X Service Guarantee and Service Recovery

BLOCK III TOOLS FOR SERVICE MARKETERS

- Unit XI Creating, Delivering and Service Development Design
- Unit XII Understanding the Customer Defined Services Standards
- Unit XIII Physical Evidence and Process in Services Marketing
- Unit XIV Focus on Employees' role and Empowerment of Services
- Unit XV Customer's Role in Service Delivery



BLOCK IV MARKETING OF FINANCIAL SERVICES

- Unit XVI** Marketing of financial services, Banking, Financial Institutions
- Unit XVII** Communication & Information Service Marketing-Telecom, Computer, Courier
- Unit XVIII** Globalization of Marketing of Services
- Unit XIX** Marketing of Health Services, Hospitality Services including Travel, Hotels and Tourism
- Unit XX** Strategic marketing management for services
- Unit XXI** Internal Marketing of a Service - External versus Internal Orientation of Service Strategy
- Unit XXII** Service Quality and Issues
- Unit XXIII** Emerging Trends of Service marketing and role of internet

Suggested Readings:

1. Kenneth E Clow, et. al "Services Marketing Operation Management and Strategy" Biztantra, New Delhi, 2004.
2. Christopher H.Lovelock, Jochen Wirtz, "Services Marketing", Pearson Education, New Delhi, 2004.
3. Halen Woodroffe, "Services Marketing", McMillan Publishing Co, New Delhi 2003.
4. Nimit Chowdhary and Monika Choudhary, "Text book of Marketing of Services", the Indian experience, MacMillan Publishing Co, New Delhi, 2005.
5. Christian Gronroos, "Services Management and Marketing a 'CRM Approach", John Wiley and sons England 2001.
6. Bhattacharjee, "Services Management, An Indian Respective" Jaico Publishing House, Chennai, 2005.

Course Name- Supply Chain Management

Course Code- MS 506

Course Credits: 6

Course Objective: The course aims to provide the student the in-depth knowledge of logistics and supply chain management so as to help in tackling the related business problems develop efficiency.

BLOCK I INTRODUCTION TO SUPPLY CHAIN MANAGEMENT

- Unit I** Introduction, Supply Chain, Importance, Process, Objectives
- Unit II** Supply Chain Performance
- Unit III** Supply Chain Drivers and Metrics
- Unit IV** Distribution Network in Supply Chain
- Unit V** Network Design in the Supply Chain

BLOCK II DEMAND AND SUPPLY IN SUPPLY CHAIN

- Unit VI** Global Supply Chain & Uncertainties in Practices.
- Unit VII** Demand Forecasting in Supply Chain
- Unit VIII** Aggregate Planning in Supply Chain
- Unit IX** Planning Supply and Demand in a Supply Chain
- Unit X** Co-ordination in Supply Chain.

BLOCK III PLANNING AND MANAGING INVENTORIES

- Unit XI** Economies of Scale in a Supply Chain: Cycle Inventory

- Unit XII Safety Inventory Management
- Unit XIII Level of Product Availability
- Unit XIV Transportation in Supply Chain
- Unit XV Sourcing Decision in Supply Chain

BLOCK IV MANAGING CROSS FUNCTIONAL DRIVERS IN SCM

- Unit XVI Pricing and Revenue Management in a Supply Chain
- Unit XVII Information Technology in a Supply Chain, Coordination in a Supply Chain
- Unit XVIII Demand Management and Customer Service
- Unit XIX Internet Technologies and Electronic Commerce in SCM
- Unit XX E-business and Supply Chain
- Unit XXI Financial evaluation of Supply Chain Decisions

Suggested Readings:

1. Sunil Chopra and Peter Meindi, Supply Chain Management-Strategy Planning and Operation, Pearson Education, Third Indian Reprint, 2004.
2. Monezka et al., Purchasing and Supply Chain Management, Thomson Learning, Second edition, Second Reprint, 2002.
3. Altekar Rahul V, Supply Chain Management-Concept and Cases, Prentice Hall India, 2005.
4. Shapiro Jeremy F, Modeling the Supply Chain, Thomson Learning, Second Reprint, 2002.
5. Ballou Ronald H, Business Logistics and Supply Chain Management, Pearson Education, Second Indian Reprint, 2004.
6. Sople Vinod V, Logistics Management – The Supply Chain Imperative, Pearson Education, Indian Reprint 2004.
7. Ailawadi C Sathish & Rakesh Singh, Logistics Management, Prentice Hall India, 2005.
8. Coyle et al., The Management of Business Logistics, Thomson Learning, 7th Edition, 2004.
9. Bowersox Donald J, Logistical Management – The Integrated Supply Chain Process Tata McGraw Hill, 2000.
10. Bloomberg David J et al., Logistics, Prentice Hall India, 2005.

Course Name- Rural Marketing

Course Code- MS 507

Course Credits: 6

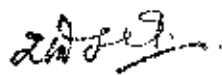
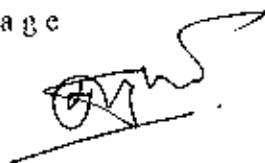
Course Objective: The strong emergence of rural markets has made every company to focus there. This course aims at providing the students the understanding of rural markets and consumers so that they can exploit them in a better way.

BLOCK I INTRODUCTION TO RURAL MARKETING

- Unit I Rural Marketing (Concept, Scope, Significance)
- Unit II Classification of rural markets
- Unit III Rural marketing environment
- Unit IV Rural Market Profile
- Unit V Constraints in Rural Marketing and strategy
- Unit VI Rural Market Behavior

BLOCK II RURAL MARKETING MIX & SEGMENTATION

- Unit VII Demand and Supply in Rural Market



कुल सं. 10
उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
15/05/2024

- Unit VIII Rural Market Segmentation
- Unit IX Product Classification in rural market and segmentation
- Unit X Marketing Mix for Rural Marketing
- Unit XI Branding Strategy in Rural Market
- Unit XII Product Lifecycle in Rural Market and New Product Development

BLOCK III CONSUMER BEHAVIOUR AND DISTRIBUTION

- Unit XIII Consumer Behavior in Rural Markets
- Unit XIV Consumer Behavior Theories and their Application in Rural Market
- Unit XV Channels of Distribution
- Unit XVI Channels Management in rural market
- Unit XVII Sales Management in rural market
- Unit XVIII Sales force management in rural markets

BLOCK IV COMMUNICATION IN RURAL MARKET

- Unit XIX Marketing Communication in Rural Markets
- Unit XX Advertising and Sales promotion
- Unit XXI SHG Linkage
- Unit XXII Rural Industry
- Unit XXIII Issues in Rural Markets
- Unit XXIV Role of Government and NGOs in Rural Marketing
- Unit XXV The Future of Rural Marketing

Suggested Readings:

1. Pradeep Kashyap and Siddhartha Raut, "The Rural Marketing", Biztantra, New Delhi, 2004.
2. Ram Kishen, "New Perspectives in Rural and Agricultural Marketing", Jaico Publishing House, Mumbai 2005.
3. Krishnamachariyula, "Rural Marketing text of cases", Person Education, 2002.
4. Krishnamachariyula, "Cases in Rural Marketing", Person Education, 2003.

Course Name- Sales and Distribution Management

Course Code- MS 508

Course Credits: 6

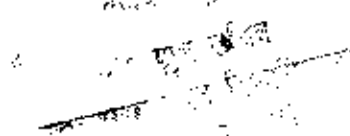
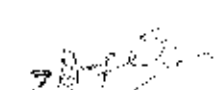
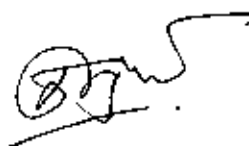
Course Objective: The objective of this course is to provide an extensive knowledge about sales function as well as the intricacies of the distribution mechanics of goods and services to the students.

BLOCK I SALES MANAGEMENT

- Unit I Introduction to Sales Management
- Unit II Personal Selling
- Unit III Goals and Process of Sales Management
- Unit IV Sales Forecasting
- Unit V Sales Territories and Sales Quota
- Unit VI Sales Force Management

BLOCK II SALES ORGANIZATION

- Unit VII Sales Organization and its Types
- Unit VIII Recruitment and Selection & Training of Sales Force



- Unit IX Motivating the Sales Force and Compensation
- Unit X Sales Meetings
- Unit XI Sales Contests, Evaluation and Analysis
- Unit XII Sales control and cost analysis
- Unit XIII Marketing Intermediaries

BLOCK III DISTRIBUTION

- Unit XIV Distribution Channel
- Unit XV Kinds of Channels
- Unit XVI Selection of Channels & Distributors
- Unit XVII Wholesalers: Classifications, Distributors/Dealers/Stockiest – Trends
- Unit XVIII Channels Conflicts and Resolution
- Unit XIX Management of Marketing Channels

BLOCK IV MANAGEMENT OF CHANNELS

- Unit XX Warehousing
- Unit XXI Channel Profitability Analysis
- Unit XXII Rural Distribution
- Unit XXIII Retailing
- Unit XXIV Inventory Management in Sales and Distribution
- Unit XXV Market Logistics

Suggested Readings:

1. Richard R. Still, Edward W. Cundiff, Norman A.P. Goveni, Sales Management
2. Decisions, Strategies & Cases, Prentice Hall, 5th Edition, 2005.
3. Charles M. Futrell, Sales Management, Team work, Leadership and
4. Technology, Thomson learning, South Western, Sixth Edition, 2003.
5. Fundamentals of Sales Management, Ramneek Kapoor, Mac Millan India Pvt Ltd.
6. Salesmanship & Sales Management, P.K.Sahu, K.C.Raut, Vikas Publications, Third Revised Edition.
7. Sales Management: A Global Perspective, Earl D. Honeycutt, John B. Ford, Antonis C. Simintiras, Routledge Publisher.
8. Market & Sales Forecasting, Gordon Bolt, Crest Publishing House.

Course Name- Industrial Marketing

Course Code- ~~MS 509~~ **MS 309**

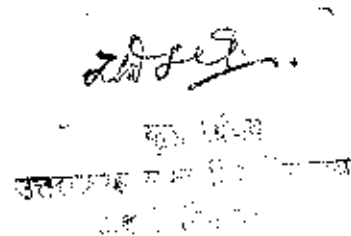
Course Credits: 6

Course Objective: To acquaint the students with planning, technique and organization of Industrial Marketing

BLOCK I INTRODUCTION TO INDUSTRIAL MARKETING

- Unit I Introduction, Nature, Scope, Industrial Marketing vs. Consumer Marketing, Industrial Demand and Customer
- Unit II Types of Industrial Products and Industrial services
- Unit III Strategic Marketing planning





Unit IV Industrial Marketing Mix

Unit V Organizational Buying and Buyer Behavior

BLOCK II INDUSTRIAL MARKETING MIX

Unit VI Industrial Product Management

Unit VII Industrial Product Pricing Decisions

Unit VIII Buyer-Seller Relationships

Unit IX Industrial Marketing Research

Unit X Market Segmentation, Targeting and Positioning

Unit XI Emerging Trends in Industrial Marketing

BLOCK III INDUSTRIAL PROMOTION AND BUYER BEHAVIOUR

Unit XII Promotion Strategies for Industrial Goods / Services

Unit XIII Sales management in Industrial Marketing

Unit XIV Sales promotion technique in Industrial Marketing

Unit XV Buyer Behaviour Models in Industrial Goods and Services

Unit XVI Factors affecting Buyer Behaviour in Industrial Marketing

Unit XVII Standard Industrial Products and Services

BLOCK IV INDUSTRIAL MARKETING AND ITS INTERNATIONAL SCENARIO

Unit XVIII Industrial Business Marketing Logistics

Unit XIX Industrial Marketing Information System

Unit XX Business Networks and Technology

Unit XXI Ethics in Industrial Marketing

Unit XXII International Industrial Marketing

Unit XXIII E-Business in Industrial Marketing

Books Recommended:

1. Industrial Marketing – Hill, Alexander, Cross
2. Industrial Marketing – Analysis, Planning and Control – Reeder, Brierty, Reeder
3. Industrial Marketing – P K Ghosh
4. Industrial Marketing – Hawaldar Johri, Lalit M., "International Marketing: Strategies for Success"

Course Name- Brand Management

Course Code- MBA 510

Course Crédits: 6

Course Objective: To acquaint the students with planning, technique and branding strategies of the organization

BLOCK I BRAND MANAGEMENT

Unit I Product Management

Unit II Product Development

Unit III New product development

Unit IV Market Potential & Sales Forecasting

Unit V Brand Management & Brand v/s Product.

BLOCK II BRAND EVOLUTION

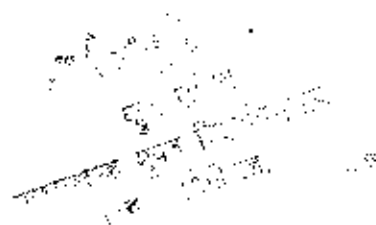
Unit VI Brand Evolution

Unit VII Brand and Consumers

Unit VIII Brand Equity

Unit IX Brand Positioning & Brand Building

Unit X Brand portfolios



Unit XI Brand inside and Brand outside

BLOCK III BRANDING DECISIONS

Unit XII Brand Extension

Unit XIII Brand and Firms

Unit XIV Branding Strategies

Unit XV Brand Value chain

Unit XVI Brand Personality and Brand Imitation

Unit XVII Corporate Branding

BLOCK IV GLOBAL BRANDING

Unit XVIII Brand Reinforcement Brand Revitalization and Brand Crisis

Unit XIX Brand Over the time and Brand Performance

Unit XX Brand Valuation, Brand Audits and Brand Tracking

Unit XXI Global branding

Unit XXII Consumer Brand Knowledge

Unit XXIII New trends in Brand Management in India

Books Recommended:-

1. Product management – Donal R. Lehmann, Russel S. Winer
2. Strategic Brand Management – Kevin Lane Keller
3. Branding Concepts & Process – Debashish Pati
4. Marketing Management – Philip Kotler
5. Successful Branding – Pran K Choudhary
6. Brand Positioning Strategies for Competitive Advantage -Subrato Sen Gupta
7. Strategic Brand Management -Caperer
8. Behind Powerful Brands – Jones

Maya

adger

adger

